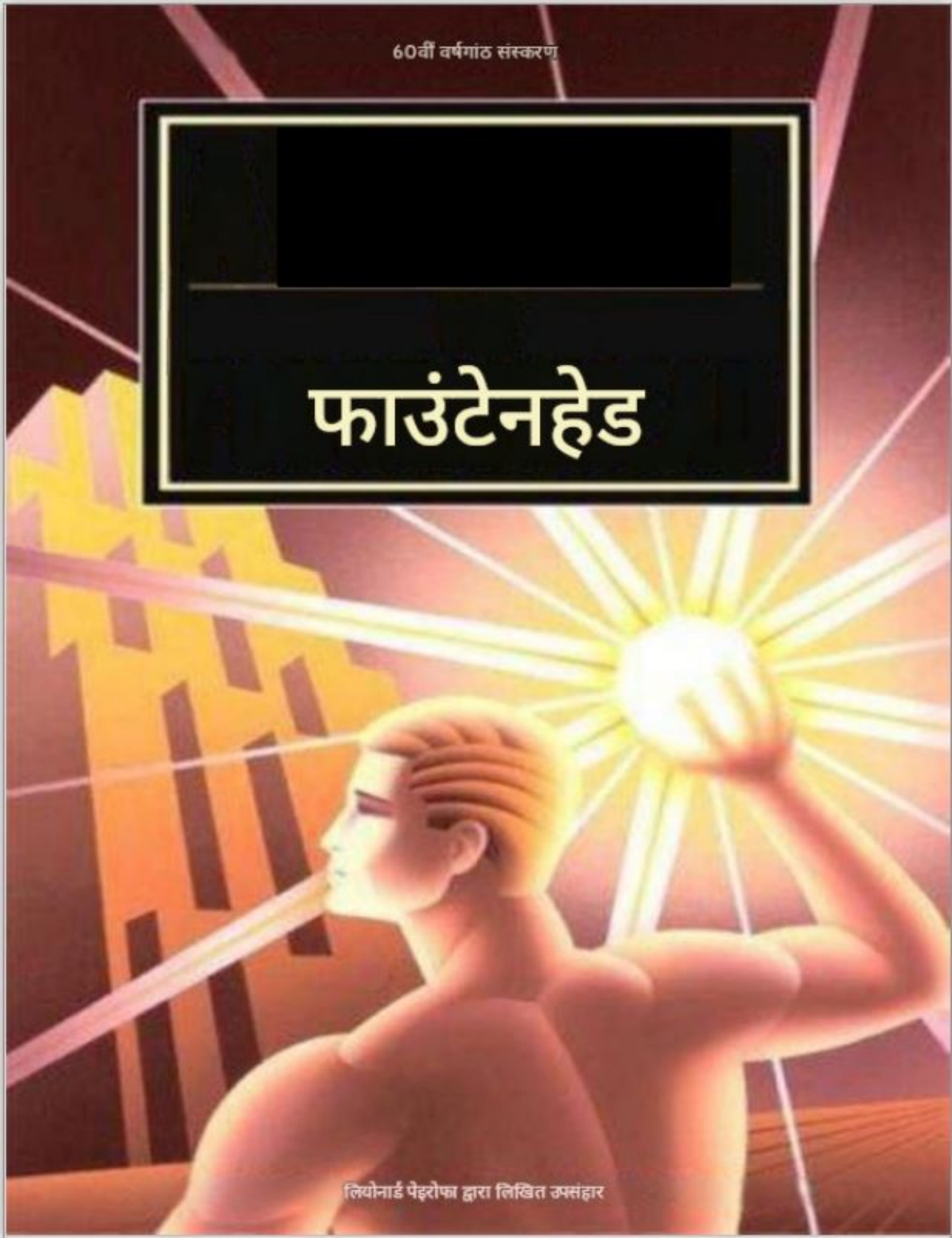
60वीं वर्षगांठ संस्करण

फाउंटेनहेड

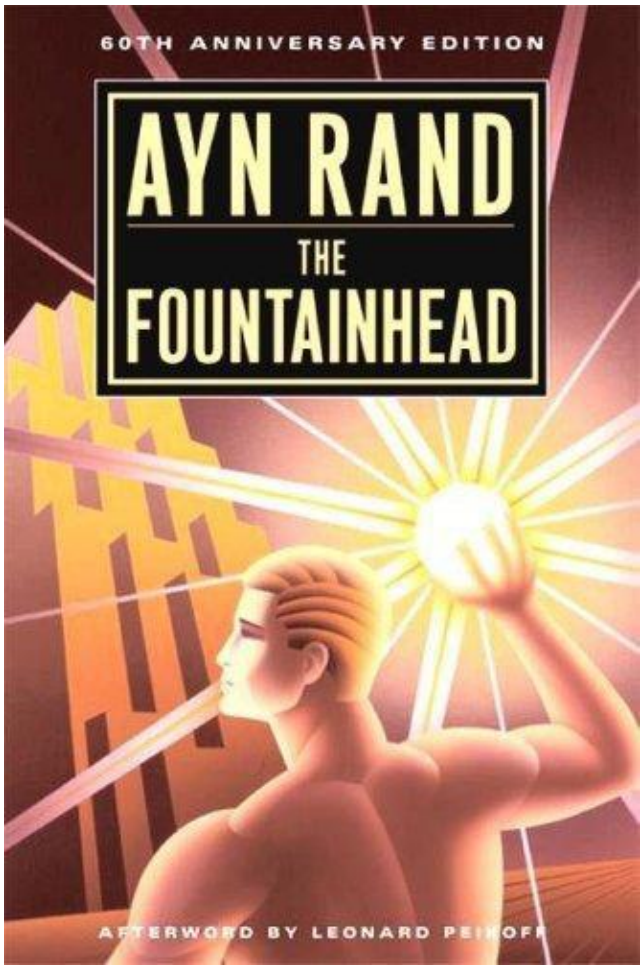


लियोनार्ड पेइकोफ द्वारा लिखित उपसंहार

Table of Contents

शीर्षक पेज
कॉपीराइट पृष्ठ
समर्पण
परिचय
भाग ---- पहला
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
एक्स
ग्यारहवीं
बारहवीं
तेरहवें
XIV
XV
भाग 2
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
एक्स
ग्यारहवीं
बारहवीं
तेरहवें
XIV
XV
भाग 3
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी

सातवीं
आठवीं
नौवीं
भाग 4
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
एक्स
ग्यारहवीं
बारहवीं
तेरहवें
XIV
XV
सोलह
सत्रहवीं
अठारहवीं
उन्नीसवीं
XX
अंतभाषण



विषयसूची
शीर्षक पेज
कॉपीराइट पृष्ठ
समर्पण
परिचय
भाग ---- पहला
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
एक्स
ग्यारहवीं
बारहवीं
तेरहवें

XIV
XV
भाग 2
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
एक्स
ग्यारहवीं
बारहवीं
तेरहवें
XIV
XV
भाग 3
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
भाग 4
मैं
द्वितीय
तृतीय
चतुर्थ
वी
छठी
सातवीं
आठवीं
नौवीं
एक्स
ग्यारहवीं
बारहवीं
तेरहवें
XIV
XV
सोलह
सत्रहवीं

अठारहवीं
उन्नीसवीं
XX
अंतर्भाषण
ऐन रैंड के लेखन
कल्पना
मानचित्रावली सिकोड़ना
फव्वारा
हम जीवित लोग
राष्ट्रगान
प्रारंभिक ऐन रैंड
16 जनवरी की रात
दर्शन
सामान्य
वस्तुनिष्ठतावाद: आयन रैंड का दर्शन, डॉ. लियोनार्ड पीकोफ़ द्वारा लिखित, आयन रैंड
लेक्सिकॉन
आयन रैंड रीडर
दर्शनशास्त्र: इसकी किसे ज़रूरत है?
तर्क की आवाज़
नए बुद्धिजीवी के लिए
डॉ. लियोनार्ड पीकोफ़ द्वारा रचित अशुभ समानताएँ
स्वार्थ का गुण
ज्ञानमीमांसा
वस्तुनिष्ठ ज्ञानमीमांसा का परिचय
राजनीति/अर्थशास्त्र
पूंजीवाद: अज्ञात आदर्श
आदिम की वापसी
कला, साहित्य और साहित्य
रोमांटिक घोषणापत्र
कथा लेखन की कला
नॉनफिक्शन की कला
ऐन रैंड की पत्रिकाएँ
ऐन रैंड के पत्र

Ayn Rand

THE FOUNTAINHEAD

With an Introduction by the Author

Afterword by Leonard Peikoff



A PLUME BOOK

REGISTERED TRADEMARK—MARCA REGISTRADA

पंख
पेंगुइन ग्रुप द्वारा प्रकाशित
पेंगुइन ग्रुप (यूएसए) इंक., 375 हडसन स्ट्रीट,
न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10014, संयुक्त राज्य अमेरिका
पेंगुइन ग्रुप (कनाडा), 10 एल्कोर्न एवेन्यू, टोरंटो, ओंटारियो M4V 3B2, कनाडा
(पियर्सन पेंगुइन कनाडा इंक. का एक प्रभाग) पेंगुइन बुक्स लिमिटेड, 80 स्ट्रैंड, लंदन

WC2R ORL, इंग्लैंड पेंगुइन आयरलैंड, 25 सेंट स्टीफंस ग्रीन, डबलिन 2, आयरलैंड (पेंगुइन बुक्स लिमिटेड का एक प्रभाग)
पेंगुइन ग्रुप (ऑस्ट्रेलिया), 250 कैम्बरवेल रोड, कैम्बरवेल, विक्टोरिया 3124, ऑस्ट्रेलिया (पियर्सन ऑस्ट्रेलिया ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड का एक प्रभाग) पेंगुइन बुक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 11 कम्युनिटी सेंटर, पंचशील पार्क, नई दिल्ली - 110 017, भारत
पेंगुइन ग्रुप (न्यूजीलैंड), एयरबोर्न और रोज़डेल रोड्स के कोने पर, अल्बानी, ऑकलैंड 1310, न्यूजीलैंड (पियर्सन न्यूजीलैंड लिमिटेड का एक प्रभाग) पेंगुइन बुक्स (दक्षिण अफ्रीका) (प्राइवेट) लिमिटेड, 24 स्टर्डी एवेन्यू, रोज़बैंक, जोहान्सबर्ग 2196, दक्षिण अफ्रीका
पेंगुइन बुक्स लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय: 80 स्ट्रैंड, लंदन WC2R ORL, इंग्लैंड। प्लम द्वारा प्रकाशित, पेंगुइन ग्रुप (यूएसए) इंक. का एक सदस्य। मूल रूप से बॉब्स-मेरिल द्वारा प्रकाशित।
प्लम पत्रिका का पहला अंक, नवंबर 1994
प्लम पत्रिका का पहला संस्करण (शताब्दी संस्करण), मई 2005
कॉपीराइट: द बॉब्स-मेरिल कंपनी, 1943; कॉपीराइट: ऐन रैंड, 1968; कॉपीराइट: ऐन रैंड द्वारा नवीनीकृत, 1971
कॉपीराइट का नवीनीकरण लियोनार्ड पेइकोफ़, पॉल गिटलिन और यूजीन विनिक द्वारा 1996 में किया गया। उपसंहार का कॉपीराइट © लियोनार्ड पेइकोफ़, 1993। सर्वाधिकार सुरक्षित।
कॉलेज या पाठ्यपुस्तक में उपयोग के लिए अनुमति संबंधी अनुरोध ऐन रैंड की संपत्ति के पते पर भेजे जाने चाहिए: बॉक्स 177, मेरे हिल स्टेशन, न्यूयॉर्क, न्यूयॉर्क 10157
सीआईपी डेटा उपलब्ध है।
ईआईएसबीएन: 978-1-101-13718-5
ऊपर उल्लिखित कॉपीराइट के अंतर्गत आरक्षित अधिकारों को सीमित किए बिना, इस प्रकाशन का कोई भी भाग कॉपीराइट स्वामी और इस पुस्तक के उपरोक्त प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग या अन्य) पुनरुत्पादित, संग्रहीत या पुनर्प्राप्ति प्रणाली में डाला या प्रसारित नहीं किया जा सकता है।
प्रकाशक का नोट
यह एक काल्पनिक रचना है। नाम, पात्र, स्थान और घटनाएँ या तो लेखक की कल्पना की उपज हैं या काल्पनिक रूप से प्रयुक्त की गई हैं, और किसी भी जीवित या मृत व्यक्ति, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, घटना या स्थान से कोई भी समानता पूरी तरह से संयोगवश है।
प्रकाशक की अनुमति के बिना इस पुस्तक को स्कैन करना, अपलोड करना और इंटरनेट या किसी अन्य माध्यम से वितरित करना अवैध है और कानून द्वारा दंडनीय है। कृपया केवल अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक संस्करण ही खरीदें और कॉपीराइट सामग्री की इलेक्ट्रॉनिक चोरी में भाग न लें या उसे बढ़ावा न दें। लेखक के अधिकारों के प्रति आपके समर्थन की सराहना की जाती है।
http://us.penguingroup.com
फ्रैंक ओ'कॉनर को
मैं वास्तुकला के महान पेशे और उसके नायकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने हमें मानव प्रतिभा की कुछ सर्वोच्च अभिव्यक्तियाँ प्रदान की हैं, फिर भी अधिकांश लोगों द्वारा अज्ञात और अनदेखे रहे हैं। साथ ही उन वास्तुकारों के प्रति भी जिन्होंने इस पुस्तक के तकनीकी मामलों में मुझे उदारतापूर्वक सहयोग दिया।

इस कहानी में वर्णित कोई भी व्यक्ति या घटना किसी वास्तविक व्यक्ति या घटना का संदर्भ नहीं है। अखबार के स्तंभों के शीर्षक मैंने स्वयं गढ़े हैं और उपन्यास के पहले मसौदे में इनका उपयोग किया है। ये शीर्षक किसी वास्तविक अखबार के स्तंभ या लेख से नहीं लिए गए हैं और न ही इनका उनसे कोई संबंध है।
रैंड में
10 मार्च, 1943
1968 संस्करण के लिए लेखक की प्रस्तावना: कई लोगों ने मुझसे पूछा है कि 'द फाउंटेनहेड' के पच्चीस वर्षों से प्रकाशित होने पर मुझे कैसा लगता है। मैं यह नहीं कह सकता कि मुझे विशेष रूप से कुछ महसूस होता है, सिवाय एक प्रकार की शांत संतुष्टि के। इस संदर्भ में, लेखन के प्रति मेरा दृष्टिकोण विक्टर ह्यूगो के इस कथन से सबसे अच्छी तरह व्यक्त होता है: "यदि कोई लेखक केवल अपने समय के लिए लिखता, तो मुझे अपनी कलम तोड़कर फेंक देनी पड़ती।"
कुछ लेखक, जिनमें मैं भी शामिल हूं, क्षणिक परिस्थितियों में न जीते, न सोचते और न लिखते हैं। उपन्यास, सही मायने में, एक महीने या एक साल में लुप्त होने के लिए नहीं लिखे जाते। आज के समय में, उनमें से अधिकांश का यही हाल है; उन्हें पत्रिकाओं की तरह लिखा और प्रकाशित किया जाता है, ताकि वे उतनी ही तेज़ी से लुप्त हो जाएं। यह आज के साहित्य का एक सबसे दुखद पहलू है, और इसकी प्रमुख सौंदर्यवादी विचारधारा पर एक स्पष्ट आरोप भी है: ठोस सीमाओं में जकड़ा हुआ, पत्रकारिता-प्रधान प्रकृतिवाद, जो अब घबराहट की अस्पष्ट ध्वनियों में अपने अंत तक पहुंच चुका है।
दीर्घायु होना—मुख्य रूप से, हालांकि पूरी तरह से नहीं—एक साहित्यिक शैली का विशेषाधिकार है जो आज लगभग अस्तित्वहीन है: रोमांटिसिज़्म। यह रोमांटिक कथा साहित्य की प्रकृति पर विस्तृत चर्चा का स्थान नहीं है, इसलिए मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं—रिकॉर्ड के लिए और उन कॉलेज छात्रों के लाभ के लिए जिन्हें इसे जानने का अवसर कभी नहीं मिला।
रोमांटिसिज़्म कला की एक वैचारिक शाखा है। यह समकालीन तुच्छ बातों से नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की शाश्वत, मौलिक और सार्वभौमिक समस्याओं और मूल्यों से संबंधित है। यह न तो रिकॉर्ड करती है और न ही फोटो खींचती है; यह सृजन और प्रस्तुति करती है। अरस्तू के शब्दों में, यह चीजों के वर्तमान स्वरूप से नहीं, बल्कि उनके संभावित स्वरूप और अपेक्षित स्वरूप से संबंधित है।
और उन लोगों के लाभ के लिए जो अपने समय के लिए प्रासंगिकता को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हैं, मैं अपने युग के संदर्भ में यह जोड़ना चाहूंगा कि ऐसा समय पहले कभी नहीं आया जब मनुष्यों को चीजों के वास्तविक स्वरूप के प्रक्षेपण की इतनी सख्त ज़रूरत पड़ी हो।
मेरा यह कहने का कोई इरादा नहीं है कि जब मैंने इसे लिखा था, तब मुझे पता था कि 'द फाउंटेनहेड' पच्चीस वर्षों तक छपती रहेगी। मैंने किसी विशिष्ट समयावधि के बारे में नहीं सोचा था। मुझे बस इतना पता था कि यह एक ऐसी किताब है जिसे हमेशा जीवित रहना चाहिए। और यह जीवित रही।
लेकिन यह बात मुझे पच्चीस साल पहले ही पता थी—कि जब 'द फाउंटेनहेड' को बारह प्रकाशकों ने अस्वीकार कर दिया था, जिनमें से कुछ ने इसे "अत्यधिक बौद्धिक," "अत्यधिक विवादास्पद" बताया था और कहा था कि यह बिकेगी नहीं क्योंकि इसके लिए कोई पाठक वर्ग मौजूद नहीं था—यही इसके इतिहास का सबसे कठिन हिस्सा था; मेरे लिए सहना मुश्किल थी। मैं इसका उल्लेख यहाँ अपने जैसे अन्य लेखकों के लिए कर रहा हूँ जिन्हें शायद इसी तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़े—यह याद दिलाने के लिए कि ऐसा किया जा सकता है।

मैं यहाँ 'द फाउंटेनहेड' के प्रकाशन की कहानी दोबारा नहीं सुनाऊँगा। लेकिन 'द फाउंटेनहेड' या इसके इतिहास के किसी भी हिस्से पर चर्चा करना मेरे लिए असंभव होगा, जब तक मैं उस व्यक्ति का ज़िक्र न करूँ जिसने मुझे इसे लिखने में सक्षम बनाया: मेरे पति, फ्रैंक ओ'कॉनर।
तीस साल की उम्र के आसपास लिखे गए मेरे एक नाटक, 'आइडियल' में, नायिका, जो एक फिल्म स्टार है, मेरे मन की बात कहती है: "मैं उस महिमा को, जिसे मैंने एक भ्रम के रूप में रचा है, वास्तविक, जीवंत और अपने जीवन के हर पल में देखना चाहती हूँ। मैं उसे वास्तविक रूप में देखना चाहती हूँ। मैं यह जानना चाहती हूँ कि कहीं न कहीं कोई ऐसा भी है जो इसे चाहता है। वरना इसे देखने, काम करने और एक असंभव सपने के लिए खुद को तड़पाने का क्या फायदा? आत्मा को भी ऊर्जा की आवश्यकता होती है। वह सूख सकती है।"
फ्रैंक ही मेरी प्रेरणा थे। उन्होंने मुझे मेरे जीवन के उन क्षणों में जीवन की उस वास्तविकता का एहसास कराया, जिसने 'द फाउंटेनहेड' को जन्म दिया—और उन्होंने वर्षों तक उस एहसास को बनाए रखने में मेरी मदद की, जब हमारे चारों ओर लोगों और घटनाओं का एक नीरस रेगिस्तान था, जो केवल घृणा और अरुचि पैदा करता था। हमारे बीच के बंधन का सार यह है कि हम दोनों में से किसी ने भी 'द फाउंटेनहेड' में दिखाए गए संसार से कम किसी भी चीज़ से संतुष्ट होने की इच्छा नहीं की और न ही कभी ऐसा करने का प्रलोभन दिया। और न ही कभी करेंगे।
अगर मुझमें प्रकृतिवादी लेखक की कोई भी झलक है जो रिकॉर्ड करता है
उपन्यास में इस्तेमाल होने वाले “वास्तविक जीवन” संवादों का प्रयोग केवल फ्रैंक के संदर्भ में ही किया गया है। उदाहरण के लिए, द फाउंटेनहेड के सबसे प्रभावशाली वाक्यों में से एक भाग II के अंत में आता है, जब टूही के प्रश्न: “तुम मुझे क्यों नहीं बताते कि तुम मेरे बारे में क्या सोचते हो?” के उत्तर में रोर्क कहता है: “लेकिन मैं तुम्हारे बारे में नहीं सोचता।” यह वाक्य फ्रैंक का एक अलग तरह के व्यक्ति को, कुछ इसी तरह के संदर्भ में दिया गया उत्तर था। “तुम मोती बिखेर रहे हो और बदले में तुम्हें एक पोर्क चॉप भी नहीं मिल रहा,” यह वाक्य फ्रैंक ने मेरी पेशेवर स्थिति के संदर्भ में मुझसे कहा था। मैंने रोर्क के मुकदमे में डोमिनिक को यही वाक्य दिया था।
मुझे अक्सर निराशा का अनुभव नहीं होता था, और जब होता भी था, तो वह एक रात से ज़्यादा नहीं टिकता था। लेकिन एक शाम, 'द फाउंटेनहेड' लिखते समय, मुझे "चीज़ों की मौजूदा स्थिति" पर इतना गहरा गुस्सा आया कि ऐसा लगा मानो मैं "चीज़ों को जैसा होना चाहिए" की ओर एक कदम भी बढ़ाने की हिम्मत कभी वापस नहीं जुटा पाऊँगी। उस रात फ्रैंक ने मुझसे घंटों बातें कीं। उन्होंने मुझे समझाया कि हम उन लोगों के हाथों दुनिया क्यों नहीं छोड़ सकते जिनसे हम नफ़रत करते हैं। जब उनकी बात खत्म हुई, तब तक मेरी निराशा दूर हो चुकी थी; वह फिर कभी इतने तीव्र रूप में वापस नहीं आई।
मैं किताबों को समर्पित करने की प्रथा का विरोधी था; मेरा मानना था कि किताब उस पाठक को समर्पित होती है जो इसके योग्य साबित हो। लेकिन उस रात मैंने फ्रैंक से कहा कि मैं 'द फाउंटेनहेड' उसे समर्पित करूँगा क्योंकि उसने इसे सहेज कर रखा था। और लगभग दो साल बाद, मेरे सबसे खुशी के पलों में से एक वह क्षण था जब एक दिन वह घर आया और उसने किताब के प्रूफ देखे, जिनके शीर्ष पृष्ठ पर स्पष्ट, सटीक और वस्तुनिष्ठ अक्षरों में लिखा था: फ्रैंक ओ'कॉनर को।
ये कुछ ऐसे कारण हैं जिनकी वजह से मेरे लिए इस नए, वर्षगांठ संस्करण का सबसे गहरा व्यक्तिगत महत्व इस तथ्य में निहित है कि इसके आवरण पर फ्रैंक द्वारा बनाई गई एक पेंटिंग की प्रतिकृति है। यह इस पुस्तक के इतिहास की पूर्णता, इसका उचित चरमोत्कर्ष है।

वह पेंटिंग 'द फाउंटेनहेड' के लिए नहीं बनाई गई थी। यह सैन फ्रांसिस्को में हमने एक बार जो सूर्योदय देखा था, उसका फ्रैंक का अपना संस्करण है। उन्होंने इस पेंटिंग का शीर्षक 'मनुष्य भी उदय होता है' रखा है।
मुझसे पूछा गया है कि क्या पिछले पच्चीस वर्षों में मुझमें कोई बदलाव आया है? नहीं, मैं वही हूँ—बल्कि और भी ज़्यादा। क्या मेरे विचार बदले हैं? नहीं, मेरी मूलभूत मान्यताएँ, जीवन और मनुष्य के प्रति मेरा दृष्टिकोण, जहाँ तक मुझे याद है, कभी नहीं बदला है, लेकिन उनके अनुप्रयोगों के बारे में मेरा ज्ञान व्यापक और सटीक दोनों ही रूप से बढ़ा है। 'द फाउंटेनहेड' के बारे में मेरा वर्तमान मूल्यांकन क्या है? मुझे इस पर उतना ही गर्व है जितना उस दिन था जब मैंने इसे लिखना पूरा किया था।
क्या 'द फाउंटेनहेड' मेरी विचारधारा को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से लिखी गई थी? यहाँ, मैं 'द गोल ऑफ़ माय राइटिंग' नामक भाषण से उद्धृत करूँगा, जो मैंने 1 अक्टूबर, 1963 को लुईस और क्लार्क कॉलेज में दिया था:
“मेरे लेखन का यही उद्देश्य और लक्ष्य है: एक आदर्श पुरुष का चित्रण। नैतिक आदर्श का चित्रण, यही मेरा अंतिम साहित्यिक लक्ष्य है।”
लक्ष्य, अपने आप में एक ध्येय के रूप में—जिसके लिए उपन्यास में निहित कोई भी उपदेशात्मक, बौद्धिक या दार्शनिक मूल्य केवल साधन मात्र हैं।
मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ: मेरी उद्देश्य अपने पाठकों को दार्शनिक ज्ञान प्रदान करना नहीं है... मेरा उद्देश्य, मेरा मूल कारण और मेरा मुख्य प्रेरक, हावर्ड रोर्क [या एटलस श्रग्ड के नायकों] को स्वयं में एक लक्ष्य के रूप में चित्रित करना है...
मैं कहानी के लिए लिखता और पढ़ता हूँ... किसी भी कहानी के लिए मेरा मूल मापदंड यह है: 'क्या मैं वास्तविक जीवन में इन पात्रों से मिलना और इन घटनाओं को देखना चाहूँगा? क्या यह कहानी अपने आप में एक सार्थक अनुभव है? क्या इन पात्रों पर विचार करने का आनंद अपने आप में एक लक्ष्य है?'
"चूंकि मेरा उद्देश्य एक आदर्श पुरुष का चित्रण करना है, इसलिए मुझे उन परिस्थितियों को परिभाषित और प्रस्तुत करना पड़ा जो उसे संभव बनाती हैं और जिनके लिए उसका अस्तित्व आवश्यक है। चूंकि मनुष्य का चरित्र उसकी मान्यताओं का परिणाम है, इसलिए मुझे उन मान्यताओं और मूल्यों को परिभाषित और प्रस्तुत करना पड़ा जो एक आदर्श पुरुष के चरित्र का निर्माण करते हैं और उसके कार्यों को प्रेरित करते हैं; जिसका अर्थ है कि मुझे एक तर्कसंगत नैतिक संहिता को परिभाषित और प्रस्तुत करना पड़ा। चूंकि मनुष्य अन्य मनुष्यों के बीच कार्य करता है और उनसे व्यवहार करता है, इसलिए मुझे उस प्रकार की सामाजिक व्यवस्था को प्रस्तुत करना पड़ा जो आदर्श पुरुषों के अस्तित्व और कार्य को संभव बनाती है—एक स्वतंत्र, उत्पादक, तर्कसंगत व्यवस्था जो प्रत्येक मनुष्य में सर्वश्रेष्ठ की मांग करती है और उसे पुरस्कृत करती है, और जो स्पष्ट रूप से मुक्त बाजार पूंजीवाद है।"
लेकिन न तो राजनीति, न नैतिकता, न ही दर्शनशास्त्र अपने आप में एक लक्ष्य है, न जीवन में, न साहित्य में। केवल मनुष्य ही अपने आप में एक लक्ष्य है।
क्या मैं 'द फाउंटेनहेड' में कोई महत्वपूर्ण बदलाव करना चाहूँगा? नहीं—इसलिए मैंने इसके मूल पाठ को अपरिवर्तित रखा है। मैं इसे जैसा लिखा गया था वैसा ही रखना चाहता हूँ। लेकिन इसमें एक छोटी सी त्रुटि और एक संभावित भ्रामक वाक्य है जिसे मैं स्पष्ट करना चाहूँगा, इसलिए मैं उनका उल्लेख यहाँ करूँगा।
त्रुटि शब्दार्थ संबंधी है: रोर्क के अदालती भाषण में "अहंकारी" शब्द का प्रयोग किया गया है, जबकि वास्तव में यह शब्द होना चाहिए था...
“अहंकारी।” यह त्रुटि एक शब्दकोश पर मेरी निर्भरता के कारण हुई, जिसने इन दोनों शब्दों की इतनी भ्रामक परिभाषाएँ दीं कि “अहंकारी”
यह मेरे इच्छित अर्थ के अधिक निकट प्रतीत हुआ (वेबस्टर का दैनिक उपयोग शब्दकोश, 1933)। (हालाँकि, इन दोनों शब्दों के संबंध में आधुनिक दार्शनिक

शब्दकोशकारों की तुलना में अधिक दोषी हैं।)
रोर्क के भाषण में संभवतः भ्रामक वाक्य यह है: "इस सबसे सरल आवश्यकता से लेकर उच्चतम धार्मिक अमूर्तता तक, पहिये से लेकर गगनचुंबी इमारत तक, हम जो कुछ भी हैं और हमारे पास जो कुछ भी है, वह मनुष्य के एक ही गुण से आता है - उसके तर्कशील मन की कार्यक्षमता से।"
इसका गलत अर्थ निकाला जा सकता है और इसे धर्म या धार्मिक विचारों का समर्थन समझा जा सकता है। मुझे याद है कि जब मैंने यह वाक्य लिखा था, तब मैं इस पर हिचकिचाया था और मैंने फैसला किया था कि रोर्क और मेरा नास्तिकतावाद, साथ ही पुस्तक की समग्र भावना, इतनी स्पष्ट रूप से स्थापित है कि कोई भी इसे गलत नहीं समझेगा, खासकर इसलिए क्योंकि मैंने कहा था कि धार्मिक अमूर्त अवधारणाएँ मनुष्य के मन की उपज हैं, न कि अलौकिक रहस्योद्घाटन की।
लेकिन इस तरह के मुद्दे को निहितार्थों पर नहीं छोड़ना चाहिए। मेरा तात्पर्य धर्म से नहीं था, बल्कि अमूर्त अवधारणाओं की एक विशेष श्रेणी से था, जो सर्वोच्च श्रेणी की है और जिस पर सदियों से धर्म का लगभग एकाधिकार रहा है: नैतिकता—धार्मिक नैतिकता की विशिष्ट विषयवस्तु नहीं, बल्कि अमूर्त अवधारणा "नैतिकता", मूल्यों का क्षेत्र, मनुष्य का अच्छाई और बुराई का नियम, जिसमें उच्चता, उत्थान, कुलीनता, श्रद्धा, भव्यता जैसे भावनात्मक अर्थ निहित हैं, जो मनुष्य के मूल्यों के क्षेत्र से संबंधित हैं, लेकिन जिन पर धर्म ने अपना अधिकार जमा लिया है।
पुस्तक के एक अन्य अंश, रोर्क और हॉपटन स्टोडार्ड के बीच एक संक्षिप्त संवाद, के लिए भी यही अर्थ और विचार अभिप्रेत थे और लागू होते हैं, जिसे संदर्भ से अलग करके समझने पर गलतफहमी हो सकती है।
“ ‘आप एक बेहद धार्मिक व्यक्ति हैं, श्री रोर्क—अपने ही तरीके से। मैं इसे आपकी इमारतों में देख सकता हूँ।’
“ ‘यह सच है,’ रोर्क ने कहा।
हालांकि, उस दृश्य के संदर्भ में, अर्थ स्पष्ट है: स्टोडार्ड का तात्पर्य रोर्क की मूल्यों, सर्वोच्च और सर्वोत्तम के प्रति, आदर्श के प्रति गहन निष्ठा से है (प्रस्तावित मंदिर की प्रकृति के बारे में उनकी व्याख्या देखें)। स्टोडार्ड मंदिर का निर्माण और उसके बाद का मुकदमा इस मुद्दे को स्पष्ट रूप से सामने रखता है।
यह मुझे एक व्यापक मुद्दे की ओर ले जाता है जो 'द फाउंटेनहेड' की हर पंक्ति में निहित है और जिसे समझना आवश्यक है यदि कोई इसकी स्थायी अपील के कारणों को समझना चाहता है।
नैतिकता के क्षेत्र में धर्म के एकाधिकार ने भावनात्मक अर्थ और निहितार्थों को संप्रेषित करना अत्यंत कठिन बना दिया है।
जीवन का एक तर्कसंगत दृष्टिकोण। जिस प्रकार धर्म ने नैतिकता के क्षेत्र पर अपना अधिकार जमा लिया है और नैतिकता को मनुष्य के विरुद्ध कर दिया है, उसी प्रकार इसने हमारी भाषा की सर्वोच्च नैतिक अवधारणाओं को भी हथिया लिया है, उन्हें इस पृथ्वी से परे और मनुष्य की पहुँच से बाहर कर दिया है। "उत्थान" का अर्थ आमतौर पर अलौकिक का चिंतन करने से उत्पन्न भावनात्मक अवस्था से लगाया जाता है। "पूजा" “श्रद्धा” का अर्थ है मनुष्य से परे किसी उच्चतर सत्ता के प्रति निष्ठा और समर्पण की भावनात्मक अनुभूति। “आदर” का अर्थ है पवित्र आदर की भावना, जिसे घुटने टेककर अनुभव किया जाता है। “पवित्र” का अर्थ है मनुष्य या इस पृथ्वी की किसी भी चिंता से श्रेष्ठ और अछूता। इत्यादि।
लेकिन ऐसी अवधारणाएँ वास्तविक भावनाओं का नामकरण करती हैं, भले ही कोई अलौकिक आयाम मौजूद न हो; और इन भावनाओं को धार्मिक परिभाषाओं द्वारा अपेक्षित आत्म-हीनता के बिना, उत्थानकारी या उदात्त के रूप में अनुभव किया जाता है। तो फिर, वास्तविकता में इनका स्रोत या संदर्भ क्या है?

यह किसी नैतिक आदर्श के प्रति मनुष्य की निष्ठा का संपूर्ण भावनात्मक क्षेत्र है। फिर भी, धर्म द्वारा लाए गए मनुष्य को नीचा दिखाने वाले पहलुओं के अलावा, वह भावनात्मक क्षेत्र अज्ञात, अवधारणाओं, शब्दों या पहचान के बिना ही रह जाता है। मनुष्य की भावनाओं का यही उच्चतम स्तर है जिसे रहस्यवाद के अंधकार से मुक्त करके उसके उचित लक्ष्य यानी मनुष्य की ओर निर्देशित किया जाना चाहिए।
इसी अर्थ में, इसी भाव और इरादे के साथ, मैं द फाउंटेनहेड में नाटकीय रूप से प्रस्तुत जीवन की भावना को पुरुष-पूजा के रूप में पहचानूंगा।
यह एक ऐसी भावना है जिसका अनुभव कुछ ही - बहुत ही कम - पुरुष लगातार करते हैं; कुछ पुरुष इसका अनुभव दुर्लभ, क्षणिक चिंगारियों के रूप में करते हैं जो बिना किसी परिणाम के चमकती और बुझ जाती हैं; कुछ नहीं जानते कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ; कुछ जानते हैं और अपना जीवन उन्मत्त रूप से उग्र चिंगारी बुझाने वालों के रूप में बिताते हैं।
“मानव-पूजा” को उन अनेक प्रयासों से भ्रमित न करें, जो नैतिकता को धर्म से मुक्त करके तर्क के दायरे में लाने का प्रयास नहीं करते, बल्कि धर्म के सबसे बुरे, सबसे गहरे अतार्किक तत्वों को धर्मनिरपेक्ष अर्थ देने का प्रयास करते हैं। उदाहरण के लिए, आधुनिक सामूहिकतावाद के सभी रूप (साम्यवादी, फासीवादी, नाज़ी आदि) हैं, जो धार्मिक-परोपकारी नैतिकता को पूर्ण रूप से संरक्षित रखते हैं और मनुष्य के आत्म-बलिदान के लाभार्थी के रूप में ईश्वर के स्थान पर केवल “समाज” को प्रतिस्थापित करते हैं। आधुनिक दर्शन के विभिन्न संप्रदाय हैं जो पहचान के नियम को अस्वीकार करते हुए यह घोषणा करते हैं कि वास्तविकता एक
चमत्कारों द्वारा शासित और ईश्वर की नहीं, बल्कि मनुष्य या "समाज" की सनक द्वारा आकारित एक अनिश्चित प्रवाह। ये नव-रहस्यवादी मनुष्य-पूजा करने वाले नहीं हैं; वे केवल मनुष्य के प्रति उतनी ही गहरी घृणा के धर्मनिरपेक्षीकरणकर्ता हैं जितनी उनके घोषित रहस्यवादी पूर्ववर्तियों की थी।
इसी घृणा का एक और भी क्रूर रूप उन ठोस-बद्ध, "सांख्यिकीय" मानसिकता वाले लोगों द्वारा दर्शाया जाता है जो मनुष्य की इच्छाशक्ति के अर्थ को समझने में असमर्थ हैं और यह घोषणा करते हैं कि मनुष्य पूजा का पात्र नहीं हो सकता, क्योंकि उन्होंने कभी भी मानवता के ऐसे किसी नमूने का सीमना नहीं किया है जो इसके योग्य हो।
मेरे विचार में, मनुष्य-पूजा करने वाले वे लोग हैं जो मनुष्य की सर्वोच्च क्षमता को पहचानते हैं और उसे साकार करने का प्रयास करते हैं। वहीं, मनुष्य-द्वेषी वे लोग हैं जो मनुष्य को असहाय, पतित और तुच्छ प्राणी मानते हैं और उसे कभी भी इससे भिन्न न जानने देने का प्रयास करते हैं। यहाँ यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि मनुष्य के बारे में प्रत्यक्ष और आत्मनिरीक्षण से प्राप्त एकमात्र ज्ञान स्वयं मनुष्य का ही होता है।
अधिक स्पष्ट रूप से कहें तो, इन दो गुटों के बीच मूल विभाजन यह है: एक वे जो मनुष्य के आत्मसम्मान और पृथ्वी पर उसकी खुशी की पवित्रता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित हैं—और दूसरे वे जो इनमें से किसी को भी संभव नहीं होने देने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। अधिकांश मानवजाति अपना जीवन और मानसिक ऊर्जा इन दोनों के बीच झूलते हुए, इस मुद्दे को नाम लेने से रोकने के लिए संघर्ष करते हुए व्यतीत करती है। इससे मुद्दे की प्रकृति नहीं बदलती।
शायद 'द फाउंटेनहेड' के जीवन के भाव को व्यक्त करने का सबसे अच्छा तरीका उस उद्धरण के माध्यम से है जो मेरी पांडुलिपि के शीर्ष पर था, लेकिन जिसे मैंने अंतिम, प्रकाशित पुस्तक से हटा दिया था।
इसे समझाने का यह अवसर मिलने पर, मुझे इसे दोबारा लाने में खुशी हो रही है। मैंने इसे हटा दिया, क्योंकि मैं इसके लेखक फ्रेडरिक नीत्शे के दर्शन से पूरी तरह असहमत था। दार्शनिक रूप से, नीत्शे एक रहस्यवादी और अतार्किक व्यक्ति हैं। उनका तत्वमीमांसा कुछ हद तक "बायरोनिक" और रहस्यवादी रूप से "दुष्ट" ब्रह्मांड

पर आधारित है; उनका ज्ञानमीमांसा तर्क को "इच्छा", भावना, सहज प्रवृत्ति, रक्त या चरित्र के जन्मजात गुणों के अधीन रखता है। लेकिन, एक कवि के रूप में, वे कभी-कभी (हमेशा नहीं) मनुष्य की महानता के लिए एक शानदार भावना को व्यक्त करते हैं, जिसे बौद्धिक नहीं बल्कि भावनात्मक रूप से व्यक्त किया जाता है।
यह बात विशेष रूप से मेरे द्वारा चुने गए उद्धरण पर लागू होती है। मैं इसके शाब्दिक अर्थ का समर्थन नहीं कर सकता: यह एक निराधार सिद्धांत का प्रतिपादन करता है—मनोवैज्ञानिक नियतिवाद। लेकिन अगर इसे काव्यात्मक प्रक्षेपण के रूप में लिया जाए। किसी भावनात्मक अनुभव के (और यदि बौद्धिक रूप से, कोई जन्मजात की अवधारणा के स्थान पर अर्जित "बुनियादी आधार" की अवधारणा को प्रतिस्थापित करता है)
“मौलिक निश्चितता”), तो वह उद्धरण एक उच्च आत्म-सम्मान की आंतरिक स्थिति को व्यक्त करता है और उन भावनात्मक परिणामों को सारांशित करता है जिनके लिए द फाउंटेनहेड तर्कसंगत, दार्शनिक आधार प्रदान करता है:
“यहाँ कर्म नहीं, बल्कि विश्वास ही निर्णायक है और पदक्रम का निर्धारण करता है—एक पुराने धार्मिक सूत्र को नए और गहरे अर्थ में प्रयोग करते हुए—यह एक मूलभूत निश्चितता है जो एक महान आत्मा में स्वयं के प्रति होती है, कुछ ऐसा जिसे खोजा नहीं जा सकता, पाया नहीं जा सकता, और शायद खोया भी नहीं जा सकता।”
महान आत्मा स्वयं के प्रति श्रद्धा रखती है। (फ्रेडरिक नीत्शे, अच्छाई और बुराई से परे)
मानव इतिहास में मनुष्य के इस दृष्टिकोण को शायद ही कभी व्यक्त किया गया है। आज यह दृष्टि लगभग न के बराबर है। फिर भी, यही वह दृष्टिकोण है जिसके साथ—विभिन्न स्तरों की लालसा, उदासी, जुनून और पीड़ादायक उलझन में—मानव जाति के सर्वश्रेष्ठ युवा जीवन की शुरुआत करते हैं। उनमें से अधिकांश के लिए, यह एक दृष्टि मात्र नहीं, बल्कि कच्ची पीड़ा और अवर्णनीय खुशी से बना एक धुंधला, अस्पष्ट और अनिश्चित बोध है। यह अपार आशा का बोध है, यह बोध है कि जीवन महत्वपूर्ण है, महान उपलब्धियाँ प्राप्त करना संभव है, और महान भविष्य आपका इंतजार कर रहा है।
मनुष्य का स्वभाव—और न ही किसी भी सजीव प्राणी का—हार मानकर, अपने ही मुँह पर थूककर और अस्तित्व को कोसते हुए शुरुआत करना नहीं है; इसके लिए पतन की एक ऐसी प्रक्रिया की आवश्यकता होती है जिसकी गति हर व्यक्ति में अलग-अलग होती है। कुछ लोग दबाव के पहले ही स्पर्श में हार मान लेते हैं; कुछ बिक जाते हैं; कुछ धीरे-धीरे कमजोर होते जाते हैं और अपना जोश खो देते हैं, उन्हें कभी पता ही नहीं चलता कि कब और कैसे उन्होंने इसे खो दिया। फिर ये सभी अपने बड़ों के उस विशाल दलदल में खो जाते हैं जो उन्हें लगातार यह बताते रहते हैं कि परिपक्वता का अर्थ है अपने दिमाग का त्याग करना; सुरक्षा का अर्थ है अपने मूल्यों का त्याग करना; व्यावहारिकता का अर्थ है आत्मसम्मान खोना। फिर भी कुछ लोग डटे रहते हैं और आगे बढ़ते हैं, यह जानते हुए कि उस जोश को धोखा नहीं दिया जा सकता, और उसे आकार, उद्देश्य और वास्तविकता देना सीखते हैं। लेकिन उनका भविष्य चाहे जो भी हो, अपने जीवन के आरंभ में, मनुष्य अपने स्वभाव और जीवन की संभावनाओं के बारे में एक महान दृष्टिकोण की तलाश करते हैं।
यहां पर दिशासूचक चिन्ह बहुत कम हैं। फाउंटेनहेड उनमें से एक है।
यह द फाउंटेनहेड की स्थाई लोकप्रियता के प्रमुख कारणों में से एक है: यह युवावस्था की भावना की पुष्टि करता है, मनुष्य की महिमा का बखान करता है, और दिखाता है कि कितना कुछ संभव है।
इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हर पीढ़ी में केवल कुछ ही लोग मनुष्य के उचित कद की पूरी वास्तविकता को समझकर उसे प्राप्त कर पाते हैं और बाकी लोग उससे मुकर

जाते हैं। ये वही कुछ लोग हैं जो दुनिया को गाते देते हैं और जीवन को उसका अर्थ प्रदान करते हैं।
और मैंने हमेशा उन्हीं कुछ लोगों को संबोधित करने का प्रयास किया है। बाकी लोगों से मुझे कोई लेना-देना नहीं है; वे न तो मुझे और न ही द फाउंटेनहेड को धोखा देंगे, बल्कि अपनी आत्मा को धोखा देंगे।
रैंड में
न्यूयॉर्क, मई 1968
भाग ---- पहला
पीटर कीटिंग
मैं
हॉवर्ड रोर्क हँसा। वह एक चट्टान के किनारे नग्न खड़ा था।
झील उससे बहुत नीचे फैली हुई थी। ग्रेनाइट का एक जमा हुआ टुकड़ा स्थिर जल के ऊपर आकाश की ओर उड़ उठा। जल स्थिर प्रतीत हो रहा था, पत्थर बह रहा था। पत्थर में युद्ध के उस क्षण की शांति थी जब प्रहार टकराते हैं और धाराएँ गति से भी अधिक गतिशील ठहराव में ठहर जाती हैं। सूर्य की किरणों से भीगा हुआ पत्थर चमक रहा था।
नीचे स्थित झील मात्र एक पतली स्टील की अंगूठी थी जिसने चट्टानों को दो हिस्सों में काट दिया था।
चट्टानें बिना बदले गहराई में विलीन होती चली गईं। वे आकाश में शुरू हुईं और आकाश में ही समाप्त हुईं। इस प्रकार, दुनिया अंतरिक्ष में लटकी हुई प्रतीत होती थी, मानो कोई द्वीप शून्य पर तैर रहा हो, चट्टान पर खड़े व्यक्ति के पैरों से टिका हुआ हो।
उसका शरीर आकाश की ओर झुका हुआ था। उसका शरीर लंबी सीधी रेखाओं और कोणों से बना था, प्रत्येक वक्र समतलों में विभाजित था। वह अकड़ा हुआ खड़ा था, हथेलियाँ बगल में लटकी हुई थीं। उसे अपने कंधे की हड्डियाँ कसी हुई महसूस हो रही थीं, गर्दन का घुमाव और हाथों में खून का भार। उसे अपने पीछे, रीढ़ की हड्डी के खोखले भाग में हवा का झोंका महसूस हो रहा था। हवा उसके बालों को आकाश में लहरा रही थी। उसके बाल न तो सुनहरे थे और न ही लाल, बल्कि पके संतरे के छिलके के रंग के थे।
वह उस सुबह उसके साथ घटी घटना और आगे आने वाली घटनाओं पर हँसा।
उन्हें पता था कि आने वाले दिन कठिन होंगे। कई सवालों का सामना करना था और एक कार्य योजना तैयार करनी थी। उन्हें पता था कि उन्हें इस बारे में सोचना चाहिए। उन्हें यह भी पता था कि वे नहीं सोचेंगे, क्योंकि सब कुछ उनके लिए पहले से ही स्पष्ट था, क्योंकि योजना बहुत पहले ही बन चुकी थी, और क्योंकि वे हंसना चाहते थे।
उसने इस पर विचार करने की कोशिश की। लेकिन वह भूल गया। वह ग्रेनाइट को देख रहा था।
उसके चेहरे पर हंसी नहीं आई, उसकी निगाहें आसपास की धरती पर टिक गईं। उसका चेहरा प्रकृति के नियम जैसा था—ऐसा कुछ जिस पर सवाल नहीं उठाया जा सकता था, जिसे बदला नहीं जा सकता था या जिसके लिए विनती नहीं की जा सकती थी। उसके गालों की हड्डियां उभरी हुई थीं और गाल पिचके हुए थे; उसकी आंखें ठंडी और स्थिर थीं; उसका मुंह तिरस्कार से बंद था, मानो किसी जल्लाद का हो या किसी संत का।
उसने ग्रेनाइट को देखा। उसने सोचा, इसे काटकर दीवारें बनाई जाएँगी। उसने एक पेड़ को देखा। उसे चीरकर छत की कड़ियाँ बनाई जाएंगी। उसने पत्थर पर जंग की एक लकीर देखी और ज़मीन के नीचे मौजूद लोहे अयस्क के बारे में सोचा। जिसे पिघलाकर आकाश के सामने गर्डर्स के रूप में निकाला जाएगा।

उसने सोचा, ये चट्टानें मेरे लिए ही यहाँ हैं; ड्रिल, डायनामाइट और मेरी आवाज़ का इंतज़ार कर रही हैं; टूटने, चीरने, कूटने और पुनर्जन्म लेने का इंतज़ार कर रही हैं; उस आकार का इंतज़ार कर रही हैं जो मेरे हाथ इन्हें देंगे।
फिर उसने अपना सिर हिलाया, क्योंकि उसे वह सुबह याद आ गई थी और उसे यह भी याद था कि अभी बहुत कुछ करना बाकी है। वह किनारे पर गया, अपनी बाहें उठाईं और नीचे आकाश में छलांग लगा दी।
वह सीधे झील पार करके सामने किनारे की ओर बढ़ा। वह उन चट्टानों तक पहुँचा जहाँ उसने अपने कपड़े छोड़े थे। उसने खेद से चारों ओर देखा।
स्टैंटन में रहने के बाद से तीन वर्षों तक, वह यहाँ अपने एकमात्र विश्राम स्थल के रूप में आता था - तैरने, आराम करने, सोचने, अकेले रहने और जीवंतता का अनुभव करने के लिए, जब भी उसे एक घंटा भी खाली मिलता था, जो कि अक्सर नहीं होता था। अपनी नई आज़ादी में सबसे पहली चीज़ जो वह करना चाहता था, वह यहाँ आना था, क्योंकि वह जानता था कि वह आखिरी बार आ रहा है।
उस सुबह उन्हें स्टैंटन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के आर्किटेक्चर स्कूल से निष्कासित कर दिया गया था।
उसने अपने कपड़े पहने: पुराने डेनिम ट्राउज़र, सैंडल, आधी आस्तीन वाली कमीज़ जिसके ज्यादातर बटन गायब थे। वह पत्थरों के बीच से गुजरते हुए एक संकरे रास्ते से नीचे उतरा, फिर एक हरे-भरे ढलान से होते हुए नीचे सड़क की ओर जाने लगा।
वह बड़ी तेज़ी से, सहज और कुशल ढंग से चल रहा था। वह धूप में लंबी सड़क पर चल पड़ा। दूर आगे मैसाचुसेट्स के तट पर स्टैंटन बसा हुआ था, एक छोटा सा कस्बा जो अपनी भव्यता के लिए पृष्ठभूमि का काम कर रहा था—पहाड़ी पर स्थित महान संस्थान।
स्टैंटन बस्ती की शुरुआत एक कूड़े के ढेर से होती थी। घास में कूड़े का एक धूसर टीला उठा हुआ था। उसमें से हल्का धुआँ निकल रहा था। धूप में टिन के डिब्बे चमक रहे थे। सड़क पहले कुछ घरों से होते हुए एक गिरजाघर तक जाती थी। गिरजाघर कबूतर के नीले रंग से रंगे शिंगलों से बना एक गॉथिक स्मारक था। इसमें लकड़ी के मजबूत सहारे थे जिनका कोई आधार नहीं था। इसमें नकली पत्थर की भारी नक्काशी वाली रंगीन कांच की खिड़कियाँ थीं। यह गिरजाघर लंबी गलियों में खुलता था जिनके किनारों पर संकरे, दिखावटी लॉन थे। लॉन के पीछे लकड़ी के ढेर थे जिन्हें अजीबोगरीब आकार दिया गया था: कुछ छज्जे, कुछ बुर्ज, कुछ खंभे जैसे; कुछ बरामदे से भरे हुए; और कुछ विशाल, ढलान वाली छतों के नीचे दबे हुए।
खिड़कियों पर सफेद पर्दे लहरा रहे थे। एक तरफ कूड़ेदान रखा था।
दरवाजे के ऊपर से हवा बह रही थी। एक बूढ़ा पेकिनीज़ कुत्ता दरवाजे की सीढ़ी पर रखे तकिये पर बैठा था, उसके मुंह से लार टपक रही थी। बरामदे के खंभों के बीच डायपरों की एक कतार हवा में लहरा रही थी।
हावर्ड रोर्क के गुजरते ही लोग उसकी ओर देखने लगे। कुछ लोग अचानक नाराज़गी से उसे घूरते रह गए। उन्हें इसका कोई कारण समझ नहीं आया; यह एक ऐसी सहज भावना थी जो उसकी उपस्थिति से ही अधिकांश लोगों में जागृत हो जाती थी। हावर्ड रोर्क को कोई दिखाई नहीं दिया। उसके लिए सड़कें खाली थीं।
वह बिना किसी चिंता के नग्न अवस्था में भी वहां जा सकता था।
वह स्टैंटन के मध्य से गुज़रा, जो दुकानों की खिड़कियों से घिरा एक चौड़ा हरा मैदान था। खिड़कियों पर नए पोस्टर लगे थे जिन पर लिखा था: 22वीं कक्षा में आपका स्वागत है! 22वीं कक्षा को शुभकामनाएँ!
उस दोपहर स्टैंटन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के 2022 बैच का दीक्षांत समारोह आयोजित किया जा रहा था।

रोक एक गली में मुड़ा, जहाँ एक लंबी कतार के अंत में, एक हरी खाई के ऊपर एक छोटी पहाड़ी पर, श्रीमती कीटिंग का घर था। वह उस घर में तीन साल से रह रहा था। श्रीमती कीटिंग बरामदे में थीं। वह रेलिंग पर लटके पिंजरे में बंद दो कैनरी पक्षियों को दाना चुग रही थीं। जब उन्होंने उसे देखा तो उनका छोटा सा गोल-मटोल हाथ हवा में ही रुक गया। उन्होंने उत्सुकता से उसे देखा। उन्होंने सहानुभूति का भाव दिखाने की कोशिश की; लेकिन उनकी कोशिशें नाकाम रहीं और साफ़ झलक रही थी कि यह एक बड़ा प्रयास था।
वह उसे देखे बिना ही बरामदे से गुजर रहा था। उसने उसे रोक लिया।
श्री रोर्क!
"हाँ?"
“श्रीमान् रोर्क, मुझे बहुत खेद है—” वह संकोच से बोली, “—आज सुबह जो कुछ हुआ उसके लिए।”
“क्या?” उसने पूछा।
“आपको संस्थान से निष्कासित कर दिया गया है। मुझे कितना दुख हुआ है, यह मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मुझे आपके लिए बहुत बुरा लग रहा है।”
वह उसे घूरता रहा। वह जानती थी कि वह उसे नहीं देख रहा है। नहीं, उसने सोचा, बात इतनी भी नहीं थी। वह हमेशा लोगों की आँखों में सीधे देखता था और उसकी तीक्ष्ण नज़रें कभी कुछ नहीं चूकती थीं, बस फर्क इतना था कि वह लोगों को ऐसा महसूस कराता था जैसे वे मौजूद ही न हों। वह बस देखता रहा। उसने कोई जवाब नहीं दिया।
“लेकिन मैं यह कहती हूँ,” उसने आगे कहा, “कि अगर इस दुनिया में किसी को दुख भोगना पड़ता है, तो वह किसी गलती की वजह से होता है। बेशक, इसके लिए आपको निर्माता को छोड़ना पड़ेगा।
अब आप कोई पेशा अपनाना चाहेंगे, है ना? लेकिन एक नौजवान क्लर्क का काम करके, या कुछ और करके भी अच्छी कमाई कर सकता है।
वह जाने के लिए मुड़ा।
“ओह, मिस्टर रोर्क!” उसने पुकारा।
"हाँ?"
"जब आप बाहर थे, तब डीन ने आपको फ़ोन किया था।"
पहली बार, उसे उससे कुछ भावनाओं की उम्मीद थी; और भावना का मतलब उसे टूटा हुआ देखना होता। उसे नहीं पता था कि उसमें ऐसी क्या बात थी जो हमेशा उसे उसे टूटा हुआ देखने की इच्छा जगाती थी।
“जी?” उसने पूछा।
“डीन,” उसने अनिश्चितता से दोहराया, अपनी बात को प्रभावी बनाने की कोशिश करते हुए। “स्वयं डीन ने अपने सचिव के माध्यम से।”
"कुछ?"
"उसने कहा कि मैं तुम्हें बता दूं कि डीन तुम्हारे वापस आते ही तुमसे तुरंत मिलना चाहते हैं।"
"धन्यवाद।"
"आपको क्या लगता है कि अब उसे क्या चाहिए होगा?"
"मुझे नहीं पता।"
उसने कहा था: "मुझे नहीं पता।" उसने स्पष्ट रूप से सुना था: "मुझे कोई परवाह नहीं है।" वह अविश्वास भरी निगाहों से उसे देखती रही।
“वैसे,” उसने कहा, “पेटी आज ग्रेजुएट हो रहा है।” उसने यह बात बिना किसी स्पष्ट संदर्भ के कही।

“आज? ओह, हाँ।”
“आज का दिन मेरे लिए बहुत अच्छा है। जब मैं सोचती हूँ कि मैंने अपने बेटे को स्कूल भेजने के लिए कितनी मेहनत की और कितनी कंजूसी की। वैसे तो मुझे कोई शिकायत नहीं है। मैं शिकायत करने वालों में से नहीं हूँ। पेटी एक बहुत ही होशियार लड़का है।”
वह सिकुड़ी हुई खड़ी थी। उसका छोटा सा मोटा शरीर सूती पोशाक की कड़क तहों के नीचे इतनी कसकर जकड़ा हुआ था कि ऐसा लग रहा था मानो चर्बी उसकी कलाई और टखनों तक खिंच रही हो।
“लेकिन बेशक,” वह अपने पसंदीदा विषय पर उत्साह से तेज़ी से बोलने लगीं, “मैं शेखी नहीं बघारती। कुछ माताएँ भाग्यशाली होती हैं और कुछ नहीं। हम सभी अपनी-अपनी जगह पर हैं। बस अब से पेटी पर नज़र रखना। मैं नहीं चाहती कि मेरा बेटा काम में इतना डूब जाए कि खुद को थका ले और उसे जो भी छोटी-मोटी सफलता मिलेगी, उसके लिए मैं भगवान का शुक्रिया अदा करूँगी। लेकिन अगर वह लड़का इस अमेरिका का सबसे महान निर्माता नहीं बना, तो उसकी माँ इसका कारण जानना चाहेगी!”
वह जाने के लिए आगे बढ़ा।
"लेकिन मैं तुम्हारे साथ इस तरह गपशप करके क्या कर रही हूँ!" उसने उत्साह से कहा।
“तुम्हें जल्दी से कपड़े बदलकर भागना होगा। डीन तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।”
वह जालीदार दरवाजे से उसे देखती रही, उसके दुबले-पतले शरीर को अपने बैठक कक्ष की सख्त साफ-सुथरी जगह में घूमते हुए निहारती रही। घर में वह हमेशा उसे असहज महसूस कराता था, एक अस्पष्ट आशंका से, मानो वह इंतजार कर रही हो कि वह अचानक उस पर झपटेगा और उसकी कॉफी टेबल, चीनी फूलदान, फ्रेम की हुई तस्वीरें तोड़ देगा। उसने ऐसा करने की कभी कोई इच्छा नहीं दिखाई थी। वह बिना जाने ही इसकी आशंका करती रहती थी।
रोर्क सीढ़ियों से चढ़कर अपने कमरे में गया। कमरा बड़ा और खाली था, सफेदी की चमक से जगमगा रहा था। श्रीमती कीटिंग को कभी ऐसा महसूस नहीं हुआ था कि रोर्क सचमुच वहाँ रहता है। उसने कमरे में केवल बुनियादी फर्नीचर ही रखा था, जिसमें कोई अतिरिक्त वस्तु नहीं थी; न कोई चित्र, न कोई झंडा, न ही कोई मानवीय स्पर्श। वह कमरे में अपने कपड़ों और रेखाचित्रों के अलावा कुछ नहीं लाया था; कपड़े कम थे और रेखाचित्र बहुत ज़्यादा; वे एक कोने में ऊँचे ढेर में रखे थे; कभी-कभी श्रीमती कीटिंग को लगता था कि वहाँ रेखाचित्र रहते हैं, न कि रोर्क।
रोर्क अब इन चित्रों की ओर बढ़ा; इन्हें सबसे पहले पैक किया जाना था। उसने एक चित्र उठाया, फिर दूसरा, फिर तीसरा। वह चौड़ी शीटों को देखता हुआ खड़ा रहा।
ये उन इमारतों के रेखाचित्र थे जो धरती पर पहले कभी नहीं बनी थीं। ये उन पहले घरों की तरह थे जिन्हें पहले जन्मे इंसान ने बनाया था, जिसने अपने से पहले किसी और के निर्माण के बारे में कभी नहीं सुना था। उनके बारे में कहने के लिए कुछ नहीं था, सिवाय इसके कि हर संरचना अनिवार्य रूप से वैसी ही थी जैसी उसे होनी थी। ऐसा नहीं था कि रेखाचित्रकार ने उन पर बैठकर, श्रमसाध्य चिंतन किया हो, अपनी इच्छा और किताबों के अनुसार दरवाजे, खिड़कियाँ और स्तंभ जोड़े हों। ऐसा लग रहा था मानो इमारतें धरती से और किसी सजीव शक्ति से पूर्ण रूप से, अपरिवर्तनीय रूप से सही रूप में निकली हों। जिस हाथ ने पेंसिल की तीखी रेखाएँ खींची थीं, उसे अभी बहुत कुछ सीखना था। लेकिन एक भी रेखा अनावश्यक नहीं लग रही थी, कोई भी आवश्यक तत्व छूटा नहीं था। संरचनाएँ संयमित और सरल थीं, जब तक कि कोई उन्हें ध्यान से न देखे और यह महसूस न करे कि किस काम, किस जटिल विधि, किस गहन चिंतन ने इस सरलता को प्राप्त किया था। किसी भी नियम ने एक भी विवरण निर्धारित नहीं किया था। इमारतें शास्त्रीय नहीं थीं, वे

वे गॉथिक शैली के नहीं थे, वे पुनर्जागरण शैली के भी नहीं थे। वे केवल हॉवर्ड रोर्क की शैली के थे।
वह रुक गया और एक रेखाचित्र को देखने लगा। यह रेखाचित्र उसे कभी संतुष्ट नहीं कर पाया था। उसने इसे अपने स्कूली काम से अलग एक अभ्यास के तौर पर बनाया था; वह अक्सर ऐसा करता था जब उसे कोई खास जगह मिल जाती और वह उसके सामने रुककर सोचता कि वहाँ किस तरह की इमारत बननी चाहिए। उसने कई रातें इस रेखाचित्र को देखते हुए बिताई थीं, यह सोचते हुए कि उससे क्या चूक हो गई। अब अचानक इस रेखाचित्र पर नज़र डालते ही उसे अपनी गलती का एहसास हुआ।
उसने स्केच को मेज़ पर पटक दिया, उस पर झुक गया और अपनी साफ-सुथरी ड्राइंग पर सीधी रेखाएँ खींच दीं। वह बीच-बीच में रुकता और उसे देखता रहता, उसकी उंगलियाँ कागज पर टिकी रहतीं; मानो उसके हाथ इमारत को थामे हुए हों। उसके हाथों की उंगलियाँ लंबी थीं, नसें उभरी हुई थीं, जोड़ और कलाई की हड्डियाँ स्पष्ट थीं।
एक घंटे बाद उसने अपने दरवाजे पर दस्तक सुनी।
“अंदर आओ!” वह बिना रुके गुस्से से बोला।
“श्रीमान रोर्क!” श्रीमती कीटिंग ने दहलीज से उन्हें घूरते हुए हांफते हुए कहा। “आप आखिर कर क्या रहे हैं?”
वह मुड़ा और उसे देखने लगा, यह याद करने की कोशिश करते हुए कि वह कौन थी।
“डीन के बारे में क्या ख्याल है?” उसने आह भरी। “वो डीन जो तुम्हारा इंतज़ार कर रहा है?”
“ओह,” रोर्क ने कहा। “ओह, हाँ। मैं भूल गया था।”
“तुम... भूल गए?”
“हाँ।” उसकी आवाज़ में हैरानी का भाव था, वह उसकी हैरानी देखकर अचंभित था।
“खैर, मैं बस इतना ही कह सकती हूँ,” वह रुंधे हुए स्वर में बोली, “कि तुम्हारे साथ जो होना चाहिए था, वही हुआ! बिल्कुल सही हुआ। और दीक्षांत समारोह साढ़े चार बजे शुरू हो रहा है, तो तुम उससे तुम्हें देखने का समय कैसे उम्मीद कर सकते हो?”
"मैं अभी चलता हूं, श्रीमती कीटिंग।"
केवल उसकी जिज्ञासा ही उसके इस कदम का कारण नहीं थी; उसे यह डर भी सता रहा था कि कहीं बोर्ड का फैसला रद्द न हो जाए। वह हॉल के आखिर में बने बाथरूम में गया; उसने उसे हाथ धोते हुए देखा, अपने खुले, सीधे बालों को संवारते हुए। वह बाहर आया, और सीढ़ियों की ओर बढ़ रहा था, तभी उसे एहसास हुआ कि वह जा रहा है।
“श्रीमान रोर्क!” उसने हांफते हुए उसके कपड़ों की ओर इशारा किया। “आप ऐसे नहीं जा रहे हैं?”
"क्यों नहीं?"
लेकिन वो तो आपके डीन हैं!
"अब और नहीं, श्रीमती कीटिंग।"
वह भयभीत होकर सोचने लगी कि उसने यह बात ऐसे कही जैसे वह सचमुच खुश हो।
स्टैटन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एक पहाड़ी पर स्थित था, जिसकी कंगूरेदार दीवारें नीचे फैले शहर के ऊपर एक मुकुट की तरह उठी हुई थीं। यह किसी मध्ययुगीन किले जैसा दिखता था, जिसके भीतरी हिस्से में एक गॉथिक गिरजाघर बना हुआ था। यह किला अपने उद्देश्य के लिए पूरी तरह से उपयुक्त था, जिसमें मजबूत ईंट की दीवारें, पहरेदारों के लिए पर्याप्त चौड़ी कुछ दरारें, रक्षा करने वाले तीरंदाजों के छिपने के लिए प्राचीरें और कोनों में बने बुर्ज थे, जहाँ से किसी आपात स्थिति में हमलावर पर उबलता हुआ तेल डाला जा सकता था। गिरजाघर उस पर जालीदार भव्यता के साथ खड़ा था, जो प्रकाश और हवा, दो बड़े दुश्मनों के खिलाफ एक नाजुक रक्षा कवच था।
डीन का कार्यालय किसी गिरजाघर जैसा दिखता था, मानो रंगीन कांच की एक लंबी खिड़की से आती स्वप्निल धुंधली रोशनी से जगमगा रहा हो। धुंधली रोशनी सख्त वस्त्रों

में समाई संतों की मूर्तियों से छनकर अंदर आ रही थी, जिनकी भुजाएँ कोहनियों से मुड़ी हुई थीं। एक लाल और एक बैंगनी रंग की रोशनी की किरणें एक ऐसे चिमनी के कोनों पर टिकी थीं, जिसका कभी इस्तेमाल नहीं हुआ था। चिमनी के ऊपर लटकी पार्थेनन की एक तस्वीर के केंद्र में एक हरा धब्बा दिखाई दे रहा था।
जब रोर्क ने कार्यालय में प्रवेश किया, तो डीन की आकृति की रूपरेखा उनकी मेज के पीछे धुंधली सी दिखाई दी, जो एक स्वीकारोक्ति कक्ष की तरह तराशी गई थी।
वह कद में छोटे और थोड़े मोटे व्यक्ति थे, जिनका बढ़ता हुआ शरीर उनकी अदम्य गरिमा से नियंत्रित था।
“अहा, रोर्क,” वह मुस्कुराया। “कृपया बैठ जाइए।”
रोर्क बैठ गया। डीन ने अपनी उंगलियाँ अपने पेट पर फंसा लीं और उस विनती का इंतज़ार करने लगा जिसकी उसे उम्मीद थी। कोई विनती नहीं हुई। डीन ने अपना गला साफ़ किया।
उन्होंने कहना शुरू किया, "आज सुबह हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर खेद व्यक्त करना मेरे लिए अनावश्यक होगा, क्योंकि मैं यह मानकर चलता हूं कि आप हमेशा से ही आपके कल्याण में मेरी सच्ची रुचि से अवगत रहे हैं।"
रोर्क ने कहा, "बिल्कुल अनावश्यक।"
डीन ने उसे संदेह भरी नज़रों से देखा, लेकिन बोलना जारी रखा:
"कहने की जरूरत नहीं है, मैंने आपके खिलाफ वोट नहीं दिया। मैंने बिल्कुल भी वोट नहीं दिया।"
लेकिन आपको यह जानकर खुशी होगी कि बैठक में आपके समर्थकों का एक छोटा सा समूह काफी दृढ़ निश्चयी था। छोटा, लेकिन दृढ़ निश्चयी।
स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर ने आपके पक्ष में जमकर अभियान चलाया। गणित के प्रोफेसर ने भी ऐसा ही किया। दुर्भाग्य से, आपको निष्कासित करने के पक्ष में मतदान करने वालों की संख्या अन्य लोगों से कहीं अधिक थी। डिज़ाइन के आपके आलोचक प्रोफेसर पीटरकिन ने इस मामले को मुद्दा बना दिया। उन्होंने तो यहां तक धमकी दे दी कि यदि आपको निष्कासित नहीं किया गया तो वे इस्तीफा दे देंगे। आपको यह समझना चाहिए कि आपने प्रोफेसर पीटरकिन को बहुत उकसाया है।
“हाँ,” रोर्क ने कहा।
“देखिए, यही तो समस्या थी। मैं वास्तुकला डिजाइन के विषय के प्रति आपके रवैये की बात कर रहा हूं। आपने इसे कभी वह महत्व नहीं दिया जिसके यह हकदार है। फिर भी, आप सभी इंजीनियरिंग विज्ञानों में उत्कृष्ट रहे हैं। बेशक, भावी वास्तुकार के लिए संरचनात्मक इंजीनियरिंग के महत्व से कोई इनकार नहीं करता, लेकिन अतिवाद की क्या आवश्यकता है?”
आप अपने पेशे के कलात्मक और प्रेरणादायक पहलू को क्यों नजरअंदाज कर रहे हैं और उन नीरस, तकनीकी और गणितीय विषयों पर ही ध्यान केंद्रित कर रहे हैं? आप वास्तुकार बनना चाहते थे, सिविल इंजीनियर नहीं।
“क्या यह अनावश्यक नहीं है?” रोर्क ने पूछा। “यह बीत चुका है। अब मेरे द्वारा चुने गए विषयों पर चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है।”
“रोर्क, मैं आपकी मदद करने की कोशिश कर रहा हूँ। आपको इस मामले में निष्पक्ष रहना होगा। आप यह नहीं कह सकते कि ऐसा होने से पहले आपको कई चेतावनियाँ नहीं दी गई थीं।”
"मैं था।"
डीन अपनी कुर्सी पर थोड़ा हिले। रोर्क की वजह से उन्हें असहजता महसूस हो रही थी। रोर्क की निगाहें विनम्रतापूर्वक उस पर टिकी हुई थीं। डीन ने सोचा, जिस तरह से वह मुझे देख रहा है उसमें कुछ भी गलत नहीं है, वास्तव में यह बिल्कुल सही है, अत्यंत ध्यानपूर्वक देख रहा है; बस, ऐसा लग रहा है जैसे मैं यहाँ हूँ ही नहीं।

डीन ने आगे कहा, “आपको जो भी समस्या दी गई, जो भी प्रोजेक्ट आपको डिज़ाइन करना था—आपने उसके साथ क्या किया? उन सभी को आपने उसी—खैर, मैं उसे शैली नहीं कह सकता—अपने उस अविश्वसनीय तरीके से किया। यह उन सभी सिद्धांतों के विपरीत है जो हमने आपको सिखाने की कोशिश की है, कला के सभी स्थापित मानदंडों और परंपराओं के विपरीत है। आप खुद को आधुनिकतावादी कह सकते हैं, लेकिन यह वह भी नहीं है। यह...
अगर आपको बुरा न लगे तो बता दूं, यह सरासर पागलपन है।
मुझे कोई आपत्ति नहीं है।
“जब आपको ऐसे प्रोजेक्ट दिए जाते थे जिनमें स्टाइल चुनने की पूरी छूट होती थी और आप अपने किसी अनोखे स्टंट को अंजाम देते थे—तो सच कहूँ तो, आपके शिक्षकों ने आपको पास कर दिया क्योंकि उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि इसका क्या मतलब निकाला जाए।
लेकिन, जब आपको ऐतिहासिक शैलियों पर आधारित कोई अभ्यास दिया गया हो, जैसे कि ट्यूडर चैपल या फ्रेंच ओपेरा हाउस, और आपने कुछ ऐसा प्रस्तुत किया हो जो बेतरतीब ढंग से ढेर सारे बक्सों जैसा दिखता हो, तो क्या आप कहेंगे कि यह किसी कार्य का उत्तर था या सरासर अवज्ञा?
रोर्क ने कहा, "यह अवज्ञा थी।"
“अन्य सभी विषयों में आपके शानदार प्रदर्शन को देखते हुए हम आपको एक मौका देना चाहते थे। लेकिन जब आपने यह जमा किया—” डीन ने अपने सामने बिछे कागज पर मुक्का मारा— “इसे अपने साल के अंतिम प्रोजेक्ट के रूप में पुनर्जागरण काल के विला के रूप में प्रस्तुत किया—सच में, मेरे बच्चे, यह कुछ ज़्यादा ही था!”
उस कागज पर एक चित्र बना हुआ था—कांच और कंक्रीट से बना एक घर। कोने में एक तीक्ष्ण, कोणीय हस्ताक्षर था: हॉवर्ड रोर्क।
"इसके बाद आप हमसे पास होने की उम्मीद कैसे करते हैं?"
"मैं नहीं।"
“आपने हमें इस मामले में कोई विकल्प नहीं छोड़ा। स्वाभाविक रूप से, इस समय आपके मन में हमारे प्रति कड़वाहट होगी, लेकिन...”
“मुझे ऐसा कुछ भी महसूस नहीं होता,” रोर्क ने धीमी आवाज़ में कहा। “मुझे आपसे माफ़ी मांगनी चाहिए। मैं आमतौर पर अपने ऊपर होने वाली घटनाओं को बर्दाश्त नहीं करता। इस बार मुझसे गलती हो गई। मुझे आपके द्वारा निकाले जाने का इंतज़ार नहीं करना चाहिए था। मुझे बहुत पहले ही चले जाना चाहिए था।”
“अब, अब, निराश मत होइए। यह सही रवैया नहीं है। खासकर जो मैं आपको बताने जा रहा हूँ उसे देखते हुए।”
डीन मुस्कुराए और आत्मविश्वास से आगे झुक गए, एक अच्छे काम की शुरुआत का आनंद लेते हुए।
“हमारे साक्षात्कार का असली उद्देश्य यही है। मैं आपको जल्द से जल्द बताना चाहता था। मैं आपको निराश नहीं करना चाहता था।”
हाँ, मैंने राष्ट्रपति के गुस्से को देखते हुए उनसे इस बारे में बात करने का जोखिम उठाया था, लेकिन... ध्यान रहे, उन्होंने कोई पक्का जवाब नहीं दिया, लेकिन... स्थिति कुछ इस प्रकार है: अब जब आपको इसकी गंभीरता का एहसास हो गया है, तो अगर आप एक साल का अवकाश लें, आराम करें, इस पर विचार करें—या कहें कि थोड़ा परिपक्व हो जाएँ?—तो शायद हम आपको वापस ले लें।
ध्यान रहे, मैं कुछ भी वादा नहीं कर सकता—यह पूरी तरह से अनौपचारिक है—यह बहुत ही असामान्य होगा, लेकिन परिस्थितियों और आपके शानदार रिकॉर्ड को देखते हुए, इसकी बहुत अच्छी संभावना हो सकती है।"

रोक मुस्कुराया। यह खुशी की मुस्कान नहीं थी, न ही कृतज्ञता की। यह एक सरल, सहज मुस्कान थी और इसमें थोड़ी सी खुशी झलक रही थी।
“मुझे नहीं लगता कि आप मेरी बात समझ पाए,” रोर्क ने कहा। “आपको ऐसा क्यों लगा कि मैं वापस आना चाहता हूं?”
“एह?”
मैं वापस नहीं आऊंगा। मुझे यहां और कुछ सीखने की जरूरत नहीं है।
डीन ने कड़े स्वर में कहा, "मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही है।"
“क्या समझाने का कोई फायदा है? अब आपको इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।”
"कृपया आप अपनी बात स्पष्ट करें।"
“अगर आपकी इच्छा हो तो ठीक है। मैं वास्तुकार बनना चाहता हूँ, पुरातत्वविद् नहीं। मुझे पुनर्जागरण काल के विलाओं को डिज़ाइन करने में कोई फ़ायदा नहीं दिखता। जब मैं उन्हें कभी बना ही नहीं पाऊंगा, तो उन्हें डिजाइन करना क्यों सीखूं?”
“मेरे प्यारे बेटे, पुनर्जागरण की महान शैली अभी खत्म नहीं हुई है।”
उस शैली के मकान प्रतिदिन बनाए जा रहे हैं।
“वे हैं। और वे रहेंगे। लेकिन मेरे द्वारा नहीं।”
"अरे, अरे, अब बस करो, यह बचकाना है।"
“मैं यहाँ निर्माण के बारे में सीखने आया था। जब मुझे कोई प्रोजेक्ट दिया गया, तो मेरे लिए उसका एकमात्र महत्व यही था कि मैं उसे उसी तरह हल करना सीखूँ जैसे भविष्य में किसी वास्तविक प्रोजेक्ट को हल करूँगा। मैंने उन्हें उसी तरह बनाया जैसे मैं उन्हें बनाऊँगा। मैंने यहाँ वह सब कुछ सीख लिया है जो मैं सीख सकता था—संरचनात्मक विज्ञान में, जिसे आप स्वीकार नहीं करते। एक और साल इतालवी पोस्टकार्ड बनाने से मुझे कुछ भी हासिल नहीं होगा।”
एक घंटा पहले डीन ने कामना की थी कि यह साक्षात्कार यथासंभव शांतिपूर्वक संपन्न हो। अब वे चाहते थे कि रोर्क कुछ भावनाएं प्रकट करें; इन परिस्थितियों में उनका इतना शांत और स्वाभाविक रहना अस्वाभाविक लग रहा था।
"क्या आपका मतलब यह है कि आप वास्तुकार बनने पर उस तरह से निर्माण करने के बारे में गंभीरता से सोच रहे हैं?"
"हाँ।"
“मेरे प्रिय मित्र, तुम्हें कौन करने देगा?”
“बात वो नहीं है। असली बात तो ये है कि मुझे कौन रोकेगा?”
“देखिए, यह गंभीर मामला है। मुझे खेद है कि मैंने आपसे पहले इस बारे में खुलकर और गंभीरता से बात नहीं की... मुझे पता है, मुझे पता है, मुझे बीच में मत टोकिए, आपने एक-दो आधुनिक इमारतें देखी होंगी और उनसे आपको कुछ विचार आए होंगे। लेकिन क्या आपको एहसास है कि यह तथाकथित आधुनिक आंदोलन कितना क्षणभंगुर है? आपको यह समझना होगा—और यह
सभी विद्वानों ने यह सिद्ध कर दिया है कि वास्तुकला में जो कुछ भी सुंदर है, वह पहले ही हो चुका है। अतीत की हर शैली में कला का खजाना छिपा है। हमें केवल महान रचनाकारों में से ही चुनना है।
हम कौन होते हैं उनसे बेहतर करने वाले? हम तो केवल सम्मानपूर्वक उनकी नकल करने का प्रयास कर सकते हैं।
"क्यों?" हॉवर्ड रोर्क ने पूछा।
नहीं, डीन ने सोचा, नहीं, उसने और कुछ नहीं कहा; यह बिल्कुल निर्दोष शब्द है; वह मुझे धमकी नहीं दे रहा है।
“लेकिन यह तो स्वतः स्पष्ट है!” डीन ने कहा।
“देखो,” रोर्क ने शांत स्वर में कहा और खिड़की की ओर इशारा किया। “क्या तुम्हें कैंपस और शहर दिखाई दे रहा है? क्या तुम देख सकते हो कि वहाँ कितने लोग चल रहे

हैं और रह रहे हैं? खैर, मुझे इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि उनमें से कोई भी या सभी वास्तुकला के बारे में क्या सोचते हैं—या किसी और चीज़ के बारे में भी। मुझे क्यों सोचना चाहिए कि उनके दादाजी इसके बारे में क्या सोचते थे?"
“यह हमारी पवित्र परंपरा है।”
"क्यों?"
"भगवान के लिए, क्या आप इस बारे में इतने भोले बनना बंद नहीं कर सकते?"
“लेकिन मुझे समझ नहीं आ रहा। आप मुझसे यह क्यों मनवाना चाहते हैं कि यह एक महान वास्तुकला है?” उन्होंने पार्थेनन की तस्वीर की ओर इशारा किया।
डीन ने कहा, "यह पार्थेनन है।"
"सो है।"
मेरे पास फालतू के सवालों पर समय बर्बाद करने का समय नहीं है।
“ठीक है, फिर।” रोर्क उठा, उसने मेज से एक लंबा रूलर उठाया और तस्वीर की ओर चल पड़ा। “क्या मैं तुम्हें बताऊँ कि इसमें क्या खराबी है?”
“यह पार्थेनन है!” डीन ने कहा।
"हाँ, भगवान की कसम, पार्थेनन!"
स्केल ने तस्वीर के ऊपर लगे शीशे पर प्रहार किया।
“देखो,” रोर्क ने कहा। “प्रसिद्ध स्तंभों पर बनी प्रसिद्ध नक्काशी—
ये वहाँ किसलिए हैं? लकड़ी के जोड़ों को छिपाने के लिए—जब स्तंभ लकड़ी के बनते थे, लेकिन ये नहीं, ये संगमरमर के हैं। ये त्रिशूल क्या हैं? लकड़ी के। लकड़ी के बीम, जिस तरह से इन्हें तब बिछाया जाता था जब लोग लकड़ी की झोपड़ियाँ बनाना शुरू करते थे। आपके यूनानियों ने संगमरमर लिया और उससे अपनी लकड़ी की संरचनाओं की नकल बनाई, क्योंकि दूसरों ने भी ऐसा ही किया था। फिर पुनर्जागरण काल के उस्ताद आए और उन्होंने प्लास्टर में संगमरमर की नकलें बनाईं, फिर संगमरमर में और फिर लकड़ी में। अब हम यहाँ हैं, स्टील में नकलें बना रहे हैं। और कंक्रीट की प्रतियां, प्लास्टर की प्रतियां, संगमरमर की प्रतियां, लकड़ी की प्रतियां। क्यों?
डीन उत्सुकता से उसे देख रहा था। कुछ बात उसे उलझन में डाल रही थी, शब्दों में नहीं, बल्कि रोर्क के बोलने के तरीके में।
“नियम?” रोर्क ने कहा। “मेरे नियम ये हैं: जो एक पदार्थ से किया जा सकता है, वह दूसरे पदार्थ से कभी नहीं किया जा सकता। कोई भी दो पदार्थ एक जैसे नहीं होते। पृथ्वी पर कोई भी दो स्थान एक जैसे नहीं होते। कोई भी दो इमारतें एक ही उद्देश्य से नहीं बनी होतीं। उद्देश्य, स्थान और पदार्थ ही आकार निर्धारित करते हैं। कोई भी चीज़ तब तक तर्कसंगत या सुंदर नहीं हो सकती जब तक वह एक केंद्रीय विचार से न बनी हो, और वही विचार हर विवरण को निर्धारित करता है। एक इमारत जीवित होती है, मनुष्य की तरह। उसकी अखंडता अपने सत्य, अपने एकमात्र विषय का पालन करने और अपने एकमात्र उद्देश्य की पूर्ति करने में निहित है। मनुष्य अपने शरीर के अंग उधार नहीं लेता। एक इमारत अपनी आत्मा के टुकड़े उधार नहीं लेती। उसका निर्माता उसे आत्मा देता है और हर दीवार, खिड़की और सीढ़ी उसे व्यक्त करने के लिए बनाई जाती है।”
लेकिन अभिव्यक्ति के सभी उचित रूप बहुत पहले ही खोजे जा चुके हैं।
“अभिव्यक्ति—किसकी? पार्थेनन का उद्देश्य उसके लकड़ी के पूर्वज के समान नहीं था। एक हवाई अड्डा पार्थेनन के समान उद्देश्य को पूरा नहीं करता। हर रूप का अपना अर्थ होता है। हर इंसान अपना अर्थ, रूप और लक्ष्य खुद बनाता है। दूसरों ने क्या किया है, यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है? सिर्फ इसलिए पवित्र क्यों हो जाता है क्योंकि वह आपका अपना नहीं है? जब तक आप खुद सही नहीं हैं, तब तक हर कोई सही क्यों है? दूसरों की संख्या सत्य का स्थान क्यों ले लेती है? सत्य को केवल गणित का विषय क्यों बना दिया गया है—और वह भी केवल जोड़ का? हर चीज को बेतुके ढंग से तोड़-मरोड़

कर दूसरी चीज में क्यों फेंट कर दिया गया है? कोई न कोई कारण तो जरूर होगा।
मुझे नहीं पता। मैंने कभी नहीं जाना। मैं समझना चाहता हूँ।"
"भगवान के लिए," डीन ने कहा। "बैठ जाओ... यह बेहतर है..."
क्या आप कृपया वह स्केल नीचे रख देंगे? ... धन्यवाद...
अब मेरी बात ध्यान से सुनो। किसी ने भी वास्तुकार के लिए आधुनिक तकनीक के महत्व को नकारा नहीं है। हमें अतीत की सुंदरता को वर्तमान की आवश्यकताओं के अनुरूप ढालना सीखना चाहिए। अतीत की आवाज़ जनता की आवाज़ है। वास्तुकला में कोई भी आविष्कार किसी एक व्यक्ति ने नहीं किया है। रचनात्मक प्रक्रिया धीमी, क्रमिक, गुमनाम और सामूहिक होती है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति अन्य सभी के साथ सहयोग करता है और बहुमत के मानकों का पालन करता है।
"लेकिन देखिए," रोर्क ने शांत स्वर में कहा, "मेरे पास जीने के लिए लगभग साठ साल हैं। उस समय का अधिकांश हिस्सा काम करने में व्यतीत होगा। मैंने वह काम चुना है जो मैं करना चाहता हूँ। यदि मुझे उसमें आनंद नहीं मिलता, तो मैं स्वयं को साठ वर्षों की यातना के लिए अभिशप्त कर रहा हूँ। और मुझे आनंद तभी मिल सकता है जब मैं अपना काम सर्वोत्तम तरीके से करूँ। लेकिन सर्वोत्तम होना मानकों की बात है—और मैं अपने मानक स्वयं निर्धारित करता हूँ। मुझे कुछ भी विरासत में नहीं मिला है। मैं किसी परंपरा के अंत में नहीं खड़ा हूँ। शायद मैं किसी नई परंपरा की शुरुआत में खड़ा हूँ।"
"आपकी उम्र कितनी है?" डीन ने पूछा।
"बाईस," रोर्क ने कहा।
"बिल्कुल क्षमा करने योग्य," डीन ने कहा; वे राहत महसूस कर रहे थे। "आप इन सब बातों से आगे निकल जाएंगे।" वे मुस्कुराए। "पुराने मानक हज़ारों वर्षों से चले आ रहे हैं और कोई भी उनमें सुधार नहीं कर पाया है। आपके आधुनिकतावादी कौन हैं? एक क्षणिक चलन, दिखावा करने वाले लोग जो ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करते हैं। क्या आपने उनके करियर का क्रम देखा है? क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति का नाम बता सकते हैं जिसने कोई स्थायी ख्याति प्राप्त की हो? हेनरी कैमरून को देखिए। एक महान व्यक्ति, बीस साल पहले एक अग्रणी वास्तुकार। आज वह क्या हैं? अगर उन्हें कुछ मिल भी जाए तो वे खुद को भाग्यशाली समझेंगे—
साल में एक बार—एक गैराज का जीर्णोद्धार करना। एक आवारा और एक शराबी, जो...
हम हेनरी कैमरून के बारे में चर्चा नहीं करेंगे।
"ओह? क्या वह आपका दोस्त है?"
नहीं। लेकिन मैंने उनकी इमारतें देखी हैं।
और आपने उन्हें ढूंढ लिया...
मैंने कहा कि हम हेनरी कैमरून के बारे में चर्चा नहीं करेंगे।
"बहुत खूब। आपको यह समझना होगा कि मैं आपको बहुत अधिक छूट दे रहा हूँ। ...क्या हमें इसे छूट कह सकते हैं? मुझे आपके जैसे व्यवहार करने वाले छात्र से चर्चा करने की आदत नहीं है। हालांकि, मैं यथासंभव उस त्रासदी को रोकना चाहता हूँ, जो प्रतीत होती है, यानी आपके जैसे प्रतिभाशाली युवा का जानबूझकर अपने जीवन को बर्बाद करने का दृश्य।
डीन सोच रहा था कि उसने गणित के प्रोफेसर से इस लड़के के लिए हर संभव मदद करने का वादा क्यों किया था। सिर्फ इसलिए कि प्रोफेसर ने कहा था: "यह," और रोर्क की परियोजना की ओर इशारा करते हुए कहा, "एक महान व्यक्ति है।" डीन ने सोचा, एक महान व्यक्ति, या एक अपराधी। डीन का चेहरा उतर गया। वह दोनों में से किसी को भी स्वीकार नहीं करता था।

उसने रोर्क के अतीत के बारे में सुनी हुई बातों पर विचार किया। रोर्क के पिता ओहियो में कहीं स्टील के पुडलर थे और बहुत पहले उनकी मृत्यु हो गई थी। लड़के के प्रवेश पत्रों में निकटतम पते का कोई उल्लेख नहीं था।
रिश्तेदार। जब इस बारे में पूछा गया, तो रोर्क ने उदासीनता से कहा: "मुझे नहीं लगता कि मेरे कोई रिश्तेदार हैं। हो सकते हैं। मुझे नहीं पता।" वह इस बात से हैरान लग रहा था कि उससे इस मामले में दिलचस्पी रखने की उम्मीद की जा रही है। उसने कैंपस में एक भी दोस्त नहीं बनाया था और न ही दोस्ती करने की कोशिश की थी।
उन्होंने किसी बिरादरी में शामिल होने से इनकार कर दिया था। उन्होंने हाई स्कूल और संस्थान में तीन साल की पढ़ाई के दौरान कड़ी मेहनत की थी। बचपन से ही वे भवन निर्माण के कामों में एक आम मजदूर के रूप में काम करते आ रहे थे।
उसने प्लास्टरिंग, प्लंबिंग, स्टील का काम, जो भी काम मिलता, सब किया था। वह एक छोटे कस्बे से दूसरे कस्बे जाता रहा, पूरब की ओर बढ़ते हुए बड़े शहरों की तरफ बढ़ रहा था। पिछले साल गर्मियों में, अपनी छुट्टियों के दौरान, डीन ने उसे बोस्टन में बन रही एक गगनचुंबी इमारत पर रिवेटस पकड़ते हुए देखा था; उसका लंबा शरीर चिकने ओवरऑल के नीचे आराम से था, बस उसकी आँखें ही टकटकी लगाए थीं, और उसका दाहिना हाथ कभी-कभी, बड़ी कुशलता से, बिना किसी प्रयास के, आगे की ओर झुलता था, ताकि आखिरी क्षण में आग के गोले को पकड़ सके, जब ऐसा लगता था कि गर्म रिवेट्स बाल्टी से चूककर उसके चेहरे पर लग जाएंगा।
“रोर्क, ध्यान से सुनो,” डीन ने नरमी से कहा। “तुमने अपनी पढ़ाई के लिए बहुत मेहनत की है। तुम्हारी पढ़ाई का सिर्फ एक साल बचा था। एक ज़रूरी बात पर गौर करना है, खासकर तुम्हारे जैसे लड़के के लिए। एक आर्किटेक्ट के करियर के व्यावहारिक पहलुओं पर सोचना ज़रूरी है। आर्किटेक्ट होना अपने आप में कोई लक्ष्य नहीं है। वह एक विशाल सामाजिक ढांचे का छोटा सा हिस्सा मात्र है। सहयोग हमारे आधुनिक युग और विशेष रूप से वास्तुकला के पेशे के लिए महत्वपूर्ण है। क्या तुमने अपने संभावित ग्राहकों के बारे में सोचा है?”
“हां,” रोर्क ने कहा।
डीन ने कहा, "ग्राहक। ग्राहक। सबसे पहले उसी के बारे में सोचें।"
आपके बनाए घर में तो वही रहने वाला है। आपका एकमात्र उद्देश्य उसकी सेवा करना है। आपको उसकी इच्छाओं को कलात्मक रूप से उचित ढंग से व्यक्त करने का प्रयास करना चाहिए। क्या इस विषय पर बस इतना ही कहा जा सकता है?
“खैर, मैं कह सकता हूँ कि मुझे अपने ग्राहक के लिए सबसे आरामदायक, सबसे तर्कसंगत और सबसे सुंदर घर बनाने का प्रयास करना चाहिए। मैं कह सकता हूँ कि मुझे उसे अपना सर्वश्रेष्ठ बेचने की कोशिश करनी चाहिए और उसे सर्वश्रेष्ठ की पहचान करना भी सिखाना चाहिए। मैं यह कह सकता हूं, लेकिन मैं नहीं कहूंगा। क्योंकि मेरा इरादा किसी की सेवा या मदद करने के लिए निर्माण करना नहीं है। मेरा इरादा ग्राहक पाने के लिए निर्माण करना नहीं है। मेरा इरादा ग्राहक पाने के लिए निर्माण करना है।”
आप उन पर अपने विचार कैसे थोपने का इरादा रखते हैं?
मैं न तो किसी पर दबाव डालना चाहता हूं और न ही खुद दबाव में आना चाहता हूं। जो लोग मुझे चाहते हैं, वे खुद मेरे पास आएंगे।
तब डीन को समझ आया कि रोर्क के व्यवहार में उन्हें क्या बात परेशान कर रही थी। उन्होंने कहा, "आपकी बात कहीं अधिक विश्वसनीय लगेगी यदि आप इस तरह से बोलें जैसे आपको इस बात की परवाह हो कि मैं आपसे सहमत हूं या नहीं।"
“यह सच है,” रोर्क ने कहा। “मुझे परवाह नहीं कि आप मुझसे सहमत हैं या नहीं।”
उन्होंने इसे इतनी सरलता से कहा कि यह अपमानजनक नहीं लगा, बल्कि ऐसा लगा जैसे वह एक तथ्य का बयान दे रहे हों जिसे उन्होंने पहली बार हैरानी से देखा था।

“आपको इस बात का परवाह नहीं है कि दूसरे क्या सोचते हैं—जो शायद समझ में आता है। लेकिन क्या आप यह भी नहीं चाहते कि दूसरे भी आपकी तरह ही सोचें?”
"नहीं।"
लेकिन यह... यह तो भयावह है।
“क्या ऐसा है? शायद। मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकता।”
डीन ने अचानक, बहुत ऊँची आवाज़ में कहा, “मुझे इस साक्षात्कार से खुशी हुई। इससे मेरा अंतरात्मा हल्का हो गया है। जैसा कि बैठक में अन्य लोगों ने कहा, मेरा मानना है कि वास्तुकला का पेशा आपके लिए नहीं है। मैंने आपकी मदद करने की कोशिश की। अब मैं बोर्ड से सहमत हूँ। आपको प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। आप खतरनाक हैं।”
“किसे?” रोर्क ने पूछा।
लेकिन डीन उठ खड़े हुए, जिससे यह संकेत मिला कि साक्षात्कार समाप्त हो गया है। रोर्क कमरे से बाहर निकल गया। वह धीरे-धीरे लंबे गलियारों से होते हुए सीढ़ियों से नीचे उतरकर लॉन की ओर चला गया। वह डीन जैसे कई लोगों से मिल चुका था; लेकिन उन्हें कभी समझ नहीं पाया था। वह बस इतना जानता था कि उसके और उनके कार्यों में कोई महत्वपूर्ण अंतर था। यह बात उसे बहुत पहले ही परेशान करना बंद कर चुकी थी। लेकिन वह हमेशा इमारतों में एक केंद्रीय विषय और मनुष्यों में एक केंद्रीय प्रेरणा की तलाश करता था। वह अपने कार्यों का स्रोत जानता था; लेकिन दूसरों के कार्यों का स्रोत वह नहीं जान पाया। उसे परवाह भी नहीं थी। उसने कभी दूसरों के बारे में सोचने की प्रक्रिया नहीं सीखी थी। लेकिन कभी-कभी वह सोचता था कि आखिर किस बात ने उन्हें ऐसा बनाया है। डीन के बारे में सोचते हुए वह फिर से सोचने लगा। उसने सोचा कि इस प्रश्न में कहीं न कहीं कोई महत्वपूर्ण रहस्य छिपा है।
एक सिद्धांत था जिसे उसे खोजना था।
लेकिन वह रुक गया। उसने ढलती दोपहर की धूप को देखा, जो ढलने से ठीक पहले थम सी गई थी, एक धूसर चूना पत्थर की सतह पर।
संस्थान की इमारत की ईंट की दीवार के साथ-साथ एक पत्थर की कतार बिछी हुई थी। वह पुरुषों, डीन और डीन के पीछे के सिद्धांत को भूल गया, जिसे वह जानना चाहता था। वह केवल इस बात पर ध्यान दे रहा था कि नाजुक रोशनी में वह पत्थर कितना सुंदर दिख रहा था और वह उस पत्थर के साथ क्या कर सकता था।
उसने एक चौड़े कागज़ के बारे में सोचा, और उस पर उसे धूसर चूना पत्थर की नंगी दीवारें दिखाई दीं, जिन पर कांच की लंबी पट्टियाँ लगी थीं, जिनसे आकाश की रोशनी कक्षाओं में प्रवेश कर रही थी। कागज़ के कोने में एक तीखा, नुकीला हस्ताक्षर था—हॉवर्ड रोर्क।
द्वितीय
"...वास्तुकला, मेरे दोस्तों, एक महान कला है जो आधारित है..."
दो ब्रह्मांडीय सिद्धांतों पर आधारित: सौंदर्य और उपयोगिता। व्यापक अर्थ में, ये तीन शाश्वत सत्ताओं के अंश मात्र हैं: सत्य, प्रेम और सौंदर्य। सत्य—हमारी कला की परंपराओं के लिए, प्रेम—हमारे साथी मनुष्यों के लिए जिनकी सेवा करना हमारा कर्तव्य है, सौंदर्य—आह! सौंदर्य सभी कलाकारों के लिए एक सम्मोहक देवी है, चाहे वह एक सुंदर स्त्री के रूप में हो या किसी इमारत के रूप में...
हम्म... हाँ... अंत में, मैं आप सभी से, जो वास्तुकला के क्षेत्र में अपना करियर शुरू करने जा रहे हैं, कहना चाहूँगा कि आप एक पवित्र विरासत के संरक्षक हैं... हम्म... हाँ... तो, साहस और दूरदृष्टि से परिपूर्ण होकर, इस महान विद्यालय द्वारा वर्षों से प्रस्तुत किए गए तीन शाश्वत गुणों के साथ संसार में आगे बढ़ें। आप सभी निष्ठापूर्वक सेवा करें, न तो अतीत के गुलाम बनकर और न ही उन नवंधनी लोगों की तरह जो केवल मौलिकता का उपदेश देते हैं, क्योंकि यह रवैया केवल अज्ञानतापूर्ण घमंड है। आप सभी के लिए कई

समृद्ध और सक्रिय वर्ष हों और इस संसार से विदा होते समय, समय की रेत पर अपनी छाप छोड़ जाएँ!
गाइ फ्रैंकन ने अपने भाषण का समापन बड़े ही प्रभावशाली ढंग से किया, अपने दाहिने हाथ को उठाकर सलामी दी; अनौपचारिक, लेकिन उस खास अंदाज़ में, उस हंसमुख और बिंदास अंदाज़ में जो गाइ फ्रैंकन हमेशा दिखाते थे। उनके सामने मौजूद विशाल हॉल तालियों और प्रशंसा से गूंज उठा।
युवा, पसीने से तर और उत्सुक चेहरों का एक विशाल समूह पैंतालीस मिनट तक गंभीर भाव से उस मंच की ओर उठा रहा, जहां स्टैंटन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के दीक्षांत समारोह में गाय फ्रैंकन ने वक्ता के रूप में भाषण दिया था। गाय फ्रैंकन, जो इस अवसर के लिए स्वयं न्यूयॉर्क से आए थे; फ्रैंकन एंड हेयर की प्रतिष्ठित फर्म के उपाध्यक्ष, आर्किटेक्ट्स के उपाध्यक्ष।
गिल्ड ऑफ अमेरिका के सदस्य, अमेरिकन एकेडमी ऑफ़ आर्ट्स एंड लेटर्स के सदस्य, नेशनल फाइन आर्ट्स कमीशन के सदस्य, न्यूयॉर्क की आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स लीग के सचिव, अमेरिका की सोसाइटी फॉर आर्किटेक्चरल एनलाइटनमेंट के अध्यक्ष; गाय फ्रैंकन, फ्रांस के लीजन ऑफ ऑनर के नाइट, ग्रेट ब्रिटेन, बेल्जियम, मोनाको और सियाम की सरकारों द्वारा सम्मानित; गाय फ्रैंकन, स्टैंटन के सबसे महान पूर्व छात्र, जिन्होंने प्रसिद्ध फ्रिंक नेशनल का डिजाइन तैयार किया था।
न्यूयॉर्क शहर की बैंक बिल्डिंग, जिसके शीर्ष पर, फुटपाथ से पच्चीस मंज़िल ऊपर, हैड्रियन समाधि की एक लघु प्रतिकृति में कांच और बेहतरीन जनरल इलेक्ट्रिक बल्बों से बनी एक हवा से उड़ने वाली मशाल जल रही थी।
गाय फ्रैंकन मंच से नीचे उतरे, अपने समय और हरकतों के प्रति पूरी तरह सचेत। उनकी लंबाई मध्यम थी और वजन बहुत ज्यादा नहीं था, बस दुर्भाग्यवश थोड़ा मोटापा था। उन्हें पता था कि कोई भी उन्हें उनकी असली उम्र नहीं बताएगा, जो कि इक्यावन वर्ष थी। उनके चेहरे पर एक भी झुर्री या सीधी रेखा नहीं थी; यह गोलों, वृत्तों, चापों और दीर्घवृत्तों की एक कलात्मक रचना थी, जिसमें उनकी छोटी-छोटी चमकदार आंखें चंचलता से टिमटिमा रही थीं। उनके कपड़ों में एक कलाकार की बारीकियों पर असीम ध्यान देने की झलक थी। सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए उन्होंने कामना की कि काश यह एक सह-शिक्षा विद्यालय होता।
उसके सामने का हॉल, उसने सोचा, वास्तुकला का एक शानदार नमूना था, जो आज भीड़ और वेंटिलेशन की अनदेखी के कारण थोड़ा घुटन भरा लग रहा था। लेकिन इसमें हरे संगमरमर के छज्जे, सोने से रंगे लोहे के कोरिंथियन स्तंभ और दीवारों पर सोने से सजे फलों की मालाएँ थीं; गाय फ्रैंकन ने सोचा, खासकर अनानास तो वर्षों की कसौटी पर बहुत खरे उतरे थे। गाय फ्रैंकन ने सोचा, यह कितना मार्मिक है; बीस साल पहले मैंने ही इस एनेक्स और इस हॉल का निर्माण करवाया था; और मैं यहाँ हूँ।
हॉल लोगों से खचाखच भरा हुआ था, इतनी सघनता से कि एक नज़र में यह पहचानना मुश्किल था कि कौन सा चेहरा किस शरीर का है। यह मिश्रित भुजाओं, कंधों, छाती और पेट से बनी एक नरम, कांपती हुई जेली की तरह था। उनमें से एक सिर, पीला, काले बालों वाला और सुंदर, पीटर कीटिंग का था।
वह मंच के ठीक सामने बैठा था, अपनी निगाहें मंच पर टिकाए रखने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि वह जानता था कि बहुत से लोग उसे देख रहे हैं और आगे भी देखते रहेंगे। उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा, लेकिन उन निगाहों का एहसास उसे लगातार बना रहा। उसकी आँखें गंभीर, चौकस और बुद्धिमान थीं। उसका मुँह, एक छोटा सा ऊपर की ओर उठा हुआ अर्धचंद्र, त्रुटिहीन रूप से बना हुआ, कोमल और उदार था, और हल्की सी मुस्कान की गर्माहट से भरा हुआ था। उसके सिर की बनावट में एक खास शास्त्रीय पूर्णता थी, और उसके पतले गड्ढों के चारों ओर काले घुंघराले बालों की प्राकृतिक लहर थी। उसने अपना सिर इस तरह रखा था मानो वह अपनी सुंदरता को

स्वाभाविक मानता हो, लेकिन जानता हो कि दूसरे ऐसा नहीं मानते। वह पीटर कीटिंग था, स्टैंटन का मेधावी छात्र, छात्र संघ का अध्यक्ष।
टैक टीम का कप्तान, सबसे महत्वपूर्ण बिरादरी का सदस्य, कैंपस में सबसे लोकप्रिय व्यक्ति चुना गया।
पीटर कीटिंग ने सोचा कि भीड़ उसे स्नातक होते देखने आई है, और उसने हॉल की क्षमता का अनुमान लगाने की कोशिश की। वे उसके शैक्षणिक रिकॉर्ड से वाकिफ़ थे और आज कोई भी उसके रिकॉर्ड को नहीं तोड़ सकता था। खैर, श्लिंकर तो था ही। श्लिंकर ने उसे कड़ी टक्कर दी थी, लेकिन पिछले साल उसने श्लिंकर को हरा दिया था। उसने जी तोड़ मेहनत की थी, क्योंकि वह श्लिंकर को हराना चाहता था। आज उसका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था.
फिर अचानक उसे ऐसा लगा जैसे उसके गले से पेट तक कुछ गिर गया हो, कुछ ठंडा और खाली, एक खालीपन जो नीचे लुढ़कता हुआ उस एहसास को पीछे छोड़ गया: कोई विचार नहीं, बस एक सवाल की हल्की सी झलक जो उससे पूछ रही थीं कि क्या वह सचमुच उतना महान है जितना आज का दिन उसे घोषित कर रहा है। उसने भीड़ में श्लिंकर को ढूंढा; उसने उसका पीला चेहरा और सोने के फ्रेम वाला चश्मा देखा। उसने राहत, अविश्वास और कृतज्ञता से श्लिंकर को प्यार से देखा। यह स्पष्ट था कि श्लिंकर कभी भी उसकी शक्ल या काबिलियत के बराबर नहीं हो सकता था; उसे शक करने की कोई बात नहीं थी; वह हमेशा श्लिंकर और दुनिया के सभी श्लिंकरों को हराएगा; वह किसी को भी वह हासिल नहीं करने देगा जो वह खुद हासिल नहीं कर सकता। सब उसे देखते रहें। वह उन्हें घूरने का अच्छा कारण देगा। उसने अपने चारों ओर गर्म सांसें और उम्मीद महसूस की, मानो कोई टॉनिक हो। पीटर कीटिंग ने सोचा, जीवित रहना कितना अद्भुत है।
उसका सिर थोड़ा-थोड़ा घूमने लगा था। यह एक सुखद एहसास था।
उस भावना ने उसे बिना किसी प्रतिरोध और स्मृति के, उन सभी चेहरों के सामने मंच तक पहुंचा दिया। वह वहां खड़ा था—दुबला-पतला, चुस्त-दुरुस्त, एथलेटिक—और मानो प्रलय उसके सिर पर टूट पड़ा हो। उसकी गर्जना से उसे पता चला कि उसने सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली है, कि अमेरिका के आर्किटेक्ट्स गिल्ड ने उसे स्वर्ण पदक से सम्मानित किया है और कि उसे अमेरिका के सोसाइटी फ़ार आर्किटेक्चरल एनलाइटनमेंट द्वारा प्रिक्स डी पेरिस पुरस्कार से नवाजा गया है—पेरिस के इकोले डेस बेउक्स आर्ट्स में चार साल की छात्रवृत्ति।
फिर वह हाथ मिला रहा था, लुढ़के हुए चर्मपत्र के सिरे से अपने चेहरे से पसीना पोंछ रहा था, सिर हिला रहा था, मुस्कुरा रहा था, अपने काले गाउन में घुटन महसूस कर रहा था और उम्मीद कर रहा था कि लोग उसकी माँ को उसे बाहों में भरकर रोते हुए न देखें। संस्थान के अध्यक्ष ने उससे हाथ मिलाते हुए गरजकर कहा: "स्टैंटन को तुम पर गर्व होगा, मेरे बेटे।"
डीन ने उनसे हाथ मिलाते हुए दोहराया: “... एक गौरवशाली भविष्य ... एक शानदार भविष्य... एक शानदार भविष्य...” प्रोफ़ेसर पीटरकिन ने उनसे हाथ मिलाया और कंधे पर थपथपाते हुए कहा: “...और आपको यह बिल्कुल ज़रूरी लगेगा; उदाहरण के लिए, मुझे पीबॉडी डाकघर बनाते समय इसका अनुभव हुआ था...” कीटिंग ने बाकी की बातें नहीं सुनीं, क्योंकि उन्होंने पीबॉडी डाकघर की कहानी कई बार सुनी थी। यह एकमात्र ऐसी इमारत थी जिसे प्रोफ़ेसर पीटरकिन ने शिक्षण की ज़िम्मेदारियों के लिए अपना पेशा छोड़ने से पहले बनवाया था। कीटिंग की अंतिम परियोजना—एक ललित कला महल—के बारे में बहुत कुछ कहा गया। कीटिंग को उस समय बिल्कुल याद नहीं आ रहा था कि वह परियोजना क्या थी।
इन सबके बीच, उनकी आंखों में गाइ फ्रैंकन द्वारा हाथ मिलाने का दृश्य छाया हुआ था, और उनके कानों में फ्रैंकन की मधुर आवाज गूंज रही थी:

“...जैसा कि मैंने तुम्हें बताया है, यह अभी भी खुला है, मेरे बेटे। बेशक, अब जब तुम्हें यह छात्रवृत्ति मिल गई है... तुम्हें फैसला करना होगा... ललित कला की डिग्री एक युवा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है... लेकिन मुझे तुम्हें अपने कार्यालय में पाकर बहुत खुशी होगी....”
1922 बैच का भोज लंबा और गंभीर था। कीटिंग ने भाषणों को रुचि से सुना; जब उन्होंने "युवा पुरुषों को अमेरिकी वास्तुकला की आशा" के रूप में वर्णित करने वाले अंतहीन वाक्य सुने, तो उन्हें बहुत दुख हुआ।
और "भविष्य अपने सुनहरे द्वार खोल रहा है," यह जानकर उसे एहसास हुआ कि वही आशा है और वही भविष्य है, और इतने सारे प्रतिष्ठित मुखों से यह पुष्टि सुनना सुखद था। उसने सफ़ेद बालों वाले वक्ताओं को देखा और सोचा कि जब वह उनके पदों तक, उनके और उनसे भी आगे पहुंचेगा, तो वह कितना छोटा होगा।
फिर अचानक उसे हॉवर्ड रोर्क की याद आ गई। उसे आश्चर्य हुआ कि उस नाम की झलक उसके मन में आते ही उसे एक हल्की सी खुशी का एहसास हुआ, इससे पहले कि वह समझ पाता कि ऐसा क्यों हुआ। फिर उसे याद आया: हॉवर्ड रोर्क को आज सुबह स्कूल से निकाल दिया गया था। उसने मन ही मन खुद को कोसा; उसने अफसोस जताने की पूरी कोशिश की। लेकिन जब भी उसे उस निष्कासन की याद आती, वह अंदरूनी खुशी फिर लौट आती। इस घटना ने यह साबित कर दिया कि रोर्क को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी समझना उसकी मूर्खता थी; एक समय था जब वह श्लिंकर से भी ज्यादा रोर्क को लेकर चिंतित रहता था, जबकि रोर्क उससे दो साल छोटा और एक कक्षा नीचे था। अगर उसे कभी भी उनकी प्रतिभाओं पर कोई संदेह था, तो क्या आज के दिन ने सब कुछ साफ नहीं कर दिया? और, उसे याद आया, रोर्क उसके साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता था, जब भी वह किसी समस्या में फंस जाता था, उसकी मदद करता था... फंसा हुआ नहीं, बल्कि बस समझ नहीं पाता था।
उसके पास सोचने-समझने का समय था, कोई योजना बनाने का। हे भगवान! रोर्क किसी योजना को कैसे सुलझा सकता था, जैसे किसी धागे को खींचना और वह खुल जाए... भला अगर वह ऐसा कर भी लेता तो उसे क्या मिलता? अब तो उसका काम तमाम हो चुका था। और यह जानकर, पीटर कीटिंग को आखिरकार हॉवर्ड रोर्क के लिए सहानुभूति का एक संतोषजनक अनुभव हुआ।
जब कीटिंग को बोलने के लिए बुलाया गया, तो वे आत्मविश्वास से खड़े हो गए। वे यह नहीं दिखा सके कि वे भयभीत थे। वास्तुकला के बारे में उनके पास कहने के लिए कुछ नहीं था। लेकिन उन्होंने सिर ऊंचा करके, एक समान व्यक्ति की तरह, बस थोड़ी सी झिझक के साथ बात की, ताकि उपस्थित कोई भी बड़ा नाम नाराज न हो सके। उन्हें याद है कि उन्होंने कहा था: "वास्तुकला एक महान कला है... जिसमें हमारी निगाहें भविष्य पर और हमारे हृदय में अतीत के प्रति श्रद्धा होती है..."
सभी शिल्पों में, समाजशास्त्रीय दृष्टि से सबसे महत्वपूर्ण शिल्प... और जैसा कि हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहे व्यक्ति ने आज कहा है, तीन शाश्वत तत्व हैं: सत्य, प्रेम और सौंदर्य...।"
फिर, बाहर गलियारों में, विदाई के शोरगुल और अफरा-तफरी के बीच, एक लड़के ने कीटिंग के कंधों पर हाथ रखकर फुसफुसाया: “पीट, जल्दी घर जाओ और सूप-मछली के चक्कर से बाहर निकलो, आज रात हम बोस्टन में हैं, बस अपने दोस्तों के साथ; मैं तुम्हें एक घंटे में लेने आऊंगा।” टेड श्लिंकर ने आग्रह किया: “ज़रूर तुम आ रहे हो, पीट। तुम्हारे बिना मज़ा नहीं आएगा। और हाँ, बधाई हो और बाकी सब। कोई बुरा मत मानना। जो सबसे अच्छा हो वही जीते।” कीटिंग ने श्लिंकर के कंधों पर हाथ रख दिया; कीटिंग की आँखें एक अटूट गर्मजोशी से चमक उठीं, मानो श्लिंकर उनका सबसे प्यारा दोस्त हो; कीटिंग की आँखें हर किसी के लिए ऐसी ही चमकती थीं। उन्होंने कहा:

“धन्यवाद, टेड, मेरे दोस्त। मुझे उस ए.जी.ए. पदक के बारे में वाकई बहुत बुरा लग रहा है।”
—मुझे लगता है कि तुम ही इसके लिए सही थे, लेकिन कुछ कहा नहीं जा सकता कि उन बूढ़े लोगों को क्या हो जाता है। और अब कीटिंग हल्की अंधेरी रात में अपने घर की ओर जा रहा था, यह सोच रहा था कि रात भर के लिए अपनी माँ से कैसे दूर रहे।
उसे लगा कि उसकी माँ ने उसके लिए बहुत कुछ किया है। जैसा कि वह अक्सर कहती थी, वह एक महिला थी और हाई स्कूल से स्नातक थी; फिर भी उसने कड़ी मेहनत की थी, अपने घर में किराएदार रखे थे, जो उसके परिवार में अभूतपूर्व था।
उनके पिता स्टैंटन में एक स्टेशनरी की दुकान चलाते थे। बदलते समय ने व्यवसाय को बंद कर दिया और बारह साल पहले पीटर कीटिंग सीनियर की हर्निया से मृत्यु हो गई। लुईसा कीटिंग को एक प्रतिष्ठित सड़क के अंत में स्थित घर और उनसे मिलने वाली वार्षिक पेंशन विरासत में मिली थी।
बीमा का हिसाब समय पर रखा गया था—उन्होंने इसका ध्यान रखा था—और अपने बेटे का भी। वार्षिकी मामूली थी, लेकिन किराएदारों की मदद और दृढ़ संकल्प के बल पर श्रीमती कीटिंग ने इसे पूरा कर लिया था। गर्मियों में उनका बेटा होटलों में क्लर्क का काम करके या टोपी के विज्ञापनों के लिए पोज देकर मदद करता था। श्रीमती कीटिंग ने ठान लिया था कि उनका बेटा दुनिया में अपना उचित स्थान प्राप्त करेगा, और वह इस बात से ऐसे चिपकी हुई थीं जैसे कोई जोंक... कीटिंग को याद आया, यह अजीब बात है कि एक समय वह कलाकार बनना चाहता था। उसकी माँ ने ही उसकी चित्रकारी की प्रतिभा को निखारने के लिए एक बेहतर क्षेत्र चुना था। "वास्तुकला।"
उसने कहा था, “यह कितना सम्मानजनक पेशा है। इसके अलावा, इसमें आपको सबसे अच्छे लोग मिलते हैं।” उसने ही उसे इस करियर में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया था, उसे कभी पता ही नहीं चला कि कब और कैसे। कीटिंग ने सोचा, यह अजीब बात है कि उसे सालों से अपनी उस युवावस्था की महत्वाकांक्षा याद ही नहीं आई थी। यह अजीब बात है कि अब उसे याद करके दुख हो रहा है। खैर, आज रात इसे याद करने और हमेशा के लिए भुला देने का समय था।
कीटिंग ने सोचा, वास्तुकार हमेशा शानदार करियर बनाते हैं। और शिखर पर पहुँचने के बाद, क्या वे कभी असफल होते हैं? अचानक, उन्हें हेनरी कैमरून याद आ गए: बीस साल पहले गगनचुंबी इमारतों के निर्माता; आज किसी तटवर्ती इलाके में दफ्तरों में काम करने वाले एक बूढ़े शराबी। कीटिंग सिहर उठे और तेज़ी से चलने लगे।
चलते-चलते वह सोचने लगा कि क्या लोग उसे देख रहे हैं।
वह रोशन खिड़कियों के आयताकारों को देखता रहा; जब कोई पर्दा फड़फड़ाता और किसी का सिर बाहर निकलता, तो वह यह अनुमान लगाने की कोशिश करता कि क्या वह उसे गुजरते हुए देखने के लिए झुका था; अगर नहीं, तो किसी दिन जरूर देखेगा; किसी दिन, वे सभी देखेंगे।
जब कीटिंग घर के पास पहुंचा, तो हॉवर्ड रोर्क बरामदे की सीढ़ियों पर बैठा था। वह कोहनियों के बल सीढ़ियों से टेक लगाकर बैठा था, उसकी लंबी टांगें फैली हुई थीं। बरामदे के खंभों पर एक मॉर्निंग-ग्लोरी की लता चढ़ी हुई थी, मानो घर और कोने पर लगे लैम्पपोस्ट की रोशनी के बीच एक पर्दा हो।
बसंत की रात में हवा में एक बिजली का गोला देखना अजीब था। इसने सड़क को और भी गहरा और शांत बना दिया; यह एक खाली जगह की तरह अकेला लटका हुआ था, और उस खाली जगह के किनारों पर पत्तियों से लदी कुछ शाखाओं के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। वह छोटा सा संकेत विशाल हो गया, मानो अंधेरे में पत्तियों की बाढ़ के अलावा कुछ भी न हो। कांच के उस यांत्रिक गोले ने पत्तियों को और भी जीवंत बना दिया; इसने उनका रंग छीन लिया और यह वादा किया कि दिन के उजाले में वे

पहले से कहीं अधिक चमकदार हरे रंग को होंगे; इसने दृष्टि छीन ली और एक नई अनुभूति छोड़ दी।
इसके बजाय, न तो गंध और न ही स्पर्श, फिर भी वसंत और अंतरिक्ष दोनों का अहसास।
पोर्च के अंधेरे में उस अजीबोगरीब नारंगी बालों को पहचानते ही कीटिंग रुक गया। यही वह व्यक्ति था जिसे वह आज रात देखना चाहता था। रोर्क को अकेला पाकर वह खुश भी था और थोड़ा डरा हुआ भी।
रोर्क ने कहा, "बधाई हो, पीटर।"
“ओह... ओह, धन्यवाद....” कीटिंग को आश्चर्य हुआ कि आज उसे मिली किसी भी तारीफ़ से ज़्यादा खुशी उसे इस तारीफ से हुई। वह दबी आवाज़ में खुश था कि रोर्क ने उसकी तारीफ की, और मन ही मन खुद को मूर्ख समझ रहा था। “... मेरा मतलब... क्या तुम्हें पता है या...” उसने तीखे स्वर में कहा: “क्या माँ ने तुम्हें बताया है?”
"उसके पास।"
उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था!
"क्यों नहीं?"
"देखो, हॉवर्ड, तुम जानते हो कि मुझे तुम्हारे साथ जो हुआ उसके लिए बहुत खेद है।"
"
रोर्क ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और उसकी ओर देखा।
“भूल जाओ,” रोर्क ने कहा।
“मैं... मुझे आपसे कुछ बात करनी है, हॉवर्ड, आपसे सलाह लेनी है। क्या मैं बैठ सकता हूँ?”
"यह क्या है?"
कीटिंग उसके बगल में सीढ़ियों पर बैठ गया। रोर्क की उपस्थिति में उसकी कोई भूमिका नहीं हो सकती थी। वैसे भी, अब उसकी कोई भूमिका निभाने की इच्छा नहीं थी। उसने एक पत्ते के धरती पर गिरने की सरसराहट सुनी; यह एक पतली, काँच जैसी, वसंत जैसी ध्वनि थी।
उसे इस क्षण के लिए यह एहसास हुआ कि वह रोर्क के प्रति स्नेह महसूस कर रहा है; एक ऐसा स्नेह जिसमें दर्द, आश्चर्य और लाचारी समाहित थी।
कीटिंग ने पूरी ईमानदारी से और सौम्य भाव से कहा, "आपको ऐसा नहीं लगेगा कि मेरे लिए अपने काम के बारे में पूछना गलत है, जबकि आप अभी-अभी...?"
मैंने कहा, इसे भूल जाओ। यह क्या है?
“जानते हो,” कीटिंग ने ईमानदारी से और अप्रत्याशित रूप से खुद से कहा, “मैंने अक्सर सोचा है कि तुम पागल हो। लेकिन मुझे पता है कि तुम इसके बारे में—मेरा मतलब वास्तुकला से है—कई बातें जानते हो, जो उन मूर्खों को कभी नहीं पता थीं। और मुझे पता है कि तुम इससे उतना प्यार करते हो जितना वे कभी नहीं करेंगे।”
"कुंआ?"
“खैर, मुझे नहीं पता कि मुझे आपके पास क्यों आना चाहिए, लेकिन—हावर्ड, मैंने यह बात पहले कभी नहीं कही, लेकिन देखिए, मुझे डीन की राय से ज़्यादा आपकी राय पसंद है—मैं शायद डीन की बात मान लेता, लेकिन बात यह है कि आपकी राय मेरे लिए ज़्यादा मायने रखती है, पता नहीं क्यों। मुझे यह भी नहीं पता कि मैं यह क्यों कह रहा हूँ।”
रोर्क करवट बदलकर एक तरफ लेट गया, उसकी तरफ देखा और हँस पड़ा। उसकी हंसी युवा, सौम्य और दोस्ताना थी, रोर्क से ऐसी हंसी सुनना इतना दुर्लभ था कि कीटिंग को लगा जैसे किसी ने उसे दिलासा देते हुए उसका हाथ थाम लिया हो; और वह भूल गया कि बोस्टन में उसके लिए एक पार्टी का इंतज़ार हो रहा है।
रोर्क ने कहा, "चलो ना, तुम मुझसे डर तो नहीं रहे हो?"

आप किस बारे में पूछना चाहते हैं?
“यह मेरी छात्रवृत्ति के बारे में है। मुझे पेरिस में जो पुरस्कार मिला है उसके बारे में है।”
"हाँ?"
“यह चार साल के लिए है। लेकिन दूसरी तरफ, गाइ फ्रैंकन ने कुछ समय पहले मुझे अपने यहाँ नौकरी की पेशकश की थी। आज उन्होंने कहा कि यह पद अभी भी खाली है। और मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं कौन सा विकल्प चुनूँ।”
रोर्क ने उसकी ओर देखा; रोर्क की उंगलियां धीरे-धीरे घूम रही थीं और सीढ़ियों पर थपथपा रही थीं।
“अगर तुम मेरी सलाह चाहते हो, पीटर,” उसने अंत में कहा, “तुम पहले ही गलती कर चुके हो। मुझसे पूछकर। किसी से भी पूछकर। कभी लोगों से मत पूछो। अपने काम के बारे में तो बिल्कुल नहीं। क्या तुम्हें पता नहीं कि तुम क्या चाहते हो? तुम यह कैसे बर्दाश्त कर सकते हो कि तुम्हें पता ही नहीं है?”
"देखो, यही बात मुझे तुम्हारे बारे में पसंद है, हॉवर्ड। तुम्हें हमेशा सब पता होता है।"
"तारीफ करना बंद करो।"
“लेकिन मेरा मतलब यही है। आप हमेशा निर्णय लेने में सक्षम कैसे हो जाते हैं?” आप दूसरों को अपने लिए निर्णय लेने की अनुमति कैसे दे सकते हैं?
लेकिन देखो, मुझे यकीन नहीं है, हॉवर्ड। मुझे खुद पर कभी यकीन नहीं होता। मुझे नहीं पता कि मैं उतना अच्छा हूँ जितना सब मुझे बताते हैं। मैं यह बात तुम्हारे सिवा किसी और से नहीं कहूंगा। मुझे लगता है कि इसकी वजह यह है कि तुम हमेशा मेरे बारे में इतने आश्वस्त रहते हो कि...
“पेटी!” श्रीमती कीटिंग की आवाज़ उनके पीछे से गूंजी। “पेटी, प्यारे! तुम वहाँ क्या कर रहे हो?”
वह दरवाजे पर खड़ी थी, अपने सबसे अच्छे बरगंडी रंग के टैफेटा परिधान में, खुश और गुस्से में।
और मैं यहाँ अकेले बैठकर तुम्हारा इंतज़ार कर रही हूँ! तुम अपने सूट में उन गंदी सीढ़ियों पर क्या कर रहे हो? उठो यहाँ से!
एक मिनट! अंदर आ जाओ, बच्चों। मैंने तुम्हारे लिए हॉट चॉकलेट और कुकीज़ तैयार रखी हैं।
“लेकिन माँ, मुझे हॉवर्ड से किसी ज़रूरी बात पर बात करनी थी,” कीटिंग ने कहा।
लेकिन फिर वह उठ खड़ा हुआ।
ऐसा लगा मानो उसने सुना ही न हो। वह घर के अंदर चली गई।
कीटिंग ने भी अनुसरण किया।
रोर्क ने उन्हें देखा, कंधे उचकाए, उठा और खुद भी अंदर चला गया।
श्रीमती कीटिंग एक आरामकुर्सी पर बैठ गईं, उनकी कड़क स्कर्ट से चरमराहट की आवाज आ रही थी।
“तो?” उसने पूछा। “तुम दोनों बाहर क्या बात कर रहे थे?”
कीटिंग ने ऐशट्रे को छुआ, माचिस की डिब्बी उठाई और उसे गिरा दिया, फिर उसे अनदेखा करते हुए रोर्क की ओर मुड़ गया।
“देखो, हॉवर्ड, दिखावा छोड़ो,” उसने ऊँची आवाज़ में कहा। “क्या मैं छात्रवृत्ति छोड़कर काम पर लग जाऊँ, या फ्रैंकन को इंतज़ार करने दूँ और फिर देहातियों को प्रभावित करने के लिए ललित कला संकाय में दाखिला ले लूँ? तुम्हारा क्या विचार है?”
कुछ खो गया था। वो एक पल गुम हो गया था।
“अब, पेटी, मुझे यह बात स्पष्ट करने दो...”, श्रीमती कीटिंग ने कहना शुरू किया।
“अरे, एक मिनट रुको माँ!... हॉवर्ड, मुझे इस पर ध्यान से विचार करना होगा। ऐसी छात्रवृत्ति हर किसी को नहीं मिलती। तुम्हारा मूल्यांकन वाकई सराहनीय है। ललित कला विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम—तुम जानते हो कि यह कितना महत्वपूर्ण है।”

“मैं नहीं,” रोर्क ने कहा।
“अरे यार, मुझे पता है तुम्हारे विचार कितने अजीब हैं, लेकिन मैं व्यावहारिक रूप से बोल रहा हूँ, अपनी स्थिति के हिसाब से। आदर्शों को एक पल के लिए किनारे रख दें तो, यह निश्चित रूप से...”
रोर्क ने कहा, "तुम्हें मेरी सलाह नहीं चाहिए।"
“बिल्कुल! मैं आपसे ही पूछ रहा हूँ!”
लेकिन जब भी कोई श्रोता होता, चाहे कोई भी श्रोता हो, कीटिंग पहले जैसा नहीं रह पाता था। कुछ खो गया था। वह खुद तो नहीं जानता था, लेकिन उसे लगता था कि रोर्क को यह बात पता है; रोर्क की निगाहें उसे असहज कर देती थीं और इसी वजह से उसे गुस्सा आता था।
“मैं वास्तुकला का अभ्यास करना चाहता हूँ,” कीटिंग ने झल्लाकर कहा, “इसके बारे में बात नहीं करना! पुरानी 'इकोलो' से बहुत प्रतिष्ठा मिलती है। यह आपको उन आम पूर्व-प्लंबरों से ऊपर उठा देती है जो सोचते हैं कि वे निर्माण कर सकते हैं। दूसरी ओर, फ्रैंकन के साथ एक अवसर—खुद गाय फ्रैंकन द्वारा यह प्रस्ताव देना!”
रोर्क ने मुंह फेर लिया।
“कितने लड़के इसकी बराबरी कर पाएंगे?” कीटिंग ने बेपरवाही से पूछा। “एक साल बाद वे शेखी बघारेंगे कि वे स्मिथ या जोन्स के लिए काम कर रहे हैं अगर...”
उन्हें तो काम मिल ही जाता है। जबकि मैं फ्रैंकन एंड हेयर के साथ रहूंगा!
“पीटर, तुम बिल्कुल सही कह रहे हो,” श्रीमती कीटिंग ने उठते हुए कहा। “ऐसे सवाल पर तुम्हें अपनी माँ से सलाह नहीं लेनी चाहिए। यह बहुत महत्वपूर्ण है। मैं तुम्हें यह मामला श्री रोर्क से सुलझाने के लिए छोड़ देती हूँ।”
उसने अपनी माँ की ओर देखा। वह यह नहीं सुनना चाहता था कि वह इस बारे में क्या सोचती है; वह जानता था कि निर्णय लेने का उसका एकमात्र मौका यही था कि वह उसकी बात सुनने से पहले ही निर्णय ले ले; वह रुक गई थी, उसे देख रही थी, कमरे से बाहर जाने के लिए तैयार थी; वह जानता था कि यह दिखावा नहीं था—अगर वह चाहे तो वह चली जाएगी; वह चाहता था कि वह चली जाए; वह यह दिल से चाहता था।
उसने कहा:
“माँ, आप ऐसा कैसे कह सकती हैं? बेशक मैं आपकी राय जानना चाहती हूँ। आप... आप क्या सोचती हैं?”
उसने उसकी आवाज में छिपी झुंझलाहट को नजरअंदाज कर दिया। वह मुस्कुराई।
“पेटी, मैं कभी कुछ नहीं सोचती। यह तुम पर निर्भर है। यह हमेशा से तुम पर ही निर्भर रहा है।”
“अच्छा...” उसने हिचकिचाते हुए, उसे देखते हुए कहना शुरू किया, “अगर मैं ललित कला संकाय में जाऊं...”
श्रीमती कीटिंग ने कहा, "ठीक है, तो बो-आर्ट्स संग्रहालय जाइए। यह एक शानदार जगह है।"
आपके घर से पूरे एक महासागर की दूरी पर। बेशक, अगर आप जाते हैं, श्रीमान... फ्रैंकन किसी और को ले जाएगा। लोग इसके बारे में बातें करेंगे।
सबको पता है कि श्री फ्रैंकन हर साल स्टैटन से सबसे अच्छे लड़के को अपने पद के लिए चुनते हैं। मुझे आश्चर्य है कि अगर किसी और लड़के को यह नौकरी मिल जाए तो कैसा लगेगा? लेकिन मुझे लगता है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।
“लोग क्या कहेंगे?”
“कुछ खास नहीं, शायद। बस इतना कि दूसरा लड़का अपनी कक्षा का सर्वश्रेष्ठ छात्र था। मुझे लगता है कि वह श्लिंकर को चुनेगा।”
“नहीं!” उसने गुस्से से कहा। “श्लिंकर नहीं!”
“हां,” उसने मीठी आवाज़ में कहा। “श्लिंकर।”

"लेकिन..."
लेकिन आपको इस बात की परवाह क्यों करनी चाहिए कि लोग क्या कहेंगे? आपको बस अपनी खुशी के लिए काम करना है।
और आपको लगता है कि फ्रैंकन...
मुझे मिस्टर फ्रैंकन के बारे में क्यों सोचना चाहिए? मेरे लिए तो इसका कोई महत्व ही नहीं है।
“माँ, क्या आप चाहती हैं कि मैं फ्रैंकन के साथ नौकरी कर लूँ?”
“मुझे कुछ नहीं चाहिए, पेटी। तुम ही बॉस हो।”
वह सोचता था कि क्या वह सचमुच अपनी माँ को पसंद करता है। लेकिन वह उसकी माँ थी और इस तथ्य को हर कोई स्वीकार करता था।
उसे अपने आप ही यकीन हो गया कि वह उससे प्यार करता है, और इसलिए उसने यह मान लिया कि उसके मन में जो भी भावनाएँ थीं, वे प्यार ही थीं। उसे यह नहीं पता था कि उसे उसके फैसले का सम्मान क्यों करना चाहिए। वह उसकी माँ थी; यही तो तर्क की जगह लेने वाली बात थी।
“जी हां, बिल्कुल, मां... लेकिन... हां, मुझे पता है, लेकिन... हॉवर्ड?”
यह मदद की गुहार थी। रोर्क कोने में एक सोफे पर आधा लेटा हुआ, बिल्ली के बच्चे की तरह बेजान पड़ा था। कीटिंग अक्सर इससे चकित हो जाता था; उसने रोर्क को बिल्ली की तरह खामोश तनाव, नियंत्रण और सटीकता के साथ चलते देखा था; उसने उसे बिल्ली की तरह आराम से, बेढंगेपन में देखा था, मानो उसके शरीर में कोई ठोस हड्डी ही न हो।
रोर्क ने उसकी ओर देखा। उसने कहा:
"पीटर, तुम जानते हो कि मैं तुम्हारे दोनों अवसरों के बारे में क्या सोचता हूँ।"
कम बुराई वाला विकल्प चुन लो। ललित कला महाविद्यालय में तुम क्या सीखोगे? बस और ज़्यादा पुनर्जागरणकालीन महल और ओपेरा के दृश्य। ये तुम्हारे अंदर की सारी प्रतिभा को नष्ट कर देंगे। कभी-कभार, जब कोई तुम्हें काम करने दे, तो तुम अच्छा काम कर सकते हो। अगर तुम सच में सीखना चाहते हो, तो काम पर लग जाओ। फ्रैंकन एक धूर्त और मूर्ख है, लेकिन तुम निर्माण कार्य करोगे। इससे तुम जल्द ही आत्मनिर्भर बनने के लिए तैयार हो जाओगे।
श्रीमती कीटिंग ने कहा, "कभी-कभी तो श्री रोर्क भी समझदारी की बात कर सकते हैं।"
"भले ही वह ट्रक ड्राइवर की तरह बात करता हो।"
"क्या आपको सच में लगता है कि मैं अच्छा काम करता हूँ?" कीटिंग ने उसकी ओर देखा, मानो उसकी आँखों में अभी भी उस एक वाक्य की छाप थी—और बाकी कुछ मायने नहीं रखता था।
रोर्क ने कहा, "कभी-कभार। अक्सर नहीं।"
“अब जब सब कुछ सुलझ गया है...”, श्रीमती कीटिंग ने कहना शुरू किया।
“मुझे... मुझे इसे बारे में सोचना पड़ेगा, माँ।”
अब जब सब कुछ तय हो गया है, तो गरमा गरम चॉकलेट कैसी रहेगी? मैं झटपट आपके लिए ले आता हूँ!
उसने अपने बेटे को देखकर एक मासूम सी मुस्कान दी, जो उसकी आज्ञाकारिता और कृतज्ञता को दर्शाती थी, और वह कमरे से बाहर निकल गई।
कीटिंग बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगा, रुका, सिगरेट जलाई, छोटे-छोटे झटकों में धुआं थूकता रहा, फिर रोर्क की ओर देखा।
"अब तुम क्या करने वाले हो, हॉवर्ड?"
"मैं?"
"मुझे पता है, अपने बारे में इस तरह की बातें करना मेरी बहुत ही नासमझी थी।"
माँ का इरादा तो अच्छा है, लेकिन वो मुझे पागल कर देती है... खैर, भाड़ में जाए वो सब।

आप क्या करने जा रहे हैं?"
मैं न्यूयॉर्क जा रहा हूँ।
“वाह, बढ़िया! नौकरी मिल गई?”
नौकरी पाने के लिए।
"वास्तुकला में...?"
"वास्तुकला में, पीटर।"
“बहुत बढ़िया। मुझे खुशी है। क्या आपके पास कोई पक्की संभावना है?”
मैं हेनरी कैमरून के लिए काम करने जा रहा हूँ।
"अरे नहीं, हॉवर्ड!"
रोर्क ने धीरे से मुस्कुराते हुए अपने होंठों के कोनों को तीखा किया और कुछ नहीं कहा।
"अरे नहीं, हॉवर्ड!"
"हाँ।"
“पर वो तो कुछ भी नहीं, अब कोई नहीं! ओह, मुझे पता है उसका नाम तो है, पर वो तो गया काम से! उसे कभी कोई महत्वपूर्ण इमारत नहीं मिली, सालों से नहीं मिली! कहते हैं उसका दफ्तर तो कूड़े के ढेर जैसा है। उससे तुम्हें किस तरह का भविष्य मिलेगा? उससे तुम्हें क्या सीखने को मिलेगा?”
“ज्यादा कुछ नहीं। बस यह जानना है कि निर्माण कैसे किया जाए।”
भगवान के लिए, तुम इस तरह जानबूझकर खुद को बर्बाद नहीं कर सकते! मुझे लगा था... हाँ, मुझे लगा था कि तुमने आज कुछ सीखा होगा!
"मेरे पास है।"
“देखो, हॉवर्ड, अगर तुम्हें लगता है कि अब कोई और तुम्हें नौकरी नहीं देगा, कोई बेहतर नहीं मिलेगा, तो मैं तुम्हारी मदद करूँगा। मैं फ्रैंकन से बात करूँगा और संपर्क बनाऊँगा और...”
“धन्यवाद, पीटर। लेकिन इसकी आवश्यकता नहीं होगी। मामला सुलझ गया है।”
“उसने क्या कहा?”
"कौन?"
“कैमरन।”
मैं उनसे कभी नहीं मिला।
तभी बाहर एक हॉर्न की तेज़ आवाज़ सुनाई दी। कीटिंग को याद आया, वह कपड़े बदलने के लिए आगे बढ़ा, दरवाजे पर अपनी माँ से टकरा गया और उनकी भरी हुई ट्रे से एक कप नीचे गिर गया।
“पेटी!”
“कोई बात नहीं, माँ!” उसने उसकी कोहनियाँ पकड़ लीं। “मुझे जल्दी है, प्यारी। लड़कों के साथ थोड़ी पार्टी है—अब, अब, कुछ मत कहना।”
मैं देर नहीं करूंगी और देखो! हम फ्रैंकन एंड हेयर के साथ मेरे जाने का जश्न मनाएंगे!
उसने आवेग में आकर, उस उमंग भरे उत्साह के साथ, जो कभी-कभी उसे बेहद आकर्षक बना देता था, उसे चूमा और कमरे से बाहर निकलकर सीढ़ियों से ऊपर चला गया। श्रीमती...
कीटिंग ने घबराते हुए, फटकारते हुए और खुश होते हुए अपना सिर हिलाया।
अपने कमरे में, कपड़े इधर-उधर फेंकते हुए, कीटिंग को अचानक न्यूयॉर्क भेजे जाने वाले एक संदेश का ख्याल आया। दिन भर यह विषय उनके मन में नहीं था, लेकिन अचानक यह विचार उनके मन में आया और उन्हें तुरंत इसकी सख्त जरूरत महसूस हुई; वे उस संदेश को अभी, तुरंत भेजना चाहते थे। उन्होंने इसे एक कागज पर लिख लिया:
“प्रिय केटी, न्यूयॉर्क में नौकरी के लिए आ रही हूँ, फ्रैंकन, हमेशा प्यार करता रहेगा, पीटर”

उस रात कीटिंग दो लड़कों के बीच फंसा हुआ बोस्टन की ओर तेजी से भागा, हवा और सड़क उसके पास से सीटी बजाती हुई गुज़र रही थीं। और उसने सोचा कि अब दुनिया उसके लिए खुल रही है, जैसे अंधेरा हिलती हुई हेडलाइट्स के सामने से भाग जाता है। वह आज़ाद था। वह तैयार था। कुछ वर्षों में—
बहुत जल्द—उस कार की रफ्तार में समय का कोई अस्तित्व नहीं था—उसका नाम हॉर्न की तरह गूंजेगा, लोगों की नींद तोड़ देगा। वह महान कार्य करने के लिए तैयार था, शानदार कार्य करने के लिए, ऐसे कार्य जो बेमिसाल थे...
अरे यार... वास्तुकला में।

तृतीय

पीटर कीटिंग ने न्यूयॉर्क की सड़कों को देखा।
उन्होंने गौर किया कि लोग बेहद अच्छे कपड़े पहने हुए थे।
फिफ्थ एवेन्यू पर स्थित उस इमारत के सामने वह एक पल के लिए रुका, जहाँ फ्रैंकन एंड हेयर का कार्यालय और उसके काम का पहला दिन उसका इंतज़ार कर रहा था। उसने तेज़ी से गुज़रते लोगों को देखा। बड़े होशियार, उसने सोचा, हद से ज़्यादा होशियार। उसने अफ़सोस के साथ अपने कपड़ों पर नज़र डाली। न्यूयॉर्क में उसे अभी बहुत कुछ सीखना था।
जब अब और देरी करना संभव नहीं हुआ, तो वह दरवाजे की ओर मुड़ा। यह एक लघु डोरिक पोर्टिको था, जिसका हर इंच उन कलाकारों द्वारा निर्धारित सटीक अनुपात में बनाया गया था जिन्होंने बहने वाले ग्रीक ट्यूनिक पहने थे; संगमरमर के स्तंभों की पूर्णता के बीच एक घूमने वाला दरवाजा निकल-प्लेट से चमक रहा था, जो तेजी से गुजरती कारों की लकीरों को प्रतिबिंबित कर रहा था। कीटिंग घूमने वाले दरवाजे से, चमकदार संगमरमर की लॉबी से होते हुए, सोने और लाल लाह से बनी एक लिफ्ट में गया, जो उसे तीस मंजिल नीचे एक महोगनी दरवाजे तक ले गई। उसने एक पतली पीतल की प्लेट देखी जिस पर नाजुक अक्षर खुदे हुए थे:
फ्रैंकन और हेयर, आर्किटेक्ट्स।
फ्रैंकन एंड हेयर, आर्किटेक्ट्स के कार्यालय का स्वागत कक्ष किसी औपनिवेशिक हवेली के शांत, अंतरंग भोज कक्ष जैसा दिखता था। चांदी जैसी सफेद दीवारों पर सपाट स्तंभ लगे थे; ये स्तंभ खांचेदार और घुमावदार थे, जो आयोनिक घोंघे के आकार के थे; इन पर बीच से टूटे हुए छोटे-छोटे चबूतरे बने थे, जिनमें दीवार से सटी एक यूनानी कलश की आधी आकृति के लिए जगह थी। पैनलों पर यूनानी मंदिरों की नक्काशी बनी थी, जो इतनी छोटी थीं कि स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देती थीं, लेकिन उनमें स्तंभ, चबूतरे और टूटते हुए पत्थर स्पष्ट रूप से दिखाई देते थे।
बड़े अजीब तरीके से, कीटिंग को ऐसा लगा जैसे दहलीज पार करते ही उसके पैरों के नीचे एक कन्वेयर बेल्ट चल रही हो। यह उसे रिसेप्शन क्लर्क के पास ले गई जो फ्लोरेंस की बालकनी की सफेद रेलिंग के पीछे टेलीफोन स्विचबोर्ड पर बैठा था। फिर यह उसे एक विशाल ड्राफ्टिंग रूम की दहलीज पर ले गई। उसने लंबी, सपाट मेजें देखीं, छत से नीचे उतरती हुई मुड़ी हुई छड़ों का एक जंगल जो हरे रंग के लैंप में समाप्त होता था, विशाल ब्लूप्रिंट फाइलें, पीले दराजों के ढेर, कागज, निर्माण कंपनियों के टिन के डिब्बे, नमूना ईंटें, गोंद के डिब्बे और कैलेंडर, जिनमें से अधिकांश पर नग्न महिलाओं की तस्वीरें थीं। मुख्य ड्राफ्ट्समैन ने कीटिंग को बिना देखे ही उस पर झल्लाया। वह ऊबा हुआ भी था और साथ ही साथ दृढ़ संकल्प से भरा हुआ भी। उसने अपने अंगूठे से लॉकर रूम की ओर इशारा किया, अपनी ठुड्डी लॉकर के दरवाजे की ओर बढ़ाई और एड़ियों से पंजों तक डगमगाते हुए खड़ा हो गया, जबकि कीटिंग ने अपने अकड़े हुए, अनिश्चित शरीर पर मोती जैसे भूरे रंग का एप्रन पहन लिया। फ्रैंकन ने उस एप्रन पर जोर दिया था। कन्वेयर बेल्ट ड्राफ्टिंग रूम के एक कोने में एक मेज पर रुकी, जहाँ कीटिंग ने विस्तार के लिए योजनाओं का एक सेट देखा,

मुख्य ड्राफ्ट्समैन की दुबली-पतली पीठ उससे इस तरह दूर हट गई मानो वह उसकी मौजूदगी को ही भूल गया हो।
कीटिंग तुरंत अपने काम में झुक गया, उसकी आँखें स्थिर थीं, उसका गला अकड़ा हुआ था।
उसके सामने कागज की मोती जैसी चमक के सिवा कुछ नहीं दिख रहा था। उसके द्वारा खींची गई स्थिर रेखाएँ उसे आश्चर्यचकित कर रही थीं, क्योंकि उसे यकीन था कि उसका हाथ कागज पर एक इंच आगे-पीछे हिल रहा था। वह रेखाओं का अनुसरण करता रहा, यह जाने बिना कि वे कहाँ जा रही हैं या क्यों। वह केवल इतना जानता था कि यह योजना किसी की असाधारण उपलब्धि थी, जिस पर वह न तो सवाल उठा सकता था और न ही उसकी बराबरी कर सकता था। वह सोच रहा था कि उसने कभी खुद को एक संभावित वास्तुकार क्यों समझा था।
बहुत देर बाद, उसने बगल की मेज पर बैठे एक व्यक्ति के कंधों पर चिपकी हुई धूसर कमीज की सिलवटें देखीं। उसने चारों ओर नज़र डाली, पहले सावधानी से, फिर जिज्ञासा से, फिर आनंद से, और फिर तिरस्कार से। जब वह इस आखिरी भाव पर पहुंचा, तो पीटर कीटिंग फिर से अपने असली रूप में आ गया और उसे मानवता के लिए प्रेम का अनुभव हुआ। उसने पीले गाल, एक अजीब सी नाक, पीछे हटती ठुड्डी पर एक मस्सा, और मेज के किनारे से सटा हुआ पेट देखा। उसे ये दृश्य बहुत अच्छे लगे। जो ये लोग कर सकते थे, वह उनसे बेहतर कर सकता था। वह मुस्कुराया। पीटर कीटिंग को अपने साथी मनुष्यों की ज़रूरत थी।
जब उसने दोबारा अपनी योजनाओं पर नज़र डाली, तो उसे अपनी उत्कृष्ट कृति में स्पष्ट खामियाँ नज़र आईं। यह एक निजी आवास का फ़र्श था, और उसने देखा कि टेढ़े-मेढ़े गलियारे बिना किसी स्पष्ट कारण के जगह के बड़े-बड़े टुकड़ों को काट रहे थे, और अंधेरे में डूबे लंबे, आयताकार कमरे थे। हे भगवान! उसने सोचा, पहले सेमेस्टर में तो वे मुझे इसके लिए फेल कर देते। इसके बाद, वह तेज़ी से, आसानी से, कुशलता से और खुशी-खुशी अपने काम में लग गया।
दोपहर के भोजन से पहले, कीटिंग ने कमरे में कुछ दोस्त बना लिए थे, कोई पक्के दोस्त नहीं, बल्कि एक अस्पष्ट सा माहौल, जो फैला हुआ था और तैयार था, जिससे वह आगे बढ़ सके।
दोस्ती पनपने लगती थी। वह अपने पड़ोसियों को देखकर मुस्कुराता और छोटी-छोटी बातों पर भी समझदारी भरी मुस्कान बिखेर देता था। वह हर बार पानी पीने के लिए पानी पीने जाता और रास्ते में मिलने वालों को अपनी कोमल, खुशनुमा आँखों की चमक से निहारता था, उसकी वो चमकीली आँखें मानो कमरे में, ब्रह्मांड में से हर एक व्यक्ति को चुन लेती थीं, मानो मानवता का सबसे महत्वपूर्ण नमूना और कीटिंग का सबसे प्यारा दोस्त हो। मानो उसके जाने के बाद एक होशियार लड़का और एक बेहद अच्छा इंसान रह गया हो।
कीटिंग ने देखा कि बगल की मेज पर बैठा एक लंबा, गोरा युवक एक कार्यालय भवन का एलिवेशन कर रहा था। कीटिंग ने दोस्ताना सम्मान के साथ उस लड़के के कंधे पर सिर टिकाया और तीन मंजिला ऊंचे खांचेदार स्तंभों के चारों ओर लिपटी लॉरेल की मालाओं को देखा।
"बूढ़े आदमी के लिए काफी अच्छा है," कीटिंग ने प्रशंसा करते हुए कहा।
“कौन?” लड़के ने पूछा।
“क्यों, फ्रैंकन,” कीटिंग ने कहा।
“फ्रैंकॉन का तो बुरा हाल है,” लड़के ने शांत भाव से कहा। “उसने आठ साल से कुत्ते का घर भी नहीं बनाया।” उसने अपने कंधे के ऊपर, पीछे लगे कांच के दरवाजे की ओर अंगूठा हिलाया। “वो।”
“क्यों?” कीटिंग ने मुड़कर पूछा।

“वो,” लड़के ने कहा। “स्टेंगल। वही ये सब काम करता है।”
कांच के दरवाजे के पीछे कीटिंग ने डेस्क के किनारे के ऊपर हड्डियों से बने कंधों की एक जोड़ी, ध्यान से झुका हुआ एक छोटा, त्रिकोणीय सिर और चश्मे के गोल फ्रेम में प्रकाश के दो खाली कुंड देखे।
दोपहर ढलने का समय था जब बंद दरवाजे के पीछे से किसी के गुजरने का आभास हुआ, और कीटिंग को अपने आसपास की फुसफुसाहट से पता चला कि गाय फ्रैंकन आ गए हैं और ऊपर की मंजिल पर स्थित अपने कार्यालय में चले गए हैं। आधे घंटे बाद कांच का दरवाजा खुला और स्टेंगल बाहर आए, उनकी उंगलियों के बीच गत्ते का एक बड़ा टुकड़ा लटका हुआ था।
“अरे, तुम,” उसने कहा, उसकी नज़र कीटिंग के चेहरे पर टिक गई। “क्या तुम इसके लिए योजना बना रहे हो?” उसने कार्डबोर्ड आगे की ओर घुमाते हुए कहा। “इसे बॉस के पास ले जाओ और मंज़ूरी ले लो। ध्यान से सुनना कि वो क्या कहेंगे और समझदार दिखने की कोशिश करना। वैसे भी, इनमें से किसी बात का कोई मतलब नहीं है।”
वह कद में छोटा था और उसकी बाहें मानो उसके टखनों तक लटक रही थीं; लंबी आस्तीनों में उसकी बाहें रस्सियों की तरह झूल रही थीं, उसके बड़े, कुशल हाथ थे।
कीटिंग की आँखें एक पल के लिए जम गईं, काली पड़ गईं।
सभी आँखें खाली लेंसों को टकटकी लगाकर देख रही थीं। तभी कीटिंग मुस्कुराए और मधुर स्वर में बोले:
"जी श्रीमान।"
वह गत्ते को अपनी दस उंगलियों के सिरों पर उठाकर, लाल रंग की मखमली सीढ़ियों से होते हुए गाय फ्रैंकन के कार्यालय तक ले गया। गत्ते पर एक धूसर ग्रेनाइट हवेली का जलरंग चित्र बना हुआ था, जिसमें तीन मंजिलों वाली खिड़कियां, पांच बालकनियां, चार खांचे, बारह स्तंभ, एक ध्वजदंड और प्रवेश द्वार पर दो शेर बने हुए थे। कोने में, साफ-सुथरे अक्षरों में हाथ से लिखा था: "श्रीमान और श्रीमती जेम्स एस. वॉटल्स का निवास।"
फ्रैंकन और हेयर, आर्किटेक्ट्स।" कीटिंग ने धीरे से सीटी बजाई: जेम्स एस. वॉटल्स शेविंग लोशन बनाने वाली एक करोड़पति कंपनी थी।
गाय फ्रैंकन का दफ्तर चमकीला था। नहीं, कीटिंग ने सोचा, चमकीला नहीं, बल्कि पॉलिश किया हुआ; नहीं, पॉलिश नहीं, बल्कि हर वस्तु पर पिघला हुआ शीशा डाला गया था। उसने अपनी ही परछाई के टुकड़े तितलियों के झुंड की तरह कमरे में इधर-उधर बिखरे देखे, चिप्पेंडेल अलमारियों पर, जैकोबियन कुर्सियों पर, लुई XV शैली के सेंटलपीस पर। उसके पास कोने में रखी एक असली रोमन मूर्ति, पार्थेनन, रीम्स कैथेड्रल, वर्साय और फ्रिक नेशनल बैंक की इमारत की धुंधली तस्वीरों को देखने का समय था, जिन पर शाश्वत मशाल जल रही थी।
उसने देखा कि विशाल महोगनी डेस्क के किनारे से उसके पैर उसकी ओर आ रहे हैं। डेस्क के पीछे गाय फ्रैंकन बैठा था। गाय फ्रैंकन का चेहरा पीला पड़ गया था और उसके गाल लटके हुए थे। उसने एक पल के लिए कीटिंग को ऐसे देखा जैसे उसे पहले कभी देखा ही न हो, फिर उसे याद आया और वह खुलकर मुस्कुराया।
“वाह वाह वाह, किट्टेडज, मेरे बेटे, हम यहाँ हैं, सब तैयार है और घर पर हैं! तुम्हें देखकर बहुत खुशी हुई। बैठ जाओ, बेटे, बैठ जाओ, तुम्हारे पास क्या है? खैर, कोई जल्दी नहीं है, बिल्कुल भी जल्दी नहीं है। बैठ जाओ। तुम्हें यहाँ कैसा लग रहा है?”
“मुझे खेद है, महोदय, मैं कुछ ज़्यादा ही खुश हूँ,” कीटिंग ने भोलेपन और बेबसी भरे भाव से कहा। “मैंने सोचा था कि मैं अपनी पहली नौकरी में पेशेवर रवैया अपना सकता हूँ, लेकिन इस तरह की जगह से शुरुआत करना... मुझे लगता है इसने मुझे थोड़ा परेशान कर दिया है... मैं इससे उबर जाऊँगा, महोदय,” उसने वादा किया।
“बिल्कुल,” गाय फ्रैंकन ने कहा। “एक लड़के के लिए यह थोड़ा मुश्किल हो सकता है, बस थोड़ा सा। लेकिन आप चिंता न करें। मुझे यकीन है कि आप अच्छा करेंगे।”

मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा, महोदय।
“ज़रूर देखोगे। ये मुझे क्या भेजा है?” फ्रैंकन ने चित्र की ओर हाथ बढ़ाया, लेकिन उसकी उंगलियाँ माथे पर ही टिक गईं। “ये सिरदर्द बहुत परेशान कर रहा है... नहीं, नहीं, कुछ गंभीर नहीं है—” कीटिंग की चिंता देखकर वह मुस्कुराया—“बस थोड़ा सा सिरदर्द है। इतनी मेहनत करने से क्या फर्क पड़ता है।”
"क्या मैं आपके लिए कुछ ला सकता हूँ, महोदय?"
“नहीं, नहीं, धन्यवाद। यह ऐसी कोई चीज़ नहीं है जो आप मेरे लिए ला सकें, बात यह है कि काश आप मुझसे कुछ ले जा सकें।” उसने आँख मारी। “शैम्पेन। वैसे, कल रात उनकी वह शैम्पेन बिल्कुल बेकार थी। मुझे वैसे भी शैम्पेन कभी पसंद नहीं आई। कीटेड्ज, मैं आपको बता दूं, वाइन के बारे में जानना बहुत ज़रूरी है, उदाहरण के लिए जब आप किसी क्लाइंट को डिनर पर ले जाएं और यह सुनिश्चित करना चाहें कि क्या ऑर्डर करना सही रहेगा। अब मैं आपको एक पेशेवर राज़ बताता हूं। उदाहरण के लिए, बटेर को ही ले लीजिए। ज़्यादातर लोग इसके साथ बरगंडी वाइन ऑर्डर करते हैं।”
आप क्या करते हैं? आप क्लोज़ वूगोट 1904 मंगवाते हैं। देखा? इससे एक खास अंदाज़ आ जाता है। सही है, लेकिन मौलिक भी। मौलिकता तो हमेशा ज़रूरी है...
वैसे, आपको ऊपर किसने भेजा था?
"श्रीमान स्टेंगल, महोदय।"
“ओह, स्टेंगल।” जिस लहजे में उन्होंने नाम लिया, वह कीटिंग के दिमाग में जैसे किसी शटर की क्लिक की तरह लगा: मानो भविष्य में इस्तेमाल के लिए इसे सहेज कर रखने की अनुमति मिल गई हो। “अपना काम खुद लाने में बहुत शान दिखाते हैं, है ना? वैसे, वो एक महान डिज़ाइनर हैं, न्यूयॉर्क शहर के सबसे बेहतरीन डिज़ाइनर, लेकिन आजकल वो कुछ ज़्यादा ही शान दिखाने लगे हैं। उन्हें लगता है कि यहां सिर्फ़ वही काम कर रहे हैं, सिर्फ़ इसलिए कि मैं उन्हें आइडिया देता हूं और उन्हें मेरे लिए काम करने देता हूँ। सिर्फ़ इसलिए कि वो दिन भर बोर्ड पर काम करते रहते हैं। मेरे बेटे, जब तुम इस धंधे में और लंबे समय तक रहोगे, तब तुम्हें पता चलेगा कि किसी दफ्तर का असली काम उसकी दीवारों के बाहर होता है। उदाहरण के लिए, कल रात की बात ही ले लो। क्लेरियन रियल एस्टेट एसोसिएशन का भोज। दो सौ मेहमान—रात का खाना और शैम्पेन—ओह, हाँ, शैम्पेन!” उन्होंने व्यंग्य से अपनी नाक सिकोड़ी। "खाने के बाद अनौपचारिक रूप से कहने के लिए कुछ शब्द—मतलब, कोई भद्दी बिक्री वाली बातें नहीं—बस समाज के प्रति रियल एस्टेट एजेंटों की ज़िम्मेदारी पर कुछ चुनिंदा विचार, सक्षम, सम्मानित और प्रतिष्ठित आर्किटेक्ट चुनने का महत्व। मतलब, कुछ ऐसे प्रेरणादायक नारे जो मन में बस जाएं।"
"जी हाँ, महोदय, जैसे 'अपने घर के निर्माता का चुनाव उतनी ही सावधानी से करें जितनी सावधानी से आप उसमें रहने वाली दुल्हन का चुनाव करते हैं।' "
“बुरा नहीं। बिल्कुल भी बुरा नहीं, कीटेज। क्या मैं इसे लिख लूँ?”
“मेरा नाम कीटिंग है, महोदय,” कीटिंग ने दृढ़ता से कहा। “आपका इस विचार का स्वागत है। अगर यह आपको पसंद आता है तो मुझे बहुत खुशी होगी।”
“कीटिंग, बिलकुल! क्यों नहीं, बिलकुल कीटिंग ही,” फ्रैंकन ने एक प्यारी सी मुस्कान के साथ कहा। “अरे वाह, कितने सारे लोगों से मुलाकात होती है। आपने क्या कहा था? बिल्डर चुनिए... आपने बहुत ही बढ़िया बात कही थी।”
उसने कीटिंग से इसे दोहराने को कहा और इसे एक पैड पर लिख लिया, अपने सामने रखी पेंसिलों के ढेर में से एक पेंसिल उठाई, नई, कई रंगों वाली पेंसिलें, पेशेवर सुई की नोक की तरह नुकीली, तैयार, अप्रयुक्त।
फिर उसने पैड को एक तरफ धकेल दिया, आह भरी, अपने मुलायम बालों को थपथपाया और थके हुए स्वर में कहा:

"ठीक है, मुझे लगता है कि मुझे उस चीज़ को देखना पड़ेगा।"
कीटिंग ने आदरपूर्वक चित्र को आगे बढ़ाया। फ्रैंकन पीछे झुक गए, गत्ते को हाथ की लंबाई तक फैलाकर उसे देखने लगे। उन्होंने अपनी बाईं आँख बंद की, फिर दाईं आंख, और फिर गत्ते को एक इंच और आगे खिसका दिया।
कीटिंग को पूरी उम्मीद थी कि वह चित्र को उल्टा कर देगा।
लेकिन फ्रैंकन ने उसे बस थामे रखा और कीटिंग को अचानक एहसास हुआ कि वह उसे कब से देखना बंद कर चुका था। फ्रैंकन उसका अध्ययन अपने और कीटिंग के फायदे के लिए कर रहा था; और फिर कीटिंग को हल्कापन महसूस हुआ, हवा की तरह हल्का, और उसे अपने भविष्य का रास्ता साफ़ और खुला दिखाई दिया।
“हम्म... हाँ,” फ्रैंकन अपनी ठुड्डी को दो कोमल उंगलियों के सिरों से सहलाते हुए कह रहा था। “हम्म... हाँ...”
उन्होंने कीटिंग की ओर रुख किया।
“बुरा नहीं है,” फ्रैंकन ने कहा। “बिल्कुल भी बुरा नहीं है... खैर... शायद... यह और भी बेहतर हो सकता था, लेकिन... खैर, चित्र बहुत ही सफाई से बनाया गया है... कीटिंग, आपका क्या विचार है?”
कीटिंग ने सोचा कि चार खिड़कियाँ चार विशाल ग्रेनाइट स्तंभों के सामने थीं। लेकिन उन्होंने फ्रैंकन की उंगलियों को पेटुनिया-बैंगनी रंग की टाई से खेलते हुए देखा और इस बारे में कुछ न कहने का फैसला किया। इसके बजाय उन्होंने कहा:
“अगर मैं कोई सुझाव देना चाहूं, महोदय, तो मुझे लगता है कि चौथी और पाँचवीं मंजिल के बीच बने कार्निस इतने भव्य भवन के लिए कुछ ज्यादा ही सादे हैं। ऐसा लगता है कि अलंकृत स्टिंगकोर्स कहीं अधिक उपयुक्त होगा।”
“बस यही बात है। मैं यही कहने वाला था। एक अलंकृत स्टिंगकोर्स...”
लेकिन... लेकिन देखिए, इसका मतलब खिड़कियों की संख्या कम करना होगा, है ना?
"हां," कीटिंग ने अपने सहपाठियों के साथ चर्चा में इस्तेमाल किए गए लहजे में थोड़ी सी झिझक के साथ कहा, "लेकिन खिड़कियां किसी इमारत के अग्रभाग की गरिमा से कम महत्वपूर्ण हैं।"
“बिल्कुल सही। गरिमा। हमें अपने ग्राहकों को सर्वोपरि गरिमा देनी चाहिए।”
जी हाँ, बिल्कुल, एक अलंकृत स्टिंगकोर्स... बस... देखिए, मैंने प्रारंभिक रेखाचित्रों को मंजूरी दे दी है, और स्टेंगल ने इसे इतनी सफाई से तैयार किया है।"
"यदि आप श्री स्टेंगल को सलाह देंगे तो वे इसे बदलने में प्रसन्न होंगे।"
एक पल के लिए फ्रैंकन की निगाहें कीटिंग की आंखों में टिक गईं। फिर फ्रैंकन की पलकें झुक गईं और उसने अपनी आस्तीन से एक रुई का टुकड़ा उठाया।
“बिल्कुल, बिल्कुल...” उसने अस्पष्ट स्वर में कहा। “लेकिन... क्या आपको लगता है कि स्टिंग कोर्स वास्तव में महत्वपूर्ण है?”
कीटिंग ने धीरे से कहा, "मुझे लगता है कि श्रीमान् की हर ड्राइंग को हूबहू स्वीकार करने के बजाय, आपको जो बदलाव आवश्यक लगते हैं, उन्हें करना अधिक महत्वपूर्ण है।"
स्टेंगल ने इसे डिजाइन किया था।
क्योंकि फ्रैंकन ने कुछ नहीं कहा, बस सीधे उसकी ओर देखा, क्योंकि फ्रैंकन की आँखें केंद्रित थीं और उसके हाथ शिथिल थे, कीटिंग समझ गया था कि उसने एक भयानक जोखिम उठाया था और जीत गया था; जीतने का पता चलने के बाद वह उस जोखिम से भयभीत हो गया।
उन्होंने चुपचाप मेज के उस पार देखा, और दोनों ने पाया कि वे दो ऐसे व्यक्ति थे जो एक दूसरे को समझ सकते थे।
“हम एक अलंकृत स्टिंगकोर्स रखेंगे,” फ्रैंकन ने शांत और वास्तविक अधिकारपूर्ण लहजे में कहा। “इसे यहीं छोड़ दो। स्टेंगल को बता देना कि मैं उससे मिलना चाहता हूं।”

वह जाने के लिए मुड़ा। फ्रैंकन ने उसे रोक लिया। फ्रैंकन की आवाज़ हंसमुख और गर्मजोशी भरी थी:
"ओह, कीटिंग, वैसे क्या मैं एक सुझाव दे सकता हूँ? बस हम दोनों के बीच की बात है, मेरा इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं है, लेकिन आपकी ग्रे रंग की फ्रॉक के साथ नीली टाई के बजाय बरगंडी रंग की टाई ज़्यादा अच्छी लगेगी, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?"
“जी सर,” कीटिंग ने सहजता से कहा। “धन्यवाद। आप इसे कल देखेंगे।”
वह बाहर निकला और धीरे से दरवाज़ा बंद कर दिया।
स्वागत कक्ष से वापस लौटते समय, कीटिंग ने एक प्रतिष्ठित, सफ़ेद बालों वाले सज्जन को एक महिला को दरवाजे तक ले जाते हुए देखा।
उस सज्जन ने टोपी नहीं पहनी थी और स्पष्ट रूप से वह कार्यालय के कर्मचारी थे; महिला ने मिंक फर का लबादा पहना था और स्पष्ट रूप से वह ग्राहक थीं।
वह सज्जन न तो ज़मीन पर झुक रहे थे, न ही कालीन बिछा रहे थे, न ही उनके सिर पर पंखा चला रहे थे; वे बस उनके लिए दरवाज़ा पकड़े हुए थे। कीटिंग को बस ऐसा लग रहा था कि वह सज्जन ये सब कर रहे हैं।
लोअर मैनहट्टन में फ्रिंक नेशनल बैंक की इमारत खड़ी थी, और जैसे-जैसे सूरज आसमान में आगे बढ़ता था, उसकी लंबी परछाईं किसी विशाल घड़ी की सुई की तरह गंदी इमारतों पर एक्वेरियम से मैनहट्टन ब्रिज तक चलती रहती थी। सूरज डूबते ही, हैड्रियन के मकबरे की मशाल उसकी जगह चमक उठी, और मीलों दूर तक खिड़कियों के शीशों पर, उन इमारतों की ऊपरी मंजिलों पर भी, जो इतनी ऊंची थीं कि उन पर रोशनी पड़ती थी, चमकती हुई लाल लकीरें बना दीं। फ्रिंक नेशनल बैंक की इमारत में रोमन कला का पूरा इतिहास चुनिंदा नमूनों के रूप में प्रदर्शित था; लंबे समय तक इसे शहर की सबसे बेहतरीन इमारत माना जाता था, क्योंकि कोई भी दूसरी इमारत ऐसी शास्त्रीय कलाकृति नहीं थी जो इसमें न हो। इसमें इतने सारे स्तंभ, अग्रभाग, झालरें, तिपाई, ग्लेडिएटर, कलश और घुमावदार आकृतियां थीं कि ऐसा लगता था मानो यह सफेद संगमरमर से नहीं, बल्कि किसी पेस्ट्री ट्यूब से निचोड़कर बनाई गई हो। हालांकि, यह सफेद संगमरमर से ही बनी थी। यह बात सिर्फ उन मालिकों को पता थी जिन्होंने इसके लिए पैसे दिए थे। अब इसका रंग धब्बेदार, धारीदार और कुष्ठ रोग जैसा हो गया था, न भूरा न हरा, बल्कि दोनों का सबसे बुरा मिश्रण, धीमी सड़न का रंग, धुएं, गैस और एसिड के कारण साफ हवा और खुले मैदानों के लिए बने नाजुक पत्थर का रंग। फिर भी, फ्रिंक नेशनल बैंक की इमारत एक बड़ी सफलता थी। यह इतनी बड़ी सफलता थी कि यह गाइ फ्रैंकन द्वारा डिजाइन की गई आखिरी इमारत थी; इसकी प्रतिष्ठा ने उन्हें आगे के कामों से बचा लिया।
फ्रिंक नेशनल बैंक से तीन ब्लॉक पूर्व में डाना बिल्डिंग खड़ी थी। यह कुछ मंजिलें नीचे थी और इसमें कोई शान-शौकत नहीं थी। इसकी रेखाएं कंठोर और सरल थीं, जो भीतर के स्टील के ढांचे की सामंजस्यता को उजागर करती थीं, जैसे शरीर अपनी हड्डियों की पूर्णता को दर्शाता है। इसमें और कोई सजावट नहीं थी। यह केवल अपने तीखे कोणों की सटीकता, अपने तलों की बनावट, और छत से फुटपाथ तक बर्फ की धाराओं की तरह बहती खिड़कियों की लंबी लकीरों को प्रदर्शित करती थी।
न्यूयॉर्कवासी शायद ही कभी डाना बिल्डिंग को देखते थे। कभी-कभार कोई ग्रामीण पर्यटक इसे देखने आता था।
चांदनी रात में अचानक उस इमारत को देखकर लोग रुक जाते और सोचने लगते कि यह नज़ारा किस सपने से आया है। लेकिन ऐसे लोग बहुत कम आते थे। दाना बिल्डिंग के किरायेदारों का कहना था कि वे इसे दुनिया की किसी भी इमारत से बदलना नहीं चाहेंगे; उन्हें अपने हॉल और दफ्तरों में रोशनी, हवा और इमारत की सुंदर बनावट बहुत पसंद थी। लेकिन दाना बिल्डिंग के किरायेदारों की संख्या ज़्यादा नहीं थी; कोई भी

प्रतिष्ठित व्यक्ति अपने व्यवसाय को ऐसी इमारत में स्थापित करना नहीं चाहता था जो "गोदाम जैसी" दिखती हो।
दाना बिल्डिंग को हेनरी कैमरून ने डिज़ाइन किया था।
अठारह सौ अस्सी के दशक में, न्यूयॉर्क के वास्तुकार अपने पेशे में दूसरे स्थान के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते थे। पहले स्थान की कोई आकांक्षा नहीं रखता था। पहला स्थान हेनरी कैमरून के पास था। उन दिनों हेनरी कैमरून से मिलना मुश्किल था। उनके पास दो साल पहले से ही प्रतीक्षा सूची होती थी; वे अपने कार्यालय से निकलने वाली हर इमारत का डिज़ाइन स्वयं बनाते थे। वे जो बनाना चाहते थे, उसका चुनाव वे स्वयं करते थे। जब वे निर्माण पूरा कर लेते थे, तो ग्राहक किसी को कुछ नहीं बताते थे। उन्होंने सभी लोगों से वही एक चीज़ माँगी जो उन्होंने कभी किसी को नहीं दी थी: आज्ञापालन। प्रसिद्धि के इन वर्षों में वे एक ऐसे प्रक्षेप्य की तरह आगे बढ़े जिसका लक्ष्य कोई नहीं जान सकता था। लोग उन्हें पागल कहते थे। लेकिन उन्होंने उनकी दी हुई हर चीज़ को स्वीकार किया, चाहे वे उसे समझे हों या न समझे, क्योंकि वह इमारत "हेनरी कैमरून द्वारा निर्मित" थी।
शुरू में, उनकी इमारतें महज़ थोड़ी अलग थीं, इतनी नहीं कि किसी को डरा दें। वे कभी-कभार चौंकाने वाले प्रयोग करते थे, लेकिन लोगों को इसकी उम्मीद रहती थी और हेनरी कैमरून से कोई बहस नहीं करता था।
हर नई इमारत के साथ उनके भीतर कुछ पनप रहा था, संघर्ष कर रहा था, आकार ले रहा था, खतरनाक रूप से विस्फोट की ओर बढ़ रहा था। यह विस्फोट गगनचुंबी इमारत के जन्म के साथ आया। जब संरचनाएं भारी ईंटों की परतों के बजाय, बिना वजन या सीमा के ऊपर की ओर बढ़ते स्टील के तीरों की तरह उठने लगीं, तो हेनरी कैमरून इस नए चमत्कार को समझने और इसे आकार देने वाले पहले लोगों में से थे। वह उन पहले और गिने-चुने लोगों में से थे जिन्होंने इस सच्चाई को स्वीकार किया कि एक ऊंची इमारत को ऊंची दिखना चाहिए। जबकि वास्तुकार कोस रहे थे, यह सोचकर कि बीस मंजिला इमारत को पुराने ईंट के महल जैसा कैसे बनाया जाए, जबकि वे इसकी ऊंचाई को कम करने, इसे परंपरा के अनुरूप छोटा करने, इसके स्टील के महत्व को छिपाने, इसे छोटा, सुरक्षित और प्राचीन बनाने के लिए उपलब्ध हर क्षैतिज तकनीक का इस्तेमाल कर रहे थे - हेनरी कैमरून ने गगनचुंबी इमारतों को सीधी, ऊर्ध्वाधर रेखाओं में डिजाइन किया, उनके स्टील और ऊंचाई का प्रदर्शन करते हुए। जबकि वास्तुकार फ्रिज़ और पेडिमेंट बना रहे थे, हेनरी कैमरून ने फैसला किया कि गगनचुंबी इमारत
यूनानियों की नकल नहीं करनी चाहिए। हेनरी कैमरून ने फैसला किया कि कोई भी इमारत किसी दूसरी इमारत की नकल नहीं करनी चाहिए।
उस समय उनकी उम्र उनतालीस वर्ष थी; कद छोटा, गठीला और अस्त-व्यस्त; वे दिन-रात मेहनत करते थे, नींद और खाना छोड़ देते थे, कभी-कभार ही शराब पीते थे, लेकिन जब पीते थे तो बेहिसाब पीते थे; अपने ग्राहकों को अपशब्द कहते थे, नफरत पर हंसते थे और जानबूझकर उसे हवा देते थे; उनका व्यवहार किसी सामंत और मजदूर जैसा था; और वे एक ऐसे आवेशपूर्ण तनाव में जीते थे जो उनके प्रवेश करते ही लोगों को झकझोर देता था; एक ऐसी आग जिसे न तो वे और न ही वे खुद ज़्यादा देर तक सहन कर सकते थे। यह वर्ष 1892 था।
शिकागो का कोलंबियन प्रदर्शनी 1893 में शुरू हुआ था।
दो हज़ार साल पहले का रोम मिशिगन झील के किनारे बसा था, एक ऐसा रोम जो फ्रांस, स्पेन, एथेंस और उसके बाद आने वाली हर शैली के अंशों से संवारा गया था। यह स्तंभों, विजय मेहराबों, नीले लैगून, क्रिस्टल फव्वारों और पॉपकॉर्न का एक "स्वप्न नगर" था। इसके वास्तुकार इस बात की होड़ में लगे थे कि कौन सबसे पुराने स्रोत से और एक साथ सबसे अधिक स्रोतों से सबसे अच्छी तरह से प्रेरणा ले सकता है। इसने एक नए

देश के सामने उन सभी संरचनात्मक दोषों को फैला दिया जो पुराने देशों में किए गए थे। यह प्लेग की तरह सफेद था, और इसी तरह फैलता चला गया।
लोग आए, देखा, चकित हुए और अपने साथ अमेरिका के शहरों में जो कुछ देखा था, उसके बीज लेकर चले गए। ये बीज अंकुरित होकर खरपतवार बन गए: डोरिक पोर्टिको वाले शिंगल से बने डाकघर, लौहे के अग्रभागों वाले ईंट के महल, बारह पार्थेनन को एक के ऊपर एक ढेर करके बनाए गए मचान। खरपतवार बढ़े और बाकी सब कुछ ढक लिया।
हेनरी कैमरून ने कोलंबियन एक्सपोज़िशन के लिए काम करने से इनकार कर दिया था और उसे ऐसी गालियाँ दी थीं जिन्हें छापा तो नहीं जा सकता, लेकिन दोहराया जा सकता था, हालाँकि सबके सामने नहीं। और उन्हें दोहराया गया। यह भी दोहराया गया कि उन्होंने एक प्रतिष्ठित बैंकर के चेहरे पर स्याही की बोतल फेंक दी थी, जिसने उनसे एफिसस में डायना के मंदिर के आकार का एक रेलवे स्टेशन डिज़ाइन करने को कहा था। वह बैंकर फिर कभी वापस नहीं आया।
कुछ ऐसे भी थे जो कभी वापस नहीं लौटे।
जैसे ही उन्होंने वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद अपना लक्ष्य प्राप्त किया, जैसे ही उन्होंने उस सत्य को आकार दिया जिसकी उन्हें तलाश थी—उनके सामने अंतिम बाधा भी थम गई। एक युवा राष्ट्र ने उनके मार्ग को देखा था, आश्चर्य किया था, और उनके कार्य की नई भव्यता को स्वीकार करना शुरू कर दिया था। क्लासिकवाद के उन्माद में डूबा हुआ वह राष्ट्र, जो दो हजार साल पीछे चला गया था, उन्हें न तो अपने लिए कोई स्थान दे सका और न ही उनका कोई उपयोग।
अब इमारतों को डिजाइन करना जरूरी नहीं रह गया था, बस उनकी तस्वीरें खींचना ही काफी था; सबसे अच्छी लाइब्रेरी वाला वास्तुकार ही सबसे अच्छा वास्तुकार माना जाता था। नकलची नकल की नकल करते थे। इसे मान्यता देने के लिए संस्कृति थी; बीस सदियाँ जीर्ण-शीर्ण खंडहरों में सिमटी हुई थीं; महान प्रदर्शनी थी; हर पारिवारिक एल्बम में हर यूरोपीय पोस्टकार्ड मौजूद था।
हेनरी कैमरून के पास इसके विरुद्ध कहने के लिए कुछ नहीं था; केवल एक विश्वास जो उन्होंने मात्र इसलिए धारण किया क्योंकि वह उनका अपना था। उनके पास उद्धृत करने के लिए कोई उदाहरण नहीं था और कहने के लिए कोई महत्वपूर्ण बात नहीं थी। उन्होंने केवल इतना कहा कि किसी भवन का स्वरूप उसके कार्य के अनुरूप होना चाहिए; कि किसी भवन की संरचना ही उसकी सुंदरता की कुंजी है; कि निर्माण की नई विधियों के लिए नए स्वरूपों की आवश्यकता होती है; और वे अपनी इच्छा अनुसार निर्माण करना चाहते थे, और केवल इसी कारण से।
लेकिन जब लोग विट्रुवियस, माइकल एंजेलो और सर क्रिस्टोफर व्रेन के बारे में चर्चा कर रहे थे, तब वे उनकी बात नहीं सुन पा रहे थे।
पुरुषों को जुनून नापसंद होता है, किसी भी तीव्र जुनून से। हेनरी कैमरून ने एक गलती की: उन्हें अपने काम से प्यार था। इसीलिए उन्होंने लड़ाई लड़ी। इसीलिए वे हार गए। लोग कहते थे कि उन्हें कभी पता ही नहीं चला कि वे हार गए हैं। अगर पता भी चला, तो उन्होंने कभी किसी को दिखाया नहीं। जैसे-जैसे उनके ग्राहक कम होते गए, उनका व्यवहार उनके प्रति और भी दबंग होता गया। उनके नाम की प्रतिष्ठा जितनी कम होती गई, उनका उच्चारण उतना ही घमंडी होता गया। उनके पास एक चतुर व्यवसाय प्रबंधक था, एक शांत, विनम्र और दृढ़ निश्चयी व्यक्ति, जिसने अपने सुनहरे दिनों में कैमरन के क्रोध के तूफानों का चुपचाप सामना किया और उनके लिए ग्राहक लाए; कैमरन ग्राहकों का अपमान करते थे, लेकिन उस व्यक्ति ने उन्हें यह स्वीकार करने और वापस आने के लिए मजबूर कर दिया। वह व्यक्ति मर गया।
कैमरन को लोगों का सामना करना कभी नहीं आता था। लोग उसके लिए मायने नहीं रखते थे, जैसे उसकी अपनी ज़िंदगी मायने नहीं रखती थी, जैसे इमारतों के सिवा कुछ

भी मायने नहीं रखता था। उसने कभी स्पष्टीकरण देना नहीं सीखा था, केवल आदेश देना सीखा था।
उसे कभी पसंद नहीं किया गया था। उससे लोग डरते थे। अब उससे कोई नहीं डरता था।
उसे जीने की इजाज़त मिल गई। वह उस शहर की गलियों से नफ़रत करने के लिए जिया, जिसे उसने फिर से बसाने का सपना देखा था। वह अपने खाली दफ्तर में डेस्क पर बेसुध, निष्क्रिय, इंतज़ार करते हुए बैठा रहा। वह एक नेक इरादे से छपी अख़बार की खबर में "दिवंगत हेनरी कैमरून" का ज़िक्र पढ़ने के लिए जिया। वह चुपचाप, लगातार, भयानक रूप से, कई दिनों और रातों तक शराब पीने लगा; और उन लोगों को यह कहते हुए सुनने के लिए जिया जिन्होंने उसे ऐसा करने पर मजबूर किया था, जब किसी कमीशन के लिए उसका नाम लिया गया: "कैमरन? मैं तो नहीं कहूंगा।"
वह बेहिसाब शराब पीता है। इसीलिए उसे कभी कोई काम नहीं मिलता। वह एक मशहूर इमारत की तीन मंजिलों में फैले दफ्तरों से निकलकर एक कम खर्चीली गली की एक मंज़िल पर रहने लगा, फिर शहर के बीचोंबीच एक छोटे से कमरे में रहने लगा, और फिर बैटरी के पास एक हवादार शाफ्ट के सामने तीन कमरों में रहने लगा। उन्होंने इन कमरों को इसलिए चुना क्योंकि अपने कार्यालय की खिड़की से चेहरा सटाकर वे एक ईंट की दीवार के ऊपर से ड़ाना बिल्डिंग की चोटी देख सकते थे। हावर्ड रोर्क खिड़कियों से बाहर दाना बिल्डिंग को देखता रहा, हेनरी कैमरून के कार्यालय तक जाने वाली छह सीढ़ियाँ चढ़ते हुए वह हर लैंडिंग पर रुकता रहा; लिफ्ट ख़राब थी। सीढ़ियों पर बहुत पहले गंदा हरा रंग किया गया था; जगह-जगह से थोड़ा-सा रंग जूतों के तलवों में घिसता हुआ अभी भी मौजूद था। रोर्क तेज़ी से ऊपर चढ़ गया, मानो उसका कोई अपाइंटमेंट हो, उसकी बगल में उसके रेखाचित्रों का एक फोल्डर था और उसकी नज़र दाना बिल्डिंग पर टिकी हुई थी। सीढ़ियों से उतर रहे एक आदमी से उसकी एक बार टक्कर हो गई; पिछले दो दिनों में उसके साथ ऐसा अक्सर हो रहा था; वह शहर की सड़कों पर सिर झुकाए चल रहा था, उसे न्यूयॉर्क की इमारतों के अलावा कुछ भी नज़र नहीं आ रहा था।
कैमरन के प्रतीक्षालय के अंधेरे कोने में एक मेज थी जिस पर एक टेलीफोन और एक टाइपराइटर रखा था। भूरे बालों वाला एक दुबला-पतला आदमी मेज पर बैठा था, उसने अपनी कमीज की आस्तीनें पहनी हुई थीं और उसके कंधों पर ढीली सी पैंटी लटकी हुई थी। वह दो उंगलियों से बड़ी तेज़ी से निर्देश टाइप कर रहा था। एक कमज़ोर बल्ब की रोशनी से उसकी पीठ पर पीलापन छा रहा था, जहाँ उसकी गीली कमीज उसके कंधों से चिपकी हुई थी।
जब रोर्क अंदर आया तो उस आदमी ने धीरे से अपना सिर उठाया। उसने रोर्क को देखा, कुछ नहीं कहा और इंतज़ार करने लगा, उसकी बूढ़ी आँखें थकी हुई, भावहीन और उदासीन थीं।
रोर्क ने कहा, "मैं श्री कैमरून से मिलना चाहूंगा।"
“हाँ?” उस व्यक्ति ने बिना किसी चुनौती, आपत्ति या भाव के कहा।
"किस बारे में?"
"नौकरी के बारे में।"
"क्या नौकरी?"
“मसौदा तैयार करना।”
वह आदमी उसे खाली निगाहों से देखता रहा। यह एक ऐसा अनुरोध था जिसका सामना उसने लंबे समय से नहीं किया था। आखिरकार वह बिना कुछ कहे उठा, अपने पीछे के दरवाजे की ओर बढ़ा और अंदर चला गया।
उसने दरवाजा आधा खुला छोड़ दिया। रोर्क ने उसे धीमी आवाज़ में बोलते सुना:
"श्री कैमरन, बाहर एक आदमी है जो कह रहा है कि वह यहाँ नौकरी की तलाश में है।"

फिर एक आवाज ने जवाब दिया, एक मजबूत, स्पष्ट आवाज जिसमें उम्र का कोई आभास नहीं था:
“अरे, ये बेवकूफ़! इसे बाहर निकालो... रुको! इसे अंदर भेजो!”
बूढ़ा आदमी लौटा, दरवाजा खुला रखा और चुपचाप सिर हिलाकर उसे इशारा किया। रोर्क अंदर चला गया। उसके पीछे दरवाजा बंद हो गया।
हेनरी कैमरून एक लंबे, खाली कमरे के कोने में अपनी मेज पर बैठे थे। वे आगे की ओर झुके हुए थे, उनकी कोहनियाँ मेज पर टिकी थीं और दोनों हाथ उनके सामने आपस में जुड़े हुए थे। उनके बाल और दाढ़ी कोयले की तरह काले थे, जिनमें सफेद रंग के कुछ रेशे भी थे। उनकी छोटी, मोटी गर्दन की मांसपेशियां रस्सियों की तरह उभरी हुई थीं। उन्होंने सफेद कमीज पहनी थी जिसकी आस्तीनें कोहनियों से ऊपर तक मोड़ी हुई थीं; उनकी नंगी बाहें सख्त, भारी और भूरी थीं। उनके चौड़े चेहरे की त्वचा सख्त थी, मानो दबाव से बूढ़ी हो गई हो। उनकी आँखें गहरी, युवा और जीवंत थीं।
रोर्क दहलीज पर खड़ा था और वे दोनों उस लंबे कमरे के उस पार एक-दूसरे को देख रहे थे।
हवा के पाइप से आने वाली रोशनी धूसर थी, और ड्राफ्टिंग टेबल पर, कुछ हरी फाइलों पर जमी धूल, रोशनी से जमे हुए धुंधले क्रिस्टल जैसी लग रही थी। लेकिन खिड़कियों के बीच दीवार पर, रोर्क ने एक तस्वीर देखी।
कमरे में केवल एक ही तस्वीर थी। यह एक ऐसी गगनचुंबी इमारत का चित्र था जिसे कभी बनाया ही नहीं गया था।
सबसे पहले रोर्क की नज़र उस चित्र पर पड़ी। वह दफ्तर के उस पार गया, उसके सामने रुका और उसे निहारने लगा।

कैमरन की निगाहें उसका पीछा करती रहीं, एक गहरी नज़र, मानो एक लंबी, पतली सुई एक सिरे से कसकर पकड़ी हुई हो, धीरे-धीरे एक वृत्त बना रही हो, जिसकी नोक रोर्क के शरीर को भेद रही हो, उसे मज़बूती से थामे हुए हो। कैमरन ने नारंगी बालों को देखा, उसके बगल में लटके हाथ को देखी, जिसकी हथेली चित्र पर थी, उंगलियां थोड़ी मुड़ी हुई थीं, मानो किसी इशारे में नहीं, बल्कि कुछ मांगने या पकड़ने के इशारे की शुरुआत में हों।
अंततः कैमरन ने कहा, "तो फिर? आप मुझसे मिलने आए थे या तस्वीरें देखने?"
रोर्क उसकी ओर मुड़ा।
“दोनों,” रोर्क ने कहा।
वह डेस्क की ओर चला। रोर्क की उपस्थिति में लोग हमेशा अपना अस्तित्व खो देते थे; लेकिन कैमरून को अचानक ऐसा लगा कि वह
अब उसे उन आँखों की मौजूदगी का जितना वास्तविक एहसास हो रहा था, उतना पहले कभी नहीं हुआ था जो अब उसे देख रही थीं।
“तुम क्या चाहते हो?” कैमरन ने झल्लाकर कहा।
“मैं आपके लिए काम करना चाहूंगा,” रोर्क ने धीमी आवाज़ में कहा। आवाज़ ने कहा:
“मैं आपके लिए काम करना चाहूंगा।” आवाज़ के लहजे ने कहा: “मैं आपके लिए काम करने जा रहा हूं।”
“क्या तुम हो?” कैमरन ने कहा, उसे यह एहसास नहीं था कि उसने अनकहे वाक्य का उत्तर दे दिया है। “क्या बात है? कोई भी बड़ा और बेहतर आदमी तुम्हें नहीं रखना चाहता?”
मैंने किसी और के पास आवेदन नहीं किया है।
“क्यों नहीं? क्या आपको लगता है कि शुरुआत करने के लिए यह सबसे आसान जगह है? क्या आपको लगता है कि कोई भी बिना किसी परेशानी के यहाँ आ सकता है? क्या आप जानते हैं कि मैं कौन हूँ?”

“हां। इसीलिए तो मैं यहां हूं।”
“तुम्हें किसने भेजा?”
"किसी को भी नहीं।"
"तुम मुझे ही क्यों चुनोगे?"
मुझे लगता है कि आप यह जानते हैं।
“तुम्हारी इतनी धृष्टता कैसे हुई कि तुमने यह मान लिया कि मैं तुम्हें चाहूँगी?”
क्या तुमने ये तय कर लिया है कि मैं इतना तंगहाल हूं कि जो भी बदमाश मुझे ये सम्मान देगा, मैं उसके लिए अपने दरवाजे खोल दूंगा? ‘बूढ़ा कैमरन,’ तुमने खुद से कहा है, ‘एक बीता हुआ कल है, एक शराबी...’ अरे, तुमने कह दिया! ... ‘एक शराबी नाकामयाब इंसान जो नखरे नहीं कर सकता!’ क्या यही बात है? ... चलो, मुझे जवाब दो! मुझे जवाब दो, धिक्कार है तुम पर! तुम क्या घूर रहे हो? क्या यही बात है? बोलो! इनकार करो!
"यह आवश्यक नहीं है।"
“आप इससे पहले कहाँ काम कर चुके हैं?”
मैं अभी शुरुआत ही कर रहा हूँ।
"क्या करें डाले?"
मैंने स्टैटन में तीन साल बिताए हैं।
“अरे? क्या वह सज्जन काम खत्म करने में बहुत आलसी थे?”
मुझे निष्कासित कर दिया गया है।
“वाह!” कैमरन ने मुट्ठी से मेज पर थपथपाया और हंसने लगा।
“वाह! तुम स्टैटन के उस गंदे अड्डे के लायक तो नहीं हो, लेकिन हेनरी कैमरन के यहाँ काम करोगे! तुमने यही जगह कचरे के लिए तय कर ली है! तुम्हें किसलिए निकाला गया? शराब के लिए? औरतों के लिए? क्या?”
“ये,” रोर्क ने कहा और अपने चित्र आगे बढ़ा दिए।
कैमरन ने पहले पन्ने को देखा, फिर दूसरे को, और फिर एक-एक करके सभी पन्नों को देखा। कैमरन द्वारा एक पन्ने के पीछे दूसरा पन्ना सरकाते समय रोर्क को कागज़ की सरसराहट सुनाई दी। फिर कैमरन ने अपना सिर उठाया।
बैठ जाओ।
रोर्क ने बात मान ली। कैमरून उसे घूरता रहा, उसकी मोटी उंगलियां रेखाचित्रों के ढेर पर थपथपाती रहीं।
“तो आपको लगता है कि वे अच्छे हैं?” कैमरन ने कहा। “असल में, वे बहुत बुरे हैं।”
यह घिनौना है। यह एक अपराध है। देखो,” उसने रोर्क के चेहरे पर एक चित्र फेंकते हुए कहा, “इसे देखो। आखिर तुम्हारा यह विचार क्या था? तुम्हें यह योजना यहां बनाने की सूझी क्या थी? क्या तुम्हें बस इसे सुंदर बनाना था, क्योंकि तुम्हें किसी तरह काम चलाना थी? तुम खुद को क्या समझते हो? गाइ फ्रैंकन, भगवान तुम्हारी मदद करे? ... इस इमारत को देखो, मूर्ख! तुम्हें ऐसा विचार आता है और तुम्हें पता नहीं होता कि इसका क्या करना है! तुम्हें एक शानदार चीज़ मिलती है और तुम्हें उसे बर्बाद करना होता है! क्या तुम्हें पता है कि तुम्हें कितना कुछ सीखना है?”
“हां। इसीलिए तो मैं यहां हूं।”
और इसे देखो! काश मैंने भी तुम्हारी उम्र में ऐसा किया होता! लेकिन तुमने इसे क्यों बिगाड़ दिया? क्या तुम जानते हो मैं इसका क्या करता? देखो, तुम्हारी सीढ़ियाँ और तुम्हारा भट्टी वाला कैमरा भाड़ में जाएँ! जब तुम नींव रखोगे...
वह काफी देर तक गुस्से में बोलता रहा। उसने गालियां दीं। उसे एक भी ऐसा स्केच नहीं मिला जिससे वह संतुष्ट हो सके। लेकिन रोर्क ने गौर किया कि वह निर्माणाधीन इमारतों के बारे में बात कर रहा था।
वह अचानक रुक गया, रेखाचित्रों को एक तरफ धकेल दिया और उन पर मुट्ठी रख दी। उसने पूछा:

आपने आर्किटेक्ट बनने का फैसला कब किया?
जब मैं दस साल का था।
“पुरुषों को जीवन के इतने शुरुआती दौर में, या शायद कभी भी, यह पता नहीं होता कि वे क्या चाहते हैं। तुम झूठ बोल रही हो।”
क्या मैं हूं?
मुझे इस तरह मत घूरो! क्या तुम किसी और चीज को नहीं देख सकते? तुमने आर्किटेक्ट बनने का फैसला क्यों किया?
“मुझे तब यह बात पता नहीं थी। लेकिन इसकी वजह यह है कि मैंने कभी भगवान पर विश्वास नहीं किया।”
"अरे, समझदारी की बात करो।"
क्योंकि मुझे यह धरती प्यारी है। बस यही मेरी सबसे बड़ी मोहब्बत है। मुझे इस धरती पर चीजों का जो रूप है, वह पसंद नहीं है। मैं उसे बदलना चाहता हूं।
"किसके लिए?"
"अपने आप के लिए।"
"आपकी आयु कितनी है?"
बाईस।
“आपको यह सब कहाँ से पता चला?”
मैंने नहीं किया।
“बाईस साल की उम्र में पुरुष इस तरह बात नहीं करते। तुम असामान्य हो।”
"शायद।"
"मेरा मतलब इसे प्रशंसा के रूप में कहना नहीं था।"
मुझे भी नहीं पता था।
"क्या आपका कोई परिवार है?"
" नहीं।"
"क्या आपने पढ़ाई के दौरान काम किया?"
"हाँ।"
“किस बात पर?”
भवन निर्माण के क्षेत्र में।
आपके पास अब कितने पैसे बचे हैं?
सत्रह डॉलर और तीस सेंट।
आप न्यूयॉर्क कब आए थे?
"कल।"
कैमरन ने अपनी मुट्ठी के नीचे पड़े सूफेद ढेर को देखा।
"तुम्हारा सत्यानाश हो," कैमरन ने धीमी आवाज़ में कहा।
“तुम्हें धिक्कार है!” कैमरन अचानक दहाड़ते हुए आगे झुका। “मैंने तुम्हें यहाँ आने के लिए नहीं कहा था! मुझे किसी ड्राफ्टसमैन की ज़रूरत नहीं है! यहाँ ड्राफ्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है! मेरे पास इतना काम नहीं है कि मैं और मेरे आदमी बोवेरी मिशन से बाहर रह सकें! मैं नहीं चाहता कि कोई मूर्ख दूरदर्शी यहाँ भूखा मरता रहे! मैं यह ज़िम्मेदारी नहीं लेना चाहता। मैंने इसके लिए नहीं कहा था।”
मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इसे दोबारा देखूंगा। मेरा इससे नाता टूट गया है। कई साल पहले ही मेरा इससे नाता टूट गया था। मैं यहाँ मौजूद इन निकम्मे लोगों से पूरी तरह खुश हूँ, जिनके पास कभी कुछ नहीं था और न कभी होगा, और इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि उनका क्या होता है। बस यही मैं चाहता हूँ। तुम्हें यहाँ आने की क्या ज़रूरत थी? तुम खुद को बर्बाद करने निकले हो, जानते हो ना? और मैं इसमें तुम्हारी मदद करूँगा। मैं तुम्हें देखना नहीं चाहता। मुझे तुम पसंद नहीं हो। मुझे तुम्हारा चेहरा पसंद नहीं है। तुम एक असहनीय अहंकारी लगते हो। तुम बदतमीज़ हो। तुम हद से

ज़्यादा आत्मविश्वास से भरे हो। बीस साल पहले मैं बड़े मजे से तुम्हारे चेहरे पर एक घूंसा मार देता। तुम्हें कल ठीक नौ बजे यहाँ काम पर आना है।
“हां,” रोर्क ने उठते हुए कहा।
“पंद्रह डॉलर प्रति सप्ताह। मैं आपको इससे अधिक भुगतान नहीं कर सकता।”
"हाँ।"
“तुम बिलकुल बेवकूफ़ हो। तुम्हें किसी और के पास जाना चाहिए था। अगर तुम किसी और के पास गए तो मैं तुम्हें मार डालूंगा। तुम्हारा नाम क्या है?”
“हावर्ड रोर्क।”
"अगर तुम देर से आए तो मैं तुम्हें नौकरी से निकाल दूंगा।"
"हाँ।"
रोर्क ने चित्रों के लिए अपना नंद बढ़ाया।
“इन्हें यहीं छोड़ दो!” कैमरन चिल्लाया। “अब निकल जाओ!”
चतुर्थ
“टूही,” गाय फ्रैंकन ने कहा, “एल्सवर्थ टूही।”
यह तो उसकी बहुत अच्छी बात है, है नी? इसे पढ़ो, पीटर।
फ्रैंकन ने हंसमुख अंदाज़ में अपनी डेस्क पर झुककर कीटिंग को न्यू फ्रंटियर्स का अगस्त अंक थमा दिया। न्यू फ्रंटियर्स का सफ़ेद आवरण था जिस पर एक काला प्रतीक चिन्ह बना था जिसमें पैलेट, वीणा, हथौड़ा, पेंच और उगते सूरज का संयोजन था; इसकी तीस हज़ार प्रतियां बिकती थीं और इसके पाठक खुद को देश का बौद्धिक अग्रदूत बताते थे; आज तक किसी ने भी इस वर्णन को चुनौती नहीं दी थी। कीटिंग ने एल्सवर्थ एम. द्वारा लिखित "मार्बल एंड मोटिव" शीर्षक वाले लेख से कुछ अंश पढ़े।
टूही:
“...और अब हम महानगर के क्षितिज की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि की ओर बढ़ते हैं। हम पारखी दर्शकों का ध्यान फ्रैंकन और हेयर द्वारा निर्मित नए मेल्टन भवन की ओर आकर्षित करना चाहते हैं। यह सफेद शांति में खड़ा होकर शास्त्रीय शुद्धता और व्यावहारिक ज्ञान की विजय का एक ज्वलंत प्रमाण है। एक अमर परंपरा के अनुशासन ने यहाँ एक ऐसे ढांचे के निर्माण में एक एकजुट कारक के रूप में कार्य किया है जिसकी सुंदरता सरलता और स्पष्टता से सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति के हृदय तक पहुँच सकती है। यहाँ कोई दिखावटी प्रदर्शनवाद नहीं है, नवीनता के लिए कोई विकृत प्रयास नहीं है, न ही बेलगाम अहंकार का उन्माद है। इसके डिजाइनर, गाय फ्रैंकन ने स्वयं को उन अनिवार्य नियमों के अधीन करना सीखा है जिन्हें उनके बाद की पीढ़ियों के शिल्पकारों ने अटूट सिद्ध किया है, और साथ ही साथ अपनी रचनात्मक मौलिकता का प्रदर्शन करना भी सीखा है, न केवल इसके बावजूद, बल्कि ठीक उसी शास्त्रीय सिद्धांत के कारण जिसे उन्होंने एक सच्चे कलाकार की विनम्रता के साथ स्वीकार किया है। यह उल्लेख करना उचित होगा कि सैद्धांतिक अनुशासन ही एकमात्र ऐसी चीज है जो सच्ची मौलिकता को संभव बनाती है...”
“लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि हमारे शाही शहर में इस तरह की इमारत का प्रतीकात्मक महत्व है। जब कोई इसके दक्षिणी मुखौटे के सामने खड़ा होता है, तो उसे यह अहसास होता है कि तीसरी से अठारहवीं मंजिल तक जानबूझकर और सुरुचिपूर्ण ढंग से दोहराई गई ये लंबी, सीधी, क्षैतिज रेखाएं संतुलन का सिद्धांत हैं, समानता की रेखाएं हैं। ऐसा लगता है मानो ये विशाल संरचना को धरती के विनम्र स्तर तक ले आती हैं।
पर्यवेक्षक। ये धरती की, लोगों की, विशाल जनसमूह की रेखाएँ हैं। ऐसा लगता है कि ये हमें बताती हैं कि कोई भी सामान्य मानवीय स्तर की सीमा से बहुत ऊपर नहीं उठ सकता, कि सब कुछ मानव भाईचारे की मजबूत पंक्तियों द्वारा नियंत्रित है और नियंत्रित किया जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे यह गौरवशाली इमारत है...

और भी बहुत कुछ था। कीटिंग ने सब कुछ पढ़ा, फिर अपना सिर उठाया। "वाह!" उसने विस्मय से कहा।
फ्रैंकन ने खुशी से मुस्कुराया।
“काफी अच्छा है, है ना? और वो भी टूही से। शायद बहुत कम लोगों ने उसका नाम सुना होगा, लेकिन सुनेंगे, मेरी बात याद रखना, सुनेंगे। मुझे उसके संकेत पता हैं... तो उसे नहीं लगता कि मैं इतना बुरा हूँ? और जब उसका मूड करता है तो उसकी ज़बान बर्फ की छुरी जैसी तेज़ चलती है। देखो वो अक्सर दूसरों के बारे में क्या कहता है। तुम्हें डंकिन का नया हथकंडा याद है ना? खैर, मैं एक पार्टी में था जहां टूही ने कहा—”
फ्रैंकन खिलखिलाकर हँसे—“उन्होंने कहा: ‘अगर श्री डंकिन को यह भ्रम है कि वे एक वास्तुकार हैं, तो किसी को उन्हें कुशल प्लंबरों की कमी से मिलने वाले व्यापक अवसरों के बारे में बताना चाहिए।’ ज़रा सोचिए, उन्होंने ये बात सार्वजनिक रूप से कही!”
कीटिंग ने उदास स्वर में कहा, "मुझे आश्चर्य होता है कि समय आने पर वह मेरे बारे में क्या कहेंगे।"
“उस प्रतीकात्मक महत्व और पुरुषों के भाईचारे के बंधनों से उसका आखिर क्या मतलब है?... खैर, अगर वह इसी बात के लिए हमारी प्रशंसा करता है, तो हमें चिंता करनी चाहिए!”
“कलाकार की व्याख्या करना आलोचक का काम है, श्री फ्रैंकन, यहाँ तक कि स्वयं कलाकार के लिए भी। श्री टूही ने केवल उस छिपे हुए अर्थ को बताया है जो अवचेतन रूप से आपके मन में मौजूद था।”
“ओह,” फ्रैंकन ने अस्पष्ट स्वर में कहा। “ओह, क्या आपको ऐसा लगता है?” उसने उत्साह से कहा। “बिल्कुल संभव है... हाँ, बिल्कुल संभव है... तुम एक होशियार लड़के हो, पीटर।”
"धन्यवाद, श्री फ्रैंकन," कहकर कीटिंग उठने के लिए आगे बढ़े।
“रुको। मत जाओ। एक और सिगरेट, फिर हम दोनों अपने नीरस काम पर लौट जाएंगे।”
फ्रैंकन लेख को दोबारा पढ़ते हुए मुस्कुरा रहे थे। कीटिंग ने उन्हें इतना खुश कभी नहीं देखा था; दफ्तर में बनाया गया कोई चित्र या पूरा किया गया कोई काम उन्हें इतना प्रसन्न नहीं कर पाया था जितना किसी दूसरे व्यक्ति के लिखे ये शब्द, जो छपे हुए पन्ने पर दूसरों की निगाहों के सामने रखे जाने वाले थे।
कीटिंग आरामदेह कुर्सी पर सहजता से बैठा था। कंपनी में उसका एक महीना अच्छे से बीता था। उसने न कुछ कहा था और न कुछ किया था, लेकिन दफ्तर में यह धारणा फैल गई थी कि जब भी किसी को भेजना होता था, गाइ फ्रैंकन को इसी लड़के को उसके पास भेजना पसंद था।
शायद ही कोई दिन ऐसा बीतता था जब गाइ फ्रैंकन के साथ डेस्क के उस पार बैठने का सुखद क्षण न मिलता हो, एक सम्मानजनक, बढ़ती आत्मीयता के साथ, फ्रैंकन की उन आहों को सुनना कि उनके आसपास ऐसे पुरुषों का होना कितना आवश्यक है जो उन्हें समझते हों।
कीटिंग ने अपने साथी डिज़ाइनरों से गाइ फ्रैंकन के बारे में जितना कुछ जान सकता था, उतना जान लिया था। उसने जाना था कि गाइ फ्रैंकन संयमित और उत्तम भोजन करते थे और खुद को एक कुशल भोजनज्ञ कहलाने पर गर्व करते थे; कि उन्होंने इकोले डेस बोक्स आर्ट्स से विशिष्टता के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी; कि उन्होंने एक धनी महिला से विवाह किया था और उनका वैवाहिक जीवन सुखमय नहीं रहा था; कि वे अपने मोज़ों को अपने रूमालों से सावधानीपूर्वक मिलाते थे, लेकिन कभी भी अपनी टाई से नहीं; कि उन्हें धूसर ग्रेनाइट से बनी इमारतों का डिज़ाइन करना बहुत पसंद था; कि कनेक्टिकट में धूसर ग्रेनाइट की उनकी एक खदान थी, जिसका कारोबार खूब फलता-फूलता था; कि उनके पास गहरे बैंगनी रंग के लुई XV शैली में बना एक

शानदार एकांतवास था; कि उनकी प्रतिष्ठित पत्नी का निधन हो गया था और उन्होंने अपनी सारी संपत्ति अपनी इकलौती बेटी के नाम कर दी थी; कि अब उन्नीस साल की हो चुकी उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ रही थी।
इन आखिरी तथ्यों में कीटिंग की बहुत दिलचस्पी थी। उन्होंने फ्रैंकन से अपनी बेटी के बारे में धीरे से, हिचकिचाते हुए बात की। "ओह, हाँ ..."फ्रैंकन ने धीमी आवाज़ में कहा। "हाँ, बिल्कुल ..." कीटिंग ने फिलहाल इस मामले में आगे की सारी खोज रोक दी; फ्रैंकन के चेहरे से साफ पता चल रहा था कि अपनी बेटी का ख्याल उसे किसी अनसुलझे कारण से बेहद परेशान कर रहा था, जिसे कीटिंग समझ नहीं पाया।
कीटिंग की मुलाकात फ्रैंकन के साझेदार लुसियस एन. हेयर से हुई थी और उन्होंने तीन हफ्तों में दो बार उन्हें कार्यालय आते देखा था, लेकिन वे यह पता नहीं लगा पाए थे कि हेयर फर्म के लिए क्या सेवाएँ देते थे। हेयर को हीमोफीलिया नहीं था, लेकिन देखने में ऐसा लगता था जैसे उन्हें यह बीमारी हो। वे एक कमजोर और दुबले-पतले रईस थे, जिनकी गर्दन लंबी और पतली थी, आँखें पीली और उभरी हुई थीं और वे हर किसी के प्रति भयभीत और विनम्र व्यवहार रखते थे। वे एक प्राचीन परिवार के वंशज थे, और यह संदेह था कि फ्रैंकन ने अपने सामाजिक संबंधों के कारण ही उन्हें साझेदार बनाया था।
लोगों को बेचारे लुसियस पर दया आई, उन्होंने पेशेवर करियर अपनाने के उनके प्रयास की सराहना की और सोचा कि उन्हें जाने देना अच्छा होगा।
उसने उनके घर बनवाए। फ्रैंकन ने उन्हें बनवा दिया और लूसियस से आगे किसी सेवा की आवश्यकता नहीं पड़ी। इससे सभी संतुष्ट हो गए।
ड्राफ्टिंग रूम में काम करने वाले सभी लोग पीटर कीटिंग को बहुत पसंद करते थे। उन्हें देखकर ऐसा लगता था मानो वह वहां बहुत दिनों से हैं; उन्हें हमेशा से ही किसी भी जगह का हिस्सा बनने की कला आती थी; वह स्पंज की तरह कोमल और चमकदार होकर आते थे और बिना किसी प्रतिरोध के उस जगह की हवा और माहौल में समा जाते थे। उनकी गर्मजोशी भरी मुस्कान, उनकी हंसमुख आवाज, उनके कंधों का सहज झुकाव मानो यह कहते थे कि उनके मन पर कोई बोझ नहीं है, इसलिए वह किसी पर दोषारोपण करने वाले, किसी से कुछ मांगने वाले या किसी पर इल्जाम लगाने वाले नहीं थे।
अब जब वह बैठा हुआ फ्रैंकन को लेख पढ़ते हुए देख रहा था, तो फ्रैंकन ने उसकी ओर देखने के लिए अपना सिर उठाया। फ्रैंकन ने देखा कि दो आँखें उसे असीम स्वीकृति से देख रही हैं—और कीटिंग के होंठों के कोनों में तिरस्कार के दो छोटे-छोटे चमकीले बिंदु, मानो हँसी के दो सुर सुनाई देने से ठीक पहले दिखाई दे रहे हों। फ्रैंकन को गहरी राहत महसूस हुई। यह राहत तिरस्कार से मिली। उस स्वीकृति और उस बुद्धिमानी भरी आधी मुस्कान ने उसे वह गौरव प्रदान किया जिसे उसे अर्जित करने की आवश्यकता नहीं थी; एक अंधाधुंध प्रशंसा जोखिम भरी होती; एक योग्य प्रशंसा एक ज़िम्मेदारी होती; एक अयोग्य प्रशंसा अनमोल होती।
"पीटर, जब तुम जाओ तो इसे मिस जेफर्स को दे देना ताकि वह इसे मेरी स्क्रैपबुक में रख दें।"
सीढ़ियों से नीचे उतरते समय, कीटिंग ने पत्रिका को हवा में उछाला और उसे फुर्ती से पकड़ लिया, उसके होंठ बिना आवाज किए सीटी बजाने के लिए सिकुड़े हुए थे।
ड्राफ्टिंग रूम में उसने अपने सबसे अच्छे दोस्त टिम डेविस को एक ड्राइंग पर उदास होकर झुका हुआ पाया। टिम डेविस बगल वाली मेज पर बैठा लंबा, गोरा लड़का था, जिसे कीटिंग ने बहुत पहले ही देख लिया था, क्योंकि वह बिना किसी ठोस सबूत के, लेकिन निश्चित रूप से जानता था, जैसा कि कीटिंग को हमेशा ऐसी बातें पता होती थीं, कि यह दफ्तर का सबसे पसंदीदा ड्राफ्ट्समैन था। कीटिंग को यथासंभव अक्सर उन

परियोजनाओं के कुछ हिस्से करने का काम सौंपा जाता था जिन पर डेविस काम करता था। जल्द ही वे साथ में दोपहर का भोजन करने और दिन के काम के बाद एक शांत छोटे से बार में जाने लगे, और कीटिंग सांस रोककर डेविस की एलेन डफी के प्रति प्रेम की बातें सुनता था, जिसका एक भी शब्द कीटिंग को बाद में याद नहीं रहा।
डेविस अब घोर निराशा में डूबा हुआ था, गुस्से में एक साथ सिगरेट और पेंसिल चबा रहा था। कीटिंग को उससे कुछ पूछने की जरूरत नहीं पड़ी।
उसने बस अपना दोस्ताना चेहरा डेविस के कंधे पर झुकाया। डेविस ने थूक दिया। सिगरेट फट गई और वह भड़क उठा। उसे अभी-अभी बताया गया था कि उसे आज रात ओवरटाइम करना होगा, इस सप्ताह में तीसरी बार।
“मुझे देर तक रुकना पड़ेगा, पता नहीं कितनी देर तक! आज रात इस घटिया काम को खत्म करना ही होगा!” उसने अपने सामने बिछी चादर को पटक दिया। “इसे देखो!” इसे पूरा करने में घंटों लग जाएंगे! मैं क्या करूँ?
"खैर, ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम यहाँ के सबसे अच्छे आदमी हो, टिम, और उन्हें तुम्हारी जरूरत है।"
भाड़ में जाए वो सब! आज रात मेरी एलेन के साथ डेट है! मैं उसे कैसे मनाऊँगा? तीसरी बार! वो मेरी बात नहीं मानेगी! पिछली बार भी उसने यही कहा था! बस बहुत हो गया! मैं सीधे भगवान के पास जा रहा हूँ और उन्हें बताऊँगा कि वो अपनी योजनाएँ और नौकरी कहाँ रख लें! बस बहुत हो गया!
“रुको,” कीटिंग ने कहा और उसके करीब झुक गया। “रुको! एक और तरीका है। मैं इन्हें तुम्हारे लिए पूरा कर दूंगा।”
“हूँ?”
मैं यहीं रुकूंगा। मैं ये सब करूंगा। डरो मत। किसी को फर्क नहीं पड़ेगा।
“पीट! क्या तुम करोगे?”
“ज़रूर। आज रात मेरे पास करने को कुछ नहीं है। तुम बस तब तक रुको जब तक सब लोग घर नहीं चले जाते, फिर चले जाना।”
“अरे यार, पीट!” डेविस ने आह भरी, उसका मन ललचा रहा था। “लेकिन देखो, अगर उन्हें पता चल गया तो वे मुझे निकाल देंगे। तुम इस तरह के काम के लिए अभी नए हो।” उन्हें पता नहीं चलेगा।
“मैं अपनी नौकरी नहीं खो सकता, पीट। तुम जानते हो मैं नहीं खो सकता। एलेन और मेरी जल्द ही शादी होने वाली है। अगर कुछ भी हुआ तो...”
"कुछ न होगा।"
छह बजने के कुछ ही समय बाद, डेविस चुपके से खाली ड्राफ्टिंग रूम से निकल गया, और कीटिंग को उसकी मेज पर ही छोड़ दिया।
एक अकेली हरी बत्ती के नीचे झुककर, कीटिंग ने तीन लंबे कमरों के सुनसान विस्तार पर नजर डाली, जो दिन भर की भागदौड़ के बाद अजीब तरह से शांत थे, और उसे लगा कि वह उनका मालिक है, कि वह उनका मालिक बन जाएगा, ठीक उसी तरह जैसे पेंसिल उसके हाथ में चलती है।
साढ़े नौ बज रहे थे जब उसने योजनाएँ पूरी कीं, उन्हें डेविस की मेज पर करीने से रखा और दफ्तर से निकल गया। वह सड़क पर चल पड़ा, मानो किसी अच्छे भोजन के बाद उसे एक आरामदायक, बेफिक्री का एहसास हो रहा हो। तभी अचानक उसे अपने अकेलेपन का एहसास हुआ। उसे आज रात किसी के साथ यह बात साझा करनी थी। उसका कोई नहीं था। पहली बार उसने चाहा कि उसकी माँ न्यूयॉर्क में होती। लेकिन वह स्टैंटन में ही रुकी हुई थी, उस दिन का इंतज़ार कर रही थी जब वह वहाँ होगा। वह उसे बुलवा नहीं सकता था। आज रात उसके पास जाने के लिए कोई जगह नहीं थी, सिवाय वेस्ट ट्वेंटी-एटथ स्ट्रीट पर स्थित उस छोटे से सभ्य बोर्डिंग हाउस के, जहाँ से वह तीन सीढ़ियाँ चढ़कर अपने साफ़-सुथरे, हवा रहित छोटे से कमरे में पहुँच सकता था।

न्यूयॉर्क में उसका कई लोगों से, कई लड़कियों से मुलाकात हुई थी, जिनमें से एक के साथ उसने एक सुखद रात बिताई थी, हालाँकि उसे उसका अंतिम नाम याद नहीं था; लेकिन वह उनमें से किसी से भी मिलना नहीं चाहता था। और तभी उसे कैथरीन हैल्सी की याद आई।
उसने स्नातक समारोह की रात उसे एक तार भेजा था और तब से उसे भूल चुका था। अब वह उससे मिलना चाहता था; उसका नाम सुनते ही उसकी इच्छा तीव्र और तीव्र हो गई। वह ग्रीनविच विलेज के लिए लंबी बस यात्रा पर निकल पड़ा, सुनसान सबसे ऊपरी मंजिल पर पहुंचा और सामने वाली बेंच पर अकेले बैठकर, जब भी ट्रैफिक लाइट लाल होती, उसे कोसने लगा। कैथरीन के मामले में हमेशा ऐसा ही होता था; और वह धीरे-धीरे सोचने लगा कि आखिर उसे क्या हो गया है।
एक साल पहले बोस्टन में उसकी मुलाकात कैथरीन से हुई थी, जहाँ वह अपनी विधवा माँ के साथ रहती थी। पहली मुलाकात में ही उसे कैथरीन सादी और नीरस लगी थी, उसकी प्यारी मुस्कान के सिवा उसमें कुछ खास नहीं था, जो उसे दोबारा देखने का कोई कारण नहीं था। उसने अगली शाम ही उसे फोन किया। छात्र जीवन में उसने जितनी भी लड़कियाँ देखी थीं, उनमें से वह अकेली ऐसी थी जिसके साथ उसका रिश्ता कुछ चुम्बनों से आगे नहीं बढ़ा था। वह जानता था कि वह किसी भी लड़की को पा सकता है; वह उसे चाहता था; वह उससे प्यार करती थी और उसने इसे खुलेआम, बिना किसी डर या झिझक के स्वीकार किया था, उससे कुछ नहीं माँगा था, कुछ उम्मीद नहीं की थी; लेकिन किसी तरह उसने कभी इसका फायदा नहीं उठाया था। उन दिनों जिन लड़कियों के साथ वह जाता था, उन पर उसे गर्व होता था - सबसे खूबसूरत, सबसे लोकप्रिय, सबसे अच्छे कपड़े पहनने वाली लड़कियाँ - और उसे अपने सहपाठियों की ईर्ष्या देखकर खुशी होती थी। उसे कैथरीन की लापरवाही और इस बात पर शर्म आती थी कि कोई दूसरा लड़का उसे दोबारा देखता भी नहीं था। लेकिन वह इतना खुश कभी नहीं हुआ था जितना तब होता था जब वह उसे कॉलेज की डांस पार्टियों में ले जाता था। उसके कई प्रेम प्रसंग हिंसक रहे थे, जब उसने कसम खाई थी कि वह इस लड़की या उस लड़की के बिना नहीं रह सकता; वह हफ्तों तक कैथरीन को भूल जाता था और वह उसे कभी याद नहीं दिलाती थी। वह हमेशा अचानक, बिना किसी कारण के, उसके पास लौट आता था, जैसा कि आज रात हुआ।
उनकी मां, जो एक सौम्य स्वभाव की छोटी स्कूल शिक्षिका थीं, का पिछले सर्दियों में निधन हो गया था।
कैथरीन न्यूयॉर्क में अपने एक चाचा के साथ रहने चली गई थी। कीटिंग
मैंने उसके कुछ पत्रों का जवाब तुरंत दिया, जबकि अन्य का जवाब महीनों बाद दिया। वह हमेशा तुरंत जवाब देती थी और उसके लंबे मौन के दौरान कभी पत्र नहीं लिखती थी, धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करती रहती थी। जब भी वह उसके बारे में सोचता, उसे लगता था कि उसकी जगह कोई नहीं ले सकता। फिर, न्यूयॉर्क में, बस या टेलीफोन की पहुंच में, वह उसे एक महीने के लिए फिर से भूल गया।
अब जब वह उसकी ओर तेज़ी से बढ़ रहा था, तो उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे अपने आने की सूचना देनी चाहिए थी। उसने कभी यह नहीं सोचा था कि वह उसे घर पर पाएगी या नहीं। वह हमेशा इसी तरह लौटता था और वह हमेशा वहीं होती थी। आज रात भी वह वहीं थी।
उसने उसके लिए दरवाजा खोला, जो एक जर्जर, दिखावटी भूरे पत्थर के मकान की सबसे ऊपरी मंजिल पर था। "हैलो, पीटर," उसने ऐसे कहा जैसे उसने उसे कल ही देखा हो।
वह उसके सामने खड़ी थी, अपने कपड़ों के हिसाब से बहुत छोटी और दुबली-पतली। उसकी पतली कमर से छोटी काली स्कर्ट फैली हुई थी; लड़कों जैसी कमीज़ का कॉलर ढीला लटका हुआ था, एक तरफ़ खींचा हुआ था, जिससे उसकी पतली सी कॉलरबोन

देख रहा था; आस्तीनें उसके नाज़ुक हाथों पर बहुत लंबी थीं। उसने उसकी ओर देखा, उसका सिर एक तरफ़ झुका हुआ था; उसके भूरे बाल लापरवाही से गर्दन के पीछे बंधे हुए थे, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे बॉब कट हों, हल्के और घने, उसके चेहरे के चारों ओर एक आकारहीन प्रभामंडल की तरह खड़े हों। उसकी आँखें धूसर, चौड़ी और कमज़ोर नज़र वाली थीं; उसके होंठ धीरे-धीरे, नाज़ुक और मोहक ढंग से मुस्कुरा रहे थे, चमक रहे थे।
“हैलो, कैटी,” उसने कहा।
उन्हें शांति का अनुभव हुआ। उन्हें लगा कि इस घर में या बाहर कहीं भी उन्हें किसी बात का डर नहीं है। उन्होंने न्यूयॉर्क में अपनी व्यस्तता के बारे में बताने की तैयारी कर ली थी; लेकिन अब स्पष्टीकरण देना व्यर्थ लग रहा था।
“मुझे अपनी टोपी दो,” उसने कहा, “उस कुर्सी से सावधान रहना, वह ज्यादा स्थिर नहीं है, हमारे पास बैठक में इससे बेहतर कुर्सियाँ हैं, अंदर आओ।”
उसने गौर किया कि बैठक का कमरा सादा था, फिर भी किसी न किसी तरह से विशिष्ट था, और आश्चर्यजनक रूप से अच्छे स्वाद से सजा हुआ था। उसने किताबों पर ध्यान दिया; छत तक जाती सस्ती अलमारियाँ कीमती किताबों से लदी हुई थीं; किताबें लापरवाही से ढेर लगी हुई थीं, मानो उनका इस्तेमाल हो रहा हो। उसने एक साफ-सुथरी, पुरानी सी मेज के ऊपर रेम्ब्रांट की एक नक्काशी देखी, जो दागदार और पीली पड़ चुकी थी, शायद किसी कबाड़ की दुकान में किसी कला पारखी की नज़र में आई होगी जिसने इसे कभी नहीं बेचा होगा, हालाँकि इसकी कीमत उसके लिए मददगार साबित होती। उसने सोचा कि उसके चाचा किस व्यवसाय में होंगे; उसने कभी पूछा नहीं था।
वह कमरे को बेसुध निगाहों से देखता रहा, अपने पीछे उसकी मौजूदगी का एहसास करता रहा, उस निश्चितता की अनुभूति का आनंद लेता रहा जो उसे बहुत कम मिलती थी। फिर वह मुड़ा और उसे अपनी बाहों में भरकर चूम लिया; उसके होंठ कोमलता और उत्सुकता से उसके होंठों से मिले; लेकिन वह न तो डरी और न ही उत्तेजित हुई, बल्कि इतनी खुश थी कि इसे स्वाभाविक मानकर स्वीकार कर रही थी।
“हे भगवान, मैंने तुम्हें बहुत याद किया!” उसने कहा, और वह जानता था कि उसने उसे आखिरी बार देखने के बाद से हर दिन, और शायद सबसे ज्यादा उन दिनों में याद किया था जब उसने उसके बारे में नहीं सोचा था।
“तुममें ज्यादा बदलाव नहीं आया है,” उसने कहा। “तुम थोड़ी पतली लग रही हो।”
तुम पर जंच रहा है। पचास साल की उम्र में तुम बहुत आकर्षक लगोगे, पीटर।
"इसका मतलब यह नहीं है कि यह कोई तारीफ की बात है।"
“क्यों? ओह, आपका मतलब है कि मुझे लगता है कि आप अब आकर्षक नहीं हैं? ओह, लेकिन आप हैं।”
"तुम्हें मुझसे सीधे-सीधे ये बात नहीं कहनी चाहिए।"
“क्यों नहीं? तुम जानते हो कि तुम हो। लेकिन मैं सोच रहा था कि पचास साल की उम्र में तुम कैसे दिखोगे। तुम्हारे कनपटी के बाल सफ़ेद हो जाएंगे और तुम सफ़ेद रंग का सूट पहनोगे।”
मैंने पिछले हफ्ते एक खिड़की में ऐसा ही एक देखा था और मुझे लगा कि यही वह होगा —और तुम एक बहुत महंगे वास्तुकार बनोगे।"
"तुम सच में ऐसा सोचते हो?"
“जी हाँ।” वह उसकी चापलूसी नहीं कर रही थी। उसे शायद यह एहसास भी नहीं था कि यह चापलूसी हो सकती है। वह तो बस एक तथ्य बता रही थी, जो इतना निश्चित था कि उस पर ज़ोर देने की ज़रूरत ही नहीं थी।
वह अपरिहार्य सवालों का इंतज़ार कर रहा था। लेकिन इसके बजाय, वे अचानक स्टैटन में बिताए अपने पुराने दिनों की बातें करने लगे, और वह हँस रहा था, उसे अपनी

गोद में लिए हुए, उसके पतले कंधे उसकी बांह के घेरे पर टिके हुए थे, उसकी आँखें कोमल और संतुष्ट थीं। वह उनके पुराने स्विमसूटों की, उसकी मौजों में आए छेदों की, स्टैंटन में उनके पसंदीदा आइसक्रीम पार्लर की बात कर रहा था, जहाँ उन्होंने साथ में कई गर्मियों की शामें बिताई थीं—और वह मन ही मन सोच रहा था कि यह सब बेतुका है; उसे उससे और भी ज़रूरी बातें कहनी और पूछनी थीं; लोग महीनों बाद इस तरह बातें नहीं करते। लेकिन उसे यह सब बिल्कुल सामान्य लग रहा था; ऐसा लग रहा था मानो उसे पता ही नहीं था कि वे बिछड़ चुके हैं।
अंत में सबसे पहले उन्होंने ही पूछा:
"क्या तुम्हें मेरा तार मिला?"
“ओह, हाँ। धन्यवाद।”
"क्या आप यह नहीं जानना चाहते कि मैं शहर में कैसा महसूस कर रहा हूँ?"
“ज़रूर। शहर में आपका कैसा चल रहा है?”
"देखो, तुम्हें इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं है।"
"अरे, मैं तो हूँ ही! मैं तुम्हारे बारे में सब कुछ जानना चाहता हूँ।"
आप क्यों नहीं पूछते?
जब तुम्हारा मन करेगा, तब तुम मुझे बता दोगे।
"इससे आपको ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, है ना?"
"क्या?"
मैं यही करता आ रहा हूँ।
“ओह... हाँ, पीटर, ऐसा ही है। नहीं, बहुत ज्यादा नहीं।”
“यह तो बहुत अच्छी बात है!”
लेकिन, देखिए, असल में मायने यह नहीं रखता कि आप क्या करते हैं। मायने सिर्फ आप रखते हैं।
“मैं क्या?”
“सिर्फ आप यहीं। या आप शहर में। या आप दुनिया में कहीं और।”
मुझे नहीं पता। बस इतना ही।
"जानती हो, केटी, तुम बेवकूफ हो। तुम्हारी तकनीक बेहद खराब है।"
"मेरी क्या है?"
"तुम्हारा तरीका। तुम किसी पुरुष से इतनी बेशर्मी से, इस तरह, यह नहीं कह सकती कि तुम उसके लिए लगभग पागल हो।"
लेकिन मैं हूँ।
"लेकिन तुम ऐसा नहीं कह सकती। पुरुषों को तुम्हारी परवाह नहीं होगी।"
लेकिन मैं नहीं चाहती कि पुरुष मेरी परवाह करें।
"तुम मुझसे यही चाहते हो, है ना?"
"लेकिन आप तो करते हैं, है ना?"
“हाँ,” उसने कहा और अपनी बाहों में उसे और कसकर जकड़ लिया। “बिल्कुल। मैं तुमसे भी बड़ा मूर्ख हूँ।”
“ठीक है, तो फिर यह बिल्कुल ठीक है,” उसने कहा, उसकी उंगलियां उसके बालों में थीं।
"यही है ना?"
“सब कुछ हमेशा से बिल्कुल ठीक रहा है, यही सबसे अजीब बात है। ... लेकिन देखिए, मैं आपको अपने साथ हुई घटना के बारे में बताना चाहता हूँ, क्योंकि यह महत्वपूर्ण है।”
"पीटर, मुझे इसमें बहुत दिलचस्पी है।"
“अच्छा, आपको पता ही है कि मैं फ्रेंकन एंड हेयर के लिए काम कर रहा हूँ और... अरे यार, आपको तो पता ही नहीं कि इसका मतलब क्या है!”

“हाँ, मैं करता हूँ। मैंने आर्किटेक्चर के क्षेत्र में उनके बारे में 'हूज़ हू' में पढ़ा है। उसमें उनके बारे में बहुत अच्छी बातें लिखी थीं। और मैंने अंकल से भी पूछा। उन्होंने कहा...”
वे इस क्षेत्र में सबसे आगे थे।
“बिल्कुल, वे हैं। फ्रैंकन—वह न्यूयॉर्क में, पूरे देश में, शायद दुनिया में भी सबसे महान डिज़ाइनर हैं। उन्होंने सत्रह गगनचुंबी इमारतें, आठ गिरजाघर, छह रेलवे टर्मिनल और न जाने क्या-क्या बनाया है... ज़ाहिर है, आप जानते हैं, वह एक बूढ़ा मूर्ख और घमंडी धोखेबाज है जो हर चीज़ में रिश्वत देकर अपना रास्ता बना लेता है और...”
वह रुक गया, उसका मुँह खुला रह गया और वह उसे घूरने लगा। उसका ऐसा कहने का इरादा नहीं था। उसने पहले कभी खुद को ऐसा सोचने भी नहीं दिया था।
वह शांत भाव से उसकी ओर देख रही थी।
“जी?” उसने पूछा। “और...?”
“अच्छा... और...” वह हकलाया, और वह जानता था कि वह उससे अलग कुछ नहीं कह सकता, “और यही मैं उसके बारे में सच में सोचता हूँ। और मुझे उसके लिए ज़रा भी सम्मान नहीं है। और मुझे उसके लिए काम करने में बहुत खुशी है। समझे?”
“ज़रूर,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “तुम महत्वाकांक्षी हो, पीटर।”
"क्या तुम इसके लिए मुझसे नफरत नहीं करते?"
नहीं। यही तो तुम चाहते थे।
“हाँ, मैं यही चाहता था। खैर, असल में, यह उतना बुरा भी नहीं है।”
यह एक शानदार कंपनी है, शहर की सबसे अच्छी कंपनी। मैं यहाँ खूब काम कर रही हूँ, और फ्रैंकन मुझसे बहुत खुश है। मैं तरक्की कर रही हूँ। मुझे लगता है कि आखिरकार मुझे यहाँ कोई भी नौकरी मिल सकती है... अरे, आज रात ही तो मैंने एक आदमी का कॉल अपने हाथ में लिया है और उसे पता भी नहीं कि वह जल्द ही बेकार हो जाएगा, क्योंकि... केटी! मैं क्या बकवास कर रही हूँ?
“कोई बात नहीं, प्रिय। मैं समझती हूँ।”
"अगर तुमने ऐसा किया, तो तुम मुझे वो गालियां दोगे जिनका मैं हकदार हूं और मुझे ऐसा करने से रोकोगे।"
“नहीं, पीटर। मैं तुम्हें बदलना नहीं चाहती। मैं तुमसे प्यार करती हूँ, पीटर।”
भगवान आपकी मदद करे!
"मुझे पता है कि।"
“तुम्हें पता है? और तुम इसे ऐसे कहते हो? जैसे तुम कहते हो, ‘हैलो, यह एक खूबसूरत शाम है’?”
“अच्छा, क्यों नहीं? इसकी चिंता क्यों करें? मैं तुमसे प्यार करता हूँ।”
“नहीं, इसकी चिंता मत करो! कभी भी इसकी चिंता मत करो! ... केटी... मैं कभी किसी और से प्यार नहीं करूंगा...”
मुझे भी यह पता है।
उसने उसे घबराकर अपने करीब पकड़ लिया, इस डर से कि उसका हल्का-फुल्का नन्हा सा शरीर कहीं गायब न हो जाए। उसे नहीं पता था कि उसकी मौजूदगी ने उसे ये बात कबूल करने पर क्यों मजबूर कर दिया।
उसके मन में अनकही बातें थीं। उसे नहीं पता था कि जिस जीत को साझा करने के लिए वह यहाँ आया था, वह क्यों फीकी पड़ गई थी। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। उसे एक अजीब सी आज़ादी का एहसास हो रहा था—उसकी उपस्थिति हमेशा उस पर से एक असहनीय दबाव को दूर कर देती थी—वह अकेला था—वह खुद था। अब उसके लिए बस इतना ही मायने रखता था कि उसकी कलाई पर उसके मोटे सूती ब्लाउज का स्पर्श हो।
फिर वह उससे न्यूयॉर्क में उसके अपने जीवन के बारे में पूछ रहा था और वह अपने चाचा के बारे में खुशी से बात कर रही थी।

“पीटर, वो बहुत ही शानदार हैं। वाकई बहुत अच्छे हैं। वो काफ़ी गरीब हैं, लेकिन उन्होंने मुझे अपने घर में पनाह दी और इतने दयालु थे कि उन्होंने अपना स्टडी रूम छोड़कर मेरे लिए एक कमरा बना दिया और अब उन्हें यहीं लिविंग रूम में काम करना पड़ता है। पीटर, तुम्हें उनसे जरूर मिलना चाहिए। वो अभी लेक्चर टूर पर गए हुए हैं, लेकिन जब वो वापस आएं तो तुम्हें उनसे जरूर मिलना चाहिए।”
"यकीन मैं प्यार करता हूँ।"
“आप जानते हैं, मैं काम पर जाना चाहती थी और आत्मनिर्भर बनना चाहती थी, लेकिन उन्होंने मुझे ऐसा करने नहीं दिया। उन्होंने कहा, ‘मेरी प्यारी बच्ची, सत्रह साल की उम्र में नहीं। तुम नहीं चाहती कि मुझे शर्म आए, है ना? मैं बाल श्रम में विश्वास नहीं करता।’ यह एक अजीब विचार था, है ना? उनके इतने सारे अजीब विचार हैं—मैं उन सभी को नहीं समझती, लेकिन लोग कहते हैं कि वह एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। इसलिए उन्होंने ऐसा दिखाया जैसे मैं उन्हें अपने पास रखकर उन पर एहसान कर रही हूं, और मुझे लगता है कि यह वास्तव में उनकी बहुत अच्छी बात थी।”
आप दिन भर क्या करते हैं?
“अब कुछ खास नहीं करता। मैं किताबें पढ़ता हूँ। वास्तुकला पर।”
मेरे चाचा के पास वास्तुकला पर ढेरों किताबें हैं। लेकिन जब वो यहाँ होते हैं, तो मैं उनके व्याख्यान टाइप कर देती हूं। मुझे नहीं लगता कि उन्हें मेरा ये काम पसंद है, वो अपनी पुरानी टाइपिस्ट को ज्यादा पसंद करते हैं, लेकिन मुझे ये काम अच्छा लगता है और वो मुझे करने देते हैं। और वो मुझे उसकी तनख्वाह देते हैं। मैं ये काम लेना नहीं चाहती थी, लेकिन उन्होंने मुझे मजबूर कर दिया।
वह क्या काम करके अपना जीवन यापन करता है?
"अरे, कितनी सारी चीजें हैं, मुझे नहीं पता, मैं उन सबका हिसाब नहीं रख सकती। एक तो वह कला इतिहास पढ़ाते हैं, वह एक तरह के प्रोफेसर हैं।"
और वैसे, आप कॉलेज कब जा रहे हैं?
“ओह... खैर... देखिए, मुझे नहीं लगता कि अंकल को यह विचार पसंद आया। मैंने उन्हें बताया कि मैंने हमेशा से जाने की योजना बनाई थी और मैं अपना रास्ता खुद बना लूंगी, लेकिन उन्हें लगता है कि यह मेरे लिए नहीं है। वे ज्यादा कुछ नहीं कहते, बस इतना कहते हैं: ‘भगवान ने हाथी को मेहनत के लिए और मच्छर को उड़ने के लिए बनाया है, और आम तौर पर, प्रयोग करना उचित नहीं है।
प्रकृति के नियम हैं, लेकिन अगर तुम इसे आजमाना चाहते हो, मेरे प्यारे बच्चे...' लेकिन वह वास्तव में आपत्ति नहीं कर रहा है, यह केवल मुझ पर निर्भर है...
"ठीक है, उसे तुम्हें रोकने मत दो।"
“ओह, वो मुझे रोकना नहीं चाहेंगे। बस, मैं सोच रही थी कि मैं हाई स्कूल में कभी कोई खास अच्छी छात्रा नहीं थी, और जानम, मैं गणित में सचमुच बहुत ही खराब हूं, इसलिए मुझे आश्चर्य हो रहा है... लेकिन फिर भी, कोई जल्दी नहीं है, मेरे पास फैसला करने के लिए बहुत समय है।”
“सुनो, कैटी, मुझे यह पसंद नहीं है। तुमने हमेशा कॉलेज जाने की योजना बनाई थी। अगर तुम्हारा वह चाचा...”
“तुम्हें ऐसा नहीं कहना चाहिए। तुम उन्हें जानते नहीं हो। वो एक अद्भुत इंसान हैं। मैंने उनके जैसा कोई और नहीं देखा। वो बहुत दयालु और समझदार हैं। और वो बहुत मज़ाकिया हैं, हमेशा मज़ाक करते रहते हैं, मज़ाक करने में माहिर हैं। उनके आस-पास जो भी बात गंभीर लगती है, वो गंभीर नहीं लगती, जबकि वो बहुत गंभीर इंसान हैं। जानते हो, वो मुझसे घंटों बातें करते हैं, कभी थकते नहीं और मेरी नादानी से कभी ऊबते नहीं। वो मुझे हड़तालों, झुग्गी-झोपड़ियों की हालत और कारखानों में काम करने वाले गरीब लोगों के बारे में सब कुछ बताते हैं, हमेशा दूसरों की बात करते हैं, कभी अपनी नहीं। उनके एक दोस्त ने मुझे बताया कि अंकल अगर कोशिश करें तो बहुत

अमीर बन सकते हैं, इतने होशियार हैं, लेकिन वो कोशिश नहीं करेंगे, उन्हें पैसे में कोई दिलचस्पी नहीं है।"
"यह मानवीय नहीं है।"
"उसे देखकर तो मजा आ जाएगा। अरे, वो भी तुमसे मिलना चाहता है। मैंने उसे तुम्हारे बारे में बताया है। वो तुम्हें 'टी-स्कायर रोमियो' कहता है।"
"ओह, क्या सच में ऐसा है?"
"पर तुम समझ नहीं रहे। उनका इरादा तो अच्छा है। उनके बोलने का तरीका ही ऐसा है। तुम दोनों में बहुत कुछ समानता होगी। शायद वो तुम्हारी मदद कर सकें। उन्हें वास्तुकला की भी अच्छी जानकारी है। तुम्हें अंकल एल्सवर्थ बहुत पसंद आएंगे।"
"कौन?" कीटिंग ने कहा।
"मेरे अंकल।"
"बताइए," कीटिंग ने थोड़ी कर्कश आवाज में पूछा, "आपके चाचा का नाम क्या है?"
"एल्सवर्थ टूही। क्यों?"
उसके हाथ बेजान से लटक गए। वह उसे घूरता हुआ बैठा रहा।
"क्या बात है, पीटर?"
उसने घूंट भरा। उसने उसके गले की फड़कन देखी। फिर उसने कठोर स्वर में कहा:
"सुनो, केटी, मैं तुम्हारे चाचा से नहीं मिलना चाहता।"
"लेकिन क्यों?"
"मैं उससे मिलना नहीं चाहता। तुम्हारे ज़रिए तो बिल्कुल नहीं... देखो केटी, तुम मुझे नहीं जानती। मैं लोगों का इस्तेमाल करने वाला इंसान हूं। मैं तुम्हारा इस्तेमाल नहीं करना चाहता। कभी नहीं। मुझे ऐसा करने मत देना। तुम तो बिलकुल नहीं।"
"मेरा इस्तेमाल कैसे करोगे? क्या बात है? क्यों?"
"बस बात इतनी सी है: मैं एल्सवर्थ टूही से मिलने के लिए अपनी जान तक दे सकता हूँ, बस इतना ही।" वह ज़ोर से हंसा। "तो क्या उन्हें वास्तुकला के बारे में कुछ पता है? अरे मूर्ख! वह वास्तुकला के सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।"
अभी नहीं, शायद, लेकिन कुछ सालों में वो ऐसा ही बन जाएगा—फ्रैंकॉन से पूछ लो, वो बूढ़ा धूर्त सब जानता है। तुम्हारा अंकल एल्सवर्थ वास्तुकला आलोचकों का नेपोलियन बनने की राह पर है, बस देखते रहो। वैसे भी, हमारे पेशे के बारे में लिखने वाले ज़्यादा लोग नहीं हैं, इसलिए वही होशियार लड़का है जो बाज़ार पर कब्ज़ा करने वाला है। हमारे दफ्तर के बड़े-बड़े लोग उसके छपे हर शब्द को चाट-चाट कर खाएंगे! तो तुम्हें लगता है कि वो मेरी मदद कर सकता है? खैर, वो मुझे मजबूर कर सकता है, और करेगा भी, और मैं उससे किसी दिन मिलूंगा, जब मैं उसके लिए तैयार हो जाऊंगा, जैसे मैं फ्रैंकॉन से मिला था, लेकिन यहाँ नहीं, तुम्हारे ज़रिए नहीं। समझे? तुमसे नहीं!
"लेकिन, पीटर, क्यों नहीं?"
"क्योंकि मैं ऐसा नहीं चाहती! क्योंकि यह बहुत गंदा है और मुझे इससे नफ़रत है, सब कुछ से, मेरा काम, मेरा पेशा, जो मैं कर रही हूँ और जो मैं करने वाली हूँ! मैं तुम्हें इससे दूर रखना चाहती हूँ। तुम ही मेरी एकमात्र सहारा हो। बस इससे दूर रहो, केटी!"
"किसमें से?"
"मुझे नहीं पता!"
वह उठी और उसकी बाहों के घेरे में खड़ी हो गई, उसका चेहरा उसकी कमर से सटा हुआ था; उसने उसके बालों को सहलाया और उसे नीचे देखती रही।
"ठीक है, पीटर। मुझे लगता है मैं जानती हूँ। जब तक तुम चाहो, तब तक तुम्हें उससे मिलने की ज़रूरत नहीं है। बस मुझे बता देना कि तुम कब मिलना चाहते हो। ज़रूरत पड़ने पर तुम मेरी मदद ले सकते हो। कोई बात नहीं। इससे कुछ नहीं बदलेगा।"
जब उसने अपना सिर उठाया, तो वह धीरे-धीरे हंस रही थी।

“पीटर, तुमने बहुत ज्यादा मेहनत कर ली है। तुम थोड़ तनाव में लग रहे हो। चलो, मैं तुम्हारे लिए चाय बना दूं?”
"ओह, मैं तो बिल्कुल भूल ही गई थी, लेकिन मैंने आज रात का खाना नहीं खाया। समय ही नहीं मिला।"
“अरे बाप रे! ये तो बहुत ही घिनौना है! अभी इसी वक्त रसोई में आओ, मैं तुम्हारे लिए कुछ बनाने की कोशिश करती हूँ!”
दो घंटे बाद वह उसे छोड़कर चला गया, और हल्का, स्वच्छ, खुश महसूस करते हुए चला गया, उसके सारे डर भुला दिए गए थे, टूही और फ्रैंकन भी भुला दिए गए थे। वह बस यही सोच रहा था कि उसने कल फिर आने का वादा किया था और यह इंतज़ार असहनीय रूप से लंबा था। उसके जाने के बाद वह दरवाज़े पर खड़ी रही, उसका हाथ उस नॉब पर था जिसे उसने छुआ था, और वह सोच रही थी कि शायद वह कल आ जाए—या तीन महीने बाद।
हेनरी कैमरन ने कहा, "जब आप आज रात का काम खत्म कर लेंगे, तो मैं आपको अपने कार्यालय में देखना चाहता हूं।"
“हां,” रोर्क ने कहा।
कैमरन ने तेज़ी से मुड़कर ड्राफ्टिंग रूम से बाहर निकल गया। एक महीने में रोर्क को संबोधित किया गया यह उसका सबसे लंबा वाक्य था।
रोर्क हर सुबह इस कमरे में आता, अपना काम करता और उसे रोर्क की कोई टिप्पणी नहीं सुनाई देती। कैमरन ड्राफ्टिंग रूम में आता और रोर्क के पीछे काफी देर तक खड़ा रहता, उसके कंधे के ऊपर से देखता रहता। ऐसा लगता था मानो उसकी आँखें जानबूझकर रोर्क के स्थिर हाथ को कागज़ पर भटकाने की कोशिश कर रही हों। बाकी दो ड्राफ्टिसमैन तो अपने पीछे ऐसे किसी व्यक्ति के खड़े होने के ख्याल मात्र से ही अपना काम बिगाड़ देते थे। रोर्क को शायद इसका एहसास ही नहीं होता था। वह अपना काम करता रहता, उसका हाथ बिना हड़बड़ी के चलता रहता, वह आराम से एक कुंद पेंसिल को फेंककर दूसरी उठाता। "हम्म," कैमरन अचानक धीमी आवाज़ में कहता। रोर्क तब अपना सिर घुमाता और विनम्रता से ध्यान से सुनता।
“क्या बात है?” वह पूछता। कैमरन बिना कुछ कहे मुंह फेर लेता, उसकी सिकुड़ी हुई आँखें तिरस्कारपूर्वक इस बात को दर्शाती कि वह उत्तर को अनावश्यक समझता है, और वह ड्राइंग रूम से बाहर चला जाता। रोर्क अपना चित्र बनाना जारी रखता।
“हालात खराब लग रहे हैं,” युवा चित्रकार लूमिस ने अपने अनुभवी सहकर्मी सिम्पसन से कहा। “बूढ़े आदमी को यह लड़का पसंद नहीं है। मैं उन्हें दोष भी नहीं दे सकता। यह तो ज्यादा दिन नहीं टिकेगा।”
सिम्पसन बूढ़ा और असहाय था; वह कैमरन के तीन मंजिला दफ्तर में किसी तरह गुज़ारा कर रहा था, वहीं फंसा रहा लेकिन उसे कभी समझ नहीं आया। लूमिस जवान था, उसका चेहरा किसी दवाखाने के कोने पर खड़े बदमाश जैसा था; वह यहां इसलिए था क्योंकि उसे कई अन्य जगहों से निकाल दिया गया था।
दोनों आदमी रोर्क को नापसंद करते थे। वह जहाँ भी जाता, उसका चेहरा देखते ही लोग उसे नापसंद करने लगते थे। उसका चेहरा किसी तिजोरी के दरवाजे की तरह बंद रहता था; तिजोरियों में बंद चीजें कीमती होती हैं; लोग इस बात को महसूस नहीं करना चाहते थे। कमरे में उसकी मौजूदगी ठंडी और बेचैन कर देने वाली थी; उसकी मौजूदगी में एक अजीब सी खूबी थी: वह अपना एहसास तो कराती थी, लेकिन साथ ही साथ उन्हें ऐसा लगता था कि वह वहाँ नहीं है; या शायद वह है और वे नहीं हैं।
काम खत्म होने के बाद वह पैदल चलकर अपने घर जाता था, जो ईस्ट रिवर के पास एक छोटा सा मकान था। उसने वह मकान इसलिए चुना था क्योंकि उसे ढाई सौ पाउंड प्रति सप्ताह में उसकी पूरी ऊपरी मंजिल मिल गई थी, एक बड़ा कमरा जो पहले गोदाम के रूप में इस्तेमाल होता था: उसमें छत नहीं थी और उसकी नंगी कड़ियों के बीच से

पानी टपकता था। लेकिन उसकी दो दीवारों पर खिड़कियों की एक लंबी कतार थी, कुछ में कांच लगा था, कुछ में गत्ता, और ये खिड़कियां एक तरफ नदी और दूसरी तरफ शहर के ऊपर खुलती थीं।
एक सप्ताह पहले कैमरन ड्राफ्टिंग रूम में आया और रोर्क की मेज़ पर एक देहाती घर का उग्र स्केच पटक दिया। "देखो, क्या तुम इससे घर बना सकते हो!" उसने झल्लाकर कहा और बिना कुछ और समझाए चला गया। उसके बाद के दिनों में वह रोर्क की मेज के पास नहीं आया। रोर्क ने कल रात ड्राइंग पूरी की और उन्हें कैमरन की मेज पर छोड़ दिया।
आज सुबह कैमरन आए, रोर्क को स्टील के जोड़ों के कुछ रेखाचित्र दिए, उन्हें बाद में अपने कार्यालय में आने का आदेश दिया और बाकी दिन भर फिर से ड्राफ्टिंग रूम में नहीं गए।
बाकी लोग जा चुके थे। रोर्क ने अपनी मेज पर तेल से सना एक पुराना कपड़ा डाला और कैमरन के दफ्तर में चला गया। उसके द्वारा बनाए गए देहाती घर के चित्र मेज पर फैले हुए थे। दीपक की रोशनी कैमरन के गाल पर, उसकी दाढ़ी पर पड़ रही थी, जिसके सफेद रेशे चमक रहे थे, उसकी मुट्ठी पर, और चित्र के एक कोने पर, जिसकी काली रेखाएं कागज पर उभरी हुई सी लग रही थीं।
कैमरन ने कहा, "तुम्हें नौकरी से निकाल दिया गया है।"
रोर्क लंबे कमरे के बीचोंबीच खड़ा था, उसका सारा भार एक पैर पर था, उसकी बाहें बगल में लटकी हुई थीं और उसका एक कंधा ऊपर उठा हुआ था।
“क्या मैं हूं?” उसने बिना हिले-डुले धीमी आवाज़ में पूछा।
“इधर आओ,” कैमरन ने कहा। “बैठ जाओ।”
रोर्क ने आज्ञा का पालन किया।
“तुम बहुत अच्छे हो,” कैमरन ने कहा। “तुम जो करना चाहते हो, उसके लिए तुम बहुत अच्छे हो। कोई फायदा नहीं, रोर्क। अभी कर लो, बाद में नहीं।”
"आपका क्या मतलब है?"
“जो कुछ तुम्हारे पास है, उसे ऐसे आदर्श पर बर्बाद करने का कोई फायदा नहीं, जिसे तुम कभी हासिल नहीं कर पाओगे, जिसे वे तुम्हें कभी हासिल नहीं करने देंगे। तुम्हारे पास जो अद्भुत चीज़ है, उसे अपने लिए यातना का यंत्र बनाने का कोई फायदा नहीं। इसे बेच दो, रोर्क। इसे अभी बेच दो। यह पहले जैसा नहीं रहेगा, लेकिन तुम्हारे अंदर अभी बहुत कुछ है। तुम्हारे पास वो सब कुछ है जिसके लिए वे तुम्हें भुगतान करेंगे, और अगर तुम इसे उनके तरीके से इस्तेमाल करोगे तो वे तुम्हें भरपूर भुगतान करेंगे। उन्हें स्वीकार करो, रोर्क। समझौता करो। अभी समझौता करो, क्योंकि बाद में तुम्हें करना ही पड़ेगा, और तब तुम उन चीजों से गुज़र चुके होगे जिन्हें तुम नहीं झेलना चाहते। तुम्हें नहीं पता। मुझे पता है। खुद को इससे बचाओ। मुझे छोड़ दो। किसी और के पास जाओ।”
"क्या आपने ऐसा किया?"
“अहंकारी कमीने! मैंने तुम्हारे बारे में क्या कहा था? क्या मैंने तुमसे कहा था कि तुम अपनी तुलना...” वह रुक गया क्योंकि उसने देखा कि रोर्क मुस्कुरा रहा था।
उसने रोर्क की ओर देखा और अचानक मुस्कुरा दिया, और यह रोर्क के लिए अब तक की सबसे दर्दनाक चीज थी जो उसने देखी थी।
“नहीं,” कैमरन ने धीमी आवाज़ में कहा, “यह काम नहीं करेगा, है ना? नहीं, यह काम नहीं करेगा...”
हाँ, आप सही कह रहे हैं। आप उतने ही अच्छे हैं जितना आप खुद को समझते हैं। लेकिन मैं आपसे बात करना चाहती हूँ। मुझे ठीक से नहीं पता कि शुरुआत कैसे करूँ। आप जैसे पुरुषों से बात करने की मेरी आदत छूट गई है। छूट गई? शायद मुझमें कभी थी ही नहीं।

शायद यही बात मुझे अब डरा रही है। क्या आप समझने की कोशिश करेंगे?
“मैं समझता हूँ। मुझे लगता है कि आप अपना समय बर्बाद कर रहे हैं।”
“अशिष्टता मत करो। क्योंकि मैं अभी तुम्हारे साथ अशिष्टता नहीं कर सकता। मैं चाहता हूँ कि तुम मेरी बात सुनो। क्या तुम सुनोगे और मुझे जवाब नहीं दोगे?”
“हां। मुझे खेद है। मेरा इरादा अभद्रता का नहीं था।”
“देखो, तुम सब लोगों में से मेरे पास बिल्कुल नहीं आने चाहिए थे। अगर मैं तुम्हें यहाँ रोक कर रखूं तो मैं गुनाह कर रहा हूंगा। किसी को तो तुम्हें मेरे बारे में पहले ही चेतावनी दे देनी चाहिए थी। मैं तुम्हारी ज़रा भी मदद नहीं करूंगा। मैं तुम्हें हतोत्साहित नहीं करूंगा। मैं तुम्हें कोई अक्ल नहीं सिखाऊंगा। इसके बजाय, मैं तुम्हें आगे धकेलूंगा। मैं तुम्हें उसी रास्ते पर धकेलूंगा जिस पर तुम अभी चल रहे हो। मैं तुम्हें पीट-पीटकर तुम्हारी हालत बिगाड़ दूंगी... क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा?”
एक महीने बाद मैं तुम्हें जाने नहीं दे पाऊंगी। मुझे अभी भी यकीन नहीं है कि मैं ऐसा कर पाऊंगी। इसलिए मुझसे बहस मत करो और चले जाओ। जब तक मौका है, निकल जाओ।
लेकिन क्या मैं ऐसा कर सकता हूँ? क्या आपको नहीं लगता कि हम दोनों के लिए बहुत देर हो चुकी है? मेरे लिए तो बारह साल पहले ही बहुत देर हो चुकी थी।
“रोक, कोशिश करके देखो। एक बार तो समझदारी से काम लो। बहुत से बड़े-बड़े लोग हैं जो तुम्हें नौकरी पर रख लेंगे, चाहे तुम्हें निकाल दिया जाए या नहीं, अगर मैं कहूं तो। वे अपने लंच के भाषणों में भले ही मेरा मज़ाक उड़ाएँ, लेकिन जब उन्हें ज़रूरत होती है तो वे मुझसे काम चुरा लेते हैं, और वे जानते हैं कि मैं एक अच्छे डिज़ाइनर को पहचान लेता हूँ। मैं तुम्हें गाई फ्रेंकन का एक पत्र देता हूँ। उसने बहुत पहले मेरे लिए काम किया था। मुझे लगता है मैंने उसे निकाल दिया था, लेकिन इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। उसके पास जाओ। तुम्हें पहले तो अच्छा नहीं लगेगा, लेकिन तुम्हें इसकी आदत हो जाएगी। और कई साल बाद तुम इसके लिए मुझे धन्यवाद दोगे।”
“तुम मुझसे ये सब क्यों कह रहे हो? तुम ये कहना नहीं चाहते। तुमने ये किया भी नहीं।”
“इसीलिए तो मैं ये कह रहा हूँ! क्योंकि मैंने ऐसा नहीं किया! ... देखो, रोर्क, तुम्हारे बारे में एक बात है, जिससे मुझे डर लगता है। ये सिर्फ़ तुम्हारे काम करने का तरीका नहीं है; अगर तुम दिखावा करने वाले, मौज-मस्ती करने वाले, सिर्फ़ ध्यान खींचने के लिए अलग दिखने वाले होते, तो मुझे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। ये भीड़ को नाराज़ करने, उनका मनोरंजन करने और तमाशा देखने के लिए टिकट खरीदने का एक चालाकी भरा तरीका है। अगर तुम ऐसा करते, तो मुझे कोई चिंता नहीं होती।”
लेकिन बात वो नहीं है। आपको अपना काम पसंद है। भगवान आपकी मदद करे, आपको इससे प्यार है! और यही अभिशाप है। यही आपके माथे पर एक दाग है जिसे सब देख सकते हैं। आपको इससे प्यार है, और वे जानते हैं, और वे जानते हैं कि आपने उन्हें अपने वश में कर लिया है। क्या आपने कभी सड़क पर लोगों को देखा है? क्या आपको उनसे डर नहीं लगता? मुझे तो लगता है। वे आपके पास से गुज़रते हैं, टोपी पहने होते हैं, और बोझ ढोते हैं।
लेकिन ये उनकी असलियत नहीं है। उनकी असलियत तो काम से प्यार करने वाले हर इंसान के लिए नफरत है। उन्हें बस इसी तरह की नफरत से डर लगता है। मुझे नहीं पता क्यों। रोर्क, तुम खुद को उन सभी के निशाने पर ला रहे हो।
लेकिन मुझे सड़कों पर चलने वाले लोग कभी नजर नहीं आते।
"क्या आपने ध्यान दिया है कि उन्होंने मेरे साथ क्या किया है?"
“मैंने तो बस यही देखा कि तुम उनसे डरे नहीं। फिर तुम मुझसे डरने को क्यों कह रहे हो?”
“इसीलिए तो मैं पूछ रहा हूँ!” वह आगे झुका, उसकी मुट्ठियाँ उसके सामने मेज पर कस गईं। “रोर्क, क्या तुम चाहते हो कि मैं कहूँ? तुम बड़े क्रूर हो, है ना? ठीक है, मैं कहता हूं:

क्या तुम इस तरह मरना चाहते हो?”
क्या तुम वही बनना चाहते हो जो मैं हूँ?
रोर्क उठा और डेस्क पर पड़ रही रोशनी के किनारे के पास खड़ा हो गया।
रोर्क ने कहा, "अगर मेरे जीवन के अंत में, मैं वही बनूं जो आप आज यहां, इस कार्यालय में हैं, तो मैं इसे एक ऐसा सम्मान मानूंगा जिसके मैं योग्य नहीं हो सकता था।"
“बैठ जाओ!” कैमरन दहाड़ा। “मुझे प्रदर्शन पसंद नहीं है!”
रोर्क ने नीचे डेस्क की ओर देखा और खुद को खड़ा देखकर आश्चर्यचकित रह गया। उसने कहा, "माफ़ कीजिए। मुझे पता ही नहीं चला कि मैं उठ गया था।"
“अच्छा, बैठ जाओ। सुनो। मैं समझता हूँ। और यह तुम्हारी बहुत अच्छी बात है। लेकिन तुम्हें पता नहीं। मुझे लगा था कि यहाँ कुछ दिन बिताने से तुम्हारे मन से हीरो बनने की चाहत दूर हो जाएगी। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। देखो, तुम खुद से कह रहे हो कि कैमरन कितना महान है, एक नेक योद्धा, एक हारी हुई लड़ाई में शहीद, और तुम मेरे साथ बैरिकेड्स पर मरना चाहते हो और बाकी ज़िंदगी मेरे साथ सस्ते खाने के ठेलों में खाना खाना चाहते हो। मुझे पता है, बाईस साल की उम्र में तुम्हें यह सब पवित्र और सुंदर लगता है। लेकिन क्या तुम जानते हो इसका मतलब क्या है? तीस साल एक हारी हुई लड़ाई, सुनने में कितना अच्छा लगता है, है ना? लेकिन क्या तुम जानते हो कि तीस साल में कितने दिन होते हैं? क्या तुम जानते हो कि उन दिनों में क्या होता है?”
रोर्क! क्या तुम्हें पता है कि आगे क्या होगा?
"आप इसके बारे में बात नहीं करना चाहेंगे।"
“नहीं! मैं उस बारे में बात नहीं करना चाहता! लेकिन मैं करूँगा। मैं चाहता हूँ कि तुम सुनो। मैं चाहता हूँ कि तुम्हें पता चले कि तुम्हारे लिए क्या होने वाला है। ऐसे दिन आएंगे जब तुम अपने हाथों को देखोगे और चाहोगे कि कुछ लेकर उनको हर हड्डी तोड़ दो, क्योंकि वे तुम्हें चिढ़ा रहे होंगे कि अगर उन्हें मौका मिले तो वे क्या कर सकते हैं, और तुम्हें वह मौका नहीं मिलेगा, और तुम अपने शरीर को सहन नहीं कर पाओगे क्योंकि कहीं न कहीं इसने उन हाथों को धोखा दिया है। ऐसे दिन आएंगे जब बस में चढ़ते ही एक बस ड्राइवर तुम पर चिल्लाएगा, और वह सिर्फ एक सिक्का मांगेगा, लेकिन तुम वह नहीं सुनोगे; तुम सुनोगे कि तुम कुछ भी नहीं हो, कि वह तुम पर हंस रहा है, कि तुम्हारे माथे पर वह बात लिखी है जिसके लिए वे तुमसे नफरत करते हैं। ऐसे दिन आएंगे जब तुम किसी हॉल के कोने में खड़े होकर किसी मंच पर बैठे व्यक्ति को इमारतों के बारे में, उस काम के बारे में बात करते हुए सुनोगे जिसे तुम प्यार करते हो, और उसकी बातें सुनकर तुम किसी के उठकर कुछ कहने का इंतजार करोगे। उसे दो छोटे नाखूनों के बीच खोल दिया जाएगा; और फिर आप लोगों को उसकी सराहना करते हुए सुनेंगे, और आप चीखना चाहेंगे, क्योंकि आपको पता नहीं चलेगा कि वे असली हैं या आप, क्या आप कटे-फटे खोपड़ियों से भरे कमरे में हैं, या किसी ने अभी-अभी आपका सिर खाली कर दिया है, और आप कुछ नहीं कहेंगे, क्योंकि जो आवाज़ें आप निकाल सकते हैं—वे उस कमरे में अब कोई भाषा नहीं रह गई हैं; लेकिन अगर आप बोलना भी चाहें, तो भी आप नहीं बोल पाएंगे, क्योंकि आपको किनारे कर दिया जाएगा, आप जिनके पास इमारतों के बारे में उन्हें बताने के लिए कुछ नहीं है! क्या आप यही चाहते हैं?
रोर्क स्थिर बैठा था, उसके चेहरे पर गहरी परछाइयाँ पड़ रही थीं, धूसी हुई गाल पर एक काला धब्बा, ठुड्डी पर काले रंग का एक लंबा त्रिकोण, उसकी आँखें कैमरून पर टिकी हुई थीं।
“काफी नहीं?” कैमरन ने पूछा। ठीक है। फिर, एक दिन, आपके सामने कागज के एक टुकड़े पर एक इमारत दिखाई देगी जिसे देखकर आप घुटने टेकना चाहेंगे; आपको विश्वास नहीं होगा कि आपने ऐसा किया है, लेकिन आपने ऐसा किया होगा; फिर आप सोचेंगे कि धरती कितनी सुंदर है और हवा में बसंत की खुशबू है और आप अपने साथी मनुष्यों से प्यार करते हैं, क्योंकि दुनिया में कोई बुराई नहीं है। और आप इस चित्र को

लेकर अपने घर से निकलेंगे, इसे बनवाने के लिए, क्योंकि आपको कोई संदेह नहीं होगा कि इसे देखने वाला पहला व्यक्ति ही इसे बनवाएगा। लेकिन आप अपने घर से ज़्यादा दूर नहीं जा पाएंगे। क्योंकि गैस बंद करने आए आदमी ने आपको दरवाजे पर ही रोक दिया होगा। आपने ज़्यादा खाना नहीं खाया था, क्योंकि आपने अपना चित्र पूरा करने के लिए पैसे बचाए थे, लेकिन फिर भी आपको कुछ पकाना पड़ा और आपने उसका भुगतान नहीं किया था... ठीक है, यह कुछ भी नहीं है, आप इस पर हंस सकते हैं। लेकिन आखिरकार आप अपने चित्र के साथ एक आदमी के दफ्तर में पहुंच जाएंगे, और आप खुद को कोसेंगे कि आपने अपने शरीर से उसकी इतनी जगह क्यों घेर ली, और आप कोशिश करेंगे... उसकी नज़रों से खुद को इस तरह दूर कर लो कि वो तुम्हें देख न सके, बल्कि सिर्फ तुम्हारी गिड़गिड़ाती, विनती करती अविाज़ सुन सके, तुम्हारी आवाज़ उसके घुटनों को छूती हुई; तुम्हें खुद से नफ़रत होगी, पर तुम्हें परवाह नहीं होगी, काश वो तुम्हें वो इमारत बनाने देता, तुम्हें परवाह नहीं होगी, तुम अपने अंदर के सारे अंग चीर कर उसे दिखाना चाहोगी, क्योंकि अगर वो देख ले कि अंदर क्या है तो उसे तुम्हें इमारत बनाने की इजाज़त देनी ही पड़ेगी। लेकिन वो कहेगा कि उसे बहुत अफ़सोस है, ये काम तो अभी-अभी गाइ फ्रैंकन को दिया गया है।
और तुम घर जाओगे, और क्या तुम जानते हो कि तुम वहां क्या करोगे? तुम रोओगे। तुम औरत की तरह, शराबी की तरह, जानवर की तरह रोओगे। यही तुम्हारा भविष्य है, हॉवर्ड रोर्क। अब, क्या तुम इसे चाहते हो?
“हां,” रोर्क ने कहा।
कैमरन की आंखें झुक गईं; फिर उसका सिर थोड़ा नीचे झुका, फिर थोड़ा और नीचे; उसका सिर धीरे-धीरे, लंबे-लंबे झटकों में नीचे झुकता रहा, फिर रुक गया; वह स्थिर बैठा रहा, उसके कंधे झुके हुए थे, उसकी बाहें उसकी गोद में सिमटी हुई थीं।
“हावर्ड,” कैमरन ने फुसफुसाते हुए कहा, “मैंने यह बात आज तक किसी को नहीं बताई है....”
“धन्यवाद....” रोर्क ने कहा।
काफी देर बाद कैमरन ने अपना सिर उठाया।
“अब घर जाओ,” कैमरन ने सपाट स्वर में कहा। “तुमने हाल ही में बहुत ज़्यादा काम किया है। और तुम्हारा आगे का दिन कठिन होने वाला है।” उसने इशारा किया। देश के घर के रेखाचित्र। “यह सब ठीक है, और मैं देखना चाहता था कि आप क्या करते हैं, लेकिन यह निर्माण के लिए पर्याप्त अच्छा नहीं है। आपको इसे फिर से बनाना होगा। मैं आपको कल दिखाऊंगा कि मुझे क्या चाहिए।”
VI
फ्रैंकन एंड हेयर फर्म के साथ एक वर्ष ने दिया था
कीटिंग को दबे स्वर में 'बिना पद के युवराज' की उपाधि दी गई। अभी भी केवल एक ड्राफ्टसमैन होने के बावजूद, वह फ्रैंकन के सबसे पसंदीदा थे। फ्रैंकन उन्हें दोपहर के भोजन पर ले गए - एक कर्मचारी के लिए यह एक अभूतपूर्व सम्मान था।
फ्रैंकन ने उन्हें ग्राहकों के साथ साक्षात्कार में उपस्थित रहने के लिए बुलाया। ग्राहकों को वास्तुकार के कार्यालय में इतने सजे-धजे युवक को देखना अच्छा लगा।
ल्यूसियस एन. हेयर की एक अजीब सी आदत थी कि वह अचानक फ्रैंकन से पूछते थे, "नया आदमी कब आया?" और तीन साल से काम कर रहे एक कर्मचारी की ओर इशारा करते थे। लेकिन हेयर ने सबको हैरान कर दिया जब उन्होंने कीटिंग का नाम याद रखा और जब भी मिलते, मुस्कुराते हुए उनका अभिवादन किया। नवंबर की एक उदास दोपहर को कीटिंग ने उनसे पुराने चीनी मिट्टी के बर्तनों के विषय पर लंबी बातचीत की थी। यह हेयर का शौक था; उनके पास एक मशहूर संग्रह था, जिसे उन्होंने बड़े चाव से इकट्ठा किया था। कीटिंग ने इस विषय में गहरी जानकारी दिखाई, हालांकि उन्होंने पिछली रात तक पुराने चीनी मिट्टी के बर्तनों के बारे में कभी नहीं सुना था, जो

उन्होंने सार्वजनिक पुस्तकालय में बिताई थी। हेयर बहुत खुश हुए; दफ्तर में किसी को उनके शौक की परवाह नहीं थी, कुछ ही लोग उनकी मौजूदगी पर ध्यान देते थे। हेयर ने अपने साथी से कहा, "गाइ, तुम वाकई अच्छे आदमी चुनते हो। एक लड़का है जिसे हम खोना नहीं चाहते, उसका नाम क्या है? - कीटिंग।" "जी हां, बिल्कुल," फ्रैंकन ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, "जी हां, बिल्कुल।"
ड्राफ्टिंग रूम में, कीटिंग टिम डेविस पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे। काम और रेखाचित्र उनके दिनों की सतह पर केवल अपरिहार्य विवरण थे; टिम डेविस ही उनके करियर के पहले कदम का सार और आकार थे।
डेविस ने उसे अपना अधिकांश काम खुद करने दिया; पहले तो केवल रात का काम, फिर दैनिक कार्यों के कुछ हिस्से भी; पहले गुप्त रूप से, फिर खुलेआम। डेविस नहीं चाहता था कि यह बात सबको पता चले। कीटिंग ने भोलेपन भरे आत्मविश्वास के साथ यह बात ज़ाहिर कर दी, जिससे यह आभास होता था कि वह केवल एक उपकरण था, टिम की पेंसिल या टी-स्क्वायर से ज़्यादा कुछ नहीं, कि उसकी मदद से टिम का महत्व कम होने के बजाय बढ़ गया था और इसलिए वह इसे छिपाना नहीं चाहता था।
पहले तो डेविस निर्देश कीटिंग को देते थे; फिर मुख्य ड्राफ्ट्समैन ने इस व्यवस्था को स्वाभाविक मान लिया और डेविस के लिए आदेश लेकर कीटिंग के पास आने लगे। कीटिंग हमेशा मुस्कुराते हुए कहते थे: "मैं कर दूंगा, टिम को इन छोटी-मोटी बातों से परेशान मत करो, मैं संभाल लूंगा।" डेविस निश्चिंत हो गए और खुद को बह जाने दिया; वे खूब सिगरेट पीते थे, इधर-उधर पड़े रहते थे, उनके पैर स्टूल की डंडियों पर ढीले-ढाले मुड़े रहते थे, उनकी आंखें बंद रहती थीं, वे ऐलेन के सपने देखते रहते थे; वे कभी-कभार पूछते थे: "क्या सामान तैयार है, पीट?"
डेविस ने उसी वसंत में ऐलेन से शादी कर ली थी। वह अक्सर काम पर देर से पहुँचता था। उसने कीटिंग से फुसफुसाते हुए कहा: "पीट, तुम बूढ़े आदमी के करीबी हो, मेरे लिए कभी-कभार एक अच्छी बात कह देना, ठीक है?—ताकि वे कुछ बातों को नज़रअंदाज़ कर दें। हे भगवान, मुझे इस समय काम करना कितना बुरा लग रहा है!"
कीटिंग, फ्रैंकन से कहता: "मुझे खेद है, श्रीमान फ्रैंकन, कि मरे के काम के सबबेसमेंट प्लान में इतनी देरी हुई, लेकिन टिम डेविस का कल रात अपनी पत्नी से झगड़ा हो गया था, और आप जानते हैं कि नवविवाहित जोड़े कैसे होते हैं, आप उन पर ज़्यादा सख्ती नहीं करना चाहते," या: "यह फिर से टिम डेविस है, श्रीमान..."
फ्रैंकन, उसे माफ कर दो, इसमें उसकी कोई गलती नहीं है, उसका ध्यान बिल्कुल भी अपने काम पर नहीं है!
जब फ्रैंकन ने अपने कर्मचारियों के वेतन की सूची पर नज़र डाली, तो उसने पाया कि उसका सबसे महंगा ड्राफ्ट्समैन वह व्यक्ति था जिसकी कार्यालय में सबसे कम आवश्यकता थी।
जब टिम डेविस की नौकरी चली गई, तो ड्राफ्टिंग रूम में टिम डेविस के अलावा किसी को भी आश्चर्य नहीं हुआ। वह इसे समझ नहीं पा रहा था। उसने उस दुनिया के प्रति कड़वाहट से अपने होंठ भींच लिए, जिससे वह हमेशा नफ़रत करता रहेगा। उसे लगा कि पीटर कीटिंग के अलावा इस धरती पर उसका कोई दोस्त नहीं है।
कीटिंग ने उसे सांत्वना दी, फ्रैंकन को कोसा, मानवता के अन्याय को कोसा, एक गुप्त बार में छह डॉलर खर्च किए, अपने परिचित एक गुमनाम वास्तुकार की सचिव का मनोरंजन किया और टिम डेविस के लिए एक नई नौकरी की व्यवस्था की।
इसके बाद जब भी कीटिंग डेविस के बारे में सोचते, उन्हें एक सुखद अनुभूति होती; उन्होंने एक इंसान के जीवन की दिशा बदल दी थी, उसे एक रास्ते से हटाकर दूसरे रास्ते पर धकेल दिया था; एक इंसान—अब वह उनके लिए टिम डेविस नहीं था, बल्कि एक सजीव शरीर और एक मन था, एक चेतन मन—वह हमेशा दूसरों के भीतर मौजूद चेतना की उस रहस्यमय सत्ता से क्यों डरते थे?—और उन्होंने उसे शरीर और उस मन

को अपनी इच्छा के अनुसार मोड़ दिया था। फ्रैंकन, हेयर और मुख्य ड्राफ्ट्समैन के सर्वसम्मत निर्णय से, टिम की मेज,
पीटर कीटिंग को पद और वेतन दोनों मिल गए। लेकिन यह उनकी संतुष्टि का केवल एक हिस्सा था; संतुष्टि का एक और पहलू भी था, जो अधिक सुखद, कम वास्तविक और अधिक खतरनाक था। वह अक्सर उत्साह से कहते थे: "टिम डेविस? ओह हां, मैंने ही उन्हें यह वर्तमान नौकरी दिलवाई थी।"
उसने इस बारे में अपनी माँ को लिखा। उसकी माँ ने अपने दोस्तों से कहा: "पीटी कितना निस्वार्थ लड़का है।"
वह हर हफ्ते कर्तव्यनिष्ठा से उसे पत्र लिखता था; उसके पत्र संक्षिप्त और सम्मानजनक होते थे; जबकि उसके पत्र लंबे, विस्तृत और सलाह से भरे होते थे, जिन्हें वह शायद ही कभी पूरा पढ़ पाता था।
वह कैथरीन हैल्सी से कभी-कभार मिलते थे। उस शाम, जैसा उन्होंने वादा किया था, वे उनके पास नहीं गए। सुबह उठकर उन्हें वे बातें याद आईं जो उन्होंने उनसे कही थीं, और उन्हें उन बातों के लिए कैथरीन से नफ़रत हुई। लेकिन एक हफ्ते बाद वे फिर उनके पास गए; कैथरीन ने उन्हें कुछ नहीं कहा और उनके चाचा का भी कोई ज़िक्र नहीं हुआ। उसके बाद वे हर एक-दो महीने में उनसे मिलते थे; जब भी वे उनसे मिलते तो खुश होते थे, लेकिन उन्होंने कभी भी अपने करियर के बारे में उनसे बात नहीं की।
उन्होंने हॉवर्ड रोर्क से इस बारे में बात करने की कोशिश की; लेकिन यह प्रयास विफल रहा। उन्होंने रोर्क से दो बार मुलाकात की; वे गुस्से में रोर्क के कमरे तक पाँच सीढ़ियाँ चढ़े। उन्होंने रोर्क का उत्सुकतापूर्वक अभिवादन किया; वे आश्वासन की प्रतीक्षा कर रहे थे, यह जाने बिना कि उन्हें किस प्रकार के आश्वासन की आवश्यकता है और यह आश्वासन केवल रोर्क से ही क्यों मिल सकता है। उन्होंने अपनी नौकरी के बारे में बात की और कैमरन के कार्यालय के बारे में रोर्क से पूरी चिंता के साथ सवाल किए।
रोर्क ने उसकी बातें सुनीं, उसके सभी सवालों के जवाब सहर्ष दिए, लेकिन कीटिंग को ऐसा लगा मानो वह रोर्क की भावहीन आँखों में लोहे की चादर से टकरा रहा हो, और वे दोनों एक ही विषय पर बात नहीं कर रहे थे। मुलाकात खत्म होने से पहले ही, कीटिंग ने रोर्क की फटी हुई कफ़, उसके जूतों, उसकी पतलून के घुटने पर लगे पैच पर ध्यान दिया और संतुष्ट महसूस किया। वह हँसते हुए चली गया, लेकिन अंदर से बहुत बेचैन था, और सोचता रहा कि ऐसा क्यों है, और कसम खाई कि वह रोर्क से फिर कभी नहीं मिलेगा, और यह भी सोचता रहा कि उसे यह क्यों पता था कि उसे उससे मिलना ही पड़ेगा।
कीटिंग ने कहा, "खैर, मैं उसे दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित नहीं कर सका, लेकिन वह परसों मेरे साथ मॉसन की प्रदर्शनी में आ रही है।"
अब क्या करें?
वह फर्श पर बैठा था, उसका सिर सोफे के किनारे पर टिका था, उसके नंगे पैर फैले हुए थे, उसने गाइ फ्रैंकन के हरे रंग के जूते पहने हुए थे।
उसके अंगों पर पायजामा ढीला-ढाला लहरा रहा था।
बाथरूम के खुले दरवाजे से उसने देखा कि फ्रैंकन वॉशस्टैंड के पास खड़ा था, उसका पेट उसके चमकदार किनारे से सटा हुआ था, और वह अपने दांत ब्रश कर रहा था।
“वाह, शानदार!” फ्रैंकन ने टूथपेस्ट के गाढ़े झाग को चबाते हुए कहा। “यह भी उतना ही अच्छा काम करेगा। समझे नहीं?”
"नहीं।"
“प्रभु, पीट, मैंने कल शुरू करने से पहले आपको यह समझाया था। श्रीमती...”
डनलैप के पति उनके लिए एक घर बनाने की योजना बना रहे हैं।
“ओह, हाँ,” कीटिंग ने कमजोर आवाज में कहा, अपने चेहरे से उलझे हुए काले बालों को हटाते हुए। “ओह, हाँ... मुझे अब याद आया... हे भगवान, गाइ, मेरा सिर कितना

भारी है! ..."
उसे धुंधला-सा याद था कि पिछली रात फ्रैंकन उसे किस पार्टी में ले गया था, उसे खोखले हिमखंड में परोसा गया कैवियार, काले नेट का शाम का गाउन और श्रीमती डनलप का सुंदर चेहरा याद था, लेकिन उसे याद नहीं आ रहा था कि वह फ्रैंकन के अपार्टमेंट में कैसे पहुंच गया। उसने कंधे उचका दिए; पिछले एक साल में वह फ्रैंकन के साथ कई पार्टियों में गया था और अक्सर उसे इसी तरह यहाँ लाया जाता था।
“यह कोई बहुत बड़ा घर नहीं है,” फ्रैंकन अपने मुंह में टूथब्रश पकड़े हुए कह रहा था; टूथब्रश से उसके गाल पर एक उभार बन गया था और उसका हरा हैंडल बाहर निकला हुआ था। “लगभग पचास हज़ार के आसपास, मुझे पता चला है। वैसे भी वे छोटे-मोटे लोग हैं। लेकिन श्रीमती डनलप के बहनोई क्रिम्बी हैं—आप जानते हैं, वो बड़े रियल एस्टेट कारोबारी। उस परिवार में थोड़ी सी पैठ बनाने में कोई हर्ज नहीं है, बिलकुल भी नहीं। पीट, आपको देखना है कि उस कमीशन का क्या होता है। क्या मैं आप पर भरोसा कर सकता हूँ, पीट?”
“ज़रूर,” कीटिंग ने सिर झुकाते हुए कहा। “गाइ, तुम मुझ पर हमेशा भरोसा कर सकते हो...”
वह चुपचाप बैठा रहा, अपने नंगे पैर की उंगलियों को देखता रहा और फ्रेंकोन के डिज़ाइनर स्टेंगल के बारे में सोचता रहा। वह सोचना नहीं चाहता था, लेकिन उसका मन हमेशा की तरह अपने आप स्टेंगल की ओर चला गया, क्योंकि स्टेंगल उसके अगले कदम का प्रतीक था।
स्टेंगल मित्रता के मामले में अभेद्य थे। दो वर्षों तक, कीटिंग के प्रयास स्टेंगल के चश्मे की बर्फ से टकराकर विफल होते रहे। स्टेंगल उनके बारे में क्या सोचते थे, यह ड्राफ्टिंग रूम में फुसफुसाहट में कहा जाता था, लेकिन कुछ ही लोग इसे उद्धरणों के अलावा दोहराने की हिम्मत करते थे; स्टेंगल इसे खुलकर कहते थे, भले ही वे जानते थे कि फ्रैंकन के कार्यालय से उनके पास लौटने पर उनके रेखाचित्रों में जो सुधार किए गए थे, वे कीटिंग के हाथ से किए गए थे। लेकिन
स्टेंगल की एक कमजोरी थी: वह काफी समय से फ्रैंकन को छोड़कर अपना खुद का कार्यालय खोलने की योजना बना रहा था। उसने एक साझेदार भी चुन लिया था, जो एक युवा वास्तुकार था, जिसमें प्रतिभा की कमी थी लेकिन वह विरासत में अपार धनवान था।
स्टेंगल सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहा था। कीटिंग ने इस बारे में बहुत सोचा था। वह और कुछ सोच ही नहीं पा रहा था। फ्रैंकन के बेडरूम के फर्श पर बैठे-बैठे उसे फिर से यही ख्याल आया।
दो दिन बाद, जब वह श्रीमती डनलप को फ्रेडरिक मावसन की पेंटिंग्स की प्रदर्शनी वाली गैलरी में ले जा रहे थे, तब उनकी कार्ययोजना तय हो चुकी थी। उन्होंने उन्हें कम भीड़ के बीच से रास्ता दिखाया, बीच-बीच में उनकी कोहनी पर अपनी उंगलियां रखते हुए, उन्हें यह एहसास दिलाया कि उनकी निगाहें पेंटिंग्स की बजाय उनके युवा चेहरे पर अधिक टिकी हुई हैं।
“जी हां,” उसने कहा, जब वह आज्ञाकारी भाव से एक ऐसे दृश्य को देख रही थी जिसमें एक औंटो डंप दिखाया गया था और अपने चेहरे पर प्रशंसा का भाव लाने की कोशिश कर रही थी, “शानदार काम। रंगों पर ध्यान दीजिए, श्रीमती।”
डनलप... कहते हैं कि मॉसन नाम के इस शख्स को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ा। ये एक पुरानी कहानी है—मान्यता पाने की जद्दोजहद। पुरानी और दिल दहला देने वाली। कला जगत में यही हाल है। मेरा अपना पेशा भी इसमें शामिल है।
"ओह, सचमुच?" श्रीमती डनलप ने कहा, जो इस समय वास्तुकला को काफी पसंद करती हुई प्रतीत हो रही थीं।

सड़क के किनारे नंगे पैर की उंगलियों को कुरेदती एक बूढ़ी औरत के चित्रण के सामने रुकते हुए कीटिंग ने कहा, "अब इसे देखिए, यह कला एक सामाजिक दस्तावेज के रूप में है। इसे सराहने के लिए साहस की आवश्यकता होती है।"
श्रीमती डनलप ने कहा, "यह सचमुच अद्भुत है।"
“हाँ, साहस। यह एक दुर्लभ गुण है... कहते हैं कि मॉसन एक अटारी में भूख से मर रहा था जब श्रीमती स्टुवेसेंट ने उसे खोजा था। युवा प्रतिभा को आगे बढ़ने में मदद कर पाना गौरव की बात है।”
"यह बहुत ही शानदार होगा," श्रीमती डनलप ने सहमति जताते हुए कहा।
कीटिंग ने उदास स्वर में कहा, "अगर मैं अमीर होता, तो मैं इसे अपना शौक बना लेता: किसी नए कलाकार के लिए प्रदर्शनी आयोजित करना, किसी नए पियानोवादक के संगीत कार्यक्रम का वित्तपोषण करना, किसी नए वास्तुकार से घर बनवाना..."
"क्या आपको पता है, श्रीमान कीटिंग?—मैं और मेरे पति लॉन्ग आइलैंड पर एक छोटा सा घर बनाने की योजना बना रहे हैं।"
"ओह, क्या सच में? श्रीमती डनलप, मुझसे ऐसी बात कबूल करना आपके लिए बहुत ही प्यारा है। अगर आप मुझे यह कहने की अनुमति दें तो आप बहुत युवा हैं।"
क्या आपको यह नहीं पता कि मेरे द्वारा आपको परेशान करने और अपनी कंपनी में आपकी रुचि जगाने की कोशिश करने का खतरा है? या आप सुरक्षित हैं और आपने पहले ही एक वास्तुकार चुन लिया है?
“नहीं, मैं बिलकुल भी सुरक्षित नहीं हूँ,” श्रीमती डनलप ने बड़ी ही प्यारी आवाज़ में कहा, “और सच कहूँ तो मुझे खतरे से कोई आपत्ति नहीं है। मैंने पिछले कुछ दिनों में फ्रैंकन एंड हेयर फर्म के बारे में बहुत सोचा है। और मैंने सुना है कि वे बहुत ही बेहतरीन हैं।”
"धन्यवाद, श्रीमती डनलप।"
श्री फ्रैंकन एक महान वास्तुकार हैं।
"ओह हां।"
"क्या बात क्या बात?"
“कुछ नहीं। सचमुच कुछ नहीं।”
नहीं, क्या बात है?
"क्या आप सचमुच चाहते हैं कि मैं आपको बताऊं?"
“हाँ, बिल्कुल।”
“देखिए, गाइ फ्रैंकन—ये तो बस एक नाम है। आपके घर से उनका कोई लेना-देना नहीं है। ये उन पेशेवर रहस्यों में से एक है जिन्हें मुझे उजागर नहीं करना चाहिए, लेकिन मुझे नहीं पता कि आपमें ऐसी क्या बात है जो मुझे ईमानदार होने के लिए मजबूर कर रही है। हमारे कार्यालय की सभी बेहतरीन इमारतें श्री स्टेंगल द्वारा डिज़ाइन की गई हैं।”
"कौन?"
“क्लाउड स्टेंगल। आपने शायद यह नाम कभी नहीं सुना होगा, लेकिन जब कोई हिम्मत करके उन्हें खोज निकालेगा, तो आप ज़रूर सुनेंगे। दरअसल, सारा काम वही करते हैं, पर्दे के पीछे असली प्रतिभा उन्हीं की है, लेकिन फ्रैंकन उस पर अपने हस्ताक्षर करते हैं और सारा श्रेय खुद ले लेते हैं। हर जगह यही तरीका अपनाया जाता है।”
"लेकिन श्री स्टेंगल इसका समर्थन क्यों करते हैं?"
“वह क्या कर सकता है? कोई उसे मौका नहीं देगा। आप जानते ही हैं कि ज्यादातर लोग कैसे होते हैं, वे पुराने ढर्रे पर चलते हैं, वे उसी चीज के लिए तीन गुना कीमत चुकाते हैं, सिर्फ ट्रेडमार्क के लिए। हिम्मत रखो, श्रीमती।”
डनलप, उनमें साहस की कमी है। स्टेंगल एक महान कलाकार हैं, लेकिन उनकी प्रतिभा को पहचानने वाले पारखी लोग बहुत कम हैं। वह अपने दम पर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं, बशर्ते उन्हें श्रीमती स्टुवेसेंट जैसी कोई असाधारण व्यक्ति मिल जाए जो उन्हें मौका दे।

“सचमुच?” श्रीमती डनलप ने कहा। “कितना दिलचस्प है! मुझे इसके बारे में और बताइए।”
उन्होंने उसे इसके बारे में और भी बहुत कुछ बताया। जब तक उन्होंने फ्रेडरिक मावसन के कार्यों का निरीक्षण पूरा किया, श्रीमती...
डनलप कीटिंग से हाथ मिलाते हुए कह रहे थे:
“आपकी यह कृपा वाकई असाधारण है। क्या आपको यकीन है कि अगर आप श्री स्टेंगल से मेरी मुलाकात करवा दें तो इससे आपके कार्यालय में आपकी बदनामी नहीं होगी? मैंने तो यह सुझाव देने की हिम्मत ही नहीं की थी और आपका मुझ पर नाराज़ न होना वाकई बहुत बड़ी कृपा है। यह आपकी निस्वार्थता है और आपकी जगह कोई और ऐसा नहीं करता।”
जब कीटिंग ने प्रस्तावित दोपहर के भोजन के सुझाव के साथ स्टेंगल से संपर्क किया, तो वह व्यक्ति बिना कुछ कहे सुनता रहा। फिर उसने अपना सिर झटका और गुस्से से कहा:
इसमें आपका क्या फ़ायदा है?
कीटिंग के जवाब देने से पहले ही, स्टेंगल ने अचानक अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया।
“ओह,” स्टेंगल ने कहा। “ओह, अब मैं समझ गया।”
फिर वह आगे झुका, उसके होंठ तिरस्कार से पतले हो गए थे:
ठीक है। मैं उस लंच में जाऊँगा।
जब स्टेंगल ने अपना खुद का कार्यालय खोलने और डनलप हाउस के निर्माण को आगे बढ़ाने के लिए फ्रैंकन एंड हेयर की फर्म छोड़ी, जो उनका पहला प्रोजेक्ट था, तो गाय फ्रैंकन ने अपनी डेस्क के किनारे पर एक रूलर पटक दिया और कीटिंग से चिल्लाकर कहा:
“वह कमीना! वह घिनौना कमीना! मैंने उसके लिए इतना कुछ किया है फिर भी।”
"आप और क्या उम्मीद कर रहे थे?" कीटिंग ने उसके सामने एक नीची कुर्सी पर आराम से बैठते हुए कहा। "ज़िंदगी ऐसी ही होती है।"
लेकिन जो बात मुझे समझ नहीं आती, वह यह है कि उस छोटे से बदबूदार जानवर को इसके बारे में पता कैसे चला? और उसने इसे हमारी नाक के नीचे से ही छीन लिया!
“खैर, मुझे उस पर कभी भरोसा ही नहीं था।” कीटिंग ने कंधे उचकाते हुए कहा।
“इंसानी फितरत ही ऐसी है...”
उसकी आवाज़ में कड़वाहट सच्ची थी। उसे स्टेंगल से कोई आभार नहीं मिला था। स्टेंगल ने विदाई के समय बस इतना ही कहा था: "तुम मेरी सोच से भी कहीं ज़्यादा बुरे कमीने निकले। शुभकामनाएं।"
तुम एक दिन महान वास्तुकार बनोगे।
इस प्रकार कीटिंग ने फ्रैंकन एंड हेयर के मुख्य डिजाइनर का पद प्राप्त किया।
फ्रैंकॉन ने एक शांत और महंगे रेस्तरां में एक छोटी सी दावत के साथ इस अवसर का जश्न मनाया। "कुछ सालों में," वह बार-बार दोहरा रहा था, "कुछ सालों में तुम देखोगे कि क्या हो रहा है, पीट...."
तुम अच्छे लड़के हो और मैं तुम्हें पसंद करती हूँ और मैं तुम्हारे लिए बहुत कुछ करूंगी... क्या मैंने तुम्हारे लिए कुछ नहीं किया है? ... तुम बहुत आगे जाओगे, पीट... कुछ ही दिनों में।
वर्षों....” “तुम्हारी टाई टेढ़ी है, गाइ,” कीटिंग ने रूखेपन से कहा, “और तुम अपनी बनियान पर ब्रांडी गिरा रहे हो....”
डिजाइनिंग के अपने पहले कार्य का सामना करते हुए, कीटिंग ने टिम डेविस, स्टेंगल और उन कई अन्य लोगों के बारे में सोचा, जिन्होंने इसे चाहा था, इसके लिए संघर्ष किया था, कोशिश की थी और उनसे हार गए थे। यह एक विजयी भावना थी। यह उनकी

महानता की एक ठोस पुष्टि थी। फिर अचानक उन्होंने खुद को अपने कांच से घिरे कार्यालय में पाया, एक खाली कागज को देखते हुए।
—अकेला। उसके गले से कुछ लुढ़कता हुआ पेट तक गया, ठंडा और खाली, वही पुराना खालीपन का एहसास। वह मेज से टिक गया, आँखें बंद कर लीं। उसे पहले कभी यह एहसास नहीं हुआ था कि उससे वास्तव में यही अपेक्षा की जा रही है—कागज़ के एक पन्ने को भरना, कागज़ के एक पन्ने पर कुछ बनाना।
यह एक छोटा सा घर था। लेकिन इसे अपने सामने उठते देखने के बजाय, उसे यह धंसता हुआ दिखाई दिया; उसे इसका आकार ज़मीन में एक गड्ढे जैसा लगा; और अपने भीतर भी एक गड्ढे जैसा; खालीपन जैसा, जिसमें केवल डेविस और स्टेंगल ही बेमतलब बड़बड़ा रहे थे। फ्रैंकन ने इमारत के बारे में उससे कहा था: "इसमें गरिमा होनी चाहिए, तुम्हें पता है, गरिमा... कुछ भी अजीबोगरीब नहीं... एक सुरुचिपूर्ण संरचना... और बजट के भीतर रहना चाहिए," फ्रैंकन का यही विचार था कि वह अपने डिज़ाइनर को विचार दे और उसे उन पर काम करने दे। एक ठंडी बेहोशी में, कीटिंग को अपने ग्राहकों का उसके चेहरे पर हंसना याद आया; उसे एल्सवर्थ टूही की पूतली, सर्वशक्तिमान आवाज़ सुनाई दी जो प्लंबिंग के क्षेत्र में उसके लिए खुले अवसरों की ओर उसका ध्यान आकर्षित कर रही थी। उसे धरती पर मौजूद हर पत्थर से नफरत थी। उसे खुद से नफरत थी कि उसने आर्किटेक्ट बनने का फैसला क्यों किया।
जब उन्होंने चित्र बनाना शुरू किया, तो उन्होंने अपने द्वारा किए जा रहे काम के बारे में न सोचने की कोशिश की; उन्होंने केवल यही सोचा कि फ्रैंकन ने यह काम किया था, और स्टेंगल ने, यहां तक कि हेयर ने भी, और बाकी सभी ने भी, और अगर वे कर सकते थे तो वह भी कर सकते थे।
उन्होंने अपने प्रारंभिक रेखाचित्रों पर कई दिन बिताए। उन्होंने फ्रैंकन एंड हेयर की लाइब्रेरी में घंटों बिताए, क्लासिक तस्वीरों में से अपने घर का स्वरूप चुना। उनके मन में तनाव धीरे-धीरे कम हो रहा था। यह सही था और अच्छा था कि उनका घर उनके हाथों में बन रहा था, क्योंकि लोग आज भी उन उस्तादों की पूजा करते थे जिन्होंने उनसे पहले यह काम किया था। उन्हें न तो आश्चर्य करने की ज़रूरत थी, न डरने की, और न ही जोखिम उठाने की; यह काम उनके लिए पहले ही हो चुका था।
जब रेखाचित्र तैयार हो गए, तो वह अनिश्चितता से उन्हें देखता रहा। अगर उसे बताया जाता कि यह दुनिया का सबसे अच्छा या सबसे बदसूरत घर है, तो वह दोनों ही बातों से सहमत होता। वह निश्चित नहीं था।
उसे पूरी तरह आश्वस्त होना था। उसने स्टैंटन और वहाँ अपने कार्यों के दौरान जिन चीजों पर वह निर्भर रहा था, उनके बारे में सोचा। उसने कैमरन के कार्यालय में फोन किया और हॉवर्ड रोर्क से बात करने को कहा।
उस रात वह रोर्क के कमरे में आया और उसके सामने अपनी पहली इमारत के नक्शे, ऊंचाई और परिप्रेक्ष्य को फैला दिया। रोर्क उसके ऊपर खड़ा रहा, अपनी बाहें फैलाए, हाथों से मेज का किनारा पकड़े हुए, और काफी देर तक कुछ नहीं बोला।
कीटिंग बेसब्री से इंतजार कर रहा था; उसकी बेचैनी के साथ-साथ उसका गुस्सा भी बढ़ता जा रहा था।
क्योंकि उसे इतना चिंतित होने का कोई कारण नज़र नहीं आ रहा था। जब वह इसे सहन नहीं कर सका, तो उसने कहा:
"तुम्हें पता है, हॉवर्ड, सब कहते हैं कि स्टेंगल शहर का सबसे अच्छा डिज़ाइनर है, और मुझे नहीं लगता कि वह सच में नौकरी छोड़ने के लिए तैयार था, लेकिन मैंने उसे मजबूर किया और उसकी जगह ले ली। इसके लिए मुझे काफी सोच-समझकर काम करना पड़ा..."
वह रुक गया। उसकी आवाज़ में वह उत्साह और गर्व नहीं झलक रहा था, जैसा कि कहीं और होता। वह आवाज़ भीख मांगने जैसी लग रही थी।

रोर्क ने मुड़कर उसकी ओर देखा। रोर्क की आँखों में तिरस्कार का भाव नहीं था; बस सामान्य से थोड़ी अधिक चौड़ी, चौकस और उलझन भरी नज़रें थीं।
उसने कुछ नहीं कहा और वापस रेखाचित्रों की ओर मुड़ गया।
कीटिंग को नग्नता का अहसास हुआ। डेविस, स्टेंगल, फ्रैंकन का यहाँ कोई महत्व नहीं था।
लोग ही उसके लिए लोगों से सुरक्षा का साधन थे। रोर्क को लोगों की कोई समझ नहीं थी। दूसरों ने कीटिंग को अपने आत्मसम्मान का एहसास दिलाया। रोर्क ने उसे कुछ नहीं दिया। उसने सोचा कि उसे अपने चित्र लेकर भाग जाना चाहिए।
खतरा रोर्क नहीं था। खतरा यह था कि कीटिंग वहीं बना रहा।
रोर्क उसकी ओर मुड़ा।
“क्या तुम्हें इस तरह के काम करने में मजा आता है, पीटर?” उसने पूछा।
“ओह, मुझे पता है,” कीटिंग ने तीखी आवाज में कहा, “मुझे पता है कि आप इसे पसंद नहीं करते, लेकिन यह व्यापार है, मैं बस यह जानना चाहता हूं कि आप इस बारे में व्यावहारिक रूप से क्या सोचते हैं, दार्शनिक रूप से नहीं, न ही...”
नहीं, मैं आपको उपदेश नहीं देने वाला। मैं तो बस सोच रहा था।
“हावर्ड, अगर आप मेरी थोड़ी सी भी मदद कर सकें तो अच्छा होगा। यह मेरा पहला घर है, और ऑफिस में मेरे लिए इसका बहुत महत्व है, और मैं असमंजस में हूँ। आपका क्या ख्याल है? क्या आप मेरी मदद करेंगे, हावर्ड?”
"ठीक है।"
रोर्क ने खांचेदार स्तंभों, टूटे हुए अग्रभागों और खिड़कियों के ऊपर रोमन शैली की नक्काशी वाले भव्य अग्रभाग के रेखाचित्र को एक तरफ फेंक दिया।
और प्रवेश द्वार पर साम्राज्य के दो चील बने हुए थे। उसने योजना उठाई। उसने एक ट्रेसिंग पेपर लिया, उसे योजना के ऊपर रखा और चित्र बनाना शुरू कर दिया। कीटिंग रोर्क के हाथ में पेंसिल को देखता रहा।
उसने अपने भव्य प्रवेश द्वार, घुमावदार गलियारों और अंधेरे कोनों को गायब होते देखा; उसने उस जगह में एक विशाल बैठक कक्ष को पनपते देखा जिसे वह पहले बहुत छोटा समझता था; बगीचे की ओर खुलने वाली बड़ी-बड़ी खिड़कियों की एक दीवार, एक विशाल रसोईघर। वह काफी देर तक देखता रहा।
"और बाहरी दिखावा?" उसने पूछा, जब रोर्क ने पेंसिल नीचे फेंक दी।
मैं इसमें आपकी मदद नहीं कर सकता। अगर आपको क्लासिक ही चाहिए, तो कम से कम अच्छी क्लासिक ही लें। जहां एक पिलर से काम चल सकता है, वहां तीन की क्या जरूरत है?
और दरवाजे से उन बत्तखों को हटा दो, यह बहुत ज्यादा है।"
जाते समय कीटिंग ने कृतज्ञतापूर्वक मुस्कुराते हुए अपने रेखाचित्र बगल में दबाए रखे; वह दुखी और क्रोधित होकर सीढ़ियों से नीचे उतरा; उसने रोर्क के रेखाचित्रों से नई योजनाएँ और एक नया, सरल एलिवेशन बनाने में तीन दिन बिताए; और उसने एक भव्य और गर्वपूर्ण भाव से अपना घर फ्रैंकन को भेंट किया।
“वाह,” फ्रैंकन ने उसे देखते हुए कहा, “वाह! पीटर, तुम्हारी कल्पना शक्ति तो गजब की है... मुझे आश्चर्य हो रहा है... यह थोड़ा साहसिक है, लेकिन मुझे आश्चर्य हो रहा है...”
उसने खांसते हुए कहा, “यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा मैंने सोचा था।”
"बिल्कुल," कीटिंग ने कहा। "मैंने आपकी इमारतों का अध्ययन किया, और यह सोचने की कोशिश की कि आप क्या करेंगे, और अगर यह अच्छा है, तो इसका कारण यह है कि मुझे लगता है कि मैं आपके विचारों को समझ सकता हूँ।"
फ्रैंकन मुस्कुराया। और कीटिंग को अचानक लगा कि फ्रैंकन वास्तव में इस पर विश्वास नहीं करता था और जानता था कि कीटिंग भी इस पर विश्वास नहीं करता, फिर भी वे

दोनों संतुष्ट थे, एक समान पद्धति और एक समान अपराधबोध से और भी अधिक मजबूती से बंधे हुए थे।
कैमरन की मेज पर मिले पत्र में खेद व्यक्त करते हुए बताया गया कि गहन विचार-विमर्श के बाद, सिक्योरिटी ट्रस्ट कंपनी के निदेशक मंडल ने कंपनी की नई एस्टोरिया शाखा के लिए भवन निर्माण की उनकी योजनाओं को स्वीकार नहीं किया और यह कार्य गोल्ड एंड पेटिंगिल फर्म को सौंप दिया गया है। पत्र के साथ उनके प्रारंभिक रेखाचित्रों के भुगतान हेतु एक चेक भी संलग्न था, जैसा कि सहमति हुई थी; यह राशि रेखाचित्रों को बनाने के खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं थी।
पत्र मेज पर फैला पड़ा था। कैमरन उसके सामने बैठा था, थोड़ा पीछे हटकर, मेज को छुए बिना, दोनों हाथ गोद में सटाए, एक हाथ की हथेली दूसरे हाथ पर टिकी हुई, उँगलियाँ कसकर बंद थीं। वह काग़ज़ का एक छोटा सा टुकड़ा ही था, लेकिन वह सिकुड़कर और स्थिर बैठा था, क्योंकि वह उसे किसी अलौकिक वस्तु जैसा लग रहा था, जैसे रेडियम, जिससे ऐसी किरणें निकल रही हों जो हिलने-डुलने पर उसकी त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हों।
तीन महीने से वह सिक्योरिटी ट्रस्ट कंपनी के आदेश का इंतज़ार कर रहा था। पिछले दो वर्षों में, कभी-कभार जो अवसर उसके सामने आए थे, वे एक-एक करके गायब होते चले गए - अस्पष्ट वादों के रूप में आए, फिर पक्के इनकार के साथ गायब हो गए। उसके एक ड्राफ्ट्समैन को तो बहुत पहले ही निकाल दिया गया था। मकान मालिक ने पहले तो विनम्रता से, फिर रूखेपन से, और फिर अशिष्टता और खुलेआम सवाल पूछे। लेकिन दफ्तर में किसी को भी इस बात से कोई आपत्ति नहीं थी, न ही वेतन के बकाया से: बात सिक्योरिटी ट्रस्ट कंपनी के कमीशन की थी। उपाध्यक्ष, जिन्होंने कैमरन से डिज़ाइन प्रस्तुत करने को कहा था, ने कहा था: "मुझे पता है, कुछ निदेशक इसे मेरी तरह नहीं देखेंगे। लेकिन आगे बढ़िए, श्री कैमरन। मेरे साथ यह जोखिम उठाइए और मैं आपके लिए लड़ूंगा।"
कैमरन ने जोखिम उठाया था। उन्होंने और रोर्क ने अथक परिश्रम किया था ताकि योजनाएँ समय पर, समय से पहले, गोल्ड से पहले तैयार हो जाएँ।
और पेटिंगिल भी अपना योगदान दे सकते थे। पेटिंगिल बैंक अध्यक्ष की पत्नी के चचेरे भाई थे और पोम्पेई के खंडहरों के एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ थे; बैंक अध्यक्ष जूलियस सीज़र के कट्टर प्रशंसक थे और एक बार रोम में रहते हुए उन्होंने कोलोसियम का श्रद्धापूर्वक निरीक्षण करने में सवा घंटा बिताया था।
कैमरन और रोर्क और एक बर्तन भर काली कॉफी कई दिनों तक सुबह से लेकर कड़ाके की ठंड वाली सुबह तक ऑफिस में ही रहे थे, और कैमरन को अनजाने में बिजली के बिल का ख्याल आया था, लेकिन उसने खुद को इसे भुलाने के लिए मजबूर कर लिया था।
सुबह-सुबह जब उसने रोर्क को सैंडविच लाने भेजा, तब भी ड्राफ्टिंग रूम में बत्तियाँ जल रही थीं। रोर्क को सड़कों पर धुंधली सुबह दिखाई दी, जबकि दफ्तर में, ऊँची ईंट की दीवार के सामने वाली खिड़कियों में अभी भी रात थी। आखिरी दिन, आधी रात के बाद रोर्क ने ही कैमरन को घर जाने का आदेश दिया था, क्योंकि कैमरन के हाथ काँप रहे थे और उसके घुटने सहारा लेने के लिए बार-बार ऊँचे ड्राफ्टिंग स्टूल पर झुक रहे थे, जिस पर वह धीरे-धीरे, सावधानी से, एक अजीब सी खामोशी से टिक रहा था। रोर्क उसे टैक्सी तक ले गया और सड़क की बत्ती की रोशनी में कैमरन ने रोर्क का चेहरा देखा, जो थका हुआ था और आँखें चौड़ी थीं।
बनावटी तौर पर, होंठ सूख गए थे। अगली सुबह कैमरन ड्राफ्टिंग रूम में दाखिल हुआ और उसने देखा कि कॉफी पॉट फर्श पर एक काले पोखर के ऊपर एक तरफ पड़ा है, और रोर्क का हाथ पोखर में है, हथेली ऊपर की ओर, उंगलियां आधी बंद, रोर्क का

शरीर फ़र्श पर फैला हुआ है, उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ है, वह गहरी नींद में सो रहा है। मेज पर, कैमरन को तैयार योजनाएँ मिलीं...
वह अपनी मेज पर रखे पत्र को देखता हुआ बैठा रहा। उसकी बदहाली यह थी कि वह बीते हुए उन रातों के बारे में नहीं सोच पा रहा था, वह उस इमारत के बारे में नहीं सोच पा रहा था जो एस्टोरिया में बननी चाहिए थी और उस इमारत के बारे में भी नहीं सोच पा रहा था जो अब उसकी जगह लेगी; वह केवल बिजली कंपनी के बकाया बिल के बारे में सोच रहा था...
पिछले दो वर्षों में कैमरन कई हफ्तों तक अपने कार्यालय से गायब हो जाता था, और रोर्क उसे घर पर नहीं पाता था। रोर्क को सब कुछ पता था, लेकिन वह कैमरन की सुरक्षित वापसी की उम्मीद में बस इंतजार करता रहता था। फिर, कैमरन अपनी पीड़ा की शर्म भी खो बैठा और लड़खड़ाते हुए अपने कार्यालय लौटा, किसी को पहचान नहीं पाया, खुलेआम नशे में था और धरती पर एकमात्र ऐसी जगह की दीवारों के सामने इसका प्रदर्शन कर रहा था जिसका वह सम्मान करता था।
रोर्क ने अपने मकान मालिक से चुपचाप यह कहना सीख लिया था कि वह एक हफ्ते तक किराया नहीं दे सकता; मकान मालिक उससे डरता था और उसने कोई ज़िद नहीं की। पीटर कीटिंग को किसी तरह इसकी खबर लग गई, क्योंकि उसे हमेशा हर वो बात पता चल जाती थी जो वह जानना चाहता था। एक शाम वह रोर्क के ठंडे कमरे में आया और अपना ओवरकोट पहने ही बैठ गया। उसने अपना बटुआ निकाला, उसमें से दस-दस डॉलर के पाँच नोट निकाले और रोर्क को दे दिए। "तुम्हें इसकी ज़रूरत है, हॉवर्ड। मुझे पता है तुम्हें इसकी ज़रूरत है। अभी विरोध मत करो। तुम मुझे कभी भी लौटा सकते हो।" रोर्क ने हैरानी से उसकी तरफ देखा, पैसे लिए और कहा: "हाँ, मुझे इसकी ज़रूरत है। धन्यवाद, पीटर।" तब कीटिंग ने कहा: "तुम ये कैमरन पर अपना समय क्यों बर्बाद कर रहे हो? इस तरह क्यों जीना चाहते हो?"
हावर्ड, इसे छोड़ो और हमारे साथ चलो। मुझे बस इतना ही कहना है।
फ्रैंकॉन बहुत खुश होगा। हम आपको साठ पाउंड प्रति सप्ताह से शुरू करेंगे।" रोर्क ने अपनी जेब से पैसे निकाले और उसे वापस दे दिए। "अरे, भगवान के लिए, हॉवर्ड! मैं... मेरा इरादा आपको नाराज़ करने का नहीं था।" "मेरा भी नहीं।"
लेकिन हावर्ड, कृपया इसे रख लो। शुभ रात्रि, पीटर।
रोर्क इसी बारे में सोच रहा था कि कैमरन ड्राफ्टिंग रूम में दाखिल हुआ, उसके हाथ में सिक्योरिटी ट्रस्ट कंपनी का पत्र था। उसने पत्र रोर्क को दिया, कुछ नहीं कहा, मुड़ा और वापस अपने कमरे में चला गया।
कार्यालय। रोर्क ने पत्र पढ़ा और उसके पीछे-पीछे चला गया। जब भी उन्हें कोई और कमीशन नहीं मिलता था, रोर्क जानता था कि कैमरून उससे कार्यालय में मिलना चाहता है, लेकिन उस बारे में बात करने के लिए नहीं; बस उसे वहाँ देखना चाहता है, अन्य बातों पर चर्चा करना चाहता है, और उसकी उपस्थिति के आश्वासन पर भरोसा करना चाहता है।
कैमरन की मेज पर रोर्क ने न्यूयॉर्क बैनर की एक प्रति देखी।
यह मशहूर वायनांड श्रृंखला का प्रमुख समाचार पत्र था। यह ऐसा अखबार था जिसे वह किसी रसोई में, नाई की दुकान में, किसी साधारण से डाइंग रूम में, मेट्रो में, कहीं भी मिलने की उम्मीद कर सकता था, सिवाय कैमरन के दफ्तर के। कैमरन ने उसे अखबार देखते हुए देखा और मुस्कुरा दिया।
"आज सुबह यहाँ आते समय मैंने इसे उठाया। अजीब बात है, है ना? मुझे पता ही नहीं था कि हमें आज वो चिट्ठी मिलेगी। फिर भी, ये कागज़ और वो चिट्ठी एक साथ बिल्कुल सही लग रहे हैं। पता नहीं मैंने इसे क्यों खरीदा। शायद प्रतीकात्मक अर्थ था। इसे देखो, हॉवर्ड। ये दिलचस्प है।"

रोक ने अखबार पर सरसरी नज़र डाली। पहले पन्ने पर मोटे, चमकदार होंठों वाली एक अविवाहित माँ की तस्वीर थी, जिसने अपने प्रेमी को गोली मार दी थी; तस्वीर के साथ ही उसकी आत्मकथा का पहला भाग और उसके मुकदमे का विस्तृत विवरण छपा था। बाकी पन्नों पर बिजली कंपनियों के खिलाफ़ अभियान; दैनिक राशिफल; चर्च के उपदेशों के अंश; नई दुल्हनों के लिए नुस्खे; खूबसूरत टांगों वाली लड़कियों की तस्वीरें; पति को कैसे संभालना है इस पर सलाह; एक शिशु प्रतियोगिता; एक कविता जिसमें कहा गया था कि सिम्फनी लिखने से ज्यादा नेक काम बर्तन धोना है; और एक लेख जिसमें यह साबित किया गया था कि बच्चे को जन्म देने वाली महिला अपने आप संत बन जाती है।
“यही हमारा जवाब है, हॉवर्ड। यही जवाब आपको और मुझे दिया गया है। यह लेख। कि यह मौजूद है और इसे पसंद किया जाता है। क्या आप इसका विरोध कर सकते हैं?”
क्या आपके पास कुछ ऐसा कहने को है जो उसे समझ में आए? उन्हें हमें पत्र नहीं भेजना चाहिए था। उन्हें वायनांड के बैनर की एक प्रति भेजनी चाहिए थी। यह ज़्यादा सरल और स्पष्ट होता। क्या आप जानते हैं कि कुछ ही वर्षों में वह नीच कमीना, गेल वायनांड, दुनिया पर राज करेगा? यह एक खूबसूरत दुनिया होगी। और शायद वह सही भी हो।
कैमरन ने कागज को फैलाकर पकड़ा हुआ था और उसे अपनी हथेली पर रखकर उसका वजन महसूस कर रहा था।
“उन्हें वो सब कुछ दे दो जो वे चाहते हैं, हावर्ड, और उन्हें इसके लिए तुम्हारी पूजा करने दो, उनके पैर चाटने दो—या... या क्या? इसका क्या फायदा?...”
लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, किसी भी चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता, यहां तक कि इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता कि अब मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता..."
फिर उसने रोर्क की ओर देखा। उसने आगे कहा:
"काश मैं तब तक रुक पाता जब तक मैं तुम्हें अपना काम खुद शुरू करने के लिए प्रेरित न कर दूं, हॉवर्ड...."
उस बारे में बात मत करो।
“मैं उस बारे में बात करना चाहता हूँ... ये अजीब बात है, हॉवर्ड, अगले बसंत में तुम्हें यहाँ आए तीन साल हो जाएँगे। लगता है कितना लंबा समय बीत गया है, है ना? अच्छा, क्या मैंने तुम्हें कुछ सिखाया है? मैं तुम्हें बताता हूं: मैंने तुम्हें बहुत कुछ सिखाया है और कुछ भी नहीं। कोई भी तुम्हें कुछ नहीं सिखा सकता, न तो उसकी जड़ तक, न ही उसके मूल तक। तुम जो कर रहे हो—वो तुम्हारा है, मेरा नहीं, मैं तुम्हें बस उसे और बेहतर करना सिखा सकता हूँ। मैं तुम्हें साधन दे सकता हूँ, लेकिन लक्ष्य—लक्ष्य तुम्हारा अपना है। तुम जैकोबियन काल के शुरुआती दौर या कैमरून काल के उत्तरार्ध में कमज़ोर सी चीज़ें बनाने वाले एक छोटे से शिष्य नहीं बनोगे। तुम जो बनोगे... काश मैं उसे देख पाता!”
“तुम इसे अपनी आँखों से देखोगे। और तुम्हें यह बात अभी से पता है।”
कैमरन अपने दफ्तर की खाली दीवारों को, अपनी मेज पर पड़े सफेद नोटों के ढेर को और खिड़कियों से धीरे-धीरे टपकती कालिख भरी बारिश को देख रहा था।
“मेरे पास उन्हें देने के लिए कोई जवाब नहीं है, हावर्ड। मैं तुम्हें उनके सामने छोड़कर जा रहा हूँ। तुम्हें ही उन्हें जवाब देना होगा। सभी सवालों के जवाब, वायनांड के कागजातों के, और उन कागजातों के पीछे छिपी सच्चाई के। यह एक अजीब ज़िम्मेदारी है जो मैं तुम्हें सौंप रहा हूँ। मुझे नहीं पता कि हमारा जवाब क्या होगा। मैं बस इतना जानता हूँ कि एक जवाब है और वह तुम्हारे पास है, तुम ही वह जवाब हो, हॉवर्ड, और किसी दिन तुम उसे शब्दों में बयां कर लोगे।”
छठी

एल्सवर्थ एम. टूही द्वारा लिखित 'पत्थर पर उपदेश'
वर्ष 1925 के जनवरी माह में प्रकाशित।
इसका आवरण गहरे नीले रंग का था, जिस पर सादे चांदी के अक्षर और एक कोने में चांदी का पिरामिड बना हुआ था। इसका उपशीर्षक था "हर किसी के लिए वास्तुकला" और इसकी सफलता अभूतपूर्व थी। इसमें मिट्टी की झोपड़ी से लेकर गगनचुंबी इमारतों तक, वास्तुकला का पूरा इतिहास आम आदमी की भाषा में प्रस्तुत किया गया था, लेकिन इसने इन शब्दों को वैज्ञानिक रूप दिया। इसके लेखक ने अपनी प्रस्तावना में कहा था कि यह "वास्तुकला को उसके सही स्थान पर - आम लोगों तक" पहुंचाने का प्रयास था। उन्होंने आगे कहा कि वे चाहते हैं कि आम आदमी "वास्तुकला के बारे में उसी तरह सोचे और बोले जैसे वह बेसबॉल के बारे में बोलता है।" उन्होंने अपने पाठकों को पंचस्तरीय वास्तुकला, पोस्ट और लिंटेल, फ्लाइंग बट्रेस या प्रबलित कंक्रीट की तकनीकी बारीकियों से ऊबाया नहीं। उन्होंने अपने पन्नों को मिस्र की गृहणी, रोमन मोची, लुई XIV की प्रेमिका के दैनिक जीवन के घरेलू विवरणों से भर दिया - वे क्या खाते थे, कैसे नहाते थे, कहाँ खरीदारी करते थे और उनकी इमारतों का उनके जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता था। लेकिन उन्होंने अपने पाठकों को यह आभास कराया कि वे पंचस्तरीय वास्तुकला और प्रबलित कंक्रीट के बारे में वह सब कुछ सीख रहे हैं जो उन्हें जानना चाहिए। उन्होंने अपने पाठकों को यह आभास कराया कि आम लोगों की दिनचर्या से परे कोई समस्या, कोई उपलब्धि, कोई विचार की सीमा नहीं है; वे लोग अतीत और वर्तमान दोनों में गुमनाम हैं; विज्ञान का इस दिनचर्या पर प्रभाव डालने के अलावा कोई लक्ष्य या अभिव्यक्ति नहीं है; उनके पाठक मात्र अपने साधारण दिनों को जीकर ही किसी भी सभ्यता के सर्वोच्च उद्देश्यों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्हें प्राप्त कर रहे हैं। उनकी वैज्ञानिक सटीकता त्रुटिहीन थी और उनका ज्ञान विस्मयकारी; बेबीलोन के खाना पकाने के बर्तनों या बीजान्टियम के पायदानों पर भी कोई उनका खंडन नहीं कर सकता था। उन्होंने प्रत्यक्षदर्शी की चमक और जीवंतता के साथ लिखा। उन्होंने सदियों के इतिहास को श्रमसाध्य ढंग से नहीं गढ़ा; आलोचकों के अनुसार, वे युगों के पथ पर एक विदूषक, एक मित्र और एक पैगंबर की तरह नाचते हुए आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि वास्तुकला वास्तव में कलाओं में सबसे महान है, क्योंकि यह गुमनाम है, जैसे कि सभी महानता। उन्होंने कहा कि दुनिया
यहां कई प्रसिद्ध इमारतें थीं, लेकिन कुछ ही नामी निर्माता थे, जो स्वाभाविक ही था, क्योंकि वास्तुकला या किसी अन्य क्षेत्र में किसी एक व्यक्ति ने कभी कोई महत्वपूर्ण कृति नहीं बनाई थी। जिन कुछ लोगों के नाम अमर रहे, वे वास्तव में धोखेबाज़ थे, जिन्होंने लोगों की प्रतिष्ठा को उसी तरह लूटा जैसे दूसरों ने उनकी संपत्ति लूटी थी। "जब हम किसी प्राचीन स्मारक की भव्यता को निहारते हैं और उसकी उपलब्धि का श्रेय किसी एक व्यक्ति को देते हैं, तो हम आध्यात्मिक गबन के दोषी होते हैं।"
हम उन असंख्य शिल्पकारों को भूल जाते हैं, जो युगों के अंधकार में उनसे पहले आए थे, जिन्होंने विनम्रता से परिश्रम किया—स्वार्थ ही वीरता है—प्रत्येक ने अपने समय के साझा खजाने में अपना छोटा सा योगदान दिया। एक महान इमारत किसी प्रतिभाशाली व्यक्ति का निजी आविष्कार नहीं होती। यह तो बस एक जनमानस की भावना का सार होती है।
उन्होंने समझाया कि वास्तुकला का पतन तब हुआ जब मध्य युग की सामुदायिक भावना की जगह निजी संपत्ति ने ले ली, और व्यक्तिगत मालिकों के स्वार्थ ने—जो केवल अपनी बुरी रुचि को संतुष्ट करने के लिए निर्माण करते थे, "व्यक्तिगत रुचि का हर दावा बुरी रुचि है"—शहरों के सुनियोजित प्रभाव को नष्ट कर दिया था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि स्वतंत्र इच्छा जैसी कोई चीज नहीं होती, क्योंकि मनुष्य की रचनात्मक प्रेरणाएँ, अन्य सभी चीज़ों की तरह, उस युग की आर्थिक संरचना द्वारा निर्धारित होती हैं जिसमें वे रहते हैं। उन्होंने सभी महान ऐतिहासिक शैलियों की प्रशंसा की, लेकिन उनके

अंधाधुंध मिश्रण के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने आधुनिक वास्तुकला को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि: "अब तक, यह केवल अलग-थलग व्यक्तियों की सनक का प्रतिनिधित्व करती है, इसका किसी महान, सहज जन आंदोलन से कोई संबंध नहीं है, और इस प्रकार इसका कोई महत्व नहीं है।" उन्होंने एक बेहतर दुनिया की भविष्यवाणी की, जहां सभी मनुष्य भाई होंगे और उनकी इमारतें ग्रीस की महान परंपरा में सामंजस्यपूर्ण और एक समान होंगी।
“लोकतंत्र की जननी।” जब उन्होंने यह लिखा, तो वे अपनी शैली की तटस्थ शांति में बिना किसी स्पष्ट व्यवधान के यह बात व्यक्त करने में सफल रहे—
उन्होंने कहा कि जो शब्द अब सुस्पष्ट अक्षरों में छपे दिखाई दे रहे हैं, वे पांडुलिपि में भावविभोर हाथों से धुंधले हो गए थे। उन्होंने वास्तुकारों से आह्वान किया कि वे व्यक्तिगत यश की स्वार्थी खोज को त्याग दें और स्वयं को अपने लोगों की भावनाओं को मूर्त रूप देने के लिए समर्पित करें।
“वास्तुकार सेवक होते हैं, नेता नहीं। उन्हें अपने अहंकार को प्रदर्शित नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने देश की आत्मा और अपने समय की लय को व्यक्त करना चाहिए। उन्हें अपने व्यक्तिगत भ्रमों का अनुसरण नहीं करना चाहिए।”
कल्पनाशील नहीं, बल्कि उस सामान्य कारक को खोजना, जो उनके काम को आम जनता के दिलों के करीब लाएगा। वास्तुकार - आह, मेरे दोस्तों, उनका काम तर्क करना नहीं है। उनका काम आदेश देना नहीं, बल्कि आदेश मानना है।
'सर्मन्स इन स्टोन' के विज्ञापनों में आलोचकों के उद्धरण शामिल थे: "शानदार!" "अद्भुत उपलब्धि!" "कला इतिहास में अद्वितीय!" "एक आकर्षक व्यक्ति और गहन विचारक से परिचित होने का आपका अवसर।" "बुद्धिजीवी कहलाने की आकांक्षा रखने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अनिवार्य पठन।"
ऐसा लगता था कि बहुत से लोग उस उपाधि को पाने की इच्छा रखते थे। पाठक बिना अध्ययन के ही ज्ञान, बिना खर्च के ही अधिकार और बिना किसी प्रयास के ही विवेक प्राप्त कर लेते थे। इमारतों को देखना और पृष्ठ 439 की याद के साथ पेशेवर ढंग से उनकी आलोचना करना सुखद था; कलात्मक चर्चाएँ करना और उन्हीं अनुच्छेदों के उन्हीं वाक्यों का आदान-प्रदान करना भी आनंददायक था। प्रतिष्ठित बैठक कक्षों में जल्द ही यह सुनने को मिलता था: “वास्तुकला? ओह, हाँ, एल्सवर्थ टूही।”
अपने सिद्धांतों के अनुसार, एल्सवर्थ एम. टूही ने अपनी पुस्तक के पीठ में किसी भी वास्तुकार का नाम नहीं लिया - "ऐतिहासिक शोध की मिथक-निर्माण, नायक-पूजा पद्धति मुझे हमेशा से ही नापसंद रही है।"
ये नाम केवल फुटनोट में ही दिखाई दिए। इनमें से कई में गाइ फ्रैंकन का जिक्र था, "जिनमें अति-सजावट की प्रवृत्ति है, लेकिन क्लासिकवाद की सख्त परंपरा के प्रति उनकी निष्ठा की प्रशंसा की जानी चाहिए।" एक टिप्पणी में हेनरी कैमरून का जिक्र था, "जो कभी वास्तुकला के तथाकथित आधुनिक स्कूल के संस्थापकों में से एक के रूप में प्रमुख थे और बाद में उन्हें पूरी तरह से भुला दिया गया। जनता की आवाज ईश्वर की आवाज होती है।"
फरवरी 1925 में हेनरी कैमरून ने वकालत से संन्यास ले लिया।
एक साल से उन्हें पता था कि वह दिन आएगा। उन्होंने रोर्क से इस बारे में बात नहीं की थी, लेकिन वे दोनों जानते थे और आगे बढ़ते रहे, बस यही उम्मीद करते हुए कि जब तक संभव हो, काम चलता रहे। पिछले एक साल में उनके कार्यालय में कुछ काम आए थे - ग्रामीण कॉटेज, गैरेज, पुरानी इमारतों का जीर्णोद्धार। वे हर तरह का काम ले लेते थे।
लेकिन पानी टपकना बंद हो गया। पाइप सूख गए थे। पानी की आपूर्ति उस संस्था द्वारा बंद कर दी गई थी जिसे कैमरून ने कभी बिल का भुगतान नहीं किया था।

सिम्पसन और स्वागत कक्ष में बैठे बूढ़े व्यक्ति को बहुत पहले ही बर्खास्त कर दिया गया था। केवल रोर्क ही बचा था, जो सर्दियों की शामों में चुपचाप बैठा रहता था और कैमरून के शरीर को उसकी मेज पर झुके हुए, बाहें फैलाए, सिर बाहों पर टिकाए, और लैंप की रोशनी में चमकती बोतल को देखता रहता था।
फिर, फरवरी के एक दिन, जब कैमरन ने हफ्तों से शराब को हाथ नहीं लगाया था, उसने शेल्फ पर रखी एक किताब उठाई और अचानक, सहजता से, अंततः रोर्क के पैरों में गिर पड़ा। रोर्क उसे घर ले गया और डॉक्टर ने कहा कि बिस्तर से उठने की कोशिश करना ही कैमरन के लिए मौत की सजा होगी। कैमरन यह जानता था। वह तकिए पर स्थिर लेटा रहा, उसके हाथ आज्ञाकारी रूप से शरीर के दोनों ओर लटके हुए थे, उसकी आँखें बिना पलक झपकाए खाली थीं। फिर उसने कहा:
"क्या आप मेरे लिए ऑफिस बंद कर देंगे, हावर्ड?"
“हां,” रोर्क ने कहा।
कैमरन ने अपनी आंखें बंद कर लीं और कुछ नहीं बोला, और रोर्क पूरी रात उसके बिस्तर के पास बैठा रहा, यह जाने बिना कि बूढ़ा आदमी सोया या नहीं।
कैमरन की एक बहन न्यू जर्सी में कहीं से प्रकट हुई।
वह सफ़ेद बालों वाली, कांपते हाथों वाली और एक ऐसे चेहरे वाली, शांत, विनम्र और थोड़ी निराश दिखने वाली एक बूढ़ी महिला थी, जिसका चेहरा शायद ही कभी याद रहता था। उसकी आमदनी बहुत कम थी और उसने अपने भाई को न्यू जर्सी स्थित अपने घर ले जाने की जिम्मेदारी उठाई थी; उसने कभी शादी नहीं की थी और दुनिया में उसका कोई और नहीं था; उसे इस बोझ से न तो खुशी थी और न ही दुख; कई साल पहले ही वह अपनी सारी भावनाएँ खो चुकी थी।
अपने प्रस्थान के दिन कैमरून ने रोर्क को एक पत्र सौंपा, जो उसने रात में बड़ी पीड़ा से लिखा था। उस समय उसके घुटनों पर एक पुराना ड्राइंग बोर्ड था और पीठ पर तकिया लगा हुआ था। पत्र एक प्रसिद्ध वास्तुकार को संबोधित था; यह रोर्क के लिए नौकरी का परिचय पत्र था। रोर्क ने पत्र पढ़ा और कैमरून की ओर देखते हुए, न कि अपने हाथों की ओर, उसे फाड़ दिया, टुकड़ों को मोड़ा और फिर से फाड़ दिया।
“नहीं,” रोर्क ने कहा। “तुम उनसे कुछ नहीं मांगोगे। मेरी चिंता मत करो।”
कैमरन ने सिर हिलाया और काफी देर तक चुप रहा।
फिर उन्होंने कहा:
“हावर्ड, तुम दफ्तर बंद कर दोगे। उन्हें किराए के बदले फर्नीचर रखने दोगे। लेकिन मेरे कमरे की दीवार पर जो ड्राइंग है, उसे ले आकर मुझे भेज दोगे। बस इतना ही। बाकी सब कुछ जला दोगे। सारे कागज़, फाइलें, ड्राइंगें, अनुबंध, सब कुछ।”
“हां,” रोर्क ने कहा।
मिस कैमरून वार्ड बॉय और स्ट्रेचर के साथ आईं और वे एम्बुलेंस में बैठकर फेरी तक गए। फेरी के प्रवेश द्वार पर कैमरून ने रोर्क से कहा:
“अब तुम वापस जा रहे हो।” उन्होंने आगे कहा: “तुम मुझसे मिलने आओगे, हॉवर्ड... लेकिन बहुत बार नहीं...”
रोर्क मुड़ा और चला गया, जबकि वे कैमरन को घाट की ओर ले जा रहे थे। सुबह धुंधली थी और हवा में समुद्र की ठंडी, सड़ी हुई गंध फैली हुई थी। एक सीगल नम, धारीदार पत्थर के एक कोने पर, तैरते हुए अखबार के टुकड़े की तरह धूसर रंग में, सड़क के ऊपर से नीचे की ओर झपटी।
उस शाम, रोर्क कैमरन के बंद दफ्तर में गया। उसने बत्ती नहीं जलाई। उसने कैमरन के कमरे में रखे फ्रैंकलिन हीटर में आग जलाई और एक-एक करके दराजों का सामान आग में डालता गया, बिना नीचे देखे। सन्नाटे में कागजों की सरसराहट सूखी सी सुनाई दी, अंधेरे कमरे में फफूंदी की हल्की सी गंध फैल गई और आग चटकने लगी, चटकने

लगीं और तेज़ लपटें उठने लगीं। कभी-कभी जले किनारों वाला एक सफेद टुकड़ा लपटों से उड़कर बाहर आता। वह उसे स्टील के रूलर के सिरे से वापस धकेल देता। कैमरन की मशहूर इमारतों और अधूरी इमारतों के चित्र थे; ऐसे ब्लूप्रिंट थे जिन पर पतली सफेद रेखाएं थीं जो कहीं अभी भी खड़े गर्डरों को दर्शाती थीं; मशहूर हस्ताक्षरों वाले अनुबंध थे; और कभी-कभी, लाल चमक के बीच से, पीले पड़े कागज पर लिखे सात अंकों की एक राशि चमकती और चिंगारियों के पतले विस्फोट में गायब हो जाती थी।
एक पुराने फोल्डर में रखे पत्रों के बीच से एक अखबार की कतरन ज़मीन पर गिर पड़ी। रोर्क ने उसे उठा लिया। वह सूखी, कुरकुरी और पीली थी, और उसकी उंगलियों में आते ही तहों से टूट गई। यह हेनरी कैमरून द्वारा दिया गया एक साक्षात्कार था, जिसकी तारीख 7 मई, 1892 थी। इसमें लिखा था: "वास्तुकला कोई व्यवसाय नहीं है, कोई पेशा नहीं है, बल्कि एक धर्मयुद्ध और उस आनंद के प्रति समर्पण है जो पृथ्वी के अस्तित्व को सार्थक बनाता है।" उसने कतरन को आग में फेंक दिया और दूसरे फोल्डर की ओर हाथ बढ़ाया।
उसने कैमरन की मेज से पेंसिल के सभी टुकड़े उठाए और उन्हें भी अंदर फेंक दिया। वह हीटर के ऊपर खड़ा था। वह हिला नहीं, उसने नीचे नहीं देखा; उसे चमक की हलचल महसूस हुई, उसकी दृष्टि के किनारे पर एक हल्की सी सिहरन। उसने अपने सामने दीवार पर टंगी उस गगनचुंबी इमारत की तस्वीर को देखा जो कभी बनी ही नहीं थी।
यह फ्रैंकन एंड हेयर फर्म में पीटर कीटिंग का तीसरा वर्ष था।
उसने अपना सिर ऊंचा रखा हुआ था, शरीर को सधे हुए अंदाज में सीधा रखा हुआ था; वह महंगे रेजर या मध्यम कीमत वाली कारों के विज्ञापनों में दिखने वाले एक सफल युवक की तस्वीर जैसा लग रहा था।
वह अच्छे कपड़े पहनता था और लोगों को इस बात पर ध्यान देते हुए देखता था। पार्क एवेन्यू के पास उसका एक छोटा सा, साधारण लेकिन फैशनेबल अपार्टमेंट था, और उसने तीन मूल्यवान नक्काशी के साथ-साथ एक क्लासिक का पहला संस्करण भी खरीदा था जिसे उसने तब से न तो पढ़ा था और न ही खोला था। कभी-कभी, वह अपने ग्राहकों को मेट्रोपॉलिटन ओपेरा ले जाता था। एक बार, वह एक फैंसी-ड्रेस आर्ट्स बॉल में शामिल हुआ और मध्ययुगीन पत्थर काटने वाले के अपने परिधान, लाल मखमल और टाइट्स से सनसनी मचा दी; उस घटना के बारे में एक सामाजिक पृष्ठ के लेख में उसका उल्लेख किया गया था - मुद्रित सामग्री में उसका नाम पहली बार आया था।
और उसने उस कतरन को संभाल कर रख लिया।
वह अपनी पहली इमारत और उसके निर्माण से जुड़े डर और शंका को भूल चुका था। उसे पता चल गया था कि यह कितना सरल था। उसके ग्राहक कुछ भी स्वीकार कर लेते, बशर्ते वह उन्हें एक भव्य मुखौटा, एक शानदार प्रवेश द्वार और एक शाही बैठक कक्ष दे दे, जिससे वे अपने मेहमानों को चकित कर सकें। यह सबके लिए संतोषजनक साबित हुआ: कीटिंग को इस बात की परवाह नहीं थी कि उसके ग्राहक प्रभावित हों, ग्राहकों को इस बात की परवाह नहीं थी कि उनके मेहमान प्रभावित हों, और मेहमानों को तो वैसे भी कोई परवाह नहीं थी।
श्रीमती कीटिंग ने स्टेटन में अपना घर किराए पर दिया और न्यूयॉर्क में उनके साथ रहने आ गईं। वह उन्हें नहीं चाहते थे; लेकिन मना भी नहीं कर सके—क्योंकि वह उनकी मां थीं और उनसे मना करने की उम्मीद नहीं की जाती थी। उन्होंने कुछ उत्सुकता से उनका स्वागत किया; कम से कम अपनी तरक्की से उन्हें प्रभावित करने की कोशिश की। लेकिन श्रीमती प्रभावित नहीं हुईं; उन्होंने उनके कमरे, कपड़े, बैंक खाते सब देखे और बस इतना कहा: "चलिए, पेटी—फिलहाल के लिए ठीक है।"
वह एक बार उनके कार्यालय गई और आधे घंटे के भीतर ही चली गई।

उस शाम उसे डेढ़ घंटे तक चुपचाप बैठना पड़ा, अपनी उंगलियों को दबाते और चटकाते हुए, जबकि वह उसे सलाह देती रही। “उस व्हिथर्स नाम के आदमी का सूट तुम्हारे सूट से कहीं ज़्यादा महंगा था, पेटी। ये ठीक नहीं है। तुम्हें उन लड़कों के सामने अपनी प्रतिष्ठा का ध्यान रखना होगा। वो छोटा लड़का जो उन ब्लूप्रिंट्स को लेकर आया था—मुझे तुम्हारा उससे बात करने का तरीका पसंद नहीं आया... ओह, कुछ नहीं, कुछ नहीं, बस उस पर नज़र रखना...”
लंबी नाक वाला तुम्हारा दोस्त नहीं है... कोई बात नहीं, मैं बस...
जान लो... बेनेट नाम के उस शख्स से सावधान रहना। अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो उसे निकाल देता। वह महत्वाकांक्षी है। मुझे उसके लक्षण पता हैं..."
फिर उसने पूछा:
“गाइ फ्रैंकन... क्या उनके कोई बच्चे हैं?”
“एक बेटी।”
“ओह...” श्रीमती कीटिंग ने कहा। “वह कैसी हैं?”
मैं उनसे कभी नहीं मिला।
"सच में, पीटर," उसने कहा, "अगर आपने श्री फ्रैंकन के परिवार से मिलने की कोई कोशिश नहीं की है, तो यह उनके प्रति सरासर असभ्यता है।"
“माँ, वो कॉलेज में पढ़ने गई है। मैं उससे किसी दिन मिलूंगी। माँ, काफी देर हो चुकी है और मुझे कल बहुत काम करना है...”
लेकिन उस रात और अगले दिन भी वह इसके बारे में सोचता रहा। वह पहले भी इसके बारे में अक्सर सोचता था। उसे पता था कि फ्रैंकन की बेटी ने बहुत पहले कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली थी और अब वह बैनर अखबार में काम कर रही थी, जहाँ वह गृह सज्जा पर एक छोटा सा लेख लिखती थी। वह उसके बारे में और कुछ नहीं जान पाया था। दफ्तर में कोई भी उसे जानता हुआ नहीं लगता था। फ्रैंकन कभी उसके बारे में बात नहीं करता था।
अगले दिन दोपहर के भोजन के समय, कीटिंग ने इस विषय का सामना करने का फैसला किया।
उन्होंने फ्रैंकन से कहा, "मैंने आपकी बेटी के बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं।"
"तुमने उसके बारे में अच्छी बातें कहाँ से सुनीं?" फ्रैंकन ने धमकी भरे लहजे में पूछा।
"खैर, आप तो जानते ही हैं, लोग बातें सुनते रहते हैं। और वह बहुत ही शानदार लिखती हैं।"
“हां, वह बहुत ही शानदार लिखती है।” फ्रैंकन का मुंह एकदम बंद हो गया।
"सच में, गाइ, मैं उससे मिलना चाहूंगी।"
फ्रैंकन ने उसकी ओर देखा और थकी हुई सी आह भरी।
“तुम्हें पता है वो मेरे साथ नहीं रहती,” फ्रैंकन ने कहा। “उसका अपना एक अपार्टमेंट है—मुझे उसका पता भी ठीक से याद नहीं है... खैर, मुझे लगता है कि तुम उससे कभी न कभी मिलोगे। पीटर, तुम्हें वो पसंद नहीं आएगी।”
"तो फिर आप ऐसा क्यों कह रहे हैं?"
“ये तो ऐसी ही बात है, पीटर। एक पिता के तौर पर मैं पूरी तरह नाकामयाब हूँ... सुनो, पीटर, श्रीमती मैनरिंग ने उस नई सीढ़ी की व्यवस्था के बारे में क्या कहा?”
कीटिंग को गुस्सा, निराशा और राहत तीनों महसूस हो रही थी। उसने फ्रैंकन के छोटे कद को देखा और सोचा कि उसकी बेटी कैसी दिखती होगी।
अपने पिता की इतनी स्पष्ट नापसंदगी पाने के लिए उसे यह सब विरासत में मिला होगा। अमीर और बेहद बदसूरत—उनमें से ज्यादातर की तरह, उसने फैसला किया। उसने सोचा कि यह उसे नहीं रोकेगा—किसी दिन तो ज़रूर रुकेगा। उसे बस इस बात की खुशी थी कि वह दिन टल गया। उसने नए उत्साह के साथ सोचा कि वह आज रात कैथरीन से मिलने जाएगा।

श्रीमती कीटिंग की मुलाकात कैथरीन से स्टैटन में हुई थी। उन्हें उम्मीद थी कि पीटर उसे भूल जाएगा। अब उन्हें पता चल गया था कि वह भूला नहीं था, भले ही वह कैथरीन के बारे में कम ही बात करता था और उसे कभी अपने घर नहीं लाता था। श्रीमती कीटिंग कैथरीन का नाम लेकर ज़िक्र नहीं करती थीं। लेकिन वह उन गरीब लड़कियों के बारे में बातें करती थीं जो प्रतिभाशाली युवकों को अपने जाल में फंसा लेती थीं, उन होनहार लड़कों के बारे में बातें करती थीं जिनका करियर गलत औरत से शादी करने के कारण बर्बाद हो गया था; और वह उसे अखबारों में छपने वाली हर उस खबर को पढ़कर सुनाती थीं जिसमें कोई मशहूर हस्ती अपनी साधारण पत्नी को तलाक दे देती थी क्योंकि वह उसकी प्रतिष्ठा के अनुरूप नहीं थी।
उस रात कैथरीन के घर की ओर चलते हुए कीटिंग ने उन कुछ मौकों के बारे में सोचा जब उसने उसे देखा था; वे इतने महत्वहीन अवसर थे, लेकिन न्यूयॉर्क में अपने पूरे जीवन के वे एकमात्र दिन थे जो उसे याद थे।
जब उसने उसे अंदर आने दिया, तो उसने अपने चाचा के बैठक कक्ष के बीचोंबीच कालीन पर बिखरे हुए पत्रों का ढेर, एक पोर्टेबल टाइपराइटर, अखबार, कैंची, डिब्बे और गोंद का एक डिब्बा पाया।
“ओह! ये तो बहुत बुरा हुआ!” कैथरीन ने कहा और बेजान होकर कूड़ेदान के बीच घुटनों के बल बैठ गई। “ओह! ये तो बहुत बुरा हुआ!”
उसने मुस्कुराते हुए उसकी ओर देखा, उसके हाथ उठे हुए थे और उसने उन्हें सफेद कागज़ के ढेर पर फैला रखा था। वह अब लगभग बीस साल की थी, लेकिन सत्रह साल की उम्र से ज़्यादा बड़ी नहीं दिखती थी।
“बैठ जाओ, पीटर। मुझे लगा था कि तुम्हारे आने से पहले मेरा काम खत्म हो जाएगा, लेकिन लगता है ऐसा नहीं है। ये अंकल के प्रशंसकों के पत्र और अखबारों की कतरनें हैं। मुझे इन्हें छांटना है, जवाब देना है, फाइल करना है, धन्यवाद के पत्र लिखने हैं और...”
अरे वाह, लोग उन्हें जो-जो कुछ लिखते हैं, उसे तो देखो! कमाल है। वहाँ खड़े मत रहो। बैठ जाओ, प्लीज़? मैं एक मिनट में अपना काम खत्म कर देता हूँ।
“अब तुम्हारा काम हो गया,” उसने कहा और उसे अपनी बाहों में उठाकर एक कुर्सी पर ले गया।
उसने उसे गले लगाया और चूमा, और वह खुशी से हंस पड़ी, उसका सिर उसके कंधे पर टिका हुआ था। उसने कहा:
"कैटी, तुम तो बिल्कुल ही नादान हो और तुम्हारे बालों से कितनी अच्छी खुशबू आ रही है!"
उसने कहा: “पीटर, हिलना मत। मैं आराम से हूँ।”
“कैटी, मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ, आज मेरा दिन बहुत अच्छा बीता। आज दोपहर को बोर्डमैन बिल्डिंग का आधिकारिक उद्घाटन हुआ। तुम्हें पता है ना, ब्रॉडवे पर बनी बाईस मंज़िला इमारत, जिसमें एक गॉथिक शिखर है। फ्रैंकन को बदहज़मी थी, इसलिए मैं उनके प्रतिनिधि के रूप में वहाँ गया था। वैसे भी मैंने ही उस इमारत का डिज़ाइन बनाया था और... खैर, तुम्हें इसके बारे में कुछ नहीं पता।”
“लेकिन हाँ, पीटर। मैंने तुम्हारी सारी इमारतें देखी हैं। मेरे पास उनकी तस्वीरें हैं। मैंने उन्हें अखबारों से काटकर रखा है। और मैं अंकल की तरह एक स्क्रैपबुक बना रही हूँ। ओह, पीटर, यह बहुत ही शानदार है!”
"क्या?"
“अंकल की स्क्रैपबुक्स, और उनके पत्र... ये सब...” उसने फर्श पर पड़े कागज़ों पर हाथ फैलाए, मानो उन्हें गले लगाना चाहती हो। “सोचो, ये सारे पत्र देश के कोने-कोने से आ रहे हैं, बिल्कुल अजनबी लोगों से, फिर भी वो उनके लिए कितना मायने रखते हैं। और

मैं यहाँ हूँ, उनकी मदद कर रहा हूँ, मैं, बस एक आम इंसान, और देखो मुझ पर कितनी बड़ी ज़िम्मेदारी है! ये कितना मार्मिक और कितना बड़ा है, क्या बात है इन सब की? —ये सारी छोटी-छोटी बातें जो हमारे साथ घट सकती हैं?—जब यह पूरे देश से जुड़ा मामला हो!
“हाँ? क्या उसने तुम्हें यह बताया?”
“उन्होंने मुझे कुछ भी नहीं बताया। लेकिन आप उनके साथ सालों तक बिना उनकी उस अद्भुत निस्वार्थता का कुछ अंश पाए बिना नहीं रह सकते।”
वह गुस्सा होना चाहता था, लेकिन उसने उसकी चमकती मुस्कान, उसके अंदर की नई तरह की ऊर्जा देखी, और उसे जवाब में मुस्कुराना पड़ा।
“मैं बस इतना ही कहूँगी, केटी: ये तुम पर बहुत जँच रहा है, हद से ज़्यादा। तुम्हें पता है, अगर तुम कपड़ों के बारे में कुछ सीख लो तो तुम बेहद खूबसूरत लगोगी। एक दिन मैं तुम्हें ज़बरदस्ती किसी अच्छे दर्जी के पास ले जाऊँगी। मैं चाहती हूँ कि तुम एक दिन गोइ फ्रैंकन से मिलो।”
आपको वो पसंद आएगा।
“ओह? मुझे लगा आपने एक बार कहा था कि मैं ऐसा नहीं करूँगा।”
“क्या मैंने ऐसा कहा था? खैर, मैं उन्हें ठीक से नहीं जानता था। वे बहुत अच्छे इंसान हैं। मैं चाहता हूँ कि आप उन सभी से मिलें। आप... अरे, आप कहाँ जा रहे हैं?”
उसने उसकी कलाई पर घड़ी देखी और उससे दूर हटने लगी।
“मैं... लगभग नौ बज गए हैं, पीटर, और मुझे अंकल एल्सवर्थ के घर आने से पहले इसे खत्म करना है। वो ग्यारह बजे तक लौट आएंगे, आज रात उन्हें एक मजदूर सभा में भाषण देना है। मैं बात करते-करते काम कर सकती हूँ, क्या आपको कोई आपत्ति है?”
“बिल्कुल! तुम्हारे प्यारे चाचा के प्रशंसकों की परवाह भाड़ में जाए! उन्हें खुद ही सब कुछ सुलझा लेने दो। तुम जहाँ हो वहीं रहो।”
उसने आह भरी, लेकिन आज्ञाकारी भाव से अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया।
“तुम्हें अंकल एल्सवर्थ के बारे में इस तरह बात नहीं करनी चाहिए। तुम उन्हें बिल्कुल नहीं समझते। क्या तुमने उनकी किताब पढ़ी है?”
“हाँ! मैंने उनकी किताब पढ़ी है और यह शानदार है, बहुत ही अद्भुत है, लेकिन मैं जहाँ भी जाता हूँ, मुझे उनकी उस किताब के बारे में ही सुनने को मिलता है, तो क्या आप बुरा मानेंगे अगर हम विषय बदल दें?”
"क्या तुम अब भी अंकल एल्सवर्थ से नहीं मिलना चाहते?"
“क्यों? आप ऐसा क्यों कह रहे हैं? मैं उनसे मिलना चाहूंगा।”
"ओह ..."
"क्या बात क्या बात?"
"आपने एक बार कहा था कि आप मेरे माध्यम से उनसे नहीं मिलना चाहते।"
“क्या मैंने ऐसा किया? तुम्हें मेरी कही हुई सारी बेतुकी बातें हमेशा कैसे याद रहती हैं?”
"पीटर, मैं नहीं चाहता कि तुम अंकल एल्सवर्थ से मिलो।"
"क्यों नहीं?"
मुझे नहीं पता। ये मेरी बेवकूफी है। लेकिन अब मैं नहीं चाहती कि तुम ऐसा करो। मुझे नहीं पता क्यों।
“खैर, छोड़ो फिर। समय आने पर मैं उससे मिल लूंगी। कैटी, सुनो, कल मैं अपने कमरे की खिड़की पर खड़ी थी, और मुझे तुम्हारी याद आ रही थी, और मैं तुम्हें अपने साथ रखना चाहती थी, मैंने लगभग तुम्हें फ़ोन कर ही दिया था, लेकिन बहुत देर हो चुकी थी। मुझे तुम्हारी इतनी याद आती है कि मैं...”
वह उसकी गर्दन में बाहें डाले सुन रही थी। तभी उसने देखा कि वह अचानक उसकी ओर से नज़रें हटाकर घबराकर मुँह खोल रही है; वह उछलकर खड़ी हुई, कमरे के

उस पार भागी और हाथों और घुटनों के बल रेंगते हुए मेज के नीचे पड़े एक बैंगनी रंग के लिफाफे तक पहुँची।
“अब आखिर क्या करें?” उसने गुस्से से पूछा।
“यह बहुत ज़रूरी चिट्ठी है,” उसने घुटनों के बल बैठे हुए कहा, लिफाफा उसकी छोटी मुट्ठी में कसकर पकड़ी हुआ था। “यह बहुत ज़रूरी चिट्ठी है और यह लगभग कूड़ेदान में पड़ी थी, शायद मैंने इसे बिना देखे ही बाहर फेंक दिया होता। यह एक गरीब विधवा की है जिसके पाँच बच्चे हैं और उसका सबसे बड़ा बेटा वास्तुकार बनना चाहता है और अंकल एल्सवर्थ उसके लिए छात्रवृत्ति का इंतज़ाम करने वाले हैं।”
“खैर,” कीटिंग ने उठते हुए कहा, “मैं इससे तंग आ चुका हूँ।”
चलो यहाँ से चलते हैं, केटी। चलो टहलने चलते हैं। बाहर का मौसम बहुत खूबसूरत है। आज रात। यहाँ तो ऐसा लग रहा है जैसे तुम खुद के हो ही नहीं।
“अच्छा, ठीक है! चलो टहलने चलते हैं।”
बाहर बर्फ की हल्की धुंध छाई हुई थी, सूखी, महीन, भारहीन बर्फ़ हवा में स्थिर लटकी हुई थी, संकरी गलियों को भर रही थी। वे साथ-साथ चल रहे थे, कैथरीन का हाथ उसके हाथ से सटा हुआ था, उनके पैरों के निशान सफेद फुटपाथों पर लंबे भूरे धब्बे छोड़ रहे थे।
वे वॉशिंगटन स्क्वायर में एक बेंच पर बैठ गए। बर्फ ने स्क्वायर को चारों ओर से घेर रखा था, जिससे वे घरों से, शहर से अलग-थलग पड़ गए थे। मेहराब की छाया से होकर, प्रकाश के छोटे-छोटे बिंदु उनके पास से गुजर रहे थे, कभी स्टील जैसे सफेद, कभी हरे और कभी लाल रंग से सने हुए।
वह उसके पास सिमटकर बैठी थी। उसने शहर की ओर देखा। वह हमेशा से इससे डरता रहा था और अब भी डर रहा था; लेकिन उसके पास दो नाजुक सहारे थे: बर्फ और उसके बगल में बैठी लड़की।
“कैटी,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “कैटी...”
मैं तुमसे प्यार करती हूँ, पीटर...
“कैटी,” उसने बिना किसी झिझक, बिना किसी जोर के कहा, क्योंकि उसके शब्दों में इतनी निश्चितता थी कि उसमें किसी प्रकार की उत्तेजना की गुंजाइश नहीं थी, “हमारी सगाई हो गई है, है ना?”
उसने देखा कि एक शब्द बनाने के लिए उसकी ठोड़ी हल्की सी हिली और फिर उठी।
“हां,” उसने शांत भाव से कहा, इतनी गंभीरता से कि वह शब्द उदासीन प्रतीत हुआ।
उसने कभी भविष्य पर सवाल नहीं उठाया था, क्योंकि सवाल उठाना संदेह को स्वीकार करने जैसा होता। लेकिन जब उसने "हाँ" कहा, तो उसे पता था कि वह इसी पल का इंतज़ार कर रही थी और अगर वह बहुत खुश हो गई तो वह इस पल को तोड़ देगी।
“एक-दो साल में,” उसने उसका हाथ कसकर पकड़ते हुए कहा, “हमारी शादी हो जाएगी। बस जैसे ही मैं अपने पैरों पर खड़ा हो जाऊँ और फर्म में पूरी तरह से सेट हो जाऊँ। मुझे माँ का भी ख्याल रखना है, लेकिन एक साल में सब ठीक हो जाएगा।” उसने अपनी भावनाओं की गहराई को छिपाते हुए, जितना हो सके ठंडे और व्यावहारिक ढंग से बोलने की कोशिश की।
“मैं इंतजार करूंगी, पीटर,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “हमें जल्दी करने की जरूरत नहीं है।”
“हम किसी को नहीं बताएंगे, केटी... यह हमारा राज़ है, सिर्फ हमारा ही रहेगा जब तक...”
अचानक उसके मन में एक विचार आया, और वह स्तब्ध रह गया कि वह यह साबित नहीं कर सकता कि यह विचार उसके मन में पहले कभी नहीं आया था; फिर भी वह पूरी ईमानदारी से जानता था, भले ही यह बात उसे आश्चर्यचकित कर रही थी, कि उसने

इसके बारे में पहले कभी नहीं सोचा था। उसने उसे एक तरफ धकेल दिया। उसने गुस्से से कहा:
“कैटी! क्या तुम्हें नहीं लगता कि यह सब तुम्हारे उस नीच, दुष्ट चाचा की वजह से है?”
वह हंसी; हंसी की आवाज हल्की और बेफिक्र थी, और वह समझ गया कि उसका पक्ष सही साबित हुआ है।
“प्रभु, नहीं, पीटर! उसे यह पसंद नहीं आएगा, बेशक, लेकिन हमें क्या फर्क पड़ता है?”
“उसे यह पसंद नहीं आएगा? क्यों?”
"ओह, मुझे नहीं लगता कि वह शादी को पसंद करते हैं। ऐसा नहीं है कि वह किसी अनैतिक बात का उपदेश देते हैं, लेकिन उन्होंने हमेशा मुझसे कहा है कि शादी पुराने जमाने की चीज है, निजी संपत्ति की संस्था को कायम रखने का एक आर्थिक साधन है, या कुछ ऐसा ही, या किसी भी तरह से उन्हें यह पसंद नहीं है।"
“वाह, यह तो बहुत बढ़िया है! हम उसे दिखाएंगे।”
सच कहूँ तो, उसे इस बात की खुशी थी। इससे उसके मन से, जिसे वह निर्दोष मानता था, बल्कि उन सभी लोगों के मन से, जहाँ यह संदेह उत्पन्न हो सकता था, यह आशंका दूर हो गई कि उसके मन में उसके प्रति वैसी ही भावनाएँ थीं जैसी कि फ्रैंकन की बेटी के प्रति थीं। उसे यह अजीब लगा कि यह बात इतनी महत्वपूर्ण क्यों लग रही थी; कि वह उसके प्रति अपनी भावनाओं को अन्य सभी लोगों से अलग रखने की इतनी पुरजोर इच्छा क्यों रखता था।
उसने अपना सिर पीछे की ओर झुका लिया, उसे अपने होठों पर बर्फ के टुकड़ों का चुभन महसूस हुई।
फिर उसने मुड़कर उसे चूमा। उसके होंठों का स्पर्श बर्फ से सना हुआ कोमल और ठंडा था।
उसकी टोपी एक तरफ खिसक गई थी, उसके होंठ आधे खुले थे, उसकी आँखें गोल और असहाय थीं, उसकी पलकें चमक रही थीं। उसने उसका हाथ हथेली ऊपर की ओर करके पकड़ा और उसे देखा; उसने काले ऊनी दस्ताने पहने थे और उसकी उंगलियाँ किसी बच्चे की तरह बेढंगी तरह फैली हुई थीं; उसने दस्ताने के रोएँ में पिघली हुई बर्फ की बूंदें देखीं; एक तेज़ी से गुज़रती कार की रोशनी में वे बूंदें चमक उठीं।
सातवीं
आर्किटेक्ट्स गिल्ड ऑफ अमेरिका के बुलेटिन के विविध अनुभाग में हेनरी कैमरून की सेवानिवृत्ति की घोषणा करते हुए एक संक्षिप्त लेख प्रकाशित हुआ। छह पंक्तियों में वास्तुकला के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों का सारांश दिया गया था और उनकी दो सर्वश्रेष्ठ इमारतों के नाम गलत लिखे गए थे।
पीटर कीटिंग फ्रैंकन के कार्यालय में दाखिल हुए और मैडम पोम्पाडोर की एक स्नफ़बॉक्स को लेकर एक प्राचीन वस्तु विक्रेता के साथ फ्रैंकन की शालीन सौदेबाजी में बाधा डाली। फ्रैंकन को अपनी तय राशि से नौ डॉलर और पच्चीस सेंट अधिक देने पड़े। विक्रेता के चले जाने के बाद, उन्होंने चिढ़कर कीटिंग की ओर मुड़कर पूछा:
"तो, पीटर, क्या बात है?"
कीटिंग ने बुलेटिन को फ्रैंकन की मेज पर पटक दिया, और अपने अंगूठे के नाखून से कैमरून के बारे में पैराग्राफ को रेखांकित किया।
कीटिंग ने कहा, "मुझे वह आदमी चाहिए ही चाहिए।"
"क्या आदमी?"
“हावर्ड रोर्क।”
फ्रैंकन ने पूछा, "हावर्ड रोर्क आखिर कौन है?"
मैंने आपको उसके बारे में बताया है। कैमरन का डिज़ाइनर।
“ओह... ओह, हाँ, मुझे लगता है आपने किया। अच्छा, जाओ और उसे ले आओ।”
"क्या आप मुझे उसे नियुक्त करने के तरीके पर पूरी छूट देंगे?"

“ये क्या बकवास है? एक और ड्राफ्ट्समैन को काम पर रखने में क्या बुराई है?”
वैसे, क्या इसके लिए आपको मुझे टोकना ज़रूरी था?
"वह थोड़ा मुश्किल हो सकता है। और मैं उसे किसी और को चुनने से पहले ही अपने साथ लाना चाहता हूं।"
“सच में? वो इस बारे में अड़ियल रवैया अपनाएगा, है ना? क्या कैमरून के बाद आप उससे यहां आने की भीख माँगने का इरादा रखते हैं? वैसे भी, एक नौजवान के लिए यह कोई अच्छी सिफारिश नहीं है।”
"अरे यार, गाइ। है ना?"
“खैर... संरचनात्मक दृष्टि से, सौंदर्य दृष्टि से नहीं, कैमरून उन्हें एक ठोस आधार प्रदान करते हैं और... बेशक, कैमरून अपने समय में काफी महत्वपूर्ण थे। वास्तव में, बहुत समय पहले मैं भी उनके सर्वश्रेष्ठ ड्राफ्ट्समैन में से एक था। इसी बारे में कुछ तो कहा ही जा सकता है।
पुराने कैमरून के लिए, जब आपको इस तरह की चीज़ की ज़रूरत हो। आगे बढ़ो। अगर आपको लगता है कि आपको रोर्क की ज़रूरत है, तो उसे ले आओ।
"ऐसा नहीं है कि मुझे सचमुच उसकी ज़रूरत है। लेकिन वह मेरा पुराना दोस्त है, और बेरोजगार है, इसलिए मैंने सोचा कि उसके लिए ऐसा करना अच्छा रहेगा।"
“ठीक है, जो चाहो करो। बस मुझे इस बारे में परेशान मत करना... सुनो, पीटर, क्या तुम्हें नहीं लगता कि यह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत स्नफ़बॉक्स है?”
उस शाम, कीटिंग बिना बताए रोर्क के कमरे में चढ़ गया और घबराते हुए दरवाज़ा खटखटाया, फिर खुशी-खुशी अंदर चला गया। उसने देखा कि रोर्क खिड़की की चौखट पर बैठा सिगरेट पी रहा था।
कीटिंग ने कहा, "बस यूं ही गुजर रहा था, शाम को थोड़ा समय बिताने के लिए था और अचानक याद आया कि तुम यहीं रहते हो, हॉवर्ड, तो सोचा कि आकर हालचाल पूछ लूं, तुम्हें बहुत दिनों से नहीं देखा।"
“मैं जानता हूं कि तुम क्या चाहते हो,” रोर्क ने कहा। “ठीक है। कितने पैसे?”
"तुम्हारा क्या मतलब है, हॉवर्ड?"
"आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है।"
“हफ्ते में पैंसठ,” कीटिंग ने झट से कहा। यह वह विस्तृत योजना नहीं थी जो उसने तैयार की थी, लेकिन उसे यह उम्मीद नहीं थी कि किसी योजना की आवश्यकता ही नहीं पड़ेगी। “शुरुआत में पैंसठ। अगर आपको लगता है कि यह पर्याप्त नहीं है, तो मैं शायद...”
"पैंसठ काफी होंगे।"
“तुम... तुम हमारे साथ आओगे, हॉवर्ड?”
"आपकी इच्छा क्या है मैं कब शुरू करूं?"
“क्यों... जितनी जल्दी हो सके! सोमवार को?”
"ठीक है।"
"धन्यवाद, हॉवर्ड!"
रोर्क ने कहा, "एक शर्त पर। मैं कोई डिजाइनिंग नहीं करूंगा।"
कुछ नहीं। कोई विवरण नहीं। लुई XV की गगनचुंबी इमारतें नहीं। अगर आप मुझे रखना ही चाहते हैं, तो मुझे सौंदर्यशास्त्र से दूर रखें। मुझे इंजीनियरिंग विभाग में डाल दें। मुझे निरीक्षण के लिए, फील्ड में भेजें। अब, क्या आप मुझे अभी भी चाहते हैं?
“बिल्कुल। आप जो चाहें कह लें। आपको यह जगह पसंद आएगी, बस देखते रहिए। आपको फ्रैंकन भी पसंद आएगा। वह खुद कैमरन के खास आदमियों में से एक है।”
उसे इस बारे में शेखी नहीं मारनी चाहिए।
"कुंआ ..."

“नहीं। चिंता मत करो। मैं उसके सामने नहीं बोलूंगा। मैं किसी से कुछ नहीं कहूंगा। क्या आप यही जानना चाहते थे?”
"नहीं, मुझे चिंता नहीं थी, मैं उस बारे में सोच भी नहीं रहा था।"
“तो फिर बात पक्की हो गई। शुभ रात्रि। सोमवार को मिलते हैं।”
“हाँ, ठीक है... लेकिन मुझे कोई खास जल्दी नहीं है, असल में मैं आपसे मिलने आया था और...”
“क्या बात है, पीटर? क्या कोई बात तुम्हें परेशान कर रही है?”
नहीं... मैं...
“तुम जानना चाहते हो कि मैं ऐसा क्यों कर रहा हूँ?” रोर्क ने बिना किसी नाराजगी या दिलचस्पी के मुस्कुराते हुए कहा। “बस यही बात है? अगर तुम जानना चाहते हो तो मैं तुम्हें बताता हूँ। मुझे इस बात की कोई परवाह नहीं कि मैं आगे कहाँ काम करूँगा। शहर में ऐसा कोई आर्किटेक्ट नहीं है जिसके लिए मैं काम करना चाहूँ। लेकिन मुझे कहीं तो काम करना ही है, तो क्यों न तुम्हारे फ्रैंकन के यहाँ ही काम करूँ—अगर मुझे तुमसे वो मिल जाए जो मैं चाहता हूँ। मैं खुद को बेच रहा हूँ, और फिलहाल मैं इसी तरह खेलूंगा।”
“सच में, हॉवर्ड, आपको इसे इस तरह देखने की ज़रूरत नहीं है। एक बार जब आप हमारे साथ काम करने के आदी हो जाएंगे, तो आप कितनी भी तरक्की कर सकते हैं। आप देखेंगे कि एक असली ऑफिस कैसा होता है। कैमरन के इस्तीफे के बाद...”
"हम इस बारे में चुप रहेंगे, पीटर, और हम इसे बहुत जल्दी करेंगे।"
“मेरा इरादा आलोचना करने का नहीं था... मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था।” उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे और क्या महसूस करे। यह एक जीत थी, पर खोखली सी लग रही थी। फिर भी, यह एक जीत थी और उसे रोर्क के लिए स्नेह महसूस करने की इच्छा हो रही थी।
"हावर्ड, चलो बाहर चलते हैं और एक ड्रिंक लेते हैं, बस इस मौके का जश्न मनाने के लिए।"
"माफ़ करना, पीटर। यह काम का हिस्सा नहीं है।"
कीटिंग यहाँ अपनी पूरी क्षमता से सावधानी और सूझबूझ बरतने की तैयारी के साथ आया था; उसने एक ऐसा लक्ष्य हासिल कर लिया था जिसकी उसने उम्मीद नहीं की थी; वह जानता था कि उसे कोई जोखिम नहीं लेना चाहिए, कुछ और नहीं कहना चाहिए और चले जाना चाहिए। लेकिन कुछ अवर्णनीय, सभी व्यावहारिक विचारों से परे, उसे आगे बढ़ा रहा था। उसने बेपरवाही से कहा:
"क्या तुम जीवन में एक बार भी इंसान नहीं बन सकते?"
"क्या?"
“मानव! सरल। स्वाभाविक।”
लेकिन मैं हूँ।
क्या तुम कभी आराम नहीं कर सकते?
रोर्क मुस्कुराया, क्योंकि वह खिड़की की चौखट पर बैठा था, दीवार के सहारे लापरवाही से टिका हुआ था, उसकी लंबी टांगें ढीली लटक रही थीं, और सिगरेट उसकी ढीली उंगलियों के बीच बिना किसी दबाव के पकड़ी हुई थी।
“मेरा मतलब वो नहीं है!” कीटिंग ने कहा। “तुम मेरे साथ ड्रिंक्स पर क्यों नहीं जा सकते?”
“किसलिए?”
क्या तुम्हें हमेशा कोई मकसद चाहिए होता है? क्या तुम्हें हमेशा इतना गंभीर रहना पड़ता है? क्या तुम कभी बिना किसी कारण के कुछ नहीं कर सकते, बिल्कुल दूसरों की तरह? तुम बहुत गंभीर हो, बहुत बूढ़े लगते हो। तुम्हारे लिए सब कुछ महत्वपूर्ण है, सब

कुछ बाढ़िया है, किसी न किसी तरह से खास है, हर पल, यहाँ तक कि जब तुम स्थिर रहते हो। क्या तुम कभी आराम से नहीं रह सकते?
और महत्वहीन?
"नहीं।"
"क्या आप वीरता से थक नहीं जाते?"
मुझमें वीरता वाली क्या बात है?
“कुछ नहीं। सब कुछ। मुझे नहीं पता। यह मायने नहीं रखता कि आप क्या करते हैं। मायने यह रखता है कि आप अपने आसपास के लोगों को कैसा महसूस कराते हैं।”
"क्या?"
“असामान्य। तनाव। जब मैं तुम्हारे साथ होती हूँ—यह हमेशा एक चुनाव जैसा होता है। तुम्हारे और बाकी दुनिया के बीच। मुझे इस तरह का चुनाव नहीं चाहिए। मैं पराया नहीं बनना चाहती। मैं किसी समूह का हिस्सा बनना चाहती हूँ।”
दुनिया में बहुत कुछ सरल और सुखद है। यह सब लड़ाई-झगड़ा और त्याग ही नहीं है। यह सब तुम्हारे साथ है।
मैंने आखिर किस चीज का त्याग किया है?
“अरे, तुम कभी किसी चीज का त्याग नहीं करोगे! तुम अपनी मनचाही चीज के लिए लाशों पर भी चल दोगे। लेकिन तुमने असल में उसी चीज का त्याग कर दिया है जिसे तुम कभी चाहा ही नहीं।”
"ऐसा इसलिए है क्योंकि आप दोनों चीजें एक साथ नहीं चाह सकते।"
“दोनों क्या?”
“देखो, पीटर। मैंने तुम्हें अपने बारे में इनमें से कोई भी बात कभी नहीं बताई है।”
आपको ये चीज़ें क्यों दिखाई देती हैं? मैंने आपसे कभी भी मेरे और किसी और चीज़ के बीच चुनाव करने के लिए नहीं कहा। आपको ऐसा क्यों लगता है कि इसमें चुनाव शामिल है? आपको ऐसा महसूस होने पर असहजता क्यों होती है?
—क्योंकि आपको पूरा यकीन है कि मैं गलत हूँ?
“मुझे... मुझे नहीं पता।” उन्होंने आगे कहा: “मुझे नहीं पता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।” और फिर उन्होंने अचानक पूछा:
"हावर्ड, तुम मुझसे नफरत क्यों करते हो?"
मैं तुमसे नफरत नहीं करता।
“बस, हो गया! कम से कम मुझसे नफरत तो मत करो?”
"मैं क्यों?"
"बस मुझे कुछ तो दे दो। मुझे पता है कि तुम मुझे पसंद नहीं कर सकते। तुम किसी को भी पसंद नहीं कर सकते। इसलिए लोगों के अस्तित्व को नफरत करके स्वीकार करना ज़्यादा दयालुतापूर्ण होगा।"
मैं दयालु नहीं हूँ, पीटर।
और चूंकि कीटिंग के पास कहने के लिए कुछ नहीं था, इसलिए रोर्क ने आगे कहा:
“घर जाओ, पीटर। तुम्हें जो चाहिए था वो मिल गया। अब बस करो। सोमवार को मिलते हैं।”
फ्रैंकन एंड हेयर के ड्राफ्टिंग रूम में एक मेज़ पर रोर्क खड़ा था, उसके हाथ में एक पेंसिल थी, नारंगी बालों की एक लट उसके चेहरे पर लटक रही थी, और निर्धारित मोती-धूसर रंग का एप्रन उसके शरीर पर जेल की वर्दी की तरह लग रहा था।
उसने अपनी नई नौकरी को स्वीकार करना सीख लिया था। उसके द्वारा खींची गई रेखाएँ स्टील बीमों की स्पष्ट रेखाएँ थीं, और उसने यह सोचने की कोशिश नहीं की कि ये बीम क्या भार उठाएंगी। कभी-कभी यह मुश्किल होता था। उसके और उस इमारत के नक्शे के बीच, जिस पर वह काम कर रहा था, उस इमारत का वह नक्शा था जैसा कि उसे होना चाहिए था। उसने देखा कि वह उससे क्या बना सकता है, अपनी खींची गई

रेखाओं को कैसे बदल सकता है, उन्हें कहाँ ले जा सकता है ताकि एक भव्य कृति तैयार हो सके। उसे उस ज्ञान को दबाना था। उसे उस कल्पना को कुचलना था। उसे निर्देशों का पालन करना था और रेखाएँ खींचनी थीं। उसे इतना दर्द हुआ कि उसने ठंडे गुस्से में खुद को कोसते हुए कहा: मुश्किल? - चलो, सीख लेते हैं।
लेकिन दर्द बना रहा—और एक असहाय आश्चर्य भी। जो कुछ उसने देखा, वह कागज़, दफ्तर और कमीशन की वास्तविकता से कहीं अधिक वास्तविक था। वह समझ नहीं पा रहा था कि दूसरों को यह दिखाई क्यों नहीं दे रहा था, और उनकी उदासीनता कैसे संभव थी। उसने अपने सामने रखे कागज़ को देखा। वह सोच रहा था कि अयोग्यता का अस्तित्व क्यों होना चाहिए और उसे हावी होने का अधिकार क्यों मिलना चाहिए। उसने यह कभी नहीं जाना था। और वह वास्तविकता जिसने इसे संभव बनाया, उसके लिए कभी पूरी तरह से वास्तविक नहीं बन पाई।
लेकिन वह जानता था कि यह ज्यादा देर तक नहीं चलेगा—उसे इंतज़ार करना होगा—उसका एकमात्र काम इंतज़ार करना था—वह क्या महसूस करता है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता—यह करना ही था—उसे इंतज़ार करना था।
"श्री रोर्क, क्या आप अमेरिकन रेडियो कॉर्पोरेशन बिल्डिंग के लिए गोथिक शैली के लालटेन के लिए स्टील का पिंजरा तैयार कर चुके हैं?"
ड्राफ्टिंग रूम में उसका कोई दोस्त नहीं था। वह वहाँ एक फर्नीचर की तरह था, उतना ही उपयोगी, उतना ही भावहीन और उतना ही मौन। केवल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख, जहाँ रोर्क को नियुक्त किया गया था, ने ही उससे कुछ कहा था।
पहले दो हफ़्तों के बाद कीटिंग से: “कीटिंग, तुममें मेरी सोच से कहीं ज़्यादा समझदारी है। धन्यवाद।” “किसलिए?” कीटिंग ने पूछा।
"मुझे पूरा यकीन है कि यह जानबूझकर नहीं किया गया था," प्रमुख ने कहा।
कभी-कभार, कीटिंग रोर्क की मेज पर रुककर धीरे से कहता था:
"क्या आप आज रात काम खत्म होने के बाद मेरे ऑफिस में आएंगे, हॉवर्ड?"
कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है।"
जब रोर्क आया, तो कीटिंग ने यह कहकर बात शुरू की: “हावर्ड, आपको यहाँ कैसा लग रहा है? अगर आपको कुछ चाहिए, तो बस बता दीजिए और मैं कर दूंगा।”
..." रोर्क ने बीच में ही टोकते हुए पूछा: "इस बार यह कहाँ है?" कीटिंग ने दराज से रेखाचित्र निकाले और कहा: "मुझे पता है कि यह जैसा है वैसा ही बिल्कुल सही है, लेकिन सामान्य तौर पर आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?"
रोर्क ने रेखाचित्रों को देखा, और यद्यपि वह उन्हें कीटिंग के चेहरे पर फेंककर इस्तीफा देना चाहता था, एक विचार ने उसे रोक दिया: यह एक इमारत थी और उसे इसे बचाना था, क्योंकि अन्य लोग डूबते हुए आदमी को बचाने के लिए कूद पड़े बिना नहीं रह सकते।
फिर वह घंटों काम करता रहा, कभी-कभी पूरी रात, जबकि कीटिंग बैठकर देखता रहा। वह कीटिंग की मौजूदगी को भूल गया। उसे बस एक इमारत और उसे आकार देने का मौका दिखाई दिया। वह जानता था कि आकार बदल जाएगा, टूट जाएगा, विकृत हो जाएगा। फिर भी, उसकी योजना में कुछ व्यवस्था और तर्क बना रहेगा। यह उससे कहीं बेहतर इमारत होगी, अगर उसने मना कर दिया होता।
कभी-कभी, किसी सरल, साफ-सुथरे और अन्य ढाँचों की तुलना में अधिक ईमानदार संरचना का रेखाचित्र देखकर, रोर्क कहते थे: "यह इतना बुरा नहीं है, पीटर। तुम सुधार कर रहे हो।" और कीटिंग को भीतर एक अजीब सा झटका लगता, कुछ शांत, निजी और अनमोल सा, जैसा कि उन्हें गाइ फ्रैंकन, उनके ग्राहकों या अन्य किसी की भी प्रशंसा से कभी महसूस नहीं हुआ था।
फिर वह इसे भूल जाता और उसे कहीं अधिक वास्तविक प्रसन्नता होती जब एक धनी महिला चाय की चुस्की लेते हुए धीरे से कहती: "आप अमेरिका के भावी वास्तुकार हैं,

श्री कीटिंग," हालांकि उसने कभी उनकी इमारतें नहीं देखी थीं।
रोर्क के प्रति समर्पण के बदले उसे कुछ फायदे भी मिलते थे। वह सुबह ड्राफ्टिंग रूम में जाता, टेलिंग बॉय का असाइनमेंट रोर्क की मेज पर फेंक देता और कहता: "हावर्ड, इसे मेरे लिए पूरा कर दो, प्लीज़?—और जल्दी करो।" दिन के बीच में, वह एक लड़के को रोर्क की मेज पर भेजता और ज़ोर से कहता: "श्री कीटिंग आपसे तुरंत अपने कार्यालय में मिलना चाहते हैं।" वह कार्यालय से बाहर आता और रोर्क की ओर चलकर कमरे में मौजूद सभी लोगों से कहता: "आखिर मैं कहाँ हूँ?"
वो ट्वेल्थ स्ट्रीट की प्लंबिंग संबंधी विशिष्टताएँ? ओह, हॉवर्ड, क्या तुम फाइलों में देखकर उन्हें मेरे लिए ढूंढ निकालोगे?
पहले तो उसे रोर्क की प्रतिक्रिया से डर लग रहा था। जब उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं देखी, केवल मौन आज्ञाकारिता देखी, तो वह खुद को और रोक नहीं सका।

रोर्क को आदेश देने में उसे एक कामुक आनंद मिलता था; और रोर्क की निष्क्रिय आज्ञाकारिता पर उसे तीव्र आक्रोश भी होता था। वह आदेश देता रहा, यह जानते हुए कि वह तभी तक आदेश दे सकता है जब तक रोर्क क्रोध न दिखाए, फिर भी वह उसे इतना तोड़ देना चाहता था कि वह भड़क उठे।
कोई विस्फोट नहीं हुआ।
रोर्क को वे दिन बहुत पसंद थे जब उसे निर्माणाधीन इमारतों का निरीक्षण करने भेजा जाता था। वह इमारतों के स्टील ढांचे पर फुटपाथों की तुलना में कहीं अधिक सहजता से चलता था। मज़दूर उत्सुकता से देखते थे कि वह संकरे तख्तों पर, खाली जगह के ऊपर लटकती नंगी बीमों पर, उतनी ही आसानी से चलता था जैसे कोई और।
मार्च का महीना था और आसमान में हल्की हरी छटा बिखरी थी, मानो बसंत की पहली आहट हो। नीचे पाँच सौ फीट की दूरी पर स्थित सेंट्रल पार्क में, धरती आसमान के रंग से मिलती-जुलती भूरे रंग की थी, जो हरे रंग में बदलने का वादा कर रही थी, और झीलें सूखी शाखाओं के जालों के नीचे काँच के टुकड़ों की तरह बिखरी हुई थीं। रोर्क एक विशाल अपार्टमेंट होटल के बनने वाले ढांचे से गुज़रा और काम कर रहे एक इलेक्ट्रीशियन के सामने रुक गया।
वह आदमी बड़ी लगन से काम कर रहा था, एक बीम के चारों ओर पाइपों को मोड़ रहा था। यह घंटों की मेहनत और धैर्य का काम था, और वह भी ऐसी जगह में जो अनुमान से कहीं ज़्यादा भरी हुई थी। रोर्क जेब में हाथ डाले खड़ा उस आदमी की धीमी, कष्टदायक प्रगति को देख रहा था।
उस आदमी ने अपना सिर उठाया और अचानक उसकी ओर मुड़ा। उसका सिर बड़ा था और चेहरा इतना बदसूरत था कि वह आकर्षक लगने लगा; वह न तो बूढ़ा था और न ही ढीला, लेकिन उस पर गहरी झुर्रियाँ थीं और उसके मज़बूत ज़बड़े बुलडॉग की तरह लटके हुए थे; उसकी आँखें चौंका देने वाली थीं—चौड़ी, गोल और चीनी मिट्टी जैसी नीली।
"तो फिर?" उस आदमी ने गुस्से से पूछा, "क्या बात है, ब्रिकटॉप?"
रोर्क ने कहा, "तुम अपना समय बर्बाद कर रहे हो।"
"हाँ?"
"हाँ।"
"वाह!
"उस बीम के चारों ओर पाइप लगाने में आपको घंटों लग जाएंगे।"
"क्या आपको इसे करने का कोई बेहतर तरीका पता है?"
"ज़रूर।"
"दफा हो जाओ, बदमाश। हमें यहाँ कॉलेज के होशियार लोग पसंद नहीं हैं।"
"उस बीम में एक छेद करो और उसमें से अपनी पाइपें डालो।"

"क्या?"
"बीम में एक छेद काट दो।"
मैं ऐसा बिलकुल नहीं करूंगा!
"ऐसा कभी नहीं होगा।"
“ऐसा नहीं किया जाता।”
"मैं इसे पूरा कर दिया है।"
"आप?"
"यह हर जगह किया जाता है।"
“यह काम यहाँ नहीं होने वाला। मेरे द्वारा तो बिल्कुल नहीं।”
"तो मैं आपके लिए यह कर दूंगा।"
वह आदमी दहाड़ा। “ये तो हद है! ऑफिस के लड़कों ने मर्दों का काम करना कब सीख लिया?”
मुझे अपनी टॉर्च दो।
“सावधान रहो, लड़के! इससे तुम्हारी प्यारी गुलाबी उंगलियां जल जाएंगी!”
रोर्क ने उस आदमी के दस्ताने और चश्मे लिए, एसिटिलीन टॉर्च ली, घुटनों के बल बैठा और किरण के केंद्र में नीली आग की एक पतली धार भेजी।
वह आदमी उसे देखता रहा। रोर्क का हाथ स्थिर था, उसने आग की उग्र, फुफकारती हुई लपट को काबू में रखा हुआ था, जो उसकी तीव्रता से हल्की सी कांप रही थी, लेकिन उसने उसे सीधा निशाना साधे रखा था। उसके शरीर की सहज मुद्रा में कोई तनाव या प्रयास नहीं था, बस उसके हाथ में तनाव था। और ऐसा लग रहा था मानो धातु को धीरे-धीरे गला देने वाला नीला तनाव आग से नहीं, बल्कि उसे पकड़े हुए हाथ से आ रहा हो।
उन्होंने अपना काम समाप्त किया, मशाल नीचे रखी और उठ खड़े हुए।
“हे भगवान!” इलेक्ट्रीशियन ने कहा। “क्या आपको टॉर्च चलाना आता है!”
“लगता तो यही है, है ना?” उसने दस्ताने और चश्मे उतारे और वापस देते हुए कहा, “अब से ऐसे ही करना। फ़ोरमैन को बता देना कि मैंने ऐसा कहा है।”
इलेक्ट्रीशियन बीम में बने साफ-सुथरे छेद को श्रद्धापूर्वक देख रहा था। उसने बुदबुदाते हुए कहा, "रेड, तुमने इसे इस तरह काटना कहाँ से सीखा?"
रोर्क की धीमी, मुस्कुराती हुई मुस्कान ने जीत की इस स्वीकारोक्ति को दर्शाया। "ओह, मैं एक इलेक्ट्रीशियन, एक प्लंबर, एक रिवेट कैचर और कई अन्य काम कर चुका हूँ।"
और इसके अलावा स्कूल भी गए थे?
"हाँ, एक तरह से।"
"क्या तुम आर्किटेक्ट बनने जा रहे हो?"
" हाँ।"
"अच्छा, तुम पहले ऐसे व्यक्ति होगे जिसे सुंदर तस्वीरों और चाय पार्टियों के अलावा कुछ और भी पता होगा। तुम्हें देखना चाहिए कि वे कार्यालय से हमारे पास शिक्षकों के चहेते छात्रों को कैसे भेजते हैं।"
“अगर तुम माफी मांग रहे हो, तो मत मांगो। मुझे भी ये पसंद नहीं हैं। वापस पाइपों में जाओ। अलविदा।”
"अलविदा, रेड।"
अगली बार जब रोर्क उस काम पर आया, तो नीली आँखों वाले इलेक्ट्रीशियन ने दूर से ही उसे हाथ हिलाकर इशारा किया और अपने पास बुलाकर अपने काम के बारे में सलाह माँगी, जिसकी उसे कोई ज़रूरत नहीं थी; उसने बताया कि उसका नाम माइक है और वह कई दिनों से रोर्क को याद कर रहा था। अगली बार जब वह आया तो दिन की शिफ्ट के लोग जा रहे थे, और माइक रोर्क के निरीक्षण खत्म होने का इंतज़ार करते हुए बाहर खड़ा रहा। रोर्क के बाहर आते ही उसने पूछा, "रेड, एक गिलास बियर पियोगे?" रोर्क ने कहा, "ज़रूर, धन्यवाद।"

वे तहखाने में बने एक गुप्त बार के कोने में एक मेज़ पर साथ बैठे थे, बीयर पी रहे थे और माइक ने अपनी पसंदीदा कहानी सुनाई कि कैसे मचान के टूटने से वह पाँच मंज़िल नीचे गिर गया था, उसकी तीन पसलियाँ टूट गई थीं लेकिन वह बच गया था। वहीं रोर्क ने निर्माण कार्य में बिताए अपने दिनों के बारे में बताया। माइक का एक असली नाम था, शॉन ज़ेवियर डोनिगन, लेकिन सब लोग उसे बहुत पहले ही भूल चुके थे; उसके पास औज़ारों का एक सेट और एक पुरानी फोर्ड कार थी, और उसका एकमात्र उद्देश्य देश भर में एक बड़े निर्माण कार्य से दूसरे बड़े निर्माण कार्य के लिए घूमना था। माइक के लिए लोगों का कोई खास महत्व नहीं था, लेकिन उनके काम का बहुत महत्व था। वह हर तरह की विशेषज्ञता की पूजा करता था। वह अपने काम से बेहद प्यार करता था और अन्य किसी भी चीज़ के प्रति उसमें कोई सहनशीलता नहीं थी। वह अपने क्षेत्र में माहिर था और महारत के अलावा उसे किसी और के लिए कोई सहानुभूति नहीं थी। दुनिया के प्रति उसका नज़रिया सीधा-सादा था: सक्षम लोग होते हैं और अक्षम लोग; उसे अक्षम लोगों से कोई मतलब नहीं था। उसे इमारतें बहुत पसंद थीं। लेकिन वह सभी वास्तुकारों से नफरत करता था।
“एक ही आदमी था, रेड,” उसने अपनी पाँचवीं बियर पीते हुए गंभीरता से कहा, “सिर्फ़ एक ही था और तुम उसके बारे में जानने के लिए बहुत छोटे होगे, लेकिन वही एक आदमी था जिसे निर्माण का ज्ञान था। जब मैं तुम्हारी उम्र का था, तब मैंने उसके लिए काम किया था।”
“वह कौन था?”
“उनका नाम हेनरी कैमरून था। मुझे लगता है कि इतने साल पहले उनकी मृत्यु हो गई होगी।”
रोर्क ने उसे काफी देर तक देखा, फिर कहा: "वह मरा नहीं है, माइक," और आगे कहा: "मैंने उसके लिए काम किया है।"
“क्या तुमने किया?”
लगभग तीन साल से।
उन्होंने एक-दूसरे को चुपचाप देखा, और यही उनकी दोस्ती पर अंतिम मुहर थी।
कुछ हफ्तों बाद, एक दिन माइक ने इमारत के पास रोर्क को रोका, उसका चेहरा हैरानी से भरा हुआ था, और उसने पूछा:
"सुनो, रेड, मैंने सुना है कि सुपरवाइज़र ने ठेकेदार के एक आदमी से कहा कि तुम घमंडी और ज़िद्दी हो और अब तक के सबसे घटिया इंसान हो जिससे उसका सामना हुआ है। तुमने उसके साथ क्या किया?"
"कुछ नहीं।"
उसका मतलब क्या था?
“मुझे नहीं पता,” रोर्क ने कहा। “क्या आपको पता है?”
माइक ने उसकी तरफ देखा, कंधे उचकाए और मुस्कुराया।
“नहीं,” माइक ने कहा।
आठवीं
मई की शुरुआत में, पीटर कीटिंग रवाना हो गए।
वाशिंगटन में, एक महान परोपकारी व्यक्ति द्वारा अपने अंतरात्मा को शांत करने के लिए शहर को दान किए गए संग्रहालय के निर्माण की देखरेख करने के लिए।
कीटिंग ने गर्व से बताया कि संग्रहालय की इमारत बिल्कुल अलग होने वाली थी: यह पार्थेनन की प्रतिकृति नहीं थी, बल्कि नीम्स स्थित मैसन कैरे की प्रतिकृति थी।
कीटिंग कुछ समय से बाहर थे, तभी एक दफ्तर का नौकर रोर्क की मेज़ के पास आया और उन्हें बताया कि श्री फ्रैंकन उनसे अपने कार्यालय में मिलना चाहते हैं। जब रोर्क अंदर दाखिल हुए, तो फ्रैंकन ने डेस्क के पीछे से मुस्कुराते हुए खुशी से कहा: "बैठ जाइए, मेरे दोस्त। बैठ जाइए..." लेकिन रोर्क की आँखों में कुछ ऐसा था, जिसे उन्होंने

पहले कभी इतने करीब से नहीं देखा था, जिससे फ्रैंकन की आवाज़ धीमी पड़ गई और रुक गई, और उन्होंने रूखेपन से कहा: "बैठ जाइए।"
रोर्क ने आज्ञा का पालन किया। फ्रैंकन ने एक पल के लिए उसे गौर से देखा, लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुँचने के अलावा कोई और विचार नहीं कर सका कि उस व्यक्ति का चेहरा बेहद अप्रिय था, फिर भी वह पूरी तरह से चौकस दिख रहा था।
"कैमरन के लिए काम करने वाले आप ही तो हैं, है ना?" फ्रैंकन ने पूछा।
“हां,” रोर्क ने कहा।
“श्री कीटिंग आपके बारे में मुझे बहुत अच्छी बातें बता रहे हैं।”
फ्रैंकन ने विनम्रता से कोशिश की और रुक गया। यह व्यर्थ की शिष्टाचारवश की गई कोशिश थी; रोर्क बस उसे देखता रहा और प्रतीक्षा करता रहा।
“सुनो... तुम्हारा नाम क्या है?”
“रोर्क।”
"सुनो, रोर्क। हमारा एक ग्राहक है जो थोड़ा ... अजीब है, लेकिन वह एक महत्वपूर्ण व्यक्ति है, बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति है, और हमें उसे संतुष्ट करना होगा।"
उन्होंने हमें आठ मिलियन डॉलर की लागत से एक ऑफिस बिल्डिंग बनाने का ठेका दिया है, लेकिन दिक्कत यह है कि वे इसे कैसा बनाना चाहते हैं, इस बारे में उनके विचार बहुत स्पष्ट हैं। वे चाहते हैं कि यह—” फ्रैंकन ने माफी मांगते हुए कंधे उचकाए और इस बेतुके सुझाव के लिए सारा दोष अपने ऊपर ले लिया—“वे चाहते हैं कि यह ऐसा दिखे।” उन्होंने रोर्क को एक तस्वीर दी। यह डाना बिल्डिंग की तस्वीर थी।
रोर्क बिल्कुल स्थिर बैठा था, तस्वीर उसकी उंगलियों के बीच लटकी हुई थी।
"क्या आप उस इमारत को जानते हैं?" फ्रैंकन ने पूछा।
"हाँ।"
“खैर, वह यही तो चाहता है। और श्री कीटिंग बाहर गए हुए हैं। मैंने बेनेट, कूपर और विलियम्स से रेखाचित्र बनवाए थे, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसलिए मैंने सोचा कि आपको एक मौका दे दूं।”
फ्रैंकन ने उसकी ओर देखा, अपने प्रस्ताव की उदारता से वह प्रभावित था। कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। बस एक ऐसा व्यक्ति था जो अभी भी ऐसा लग रहा था जैसे उसके सिर पर चोट लगी हो।
“बिल्कुल,” फ्रैंकन ने कहा, “यह आपके लिए एक बड़ा जोखिम है, एक बड़ी ज़िम्मेदारी है, लेकिन मैंने सोचा कि आपको मौका दिया जाए। घबराइए मत। श्री कीटिंग और मैं बाद में इस पर चर्चा करेंगे। बस योजना और उसका एक अच्छा सा खाका तैयार कर लीजिए। आपको इस बात का अंदाज़ा होना चाहिए कि वह आदमी क्या चाहता है। आप कैमरन की चालें जानते हैं। लेकिन ज़ाहिर है, हम इस तरह की घटिया चीज़ को अपने कार्यालय से बाहर नहीं जाने दे सकते। हमें उसे खुश रखना है, लेकिन हमें अपनी प्रतिष्ठा भी बनाए रखनी है और अपने बाकी ग्राहकों को डराकर भगाना नहीं है।”
बात यह है कि इसे सरल और इस शैली के अनुरूप बनाना है, लेकिन साथ ही कलात्मक भी। मतलब, ग्रीक शैली का थोड़ा गंभीर रूप। आधुनिक शैली का प्रयोग करना ज़रूरी नहीं, डोरिक शैली का प्रयोग करें। सादे चबूतरे और साधारण नक्काशी, या कुछ ऐसा ही। बात समझ में आई? अब इसे साथ ले जाइए और दिखाइए कि आप क्या कर सकते हैं। बेनेट आपको सारी बारीकियां बता देंगे और... क्या बात है—"
फ्रैंकन की आवाज अचानक रुक गई।
"श्री फ्रैंकन, कृपया मुझे इसे उसी तरह डिजाइन करने दें जैसे डाना बिल्डिंग को डिजाइन किया गया था।"
“हं?”
"मुझे इसे करने दीजिए। डाना बिल्डिंग की नकल नहीं, बल्कि इसे वैसे डिजाइन करने दीजिए जैसा हेनरी कैमरून चाहते थे, और मैं इसे वैसे ही डिजाइन करूंगा।"

"आपका मतलब आधुनिकतावादी से है?"
"मैं... खैर, इसे यही कह लीजिए।"
क्या तुम पागल हो?
“श्री फ्रैंकन, कृपया मेरी बात सुनिए।” रोर्क के शब्द किसी तंग तार पर चल रहे व्यक्ति के कदमों की तरह थे - धीमे, तनावपूर्ण, सही जगह की तलाश में भटकते हुए, खाई के किनारे कांपते हुए, लेकिन सटीक। “आप जो कर रहे हैं उसके लिए मैं आपको दोष नहीं देता। मैं आपके लिए काम कर रहा हूँ, मैं आपका पैसा ले रहा हूँ, मुझे आपत्ति जताने का कोई अधिकार नहीं है। लेकिन इस बार... इस बार ग्राहक खुद ऐसा चाहता है। आप कुछ भी जोखिम नहीं उठा रहे हैं। वह यही चाहता है।”
सोचिए, एक आदमी है, एक अकेला आदमी जो देखता है, समझता है और वह इसे चाहता है और इसे बनाने की क्षमता रखता है। क्या आप अपने जीवन में पहली बार किसी ग्राहक से लड़ेंगे—और किसलिए? उसे धोखा देने और उसे वही पुराना घटिया सामान देने के लिए, जबकि इतने सारे लोग इसे मांग रहे हैं, और केवल एक ही है जो इस तरह का अनुरोध लेकर आया है?”
"क्या तुम खुद को भूल नहीं रहे हो?" फ्रैंकन ने ठंडे स्वर में पूछा।
“इससे आपको क्या फर्क पड़ेगा? बस मुझे इसे अपने तरीके से करने दीजिए और उसे दिखा दीजिए। सिर्फ उसे ही दिखाइए। वह पहले ही तीन स्केच ठुकरा चुका है, अगर वह चौथा भी ठुकरा दे तो क्या होगा? लेकिन अगर वह नहीं ठुकराता... अगर वह नहीं ठुकराता...”
रोर्क को कभी भी विनती करना नहीं आता था और वह इसमें अच्छा भी नहीं कर पा रहा था; उसकी आवाज कठोर, भावहीन थी, जिससे उसकी कोशिश साफ़ झलक रही थी, और इस तरह उसकी विनती उस व्यक्ति के लिए अपमान बन गई जो उसे विनती करने पर मजबूर कर रहा था।
कीटिंग उस क्षण में रोर्क को देखने के लिए बहुत कुछ देने को तैयार होते।
लेकिन फ्रैंकन उस जीत की सराहना नहीं कर सके जिसे हासिल करने वाले वे पहले व्यक्ति थे; उन्होंने केवल अपमान को ही पहचाना।
फ्रैंकन ने पूछा, "क्या मैं सही समझ रहा हूँ कि आप मेरी आलोचना कर रहे हैं और मुझे वास्तुकला के बारे में कुछ सिखा रहे हैं?"
"मैं आपसे विनती कर रहा हूँ," रोर्क ने अपनी आँखें बंद करते हुए कहा।
"अगर आप श्री कीटिंग के शिष्य न होते, तो मैं इस मामले पर आपसे और चर्चा करने की जहमत न उठाता। लेकिन चूंकि आप स्पष्ट रूप से भोले और अनुभवहीन हैं, इसलिए मैं आपको यह बताना चाहूंगा कि मुझे अपने चित्रकारों से सौंदर्य संबंधी राय पूछने की आदत नहीं है।"
कृपया इस तस्वीर को खींच लें—और मैं कैमरून द्वारा डिज़ाइन की गई किसी भी इमारत को नहीं चाहता, मैं चाहता हूं कि इसकी योजना हमारे स्थल के अनुकूल हो—और आप मुखौटे के शास्त्रीय स्वरूप के संबंध में मेरे निर्देशों का पालन करेंगे।"
रोर्क ने बहुत धीमी आवाज़ में कहा, "मैं यह नहीं कर सकता।"
“क्या? क्या आप मुझसे बात कर रहे हैं? क्या आप सचमुच कह रहे हैं: ‘माफ़ कीजिए, मैं यह नहीं कर सकता’?”
"मैंने 'सॉरी' नहीं कहा है, मिस्टर फ्रैंकन।"
"क्या कहा आपने?"
मैं ऐसा नहीं कर सकता।
"क्यों?"
“आप जानना नहीं चाहेंगे कि क्यों। मुझसे कोई डिज़ाइनिंग का काम मत करवाइए। आप जो भी काम चाहें, मैं कर दूंगा। लेकिन यह नहीं। और न ही कैमरन के काम के लिए।”

"डिजाइनिंग न करने का क्या मतलब है? आप एक दिन आर्किटेक्ट बनना चाहते हैं—या नहीं?"
"ऐसा नहीं।"
“ओह... मैं समझ गया... तो आप यह नहीं कर सकते? आपका मतलब है कि आप नहीं करेंगे?”
"आपको पसंद होने पर।"
"सुनो, तुम बदतमीज़ मूर्ख, यह अविश्वसनीय है!"
रोर्क उठे खड़ा हुआ।
"क्या मैं जा सकता हूँ, श्रीमान फ्रैंकन?"
“अपने पूरे जीवन में,” फ्रैंकन दहाड़ते हुए बोला, “अपने पूरे अनुभव में, मैंने ऐसा कुछ कभी नहीं देखा! क्या तुम यहाँ मुझे यह बताने आए हो कि तुम क्या करोगे और क्या नहीं करोगे? क्या तुम यहाँ मुझे शिक्षा देने, मेरी पसंद की आलोचना करने और मुझ पर फैसला सुनाने आए हो?”
रोर्क ने शांत स्वर में कहा, "मैं किसी चीज़ की आलोचना नहीं कर रहा हूँ। मैं किसी पर कोई फैसला नहीं सुना रहा हूँ। कुछ चीजें हैं जो मैं नहीं कर सकता। बस इतना ही।"
क्या मैं अब जा सकता हूँ?
“तुम अब और हमेशा के लिए इस कमरे और इस कंपनी को छोड़कर जा सकते हो! तुम सीधे शैतान के पास जाओ! जाओ और अपने लिए कोई दूसरा नियोक्ता ढूंढ लो!” उसे ढूंढने की कोशिश करो! जाओ अपना चेक लो और निकल जाओ!
जी हाँ, श्री फ्रैंकन।
उस शाम रोर्क तहखाने में बने गुप्त बार में गया, जहाँ वह दिन भर के काम के बाद माइक को हमेशा पा लेता था। माइक अब उसी ठेकेदार के यहाँ एक कारखाने के निर्माण में कार्यरत था, जिसे फ्रैंकॉन के अधिकांश बड़े प्रोजेक्ट दिए गए थे। माइक को उम्मीद थी कि रोर्क उस दोपहर कारखाने के निरीक्षण के लिए आएगा, और उसने गुस्से से उसका अभिवादन किया:
“क्या बात है, रेड? काम में लापरवाही कर रहे हो?”
खबर सुनते ही माइक एकदम शांत बैठ गया और उसका चेहरा किसी बुलडॉग की तरह गुस्से से भरा हुआ था। फिर उसने गुस्से में अपशब्द कहे।
“वे हरामखोर,” उसने कड़े शब्दों के बीच में घबराकर कहा, “वे हरामखोर।”
...”
"शांत रहो, माइक।"
"अच्छा... अब क्या, रेड?"
"उसी तरह का कोई और व्यक्ति, जब तक कि वही घटना दोबारा न हो जाए।"
जब कीटिंग वाशिंगटन से लौटे तो वे सीधे फ्रैंकन के कार्यालय गए। वे मसौदा तैयार करने वाले कमरे में नहीं रुके और
कोई खबर नहीं मिली। फ्रैंकन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया:
अरे वाह, तुम्हें वापस देखकर बहुत खुशी हुई! क्या लोगे? व्हिस्की-सोडा या थोड़ी सी ब्रांडी?
नहीं, धन्यवाद। मुझे बस एक सिगरेट दे दीजिए।
“देखो... अरे वाह, तुम तो एकदम तरोताज़ा लग रहे हो! पहले से भी ज़्यादा अच्छे। कैसे कर लेते हो, किस्मत वाले? मुझे तुम्हें बहुत कुछ बताना है! वाशिंगटन में क्या हुआ? सब ठीक है?” और इससे पहले कि कीटिंग जवाब दे पाते, फ्रैंकन ने झट से कहा: “मेरे साथ कुछ भयानक हो गया है।”
बेहद निराशाजनक। क्या आपको लिली लैंडौ याद है? मुझे लगा था कि उसके साथ सब ठीक चल रहा है, लेकिन पिछली बार जब मैं उससे मिली, तो उसने मुझे बिल्कुल

नज़रअंदाज़ कर दिया! क्या आप जानते हैं कि अब वह किसके साथ है? आपको जानकर हैरानी होगी। गेल वायनांड!
वो लड़की खूब मजे कर रही है। उसकी तस्वीरें और उसके पैर उसके अखबारों में हर जगह छपे हैं। क्या इससे उसे फायदा होगा या नहीं! मैं इसके खिलाफ क्या कर सकता हूं? और क्या आप जानते हैं कि उसने क्या किया है? याद है वो हमेशा कहती थी कि कोई उसे वो नहीं दे सकता जो वो सबसे ज्यादा चाहती थी—उसका बचपन का घर, वो प्यारा सा छोटा ऑस्टियाई गाँव जहाँ वो पैदा हुई थी? खैर, वायनांड ने उसे बहुत पहले ही खरीद लिया था, पूरा गाँव, और उसे यहाँ मँगवा लिया—एक-एक टुकड़ा!—और उसे हडसन नदी के किनारे फिर से बनवाया, और अब वो वहाँ खड़ा है, पत्थर की सड़कें, चर्च, सेब के पेड़, सूअरबाड़े और सब कुछ! फिर उसने दो हफ्ते पहले लिली को अचानक बता दिया। क्या आप नहीं जानते? अगर बेबीलोन का राजा अपनी घर की याद सताने वाली पत्नी के लिए लटकते बगीचे बनवा सकता था, तो गेल वायनांड क्यों नहीं? लिली मुस्कुरा रही है और शुक्रगुजार है—लेकिन बेचारी लड़की सच में बहुत दुखी थी। उसे मिक कोट ज्यादा पसंद होता। उसे वो गाँव कभी नहीं चाहिए था। और वायनांड भी ये जानता था। लेकिन वो अब भी हडसन नदी के किनारे खड़ा है। पिछले हफ्ते, उन्होंने उसके लिए वहीं, उसी गाँव में एक पार्टी दी—एक कॉस्ट्यूम पार्टी, जिसमें मिस्टर वायनांड सीज़ार बोर्जिया के रूप में सजे थे—क्या वो ऐसी नहीं करते?—और क्या शानदार पार्टी थी!—अगर आप सुनी-सुनाई बातों पर यकीन कर लें, लेकिन आप जानते हैं कि वायनांड के बारे में कुछ भी साबित नहीं किया जा सकता। फिर अगले दिन उन्होंने क्या किया? खुद उन छोटे स्कूली बच्चों के साथ वहाँ पोज़ दिया जिन्होंने कभी ऑस्टियाई गाँव नहीं देखा था—वाह, परोपकारी!—और उन तस्वीरों को अपने अखबारों में शिक्षा के मूल्यों के बारे में ढेर सारी भावुक बातों के साथ छाप दिया, और महिला क्लबों से तारीफों भरे पत्र प्राप्त किए! मैं जानना चाहता हूं कि लिली से छुटकारा पाने के बाद वो गाँव का क्या करेंगे! वो ऐसा करेंगे ही, आप जानते हैं, उनके साथ कोई भी ज़्यादा दिन नहीं टिकता। क्या आपको लगता है कि तब मुझे उसके साथ मौका मिलेगा?
“ज़रूर,” कीटिंग ने कहा। “ज़रूर, आप करेंगे। ऑफिस में सब कैसा चल रहा है?”
“ओह, ठीक है। हमेशा की तरह। लुसियस को सर्दी हो गई थी और उसने मेरी सारी बढ़िया बासु आर्मीग्नाक पी ली। यह उसके दिल के लिए खराब है, और एक केस सौ डॉलर का है! ...इसके अलावा, लुसियस एक छोटी सी मुसीबत में फंस गया। उसकी वही फोबिया है, उसका वो चीनी मिट्टी का सामान। लगता है वो किसी चोर बाज़ार से चायदानी खरीद लाया। उसे पता था कि वो चोरी का सामान है। मुझे हमें बदनामी से बचाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी... ओह, वैसे, मैंने तुम्हारे उस दोस्त को नौकरी से निकाल दिया, उसका नाम क्या है?—रोर्क।”
“ओह,” कीटिंग ने कहा, और कुछ पल रुकने के बाद पूछा: “क्यों?”
“बेशर्म कमीना! तुमने उसे कहाँ से उठाया?”
"क्या हुआ?"
“मैंने सोचा कि मैं उसके साथ अच्छा व्यवहार करूँ, उसे थोड़ा आराम दूँ। मैंने उससे फैरेल बिल्डिंग का एक स्केच बनाने को कहा—वही बिल्डिंग जिसे ब्रेंट ने आखिरकार डिज़ाइन किया था और जिसे फैरेल ने स्वीकार कर लिया था, वही सरल डोरिक शैली—लेकिन आपके दोस्त ने अचानक मना कर दिया। लगता है उसके कुछ आदर्श हैं या कुछ और। तो मैंने उसे गेट दिखाया....”
क्या बात है? तुम किस बात पर मुस्कुरा रहे हो?
“कुछ नहीं। मैं बस इसे देख सकता हूँ।”
अब मुझसे उसे वापस लेने के लिए मत कहो!
"नहीं बिल्कुल नहीं।"

कई दिनों तक कॉटेंग रोर्क से मिलने के बारे में सोचता रहा। उसे पता नहीं था कि वह क्या कहेगा, लेकिन उसे हल्का-सा एहसास था कि उसे कुछ कहना चाहिए। वह इसे टालता रहा। उसे अपने काम में आत्मविश्वास बढ़ता जा रहा था। उसे लगा कि अब उसे रोर्क की ज़रूरत नहीं है। दिन बीतते गए, और वह रोर्क से मिलने नहीं गया, और उसे रोर्क को भूल जाने की आज़ादी से राहत मिली।
अपने कमरे की खिड़कियों से रोर्क की छतें, पानी की टंकियाँ, चिमनियाँ और दूर नीचे तेज़ी से भागती गाड़ियाँ दिखाई दे रही थीं। उसके कमरे की खामोशी में, खाली दिनों में, और उसके बगल में लटके उसके हाथों में एक खतरा मंडरा रहा था। और उसे नीचे शहर से एक और खतरा उठता हुआ महसूस हो रहा था, मानो हर खिड़की, फुटपाथ का हर टुकड़ा, खामोशी से प्रतिरोध करते हुए, दृढ़ता से बंद हो गया हो। इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। वह इसे बहुत पहले से जानता और स्वीकार कर चुका था।
उसने उन वास्तुकारों की एक सूची बनाई जिनके काम से उसे सबसे कम नफरत थी, उनकी बुराई के क्रम में, और वह बिना क्रोध या आशा के, ठंडे दिमाग से, व्यवस्थित रूप से नौकरी की तलाश में निकल पड़ा। उसे कभी पता नहीं चला कि
चाहे इन दिनों से उसे तकलीफ हो रही हो; वह केवल इतना जानता था कि यह एक ऐसा काम था जो करना ही था।
जिन वास्तुकारों से वह मिला, वे एक-दूसरे से भिन्न थे। कुछ ने मेज के उस पार से उसे देखा, दयालुता और अस्पष्टता से, और उनके हावभाव से ऐसा लग रहा था मानो वे कह रहे हों कि वास्तुकार बनने की उसकी महत्वाकांक्षा, दिल को छू लेने वाली, प्रशंसनीय, विचित्र और आकर्षक रूप से उदास है, ठीक वैसे ही जैसे यौवन के सभी भ्रम होते हैं। कुछ ने पतले, खिंचे हुए होंठों से उस पर मुस्कुराया और कमरे में उसकी उपस्थिति का आनंद लेते हुए प्रतीत हुए, क्योंकि इससे उन्हें अपनी उपलब्धि का एहसास हुआ। कुछ ने ठंडे लहजे में बात की, मानो उसकी महत्वाकांक्षा उनके लिए व्यक्तिगत अपमान हो। कुछ रूखे थे, और उनकी आवाज़ की तीक्ष्णता से ऐसा लग रहा था मानो वे कह रहे हों कि उन्हें अच्छे ड्राफ्टसमैन की ज़रूरत है, उन्हें हमेशा अच्छे ड्राफ्टसमैन की ज़रूरत होती है, लेकिन यह योग्यता उस पर लागू नहीं हो सकती, और क्या वे कृपया इतना असभ्य होने से बचेंगे कि उन्हें इसे और स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए मजबूर होना पड़े।
यह दुर्भावना नहीं थी। यह उनके गुणों के आधार पर दिया गया निर्णय नहीं था।
वे उसे निकम्मा नहीं समझते थे। उन्हें बस इस बात की परवाह नहीं थी कि वह अच्छा है या नहीं। कभी-कभी, उसे अपने रेखाचित्र दिखाने के लिए कहा जाता था; वह उन्हें मेज पर फैला देता था, और शर्म से उसके हाथ की मांसपेशियां सिकुड़ जाती थीं; ऐसा लगता था जैसे उसके शरीर से कपड़े फाड़ दिए गए हों, और शर्म इस बात की नहीं थी कि उसका शरीर नंगा हो गया था, बल्कि इस बात की थी कि वह उदासीन निगाहों के सामने नंगा हो गया था।
कभी-कभार वह कैमरून से मिलने के लिए न्यू जर्सी की यात्रा किया करता था।
वे दोनों एक पहाड़ी पर बने घर के बरामदे में सीथ बैठे थे, कैमरन व्हीलचेयर पर था और उसके हाथ उसके घुटनों पर बिछे एक पुराने कंबल पर थे।
“कैसा चल रहा है, हॉवर्ड? काफी मुश्किल है?” “नहीं।” “क्या मैं तुम्हें उन कमीनों में से किसी एक को चिट्ठी दे दूं?” “नहीं।”
फिर कैमरन ने इसके बारे में और कुछ नहीं कहा, वह इसके बारे में बात करना ही नहीं चाहता था, वह नहीं चाहता था कि रोर्क को उनके शहर द्वारा ठुकराए जाने का विचार हकीकत बन जाए। जब रोर्क उसके पास आया, तो कैमरन ने वास्तुकला के बारे में एक निजी संपत्ति की तरह सरल आत्मविश्वास से बात की। वे साथ बैठे, दूर आसमान के किनारे, नदी के उस पार बसे शहर को देखते रहे। आसमान गहरा और नीले-हरे कांच की तरह चमक रहा था; इमारतें कांच पर जमे बादलों की तरह लग रही थीं, धूसर-नीले

बादल एक पल के लिए सीधे कोणों और ऊध्वाधर स्तंभों में जमे हुए थे, और सूर्यास्त मीनारों में समाया हुआ था...
जैसे-जैसे गर्मी के महीने बीतते गए, जैसे-जैसे उसकी सूची समाप्त होती गई और वह उन जगहों पर फिर से लौट आया जहाँ उसे पहले मना कर दिया गया था, रोर्क को पता चला
उसके बारे में कुछ बातें सबको पता थीं और उसने वही शब्द बार-बार सुने—चाहे सीधे-सीधे, दबे स्वर में, गुस्से में या माफी मांगते हुए—"तुम्हें स्टैंटन से निकाल दिया गया था। तुम्हें फ्रेंकन के दफ्तर से निकाल दिया गया था।"
इस बात को कहने वाली सभी अलग-अलग आवाज़ों में एक बात समान थी: इस बात की निश्चितता से राहत का भाव कि उनके लिए निर्णय ले लिया गया था।
वह शाम के समय खिड़की की चौखट पर बैठा सिगरेट पी रहा था, उसका हाथ खिड़की के शीशे पर फैला हुआ था, शहर उसकी उंगलियों के नीचे था, और कांच उसकी त्वचा पर ठंडा लग रहा था।
सितंबर में, उन्होंने आर्किटेक्चरल ट्रिब्यून में गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट, ए.जी.ए. द्वारा लिखित "मेक वे फॉर टुमॉरो" शीर्षक का एक लेख पढ़ा। लेख में कहा गया था कि इस पेशे की त्रासदी प्रतिभाशाली नवोदितों के रास्ते में आने वाली कठिनाइयाँ हैं; कि संघर्ष में कई महान प्रतिभाएँ गुमनाम रह गई हैं; कि वास्तुकला नए लोगों और नए विचारों की कमी, मौलिकता, दूरदृष्टि और साहस की कमी के कारण नष्ट हो रही है; कि लेख के लेखक ने होनहार नवोदितों की खोज करना, उन्हें प्रोत्साहित करना, उनका विकास करना और उन्हें वह अवसर देना अपना लक्ष्य बनाया है जिसके वे हकदार हैं। रोर्क ने गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट के बारे में पहले कभी नहीं सुना था, लेकिन लेख में एक सच्ची दृढ़ विश्वास की झलक थी। आशा की पहली किरण दिखते ही उन्होंने प्रेस्कॉट के कार्यालय जाने का निश्चय कर लिया।
गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट के कार्यालय का स्वागत कक्ष धूसर, काले और लाल रंगों से सजा हुआ था; यह एक साथ ही सुरुचिपूर्ण, संयमित और साहसी था। एक युवा और बेहद खूबसूरत सचिव ने रोर्क को बताया कि श्री प्रेस्कॉट से बिना अपॉइंटमेंट के मिलना संभव नहीं है, लेकिन वह अगले बुधवार को ढाई बजकर पंद्रह मिनट का अपॉइंटमेंट तय करने में खुशी-खुशी आपकी मदद करेंगी। बुधवार को ढाई बजकर पंद्रह मिनट पर, सचिव ने रोर्क को देखकर मुस्कुराते हुए उनसे थोड़ी देर बैठने का अनुरोध किया। चार बजकर पैंतालीस मिनट पर उन्हें गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट के कार्यालय में प्रवेश दिया गया।
गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट ने भूरे रंग की चेकदार ट्वीड जैकेट और अंगोरा ऊन का सफेद टर्टल-नेक स्वेटर पहना हुआ था। वह लंबा, चुस्त-दुरुस्त और पैंतीस वर्ष का था, लेकिन उसके चेहरे पर परिष्कृत ज्ञान की झलक के साथ-साथ कॉलेज के हीरो जैसी कोमल त्वचा, छोटी सी नाक और छोटा, फूला हुआ मुंह भी था। उसका चेहरा धूप से झुलसा हुआ था, उसके सुनहरे बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे, जैसे किसी फौजी प्रशियन हेयरकट में। वह स्पष्ट रूप से मर्दाना था, दिखावे की परवाह नहीं करता था और इसके प्रभाव के प्रति पूरी तरह सचेत था।
वह चुपचाप रोर्क की बातें सुनता रहा, और उसकी आँखें घड़ी की तरह हर शब्द पर टिकी हुई थीं, मानो रोर्क के हर शब्द में लगने वाले हर सेकंड को गिन रही हों। उसने पहला वाक्य तो जाने दिया; लेकिन दूसरे पर उसने बीच में ही टोकते हुए संक्षिप्त रूप से कहा: "मुझे अपने चित्र दिखाओ," मानो यह स्पष्ट करना चाहता हो कि रोर्क जो कुछ भी कहेगा, वह उसे पहले से ही भली-भांति ज्ञात है।
उन्होंने अपने तगड़े हाथों में रेखाचित्र पकड़े हुए थे। उन्हें देखने से पहले उन्होंने कहा: “अहा, हाँ, कितने ही नौजवान मुझसे सलाह लेने आते हैं, कितने ही।” उन्होंने पहले रेखाचित्र पर एक नज़र डाली, लेकिन उसे देखने से पहले ही अपना सिर ऊपर उठा लिया। “बेशक, व्यावहारिक और आध्यात्मिक का मेल ही शुरुआती लोगों के लिए

समझना इतना मुश्किल होता है।” उन्होंने रेखाचित्र को ढेर के नीचे रख दिया।
“वास्तुकला मूलतः एक उपयोगितावादी अवधारणा है, और समस्या व्यावहारिकता के सिद्धांत को सौंदर्यपरक अमूर्तता के क्षेत्र में ऊपर उठाने की है। बाकी सब बकवास है।” उन्होंने दो रेखाचित्रों पर एक नज़र डाली और उन्हें भी नीचे रख दिया। “मुझे उन दूरदर्शी लोगों से कोई हमदर्दी नहीं है जो वास्तुकला को केवल वास्तुकला के लिए एक पवित्र धर्मयुद्ध समझते हैं। महान गतिशील सिद्धांत मानवीय समीकरण का सामान्य सिद्धांत है।” उन्होंने एक रेखाचित्र पर एक नज़र डाली और उसे नीचे रख दिया।
“जनता की रुचि और जनता का दिल ही कलाकार के अंतिम मापदंड हैं। प्रतिभा वह है जो सामान्य को व्यक्त करना जानता है। अपवाद तो असाधारण को पहचानना है।” उसने अपने हाथ में रखे रेखाचित्रों के ढेर का वजन किया, पाया कि वह उनमें से आधे पर काम कर चुका है और उन्हें मेज पर रख दिया।
“अहा, हाँ,” उन्होंने कहा, “आपका काम। बहुत दिलचस्प। लेकिन व्यावहारिक नहीं।” अपरिपक्व। दिशाहीन और अनुशासनहीन। किशोरवय। केवल मौलिकता के लिए मौलिकता। आज के समय की भावना से बिलकुल भी मेल नहीं खाता। अगर आप यह जानना चाहते हैं कि किस तरह की चीज़ की सख्त ज़रूरत है—तो यहाँ देखें—मैं आपको दिखाता हूँ।” उसने डेस्क की दराज़ से एक रेखाचित्र निकाला।
“ये एक नौजवान है जो मेरे पास बिना किसी सिफारिश के आया था, एक नौसिखिया जिसने पहले कभी काम नहीं किया था। जब आप इस तरह का काम कर सकते हैं, तो आपको नौकरी ढूंढने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। मैंने उसका ये एक स्केच देखा और उसे तुरंत काम पर रख लिया, और उसे पच्चीस पाउंड प्रति सप्ताह की तनख्वाह भी दे दी। इसमें कोई शक नहीं कि वह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति बनने की क्षमता रखता है।” उसने स्केच को रोर्क को दिखाया। स्केच में एक घर अनाज के गोदाम के आकार का था जो पार्थनन की सरल, दुबली-पतली छाया के साथ अविश्वसनीय रूप से समाया हुआ था।
“यही तो मौलिकता है, शाश्वत में नवीनता। कुछ ऐसा ही करने का प्रयास करो। मैं तुम्हारे भविष्य के बारे में बहुत कुछ नहीं कह सकता। हमें स्पष्ट होना चाहिए, मैं अपने अधिकार के आधार पर तुम्हें भ्रम में नहीं डालना चाहता। तुम्हें बहुत कुछ सीखना है। मैं यह अनुमान नहीं लगा सकता कि तुममें कौन सी प्रतिभा होगी या तुम भविष्य में क्या विकसित करोगे। लेकिन कड़ी मेहनत से शायद... वास्तुकला एक कठिन पेशा है, और प्रतिस्पर्धा बहुत कड़ी है, तुम्हें पता है, बहुत कड़ी... और अब, अगर आप मुझे अनुमति दें, तो मेरी सचिव के पास मेरे लिए एक अपॉइंटमेंट है...”
अक्टूबर की एक शाम रोर्क घर लौट रहा था। यह उसके बीते कई दिनों में से एक था, जो महीनों तक खिंचता चला आ रहा था। उसे याद नहीं था कि उस दिन क्या-क्या हुआ था, वह किससे मिला था, और अस्वीकृति के शब्द किस रूप में सामने आए थे। जब वह दफ्तर में था, तो उसने अपना सारा ध्यान उस पल पर केंद्रित कर लिया था; सब कुछ भूलकर, दफ्तर से निकलते ही वह इन पलों को भूल गया; काम हो चुका था, हो गया था, अब उसे इससे कोई लेना-देना नहीं था। घर जाते समय वह फिर से आज़ाद था।
उसके सामने एक लंबी सड़क फैली हुई थी, जिसके ऊंचे किनारे आगे आकर एक-दूसरे के करीब आ रहे थे, इतने संकरे कि उसे ऐसा लग रहा था मानो वह अपनी बाहें फैलाकर मीनारों को पकड़कर अलग कर सकता है। वह तेज़ी से चलने लगा, फुटपाथ उसके कदमों को आगे बढ़ाने के लिए स्प्रिंगबोर्ड का काम कर रहा था।
उसने ज़मीन से सैकड़ों फीट ऊपर कहीं लटकता हुआ कंक्रीट का एक रोशन त्रिकोण देखा। वह नीचे उसे सहारा देने वाली किसी चीज़ को नहीं देख पा रहा था; वह यह सोचने के लिए स्वतंत्र था कि वह वहाँ क्या देखना चाहता है, वह क्या दिखाना चाहता है। फिर अचानक उसके मन में ख्याल आया कि अब, इस पल, शहर के अनुसार, उसके भीतर की उस कठोर निश्चितता को छोड़कर, हर किसी के अनुसार, वह फिर कभी

निर्माण नहीं करेगा, कभी नहीं—शुरू करने से पहले हाँ। उसने कंधे उचका दिए। अजनबियों के उन दफ्तरों में उसके साथ जो कुछ हो रहा था, वह एक तरह की ऊप-वास्तविकता मात्र थी, एक ऐसी ठोस चीज़ के रास्ते में आने वाली सारहीन घटनाएँ थीं, जहाँ तक वे पहुँच नहीं सकते थे या जिसे छू नहीं सकते थे।
वह ईस्ट रिवर की ओर जाने वाली गलियों में मुड़ गया। दूर आगे एक अकेली ट्रैफिक लाइट लटकी हुई थी, घोर अंधेरे में लाल रंग का एक धब्बा। पुराने मकान आसमान के भार से झुके हुए, ज़मीन से सटे हुए थे। सड़क खाली और सुनसान थी, उसके कदमों की गूंज सुनाई दे रही थी। वह चलता रहा, कॉलर ऊपर उठाए, हाथ जेब में डाले। उसकी परछाईं ऊपर उठी।
जब वह एक लाल बत्ती पार कर रहा था, तो उसके पैरों के नीचे से एक लंबी काली चाप में एक दीवार को छूते हुए निकल गया, जैसे किसी विंडशील्ड वाइपर की सफाई।
नौवीं
जॉन एरिक स्नाइट ने रोर्क के रेखाचित्रों को देखा, उनमें से तीन को एक तरफ रख दिया, बाकी को एक समान ढेर में इकट्ठा किया, फिर से उन तीनों पर एक नजर डाली, उन्हें एक-एक करके ढेर के ऊपर तीन तेज धमाकों के साथ फेंक दिया और कहा:
“अद्भुत। क्रांतिकारी, लेकिन अद्भुत। आज रात आप क्या कर रहे हैं?”
“क्यों?” रोर्क ने अचंभित होकर पूछा।
“क्या आप खाली हैं? क्या आप तुरंत काम शुरू कर सकते हैं? अपना कोट उतारिए, ड्राफ्टिंग रूम में जाइए, किसी से औजार उधार लीजिए और जिस डिपार्टमेंट स्टोर का हम नवीनीकरण कर रहे हैं, उसका एक स्केच बना दीजिए। बस एक छोटा सा स्केच, बस एक मोटा-मोटा आइडिया, लेकिन मुझे यह कल तक चाहिए। क्या आप आज रात देर तक रुक सकते हैं? हीटर चल रहा है और मैं जो से आपके लिए रात का खाना भिजवा दूंगा।”
क्या आपको ब्लैक कॉफी चाहिए या स्कॉच या कुछ और? बस जो को बता दीजिए। क्या आप रुक सकते हैं?
“हां,” रोर्क ने अविश्वास से कहा। “मैं पूरी रात काम कर सकता हूं।”
“बहुत बढ़िया! शानदार! मुझे हमेशा से यही चाहिए था—कैमरन का आदमी। मेरे पास तो हर तरह के आदमी हैं। ओह, हां, फ्रैंकन में आपको कितना वेतन मिलता था?”
"पैंसठ।"
“ठीक है, मैं गाय द एपिक्योर की तरह फिजूलखर्ची नहीं कर सकता। पचास से ज्यादा नहीं। ठीक है? ठीक है।”
अंदर आ जाओ। मैं बिलिंग्स से कहूँगा कि वो तुम्हें दुकान के बारे में समझा दे। मुझे कुछ आधुनिक चाहिए। समझे? आधुनिक, हिंसक, पागलपन भरा, जो किसी की आँखें फोड़ दे। खुद को मत रोको। हद पार कर दो। जो भी करतब सोच सको, कर लो, जितना अजीब हो उतना अच्छा। चलो!
जॉन एरिक स्नाइट झट से खड़े हुए, एक विशाल ड्राफ्टिंग रूम का दरवाजा खोला, अंदर घुस गए, एक मेज से टकराए, रुके और एक मोटे, गोल-मटोल चेहरे वाले आदमी से बोले: “बिलिंग्स—रोर्क। वही हमारे आधुनिकतावादी हैं। उन्हें बेंटन स्टोर दे दीजिए। उन्हें कुछ वाद्य यंत्र दिलवाइए।”
उसे अपनी चाबियां दे दो और उसे दिखा दो कि आज रात क्या-क्या ताला लगाना है। उसे आज सुबह से ही काम पर लगा दो। पचास। डॉल्सन ब्रदर्स के साथ मेरी अपॉइंटमेंट कितने बजे थी? मुझे पहले ही देर हो चुकी है। अलविदा, मैं आज रात वापस नहीं आ पाऊंगा।
वह फिसलते हुए बाहर निकला और दरवाजा जोर से बंद कर दिया। बिलिंग्स ने कोई हैरानी नहीं दिखाई।

उसने रोर्क को ऐसे देखा मानो रोर्क हमेशा से वहाँ रहा हो। उसने भावहीनता से, थकी हुई धीमी आवाज़ में बात की। बीस मिनट के भीतर, वह रोर्क को वहीं छोड़कर चला गया।

कागज, पेंसिल, उपकरण, डिपार्टमेंट स्टोर की योजनाओं और तस्वीरों का एक सेट, चार्ट का एक सेट और निर्देशों की एक लंबी सूची के साथ एक ड्राफ्टिंग टेबल।

रोर्क ने अपने सामने पड़े साफ़ सफ़ेद कागज़ को देखा, उसकी मुट्ठी पेंसिल की पतली डंडी पर कसकर बंद थी। उसने पेंसिल नीचे रखी, फिर उठाई, उसका अंगूठा धीरे-धीरे पेंसिल की चिकनी डंडी पर ऊपर-नीचे चल रहा था; उसने देखा कि पेंसिल काँप रही थी। उसने जल्दी से पेंसिल नीचे रख दी, और उसे खुद पर गुस्सा आया कि उसने इस काम को अपने लिए इतना अहम बना लिया था, और उसे अचानक एहसास हुआ कि बीते महीनों की निष्क्रियता का असली मतलब क्या था। उसकी उंगलियाँ कागज़ पर इस तरह दबी हुई थीं मानो कागज़ उन्हें थामे हुए हो, जैसे बिजली से चार्ज की गई सतह किसी इंसान के शरीर को थामे रखती है, उसे थामे रखती है और दर्द देती है। उसने अपनी उंगलियाँ कागज़ से हटाईं। फिर वह काम पर लग गया...

जॉन एरिक स्नाइट पचास वर्ष के थे; उनके चेहरे पर एक अजीब सी शरारती, चंचल और अटपटी मुस्कान थी, मानो वे अपने सामने बैठे हर व्यक्ति के साथ कोई ऐसा घिनौना राज़ साझा कर रहे हों जिसे वे ज़ाहिर न होने के कारण बताना नहीं चाहते थे। वे एक प्रख्यात वास्तुकार थे; इस तथ्य का ज़िक्र करते समय उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं बदला। वे गाइ फ्रैंकन को एक अव्यावहारिक आदर्शवादी मानते थे; वे किसी शास्त्रीय सिद्धांत से बंधे नहीं थे; वे कहीं अधिक कुशल और उदार थे; वे हर तरह की इमारतें बनाते थे। उन्हें आधुनिक वास्तुकला से कोई अरुचि नहीं थी और जब कभी कोई ग्राहक उनसे ऐसी इमारत बनाने को कहता, तो वे खुशी-खुशी सपाट छतों वाले सादे भवन बना देते थे, जिन्हें वे प्रगतिशील कहते थे; वे रोमन शैली के महल बनाते थे जिन्हें वे दिखावटी कहते थे; वे गोथिक शैली के गिरजाघर बनाते थे जिन्हें वे आध्यात्मिक कहते थे। उन्हें उनमें कोई अंतर नहीं दिखता था। वे कभी क्रोधित नहीं होते थे, सिवाय तब जब कोई उन्हें संकलक कह देता था।

उनकी अपनी एक प्रणाली थी। उन्होंने विभिन्न प्रकार के पाँच डिज़ाइनरों को काम पर रखा और प्रत्येक प्रोजेक्ट के लिए उनके बीच एक प्रतियोगिता आयोजित की। उन्होंने विजेता डिज़ाइन का चयन किया और उसमें अन्य चार डिज़ाइनों के कुछ अंश जोड़कर सुधार किया। उन्होंने कहा, "एक दिमाग से छह दिमाग बेहतर होते हैं।"

जब रोर्क ने बेंटन डिपार्टमेंट स्टोर का अंतिम नक्शा देखा, तो वह समझ गया कि स्नाइट ने उसे काम पर रखने से क्यों नहीं हिचकिचाया था। उसने अपने खुद के स्पेस प्लेन, अपनी खिड़कियाँ, अपनी आवागमन प्रणाली को पहचाना; उसने उसमें कोरिंथियन कैपिटल, गोथिक वॉल्टिंग, कॉलोनियल झूमर और अविश्वसनीय मोल्डिंग देखीं, जो कुछ हद तक मूरिश शैली की थीं।

यह चित्र जेलरंग से अत्यंत सूक्ष्मतापूर्वक बनाया गया था, जिसे गत्ते पर चिपकाया गया था और टिशू पेपर के एक पतले पर्दे से ढका गया था। ड्राइंग रूम में मौजूद लोगों को इसे सुरक्षित दूरी से ही देखने की अनुमति थी; सभी को हाथ धोने पड़ते थे और सभी सिगरेट फेंकनी पड़ती थीं। जॉन एरिक स्नाइट ग्राहकों को प्रस्तुत किए जाने वाले चित्रों की उचित दिखावट को बहुत महत्व देते थे और उन्होंने वास्तुकला के एक युवा चीनी छात्र को केवल इन्हीं उत्कृष्ट कृतियों को तैयार करने के लिए नियुक्त किया था।

रोर्क को अपने काम से क्या उम्मीद करनी है, यह पता था। वह अपने काम को कभी बनते हुए नहीं देख पाएगा, केवल उसके कुछ हिस्से ही देख पाएगा, जिन्हें वह देखना पसंद नहीं करता था; लेकिन उसे अपनी इच्छानुसार डिज़ाइन करने की स्वतंत्रता होगी और उसे वास्तविक समस्याओं को हल करने का अनुभव मिलेगा। यह उसकी उम्मीद से कम और उसकी अपेक्षा से अधिक था। उसने इसे स्वीकार कर लिया। वह अपने

साथी डिज़ाइनरों, अन्य चार प्रांतीय गियों से मिला और उसे पता चला कि ड्राफ्टिंग रूम में उन्हें अनौपचारिक रूप से "क्लासिक" उपनाम दिया गया था।
“गॉथिक,” “पुनर्जागरण” और “विविध।” जब उन्हें “अरे, आधुनिकतावादी” कहकर संबोधित किया गया तो वे थोड़ा असहज हो गए।
भवन निर्माण संघों की हड़ताल ने गाइ फ्रैंकन को बेहद क्रोधित कर दिया। नोयेस-बेलमोंट होटल का निर्माण कर रहे ठेकेदारों के खिलाफ हड़ताल शुरू हुई थी और यह शहर की सभी नई इमारतों तक फैल गई थी। प्रेस में यह उल्लेख किया गया था कि नोयेस-बेलमोंट के वास्तुकार फ्रैंकन एंड हेयर फर्म थे।
अधिकांश प्रेस ने इस संघर्ष में सहयोग दिया और ठेकेदारों से हार न मानने का आग्रह किया। हड़तालियों के खिलाफ सबसे मुखर हमले वायनांड श्रृंखला के शक्तिशाली समाचार पत्रों द्वारा किए गए।
“हम हमेशा विशेषाधिकार के लालची लालच के खिलाफ आम आदमी के अधिकारों के लिए खड़े रहे हैं, लेकिन हम कानून-व्यवस्था के विनाश का समर्थन नहीं कर सकते।” यह कभी पता नहीं चल पाया कि वायनांड के अखबार जनता का मार्गदर्शन करते थे या जनता वायनांड के अखबारों का; केवल इतना ही पता था कि दोनों आश्चर्यजनक रूप से एक-दूसरे के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते थे। हालांकि, गाय फ्रैंकन और कुछ ही लोगों को छोड़कर किसी को भी यह पता नहीं था कि गेल वायनांड उस निगम की मालिक थीं, जो उस निगम की मालिक थी, जो नोयेस-बेलमोंट होटल की मालिक थी।
इससे फ्रैंकन की बेचैनी और भी बढ़ गई। ऐसी अफ़वाह थी कि गेल वायनांड का रियल एस्टेट कारोबार उनके पत्रकारिता कारोबार से कहीं अधिक विशाल था।
साम्राज्य। यह पहला मौका था जब फ्रैंकन को वायनांड से कोई प्रोजेक्ट मिला था और उन्होंने इसे बड़ी उत्सुकता से लपक लिया, यह सोचकर कि इससे कितनी संभावनाएं खुल सकती हैं। उन्होंने और कीटिंग ने भविष्य के उन संरक्षकों के लिए रोकोको शैली के सबसे भव्य महल को डिजाइन करने में अपना पूरा प्रयास किया था जो प्रति कमरा पच्चीस डॉलर प्रति दिन का भुगतान कर सकते थे और जिन्हें प्लास्टर के फूल, संगमरमर के कामदेव और कांसे की जाली से बने खुले लिफ्टनुमा पिंजरे पसंद थे।
हड़ताल ने भविष्य की संभावनाओं को चकनाचूर कर दिया था; इसके लिए फ्रैंकन को दोषी नहीं ठहराया जा सकता था, लेकिन यह कहना मुश्किल था कि गेल वायनांड किसे और किस कारण से दोषी ठहराएगी। वायनाड के अप्रत्याशित और अनपेक्षित रुख़ जगजाहिर थे, और यह सर्वविदित था कि उनके द्वारा एक बार नियुक्त किए गए कुछ ही वास्तुकार दोबारा उनके द्वारा नियुक्त किए जाते थे।
फ्रैंकन का उदास मिजाज उसे उस अभूतपूर्व स्थिति तक ले गया जहाँ उसने बिना किसी खास वजह के उस व्यक्ति पर अपना गुस्सा निकाला जो हमेशा से इससे अछूता रहा था —पीटर कीटिंग। कीटिंग ने कंधे उचकाए और चुपचाप तिरस्कार दिखाते हुए उसकी ओर पीठ फेर ली। फिर कीटिंग गलियारों में इधर-उधर भटकने लगा और बिना किसी कारण के युवा ड्राफ्ट्समैनों पर गुर्राने लगा। एक दरवाज़े पर उसकी टक्कर लुसियस एन. हेयर से हुई और वह गुस्से से बोला: "देख कर कहाँ जा रहे हो!" हेयर उसे हैरानी से देखता रहा, पलकें झपकाता रहा।
दफ्तर में करने को कुछ खास नहीं था, कहने को कुछ नहीं था और सबसे बचना ही एकमात्र लक्ष्य था। कीटिंग जल्दी निकल गया और दिसंबर की ठंडी शाम में पैदल ही घर चला गया।
घर आकर, उसने गरम रेडिएटरों से आती पेंट की तेज़ गंध पर ज़ोर-ज़ोर से गुस्सा निकाला। जब उसकी माँ ने खिड़की खोली, तो उसे ठंड लगने लगी। उसे अपनी बेचैनी का कोई कारण समझ नहीं आ रहा था, सिवाय अचानक आई शांति के, जिसने उसे अकेला छोड़ दिया था। वह अकेले रहना बर्दाश्त नहीं कर पा रहा था।

उसने झटपट फ़ोन का रिसीवर उठाया और कैथरीन हेल्सी को फ़ोन किया। उसको साफ़ आवाज़ उसके गर्म माथे पर किसी के कोमल स्पर्श जैसी लगी। उसने कहा:
“ओह, कुछ ज़रूरी नहीं, प्रिय, बस सोच रहा था कि क्या तुम आज रात घर पर होगी। मैंने सोचा कि खाने के बाद आ जाऊँगा।” “ज़रूर, पीटर। मैं घर पर ही रहूँगी।”
“बढ़िया। लगभग साढ़े आठ बजे?” “हाँ... ओह, पीटर, क्या तुमने अंकल एल्सवर्थ के बारे में सुना है?”
“हाँ, भगवान कसम, मैंने तुम्हारे अंकल एल्सवर्थ के बारे में सुना है! ... मुझे माफ़ करना, केटी... मुझे माफ़ कर दो, प्यारी, मेरा मतलब असभ्य होना नहीं था, लेकिन मैं पूरे दिन तुम्हारे अंकल के बारे में ही सुन रही थी। मुझे पता है, यह बहुत बढ़िया है।”
और ये सब, बस देखो, आज रात हम उसके बारे में फिर बात नहीं करेंगे!” “नहीं, बिलकुल नहीं। मुझे माफ़ करना। मैं समझती हूँ। मैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगी।”
“अलविदा, केटी।”
उन्होंने एल्सवर्थ टूही के बारे में ताज़ा खबर सुनी थी, लेकिन वे इसके बारे में सोचना नहीं चाहते थे क्योंकि इससे उन्हें हड़ताल का परेशान करने वाला विषय याद आ जाता था। छह महीने पहले, 'सर्मन्स इन स्टोन' की सफलता के बाद, एल्सवर्थ टूही को लिखने के लिए अनुबंधित किया गया था।
“वन स्मॉल वॉइस”, वायनांड अखबारों के लिए एक दैनिक सिंडिकेटेड कॉलम था। यह बैनर में प्रकाशित होता था और कला आलोचना विभाग के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे एक अनौपचारिक मंच बन गया जहाँ से एल्सवर्थ एम. टूही कला, साहित्य, न्यूयॉर्क के रेस्तरां, अंतरराष्ट्रीय संकटों और समाजशास्त्र—मुख्य रूप से समाजशास्त्र—पर अपने विचार व्यक्त करते थे। यह बहुत सफल रहा था। लेकिन निर्माण हड़ताल ने एल्सवर्थ एम. टूही को मुश्किल स्थिति में डाल दिया था। उन्होंने हड़तालियों के प्रति अपनी सहानुभूति को कभी नहीं छिपाया, लेकिन उन्होंने अपने कॉलम में इस बारे में कुछ नहीं लिखा था, क्योंकि गेल वायनांड के स्वामित्व वाले अखबारों में गेल वायनांड के अलावा कोई भी अपनी मर्जी से कुछ नहीं कह सकता था। हालांकि, आज शाम हड़ताल समर्थकों की एक जनसभा बुलाई गई थी। कई प्रसिद्ध व्यक्ति बोलने वाले थे, जिनमें एल्सवर्थ टूही भी शामिल थे। कम से कम, टूही का नाम घोषित किया जा चुका था।
इस घटना ने काफी उत्सुकता भरी अटकलों को जन्म दिया और इस बात पर शर्त लगाई गई कि क्या टूही आने की हिम्मत करेगा। "वह आएगा,"
कीटिंग ने एक ड्राफ्टिसमैन को ज़ोर देकर कहते सुना था, “वह खुद को कुर्बान कर देगा। वह ऐसा ही है। छपाई की दुनिया में वही इकलौता ईमानदार आदमी है।” दूसरे ने कहा, “वह ऐसा नहीं करेगा। क्या तुम्हें पता है कि वायनांड के साथ ऐसा करतूत करने का क्या मतलब होता है? एक बार वायनांड किसी के पीछे पड़ जाए, तो वह उसे पूरी तरह से बर्बाद कर देता है। कोई नहीं जानता कि वह कब और कैसे करेगा, लेकिन वह करेगा, और कोई भी उसके खिलाफ कुछ साबित नहीं कर पाएगा, और एक बार वायनांड तुम्हारे पीछे पड़ जाए, तो तुम्हारा काम तमाम।” कीटिंग को इस मामले से कोई लेना-देना नहीं था, और यह सारा मामला उसे परेशान कर रहा था।
उस शाम उन्होंने अपना खाना खामोशी से खाया और जब श्रीमती...
कीटिंग ने बातचीत को अपनी जानी-पहचानी दिशा में मोड़ने के लिए "ओह, वैसे..." से शुरुआत की, और फिर झल्लाकर बोला: "तुम कैथरीन के बारे में बात नहीं करोगी। चुप रहो।" श्रीमती कीटिंग ने आगे कुछ नहीं कहा और उनकी थाली में और खाना ठूँसने में जुट गईं।
वह टैक्सी लेकर ग्रीनविच विलेज गया। वह जल्दी से सीढ़ियाँ चढ़ गया। उसने घंटी बजाई। वह इंतज़ार करता रहा। कोई जवाब नहीं आया। वह दीवार से टेक लगाकर काफी देर तक घंटी बजाता रहा। कैथरीन को पता था कि वह आ रहा है, तो वह बाहर

नहीं होगा; हो ही नहीं सकता। वह अविश्वास से सीढ़ियों से नीचे उतरकर सड़क पर आया और उसके अपार्टमेंट की खिड़कियों की तरफ देखा। खिड़कियाँ अंधेरी थीं। वह खड़ा रहा और खिड़कियों की ओर ऐसे देखने लगा मानो उसे कोई भयानक विश्वासघात हुआ हो।
फिर उसे अकेलेपन का एक अजीब सा एहसास हुआ, मानो वह किसी बड़े शहर में बेघर हो गया हो; कुछ पल के लिए वह अपना पता या उसका अस्तित्व ही भूल गया। फिर उसे उस सभा का ख्याल आया, उस विशाल जनसभा का जहाँ आज रात उसके चाचा सार्वजनिक रूप से स्वयं को शहीद करने वाले थे।
उसने सोचा, वह मूर्ख लड़की वहीं गई होगी! उसने जोर से कहा, "भाड़ में जाए वो!"... और वह तेजी से सभा भवन की ओर चल पड़ा।
हॉल के प्रवेश द्वार के चौकोर फ्रेम के ऊपर एक नंगा बल्ब लगा था, एक छोटा सा, नीले-सफेद रंग का पिंड जो अशुभ रूप से चमक रहा था, बहुत ठंडा और बहुत तेज। यह अंधेरी गली से निकलकर ऊपर किसी चबूतरे से गिरती बारिश की एक पतली बूंद को रोशन कर रहा था, कांच की एक चमकती सुई की तरह, इतनी पतली और चिकनी कि कीटिंग को अचानक उन कहानियों की याद आ गई जिनमें लोगों को बर्फ के टुकड़े से छेद कर मार दिया गया था। प्रवेश द्वार के आसपास बारिश में कुछ जिज्ञासु आवारा लोग और कुछ पुलिसकर्मी उदासीनता से खड़े थे। दरवाजा खुला था। धुंधली लॉबी उन लोगों से भरी हुई थी जो खचाखच भरे हॉल में प्रवेश नहीं कर पाए थे; वे उस अवसर के लिए वहां लगाए गए लाउडस्पीकर पर सुन रहे थे। दरवाजे पर तीन धुंधली परछाइयाँ राहगीरों को पर्चे बाँट रही थीं। उनमें से एक तपेदिक से पीड़ित, बिना दाढ़ी वाला एक लंबा, बिना बालों वाला गर्दन वाला युवक था; दूसरा एक चुस्त-दुरुस्त युवक था जिसने एक महंगे कोट पर फर का कॉलर पहना हुआ था; तीसरी कैथरीन हेल्सी थी।
वह बारिश में खड़ी थी, थकी हुई, उसका पैर बाहर निकला हुआ था, नाक चमक रही थी और आँखें उत्साह से दमक रही थीं। कीटिंग रुक गया और उसे घूरने लगा।
उसका हाथ यंत्रवत रूप से एक पर्चे के साथ उसकी ओर बढ़ा, फिर उसने अपनी आँखें ऊपर उठाईं और उसे देखा। उसने बिना किसी आश्चर्य के मुस्कुराया और खुशी से कहा:
“वाह, पीटर! आपका यहाँ आना कितना अच्छा लगा!”
“केटी...” उसकी आवाज थोड़ी लड़खड़ा गई। “केटी, ये सब क्या हो रहा है...”
“पर मुझे करना ही पड़ा, पीटर।” उसकी आवाज़ में माफी का कोई भाव नहीं था। “तुम नहीं समझते, पर मैं...”
बारिश से बाहर निकलो। अंदर जाओ।
लेकिन मैं नहीं कर सकता! मुझे करना ही होगा...
"कम से कम बारिश से तो बचो, बेवकूफ!" उसने उसे धक्का देकर दरवाजे से बाहर लॉबी के एक कोने में धकेल दिया।
“पीटर प्यारे, तुम नाराज़ तो नहीं हो? देखो, बात ये थी: मुझे लगा नहीं था कि अंकल मुझे आज रात यहाँ आने देंगे, लेकिन आखिरी समय में उन्होंने कहा कि अगर मैं चाहूँ तो आ सकती हूँ और पर्चे बाँटने में मदद कर सकती हूँ। मुझे पता था कि तुम समझ जाओगे, और मैंने तुम्हारे लिए बैठक की मेज पर एक नोट छोड़ दिया था, जिसमें मैंने सब कुछ समझा दिया था, और...”
“तुमने मेरे लिए एक नोट छोड़ा था? अंदर?”
“हाँ... ओह... ओह, हे भगवान, मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था, तुम अंदर नहीं आ सकते थे, कितनी बेवकूफी की बात है, लेकिन मैं बहुत जल्दी में थी! नहीं, तुम गुस्सा नहीं होगे, हो ही नहीं सकते! क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा कि यह उसके लिए कितना मायने रखता है?”

क्या आपको नहीं पता कि यहाँ आकर वह क्या त्याग कर रहा है? और मुझे पता था कि वह करेगा। मैंने उन लोगों से कहा था जिन्होंने कहा था कि ऐसा हो ही नहीं सकता, यह उसका अंत होगा—और शायद हो भी जाए, लेकिन उसे परवाह नहीं है। वह ऐसा ही है। मैं डरी हुई भी हूँ और बेहद खुश भी, क्योंकि उसने जो किया है—
इससे मुझे सभी मनुष्यों पर विश्वास होता है। लेकिन मैं डरा हुआ भी हूँ, क्योंकि देखो, वायनांड ऐसा करेगा...
"शांत रहो! मुझे सब पता है। मैं तंग आ चुका हूँ। मुझे तुम्हारे चाचा, वायनांड या उस हड़ताल के बारे में कुछ नहीं सुनना। चलो यहाँ से चलते हैं।"
“अरे नहीं, पीटर! हम ऐसा नहीं कर सकते! मैं उसे सुनना चाहता हूँ और...”
"वहाँ चुप रहो!" भीड़ में से किसी ने फुसफुसाते हुए उन पर चिल्लाया।
“हम सब कुछ खो रहे हैं,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “ये ऑस्टेन हेलर बोल रही हैं। क्या आप ऑस्टेन हेलर को सुनना नहीं चाहते?”
कीटिंग ने एक खास आदर भाव से लाउडस्पीकर की ओर देखा, जो वह सभी प्रसिद्ध हस्तियों के लिए महसूस करता था। उसने ऑस्टेन हेलर को ज़्यादा नहीं पढ़ा था, लेकिन वह जानता था कि हेलर क्रॉनिकल के प्रमुख स्तंभकार थे, जो एक शानदार, स्वतंत्र समाचार पत्र था और वायनांड प्रकाशनों का कट्टर दुश्मन था; हेलर एक पुराने, प्रतिष्ठित परिवार से थे और ऑक्सफ़ोर्ड से स्नातक थे; उन्होंने एक साहित्यिक आलोचक के रूप में शुरुआत की थी और अंत में एक ऐसे शांत शैतान बन गए जो स्वर्ग या पृथ्वी पर, निजी या सार्वजनिक, हर प्रकार के दबाव को नष्ट करने के लिए समर्पित थे; उन्हें उपदेशकों, बैंकरों, क्लब की महिलाओं और श्रमिक संगठनों द्वारा शाप दिया गया था; और उनके शिष्टाचार दूसरों से कहीं बेहतर थे।
वह सामाजिक अभिजात वर्ग, जिसका वह आमतौर पर उपहास करता था, और उन मजदूरों की तुलना में अधिक मजबूत शरीर, जिनका वह आमतौर पर बचाव करता था; कि वह ब्रॉडवे के नवीनतम नाटक, मध्यकालीन कविता या अंतरराष्ट्रीय वित्त पर चर्चा कर सकता था; कि उसने कभी दान नहीं दिया, बल्कि अपनी सामर्थ्य से कहीं अधिक पैसा राजनीतिक कैदियों का बचाव करने में खर्च किया।
लाउडस्पीकर से आने वाली आवाज शुष्क, सटीक थी, जिसमें ब्रिटिश लहजे की हल्की सी झुलक थी।
“...और हमें यह विचार करना चाहिए,” ऑस्टेन हेलर भावहीन भाव से कह रही थीं, “कि चूंकि—दुर्भाग्यवश—हमें साथ रहना ही है, इसलिए हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह याद रखना है कि किसी भी प्रकार का कानून तभी संभव है जब वह कम से कम हो। मुझे राज्य की संपूर्ण अनैतिक अवधारणा को मापने का कोई नैतिक मापदंड नहीं दिखता, सिवाय उस समय, विचार, धन, प्रयास और आज्ञापालन की मात्रा के, जो एक समाज अपने प्रत्येक सदस्य से जबरन वसूलता है। इसका मूल्य और इसकी सभ्यता उस जबरन वसूली के विपरीत अनुपात में है। ऐसा कोई कानून संभव नहीं है जिसके द्वारा किसी व्यक्ति को उन शर्तों के अलावा किसी अन्य शर्त पर काम करने के लिए बाध्य किया जा सके जो वह स्वयं निर्धारित करता है।”
उन्हें ये प्रस्ताव रखने से रोकने वाला कोई कानून नहीं है—ठीक वैसे ही जैसे उनके नियोक्ता को इन्हें स्वीकार करने के लिए बाध्य करने वाला कोई कानून नहीं है। सहमत या असहमत होने की स्वतंत्रता हमारे समाज की बुनियाद है—और हड़ताल करने की स्वतंत्रता भी इसका एक हिस्सा है। मैं यह बात हेलेस किचन के पेटोनियस को याद दिलाने के लिए कह रहा हूँ, जो एक बड़ा बदमाश है और आजकल बड़े शोर-शराबे से हमें बता रहा है कि यह हड़ताल कानून-व्यवस्था का विनाश है।
लाउडस्पीकर से अनुमोदन की एक तीखी, कर्कश ध्वनि निकली और तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी। लॉबी में मौजूद लोगों में हैरानी की लहर दौड़ गई। कैथरीन ने कीटिंग का हाथ पकड़ लिया। "ओह, पीटर!" उसने फुसफुसाते हुए कहा।

“उसका मतलब वायनांड से है! वायनांड का जन्म हेल्स किचन में हुआ था। वह यह बात कह सकता है, लेकिन वायनांड इसका बदला अंकल एल्सवर्थ से लेगा!”
हेलर के भाषण का शेष भाग कीटिंग नहीं सुन सका, क्योंकि उसके सिर में इतना तेज दर्द हो रहा था कि आवाज़ उसकी आंखों को चुभ रही थी और उसे अपनी पलकें कसकर बंद रखनी पड़ीं। वह दीवार से टिक गया।
जब उसे अपने चारों ओर अजीब सन्नाटा महसूस हुआ, तो उसने झटके से अपनी आँखें खोलीं। उसे हेलर के भाषण के खत्म होने का पता ही नहीं चला था। उसने लॉबी में लोगों को तनावपूर्ण, गंभीर प्रतीक्षा में खड़े देखा, और लाउडस्पीकर की बेजान, कर्कश आवाज़ ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया।
उसकी अंधेरी सुरंग में एक झलक। तभी सन्नाटे में एक आवाज़ गूंजी, तेज़ और धीमी:
“देवियों और सज्जनों, मुझे आप सभी के समक्ष श्री एल्सवर्थ मोंकटेन टूही को प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है!”
कीटिंग ने सोचा, "बेनेट ने दफ्तर में अपने छह बिट्स जीत लिए हैं।" कुछ पल सन्नाटा छा गया। फिर जो हुआ, वो कीटिंग के सिर पर ज़ोर से लगा; न कोई आवाज़ थी, न कोई चोट, बल्कि कुछ ऐसा था जिसने समय को चीर दिया, उस पल को उससे पहले वाले सामान्य पल से अलग कर दिया। पहले तो उसे सिर्फ़ सदमा लगा; एक पल के लिए होश खो बैठा, इससे पहले कि उसे एहसास होता कि क्या हुआ है और वो तालियाँ थीं।
तालियों की गड़गड़ाहट इतनी ज़ोरदार थी कि उसे लगा जैसे लाउडस्पीकर फट जाएगा; वो लगातार बजती रही, लॉबी की दीवारों पर दबाव डालती रही, और उसे लगा जैसे दीवारें सड़क की ओर झुक रही हों। उसके आस-पास के लोग जयकार लगा रहे थे। कैथरीन होंठ खुले खड़ी थी, और उसे यकीन था कि वो साँस नहीं ले रही है।
काफी देर बाद अचानक सन्नाटा छा गया, जो गर्जना की तरह ही अचानक और चौंकाने वाला था; लाउडस्पीकर एक ऊँची आवाज़ के साथ बंद हो गया।
लॉबी में मौजूद लोग एकदम स्थिर खड़े रहे। फिर एक आवाज़ सुनाई दी।
“मेरे दोस्तों,” उसने सादगी और गंभीरता से कहा। “मेरे भाइयों,” उसने धीरे से, अनायास ही, भावनाओं से भरा हुआ और उन भावनाओं पर क्षमा मांगने वाली मुस्कान के साथ जोड़ा। “मैं इस स्वागत से जितना भावुक होना चाहिए, उससे कहीं अधिक भावुक हूँ। मुझे आशा है कि हम सभी में मौजूद उस घमंडी बच्चे के अंश के लिए मुझे क्षमा करें दिया जाएगा। लेकिन मैं समझता हूँ—और इसी भावना से मैं इसे स्वीकार करता हूँ—यह श्रद्धांजलि मुझे नहीं, बल्कि उस सिद्धांत को दी गई है जिसका प्रतिनिधित्व करने का अवसर मुझे आज रात पूरी विनम्रता के साथ प्राप्त हुआ है।"
यह कोई आवाज नहीं थी, यह एक चमत्कार था। यह मखमली बैनर की तरह खुल गया।
यह अंग्रेजी शब्द बोल रहा था, लेकिन प्रत्येक अक्षर की गूंजती हुई स्पष्टता से ऐसा लग रहा था मानो कोई नई भाषा पहली बार बोली जा रही हो। यह किसी विशालकाय व्यक्ति की आवाज थी।
कीटिंग मुंह खुला रखकर खड़ा रहा। उसे आवाज़ की कोई बात सुनाई नहीं दी। उसने अर्थहीन ध्वनियों की सुंदरता को महसूस किया। उसे अर्थ जानने की कोई आवश्यकता नहीं थी; वह कुछ भी स्वीकार कर सकता था, वह आँख बंद करके कहीं भी ले जाया जा सकता था।
“...और इसलिए, मेरे मित्रों,” आवाज़ कह रही थी, “हमारे इस दुखद संघर्ष से हमें जो सबक सीखना है, वह है एकता का सबक। हम एकजुट होंगे या पराजित होंगे। हमारी इच्छा—वंचितों की इच्छा,
भुला दिए गए, शोषित लोग—हमें एक समान विश्वास और एक समान लक्ष्य के साथ एक मजबूत दीवार में बांध देंगे। यह समय है हर इंसान के लिए अपनी छोटी-मोटी समस्याओं, लाभ, आराम और आत्म-संतुष्टि के विचारों को त्यागने का। यह समय है

अपने आप को एक महान धारा में, उस उठती लहर में विलीन करने का जो हम सभी को, चाहे हम चाहें या न चाहें, भविष्य की ओर ले जाने के लिए आ रही है। मेरे मित्रों, इतिहास प्रश्न नहीं पूछता या सहमति नहीं मांगता। यह अटल है, ठीक वैसे ही जैसे इसे निर्धारित करने वाली जनता की आवाज। आइए, इस पुकार को सुनें। आइए, संगठित हों, मेरे भाइयों। आइए, संगठित हों। आइए, संगठित हों। आइए, संगठित हों।
कीटिंग ने कैथरीन की ओर देखा। वहाँ कैथरीन नहीं थी; लाउडस्पीकर की आवाज़ में घुलता हुआ एक सफ़ेद चेहरा मात्र था। ऐसा नहीं था कि वह अपने चाचा की आवाज़ सुन रही थी; कीटिंग को उससे कोई ईर्ष्या नहीं हो रही थी; काश होती। यह स्नेह नहीं था। यह कुछ ठंडा और निर्जीव था जिसने उसे खाली कर दिया था, उसकी इच्छाशक्ति क्षीण हो गई थी और कोई मानवीय इच्छाशक्ति उसे थामे नहीं थी, बल्कि एक अनाम चीज़ थी जिसमें वह समा रही थी।
“चलो यहाँ से चलते हैं,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। उसकी आवाज़ कठोर थी। वह डरा हुआ था।
वह उसकी ओर मुड़ी, मानो बेहोशी से जाग रही हो। वह जानता था कि वह उसे और उसके इशारों को समझने की कोशिश कर रही है। उसने फुसफुसाते हुए कहा:
“हां। चलो बाहर चलते हैं।”
वे सड़कों पर बारिश में, बिना किसी दिशा के चलते रहे। ठंड थी, लेकिन वे चलते रहे, चलने के लिए, गति को महसूस करने के लिए, अपनी मांसपेशियों की हलचल को जानने के लिए।
अंत में कीटिंग ने जितना हो सके सीधे और स्वाभाविक ढंग से कहा, “हम पूरी तरह भीग रहे हैं।” उनकी चुप्पी ने उसे डरा दिया; इससे साबित हुआ कि वे दोनों एक ही बात जानते थे और वह बात सचमुच सच थी। “चलो कोई ऐसी जगह ढूंढते हैं जहां हम कुछ पी सकें।”
“हाँ,” कैथरीन ने कहा, “चलो चलते हैं। बहुत ठंड है... क्या यह मेरी मूर्खता नहीं है? अब मुझे अंकल का भाषण सुनने की बहुत इच्छा थी और मैं उसे सुनना चाहती थी।”
कोई बात नहीं। उसने इसका ज़िक्र किया था। उसने इसे बड़े सहजता से, उचित खेद के साथ कहा था। वह बात अब खत्म हो चुकी थी। “लेकिन मैं तुम्हारे साथ रहना चाहती थी, पीटर... मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहना चाहती हूँ।” उस बात को आख़िरी झटका लगा, उसके कहे हुए शब्दों के अर्थ में नहीं, बल्कि उस कारण में जिसने उसे ऐसा कहने के लिए प्रेरित किया था। फिर वह बात खत्म हो गई।
वो चली गई, और कीटिंग मुस्कुराया; उसकी उंगलियां उसकी आस्तीन और दस्ताने के बीच उसकी नंगी कलाई को ढूँढ रही थीं, और उसकी त्वचा उसके स्पर्श से गर्म महसूस हो रही थी...
कई दिनों बाद कीटिंग ने वह कहानी सुनी जो पूरे शहर में सुनाई जा रही थी। कहा जा रहा था कि जनसभा के अगले दिन गेल वायनांड ने एल्सवर्थ टूही की तनख्वाह बढ़ा दी थी। टूही बहुत क्रोधित हुए और उन्होंने इसे ठुकराने की कोशिश की। “आप मुझे रिश्वत नहीं दे सकते, श्रीमान...”
“वायनैंड,” उसने कहा था। “मैं तुम्हें रिश्वत नहीं दे रहा हूँ,” वायनैंड ने जवाब दिया था; खुद को इतना बड़ा मत समझो।
हड़ताल समाप्त होने पर, शहर भर में रुका हुआ निर्माण कार्य तेज़ी से आगे बढ़ा, और कीटिंग खुद को दिन-रात काम में व्यस्त पाते थे, क्योंकि उनके कार्यालय में नए-नए कामों की बाढ़ आ गई थी। फ्रैंकन ने सभी को देखकर खुशी से मुस्कुराया और अपने कर्मचारियों के लिए एक छोटी सी पार्टी दी, ताकि उनके द्वारा कही गई किसी भी बात की याद को मिटाया जा सके।
रिवरसाइड ड्राइव पर स्थित श्री और श्रीमती डेल आइन्सवर्थ का आलीशान निवास, जो कीटिंग का एक पसंदीदा प्रोजेक्ट था और जिसे पुनर्जागरण काल के उत्तरार्ध की शैली

और धूसर ग्रेनाइट से बनाया गया था, आखिरकार बनकर तैयार हो गया। श्री और श्रीमती डेल आइन्सवर्थ ने गृहप्रवेश के उपलक्ष्य में एक औपचारिक स्वागत समारोह आयोजित किया, जिसमें गाय फ्रैंकन और पीटर कीटिंग को आमंत्रित किया गया था, लेकिन लुसियस एन. हेयर को जानबूझकर अनदेखा कर दिया गया, जैसा कि हाल के दिनों में उनके साथ अक्सर होता था। फ्रैंकन ने स्वागत समारोह का आनंद लिया, क्योंकि घर में ग्रेनाइट का हर एक वर्ग फुट उन्हें कनेक्टिकट की एक ग्रेनाइट खदान से प्राप्त भारी भरकम भुगतान की याद दिलाता था। कीटिंग ने भी स्वागत समारोह का आनंद लिया, क्योंकि गरिमामयी श्रीमती आइन्सवर्थ ने उनसे एक मोहक मुस्कान के साथ कहा: "लेकिन मुझे यकीन था कि आप श्री फ्रैंकन के साझेदार हैं! यह तो फ्रैंकन और हेयर हैं, बिल्कुल! मुझसे कितनी बड़ी लापरवाही हुई! मैं बस इतना ही कह सकती हूँ कि अगर आप उनके साझेदार नहीं हैं, तो भी कोई भी कहेगा कि आप साझेदार बनने के हकदार थे!" कार्यालय में काम सुचारू रूप से चलता रहा, उन कुछ दिनों में से एक जब सब कुछ ठीक चल रहा था।
इसलिए, ऐन्सवर्थ के स्वागत समारोह के कुछ ही समय बाद, एक सुबह कीटिंग यह देखकर आश्चर्यचकित रह गए कि फ्रैंकन घबराहट और चिड़चिड़ाहट भरे चेहरे के साथ कार्यालय पहुंचे। "अरे, कुछ नहीं," उन्होंने अधीरता से कीटिंग की ओर हाथ हिलाते हुए कहा, "बिल्कुल कुछ नहीं।" ड्राफ्टिंग रूम में कीटिंग ने तीन ड्राफ्ट्समैन को देखा, जिनके सिर एक-दूसरे के करीब थे, वे न्यूयॉर्क बैनर के एक भाग पर झुके हुए थे और एक अपराधबोध से भरी उत्सुकता से पढ़ रहे थे; उन्होंने उनमें से एक की अप्रिय हंसी सुनी। जब
जैसे ही उन्होंने उसे देखा, कागज़ तुरंत गायब हो गया। उनके पास इस बारे में पूछताछ करने का समय नहीं था; उनके कार्यालय में ठेकेदार का एक प्रतिनिधि उनका इंतज़ार कर रहा था, साथ ही अनुमोदन के लिए पत्रों और रेखाचित्रों का एक ढेर भी था।
तीन घंटे बाद व्यस्तता के चलते वह घटना को भूल गया था। वह हल्का, तरोताज़ा और अपनी ऊर्जा से भरपूर महसूस कर रहा था। जब उसे अपनी लाइब्रेरी से एक नए चित्र के बारे में जानकारी लेनी पड़ी, जिसकी तुलना वह उसके सबसे अच्छे मूल चित्रों से करना चाहता था, तो वह सीटी बजाते हुए और चित्र को खुशी से लहराते हुए अपने कार्यालय से बाहर निकल गया।
उनकी हरकत उन्हें स्वागत कक्ष के आधे हिस्से तक ले गई, तभी वे अचानक रुक गए; चित्र आगे की ओर झुलकर उनके घुटनों से टकरा गया। वे भूल गए थे कि इन परिस्थितियों में उनका इस तरह रुकना बिल्कुल अनुचित था।
एक युवती रेलिंग के सामने खड़ी होकर रिसेप्शन क्लर्क से बात कर रही थी। उसका दुबला-पतला शरीर सामान्य मानव शरीर के अनुपात से बिल्कुल अलग लग रहा था; उसकी रेखाएँ इतनी लंबी, इतनी नाज़ुक और इतनी अतिरंजित थीं कि वह किसी स्त्री के चित्र जैसी लग रही थी और उसके सामने सामान्य शरीर के सही अनुपात भारी और बेढंगे प्रतीत हो रहे थे। उसने एक सादा ग्रे सूट पहना था; सूट की सिलाई की गंभीरता और उसके पहनावे के बीच का अंतर जानबूझकर अतिरंजित था—और अजीब तरह से सुरुचिपूर्ण भी। उसने एक हाथ की उंगलियों को रेलिंग पर टिका रखा था, एक पतला हाथ उसकी सीधी, प्रभावशाली भुजा का अंतिम सिरा था। उसकी ग्रे आँखें अंडाकार नहीं, बल्कि दो लंबे, आयताकार कट थे जिनके किनारों पर पलकों की समानांतर रेखाएँ थीं; उसके चेहरे पर एक शीतल शांति और एक बेहद तीखा भाव था। उसका चेहरा, उसके हल्के सुनहरे बाल, उसका सूट मानो रंगहीन थे, मानो उनमें रंग की हल्की सी झलक थी, जो रंग की वास्तविकता को भद्दा बना रही थी।
कीटिंग वहीं स्थिर खड़ा रहा, क्योंकि उसे पहली बार समझ आया कि कलाकार सुंदरता की बात करते समय वास्तव में क्या कहना चाहते हैं।

“अगर मौका मिला तो मैं उससे अभी मिल लूंगा,” वह रिसेप्शन क्लर्क से कह रही थी। “उसने मुझे बुलाया है और मेरे पास बस यही एक समय है।” यह कोई आदेश नहीं था; वह ऐसे बोल रही थी मानो उसकी आवाज़ में आदेश का भाव होना ज़रूरी ही न हो।
“जी हां, लेकिन...” क्लर्क के स्विचबोर्ड पर एक बत्ती बजी; उसने जल्दी से कनेक्शन लगा दिया। “जी हाँ, श्रीमान फ्रैंकन...” उसने सुना और राहत की सांस लेते हुए सिर हिलाया। “जी हाँ, श्रीमान फ्रैंकन।” वह आगंतुक की ओर मुड़ी: “क्या आप सीधे अंदर जाएंगे?”
सीढ़ियों की ओर जाते हुए युवती ने मुड़कर कीटिंग को देखा। उसकी निगाहें कीटिंग के ऊपर से गुज़र गईं। कीटिंग की विस्मय भरी प्रशंसा कुछ कम हो गई। उसे उसकी आँखों को देखने का समय मिला था; वे थकी हुई और थोड़ी तिरस्कारपूर्ण लग रही थीं, लेकिन उन्होंने उसके मन में निर्मम क्रूरता का भाव जगा दिया।
उसने उसे सीढ़ियों पर चढ़ते हुए सुना, और वह भावना गायब हो गई, लेकिन प्रशंसा बनी रही। वह उत्सुकता से रिसेप्शन क्लर्क के पास गया।
“वह कौन था?” उसने पूछा।
क्लर्क ने कंधे उचका दिए:
"ये तो बॉस की लाडली बेटी है।"
“वाह, बड़ा सा भाग्यवान!” कीटिंग ने कहा। “वह मुझसे ये बात छुपा रहा था।”
“आपने मुझे गलत समझा,” क्लर्क ने ठंडे स्वर में कहा। “यह उनकी बेटी है।”
यह डोमिनिक फ्रैंकन हैं।
“ओह,” कीटिंग ने कहा। “हे भगवान!”
“हाँ?” लड़की ने व्यंग्य भरी नज़र से उसकी ओर देखा। “क्या तुमने आज सुबह का बैनर अखबार पढ़ा है?”
"क्यों नहीं?"
"इसे पढ़ें।"
उसके स्विचबोर्ड पर घंटी बजी और वह उससे मुंह फेरकर दूसरी तरफ़ मुड़ गई। उन्होंने एक लड़के को बैनर अखबार की एक प्रति लाने के लिए भेजा और उत्सुकता से डोमिनिक फ्रैंकन के "आपका घर" कॉलम की ओर मुड़े। उन्होंने सुना था कि हाल ही में उन्होंने न्यूयॉर्क के प्रमुख लोगों के घरों का वर्णन करने में काफी सफलता हासिल की थी। उनका क्षेत्र गृह सज्जा तक ही सीमित था, लेकिन वे कभी-कभी वास्तुकला आलोचना में भी हाथ आजमाती थीं। आज उनका विषय रिवरसाइड ड्राइव पर स्थित श्री और श्रीमती डेल आइन्सवर्थ का नया निवास था। उन्होंने कई अन्य चीजों के साथ-साथ निम्नलिखित भी पढ़ा:
“आप सुनहरे संगमरमर की एक भव्य लॉबी में प्रवेश करते हैं और आपको लगता है कि यह सिटी हॉल या मुख्य डाकघर है, लेकिन ऐसा नहीं है। फिर भी, इसमें सब कुछ है: स्तंभों वाली मेज़ानाइन, एक गण्डमाला जैसी आकृति वाली सीढ़ी और चमड़े की बेल्ट के आकार के कार्टूच। लेकिन यह चमड़ा नहीं, संगमरमर है। भोजन कक्ष में एक शानदार कांस्य द्वारि है, जो गलती से छत पर लगा दिया गया है, जो ताजे कांस्य अंगूरों से लिपटी जाली के आकार का है। दीवार के पैनलों पर गाजर, पेटूनिया और सेम के गुलदस्तों में मृत बत्तखें और खरगोश लटके हुए हैं। मुझे नहीं लगता कि अगर ये असली होते तो बहुत आकर्षक होते, लेकिन चूंकि ये प्लास्टर की खराब नकल हैं, इसलिए ठीक हैं... शयनकक्ष की खिड़कियाँ एक ईंट की दीवार के सामने हैं, जो बहुत साफ-सुथरी दीवार नहीं है।”
लेकिन किसी को भी शयनकक्ष देखने की ज़रूरत नहीं है। ... सामने की खिड़कियाँ काफ़ी बड़ी हैं और उनसे भरपूर रोशनी आती है, साथ ही बाहर की ओर विराजमान संगमरमर के कामदेवों के पैर भी दिखाई देते हैं। कामदेव अच्छी तरह से पोषित हैं और अग्रभाग के कठोर ग्रेनाइट के बीच सड़क की ओर एक सुंदर दृश्य प्रस्तुत करते हैं; वे

काफ़ी प्रशंसनीय हैं, बशर्ते कि आपको हर बार बारिश देखने के लिए बाहर झांकते समय उनके धब्बों वाले तलवों को देखना पसंद न हो। अगर आप इससे ऊब जाते हैं, तो आप हमेशा तीसरी मंज़िल की केंद्रीय खिड़कियों से बाहर देख सकते हैं, और प्रवेश द्वार के ऊपर बने चबूतरे पर बैठे बुध की लोहे की प्रतिमा को देख सकते हैं। यह एक बहुत ही सुंदर प्रवेश द्वार है। कल, हम श्रीमान और श्रीमती के घर जाएँगे। स्मॉइथ-पिकरिंग।"
कीटिंग ने घर का डिज़ाइन तैयार किया था। लेकिन जब उन्होंने सोचा कि फ्रैंकन को यह पढ़कर कैसा लगा होगा और फ्रैंकन श्रीमती डेल आइन्सवर्थ का सामना कैसे करेंगे, तो गुस्से में भी उन्हें हल्की सी हंसी आ गई। फिर वे घर और लेख दोनों को भूल गए। उन्हें बस उस लड़की की याद आई जिसने इसे लिखा था।
उसने अपनी मेज़ से बेतरतीब ढंग से तीन रेखाचित्र उठाए और उन रेखाचित्रों की स्वीकृति लेने के लिए फ्रैंकन के कार्यालय की ओर चल पड़ा, जिसकी उसे कोई आवश्यकता नहीं थी।
फ्रैंकन के बंद दरवाजे के बाहर सीढ़ियों पर वह रुक गया। उसने दरवाजे के पीछे से फ्रैंकन की आवाज़ सुनी, तेज़, गुस्से से भरी और बेबस, वही आवाज़ जो वह हमेशा फ्रैंकन की पिटाई होने पर सुनता था।
"...ऐसी बेहूदा हरकत की उम्मीद करना! वो भी अपनी ही बेटी से! तुमसे तो मुझे हर तरह की बातें सुनने की आदत है, लेकिन ये तो हद ही हो गई। मैं क्या करूँ? कैसे समझाऊँ? क्या तुम्हें मेरी स्थिति का ज़रा भी अंदाज़ा है?"
तभी कीटिंग ने उसकी हंसी सुनी; वह हंसी इतनी खुशमिजाज और इतनी ठंडी थी कि उसे समझ आ गया कि अंदर न जाना ही बेहतर है। वह जानता था कि वह अंदर नहीं जाना चाहता, क्योंकि उसे फिर से डर लग रहा था, जैसा कि उसकी आंखें देखकर लगा था।
वह मुड़ा और सीढ़ियों से नीचे उतर गया। जब वह नीचे वाली मंजिल पर पहुँचा, तो वह सोच रहा था कि वह उससे मिलेगा, जल्द ही मिलेगा और अब फ्रैंकॉन इसे रोक नहीं पाएगा।
वह उत्सुकता से इसके बारे में सोचने लगा, फ्रैंकॉन की बेटी की उस तस्वीर को देखकर राहत की हंसी हंसने लगा, जैसा उसने वर्षों से उसकी कल्पना की थी, और अपने भविष्य के बारे में अपनी सोच को फिर से नया रूप देने लगा; हालांकि उसे धुंधला सा एहसास था कि अगर वह उससे फिर कभी न मिले तो बेहतर होगा।
एक्स
रेल्स्टन होल्कोम्बे की गर्दन दिखाई नहीं दे रही थी, लेकिन उनकी ठुड्डी दिख रही थी। उन्होंने इसका ध्यान रखा। उनकी ठुड्डी और जबड़े एक अटूट चाप बनाते हुए उनकी छाती पर टिके हुए थे। उनके गाल गुलाबी थे, छूने में कोमल, उम्र की अटूट कोमलता से भरे हुए, जैसे किसी झुलसे हुए आड़ू की त्वचा। उनके घने सफ़ेद बाल उनके माथे से ऊपर उठते हुए उनके कंधों तक मध्ययुगीन अयाल की तरह फैले हुए थे। उनके कॉलर के पीछे रूसी के निशान थे।
वह न्यूयॉर्क की सड़कों पर चौड़ी किनारी वाली टोपी, गहरे रंग का बिजनेस सूट, हल्के हरे रंग की सैटिन शर्ट, सफेद ब्रोकेड की बनियान, ठुड्डी के नीचे से निकलता एक विशाल काला धनुष पहने हुए चल रहा था। उसके हाथ में एक छड़ी थी, छड़ी नहीं, बल्कि सोने के बल्ब से सुसज्जित एक लंबी आबनूस की छड़ी। ऐसा लग रहा था मानो उसका विशाल शरीर एक साधारण सभ्यता की परंपराओं और उसके नीरस वस्त्रों के प्रति समर्पित हो, लेकिन उसकी छाती और पेट का अंडाकार आकार उसकी आत्मा के रंगों को प्रदर्शित करते हुए आगे बढ़ रहा था।
ये सब चीजें उन्हें इसलिए अनुमत थीं क्योंकि वे एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे। वे आर्किटेक्ट्स गिल्ड ऑफ अमेरिका के अध्यक्ष भी थे।

रैल्स्टन होल्कोम्बे संगठन में अपने सहयोगियों के विचारों से सहमत नहीं थे। वे न तो श्रमसाध्य निर्माता थे और न ही व्यवसायी। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि वे आदर्शों के धनी व्यक्ति थे।
उन्होंने अमेरिकी वास्तुकला की दयनीय स्थिति और इसके रचनाकारों के सिद्धांतहीन मिश्रणवाद की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि इतिहास के किसी भी कालखंड में, वास्तुकार अपने समय की भावना से प्रेरित होकर ही निर्माण करते हैं, न कि अतीत से डिजाइन उधार लेते हैं; हम इतिहास के प्रति तभी सच्चे हो सकते हैं जब हम उसके नियम का पालन करें, जो यह मांग करता है कि हम अपनी कला की जड़ों को अपने जीवन की वास्तविकता में दृढ़ता से स्थापित करें। उन्होंने ग्रीक, गोथिक या रोमनस्क शैली की इमारतों के निर्माण की मूर्खता की आलोचना की; उन्होंने आग्रह किया कि आइए हम आधुनिक बनें और उसी शैली में निर्माण करें जो हमारे समय के अनुरूप हो। उन्होंने वह शैली खोज ली थी। वह शैली पुनर्जागरण थी।
उन्होंने अपने कारण स्पष्ट रूप से बताए। उन्होंने बताया कि पुनर्जागरण काल के बाद से दुनिया में कोई महान ऐतिहासिक घटना नहीं घटी है, इसलिए हमें खुद को अभी भी उसी युग में जी रहा मानना चाहिए।
उस काल को ध्यान में रखते हुए; और हमारे अस्तित्व के सभी बाहरी स्वरूपों को सोलहवीं शताब्दी के महान गुरुओं के उदाहरणों के प्रति निष्ठावान रहना चाहिए। जो लोग आधुनिक वास्तुकला के बारे में उनसे बिल्कुल अलग राय रखते थे, उनसे उन्हें कोई हमदर्दी नहीं थी; उन्होंने उन्हें अनसुना कर दिया; उन्होंने बस इतना कहा कि जो लोग अतीत से नाता तोड़ना चाहते हैं, वे आलसी और अज्ञानी हैं, और मौलिकता को सुंदरता से ऊपर नहीं रखा जा सकता। आखिरी शब्द कहते हुए उनकी आवाज श्रद्धा से कांप उठी।
उन्होंने केवल भव्य परियोजनाओं को ही स्वीकार किया। वे शाश्वत और स्मारकीय संरचनाओं के विशेषज्ञ थे। उन्होंने कई स्मारक और स्तंभों का निर्माण किया। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों के लिए भी डिज़ाइन तैयार किए।
वह किसी रहस्यमयी मार्गदर्शन से प्रेरित संगीतकार की तरह रचना करते थे। उन्हें अचानक प्रेरणा मिलती थी। वे किसी बनी-बनाई इमारत की सपाट छत पर एक विशाल गुंबद जोड़ देते, या किसी लंबी तिजोरी को सोने की परत वाली मोज़ेक से सजा देते, या चूना पत्थर की दीवार को हटाकर उसकी जगह संगमरमर लगा देते। उनके ग्राहक घबरा जाते, हकलाते—लेकिन फिर भी भुगतान कर देते। उनका शाही व्यक्तित्व उन्हें हर ग्राहक की मितव्ययिता के बावजूद विजयी बना देता था; उनके पीछे एक दृढ़, अनकही, लेकिन ज़बरदस्त अभिव्यक्ति होती थी कि वे एक कलाकार हैं। उनकी प्रतिष्ठा बहुत अधिक थी।
वह एक ऐसे परिवार से थे जिसका नाम सामाजिक रजिस्टर में दर्ज था। अधेड़ उम्र में उन्होंने एक ऐसी युवती से शादी की, जिसका परिवार सामाजिक रजिस्टर में दर्ज नहीं था, लेकिन उस परिवार ने च्युइंग गम के कारोबार से खूब धन कमाया था, जो उनकी इकलौती बेटी को विरासत में मिला था।
रैल्स्टन होल्कोम्बे की उम्र अब पैंसठ वर्ष थी, जिसमें उन्होंने अपने मित्रों द्वारा उनके अद्भुत शारीरिक गठन की प्रशंसा करने के लिए कुछ वर्ष बढ़ा दिए थे; श्रीमती रैल्स्टन होल्कोम्बे की उम्र बयालीस वर्ष थी, जिसमें से उन्होंने काफी कम बताई थी।
श्रीमती राल्स्टन होल्कोम्बे एक अनौपचारिक बैठक चलाती थीं, जो हर रविवार दोपहर को होती थी। उन्होंने अपने दोस्तों से कहा, "वास्तुकला जगत के सभी नामी लोग हमसे मिलने आते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "उन्हें आना ही चाहिए।"
मार्च के एक रविवार की दोपहर, कीटिंग बड़ी विनम्रता से, लेकिन कुछ अनिच्छा से, होलकोम्बे हवेली (फ्लोरेंस के महल की प्रतिकृति) की ओर रवाना हुए। वे इन प्रतिष्ठित समारोहों में अक्सर अतिथि के रूप में शामिल होते थे और अब ऊबने लगे थे, क्योंकि वे

वहाँ मिलने वाले हर व्यक्ति को जानते थे। फिर भी, उन्हें लगा कि इस बार उन्हें जाना ही होगा, क्योंकि यह अवसर रेल्स्टन होलकोम्बे द्वारा किसी न किसी रूप में एक और मुख्य भवन के निर्माण के पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा था।
होलकोम्ब्स के संगमरमर के बॉलरूम में भारी भीड़ खोई हुई सी लग रही थी, मानो दरबारी समारोहों के लिए बने विशाल क्षेत्र में सुनसान द्वीपों की तरह बिखरी हुई हो। मेहमान जानबूझकर अनौपचारिक मुद्रा में खड़े थे, मानो शानदार दिखने की कोशिश कर रहे हों। संगमरमर पर कदमों की गूंज किसी तहखाने की गूँज जैसी थी। लंबी मोमबत्तियों की लौ सड़क की धुंधली रोशनी से बुरी तरह टकरा रही थी; रोशनी ने मोमबत्तियों को मंद कर दिया था, मोमबत्तियों ने बाहर के दिन को धुंधलेपन का आभास दे दिया था। कमरे के बीचोंबीच एक चबूतरे पर नए राज्य कैपिटल का एक छोटा मॉडल प्रदर्शित था, जो छोटे-छोटे बिजली के बल्बों से जगमगा रहा था।
श्रीमती राल्स्टन होल्कोम्बे चाय की मेज पर उपस्थित थीं। प्रत्येक अतिथि ने पारदर्शी चीनी मिट्टी का एक नाजुक प्याला लिया, दो घूंट लिए और बार की ओर चले गए। दो सलीकेदार बटलर बचे हुए प्यालों को इकट्ठा करने में जुट गए।
श्रीमती राल्स्टन होल्कोम्बे, जैसा कि उनकी एक उत्साही सहेली ने उनका वर्णन किया था, "छोटी कद-काठी की थीं, लेकिन बुद्धिमान थीं।" उनका छोटा कद उनका गुप्त दुख था, लेकिन उन्होंने इसमें कुछ अच्छाई ढूंढना सीख लिया था।
वह दस नंबर के कपड़े पहनने और जूनियर डिपार्टमेंट से खरीदारी करने के बारे में बातें करती थी, और करती भी थी। गर्मियों में भी वह हाई स्कूल के कपड़े और छोटे मोज़े पहनती थी, जिससे उसकी पतली टांगें, जिन पर नीली नसें उभरी हुई थीं, साफ़ दिखाई देती थीं। वह मशहूर हस्तियों की बहुत बड़ी प्रशंसक थी। यही उसके जीवन का उद्देश्य था। वह उनका पीछा करती थी; वह उन्हें बड़ी प्रशंसा भरी निगाहों से देखती और अपनी तुच्छता, अपनी उपलब्धियों के सामने अपनी विनम्रता का बखान करती; जब भी उनमें से कोई उसकी मृत्यु के बाद के जीवन, सापेक्षता के सिद्धांत, एज़्टेक वास्तुकला, गर्भनिरोधक और फिल्मों के बारे में उसके विचारों को पर्याप्त महत्व नहीं देता, तो वह चुपचाप, बिना कुछ बोले और नाराज़गी से कंधे उचका देती थी। उसके बहुत सारे गरीब दोस्त थे और वह इस बात का खुलकर प्रचार करती थी।
अगर किसी दोस्त की आर्थिक स्थिति सुधर जाती, तो वह उसे छोड़ देती, मानो उसने देशद्रोह किया हो। वह सच्चे दिल से अमीरों से नफरत करती थी: अमीरों के अलावा उसके पास कोई और खास पहचान नहीं थी। वह वास्तुकला को अपना निजी क्षेत्र मानती थी। उसका नाम "कॉन्स्टेंस" रखा गया था और उसे इस नाम से जाना जाना बहुत अच्छा लगता था।
"कीकी," यह उपनाम उसने तीस साल की उम्र पार करने के बाद अपने दोस्तों पर थोप दिया था।
कीटिंग को श्रीमती होल्कोम्बे की उपस्थिति में कभी सहज महसूस नहीं हुआ, क्योंकि वह उन पर बहुत अधिक मुस्कुराती थीं और उनकी टिप्पणियों पर आँख मारते हुए और यह कहते हुए टिप्पणी करती थीं: "अरे, पीटर, तुम कितने शरारती हो!"
जबकि उनके मन में ऐसा कोई इरादा नहीं था। फिर भी, आज दोपहर हमेशा की तरह उन्होंने उनके हाथ पर सिर झुकाया, और वह चांदी की चायदानी के पीछे से मुस्कुराई। उन्होंने पन्ना मखमली रंग का शाही गाउन पहना था, और बॉब कट बालों में मैजेंटा रंग का रिबन लगाया था, जिसके सामने एक प्यारा सा छोटा सा धनुष था। उनकी त्वचा सांवली और रूखी थी, और उनकी नाक के नथुनों पर उभरे हुए रोमछिद्र दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कीटिंग को एक कप दिया, मोमबत्ती की रोशनी में उनकी उंगली पर जड़ा हुआ चौकोर पन्ना चमक रहा था।
कीटिंग ने कैपिटल भवन के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त की और मॉडल का निरीक्षण करने के लिए एकांतवास किया। वह उसके सामने कुछ मिनटों तक खड़े रहे, लोग की

सुगंध वाले गर्म तरल से उनके होंठ जल गए।
हौलकोम्ब, जो कभी मॉडल की ओर नहीं देखते थे और उसके सामने रुकने वाले किसी भी मेहमान को कभी नहीं भूलते थे, ने कीटिंग के कंधे पर थपथपाया और पुनर्जागरण काल की शैली की सुंदरता सीख रहे नौजवानों के बारे में कुछ उपयुक्त बातें कहीं। फिर कीटिंग इधर-उधर घूमने लगे, कुछ लोगों से बेमन से हाथ मिलाया और अपनी कलाई घड़ी पर नज़र डाली, यह हिसाब लगाते हुए कि कब जाने की अनुमति होगी। फिर वे रुक गए।
एक चौड़े मेहराब के पार, एक छोटी सी लाइब्रेरी में, उसके बगल में तीन युवकों के साथ, उसने डोमिनिक फ्रैंकन को देखा।
वह एक खंभे से टेक लगाकर खड़ी थी, उसके हाथ में कॉकटेल का गिलास था।
उसने काले मखमल का सूट पहना हुआ था; भारी कपड़ा, जो प्रकाश की किरणों को पार नहीं होने देता था, उसके हाथों, गर्दन और चेहरे की त्वचा से होकर बहने वाले प्रकाश को रोककर उसे वास्तविकता से बांधे रखता था।
उसके हाथ में पकड़े हुए गिलास में आग की एक सफेद चिंगारी ठंडे धातु के क्रॉस की तरह चमकी, मानो वह एक लेंस हो जो उसकी त्वचा की फैली हुई चमक को इकट्ठा कर रहा हो।
कीटिंग तेजी से आगे बढ़ा और भीड़ में फ्रैंकन को ढूंढ लिया।
“अच्छा, पीटर!” फ्रैंकन ने उत्साह से कहा। “क्या मैं तुम्हारे लिए कुछ पीने को लाऊं?”
“इतना अच्छा नहीं है,” उसने अपनी आवाज धीमी करते हुए कहा, “लेकिन मैनहट्टन भी कुछ बुरा नहीं है।”
कीटिंग ने कहा, "नहीं, धन्यवाद।"
"एंटे नज़," फ्रैंकन ने राजधानी के मॉडल की ओर इशारा करते हुए आँख मारी।
"यह तो पूरी तरह से गड़बड़ है, है ना?"
“हां,” कीटिंग ने कहा। “बेहद भद्दा आकार... वह गुंबद छत पर सूर्योदय की नकल करते हुए होल्कोम्ब के चेहरे जैसा दिखता है...” वे पुस्तकालय के ठीक सामने रुक गए थे और कीटिंग की निगाहें उस लड़की पर टिकी हुई थीं।
काला रंग, फ्रैंकन का ध्यान आकर्षित करने के लिए; उसे फ्रैंकन को जाल में फंसाने में आनंद आ रहा था।
और वो योजना! वो योजना! क्या आप दूसरी मंजिल पर वो देख रहे हैं...
“ओह,” फ्रैंकन ने ध्यान देते हुए कहा।
उसने कीटिंग की ओर देखा, फिर पुस्तकालय की ओर, और फिर से कीटिंग की ओर देखा।
अंत में फ्रैंकन ने कहा, "ठीक है, बाद में मुझे दोष मत देना। तुमने खुद ही ऐसा चाहा है। चलो।"
वे दोनों एक साथ पुस्तकालय में दाखिल हुए। कीटिंग सही तरीके से रुका, लेकिन उसकी आँखों में अनुचित तीव्रता थी, जबकि फ्रैंकन बनावटी खुशी से मुस्कुरा रहा था:
“डोमिनिक, मेरी प्यारी! क्या मैं आपको मिलवाऊं?—ये हैं पीटर कीटिंग, मेरी अपनी दाहिनी भुजा। पीटर—मेरी बेटी।”
"आप कैसे हैं?" कीटिंग ने धीमी आवाज में कहा।
डोमिनिक ने गंभीरता से सिर झुकाया।
"मिस फ्रैंकन, मैं आपसे मिलने के लिए बहुत लंबे समय से इंतजार कर रहा था।"
"यह दिलचस्प होगा," डोमिनिक ने कहा। "आप बेशक मेरे साथ अच्छा व्यवहार करना चाहेंगे, लेकिन यह कूटनीतिक नहीं होगा।"
"मिस फ्रैंकन, आपका क्या मतलब है?"
“पिताजी चाहते हैं कि तुम मेरे साथ बुरा बर्ताव करो। पिताजी और मेरी आपस में बिल्कुल भी नहीं बनती।”

“क्या, मिस फ्रैंकन, मैं...”
“मुझे लगता है कि शुरुआत में ही यह बात बता देना उचित होगा। हो सकता है आप अपने कुछ निष्कर्षों पर पुनर्विचार करना चाहें।” वह फ्रैंकन को ढूंढ रहा था, लेकिन फ्रैंकन गायब हो चुका था। “नहीं,” उसने धीरे से कहा, “पिताजी ये सब काम ठीक से नहीं करते। वे बहुत ही स्पष्ट हैं। आपने उनसे परिचय कराने के लिए कहा था, लेकिन उन्हें मुझे यह बात पता नहीं चलने देनी चाहिए थी। खैर, कोई बात नहीं, क्योंकि हम दोनों यह बात मानते हैं। बैठ जाइए।”
वह एक कुर्सी पर बैठ गई और वह आज्ञाकारी भाव से उसके बगल में बैठ गया। जिन युवकों को वह नहीं जानता था, वे कुछ मिनटों तक इधर-उधर खड़े रहे, खाली-खाली मुस्कान बिखेरकर बातचीत में शामिल होने की कोशिश करते रहे, फिर चले गए। कीटिंग ने राहत की सांस ली कि उसमें कुछ भी डरावना नहीं था; बस उसके शब्दों और उन्हें कहने के उसके भोलेपन में एक बेचैन कर देने वाला विरोधाभास था; उसे समझ नहीं आ रहा था कि किस पर भरोसा किया जाए।
“मैं मानता हूँ कि मैंने परिचय की माँग की थी,” उसने कहा। “यह तो ज़ाहिर सी बात है, है ना? भला कौन नहीं माँगेगा? लेकिन क्या आपको नहीं लगता कि मैं जो निष्कर्ष निकालूंगा, उनका आपके पिता से कोई लेना-देना नहीं होगा?”
“ऐसा मत कहो कि मैं खूबसूरत और बेमिसाल हूँ और तुम्हारे जैसी किसी और से नहीं मिली हूँ, और तुम्हें डर है कि कहीं तुम्हें मुझसे प्यार न हो जाए। आखिरकार तुम यही कहोगे, लेकिन अभी इसे टाल देते हैं। इसके अलावा, मुझे लगता है कि हम दोनों की आपस में अच्छी बनेगी।”
"लेकिन आप मेरे लिए इसे बहुत मुश्किल बनाने की कोशिश कर रहे हैं, है ना?"
“हां। पिताजी को तुम्हें चेतावनी देनी चाहिए थी।”
“उसने किया।”
“तुम्हें सुन लेना चाहिए था। पिताजी का बहुत ध्यान रखना। मैं उनके इतने सारे खास लोगों से मिल चुका हूँ कि मुझे शक होने लगा था।”
लेकिन आप पहले व्यक्ति हैं जो टिके रहे। और ऐसा लगता है कि आप टिके रहेंगे। मैंने आपके बारे में बहुत कुछ सुना है। आपको बहुत-बहुत बधाई।
“मैं आपसे मिलने का वर्षों से बेसब्री से इंतजार कर रहा था। और मैं आपका कॉलम बड़े चाव से पढ़ रहा था...” वह रुक गया। उसे पता था कि उसे यह बात नहीं कहनी चाहिए थी; और सबसे बढ़कर, उसे रुकना ही नहीं चाहिए था।
“इतना सारा...?” उसने धीरे से पूछा।
“...बहुत आनंद मिला,” उसने यही कहते हुए अपनी बात समाप्त की, इस उम्मीद में कि वह बात यहीं खत्म कर देगी।
“ओह, हाँ,” उसने कहा। “आइन्सवर्थ हाउस। आपने ही इसे डिज़ाइन किया था। मुझे माफ़ करना। आप बस मेरी ईमानदारी के उन दुर्लभ दौरों में से एक का शिकार हो गए। मुझे ऐसे दौर अक्सर नहीं आते। जैसा कि आप जानते हैं, अगर आपने कल मेरा लिखा हुआ पढ़ा हो।”
“मैंने इसे पढ़ लिया है। और—ठीक है, मैं आपके उदाहरण का अनुसरण करूँगा और पूरी तरह स्पष्ट कहूंगा। इसे शिकायत मत समझिए—किसी को भी अपने आलोचकों के विरुद्ध शिकायत नहीं करनी चाहिए। लेकिन वास्तव में होल्कोम्बे की वह राजधानी उन सभी मामलों में कहीं अधिक खराब है जिनके लिए आपने हमारी आलोचना की थी। आपने कल उनकी इतनी प्रशंसा क्यों की? या क्या आपको ऐसा करना पड़ा?”
“मेरी चापलूसी मत करो। ज़ाहिर है, मुझे ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी। क्या आपको लगता है कि अख़बार में कोई भी घर की सजावट पर लिखे कॉलम पर इतना ध्यान देता है कि उसे इस बात की परवाह हो कि मैं उसमें क्या लिखती हूँ? वैसे भी, मुझे राजधानियों के बारे में लिखना ही नहीं है। बस मैं घर की सजावट से ऊब चुकी हूँ।”

"तो फिर आपने होल्कोम्ब की प्रशंसा क्यों की?"
"क्योंकि उनकी वह राजधानी इतनी घटिया है कि उसकी आलोचना करना निराशाजनक होता। इसलिए मैंने सोचा कि उसकी जमकर तारीफ करना मजेदार होगा। और यह वाकई मजेदार था।"
"क्या आप इसी तरह से काम करते हैं?"
“मैं तो यही तरीका अपनाती हूँ। लेकिन मेरे कॉलम को कोई नहीं पढ़ता, सिवाय उन गृहिणियों के जो कभी अपने घरों को सजाने का खर्च नहीं उठा सकतीं, इसलिए इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।”
लेकिन वास्तुकला में आपको वास्तव में क्या पसंद है?
मुझे वास्तुकला में कुछ भी पसंद नहीं है।
“खैर, आप तो जानते ही हैं कि मैं इस बात पर विश्वास नहीं करूंगा। अगर आपके पास कहने के लिए कुछ है ही नहीं तो आप लिखते क्यों हैं?”
“कुछ करने को मिल जाए। कुछ ऐसा जो कई अन्य कामों से कहीं अधिक घिनौना हो। और साथ ही अधिक मनोरंजक भी।”
"अरे, ये तो अच्छा कारण नहीं है।"
मेरे पास कभी कोई अच्छा कारण नहीं होता।
"लेकिन आपको अपना काम जरूर पसंद आ रहा होगा।"
मैं हूँ। क्या तुम्हें नहीं दिखता कि मैं हूँ?
“सच कहूँ तो, मुझे आपसे ईर्ष्या होती रही है। वायनांड अखबारों जैसी शानदार संस्था के लिए काम करना। देश का सबसे बड़ा संगठन, जहाँ सर्वश्रेष्ठ लेखन प्रतिभाएँ मौजूद हैं और...”
“देखो,” उसने विश्वास से उसकी ओर झुकते हुए कहा, “मैं तुम्हारी मदद करती हूँ। अगर तुम पिताजी से अभी मिले होते और वो वायनांड अखबारों के लिए काम कर रहे होते, तो यह कहना बिल्कुल सही होता। लेकिन मेरे साथ नहीं।”
मुझे आपसे यही उम्मीद थी और मुझे अपनी उम्मीदों के मुताबिक जवाब सुनना पसंद नहीं है। अगर आप कहते कि वायनांड अखबार पीली पत्रकारिता का एक घटिया ढेर है और उनके सभी लेखक मिलकर भी दो कौड़ी के बराबर भी नहीं हैं, तो यह कहीं ज्यादा दिलचस्प होता।
"क्या आप सचमुच उनके बारे में यही सोचते हैं?"
बिल्कुल नहीं। लेकिन मुझे ऐसे लोग पसंद नहीं हैं जो सिर्फ वही कहने की कोशिश करते हैं जो उन्हें लगता है कि मैं सोचता हूं।
“धन्यवाद। मुझे आपकी मदद की ज़रूरत होगी। मैं उनसे कभी नहीं मिला... ओह, नहीं, बिल्कुल, यहीं तो आप नहीं चाहते थे कि मैं कहूँ। लेकिन मैंने आपके शोध पत्रों के बारे में सचमुच यही कहा था। मैं हमेशा से गेल वायनांड का प्रशंसक रहा हूँ। मेरी हमेशा से इच्छा रही है कि मैं उनसे मिल सकूं। वे कैसे हैं?”
"आस्टेन हेलर ने उसे बिल्कुल वैसी ही कहा था - एक उत्कृष्ट नाजायज़ औलाद।"
वह सिहर उठा। उसे याद आया कि उसने आस्टेन हेलर को यह कहते हुए कहाँ सुना था। उसके सामने कुर्सी की भुजा पर लटके हुए पतले सफेद हाथ को देखकर कैथरीन की याद भारी और भद्दी लगने लगी।
“लेकिन, मेरा मतलब है,” उसने पूछा, “वास्तव में वह कैसा है?”
मुझे नहीं पता। मैं उनसे कभी नहीं मिला।
“आपने नहीं किया?”
"नहीं।"
“ओह, मैंने सुना है कि वह बहुत दिलचस्प इंसान है!”
“निस्संदेह। जब मेरा मन कुछ शानदार करने का होगा, तो शायद मैं उससे मिलूंगी।”
क्या आप टूही को जानते हैं?

“ओह,” उसने कहा। उसने उसकी आँखों में वही देखा जो उसने पहले देखा था, और उसे उसकी आवाज़ की मीठी खुशी पसंद नहीं आई। “ओह, एल्सवर्थ टूही।”
मैं उन्हें जानता ही हूँ। वे बहुत अच्छे इंसान हैं। उनसे बात करना मुझे हमेशा अच्छा लगता है। वे एकदम परफेक्ट बदमाश हैं।
“अरे वाह, मिस फ्रैंकन! आप पहली ऐसी व्यक्ति हैं जिन्होंने...”
“मैं आपको चौंकाना नहीं चाहता। मैंने जो कुछ भी कहा, वह दिल से कहा है। मैं उनकी प्रशंसा करता हूँ। वे बिल्कुल परिपूर्ण हैं। इस दुनिया में आपको किसी न किसी रूप में पूर्णता बहुत कम ही देखने को मिलती है, है ना? और वे बस वही हैं। अपने तरीके से पूर्ण परिपूर्ण। बाकी सब लोग अधूरे हैं, कई अलग-अलग टुकड़ों में बँटे हुए हैं जो आपस में जुड़ते नहीं। लेकिन टूही ऐसे नहीं हैं। वे एक अखंड स्तंभ हैं। कभी-कभी, जब मुझे दुनिया से कड़वाहट महसूस होती है, तो मुझे यह सोचकर सांत्वना मिलती है कि सब ठीक है, मुझे बदला मिलेगी, दुनिया को उसके कर्मों का फल मिलेगा—क्योंकि एल्सवर्थ टूही हैं।”
आप किस बात का बदला लेना चाहते हैं?
उसने उसकी ओर देखा, उसकी पलकें एक पल के लिए उठीं, जिससे उसकी आंखें आयताकार नहीं बल्कि कोमल और स्पष्ट दिखाई दीं।
“तुमने बहुत चतुराई से काम लिया,” उसने कहा। “यह पहली बार है जब तुमने कोई चतुराई भरी बात कही है।”
"क्यों?"
क्योंकि आपने मेरी कही हुई सारी बकवास में से काम की बात निकाल ली। इसलिए मुझे आपको जवाब देना होगा। मैं इस बात का बदला लेना चाहता हूँ कि मेरे पास बदला लेने के लिए कुछ भी नहीं है। अब चलिए एल्सवर्थ टूही के बारे में बात करते हैं।
“खैर, मैंने हमेशा सबसे यही सुना है कि वह एक तरह के संत हैं, एकमात्र सच्चे आदर्शवादी, पूरी तरह से बेदाग और ...”
“यह बिल्कुल सच है। एक सीधा-सादा भ्रष्टाचारी कहीं ज्यादा सुरक्षित होता। लेकिन टूही लोगों के लिए एक कसौटी की तरह हैं। लोग उसके प्रति कैसा रवैया रखते हैं, इससे आप उनके बारे में जान सकते हैं।”
“क्यों? आपका असल में मतलब क्या है?”
वह अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गई और अपनी बाहों को घुटनों तक फैलाकर, कलाई को घुमाते हुए, हथेलियों को बाहर की ओर करके, दोनों हाथों की उंगलियों को फैला लिया।
एक दूसरे से लिपटे हुए। वह आसानी से हंस पड़ी।
“इसमें ऐसी कोई बात नहीं है जिस पर चाय पार्टी में चर्चा की जाए। किकी सही कह रही है। वह मुझे देखना भी पसंद नहीं करती, लेकिन उसे कभी-कभार मुझे बुलाना ही पड़ता है। और मैं जाने से खुद को रोक नहीं पाती, क्योंकि वह साफ़-साफ़ दिखा देती है कि वह मुझे नहीं चाहती। तुम्हें पता है, मैंने आज रात रेल्स्टन को बताया कि मैं उसकी राजधानी के बारे में क्या सोचती हूँ, लेकिन उसने मेरी बात पर विश्वास नहीं किया। वह बस मुस्कुराया और कहा कि मैं बहुत प्यारी बच्ची हूँ।”
"तो, क्या आप नहीं हैं?"
"क्या?"
"एक बहुत प्यारी छोटी बच्ची।"
“नहीं। आज नहीं। मैंने तुम्हें बहुत असहज कर दिया है। इसलिए मैं इसकी भरपाई करूँगी। मैं तुम्हें बताऊँगी कि मैं तुम्हारे बारे में क्या सोचती हूँ, क्योंकि तुम इसी बात को लेकर परेशान होगी। मुझे लगता है कि तुम होशियार, समझदार, स्पष्टवादी और काफी महत्वाकांक्षी हो और तुम बच जाओगी। और मैं तुम्हें पसंद करती हूँ। मैं पिताजी को बता दूँगी कि मुझे उनका दाहिना हाथ बहुत पसंद है, इसलिए तुम्हें समझ आ गया होगा

कि तुम्हें बॉस का बेटा से डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। हालाँकि बेहतर होगा कि मैं पिताजी से कुछ न कहूँ, क्योंकि मेरी सिफ़ारिश उन पर उल्टा असर डालेगी।"
"क्या मैं आपको सिर्फ एक बात बता सकता हूँ जो मैं आपके बारे में सोचता हूँ?"
"बिल्कुल। उनमें से कितने भी हो सकते हैं।"
मुझे लगता है कि अगर तुमने मुझे यह न बताया होता कि तुम मुझे पसंद करते हो तो बेहतर होता। तब इसके सच होने की संभावना अधिक होती।
वह हंसी।
"अगर आप यह बात समझ जाते हैं," उसने कहा, "तो हम बहुत अच्छे से साथ रह पाएंगे।"
तब शायद यह सच भी हो सकता है।
गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट हाथ में गिलास लिए बॉलरूम के मेहराब में दिखाई दिए। उन्होंने ग्रे रंग का सूट और चांदी के ऊन का टर्टल-नेक स्वेटर पहना हुआ था।
उसका मीसम सा चेहरा एकदम साफ-सुथरा लग रहा था, और उसके चेहरे पर साबुन, टूथपेस्ट और प्रकृति की ताज़गी साफ झलक रही थी।
"डोमिनिक, डार्लिंग!" उसने अपना गिलास लहराते हुए कहा। "हेलो, कीटिंग।"
उसने रूखेपन से कहा, "डोमिनिक, तुम कहाँ छिपी हुई थीं? मैंने सुना था कि तुम यहाँ हो और तुम्हें ढूंढने में मुझे बहुत परेशानी हुई!"
"हैलो, गॉर्डन," उसने कहा। उसने यह बात बिल्कुल सही कही थी; उसकी आवाज़ की शांत विनम्रता में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था; लेकिन उसके उत्साह भरे स्वर के बाद, उसकी आवाज़ में एक सपाट और घातक उदासीनता झलक रही थी—जैसे मानो दोनों स्वर उसकी अवमानना की मधुर धुन के चारों ओर एक श्रव्य प्रतिध्वनि में घुलमिल गए हों।
प्रेस्कॉट ने यह नहीं सुना था। "डार्लिंग," उसने कहा, "जब भी मैं तुम्हें देखता हूँ, तुम और भी खूबसूरत लगती हो। कोई सोच भी नहीं सकता कि ऐसा संभव है।"
"सातवीं बार," डोमिनिक ने कहा।
"क्या?"
"गॉर्डन, मुझसे मिलते समय यह सातवीं बार है जब तुमने यह बात कही है। मैं गिन रहा हूँ।"
"डोमिनिक, तुम कभी गंभीर नहीं हो सकती। तुम कभी गंभीर नहीं होगी।"
"ओह, जी हाँ, गॉर्डन। मैं अभी-अभी अपने दोस्त पीटर कीटिंग के साथ एक बहुत ही गंभीर बातचीत कर रहा था।"
एक महिला ने प्रेस्कॉट को हाथ हिलाकर इशारा किया और उसने इस मौके का फायदा उठाते हुए बड़ी बेवकूफी भरी मुद्रा में वहाँ से निकल गया। कीटिंग इस बात से बेहद खुश थी कि उसने अपने दोस्त पीटर कीटिंग से बातचीत जारी रखने के लिए एक दूसरे आदमी को वहां से जाने के लिए मना कर दिया था।
लेकिन जब वह उसकी ओर मुड़ा, तो उसने मधुर स्वर में पूछा: "हम किस बारे में बात कर रहे थे, श्रीमान कीटिंग?" और फिर वह कमरे के उस पार, व्हिस्की के गिलास पर खांसते हुए एक छोटे कद के, झुर्रियों वाले आदमी को बड़ी उत्सुकता से घूरने लगी।
कीटिंग ने कहा, "क्यों, हम तो थे ही..."
"ओह, ये रहे यूजीन पेटिगिल। मेरे सबसे पसंदीदा। मुझे यूजीन को नमस्कार करना चाहिए।"
और वह उठ खड़ी हुई, कमरे में इधर-उधर घूमने लगी, चलते समय उसका शरीर पीछे की ओर झुक रहा था, और वह वहां मौजूद सबसे बदसूरत सत्तर वर्षीय व्यक्ति की ओर बढ़ रही थी।
कीटिंग को नहीं पता था कि उन्हें गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट के समूह में शामिल होने के लिए मजबूर किया गया था या यह महज एक संयोग था।

वह अनिच्छा से भोज कक्ष में लौटा। उसने खुद को मजबूर करके मेहमानों के समूहों में शामिल किया और बातचीत शुरू की। उसने डोमिनिक फ्रैंकन को भीड़ में घूमते हुए, दूसरों से बातचीत करते हुए रुकते हुए देखा। उसने फिर कभी उसकी ओर नहीं देखा। वह तय नहीं कर पा रहा था कि वह उसके साथ सफल हुआ या बुरी तरह असफल। जब वह जा रही थी तब वह किसी तरह दरवाजे पर मौजूद था।
वह रुकी और उसने मनमोहक मुस्कान के साथ उसकी ओर देखा।
“नहीं,” उसने उसके कुछ कहने से पहले ही कहा, “आप मुझे घर नहीं ले जा सकते। मेरे लिए एक गाड़ी इंतज़ार कर रही है। फिर भी धन्यवाद।”
वह जा चुकी थी और वह दरवाजे पर असहाय खड़ा था, और गुस्से से सोच रहा था कि शायद वह शरमा रहा है।
उसे अपने कंधे पर एक नरम हाथ का स्पर्श महसूस हुआ और मुड़कर देखा तो उसके बगल में फ्रैंकन खड़ा था।
"घर जा रहे हो, पीटर? चलो मैं तुम्हें लिफ्ट दे देता हूँ।"
"लेकिन मुझे लगा था कि आपको सात बजे तक क्लब में होना चाहिए।"
“ओह, कोई बात नहीं, मुझे थोड़ी देर हो जाएगी, कोई फर्क नहीं पड़ता, मैं आपको घर छोड़ दूंगा, कोई परेशानी नहीं।” फ्रैंकन के चेहरे पर एक अजीब सा दृढ़ निश्चय का भाव था, जो उनके लिए काफी असामान्य और अशोभनीय था।
कीटिंग चुपचाप, मुस्कुराते हुए उसके पीछे-पीछे चला और जब वे फ्रैंकन की कार की आरामदायक धुंधली रोशनी में अकेले थे, तो उसने कुछ नहीं कहा।
“तो?” फ्रैंकन ने अशुभ स्वर में पूछा।
कीटिंग मुस्कुराया। “तुम एक घटिया इंसान हो, गाइ। तुम्हें अपने पास जो है उसकी कदर करनी नहीं आती। तुमने मुझे क्यों नहीं बताया? वह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत महिला है।”
“ओह, हाँ,” फ्रैंकन ने गंभीर स्वर में कहा। “शायद यही समस्या है।”
“क्या परेशानी? आपको कोई परेशानी कहां नजर आती है?”
“पीटर, तुम उसके बारे में सच में क्या सोचते हो? उसकी खूबसूरती को भूल जाओ। तुम देखोगे कि कितनी जल्दी तुम यह बात भूल जाओगे। तुम्हारी क्या विचार है?”
"खैर, मुझे लगता है कि उसमें बहुत ही अच्छा चरित्र है।"
"संक्षेप में कहने के लिए धन्यवाद।"
फ्रैंकन उदास होकर चुप रहा, और फिर उसने अपनी आवाज में आशा की एक झलक के साथ थोड़ी अटपटी सी बात कही:
“पीटर, मुझे हैरानी हुई। मैंने तुम्हें देखा, और तुम उससे काफी देर तक बातें कर रहे थे। ये तो कमाल है। मुझे तो पूरी उम्मीद थी कि वो एक तीखी, चुभने वाली बात कहकर तुम्हें भगा देगी। शायद तुम उसीसे घुल-मिल जाओ। मैंने ये निष्कर्ष निकाला है कि तुम उसके बारे में कुछ भी नहीं बता सकते। शायद... पीटर, मैं तुम्हें ये बताना चाहती थी: उसने मेरे बारे में जो कहा कि मैं चाहती थी कि तुम उसके साथ बुरा बर्ताव करो, उस पर ध्यान मत देना।”
उस वाक्य की गंभीरता इतनी गहरी थी कि कीटिंग के होंठ एक हल्की सी सीटी बजाने के लिए आगे बढ़े, लेकिन उन्होंने खुद को समय रहते रोक लिया। फ्रैंकन ने गंभीर स्वर में कहा, "मैं नहीं चाहता कि तुम उसके साथ ज़रा भी बुरा बर्ताव करो।"
“तुम्हें पता है, गाइ,” कीटिंग ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में कहा।
तुम्हें इस तरह भागना नहीं चाहिए था।
“मुझे कभी समझ नहीं आता कि उससे कैसे बात करूं।” उसने आह भरी। “मैंने कभी सीखा ही नहीं। मुझे समझ नहीं आता कि आखिर उसे क्या परेशानी है, लेकिन कुछ तो गड़बड़ है। वह इंसानों जैसा व्यवहार ही नहीं करती। आप जानते हैं,

उसे दो प्रशिक्षण विद्यालयों से निष्कासित कर दिया गया था। उसने कॉलेज कैसे पूरा किया, यह मैं सोच भी नहीं सकती, लेकिन मैं आपको बता सकती हूँ कि मैं लगातार चार साल तक अपना मेल खोलने से डरती रही, उस अपरिहार्य खबर के इंतज़ार में।
फिर मैंने सोचा, चलो, जब वो अपने पैरों पर खड़ी हो जाएगी तो मेरी चिंता खत्म हो जाएगी और मुझे इसके बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी, लेकिन उसकी हालत पहले से भी बदतर हो गई है।
आपको किस बात की चिंता होती है?
“मैं नहीं सोचता। मैं कोशिश करता हूं कि न सोचूं। मुझे खुशी होती है जब मुझे उसके बारे में बिल्कुल भी नहीं सोचना पड़ता।”
मैं कुछ नहीं कर सकता, मैं पिता बनने के लायक ही नहीं बना। लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि आखिरकार यह मेरी ही ज़िम्मेदारी है, हालांकि भगवान जानता है कि मैं यह नहीं चाहता, फिर भी यह है, मुझे इसके बारे में कुछ करना चाहिए, इसे निभाने वाला कोई और नहीं है।
"गाइ, तुमने उसे अपने ऊपर हावी होने दिया है, जबकि वास्तव में डरने की कोई बात नहीं है।"
“आपको ऐसा नहीं लगता?”
"नहीं।"
“शायद तुम ही उसे संभाल सकते हो। मुझे अब तुम्हारे उससे मिलने का कोई अफसोस नहीं है, और तुम जानते हो कि मैं नहीं चाहती थी कि तुम उससे मिलो। हाँ, मुझे लगता है कि तुम ही हो जो उसे संभाल सकते हो। तुम... तुम तो काफी दृढ़ निश्चयी हो—”
क्या तुम नहीं हो, पीटर?—जब तुम किसी चीज के पीछे पड़े होते हो?
“अच्छा,” कीटिंग ने लापरवाही से एक हाथ ऊपर उठाते हुए कहा।
मुझे बहुत बार डर नहीं लगता।
फिर वह तकियों के सहारे पीछे झुक गया, मानो वह थका हुआ हो, मानो उसने कोई महत्वपूर्ण बात सुनी ही न हो, और बाकी की यात्रा के दौरान वह चुप रहा। फ्रैंकन भी चुप रही।
“लड़कों,” जॉन एरिक स्नाइट ने कहा, “इस काम में कोई कसर मत छोड़ो। यह इस साल का सबसे अहम प्रोजेक्ट है। पैसा तो ज़्यादा नहीं है, समझ रहे हो ना, लेकिन प्रतिष्ठा और जान-पहचान! अगर हमें यह प्रोजेक्ट मिल गया, तो क्या कुछ बड़े-बड़े आर्किटेक्ट ईर्ष्या नहीं करने लगेंगे! देखो, ऑस्टेन हेलर ने मुझे साफ़-साफ़ बताया है कि यह तीसरी कंपनी है जिससे उन्होंने संपर्क किया है। उन बड़े-बड़े आर्किटेक्ट्स ने जो भी प्रस्ताव रखे, उन्होंने उन्हें नहीं माना। तो अब यह हम पर निर्भर है, लड़कों। कुछ अलग, अनोखा, लेकिन अच्छे अंदाज़ में, और कुछ हटकर। अब अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो।”
उनके पांच डिजाइनर उनके सामने अर्धवृत्त में बैठे थे। "गॉथिक" डिजाइनर ऊबा हुआ लग रहा था और "विविध" डिजाइनर पहले से ही हतोत्साहित दिख रहा था;
“पुनर्जागरण” छत पर बैठी एक मक्खी के मार्ग का अनुसरण कर रहा था। रोर्क ने पूछा:
"उन्होंने वास्तव में क्या कहा, श्री स्नाइट?"
स्नाइट ने कंधे उचकाए और रोर्क की ओर मनोरंजक ढंग से देखा, मानो वह और रोर्क नए ग्राहक के बारे में कोई शर्मनाक रहस्य साझा करते हों, जिसका जिक्र करना उचित नहीं था।
“कुछ खास समझ में नहीं आया—यह बात हम दोनों के बीच ही रहेगी, दोस्तों,” स्नाइट ने कहा। “अंग्रेज़ी भाषा पर उनकी ज़बरदस्त पकड़ को देखते हुए, वह कुछ हद तक अस्पष्ट बोल रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें वास्तुकला के बारे में कुछ नहीं पता। उन्होंने यह नहीं बताया कि उन्हें आधुनिक शैली का घर चाहिए या पारंपरिक शैली का या कुछ और। उन्होंने कुछ ऐसा कहा कि उन्हें अपना घर चाहिए, लेकिन वह इसे बनवाने को लेकर लंबे समय से हिचकिचा रहे हैं क्योंकि उन्हें सारे घर एक जैसे

लगते हैं और सब नरक जैसे लगते हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि कोई किसी घर के प्रति उत्साहित कैसे हो सकता है, फिर भी उनके मन में यह विचार है कि वह एक ऐसी इमारत चाहते हैं जिससे उन्हें प्यार हो। उन्होंने कहा, 'एक ऐसी इमारत जिसका कोई मतलब हो', हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 'वह क्या हो और कैसे', यह उन्हें नहीं पता। बस। उसने इतना ही कहा। ज्यादा कुछ पता नहीं चला, और अगर ऑस्टेन हेलर न होती तो मैं रेखाचित्र जमा करने की हिम्मत ही न करता। लेकिन मैं मानता हूँ कि इसका कोई मतलब नहीं बनता... क्या बात है, रोर्क?
"कुछ नहीं," रोर्क ने कहा।
ऑस्टेन हेलर के निवास स्थान के विषय पर आयोजित पहला सम्मेलन इसी के साथ समाप्त हुआ।
उसी दिन बाद में स्नाइट ने अपने पाँच डिज़ाइनरों को एक टेन में बिठाया और वे हेलर द्वारा चुने गए स्थान को देखने के लिए कनेक्टिकट गए। वे एक छोटे से साधारण कस्बे से तीन मील दूर, एक सुनसान, पथरीले तट पर खड़े थे; वे सैंडविच और मूंगफली खा रहे थे और ज़मीन से टूटी हुई चट्टानों के रूप में उठती हुई एक चट्टान को देख रहे थे जो समुद्र के ऊपर एक सीधी, क्रूर, नंगी खाई में समाप्त होती थी, चट्टान का एक ऊर्ध्वाधर स्तंभ समुद्र की लंबी, धुंधली क्षैतिज रेखा के साथ एक क्रॉस बनाता था।
"लो," स्नाइट ने कहा। "बस यही है।" उसने अपने हाथ में एक पेंसिल घुमाई।
"बेहद घटिया, है ना?" उसने आह भरी। "मैंने एक बेहतर जगह सुझाने की कोशिश की थी, लेकिन उसे यह बात पसंद नहीं आई, इसलिए मुझे चुप रहना पड़ा।" उसने पेंसिल घुमाई। "वह घर वहीं चाहता है, ठीक उस चट्टान के ऊपर।" उसने पेंसिल की नोक से अपनी नाक खुजलाई। "मैंने उसे किनारे से थोड़ा पीछे बनाने और उस चट्टान को नज़ारे के लिए रखने का सुझाव देने की कोशिश की थी, लेकिन वह भी ठीक नहीं रहा।" उसने अपने दांतों के बीच इरेज़र को दबाया। "ज़रा सोचो, उस चोटी पर कितनी तोड़-फोड़ और समतलीकरण करना पड़ेगा।" उसने अपने नाखून को साफ किया।
सीसा, जिससे एक काला निशान रह गया। "ठीक है, बस यही है... पत्थर की श्रेणी और गुणवत्ता पर ध्यान दें। पहुंच मुश्किल होगी... मेरे पास कार्यालय में सभी सर्वेक्षण और तस्वीरें हैं... ठीक है..."
किसके पास सिगरेट है? ... खैर, मुझे लगता है कि बस इतना ही है... मैं आपको सुझाव देने में कभी भी मदद कर सकता हूँ... अच्छा... वो वापस जाने वाली टेन कितने बजे है?
इस प्रकार पांचों डिजाइनरों ने अपना काम शुरू किया। उनमें से चीर ने तुरंत अपने ड्राइंग बोर्ड पर काम करना शुरू कर दिया। रोर्क कई बार अकेले ही घटनास्थल पर वापस गए।
स्नाइट के साथ रोर्क के पांच महीने उसके पीछे एक खाली कोरे की तरह फैले हुए थे। यदि वह स्वयं से यह पूछना चाहता कि उसने क्या महसूस किया था, तो उसे कोई उत्तर नहीं मिलता, सिवाय इसके कि उसे इन महीनों की कोई भी बात याद नहीं थी। उसे अपने द्वारा बनाए गए प्रत्येक रेखाचित्र याद थे। यदि वह कोशिश करता, तो उसे यह भी याद आ जाता कि उन रेखाचित्रों का क्या हुआ था; लेकिन उसने कोशिश नहीं की। लेकिन उसने उनमें से किसी से भी उतना प्यार नहीं किया जितना ऑस्टेन हेलर के घर से किया था। वह शाम दर शाम अकेले अपने लेखन कक्ष में कागज के एक पन्ने और समुद्र के ऊपर एक चट्टान के विचार के साथ बैठा रहता था।
उनके रेखाचित्रों के पूरा होने तक किसी ने उन्हें नहीं देखा।
जब काम पूरा हो गया, एक रात देर से, वह अपनी मेज पर बैठा रहा, सामने कागज़ फैलाए हुए, कई घंटों तक बैठा रहा, एक हाथ माथे पर टिकाए, दूसरा बगल में लटकाए, उंगलियों में खून जमा हो रहा था, जिससे वे सुन्न हो रही थीं, जबकि खिड़की के बाहर की सड़क पहले गहरे नीले रंग की हुई, फिर हल्के भूरे रंग की हो गई। उसने रेखाचित्रों की ओर नहीं देखा।

उसे खालीपन और बहुत थकान महसूस हो रही थी।
रेखाचित्रों में दर्शाए गए घर को रोर्क ने नहीं, बल्कि उस चट्टान ने डिज़ाइन किया था जिस पर वह खड़ा था। ऐसा लगता था मानो चट्टान स्वयं विकसित होकर पूर्ण हो गई हो और उस उद्देश्य की घोषणा कर रही हो जिसकी वह प्रतीक्षा कर रही थी। घर को कई स्तरों में विभाजित किया गया था, चट्टान की ढलानों का अनुसरण करते हुए, धीरे-धीरे ऊपर उठते हुए, समतल सतहों में जो एक साथ मिलकर एक पूर्ण सामंजस्य में विलीन हो जाती थीं। चट्टान के समान ग्रेनाइट से बनी दीवारें, उसकी ऊर्ध्वाधर रेखाओं को ऊपर की ओर जारी रखती थीं; समुद्र के समान चांदी जैसे कंक्रीट के चौड़े, उभरे हुए चबूतरे, सीधी क्षितिज रेखा में लहरों की रेखा का अनुसरण करते थे।
जब सभी लोग ड्राफ्टिंग रूम में अपना दिन शुरू करने के लिए लौटे, तब भी रोर्क अपनी मेज पर ही बैठे थे। फिर रेखाचित्रों को स्नाइट के कार्यालय में भेज दिया गया।
दो दिन बाद, ऑस्टेन हेलर को प्रस्तुत किए जाने वाले घर का अंतिम संस्करण, जिसे जॉन एरिक स्नाइट ने चुना और संपादित किया था, और जिसे चीनी कलाकार ने तैयार किया था, एक मेज़ पर टिशू पेपर में लिपटा पड़ा था। यह रोर्क का घर था। उनके प्रतियोगी बाहर हो चुके थे। यह रोर्क का घर था, लेकिन अब इसकी दीवारें लाल ईंटों की थीं, इसकी खिड़कियाँ पारंपरिक आकार की थीं और उनमें हरे रंग के शटर लगे थे, इसके दो उभरे हुए पंख हटा दिए गए थे, समुद्र के ऊपर बने विशाल कैंटिलीवर वाले चबूतरे को एक छोटी लोहे की बालकनी से बदल दिया गया था, और घर में टूटे हुए पेडिमेंट को सहारा देने वाले आयोनिक स्तंभों का प्रवेश द्वार और मौसम सूचक को सहारा देने वाला एक छोटा शिखर बनाया गया था।
जॉन एरिक स्नाइट मेज़ के पास खड़े थे, उनके दोनों हाथ रेखाचित्र के ऊपर हवा में फैले हुए थे, लेकिन वे उसके नाजुक रंगों की पवित्रता को स्पर्श नहीं कर रहे थे।
"मुझे यकीन है कि श्री हेलर के मन में यही था," उन्होंने कहा। "काफी अच्छा... हाँ, काफी अच्छा... रोर्क, मुझे कितनी बार कहना पड़ेगा कि अंतिम स्केच के आसपास सिगरेट मत पियो? दूर खड़े रहो। राख इस पर गिर जाएगी।"
ऑस्टेन हेलर के बारह बजे आने की उम्मीद थी। लेकिन साढ़े ग्यारह बजे श्रीमती सिमिंगटन बिना सूचना दिए आ गईं और तुरंत श्री स्नाइट से मिलने की मांग करने लगीं। श्रीमती सिमिंगटन एक प्रभावशाली विधवा थीं, जो हाल ही में श्री स्नाइट द्वारा डिज़ाइन किए गए अपने नए घर में रहने आई थीं; इसके अलावा, स्नाइट को उनके भाई से एक अपार्टमेंट बनाने का काम मिलने की उम्मीद थी। वे उनसे मिलने से इनकार नहीं कर सके और उन्हें अपने कार्यालय में ले गए, जहाँ उन्होंने बिना किसी झिझक के बताया कि उनकी लाइब्रेरी की छत में दरार आ गई है और उनके ड्राइंग रूम की खिड़कियाँ नमी की एक स्थायी परत से ढकी हुई हैं, जिससे वे निपट नहीं पा रही हैं। स्नाइट ने अपने मुख्य इंजीनियर को बुलाया और दोनों ने मिलकर ठेकेदारों की विस्तृत व्याख्या, माफी और निंदा की। श्रीमती सिमिंगटन के नरम पड़ने का कोई संकेत नहीं दिखा, तभी स्नाइट की मेज़ पर एक सिग्नल की घंटी बजी और रिसेप्शन क्लर्क की आवाज ने ऑस्टेन हेलर के आने की घोषणा की।
श्रीमती सिमिंगटन को जाने के लिए कहना या ऑस्टिन हेलर को प्रतीक्षा करने के लिए कहना असंभव होता। स्नाइट ने समस्या का समाधान करते हुए उन्हें अपने इंजीनियर के शांत शब्दों के हवाले कर दिया और कुछ पल के लिए वहां से चले गए। फिर वे स्वागत कक्ष में आए, हेलर से हाथ मिलाया और सुझाव दिया: "क्या आप ड्राफ्टिंग रूम में आ सकते हैं?"
कमरा, मिस्टर हेलर? वहाँ रोशनी बेहतर है, आप जानते हैं, और स्केच आपके लिए पूरी तरह से तैयार है, और मैं इसे कहीं और ले जाने का जोखिम नहीं लेना चाहता था।
हेलर को इससे कोई आपत्ति नहीं थी। वह आज्ञाकारी ढंग से स्नाइट के पीछे-पीछे ड्राफ्टिंग रूम में चला गया। वह लंबा, चौड़े कंधों वाला व्यक्ति था, जिसने अंग्रेजी ट्वीड

के कपड़े पहने थे, उसके बाल सुनहरे थे और चौकोर चेहरे पर अनगिनत झुर्रियाँ थीं, जो उसकी व्यंग्यात्मक शांति को दर्शाती थीं।
स्केच चीनी कलाकार की मेज पर पड़ा था, और कलाकार चुपचाप संकोच से एक तरफ हट गया। अगली मेज रोर्क की थी। वह हेलर की ओर पीठ करके खड़ा था; वह अपना चित्र बनाता रहा और मुड़ा नहीं।
कर्मचारियों को इस बात का प्रशिक्षण दिया गया था कि जब स्नाइट किसी ग्राहक को ड्राफ्टिंग रूम में लाए तो वे दखलंदाजी न करें।
स्नाइट ने अपनी उंगलियों से टिशू पेपर को ऐसे उठाया, मानो दुल्हन का घूंघट उठा रहे हों। फिर वह पीछे हट गए और हेलर के चेहरे को देखने लगे। हेलर झुक गए और कमर झुकाकर, तनावग्रस्त, एकाग्रचित्त होकर काफी देर तक चुप रहे।
“सुनिए, श्री स्नाइट,” उन्होंने अंततः कहना शुरू किया। “सुनिए, मुझे लगता है...” और रुक गए।
स्नाइट धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा था, प्रसन्न था, क्योंकि उसे किसी ऐसी चीज के आने का आभास हो रहा था जिसे वह परेशान नहीं करना चाहता था।
हेलर ने अचानक जोर से बोलते हुए, चित्र पर मुट्ठी पटकते हुए कहा, "यह," और स्नाइट चौंक गया, "यह अब तक का सबसे करीब का प्रयास है!"
"मुझे पता था कि आपको यह पसंद आएगा, मिस्टर हेलर," स्नाइट ने कहा।
“मैं नहीं,” हेलर ने कहा।
स्नाइट ने पलकें झपकाईं और इंतजार किया।
हेलर ने अफसोस जताते हुए कहा, "यह किसी तरह बहुत पास है, लेकिन ठीक नहीं है। मुझे नहीं पता कहाँ, पर ठीक नहीं है। अगर मेरी बात अस्पष्ट लगे तो मुझे माफ कर दीजिएगा, लेकिन मुझे चीजें या तो तुरंत पसंद आती हैं या बिल्कुल नहीं। मुझे पता है कि मैं उस प्रवेश द्वार से सहज महसूस नहीं करूंगा। वह एक सुंदर प्रवेश द्वार है, लेकिन आप उसे इतनी बार देख चुके होंगे कि शायद आपको पता भी न चले।"
"लेकिन श्रीमान हेलर, मुझे कुछ बातों की ओर ध्यान दिलाने की अनुमति दें।"
आधुनिकता तो हर किसी की चाह होती है, लेकिन साथ ही घर की मूल बनावट को भी बरकरार रखना होता है। भव्यता और आराम का ऐसा मेल, आप समझ रहे हैं ना? इस तरह के बेहद सादे घर में कुछ सौम्य स्पर्श तो होने ही चाहिए। वास्तुकला की दृष्टि से यह बिल्कुल सही है।
हेलर ने कहा, "इसमें कोई शक नहीं। मुझे इसके बारे में पता नहीं है। मैं अपने जीवन में कभी भी पूरी तरह से सही नहीं रहा हूँ।"
“मुझे इस योजना को समझाने दीजिए और आप देखेंगे कि यह...”
“मुझे पता है,” हेलर ने थके हुए स्वर में कहा। “मुझे पता है। मुझे पूरा यकीन है कि आप सही हैं। बस...”
उसकी आवाज में उस उत्सुकता का भाव था जिसे वह स्वयं महसूस करना चाहता था।
“काश, इसमें कुछ एकता होती, कुछ... कोई केंद्रीय विचार होता... जो है भी और नहीं भी... काश यह जीवंत प्रतीत होता... जो कि नहीं है... इसमें कुछ कमी है और कुछ बहुत ज़्यादा भी है... काश यह अधिक स्पष्ट, अधिक सुव्यवस्थित होता...”
मैंने कौन सा शब्द सुना है?—अगर यह एकीकृत होता...
रोर्क मुड़ा। वह मेज के दूसरी तरफ था। उसने रेखाचित्र को पकड़ा, उसका हाथ तेजी से आगे बढ़ा और एक पेंसिल ने रेखाचित्र पर तेजी से दौड़ते हुए, अछूते जलरंग पर कच्ची काली रेखाएं खींच दीं।
उन रेखाओं ने आयोनिक स्तंभों, अग्रभाग, प्रवेश द्वार, शिखर, पर्दों, ईंटों को उड़ा दिया; उन्होंने पत्थर के दो पंख ऊपर फेंक दिए; उन्होंने खिड़कियों को चौड़ा फाड़ दिया; उन्होंने बालकनी को चकनाचूर कर दिया और समुद्र के ऊपर एक चंबूतरा बना दिया।

यह सब तब हो रहा था जब बाकी लोग इसके शुरू होने का पल समझ भी नहीं पाए थे। तभी स्नाइट आगे बढ़ा, लेकिन हेलर ने उसकी कलाई पकड़कर उसे रोक दिया। रोर्क का हाथ उग्र प्रहारों से दीवारों को ध्वस्त करता, चीरता और फिर से बनाता चला गया। रोर्क ने एक पल के लिए अपना सिर ऊपर उठाया और मेज के उस पार बैठे हेलर को देखा। यही उनके लिए पर्याप्त परिचय था; मानो हाथ मिलाना ही काफ़ी था। रोर्क ने अपना काम जारी रखा और जब उसने पेंसिल नीचे फेंकी, तो घर—जैसा उसने डिज़ाइन किया था—काली धारियों के एक व्यवस्थित पैटर्न में बनकर तैयार हो चुका था। प्रदर्शन पाँच मिनट भी नहीं चला था।
स्नाइट ने एक आवाज़ निकालने की कोशिश की। जब हेलर ने कुछ नहीं कहा, तो स्नाइट ने बेझिझक रोर्क पर हमला किया और चिल्लाया: "तुम्हें निकाल दिया गया है, भगवान तुम्हें नरक में भेजे!"
यहां से चले जाओ! तुम्हें नौकरी से निकाल दिया गया है!
ऑस्टेन हेलर ने रोर्क को आँख मारते हुए कहा, "हम दोनों को नौकरी से निकाल दिया गया है। चलो।"
क्या तुमने दोपहर का खाना खा लिया है? चलो कहीं चलते हैं। मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ।
रोर्क अपनी टोपी और कोट लेने के लिए अपने लॉकर की ओर गया। ड्राफ्टिंग रूम में एक चौंका देने वाली घटना घटी और सारा काम रुक गया: ऑस्टेन हेलर ने स्केच उठाया, उसे चार बार मोड़ा, जिससे पवित्र कार्डबोर्ड फट गया, और उसे अपनी जेब में रख लिया।
“लेकिन, श्रीमान हेलर...” स्नाइट हकलाते हुए बोले, “मुझे समझाने दीजिए... अगर आप यही चाहते हैं तो कोई बात नहीं, हम स्केच दोबारा बना लेंगे...”
मुझे समझाने दीजिए..."
“अभी नहीं,” हेलर ने कहा। “अभी नहीं।” दरवाजे पर खड़े होकर उन्होंने आगे कहा, “मैं आपको चेक भेज दूंगा।”
फिर हेलर चला गया, और उसके साथ रोर्क भी; और जैसे ही हेलर ने दरवाजा उनके पीछे बंद किया, उसकी आवाज हेलर के किसी लेख के अंतिम पैराग्राफ जैसी लगी। रोर्क ने एक शब्द भी नहीं कहा था।
रोर्क ने अब तक जिस सबसे महंगे रेस्तरां में कदम रखा था, उसके हल्की रोशनी वाले बूथ में, उनके बीच चमकते क्रिस्टल और चांदी के पार, हेलर कह रहा था:
“...क्योंकि यही वो घर है जो मैं चाहता हूँ, क्योंकि यही वो घर है जिसकी मैंने हमेशा से ख्वाहिश की है। क्या आप मेरे लिए इसे बना सकते हैं, योजना तैयार कर सकते हैं और निर्माण की देखरेख कर सकते हैं?”
“हां,” रोर्क ने कहा।
"अगर हम तुरंत शुरू करें तो कितना समय लगेगा?"
लगभग आठ महीने।
"क्या मुझे पतझड़ के अंत तक घर मिल जाएगा?"
"हाँ।"
"बिल्कुल उस स्केच की तरह?"
"ऐसे ही।"
"देखिए, मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं है कि किसी आर्किटेक्ट के साथ किस तरह का अनुबंध किया जाता है और आपको यह जरूर पता होगा, इसलिए एक अनुबंध तैयार कीजिए और आज दोपहर मेरे वकील से उस पर मंजूरी दिलवाइए, ठीक है?"
"हाँ।"

हेलर ने अपने सामने बैठे व्यक्ति का अध्ययन किया। उसने मेज पर पड़ा हुआ हाथ देखा। हेलर का ध्यान उस हाथ पर केंद्रित हो गया। उसने लंबी उंगलियां, नुकीले जोड़ और उभरी हुई नसें देखीं।
उन्हें ऐसा महसूस हो रहा था कि वे इस व्यक्ति को काम पर नहीं रख रहे हैं, बल्कि स्वयं को उसके अधीन कर रहे हैं।
हेलर ने पूछा, "आपकी उम्र कितनी है, आप जो भी हों?"
“छब्बीस। क्या आपको किसी संदर्भ की आवश्यकता है?”
“बिल्कुल नहीं। मेरे पास हैं, मेरी जेब में। तुम्हारा नाम क्या है?”
“हावर्ड रोर्क।”
हेलर ने एक चेकबुक निकाली, उसे मेज़ पर फैलाया और अपना फ़ाउंटेन पेन उठाया। उन्होंने लिखते हुए कहा, “देखो, मैं तुम्हें खाते में पाँच सौ डॉलर दे देता हूँ। अपने लिए एक ऑफिस या जो भी तुम्हें चाहिए, ले लो और आगे बढ़ो।”
उसने चेक फाड़कर दो सीधी उंगलियों के बीच में रखकर रोर्क को थमा दिया, कोहनी पर झुकते हुए कलाई को एक घुमावदार अंदाज़ में घुमाया। उसकी आँखें सिकुड़ी हुई थीं, मानो वह रोर्क को उत्सुकता से देख रहा हो। लेकिन उसके हावभाव में अभिवादन का भाव था।
चेक "हावर्ड रोर्क, आर्किटेक्ट" के नाम पर बनाया गया था।
ग्यारहवीं
हावर्ड रोर्क ने अपना कार्यालय खोला। यह एक पुरानी इमारत की छत पर बना एक बड़ा कमरा था, जिसकी एक चौड़ी खिड़की छतों के ऊपर तक फैली हुई थी। खिड़की की चौखट से उन्हें दूर हडसन नदी की धारा दिखाई देती थी, और जब वे अपनी उंगलियों को शीशे पर रखते थे तो जहाजों की छोटी-छोटी लकीरें उनकी उंगलियों के नीचे हिलती हुई नज़र आती थीं। उनके पास एक मेज, दो कुर्सियाँ और एक विशाल डिज़ाइन टेबल थी। शीशे के प्रवेश द्वार पर लिखा था: "हावर्ड रोर्क, आर्किटेक्ट।" वे काफी देर तक हॉल में खड़े होकर उन शब्दों को देखते रहे। फिर वे अंदर गए और दरवाजा जोर से बंद कर दिया; उन्होंने मेज से एक टी-स्क्वायर उठाया और उसे ऐसे फेंक दिया जैसे कोई लंगर फेंक रहा हो।
जॉन एरिक स्नाइट ने आपत्ति जताई थी। जब रोर्क अपने ड्राइंग उपकरण लेने कार्यालय आया, तो स्नाइट स्वागत कक्ष में आया, उससे गर्मजोशी से हाथ मिलाया और कहा:
"वाह, रोर्क! आप कैसे हैं?"
अंदर आइए, बिल्कुल अंदर आइए, मैं आपसे बात करना चाहता हूँ!
और रोर्क के अपनी मेज़ के सामने बैठे होने पर स्नाइट ने जोर से बोलना शुरू किया:
“देखो, दोस्त, मुझे उम्मीद है कि तुममें इतनी समझ होगी कि तुम कल मैंने जो कुछ भी कहा, उसे लेकर मन में कोई बात नहीं रखोगे। तुम्हें पता ही है, मैंने थोड़ा आपा खो दिया था, और यह तुम्हारी गलती नहीं थी, बल्कि यह थी कि तुमने उस स्केच पर ऐसा किया... खैर, छोड़ो। कोई बुरा मत मानना?”
“नहीं,” रोर्क ने कहा। “बिल्कुल नहीं।”
“बेशक, आपको नौकरी से नहीं निकाला गया है। आपने मेरी बात को गंभीरता से नहीं लिया, है ना?”
आप इसी वक्त यहां वापस काम पर जा सकते हैं।
“किसलिए, श्री स्नाइट?”
“तुम्हारा मतलब क्या है, किसलिए? ओह, तुम हेलर हाउस के बारे में सोच रहे हो? लेकिन तुम हेलर को गंभीरता से नहीं ले रहे हो, है ना? तुमने देखा ही है वो कैसा है, वो पागल आदमी एक मिनट में साठ बार अपना मन बदल सकता है। वो तुम्हें वो कमीशन ऐसे ही नहीं देगा, बात इतनी आसान नहीं है, ऐसा नहीं हो रहा है।”
“हमने कल अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।”

“ओह, आपने किया? वाह, यह तो बहुत बढ़िया है! अच्छा, देखिए, रोर्क, मैं आपको बताता हूँ कि हम क्या करेंगे: आप कमीशन वापस हमारे पास ले आइए और मैं आपको अपना नाम मेरे नाम के साथ उस पर लिखने की अनुमति दे दूँगा—‘जॉन एरिक स्नाइट और हॉवर्ड रोर्क’।”
हम फीस आपस में बाँट लेंगे। यह आपकी तनख्वाह के अलावा है—और वैसे भी, आपकी तनख्वाह बढ़ रही है। फिर, आप जो भी कमीशन लाएँगे, उस पर भी हमारा यही समझौता रहेगा। और... हे भगवान, आप किस बात पर हँस रहे हैं?
"क्षमा करें, मिस्टर स्नाइट। मुझे क्षमा करें।"
"मुझे नहीं लगता कि आप समझते हैं," स्नाइट ने हैरानी से कहा। "क्या आप नहीं देखते? यह आपका बीमा है। आप अभी इससे मुक्त नहीं होना चाहते।"
कमीशन ऐसे ही आपकी झोली में नहीं आ गिरेंगे। फिर आप क्या करेंगे?
इस तरह, आपके पास एक स्थिर नौकरी होगी और आप स्वतंत्र रूप से काम करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे, यदि आप यही चाहते हैं। चार-पांच साल में, आप यह कदम उठाने के लिए तैयार हो जाएंगे। यही तो हर कोई करता है।
आप देखें?"
"हाँ।"
तो क्या आप सहमत हैं?
"नहीं।"
लेकिन, हे भगवान! तुम तो पागल हो गए हो! अब अकेले ही काम शुरू करने जा रहे हो? बिना अनुभव के, बिना जान-पहचान के, बिना... मतलब, बिना किसी चीज़ के! मैंने तो कभी ऐसी बात सुनी ही नहीं। इस पेशे में किसी से भी पूछ लो। देखो वो क्या कहते हैं। ये तो सरासर बेतुकी है!
"शायद।"
"सुनो, रोर्क, क्या तुम कृपया सुनोगे?"
“अगर आप चाहें तो मैं सुन लूँगा, श्री स्नाइट। लेकिन मुझे लगता है कि मुझे अभी आपको बता देना चाहिए कि आप जो भी कहेंगे उससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। अगर आपको इससे कोई आपत्ति नहीं है, तो मुझे भी सुनने में कोई आपत्ति नहीं है।”
स्नाइट काफी देर तक बोलते रहे और रोर्क बिना आपत्ति जताए, बिना कोई स्पष्टीकरण दिए या जवाब दिए सुनते रहे।
"अगर तुम्हारा यही रवैया है, तो जब तुम खुद को फुटपाथ पर पाओगे, तो मुझसे तुम्हें वापस लेने की उम्मीद मत करना।"
मुझे इसकी उम्मीद नहीं है, श्री स्नाइट।
"जो कुछ तुमने मेरे साथ किया है, उसे सुनने के बाद इस पेशे में किसी और से तुम्हें काम पर रखने की उम्मीद मत करना।"
मुझे इसकी भी उम्मीद नहीं है।
कुछ दिनों तक स्नाइट ने रोर्क और हेलर पर मुकदमा करने के बारे में सोचा। लेकिन उन्होंने ऐसा न करने का फैसला किया, क्योंकि उस समय कोई मिसाल मौजूद नहीं थी; क्योंकि हेलर ने उन्हें उनके प्रयासों के लिए भुगतान किया था, और घर का डिज़ाइन वास्तव में रोर्क ने ही तैयार किया था; और क्योंकि ऑस्टेन हेलर पर कभी किसी ने मुकदमा नहीं किया था।
रोर्क के कार्यालय में आने वाला पहला व्यक्ति पीटर कीटिंग था।
एक दोपहर, वह बिना किसी पूर्व सूचना के अंदर आया, सीधे कमरे के उस पार गया और रोर्क की मेज पर बैठ गया, खुशी से मुस्कुराते हुए, अपने हाथों को एक व्यापक इशारे में फैलाते हुए:
“वाह, हॉवर्ड!” उसने कहा। “वाह, कमाल है!”
उसने एक साल से रोर्क को नहीं देखा था।

“हैलो, पीटर,” रोक ने कहा।
“तुम्हारा अपना दफ्तर, तुम्हारा अपना नाम और सब कुछ! अभी से! बस कल्पना करो!”
"तुम्हें किसने बताया, पीटर?"
“अरे, ऐसी बातें सुनने में आ जाती हैं। आप मुझसे यह उम्मीद तो नहीं करेंगे कि मैं आपके करियर पर नज़र न रखूँ, है ना? आप जानते ही हैं कि मैं हमेशा आपके बारे में क्या सोचती हूँ। और मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि मैं आपको बधाई देती हूँ और आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।”
नहीं, आपको ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है।
"आपका घर बहुत अच्छा है। रोशनीदार और विशाल। शायद उतना भव्य नहीं जितना होना चाहिए, लेकिन शुरुआत में कोई क्या उम्मीद कर सकता है?"
और फिर, संभावनाएं अनिश्चित हैं, है ना, हॉवर्ड?
"अत्यंत।"
"आपने बहुत बड़ा जोखिम उठाया है।"
"शायद।"
“क्या तुम सचमुच इसे करने जा रहे हो? मेरा मतलब है, अकेले ही?”
ऐसा ही लगता है, है ना?
“खैर, अभी भी देर नहीं हुई है। जब मैंने यह कहानी सुनी थी, तो मुझे लगा था कि आप इसे स्नाइट को सौंप देंगे और उसके साथ एक अच्छा सौदा करेंगे।”
मैंने नहीं किया।
क्या आप सचमुच ऐसा नहीं करने वाले हैं?
"नहीं।"
कीटिंग सोच रहा था कि उसे आक्रोश की वह घिनौनी भावना क्यों हो रही है; वह यहाँ इस उम्मीद से क्यों आया था कि कहानी झूठी निकलेगी, रोर्क अनिश्चित होगा और आत्मसमर्पण करने को तैयार होगा। रोर्क के बारे में खबर सुनने के बाद से ही वह भावना उसे सता रही थी; एक अप्रिय अनुभूति जो कारण भूल जाने के बाद भी बनी रहती थी। वह भावना बिना किसी कारण के, क्रोध की एक खाली लहर की तरह, उसके पास लौट आती और वह खुद से पूछता: अब आखिर क्या बकवास है?—आज मैंने क्या सुना? फिर वह
याद रखें: ओह, हाँ, रोर्क—रोर्क ने अपना खुद का कार्यालय खोल लिया है। वह अधीरता से खुद से पूछता: तो क्या हुआ?—और साथ ही जानता कि इन शब्दों का सामना करना कष्टदायक और अपमान की तरह शर्मनाक था।
"हावर्ड, मैं आपकी हिम्मत की तारीफ करता हूँ। सच कहूँ तो, मुझे आपसे कहीं ज़्यादा अनुभव है और इस पेशे में मेरी कहीं ज़्यादा प्रतिष्ठा है, यह कहने में मुझे कोई हिचक नहीं है—मैं सिर्फ़ निष्पक्ष रूप से बोल रहा हूँ—लेकिन मैं ऐसा कदम उठाने की हिम्मत नहीं करूँगा।"
नहीं, आप ऐसा नहीं करेंगे।
“तो आपने सबसे पहले छलांग लगा दी। वाह, वाह! किसने सोचा होगा? ... मैं आपको दुनिया की सारी शुभकामनाएँ देता हूँ।”
"धन्यवाद, पीटर।"
मुझे पता है तुम सफल होगे। मुझे पूरा यकीन है।
"क्या आप?"
“बिल्कुल! बिल्कुल, मैं हूँ। क्या आप नहीं हैं?”
मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं है।
“क्या आपने इसके बारे में नहीं सोचा?”
"ज्यादा नहीं।"

“तो फिर आपको यकीन नहीं है, हॉवर्ड? आपको यकीन नहीं है?”
आप इतनी उत्सुकता से यह क्यों पूछ रहे हैं?
“क्या? क्यों... नहीं, उत्सुकता से नहीं, लेकिन निश्चित रूप से, मैं चिंतित हूँ।”
हावर्ड, आपकी स्थिति में अभी निश्चित न होना बुरी मानसिकता है।
तो आपको संदेह है?
"बिल्कुल भी नहीं।"
"लेकिन आप ने कहा ..."
मुझे सब बातों का पूरा यकीन है, पीटर।
"क्या आपने अपना पंजीकरण करवाने के बारे में सोचा है?"
मैंने इसके लिए आवेदन कर दिया है।
"तुम्हारे पास कॉलेज की डिग्री नहीं है, तुम्हें पता है। परीक्षा में वे तुम्हारे लिए मुश्किलें खड़ी कर देंगे।"
"शायद।"
"अगर आपको लाइसेंस नहीं मिला तो आप क्या करेंगे?"
"मुझे यह मिल जाएगा।"
"खैर, मुझे लगता है कि अब हम ए.जी.ए. में मिलेंगे, बशर्ते आप मेरे साथ बदतमीजी न करें, क्योंकि आप एक पूर्ण सदस्य होंगे और मैं तो अभी जूनियर ही हूं।"
मैं अटॉर्नी जनरल एसोसिएशन में शामिल नहीं हो रहा हूँ।
“आपका क्या मतलब है, आप शामिल नहीं हो रहे हैं? आप अभी पात्र हैं।”
"संभवतः।"
आपको शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
उन्हें कह दो कि वे परेशान न हों।
"क्या!"
"पीटर, तुम्हें पता है, हमारी ठीक इसी तरह की बातचीत सात साल पहले हुई थी, जब तुमने मुझे स्टेटन में अपने बिरादरी में शामिल होने के लिए मनाने की कोशिश की थी।"
इसे दोबारा शुरू मत करो।
"जब आपको मौका मिलेगा तो आप ए.जी.ए. में शामिल नहीं होंगे?"
"मैं किसी भी समय किसी भी चीज़ में शामिल नहीं होऊंगा, पीटर।"
लेकिन क्या आपको यह एहसास नहीं है कि इससे कितना फायदा होता है?
"में क्या?"
"एक वास्तुकार होने के नाते।"
मुझे वास्तुकार बनने में किसी की मदद लेना पसंद नहीं है।
"तुम अपने लिए ही चीजें और मुश्किल बना रहे हो।"
"मैं हूँ।"
और यह काफी मुश्किल होगा, आप जानते हैं।
"मुझे पता है।"
"अगर आप इस तरह के निमंत्रण को ठुकरा देंगे तो आप उन्हें अपना दुश्मन बना लेंगे।"
मैं फिर भी उनसे दुश्मनी मोल लूंगा।
रोर्क ने सबसे पहले यह खबर हेनरी कैमरून को सुनाई थी। हेलर के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के अगले दिन ही रोर्क न्यू जर्सी चले गए। बारिश हुई थी और उन्होंने कैमरून को बगीचे में गीले रास्तों पर धीरे-धीरे चलते हुए पाया, वे छड़ी का सहारा लेकर चल रहे थे। पिछली सर्दियों में कैमरून की हालत इतनी सुधर गई थी कि वे हर दिन कुछ घंटे चल पाते थे। वे बड़ी मुश्किल से चल रहे थे, उनका शरीर झुका हुआ था। वे अपने पैरों के नीचे की धरती पर उग रही हरी पत्तियों को देख रहे थे। वे बीच-बीच में अपनी छड़ी उठाते, अपने पैरों को सहारा देते हुए एक पल के लिए खड़े होते; छड़ी की

नाक से वे एक मुड़े हुए हरे कप को छूते और गोधूलि बेला में उससे एक चमकती बूंद गिरते देखते। उन्होंने रोर्क को पहाड़ी पर आते देखा और भौंहें चढ़ा लीं। उन्होंने रोर्क को सिर्फ एक हफ्ते पहले ही देखा था, और चूंकि ये मुलाकातें दोनों के लिए बहुत मायने रखती थीं, इसलिए दोनों में से कोई भी बार-बार मिलना नहीं चाहता था।
“तो?” कैमरन ने रूखेपन से पूछा। “आप यहाँ क्या चाहते हैं?”
"मुझे आपको कुछ बताना है।"
"यह प्रतीक्षा कर सकते हैं।"
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"कुँआ?"
“मैं अपना खुद का ऑफिस खोल रहा हूँ। मैंने अभी-अभी अपनी पहली बिल्डिंग के लिए समझौता किया है।”
कैमरन ने अपनी छड़ी घुमाई, उसका सिरा ज़मीन में धंसा हुआ था, छड़ी का तना एक बड़ा गोला बना रहा था, उसके दोनों हाथ छड़ी के हैंडल पर टिके हुए थे, एक हाथ की हथेली दूसरे की पीठ पर थी। उसका सिर धीरे-धीरे हिलता रहा, गति के साथ ताल मिलाते हुए, काफी देर तक, उसकी आँखें बंद थीं। फिर उसने रोर्क की ओर देखा और कहा:
"अच्छा, तो इसके बारे में शेखी मत बघारो।"
उन्होंने आगे कहा: "मुझे बैठने में मदद करो।" कैमरन ने पहली बार यह वाक्य बोला था; उनकी बहन और रोर्क को बहुत पहले ही पता चल गया था कि उनकी उपस्थिति में एक ही घोर अपराध वर्जित था, और वह था उन्हें हिलने-डुलने में मदद करने का कोई भी इरादा।
रोर्क ने उसकी कोहनी पकड़ी और उसे एक बेंच पर ले गया। कैमरन ने सूर्यास्त की ओर देखते हुए कड़े स्वर में पूछा:
“क्या? किसके लिए? कितने में?”
उन्होंने चुपचाप रोर्क की कहानी सुनी। उन्होंने फटे हुए गत्ते पर बने उस रेखाचित्र को काफी देर तक देखा, जिस पर पानी के रंगों के ऊपर पेंसिल की रेखाएं खींची गई थीं। फिर उन्होंने पत्थर, स्टील, सड़कों, ठेकेदारों और लागत के बारे में कई सवाल पूछे। उन्होंने न तो बधाई दी और न ही कोई टिप्पणी की।
जब रोर्क जाने लगा, तभी कैमरन ने अचानक कहा:
"हावर्ड, जब तुम अपना ऑफिस खोलो, तो उसकी तस्वीरें खींच लेना और मुझे दिखाना।"
फिर उसने अपना सिर हिलाया, अपराधबोध से दूसरी ओर देखा और अपशब्द कहे।
"मैं बूढ़ा हो गया हूँ और मेरी याददाश्त कमजोर हो रही है। भूल जाओ।"
रोर्क ने कुछ नहीं कहा।
तीन दिन बाद वह वापस आया। "तुम बहुत परेशान करने वाले बन रहे हो।" कैमरन ने कहा। रोर्क ने बिना कुछ कहे उसे एक लिफाफा थमा दिया।
कैमरन ने तस्वीरों को देखा, एक तस्वीर में विशाल, खाली दफ्तर दिख रहा था, दूसरी में चौड़ी खिड़की और तीसरी में प्रवेश द्वार। उसने बाकी तस्वीरें नीचे रख दीं और प्रवेश द्वार वाली तस्वीर को काफी देर तक पकड़े रखा।
अंत में उन्होंने कहा, "खैर, मैं इसे देखने के लिए जीवित रहा।"
उसने तस्वीर गिरा दी।
“बिल्कुल वैसा नहीं,” उन्होंने आगे कहा। “जिस तरह से मैं चाहता था, वैसा तो नहीं हुआ, लेकिन हो गया। यह कुछ वैसा ही है जैसे कुछ लोग कहते हैं कि हमें उस दूसरी दुनिया में पृथ्वी की परछाइयाँ दिखाई देंगी। शायद मैं बाकी दुनिया को उसी तरह देख पाऊँगा। मैं सीख रहा हूँ।”
उसने तस्वीर उठा ली।

“हावर्ड,” उसने कहा। “इसे देखो।”
उसने उसे उन दोनों के बीच पकड़े रखा था।
"इसमें ज्यादा कुछ नहीं लिखा है। सिर्फ 'हावर्ड रोर्क, आर्किटेक्ट'। लेकिन यह उन आदर्श वाक्यों की तरह है जिन्हें लोग किसी किले के प्रवेश द्वार पर खुदवाते थे और जिनके लिए अपनी जान दे देते थे।"
यह एक ऐसी चुनौती है जिसका सामना इतनी विशाल और अंधकारमय चीज़ से करना है कि धरती पर सारा दर्द—और क्या आप जानते हैं कि धरती पर कितना दुख है?—सारा दर्द उसी चीज़ से आता है जिसका सामना आपको करना है। मुझे नहीं पता कि वह क्या है, मुझे नहीं पता कि उसे आपके विरुद्ध क्यों प्रकट किया जाएगा। मैं बस इतना जानता हूँ कि ऐसा होगा। और मैं जानता हूँ कि यदि आप इन शब्दों को अंत तक निभाएँगे, तो यह एक विजय होगी, हावर्ड, न केवल आपके लिए, बल्कि उस चीज़ के लिए भी जिसे जीतना चाहिए, जो दुनिया को बदल दे।
और इसे कभी मान्यता नहीं मिलती। यह उन सभी को न्यायोचित ठहराएगा जो तुमसे पहले गिर चुके हैं, जिन्होंने तुम्हारे समान पीड़ा झेली है। ईश्वर तुम्हें आशीर्वाद दे—या जो भी मनुष्य के हृदय में सर्वोत्तम, उच्चतम संभव दृष्टि देख सकता है। तुम नरक की ओर जा रहे हो, हावर्ड।
रोर्क चट्टान की चोटी तक जाने वाले रास्ते पर चढ़ गया, जहाँ हेलर हाउस का स्टील का ढाँचा नीले आकाश में ऊँचा उठ रहा था। ढाँचा तैयार था और कंक्रीट डाली जा रही थी; छतों की विशाल चटाइयाँ नीचे दूर तक काँपते हुए चाँदी जैसे पानी की चादर पर लटकी हुई थीं; प्लंबर और इलेक्ट्रीशियन अपनी पाइपलाइन बिछाना शुरू कर चुके थे।
उसने गर्डर्स और स्तंभों की पतली रेखाओं से घिरे आकाश के चौकोर हिस्सों को देखा, आकाश से चीर कर निकाले गए खाली घनों को देखा। उसके हाथ अनायास ही आगे बढ़े, आने वाली दीवारों के तलों को भरते हुए, भविष्य के कमरों को घेरते हुए। उसके पैरों के नीचे से एक पत्थर खड़खड़ाया और पहाड़ी से नीचे लुढ़क गया, उसकी गूंजती हुई ध्वनि की बूंदें गर्मी की धूप भरी स्वच्छ हवा में गूंज उठीं।
वह शिखर पर खड़ा था, उसके पैर चौड़े फैले हुए थे, और वह पीछे की ओर झुककर हवा में सिर टिकाए बैठा था। उसने अपने सामने मौजूद सामग्रियों को देखा, स्टील में जड़े रिवेट्स के उभारों को, पत्थर के टुकड़ों में चमकती चिंगारियों को, और ताज़े, पीले तख्तों में बुनी हुई सर्पिल आकृतियों को।
फिर उसने बिजली के तारों में उलझी एक हृष्ट-पुष्ट आकृति देखी, जिसका बुलडॉग जैसा चेहरा एक विशाल मुस्कान में बदल गया था और उसकी नीली आँखें एक प्रकार की अपवित्र विजय में आनंदित हो रही थीं।
“माइक!” उसने अविश्वास से कहा।
हेलर के स्नाइट के कार्यालय में आने से बहुत पहले, माइक महीनों पहले फिलाडेल्फिया में एक बड़ी नौकरी के लिए रवाना हो गया था, और माइक ने कभी भी इस बारे में कुछ नहीं सुना था।
खबर—या कम से कम उसे ऐसा ही लगा।
“हेलो, रेड,” माइक ने बहुत ही लापरवाही से कहा और आगे जोड़ा: “हेलो, बॉस।”
“माइक, तुमने यह कैसे किया...?”
“तुम तो कमाल के आर्किटेक्ट हो। इस तरह काम की अनदेखी कर रहे हो। यहाँ मेरा तीसरा दिन है, तुम्हारे आने का इंतज़ार कर रहा हूँ।”
“माइक, तुम यहाँ कैसे आए? इतनी निराशाजनक स्थिति क्यों?” उसने माइक को कभी छोटे निजी आवासों में रहने की परवाह करते हुए नहीं देखा था।
“भावुक मत बनो। तुम जानते हो कि मैं यहाँ कैसे पहुँचा। तुम्हें नहीं लगा था कि मुझे अपने पहले घर की याद आएगी, है ना? और तुम्हें लगता है कि यह मेरे लिए गिरावट है?”

खैर, शायद ऐसा हो। और शायद इसका उल्टा भी हो।
रोर्क ने अपना हाथ बढ़ाया और माइक की मैली उंगलियाँ उस पर बेरहमी से बंद हो गईं, मानो रोर्क की त्वचा पर छोड़े गए धब्बों ने वो सब कुछ कह दिया हो जो वो कहना चाहता था। और क्योंकि उसे डर था कि कहीं वो कह न दे, माइक गुर्राया:
"जाओ बॉस, जाओ। इस तरह काम में बाधा मत डालो।"
रोर्क घर में घूम रहा था। कुछ पल ऐसे भी थे जब वह सटीक, तटस्थ होकर निर्देश दे सकता था, मानो यह उसका घर न होकर केवल एक गणितीय समस्या हो; जब उसे पाइपों और रिवेट्स की मौजूदगी का एहसास होता था, जबकि उसका अपना अस्तित्व गायब हो जाता था।
कुछ पल ऐसे भी आए जब उसके भीतर कुछ उठा, न कोई विचार, न कोई भावना, बल्कि एक शारीरिक हिंसा की लहर, और तब वह रुकना चाहता था, पीछे झुकना चाहता था, अपने शरीर की वास्तविकता को महसूस करना चाहता था जो स्टील के ढांचे से और भी तीव्र हो गई थी, जो उसके शरीर के उज्ज्वल, उत्कृष्ट अस्तित्व के केंद्र के रूप में धुंधला सा उभरा हुआ था। वह रुका नहीं। वह शांत भाव से चलता रहा।
लेकिन उसके हाथों ने वह सब कुछ उजागर कर दिया जो वह छिपाना चाहता था। उसके हाथ आगे बढ़े, धीरे-धीरे बीमों और जोड़ों पर फिरे। घर के कामगारों ने इसे देखा। उन्होंने कहा: "वह आदमी इस चीज़ से प्यार करता है। वह अपने हाथों को इससे दूर नहीं रख पाता।"
मजदूरों को वह पसंद था। ठेकेदार के सुपरिटेंडेंट उसे पसंद नहीं करते थे।
उन्हें घर बनाने के लिए ठेकेदार ढूंढने में परेशानी हो रही थी।

कई बेहतर कंपनियों ने कमीशन लेने से इनकार कर दिया था। "हम इस तरह का काम नहीं करते।" "नहीं, हम इसमें नहीं पड़ेंगे। ऐसे छोटे काम के लिए यह बहुत जटिल है।" "इस तरह का घर कौन बनवाना चाहेगा? शायद बाद में हम उस सनकी से कभी पैसे वसूल नहीं कर पाएंगे। भाड़ में जाए।" "मैंने ऐसा कभी नहीं किया। मुझे पता ही नहीं कि इसे कैसे करना है। मैं तो बस निर्माण कार्य ही करता रहूंगा।" एक ठेकेदार ने इस पर विचार किया था।
उसने संक्षेप में योजनाएँ बनाईं और उन्हें एक तरफ फेंक दिया, और निर्णायक रूप से घोषणा की: "यह टिकेगा नहीं।" "यह टिकेगा," रोर्क ने कहा। ठेकेदार ने उदासीनता से धीमी आवाज़ में जवाब दिया।
"जी हाँ? और आप मुझे बताने वाले कौन होते हैं, महोदय?"
उन्हें एक छोटी सी कंपनी मिल गई जिसे काम की ज़रूरत थी और उन्होंने वह काम अपने हाथ में ले लिया, और काम की अपेक्षा से अधिक शुल्क लिया—यह कहते हुए कि वे एक विचित्र प्रयोग कर रहे हैं। निर्माण कार्य चलता रहा, और फोरमैन असंतुष्ट मौन में आज्ञा का पालन करते रहे, मानो वे अपनी भविष्यवाणियों के सच होने की प्रतीक्षा कर रहे हों और जब घर उनके सिर पर गिर जाए तो उन्हें खुशी होगी।
रोर्क ने एक पुरानी फोर्ड कार खरीदी थी और वह ज़रूरत से ज़्यादा बार काम पर जाने के लिए उसे चलाता था। अपने दफ्तर में डेस्क पर बैठना, मेज पर खड़े रहना, निर्माण स्थल से खुद को दूर रखना उसके लिए मुश्किल था। साइट पर कई बार उसका मन करता था कि वह अपने दफ्तर और ड्राइंग बोर्ड को भूल जाए, मजदूरों के औजार उठा ले और घर के निर्माण में जुट जाए, जैसे उसने अपने बचपन में किया था, अपने हाथों से उस घर को बनाए।
वह इमारत में धीरे-धीरे चल रहा था, तख्तों के ढेर और तारों के कुंडलों पर हल्के कदमों से कदम रखते हुए, वह नोटस बना रहा था, वह कठोर स्वर में संक्षिप्त आदेश दे रहा था। उसने माइक की ओर देखने से परहेज किया। लेकिन माइक उसे देख रहा था,

घर में उसकी गतिविधियों पर नजर रख रहा था। जब भी वह पास से गुजरता, माइक उसे समझदारी से आँख मारता। माइक ने एक बार कहा:
“खुद पर काबू रखो, रेड। तुम खुली किताब की तरह हो। हे भगवान, इतना खुश होना तो अशोभनीय है!”
रोर्क चट्टान पर, उस ढांचे के पास खड़ा था और आसपास के ग्रामीण इलाके को देख रहा था, किनारे के साथ-साथ घुमावदार सड़क की लंबी, धूसर पट्टी को। एक खुली कार तेज़ी से ग्रामीण इलाके की ओर निकल पड़ी। कार पिकनिक पर जा रहे लोगों से खचाखच भरी थी। चमकीले स्वेटर और स्कार्फ़ हवा में लहरा रहे थे; इंजन की गर्जना के बीच बेमतलब चीखती आवाजें और हंसी की कर्कश आवाजें गूंज रही थीं; एक लड़की करवट लेकर बैठी थी, उसके पैर कार के किनारे लटके हुए थे; उसने एक आदमी की पुआल की टोपी पहन रखी थी जो उसकी नाक तक खिसक रही थी और वह यूकेले के तारों को ज़ोर-ज़ोर से खींच रही थी, कर्कश आवाजें निकाल रही थी और "हे!" चिल्ला रही थी। ये लोग अपने जीवन के एक खास दिन का आनंद ले रहे थे; वे बीते दिनों के काम और बोझ से मुक्ति की खुशी में आसमान की ओर चीख रहे थे; उन्होंने एक लक्ष्य तक पहुँचने के लिए काम किया था और बोझ उठाए थे—और यही उनका लक्ष्य था।
उसने तेज़ी से गुज़रती हुई कार को देखा। उसने सोचा कि उसके और उनके मन में आज के दिन की चेतना में कोई अंतर है, कोई महत्वपूर्ण अंतर। उसने सोचा कि उसे इसे समझने की कोशिश करनी चाहिए। लेकिन वह भूल गया। वह एक टक को पहाड़ी पर चढ़ते हुए देख रहा था, जो चमकीले कटे हुए ग्रेनाइट के ढेर से लदा हुआ था।
ऑस्टेन हेलर अक्सर घर को देखने आते थे और उत्सुकता से, थोड़ा आश्चर्यचकित होते हुए, उसे बढ़ते हुए देखते थे। उन्होंने रोर्क और घर को एक ही बारीकी से अध्ययन किया; उन्हें ऐसा लगता था मानो वे दोनों में अंतर नहीं कर पा रहे हों।
बाध्यता के विरुद्ध लड़ने वाले हेलर, रोर्क से चकित थे, जो बाध्यता से इतना अप्रभावित था कि वह स्वयं एक प्रकार की बाध्यता बन गया था, एक ऐसा अल्टीमेटम जिसके विरुद्ध हेलर उन चीजों को परिभाषित नहीं कर सकते थे। एक सप्ताह के भीतर, हेलर को पता चल गया कि उन्हें अपना सबसे अच्छा मित्र मिल गया है; और उन्हें यह भी पता था कि यह मित्रता रोर्क की मूलभूत उदासीनता से उपजी है। रोर्क के अस्तित्व की गहरी वास्तविकता में हेलर की कोई चेतना नहीं थी, हेलर की कोई आवश्यकता नहीं थी, कोई अपील नहीं थी, कोई मांग नहीं थी। हेलर ने एक रेखा खींची हुई महसूस की, जिसे वह छू नहीं सकते थे; उस रेखा के पार, रोर्क ने उनसे कुछ नहीं मांगा और न ही उन्हें कुछ दिया। लेकिन जब रोर्क ने उन्हें स्वीकृति भरी नजरों से देखा, जब रोर्क मुस्कुराए, जब रोर्क ने उनके किसी लेख की प्रशंसा की, तो हेलर ने एक अजीबोगरीब शुद्ध आनंद का अनुभव किया, जो न तो रिश्वत थी और न ही भीख।
गर्मी की शामों में वे पहाड़ी के आधे रास्ते पर एक चबूतरे पर एक साथ बैठते थे और बातें करते थे, जबकि अंधेरा धीरे-धीरे उनके ऊपर बने घर की कड़ियों पर चढ़ता जाता था, और सूरज की आखिरी किरणें स्टील के खंभों के सिरों तक सिमट जाती थीं।
"हावर्ड, मुझे आपके द्वारा मेरे लिए बनाए जा रहे इस घर में ऐसा क्या पसंद है जो मुझे इतना अच्छा लगता है?"
रोर्क ने कहा, "एक घर में भी एक व्यक्ति की तरह ही अखंडता हो सकती है, और उतनी ही दुर्लभता से।"
"किस तरह से?"
“देखो, इसे। इसका हर हिस्सा यहाँ इसलिए है क्योंकि घर को इसकी ज़रूरत है—और किसी कारण से नहीं। आप इसे यहां से अंदर से देख सकते हैं। जिन कमरों में आप रहेंगे, उन्होंने इसका आकार तय किया है। द्रव्यमानों का संबंध अंदर के स्थान के वितरण से निर्धारित हुआ है। अलंकरण निर्माण विधि से निर्धारित हुआ है, जो उस

सिद्धांत पर ज़ोर देता है जिसके बल पर यह खड़ा है। आप हर तनाव, हर आधार देख सकते हैं।
जो इसे पूरा करता है। जब आप घर को देखते हैं, तो आपकी अपनी आँखें एक संरचनात्मक प्रक्रिया से गुजरती हैं, आप हर चरण का अनुसरण कर सकते हैं, आप इसे उठते हुए देखते हैं, आप जानते हैं कि इसे किसने बनाया और यह क्यों खड़ा है। लेकिन आपने ऐसी इमारतें भी देखी हैं जिनमें स्तंभ किसी काम के नहीं होते, जिनमें अर्थहीन कंगनी, खंभे, साज-सज्जा, नकली मेहराब, नकली खिड़कियाँ होती हैं। आपने ऐसी इमारतें भी देखी हैं जो देखने में एक बड़े हॉल जैसी लगती हैं, उनमें ठोस स्तंभ और छह मंजिला ऊँची एक-एक ठोस खिड़कियाँ होती हैं। लेकिन जब आप अंदर जाते हैं तो पाते हैं कि अंदर छह मंजिलें हैं। या ऐसी इमारतें जिनमें एक ही हॉल होता है, लेकिन उसका अग्रभाग फर्श की रेखाओं, पट्टियों, खिड़कियों की पंक्तियों में कटा हुआ होता है।
क्या आप अंतर समझते हैं? आपका घर अपनी ज़रूरतों के हिसाब से बना है। दूसरों का घर दूसरों को प्रभावित करने की ज़रूरत के हिसाब से बना है। आपके घर का मूल उद्देश्य घर के भीतर ही निहित है। दूसरों का मूल उद्देश्य श्रोताओं में निहित है।
“क्या आप जानते हैं कि मुझे भी कुछ ऐसा ही महसूस हुआ है? मुझे ऐसा लगा है कि जब मैं इस घर में आऊँगी, तो मेरा जीवन एक नए प्रकार का हो जाएगा, और मेरी रोज़मर्रा की साधारण दिनचर्या में भी एक ऐसी ईमानदारी या गरिमा होगी जिसे मैं ठीक से परिभाषित नहीं कर सकती। अगर मैं आपसे कहूँ कि मुझे ऐसा लग रहा है कि मुझे इस घर के अनुरूप जीना होगा, तो आश्चर्यचकित मत होना।”
रोर्क ने कहा, "मेरा यही इरादा था।"
और हाँ, मेरी सुविधा का आपने जिस तरह से ध्यान रखा है, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मुझे कई ऐसी बातें नज़र आ रही हैं जो पहले कभी मेरे दिमाग में नहीं आई थीं, लेकिन आपने उन्हें इस तरह से प्लान किया है जैसे आपको मेरी सभी ज़रूरतें पता हों। उदाहरण के लिए, मेरा स्टडी रूम वह कमरा है जिसकी मुझे सबसे ज़्यादा ज़रूरत होगी और आपने उसे सबसे प्रमुख स्थान दिया है—और हाँ, बाहर से भी मुझे समझ आ रहा है कि आपने उसे सबसे प्रमुख हिस्सा क्यों बनाया है। और फिर जिस तरह से वह लाइब्रेरी से जुड़ा है, और लिविंग रूम जो मेरे रास्ते से काफ़ी दूर है, और गेस्ट रूम जहाँ मुझे उनकी आवाज़ ज़्यादा सुनाई नहीं देगी—
और ये सब। आपने मेरे प्रति बहुत ही विचारशील रवैया दिखाया।
“जानते हो,” रोर्क ने कहा, “मैंने तुम्हारे बारे में बिल्कुल नहीं सोचा। मैं तो घर के बारे में सोच रहा था।” उन्होंने आगे कहा, “शायद इसीलिए मुझे तुम्हारे प्रति विचारशील रहना आया।”
हेलर हाउस का निर्माण नवंबर 1926 में पूरा हुआ था।
जनवरी 1927 में आर्किटेक्चरल ट्रिब्यून ने पिछले वर्ष निर्मित सर्वश्रेष्ठ अमेरिकी घरों का एक सर्वेक्षण प्रकाशित किया। इसमें चौबीस घरों की तस्वीरों के लिए बारह बड़े, चमकदार पृष्ठ समर्पित किए गए थे।
इसके संपादकों ने इसे वास्तुकला की सबसे उत्कृष्ट उपलब्धियों के रूप में चुना था।
हेलर हाउस का जिक्र नहीं किया गया।
न्यूयॉर्क के समाचार पत्रों के रियल एस्टेट अनुभाग प्रत्येक रविवार को आसपास के उल्लेखनीय नए आवासों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते थे।
हेलर हाउस का कोई विवरण नहीं था।
आर्किटेक्ट्स गिल्ड ऑफ अमेरिका की वार्षिक पुस्तिका, जिसमें "लुकिंग फॉरवर्ड" शीर्षक के तहत देश की सर्वश्रेष्ठ इमारतों के शानदार चित्र प्रस्तुत किए गए थे, में हेलर हाउस का कोई उल्लेख नहीं था।
ऐसे कई अवसर आए जब व्याख्याता मंच पर खड़े होकर अमेरिकी वास्तुकला की प्रगति के विषय पर संक्षिप्त श्रोताओं को संबोधित करते थे। लेकिन किसी ने भी हेलर

हाउस का जिक्र नहीं किया।
ए.जी.ए. के क्लब कक्षों में कुछ राय व्यक्त की गईं।
“यह देश के लिए शर्म की बात है कि हेलर हाउस जैसी इमारत को बनने दिया जा रहा है। यह पेशे पर कलंक है। इसके लिए कानून होना चाहिए।”
"यही वजह है कि ग्राहक दूर भाग जाते हैं," जॉन एरिक स्नाइट ने कहा। "वे इस तरह का घर देखते हैं और सोचते हैं कि सभी वास्तुकार पागल हैं।"
गार्डन एल. प्रेस्कॉट ने कहा, "मुझे इसमें आक्रोश का कोई कारण नहीं दिखता। मुझे तो यह बेहद हास्यास्पद लगता है। यह किसी पेट्रोल पंप और चांद पर जाने वाले रॉकेट जहाज के कॉमिक स्ट्रिप वाले विचार का मिलाजुला रूप लगता है।"
यूजीन पेटिंगिल ने कहा, "कुछ सालों में इसे देखना और जानना कि क्या होता है। यह तीश के पत्तों के घर की तरह ढह जाएगा।"
“सालों के हिसाब से बात क्यों करें?” गाय फ्रैंकन ने कहा। “ये आधुनिक हथकंडे एक सीज़न से ज़्यादा नहीं टिकते। मालिक इससे ऊब जाएगा और वापस अपने पुराने, अच्छे औपनिवेशिक शैली के घर में लौट आएगा।”
हेलर का घर आसपास के पूरे इलाके में मशहूर हो गया था। लोग जानबूझकर उसके सामने वाली सड़क पर गाड़ी खड़ी करते थे, उसे घूरते, उंगली उठाते और हंसते थे। हेलर की कार के गुजरने पर पेट्रोल पंप के कर्मचारी भी दबे स्वर में हंसते थे। हेलर की रसोइया को जब भी कोई काम से बाहर जाती थी, दुकानदारों की तिरछी निगाहों का सामना करना पड़ता था। हेलर का घर मोहल्ले में "बेवकूफी का अड्डा" के नाम से जाना जाता था।
पीटर कीटिंग ने अपने पेशेवर दोस्तों से मुस्कुराते हुए कहा: "अरे, अरे, आपको उसके बारे में ऐसा नहीं कहना चाहिए। मैं हॉवर्ड रोर्क को लंबे समय से जानता हूं, और वह वाकई प्रतिभाशाली है। उसने एक बार मेरे लिए काम भी किया है। लेकिन उस घर में तो वह बिल्कुल बेकाबू हो गया है।"
वो सीख जाएगा। उसका भविष्य उज्ज्वल है... ओह, आपको नहीं लगता कि उसका भविष्य उज्ज्वल है? क्या आपको सच में लगता है कि उसका भविष्य उज्ज्वल नहीं है?
एल्सवर्थ एम. टूही, जो अमेरिका की धरती से निकलने वाले हर पत्थर पर टिप्पणी किए बिना नहीं रह सकते थे, अपने कॉलम के संदर्भ में यह नहीं जानते थे कि हेलर हाउस का निर्माण हो चुका है। उन्होंने अपने पाठकों को इसके बारे में सूचित करना आवश्यक नहीं समझा, भले ही इसका उद्देश्य केवल इसकी निंदा करना ही क्यों न हो।
उसने कुछ नहीं कहा।
बारहवीं
“अवलोकन और चिंतन” शीर्षक वाला एक स्तंभ
अल्वाह स्कारेट का लेख न्यूयॉर्क बैनर के पहले पृष्ठ पर प्रतिदिन प्रकाशित होता था। यह देश भर के छोटे कस्बों में एक विश्वसनीय मार्गदर्शक, प्रेरणा का स्रोत और जन दर्शन को आकार देने वाला स्तंभ था। वर्षों पहले इसी स्तंभ में यह प्रसिद्ध कथन प्रकाशित हुआ था: "यदि हम अपनी भव्य सभ्यता की आडंबरपूर्ण धारणाओं को भूलकर उस बात पर ध्यान दें जो आदिवासियों ने हमसे बहुत पहले जानी थी, यानी अपनी मातृभूमि का सम्मान करना, तो हम सब बहुत बेहतर स्थिति में होंगे।" अल्वाह स्कारेट अविवाहित थे, उन्होंने दो मिलियन डॉलर कमाए थे, वे गोल्फ में माहिर थे और वायनांड अखबारों के प्रधान संपादक थे।
अलवाह स्कारेट ने ही झुग्गी-झोपड़ियों में रहने की खराब परिस्थितियों के खिलाफ अभियान और "ज़मींदार शार्क" का विचार दिया था, जो बैनर अखबार में तीन सप्ताह तक चला। यह विषय अलवाह स्कारेट को बेहद पसंद था। इसमें मानवीय अपील और सामाजिक निहितार्थ थे। यह रविवार के परिशिष्ट में छपने वाले चित्रों के लिए उपयुक्त था, जिनमें लड़कियाँ नदियों में छलांग लगा रही थीं और उनके स्कर्ट घुटनों से काफी

ऊपर तक लहरा रहे थे। इससे अखबार का प्रसार बढ़ा। इसने ईस्ट रिवर के किनारे स्थित उन जमींदारों को शर्मिंदा कर दिया, जिन्हें अभियान के एक भयावह उदाहरण के रूप में चुना गया था। जमींदारों ने एक अज्ञात रियल एस्टेट कंपनी को ये ब्लॉक बेचने से इनकार कर दिया था; अभियान के अंत में उन्होंने हार मान ली और बेच दिए। कोई भी यह साबित नहीं कर सका कि वह रियल एस्टेट कंपनी गेल वायनांड की कंपनी के स्वामित्व में थी।
वायनांड के कागजात को लंबे समय तक बिना अभियान के नहीं छोड़ा जा सकता था। उन्होंने आधुनिक विमानन विषय पर एक शोध कार्य अभी-अभी समाप्त किया था। उन्होंने संडे फैमिली मैगज़ीन के परिशिष्ट में विमानन के इतिहास के वैज्ञानिक विवरण प्रकाशित किए थे, जिनमें लियोनार्डो दा विंची द्वारा बनाए गए उड़ने वाले यंत्रों के चित्रों से लेकर नवीनतम बमवर्षक विमानों तक की तस्वीरें शामिल थीं; साथ ही लाल लपटों में तड़पते इकारस का चित्र भी था, जिसका नग्न शरीर नीला-हरा, मोम के पंख पीले और धुआं बैंगनी था; इसके अलावा जलती हुई आंखों और एक क्रिस्टल बॉल वाली कुष्ठ रोगी डायन का चित्र भी था, जिसने 11वीं शताब्दी में भविष्यवाणी की थी कि मनुष्य उड़ना सीख जाएगा; साथ ही चमगादड़, पिशाच और वेयरवोल्फ के चित्र भी थे।
उन्होंने मॉडल हवाई जहाज बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की थी; यह दस वर्ष से कम आयु के उन सभी लड़कों के लिए खुली थी जो बैनर पत्रिका के लिए तीन नए सब्सक्रिप्शन भेजना चाहते थे। गेल वायनांड, जो एक लाइसेंस प्राप्त पायलट थे, ने एक लाख डॉलर की लागत से बने एक छोटे, विशेष रूप से निर्मित विमान में लॉस एंजिल्स से न्यूयॉर्क तक एकल उड़ान भरी थी और अंतरमहाद्वीपीय गति का रिकॉर्ड बनाया था। न्यूयॉर्क पहुँचने पर उनसे एक छोटी सी चूक हो गई और उन्हें एक पथरीले चरागाह में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा; यह एक रोंगटे खड़े कर देने वाली लैंडिंग थी, जिसे त्रुटिहीन रूप से अंजाम दिया गया था; संयोग से बैनर पत्रिका के कई फोटोग्राफर आस-पास ही मौजूद थे। गेल वायनांड विमान से बाहर निकले। एक कुशल पायलट भी इस अनुभव से हिल जाता। गेल वायनांड कैमरों के सामने खड़े थे, उनकी फ्लाइंग जैकेट के कॉलर पर एक सुंदर गार्डेनिया का फूल लगा था, उनका हाथ ऊपर उठा हुआ था और उनकी दो उंगलियाँ बिल्कुल भी नहीं काँप रही थीं, उनके बीच एक सिगरेट थी। जब उनसे पृथ्वी पर लौटने पर उनकी पहली इच्छा के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने वहां मौजूद सबसे आकर्षक महिला को चूमने की इच्छा व्यक्त की, भीड़ में से सबसे सादी दिखने वाली बूढ़ी औरत को चुना और गंभीरता से उसके माथे पर चुंबन करने के लिए झुके, यह समझाते हुए कि वह उन्हें अपनी माँ की याद दिलाती है।
बाद में, झुग्गी बस्ती अभियान की शुरुआत में, गेल वायनांड ने अल्वाह स्कारेट से कहा था: "आगे बढ़ो। जितना हो सके इसका फायदा उठाओ," और अपनी नौका पर सवार होकर विश्व यात्रा पर निकल पड़े, उनके साथ चौबीस वर्षीय एक मनमोहक महिला पायलट भी थी, जिसे उन्होंने अपना अंतरमहाद्वीपीय विमान उपहार में दिया था।
अल्वाह स्कारेट आगे बढ़े। अपने अभियान के कई अन्य कदमों के साथ-साथ उन्होंने डोमिनिक फ्रेंकन को झुग्गी-झोपड़ियों में घरों की स्थिति की जांच करने और मानव सामग्री एकत्र करने का काम सौंपा।
डोमिनिक फ्रेंकन अभी-अभी बियारिट्ज़ में गर्मियों की छुट्टियां बिताकर लौटी थीं; वह हमेशा गर्मियों की पूरी छुट्टी लेती थीं और अल्वाह स्कारेट ने उन्हें इसकी अनुमति दे दी थी, क्योंकि वह उनकी पसंदीदा कर्मचारियों में से एक थीं, क्योंकि वह उनसे प्रभावित थे और क्योंकि वह जानते थे कि वह जब चाहे अपनी नौकरी छोड़ सकती हैं।
डोमिनिक फ्रेंकन दो सप्ताह के लिए पूर्वी इलाके की एक झुग्गी बस्ती के हॉल के बेडरूम में रहने गईं। कमरे में रोशनदान तो था, लेकिन खिड़कियाँ नहीं थीं; ऊपर चढ़ने के लिए पाँच सीढ़ियाँ थीं और पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी। वह नीचे वाली

मंज़िल पर रहने वाले एक बड़े परिवार की रसोई में अपना खाना खुद बनाती थीं; वह पड़ोसियों से मिलने जाती थीं, आग की लपटों पर बैठती थीं।
वह शाम को घर से निकल जाती थी और पड़ोस की लड़कियों के साथ सस्ते दामों वाली फिल्में देखने जाती थी।
वह फटी हुई स्कर्ट और ब्लाउज़ पहनती थी। उसकी सामान्य दिखावट की असामान्य कमज़ोरी उसे इस परिवेश में अभाव से थकी हुई प्रतीत कराती थी; पड़ोसियों को यकीन था कि उसे टीबी है। लेकिन वह वैसे ही चलती-फिरती थी जैसे वह किसी होल्कोम्बे के ड्राइंग रूम में चलती थी।
उसी शांत और आत्मविश्वासी अंदाज में। उसने अपने कमरे का फर्श साफ किया, आलू छीले, और ठंडे पानी से भरे टिन के बर्तन में स्नान किया।
उसने ये सब काम पहले कभी नहीं किए थे; फिर भी उसने इन्हें बड़ी कुशलता से किया। उसमें काम करने की अपार क्षमता थी, एक ऐसी दक्षता जो उसकी शक्ल-सूरत से बिल्कुल मेल नहीं खाती थी। उसे इस नए परिवेश से कोई फ़र्क नहीं पड़ता था; झुग्गी-झोपड़ियों के प्रति उसका वही भाव था जो ड्राइंग रूम के प्रति था।
दो सप्ताह बाद वह सेंट्रल पार्क के ऊपर एक होटल की छत पर स्थित अपने पेंटहाउस अपार्टमेंट में लौट आई, और झुग्गी-झोपड़ियों में जीवन पर लिखे उसके लेख बैनर पत्रिका में प्रकाशित हुए। वे एक निर्मम, शानदार विवरण थे।
एक डिनर पार्टी में उसने हैरान करने वाले सवाल सुने। “मेरी प्यारी, तुमने सचमुच वो सब बातें नहीं लिखीं?” “डोमिनिक, तुम सचमुच उस जगह पर नहीं रहती थीं?” “ओह, हाँ,” उसने जवाब दिया। “ईस्ट ट्वेल्थ स्ट्रीट पर आपका जो घर है, श्रीमती पामर,” उसने कहा, उसका हाथ उसकी पतली कलाई के लिए बहुत चौड़े और भारी पन्ना के कंगन के कफ के नीचे से धीरे से घूम रहा था, “उसमें एक सीवर है जो लगभग हर दूसरे दिन जाम हो जाता है और सारा पानी आँगन में बह जाता है। धूप में यह इंद्रधनुष की तरह नीला और बैंगनी दिखता है।” “क्लेरिज एस्टेट के लिए आप जिस ब्लॉक को नियंत्रित करते हैं, श्रीमान...”
"ब्रूक्स के घर की सभी छतों पर सबसे आकर्षक स्टैलेक्टाइट्स उग रहे हैं," उसने कहा, उसका सुनहरा सिर सफेद गार्डेनिया के फूलों के गुलदस्ते पर टिका हुआ था, जिसकी फीकी पंखुड़ियों पर पानी की बूंदें चमक रही थीं।
उन्हें सामाजिक कार्यकर्ताओं की एक बैठक में बोलने के लिए कहा गया। यह एक महत्वपूर्ण बैठक थी, जिसमें उग्र और क्रांतिकारी माहौल था, और इसका नेतृत्व इस क्षेत्र की कुछ सबसे प्रमुख महिलाओं ने किया। अल्वाह स्कारेट प्रसन्न हुए और उन्होंने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा, "जाओ, बच्ची, खुलकर बोलो। हमें सामाजिक कार्यकर्ताओं की ज़रूरत है।" वह एक हवादार हॉल के वक्ता मंच पर खड़ी हुई और सामने बैठे लोगों के चेहरों को देखा, जो अपनी पवित्रता के भाव से ललचाते हुए उत्सुक थे। उन्होंने बिना किसी उतार-चढ़ाव के, एकसमान स्वर में बात की। उन्होंने कई बातों के साथ कहा: "पहली मंजिल के पीछे रहने वाला परिवार किराया देने की परवाह नहीं करता, और बच्चे..."
कपड़ों की कमी के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पाते। पिता का एक कोने में स्थित शराबखाने में खाता है। वह स्वस्थ हैं और उनकी नौकरी भी अच्छी है... दूसरी मंजिल पर रहने वाले दंपति ने अभी-अभी 69 डॉलर और 95 सेंट नकद में एक रेडियो खरीदा है। चौथी मंजिल के सामने वाले हिस्से में, परिवार के मुखिया ने अपने जीवन में कभी भी पूरे दिन काम नहीं किया है और न ही करने का उनका कोई इरादा है। उनके नौ बच्चे हैं, जिनका पालन-पोषण स्थानीय चर्च द्वारा किया जाता है।
दसवां भी रास्ते में है...” जब उसने बोलना समाप्त किया तो कुछ लोगों ने गुस्से में तालियाँ बजाईं। उसने हाथ उठाकर कहा: “आपको तालियाँ बजाने की ज़रूरत नहीं

है। मुझे इसकी उम्मीद नहीं है।" उसने विनम्रता से पूछा: "क्या कोई प्रश्न हैं?" कोई प्रश्न नहीं थे।
जब वह घर लौटी तो उसने देखा कि अल्वाह स्कारेट उसका इंतजार कर रही थी। उसके पेंटहाउस के डाइंग रूम में वह बेमेल लग रहा था, उसका विशालकाय शरीर एक नाजुक कुर्सी के किनारे पर टिका हुआ था, मानो कांच की ठोस दीवार के पार फैले शहर के जगमगाते विस्तार के सामने एक झुका हुआ राक्षस हो। शहर एक भित्ति चित्र की तरह था जिसे कमरे को रोशन और पूर्ण करने के लिए बनाया गया था: काले आकाश में मीनारों की नाजुक रेखाएं फर्नीचर की नाजुक रेखाओं से मेल खाती थीं; दूर की खिड़कियों में टिमटिमाती रोशनी नंगे, चमकदार फर्श पर प्रतिबिंब डालती थी; बाहर की कोणीय संरचनाओं की ठंडी सटीकता अंदर की हर वस्तु की ठंडी, अटल सुंदरता का जवाब देती थी। अल्वाह स्कारेट ने इस सामंजस्य को तोड़ दिया। वह एक दयालु देहाती डॉक्टर और एक ताश के खिलाड़ी जैसा दिखता था। उसके भारी चेहरे पर वह परोपकारी, पितृवत मुस्कान थी जो हमेशा से उसकी पहचान और उसकी खासियत रही थी। उसमें अपनी मुस्कान की दयालुता को अपनी गरिमापूर्ण उपस्थिति में जोड़ने की कला थी; उसकी लंबी, पतली, झुकी हुई नाक दयालुता को कम करती थी, लेकिन गरिमा को बढ़ाती थी; उसके पेट का उसके पैरों के ऊपर निकला हुआ हिस्सा उसकी गरिमा को कम करता था, लेकिन साथ ही साथ उसकी दयालुता को भी बढ़ाता था।
वह उठा, मुस्कुराया और डोमिनिक का हाथ पकड़ लिया।
"सोचा घर जाते समय रुक जाऊं," उसने कहा। "मुझे तुम्हें कुछ बताना है। कैसा रहा, बेटा?"
"जैसा मैंने सोचा था वैसा ही हुआ।"
उसने अपनी टोपी उतारकर सामने दिख रही पहली कुर्सी पर फेंक दी।
उसके बाल माथे पर एक सपाट वक्र में तिरछे होकर कंधों तक सीधी रेखा में गिर रहे थे; वे चिकने और कसे हुए लग रहे थे, मानो किसी हल्के, पॉलिश किए हुए धातु के स्विमिंग कैप जैसे हों। वह खिड़की के पास गई और शहर को देखने लगी। बिना मुड़े उसने पूछा: "तुम मुझे क्या बताना चाहते थे?"
अल्वाह स्कारेट उसे बड़े आनंद से देख रहा था। उसने बहुत पहले ही उसका हाथ पकड़ने या कंधे पर थपथपाने के अलावा कोई और प्रयास करना छोड़ दिया था; उसने इस विषय पर सोचना बंद कर दिया था, लेकिन उसके मन में एक धुंधली, अर्धचेतन अनुभूति थी जिसे उसने अपने आप से इन शब्दों में व्यक्त किया: कुछ कहा नहीं जा सकता।
"बेटी, तुम्हारे लिए एक अच्छी खबर है," उन्होंने कहा। "मैं एक छोटी सी योजना पर काम कर रहा था, थोड़ा सा पुनर्गठन कर रहा था, और मैंने यह तय कर लिया है कि मैं कुछ चीजों को मिलाकर एक महिला कल्याण विभाग बनाऊंगा। जैसे, स्कूल, गृह विज्ञान, बच्चों की देखभाल, किशोर अपराधी और बाकी सब कुछ—सब एक ही प्रमुख के अधीन होगा। और मुझे इस काम के लिए अपनी छोटी बेटी से बेहतर कोई महिला नजर नहीं आती।"
"क्या आपका मतलब मुझसे है?" उसने बिना मुड़े पूछा।
"सिर्फ गेल के अलावा कोई और नहीं। जैसे ही गेल वापस आएगी, मैं उससे अनुमति ले लूंगा।"
वह मुड़ी और उसकी ओर देखा, उसकी बाहें मुड़ी हुई थीं और हाथों ने उसकी कोहनियों को पकड़ रखा था। उसने कहा:
"धन्यवाद, अल्वाह। लेकिन मुझे यह नहीं चाहिए।"
"तुम्हारा मतलब क्या है, तुम इसे नहीं चाहते?"
मेरा मतलब है कि मुझे यह नहीं चाहिए।

"भगवान के लिए, क्या आपको एहसास है कि यह कितनी बड़ी प्रगति होगी?"
“किस ओर?”
“आपका करियर।”
मैंने कभी नहीं कहा कि मैं करियर बनाने की योजना बना रहा हूं।
लेकिन आप हमेशा के लिए एक छोटे से पिछले पन्ने पर छपने वाले कॉलम को नहीं चलाना चाहेंगे!
"हमेशा के लिए नहीं। जब तक मैं इससे ऊब न जाऊं।"
लेकिन सोचो कि तुम असली खेल में क्या कर सकते हो! सोचो कि गेल तुम्हारे लिए क्या कर सकता है जब वह तुम्हारी ओर ध्यान देगा!
मैं उनकी नज़र में आना नहीं चाहता।
"लेकिन, डोमिनिक, हमें तुम्हारी ज़रूरत है। आज रात के बाद महिलाएँ पूरी तरह से तुम्हारे साथ होंगी।"
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
"क्यों, मैंने बैठक और आपके भाषण पर एक कहानी के लिए दो कॉलम आरक्षित करने का आदेश दिया है।"
उसने टेलीफोन उठाया और रिसीवर उसे थमा दिया।
उसने कहा:
"बेहतर होगा कि आप उनसे कहें कि इसे मार डालें।"
"क्यों?"
उसने मेज पर पड़े कागजों के ढेर में खोजबीन की, कुछ टाइप किए हुए पन्ने ढूंढे और उसे सौंप दिए। उसने कहा, "यह वही भाषण है जो मैंने आज रात दिया।"
उन्होंने उस पर सरसरी नज़र डाली। उन्होंने कुछ नहीं कहा, बस एक बार अपना माथा पकड़ लिया। फिर उन्होंने टेलीफ़ोन उठाया और आदेश दिया कि बैठक का संक्षिप्त विवरण दिया जाए और वक्ता का नाम न लिया जाए।
“ठीक है,” डोमिनिक ने रिसीवर नीचे रखते हुए कहा। “क्या मुझे नौकरी से निकाल दिया गया है?”
उसने उदास भाव से सिर हिलाया। "क्या तुम बनना चाहते हो?"
"आवश्यक रूप से नहीं।"
“मैं इस धंधे को दबा दूंगा,” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “मैं इसे गेल से छुपा कर रखूंगा।”
"अगर आप चाहें तो। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"
"सुनो, डोमिनिक—ओह मुझे पता है, मुझे कोई सवाल नहीं पूछना चाहिए—बस इतना पूछो कि तुम हमेशा ऐसा क्यों करती हो?"
“बिल्कुल भी कारण नहीं।”
“देखिए, मैंने उस शानदार डिनर के बारे में सुना है जहाँ आपने इसी विषय पर कुछ टिप्पणियाँ की थीं। और फिर आप एक कट्टरपंथी सभा में जाकर इस तरह की बातें कहते हैं।”
"वैसे, दोनों ही पक्ष सच हैं, है ना?"
"हाँ, बिल्कुल, लेकिन क्या आप उन अवसरों को उलट नहीं सकते थे जब आपने उन्हें व्यक्त करना चुना था?"
"ऐसा करने का कोई फायदा नहीं होता।"
"क्या आपके द्वारा किए गए कार्यों में ऐसा कुछ था?"
“नहीं। बिलकुल नहीं। लेकिन इससे मुझे मज़ा आया।”
“डोमिनिक, मैं तुम्हें समझ नहीं पा रही हूँ। तुमने पहले भी ऐसा किया है। तुम बहुत खूबसूरती से काम करती हो, शानदार काम करती हो और ठीक जब तुम एक बड़ी सफलता हासिल करने वाली होती हो—तुम इस तरह की हरकत करके सब कुछ बिगाड़ देती हो। क्यों?”

"शायद यही वजह है।"
"क्या आप मुझे एक दोस्त के तौर पर बताएँगे, क्योंकि मैं आपको पसंद करता हूँ और आपमें दिलचस्पी रखता हूँ, कि आप वास्तव में क्या चाहते हैं?"
मुझे लगता है यह तो स्पष्ट है। मुझे किसी चीज की तलाश नहीं है।
उसने अपने हाथ फैला दिए और असहायता से कंधे उचका दिए।
वह खुशी से मुस्कुराई।
“इतनी उदास होने की क्या बात है? मुझे भी तुम पसंद हो, अल्वाह, और मुझे तुममें दिलचस्पी है। मुझे तुमसे बात करना भी अच्छा लगता है, जो कि और भी बेहतर है।”
अब आराम से बैठो, मैं तुम्हारे लिए कुछ पीने को लाता हूँ। तुम्हें पीने की ज़रूरत है, अल्वाह।
वह उसके लिए बर्फ से भरा एक ठंडा गिलास लाई, जिसकी खनक खामोशी में गूंज रही थी। "तुम सच में एक प्यारी बच्ची हो, डोमिनिक," उसने कहा।
“बिल्कुल। मैं वही तो हूँ।”
वह मेज़ के किनारे पर बैठ गई, अपने हाथों को पीछे की ओर फैलाकर, दोनों सीधी भुजाओं पर पीछे की ओर झुकते हुए, धीरे-धीरे अपने पैरों को हिला रही थी। उसने कहा:
"जानते हो, अल्वाह, अगर मुझे वो नौकरी मिल जाए जो मैं सच में चाहती हूँ, तो ये बहुत बुरा होगा।"
अरे बाप रे! अरे बाप रे, कहने के लिए सबसे बेवकूफी भरी बात! तुम्हारा मतलब क्या है?
"बस यही। मुझे यह बहुत बुरा लगेगा कि मेरे पास एक ऐसी नौकरी हो जिसे मैं पसंद करता हूं और जिसे मैं खोना नहीं चाहता।"
"क्यों?"
“क्योंकि मुझे आप पर निर्भर रहना पड़ेगा—आप एक अद्भुत व्यक्ति हैं, अल्वाह, लेकिन बिल्कुल भी प्रेरणादायक नहीं हैं और मुझे नहीं लगता कि आपके हाथ में कोड़ा देखकर झुकना सुंदर होगा—अरे, विरोध मत करो, वह तो एक छोटा सा विनम्र कोड़ा होगा, और यही बात इसे और भी बदसूरत बना देगी। मुझे हमारे बॉस गेल पर निर्भर रहना पड़ेगा—वह एक महान व्यक्ति हैं, मुझे यकीन है, लेकिन मैं उन्हें कभी देखना भी नहीं चाहूंगी।”
“तुम्हारा ऐसा अजीब रवैया क्यों है? जबकि तुम जानते हो कि गेल और मैं तुम्हारे लिए कुछ भी कर सकते हैं, और मैं व्यक्तिगत रूप से...”
“बात सिर्फ इतनी ही नहीं है, अल्वाह। बात सिर्फ तुम्हारी नहीं है। अगर मुझे कोई नौकरी, कोई प्रोजेक्ट, कोई विचार या कोई मनचाहा इंसान मिल जाए, तो मुझे पूरी दुनिया पर निर्भर रहना पड़ेगा। हर चीज़ किसी न किसी तरह एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। हम सब एक-दूसरे से बंधे हुए हैं। हम सब एक जाल में फंसे हैं, जाल हमारा इंतज़ार कर रहा है, और एक ही इच्छा हमें उसमें धकेल देती है। तुम कोई चीज़ चाहते हो और वो तुम्हारे लिए अनमोल है। क्या तुम्हें पता है कि कौन उसे तुम्हारे हाथों से छीनने के लिए तैयार खड़ा है? तुम्हें पता नहीं चल सकता, शायद वो बहुत दूर और जटिल हो, लेकिन कोई न कोई तैयार है, और तुम सबसे डरते हो। तुम गिड़गिड़ाते हो, गिड़गिड़ाते हो, भीख मांगते हो और उन्हें स्वीकार कर लेते हो—सिर्फ इसलिए कि वे तुम्हें वो चीज़ रखने दें। और देखो, आखिर तुम किसे स्वीकार कर लेते हो।”
"अगर मैं सही समझ रहा हूँ तो आप आम तौर पर मानवता की आलोचना कर रहे हैं।"
...”
“आप जानते हैं, आम तौर पर इंसानियत के बारे में हमारी सोच कितनी अजीब है। जब हम ऐसा कहते हैं, तो हमारे मन में एक धुंधली, चमकदार छवि होती है, कुछ गंभीर, महान और महत्वपूर्ण। लेकिन असल में हम इंसानियत को सिर्फ़ उन्हीं लोगों के बारे में जानते हैं जिनसे हमें अपने जीवन में मिलते हैं। उन्हें देखिए। क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति

को जानते हैं जिसके बारे में आप महान और गंभीर महसूस करें? यहाँ तो बस ठेले पर मोलभाव करती गृहिणियाँ, फुटपाथ पर गंदी बातें लिखने वाले बिगड़ैल बच्चे और नशे में धुत नवयुवतियाँ ही नज़र आती हैं। या उनके जैसे ही कुछ और। सच तो यह है कि जब लोग दुख झेलते हैं तो उनके लिए कुछ सम्मान महसूस होता है। उनमें एक खास गरिमा होती है। लेकिन क्या आपने कभी उन्हें मौज-मस्ती करते देखा है? तभी आपको सच्चाई नज़र आती है। उन लोगों को देखिए जो अपनी मेहनत की कमाई को मनोरंजन पार्कों और तमाशों में उड़ा देते हैं। उन अमीरों को देखिए जिनके लिए पूरी दुनिया खुली है। देखिए वे मनोरंजन के लिए क्या चुनते हैं। उन्हें अच्छे शराबखानों में देखिए। यही आम तौर पर इंसानियत है। मैं इस पर बात नहीं करना चाहता।"
लेकिन धिक्कार है! इसे इस तरह से नहीं देखना चाहिए। यह पूरी सच्चाई नहीं है। हममें से सबसे बुरे लोगों में भी कुछ न कुछ अच्छाई होती है। हर किसी में कोई न कोई अच्छा पहलू ज़रूर होता है।
"यह तो और भी बुरा है। क्या किसी व्यक्ति को वीरतापूर्ण कार्य करते देखना और फिर यह पता चलना कि वह मनोरंजन के लिए वाडेविल शो देखने जाता है, प्रेरणादायक है? या किसी ऐसे व्यक्ति को देखना जिसने एक शानदार पेंटिंग बनाई हो और फिर यह पता चलना कि वह अपना समय हर वेश्या के साथ सोने में बिताता है?"
"तुम क्या चाहते हो? पूर्णता?"
या फिर कुछ नहीं। तो, आप समझ रहे हैं, मैं कुछ नहीं को ही चुनता हूँ।
"यह बात समझ में नहीं आती।"
"मैं केवल एक ही इच्छा को स्वीकार करता हूँ जिसे वास्तव में कोई स्वयं को स्वीकार करने की अनुमति दे सकता है। स्वतंत्रता, अल्वाह, स्वतंत्रता।"
"क्या आप इसे स्वतंत्रता कहते हैं?"
कुछ न मांगना। कुछ उम्मीद न करना। किसी पर निर्भर न रहना।
"अगर आपको अपनी मनपसंद चीज मिल जाए तो क्या होगा?"
"मैं इसे नहीं ढूंढ पाऊंगी। मैं इसे देखना नहीं चाहूंगी। यह आपकी उस प्यारी दुनिया का हिस्सा होगा। मुझे इसे आप सभी के साथ साझा करना होगा—और मैं ऐसा नहीं करूंगी। आप जानते हैं, मैं कभी भी कोई महान किताब जिसे मैंने पढ़ा और पसंद किया हो, दोबारा नहीं खोलती। यह सोचकर मुझे दुख होता है कि इसे और भी लोगों ने पढ़ा होगा।"
वे जैसे थे, वैसी बातें साझा नहीं की जा सकतीं। ऐसे लोगों के साथ तो बिल्कुल नहीं।
"डोमिनिक, किसी भी बात को लेकर इतनी दृढ़ता से महसूस करना असामान्य बात है।"
"या तो मैं कुछ महसूस कर सकता हूँ या बिल्कुल भी नहीं।"
"डोमिनिक, मेरी प्यारी बेटी," उन्होंने बड़ी गंभीरता और सच्ची चिंता के साथ कहा, "काश मैं तुम्हारा पिता होता। तुम्हारे बचपन में किस तरह की त्रासदी घटी थी?"
"बिल्कुल भी नहीं। मेरा बचपन बहुत अच्छा बीता। आज़ाद और शांतिपूर्ण, और किसी ने मुझे ज़्यादा परेशान नहीं किया। हाँ, मुझे अक्सर बोरियत ज़रूर होती थी। लेकिन मुझे इसकी आदत हो चुकी है।"
"मुझे लगता है कि आप हमारे समय की एक दुर्भाग्यपूर्ण उपज हैं। मैंने हमेशा यही कहा है। हम बहुत ही संशयवादी और पतित हैं। अगर हम पूरी विनम्रता के साथ सरल सद्गुणों की ओर लौट जाएं..."
"अल्वाह, तुम ये सब बातें कैसे शुरू कर सकती हो? ये तो सिर्फ तुम्हारे संपादकीय लेखों के लिए हैं और..." उसकी आँखों में हैरानी और थोड़ी उदासी देखकर वह रुक गई। फिर वह हँस पड़ी। "मैं गलत थी। तुम सच में इन सब बातों पर यकीन करते हो। अगर यह सचमुच का यकीन है, या जो भी तुम करते हो, जो इसकी जगह ले लेता है। ओह, अल्वाह! इसीलिए मैं तुमसे प्यार करती हूँ। इसीलिए मैं अभी वही कर रही हूँ जो मैंने आज रात मीटिंग में किया था।"

“क्या?” उसने अचंभित होकर पूछा।
“मैं जिस तरह से बात कर रहा हूँ—तुम्हारे जैसे रूप में, वैसे ही तुमसे बात कर रहा हूँ। तुमसे इन विषयों पर बात करना अच्छा लगता है। क्या तुम जानते हो, अल्वाह, कि आदिम लोगों ने अपने देवताओं की मूर्तियाँ मनुष्य के रूप में बनाई थीं? ज़रा सोचो, तुम्हारी नग्न मूर्ति कैसी दिखेगी—तुम्हारा पेट समेत पूरा शरीर।”
"अब इसका किससे संबंध है?"
“बिल्कुल कुछ नहीं, डार्लिंग। मुझे माफ़ कर दो।” उसने आगे कहा: “तुम्हें पता है, मुझे नग्न पुरुषों की मूर्तियाँ बहुत पसंद हैं। इतना बेवकूफ़ मत बनो। मैंने मूर्तियाँ कहा। मेरे पास एक खास मूर्ति थी। वह हेलिओस की मूर्ति मानी जाती थी। मैंने उसे यूरोप के एक संग्रहालय से लिया था। उसे पाने में मुझे बहुत मुश्किल हुई थी—ज़ाहिर है, वह बिक्री के लिए नहीं थी। मुझे लगता है, मुझे उससे प्यार हो गया था, अल्वा। मैं उसे अपने साथ घर ले आई।”
“यह कहाँ है? मैं कुछ ऐसा देखना चाहूँगा जो आपको पसंद हो, बदलाव के लिए।”
"यह टूट गया है।"
“टूटा हुआ? संग्रहालय की वस्तु? यह कैसे हुआ?”
"मैं इसे तोड़ दूँगा।"
"कैसे?"
मैंने इसे हवा के शाफ्ट में फेंक दिया। नीचे कंक्रीट का फर्श है।
“क्या तुम पूरी तरह से पागल हो? क्यों?”
ताकि इसे कोई और कभी न देख सके।
“डोमिनिक!”
उसने अपना सिर झटक दिया, मानो विषय को झटकना चाहती हो; उसके सीधे बालों का गुच्छा एक भारी लहर की तरह हिल उठा, जैसे पारे के अर्ध-तरल कुंड में कोई लहर उठ रही हो। उसने कहा:
मुझे माफ़ करना, प्रिये। मैं तुम्हें चौंकाना नहीं चाहती थी। मुझे लगा कि मैं तुमसे बात कर सकती हूँ क्योंकि तुम ही वो अकेली इंसान हो जिस पर किसी भी तरह के सदमे का कोई असर नहीं होता। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। लगता है अब कोई फायदा नहीं है।
वह मेज से हल्के से नीचे कूद गई।
“अल्वाह, जल्दी घर जाओ,” उसने कहा। “देर हो रही है। मैं थक गई हूँ। कल मिलते हैं।”
गाय फ्रैंकन ने अपनी बेटी के लेख पढ़े; उन्होंने स्वागत समारोह और सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक में उसकी द्वारा की गई टिप्पणियों के बारे में सुना।
उसे कुछ भी समझ नहीं आया, लेकिन वह इतना जरूर समझ गया था कि उसकी बेटी से यही उम्मीद की जा सकती थी। यह बात उसके मन में घर कर गई, और उसके मन में वही उलझन और आशंका का भाव घर कर गया जो उसकी बेटी के बारे में सोचते ही उसके मन में आ जाता था। उसने खुद से पूछा कि क्या वह सचमुच अपनी बेटी से नफ़रत करता है।
लेकिन जब भी वह खुद से यह सवाल पूछता, एक तस्वीर उसके मन में अनायास ही लौट आती थी। यह उसके बचपन की तस्वीर थी, कनेक्टिकट में उसकी जागीर पर बीते दिनों की किसी भूली हुई गर्मी की। वह उस दिन की बाकी बातें और उस एक पल तक पहुंचने की वजह भूल चुका था जो उसे याद था। लेकिन उसे याद था कि कैसे वह छत पर खड़ा था और उसने उसे लॉन के अंत में एक ऊँची हरी झाड़ी के ऊपर से छलांग लगाते देखा था। वह झाड़ी उसके छोटे से शरीर के लिए बहुत ऊँची लग रही थी; उसे यह सोचने का समय मिला कि वह शायद छलांग न लगा पाए, ठीक उसी क्षण जब उसने उसे हरी बाड़ के ऊपर से विजयी होकर उड़ते देखा।

उसे उस छलांग की शुरुआत और अंत याद नहीं था; लेकिन फिर भी उसे वह क्षण स्पष्ट और तीक्ष्ण रूप से दिखाई दे रहा था, मानो किसी फिल्म के टुकड़े को काटकर हमेशा के लिए स्थिर कर दिया गया हो, जब उसका शरीर अंतरिक्ष में लटका हुआ था, उसकी लंबी टांगें फैली हुई थीं, उसकी पतली बाहें ऊपर उठी हुई थीं, हाथ हवा में टिके हुए थे, उसकी सफेद पोशाक और सुनहरे बाल हवा में दो चौड़ी, चपटी चटाइयों की तरह फैले हुए थे, एक क्षण, एक छोटे से शरीर की चमक, परमानंदित स्वतंत्रता के उस सबसे बड़े विस्फोट में, जिसे उसने अपने जीवन में कभी देखा था।
उन्हें नहीं पता था कि वह पल उनके मन में क्यों बसा हुआ था, उस समय अनसुना किया गया वह कौन सा महत्व था जिसने उन्हें इतना कुछ खो जाने के बावजूद अपने लिए सहेज कर रखा था। उन्हें नहीं पता था कि जब भी उन्हें अपनी बेटी के लिए कड़वाहट महसूस होती थी, तो उन्हें वह पल फिर से क्यों दिखाई देता था, और न ही यह कि उसे देखकर उनके मन में कोमलता की वह असहनीय चुभन क्यों उठती थी। उन्होंने खुद को बस इतना समझाया कि उनका पितृत्व प्रेम उनकी इच्छा के विरुद्ध ही प्रकट हो रहा था। लेकिन एक अजीब, अनसोचे तरीके से वे उसकी मदद करना चाहते थे, यह जाने बिना, और न ही जानना चाहते हुए कि उन्हें किस चीज़ से मदद करनी थी।
इसलिए वह पीटर कीटिंग की ओर अधिक बार देखने लगा। उसने उस समाधान को स्वीकार करना शुरू कर दिया जिसे उसने कभी स्वयं से पूरी तरह स्वीकार नहीं किया था। उसे पीटर कीटिंग के व्यक्तित्व में सुकून मिला, और उसे लगा कि कीटिंग का सरल, स्थिर और अच्छा स्वभाव उसकी बेटी की अस्थिर और अस्वस्थ प्रकृति के लिए आवश्यक सहारा था।
कीटिंग यह मानने को तैयार नहीं था कि उसने डोमिनिक से दोबारा मिलने की कोशिश की थी, लगातार कोशिश करने के बावजूद कोई नतीजा नहीं निकला था। उसने बहुत पहले फ्रैंकन से उसका फ़ोन नंबर ले लिया था और उसे अक्सर फ़ोन करता था। डोमिनिक जवाब देती, खिलखिलाकर हंसती और कहती कि बेशक वह उससे मिलेगी, वह जानती है कि इससे बच पाना मुमकिन नहीं है, लेकिन आने वाले कई हफ्तों तक वह बहुत व्यस्त रहेगी और क्या वह अगले महीने की पहली तारीख तक उसे फ़ोन कर सकता है?
फ्रैंकन को इसका अंदाज़ा हो गया था। उसने कीटिंग से कहा कि वह डोमिनिक को दोपहर के भोजन पर बुलाएगा और उन दोनों को फिर से मिलाएगा। उसने आगे कहा, "मैं उससे पूछने की कोशिश करूंगा। ज़ाहिर है, वह मना कर देगी।" लेकिन डोमिनिक ने उसे फिर से चौंका दिया: उसने तुरंत और खुशी-खुशी प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। वह उनसे एक रेस्तरां में मिली और मुस्कुराई मानो यह कोई ऐसा पुनर्मिलन हो जिसका उन्होंने बेसब्री से स्वागत किया हो। उन्होंने उत्साहपूर्वक बातें कीं और कीटिंग मंत्रमुग्ध हो गए, सहज महसूस करने लगे और सोचने लगे कि उन्होंने कभी उनसे डर क्यों महसूस किया था। आधे घंटे बाद उन्होंने फ्रैंकन की ओर देखा और कहा:
“पितीजी, आपने मुझसे मिलने के लिए समय निकाला, यह बहुत अच्छी बात है।”
खासकर तब जब आप इतने व्यस्त हों और आपके पास इतनी सारी अपॉइंटमेंट हों।"
फ्रैंकन के चेहरे पर घबराहट के भाव उभर आए।
"हे भगवान, डोमिनिक, इससे मुझे याद आ गया!"
"क्या आप कोई अपॉइंटमेंट भूल गए हैं?" उसने नरमी से पूछा।
"अरे बाप रे! मैं तो बिल्कुल भूल ही गया था। आज सुबह एंड्रयू कोल्सन ने फोन किया था और मैं उसे नोट करना भूल गया। उसने मुझसे दो बजे मिलने की ज़िद की, आप जानते ही हैं, मैं बस... कर ही नहीं सकता।
एंड्रयू कोल्सन से मिलने से इनकार करना, धिक्कार है!—आज ही के दिन...” उन्होंने संदेह भरे लहजे में पूछा, “आपको यह कैसे पता चला?”
“अरे, मुझे तो बिल्कुल भी पता नहीं था। कोई बात नहीं, पिताजी। श्रीमान।”

कीटिंग और मैं आपको माफ कर देंगे, और हम साथ में एक शानदार दोपहर का भोजन करेंगे, और आज मेरे पास कोई अपॉइंटमेंट नहीं है, इसलिए आपको डरने की ज़रूरत नहीं है कि मैं उससे बचकर निकल जाऊंगी।"
फ्रैंकन सोच रहा था कि क्या उसे पता था कि यह बहाना उसने कीटिंग के साथ उसे अकेला छोड़ने के लिए पहले से तैयार किया था। वह निश्चित नहीं था। वह सीधे उसकी ओर देख रही थी; उसकी आँखें कुछ ज़्यादा ही स्पष्ट लग रही थीं। उसे वहाँ से निकलकर खुशी हुई।
डोमिनिक ने कीटिंग की ओर इतनी कोमल नज़र से देखा कि उसका अर्थ तिरस्कार के अलावा और कुछ नहीं हो सकता था।
“अब आराम करो,” उसने कहा। “हम दोनों जानते हैं कि पिताजी क्या चाहते हैं, इसलिए सब ठीक है। इसे लेकर शर्मिंदा मत हो। मुझे भी कोई शर्म नहीं है। यह अच्छी बात है कि तुमने पिताजी को लगाम में रखा है। लेकिन मुझे पता है कि उनका लगाम से आगे खींचना तुम्हारे लिए अच्छा नहीं है। तो चलो इसे भूल जाते हैं और अपना दोपहर का भोजन करते हैं।”
वह उठकर बाहर जाना चाहता था; और भयंकर लाचारी में जानता था कि वह ऐसा नहीं कर पाएगा। उसने कहा:
“पीटर, नाराज़ मत हो। तुम मुझे डोमिनिक ही कह सकते हो, क्योंकि हम कभी न कभी इस बात पर आ ही जाएँगे। मैं तुमसे अक्सर मिलूँगी, मैं बहुत से लोगों से मिलती हूँ, और अगर पिताजी को तुम्हें उनमें से एक के रूप में पाकर खुशी होगी तो क्यों नहीं?”
दोपहर के भोजन के बाकी समय में वह उससे एक पुराने दोस्त की तरह, हंसमुख और खुले दिल से बातें करती रही; उसकी बेबाकी से ऐसा लग रहा था मानो कुछ छुपाना तो नहीं है, लेकिन यह भी साफ था कि कोई पूछताछ न करना ही बेहतर होगा। उसके व्यवहार की असाधारण विनम्रता से ऐसा लग रहा था मानो उनके रिश्ते का कोई महत्व ही न हो, कि वह उससे शत्रुता का भाव नहीं रख सकती। वह जानता था कि वह उसे बेहद नापसंद करता है। लेकिन वह उसके होंठों की बनावट, शब्दों को गढ़ते उसके होठों की हरकत को देखता रहा; वह अपने पैरों को इस तरह मोड़ने का तरीका देखता रहा, एक ऐसा सहज और सटीक हावभाव, जैसे किसी महंगे वाद्य यंत्र को मोड़ा जा रहा हो; और वह उस अविश्वास भरी प्रशंसा की भावना से बच नहीं सका जो उसने उसे पहली बार देखते समय महसूस की थी।
जब वे जाने लगे, तो उसने कहा:
“पीटर, क्या तुम मुझे आज रात थिएटर ले जाओगे? मुझे कोई भी नाटक चलेगा, कोई भी चलेगा। खाना खाने के बाद मुझे बुला लेना। पिताजी को बता देना।
इससे वह प्रसन्न होगा।
हालांकि, बेशक, उन्हें प्रसन्न होने की बजाय बेहतर तरीके से पता होना चाहिए।
कीटिंग ने कहा, "और मुझे भी ऐसा ही करना चाहिए, लेकिन फिर भी मुझे बहुत खुशी होगी, डोमिनिक।"
आपको बेहतर क्यों पता होना चाहिए?
"क्योंकि आज रात न तो आपकी थिएटर जाने की इच्छा है और न ही मुझे देखने की।"
“बिल्कुल नहीं। मुझे तुम अच्छे लगने लगे हो, पीटर। साढ़े आठ बजे मुझे बुला लेना।”
जब कीटिंग कार्यालय लौटे, तो फ्रैंकन ने उन्हें तुरंत ऊपर बुलाया।
“तो?” फ्रैंकन ने चिंता से पूछा।
“क्या बात है, गाइ?” कीटिंग ने मासूमियत भरी आवाज में कहा। “तुम इतने चिंतित क्यों हो?”
"खैर, मैं... मैं बस... सच कहूँ तो, मुझे यह देखने में दिलचस्पी है कि क्या आप दोनों एक साथ आ सकते हैं। मुझे लगता है कि आप उसके लिए एक अच्छा प्रभाव साबित होंगे।"
क्या हुआ?"

“बिल्कुल भी नहीं। हमने बहुत अच्छा समय बिताया। आप रेस्टोरेंट के बारे में अच्छी तरह जानते हैं।”
खाना बहुत बढ़िया था... ओह, हाँ, मैं आज रात आपकी बेटी को एक शो दिखाने ले जा रहा हूँ।
"नहीं!"
"क्यों हाँ।"
"तुमने यह सब कैसे कर दिखाया?"
कीटिंग ने कंधे उचकाते हुए कहा, "मैंने तुमसे कहा था कि डोमिनिक से डरने की जरूरत नहीं है।"
“मुझे डर नहीं है, लेकिन... अरे, क्या उसका नाम 'डोमिनिक' हो गया? बधाई हो, पीटर... मुझे डर नहीं है, बस मैं उसे समझ नहीं पा रही हूँ। कोई उसके पास जाने की हिम्मत नहीं करता। उसकी कभी कोई सहेली नहीं रही, यहां तक कि बचपन में भी नहीं। उसके आस-पास हमेशा भीड़ रहती है, लेकिन कोई दोस्त नहीं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूँ। अब वो अकेली रहती है, हमेशा मर्दों की भीड़ उसके आस-पास रहती है और...”
"गाइ, तुम्हें अपनी बेटी के बारे में कुछ भी अपमानजनक नहीं सोचना चाहिए।"
“मैं नहीं कर सकता! यही तो समस्या है—कि मैं नहीं कर सकता। काश मैं कर पाता। लेकिन वो चौबीस साल की है, पीटर, और वो कुंवारी है—मुझे पता है, मुझे पूरा यकीन है।”
क्या तुम किसी औरत को देखकर ही नहीं बता सकते? मैं कोई नैतिकतावादी नहीं हूँ, पीटर, और मुझे लगता है कि यह असामान्य है। उसकी उम्र, उसके रूप-रंग और जिस तरह का वह पूरी तरह से आज़ाद जीवन जीती है, उसे देखते हुए यह अस्वाभाविक है।
काश भगवान
वो शादी कर लेगी। मुझे सच में ऐसा लगता है... खैर, अब इसे दोहराना मत, और इसका गलत मतलब मत निकालना, मेरा मतलब इसे निमंत्रण के रूप में कहना नहीं था।
"बिल्कुल नहीं।"
“वैसे, पीटर, जब तुम बाहर थे, तब अस्पताल से फोन आया था। उन्होंने बताया कि बेचारे लुसियस की हालत में काफी सुधार है। उन्हें लगता है कि वो ठीक हो जाएंगे।”
लुसियस एन. हेयर को स्ट्रोक आया था, और कीटिंग ने उनकी सेहत में सुधार को लेकर काफी चिंता जताई थी, लेकिन उनसे मिलने अस्पताल नहीं गए थे।
कीटिंग ने कहा, "मुझे बहुत खुशी है।"
“लेकिन मुझे नहीं लगता कि वो कभी काम पर लौट पाएँगे। वो बूढ़े हो रहे हैं, पीटर... हाँ, वो बूढ़े हो रहे हैं... एक उम्र ऐसी आती है जब काम का बोझ उठाना मुश्किल हो जाता है।” उन्होंने एक कागज़ काटने वाले चाकू को दो उंगलियों के बीच लटकाए रखा और डेस्क पर रखे कैलेंडर के किनारे पर सोचे-विचारे करते हुए थपथपाया। “पीटर, ये हम सबके साथ कभी न कभी होता ही है... हमें आगे देखना चाहिए...”
कीटिंग अपने बैठक कक्ष में चिमनी में लगे नकली लकड़ियों के पास फर्श पर बैठा था, अपने हाथों को अपने घुटनों के चारों ओर बांधे हुए, और अपनी माँ के सवालों को सुन रहा था कि डोमिनिक कैसी दिखती थी, उसने क्या पहना था, उसने उससे क्या कहा था और उसे क्या लगता है कि उसकी माँ ने वास्तव में उसके लिए कितना पैसा छोड़ा था। अब वह डोमिनिक से अक्सर मिलने लगा था। वह अभी-अभी उसके साथ नाइट क्लबों में बिताई एक शाम से लौटा था। वह हमेशा उसके निमंत्रण स्वीकार कर लेती थी। वह सोचता था कि क्या उसका यह रवैया जानबूझकर यह साबित करने का प्रयास था कि उससे बार-बार मिलकर वह उसे पूरी तरह से नज़रअंदाज़ कर सकती है, बजाय इसके कि उससे मिलने से इनकार करे। लेकिन हर बार जब वह उससे मिलता, तो अगली मुलाकात की बेसब्री से योजना बनाता। उसने कैथरीन को एक महीने से नहीं देखा था।

वह अपने चाचा द्वारा सौंपे गए शोध कार्य में व्यस्त था, जो उनके व्याख्यानों की एक श्रृंखला की तैयारी के लिए था।
श्रीमती कीटिंग एक लैंप के नीचे बैठी थीं, पीटर के डिनर जैकेट की अस्तर में लगे एक छोटे से छेद को सिल रही थीं, और सवालों के बीच-बीच में उसे डांट रही थीं कि वह अपनी फॉर्मल पैंट और सबसे अच्छी शर्ट पहनकर फर्श पर क्यों बैठा है। उसने न तो डांट पर ध्यान दिया और न ही सवालों पर। लेकिन अपनी ऊब और झुंझलाहट के नीचे उसे एक अजीब सी राहत महसूस हो रही थी; मानो उनके शब्दों की ज़िद उसे आगे बढ़ा रही हो और उसके काम को सही ठहरा रही हो। वह बीच-बीच में जवाब देता, "हाँ... नहीं... मुझे नहीं पता... ओह, हाँ, वह बहुत प्यारी है।"
वो बहुत प्यारी है... बहुत देर हो गई है, माँ। मैं थक गई हूँ। मुझे लगता है मुझे सोने जाना चाहिए..."
घर की घंटी बजी।
श्रीमती कीटिंग ने कहा, "अच्छा, इस समय यह क्या हो सकता है?"
कीटिंग उठे, कंधे उचकाए और धीरे-धीरे दरवाजे की ओर चल दिए।
यह कैथरीन थी। वह खड़ी थी, उसके दोनों हाथ एक बड़े, पुराने, बेढंगे पर्स पर टिके हुए थे। वह दृढ़ और संकोची दोनों लग रही थी। वह थोड़ा पीछे हटी। उसने कहा: "शुभ संध्या, पीटर। क्या मैं अंदर आ सकती हूँ? मुझे आपसे बात करनी है।"
“कैटी! बिल्कुल! आपकी कृपा है! अंदर आ जाइए। माँ, मैं कैटी हूँ।”
श्रीमती कीटिंग ने लड़की के पैरों को देखा जो ऐसे कदम रख रहे थे मानो किसी जहाज के हिलते हुए डेक पर चल रहे हों; उन्होंने अपने बेटे की ओर देखा और उन्हें पता चल गया कि कुछ ऐसा हुआ है जिसे बहुत सावधानी से संभालना होगा।
"शुभ संध्या, कैथरीन," उसने धीरे से कहा।
कीटिंग को उसके चेहरे पर अचानक उमड़ी खुशी के अलावा और कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था; उस खुशी ने उसे बताया कि कुछ भी नहीं बदला है, वह पूरी तरह आश्वस्त है, और उसकी उपस्थिति ने उसके सभी संदेहों को दूर कर दिया है।
वह देर रात के बारे में, और उसके अपार्टमेंट में उसकी पहली, बिन बुलाए उपस्थिति के बारे में सोचना भूल गया।
“शुभ संध्या, श्रीमती कीटिंग,” उसने कहा, उसकी आवाज़ चमकदार और खोखली थी।
“मुझे उम्मीद है कि मैं आपको परेशान नहीं कर रही हूँ, शायद काफी देर हो चुकी है, है ना?”
"बिल्कुल नहीं, बच्ची," श्रीमती कीटिंग ने कहा।
कैथरीन ने जल्दबाजी में, बेतहाशा, शब्दों की ध्वनि पर टिके रहते हुए बोलना शुरू किया:
“मैं अपनी टोपी उतार देता हूँ... मैं इसे कहाँ रखूँ, श्रीमती कीटिंग? यहाँ मेज़ पर? क्या यह ठीक रहेगा? ... नहीं, शायद इसे इस दराज पर रखना बेहतर होगा, हालाँकि टोपी सड़क की वजह से थोड़ी नम है, इससे वार्निश खराब हो सकती है, यह एक अच्छी दराज है, मुझे उम्मीद है कि वार्निश खराब नहीं होगी....”
"क्या बात है, केटी?" कीटिंग ने आखिरकार ध्यान देते हुए पूछा।
उसने उसकी तरफ देखा और उसने देखा कि उसकी आँखों में डर था। उसके होंठ खुले; वह मुस्कुराने की कोशिश कर रही थी।
“कैटी!” उसने हांफते हुए कहा।
कुछ बोली नहीं।
“अपना कोट उतारो। इधर आओ, आग के पास बैठकर खुद को गर्म करो।”
उसने चिमनी के पास एक नीची बेंच खिसकाई और उसे उस पर बैठा दिया।
उसने एक काला स्वेटर और एक पुरानी काली स्कर्ट पहनी हुई थी, स्कूली लड़कियों के घर में पहनने वाले कपड़े जिन्हें उसने अपनी यात्रा के लिए नहीं बदला था। वह घुटनों

को कसकर सटाकर बैठी थी। उसने धीमी और अधिक स्वाभाविक आवाज़ में कहा, जिसमें दर्द की पहली झलक साफ सुनाई दे रही थी:
आपका घर कितना प्यारा है... कितना आरामदायक और विशाल... क्या आप जब चाहें खिड़कियाँ खोल सकते हैं?
“मेरी प्यारी कैटी,” उसने धीरे से कहा, “क्या हुआ?”
“कुछ नहीं। ऐसा नहीं है कि कुछ हुआ ही नहीं। बस मुझे आपसे बात करनी थी। अभी। आज रात।”
उन्होंने श्रीमती कीटिंग की ओर देखा। "अगर आप चाहें तो..."
“नहीं। यह बिल्कुल ठीक है। श्रीमती कीटिंग इसे सुन सकती हैं। शायद अगर वह इसे सुने तो बेहतर होगा।” उसने अपनी माँ की ओर मुड़कर बहुत ही सरल शब्दों में कहा:
“देखिए, श्रीमती कीटिंग, पीटर और मैं सगाई कर चुके हैं।” वह उसकी ओर मुड़ी और लड़खड़ाती आवाज़ में बोली, “पीटर, मैं अभी, कल, जितनी जल्दी हो सके, शादी करना चाहती हूँ।”
श्रीमती कीटिंग का हाथ धीरे-धीरे उनकी गोद में आ गया। उन्होंने कैथरीन की ओर देखा, उनकी आँखें भावहीन थीं। उन्होंने शांत स्वर में कहा, उस गरिमा के साथ जिसकी कीटिंग ने उनसे कभी अपेक्षा नहीं की थी:
मुझे पता नहीं था। मैं बहुत खुश हूँ, मेरी प्यारी।
“आपको कोई आपत्ति नहीं है? आपको सचमुच कोई आपत्ति नहीं है?” कैथरीन ने हताशा से पूछा।
“बेटा, ऐसे मामलों का फैसला सिर्फ तुम और मेरा बेटा ही कर सकते हो।”
“कैटी!” उसने हांफते हुए कहा, उसकी आवाज वापस आ गई थी। “क्या हुआ? और जितनी जल्दी हो सके क्यों?”
“ओह! ओह, ऐसा लग रहा था जैसे... जैसे मैं किसी ऐसी मुसीबत में फंसी हूँ जिसमें लड़कियाँ फंसी होती हैं...” वह शर्म से लाल हो गई। “हे भगवान! नहीं! ऐसी नहीं है! आप जानते हैं कि ऐसा हो ही नहीं सकता! ओह, आप सोच भी नहीं सकते, पीटर, कि मैं...” वह ..."
“नहीं, बिलकुल नहीं,” वह हँसते हुए उसके बगल में ज़मीन पर बैठ गया और अपना हाथ उसके कंधे पर रख दिया। “लेकिन खुद को संभालो। क्या बात है? तुम जानती हो कि अगर तुम चाहो तो मैं आज रात ही तुमसे शादी कर लूँगा। आखिर हुआ क्या?”
“कुछ नहीं। मैं अब ठीक हूँ। मैं तुम्हें बताऊँगी। तुम्हें लगेगा कि मैं पागल हूँ। मुझे अचानक से यह एहसास हुआ कि मैं तुमसे कभी शादी नहीं करूँगी, कि कुछ मेरे साथ बहुत भयानक घटनाएँ घट रही थीं और मुझे उनसे भागना पड़ा।
“तुम्हारे साथ क्या हो रहा था?”
“मुझे नहीं पता। कुछ भी नहीं। मैं सारा दिन अपने शोध नोट्स पर काम कर रही थी, और कुछ भी नहीं हुआ था। न कोई फोन आया, न कोई मिलने आया। और फिर अचानक आज रात, मुझे वो एहसास हुआ, जैसे कोई बुरा सपना हो, आप जानते हैं, उस तरह का भयानक जिसे बयान नहीं किया जा सकता, जो बिल्कुल भी सामान्य नहीं था। बस ऐसा लगा जैसे मैं जानलेवा खतरे में हूँ, जैसे कोई चीज़ मेरे करीब आ रही है, जिससे मैं कभी बच नहीं पाऊँगी, क्योंकि वो मुझे बचने नहीं देगी और बहुत देर हो चुकी होगी।”
“कि तुम किससे कभी बच नहीं पाओगे?”
“मुझे ठीक से नहीं पता। सब कुछ। मेरी पूरी ज़िंदगी। जैसे दलदल। चिकना और प्राकृतिक। जिसमें कुछ भी ऐसा नहीं जिसे आप देख सकें या जिस पर शक कर सकें। और आप उस पर आसानी से चल सकते हैं। जब आपको पता चलता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है... और मुझे लगा कि यह मुझे अपनी चपेट में ले लेगा, कि मैं तुमसे

कभी शादी नहीं कर पाऊंगा, कि मुझे भागना होगा, अभी, या कभी नहीं। क्या आपको कभी ऐसा एहसास नहीं हुआ, बस एक ऐसा डर जिसे आप समझा नहीं सकते?"
“हां,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।
"क्या आपको नहीं लगता कि मैं पागल हूँ?"
“नहीं, केटी। बस, असल में इसकी शुरुआत किस बात से हुई? क्या कोई खास बात थी?”
“खैर... अब तो यह बहुत बेवकूफी भरा लगता है।” उसने माफी मांगते हुए खिलखिलाकर हंस दिया। “बात कुछ इस तरह थी: मैं अपने कमरे में बैठी थी और थोड़ी ठंड थी, इसलिए मैंने खिड़की नहीं खोली। मेज पर इतने सारे कागज़ और किताबें थीं कि लिखने के लिए जगह ही नहीं थी और हर बार जब मैं कुछ लिखती, मेरी कोहनी किसी चीज़ को गिरा देती। मेरे चारों ओर फर्श पर कागज़ों के ढेर लगे थे, और उनमें से हल्की सरसराहट की आवाज़ आ रही थी, क्योंकि शायद बैठक के कमरे का दरवाज़ा आधा खुला था और थोड़ी हवा आ रही थी। चाचाजी भी बैठक के कमरे में काम कर रहे थे। मैं आराम से काम कर रही थी, घंटों से काम कर रही थी, मुझे समय का भी पता नहीं चला। और फिर अचानक मुझे कुछ महसूस हुआ। पता नहीं क्यों। शायद कमरा घुटन भरा था, या शायद सन्नाटा छा गया था। मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा था, बैठक के कमरे में कोई आवाज़ नहीं, और कागज़ों की सरसराहट की आवाज़ आ रही थी, इतनी धीमी, जैसे किसी का गला घोंटा जा रहा हो। फिर मैंने चारों ओर देखा और... और मुझे बैठक के कमरे में चाचाजी दिखाई नहीं दिए, लेकिन मुझे दीवार पर उनकी परछाई दिखाई दी, एक बड़ी सी परछाई, झुकी हुई, और वह बस हिलाना था, पर ये इतना विशाल था!
वह सिहर उठी। अब उसे यह बात मूर्खतापूर्ण नहीं लग रही थी। उसने फुसफुसाते हुए कहा:
“तभी मुझे डर लगने लगा। वह परछाई हिल नहीं रही थी, लेकिन मुझे लगा कि सारा कागज़ हिल रहा है, मुझे लगा कि वह ज़मीन से बहुत धीरे-धीरे ऊपर उठ रही है, और वह मेरे गले तक आ जाएगी और मैं डूब जाऊंगी। तभी मैं चीखी। और पीटर ने नहीं सुना। उसने सुना ही नहीं! क्योंकि परछाई हिली ही नहीं। फिर मैंने अपनी टोपी और कोट उठाया और भाग गई। जब मैं लिविंग रूम से भाग रही थी, मुझे लगता है उसने कहा: ‘कैथरीन, क्या समय हो गया है?—तुम कहां जा रही हो?’”
कुछ ऐसा ही, मुझे पक्का नहीं पता। लेकिन मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जवाब भी नहीं दिया—मैं दे ही नहीं सकती थी। मुझे उससे डर लग रहा था। अंकल एल्सवर्थ से डर लग रहा था, जिन्होंने अपनी पूरी ज़िंदगी में मुझसे कभी कोई कड़वी बात नहीं कही! ... बस यही बात थी, पीटर। मैं समझ नहीं पा रही, पर मुझे डर लग रहा है। अब उतना नहीं, तुम्हारे साथ यहाँ तो नहीं, पर डर लग रहा है...।"
श्रीमती कीटिंग ने शुष्क और कठोर स्वर में बात की:
"अरे, ये तो साफ है कि तुम्हारे साथ क्या हुआ, मेरी प्यारी। तुमने बहुत ज्यादा मेहनत की और हद से ज्यादा कर दी, और तुम थोड़ी सी हिस्टीरिकल हो गई।"
“हां... शायद...”
“नहीं,” कीटिंग ने उदास स्वर में कहा, “नहीं, ऐसा नहीं था....” वह हड़ताल की बैठक की लॉबी में लगे लाउडस्पीकर के बारे में सोच रहा था। फिर उसने जल्दी से कहा, “हां, मां सही कह रही हैं। तुम काम के बोझ से खुद को मार रही हो, केटी।”
तुम्हारे उस चाचा का मैं एक दिन गला घोंट दूंगा।
“अरे, लेकिन इसमें उसकी कोई गलती नहीं है! वो नहीं चाहता कि मैं काम करूँ। वो अक्सर मुझसे किताबें छीन लेता है और मुझे फ़िल्म देखने भेज देता है। उसने खुद कहा है कि मैं बहुत ज़्यादा मेहनत करती हूं। लेकिन मुझे ये अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि मेरा हर नोट, हर छोटी-छोटी जानकारी—ये सब देश भर के सैकड़ों युवा छात्रों को पढ़ाई जाएगी, और मुझे लगता है कि मैं ही लोगों को शिक्षित करने में मदद कर रही हूँ,

इस बड़े काम में अपना छोटा सा योगदान दे रही हूँ—और मुझे गर्व महसूस होता है और मैं रुकना नहीं चाहती। देखा? मुझे सच में कोई शिकायत नहीं है। और फिर... फिर, जैसे आज रात... मुझे नहीं पता कि मुझे क्या हो गया है।"
"देखो, केटी, हमें कल सुबह लाइसेंस मिल जाएगा और फिर हम तुरंत शादी कर लेंगे, जहाँ भी तुम चाहो।"
"चलो, पीटर," उसने फुसफुसाते हुए कहा। "क्या तुम्हें सच में कोई आपत्ति नहीं है? मेरे पास कोई ठोस कारण नहीं है, लेकिन मैं यह चाहती हूँ। मैं इसे बहुत चाहती हूँ। तब मुझे पता चल जाएगा कि सब ठीक है। हम संभाल लेंगे। अगर तुम... अगर तुम अभी पूरी तरह तैयार नहीं हो या... तो मैं नौकरी ढूंढ लूँगी।"
"अरे, बकवास! उस बारे में बात मत करो। हम संभाल लेंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बस हमारी शादी हो जाए, बाकी सब अपने आप ठीक हो जाएगा।"
"डार्लिंग, क्या तुम समझ रही हो? क्या तुम समझ रही हो?"
"हां, केटी।"
श्रीमती कीटिंग ने कहा, "अब जब सब कुछ सुलझ गया है, तो मैं तुम्हारे लिए एक कप गर्म चाय बना देती हूँ, कैथरीन। घर जाने से पहले तुम्हें इसकी ज़रूरत पड़ेगी।"
उसने चाय तैयार की, और कैथरीन ने कृतज्ञतापूर्वक उसे पिया और मुस्कुराते हुए कहा:
"मुझे... मुझे अक्सर डर लगता था कि आप इसे स्वीकार नहीं करेंगी, श्रीमती।"
कीटिंग।"
"तुम्हें यह विचार कहाँ से आया?" श्रीमती कीटिंग ने धीमी आवाज़ में कहा, उनकी आवाज़ में प्रश्न का भाव नहीं था। "अब तुम घर जाओ और चैन की नींद सोओ।"
"माँ, क्या केटी आज रात यहाँ नहीं रुक सकती? वह आपके साथ सो सकती है।"
"अच्छा, पीटर, इतना घबराओ मत। उसके चाचा क्या सोचेंगे?"
"अरे नहीं, बिलकुल नहीं। मैं बिल्कुल ठीक हूँ, पीटर। मैं घर जाऊँगी।"
"नहीं, अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो..."
"मुझे डर नहीं है। अभी नहीं। मैं ठीक हूँ। आपको नहीं लगता कि मैं अंकल एल्सवर्थ से सचमुच डरता हूँ?"
"ठीक है। लेकिन अभी मत जाओ।"
"पीटर," श्रीमती कीटिंग ने कहा, "तुम नहीं चाहोगे कि वह जरूरत से ज्यादा देर तक सड़कों पर घूमती रहे।"
मैं उसे घर ले जाऊंगा।
"नहीं," कैथरीन ने कहा। "मैं अपनी असलियत से ज़्यादा मूर्ख नहीं बनना चाहती। नहीं, मैं तुम्हें ऐसा नहीं करने दूंगी।"
उसने दरवाजे पर ही उसे चूमा और कहा: "मैं कल सुबह दस बजे तुम्हें लेने आऊंगा और हम लाइसेंस लेने चलेंगे।" "जी पीटर।"
वह फुसफुसाई।
उसके जाने के बाद उसने दरवाज़ा बंद कर दिया और एक पल के लिए खड़ा रहा, उसे पता ही नहीं चला कि उसकी मुट्ठियाँ भींची हुई हैं। फिर वह अकड़कर वापस बैठक कक्ष में गया और रुक गया, उसके हाथ जेब में थे, और वह अपनी माँ की ओर मुँह करके खड़ा था। उसने अपनी माँ की ओर देखा, उसकी निगाहें एक खामोश माँग थीं।
श्रीमती...
कीटिंग चुपचाप उसे देखता रहा, न तो उसने उस नजर को नजरअंदाज करने का नाटक किया और न ही उसका जवाब दिया।
फिर उसने पूछा:
"क्या तुम सोने जाना चाहते हो, पीटर?"

उसे इसकी बिलकुल भी उम्मीद नहीं थी। उसे मौका देखकर तुरंत मुड़ने, कमरे से बाहर निकलने और भाग जाने की तीव्र इच्छा हुई। लेकिन उसे यह जानना ज़रूरी था कि वह क्या सोचती है; उसे खुद को सही साबित करना था।
“माँ, अब मैं किसी भी आपत्ति को नहीं सुनूंगा।”
श्रीमती कीटिंग ने कहा, "मैंने कोई आपत्ति नहीं जताई है।"
“माँ, मैं चाहती हूँ कि आप यह समझें कि मैं केटी से प्यार करती हूँ, कि अब मुझे कोई नहीं रोक सकती, और बस यही बात है।”
"बहुत खूब, पीटर।"
मुझे समझ नहीं आ रहा कि आपको उसमें क्या नापसंद है।
मुझे क्या पसंद है या क्या नापसंद है, इससे अब आपको कोई फर्क नहीं पड़ता।
“ओह जी हां, मां, बिल्कुल! आप जानती हैं। आप ऐसा कैसे कह सकती हैं?”
“पीटर, मेरी पसंद-नापसंद जैसी कोई बात नहीं है। मैं अपने बारे में बिल्कुल नहीं सोचती, क्योंकि तुम्हारे सिवा दुनिया में मेरे लिए कुछ भी मायने नहीं रखता। यह भले ही पुराने ज़माने की बात लगे, लेकिन मैं ऐसी ही हूँ। मुझे पता है कि मुझे ऐसा नहीं होना चाहिए, क्योंकि आजकल के बच्चे इसे नहीं समझते, लेकिन मैं क्या करूँ।”
“ओह, माँ, आप जानती हैं कि मैं इसकी सराहना करता हूँ! आप जानती हैं कि मैं आपको चोट नहीं पहुँचाना चाहता।”
“पीटर, तुम मुझे चोट नहीं पहुँचा सकते, सिवाय खुद को चोट पहुँचाने के। और वो...”
यह बर्दाश्त करना मुश्किल है।
मैं खुद को कैसे नुकसान पहुंचा रहा हूँ?
"अच्छा, अगर तुम मेरी बात सुनने से इनकार नहीं करोगे तो..."
मैंने कभी भी आपकी बात सुनने से इनकार नहीं किया!
"अगर आप मेरी राय सुनना ही चाहते हैं, तो मैं कहूंगा कि यह मेरे जीवन के उनतीस वर्षों का अंतिम संस्कार है, उन सभी आशाओं का जो मैंने आपके लिए रखी थीं।"
“लेकिन क्यों? क्यों?”
“ऐसा नहीं है कि मुझे कैथरीन नापसंद है, पीटर। मैं उसे बहुत पसंद करता हूँ। वह एक अच्छी लड़की है—अगर वह अक्सर खुद को इतना परेशान न करे और बेवजह बातें न करे। लेकिन वह एक सभ्य लड़की है और मुझे लगता है कि वह किसी के लिए भी अच्छी पत्नी बनेगी। किसी भी अच्छे, मेहनती और सभ्य लड़के के लिए। लेकिन सोचो, पीटर! तुम्हारे लिए!”
"लेकिन..."
“पीटर, तुम बहुत विनम्र हो। ज़रूरत से ज़्यादा विनम्र। यही तुम्हारी समस्या रही है। तुम खुद की कद्र नहीं करते। तुम्हें लगता है कि तुम बिल्कुल दूसरों जैसे हो।”
किसी और को।"
मैं तो बिलकुल भी ऐसा नहीं सोचता! और मैं किसी को भी ऐसा सोचने नहीं दूंगा!
“तो फिर दिमाग का इस्तेमाल करो! क्या तुम्हें पता नहीं कि तुम्हारे सामने क्या है? क्या तुम्हें यह नहीं दिख रहा कि तुम अब तक कितनी दूर आ चुके हो और कितनी दूर जाओगे? तुम्हारे पास मौका है—ठीक है, सबसे बेहतरीन तो नहीं, लेकिन वास्तुकला के क्षेत्र में शीर्ष के काफी करीब पहुंचने का, और...”
“लगभग शीर्ष पर? क्या यही आपका विचार है? अगर मैं सर्वश्रेष्ठ नहीं बन सकता, अगर मैं अपने समय में इस देश का एकमात्र निर्माता नहीं बन सकता—तो मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है!”
लेकिन, पीटर, काम में लापरवाही करके कोई उस मुकाम तक नहीं पहुंचता।
किसी भी चीज में प्रथम स्थान पाने के लिए कुछ त्याग करने का साहस होना जरूरी है।
"लेकिन ..."

"पीटर, अगर तुम वाकई ऊंचे लक्ष्य रखना चाहते हो, तो तुम्हारी ज़िंदगी तुम्हारी अपनी नहीं है।"
आप आम लोगों की तरह अपनी हर इच्छा पूरी नहीं कर सकते, क्योंकि उनके लिए तो यह मायने ही नहीं रखता। पीटर, यह न तो आपकी बात है, न मेरी, न ही हमारी भावनाओं की। यह आपके करियर की बात है। दूसरों का सम्मान पाने के लिए खुद को त्यागना हिम्मत का काम है।
“तुम बस केटी को नापसंद करते हो और तुम अपने पूर्वाग्रह को हावी होने देते हो...”
मुझे उसमें क्या नापसंद हो सकता है? खैर, ज़ाहिर है, मैं ऐसी लड़की को पसंद नहीं कर सकता जो अपने पति के लिए इतनी कम परवाह रखती है कि वह उसके पास दौड़कर जाए और उसे छोटी-छोटी बातों पर परेशान करे, और उससे कहे कि वह अपना भविष्य बर्बाद कर दे, सिर्फ इसलिए कि उसे कोई अजीब सा ख्याल आ गया है। इससे पता चलता है कि ऐसी पत्नी से आप किस तरह की मदद की उम्मीद कर सकते हैं। लेकिन जहाँ तक मेरी बात है, अगर आपको लगता है कि मैं सिर्फ़ अपने बारे में सोच रही हूँ—तो आप बिल्कुल अंधे हैं, पीटर। क्या आपको नहीं लगता कि मेरे लिए तो यह बिल्कुल सही जोड़ी होगी? क्योंकि मुझे कैथरीन से कोई परेशानी नहीं होगी, मैं उसके साथ बहुत अच्छे से घुल-मिल जाऊँगी, वह अपनी सास का सम्मान करेगी और उनकी बात मानेगी। वहीं दूसरी ओर, मिस फ्रैंकन...
वह सहम गया। उसे पता था कि ऐसा होगा। यही वह विषय था जिसे वह सुनना नहीं चाहता था।
“ओह जी हाँ, पीटर,” श्रीमती कीटिंग ने शांत और दृढ़ता से कहा, “हमें इस बारे में बात करनी ही होगी। मुझे पूरा यकीन है कि मैं मिस फ्रैंकन को संभाल नहीं सकती, और उनके जैसी संभ्रांत और समाज की संभ्रांत लड़की मुझ जैसी साधारण और अनपढ़ माँ को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करेगी। शायद वो मुझे घर से निकाल ही देंगी। ओह जी हाँ, पीटर। लेकिन देखो, मैं अपने बारे में नहीं सोच रही हूँ।”
“माँ,” उसने कठोर स्वर में कहा, “डोमिनिक के साथ मेरे किसी भी तरह के रिश्ते की बात तो बिलकुल बकवास है। वो बदचलन औरत—मुझे नहीं लगता कि वो कभी मेरी तरफ देखेगी भी।”
“पीटर, तुम फिसल रहे हो। एक समय था जब तुम यह मानने को तैयार नहीं थे कि ऐसी कोई चीज है जो तुम्हें नहीं मिल सकती।”
"लेकिन मुझे वो नहीं चाहिए, माँ।"
“अरे, तुम ऐसा नहीं करते, है ना? अच्छा, तो तुम यहीं हो। क्या मैं यही नहीं कह रहा था? खुद को देखो! शहर के सबसे बेहतरीन आर्किटेक्ट, फ्रैंकॉन, ठीक वहीं है जहाँ तुम उसे चाहते थे! वह तुमसे साझेदारी करने की लगभग भीख मांग रहा है—तुम्हारी उम्र में, कितने ही दूसरे, उम्रदराज़ आदमियों को पीछे छोड़ते हुए? वह मना नहीं कर रहा, वह तुमसे अपनी बेटी से शादी करने के लिए कह रहा है! और तुम कल जाओगे और उसे उस मामूली लड़की से मिलवाओगे जिससे तुमने शादी कर ली है! एक पल के लिए अपने बारे में सोचना बंद करो और दूसरों के बारे में भी थोड़ा सोचो! तुम्हें क्या लगता है उसे यह कैसा लगेगा? उसे कैसा लगेगा जब तुम उसे उस गली की लड़की को दिखाओगे जिसे तुमने उसकी बेटी से ज़्यादा पसंद किया है?”
"उसे यह पसंद नहीं आएगा," कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा।
“पक्का यकीन मानो, वो ऐसा नहीं करेगा! वो तुम्हें सड़क पर फेंक देगा! उसे बहुत से लोग मिल जाएंगे जो तुम्हारी जगह लेने के लिए लपक लेंगे। उस बेनेट के बारे में क्या ख्याल है?”
“अरे नहीं!” कीटिंग ने इतनी गुस्से से हांफते हुए कहा कि उसे पता था कि उसने सही निशाना लगाया है। “बेनेट नहीं!”
“हां,” उसने विजयी भाव से कहा। “बेनेट! यही होगा—”

जब आप नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे होंगे, तब आप फ्रैंकन एंड बेनेट में काम कर रहे होंगे! लेकिन आपकी एक पत्नी होगी! हाँ, आपकी एक पत्नी होगी!
“माँ, कृपया...” उसने इतनी बेताबी से फुसफुसाया कि माँ खुद को बिना किसी रोक-टोक के आगे बोलने के लिए मजबूर हो गई।
“तुम्हें ऐसी ही पत्नी मिलेगी। एक अनाड़ी सी छोटी लड़की जिसे पता नहीं होगा कि अपने हाथ-पैर कहाँ रखने हैं। एक शर्मीली सी बच्ची जो घर में आने वाले किसी भी महत्वपूर्ण व्यक्ति से भागकर छिप जाएगी। तो तुम्हें लगता है कि तुम बहुत अच्छे हो? खुद को धोखा मत दो, पीटर कीटिंग! कोई भी महान व्यक्ति अकेले उस मुकाम तक नहीं पहुँचता। इस बात को नज़रअंदाज़ मत करो कि सही स्त्री ने उनमें से सबसे अच्छे लोगों की कितनी मदद की है। तुम्हारे फ्रैंकन ने किसी नौकरानी से शादी नहीं की, बिल्कुल नहीं! बस एक बार दूसरों की नज़र से चीजों को देखने की कोशिश करो। वे तुम्हारी पत्नी के बारे में क्या सोचेंगे? वे तुम्हारे बारे में क्या सोचेंगे? तुम सोडा बेचने वालों के लिए मुर्गियों के पिंजरे बनाकर अपना जीवन यापन नहीं करते, यह मत भूलो!
आपको खेल को वैसे ही खेलना होगा जैसे इस दुनिया के बड़े लोग इसे देखते हैं। आपको उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। एक ऐसे आदमी के बारे में वे क्या सोचेंगे जिसने एक आम सी औरत से शादी कर ली है? क्या वे आपकी प्रशंसा करेंगे? क्या वे आप पर भरोसा करेंगे? क्या वे आपका सम्मान करेंगे?
“चुप रहो!” वह चिल्लाया।
लेकिन वह बोलती रही। वह काफी देर तक बोलती रही, जबकि वह बैठा रहा, अपनी उंगलियों को जोर-जोर से चटकाता रहा, बीच-बीच में कराहता रहा; “पर मैं उससे प्यार करता हूँ... मैं नहीं कर सकता, माँ! मैं नहीं कर सकता... मैं उससे प्यार करता हूँ...”
जब बाहर की सड़कें सुबह की हल्की रोशनी से धुंधली हो गईं, तब उसने उसे छोड़ दिया। उसने उसे अपने कमरे की ओर लड़खड़ाते हुए जाने दिया, उसकी आवाज़ के आखिरी, कोमल, थके हुए स्वरों के साथ।
“कम से कम, पीटर, तुम इतना तो कर सकते हो। बस कुछ महीने। उससे कहो कि वह बस कुछ महीने रुक जाए। हेयर किसी भी पल मर सकती है और फिर, जब तुम उसके पार्टनर बन जाओगे, तो तुम उससे शादी कर सकते हो और शायद बच भी जाओगे। अगर वह तुमसे प्यार करती है, तो उसे बस थोड़ा और इंतज़ार करने में कोई आपत्ति नहीं होगी... इस बारे में सोचो, पीटर... और जब तुम इस बारे में सोच रहे हो, तो ज़रा यह भी सोच लो कि अगर तुमने अभी ऐसा किया, तो तुम अपनी माँ का दिल तोड़ दोगे। यह ज़रूरी नहीं है, लेकिन ज़रा इस बात पर ध्यान दो। एक घंटा अपने बारे में सोचो, लेकिन एक मिनट दूसरों के बारे में भी सोचो...”
उसने सोने की कोशिश नहीं की। उसने अपने कपड़े भी नहीं उतारे, बल्कि घंटों अपने बिस्तर पर बैठा रहा, और उसके मन में सबसे स्पष्ट बात यही थी कि वह खुद को एक साल आगे ले जाना चाहता था, जब सब कुछ व्यवस्थित हो चुका होता, उसे इस बात की परवाह नहीं थी कि कैसे।
जब उसने सुबह दस बजे कैथरीन के अपार्टमेंट की घंटी बजाई, तब तक उसने कुछ भी तय नहीं किया था। उसे हल्का सा आभास था कि वह उसका हाथ थाम लेगी, उसे रास्ता दिखाएगी, और ज़ोर देगी—और इस तरह फैसला हो जाएगा।
कैथरीन ने दरवाजा खोला और मुस्कुराई, मानो कुछ हुआ ही न हो। वह उसे अपने कमरे में ले गई, जहाँ सूरज की चौड़ी किरणें उसकी मेज पर करीने से रखी किताबों और कागजों के ढेर पर पड़ रही थीं। कमरा साफ-सुथरा था, कालीन पर अभी भी झाड़ू से साफ की गई धारियाँ थीं। कैथरीन ने एक साफ-सुथरी ऑर्गेंडी ब्लाउज पहनी थी, जिसकी आस्तीनें उसके कंधों पर करीने से टिकी हुई थीं; सूरज की रोशनी में उसके बालों में छोटे-छोटे रोएँ चमक रहे थे। उसे थोड़ी निराशा हुई कि उसके घर में उसे कोई खतरा नहीं मिला; साथ ही राहत और निराशा भी हुई।

“मैं तैयार हूँ, पीटर,” उसने कहा। “मुझे मेरा कोट ला दो।”
“क्या तुमने अपने चाचा को बताया?” उसने पूछा।
“ओह, हाँ। मैंने उसे कल रात ही बता दिया थी। जब मैं वापस आई तो वह अभी भी काम कर रहा था।”
“उसने क्या कहा?”
“कुछ नहीं। वह बस हँसा और मुझसे पूछा कि मुझे शादी के तोहफे में क्या चाहिए। लेकिन वह बहुत हंसा!”
“वह कहाँ है? क्या वह कम से कम मुझसे मिलना नहीं चाहता था?”
“उन्हें अपने अखबार के दफ्तर जाना था। उन्होंने कहा कि उनके पास आप लोगों से मिलने के लिए काफी समय होगा। लेकिन उन्होंने यह बात बहुत ही विनम्रता से कही।”
“सुनो, केटी, मैं... एक बात है जो मैं तुम्हें बताना चाहता था।” वह हिचकिचाया, उसकी ओर देखे बिना। उसकी आवाज़ सपाट थी। “देखो, बात ये है: फ्रैंकन के साझेदार लुसियस हेयर बहुत बीमार हैं और डॉक्टरों को उनके बचने की उम्मीद नहीं है। फ्रैंकन खुलेआम इशारे कर रहा है कि मुझे हेयर की जगह लेनी है। लेकिन फ्रैंकन के मन में ये अजीब ख्याल है कि वो चाहता है कि मैं उसकी बेटी से शादी कर लूँ। अब मुझे गलत मत समझना, तुम जानती हो कि ऐसा होने की कोई संभावना नहीं है, लेकिन मैं उसे ये बता नहीं सकता। और मैंने सोचा... मैंने सोचा कि अगर हम कुछ हफ़्तों का इंतज़ार कर लें... तो फर्म में मेरी जगह पक्की हो जाएगी और फिर जब मैं आकर फ्रैंकन को बताऊंगा कि मेरी शादी हो गई है, तो वो मेरा कुछ नहीं बिगाड़ पाएगा... लेकिन, ज़ाहिर है, ये तुम पर निर्भर करता है।” उसने उसकी ओर देखा और उसकी आवाज़ में उत्सुकता थी।
“अगर तुम अभी करना चाहती हो, तो हम तुरंत चलेंगे।”
“लेकिन, पीटर,” उसने शांत, गंभीर और आश्चर्यचकित स्वर में कहा। “बिल्कुल। हम इंतज़ार करेंगे।”
उसने सहमति और राहत भरी मुस्कान दी। लेकिन उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।
“बिल्कुल, हम इंतज़ार करेंगे,” उसने दृढ़ता से कहा। “मुझे यह पता नहीं था और यह बहुत महत्वपूर्ण है। जल्दबाजी करने का कोई कारण नहीं है।”
"क्या आपको डर नहीं है कि फ्रैंकन की बेटी मुझे पकड़ लेगी?"
वह हंस पड़ी। "ओह, पीटर! मैं तुम्हें बहुत अच्छी तरह जानती हूँ।"
लेकिन अगर आप चाहें तो...
“नहीं, यह बहुत बेहतर है। देखो, सच कहूँ तो, आज सुबह मैंने सोचा था कि अगर हम इंतज़ार करें तो बेहतर होगा, लेकिन अगर तुमने मन बना लिया था तो मैं कुछ कहना नहीं चाहती थी। चूंकि तुम इंतज़ार करना चाहती हो, तो मैं भी इंतज़ार करना चाहती हूँ, क्योंकि, देखो, आज सुबह हमें खबर मिली कि अंकल को इस गर्मी में पश्चिमी तट के एक बेहद महत्वपूर्ण विश्वविद्यालय में इसी व्याख्यान पाठ्यक्रम को दोहराने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुझे उन्हें अधूरा काम छोड़कर जाने का बहुत बुरा लग रहा था। और फिर मैंने यह भी सोचा कि शायद हम मूर्खता कर रहे हैं, हम दोनों इतने जवान हैं। और
अंकल एल्सवर्थ खूब हँसे। देखा आपने, थोड़ा इंतजार करना ही समझदारी है।
“हाँ। ठीक है। लेकिन, केटी, अगर तुम्हें कल रात जैसा महसूस हो रहा है...”
लेकिन मुझे याद नहीं! मुझे खुद पर बहुत शर्म आ रही है। मैं सोच भी नहीं सकती कि कल रात मेरे साथ क्या हुआ। मैं याद करने की कोशिश करती हूँ, पर समझ नहीं पाती। आप जानते ही हैं, बाद में कितना मूर्खता का भाव आता है।
अगले दिन सब कुछ इतना स्पष्ट और सरल लगता है। क्या मैंने कल रात कुछ बहुत ही बेकार की बातें कह दी थीं?
"खैर, इसे भूल जाओ। तुम एक समझदार छोटी बच्ची हो। हम दोनों समझदार हैं।"
और हम बस थोड़ी देर इंतजार करेंगे, ज्यादा समय नहीं लगेगा।"

“जी हां, पीटर।”
उसने अचानक, उग्र स्वर में कहा:
"अब इस पर जोर दो, केटी।"
और फिर वह मूर्खतापूर्ण ढंग से हँस पड़ा, मानो वह बिल्कुल गंभीर न रहा हो।
उसने मुस्कुराते हुए जवाब दिया। "देखो?" उसने अपने हाथ फैलाते हुए कहा।
“अच्छा...” उसने बुदबुदाते हुए कहा। “ठीक है, केटी। हम इंतज़ार करेंगे। यही बेहतर है। मैं... मैं चलता हूँ। मुझे ऑफिस में देर हो जाएगी।” उसे लगा कि उसे फिलहाल, उस दिन के लिए उसके कमरे से निकलना होगा। “मैं तुम्हें फ़ोन करूंगा।”
आइए कल साथ में खाना खाएं।
“हां, पीटर। यह अच्छा रहेगा।”
वह राहत और उदासी से भरा हुआ चला गया, अपने अंदर के उस मंद, लगातार बने रहने वाले एहसास के लिए खुद को कोसता रहा जो उसे बता रहा था कि उसने एक ऐसा मौका गंवा दिया है जो कभी वापस नहीं आएगा; कि कोई चीज़ उन दोनों के करीब आ रही थी और उन्होंने हार मान ली थी। वह कोसता रहा, क्योंकि वह यह नहीं कह सकता था कि उन्हें किससे लड़ना चाहिए था। वह जल्दी से अपने कार्यालय की ओर चल पड़ा क्योंकि उसे श्रीमती मूरहेड से मिलने में देर हो रही थी।
उसके जाने के बाद कैथरीन कमरे के बीचोंबीच खड़ी रही और सोचने लगी कि अचानक उसे खालीपन और ठंडक क्यों महसूस हो रही है; उसे अब तक यह क्यों नहीं पता था कि वह चाहती थी कि वह उसे अपने पीछे आने के लिए मजबूर करे। फिर उसने कंधे उचकाए, खुद पर नाराज़गी भरी मुस्कान बिखेरी और अपनी डेस्क पर काम करने लगी।
तेरहवें
अक्टूबर के एक दिन, जब हेलर हाउस था
काम लगभग पूरा होने ही वाला था कि ओवरऑल पहने एक दुबला-पतला युवक सड़क से घर की देख रहे एक छोटे समूह से बाहर निकला और रोर्क की ओर बढ़ा।
"क्या आप वही व्यक्ति हैं जिन्होंने बूबी हैच बनाया था?" उसने बड़े संकोच से पूछा।
“अगर आपका मतलब इस घर से है, तो हां,” रोर्क ने जवाब दिया।
"ओह, क्षमा कीजिए महोदय। बात यह है कि यहां के लोग उस जगह को यही कहते हैं। मैं उसे यह नाम नहीं देता। दरअसल, मुझे एक निर्माण कार्य मिला है... खैर, बिल्कुल निर्माण कार्य नहीं, लेकिन मैं यहाँ से लगभग दस मील दूर, पोस्ट रोड पर अपना एक पेट्रोल पंप बनाने जा रहा हूँ। मैं आपसे बात करना चाहता हूं।"
बाद में, अपने गैरेज के सामने एक बेंच पर बैठे हुए, जिमी गीवन ने विस्तार से समझाया। उन्होंने आगे कहा: “और मुझे आपका ख्याल कैसे आया, श्री रोर्क, क्योंकि मुझे आपका वह अजीब सा घर पसंद है। पता नहीं क्यों, लेकिन मुझे पसंद है। यह मुझे समझ में आता है। और फिर मैंने सोचा कि हर कोई इसे घर कह रहा है और इसके बारे में बातें कर रहा है, खैर, घर के लिए तो यह ठीक नहीं है, लेकिन किसी व्यवसाय के लिए यह बहुत अच्छा होगा, उन्हें हंसने दो, लेकिन उन्हें इसके बारे में बात करने दो। इसलिए मैंने सोचा कि मैं आपसे इसे बनवा लूं, और फिर सब कहेंगे कि मैं पागल हूं, लेकिन क्या आपको परवाह है? मुझे नहीं।”
जिमी गीवन ने पंद्रह साल तक अथक परिश्रम किया था, ताकि अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए पैसे बचा सकें। लोगों ने उनके द्वारा चुने गए वास्तुकार पर कड़ा विरोध जताया; जिमी ने कोई स्पष्टीकरण या बचाव नहीं किया; उन्होंने विनम्रता से कहा: "शायद ऐसा हो, दोस्तों, शायद ऐसा हो," और रोर्क से अपना स्टेशन बनवा लिया।
यह स्टेशन दिसंबर के अंत में खुला। यह बोस्टन पोस्ट रोड के किनारे पर स्थित था, कांच और कंक्रीट से बनी दो छोटी इमारतें पेड़ों के बीच एक अर्धवृत्त बनाती थीं: कार्यालय का बेलनाकार भाग और भोजनालय का लंबा, नीचा अंडाकार भाग, जिनके

बीच पेट्रोल पंप एक आंगन के स्तंभों की तरह लग रहे थे। यह वृत्तों का एक अद्भुत नमूना था; इसमें न कोई कोण थे और न कोई सीधी रेखाएँ; यह प्रवाह में फंसी आकृतियों जैसा दिखता था, जैसे कि उन्हें ढाला जा रहा हो, ठीक उसी क्षण जब वे एक ऐसा सामंजस्य बनाते हैं जो बहुत ही अनोखा लगता है।
जानबूझकर किया गया यह काम बिल्कुल सटीक था। यह ज़मीन के ऊपर लटके हुए बुलबुलों के एक समूह जैसा लग रहा था, जो ज़मीन को पूरी तरह छू नहीं रहे थे, और तेज़ हवा के झोंके से पल भर में उड़ जाने वाले थे; यह देखने में आकर्षक था, दक्षता की कठोरता और स्फूर्ति से भरपूर, किसी शक्तिशाली हवाई जहाज के इंजन की तरह।
रोक स्टेशन के उद्घाटन के दिन वहीं रुका रहा। उसने ढाबे के काउंटर पर एक साफ़, सफ़ेद मग में कॉफ़ी पी और दरवाज़े पर रुकती गाड़ियों को देखता रहा। वह देर रात वहाँ से निकला। लंबी, सुनसान सड़क पर गाड़ी चलाते हुए उसने एक बार पीछे मुड़कर देखा। स्टेशन की बत्तियाँ टिमटिमाती हुई उससे दूर जा रही थीं। वह दो सड़कों के चौराहे पर खड़ा था, और दिन-रात गाड़ियाँ उसके सामने से गुज़रती रहेंगी, ऐसी गाड़ियों की कतारें जो उन शहरों से आ रही थीं जहाँ ऐसी इमारतों के लिए कोई जगह नहीं थी, और उन शहरों की ओर जा रही थीं जहाँ ऐसी इमारतें नहीं होंगी। उसने अपना चेहरा सामने सड़क की ओर मोड़ा और अपनी नज़रें उस दर्पण से हटा लीं जिसमें अभी भी हल्की झिलमिलाती रोशनी के बिंदु दिखाई दे रहे थे जो उससे बहुत दूर जा रहे थे...
वह फिर से कई महीनों की निष्क्रियता में लौट आया। वह हर सुबह अपने दफ्तर में बैठता था, क्योंकि वह जानता था कि उसे वहीं बैठना है, उस दरवाजे को घूरते हुए जो कभी नहीं खुलता था, उसकी उंगलियां उस टेलीफोन पर अटकी रहती थीं जो कभी बजता नहीं था। हर दिन निकलने से पहले वह जिन ऐशट्रे को खाली करता था, उनमें उसकी अपनी सिगरेट के टुकड़ों के अलावा कुछ नहीं होता था।
“हावर्ड, तुम इस बारे में क्यों कर रहे हो?” ऑस्टेन हेलर ने एक शाम खाने के समय उनसे पूछा।
"कुछ नहीं।"
लेकिन आपको ऐसा करना ही होगा।
मैं कुछ नहीं कर सकता।
आपको लोगों से व्यवहार करना सीखना होगा।
"मैं नहीं कर सकता।"
"क्यों?"
मुझे नहीं पता कैसे। मैं किसी एक विशेष इंद्रिय के बिना पैदा हुआ था।
"यह एक ऐसी चीज है जिसे हासिल किया जाता है।"
“मेरे पास इसे हासिल करने के लिए कोई अंग नहीं है। मुझे नहीं पता कि यह मुझमें किसी चीज की कमी है या मुझमें कोई ऐसी अतिरिक्त चीज है जो मुझे रोक रही है। इसके अलावा, मुझे ऐसे लोग पसंद नहीं हैं जिन्हें संभालना पड़े।”
लेकिन अब आप हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते। आपको कमीशन के पीछे भागना होगा।
“काम पाने के लिए मैं लोगों को क्या बताऊं? मैं सिर्फ अपना काम दिखा सकता हूं। अगर वे वह नहीं सुनेंगे, तो वे मेरी कोई बात नहीं सुनेंगे।”
मैं उनके लिए कुछ भी नहीं हूँ, सिवाय मेरे काम के—मेरा काम ही एकमात्र ऐसी चीज है जो हम दोनों में समान है। और मुझे उन्हें इसके अलावा कुछ भी बताने की कोई इच्छा नहीं है।
“तो फिर आप क्या करेंगे? आपको चिंता नहीं है?”
नहीं। मुझे इसकी उम्मीद थी। मैं इंतजार कर रहा हूँ।
"किस लिए?"
“मेरे जैसे लोग।”

“यह किस प्रकार का है?”
“मुझे नहीं पता। हाँ, मुझे पता तो है, लेकिन मैं इसे समझा नहीं सकता। काश मैं समझा पाता। इसे समझाने के लिए कोई एक सिद्धांत तो अवश्य होगा, लेकिन मुझे नहीं पता कि वह क्या है।”
“ईमानदारी?”
“हाँ... नहीं, सिर्फ़ आंशिक रूप से। गाइ फ्रैंकन एक ईमानदार आदमी है, लेकिन बात यह नहीं है। साहस? रार्ल्स्टन होल्कोम्बे में साहस है, अपने तरीके से... मुझे नहीं पता। मैं अन्य बातों पर इतना अस्पष्ट नहीं हूँ। लेकिन मैं अपने जैसे लोगों को उनके चेहरों से पहचान सकता हूँ। उनके चेहरों में कुछ ऐसा होता है।”
आपके घर और पेट्रोल पंप के पास से हजारों गाड़ियां गुज़रेंगी। अगर उन हजारों में से एक भी गाड़ी रुककर इसे देख ले, तो बस इतना ही काफ़ी है।
"तो फिर आपको दूसरे लोगों की ज़रूरत तो पड़ेगी ही, है ना, हॉवर्ड?"
“बिल्कुल। तुम किस बात पर हंस रहे हो?”
"मैंने हमेशा यही सोचा है कि आप अब तक मिले सबसे असामाजिक प्राणी हैं।"
“मुझे काम देने वाले लोगों की ज़रूरत है। मैं मकबरे नहीं बना रहा हूँ। क्या आपको लगता है कि मुझे उनकी किसी और तरह से ज़रूरत होनी चाहिए? किसी करीबी, अधिक व्यक्तिगत तरीके से?”
"आपको व्यक्तिगत रूप से किसी की जरूरत नहीं है।"
"नहीं।"
तुम तो इसके बारे में शेखी भी नहीं बघार रहे हो।
"क्या मुझे ऐसा करना चाहिए?"
“तुम ऐसा नहीं कर सकते। तुम इतने अहंकारी हो कि शेखी नहीं मार सकते।”
क्या मैं वही हूँ?
क्या तुम्हें पता नहीं कि तुम क्या हो?
नहीं। जहाँ तक आप मुझे या किसी और को देख रहे हैं, ऐसा नहीं है।
हेलर चुपचाप बैठा रहा, सिगरेट से अपनी कलाई पर गोल-गोल घुमाता रहा। फिर हेलर हंसा और बोला:
"यह तो आम बात थी।"
"क्या?"
"कि तुमने मुझसे यह नहीं पूछा कि मैं तुम्हें क्या समझता हूँ।"
कोई और होता तो वही करता।
मुझे खेद है। यह उदासीनता नहीं थी। आप उन कुछ दोस्तों में से एक हैं जिन्हें मैं अपने साथ रखना चाहता हूँ। मैंने बस पूछना भूल गया था।
“मुझे पता है तुमने ऐसा नहीं किया। यही तो असली बात है। तुम एक स्वार्थी राक्षस हो, हॉवर्ड। और भी ज्यादा राक्षस इसलिए क्योंकि तुम इस मामले में पूरी तरह निर्दोष हो।”
“यह सच है।”
"जब आप यह बात स्वीकार करें तो आपको थोड़ी चिंता दिखानी चाहिए।"
"क्यों?"
"जानते हो, एक बात मुझे हैरान कर देती है। तुम मेरी नज़र में सबसे ठंडे स्वभाव के इंसान हो। और मुझे समझ नहीं आता कि—यह जानते हुए भी कि तुम अपने शांत स्वभाव में एक शैतान हो—जब भी मैं तुम्हें देखती हूँ, मुझे हमेशा ऐसा क्यों लगता है कि तुम मेरी ज़िंदगी में मिले सबसे ज़्यादा जीवनदायक इंसान हो।"
"आपका क्या मतलब है?"
मुझे नहीं पता। बस इतना ही।
सप्ताह बीतते गए, और रोर्क हर दिन अपने कार्यालय तक पैदल जाता, आठ घंटे अपनी डेस्क पर बैठता और खूब पढ़ता। शाम पाँच बजे वह घर लौट आता। वह कार्यालय के

पास एक बेहतर कमरे में रहने लगा था; वह कम खर्च करता था; उसके पास लंबे समय तक के लिए पर्याप्त धन था।
फरवरी की एक सुबह उनके दफ्तर में टेलीफोन की घंटी बजी। एक तेज, मुखर महिला आवाज ने वास्तुकार श्री रोर्क से मिलने का समय मांगा। उसी दोपहर, एक फुर्तीली, छोटी कद की, सांवली महिला दफ्तर में दाखिल हुई; उसने मिंक कोट और झुमके पहने थे जो सिर हिलाने पर खनकते थे। वह अपना सिर बहुत हिला रही थी, चिड़ियों की तरह छोटे-छोटे झटके दे रही थी। वह लॉन्ग आइलैंड की श्रीमती वेन विल्मोट थीं और एक देहाती घर बनवाना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने श्री रोर्क को इसे बनाने के लिए चुना है क्योंकि उन्होंने ऑस्टेन हेलर के घर का डिज़ाइन तैयार किया था। वह ऑस्टेन हेलर की बहुत बड़ी प्रशंसक थीं; उन्होंने कहा कि वह उन सभी लोगों के लिए एक प्रेरणास्रोत थे जो खुद को प्रगतिशील बुद्धिजीवी होने का जरा सा भी दावा करते हैं —"क्या आप नहीं हैं?"—
और वह हेलर का एक कट्टरपंथी की तरह अनुसरण करती थी, "हाँ, सचमुच, एक कट्टरपंथी की तरह।"
रोर्क बहुत जवान था, है ना?—लेकिन उसे इससे कोई आपत्ति नहीं थी, वह बहुत उदार थी और युवाओं की मदद करने में उसे खुशी होती थी। वह एक बड़ा घर चाहती थी, उसके दो बच्चे थे, और वह उनकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को व्यक्त करने में विश्वास रखती थी।
—"क्या तुम नहीं?"—और हर एक के लिए एक अलग नर्सरी होनी चाहिए थी, उसके पास एक पुस्तकालय होना चाहिए था—"मैं पढ़ते-पढ़ते अपना ध्यान भटका लेती हूँ"—एक संगीत कक्ष, एक
कंज़र्वेटरी—"हम लिली-ऑफ़-द-वैली उगाते हैं, मेरे दोस्त कहते हैं कि यह मेरा पसंदीदा फूल है"—उनके पति के लिए एक कमरा, जिन्होंने उन पर पूरा भरोसा किया और उन्हें घर की योजना बनाने दी—"क्योंकि मैं इसमें बहुत अच्छी हूँ, अगर मैं महिला न होती तो मुझे यकीन है कि मैं एक वास्तुकार होती"—नौकरों के कमरे और बाकी सब कुछ, और तीन कारों के लिए एक गैरेज। डेढ़ घंटे की विस्तृत जानकारी और स्पष्टीकरण के बाद, उन्होंने कहा:
और हां, घर की शैली की बात करें तो, यह इंग्लिश ट्यूडर शैली में होगी। मुझे इंग्लिश ट्यूडर शैली बहुत पसंद है।
उसने उसकी ओर देखा। उसने धीरे से पूछा:
क्या आपने ऑस्टेन हेलर का घर देखा है?
"नहीं, हालाँकि मैं इसे देखना तो चाहती थी, पर कैसे देख पाती?—मैं मिस्टर हेलर से कभी नहीं मिली, मैं तो बस उनकी एक साधारण प्रशंसक हूँ, बस इतना ही। वे असल में कैसे हैं?—आपको मुझे बताना ही होगा, मैं सुनने के लिए बेताब हूँ—नहीं, मैंने उनका घर नहीं देखा है, वह मैन में कहीं ऊपर है, है ना?"
रोर्क ने डेस्क की दराज से तस्वीरें निकालीं और उसे सौंप दीं।
उन्होंने कहा, "यह हेलर का घर है।"
उसने तस्वीरों को देखा, उसकी निगाहें मानो पानी की तरह उनकी चमकदार सतहों से फिसल रही थीं, और उसने उन्हें मेज पर पटक दिया।
"बहुत दिलचस्प," उसने कहा। "बेहद अनोखा। बेहद खूबसूरत। लेकिन, ज़ाहिर है, मुझे ऐसा घर नहीं चाहिए। इस तरह का घर मेरे व्यक्तित्व को नहीं दर्शाता। मेरे दोस्त कहते हैं कि मुझमें एलिज़ाबेथन शैली की झलक है।"
शांत भाव से, धैर्यपूर्वक, उसने उसे समझाने की कोशिश की कि उसे ट्यूडर शैली का घर क्यों नहीं बनवाना चाहिए। उसने बीच वाक्य में ही उसे टोक दिया।
"देखिए, श्रीमान रोर्क, आप मुझे कुछ सिखाने की कोशिश तो नहीं कर रहे हैं? मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पसंद अच्छी है, और मुझे वास्तुकला का बहुत ज्ञान है, मैंने क्लैब में

एक विशेष कोस किया है। मेरे दोस्त कहते हैं कि मैं कई वास्तुकारों से ज़्यादा जानता हूँ। मैंने मन बना लिया है कि मैं एक अंग्रेज़ी ट्यूडर शैली का घर बनवाऊँगा। मैं इस बारे में बहस नहीं करना चाहता।"
"श्रीमती विल्मोट, आपको किसी दूसरे वास्तुकार के पास जाना होगा।"
वह अविश्वास भरी निगाहों से उसे घूर रही थी।
"आपका मतलब है, आप कमीशन लेने से इनकार कर रहे हैं?"
"हाँ।"
"क्या आपको मेरा कमीशन नहीं चाहिए?"
"नहीं।"
"लेकिन क्यों?"
मैं इस तरह के काम नहीं करता।
लेकिन मुझे लगा कि वास्तुकार...
"जी हां। आर्किटेक्ट आपकी हर मनचाही चीज बना देंगे। शहर का कोई भी आर्किटेक्ट ऐसा कर देगा।"
लेकिन मैंने तुम्हें पहला मौका दिया था।
"क्या आप मेरी एक मदद करेंगी, श्रीमती विल्मोट? क्या आप मुझे बताएंगी कि अगर आपको सिर्फ एक ट्यूडर शैली का घर चाहिए था तो आप मेरे पास क्यों आईं?"
"खैर, मुझे लगा था कि आपको यह अवसर पसंद आएगा। और फिर, मैंने सोचा कि मैं अपने दोस्तों को बता सकूंगा कि मेरे पास ऑस्टेन हेलर का आर्किटेक्ट है।"
उन्होंने समझाने और अश्वस्त करने की कोशिश की। बोलते समय उन्हें पता था कि यह व्यर्थ है, क्योंकि उनके शब्द मानो किसी खाली जगह में जा टकरा रहे थे। श्रीमती वेन विल्मोट नाम की कोई शख्सियत नहीं थी; वहाँ तो बस उनके दोस्तों की राय, उनके देखे हुए चित्र और पढ़े हुए जमींदारों के उपन्यासों का खोखला ढाँचा था; उन्हें इसी खोखलेपन को संबोधित करना था, जो न तो उन्हें सुन सकता था और न ही जवाब दे सकता था, रुई के गट्ठे की तरह बहरा और भावहीन।
श्रीमती वेन विल्मोट ने कहा, "मुझे खेद है, लेकिन मैं ऐसे व्यक्ति से निपटने की आदी नहीं हूं जो तर्क करने में पूरी तरह असमर्थ हो। मुझे पूरा यकीन है कि मुझे कई ऐसे बड़े-बड़े आदमी मिल जाएँगे जो मेरे लिए काम करने को तैयार होंगे। मेरे पति तो शुरू से ही आपके यहाँ काम करने के मेरे विचार के खिलाफ़ थे, और मुझे यह देखकर दुख हो रहा है कि वे सही थे। आपका दिन शुभ हो, श्रीमान रोर्क।"
वह गरिमा के साथ बाहर निकली, लेकिन उसने दरवाजा जोर से बंद कर दिया। उसने तस्वीरों को वापस अपनी डेस्क की दराज में रख दिया।
मार्च में रोर्क के कार्यालय में आए श्री रॉबर्ट एल. मुंडी को ऑस्टेन हेलर ने भेजा था। श्री मुंडी की आवाज़ और बाल स्टील की तरह भूरे थे, लेकिन उनकी आँखें नीली, कोमल और भावुक थीं। वे कनेक्टिकट में एक घर बनाना चाहते थे, और वे इसके बारे में काँपती हुई आवाज़ में बात करते थे, जैसे कोई युवा दूल्हा हो और कोई ऐसा व्यक्ति हो जो अपने अंतिम, गुप्त लक्ष्य की तलाश में भटक रहा हो।
"यह सिर्फ एक घर नहीं है, मिस्टर रोर्क," उन्होंने संकोच भरी झिझक के साथ कहा, मानो वे अपने से अधिक उम्रदराज और प्रतिष्ठित व्यक्ति से बात कर रहे हों।
"यह मेरे लिए एक प्रतीक की तरह है। मैं इतने सालों से इसी का इंतजार कर रहा था और इसी के लिए मेहनत कर रहा था। इतने साल हो गए... मुझे आपको यह बताना ही होगा, ताकि आप समझ सकें। मेरे पास अब बहुत पैसा है, इतना कि मैं सोच भी नहीं सकता। मेरे पास हमेशा इतना पैसा नहीं था। शायद यह अचानक ही आ गया।"
देर हो गई। मुझे नहीं पता। युवा सोचते हैं कि मंज़िल पर पहुँचने पर रास्ते में जो कुछ हुआ वो भूल जाते हैं। लेकिन ऐसा नहीं है। कुछ न कुछ रह ही जाता है। मुझे हमेशा याद रहेगा कि मैं कैसा लड़का था—जॉर्जिया के एक छोटे से कस्बे में—और कैसे मैं लगाम

बनाने वाले के लिए छोटे-मोटे काम करता था, और जब गाड़ियाँ गुज़रती थीं और मेरे पैंट पर कीचड़ उछलता था तो बच्चे हँसते थे। इतने साल पहले मैंने तय किया था कि एक दिन मेरा अपना घर होगा, ऐसा घर जिसके सामने गाड़ियाँ रुकें। उसके बाद, चाहे कितनी भी मुश्किल क्यों न हो, मैं हमेशा उस घर के बारे में सोचता था, और इससे मुझे हिम्मत मिलती थी। उसके बाद, कई साल ऐसे भी आए जब मुझे उससे डर लगता था—मैं उसे बना सकता था, लेकिन मुझे डर लगता था। खैर, अब वो समय आ गया है। क्या आप समझते हैं, मिस्टर रोर्क? ऑस्टेन ने कहा था कि आप ही वो सही आदमी हैं जो समझेंगे।
“हां,” रोर्क ने उत्सुकता से कहा, “मैं करता हूँ।”
श्री मुंडी ने कहा, “वहाँ एक जगह थी, मेरे गृहनगर के पास। पूरे ज़िले का सबसे बड़ा घर। रैंडोल्फ़ का घर। एक पुराना बागान वाला घर, जैसा कि अब नहीं बनता। मैं कभी-कभी वहां सामान पहुंचाने जाता था, पिछले दरवाज़े पर। श्री रोर्क, मुझे वही घर चाहिए। बिलकुल वैसा ही। लेकिन जॉर्जिया में नहीं। मैं वापस नहीं जाना चाहता। यहीं, शहर के पास। मैंने ज़मीन खरीद ली है। आपको रैंडोल्फ़ के घर की तरह ही ज़मीन को सजाने-संवारने में मेरी मदद करनी होगी। हम पेड़-पौधे लगाएंगे, जैसे जॉर्जिया में होते हैं, फूल और सब कुछ। हम उन्हें उगाने का कोई तरीक़ा निकालेंगे। मुझे खर्च की परवाह नहीं है। बेशक, अब हमारे पास बिजली की बत्तियाँ और गैरेज होंगे, गाड़ियाँ नहीं। लेकिन मैं चाहता हूँ कि बिजली की बत्तियाँ मोमबत्ती जैसी हों और गैरेज अस्तबल जैसे दिखें। सब कुछ, बिलकुल वैसा ही जैसा पहले था। मेरे पास रैंडोल्फ़ के घर की तस्वीरें हैं। और मैंने उनका कुछ पुराना फर्नीचर भी खरीदा है।”
जब रोर्क बोलने लगा तो श्री मुंडी ने विनम्रतापूर्वक आश्चर्य से सुना। उन्हें शब्दों से कोई आपत्ति नहीं थी। वे शब्द उन पर कोई प्रभाव नहीं डाल पाए।
“क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा?” रोर्क कह रहा था। “तुम एक स्मारक बनाना चाहते हो, लेकिन अपने लिए नहीं। न अपने जीवन के लिए, न अपनी उपलब्धि के लिए।”
दूसरे लोगों के लिए। आप पर उनकी श्रेष्ठता के लिए। आप उस श्रेष्ठता को चुनौती नहीं दे रहे हैं। आप उसे अमर बना रहे हैं। आपने उसे उखाड़ फेंका नहीं है—
आप इसे हमेशा के लिए बांध रहे हैं। क्या आप खुश रहेंगे अगर आप जीवन भर के लिए उस उधार के ढांचे में कैद हो जाएं? या अगर आप एक बार के लिए आज़ाद हो जाएं और अपना नया घर बनाएं? आप ऐसा नहीं चाहते...
रैंडोल्फ प्लेस। आप इसके आदर्शों को पाना चाहते हैं। लेकिन इसके आदर्श ही वो हैं जिनके लिए आपने जीवन भर संघर्ष किया है।
श्री मुंडी ने निरर्थक भाव से सुना। और रोर्क को एक बार फिर अवास्तविकता के सामने एक विस्मित असहायता का अनुभव हुआ: श्रीमान नाम का कोई व्यक्ति था ही नहीं। मुंडी: रैंडोल्फ़ की जगह पर रहने वाले लोगों के केवल अवशेष ही बचे थे, जो बहुत पहले मर चुके थे; अवशेषों से न तो विनती की जा सकती थी और न ही उन्हें समझाया जा सकता था।
अंत में श्री मुंडी ने कहा, "नहीं। नहीं। आप सही हो सकते हैं, लेकिन मुझे यह बिल्कुल भी नहीं चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा कि आपके पास कारण नहीं हैं, और वे अच्छे कारण लगते हैं, लेकिन मुझे रैंडोल्फ वाली जगह पसंद है।"
"क्यों?"
"क्योंकि मुझे यह पसंद है। क्योंकि मुझे यही अच्छा लगता है।"
जब रोर्क ने उनसे कहा कि उन्हें एक और वास्तुकार का चयन करना होगा, तो श्री मुंडी ने अप्रत्याशित रूप से कहा:
लेकिन मुझे तुम पसंद हो। तुम मेरे लिए इसे क्यों नहीं बना सकते? इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ेगा?
रोर्क ने इसका स्पष्टीकरण नहीं दिया।

बाद में ऑस्टेन हेलर ने उनसे कहा: “मुझे यहाँ उम्मीद थी। मुझे डर था कि आप उन्हें मना कर देंगे। मैं आपको दोष नहीं दे रही, हॉवर्ड। बस वो बहुत अमीर हैं। इससे आपको बहुत मदद मिल सकती थी। और आखिर आपको भी तो जीना है।”
“उस तरह से नहीं,” रोर्क ने कहा।
अप्रैल में जैन्स-स्टुअर्ट रियल एस्टेट कंपनी के श्री नथानिएल जैन्स ने रोर्क को अपने कार्यालय में बुलाया। श्री जैन्स स्पष्टवादी और खरी बात करने वाले थे।
उन्होंने बताया कि उनकी कंपनी लीअर ब्रॉडवे पर एक छोटी तीस मंजिला ऑफिस बिल्डिंग बनाने की योजना बना रही थी, और वे रोर्क को आर्किटेक्ट के रूप में पसंद नहीं कर रहे थे, बल्कि लगभग उनके खिलाफ़ थे, लेकिन उनके दोस्त ऑस्टेन हेलर ने जोर देकर कहा कि उन्हें रोर्क से मिलना चाहिए और इस बारे में उनसे बात करनी चाहिए; श्री जैन्स रोर्क के काम को बहुत अच्छा नहीं मानते थे, लेकिन हेलर ने उन पर दबाव डाला और वे किसी को भी चुनने से पहले रोर्क की बात सुनने को तैयार हो गए, और इस विषय पर रोर्क का क्या कहना था?
रोर्क को बहुत कुछ कहना था। उसने शांत भाव से कहा, और यह शुरू में मुश्किल था, क्योंकि वह उस इमारत को चाहता था, क्योंकि उसके मन में यह तीव्र इच्छा थी कि अगर उसके पास बंदूक होती तो वह मिस्टर जैन्स से उस इमारत को छीन लेता। लेकिन कुछ मिनटों बाद, यह सरल और सहज हो गया, बंदूक का ख्याल गायब हो गया, और यहाँ तक कि उसका
इमारत के लिए उनकी इच्छा थी; यह कोई कमीशन पाने का मामला नहीं था और वह इसे पाने के लिए वहां नहीं थे; वह केवल इमारतों के बारे में बात कर रहे थे।
“श्री जैन्स, जब आप कोई कार खरीदते हैं, तो आप नहीं चाहते कि उसकी खिड़कियों पर गुलाब की मालाएं हों, हर फेंडर पर शेर की आकृति हो और छत पर देवदूत बैठा हो। आप ऐसा क्यों नहीं चाहते?”
श्री जैन्स ने कहा, "यह तो मूर्खतापूर्ण होगा।"
“यह मूर्खतापूर्ण क्यों होगा? अब तो मुझे लगता है कि यह सुंदर होगा। इसके अलावा, लुई चौदहवें के पास भी ऐसी ही एक गाड़ी थी और जो लुई के लिए अच्छी थी, वह हमारे लिए भी अच्छी है। हमें जल्दबाजी में कोई नया आविष्कार नहीं करना चाहिए और न ही परंपराओं को तोड़ना चाहिए।”
अब तो तुम अच्छी तरह जान चुके हो कि तुम इस तरह की किसी भी बात पर विश्वास नहीं करते!
“मुझे पता है कि मैं ऐसा नहीं मानता। लेकिन आप यही मानते हैं, है ना? अब एक मानव शरीर को लीजिए। आप एक ऐसे मानव शरीर को क्यों नहीं देखना चाहेंगे जिसकी पूंछ घुमावदार हो और उसके सिरे पर शुतुरमुर्ग के पंखों की कलगी हो? और कान एकैंथस के पत्तों जैसे आकार के हों? यह सजावटी होगा, आप जानते हैं, उस घोर, नग्न कुरूपता के बजाय जो हमारे पास अभी है। अच्छा, आपको यह विचार क्यों पसंद नहीं है? क्योंकि यह बेकार और निरर्थक होगा। क्योंकि मानव शरीर की सुंदरता यह है कि इसमें एक भी मांसपेशी ऐसी नहीं है जो किसी काम की न हो; इसमें एक भी रेखा व्यर्थ नहीं है; इसका हर विवरण एक ही विचार में समाहित है, एक मनुष्य और एक मनुष्य के जीवन का विचार। क्या आप मुझे बताएंगे कि जब किसी इमारत की बात आती है, तो आप उसे ऐसा क्यों नहीं दिखाना चाहते जैसे उसमें कोई अर्थ या उद्देश्य हो, आप उसे सजावट से भर देना चाहते हैं, आप उसके उद्देश्य को उसके बाहरी आवरण के लिए बलिदान करना चाहते हैं—यह जाने बिना कि आपको उस तरह का बाहरी आवरण क्यों चाहिए? आप उसे एक संकर जानवर की तरह दिखाना चाहते हैं जो कई जीवों को मिलाकर बनाया गया हो। दस अलग-अलग प्रजातियों के नाजायज बच्चों को मिलाकर एक ऐसा प्राणी क्यों बनाया जाता है जिसमें न हिम्मत होती है, न दिल होता है, न दिमाग होता है,

एक ऐसा प्राणी जो सिर्फ खाल, पूंछ, पंजे और पंखों से बना होता है? क्यों? आपको मुझे बताना होगा, क्योंकि मैं इसे कभी समझ नहीं पाया हूँ।
श्री जैन्स ने कहा, "खैर, मैंने इस बारे में कभी इस तरह नहीं सोचा।" उन्होंने बड़े दृढ़ निश्चय के बिना आगे कहा, "लेकिन हम चाहते हैं कि हमारी इमारत में गरिमा हो, और सुंदरता हो, जिसे वास्तविक सुंदरता कहते हैं।"
"कौन किसे सुंदरता कहता है?"
“वेल-1-1 ..."
"मुझे बताइए, श्री जैन्स, क्या आपको सच में लगता है कि आधुनिक, स्टील से बनी ऑफिस की इमारत पर ग्रीक स्तंभ और फूलों की टोकरियाँ सुंदर लगती हैं?"
श्री जैन्स ने स्वीकार किया, "मुझे नहीं पता कि मैंने कभी इस बारे में सोचा है कि कोई इमारत किसी भी तरह से सुंदर क्यों होती है, लेकिन मैं
मुझे लगता है कि जनता यही चाहती है।
"आपको क्या लगता है कि वे इसे क्यों चाहते हैं?"
"मुझे नहीं पता।"
"तो फिर आपको इस बात की परवाह क्यों करनी चाहिए कि वे क्या चाहते हैं?"
आपको जनता का ध्यान रखना होगा।
क्या आप नहीं जानते कि अधिकांश लोग अधिकांश चीजों को इसलिए स्वीकार कर लेते हैं क्योंकि उन्हें वही दिया जाता है, और उनकी अपनी कोई राय नहीं होती? क्या आप उनके द्वारा अपेक्षित विचारों से निर्देशित होना चाहते हैं या अपने स्वयं के विवेक से? आप इसे ज़बरदस्ती उन पर नहीं थोप सकते।
“आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। आपको बस धैर्य रखना होगा। क्योंकि आपके पक्ष में तर्क है—ओह, मुझे पता है, यह ऐसी चीज़ है जिसे कोई भी अपने पक्ष में नहीं रखना चाहता—और आपके विरुद्ध, आपके पास केवल एक अस्पष्ट, भारी, अंधा निष्क्रियता है।”
"आपको ऐसा क्यों लगता है कि मैं तर्क को अपने पक्ष में नहीं रखना चाहता?"
“यह आपकी गलती नहीं है, श्री जैन्स। यह ज्यादातर लोगों की सोच है। उन्हें जोखिम उठाना ही पड़ता है, उनका हर काम जोखिम भरा होता है, लेकिन जब वे किसी ऐसी चीज पर जोखिम उठाते हैं जिसे वे बदसूरत, व्यर्थ और मूर्खतापूर्ण जानते हैं, तो वे कहीं अधिक सुरक्षित महसूस करते हैं।”
“यह सच है,” श्री जैन्स ने कहा।
साक्षात्कार के समापन पर, श्री जैन्स ने विचारपूर्वक कहा:
“मैं यह नहीं कह सकता कि यह बात समझ में नहीं आती, श्री रोर्क। मुझे इस पर थोड़ा सोचने दीजिए। आपको जल्द ही मेरी ओर से सूचना मिलेगी।”
एक हफ्ते बाद श्री जैन्स ने उन्हें फोन किया। “निर्णय निदेशक मंडल को लेना होगा। क्या आप कोशिश करने को तैयार हैं, रोर्क? योजनाएँ और कुछ प्रारंभिक रेखाचित्र तैयार कर दीजिए। मैं उन्हें निदेशक मंडल को सौंप दूँगा। मैं कुछ भी वादा नहीं कर सकता। लेकिन मैं आपके साथ हूँ और इस मुद्दे पर उनसे लड़ूँगा।”
रोर्क ने दो सप्ताह तक दिन-रात अथक परिश्रम करके योजनाओं पर काम किया। योजनाएँ प्रस्तुत कर दी गईं। फिर उन्हें जैन्स-स्टुअर्ट रियल एस्टेट कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष बुलाया गया। वे एक लंबी मेज के किनारे खड़े होकर बोलने लगे, उनकी आँखें धीरे-धीरे एक-एक चेहरे पर घूम रही थीं। उन्होंने मेज की ओर न देखने का प्रयास किया, लेकिन उनकी दृष्टि के निचले किनारे पर बारह लोगों के सामने फैले उनके रेखाचित्रों का सफेद धब्बा बना रहा। उनसे कई प्रश्न पूछे गए। श्रीमान...
जैन्स कभी-कभी जवाब देने के लिए उछल पड़ता, कभी मुट्ठी से मेज पर पटकता, कभी गुर्राता: “क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? क्या यह स्पष्ट नहीं है? ... इसमें क्या है, श्रीमान?”

ग्रोट? क्या होगा अगर किसी ने पहले कभी इस तरह की कोई चीज़ नहीं बनाई हो? ... गॉथिक, श्रीमान्।
हबर्ड? हमें गॉथिक शैली ही क्यों चाहिए? ... अगर आप इसे अस्वीकार करते हैं तो मेरा इस्तीफ़ा देने का मन कर रहा है!
रोर्क ने धीमी आवाज़ में बात की। कमरे में वही एकमात्र व्यक्ति था जिसे अपने शब्दों पर पूरा भरोसा था। उसे यह भी लग रहा था कि उसे कोई उम्मीद नहीं है। उसके सामने बारह चेहरों में विभिन्न प्रकार के भाव थे, लेकिन उन सभी में कुछ ऐसा था, न रंग और न ही कोई विशेषता, जो उन सभी को एक समान बनाती थी, कुछ ऐसा जो उनके भावों को मिटा देता था, जिससे वे अब चेहरे नहीं रह गए थे, बल्कि मांस के खाली अंडाकार ढांचे मात्र रह गए थे।
वह सबको संबोधित कर रहा था। वह किसी को भी संबोधित नहीं कर रहा था। उसे कोई जवाब नहीं मिला, यहाँ तक कि उसके अपने शब्दों की गूंज भी किसी के कान के पर्दे से नहीं टकराई। उसके शब्द एक कुएं में गिर रहे थे, रास्ते में पत्थरों के नुकीले हिस्सों से टकराते हुए, और हर नुकीला हिस्सा उन्हें रोकने से इनकार कर रहा था, उन्हें और दूर फेंक रहा था, एक दूसरे से दूर धकेल रहा था, उन्हें एक ऐसे तल की तलाश में भेज रहा था जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं था।
उन्हें बताया गया था कि उन्हें बोर्ड के फैसले की जानकारी दे दी जाएगी। उन्हें यह फैसला पहले से ही पता था। जब उन्हें पत्र मिला, तो उन्होंने उसे बिना किसी भावना के पढ़ा। पत्र श्री जैन्स की ओर से था और उसकी शुरुआत इस प्रकार हुई: “प्रिय श्री रोर्क, मुझे आपको यह सूचित करते हुए खेद है कि हमारा निदेशक मंडल आपको ... के लिए कमीशन देने में असमर्थ है।” पत्र की क्रूर, अपमानजनक औपचारिकता में एक विनती छिपी थी: एक ऐसे व्यक्ति की विनती जो उसका सामना नहीं कर सकता था।
जॉन फ़ार्गो ने अपना जीवन एक ठेले वाले के रूप में शुरू किया था। पचास वर्ष की आयु में उनके पास एक अच्छी-खासी संपत्ति और लोअर सिक्स्थ एवेन्यू पर एक सफल डिपार्टमेंटल स्टोर था। वर्षों तक उन्होंने सड़क के उस पार स्थित एक बड़े स्टोर के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी थी, जो उनके एक समृद्ध परिवार को विरासत में मिले कई स्टोरों में से एक था। पिछले वर्ष के पतझड़ में, परिवार ने उस विशेष शाखा को शहर के ऊपरी हिस्से में एक नए स्थान पर स्थानांतरित कर दिया था। उन्हें विश्वास था कि शहर के खुदरा व्यापार का केंद्र उत्तर की ओर स्थानांतरित हो रहा है और उन्होंने अपने पुराने स्टोर को खाली छोड़कर अपने पूर्व मोहल्ले के पतन को तेज करने का फैसला किया था, जो सड़क के उस पार स्थित उनके प्रतिद्वंद्वी के लिए एक कड़वी याद और शर्मिंदगी का कारण था। जॉन फ़ार्गो ने जवाब में घोषणा की कि वह उसी स्थान पर, अपने पुराने स्टोर के ठीक बगल में, अपना एक नया स्टोर बनाएंगे; एक ऐसा स्टोर जो शहर में पहले देखे गए किसी भी स्टोर से नया और अधिक शानदार होगा; उन्होंने घोषणा की कि वह अपने पुराने मोहल्ले की प्रतिष्ठा को बनाए रखेंगे।
जब उन्होंने रोर्क को अपने कार्यालय में बुलाया, तो उन्होंने यह नहीं कहा कि उन्हें बाद में फैसला करना होगा या इस पर विचार करना होगा। उन्होंने कहा: "आप वास्तुकार हैं।" वे अपने पैर डेस्क पर रखकर बैठे, पाइप पीते हुए, शब्दों और धुएं के कश को एक साथ झटकते रहे। "मैं आपको बता दूंगा कि मुझे कितनी जगह चाहिए और मैं कितना खर्च करना चाहता हूं। अगर आपको और चाहिए तो बता दीजिए। बाकी आप पर निर्भर है। मुझे इमारतों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। लेकिन मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूं जो सही राह जानता है। आप आगे बढ़िए।"
फ़ार्गो ने रोर्क को इसलिए चुना क्योंकि एक दिन वह गोवन के सर्विस स्टेशन के पास से गुज़रा, रुका, अंदर गया और कुछ सवाल पूछे। उसके बाद, उसने हेलर के रसोइए को रिश्वत देकर हेलर की अनुपस्थिति में उसे घर दिखाने के लिए मना लिया। फ़ार्गो को और किसी तर्क की ज़रूरत नहीं थी।

मई के अंत में, जब रोर्क के कार्यालय में ड्राफ्टिंग टेबल फागो स्टोर के लिए स्केचों से पूरी तरह भरी हुई थी, तभी उन्हें एक और कमीशन मिला।
ग्राहक श्री व्हिटफील्ड सैनबोर्न के पास एक कार्यालय भवन था जिसे हेनरी कैमरून ने कई साल पहले उनके लिए बनवाया था। जब श्री...
सैनबोर्न ने फैसला किया कि उन्हें एक नए ग्रामीण निवास की आवश्यकता है; उन्होंने अपनी पत्नी द्वारा सुझाए गए अन्य वास्तुकारों के सुझावों को खारिज कर दिया; उन्होंने हेनरी कैमरन को पत्र लिखा। कैमरन ने जवाब में दस पन्नों का पत्र लिखा; पत्र की पहली तीन पंक्तियों में उन्होंने वकालत से संन्यास लेने की बात कही; बाकी पत्र हॉवर्ड रोर्क के बारे में था। रोर्क को कभी पता नहीं चला कि उस पत्र में क्या लिखा था; सैनबोर्न ने उन्हें पत्र नहीं दिखाया और कैमरन ने उन्हें बताया नहीं। लेकिन श्रीमती सैनबोर्न के कड़े विरोध के बावजूद सैनबोर्न ने उन्हें ग्रामीण निवास बनाने का ठेका दे दिया।
श्रीमती सैनबोर्न कई धर्मार्थ संगठनों की अध्यक्ष थीं और इस वजह से उनमें निरंकुशता की ऐसी लत लग गई थी जो किसी और शौक से पैदा नहीं हो सकती थी। श्रीमती सैनबोर्न हडसन नदी के किनारे स्थित अपनी नई जागीर पर एक फ्रांसीसी शैली का आलीशान महल बनवाना चाहती थीं। वह चाहती थीं कि वह महल भव्य और प्राचीन दिखे, मानो वह हमेशा से उनके परिवार का हिस्सा रहा हो; बेशक, उन्होंने स्वीकार किया, लोगों को पता होगा कि ऐसा नहीं है, लेकिन वह ऐसा दिखेगा मानो हमेशा से उनका ही रहा हो।
रोर्क द्वारा घर के प्रकार के बारे में विस्तार से समझाने के बाद श्री सैनबोर्न ने अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए; श्री सैनबोर्न ने तुरंत सहमति दे दी थी, वे रेखाचित्रों का भी इंतजार नहीं करना चाहते थे। "लेकिन बेशक, फैनी," श्री सैनबोर्न ने थके हुए स्वर में कहा, "मुझे एक आधुनिक घर चाहिए।
मैंने तुम्हें यह बात बहुत पहले ही बता दी थी। कैमरन ने भी ऐसा ही डिजाइन बनाया होता।
“कैमरन का अब क्या मतलब है?” उसने पूछा। “मुझे नहीं पता, फैनी। मैं बस इतना जानता हूँ कि न्यूयॉर्क में ऐसी कोई इमारत नहीं है जैसी उसने मेरे लिए बनाई थी।”
सैनबोर्न के विक्टोरियन शैली के अंधेरे, अव्यवस्थित और चमकदार महोगनी लकड़ी के भव्य ड्राइंग रूम में कई शामों तक बहस चलती रही। श्री सैनबोर्न दुविधा में थे। रोर्क ने अपने हाथ से कमरे की ओर इशारा करते हुए पूछा, "क्या आप यही चाहते हैं?"
“खैर, अगर तुम बदतमीज़ी करने वाले हो तो...” श्रीमती सैनबोर्न ने कहना शुरू किया, लेकिन श्री सैनबोर्न भड़क उठे: “हे भगवान, फैनी! वह सही कह रहा है! मुझे यही तो नहीं चाहिए! मैं इसी से तंग आ चुका हूँ!”
जब तक रोर्क के रेखाचित्र तैयार नहीं हो गए, तब तक उसने किसी से मुलाकात नहीं की। साधारण पत्थरों से बना वह घर, जिसमें बड़ी-बड़ी खिड़कियाँ और कई छतें थीं, नदी के उस पार बगीचों में स्थित था। वह घर पानी के फैलाव जितना विशाल और बगीचों जितना खुला था, और उसकी रेखाओं को ध्यान से देखना पड़ता था ताकि उन सटीक चरणों का पता लगाया जा सके जिनसे वह बगीचों के विस्तार से जुड़ा हुआ था। छतों का उत्थान इतना क्रमिक था, दीवारों तक पहुँचते-पहुँचते उनकी वास्तविकता का एहसास इतना गहरा होता गया; ऐसा लगता था मानो पेड़ घर में और उसके आर-पार बह रहे हों; ऐसा लगता था मानो घर सूर्य के प्रकाश के लिए कोई बाधा नहीं, बल्कि उसे इकट्ठा करने वाला एक कटोरा हो, उसे बाहर की हवा से भी अधिक चमकदार प्रकाश में केंद्रित करने वाला हो।
सबसे पहले श्री सैनबोर्न ने रेखाचित्र देखे। उन्होंने उनका अध्ययन किया और फिर कहा: “मैं... मुझे ठीक से नहीं पता कि इसे कैसे कहूँ, श्री रोर्क। यह बहुत बढ़िया है। कैमरून आपके बारे में सही थे।”

जब दूसरों ने रेखाचित्र देख लिए, तो श्री सैनबोर्न को अब इस बात का यकीन नहीं रहा। श्रीमती सैनबोर्न ने कहा कि घर बहुत ही खराब है। और शाम को लंबी बहस फिर से शुरू हो गई। "अब, क्यों, क्यों हम कोनों पर बुर्ज नहीं बना सकते?" श्रीमती सैनबोर्न ने पूछा। "उन सपाट छतों पर तो काफी जगह है।" जब उन्हें बुर्ज बनाने से मना कर दिया गया, तो उन्होंने पूछा: "हम जालीदार खिड़कियाँ क्यों नहीं लगा सकते? इससे क्या फर्क पड़ेगा? भगवान जाने, खिड़कियाँ काफी बंद हैं—हालाँकि उन्हें इतना बड़ा क्यों होना चाहिए, यह मेरी समझ से परे है, इससे बिल्कुल भी निजता नहीं रहती—लेकिन मैं आपकी खिड़कियाँ स्वीकार करने को तैयार हूँ, श्रीमान।"
रोर्क, अगर तुम इतने अड़ियल हो, तो खिड़कियों के शीशों पर चौखट क्यों नहीं लगा देते? इससे माहौल नरम हो जाएगा और एक शाही आभा मिलेगी, जैसे कि एक सामंती माहौल।
श्रीमती सैनबोर्न ने जिन मित्रों और रिश्तेदारों को रेखाचित्र दिखाए, उन्हें घर बिल्कुल पसंद नहीं आया। श्रीमती वॉलिंग ने इसे बेतुका बताया, और श्रीमती हूपर ने इसे भद्दा। श्री मेलेंडर ने कहा कि वे इसे उपहार में भी नहीं लेंगे। श्रीमती एप्पलबी ने कहा कि यह किसी जूता कारखाने जैसा दिखता है। मिस डेविट ने रेखाचित्रों पर एक नज़र डाली और प्रशंसा करते हुए कहा: "ओह, कितना कलात्मक है, मेरी प्यारी! इसे किसने डिज़ाइन किया है? ..."
रोर्क? ... रोर्क? ... मैंने तो उसका नाम भी नहीं सुना... खैर, सच कहूँ तो, फैनी, यह कुछ नकली सा लग रहा है।
परिवार के दोनों बच्चे इस सवाल पर बंटे हुए थे। उन्नीस वर्षीय जून सैनबोर्न हमेशा से मानती थी कि सभी वास्तुकार रोमांटिक होते हैं, और यह जानकर उसे बहुत खुशी हुई थी कि उनके यहाँ एक युवा वास्तुकार होगा; लेकिन उसे रोर्क का रूप-रंग और उसकी बातों को अनसुना करना पसंद नहीं आया, इसलिए उसने कहा कि घर बदसूरत है और वह खुद उसमें रहने से इनकार कर देगी। वहीं, चौबीस वर्षीय रिचर्ड सैनबोर्न, जो कॉलेज में एक प्रतिभाशाली छात्र था और अब धीरे-धीरे शराब पीकर अपनी जान गंवा रहा था, अपनी सामान्य सुस्ती से बाहर निकलकर घर को शानदार बताकर अपने परिवार को चौंका दिया। कोई नहीं बता सकता था कि यह सौंदर्यबोध था या अपनी माँ के प्रति घृणा, या दोनों।
व्हिटफोर्ड सैनबोर्न हर नए विचार से विचलित हो जाते थे। वे बुदबुदाते, “अच्छा, अब, बेशक चौखटें नहीं, वो तो बिलकुल बकवास है, लेकिन क्या आप उन्हें एक कंगनी नहीं दे सकते, मिस्टर रोर्क, ताकि परिवार में शांति बनी रहे? बस एक तरह की कंगूरेदार कंगनी, इससे कुछ बिगड़ेगा नहीं।”
या फिर ऐसा होगा?
बहस तब समाप्त हुई जब रोर्क ने घोषणा की कि वह तब तक घर का निर्माण नहीं करेगा जब तक कि श्री सैनबोर्न रेखाचित्रों को यथावत रूप से अनुमोदित नहीं कर देते और रेखाचित्रों के प्रत्येक पृष्ठ पर अपनी स्वीकृति के हस्ताक्षर नहीं कर देते।
श्री सैनबोर्न ने हस्ताक्षर किए।
कुछ समय बाद, श्रीमती सैनबोर्न को यह जानकर खुशी हुई कि कोई भी प्रतिष्ठित ठेकेदार घर के निर्माण का काम नहीं लेना चाहता था। "देखा?" उन्होंने विजयी भाव से कहा। श्री सैनबोर्न ने देखने से इनकार कर दिया। उन्हें एक गुमनाम फर्म मिली जिसने अनिच्छा से और उन पर विशेष कृपा करके काम स्वीकार किया। श्रीमती सैनबोर्न को पता चला कि ठेकेदार उनका सहयोगी है, और उन्होंने सामाजिक परंपरा को तोड़ते हुए उसे चाय पर आमंत्रित किया। घर के बारे में उनके सारे विचार बहुत पहले ही खो चुके थे; उन्हें बस रोर्क से नफरत थी। उनका ठेकेदार सिद्धांत रूप से सभी वास्तुकारों से नफरत करता था।

सैनबोर्न हाउस का निर्माण गर्मियों और पतझड़ के महीनों में चलता रहा, हर दिन नई चुनौतियाँ सामने आती रहीं। “लेकिन, श्रीमान रोर्क, मैंने आपसे कहा था कि मुझे अपने बेडरूम में तीन अलमारियाँ चाहिए। मुझे अच्छी तरह याद है, यह शुक्रवार का दिन था और हम डाइनिंग रूम में बैठे थे। श्रीमान सैनबोर्न खिड़की के पास बड़ी कुर्सी पर बैठे थे और मैं... योजनाओं का क्या? कैसी योजनाएँ? आप मुझसे योजनाओं को समझने की उम्मीद कैसे करते हैं?” “श्रीमान रोर्क, आंटी रोज़ाली कहती हैं कि वह गोलाकार सीढ़ी पर चढ़ ही नहीं सकतीं। हम क्या करेंगे? क्या हम अपने मेहमानों को आपके घर के हिसाब से चुनेंगे?” “श्रीमान हलबर्ट कहते हैं कि इस तरह की छत टिक नहीं पाएगी... ओह, हाँ, श्रीमान हलबर्ट वास्तुकला के बारे में बहुत कुछ जानते हैं। उन्होंने वेनिस में दो गर्मियाँ बिताई हैं।” “बेचारी जून कहती है कि उसका कमरा तहखाने जैसा अँधेरा होगा... खैर, उसे ऐसा ही लगता है, श्रीमान रोर्क। भले ही अँधेरा न हो, लेकिन अगर उसे अँधेरा महसूस होता है, तो बात एक ही है।” रोर्क रातों की नींद हराम करके उन बदलावों की योजनाओं को फिर से तैयार करता रहा जिन्हें टाला नहीं जा सकता था। इसका मतलब था कई दिनों तक फर्श, सीढ़ियाँ और पहले से बनी हुई दीवारों को तोड़ना; इसका मतलब था ठेकेदार के बजट पर अतिरिक्त बोझ डालना। ठेकेदार ने कंधे उचकाते हुए कहा: "मैंने तो पहले ही कहा था। ऐसे बड़े-बड़े आर्किटेक्ट्स को काम पर रखने पर हमेशा यही होता है। काम पूरा होने से पहले ही देख लीजिए कि इसमें कितना खर्च आएगा।"
फिर, जैसे-जैसे घर आकार लेने लगा, रोर्क को लगा कि वह कुछ बदलाव करना चाहता है। पूर्वी भाग उसे कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं कर पाया था। उसे बनते हुए देखकर, उसने अपनी गलती और उसे सुधारने का तरीका देखा; वह जानता था कि इससे घर एक अधिक तार्किक रूप ले लेगा। वह निर्माण के क्षेत्र में अपने पहले कदम रख रहा था और ये उसके पहले प्रयोग थे। वह इसे खुलकर स्वीकार कर सकता था। लेकिन श्री सैनबोर्न ने बदलाव की अनुमति देने से इनकार कर दिया; अब उनकी बारी थी। रोर्क ने उनसे विनती की; एक बार जब उस नए भाग की तस्वीर रोर्क के मन में स्पष्ट हो गई, तो वह घर को उसके वर्तमान स्वरूप में देखना सहन नहीं कर सका। "ऐसा नहीं है कि मैं आपसे असहमत हूँ," श्री सैनबोर्न ने ठंडे स्वर में कहा, "वास्तव में, मुझे लगता है कि आप सही हैं। लेकिन हमें इसे वहन नहीं कर सकते। क्षमा करें।" "यह श्रीमती सैनबोर्न द्वारा मुझे जबरदस्ती करवाए गए निरर्थक बदलावों से कम खर्चीला होगा।" "फिर कभी उस बात को मत उठाओ।" "श्री सैनबोर्न," रोर्क ने धीरे से पूछा, "क्या आप एक कागज पर हस्ताक्षर करेंगे कि आप इस बदलाव को अधिकृत करते हैं, बशर्ते कि इसमें आपका कोई खर्च न हो?" “बिल्कुल। अगर आप ऐसा करने के लिए कोई चमत्कार कर सकते हैं।”
उन्होंने हस्ताक्षर कर दिए। पूर्वी भाग का पुनर्निर्माण किया गया। रोर्क ने इसका खर्च स्वयं उठाया।
उन्हें प्राप्त शुल्क से अधिक खर्च करना पड़ा। श्री सैनबोर्न हिचकिचाए; वह इसे चुकाना चाहता था। श्रीमती सैनबोर्न ने उसे रोक दिया। "यह तो बस एक घटिया चाल है।"
उसने कहा, “यह तो बस दबाव बनाने का एक तरीका है। वह तुम्हारी भावनाओं का फ़ायदा उठाकर तुम्हें ब्लैकमेल कर रहा है। वह तुमसे पैसे वसूलने की उम्मीद कर रहा है। देखते रहो। वह खुद ही मांगेगा। उसे ऐसा करने मत दो।” रोर्क ने ऐसा नहीं किया। सैनबोर्न ने उसे कभी भुगतान नहीं किया।
जब घर बनकर तैयार हो गया, तो श्रीमती सैनबोर्न ने उसमें रहने से इनकार कर दिया। श्री सैनबोर्न ने उसे उदास निगाहों से देखा, इतने थके हुए थे कि यह स्वीकार नहीं कर पा रहे थे कि उन्हें वह घर पसंद है, कि वे हमेशा से ऐसा ही घर चाहते थे। उन्होंने हार मान ली। घर में फर्नीचर नहीं था। श्रीमती सैनबोर्न अपने पति और बेटी के साथ सर्दियों के

लिए फ्लोरिडा चली गई, “जहाँ,” उन्होंने कहा, “भगवान का शुक्र है, हमारे पास एक अच्छा स्पेनिश शैली का घर है!—क्योंकि हमने इसे बना बनाया खरीदा था। यही होता है जब आप किसी नासमझ वास्तुकार से खुद घर बनवाने की कोशिश करते हैं!” उनके बेटे ने, सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, अचानक ज़बरदस्त इच्छाशक्ति दिखाई: उसने फ्लोरिडा जाने से इनकार कर दिया; उसे नया घर पसंद था, वह कहीं और नहीं रहना चाहता था। इसलिए तीन कमरों में उसके लिए फर्नीचर लगवाया गया। परिवार चला गया और वह हडसन नदी के किनारे वाले घर में अकेला रहने लगा। रात में, नदी से विशाल, वीरान घर की खिड़कियों के बीच पीले रंग का एक छोटा सा आयताकार हिस्सा दिखाई देता था, जो खोया हुआ सा लगता था।
आर्किटेक्ट्स गिल्ड ऑफ अमेरिका के बुलेटिन में एक छोटी सी खबर छपी थी:
"एक विचित्र घटना, जो अगर दुखद न होती तो हास्यास्पद होती, हमें श्रीमान द्वारा हाल ही में निर्मित एक घर के बारे में बताई गई है।"
व्हिटफोर्ड सैनबोर्न, एक प्रसिद्ध उद्योगपति। हॉवर्ड रोर्क द्वारा डिज़ाइन किया गया और 100,000 डॉलर से अधिक की लागत से निर्मित यह घर परिवार के लिए रहने योग्य नहीं पाया गया। अब यह वीरान खड़ा है, जो पेशेवर अक्षमता का एक ज्वलंत उदाहरण है।
XIV
लिशियस एन. हेयर ने हठपूर्वक मरने से इनकार कर दिया था।
स्ट्रोक से उबरने के बाद वे अपने डॉक्टर की आपत्तियों और गाय फ्रैंकन के सहानुभूतिपूर्ण विरोध को नजरअंदाज करते हुए अपने कार्यालय लौट आए।
फ्रैंकॉन ने उन्हें कंपनी से बाहर करने का प्रस्ताव रखा। हेयर ने इनकार कर दिया, उनकी पीली, नम आँखें हठपूर्वक किसी चीज़ को घूर रही थीं। वे हर दो-तीन दिन में अपने कार्यालय आते; वे अपनी चिट्ठी की टोकरी में रखे पत्रों की प्रतियाँ नियमित रूप से पढ़ते; वे अपनी मेज पर बैठते और एक साफ पैड पर फूल बनाते; फिर वे घर चले जाते। वे धीरे-धीरे, घिसटते हुए चलते; वे अपनी कोहनियों को बगल से सटाकर और बाँहों को आगे की ओर फैलाकर रखते, उंगलियाँ आधी बंद, पंजों की तरह; उंगलियाँ काँपती थीं; वे अपने बाएं हाथ का बिल्कुल भी इस्तेमाल नहीं कर सकते थे। वे सेवानिवृत्त नहीं होना चाहते थे। उन्हें कंपनी के स्टेशनरी पर अपना नाम देखना अच्छा लगता था।
उन्हें धुंधले से आश्चर्य हुआ कि अब उन्हें प्रमुख ग्राहकों से क्यों नहीं मिलवाया जाता था, क्यों उन्हें उनकी नई इमारतों के रेखाचित्र तब तक नहीं दिखाए जाते थे जब तक कि वे आधी बन न जाएं। अगर उन्होंने इस बारे में कुछ कहा होता, तो फ्रैंकन ने आपत्ति जताते हुए कहा, "लेकिन लुसियस, मैं आपकी हालत में आपको परेशान करने के बारे में सोच भी नहीं सकता। कोई और होता तो बहुत पहले ही सेवानिवृत्त हो गया होता।"
फ्रैंकन ने उन्हें थोड़ा उलझन में डाल दिया। पीटर कीटिंग ने उन्हें पूरी तरह से हैरान कर दिया। कीटिंग ने उनसे मुलाकात के समय मुश्किल से ही अभिवादन किया, और फिर जैसे बाद में याद आया हो; कीटिंग उनसे बात करते-करते बीच में ही उठकर चले गए; जब हेयर ने किसी ड्राफ्ट्समैन को कोई छोटा-मोटा आदेश दिया, तो उसका पालन नहीं किया गया और ड्राफ्ट्समैन ने उन्हें बताया कि मिस्टर कीटिंग ने आदेश रद्द कर दिया है। हेयर इसे समझ नहीं पाए; उन्हें हमेशा कीटिंग उसी शर्मीले लड़के के रूप में याद थे जिसने उनसे पुराने चीनी मिट्टी के बर्तनों के बारे में बड़ी विनम्रता से बात की थी। पहले तो उन्होंने कीटिंग को माफ कर दिया; फिर उन्होंने विनम्रता और अनाड़ीपन से उन्हें मनाने की कोशिश की; फिर उनके मन में कीटिंग का एक बेवजह डर बैठ गया।
उन्होंने फ्रैंकन से शिकायत की। उन्होंने चिड़चिड़ेपन से, एक ऐसे अधिकार का लहजा अपनाते हुए कहा जो शायद उनमें कभी नहीं था: "तुम्हारा वह लड़का, गाय, वह कीटिंग, वह तो हद से ज्यादा परेशान कर रहा है। वह मेरे साथ बदतमीजी करता है। तुम्हें उसे निकाल देना चाहिए।" “अब समझ में आया, लूसियस,” फ्रैंकन ने रूखेपन से

जवाब दिया, “कि मैं तुम्हें सेवानिवृत्त होने के लिए क्यों कहता हूँ। तुम अपनी नसों पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डाल रहे हो और बेवजह बातें सोचने लगे हो।”
फिर कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के लिए प्रतियोगिता शुरू हुई।
कैलिफ़ोर्निया के हॉलीवुड स्थित कॉस्मो-स्लोटनिक पिक्चर्स ने न्यूयॉर्क में एक भव्य कार्यालय बनाने का फैसला किया था, जो एक गगनचुंबी इमारत होगी जिसमें एक फिल्म थिएटर और चालीस मंजिलों में कार्यालय होंगे। वास्तुकार के चयन के लिए एक विश्वव्यापी प्रतियोगिता की घोषणा एक साल पहले ही कर दी गई थी। उनका कहना था कि कॉस्मो-स्लोटनिक न केवल फिल्म निर्माण में अग्रणी थे, बल्कि वे सभी कलाओं को अपनाते थे, क्योंकि सभी फिल्मों के निर्माण में योगदान देती हैं; और वास्तुकला सौंदर्यशास्त्र की एक प्रतिष्ठित, हालांकि उपेक्षित शाखा होने के नाते, कॉस्मो-स्लोटनिक इसे विश्व मानचित्र पर स्थापित करने के लिए तैयार थे।
आई विल टेक अ सेलर की कास्टिंग और वाइव्स फॉर सेल की शूटिंग की ताज़ा खबरों के साथ ही पार्थेनन और पैंथियन के बारे में भी कहानियां सामने आईं। मिस सैली ओ'डॉन की रीम्स कैथेड्रल की सीढ़ियों पर स्विमिंग सूट में तस्वीर खींची गई, और मिस्टर प्रैट ("पार्डनर") पर्सेल ने एक इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर वे फिल्म अभिनेता न होते तो हमेशा से एक मास्टर बिल्डर बनने का सपना देखते। मिस डिंपल्स विलियम्सु द्वारा लिखे गए एक लेख में रालस्टन होल्कोम्बे, गाय फ्रैंकन और गार्डन एल. प्रेस्कॉट के अमेरिकी वास्तुकला के भविष्य पर विचार उद्धृत किए गए, और एक काल्पनिक इंटरव्यू में सर क्रिस्टोफर व्रेन के मोशन पिक्चर के बारे में दिए गए बयानों का जिक्र किया गया। रविवार के सप्लीमेंट में कॉस्मो-स्लोटनिक स्टारलेट्स की शॉर्ट्स और स्वेटर पहने, टी-स्क्वायर और स्लाइड-रूल पकड़े हुए, ड्राइंग बोर्ड के सामने खड़ी तस्वीरें थीं, जिन पर एक बड़े प्रश्न चिह्न के ऊपर "कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग" लिखा था।
यह प्रतियोगिता सभी देशों के सभी वास्तुकारों के लिए खुली थी; यह इमारत ब्रॉडवे पर बननी थी और इसकी लागत दस मिलियन डॉलर थी; यह आधुनिक प्रौद्योगिकी की प्रतिभा और अमेरिकी जनता की भावना का प्रतीक थी; इसे पहले से ही "दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारत" के रूप में घोषित किया गया था। पुरस्कार निर्णायक मंडल में श्रीमान शामिल थे।
शूपे, कॉस्मो का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्री स्लॉटनिक, स्लॉटनिक का प्रतिनिधित्व करते हुए, स्टैटन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर पीटरकिन, न्यूयॉर्क शहर के मेयर, ए.जी.ए. के अध्यक्ष रालस्टन होल्कोम्बे और एल्सवर्थ एम. टूहे।
“पीटर, पूरी जान लगा दो!” फ्रैंकन ने उत्साह से कीटिंग से कहा। “अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करो। अपनी पूरी ताकत लगा दो। यह तुम्हारा सुनहरा मौका है। अगर तुम जीत गए तो पूरी दुनिया में तुम्हारी चर्चा होगी। और हम ये करेंगे: हम अपनी प्रविष्टि में तुम्हारा नाम, कंपनी के नाम के साथ, शामिल करेंगे। अगर हम जीत गए, तो तुम्हें भी एक प्रविष्टि मिलेगी।
यह इनाम का पांचवां हिस्सा है। आपको पता ही होगा, ग्रैंड प्राइज साठ हजार डॉलर का है।
कीटिंग ने सावधानी से कहा, "हेयर आपत्ति जुताएंगे।"
“उसे आपत्ति करने दो। मैं यही तो कर रहा हूँ। शायद उसे समझ आ जाए कि उसके लिए सही क्या है। और मैं... खैर, तुम जानते ही मैं कैसा महसूस करता हूँ, पीटर। मैं तुम्हें पहले से ही अपना साथी मानता हूँ। यह मेरा तुम्हारे प्रति कर्तव्य है।”
आपने इसे कमाया है। शायद यही इसे पाने की कुंजी हो।
कीटिंग ने अपनी परियोजना को पाँच बार फिर से बनाया। उसे इससे नफ़रत थी। उस इमारत के बनने से पहले ही उसे उसके हर एक हिस्से से नफ़रत थी। वह काँपते हाथों से काम करता रहा। उसने अपने हाथ में मौजूद रेखाचित्र के बारे में नहीं सोचा। वह

बाकी सभी प्रतियोगियों के बारे में सोच रहा था, उस व्यक्ति के बारे में जो जीत सकता था और सार्वजनिक रूप से उसका श्रेष्ठ घोषित किया जा सकता था। वह सोच रहा था कि वह दूसरा क्या करेगा, वह समस्या को कैसे हल करेगा और उसे कैसे पीछे छोड़ेगा। उसे उस व्यक्ति को हराना ही था; और कुछ मायने नहीं रखता था; वहाँ कोई पीटर कीटिंग नहीं था, वहाँ केवल एक चूषण कक्ष था, उस उष्णकटिबंधीय पौधे की तरह जिसके बारे में उसने सुना था, एक ऐसा पौधा जो एक कीट को अपने निर्वात में खींच लेता है और उसे पूरी तरह से चूस लेता है और इस प्रकार अपना पदार्थ प्राप्त कर लेता है।
जब उनके रेखाचित्र तैयार हो गए और सफेद संगमरमर की इमारत का सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य, करीने से तराशा हुआ, उनके सामने पड़ा था, तो उनके मन में असीम अनिश्चितता के सिवा कुछ नहीं था। यह किसी रबर से बने पुनर्जागरणकालीन महल जैसा लग रहा था, जिसे चालीस मंजिला ऊँचा कर दिया गया हो। उन्होंने पुनर्जागरणकालीन शैली इसलिए चुनी थी क्योंकि वे जानते थे कि वास्तुकला संबंधी सभी जूरी को स्तंभ पसंद होते हैं, और उन्हें याद था कि राल्स्टन होल्कोम्बे भी जूरी में थे। उन्होंने होल्कोम्बे के सभी पसंदीदा इतालवी महलों से प्रेरणा ली थी। यह देखने में अच्छा लग रहा था... शायद अच्छा हो... उन्हें यकीन नहीं था। उनके पास पूछने के लिए कोई नहीं था।
ये शब्द उसके मन में गूंजे और वह गुस्से से भर उठा। कारण जाने बिना ही उसे यह गुस्सा महसूस हुआ, लेकिन लगभग उसी क्षण उसे कारण पता चल गया: कोई तो था जिससे वह पूछ सकता था।
वह उस नाम के बारे में सोचना भी नहीं चाहता था; वह उसके पास नहीं जाएगा; उसके चेहरे पर गुस्सा साफ झलक रहा था और उसकी आँखों के नीचे गर्म, कसी हुई झुर्रियाँ महसूस हो रही थीं। वह जानता था कि उसे जाना ही होगा।
उसने उस विचार को मन से निकाल दिया। वह कहीं नहीं जा रहा था। समय आने पर उसने अपने चित्र एक फ़ोल्डर में रखे और रोर्क के कार्यालय चला गया।
उसने रोर्क को अकेले ही उस बड़े कमरे में डेस्क पर बैठे हुए पाया, जहाँ किसी भी प्रकार की गतिविधि के कोई संकेत नहीं थे।
“हेलो, हॉवर्ड!” उसने उत्साह से कहा। “कैसे हो? मैं किसी काम में बाधा तो नहीं डाल रहा हूँ?”
“हेलो, पीटर,” रोर्क ने कहा। “तुम नहीं हो।”
"आप बहुत व्यस्त तो नहीं हैं?"
"नहीं।"
"क्या मैं कुछ मिनटों के लिए बैठ सकता हूँ?"
बैठ जाओ।
“वाह, हॉवर्ड, आपने बहुत अच्छा काम किया है। मैंने फार्गो स्टोर देखा है। यह शानदार है। मेरी बधाई हो।”
"धन्यवाद।"
“आप तो सीधे आगे बढ़ते जा रहे हैं, है ना? आपको पहले ही तीन कमीशन मिल चुके हैं?”
“चार।”
“ओह, जी हाँ, बिल्कुल, चार। बहुत बढ़िया। मैंने सुना है कि आपको सैनबोर्न परिवार से थोड़ी परेशानी हो रही है।”
"मेरे पास है।"
“खैर, सब कुछ इतना आसान नहीं है, सब कुछ नहीं, आप जानते हैं... उसके बाद से कोई नया काम नहीं मिला? कुछ भी नहीं?”
"कुछ भी नहीं।"

“खैर, यह हो जाएगा। मैंने हमेशा कहा है कि वास्तुकारों को एक-दूसरे का गला काटने की ज़रूरत नहीं है, हम सभी के लिए पर्याप्त काम है, हमें पेशेवर एकता और सहयोग की भावना विकसित करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, उस प्रतियोगिता को ही ले लीजिए—क्या आपने अपनी प्रविष्टि पहले ही भेज दी है?”
“कौन सी प्रतियोगिता?”
“क्यों, प्रतियोगिता! कॉस्मो-स्लोटनिक प्रतियोगिता।”
मैं कोई प्रविष्टि नहीं भेज रहा हूँ।
“आप... नहीं? बिलकुल भी नहीं?”
"नहीं।"
"क्यों?"
मैं प्रतियोगिताओं में भाग नहीं लेता।
आखिर क्यों?
"अरे पीटर, तुम यहाँ उस बारे में चर्चा करने नहीं आए हो।"
"दरअसल, मैंने सोचा था कि मैं आपको अपनी प्रविष्टि दिखा दूं, आप समझ रहे हैं ना? मैं आपसे मदद नहीं मांग रहा हूं, मैं बस आपकी प्रतिक्रिया जानना चाहता हूं, बस एक सामान्य राय।"
उसने जल्दी से फ़ोल्डर खोला।
रोर्क ने रेखाचित्रों का अध्ययन किया। कीटिंग ने झल्लाकर कहा: "तो? क्या सब ठीक है?"
नहीं। यह सड़ा हुआ है। और तुम यह जानते हो।
फिर, घंटों तक, जब कीटिंग देखता रहा और आसमान अंधेरा होता गया और शहर की खिड़कियों में रोशनी चमकने लगी, रोर्क बोलता रहा, समझाता रहा, योजनाओं में लकीरें खींचता रहा, थिएटर के निकास द्वारों के भूलभुलैया को सुलझाता रहा, खिड़कियाँ काटता रहा, हॉल को खोलता रहा, बेकार मेहराबों को तोड़ता रहा, सीढ़ियों को सीधा करता रहा। कीटिंग एक बार हकलाते हुए बोला: “हे भगवान, हॉवर्ड! अगर तुम इसे ऐसे कर सकते हो, तो प्रतियोगिता में क्यों नहीं भाग लेते?” रोर्क ने उत्तर दिया: “क्योंकि मैं नहीं कर सकता। कोशिश करने पर भी नहीं कर सकता। मैं थक जाता हूँ।”
मैं एकदम सुन्न पड़ जाता हूं। मैं उन्हें वो नहीं दे सकता जो वे चाहते हैं। लेकिन जब मैं किसी और की गड़बड़ देखता हूँ, तो उसे ठीक करने में मैं माहिर हूँ।
सुबह हो चुकी थी जब उसने योजनाओं को एक तरफ रख दिया। कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा:
और ऊंचाई कितनी है?
“अरे, भाड़ में जाए ये ऊँचाई! मुझे तुम्हारी ये घटिया पुनर्जागरणकालीन ऊँचाई नहीं देखनी!” लेकिन उसने देखा। वह अपने हाथ को परिप्रेक्ष्य पर रेखाएँ खींचने से नहीं रोक सका। “ठीक है, भाड़ में जाओ, अगर तुम्हें अच्छा पुनर्जागरणकालीन ढाँचा बनाना ही है और अगर ऐसा कुछ होता भी है तो!”
मैं आपके लिए यह नहीं कर सकता। आपको खुद ही इसका हल निकालना होगा। कुछ इस तरह।
पीटर, इसे सरल बनाओ, और भी सरल, और अधिक सीधा, जितना हो सके उतना ईमानदार तरीके से, एक बेईमान चीज़ को। अब घर जाओ और इस तरह का कुछ हल निकालने की कोशिश करो।
कीटिंग घर गया। उसने रोर्क की योजनाओं की नकल की। उसने रोर्क के जल्दबाजी में बनाए गए एलिवेशन स्केच को एक साफ-सुथरे, पूर्ण परिप्रेक्ष्य में बदल दिया। फिर उन चित्रों को उचित पते के साथ निम्नलिखित पते पर भेज दिया गया:
“दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारत” प्रतियोगिता, कॉस्मो-स्लोटनिक पिक्चर्स, इंक. न्यूयॉर्क शहर।

प्रावेष्ट के साथ भेज गए लिफाफे में निम्नलिखित नाम थे:
“फ्रैंकॉन एंड हेयर, आर्किटेक्ट, पीटर कीटिंग, एसोसिएटेड डिज़ाइनर।”
उस सर्दी के महीनों में रोर्क को कोई और मौका नहीं मिला, कोई प्रस्ताव नहीं, कोई कमीशन मिलने की उम्मीद नहीं। वह अपनी डेस्क पर बैठा रहता था और कभी-कभी शाम ढलते ही बत्ती जलाना भूल जाता था। ऐसा लगता था मानो दफ्तर में बीते घंटों की भारी गतिहीनता ने उसे जकड़ लिया हो।
उसके दरवाजे की, उसकी हवा की महक, धीरे-धीरे उसकी मांसपेशियों में समा रही थी। वह उठता और किताब को दीवार पर फेंक देता, अपनी बांह की हरकत को महसूस करने के लिए, धमाके की आवाज़ सुनने के लिए। वह मुस्कुराया, मन ही मन खुश हुआ, किताब उठाई और उसे करीने से मेज पर वापस रख दिया। उसने डेस्क लैंप जलाया। फिर वह रुक गया, इससे पहले कि वह लैंप के नीचे की रोशनी से अपने हाथ हटा पाता, उसने अपने हाथों को देखा; उसने धीरे-धीरे अपनी उंगलियां फैलाईं। फिर उसे याद आया कि कैमरन ने बहुत पहले उससे क्या कहा था। उसने झटककर अपने हाथ हटा लिए। उसने अपना कोट उठाया, लाइट बंद की, दरवाजा बंद किया और घर चला गया।
जैसे-जैसे वसंत नजदीक आ रहा था, उसे पता था कि उसका पैसा ज्यादा दिन नहीं चलेगा। वह हर महीने की पहली तारीख को समय पर अपने दफ्तर का किराया चुका देता था। वह अगले तीस दिनों के उस एहसास को चाहता था, जब दफ्तर उसका अपना होगा। वह हर सुबह शांति से दफ्तर में दाखिल होता था। उसे बस यही लगता था कि जब अंधेरा होने लगता था और उसे पता चलता था कि तीस दिनों में से एक और दिन बीत गया है, तो उसका कैलेंडर देखने का मन नहीं करता था। जब उसे यह एहसास होता, तो वह खुद को कैलेंडर देखने के लिए मजबूर करता। अब वह एक दौड़ में शामिल था, अपने किराए के पैसे और... दूसरे प्रतियोगी का नाम उसे नहीं पता था। शायद सड़क पर उसे मिलने वाला हर आदमी उसके लिए ऐसा ही था।
जब वह अपने दफ्तर में गए, तो लिफ्ट चलाने वालों ने उन्हें एक अजीब, सुस्त और जिज्ञासु नज़र से देखा; जब उन्होंने बात की, तो उन्होंने अभद्रता से नहीं, बल्कि एक उदासीन लहजे में जवाब दिया, मानो किसी पल अभद्रता में बदल जाएगा। उन्हें नहीं पता था कि वह क्या कर रहे थे या क्यों; वे बस इतना जानते थे कि वह एक ऐसे व्यक्ति थे जिनके पास कभी कोई ग्राहक नहीं आता था। वह ऑस्टेन हेलर के कहने पर ही हेलर द्वारा कभी-कभार दी जाने वाली कुछ पार्टियों में जाते थे; मेहमान उनसे पूछते थे: “ओह, आप वास्तुकार हैं? मुझे माफ़ करना, मैं वास्तुकला के बारे में ज़्यादा नहीं जानता— आपने क्या बनाया है?” जब उन्होंने जवाब दिया, तो उन्होंने उन्हें कहते सुना: “ओह, जी हाँ,” और उनके व्यवहार में छिपी विनम्रता ने उन्हें बता दिया कि वह दिखावे के वास्तुकार हैं। उन्होंने उनकी इमारतें कभी नहीं देखी थीं; वे नहीं जानते थे कि उनकी इमारतें अच्छी थीं या बेकार; वे बस इतना जानते थे कि उन्होंने इन इमारतों के बारे में कभी सुना ही नहीं था।
यह एक ऐसा युद्ध था जिसमें उसे लड़ने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था, फिर भी उसे लड़ने के लिए आगे धकेल दिया गया, उसे लड़ना ही पड़ा, उसके पास कोई विकल्प नहीं था - और न ही कोई विरोधी था।
वह निर्माणाधीन इमारतों के पास से गुज़रा। वह स्टील के पिंजरों को देखने के लिए रुक गया। उसे कभी-कभी ऐसा लगता था मानो बीम और गर्डर किसी घर का आकार नहीं ले रहे हों, बल्कि उसे रोकने के लिए एक अवरोध बना रहे हों; और फुटपाथ पर कुछ कदम जो उसे निर्माण को घेरने वाली लकड़ी की बाड़ से अलग करते थे, वे ऐसे कदम थे जिन्हें वह कभी नहीं उठा पाएगा। यह दर्द था, लेकिन एक कुंद, भेदने में असमर्थ दर्द। यह सच है, वह खुद से कहता; यह सच नहीं है, उसका शरीर जवाब देता, उसके शरीर की अजीब, अछूती सी स्वस्थता।

फ़ागो स्टोर खुल चुका था। लेकिन एक इमारत पूरे मोहल्ले को नहीं बचा सकती थी; फ़ागो के प्रतिद्वंद्वी सही थे, हालात बदल चुके थे, लोग शहर के ऊपरी हिस्से की ओर जा रहे थे, और उसके ग्राहक उसे छोड़ रहे थे।
जॉन फ़ागो के पतन पर खुलकर टिप्पणियां की गईं, जिन्होंने अपने खराब व्यापारिक निर्णयों को एक बेतुकी इमारत में निवेश करके और भी बदतर बना दिया था; यह कहा गया कि इससे साबित होता है कि जनता इस तरह के वास्तुशिल्पीय नवाचारों को स्वीकार नहीं करेगी। यह नहीं कहा गया कि वह दुकान शहर की सबसे साफ-सुथरी और चमकदार दुकान थी; कि उसकी योजना की कुशलता ने उसके संचालन को पहले से कहीं अधिक आसान बना दिया था; कि उस इलाके का भविष्य उसके निर्माण से पहले ही तय था। सारा दोष इमारत पर डाल दिया गया।
एथेलस्टन बीसली, वास्तुकला जगत के विनोदी व्यक्ति, एजीए के दरबारी मसखरे, जो कभी कुछ बनाते हुए प्रतीत नहीं होते थे, लेकिन सभी चैरिटी बॉल्स का आयोजन करते थे, ने एजीए बुलेटिन में अपने "क्रिप्स एंड क्वर्क्स" शीर्षक वाले कालम में लिखा:
तो, बच्चों, सुनो एक परी कथा, जिसमें एक सीख भी है: एक समय की बात है, एक छोटा लड़का था जिसके बाल हैलोवीन के कद्दू के रंग के थे। वह खुद को तुम सब आम लड़कों और लड़कियों से बेहतर समझता था। इसे साबित करने के लिए उसने एक घर बनवाया, जो देखने में तो बहुत अच्छा है, लेकिन उसमें कोई रह नहीं सकता। उसने एक दुकान भी बनवाई, जो देखने में तो बहुत प्यारी है, लेकिन दिवालिया होने की कगार पर है। उसने एक और बहुत ही शानदार चीज़ खड़ी की, यानी एक कच्ची सड़क पर एक ठेले वाली गाड़ी। कहा जाता है कि यह गाड़ी बहुत अच्छी चल रही है, और शायद यही उस छोटे लड़के के लिए सही काम है।
मार्च के अंत में रोर्क ने अखबारों में रोजर एनराइट के बारे में पढ़ा।
रोजर एनराइट के पास करोड़ों की संपत्ति, एक तेल कंपनी और संयम की कमी थी। इसी वजह से उनका नाम अक्सर अखबारों में आता था। उनके अचानक किए गए विभिन्न और बेतरतीब उपक्रमों ने लोगों में आधा-प्रशंसा और आधा-उपहास का भाव पैदा कर दिया। उनका नवीनतम उपक्रम एक नए प्रकार के ईंधन के लिए एक परियोजना थी।
एक आवासीय परियोजना—एक अपार्टमेंट इमारत, जिसमें प्रत्येक इकाई एक महंगे निजी घर की तरह पूर्ण और अलग-थलग होगी। इसे एनराइट हाउस के नाम से जाना जाना था। एनराइट ने स्पष्ट किया था कि वह इसे किसी अन्य इमारत जैसा नहीं बनाना चाहते। उन्होंने शहर के कई बेहतरीन वास्तुकारों से संपर्क किया था, लेकिन उन्हें अस्वीकार कर दिया था।
रोर्क को ऐसा लगा मानो अखबार में छपी यह खबर एक निजी निमंत्रण हो; एक ऐसा मौका जो खास तौर पर उनके लिए ही बना हो। पहली बार उन्होंने कोई काम पाने की कोशिश की। उन्होंने रोजर एनराइट से मिलने का अनुरोध किया। उन्हें एक सचिव से मिलने का मौका मिला। सचिव, एक युवा व्यक्ति जो ऊबा हुआ लग रहा था, ने उनसे उनके अनुभव के बारे में कई सवाल पूछे; उसने ये सवाल धीरे-धीरे पूछे, मानो उसे यह तय करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही हो कि इन परिस्थितियों में क्या पूछना उचित होगा, क्योंकि जवाबों से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला था; उसने रोर्क की इमारतों की कुछ तस्वीरें देखीं और कहा कि श्री एनराइट को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं होगी।
अप्रैल के पहले सप्ताह में, जब रोर्क ने कार्यालय में एक और महीने का किराया चुका दिया था, तो उन्हें मैनहट्टन बैंक कंपनी की नई इमारत के लिए चित्र प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। उनसे यह अनुरोध निदेशक मंडल के सदस्य श्री वीडलर ने किया था, जो युवा रिचर्ड सैनबोर्न के मित्र थे। वीडलर ने उनसे कहा: "मुझे कड़ी मशक्कत करनी पड़ी है, श्रीमान..."

रोक, लेकिन मुझे लगता है कि मैं जीत गया हूँ। मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से सैनबोर्न हाउस ले गया था, और डिक और मैंने उन्हें कुछ बातें समझाईं। हालाँकि, बोर्ड को निर्णय लेने से पहले रेखाचित्र देखने होंगे। इसलिए अभी यह पूरी तरह से निश्चित नहीं है, मैं आपको स्पष्ट रूप से बता दूँ, लेकिन लगभग निश्चित है।
उन्होंने दो अन्य आर्किटेक्ट्स को मना कर दिया है। वे आपमें बहुत रुचि रखते हैं। आगे बढ़िए। शुभकामनाएँ!
हेनरी कैमरन की हालत फिर बिगड़ गई थी और डॉक्टर ने उनकी बहन को चेतावनी दी थी कि अब उनके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं है। लेकिन उन्हें इस बात पर यकीन नहीं हुआ। उन्हें एक नई उम्मीद जगी, क्योंकि उन्होंने देखा कि कैमरन बिस्तर पर शांत लेटे हुए, गंभीर और लगभग खुश दिख रहे थे—एक ऐसा शब्द जिसे उन्होंने अपने भाई के लिए कभी इस्तेमाल नहीं किया था।
लेकिन एक शाम वह डर गई, जब उसने अचानक कहा: "हावर्ड को बुलाओ। उसे यहाँ आने के लिए कहो।" अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से तीन वर्षों में उसने कभी रोर्क को नहीं बुलाया था, वह केवल रोर्क के आने का इंतजार करता रहा था।
रोर्क एक घंटे के भीतर आ गया। वह कैमरन के बिस्तर के पास बैठ गया और कैमरन हमेशा की तरह उससे बातें करने लगा। उसने विशेष निमंत्रण का ज़िक्र नहीं किया और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया। रात गर्म थी और कैमरन के शयनकक्ष की खिड़की अंधेरे बगीचे की ओर खुली थी। जब उसने वाक्यों के बीच विराम लेते हुए बाहर पेड़ों की खामोशी, देर रात की खामोशी को महसूस किया, तो कैमरन ने अपनी बहन को फोन किया और कहा: "हावर्ड के लिए लिविंग रूम में सोफ़ा ठीक कर दो। वह यहीं रुक रहा है।" रोर्क ने उसकी ओर देखा और समझ गया। रोर्क ने सहमति में सिर झुकाया; कैमरन ने जो कहा था, उसे वह केवल कैमरन की ही तरह गंभीर एक शांत नज़र से समझ पाया।
रोर्क तीन दिन तक उस घर में रहा। उसके वहाँ रहने के बारे में कोई ज़िक्र नहीं किया गया—न ही यह बताया गया कि उसे वहाँ कितने दिन रहना होगा।
उनकी उपस्थिति को एक स्वाभाविक तथ्य के रूप में स्वीकार किया गया, जिस पर किसी टिप्पणी की आवश्यकता नहीं थी।
मिस कैमरून समझ गईं—और जानती थीं कि उन्हें कुछ नहीं कहना चाहिए।
वह चुपचाप इधर-उधर घूमती रही, मानो उसने विनम्रता और समर्पण का साहस दिखाया हो।
कैमरन नहीं चाहता था कि रोर्क लगातार उसके कमरे में मौजूद रहे।
वह कहते थे: "बाहर जाओ, बगीचे में टहल लो, हावर्ड। कितनी सुंदर है, घास उग रही है।" वह बिस्तर पर लेटे-लेटे खुली खिड़की से संतुष्टि के साथ रोर्क की आकृति को हल्के नीले आकाश के सामने खड़े नंगे पेड़ों के बीच घूमते हुए देखते रहते थे।
उसने बस इतना ही कहा कि रोर्क उसके साथ खाना खाए। मिस कैमरून, कैमरून की गोद में ट्रे रख देतीं और बिस्तर के पास रखी छोटी मेज पर रोर्क को खाना परोसतीं।
कैमरून को उस चीज़ में आनंद मिलता था जो उसे कभी नहीं मिली थी और न ही उसने कभी चाही थी: रोज़मर्रा की दिनचर्या निभाने में मिलने वाली गर्माहट और परिवार का एहसास।
तीसरे दिन शाम को कैमरन हमेशा की तरह तकिए पर लेटकर बातें कर रहा था, लेकिन शब्द धीरे-धीरे निकल रहे थे और उसने अपना सिर नहीं हिलाया। रोर्क सुनता रहा और इस बात पर ध्यान केंद्रित करता रहा कि कैमरन के शब्दों के बीच के भयानक विरामों में जो कुछ भी चल रहा है, उसे वह न दिखाए। शब्द स्वाभाविक लग रहे थे, और उन शब्दों को बोलने में जो कठिनाई हो रही थी, वह कैमरन का आखिरी रहस्य बने रहना था, जैसा कि वह चाहता था।

कैमरन ने निर्माण सामग्री के भविष्य के बारे में बात की। “हावर्ड, हल्के धातुओं के उद्योग पर नज़र रखो... कुछ ही सालों में... तुम देखोगे कि वे कुछ अद्भुत काम करेंगे... प्लास्टिक पर नज़र रखो, उससे एक नया युग आ रहा है... तुम्हें नए उपकरण, नए साधन, नए रूप मिलेंगे... तुम्हें उन मूर्खों को दिखाना होगा... कि मानव मस्तिष्क ने उनके लिए कितनी दौलत बनाई है... कितनी संभावनाएं हैं... पिछले हफ्ते मैंने मैंने एक नए प्रकार की कंपोजिशन टाइल के बारे में पढ़ा... और मैंने इसे ऐसी जगह इस्तेमाल करने का एक तरीका सोचा है जहाँ और कुछ भी काम नहीं आएगा... उदाहरण के लिए, एक छोटा सा घर... लगभग पाँच हज़ार डॉलर का...
कुछ देर बाद वह रुक गया और आंखें बंद करके चुप रहा।
तभी रोर्क ने अचानक उसे फुसफुसाते हुए सुना:
“गेल वायनांड...”
रोर्क अचंभित होकर उसके करीब झुक गया।
“मैं अब किसी से नफरत नहीं करता... सिर्फ गेल वायनांड से... नहीं, मैंने उसे कभी देखा तक नहीं है... लेकिन वह दुनिया की हर बुराई का प्रतीक है... हद से ज़्यादा अभद्रता की जीत का... हॉवर्ड, तुम्हें गेल वायनांड से ही लड़ना होगा...”
फिर वह काफी देर तक चुप रहा। जब उसने दोबारा आंखें खोलीं, तो वह मुस्कुराया। उसने कहा:
मुझे पता है... इस समय आप अपने ऑफिस में किन मुश्किलों से गुजर रहे हैं....
रोर्क ने उससे इस बारे में कभी बात नहीं की थी। “नहीं... इनकार मत करो और...”
कुछ मत कहो... मुझे पता है... लेकिन... कोई बात नहीं... डरो मत...
क्या तुम्हें वो दिन याद है जब मैंने तुम्हें नौकरी से निकालने की कोशिश की थी? ... उस दिन मैंने तुमसे जो कहा था उसे भूल जाओ.... वो पूरी कहानी नहीं थी.... ये है... डरो मत.... ये सब करना फायदेमंद रही....”
उनकी आवाज कमजोर पड़ गई और वे उसका इस्तेमाल नहीं कर पा रहे थे। लेकिन उनकी दृष्टि अक्षुण्ण रही और वे चुपचाप लेटे हुए बिना किसी प्रयास के रोर्क को देख सकते थे। आधे घंटे बाद उनका निधन हो गया।
कीटिंग अक्सर कैथरीन से मिलते थे। उन्होंने अपनी सगाई की घोषणा नहीं की थी, लेकिन उनकी माँ को पता था, और यह अब उनका कोई गुप्त रहस्य नहीं रह गया था। कैथरीन को कभी-कभी लगता था कि उनकी मुलाकातों में अब पहले जैसी अहमियत नहीं रह गई थी। उन्हें कीटिंग के इंतज़ार के अकेलेपन से मुक्ति मिल गई थी; लेकिन उनके निश्चित रूप से लौटने की तसल्ली खो गई थी।
कीटिंग ने उससे कहा था: “केटी, चलो उस फिल्म प्रतियोगिता के नतीजों का इंतज़ार करते हैं। ज़्यादा समय नहीं लगेगा, मई में फैसला आ जाएगा। अगर मैं जीत गया तो मेरी ज़िंदगी सेट हो जाएगी। फिर हमारी शादी हो जाएगी। और तब मैं तुम्हारे चाचा से मिलूंगा—और वो भी मुझसे मिलना चाहेंगे। और मुझे जीतना ही होगा।”
मुझे पता है तुम जीतोगे।
“इसके अलावा, बूढ़े हेयर एक महीने भी नहीं टिकेंगे। डॉक्टर ने हमें बताया है कि किसी भी समय उन्हें दूसरा स्ट्रोक आ सकता है और बस, बात खत्म।”
अगर इससे उसे कब्रिस्तान तक तो नहीं पहुंचाया जा सकता, लेकिन इससे वह निश्चित रूप से कार्यालय से बाहर तो निकल ही जाएगा।"
“ओह, पीटर, मुझे तुम्हारी इस तरह की बातें सुनना पसंद नहीं है। तुम्हें इतना कठोर नहीं होना चाहिए।”
... बेहद स्वार्थी।"
मुझे माफ़ करना, प्रिय। खैर... हाँ, मुझे लगता है कि मैं स्वार्थी हूँ। हर कोई होता है।
वह डोमिनिक के साथ ज़्यादा समय बिताने लगा। डोमिनिक उसे संतुष्ट भाव से देखती रही, मानो वह उसके लिए कोई और समस्या ही न हो। ऐसा लगता था कि वह उसे

कभी-कभार मिलने वाली एक साधारण शाम के लिए एक मामूली साथी के रूप में उपयुक्त मानती थी। उसे लगा कि डोमिनिक उसे पसंद करती है।
वह जानता था कि यह कोई उत्साहजनक संकेत नहीं है।
कभी-कभी वह भूल जाता था कि वह फ्रैंकन की बेटी है; वह उन सभी कारणों को भूल जाता था जिनकी वजह से वह उसे चाहता था। उसे किसी प्रेरणा की ज़रूरत नहीं थी। वह उसे चाहता था। अब उसे किसी कारण की ज़रूरत नहीं थी, बस उसकी उपस्थिति का रोमांच चाहिए था।
फिर भी वह उसके सामने असहाय महसूस कर रहा था। वह इस बात को मानने से इनकार कर रहा था कि कोई स्त्री उसके प्रति उदासीन रह सकती है। लेकिन उसे उसकी उदासीनता का भी यकीन नहीं था। वह इंतज़ार करता रहा और उसके मिजाज को समझने की कोशिश करता रहा, ताकि वह वैसा ही जवाब दे सके जैसा उसे लगता था कि वह चाहती है। लेकिन उसे कोई जवाब नहीं मिला।
बसंत की एक रात वे एक साथ एक नृत्य समारोह में गए। उन्होंने नृत्य किया, और उसने उसे अपने करीब खींच लिया, उसने अपनी उंगलियों के स्पर्श से उसके शरीर पर अपना स्पर्श और भी गहरा कर दिया।
उसे पता था कि उसने यह देख लिया है और समझ गई है। वह पीछे नहीं हटी; उसने लगभग उम्मीद भरी स्थिर निगाहों से उसकी ओर देखा।
जब वे जाने लगे, तो उसने उसका शॉल पकड़ा और अपनी उंगलियाँ उसके कंधों पर रख दीं; वह हिली नहीं और न ही उसने शॉल को कसकर पकड़ा; वह इंतज़ार करती रही; उसने उसे अपने हाथ उठाने दिए। फिर वे साथ-साथ टैक्सी की ओर चले गए। वह टैक्सी के एक कोने में चुपचाप बैठी रही; उसने पहले कभी उसकी उपस्थिति को इतना महत्वपूर्ण नहीं समझा था कि चुप रहना ज़रूरी हो। वह पैर मोड़कर बैठी थी, उसका शॉल कसकर लिपटा हुआ था, उसकी उंगलियाँ धीरे-धीरे उसके घुटने पर थपथपा रही थीं। उसने अपना हाथ धीरे से उसकी बांह पर रखा। उसने विरोध नहीं किया; उसने कोई जवाब नहीं दिया; बस उसकी उंगलियाँ थपथपाना बंद हो गईं। उसके होंठ उसके बालों को छू गए; यह चुंबन नहीं था, उसने बस अपने होंठों को उसके बालों पर कुछ देर के लिए टिकाए रखा।
जब टैक्सी रुकी, तो उसने फुसफुसाते हुए कहा: "डोमिनिक... मुझे बस एक पल के लिए ऊपर आने दो..."
“हाँ,” उसने उत्तर दिया। शब्द सपाट, भावहीन और निमंत्रण रहित था। लेकिन उसने पहले कभी ऐसा होने नहीं दिया था। वह उसके पीछे-पीछे चला, उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था।
जैसे ही वह अपने अपार्टमेंट में दाखिल हुई, एक पल के लिए रुक गई, इंतज़ार करने लगी। वह असहाय, हैरान और बहुत खुश होकर उसे देखता रहा। उसने इस ठहराव को तब महसूस किया जब वह फिर से चलने लगी, उससे दूर ड्राइंग रूम की ओर जाने लगी। वह बैठ गई, और उसके हाथ दोनों तरफ बेजान से लटके गए, उसकी बाहें उसके शरीर से दूर थीं, जिससे वह असुरक्षित महसूस कर रही थी। उसकी आँखें आधी बंद, आयताकार, खाली थीं।
“डोमिनिक...” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “डोमिनिक... तुम कितनी प्यारी हो!”
”
फिर वह उसके बगल में आकर अस्पष्ट रूप से फुसफुसाने लगा:
“डोमिनिक... डोमिनिक, मैं तुमसे प्यार करता हूँ... मुझ पर मत हँसो, प्लीज़ मत हँसो!... मेरी पूरी ज़िंदगी... तुम्हारी हर इच्छा... क्या तुम्हें नहीं पता कि तुम कितनी खूबसूरत हो?... डोमिनिक... मैं तुमसे प्यार करता हूँ...”
वह रुक गया, अपनी बाहों में उसे समेटे और अपना चेहरा उसके चेहरे के पास लाकर, किसी प्रतिक्रिया या प्रतिरोध का संकेत पाने की कोशिश कर रहा था; उसे कुछ भी नहीं

।देखा। उसने उसे ज़ोर से अपनी ओर खींचा और उसके होंठों को चूम लिया। उसकी बाहें खुल गईं। उसने उसके शरीर को सीट पर पीछे की ओर गिरने दिया और स्तब्ध होकर उसे घूरने लगा। यह कोई चुंबन नहीं था; उसने किसी स्त्री को अपनी बाहों में नहीं थामा था; जिसे उसने थामा और चूमा था, वह जीवित नहीं था।
उसके होंठ उसके होंठों से नहीं टकराए; उसकी बाहें उसे गले लगाने के लिए नहीं उठीं; यह घृणा नहीं थी—वह घृणा को समझ सकता था। ऐसा लग रहा था मानो वह उसे हमेशा के लिए थामे रख सकता है या छोड़ सकता है, उसे फिर से चूम सकता है या अपनी इच्छा को पूरा करने के लिए और आगे बढ़ सकता है—और उसका शरीर इसे जान भी नहीं पाएगा, इसे महसूस भी नहीं करेगा। वह उसे देख रही थी, उसके पार। उसने देखा कि उसके बगल वाली मेज पर रखी ट्रे से एक सिगरेट का टुकड़ा गिर गया है, उसने अपना हाथ बढ़ाया और सिगरेट को वापिस ट्रे में रख दिया।
“डोमिनिक,” उसने मूर्खतापूर्ण ढंग से फुसफुसाते हुए कहा, “क्या तुम नहीं चाहती थी कि मैं तुम्हें चूमूं?”
“हां।” वह उस पर हंस नहीं रही थी; वह बस सरलता और बेबसी से जवाब दे रही थी।
क्या तुम्हें पहले कभी किसी ने चूमा नहीं है?
“हां। कई बार।”
"क्या तुम हमेशा ऐसे ही व्यवहार करते हो?"
“हमेशा। बस ऐसे ही।”
"तुम मुझसे चुंबन क्यों करवाना चाहते थे?"
मैं इसे आजमाना चाहता था।
"डोमिनिक, तुम इंसान नहीं हो।"

उसने अपना सिर उठाया, वह उठी और उसकी चाल में फिर से वही तीक्ष्णता और सटीकता आ गई। वह जानता था कि उसकी आवाज़ में कोई सरल, स्वीकारोक्तिपूर्ण लाचारी नहीं होगी; वह जानता था कि अंतरंगता समाप्त हो चुकी है, भले ही जब वह बोलती थी तो उसके शब्द पहले कही गई किसी भी बात से कहीं अधिक अंतरंग और भेदक होते थे; लेकिन वह ऐसे बोलती थी मानो उसे इस बात की परवाह ही न हो कि वह क्या प्रकट कर रही है या किसे प्रकट कर रही है।
“मुझे लगता है मैं उन अजीबोगरीब महिलाओं में से एक हूँ जिनके बारे में आप सुनते हैं, एक बिलकुल भावहीन महिला। मुझे माफ़ करना, पीटर। देखा? तुम्हारा कोई प्रतिद्वंदी नहीं है, लेकिन इसमें तुम भी शामिल हो। एक निराशा, प्रिय?”
“तुम... एक दिन इससे बाहर निकल जाओगे...”
“मैं सच में इतनी जवान नहीं हूँ, पीटर। पच्चीस साल की। किसी पुरुष के साथ सोना एक दिलचस्प अनुभव होगा। मैं हमेशा से ऐसा चाहती रही हूँ। मुझे लगता है कि एक व्यभिचारी स्त्री बनना रोमांचक होगा। मैं, तुम्हें पता है, हर चीज़ में हूं, सिवाय इसके कि... पीटर, तुम अभी शर्म से लाल हो जाओगे, और यह बहुत मज़ेदार है।”
“डोमिनिक! क्या तुमने कभी प्यार नहीं किया? थोड़ा सा भी नहीं?”
“मैंने ऐसा नहीं किया। मैं सचमुच तुमसे प्यार करना चाहती थी। मुझे लगा कि यह आसान होगा। मुझे तुम्हारे साथ कोई परेशानी नहीं होती। लेकिन देखो? मुझे कुछ भी महसूस नहीं होता। मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता, चाहे तुम हो, अल्वाह स्कारेट हो या लुसियस हेयर।”
वह उठ खड़ा हुआ। वह उसे देखना नहीं चाहता था। वह एक खिड़की के पास गया और पीछे हाथ बांधकर बाहर घूरने लगा। वह अपनी इच्छा और उसकी सुंदरता को भूल चुका था, लेकिन अब उसे याद आ गया था कि वह फ्रैंकन की बेटी थी।
"डोमिनिक, क्या तुम मुझसे शादी करोगी?"

वह जानता था कि उसे अब यह कहना ही होगा; अगर वह उसके बारे में सोचता रहता, तो वह कभी नहीं कह पाता; उसके लिए उसकी भावनाएँ अब मायने नहीं रखती थीं; वह उन्हें अपने और अपने भविष्य के बीच बाधा नहीं बनने दे सकता था; और उसके लिए उसकी भावनाएँ नफरत में बदल रही थीं।
“क्या आप मज़ाक कर रहे हैं?” उसने पूछा।
वह उसकी ओर मुड़ा। वह तेज़ी से, सहजता से बोला; वह अब लेटा हुआ था, इसलिए वह आत्मविश्वास से भरा था और बोलना उसके लिए मुश्किल नहीं था।
“डोमिनिक, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मैं तुम्हारे लिए पागल हूँ। मुझे एक मौका दो। अगर कोई और नहीं है, तो क्यों नहीं? तुम भी मुझसे प्यार करना सीख जाओगी—क्योंकि मैं तुम्हें समझता हूँ। मैं धैर्य रखूँगा। मैं तुम्हें खुश रखूँगा।”
वह अचानक सिहर उठी, और फिर हंस पड़ी। वह सहजता से, पूरी तरह से हंस पड़ी; उसने देखा कि उसकी पोशाक का हल्का झागा काँप रहा है; वह सीधी खड़ी हो गई, उसका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था, मानो कोई तार उसके लिए एक घोर अपमान की कंपन से कांप रहा हो; अपमान, क्योंकि उसकी हंसी कड़वी या उपहासपूर्ण नहीं थी, बल्कि पूरी तरह से प्रसन्नतापूर्ण थी।
फिर वह रुक गई। वह उसे देखती रही। उसने गंभीरता से कहा:
“पीटर, अगर मैं कभी किसी भयानक गलती के लिए खुद को सज़ा देना चाहूँ, अगर मैं कभी खुद को घिनौनी सजा देना चाहूँ—तो मैं तुमसे शादी कर लूँगी।” उसने आगे कहा: इसे एक वादा समझो।
"मैं इंतजार करूंगा—चाहे आप इसके लिए कोई भी कारण चुनें।"
फिर वह खुशी से मुस्कुराई, वह ठंडी, प्रसन्न मुस्कान जिससे वह डरता था।
“सच में, पीटर, तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। तुम्हें वो साझेदारी तो मिल ही जाएगी। और हम हमेशा अच्छे दोस्त रहेंगे। अब तुम्हारे घर जाने का समय हो गया है। याद रखना, तुम्हें मुझे बुधवार को घुड़सवारी प्रदर्शनी में ले जाना है। ओह, हाँ, हम बुधवार को घुड़सवारी प्रदर्शनी में जा रहे हैं। मुझे घुड़सवारी प्रदर्शनी बहुत पसंद है। शुभ रात्रि, पीटर।”
वह वहां से चला गया और वसंत की गर्म रात में घर की ओर चल पड़ा। वह बेतहाशा चल रहा था। अगर उस समय किसी ने उसे डोमिनिक से शादी करने की शर्त पर फ्रैंकन एंड हेयर फर्म का एकमात्र मालिकाना हक देने की पेशकश की होती, तो वह इसे ठुकरा देता। वह यह भी जानता था, खुद से नफरत करते हुए, कि अगर अगली सुबह उसे यही पेशकश की जाती, तो वह इसे ठुकराता नहीं।
XV
यह डर था। यही वह भावना थी जो किसी को महसूस होती है।
पीटर कीटिंग ने सोचा, ये तो बुरे सपने हैं! तभी जागते हैं जब ये असहनीय हो जाते हैं, लेकिन अब वो न तो जाग सकते थे और न ही इसे और सहन कर सकते थे। ये डर दिनों-दिनों, हफ़्तों से बढ़ता जा रहा था और अब इसने उन्हें जकड़ लिया था: हार का ये घिनौना, असहनीय भय। वो प्रतियोगिता हार जाएँगे, उन्हें पूरा यकीन था कि वो हार जाएँगे, और इंतज़ार के हर दिन के साथ ये यकीन और गहराता जा रहा था। वो काम नहीं कर पा रहे थे; लोग उनसे बात करते तो वो काँप उठते; वो कई रातों से सो नहीं पाए थे।
वह लुसियस हेयर के घर की ओर चल पड़ा। उसने राह चलते लोगों के चेहरों पर ध्यान न देने की कोशिश की, लेकिन उसे ध्यान देना ही पड़ा; वह हमेशा लोगों को देखता था; और लोग भी उसे देखते थे, जैसा कि वे हमेशा करते थे। वह उन पर चिल्लाना चाहता था और उनसे कहना चाहता था कि वे मुँह फेर लें, उसे अकेला छोड़ दें। उसने सोचा कि वे उसे घूर रहे हैं क्योंकि वह असफल होने वाला था और वे यह जानते थे।

आने वाली विपत्ति से खुद को बचाने के लिए वह हेयर के घर जा रहा था, यही एकमात्र रास्ता उसे दिखाई दे रहा था। अगर वह उस प्रतियोगिता में असफल हो जाता—और वह जानता था कि वह असफल होगा—तो फ्रैंकन को गहरा सदमा लगता और वह निराश हो जाता; फिर अगर हेयर की मृत्यु हो जाती, जैसा कि किसी भी क्षण हो सकता था, तो सार्वजनिक अपमान के कड़वे माहौल में फ्रैंकन कीटिंग को अपना साझेदार स्वीकार करने में हिचकिचाता; अगर फ्रैंकन हिचकिचाता, तो खेल हाथ से निकल जाता। अन्य लोग भी इस अवसर की प्रतीक्षा कर रहे थे: बेनेट, जिसे वह कार्यालय से बाहर नहीं निकाल पाया था; क्लाउड स्टेंगल, जो अपने दम पर बहुत अच्छा कर रहा था, और हेयर की जगह खरीदने के प्रस्ताव के साथ फ्रैंकन के पास आया था। कीटिंग के पास फ्रैंकन के उस पर अनिश्चित विश्वास के अलावा और कुछ भी नहीं था। एक बार हेयर की जगह कोई और साझेदार आ जाता, तो कीटिंग का भविष्य समाप्त हो जाता। वह बहुत करीब आकर चूक गया था। यह कभी माफ नहीं किया जा सकता था।
कई रातों की नींद हराम करते हुए उनके मन में फैसला स्पष्ट और कठिन हो गया था: उन्हें इस मुद्दे को तुरंत खत्म करना था; प्रतियोगिता के विजेता की घोषणा होने से पहले उन्हें फ्रैंकन की भ्रामक उम्मीदों का फायदा उठाना था; उन्हें हेयर को बाहर करना था और उसकी जगह लेनी थी; उनके पास केवल कुछ ही दिन बचे थे।
उन्हें हेयर के चरित्र के बारे में फ्रैंकन की गपशप याद आ गई। उन्होंने हेयर के दफ्तर में फाइलों को खंगाला और उन्हें वह मिल गया जिसकी उन्हें उम्मीद थी। यह एक ठेकेदार का पंद्रह साल पुराना पत्र था; इसमें बस इतना लिखा था कि ठेकेदार मिस्टर हेयर को देय बीस हजार डॉलर का चेक भेज रहा है। कीटिंग ने उस खास इमारत के रिकॉर्ड देखे; ऐसा लग रहा था कि इमारत की लागत उसकी अपेक्षित लागत से कहीं अधिक थी। यही वह साल था जब हेयर ने चीनी मिट्टी के बर्तनों का संग्रह शुरू किया था।
उन्होंने हेयर को उनके अध्ययन कक्ष में अकेले पाया। यह एक छोटा, धुंधला कमरा था और उसमें हवा भारी लग रही थी, मानो वर्षों से उसमें कोई हलचल न हुई हो। गहरे महोगनी रंग की पैनलिंग, टेपेस्ट्री, और अनमोल पुराने फर्नीचर के टुकड़े पूरी तरह से साफ-सुथरे रखे गए थे, लेकिन कमरे में कहीं न कहीं दरिद्रता और जीर्णता की गंध आ रही थी। कोने में एक छोटी सी मेज पर एक ही दीपक जल रहा था, और मेज पर प्राचीन चीनी मिट्टी के पांच नाजुक, कीमती प्याले रखे थे। हेयर मंद रोशनी में झुके हुए बैठे थे, एक अस्पष्ट, निरर्थक आनंद के साथ प्यालों को निहार रहे थे। जब उनके बूढ़े नौकर ने कीटिंग को अंदर आने दिया तो वे थोड़ा कांप गए, और उन्होंने भावहीन हैरानी से पलकें झपकाईं, लेकिन उन्होंने कीटिंग को बैठने के लिए कहा।
जब उसने अपनी आवाज़ की पहली झलक सुनी, तो कीटिंग को एहसास हुआ कि गलियों से गुजरते हुए उसका डर अब खत्म हो गया है; उसकी आवाज़ ठंडी और स्थिर थी। टिम डेविस, उसने सोचा, क्लाउड स्टेंगल, और अब बस एक और आदमी को रास्ते से हटाना बाकी है।
उसने अपनी इच्छा स्पष्ट की, कमरे की शांत हवा में एक छोटा, संक्षिप्त और संपूर्ण विचार पैराग्राफ फैला दिया, जो साफ किनारों वाले रत्न की तरह परिपूर्ण था।
“और इसलिए, जब तक आप कल सुबह फ्रैंकन को अपनी सेवानिवृत्ति के बारे में सूचित नहीं करते,” उन्होंने पत्र को दो उंगलियों के बीच एक कोने से पकड़ते हुए कहा, “यह पत्र ए.जी.ए. के पास जाएगा।”
वह इंतज़ार करता रहा। हेयर अपनी पीली, उभरी हुई आँखों में खालीपन लिए, मुँह पूरी तरह से गोल करके चुपचाप बैठा रहा। कीटिंग सिहर उठा और सोचने लगा कि क्या वह किसी मूर्ख से बात कर रहा है।
फिर हेयर के मुंह में हलचल हुई और उसकी हल्की गुलाबी जीभ दिखाई दी, जो उसके निचले दांतों से टकराती हुई फड़फड़ा रही थी।

"लेकिन मैं रिटायर नहीं होना चाहता।" उन्होंने यह बात सरल, सरल और थोड़ा चिड़चिड़ी सी शिकायत के साथ कही।
आपको सेवानिवृत्त होना पड़ेगा।
“मैं नहीं चाहता। मैं नहीं जाऊंगा। मैं एक मशहूर वास्तुकार हूं। मैं हमेशा से ही मशहूर वास्तुकार रहा हूं। काश लोग मुझे परेशान करना बंद कर दें। वे सब चाहते हैं कि मैं रिटायर हो जाऊं। मैं आपको एक राज़ बताता हूं।” वह आगे झुका; उसने शरारती अंदाज़ में फुसफुसाया: “शायद आपको पता न हो, लेकिन मुझे पता है, वह मुझे धोखा नहीं दे सकता: गाय चाहता है कि मैं रिटायर हो जाऊं। उसे लगता है कि वह मुझे मात दे रहा है, लेकिन मैं उसकी चाल समझ गया हूं। गाय पर यह बढ़िया चाल थी।” वह धीरे से हँसा।
मुझे नहीं लगता कि आप मुझे समझ पाए। क्या आप इसे समझ पाए हैं?
कीटिंग ने पत्र को हेयर की आधी बंद उंगलियों में थमा दिया।
हेयर के हाथ में पतली चादर कांप रही थी, उसने उसे देखा। फिर वह मेज पर गिर पड़ी और हेयर के लकवाग्रस्त उंगलियों वाले बाएं हाथ ने उस पर अंधाधुंध, बेमतलब, जैसे किसी हुक से वार किया। उसने घबराते हुए कहा:
“आप इसे अटॉर्नी जनरल एसोसिएशन को नहीं भेज सकते। वे मेरा लाइसेंस छीन लेंगे।।”
कीटिंग ने कहा, "निश्चित रूप से वे ऐसा करेंगे।"
और यह अखबारों में छपेगा।
"उन सभी में।"
आप ऐसा नहीं कर सकते।
"मैं ऐसा करने जा रहा हूं—जब तक आप सेवानिवृत्त नहीं हो जाते।"
हेयर के कंधे झुककर मेज के किनारे तक आ गए। उसका सिर किनारे से थोड़ा ऊपर ही रहा, मानो वह उसे भी आँखों से ओझल करने के लिए तैयार हो।
“तुम ऐसा नहीं करोगे, प्लीज़, ऐसा मत करो,” हेयर ने बिना रुके लगातार धीमी आवाज़ में कहा। “तुम अच्छे लड़के हो, बहुत अच्छे लड़के हो, ऐसा नहीं करोगे, है ना?”
मेज पर पीले रंग का चौकोर कागज पड़ा था। हेयर का बेकार बायां हाथ उसे पकड़ने के लिए बढ़ा और धीरे-धीरे किनारे की ओर सरका। कीटिंग आगे झुका और उसके हाथ के नीचे से चिट्ठी छीन ली।
हेयर ने उसकी ओर देखा, उसका सिर एक तरफ झुका हुआ था और मुंह खुला हुआ था।
वह ऐसा लग रहा था मानो उसे कीटिंग द्वारा मारे जाने की उम्मीद हो; उसकी घृणास्पद, विनती भरी निगाहें कह रही थीं कि वह कीटिंग को उसे मारने की अनुमति देगा।
“प्लीज़,” हेयर ने फुसफुसाते हुए कहा, “आप ऐसा नहीं करेंगे, है ना? मेरी तबीयत ठीक नहीं है। मैंने आपको कभी चोट नहीं पहुंचाई। मुझे याद है, मैंने एक बार आपके लिए कुछ बहुत अच्छा किया था।”
“क्या?” कीटिंग ने झल्लाकर कहा। “तुमने मेरे लिए क्या किया?”
“तुम्हारा नाम पीटर कीटिंग है... पीटर कीटिंग... याद है ना... मैंने तुम्हारे लिए कुछ अच्छा किया था... तुम वही लड़के हो जिस पर गाय को इतना भरोसा है।”
गाइ पर भरोसा मत करो। मुझे उस पर भरोसा नहीं है। लेकिन तुम मुझे पसंद हो। हम तुम्हें एक दिन डिज़ाइनर बना देंगे।” यह कहते हुए उसका मुंह खुला रह गया। उसके मुंह के कोने से लार की एक पतली बूंद टपक गई। “प्लीज़... ऐसा मत करो...”
कीटिंग की आंखें घृणा से चमक रही थीं; घृणा ने उसे उकसाया; उसे स्थिति को और खराब करना पड़ा क्योंकि वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता था।
"तुम्हारा सार्वजनिक रूप से पर्दाफाश हो जाएगा," कीटिंग ने चमकती हुई आवाज़ में कहा। "तुम्हें भ्रष्टाचारी के रूप में बदनाम किया जाएगा। लोग तुम्हारी ओर उंगली

उठाएंगे।"
वे अखबारों में आपकी तस्वीर छापेंगे। उस इमारत के मालिक आप पर मुकदमा करेंगे। वे आपको जेल में डाल देंगे।
हेयर ने कुछ नहीं कहा। वह हिला तक नहीं। कीटिंग को मेज पर रखे प्यालों की अचानक खनक सुनाई दी। वह हेयर के शरीर का कांपना नहीं देख सका। कमरे की खामोशी में उसे एक पतली, कांच जैसी झंकार सुनाई दी, मानो प्याले अपने आप कांप रहे हों।
"बाहर निकलो!" कीटिंग ने ऊंची आवाज में कहा, ताकि वह वह आवाज न सुन सके।
“कंपनी छोड़ दो! यहाँ क्यों रहना चाहते हो? तुम किसी काम के नहीं हो।”
तुम कभी अच्छे खिलाड़ी नहीं रहे हो।
टेबल के किनारे पर मौजूद पीले चेहरे ने अपना मुंह खोला और एक गीली, गड़गड़ाहट जैसी आवाज निकाली, जो किसी कराहने जैसी लग रही थी।
कीटिंग आराम से आगे की ओर झुककर, घुटने फैलाकर बैठा था, एक कोहनी घुटने पर टिकी हुई थी, हाथ नीचे लटका हुआ था और वह पत्र को हिला रहा था।
“मैं...” हेयर का गला भर आया। “मैं...”
"चुप रहो! तुम्हारे पास हां या ना के सिवा कुछ नहीं है। जल्दी सोचो। मैं तुमसे बहस करने नहीं आया हूँ।"
हेयर कांपना बंद हो गया। एक परछाई उसके चेहरे पर तिरछी रेखा में पड़ गई।
कीटिंग ने एक ऐसी आंख देखी जो पलकें नहीं झपका रही थी, और आधा खुला हुआ मुंह, जिसमें से अंधेरा चेहरे में समा रहा था, मानो वह डूब रहा हो।
"मुझे जवाब दो!" कीटिंग अचानक डरकर चिल्लाया। "तुम मुझे जवाब क्यों नहीं दे रहे हो?"
आधा चेहरा डगमगाया और उसने सिर को आगे की ओर झुकते देखा; वह मेज पर गिरा, फिर लुढ़कता हुआ फर्श पर जा गिरा, मानो उसका सिर धड़ से अलग हो गया हो; उसके पीछे दो प्याले भी गिर पड़े और कालीन पर धीरे से चटक कर टुकड़े-टुकड़े हो गए।
कीटिंग को सबसे पहले राहत महसूस हुई जब उसने देखा कि शरीर भी सिर के साथ फर्श पर ढेर की तरह पड़ा हुआ था, और पूरी तरह से सुरक्षित था।
कोई आवाज़ नहीं थी; केवल चीनी मिट्टी के बर्तनों के टूटने की धीमी, संगीतमय ध्वनि सुनाई दी।
कपों को देखते हुए कीटिंग ने सोचा, "वह बहुत क्रोधित होगा।" वह उछलकर खड़ा हो गया, घुटनों के बल बैठकर व्यर्थ ही टुकड़ों को समेटने लगा; उसने देखा कि वे बुरी तरह टूट चुके थे और मरम्मत से परे थे। वह यह भी सोच रहा था कि आखिरकार वह दूसरा वार आ ही गया है जिसका वे इंतज़ार कर रहे थे, और उसे अब कुछ करना ही होगा, लेकिन कोई बात नहीं, क्योंकि हेयर को अब रिटायर होना ही पड़ेगा।
फिर वह घुटनों के बल हेयर के शरीर के पास गया। वह सोच रहा था कि वह उसे छूना क्यों नहीं चाहता। "श्री हेयर," उसने पुकारा। उसकी आवाज़ कोमल, लगभग सम्मानपूर्ण थी। उसने हेयर का सिर सावधानी से उठाया। फिर उसे नीचे गिरा दिया। उसे गिरने की कोई आवाज़ नहीं सुनाई दी। उसे अपने गले में हिचकी सुनाई दी। हेयर मर चुका था।
वह लाश के बगल में बैठ गया, अपने नितंबों को एड़ियों से टिकाए, हाथों को घुटनों पर फैलाए। वह सीधे सामने देख रहा था; उसकी नज़र दरवाजे के पास लगे पर्दों की सिलवटों पर टिक गई; वह सोचने लगा कि क्या वह धूसर चमक धूल है या मखमल की बनावट, और क्या वह वाकई मखमल है, और दरवाजे के पास पर्दे लगाना कितना पुराना फैशन है। तभी उसे लगा कि वह कांप रहा है। उसे उल्टी आने लगी। वह उठा, कमरे के उस पार गया और दरवाजा खोल दिया, क्योंकि उसे याद आया कि अपार्टमेंट

का बाकी हिस्सा कहां है और उसमें एक नौकर भी है, और उसने मदद के लिए चीखने की कोशिश की।
कीटिंग हमेशा की तरह दफ्तर आए। उन्होंने सवालों के जवाब दिए और बताया कि हेयर ने उन्हें उस दिन रात के खाने के बाद अपने घर बुलाया था; हेयर अपनी सेवानिवृत्ति के बारे में बात करना चाहते थे। किसी को भी इस कहानी पर शक नहीं था और कीटिंग जानते थे कि कभी होगा भी नहीं। हेयर का अंत वैसा ही हुआ जैसा सबको उम्मीद थी। फ्रैंकन को राहत के सिवा कुछ महसूस नहीं हुआ। फ्रैंकन ने कहा, "हम जानते थे कि ऐसा होना ही था, देर-सवेर। तो फिर इस बात का अफसोस क्यों करें कि उन्होंने खुद को और हम सबको लंबे कष्ट से बचा लिया?"
कीटिंग का व्यवहार पिछले कई हफ्तों की तुलना में अधिक शांत था। यह एक तरह की सन्नाटे वाली शांति थी। यह विचार उसका पीछा करता रहा, कोमल, तनावमुक्त, नीरस, उसके काम पर, घर पर, रात में: वह एक हत्यारा था... नहीं, लेकिन लगभग एक हत्यारा... लगभग एक हत्यारा... वह जानता था कि यह कोई दुर्घटना नहीं थी; वह जानता था कि उसने इस पर भरोसा किया था।
सदमा और दहशत: उसने उस दूसरे स्टोक की उम्मीद की थी जो हेयर को जीवन भर के लिए अस्पताल भेज देगा। लेकिन क्यों उसने बस इतना ही सोचा था? क्या उसे नहीं पता था कि दूसरे स्टोक का क्या मतलब हो सकता है? क्या उसने इसी बात पर भरोसा किया था? उसने याद करने की कोशिश की।
उसने पूरी कोशिश की, अपने दिमाग को निचोड़ लिया। उसे कुछ भी महसूस नहीं हुआ। उसे किसी न किसी तरह से कुछ भी महसूस न होने की उम्मीद थी। बस वह जानना चाहता था। उसने अपने आस-पास कार्यालय में क्या हो रहा था, उस पर ध्यान नहीं दिया। वह भूल गया था कि फ्रैंकन के साथ साझेदारी के सौदे को अंतिम रूप देने के लिए उसके पास बहुत कम समय बचा था।
हेयर की मृत्यु के कुछ दिनों बाद फ्रैंकन ने उन्हें अपने कार्यालय में बुलाया।
“बैठ जाओ, पीटर,” उसने हमेशा की तरह खिलखिलाती मुस्कान के साथ कहा।
“अच्छा, मेरे पास तुम्हारे लिए एक अच्छी खबर है, बेटा। आज सुबह उन्होंने लूसियस की वसीयत पढ़ी। तुम्हें पता है, उसके कोई रिश्तेदार नहीं बचे थे। खैर, मुझे आश्चर्य हुआ, शायद मैंने उसे उतना महत्व नहीं दिया, लेकिन लगता है कि वह कभी-कभी अच्छा काम भी कर सकता था। उसने अपनी सारी संपत्ति तुम्हारे नाम कर दी है... बहुत बढ़िया है ना? अब जब हम आगे की व्यवस्था करेंगे तो तुम्हें निवेश की चिंता नहीं करनी पड़ेगी... क्या बात है, पीटर? ... पीटर, मेरे बेटे, क्या तुम बीमार हो?”
कीटिंग का चेहरा डेस्क के कोने पर टिकी उसकी बांह पर आ गया। वह फ्रैंकन को अपना चेहरा नहीं दिखाना चाहता था। उसे उल्टी आने वाली थी; उल्टी इसलिए क्योंकि उस भयानक स्थिति के बीच, वह खुद से यह सवाल कर रहा था कि हेयर के पास वास्तव में कितना कुछ बचा है...
वसीयत पांच साल पहले बनाई गई थी; शायद कार्यालय में हेयर के प्रति सम्मान दिखाने वाले एकमात्र व्यक्ति के प्रति स्नेह के आवेश में; या शायद अपने साझेदार के विरुद्ध एक संकेत के रूप में; इसे बनाया गया और भुला दिया गया। संपत्ति दो लाख डॉलर की थी, साथ ही फर्म में हेयर का हिस्सा और उनका चीनी मिट्टी के बर्तनों का संग्रह भी शामिल था।
उस दिन कीटिंग बधाई सुने बिना ही दफ्तर से जल्दी निकल गए। घर जाकर उन्होंने अपनी मां को खबर सुनाई, उन्हें बैठक में स्तब्ध छोड़कर, और खुद को अपने बेडरूम में बंद कर लिया। रात के खाने से पहले, बिना कुछ कहे, वे बाहर चले गए। उस रात उन्होंने खाना नहीं खाया, लेकिन अपने पसंदीदा बार में जाकर उन्होंने खूब शराब पीकर खुद को बेकाबू कर लिया। और उस तीव्र, चमकदार दृष्टि की अवस्था में, उनका सिर गिलास पर झुका हुआ था लेकिन उनका दिमाग स्थिर था, उन्होंने खुद से कहा कि

उन्हें किसी बात का पछतावा नहीं है; उन्होंने वही किया जो कोई भी करता; कैथरीन ने कहा था, वे स्वार्थी थे; हर कोई स्वार्थी होता है;
स्वार्थी होना कोई अच्छी बात नहीं थी, लेकिन वह इसमें अकेला नहीं था; वह बस अधिकांश लोगों से अधिक भाग्यशाली था; वह इसलिए भाग्यशाली था क्योंकि वह अधिकांश लोगों से बेहतर था; उसे अच्छा लग रहा था; उसे उम्मीद थी कि वे बेकार के सवाल फिर कभी उसके पास नहीं आएंगे; हर कोई अपने लिए, वह मेज पर सोते हुए बुदबुदाया।
वे बेकार के सवाल फिर कभी उसके दिमाग में नहीं आए। आने वाले दिनों में उसके पास उनके लिए समय ही नहीं था। उसने कॉस्मो-स्लोटनिक प्रतियोगिता जीत ली थी। पीटर कीटिंग को पता था कि यह एक शानदार जीत होगी, लेकिन जो हुआ उसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। उन्होंने तुरही की आवाज़ का सपना देखा था; उन्होंने एक भव्य संगीतमय विस्फोट की कल्पना नहीं की थी।
इसकी शुरुआत टेलीफोन की हल्की सी घंटी से हुई, जिसमें विजेताओं के नाम घोषित किए गए। फिर ऑफिस के सभी फोन एक साथ बजने लगे, मानो ऑपरेटर के हाथों से फोन निकल रहे हों, जो मुश्किल से स्विचबोर्ड को संभाल पा रही थी; शहर के हर अखबार से, मशहूर हस्तियों से फोन आ रहे थे।
वास्तुकार,
प्रश्न,
मांगों
के लिए
साक्षात्कार,
बधाई हो। फिर लिफ्टों से संदेशों, टेलीग्रामों का सैलाब उमड़ पड़ा, कार्यालय के दरवाजों से होते हुए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी; कीटिंग के परिचित लोग, वे लोग जिन्हें उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था; रिसेप्शन क्लर्क होश खो बैठा, समझ नहीं पा रहा था कि किसे अंदर आने दे और किसे मना करे; और कीटिंग लगातार लोगों से हाथ मिलाता जा रहा था, जैसे कोई पहिया हो जिसके मुलायम, नम पुर्जे उसकी उंगलियों से टकरा रहे हों। उसे नहीं पता था कि उसने उस पहले साक्षात्कार में क्या कहा, जब फ्रैंकन का कार्यालय लोगों और कैमरों से भरा हुआ था; फ्रैंकन ने अपने शराब के कैबिनेट के दरवाजे खोल रखे थे। फ्रैंकन ने उन सभी लोगों के सामने यह बात गूँज उठी कि कॉस्मो-स्लोटनिक इमारत अकेले पीटर कीटिंग ने बनाई थी; फ्रैंकन को परवाह नहीं थी; वह उत्साह में आकर उदारता दिखा रहा था; इसके अलावा, यह एक अच्छी कहानी भी बन गई।
यह कहानी फ्रैंकन की उम्मीद से कहीं बेहतर निकली। अखबारों के पन्नों से पीटर कीटिंग का चेहरा पूरे देश पर छा गया - उनका सुंदर, स्वस्थ, मुस्कुराता हुआ चेहरा, चमकीली आँखों और घने काले बालों के साथ; यह गरीबी, संघर्ष, आकांक्षा और अथक परिश्रम के बारे में छपे लेखों की सुर्खियों में छाया रहा, जिन्होंने आखिरकार अपना फल पाया; उस माँ के विश्वास के बारे में जिसने अपने बेटे की सफलता के लिए सब कुछ कुर्बान कर दिया; और "वास्तुकला की सिंड्रेला" के बारे में।
कॉस्मो-स्लोटनिक खुश थे; उन्होंने सोचा भी नहीं था कि पुरस्कार विजेता वास्तुकार युवा, सुंदर और गरीब भी हो सकते हैं—मतलब, हाल ही में गरीब हुए हों। उन्होंने एक प्रतिभाशाली बालक को खोज लिया था; कास्मो-स्लोटनिक प्रतिभाशाली बालकों के प्रशंसक थे; श्री स्लोटनिक स्वयं भी एक प्रतिभाशाली बालक थे, जिनकी उम्र केवल तैंतालीस वर्ष थी।
कीटिंग द्वारा "धरती पर सबसे खूबसूरत गगनचुंबी इमारत" के बनाए गए चित्र। पुरस्कार के शब्दों के साथ ये लेख समाचार पत्रों में प्रकाशित किए गए थे: "...इसकी योजना की शानदार कुशलता और सरलता के लिए... इसकी स्वच्छ, निर्मम दक्षता के

लिए... स्थान को इसकी चतुराईपूर्ण मितव्ययिता के लिए... कला में आधुनिक और पारंपरिक के उत्कृष्ट मिश्रण के लिए... फ्रैंकन और हेयर और पीटर कीटिंग को..."
कीटिंग समाचार रीलों में श्री शुपे और श्री स्लॉटनिक से हाथ मिलाते हुए दिखाई दिए, और उपशीर्षक में बताया गया कि इन दोनों सज्जनों की उनकी इमारत के बारे में क्या राय है। कीटिंग समाचार रीलों में मिस डिंपल्स विलियम्स से हाथ मिलाते हुए दिखाई दिए, और उपशीर्षक में बताया गया कि उनकी मौजूदा फिल्म के बारे में उनकी क्या राय है। वे वास्तुकला और फिल्म से संबंधित समारोहों में सम्मान के स्थान पर उपस्थित होते थे, और उन्हें भाषण देने पड़ते थे, यह भूलकर कि उन्हें इमारतों के बारे में बोलना है या फिल्मों के बारे में। वे वास्तुकला क्लबों और प्रशंसक क्लबों में भी दिखाई देते थे।
कॉस्मो-स्लोटनिक ने कीटिंग और उनकी इमारत की एक संयुक्त तस्वीर प्रकाशित की, जिसे स्वयं के पते वाले, टिकट लगे लिफाफे और दो बिट्स के बदले प्राप्त किया जा सकता था। वे एक सप्ताह तक हर शाम कॉस्मो थिएटर के मंच पर नवीनतम कॉस्मो-स्लोटनिक विशेष के पहले प्रदर्शन के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होते थे; वे काले टक्सीडो में दुबले-पतले और आकर्षक दिखते हुए, मंच की रोशनी के ऊपर झुकते थे और वास्तुकला के महत्व पर दो मिनट तक बोलते थे। उन्होंने अटलांटिक सिटी में एक सौंदर्य प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका निभाई, जिसके विजेता को कॉस्मो-स्लोटनिक द्वारा स्क्रीन टेस्ट का अवसर दिया जाना था। उनकी एक प्रसिद्ध मुक्केबाज के साथ तस्वीर खींची गई, जिसका शीर्षक था: "चैंपियंस"। उनकी इमारत का एक छोटा मॉडल बनाया गया और अन्य प्रतिभागियों में से सर्वश्रेष्ठ की तस्वीरों के साथ देश भर के कॉस्मो-स्लोटनिक थिएटरों के प्रवेश द्वारों में प्रदर्शित करने के लिए दौरे पर भेजा गया।
श्रीमती कीटिंग पहले तो फूट-फूटकर रोईं, पीटर को बाहों में भर लिया और घबराकर बोलीं कि उन्हें विश्वास ही नहीं हो रहा। पीटी के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब देते हुए वह हकलाने लगीं और शर्मिंदा होकर, सबको खुश करने की कोशिश में, तस्वीरों के लिए पोज़ देने लगीं। फिर उन्हें इसकी आदत हो गई। उन्होंने कंधे उचकाते हुए पीटर से कहा कि बेशक वह जीत गया है, इस पर इतना आश्चर्य करने की कोई बात नहीं है। कोई और जीत ही नहीं सकता था। उसने पत्रकारों के प्रति थोड़ा तिरस्कारपूर्ण लहजा अपना लिया। जब उसे पेटी की तस्वीरों में शामिल नहीं किया गया तो वह स्पष्ट रूप से नाराज़ हो गई। उसने एक मिंक कोट खरीदा।
कीटिंग ने खुद को उस उफान में बहने दिया। उन्हें अपने आस-पास के लोगों और शोर की ज़रूरत थी। जब वे चेहरों के सागर के ऊपर एक मंच पर खड़े थे, तो कोई सवाल या संदेह नहीं था; हवा भारी, सघन और एक ही चीज़ से सराबोर थी—प्रशंसा; किसी और चीज़ के लिए कोई जगह नहीं थी। वे महान थे; उतने ही महान जितने लोगों ने उन्हें ऐसा कहा था। वे सही थे; उतने ही सही जितने लोगों ने उन पर विश्वास किया था। उन्होंने चेहरों को देखा, आँखों को देखा; उन्होंने खुद को उनमें जन्म लेते हुए देखा, उन्होंने खुद को जीवन का उपहार पाते हुए देखा। वह पीटर कीटिंग थे, वही, उन टकटकी लगाए आँखों में उनका प्रतिबिंब, और उनका शरीर केवल उसका प्रतिबिंब था।
एक शाम उन्हें कैथरीन के साथ दो घंटे बिताने का समय मिल गया। उन्होंने उसे अपनी बाहों में भर लिया और कैथरीन ने उनके भविष्य के लिए उज्ज्वल योजनाओं के बारे में फुसफुसाया; उन्होंने संतुष्टि भरी नजरों से उसकी ओर देखा; उन्होंने उसके शब्दों पर ध्यान नहीं दिया; वह सोच रहे थे कि अगर उनकी इस तरह एक साथ तस्वीर खींची जाए तो वह कैसी दिखेगी और कितने अखबारों में छपेगी।
उसने डोमिनिक को एक बार देखा था। वह गर्मियों के लिए शहर छोड़कर जा रही थी। डोमिनिक का रवैया निराशाजनक था। उसने उसे बधाई दी, जो बिल्कुल सही था; लेकिन उसने उसे हमेशा की तरह देखा, मानो कुछ हुआ ही न हो। वास्तुकला से

संबोधित सभी प्रकाशनों में, उसका कॉलम ही एकमात्र ऐसा था जिसने कभी कॉस्मो-स्लोटनिक प्रतियोगिता या उसके विजेता का ज़िक्र नहीं किया था।
“मैं कनेक्टिकट जा रही हूँ,” उसने उससे कहा। “मैं गर्मियों के लिए वहाँ पिताजी की जगह ले रही हूँ। उन्होंने मुझे पूरी जगह अकेले रहने के लिए दे दी है। नहीं, पीटर, तुम मुझसे मिलने नहीं आ सकते। एक बार भी नहीं। मैं वहाँ इसलिए जा रही हूँ ताकि मुझे किसी से मिलना न पड़े।” वह निराश हुआ, लेकिन इससे उसके दिनों की जीत फीकी नहीं पड़ी। अब उसे डोमिनिक से डर नहीं लगता था। उसे पूरा भरोसा था कि वह उसका रवैया बदल सकता है, और जब वह पतझड़ में वापस आएगी तो उसे बदलाव दिखाई देगा।
लेकिन एक बात थी जिसने उनकी जीत को फीका कर दिया; हालांकि यह अक्सर नहीं होता था और न ही बहुत ज़ोर से होता था। उन्हें अपने बारे में कही जाने वाली बातें सुनने में कभी कोई परेशानी नहीं होती थी; लेकिन उन्हें अपनी इमारत के बारे में बहुत ज़्यादा सुनना पसंद नहीं था। और जब उन्हें यह सुनना ही पड़ता था, तो उन्हें "शानदार" की टिप्पणियों से कोई आपत्ति नहीं होती थी।
इसके मुखौटे में आधुनिक और पारंपरिक का अद्भुत मेल था; लेकिन जब उन्होंने योजना के बारे में बात की—और उन्होंने योजना के बारे में बहुत कुछ कहा—जब उन्होंने "शानदार कौशल और सादगी... स्वच्छ, निर्मम कार्यकुशलता... स्थान का चतुराईपूर्ण उपयोग..." के बारे में सुना, जब उन्होंने यह सुना और सोचा... तो उन्होंने कुछ नहीं सोचा। उनके दिमाग में कोई शब्द नहीं थे। उन्होंने उन्हें आने ही नहीं दिया। बस एक भारी, अंधकारमय एहसास था।
—और एक नाम।
पुरस्कार मिलने के बाद दो सप्ताह तक उसने इस बात को अपने मन से निकाल दिया, मानो यह उसके लिए चिंता का विषय न हो, मानो इसे उसी तरह दफ़ना दिया गया हो जैसे उसका संशयपूर्ण, विनम्र अतीत दफना दिया गया था। पूरी सर्दी उसने इमारत के अपने बनाए रेखाचित्रों को संभाल कर रखा था, जिन पर किसी और के हाथ से पेंसिल की रेखाएं खींची गई थीं; पुरस्कार मिलने की शाम को उसने उन्हें जला दिया; यही उसने सबसे पहले किया था।
लेकिन वह डर उसका पीछा नहीं छोड़ रहा था। तभी अचानक उसे समझ आया कि यह कोई अस्पष्ट धमकी नहीं, बल्कि एक वास्तविक खतरा है; और उसका सारा डर गायब हो गया। वह एक वास्तविक खतरे से निपट सकता था, वह इसे बड़ी आसानी से दूर कर सकता था। राहत की सांस लेते हुए वह मुस्कुराया, रोर्क के दफ्तर में फोन किया और उनसे मिलने का समय तय किया।
वह पूरे आत्मविश्वास के साथ उस मुलाकात के लिए गया। अपने जीवन में पहली बार उसे उस अजीब बेचैनी से मुक्ति मिली, जिसे वह रोर्क की उपस्थिति में कभी समझा नहीं पाया था और न ही उससे छुटकारा पा सका था। अब वह सुरक्षित महसूस कर रहा था। हॉवर्ड रोर्क से उसका नाता टूट चुका था।
रोर्क अपने दफ्तर में डेस्क पर बैठा इंतज़ार कर रहा था। उस सुबह एक बार फोन की घंटी बजी थी, लेकिन वह सिर्फ पीटर कीटिंग का फ़ोन था, जो मिलने का समय मांग रहे थे। अब वह भूल चुका था कि कीटिंग आने वाला है।
वह टेलीफोन का इंतज़ार कर रहा था। पिछले कुछ हफ्तों में वह उस टेलीफोन पर निर्भर हो गया था। उसे किसी भी क्षण मैनहट्टन बैंक कंपनी के लिए अपने डिजाइनों के बारे में खबर मिलने वाली थी।
उनके दफ्तर का किराया काफी समय से बकाया था। जिस कमरे में वे रहते थे, उसका किराया भी बकाया था। उन्हें कमरे की परवाह नहीं थी; वे मकान मालिक से इंतज़ार करने को कह सकते थे; मकान मालिक ने इंतज़ार किया; अगर वह इंतज़ार करना बंद कर देता तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता। लेकिन दफ्तर में यह बात मायने रखती

था। उन्होंने किराये के एजेंट से कहा कि उन्हें इंतज़ार करना पड़ेगा; उन्होंने देरी के लिए अनुरोध नहीं किया; उन्होंने बस सीधे-सीधे, शांत स्वर में कहा कि देरी होगी, यही उन्हें आता था। लेकिन उन्हें यह भी पता था कि उन्हें किराये के एजेंट से यह भीख चाहिए, और बहुत कुछ इस पर निर्भर करता था।
उसने अपने मन में इसे भीख मांगने जैसा बना दिया था। यह यातना थी।
ठीक है, उसने सोचा, यह यातना है। तो क्या हुआ?
टेलीफोन का बिल दो महीने से बकाया था। उसे आखिरी चेतावनी मिल चुकी थी। कुछ ही दिनों में टेलीफोन कनेक्शन काट दिया जाएगा। उसे इंतज़ार करना ही था। कुछ ही दिनों में बहुत कुछ हो सकता था।
बैंक बोर्ड का जवाब, जिसका वादा वीडलर ने उसे बहुत पहले किया था, हफ़्ते दर हफ़्ते टलता रहा। बोर्ड किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका; कुछ विरोध कर रहे थे तो कुछ ज़बरदस्त समर्थक; कई बैठकें हुईं; वीडलर ने उसे बहुत कम शब्दों में बताया, लेकिन वह बहुत कुछ समझ गया; कई दिन खामोशी छाई रही, दफ्तर में खामोशी, पूरे शहर में खामोशी, उसके भीतर भी खामोशी। वह इंतज़ार करता रहा।
वह डेस्क पर धंसा हुआ बैठा था, चेहरा बांह पर टिकाए, उंगलियां टेलीफोन के स्टैंड पर। उसे हल्का सा ख्याल आया कि उसे ऐसे नहीं बैठना चाहिए; पर आज वह बहुत थका हुआ महसूस कर रहा था। उसने सोचा कि उसे अपना हाथ फोन से हटा लेना चाहिए; पर उसने नहीं हटाया। खैर, हाँ, वह उस फोन पर निर्भर था; वह उसे तोड़ सकता था, लेकिन फिर भी उस पर निर्भर रहेगा; वह, उसकी हर सांस, उसका हर अंश। उसकी उंगलियां स्टैंड पर बिना हिले टिकी रहीं। यही फोन और चिट्ठियां; उसने चिट्ठियों के बारे में भी खुद से झूठ बोला था; उसने तब भी झूठ बोला था जब उसने खुद को रोका था कि दरवाज़े के छेद से कोई दुर्लभ चिट्ठी गिरे तो वह उछल न पड़े, आगे न दौड़े, बल्कि इंतजार करे, फर्श पर पड़े सफेद लिफाफे को देखता रहे, फिर धीरे-धीरे चलकर उसे उठाए। दरवाजे का छेद और टेलीफोन—दुनिया में उसके लिए और कुछ नहीं बचा था।
उसे याद आया और उसने सिर उठाकर दरवाज़े की ओर, दरवाज़े के निचले हिस्से की ओर देखा। वहाँ कुछ नहीं था। दोपहर ढल चुकी थी, शायद आखिरी डिलीवरी का समय बीत चुका था। उसने अपनी कलाई उठाकर घड़ी देखी; उसकी कलाई खाली थी; घड़ी गिरवी रखी जा चुकी थी। वह खिड़की की ओर मुड़ा; दूर एक मीनार पर उसे एक घड़ी दिखाई दी; साढ़े चार बज रहे थे; आज कोई और डिलीवरी नहीं होगी।
उसने देखा कि उसका हाथ टेलीफोन का रिसीवर उठा रहा था। उसकी उंगलियां नंबर डायल कर रही थीं।
“नहीं, अभी नहीं,” वीडलर की आवाज़ ने फोन पर कहा। “हमारी बैठक कल के लिए तय थी, लेकिन उसे रद्द करना पड़ा... मैं उनके पीछे एक बुलडॉग की तरह पड़ा हुआ हूँ... मैं आपको भरोसा दिला सकता हूँ कि हम जल्द ही मिलेंगे।”
कल पक्का जवाब मिल जाएगा। मैं लगभग वादा कर सकता हूँ। अगर कल नहीं तो सप्ताहांत तक इंतज़ार करना पड़ेगा, लेकिन सोमवार तक तो पक्का मिल जाएगा... आपने हमारे साथ बहुत धैर्य रखा है, महोदय।
रोर्क। हम आपकी सराहना करते हैं।” रोर्क ने रिसीवर नीचे रख दिया। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। उसने सोचा कि वह कुछ मिनटों के लिए आराम करेगा, बस इसी तरह खाली मन से आराम करेगा, इससे पहले कि वह यह सोचना शुरू करे कि टेलीफोन सूचना की तारीख क्या थी और वह सोमवार तक कैसे गुजारा कर सकता है।
“हैलो, हॉवर्ड,” पीटर कीटिंग ने कहा।
उसने अपनी आँखें खोलीं। कीटिंग अंदर आया और मुस्कुराते हुए उसके सामने खड़ा था। उसने हल्के भूरे रंग का स्प्रिंग कोट पहना हुआ था, जो खुला हुआ था, बेल्ट के लूप उसके बगल में हैंडल की तरह लटक रहे थे, और बटन होल में एक नीला कॉर्नफ्लावर

लगा हुआ था। वह पैर फैलाकर, मांसपेशियाँ कमर पर रखकर, टोपी सिर के पीछे रखकर खड़ा था, उसके काले घुंघराले बाल उसके गोरे माथे पर इतने चमकदार और सधे हुए थे कि ऐसा लग रहा था मानो उन पर भी कॉर्नफ्लावर की तरह ओस की बूँदें चमक रही हों।
“हैलो, पीटर,” रोर्क ने कहा।
कीटिंग आराम से बैठ गए, अपनी टोपी उतारी, उसे मेज के बीच में रख दिया और एक-एक हाथ से अपने दोनों घुटनों को हल्के से थपथपाते हुए पकड़ लिया।
"अच्छा, हॉवर्ड, चीजें हो रही हैं, है ना?"
"बधाई हो।"
“धन्यवाद। क्या बात है, हॉवर्ड? तुम बहुत थके हुए लग रहे हो। मैंने जो सुना है, उससे तो यही लगता है कि तुम ज़रूरत से ज़्यादा काम तो नहीं कर रहे हो?”
यह वह तरीका नहीं था जो उसने सोचा था। उसने साक्षात्कार को सहज और मैत्रीपूर्ण रखने की योजना बनाई थी। खैर, उसने तय किया, वह बाद में इस पर वापस आ जाएगा। लेकिन पहले उसे यह दिखाना था कि वह रोर्क से नहीं डरता, कि वह फिर कभी नहीं डरेगा।
नहीं, मैं ज़रूरत से ज्यादा काम नहीं कर रहा हूँ।
"देखो, हॉवर्ड, तुम इसे छोड़ क्यों नहीं देते?"
उनका ऐसा कहने का बिल्कुल भी इरादा नहीं था। हैरानी से उनका मुंह थोड़ा खुला रह गया।
“क्या गिराना है?”
“दिखावा। अरे, आदर्श, अगर आप चाहें तो। ज़मीन पर क्यों नहीं उतरते? बाकी लोगों की तरह काम क्यों नहीं करते? मूर्खता करना क्यों नहीं छोड़ते?” उसे लगा जैसे वह बिना ब्रेक के पहाड़ी से नीचे लुढ़क रहा हो। वह रुक नहीं सकता था।
“क्या बात है, पीटर?”
“तुम दुनिया में कैसे तालमेल बिठाने की उम्मीद करते हो? तुम्हें लोगों के साथ रहना होगा, तुम्हें पता है। केवल दो ही रास्ते हैं। या तो तुम उनसे जुड़ जाओ या उनसे लड़ो। लेकिन तुम दोनों में से कुछ भी करते हुए नहीं दिख रहे हो।”
नहीं। दोनों में से कोई भी नहीं।
“और लोग तुम्हें नहीं चाहते। वे तुम्हें नहीं चाहते! क्या तुम्हें डर नहीं लगता?”
"नहीं।"
“तुमने एक साल से काम नहीं किया है। और आगे भी नहीं करोगे। तुम्हें काम कौन देगा? शायद कुछ सौ काम बचे हों—और फिर सब खत्म।”
“यह गलत है, पीटर। मेरे पास चौदह डॉलर और सत्तावन सेंट बचे हैं।”
“तो? और मुझे देखो! मुझे परवाह नहीं है कि ऐसा कहना असभ्य है या नहीं।”
बात वो नहीं है। मैं शेखी नहीं मार रहा हूँ। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन कहता है।
लेकिन मुझे देखो! याद है हमने शुरुआत कैसे की थी? फिर अब हमें देखो।
और फिर सोचो कि यह सब तुम्हारे हाथ में है। यह मूर्खतापूर्ण भ्रम छोड़ दो कि तुम बाकी सबसे बेहतर हो—और काम पर लग जाओ। एक सेल में, तुम्हारा दफ्तर इतना आलीशान होगा कि इस कूड़ेदान के बारे में सोचकर तुम्हें शर्म आएगी। लोग तुम्हारे पीछे भागेंगे, तुम्हारे ग्राहक होंगे, तुम्हारे दोस्त होंगे, तुम्हारे पास काम करवाने के लिए कारीगरों की फौज होगी! ... अरे, हॉवर्ड, इससे मुझे क्या लेना-देना?—लेकिन इस बार मैं अपने लिए कुछ नहीं चाहता, बल्कि मुझे पता है कि तुम एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी साबित होगे, लेकिन मुझे तुमसे यह कहना ही होगा। बस सोचो, हॉवर्ड, इसके बारे में! तुम अमीर होगे, तुम मशहूर होगे, तुम्हारा सम्मान होगा, तुम्हारी प्रशंसा होगी, तुम्हारी तारीफ होगी—तुम हममें से एक होगे!

तो? कुछ बोलो! क्यों नहीं बोलते तुम?
उसने देखा कि रोर्क की आँखें खाली और तिरस्कारपूर्ण नहीं थीं, बल्कि चौकस और जिज्ञासु थीं। रोर्क के लिए यह एक प्रकार का आत्मसमर्पण ही था, क्योंकि उसने अपनी आँखों से लोहे की चादर नहीं हटाई थी, क्योंकि उसने अपनी आँखों को उलझन और जिज्ञासा से भर दिया था—और लगभग असहाय भी।
“देखो, पीटर। मुझे तुम पर विश्वास है। मैं जानती हूँ कि ऐसा कहने से तुम्हें कुछ भी लाभ नहीं होगा। मैं इससे भी ज़्यादा जानती हूँ। मैं जानती हूँ कि तुम मुझे सफल नहीं देखना चाहते—कोई बात नहीं, मैं तुम्हें दोष नहीं दे रही, मुझे हमेशा से यही पता था।”
आप नहीं चाहते कि मैं कभी उन चीज़ों तक पहुंचूं जो आप मुझे दे रहे हैं।
और फिर भी आप मुझे पूरी ईमानदारी से उन तक पहुंचने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।
और
आप जानते हैं कि अगर मैं आपकी सलाह मानूँगी, तो मैं उन तक पहुँच जाऊँगी। और यह मेरे लिए प्यार नहीं है, क्योंकि अगर ऐसा होता तो आप इतने गुस्से में और इतने भयभीत नहीं होते... पीटर, मेरे इस हाल में आपको क्या बात परेशान करती है?
“मुझे नहीं पता...” कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा।
वह समझ गया था कि उसका जवाब एक कबूलनामा था, और बेहद भयावह। उसे नहीं पता था कि उसने क्या कबूल किया है और उसे पूरा यकीन था कि रोर्क को भी नहीं पता था। लेकिन सच्चाई सामने आ चुकी थी; वे उसे पूरी तरह समझ नहीं पा रहे थे, पर उसका रूप महसूस कर रहे थे। और इसने उन्हें चुपचाप एक-दूसरे के सामने, हैरानी और निराशा में बैठने पर मजबूर कर दिया।
"खुद को संभालो, पीटर," रोर्क ने एक साथी से नरमी से कहा।
हम उस बारे में फिर कभी बात नहीं करेंगे।
फिर अचानक कीटिंग ने कहा, उनकी आवाज में राहत की झलक थी और नए लहजे की तीखी अश्लीलता झलक रही थी:
“अरे यार, हॉवर्ड, मैं तो बस सीधी-सादी समझदारी की बात कर रहा था। अगर तुम एक सामान्य व्यक्ति की तरह काम करना चाहते हो तो—”
“चुप रहो!” रोर्क ने गुस्से से कहा।
थकान से चूर होकर कीटिंग पीछे झुक गया। उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा था। वह भूल गया था कि वह यहाँ किस बारे में बात करने आया था।
रोर्क ने कहा, "अब आप मुझे प्रतियोगिता के बारे में क्या बताना चाहते थे?"
कीटिंग अचानक आगे की ओर झुक गया। उसे आश्चर्य हुआ कि रोर्क ने ऐसा अनुमान कैसे लगाया। और फिर यह समझना आसान हो गया, क्योंकि आक्रोश की तीव्र लहर में वह बाकी सब कुछ भूल गया।
“ओह, जी हाँ!” कीटिंग ने तीखे स्वर में कहा, उनकी आवाज़ में झुंझलाहट की झलक थी। “हाँ, मैं आपसे इसी बारे में बात करना चाहता था।”
याद दिलाने के लिए धन्यवाद। बेशक, आप समझ ही गए होंगे, क्योंकि आप जानते हैं कि मैं कोई एहसानफ़रामोश नहीं हूँ। मैं वास्तव में आपको धन्यवाद देने आया हूँ, हॉवर्ड। मैं भूला नहीं हूँ कि उस इमारत में आपका भी हिस्सा था, आपने मुझे उस पर कुछ सलाह दी थी। मैं इसका श्रेय आपको देने में सबसे आगे हूँ।
"यह जरूरी नहीं है।"
“ओह, मुझे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मुझे यकीन है कि आप नहीं चाहेंगे कि मैं इसके बारे में कुछ कहूँ। और मुझे यकीन है कि आप खुद भी कुछ नहीं कहना चाहेंगे, क्योंकि आप जानते हैं कि लोग कितने अजीब होते हैं, वे हर बात का गलत मतलब निकाल लेते हैं... लेकिन चूंकि मुझे यह सब पता चल रहा है,
पुरस्कार राशि का कुछ हिस्सा आपको देना उचित होगा, ऐसा मैंने सोचा। मुझे खुशी है कि यह ऐसे समय में मिला है जब आपको इसकी सख्त जरूरत है।

उसने अपना बटुआ निकाला, उसमें से आंग्रेम रूप से तैयार किया हुआ एक चेक निकाला और उसे मेज़ पर रख दिया। उस पर लिखा था: "हावर्ड रोर्क के नाम पर भुगतान करें - पाँच सौ डालर की राशि।"
"धन्यवाद, पीटर," रोर्क ने चेक लेते हुए कहा।
फिर उसने उसे पलट दिया, अपना फाउंटेन पेन लिया और पीछे की तरफ़ लिखा: "पीटर कीटिंग के नाम भुगतान करें," लिखकर चेक पर हस्ताक्षर किए और उसे कीटिंग को सौंप दिया।
“और ये लो मेरी तरफ से तुम्हें रिश्वत, पीटर,” उसने कहा। “इसी मकसद से। ताकि तुम अपना मुंह बंद रखो।”
कीटिंग ने उसे खाली निगाहों से देखा।
“अभी मैं आपको बस इतना ही दे सकता हूँ,” रोर्क ने कहा। “आप अभी मुझसे कुछ भी जबरदस्ती नहीं ले सकते, लेकिन बाद में, जब मेरे पास पैसे होंगे, तो मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि कृपया मुझे ब्लैकमेल न करें। मैं आपको साफ़-साफ़ बता रहा हूँ कि आप ऐसा कर सकते हैं। क्योंकि मैं नहीं चाहता कि किसी को भी पता चले कि उस इमारत से मेरा कोई लेना-देना था।”
कीटिंग के चेहरे पर धीरे-धीरे समझ आने वाले भाव को देखकर वह हंस पड़ा।
“नहीं?” रोर्क ने कहा। “तुम मुझे इस बात पर ब्लैकमेल नहीं करना चाहते?... घर जाओ, पीटर। तुम बिल्कुल सुरक्षित हो। मैं इसके बारे में कभी किसी को कुछ नहीं बताऊंगा। यह सब तुम्हारा है, इमारत, उसका हर एक गर्डर, पाइपलाइन का हर एक टुकड़ा और अखबारों में छपी तुम्हारी हर तस्वीर।”
फिर कीटिंग उछलकर खड़ा हो गया। वह कांप रहा था।
“तुम्हें नरक में जाना चाहिए!” वह चिल्लाया। “तुम्हें नरक में जाना चाहिए! तुम खुद को क्या समझते हो? किसने तुम्हें कहा कि तुम लोगों के साथ ऐसा कर सकते हो? तो क्या तुम उस इमारत के लायक नहीं हो? क्या तुम मुझे शर्मिंदा करना चाहते हो? तुम सड़े हुए, नीच, घमंडी कमीने! तुम कौन हो? तुम्हें यह भी नहीं पता कि तुम नाकाम हो, निकम्मे हो, भिखारी हो, असफल हो, असफल हो, असफल हो! और तुम वहाँ खड़े होकर फैसला सुना रहे हो! तुम, पूरे देश के खिलाफ! तुम सबके खिलाफ!”
मैं तुम्हारी बात क्यों सुनूं? तुम मुझे डरा नहीं सकते। तुम मुझे छू भी नहीं सकते। पूरी दुनिया मेरे साथ है! ... मुझे ऐसे घूरना बंद करो!
मैंने तुम्हें हमेशा से नफरत की है! तुम्हें पता नहीं था, है ना? मैंने तुम्हें हमेशा से नफरत की है! और हमेशा करती रहूंगी! मैं तुम्हें एक दिन तोड़ दूंगी, कसम से, चाहे इसके लिए मुझे कुछ भी करना पड़े!
रोर्क ने कहा, "पीटर, इतना बड़ा विश्वासघात क्यों कर रहे हो?"
कीटिंग की सांस एक दबी हुई कराह के साथ रुक गई। वह एक कुर्सी पर गिर पड़ा, स्थिर बैठा रहा, उसके हाथ कुर्सी के किनारों को कसकर पकड़े हुए थे।
कुछ देर बाद उसने अपना सिर उठाया। उसने भावहीन स्वर में पूछा: "हे भगवान, हावर्ड, मैं क्या बोल रहा था?"
“क्या अब आप ठीक हैं? क्या आप जा सकते हैं?”
“हावर्ड, मुझे माफ़ कर दो। अगर तुम चाहो तो मैं माफ़ी मांग लेता हूँ।” उसकी आवाज़ रूखी और बेजान थी, उसमें कोई विश्वास नहीं था। “मैंने अपना आपा खो दिया था। लगता है मैं बस परेशान हूं। मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। मुझे नहीं पता मैंने ऐसा क्यों कहा। सच कहूं तो, मुझे नहीं पता।”
“अपनी कॉलर ठीक करो। यह खुली हुई है।”
मुझे लगता है कि मैं उस चेक के साथ तुमने जो किया, उससे नाराज़ था। लेकिन मुझे लगता है कि तुम्हें भी बुरा लगा होगा। मुझे माफ़ करना। मैं कभी-कभी ऐसी बेवकूफी

कर बैठता हूँ। मेरा इरादा तुम्हें ठेस पहुँचाने का नहीं था। हम उस चेक को नष्ट कर देंगे।
उसने चेक उठाया, माचिस जलाई, और सावधानी से कागज को जलते हुए देखा जब तक कि उसे आखिरी टुकड़ा भी गिराना नहीं पड़ा।
“हावर्ड, क्या हम इसे भूल जाएंगे?”
"क्या आपको नहीं लगता कि अब आपको चले जाना चाहिए?"
कीटिंग भारी मन से उठा, उसके हाथ कुछ व्यर्थ इशारों में इधर-उधर हिले और वह बुदबुदाया:
“अच्छा... अच्छा, शुभ रात्रि, हॉवर्ड। मैं... मैं तुमसे जल्द ही मिलूंगा... क्योंकि हाल ही में मेरे साथ बहुत कुछ घटित हुआ है... लगता है मुझे आराम की जरूरत है...”
अलविदा, हॉवर्ड....”
जब वह हॉल में कदम रखकर दरवाज़ा बंद कर रहा था, तो कीटिंग को एक ठंडी राहत का एहसास हुआ। वह भारी और बहुत थका हुआ महसूस कर रहा था, लेकिन साथ ही साथ खुद पर पूरा भरोसा भी था। उसे एक बात का ज्ञान हो गया था: वह रोर्क से नफरत करता था। अब संदेह करने, सोचने-विचारने और बेचैनी में छटपटाने की कोई ज़रूरत नहीं थी। बात सीधी-सादी थी। वह रोर्क से नफरत करता था। कारण? कारणों के बारे में सोचने की कोई ज़रूरत नहीं थी। बस नफरत करना ज़रूरी था, अंधाधुंध नफरत करना, धैर्य से नफरत करना, बिना क्रोध के नफरत करना; बस नफरत करना, और किसी भी चीज़ को बीच में न आने देना, और कभी न भूलने देना।
सोमवार की दोपहर देर से फोन की घंटी बजी।
“श्रीमान रोर्क?” वीडलर ने कहा। “क्या आप तुरंत आ सकते हैं? मैं फ़ोन पर कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन तुरंत यहाँ आ जाइए।” आवाज़ स्पष्ट, प्रसन्न और भविष्यसूचक लग रही थी।
रोर्क ने खिड़की से बाहर, दूर स्थित मीनार पर लगी घड़ी को देखा। वह उस घड़ी को देखकर हंसने लगा, मानो किसी पुराने मित्र शत्रु को देखकर हंस रहा हो; उसे अब उसकी ज़रूरत नहीं होगी, उसके पास फिर से अपनी घड़ी होगी। उसने शहर के ऊपर लटके उस फीके, भूरे रंग के डायल को चुनौती देते हुए अपना सिर पीछे की ओर झुकाया।
वह उठा और अपना कोट लेने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने अपने कंधे पीछे किए और कोट पहन लिया; मांसपेशियों में आए खिंचाव से उसे आनंद मिला।
बाहर सड़क पर उसने एक टैक्सी ली, जिसका खर्च वह उठा नहीं सकता था।
बोर्ड के अध्यक्ष अपने कार्यालय में वीडलर और मैनहट्टन बैंक कंपनी के उपाध्यक्ष के साथ उनका इंतज़ार कर रहे थे। कमरे में एक लंबी कॉन्फ्रेंस टेबल थी, जिस पर रोर्क के चित्र फैले हुए थे। वीडलर उनके प्रवेश करते ही उठे और हाथ आगे बढ़ाते हुए उनसे मिलने के लिए आगे बढ़े। उनका हाथ कमरे में गूंज उठा, मानो वीडलर के बोले गए शब्दों की भूमिका हो, और रोर्क को ठीक से याद नहीं था कि उन्होंने उन्हें कब सुना, क्योंकि उन्हें लगा कि उन्होंने उन्हें उसी क्षण सुना था जब वे कमरे में दाखिल हुए थे।
"ठीक है, श्री रोर्क, यह कमीशन आपका है," वीडलर ने कहा।
रोर्क ने सिर झुकाया। कुछ मिनटों के लिए उसकी आवाज़ पर भरोसा न करना ही बेहतर था।
अध्यक्ष ने सौहार्दपूर्ण मुस्कान के साथ उन्हें बैठने का निमंत्रण दिया। रोर्क अपनी रेखाचित्रों वाली मेज़ के किनारे बैठ गए। उनका हाथ मेज़ पर टिका हुआ था। पॉलिश की हुई महोगनी की सतह उनकी उंगलियों के नीचे गर्म और जीवंत महसूस हो रही थी; ऐसा लग रहा था मानो वे अपना हाथ अपनी इमारत की नींव पर रख रहे हों; उनकी सबसे भव्य इमारत, मैनहट्टन के केंद्र में बनने वाली पचास मंजिला इमारत।

अध्यक्ष ने कहा, “मुझे आपको बताना ही होगा कि आपको उस इमारत को लेकर हमारी बहुत लंबी बहस हुई। शुक्र है कि यह सब खत्म हो गया। हमारे कुछ सदस्य आपके क्रांतिकारी नवाचारों को पचा नहीं पा रहे थे। आप जानते ही हैं कि कुछ लोग कितने रूढ़िवादी होते हैं। लेकिन हमने उन्हें मनाने का तरीका ढूंढ लिया और उनकी सहमति प्राप्त कर ली। श्री वीडलर ने आपकी ओर से बहुत ही प्रभावशाली ढंग से अपनी बात मनवाई।”
उन तीनों व्यक्तियों ने और भी बहुत कुछ कहा। रोर्क ने मुश्किल से ही कुछ सुना। वह खुदाई शुरू करने के लिए मशीन द्वारा जमीन में किए गए पहले धंसाव के बारे में सोच रहा था। तभी उसने अध्यक्ष को कहते सुना: "...और इसलिए यह आपका है, एक छोटी सी शर्त पर।" यह सुनकर उसने अध्यक्ष की ओर देखा।
“यह एक छोटा सा समझौता है, और जब आप इस पर सहमत हो जाएंगे तो हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। यह इमारत से जुड़ा एक मामूली मामला है।”
दिखावट। मैं समझता हूँ कि आप जैसे आधुनिकतावादी लोग केवल बाहरी दिखावे को ज़्यादा महत्व नहीं देते, आपके लिए योजना ही मायने रखती है, जो बिल्कुल सही है, और हम आपकी योजना में किसी भी तरह का बदलाव करने के बारे में सोच भी नहीं सकते, इस इमारत को खरीदने के लिए हमें योजना का तर्क ही सबसे ज़्यादा पसंद आया। इसलिए मुझे यकीन है कि आपको कोई आपत्ति नहीं होगी।
"आप क्यों चाहते हैं?"
“यह तो बस इमारत के बाहरी स्वरूप में थोड़ा सा बदलाव करने की बात है। मैं आपको दिखाता हूँ।”
हमारे श्री पार्कर के बेटे वास्तुकला की पढ़ाई कर रहे हैं और हमने उनसे एक मोटा-मोटा खाका तैयार करवाया, ताकि हम अपने विचार को बोर्ड के सदस्यों को दिखा सकें, क्योंकि वे हमारे प्रस्तावित समझौते की कल्पना नहीं कर सकते थे। यह रहा खाका। उसने मेज पर रखे चित्रों के नीचे से एक रेखाचित्र निकाला और उसे रोर्क को सौंप दिया।
रेखाचित्र में रोर्क की इमारत दिखाई दे रही थी, जिसे बहुत ही साफ-सुथरे ढंग से बनाया गया था। यह उनकी ही इमारत थी, लेकिन इसके सामने एक सरलीकृत डोरिक पोर्टिको था, ऊपर एक कॉर्निस थी, और उनके द्वारा बनाए गए अलंकरण को एक शैलीबद्ध ग्रीक अलंकरण से बदल दिया गया था।
रोर्क उठ खड़ा हुआ। उसे खड़ा होना ही था। उसने खड़े होने के प्रयास पर ध्यान केंद्रित किया। इससे आराम करना आसान हो गया। वह एक सीधी बांह पर झुक गया, उसका हाथ मेज के किनारे पर टिका हुआ था, उसकी कलाई की त्वचा के नीचे नसें दिखाई दे रही थीं।
“बात समझ में आई?” अध्यक्ष ने शांत भाव से कहा। “हमारे रूढ़िवादी लोग आपकी जैसी विचित्र और सादी इमारत को स्वीकार करने से साफ इनकार कर रहे हैं। और उनका दावा है कि जनता भी इसे स्वीकार नहीं करेगी। इसलिए हमने बीच का रास्ता निकाला। इस तरह, हालांकि यह पारंपरिक वास्तुकला नहीं है, फिर भी जनता को वही एहसास होगा जिसकी उन्हें आदत है। यह एक प्रकार की सुदृढ़, स्थिर और गरिमापूर्ण छवि प्रदान करता है।”
और यही तो हम एक बैंक में चाहते हैं, है ना? ऐसा लगता है कि यह एक अलिखित नियम है कि एक बैंक में एक क्लासिक पोर्टिको होना चाहिए - और कानून तोड़ने और विद्रोह का प्रदर्शन करने के लिए बैंक कोई उपयुक्त संस्था नहीं है।
इससे भरोसे की वो अमूर्त भावना कमजोर हो जाती है, आप जानते हैं। लोग नई चीजों पर भरोसा नहीं करते। लेकिन यही वो योजना थी जिससे सब खुश हुए।
व्यक्तिगत तौर पर, मैं इस पर ज़ोर नहीं दूंगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे कुछ बिगड़ेगा। और यही बोर्ड का फैसला है। बेशक, हमारा मतलब यह नहीं है कि हम

चाहते हैं कि आप इस स्केच का ही पालन करें। लेकिन इससे आपको हमारा सामान्य विचार मिल जाएगा और आप इसे खुद समझ लेंगे, क्लासिक डिज़ाइन को मुखौटे के अनुसार ढाल लेंगे।
फिर रोर्क ने जवाब दिया। वे लोग उसकी आवाज़ के लहजे को समझ नहीं पाए; वे तय नहीं कर सके कि यह अत्यधिक शांत थी या अत्यधिक भावुक। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि यह शांत थी, क्योंकि आवाज़ बिना किसी तनाव, बिना किसी भाव के, एकसमान प्रवाह में आगे बढ़ रही थी, हर अक्षर मशीन की तरह स्पष्ट अंतराल पर बोला जा रहा था; बस कमरे की हवा वैसी नहीं थी जो शांत आवाज़ पर कंपन पैदा करती हो।
उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि बोलने वाले व्यक्ति के व्यवहार में कुछ भी असामान्य नहीं था, सिवाय इसके कि उसका दाहिना हाथ मेज के किनारे से नहीं हटता था, और जब उसे चित्र हिलाने होते थे, तो वह उन्हें अपने बाएं हाथ से हिलाता था, जैसे कोई व्यक्ति जिसका एक हाथ लकवाग्रस्त हो।
उन्होंने काफी देर तक बात की। उन्होंने समझाया कि इस इमारत के अग्रभाग पर शास्त्रीय शैली का चित्रण क्यों नहीं हो सकता। उन्होंने बताया कि एक ईमानदार इमारत, एक ईमानदार व्यक्ति की तरह, एकरूपता और एक ही आस्था की क्यों होनी चाहिए; किसी भी वस्तु या प्राणी में जीवन का स्रोत, उसका मूल विचार क्या होता है, और क्यों—यदि उसका एक छोटा सा हिस्सा भी उस विचार के साथ विश्वासघात करता है—तो वह वस्तु या प्राणी मृत हो जाता है; और क्यों पृथ्वी पर अच्छाई, श्रेष्ठता और महानता केवल वही है जो अपनी अखंडता बनाए रखती है।
अध्यक्ष ने उन्हें बीच में ही रोक दिया:
“श्री रोर्क, मैं आपसे सहमत हूं। आपकी बात का कोई जवाब नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से, व्यावहारिक जीवन में, कोई हमेशा इतना सटीक और सुसंगत नहीं हो सकता। भावनाओं का मानवीय पहलू हमेशा मौजूद रहता है। हम ठंडे तर्क से इसका मुकाबला नहीं कर सकते। यह चर्चा वास्तव में अनावश्यक है। मैं आपसे सहमत हो सकता हूं, लेकिन मैं आपकी मदद नहीं कर सकता। मामला समाप्त हो चुका है। यह बोर्ड का अंतिम निर्णय था।”
जैसा कि आप जानते हैं, सामान्य से अधिक लंबे विचार-विमर्श के बाद।
"क्या आप मुझे बोर्ड के सामने पेश होने और उनसे बात करने की अनुमति देंगे?"
“मुझे खेद है, श्री रोर्क, लेकिन बोर्ड इस प्रश्न पर आगे कोई बहस नहीं करेगा। यह अंतिम निर्णय है। मैं आपसे केवल यह पूछ सकता हूँ कि क्या आप हमारी शर्तों पर आयोग को स्वीकार करने के लिए सहमत हैं या नहीं। मुझे यह स्वीकार करना होगा कि बोर्ड ने आपके इनकार की संभावना पर विचार किया है। ऐसी स्थिति में, एक अन्य वास्तुकार, गार्डन एल. प्रेस्कॉट का नाम एक विकल्प के रूप में अत्यंत सकारात्मक रूप से सुझाया गया है। लेकिन मैंने बोर्ड को बताया था कि मुझे पूरा विश्वास है कि आप इसे स्वीकार करेंगे।”
वह इंतजार करता रहा। रोर्क ने कुछ नहीं कहा।
“क्या आप स्थिति को समझते हैं, श्री रोर्क?”
“हां,” रोर्क ने कहा। उसकी निगाहें झुकी हुई थीं। वह चित्रों को देख रहा था।
"कुछ?"
रोर्क ने कोई जवाब नहीं दिया।
“हां या ना, श्रीमान रोर्क?”
रोर्क ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं।
“नहीं,” रोर्क ने कहा।
कुछ देर बाद अध्यक्ष ने पूछा:
क्या आपको एहसास है कि आप क्या कर रहे हैं?
“बिल्कुल,” रोर्क ने कहा।

“हे भगवान!” वॉडलर अचानक चिल्लाया। “क्या तुम्हें पता नहीं कि यह कितना बड़ा काम है? तुम अभी जवान हो, तुम्हें ऐसा मौका दोबारा नहीं मिलेगा। और... चलो, मैं कहता ही हूँ! तुम्हें इसकी बहुत ज़रूरत है! मुझे पता है कि तुम्हें इसकी कितनी सख्त ज़रूरत है!”
रोर्क ने मेज से चित्र उठाए, उन्हें एक साथ लपेटा और अपनी बगल में दबा लिया।
“ये तो सरासर पागलपन है!” वॉडलर कराह उठा। “मुझे तुम चाहिए। हमें तुम्हारी इमारत चाहिए। तुम्हें कमीशन की ज़रूरत है। क्या इसके लिए इतना कट्टर और निस्वार्थ होना ज़रूरी है?”
“क्या?” रोर्क ने अविश्वास से पूछा।
“कट्टर और निस्वार्थ।”
रोर्क मुस्कुराया। उसने अपनी ड्रॉइंग्स पर नज़र डाली। उसकी कोहनी थोड़ी हिली, जिससे ड्रॉइंग्स उसके शरीर से दब गईं। उसने कहा:
"यह अब तक का सबसे स्वार्थी काम था जो आपने किसी पुरुष को करते देखा होगा।"
वह वापस अपने दफ्तर लौट गया। उसने अपने ड्राइंग के उपकरण और वहाँ मौजूद कुछ चीज़ें इकट्ठा कीं। उसने उन्हें एक पैकेट में बंद कर दिया और उसे बगल में दबाकर ले गया। उसने दरवाजा बंद किया और चाबी किराये के एजेंट को दे दी। उसने एजेंट को बताया कि वह दफ्तर बंद कर रहा है। वह घर चला गया और पैकेट वहीं छोड़ दिया। फिर वह माइक डोनिगन के घर गया।
“नहीं?” माइक ने उसे एक नजर में देखकर पूछा।
“नहीं,” रोर्क ने कहा।
"क्या हुआ?"
मैं आपको किसी और समय बताऊंगा।
“कमीने!”
"उस बात को भूल जाओ, माइक।"
"अब ऑफिस का क्या हाल है?"
मैंने दफ्तर बंद कर दिया है।
"हमेशा के लिए?"
"उतने समय के लिए।"
“उन सबका नाश हो, रेड! उनका नाश हो!”
"चुप रहो। मुझे नौकरी चाहिए, माइक। क्या तुम मेरी मदद कर सकते हो?"
"मुझे?"
“मैं यहाँ उन व्यवसायों में किसी को नहीं जानता। कोई भी ऐसा नहीं जो मुझे काम पर रखना चाहे। आप उन सभी को जानते हैं।”
“किन सौदों में? आप किस बारे में बात कर रहे हैं?”
“भवन निर्माण के क्षेत्र में। संरचनात्मक कार्य। जैसा कि मैंने पहले भी किया है।”
"आपका मतलब है—एक साधारण मजदूर का काम?"
मेरा मतलब है, एक साधारण मजदूर का काम।
“तुम पागल हो, बिलकुल मूर्ख!”
“छोड़ो माइक। क्या तुम मुझे नौकरी दिलाओगे?”
लेकिन आखिर क्यों? आप किसी आर्किटेक्ट के ऑफिस में अच्छी नौकरी पा सकते हैं। आप जानते हैं कि आप कर सकते हैं।
“मैं ऐसा नहीं करूँगा, माइक। कभी नहीं।”
"क्यों?"
मैं इसे छूना नहीं चाहता। मैं इसे देखना नहीं चाहता। मैं उन्हें वह सब करने में मदद नहीं करना चाहता जो वे कर रहे हैं।
"आपको किसी और क्षेत्र में अच्छी और साफ-सुथरी नौकरी मिल सकती है।"

“मुझे एक अच्छी और साफ़-सुथरी नौकरी के बारे में सोचना पड़ेगा। मैं सोचना नहीं चाहती। उनके तरीके से तो बिल्कुल नहीं। मुझे उनके तरीके से ही काम करना होगा, चाहे मैं कहीं भी जाऊं। मुझे ऐसी नौकरी चाहिए जहां मुझे सोचना न पड़े।”
"वास्तुकार मजदूरों की नौकरियां नहीं छीनते।"
"यह आर्किटेक्ट बस इतना ही कर सकता है।"
आप बहुत कम समय में कुछ भी सीख सकते हैं।
मैं कुछ भी सीखना नहीं चाहता।
"क्या तुम्हारा मतलब है कि तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें यहीं शहर में किसी निर्माण दल में भर्ती करा दूं?"
"मेरा यही मतलब है।"
नहीं, धिक्कार है तुम पर! मैं नहीं कर सकता! मैं नहीं करूँगा! मैं यह नहीं करूँगा!
"क्यों?"
“रेड, क्या तुम इस कस्बे के सारे कमीनों के सामने खुद को तमाशा बना रहे हो? ताकि सारे हरामखोर जान सकें कि उन्होंने तुम्हें इस तरह नीचे गिराया? ताकि वे सब तुम पर गर्व कर सकें?”
रोर्क हँस पड़ा।
“मुझे इसकी कोई परवाह नहीं है, माइक। तुम्हें क्यों होनी चाहिए?”
"ठीक है, मैं तुम्हें ऐसा नहीं करने दूंगा। मैं उन कमीनों को इस तरह का तोहफा नहीं दूंगा।"
रोर्क ने धीमी आवाज़ में कहा, "माइक, मेरे पास करने के लिए और कुछ नहीं है।"
“हां, बिलकुल है। मैंने तुम्हें पहले भी बताया था। अब तुम मेरी बात सुनोगे। मेरे पास तुम्हारे लिए तब तक के सारे पैसे हैं जब तक...”
"मैं तुम्हें वही बताऊंगी जो मैंने ऑस्टेन हेलर को बताया था: अगर तुमने मुझे फिर कभी पैसे की पेशकश की, तो हमारे बीच का रिश्ता खत्म हो जाएगा।"
"लेकिन क्यों?"
"बहस मत करो, माइक।"
"लेकिन..."
मैं आपसे एक बड़ी मदद मांग रहा हूँ। मुझे वह नौकरी चाहिए। आपको मेरे लिए दुख महसूस करने की ज़रूरत नहीं है। मुझे भी नहीं है।
लेकिन... लेकिन तुम्हारा क्या होगा, रेड?
"कहाँ?"
“मेरा मतलब है... तुम्हारा भविष्य?”
मैं पर्याप्त पैसे बचा लूंगा और वापस आ जाऊंगा। या शायद उससे पहले ही कोई मुझे बुला ले।
माइक ने उसकी ओर देखा। उसने रोर्क की आँखों में कुछ ऐसा देखा जिसे वह जानता था कि रोर्क वहां नहीं देखना चाहता था।
“ठीक है, रेड,” माइक ने धीरे से कहा।
उन्होंने काफ़ी देर तक इस बारे में सोचा। उन्होंने कहा:
“सुनो, रेड, मैं तुम्हें शहर में नौकरी नहीं दिलवा सकता। मैं ऐसा कर ही नहीं सकता। इसके बारे में सोचकर ही मेरा जी मिचला जाता है। लेकिन मैं तुम्हें इसी तरह की कोई नौकरी दिलवा दूंगा।”
“ठीक है। कुछ भी हो। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।”
“मैंने उस कमीने फ्रैंकॉन के सारे चहेते ठेकेदारों के लिए इतने लंबे समय तक काम किया है कि मैं उन सभी को जानता हूं जिन्होंने कभी न कभी उसके लिए काम किया है। कनेक्टिकट में उसकी एक ग्रेनाइट की खदान है। वहाँ के एक फोरमैन मेरे बहुत अच्छे

दोस्त हैं। वो अभी शहर में ही हैं। क्या आपने पहले कभी किसी खदान में काम किया है?"
“एक बार। बहुत समय पहले।”
"क्या आपको यह पसंद आएगा?"
"ज़रूर।"
मैं उससे मिलने जाऊंगा। हम उसे यह नहीं बताएंगे कि तुम कौन हो, बस इतना ही कि तुम मेरे दोस्त हो।
"धन्यवाद, माइक।"
माइक ने अपना कोट उठाने के लिए हाथ बढ़ाया, फिर उसके हाथ वापस गिर गए और उसने फर्श की ओर देखा।
"लाल..."
सब ठीक हो जाएगा, माइक।
रोर्क घर की ओर चल पड़ा। अंधेरा हो चुका था और सड़क सुनसान थी।
तेज़ हवा चल रही थी। उसे ठंडी, सीटी जैसी हवा का झोंका अपने गालों पर महसूस हो रहा था। हवा के इस तेज़ बहाव का यही एकमात्र सबूत था।
उसके चारों ओर पत्थर के गलियारे में कुछ भी हिल नहीं रहा था। न कोई पेड़ हिल रहा था, न पर्दे, न छतरियाँ; बस पत्थर, कांच, डामर और नुकीले कोनों के नंगे ढेर थे। अपने चेहरे पर उस तीव्र हलचल को महसूस करना अजीब था। लेकिन एक कोने में कूड़ेदान में अखबार का एक मुड़ा हुआ पन्ना सरसरा रहा था, तार की जाली से ज़ोर से टकरा रहा था। इससे हवा का एहसास वास्तविक हो गया।
दो दिन बाद, शाम को रोर्क कनेक्टिकट के लिए रवाना हो गया।
ट्रेन से उतरते हुए, उसने एक बार पीछे मुड़कर शहर के क्षितिज को देखा जो आँखों के सामने से गुज़रा और कुछ क्षणों के लिए खिड़कियों के पार ठहर गया। गोधूलि बेला में इमारतों की बारीकियाँ धुंधली पड़ गई थीं।
वे कोमल, चीनी मिट्टी के नीले रंग की पतली किरणों के रूप में उठे, एक ऐसा रंग जो वास्तविक वस्तुओं का नहीं, बल्कि शाम और दूरी का प्रतीक था। वे खाली सांचों की तरह उभरे, मानो भरने की प्रतीक्षा में हों। दूरी ने शहर को चपटा कर दिया था।
वे अकेले स्तंभ असीम ऊंचाई पर खड़े थे, पृथ्वी के बाकी हिस्सों के मुकाबले कहीं अधिक विशाल। वे अपनी ही एक अलग दुनिया थे, और वे आकाश के सामने मनुष्य की कल्पना और उसकी उपलब्धियों का प्रमाण प्रस्तुत कर रहे थे। वे खोखले ढाँचे थे।
लेकिन मनुष्य इतनी दूर आ चुका था; वह और भी आगे जा सकता था।
आकाश के किनारे बसे उस शहर में एक सवाल और एक वादा छिपा था।
एक मशहूर टावर की चोटी के पास, स्टार रूफ रेस्टोरेंट की खिड़कियों में, रोशनी की छोटी-छोटी किरणें चमक उठीं। फिर ट्रेन एक मोड़ पर मुड़ी और शहर ओझल हो गया।
उस शाम, स्टार रूफ रेस्टोरेंट के भोज कक्ष में, पीटर कीटिंग को उस फर्म में भागीदार के रूप में शामिल किए जाने का जश्न मनाने के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जिसे अब से फ्रैंकन एंड कीटिंग के नाम से जाना जाएगा।
उस लंबी मेज पर, जो मानो मेज़पोश से नहीं, बल्कि प्रकाश की चादर से ढकी हुई प्रतीत हो रही थी, गाइ फ्रैंकन बैठे थे। आज रात, उन्हें अपने कनपटी पर दिख रही चाँदी जैसी लकीरों से कोई आपत्ति नहीं थी; वे उनके काले बालों के बीच चमक रही थीं और उन्हें एक ऐसी पवित्रता और शालीनता प्रदान कर रही थीं, जैसे उनकी काली शाम की पोशाक के बीच उनकी सफेद कमीज का कड़ा रंग। सम्मान के स्थान पर पीटर कीटिंग बैठे थे।
वह कंधे सीधे करके पीछे की ओर झुक गया, उसका हाथ गिलास के डंठल पर टिका हुआ था। उसके काले घुंघराले बाल उसके सफेद माथे पर चमक रहे थे।

उस एक पल की खामोशी में, मेहमानों के मन में न ईर्ष्या थी, न नाराजगी, न द्वेष। कमरे में भाईचारे की एक गंभीर भावना व्याप्त थी, उस गोरे, सुंदर लड़के की उपस्थिति में जो अपने पहले कम्युनियन के समय की तरह गंभीर दिख रहा था। राल्स्टन होल्कोम्बे बोलने के लिए उठे। वे खड़े हुए, उनके हाथ में गिलास था। उन्होंने अपना भाषण तैयार किया था, लेकिन खुद को कुछ बिल्कुल अलग कहते हुए सुनकर वे चकित रह गए, पूरी ईमानदारी भरी आवाज में। उन्होंने कहा:
हम एक महान मानवीय कर्तव्य के संरक्षक हैं। शायद मानव प्रयासों में सबसे महान् कर्तव्य के। हमने बहुत कुछ हासिल किया है और हमसे कई बार गलतियाँ भी हुई हैं। लेकिन हम पूरी विनम्रता के साथ अपने उत्तराधिकारियों के लिए रास्ता बनाने को तैयार हैं। हम केवल मनुष्य हैं और केवल खोजी हैं।
लेकिन हम अपने दिल में मौजूद सर्वोत्तम भावनाओं के साथ सत्य की खोज करते हैं। हम उस उदात्तता के साथ खोज करते हैं जो मानव जाति को प्रदान की गई है। यह एक महान खोज है। अमेरिकी वास्तुकला के भविष्य के लिए!
भाग 2
एल्सवर्थ एम. टूहे
मैं
उसने अपनी मुट्ठियाँ कसकर बंद कर लीं, मानो उसकी त्वचा
अपने पैरों को स्थिर रखने के लिए, सपाट चट्टान पर मजबूती से दबाए रखने के लिए, उसके हाथ में पकड़ी हुई स्टील की छड़ें उसकी हथेलियों पर तेजी से कस गई थीं—ताकि वह अपने शरीर के अस्तित्व को महसूस न कर सके, बल्कि केवल तनाव के कुछ गुच्छों को महसूस कर सके: उसके घुटने, उसकी कलाई, उसके कंधे और उसके हाथ में पकड़ी हुई ड्रिल—ड्रिल को एक लंबे, ऐंठन भरे कंपन में कांपते हुए महसूस करना—अपने पेट को कांपते हुए, अपने फेफड़ों को कांपते हुए महसूस करना, उसके सामने पत्थर की सीधी रेखाओं को कांपती हुई टेढ़ी-मेढ़ी लकीरों में घुलते हुए महसूस करना—ड्रिल और अपने शरीर को दबाव की एक ही इच्छा में सिमटते हुए महसूस करना, ताकि स्टील का एक शाफ्ट धीरे-धीरे ग्रेनाइट में धंस सके—यही हॉवर्ड रोर्क के लिए जीवन था, जैसा कि पिछले दो महीनों में था।
वह धूप में तपते पत्थर पर खड़ा था। उसका चेहरा झुलसकर कांसे जैसा हो गया था। उसकी कमीज़ गीले धब्बों के रूप में उसकी पीठ से चिपकी हुई थी। उसके चारों ओर पत्थर की खदान सपाट पट्टियों की तरह फैली हुई थी, जो एक-दूसरे से टकराती हुई ऊपर उठ रही थीं। यह एक ऐसी दुनिया थी जहाँ न तो कोई वक्रता थी, न घास, न मिट्टी, पत्थरों के समतल, नुकीले किनारों और कोणों की एक सरल दुनिया। यह पत्थर सदियों से हवाओं और ज्वार-भाटे के जमाव से नहीं बना था; यह अज्ञात गहराई पर धीरे-धीरे ठंडे होते पिघले हुए पदार्थ से आया था; इसे फेंका गया था, धरती से बाहर निकाला गया था, और अभी भी इस पर खड़े लोगों की हिंसा के खिलाफ हिंसा का रूप धारण किए हुए था।
सीधी सतहें हर कट की ताकत की गवाह थीं; हर प्रहार की शक्ति एक सीधी रेखा में थी; पत्थर अटूट प्रतिरोध के बावजूद टूट गया था। ड्रिल मशीनें धीमी, निरंतर गूंज के साथ आगे बढ़ती रहीं, ध्वनि का तनाव नसों और दिमाग को चीरता हुआ सा लग रहा था, मानो कांपते हुए औज़ार धीरे-धीरे पत्थर और उन्हें पकड़े हुए आदमियों दोनों को चकनाचूर कर रहे हों।
उन्हें काम पसंद था। कभी-कभी उन्हें ऐसा लगता था मानो उनकी मांसपेशियां और ग्रेनाइट के बीच कुश्ती चल रही हो। रात को वे बहुत थक जाते थे। उन्हें अपने शरीर की थकान से उत्पन्न खालीपन अच्छा लगता था।
हर शाम वह खदान से दो मील चलकर उस छोटे से कस्बे तक जाता था जहाँ मजदूर रहते थे। जंगल की ज़मीन उसके पैरों के नीचे नरम और गर्म होती थी; दिनभर की

मेहनत के बाद यह अजीब लगता था।
ग्रेनाइट की चोटियों पर; वह हर शाम एक नए आनंद की तरह मुस्कुराता था और नीचे अपने पैरों को उस सतह को कुचलते हुए देखता था जो प्रतिक्रिया करती थी, धंसती थी और अपने पीछे धुंधले निशान छोड़ने देती थी।
जिस घर में वह रहता था, उसके अटारी वाले कमरे में एक बाथरूम था; फर्श का रंग बहुत पहले ही उखड़ चुका था और लकड़ी के तख्ते धूसर-सफेद रंग के हो गए थे। वह काफी देर तक टब में लेटा रहा और ठंडे पानी को अपनी त्वचा से पत्थर की धूल साफ करने दिया। उसने अपना सिर टब के किनारे पर टिका दिया, आँखें बंद कर लीं। थकान की तीव्रता ही अपने आप में एक राहत थी: इससे उसे मांसपेशियों से तनाव के धीरे-धीरे कम होने के सुख के अलावा कोई और अनुभूति नहीं हो रही थी।
उसने अपना खाना रसोई में, अन्य खदान श्रमिकों के साथ खाया। वह एक कोने में मेज पर अकेला बैठा था; विशाल गैस चूल्हे पर लगातार चटकती हुई चिकनाई की गंध ने कमरे के बाकी हिस्से को एक चिपचिपी धुंध में ढक रखा था। उसने थोड़ा सा खाया। उसने खूब सारा पानी पिया; साफ गिलास में ठंडा, चमकीला तरल पदार्थ उसे मदहोश कर रहा था।
वह छत के नीचे बने एक छोटे से लकड़ी के घनाकार कमरे में सोता था। छत की तख्तियाँ उसके बिस्तर के ऊपर झुकी हुई थीं। जब बारिश होती थी, तो उसे छत पर हर बूंद की आवाज़ सुनाई देती थी, और उसे यह समझने में काफ़ी मशक्कत करनी पड़ती थी कि उसे अपने शरीर पर बारिश की बूंदें क्यों महसूस नहीं हो रही थीं।
कभी-कभी, रात के खाने के बाद, वह घर के पीछे से शुरू होने वाले जंगल में चला जाता। वह पेट के बल ज़मीन पर लेट जाता, कोहनियाँ आगे टिकाए, हाथों से ठुड्डी को सहारा देता, और अपने चेहरे के नीचे हरी घास की नसों के पैटर्न को देखता; वह उन पर फूंकता और घास को काँपते हुए फिर रुकते देखता। वह पीठ के बल लेट जाता और ज़मीन की गर्माहट महसूस करता। ऊपर आसमान में पत्ते अभी भी हरे थे, लेकिन वह एक गाढ़ा, दबा हुआ हरा रंग था, मानो शाम ढलने से पहले रंग को आखिरी बार संघनित किया गया हो। चमकीले नींबू पीले आसमान के सामने पत्ते बिना हिले-डुले लटके हुए थे; उसकी हल्की पीली चमक इस बात को ज़ोर दे रही थी कि उसका प्रकाश कम हो रहा है। उसने अपने कूल्हों और पीठ को ज़मीन पर दबाया; ज़मीन ने विरोध किया, लेकिन फिर भी रास्ता दे दिया; यह एक मौन विजय थी; उसे अपनी टांगों की मांसपेशियों में एक धुंधला, कामुक आनंद महसूस हुआ।
कभी-कभी, हालांकि अक्सर नहीं, वह उठकर बैठ जाता और काफ़ी देर तक हिलता-डुलता नहीं; फिर वह मुस्कुराता, एक जल्लाद की धीमी मुस्कान जो किसी शिकार को देख रहा हो।
वह अपने बीतते दिनों के बारे में सोचने लगा, उन इमारतों के बारे में जो वह बना सकता था, बनानी चाहिए थीं और शायद जो वह कभी नहीं बना पाएगा।
फिर से। वह दर्द के अचानक प्रकट होने को एक ठंडी, उदासीन जिज्ञासा से देखता रहा; उसने मन ही मन कहा: चलो, यह फिर आ गया। वह यह देखने के लिए इंतजार करता रहा कि यह कब तक चलेगा। इससे लड़ते हुए उसे एक अजीब, कठोर आनंद मिलता था, और वह भूल सकता था कि यह उसकी अपनी पीड़ा है; वह तिरस्कार भरी मुस्कान दे सकता था, यह जाने बिना कि वह अपनी ही पीड़ा पर मुस्कुरा रहा है। ऐसे क्षण दुर्लभ थे। लेकिन जब वे आते, तो उसे ऐसा महसूस होता जैसे वह खदान में हो: जैसे उसे ग्रेनाइट में छेद करना हो, जैसे उसे एक कील ठोकनी हो और अपने भीतर की उस चीज को विस्फोटित करना हो जो लगातार उसकी दया की गुहार लगा रही हो।
उस गर्मी के मौसम में डोमिनिक फ्रेंकन अपने पिता की जागीर के विशाल औपनिवेशिक हवेली में अकेली रहती थी, जो खदान वाले शहर से तीन मील दूर स्थित थी।

उसके पास कोई मिलने नहीं आता था। एक बूढ़ा चौकीदार और उसकी पत्नी ही वे लोग थे जिनसे वह कभी-कभार और केवल जरूरत पड़ने पर ही मिलती थी; वे हवेली से कुछ दूरी पर, अस्तबल के पास रहते थे; चौकीदार मैदान और घोड़ों की देखभाल करता था; उसकी पत्नी घर की देखभाल करती थी और डोमिनिक के लिए खाना बनाती थी।
भोजन उसी शालीनता और गंभीरता के साथ परोसा गया जो उस बूढ़ी औरत ने उन दिनों में सीखी थी जब डोमिनिक की माँ उस विशाल भोजन कक्ष में रहती थीं और मेहमानों की देखरेख करती थीं। रात में डोमिनिक को मेज पर अपनी एकांत जगह मिली, जो किसी औपचारिक भोज की तरह सजी हुई थी, मोमबत्तियाँ जल रही थीं, पीली लौ की लपटें सम्मान के रक्षकों के चमकते धातु के भालों की तरह स्थिर खड़ी थीं। अंधेरा कमरे को एक हॉल में फैला रहा था, बड़ी खिड़कियाँ पहरेदारों के एक सपाट स्तंभों की तरह ऊपर उठी हुई थीं। लंबी मेज के बीच में प्रकाश के एक घेरे में एक उथला क्रिस्टल का कटोरा रखा था, जिसमें एक अकेला कमल मोमबत्ती की लौ की एक बूंद की तरह पीले दिल के चारों ओर सफेद पंखुड़ियाँ फैलाए हुए था।
बुजुर्ग महिला ने चुपचाप और बिना किसी को देखे दिए खाना परोसा और खाना खाने के बाद जितनी जल्दी हो सके घर से चली गई। जब डोमिनिक सीढ़ियों से चढ़कर अपने बेडरूम में गई, तो उसने देखा कि उसकी नाइटगाउन की नाजुक लेस की तहें बिस्तर पर बिछी हुई थीं। सुबह जब वह अपने बाथरूम में गई, तो उसने देखा कि बाथटब में पानी भरा हुआ था, बाथ सॉल्ट की महक जलकुंभी जैसी थी, नीले रंग की टाइलें पॉलिश की हुई थीं, उसके पैरों के नीचे चमक रही थीं, बड़े-बड़े तौलिए बर्फ के ढेर की तरह फैले हुए थे मानो उसके शरीर को ढक रहे हों—फिर भी उसे घर में किसी के कदमों की आहट नहीं सुनाई दी और न ही किसी के होने का एहसास हुआ। बुजुर्ग महिला का डोमिनिक के प्रति व्यवहार
वह उसी आदर और सावधानी से काम लेती थी, जिस सावधानी से वह ड्राइंग रूम की अलमारियों में रखे वेनिस के कांच के टुकड़ों को संभालती थी।
डोमिनिक ने अनगिनत गर्मियाँ और सर्दियाँ लोगों से घिरे रहकर अकेलेपन का एहसास पाने में बिताई थीं, इसलिए वास्तविक एकांत का अनुभव उसके लिए एक जादू जैसा था और साथ ही एक ऐसी कमजोरी का सामना करने जैसा भी, जिसे उसने कभी खुद को स्वीकार नहीं करने दिया था: एकांत का आनंद लेने की कमजोरी। उसने अपनी बाहें फैलाईं और आलस से उन्हें नीचे गिरा दिया, कोहनियों के ऊपर एक मीठा, मदहोश कर देने वाला भारीपन महसूस किया, जैसे पहली ड्रिंक के बाद होता है। उसे अपने गर्मियों के कपड़ों का एहसास था, उसे अपने घुटने और जांघें हिलने पर कपड़े के हल्के प्रतिरोध का अनुभव कर रही थीं, और इससे उसे कपड़े का नहीं, बल्कि अपने घुटनों और जांघों का एहसास हो रहा था।
घर विशाल मैदानों के बीच अकेला खड़ा था, और दूर-दूर तक जंगल फैला हुआ था; मीलों तक कोई पड़ोसी नहीं था। वह घोड़े पर सवार होकर लंबी, सुनसान सड़कों पर, छिपे हुए रास्तों पर चल पड़ी, जो कहीं नहीं जाते थे। धूप में पत्तियाँ चमक रही थीं और हवा में टहनियाँ टूट रही थीं। कभी-कभी उसे अचानक यह आभास होता था कि सड़क के अगले मोड़ पर कुछ भव्य और घातक उसका सामना करेगा; वह यह नहीं बता सकती थी कि वह क्या उम्मीद कर रही थी, वह यह नहीं कह सकती थी कि यह कोई दृश्य था, कोई व्यक्ति था या कोई घटना; वह केवल उसकी प्रकृति को जानती थी—एक अपवित्र आनंद की अनुभूति।
कभी-कभी वह घर से पैदल ही निकल पड़ती और मीलों तक चलती रहती, बिना किसी लक्ष्य या वापसी के समय की चिंता किए। सड़क पर गाड़ियाँ उसे पीछे छोड़ देतीं; पत्थर की खदानों वाले कस्बे के लोग उसे जानते और उसके सामने झुकते; उसे ग्रामीण इलाके की संभ्रांत माना जाता था, जैसे उसकी माँ को बहुत पहले माना जाता था। वह

सड़क से हटकर जंगल में चली गई और चलती रही, उसकी बाहें बेफ़िक्र होकर झूल रही थीं, सिर पीछे की ओर झुका हुआ था, वह पेड़ों की चोटियों को देख रही थी। उसने पत्तों के पीछे बादलों को तैरते देखा; ऐसा लग रहा था मानो उसके सामने एक विशाल पेड़ हिल रहा हो, झुक रहा हो, गिरने और उसे कुचलने के लिए तैयार हो; वह रुक गई, वह इंतजार करती रही, सिर पीछे की ओर झुका हुआ, गला सूख गया; उसे ऐसा लगा जैसे वह कुचल जाना चाहती हो। फिर उसने कंधे उचकाए और आगे बढ़ गई। उसने मोटी शाखाओं को अधीरता से अपने रास्ते से हटाया और उन्हें अपनी नंगी बाहों पर खरोंचने दिया। वह थक जाने के बाद भी चलती रही, उसने अपनी मांसपेशियों की थकान के बावजूद खुद को आगे बढ़ाया। फिर वह अपनी पीठ के बल गिर पड़ी और स्थिर हो गई, उसकी बाहें और पैर जमीन पर एक क्रॉस की तरह फैले हुए थे।
राहत की साँस लेते हुए, अंदर से खाली और पिचका हुआ महसूस करते हुए, हवा का भार अपने स्तनों पर दबाव की तरह महसूस करते हुए।
कुछ सुबह जब वह अपने शयनकक्ष में जागती, तो उसे ग्रेनाइट की खदान में विस्फोटों की आवाज सुनाई देती। वह अंगड़ाई लेती, अपनी बाहों को सफेद रेशमी तकिए पर सिर के ऊपर फैलाकर सुनती। यह विनाश की आवाज थी और उसे यह अच्छी लगती थी।
उस सुबह सूरज बहुत तेज था, और वह जानती थी कि ग्रेनाइट की खदान में और भी ज़्यादा गर्मी होगी। डोमिनिक किसी से मिलना नहीं चाहती थी और जानती थी कि उसे मज़दूरों के एक समूह का सामना करना पड़ेगा, इसलिए वह पैदल ही खदान तक गई। उस चिलचिलाती धूप में उसे देखने का ख्याल ही उसे घृणास्पद लग रहा था; उसे इस संभावना से रोमांच हो रहा था।
जब वह जंगल से निकलकर विशाल पत्थर के कटोरे के किनारे पहुँची, तो उसे ऐसा लगा जैसे उसे खौलती भाप से भरे किसी मृत्युदंड कक्ष में धकेल दिया गया हो। गर्मी सूरज से नहीं, बल्कि धरती में बने उस टूटे हुए छेद से, सपाट टीलों के परावर्तकों से आ रही थी। उसके कंधे, सिर और पीठ, जो आकाश की ओर खुले थे, ठंडे लग रहे थे, जबकि उसे पत्थर की गर्म साँसें अपनी टांगों से होते हुए ठुड्डी और नाक तक पहुँचती महसूस हो रही थीं। नीचे हवा काँप रही थी, ग्रेनाइट से आँख की चिंगारियाँ निकल रही थीं; उसे लगा जैसे पत्थर हिल रहा हो, पिघल रहा हो, लावा की सफेद धाराओं में बह रहा हो। ड्रिल और हथौड़ों की आवाज़ें हवा के स्थिर भार को चीर रही थीं। भट्टी की अलमारियों पर पुरुषों को देखना घिनौना था। वे मज़दूर जैसे नहीं लग रहे थे, वे किसी अकल्पनीय अपराध के लिए असहनीय प्रायश्चित कर रहे कैदियों के समूह जैसे लग रहे थे। वह मुँह नहीं मोड़ सकी।
वह नीचे के वातावरण का अपमान करते हुए खड़ी थी। उसकी पोशाक—पानी के रंग की, हल्की हरी-नीली, बेहद सादी और महँगी, जिसकी सिलवटें क्रांच के किनारों की तरह सटीक थीं—पत्थरों पर दूर-दूर टिकी उसकी पतली एड़ियाँ, उसके चिकने बालों का गुच्छा, आकाश के सामने उसके शरीर की अतिरंजित कोमलता—उन बगीचों और ड्राइंग रूमों की नज़ाकत भरी शीतलता को चुनौती दे रही थी जहाँ से वह आई थी।
उसने नीचे देखा। उसकी नजर एक आदमी के नारंगी बालों पर आकर रुक गई, जिसने अपना सिर उठाकर उसकी ओर देखा।
वह एकदम स्थिर खड़ी रही, क्योंकि उसकी पहली अनुभूति दृष्टि की नहीं, बल्कि स्पर्श की थी: उसे किसी दृश्य उपस्थिति का नहीं, बल्कि चेहरे पर थप्पड़ का एहसास हुआ था। उसने अपना एक हाथ अजीब तरह से अपने शरीर से दूर रखा हुआ था।
उसकी उंगलियां हवा में इस तरह फैली हुई थीं मानो किसी दीवार के सहारे हों। वह जानती थी कि जब तक वह उसे अनुमति नहीं देगा, तब तक वह हिल नहीं सकती।
उसने उसका मुख देखा और उसके मुख के आकार में छिपी मौन घृणा; उसके दुबले-पतले, पिचके गाल; उसकी आँखों की ठंडी, शुद्ध चमक, जिसमें दया का कोई अंश नहीं

था। वह जानती थी कि यह अब तक का सबसे सुंदर चेहरा था, क्योंकि यह शक्ति का साकार रूप था। उसे क्रोध, विरोध, प्रतिरोध और आनंद का एक तीव्र आवेग महसूस हुआ। वह उसकी ओर देख रहा था; यह महज़ एक नज़र नहीं, बल्कि उस पर अधिकार जताने का भाव था। उसने सोचा कि उसे अपने चेहरे से ही उसे वह जवाब दे देना चाहिए जिसका वह हकदार था। लेकिन इसके बजाय, वह उसकी जली हुई बाहों पर जमी पत्थर की धूल, उसकी पसलियों से चिपकी गीली कमीज़ और उसके लंबे पैरों की रेखाओं को देख रही थी। वह उन पुरुषों की मूर्तियों के बारे में सोच रही थी जिन्हें वह हमेशा से खोजती रही थी; वह सोच रही थी कि नग्न अवस्था में वह कैसा दिखेगा। उसने देखा कि वह उसे ऐसे देख रहा था मानो वह यह जानता हो। उसने सोचा कि उसे जीवन का एक उद्देश्य मिल गया है—उस आदमी के लिए अचानक, तीव्र घृणा।
सबसे पहले वही हिली। वह मुड़ी और उससे दूर चली गई। उसने आगे रास्ते पर खदान के अधीक्षक को देखा और हाथ हिलाकर अभिवादन किया। अधीक्षक उससे मिलने के लिए दौड़ा। "अरे, मिस फ्रैंकन!" उसने पुकारा। "अरे, आप कैसी हैं, मिस फ्रैंकन!" उसे उम्मीद थी कि नीचे खड़े आदमी ने ये शब्द सुन लिए होंगे। अपने जीवन में पहली बार, उसे मिस फ्रैंकन होने पर खुशी थी, अपने पिता के पद और संपत्ति पर खुशी थी, जिनसे वह हमेशा घृणा करती थी।
उसे अचानक ख्याल आया कि नीचे खड़ा आदमी तो सिर्फ एक आम मजदूर है, जो इस जगह के मालिक की संपत्ति है, और वह खुद भी लगभग इस जगह की मालिक है। अधीक्षक उनके सामने आदरपूर्वक खड़ी थीं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा:
"मुझे लगता है कि एक दिन मुझे यह खदान विरासत में मिलेगी, इसलिए मैंने सोचा कि मुझे समय-समय पर इसमें थोड़ी दिलचस्पी दिखानी चाहिए।"
अधीक्षक उसके आगे-आगे रास्ते पर चले, उसे अपना इलाका दिखाया और काम समझाया। वह उनके पीछे-पीछे खदान के दूसरी तरफ़ तक गई; वह धूल भरी हरी-भरी झोपड़ियों की घाटी में उतरी; उसने हैरान कर देने वाली मशीनों का निरीक्षण किया। उसने पर्याप्त समय बीतने दिया। फिर वह अकेले ही ग्रेनाइट के कटोरे के किनारे से नीचे लौट आई।
पास आते ही उसने उसे दूर से देखा। वह काम कर रहा था।
उसने उसके चेहरे पर गिरे लाल बालों की एक लट देखी जो ड्रिल की कंपन के साथ हिल रही थी। उसने उम्मीद से सोचा कि ड्रिल की कंपन से उसे दर्द हो रहा होगा, उसके शरीर को, उसके शरीर के भीतर हर चीज को।
जब वह उसके ऊपर चट्टानों पर थी, तो उसने अपना सिर उठाया और उसकी ओर देखा; उसने उसे आते हुए नहीं देखा था; उसने ऊपर ऐसे देखा मानो उसे उसके वहाँ होने की उम्मीद हो, मानो वह जानता हो कि वह वापस आएगी। उसने एक हल्की सी मुस्कान देखी, जो शब्दों से कहीं अधिक अपमानजनक थी। उसने सीधे उसकी ओर देखने का दुस्साहस बनाए रखा, वह हिला नहीं, उसने मुँह फेरने की छूट नहीं दी—यह स्वीकार करने की कि उसे उसे इस तरह देखने का कोई अधिकार नहीं है। उसने न केवल वह अधिकार छीना था, बल्कि वह मौन रूप से कह रहा था कि यह अधिकार उसे उसी ने दिया है।
वह अचानक मुड़ी और चट्टानी ढलान पर, खदान से दूर, आगे बढ़ गई।
उसे उसकी आँखें या मुँह याद नहीं थे, बल्कि उसके हाथ याद थे। उस दिन का अर्थ उसकी आँखों में बसी एक तस्वीर में समाया हुआ प्रतीत होता था: ग्रेनाइट पर टिका उसका एक हाथ।
उसने उसे फिर से देखा: उसकी उंगलियों के सिरे पत्थर पर दबे हुए थे, उसकी लंबी उंगलियां उसकी कलाई से लेकर पोर तक फैली हुई नसों की सीधी रेखाओं को आगे बढ़ा रही थीं। उसने उसके बारे में सोचा, लेकिन उसके सभी विचारों में बस ग्रेनाइट पर बने उस हाथ की छवि ही छाई हुई थी।

इससे वह डर गई; उसे यह बात समझ नहीं आई।
वह तो बस एक आम मज़दूर है, उसने सोचा, एक मज़दूर जो कैदी का काम कर रहा है।
वह अपनी ड्रेसिंग टेबल के कांच के शेल्फ के सामने बैठी यही सोच रही थी। उसने अपने सामने फैले क्रिस्टल के सामानों को देखा; वे बर्फ की मूर्तियों की तरह थे—वे उसकी अपनी ठंडी, विलासितापूर्ण कमज़ोरी को दर्शा रहे थे; और उसने उसके तनावग्रस्त शरीर, धूल और पसीने से भीगे कपड़ों और हाथों के बारे में सोचा। उसने इस अंतर पर ज़ोर दिया, क्योंकि यह उसे नीचा दिखा रहा था। वह पीछे झुक गई, आँखें बंद कर लीं। उसने उन कई प्रतिष्ठित पुरुषों के बारे में सोचा जिन्हें उसने ठुकरा दिया था। उसने खदान के मज़दूर के बारे में सोचा। उसने टूटने के बारे में सोचा—किसी ऐसे आदमी से नहीं जिसकी वह प्रशंसा करती थी, बल्कि एक ऐसे आदमी से जिससे वह घृणा करती थी। उसने अपना सिर अपनी बांह पर टिका दिया; इस विचार ने उसे आनंद से कमज़ोर कर दिया।
दो दिनों तक उसने खुद को यह यकीन दिलाया कि वह इस जगह से भाग निकलेगी; उसने अपने ट्रंक में पुराने यात्रा दस्तावेज़ ढूंढे, उनका अध्ययन किया, रिसॉर्ट, होटल और उस होटल में अपना कमरा चुना, ट्रेन, नाव और केबिन का नंबर भी तय किया। उसे ऐसा करने में एक अजीब सा आनंद आ रहा था, क्योंकि वह जानती थी कि वह अपनी मनचाही यात्रा नहीं कर पाएगी; वह वापस खदान में ही जाएगी।
वह तीन दिन बाद फिर से पत्थर की खदान में गई। वह उस चट्टान के किनारे पर रुक गई जहाँ वह काम करता था और खुलेआम उसे देखती रही।
जब उसने अपना सिर उठाया, तो वह मुँह नहीं मोड़ पाई। उसकी नज़र ने उसे बता दिया कि वह अपने इस काम का मतलब जानती है, लेकिन उसे छुपाने के लिए उसमें सम्मान की कमी थी। उसकी नज़र ने उसे बस इतना बताया कि उसे उसके आने की उम्मीद थी। वह अपनी ड्रिल मशीन पर झुका और अपना काम जारी रखा। वह इंतज़ार करती रही। वह चाहती थी कि वह ऊपर देखे। वह जानती थी कि वह यह जानता है। लेकिन वह दोबारा नहीं देखेगा।
वह खड़ी होकर उसके हाथों को देखती रही, उस पल का इंतज़ार करती रही जब वह पत्थर को छुएगा। वह ड्रिल और डायनामाइट के बारे में भूल गई। उसे यह सोचना अच्छा लगता था कि ग्रेनाइट उसके हाथों से टूट रहा है।
उसने अधीक्षक को उसका नाम पुकारते हुए सुना, जो रास्ते से उसकी ओर तेज़ी से आ रहा था। जब वह पास आया तो वह उसकी ओर मुड़ी।
उन्होंने बताया, "मुझे पुरुषों को काम करते देखना अच्छा लगता है।"
“हाँ, कितना शानदार नज़ारा है, है ना?” अधीक्षक ने सहमति जताते हुए कहा। “वहाँ एक और माल लेकर ट्रेन रवाना हो रही है।”
वह ट्रेन पर ध्यान नहीं दे रही थी। उसने नीचे खड़े आदमी को अपनी ओर देखते हुए देखा, उसकी आँखों में शरारती मुस्कान थी जिससे उसे पता चल गया कि वह नहीं चाहती कि वह अभी उसे देखे। उसने अपना सिर दूसरी ओर घुमा लिया।
अधीक्षक की निगाहें गड्ढे पर घूमीं और नीचे खड़े आदमी पर आकर रुक गईं।
“अरे, नीचे खड़े तुम!” उसने चिल्लाकर कहा। “तुम्हें काम करने के लिए पैसे मिलते हैं या घूरने के लिए?”
वह आदमी चुपचाप अपनी ड्रिल मशीन पर झुका हुआ था। डोमिनिक जोर से हंस पड़ी।
अधीक्षक ने कहा: "यहां हमारे पास एक सख्त टोली है, मिस फ्रैंकन... उनमें से कुछ का तो जेल का रिकॉर्ड भी है।"
"क्या उस आदमी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड है?" उसने नीचे की ओर इशारा करते हुए पूछा।
“खैर, मैं कुछ नहीं कह सकता। मैं उन्हें देखते ही नहीं पहचान पाऊंगा।”

उसे उम्मीद थी कि उसने ऐसा किया होगा। वह सोच रही थी कि क्या आजकल कैदियों को कोड़े मारे जाते हैं। उसे उम्मीद थी कि ऐसा होता होगा। यह सोचकर उसे गहरा दुख हुआ।
उसे वैसी ही घबराहट महसूस हुई जैसी उसे बचपन में, लंबी सीढ़ियों से गिरने के सपनों में होती थी; लेकिन उसे अपने पेट में अजीब सी बेचैनी भी महसूस हुई।
वह अचानक मुड़ी और खदान से चली गई।
वह कई दिनों बाद लौटी। उसने उसे अचानक अपने सामने, रास्ते के किनारे, एक समतल पत्थर पर देखा। वह एकदम रुक गई। वह उसके बहुत करीब नहीं जाना चाहती थी। बिना किसी बचाव या दूरी के बहाने के, उसे अपने सामने देखना अजीब लग रहा था।
वह सीधे उसकी ओर देख रहा था। उनके बीच की अंतरंगता कुछ ज़्यादा ही अंतरंग थी, क्योंकि उन्होंने एक-दूसरे से कभी एक शब्द भी नहीं कहा था। उसने उससे बात करके उस अंतरंगता को तोड़ दिया।
“तुम हमेशा मुझे क्यों घूरते हो?” उसने तीखे स्वर में पूछा।
उसने राहत की सांस लेते हुए सोचा कि अलगाव का सबसे अच्छा साधन शब्द ही होते हैं। उसने उन दोनों के बीच की हर बात को नाम देकर नकार दिया था। एक पल के लिए वह चुपचाप खड़ा रहा, उसे देखता रहा। उसे इस बात का डर सताने लगा कि कहीं वह जवाब न दे, कहीं उसकी चुप्पी उसे यह स्पष्ट रूप से न बता दे कि जवाब देना क्यों ज़रूरी नहीं है। लेकिन उसने जवाब दिया।
उसने कहा:
"इसी वजह से तुम भी मुझे घूर रहे हो।"
मुझे नहीं पता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।
"अगर आपने ऐसा नहीं किया होता, तो आप कहीं अधिक आश्चर्यचकित होतीं और कहीं कम क्रोधित होतीं, मिस फ्रैंकन।"
तो क्या आप मेरा नाम जानते हैं?
"आप इसका प्रचार-प्रसार काफ़ी जोर-शोर से कर रहे हैं।"
"बेहतर होगा कि तुम बदतमीजी न करो। तुम्हें पता है, मैं तुम्हें पल भर में नौकरी से निकलवा सकता हूँ।"
उसने नीचे खड़े लोगों में से किसी को ढूंढने के लिए अपना सिर घुमाया।
उन्होंने पूछा: "क्या मैं अधीक्षक को बुलाऊं?"
उसने तिरस्कारपूर्ण मुस्कान के साथ जवाब दिया।
“नहीं, बिलकुल नहीं। यह बहुत आसान हो जाएगा। लेकिन चूंकि आप मुझे जानते हैं, इसलिए बेहतर होगा कि जब मैं यहां आऊं तो आप मुझे देखना बंद कर दें। इससे गलतफ़हमी हो सकती है।”
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
वह मुँह फेरकर चली गई। उसे अपनी आवाज़ पर काबू रखना पड़ा। उसने पत्थर की चौखटों के ऊपर से देखा। उसने पूछा: "क्या आपको यहाँ काम करना बहुत मुश्किल लगता है?"
“हाँ। बहुत बुरी तरह से।”
क्या आपको थकान महसूस होती है?
“अमानवीय ढंग से।”
"यह कैसा लगता है?"
दिन ढलने पर मैं मुश्किल से चल पाती हूँ। रात में मैं अपने हाथ नहीं हिला पाती। जब मैं बिस्तर पर लेटती हूँ, तो मैं अपने शरीर की हर मांसपेशी में होने वाले अलग-अलग दर्दों की गिनती कर सकती हूँ।

उसे अचानक एहसास हुआ कि वह अपने बारे में नहीं बता रहा था; वह उसके बारे में बात कर रहा था, वह वही बातें कह रहा था जो वह सुनना चाहती थी और उसे बता रहा था कि वह जानता है कि वह ये खास वाक्य क्यों सुनना चाहती है।
उसे गुस्सा आया, एक संतोषजनक गुस्सा क्योंकि यह ठंडा और निश्चित था।
उसे अपनी त्वचा को उसकी त्वचा से स्पर्श कराने की, अपनी नंगी बांह को उसकी बांह से सटाने की, बस इतनी ही इच्छा हुई; इच्छा इससे आगे नहीं बढ़ी।
वह शांत भाव से पूछ रही थी:
“तुम यहाँ के नहीं हो, है ना? तुम किसी मजदूर की तरह बात नहीं करते। पहले तुम क्या थे?”
“एक इलेक्ट्रीशियन। एक प्लंबर। एक प्लास्टर करने वाला। और भी बहुत कुछ।”
आप यहां काम क्यों कर रहे हैं?
"आप मुझे जो पैसे दे रही हैं, उसके लिए, मिस फ्रैंकन।"
उसने कंधे उचकाए। वह मुड़ी और उससे दूर रास्ते पर चली गई।
उसे पता था कि वह उसकी देखभाल कर रहा है। उसने पीछे मुड़कर नहीं देखा।
वह खदान से होते हुए अपने रास्ते पर चलती रही, और जैसे ही संभव हुआ वह वहां से निकल गई, लेकिन वह उस रास्ते पर वापस नहीं गई जहां उसे उससे दोबारा मिलना पड़ सकता था।
द्वितीय
डोमिनिक
जागा
प्रत्येक
सुबह
को
THE
एक लक्ष्य के अस्तित्व से उस दिन की संभावना को महत्व मिलता है जिसे प्राप्त करना है: वह लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि वह उस दिन पत्थर की खदान में न जाए।
उसने अपनी प्रिय स्वतंत्रता खो दी थी। वह जानती थी कि एक ही इच्छा के दबाव से निरंतर संघर्ष करना भी एक प्रकार का दबाव ही है, लेकिन यही वह रूप था जिसे वह स्वीकार करना पसंद करती थी। यही एकमात्र तरीका था जिससे वह उसे अपने जीवन को निर्देशित करने दे सकती थी। उसे दर्द में एक अजीब सी संतुष्टि मिलती थी—क्योंकि वह दर्द उसी से उत्पन्न होता था।
वह अपने दूर के पड़ोसियों से मिलने गई, जो एक धनी और विनम्र परिवार था और न्यूयॉर्क में उनसे मिलकर उसे ऊब हो गई थी; उसने पूरी गर्मी किसी से मुलाकात नहीं की थी। वे उसे देखकर आश्चर्यचकित और प्रसन्न हुए। वह स्विमिंग पूल के किनारे प्रतिष्ठित लोगों के एक समूह के बीच बैठी थी। उसने अपने चारों ओर व्याप्त सुरुचिपूर्ण माहौल को देखा। उसने इन लोगों के विनम्र व्यवहार को ध्यान से सुना जब वे उससे बात कर रहे थे। उसने पूल में अपनी परछाई पर एक नज़र डाली: वह उनमें से किसी से भी अधिक शालीन और संयमित लग रही थी।
और वह एक भयानक रोमांच के साथ सोचने लगी कि अगर ये लोग इस पल उसके मन की बात जान लें तो क्या करेंगे; अगर उन्हें पता चल जाए कि वह एक पत्थर की खदान में काम करने वाले आदमी के बारे में सोच रही है, उसके शरीर के बारे में इतनी गहरी आत्मीयता से सोच रही है जैसे कोई दूसरे के शरीर के बारे में नहीं, बल्कि सिर्फ अपने शरीर के बारे में सोच रहा हो। वह मुस्कुराई; उसके चेहरे की निर्मल पवित्रता ने उन्हें उस मुस्कान की असलियत देखने से रोक दिया। वह इन लोगों से मिलने फिर आई थी —उनके प्रति उनके सम्मान को देखते हुए ऐसे विचारों के लिए।

एक शाम, एक मेहमान ने उसे उसके घर तक छोड़ने की पेशकश की। वह एक प्रख्यात युवा कवि था। वह पीला और दुबला-पतला था; उसका होंठ कोमल और संवेदनशील था, और उसकी आँखें दुनिया भर के तनाव से आहत थीं। उसने ध्यान नहीं दिया था कि वह उसे लंबे समय से कितनी श्रद्धा से देख रहा था। जैसे ही वे शाम के धुंधलके में गाड़ी चला रहे थे, उसने देखा कि वह हिचकिचाते हुए उसके करीब आ रहा है। उसने उसकी फुसफुसाती हुई आवाज़ सुनी, जिसमें वही विनती भरी, अस्पष्ट बातें थीं जो उसने कई पुरुषों से सुनी थीं। उसने गाड़ी रोक दी। उसने महसूस किया कि उसके होंठ उसके कंधे पर दब गए हैं।
वह उससे झटक कर दूर हट गई। वह एक पल के लिए स्थिर बैठी रही, क्योंकि हिलने पर वह उससे टकरा जाती और उसे छूना वह बर्दाश्त नहीं कर सकती थी। फिर उसने दरवाजा खोला, बाहर छलांग लगाई, और दरवाजा जोर से बंद कर दिया मानो उसकी आवाज़ उसे हमेशा के लिए मिटा देगी, और वह अंधाधुंध भागने लगी। थोड़ी देर बाद वह रुकी और काँपती हुई चलती रही, अंधेरी सड़क पर तब तक चलती रही जब तक उसे अपने घर की छत दिखाई नहीं दी।
वह रुक गई और आश्चर्य से भरे अपने पहले सचेत विचार के साथ चारों ओर देखने लगी। अतीत में उसके साथ ऐसी घटनाएँ अक्सर घटी थीं; तब तो उसे हंसी आती थी; उसे कोई घृणा नहीं होती थी; उसे कुछ भी महसूस नहीं होता था।
वह धीरे-धीरे लॉन पार करके घर की ओर चली। अपने कमरे की सीढ़ियों पर पहुँचकर वह रुक गई। उसे खदान में मिले उस आदमी की याद आ गई। उसने साफ़-साफ़ शब्दों में सोचा कि खदान में मिला वह आदमी उसे चाहता है। उसे यह पहले से पता था; उसकी पहली नज़र में ही उसे यह एहसास हो गया था। लेकिन उसने यह बात कभी खुद से नहीं कही थी।
वह हंसी। उसने अपने चारों ओर देखा, अपने घर की शांत भव्यता पर। घर ने उन शब्दों को बेतुका बना दिया। वह जानती थी कि उसके साथ क्या कभी नहीं होगा। और वह यह भी जानती थी कि वह उसे किस तरह का कष्ट दे सकती है।
कई दिनों तक वह अपने घर के कमरों में संतुष्टि के साथ घूमती रही। यही उसका आत्मसंतुष्टि का तरीका था। उसने खदान से होने वाले विस्फोटों की आवाज सुनी और मुस्कुराई।
लेकिन उसे बहुत ज़्यादा यकीन था और घर बहुत सुरक्षित लग रहा था। उसे सुरक्षा को चुनौती देकर उस सुरक्षा को और भी मज़बूत करने की इच्छा हुई।
उसने अपने बेडरूम में चिमनी के सामने वाली संगमरमर की पटिया को चुना। वह इसे तोड़ना चाहती थी। वह घुटनों के बल बैठी, हाथ में हथौड़ा लिए, और संगमरमर को तोड़ने की कोशिश करने लगी। उसने उस पर ज़ोर से प्रहार किया, उसकी पतली बांह उसके सिर के ऊपर उठी और फिर बेबसी से ज़ोर से नीचे गिरी। उसे अपनी बांहों की हड्डियों और कंधों के जोड़ों में दर्द महसूस हुआ। वह संगमरमर पर एक लंबी खरोंच बनाने में कामयाब रही।
वह पत्थर की खदान में गई। उसने उसे दूर से देखा और सीधे उसके पास चली गई।
“हैलो,” उसने सहजता से कहा।
उसने ड्रिल रोक दी। वह एक पत्थर की शेल्फ से टिक गया। उसने उत्तर दिया:
"नमस्ते।"
“मैं तुम्हारे बारे में सोच रही थी,” उसने धीरे से कहा, और रुक गई, फिर उसी सम्मोहक निमंत्रण भरे लहजे में अपनी आवाज़ जारी रखते हुए बोली,
"मेरे घर पर थोड़ा गंदा काम करना है। क्या आप कुछ अतिरिक्त पैसे कमाना चाहेंगे?"
"बिल्कुल, मिस फ्रैंकन।"
“क्या तुम आज रात मेरे घर आओगे? नौकरों के घर की ओर।”

प्रवेश द्वार रिजवुड रोड से है। चिमनी में संगमरमर का एक टुकड़ा टूटा हुआ है जिसे बदलना होगा। मैं चाहता हूं कि आप उसे निकाल दें और मेरे लिए एक नया टुकड़ा बनवा दें।
उसे क्रोध और अस्वीकृति की उम्मीद थी। उसने पूछा:
मुझे किस समय आना चाहिए?
“सात बजे। यहाँ आपको कितना वेतन मिलता है?”
"बासठ सेंट प्रति घंटा।"
मुझे पूरा यकीन है कि आप इसके लायक हैं। मैं आपको उसी दर पर भुगतान करने को तैयार हूं। क्या आपको मेरा घर ढूंढने का रास्ता पता है?
नहीं, मिस फ्रैंकन।
"बस गांव में किसी से भी रास्ता पूछ लीजिए।"
जी हां, मिस फ्रैंकन।
वह निराश होकर चली गई। उसे लगा कि उनका गुप्त समझौता टूट गया है; उसने ऐसे बात की थी मानो यह कोई साधारण काम हो जो वह किसी और कामगार को दे सकती थी। फिर उसे भीतर ही भीतर एक गहरी आह महसूस हुई, शर्म और खुशी का वह एहसास जो वह हमेशा उसे देता था: उसे एहसास हुआ कि उनका समझौता पहले से कहीं अधिक घनिष्ठ और स्पष्ट था—एक अस्वाभाविक प्रस्ताव को उसकी सहज स्वीकृति में; उसने उसे यह दिखा दिया था कि वह कितना जानता है—उसके आश्चर्य न करने से।
उसने अपने बूढ़े देखभालकर्ता और उसकी पत्नी से उस शाम घर में ही रहने को कहा। उनकी संकोचीं उपस्थिति ने एक सामंती हवेली की छवि को पूरा किया। उसने सात बजे नौकरों के प्रवेश द्वार की घंटी सुनी। बूढ़ी औरत उसे विशाल मुख्य हॉल तक ले गई जहाँ डोमिनिक एक चौड़ी सीढ़ी के चबूतरे पर खड़ा था।
वह उसे पास आते हुए देखती रही, ऊपर उसकी ओर देखते हुए। उसने कुछ देर तक वही मुद्रा बनाए रखी ताकि उसे शक हो जाए कि यह जानबूझकर बनाई गई मुद्रा है; उसने ठीक उसी क्षण मुद्रा तोड़ दी जब वह पूरी तरह आश्वस्त हो पाता। उसने कहा:
"शुभ संध्या।" उसकी आवाज़ एकदम शांत और गंभीर थी।
उसने कोई जवाब नहीं दिया, बस सिर झुकाया और सीढ़ियों से ऊपर उसकी ओर चल पड़ा। उसने काम के कपड़े पहने हुए थे और औजारों से भरा एक थैला लिए हुए था। उसकी चाल में एक तेज़, सहज ऊर्जा थी जो यहाँ, उसके घर में, चिकनी सीढ़ियों पर, नाजुक, मजबूत रेलिंग के बीच, सहज नहीं लग रही थी। उसने सोचा था कि वह उसके घर में बेमेल लगेगा; लेकिन घर ही उसके आसपास बेमेल लग रहा था।
उसने एक हाथ से अपने शयनकक्ष के दरवाजे की ओर इशारा किया। वह आज्ञाकारी होकर उसके पीछे-पीछे चला गया। कमरे में प्रवेश करते समय उसने मानो कमरे पर ध्यान ही नहीं दिया। वह ऐसे दाखिल हुआ मानो वह कोई कार्यशाला हो। वह सीधे चिमनी की ओर चला गया।
“ये रहा,” उसने संगमरमर की पटिया की ओर एक उंगली से इशारा करते हुए कहा।
उसने कुछ नहीं कहा। वह घुटनों के बल बैठा, अपने थैले से एक पतली धातु की कील निकाली, उसका सिरा पत्थर की पटिया पर बने निशान पर रखा, फिर हथौड़ा लेकर एक ही वार में संगमरमर टूट गया। संगमरमर में एक लंबी और गहरी दरार पड़ गई।
उसने उसकी ओर देखा। यह वही नज़र थी जिससे वह डरती थी, एक ऐसी हंसी जिसका जवाब नहीं दिया जा सकता था, क्योंकि हंसी को देखा नहीं जा सकता था, केवल महसूस किया जा सकता था। उसने कहा:
"अब यह टूट गया है और इसे बदलना पड़ेगा।"
उसने शांत भाव से पूछा:

"क्या आप बता सकते हैं कि यह किस प्रकार का संगमरमर है और इसी तरह का दूसरा टुकड़ा कहाँ से मंगवाया जा सकता है?"
जी हां, मिस फ्रैंकन।
"ठीक है, तो फिर इसे निकाल लो।"
जी हां, मिस फ्रैंकन।
वह उसे देखती रही। काम की यांत्रिक प्रक्रिया को निःसंदेह देखने की एक अजीब सी आवश्यकता महसूस होना स्वाभाविक था, मानो उसकी आँखें उसमें मदद कर रही हों। तभी उसे एहसास हुआ कि वह अपने आस-पास के कमरे की ओर देखने से डर रही है। उसने खुद को सिर उठाने के लिए मजबूर किया।
उसने अपनी ड्रेसिंग टेबल की शेल्फ देखी, जिसका कांच का किनारा अर्ध-अंधेरे में पतले हरे साटन रिबन जैसा लग रहा था, और उस पर रखे क्रिस्टल के बर्तन; उसने सफेद रंग की बेडरूम चप्पलें, दर्पण के पास फर्श पर पड़ा हल्का नीला तौलिया, कुर्सी की भुजा पर पड़ी मोजों की एक जोड़ी देखी; उसने अपने बिस्तर का सफेद साटन का कवर देखा। उसकी कमीज पर गीले धब्बे और पत्थर की धूल के भूरे निशान थे; धूल ने उसकी बाहों की त्वचा पर धारियाँ बना दी थीं। उसे ऐसा लगा मानो कमरे की हर वस्तु को उसने छुआ हो, मानो हवा पानी का एक भारी कुंड हो।
वे दोनों एक साथ पानी में डूबे हुए थे, और जो पानी उसे छू रहा था, उसका स्पर्श उसके शरीर से होते हुए कमरे की हर वस्तु तक पहुँच रहा था। वह चाहती थी कि वह ऊपर देखे। वह बिना सिर उठाए काम करता रहा।
वह उसके पास गई और चुपचाप उसके ऊपर खड़ी हो गई। वह पहले कभी उसके इतने करीब नहीं खड़ी हुई थी। उसने उसकी गर्दन के पिछले हिस्से की चिकनी त्वचा को देखा; उसे उसके बालों की एक-एक लट दिखाई दे रही थी।
उसने अपनी चप्पल की नोक पर नज़र डाली। वह ज़मीन पर पड़ी थी, उसके शरीर से बस एक इंच दूर; उसे छूने के लिए बस एक हल्की सी हरकत, पैर की एक छोटी सी हरकत ही काफी थी। वह एक कदम पीछे हट गई।
उसने अपना सिर हिलाया, लेकिन ऊपर देखने के लिए नहीं, बल्कि थैले से एक और औजार निकालने के लिए, और फिर से अपने काम पर झुक गया।
वह जोर से हंस पड़ी। वह रुक गया और उसकी तरफ देखा।
“जी?” उसने पूछा।
जब उसने जवाब दिया तो उसका चेहरा गंभीर था, आवाज़ कोमल थी:
"ओह, मुझे माफ करना। आपको शायद लगा होगा कि मैं आप पर हंस रहा था।"
लेकिन मैं ऐसा नहीं था, बिल्कुल भी नहीं।
उन्होंने आगे कहा:
“मैं आपको परेशान नहीं करना चाहता था। मुझे यकीन है कि आप जल्दी से काम खत्म करके यहां से निकलना चाहते हैं। मतलब, ज़ाहिर है, आप थके हुए होंगे। लेकिन दूसरी तरफ, मैं आपको घंटे के हिसाब से भुगतान कर रहा हूँ, इसलिए अगर आप थोड़ा और समय लेना चाहें, तो कोई बात नहीं। ज़रूर कुछ बातें होंगी जो आप करना चाहेंगे।”
"ओह, जी हाँ, मिस फ्रैंकन।"
"कुंआ?"
मुझे लगता है कि यह चिमनी बेहद भद्दी है।
“सच में? इस घर का डिज़ाइन मेरे पिता ने बनाया था।”
"जी हां, बिल्कुल, मिस फ्रैंकन।"
"वास्तुकार के काम पर चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है।"
"बिल्कुल भी नहीं।"
"हम निश्चित रूप से कोई दूसरा विषय चुन सकते हैं।"
जी हां, मिस फ्रैंकन।

वह उससे दूर हट गई। वह बिस्तर पर बैठ गई, सीधी बाहों पर पीछे की ओर झुकते हुए, पैर आपस में सटाकर एक लंबी, सीधी रेखा में। उसके कंधे से ढीला पड़ा उसका शरीर, पैरों की दृढ़ता और सटीकता के विपरीत था; उसके चेहरे की ठंडी गंभीरता उसके शरीर की मुद्रा से मेल नहीं खाती थी।
काम करते हुए वह बीच-बीच में उसकी ओर देखता था। वह आज्ञाकारी स्वर में बोल रहा था। वह कह रहा था:
“मैं बिल्कुल उसी गुणवत्ता का संगमरमर का टुकड़ा लाने का पूरा ध्यान रखूंगा, मिस फ्रैंकन। विभिन्न प्रकार के संगमरमर में अंतर करना बहुत महत्वपूर्ण है। सामान्यतः, तीन प्रकार के संगमरमर होते हैं।”
सफेद संगमरमर, जो चूना पत्थर के पुनर्क्रिस्टलीकरण से बनता है, गोमेद संगमरमर, जो कैल्शियम कार्बोनेट के रासायनिक निक्षेप हैं, और हरा संगमरमर, जो मुख्य रूप से जलयुक्त मैग्नीशियम सिलिकेट या सर्पेन्टाइन से बना होता है। इस अंतिम प्रकार के संगमरमर को वास्तविक संगमरमर नहीं माना जाना चाहिए। वास्तविक संगमरमर चूना पत्थर का रूपांतरित रूप है, जो ऊष्मा और दबाव से उत्पन्न होता है। दबाव एक शक्तिशाली कारक है। इसके परिणाम एक बार शुरू हो जाने पर अनियंत्रित हो जाते हैं।
"इसके क्या परिणाम होंगे?" उसने आगे झुकते हुए पूछा।
"चूना पत्थर के कणों का पुनर्क्रिस्टलीकरण और आसपास की मिट्टी से बाहरी तत्वों का अंतर्प्रवाह। इन्हीं के कारण रंगीन धारियाँ बनती हैं जो अधिकांश संगमरमर में पाई जाती हैं।"
गुलाबी संगमरमर में मैंगनीज ऑक्साइड की उपस्थिति होती है, धूसर संगमरमर कार्बनयुक्त पदार्थों के कारण होता है, और पीला संगमरमर लोहे के हाइड्रस ऑक्साइड के कारण होता है। यह टुकड़ा, ज़ाहिर है, सफेद संगमरमर का है।
सफेद संगमरमर की कई किस्में होती हैं। आपको बहुत सावधान रहना चाहिए, मिस फ्रैंकन...
वह आगे की ओर झुकी हुई बैठी थी, धुंधले काले घेरे में सिमटी हुई; लैंप की रोशनी उसके एक हाथ पर पड़ रही थी जिसे उसने बेजान होकर अपने घुटनों पर रखा हुआ था, हथेली ऊपर की ओर, उंगलियां आधी बंद, प्रत्येक उंगली के चारों ओर आग की एक पतली सी लकीर दिखाई दे रही थी, उसकी पोशाक का काला कपड़ा हाथ को बहुत ही नंगा और चमकदार बना रहा था।
"...यह सुनिश्चित करने के लिए कि मैं बिल्कुल उसी गुणवत्ता का एक नया टुकड़ा मंगवाऊँ। उदाहरण के लिए, जॉर्जिया के सफेद संगमरमर के टुकड़े को बदलना उचित नहीं होगा, क्योंकि यह वर्मोंट के सफ़ेद संगमरमर जितना बारीक नहीं है, और वर्मोंट का सफेद संगमरमर भी अलबामा के सफेद संगमरमर जितना बारीक नहीं है। यह अलबामा का संगमरमर है। बहुत उच्च श्रेणी का। बहुत महंगा।"
उसने देखा कि उसका हाथ बंद होकर नीचे गिर गया, रोशनी से ओझल हो गया। वह चुपचाप अपना काम करता रहा।
जब उसने अपना कार्य समाप्त कर लिया, तो वह उठ खड़ा हुआ और पूछा:
मैं पत्थर कहाँ रखूँ?
“इसे वहीं छोड़ दो। मैं इसे हटवा दूंगा।”
मैं आपके माप के अनुसार एक नया टुकड़ा कटवाकर आपको कैश ऑन डिलीवरी (COD) द्वारा भेज दूंगा।
क्या आप चाहते हैं कि मैं इसे सेट कर दूं?
“जी हाँ, ज़रूर। जब पैसे आ जाएंगे तो मैं आपको बता दूँगी। मुझे आपको कितने पैसे देने हैं?” उसने अपने बिस्तर के पास रखी मेज पर रखी घड़ी पर नज़र डाली। “देखने दीजिए, आप यहाँ पौने घंटे से हैं। यानी अड़तालीस सेंट।”

उसने अपना बैग उठाया, उसमें से एक डॉलर का नोट निकाला और उसे देते हुए कहा, "बाकी पैसे रख लो।"
उसे उम्मीद थी कि वह नोट उसके चेहरे पर वापस फेंक देगा। उसने नोट अपनी जेब में रख लिया। उसने कहा:
"धन्यवाद, मिस फ्रैंकन।"
उसने देखा कि उसकी लंबी काली आस्तीन का किनारा उसकी बंद उंगलियों पर कांप रहा था।
"शुभ रात्रि," उसने गुस्से से भरी खोखली आवाज में कहा।
उन्होंने झुककर कहा: "शुभ रात्रि, मिस फ्रैंकन।"
वह मुड़ा और सीढ़ियों से नीचे उतरकर घर से बाहर चला गया।
उसने उसके बारे में सोचना बंद कर दिया। वह उस संगमरमर के टुकड़े के बारे में सोचने लगी जो उसने मंगवाया था। वह उसके आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी, मानो उसे अचानक कोई जुनून सवार हो गया हो; वह दिन गिन रही थी; वह लॉन के उस पार सड़क पर कभी-कभार दिखने वाले ट्रकों को देखती रहती थी।
उसने अपने भीतर से दृढ़तापूर्वक कहा कि वह केवल संगमरमर के आने की कामना करती है; बस इतना ही; और कुछ नहीं; कोई छिपा हुआ कारण नहीं; कोई कारण ही नहीं। यह एक अंतिम, उन्मादपूर्ण प्रतिक्रिया थी; वह बाकी सब कुछ से मुक्त हो चुकी थी। पत्थर आएगा और यही अंत होगा।
जब पत्थर आया, तो उसने उस पर मुश्किल से ही नज़र डाली। डिलीवरी ट्रक अभी परिसर से निकला भी नहीं था कि वह अपनी डेस्क पर बैठी एक खूबसूरत कागज़ पर एक नोट लिख रही थी। उसने लिखा:
“संगमरमर यहाँ है। मैं इसे आज रात ही स्थापित करवाना चाहता हूँ।”
उसने अपने कर्मचारी को वह पत्र देकर खदान में भेजा। उसने आदेश दिया कि पत्र इस पते पर पहुंचाया जाए: "मुझे उसका नाम नहीं पता। वह लाल बालों वाला मजदूर जो यहाँ काम करता था।"
देखभाल करने वाली महिला वापस आई और उसके लिए भूरे रंग के कागज के थैले से फाड़ा हुआ एक टुकड़ा लाई, जिस पर पेंसिल से लिखा था:
"आज रात तक यह तैयार हो जाएगा।"
वह अपने शयनकक्ष की खिड़की पर, घुटन भरी बेचैनी में इंतज़ार कर रही थी। सात बजे नौकरों की घंटी बजी। उसके दरवाजे पर दस्तक हुई। "अंदर आओ," उसने झल्लाकर कहा—लेकिन
अपनी ही आवाज की अजीब सी ध्वनि को छिपाने की कोशिश कर रही थी। दरवाजा खुला और चौकीदार की पत्नी अंदर आई, और किसी को अपने पीछे आने का इशारा किया। उसके पीछे आने वाला व्यक्ति कद में छोटा, गठीला, अधेड़ उम्र का इतालवी था, जिसके पैर टेढ़े थे, एक कान में सोने की बाली थी और दोनों हाथों में एक घिसी हुई टोपी थी।
"मिस फ्रैंकन, खदान से भेजा गया आदमी," चौकीदार की पत्नी ने कहा।
डोमिनिक ने पूछा, उसकी आवाज न तो चीख थी और न ही प्रश्नवाचक:
"आप कौन हैं?"
“पास्काले ओरसिनी,” उस व्यक्ति ने विनम्रतापूर्वक और अचंभित होकर उत्तर दिया।
"आप क्या चाहते हैं?"
"अच्छा, मैं... खैर, खदान में रेड ने कहा कि चिमनी को ठीक करना होगा, उसने कहा कि क्या तुम चाहते हो कि मैं इसे ठीक कर दूं।"
“जी हां। जी हां, बिल्कुल,” वह उठते हुए बोली। “मैं भूल गई थी। आप शुरू कर दीजिए।”

उसे कमरे से बाहर निकलना था। उसे भागना था, किसी को नज़र में आए बिना, अगर हो सके तो खुद की नज़र में भी आए बिना।
वह बगीचे में कहीं रुक गई और काँपते हुए खड़ी हो गई, अपनी मुट्ठियों से अपनी आँखों को दबा लिया। यह क्रोध था। यह एक शुद्ध, एकल भावना थी जिसने सब कुछ मिटा दिया; क्रोध के भीतर छिपे आतंक को छोड़कर सब कुछ; आतंक, क्योंकि वह जानती थी कि अब वह खदान के पास नहीं जा सकती और उसे जाना ही होगा।
कई दिनों बाद, शाम के समय, वह पत्थर की खदान पर गई। वह घोड़े पर सवार होकर देश के लंबे सफर से लौटी थी, और उसने देखा कि लॉन पर परछाइयाँ लंबी होती जा रही हैं; वह जानती थी कि वह एक और रात नहीं गुजार सकती। उसे मजदूरों के जाने से पहले वहाँ पहुँचना था। वह मुड़ी। वह तेज़ी से घोड़े पर सवार होकर खदान की ओर चल पड़ी, हवा उसके गालों को चीर रही थी।
जब वह खदान पहुँची तो वह वहाँ नहीं था। उसे तुरंत पता चल गया कि वह वहाँ नहीं है, हालाँकि मज़दूर अभी-अभी वहाँ से जा रहे थे और उनमें से बहुत से लोग पत्थर के गड्ढे से रास्तों पर चल रहे थे। वह होंठ कसकर खड़ी रही और उसे ढूँढ़ती रही। लेकिन वह जानती थी कि वह जा चुका है।
वह जंगल में घोड़े पर सवार होकर चली गई। शाम ढलते धुंधलके में आगे बढ़ते पत्तों की दीवारों के बीच वह बेतरतीब ढंग से उड़ती हुई जा रही थी। वह रुकी, एक पेड़ से एक लंबी, पतली शाखा तोड़ी, उस पर से पत्ते नोचे और फिर आगे बढ़ गई, लचीली छड़ी को चाबुक की तरह इस्तेमाल करते हुए, अपने घोड़े को और तेज़ दौड़ाने लगी। उसे ऐसा लग रहा था मानो यह गति शाम को जल्दी ला देगी, घंटों को तेज़ी से गुज़ार देगी।

* * * * *

आगे बढ़ने के लिए, उसे समय में छलांग लगाने दो ताकि वह आने वाली सुबह को उसके आने से पहले ही पकड़ ले। और फिर उसने उसे अपने सामने रास्ते पर अकेले चलते देखा।
वह तेज़ी से आगे बढ़ी। वह उसके पास पहुँची और अचानक रुक गई, झटके से वह स्प्रिंग छूटने की तरह आगे-पीछे उछली। वह भी रुक गया।
उन्होंने कुछ नहीं कहा। वे एक-दूसरे को देखते रहे। उसे लगा कि हर गुजरता मौन क्षण एक विश्वासघात था; यह मौन मुलाकात बहुत कुछ कह रही थी, यह अहसास कि अभिवादन की कोई आवश्यकता नहीं थी।
उसने सपाट स्वर में पूछा:
"तुम संगमरमर लगाने क्यों नहीं आए?"
“मुझे नहीं लगता था कि इससे आपको कोई फर्क पड़ेगा कि कौन आता है। या पड़ता है, मिस फ्रैंकन?”
उसे वे शब्द आवाज़ के रूप में नहीं, बल्कि अपने मुँह पर पड़े एक ज़ोरदार प्रहार के रूप में महसूस हुए। उसके हाथ में पकड़ी हुई शाखा ऊपर उठी और उसके चेहरे पर ज़ोर से लगी।
उसने एक ही गति के प्रवाह में शुरुआत की।
डोमिनिक अपने शयनकक्ष में ड्रेसिंग टेबल पर बैठी थी। काफी रात हो चुकी थी। उसके चारों ओर फैले विशाल, खाली घर में सन्नाटा पसरा हुआ था। शयनकक्ष की फ्रेंच खिड़कियाँ एक छत की ओर खुली थीं और बाहर अँधेरे बगीचे में पत्तों की सरसराहट की कोई आवाज नहीं सुनाई दे रही थी।
उसके बिस्तर पर कंबल बिछे हुए थे, मानो उसका इंतज़ार कर रहे हों, तकिया ऊँची, काली खिड़कियों के सामने सफ़ेद दिख रहा था। उसने सोचा कि वह सोने की कोशिश करेगी। उसने उसे तीन दिन से नहीं देखा था। उसने अपने हाथों को अपने सिर पर फेरा, हथेलियों की गोलाई उसके मुलायम बालों से छू गई। उसने इत्र से भीगी अपनी

उंगलियों के सिरों को अपनी कनपटी पर दबाया और कुछ पल वहाँ रोके रखा; उसे अपनी त्वचा पर इत्र की ठंडी, सिकोड़ती हुई चुभन से राहत मिली। ड्रेसिंग टेबल के शीशे पर इत्र की एक बूँद गिरी रह गई, एक बूँद जो किसी रत्न की तरह चमक रही थी और उतनी ही कीमती थी।
उसे बगीचे में कदमों की आहट सुनाई नहीं दी। उसे ये आहट तभी सुनाई दी जब वे सीढ़ियाँ चढ़कर छत पर जाने लगे। वह भौंहें चढ़ाकर उठ बैठी। उसने फ्रेंच खिड़कियों की ओर देखा।
वह अंदर आया। उसने काम के कपड़े पहने हुए थे, गंदी कमीज़ जिसकी आस्तीनें मुड़ी हुई थीं, और पत्थर की धूल से सना हुआ पतलून। वह उसे घूरता रहा। उसके चेहरे पर हँसी-मज़ाक का कोई भाव नहीं था। उसका चेहरा उदास थी, क्रूरता में कठोर, जुनून में तपस्वी, गाल धँसे हुए, होंठ नीचे की ओर खिंचे हुए, कसे हुए। वह उछलकर खड़ी हो गई, बाहें पीछे की ओर फैली हुई थीं, उंगलियाँ फैली हुई थीं। वह हिला तक नहीं। उसने देखा कि उसकी गर्दन की एक नस उभरी, फड़की और फिर नीचे गिर गई।
फिर वह उसके पास गया। उसने उसे ऐसे गले लगाया मानो उसका शरीर उसके शरीर को चीर रहा हो, और उसने अपनी पसलियों पर उसकी बाहों की हड्डियों का स्पर्श महसूस किया, उसके पैर उसके शरीर से कसकर लिपट गए, और उसका मुंह उसके होंठों पर था।
उसे नहीं पता था कि आतंक के झटके ने उसे पहले हिला दिया और उसने अपनी कोहनियों से उसका गला दबा दिया, शरीर को मरोड़कर बचने की कोशिश की, या फिर वह पहले ही पल उसकी बाहों में स्थिर पड़ी रही, उसकी त्वचा के स्पर्श के सदमे में, उस चीज़ के बारे में जो उसने सोचा था, जिसकी उसने उम्मीद की थी, जिसके बारे में उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वह ऐसी होगी, जान भी नहीं सकती थी, क्योंकि यह जीवन का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक ऐसी चीज़ थी जिसे कोई एक पल से ज़्यादा सहन नहीं कर सकता था।
उसने खुद को उससे छुड़ाने की कोशिश की। उसकी कोशिश नाकाम रही क्योंकि उसकी बाहों को इसका एहसास ही नहीं हुआ। उसकी मुट्ठियाँ उसके कंधों और चेहरे पर लगीं। उसने एक हाथ बढ़ाया, उसकी दोनों कलाइयाँ पकड़ीं, उन्हें पीछे की ओर अपनी बांह के नीचे दबा दियां, जिससे उसकी पीठ की हड्डियाँ खिंच गईं। उसने अपना सिर पीछे की ओर घुमाया। उसे अपने स्तन पर उसके होंठ महसूस हुए। उसने खुद को उससे छुड़ा लिया।
वह ड्रेसिंग टेबल से टेक लगाकर पीछे गिर पड़ी, वह घुटनों के बल बैठी रही, उसके हाथ पीछे के किनारे को थामे हुए थे, उसकी आँखें डर से चौड़ी, रंगहीन और बेजान सी थीं। वह हँस रहा था। उसके चेहरे पर हँसी की झलक थी, पर कोई आवाज़ नहीं।
शायद उसने उसे जानबूझकर छोड़ा था। वह खड़ा था, उसके पैर फैले हुए थे, उसकी बाहें बगल में लटकी हुई थीं, जिससे वह उसके शरीर के उस पार होने के बावजूद, उसकी बाहों में होने की तुलना में कहीं अधिक स्पष्ट रूप से उसके शरीर को महसूस कर पा रही थी। उसने उसके पीछे दरवाजे की ओर देखा, उसने हलचल का पहली संकेत देखा, उस दरवाजे की ओर छलांग लगाने का बस एक विचार। उसने अपना हाथ बढ़ाया, उसे छुए बिना, और वह पीछे गिर पड़ी। उसके कंधे हल्के से हिले, ऊपर उठे। वह एक कदम आगे बढ़ा और उसके कंधे झुक गए। वह और नीचे, मेज के करीब सिमट गई। उसने उसे कुछ देर इंतजार करने दिया। फिर वह उसके पास आया। उसने उसे बिना किसी प्रयास के उठा लिया। उसने अपने दांत उसके हाथ में गड़ा दिए और खून का एहसास किया।
उसकी ज़बान पर। उसने उसका सिर पीछे खींचा और ज़बरदस्ती उसका मुंह अपने मुंह से लगा लिया।

वह एक जानवर की तरह लड़ी। लेकिन उसने कोई आवाज़ नहीं निकाली। उसने मदद के लिए पुकारा भी नहीं। उसे अपने वारों की गूंज उसकी साँसों की एक सिसकी में सुनाई दी, और वह जानती थी कि यह सुख की सिसकी थी। उसने ड्रेसिंग टेबल पर रखे लैंप को पकड़ने के लिए हाथ बढ़ाया। उसने लैंप उसके हाथ से छीन लिया। अंधेरे में शीशा चूर-चूर हो गया।
उसने उसे बिस्तर पर पटक दिया था और उसने अपने गले में, अपनी आँखों में खून की धड़कन महसूस की, अपने खून में नफरत, असहाय आतंक महसूस किया।
उसे नफ़रत और उसके हाथों का एहसास हुआ; उसके हाथ उसके शरीर पर चल रहे थे, ऐसे हाथ जो पत्थर तोड़ सकते थे। उसने आख़िरी तड़प में संघर्ष किया। फिर अचानक तेज़ दर्द उसके शरीर से होते हुए गले तक पहुँच गया और वह चीख पड़ी। फिर वह शांत पड़ी रही।
यह एक ऐसा कृत्य था जिसे कोमलता से, प्रेम की अभिव्यक्ति के रूप में, या तिरस्कार से, अपमान और विजय के प्रतीक के रूप में किया जा सकता था। यह एक प्रेमी का कृत्य हो सकता था या किसी सैनिक द्वारा शत्रु महिला का अपमान करने का कृत्य। उसने इसे घृणा के रूप में किया। प्रेम के रूप में नहीं, बल्कि अपवित्रता के रूप में। और इसी ने उसे शांत लेटे रहने और समर्पण करने पर मजबूर कर दिया। उसकी ओर से कोमलता का एक भी संकेत मिलता तो वह ठंडी, अपने शरीर पर हुए इस कृत्य से अप्रभावित रहती। लेकिन एक स्वामी द्वारा उस पर शर्मनाक, तिरस्कारपूर्ण अधिकार जमाना ही वह आनंद था जो वह चाहती थी। फिर उसने महसूस किया कि वह असहनीय सुख की पीड़ा से काँप रहा है, वह जानती थी कि यही सुख उसने ही उसे दिया है, यह उसके भीतर से, उसके शरीर से आया है, और उसने उसके होठों को काट लिया और वह जान गई कि वह उसे क्या बताना चाहता था।
वह बिस्तर पर उससे दूर, स्थिर लेटा हुआ था, उसका सिर किनारे से पीछे की ओर लटका हुआ था। उसने उसकी धीमी, अंतिम साँसें सुनीं। वह पीठ के बल लेटी हुई थी, जैसे वह उसे छोड़कर गया था, बिना हिले-डुले, मुँह खुला हुआ। उसे खालीपन, हल्कापन और उदासी महसूस हो रही थी।
उसने उसे उठते हुए देखा। उसने खिड़की के सामने उसकी परछाई देखी।
वह बिना कुछ कहे या उसकी ओर देखे बिना बाहर चला गया। उसने यह देखा, पर उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। वह बगीचे में दूर जाते उसके कदमों की आवाज़ को बेसुध होकर सुनती रही।
वह काफी देर तक स्थिर लेटी रही। फिर उसने अपने खुले मुंह में अपनी जीभ हिलाई। उसे अपने भीतर से एक आवाज़ सुनाई दी, और वह एक सूखी, छोटी, घिनौनी सिसकी थी, लेकिन वह रो नहीं रही थी, उसकी आँखें सूनी, सूखी और खुली हुई थीं।
अचानक हलचल हुई, एक झटका उसके गले से पेट तक दौड़ गया। इसने उसे उछाल दिया, वह अजीब तरह से झुकी हुई खड़ी रही, उसकी कोहनियाँ उसके पेट से दबी हुई थीं। उसने अंधेरे में बिस्तर के पास रखी छोटी मेज के हिलने की आवाज़ सुनी, और उसने उस पर खाली आश्चर्य से देखा कि कोई मेज बिना किसी कारण के कैसे हिल सकती है। फिर उसे समझ आया कि वह काँप रही है। वह डरी नहीं थी; इस तरह काँपना मूर्खतापूर्ण लग रहा था, छोटे-छोटे झटकों में, जैसे बिना आवाज़ वाली हिचकी।
उसने सोचा कि उसे नहाना चाहिए। यह ज़रूरत असहनीय थी, मानो वह इसे लंबे समय से महसूस कर रही हो। कुछ भी मायने नहीं रखता था, बस वह नहा ले। वह धीरे-धीरे अपने कदमों को घसीटते हुए अपने बाथरूम के दरवाजे तक गई।
उसने बाथरूम की लाइट जलाई। उसने खुद को एक बड़े शीशे में देखा। उसने अपने शरीर पर उसके मुंह से बने बैंगनी निशान देखे।
उसके गले से दबी हुई एक सिसकी सुनाई दी, जो बहुत तेज़ नहीं थी। यह दृश्य नहीं था, बल्कि अचानक मिली अनुभूति थी। वह जानती थी कि वह स्नान नहीं करेगी। वह

जानती थी कि वह उसके शरीर का एहसास, उसके शरीर के निशान अपने शरीर पर महसूस करना चाहती है, और यह भी जानती थी कि ऐसी इच्छा का क्या अर्थ है। वह घुटनों के बल बैठ गई और बाथटब के किनारे को पकड़ लिया। वह उस किनारे से रेंगकर बाहर नहीं निकल पाई। उसके हाथ फिसल गए, और वह फर्श पर स्थिर पड़ी रही। उसके शरीर के नीचे टाइलें सख्त और ठंडी थीं। वह सुबह तक वहीं पड़ी रही।
रोर्क सुबह उठा और सोचने लगा कि बीती रात उसके जीवन में एक पड़ाव जैसी थी, मानो एक विराम। वह ऐसे ही विरामों के लिए आगे बढ़ रहा था; ठीक वैसे ही जैसे उसने अधबने हेलर हाउस से गुजरते हुए बिताए थे; ठीक वैसे ही जैसे बीती रात। किसी अनकहे ढंग से, बीती रात उसके लिए भवन निर्माण का सार थी; उसके भीतर की किसी प्रतिक्रिया के रूप में, उसके अस्तित्व की चेतना को जो कुछ इसने दिया था।
हिंसा और उसके जानबूझकर किए गए घिनौने कृत्य से परे, उनके बीच एक गहरी समझ थी; अगर वह उसके लिए कम महत्वपूर्ण होती, तो वह उसे इस तरह नहीं ले जाता; अगर वह उसके लिए कम महत्वपूर्ण होता, तो वह इतनी बेताबी से नहीं लड़ती। सबसे बड़ा आनंद इस बात को समझने में था कि वे दोनों इसे समझते थे।
वह पत्थर की खदान में गया और उस दिन उसने हमेशा की तरह काम किया। वह खदान में नहीं आई और उसे उसके आने की उम्मीद भी नहीं थी। लेकिन उसका ख्याल उसके मन में बना रहा। वह उत्सुकता से उस ख्याल को देखता रहा। किसी दूसरे व्यक्ति के अस्तित्व के प्रति सचेत होना, उसे अपने करीब महसूस करना, यह एक अजीब अनुभव था।
अत्यावश्यक आवश्यकता: एक ऐसी आवश्यकता जिसमें कोई शर्त नहीं, न सुखद न कष्टदायक, बल्कि अंतिम, किसी अंतिम आदेश की तरह। यह जानना महत्वपूर्ण था कि वह इस दुनिया में मौजूद है; उसके बारे में सोचना महत्वपूर्ण था, कि वह आज सुबह कैसे जागी, कैसे चली, उसका शरीर अभी भी उसका था, अब हमेशा के लिए उसका, और वह क्या सोचती थी।
उस शाम, धुएँ से भरी रसोई में खाना खाते समय, उसने एक अखबार खोला और गपशप वाले कालम की पंक्तियों में रोजर एनराइट का नाम देखा। उसने छोटा सा पैराग्राफ पढ़ा:
ऐसा लगता है कि एक और भव्य परियोजना कचरे के डिब्बे में जाने वाली है।
तेल के बादशाह रोजर एनराइट इस बार असमंजस में पड़ गए हैं। उन्हें एनराइट हाउस बनाने के अपने नवीनतम सपने को फिलहाल रोकना पड़ेगा।
हमें बताया गया है कि आर्किटेक्टों को परेशानी हो रही है। ऐसा लगता है कि असंतुष्ट श्रीमान ने बड़े-बड़े भवन निर्माण विशेषज्ञों में से आधे दर्जन को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।
एनराइट। सभी बेहतरीन लोग हैं।
रोर्क को वह दर्द महसूस हुआ जिससे वह अक्सर लड़ने की कोशिश करता था, ताकि वह उसे ज्यादा चोट न पहुँचाए: वह लाचारी जो उसके सामने थी, उस कल्पना के सामने जो वह कर सकता था, जो संभव होना चाहिए था और जो उससे दूर था।
फिर अचानक, बिना किसी कारण के, उसे डोमिनिक फ्रैंकन का ख्याल आया। उसका उसके मन में चल रही बातों से कोई संबंध नहीं था; उसे केवल यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह इन सब बातों के बीच भी मौजूद रह सकती है।
एक हफ़्ता बीत गया। फिर एक शाम, उन्हें घर पर एक पत्र मिला। यह पत्र उनके पुराने दफ़्तर से उनके आखिरी न्यूयॉर्क वाले पते पर भेजा गया था, फिर वहाँ से माइक को और माइक से कनेक्टिकट को।
लिफाफे पर खुदा हुआ तेल कंपनी का पता उसके लिए कोई मायने नहीं रखता था। उसने पत्र खोला। उसने पढ़ा:
प्रिय श्री रोर्क,

मैं आपसे संपर्क करने की काफी समय से कोशिश कर रहा हूँ, लेकिन आपसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। कृपया यथाशीघ्र मुझसे संपर्क करें। मैं आपसे अपने प्रस्तावित एनराइट हाउस के बारे में चर्चा करना चाहता हूँ, यदि आप वही व्यक्ति हैं जिन्होंने फार्गो स्टोर का निर्माण किया था।
"आपका,
“रोज़र एनराइट।”
आधे घंटे बाद रोर्क ट्रेन में सवार था। जब ट्रेन चलने लगी, तो उसे डोमिनिक की याद आई और यह एहसास हुआ कि वह उसे पीछे छोड़ रहा है। यह विचार दूर का और महत्वहीन लग रहा था। उसे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह अब भी उसके बारे में सोच रहा था।
डोमिनिक ने सोचा कि वह सब कुछ स्वीकार कर सकती है और समय के साथ सब कुछ भूल सकती है, सिवाय एक याद के: कि उसे उस घटना में आनंद मिला था, कि वह इसे जानता था, और इससे भी बढ़कर: कि वह उसके पास आने से पहले ही इसे जानता था और अगर उसे यह जानकारी न होती तो वह उसके पास न आता। उसने उसे वह एक जवाब नहीं दिया था जो उसे बचा सकता था: घृणा का एक सरल जवाब—उसे अपनी घृणा, अपने भय और उसकी शक्ति में आनंद मिला था। यही वह अपमान था जो वह चाहती थी और इसी कारण वह उससे नफरत करती थी।
एक सुबह नाश्ते की मेज पर उसे एक पत्र मिला। यह अल्वाह स्कारेट का था।
“...डोमिनिक, तुम कब वापस आ रही हो? मैं तुम्हें बता नहीं सकती कि हम तुम्हें यहाँ कितना याद कर रहे हैं। तुम्हारे आस-पास रहना आसान नहीं है, मैं तुमसे डरती हूँ, लेकिन मैं दूर से ही तुम्हारे बढ़े हुए अहंकार को थोड़ा और बढ़ा देती हूँ और यह स्वीकार करती हूँ कि हम सब बैसंब्री से तुम्हारा इंतज़ार कर रहे हैं। यह किसी महारानी की घर वापसी जैसा होगा।”
उसने इसे पढ़ा और मुस्कुराई। उसने सोचा, अगर उन्हें पता चल जाए... उन लोगों को ... वो पुराना जीवन और उसके प्रति वो श्रद्धापूर्ण आदर... मेरा बलात्कार हुआ है... मेरा बलात्कार किसी पत्थर की खदान के लाल बालों वाले बदमाश ने किया है... मैं, डोमिनिक फ्रैंकन... अपमान की तीव्र भावना के बीच, इन शब्दों ने उसे वही आनंद दिया जो उसने उसकी बाहों में महसूस किया था।
जब वह ग्रामीण इलाकों से गुज़रती थी, जब वह सड़क पर लोगों के पास से गुज़रती थी और लोग उसे, कस्बे की मुखिया को, झुककर प्रणाम करते थे, तब उसे यह बात याद आती थी। वह चाहती थी कि वह यह बात सबको ज़ोर से सुना दे।
उसे बीते दिनों का एहसास ही नहीं हुआ। वह एक अजीब से अलगाव में सुकून महसूस कर रही थी, मानो उन शब्दों में खोई हुई हो जिन्हें वह बार-बार दोहरा रही थी। फिर एक सुबह, अपने बगीचे की घास पर खड़े-खड़े उसे एहसास हुआ कि एक हफ्ता बीत चुका है और उसने उसे एक हफ्ते से नहीं देखा है। वह मुड़ी और तेज़ी से घास पार करके सड़क की ओर चल पड़ी। वह पत्थर की खदान जा रही थी।
वह मीलों पैदल चलकर खदान तक गई, सड़क पर नंगे बदन धूप में। उसे कोई जल्दी नहीं थी। जल्दी करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। यह अपरिहार्य था। उसे फिर से देखने के लिए... उसका कोई उद्देश्य नहीं था। ज़रूरत इतनी प्रबल थी कि किसी उद्देश्य का नाम देना असंभव था... इसके बाद... और भी बातें थीं।
उसके पीछे कई भयानक, महत्वपूर्ण बातें छूट गई थीं और धुंधली सी उसके मन में उभर रही थीं, लेकिन सबसे पहले, और सबसे बढ़कर, सिर्फ एक चीज: उसे फिर से देखना...
वह खदान पर आई और धीरे-धीरे, सावधानी से, मूर्खतापूर्वक अपने चारों ओर देखने लगी, मूर्खतापूर्वक इसलिए क्योंकि जो कुछ उसने देखा उसकी भयावहता उसके दिमाग में समा नहीं पा रही थी: उसने तुरंत देखा कि वह वहाँ नहीं था। काम पूरे ज़ोरों

पर चल रहा था, सूरज दिन के सबसे व्यस्त समय में अपने चरम पर था, वहाँ कोई भी निष्क्रिय व्यक्ति नज़र नहीं आ रहा था, लेकिन वह उन लोगों के बीच नहीं था।
वह काफी देर तक सुन्न होकर खड़ी रही और इंतजार करती रही।
फिर उसने फोरमैन को देखा और उसे पास आने का इशारा किया।
शुभ दोपहर, मिस फ्रैंकन... कितना प्यारा दिन है, मिस फ्रैंकन? ऐसा लग रहा है जैसे फिर से गर्मियों का मौसम आ गया हो और पतझड़ अभी दूर नहीं है, जी हाँ, पतझड़ आ रहा है, पत्तियों को देखिए, मिस फ्रैंकन।
उसने पूछा:
“यहाँ एक आदमी था... एक आदमी जिसके बाल बहुत चमकीले नारंगी रंग के थे... वह कहाँ है?”
“ओह हाँ। वही वाला। वो चला गया।”
"गया?"
"नौकरी छोड़ दी। मुझे लगता है कि न्यूयॉर्क के लिए निकल गया। वह भी बहुत अचानक।"
“कब? एक हफ़्ते पहले?”
“नहीं, बिलकुल नहीं। कल ही की बात है।”
“वह कौन था...”
फिर वह रुक गई। वह पूछने ही वाली थी: "वह कौन था?" लेकिन इसके बजाय उसने पूछा:
“कल रात इतनी देर तक यहाँ कौन काम कर रहा था? मुझे धमाकों की आवाज़ सुनाई दी।”
“यह मिस्टर फ्रैंकन की इमारत के लिए एक विशेष ऑर्डर था। कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग, आप जानते हैं ना। एक अर्जेंट काम था।”
"हाँ मैं समझा...."
"क्षमा करें, इससे आपको असुविधा हुई, मिस फ्रैंकन।"
“अरे, बिलकुल नहीं....”
वह चली गई। उसने उसका नाम नहीं पूछा। यही उसकी आज़ादी का आखिरी मौका था।
वह राहत की सांस लेते हुए तेज़ी से, सहजता से चलने लगी। उसे आश्चर्य हुआ कि उसने पहले कभी यह क्यों नहीं देखा कि वह उसका नाम नहीं जानती और उसने उससे कभी पूछा भी क्यों नहीं। शायद इसलिए कि पहली नज़र में ही वह उसके बारे में सब कुछ जान चुकी थी। उसने सोचा, न्यूयॉर्क शहर में कोई गुमनाम कर्मचारी नहीं मिल सकता। वह
सुरक्षित। अगर उसे उसका नाम पता होता, तो वह अब तक न्यूयॉर्क के लिए रवाना हो चुकी होती।
भविष्य सरल था। उसे बस इतना करना था कि वह कभी उसका नाम न पूछे। उसे मोहलत मिली थी। उसे लड़ने का मौका मिला था। वह इसे तोड़ देगी—या यह उसे तोड़ देगा। अगर ऐसा हुआ, तो वह उसका नाम ज़रूर पूछेगी।
तृतीय
जब पीटर कीटिंग ने कार्यालय में प्रवेश किया, तब
दरवाजा खुलने की आवाज तुरही की एक तेज आवाज जैसी थी। दरवाजा ऐसे खुला जैसे किसी ऐसे व्यक्ति के आने पर अपने आप खुल गया हो जिसके सामने सभी दरवाजे इसी तरह खुलते हों।
दफ्तर में उनका दिन अखबारों से शुरू होता था। उनकी सेक्रेटरी द्वारा उनकी डेस्क पर करीने से अखबारों का ढेर लगा रखा होता था। उन्हें यह देखना अच्छा लगता था कि

कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग को प्रगति या फ्रैंकन एंड कोटिंग फर्म के बारे में अखबारों में क्या नई खबरें छपी हैं।
आज सुबह अखबारों में इसका कोई जिक्र नहीं था, और कीटिंग ने भौंहें चढ़ाईं।
हालांकि, उन्होंने एल्सवर्थ एम. टूही के बारे में एक खबर देखी। यह एक चौंकाने वाली खबर थी। प्रसिद्ध परोपकारी थॉमस एल. फोस्टर का निधन हो गया था और उन्होंने अपनी बड़ी वसीयतों के अलावा, एल्सवर्थ एम. टूही को एक लाख डॉलर की मामूली रकम दी थी, जिन्हें उन्होंने "मेरे मित्र और आध्यात्मिक मार्गदर्शक—उनके महान मन और मानवता के प्रति सच्ची निष्ठा की सराहना में" बताया था। एल्सवर्थ एम. टूही ने वसीयत स्वीकार कर ली थी और उसे बिना किसी बदलाव के "वर्कशॉप ऑफ सोशल स्टडी" को सौंप दिया था, जो एक प्रगतिशील शिक्षण संस्थान था जहाँ वे व्याख्याता के पद पर कार्यरत थे।
“कला एक सामाजिक लक्षण के रूप में।” उन्होंने इसका सीधा-सा जवाब देते हुए कहा था कि वे “निजी विरासत की संस्था में विश्वास नहीं करते।” उन्होंने आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया था। “नहीं, मेरे दोस्तों,” उन्होंने कहा था, “इस बारे में नहीं।” और अपने उस खास अंदाज़ में, जो उस पल की गंभीरता को भंग कर देता था, उन्होंने आगे कहा, “मुझे केवल रोचक विषयों पर टिप्पणी करने का शौक है। मैं खुद को इनमें से एक नहीं मानता।”
पीटर कीटिंग ने कहानी पढ़ी। और चूंकि वह जानता था कि यह एक ऐसा कार्य था जिसे वह कभी नहीं करता, इसलिए उसने इसकी बहुत प्रशंसा की।
फिर उन्हें जानी-पहचानी झुंझलाहट के साथ याद आया कि वे एल्सवर्थ टूही से नहीं मिल पाए थे। कॉस्मो-स्लॉटनिक प्रतियोगिता में पुरस्कार मिलने के कुछ ही समय बाद टूही व्याख्यान दौरे पर निकल गए थे, और कीटिंग ने तब से जिन शानदार समारोहों में भाग लिया था, वे उस एक व्यक्ति की अनुपस्थिति से खाली-खाली से लग रहे थे जिनसे मिलने के लिए वे सबसे ज्यादा उत्सुक थे।
मुलाकात हुई। टूही के कॉलम में कीटिंग के नाम का कोई जिक्र नहीं था। कीटिंग ने हर सुबह की तरह उम्मीद से बैनर में छपे "वन स्मॉल वॉइस" की ओर रुख किया। लेकिन "वन स्मॉल वॉइस" का उपशीर्षक था...
आज "सान्स एंड थिंग्स" नामक यह पुस्तक लोकगीतों की श्रेष्ठता को संगीत कला के किसी भी अन्य रूप से और कोरस गायन की श्रेष्ठता को संगीत प्रस्तुति के किसी भी अन्य तरीके से सिद्ध करने के लिए समर्पित थी।
कीटिंग ने बैनर नीचे गिरा दिया। वह उठा और दफ्तर में बेचैनी से इधर-उधर घूमने लगा, क्योंकि अब उसे एक परेशान करने वाली समस्या का समाधान करना था। वह कई सुबह से इसे टालता आ रहा था। यह कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के लिए एक मूर्तिकार चुनने का मामला था।
कुछ महीने पहले, इमारत की मुख्य लॉबी में स्थापित होने वाली "उद्योग" की विशाल प्रतिमा का ठेका - अस्थायी रूप से - स्टीवन मैलोरी को दिया गया था। इस ठेके ने कीटिंग को उलझन में डाल दिया था, लेकिन यह ठेका श्री स्लॉटनिक द्वारा दिया गया था, इसलिए कीटिंग ने इसे स्वीकार कर लिया था। उन्होंने मैलोरी का साक्षात्कार लिया और कहा: "...आपकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए।"
... बेशक आपका कोई नाम नहीं है, लेकिन इस तरह के काम के बाद आपका नाम हो जाएगा... इस तरह के काम, जैसे मेरी यह इमारत, हर दिन नहीं मिलते।
उन्हें मैलोरी पसंद नहीं था। मैलोरी की आँखें ऐसी थीं मानो किसी अधूरी आग के बाद बने काले गड्ढे हों, और मैलोरी ने कभी मुस्कुराया भी नहीं था। वह चौबीस साल का था, उसकी कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगी थी, लेकिन उसे ज़्यादा काम नहीं मिला था। उसकी कला विचित्र और बहुत हिंसक थी। कीटिंग को याद आया कि बहुत समय पहले, एल्सवर्थ टूही ने अपनी किताब "वन स्मॉल वॉइस" में कहा था: "अगर यह धारणा

न होता कि इश्वर ने दानेया और मानव रूप बनाया है, तो श्री मैलोरी की मानव आकृतियाँ बहुत सुंदर होतीं। अगर श्री मैलोरी को यह काम सौंपा जाता, तो शायद वे सर्वशक्तिमान से भी बेहतर कर पाते, अगर हम उनके द्वारा पत्थर में गढ़ी गई मानव आकृतियों को देखें। या क्या वे कर पाते?"
मिस्टर स्लॉटनिक के चुनाव से कीटिंग हैरान थे, जब तक उन्हें यह पता नहीं चला कि डिंपल्स विलियम्स कभी स्टीवन मैलोरी के साथ उसी ग्रीनविच विलेज के मकान में रहती थीं, और मिस्टर स्लॉटनिक उस समय डिंपल्स विलियम्स को मना नहीं कर सकते थे। मैलोरी को काम पर रख लिया गया था, उन्होंने काम किया था और अपनी "उद्योग" की मूर्ति का एक मॉडल प्रस्तुत किया था। जब कीटिंग ने उसे देखा, तो उन्हें पता चल गया कि मूर्ति उनके लॉबी की साफ-सुथरी सुंदरता में एक गहरे घाव, आग के धब्बे जैसी लगेगी। यह एक ऐसे पतले, नग्न शरीर वाले आदमी की मूर्ति थी जो देखने में ऐसा लगता था मानो किसी युद्धपोत की स्टील प्लेट और किसी भी बाधा को तोड़ सकता हो।
खैर, यह एक चुनौती की तरह खड़ा था। इसने आँखों पर एक अजीब छाप छोड़ी। इसने आसपास के लोगों को सामान्य से छोटा और उदास बना दिया। अपने जीवन में पहली बार, उस मूर्ति को देखते हुए, कीटिंग को लगा कि वह "वीर" शब्द का अर्थ समझ गया है।
उन्होंने कुछ नहीं कहा। लेकिन मॉडल को श्री स्लॉटनिक के पास भेज दिया गया और कई लोगों ने आक्रोश के साथ वही कहा जो कीटिंग ने महसूस किया था। श्री...
स्लॉटनिक ने उनसे किसी अन्य मूर्तिकार को चुनने के लिए कहा और यह निर्णय उन्हीं पर छोड़ दिया।
कीटिंग एक आरामकुर्सी पर बैठ गया, पीछे की ओर झुक गया और अपनी जीभ को तालू से टकराया। वह सोच रहा था कि क्या उसे यह काम ब्रॉन्सन को देना चाहिए, जो श्रीमती का मित्र मूर्तिकार था।
शूपे, जो कॉस्मो के अध्यक्ष की पत्नी थीं; या पामर, जिनकी सिफारिश श्री हुसेबी ने की थी, जो एक नई पांच मिलियन डॉलर की कॉस्मेटिक फैक्ट्री बनाने की योजना बना रहे थे। कीटिंग को यह हिचकिचाहट की प्रक्रिया अच्छी लगने लगी; उनके हाथ में दो लोगों और कई संभावित अन्य लोगों का भविष्य था; उनका भविष्य, उनका काम, उनकी उम्मीद, शायद उनके पेट में भोजन की मात्रा भी। वह अपनी मर्जी से, किसी भी कारण से, बिना किसी कारण के भी चुन सकते थे; वह सिक्का उछाल सकते थे, वह अपनी बनियान के बटनों पर गिनती कर सकते थे। वह एक महान व्यक्ति थे।
—उन लोगों की कृपा से जो उन पर निर्भर थे।
फिर उसकी नजर लिफाफे पर पड़ी।
यह उसके डेस्क पर पत्रों के ढेर के ऊपर पड़ा था। यह एक सादा, पतला, संकरा लिफाफा था, लेकिन इसके एक कोने में बैनर का छोटा सा मुखपृष्ठ छपा हुआ था। उसने जल्दी से उसे उठाया। उसमें कोई पत्र नहीं था; केवल कर्ल के बैनर के लिए प्रूफ की एक पट्टी थी। उसने एल्सवर्थ एम. टूही की जानी-पहचानी कविता "वन स्मॉल वॉइस" देखी, और उसके नीचे उपशीर्षक के रूप में एक शब्द था, बड़े-बड़े अक्षरों में, दूर-दूर लिखा हुआ, एक शब्द, अपनी एकता में स्पष्ट, एक तरह से अनदेखी के माध्यम से एक अभिवादन:
“कीटिंग”
उसने कागज की पट्टी गिरा दी और फिर उसे उठाकर पढ़ने लगा, बड़े-बड़े अधूरे वाक्यों को पढ़ते हुए उसका गला भर आया, कागज उसके हाथ में काँप रहा था, उसके माथे की त्वचा पर गुलाबी धब्बे पड़ गए थे। टूही ने लिखा था:
"महानता एक अतिशयोक्ति है, और आयामों की सभी अतिशयोक्तियों की तरह, यह एक साथ शून्यता के आवश्यक परिणाम को दर्शाती है।"

क्या मन में फूले हुए खिलौने वाले गुब्बारे का ख्याल नहीं आता? हालांकि, कई बार हमें उस संभावना को स्वीकार करना पड़ता है जो महानता की परिभाषा के बेहद करीब है। ऐसी ही एक संभावना हमारे वास्तुशिल्प जगत में पीटर कीटिंग नामक एक युवा कलाकार के रूप में उभर रही है।
"हमने उनके द्वारा डिजाइन की गई शानदार कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के बारे में बहुत कुछ सुना है - और यह उचित भी है। आइए, एक बार इमारत से परे, उस व्यक्ति पर भी नजर डालें, जिसकी शख्सियत की छाप इस पर अंकित है।"
“उस इमारत पर किसी व्यक्ति विशेष की छाप नहीं है—और मेरे मित्रों, इसी में व्यक्तित्व की महानता निहित है। यह एक निस्वार्थ युवा आत्मा की महानता है जो सभी चीजों को आत्मसात करती है और उन्हें उस दुनिया में लौटा देती है जहाँ से वे आई थीं, अपनी प्रतिभा की कोमल चमक से समृद्ध होकर। इस प्रकार एक अकेला व्यक्ति किसी विलक्षण व्यक्ति का नहीं, बल्कि समस्त मनुष्यों के समूह का प्रतिनिधित्व करता है, समस्त आकांक्षाओं की पहुंच को अपने भीतर समाहित कर लेता है...।”
"...जिनमें विवेक की क्षमता है, वे पीटर कीटिंग द्वारा कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के रूप में दिए गए संदेश को समझ सकेंगे, यह देख सकेंगे कि तीन सरल, विशाल भूतलें हमारे श्रमिक वर्गों का ठोस आधार हैं जो पूरे समाज का सहारा हैं; सूर्य की रोशनी में चमकती एक जैसी खिड़कियों की कतारें आम लोगों की आत्माएं हैं, उन अनगिनत गुमनाम लोगों की आत्माएं हैं जो भाईचारे की एकरूपता में प्रकाश की ओर अग्रसर हैं; भूतलों में अपने मजबूत आधार से उठते और अपने कोरिंथियन शीर्षों की जीवंत चमक में विलीन होते सुंदर स्तंभ संस्कृति के फूल हैं जो केवल तभी खिलते हैं जब वे व्यापक जनसमूह की उपजाऊ मिट्टी में जड़ जमा लेते हैं..."
“...उन लोगों के जवाब में जो सभी आलोचकों को संवेदनशील प्रतिभा के विनाश के लिए समर्पित दुष्ट मानते हैं, यह स्तंभ पीटर कीटिंग को हमें दुर्लभ—ओह, बहुत ही दुर्लभ!—प्रदान करने के लिए धन्यवाद देना चाहता है।”
यह हमारे सच्चे मिशन के प्रति हमारी खुशी को साबित करने का अवसर है, जो कि युवा प्रतिभाओं को खोजना है - जब वे खोजे जाने के लिए मौजूद हों। और अगर पीटर कीटिंग कभी इन पंक्तियों को पढ़ें, तो हम उनसे किसी कृतज्ञता की अपेक्षा नहीं करते। कृतज्ञता हमारी है।
जब कीटिंग ने तीसरी बार लेख को पढ़ना शुरू किया, तब उन्होंने देखा कि शीर्षक के ऊपर लाल पेंसिल से कुछ पंक्तियाँ लिखी हुई थीं:
प्रिय पीटर कीटिंग,
"किसी दिन मेरे ऑफिस में मुझसे मिलने आ जाना। मुझे यह जानकर खुशी होगी कि तुम कैसे दिखते हो।"
“ई.एम.टी.”
उसने अखबार की कतरन को अपनी मेज पर गिरने दिया और उसके ऊपर खड़े होकर, एक तरह की सुखद मदहोशी में, अपनी उंगलियों के बीच बालों की एक लट को सहलाने लगा। फिर वह कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के अपने चित्र की ओर मुड़ा, जो पार्थनन और लूव्र की एक-एक विशाल तस्वीर के बीच दीवार पर टंगा था। उसने अपनी इमारत के स्तंभों को देखा। उसने कभी उन्हें विशाल भूभाग से खिलती हुई संस्कृति के रूप में नहीं सोचा था, लेकिन उसने फैसला किया कि कोई भी ऐसा और बाकी सभी खूबसूरत चीजों के बारे में सोच सकता है।
फिर उसने टेलीफोन उठाया, उसने एल्सवर्थ टूही के सचिव की ऊँची, सपाट आवाज में बात की, और उसने अगले दिन दोपहर साढ़े चार बजे टूही से मिलने का समय तय किया।
उसके बाद के घंटों में, उसके दैनिक कार्य में एक नया आनंद समाहित हो गया। ऐसा लग रहा था मानो उसकी सामान्य गतिविधि केवल एक चमकीली, सपाट भित्ति चित्र थी,

जो अब एल्सवर्थ टूही के शब्दों द्वारा आगे बढ़ाई गई, त्रि-आयामी वास्तविकता से युक्त एक उत्कृष्ट उभरी हुई आकृति बन गई हो।
गाइ फ्रैंकन कभी-कभार अपने दफ्तर से नीचे उतरते थे, जिसका कोई स्पष्ट कारण नहीं था। उनकी कमीज़ और मोज़ों के हल्के रंग उनके माथे के भूरे रंग से मेल खाते थे। वे चुपचाप मुस्कुराते हुए खड़े रहते थे। ड्राफ्टिंग रूम में कीटिंग तेज़ी से उनके पास से गुज़रे और उनकी उपस्थिति को महसूस किया। वे रुके नहीं, बल्कि अपने कदमों को थोड़ा धीमा करके फ्रैंकन की जेब में रखे बैंगनी रुमाल की तहों में एक तड़पता हुआ अखबार का टुकड़ा रख दिया और लिखा, "जब समय मिले तो इसे पढ़ लेना, गाई।"
अगले कमरे में आधा कदम बढ़ाते हुए उन्होंने आगे कहा, "क्या आज मेरे साथ दोपहर का खाना खाना चाहोगे, गाइ? प्लाज़ा में मेरा इंतज़ार करना।"
दोपहर के भोजन से लौटने पर, कीटिंग को एक युवा चित्रकार ने रोक लिया और उत्साह से भरी आवाज़ में पूछा:
"कहिए, श्रीमान कीटिंग, एल्सवर्थ टूही पर गोली किसने चलाई थी?"
कीटिंग किसी तरह हांफते हुए बोला:
“किसने क्या किया?”
“मिस्टर टूही को गोली मार दी।”
"कौन?"
मैं यही जानना चाहता हूं, कौन है वो।
“एल्सवर्थ टूही को गोली मारी गई?”
“मैंने रेस्टोरेंट में एक आदमी के यहाँ अखबार में यही देखा था। मेरे पास खुद खरीदने का समय नहीं था।”
“उसने... हत्या कर दी?”
“मुझे यही नहीं पता। मैंने सिर्फ इतना पढ़ा कि गोली चलने की बात कही गई थी।”
"अगर उनकी मृत्यु हो गई है, तो क्या इसका मतलब यह है कि वे कल उनका कॉलम प्रकाशित नहीं करेंगे?"
“पता नहीं। क्यों, श्रीमान कीटिंग?”
"जाओ मेरे लिए एक अखबार ले आओ।"
लेकिन मुझे करना ही होगा...
"मुझे वो कागज लाकर दो, तुम बेवकूफ!"
दोपहर के अखबारों में खबर छपी थी। उस सुबह एल्सवर्थ टूही पर गोली चलाई गई थी, जब वे एक रेडियो स्टेशन के सामने अपनी कार से उतरे थे, जहाँ उन्हें "बेआवाज़ और असहाय" विषय पर भाषण देना था। गोली उन्हें नहीं लगी। एल्सवर्थ टूही पूरी घटना के दौरान शांत और संयमित रहे। उनका व्यवहार नाटकीय था, लेकिन उसमें नाटकीयता की कोई गुंजाइश नहीं थी। उन्होंने कहा था: "हम रेडियो श्रोताओं को इंतज़ार नहीं करा सकते।"
और वह जल्दी से ऊपर माइक्रोफोन के पास चला गया, जहाँ उसने घटना का ज़िक्र किए बिना, हमेशा की तरह, आधे घंटे का भाषण बिना देखे ही दे दिया। गिरफ्तारी के समय हमलावर ने कुछ नहीं कहा था।
कीटिंग ने गले में सूखापन लिए हमलावर का नाम देखा। वह स्टीवन मैलोरी था।
केवल अकथनीय चीज़ें ही कीटिंग को डराती थीं, विशेषकर तब जब अकथनीयता मूर्त तथ्यों में नहीं, बल्कि उसके भीतर व्याप्त उस निराधार भय की भावना में निहित होती थी। जो कुछ हुआ था, उससे उसका प्रत्यक्ष रूप से कोई संबंध नहीं था, सिवाय उसकी इस इच्छा के कि काश यह कोई और होता, स्टीवन मैलोरी के अलावा कोई भी; और वह नहीं जानता था कि वह ऐसा क्यों चाहता था।
स्टीवन मैलोरी चुप रहा। उसने अपने कृत्य का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया। पहले तो यह अनुमान लगाया गया कि वह शायद

कॉस्मो-स्लोटानेक बिल्डिंग के लिए अपना कमीशन खो देने की निराशा से प्रेरित होकर, क्योंकि यह पता चला था कि वह घोर गरीबी में जी रहा था। लेकिन यह निर्विवाद रूप से साबित हो गया कि एल्सवर्थ टूही का इस नुकसान से कोई संबंध नहीं था। टूही ने स्टीवन मैलोरी के बारे में मिस्टर स्लोटनिक से कभी बात नहीं की थी। टूही ने "उद्योग" की मूर्ति भी नहीं देखी थी। इस बिंदु पर मैलोरी ने अपनी चुप्पी तोड़ते हुए स्वीकार किया कि वह टूही से कभी नहीं मिला था, न ही उसे व्यक्तिगत रूप से देखा था, और न ही टूही के किसी मित्र को जानता था। "क्या आपको लगता है कि मिस्टर..."
“क्या टूही किसी तरह से उस कमीशन को खोने के लिए ज़िम्मेदार था?” उनसे पूछा गया। मैलोरी ने जवाब दिया: “नहीं।” “तो फिर क्यों?” मैलोरी ने कुछ नहीं कहा।
रेडियो स्टेशन के बाहर फुटपाथ पर पुलिसकर्मियों द्वारा पकड़े जाने पर टूही अपने हमलावर को पहचान नहीं पाए थे। प्रसारण समाप्त होने तक उन्हें उसका नाम भी पता नहीं चला। फिर स्टूडियो से निकलकर इंतज़ार कर रहे पत्रकारों से भरे एक कमरे में कदम रखते हुए टूही ने कहा: “नहीं, ज़ाहिर है मैं कोई शिकायत दर्ज नहीं कराऊंगा। काश उन्होंने उसे छोड़ दिया होता। वैसे, वह कौन है?” नाम सुनते ही टूही की नज़र एक आदमी के कंधे और दूसरे की टोपी के किनारे के बीच कहीं टिक गई। फिर टूही—जो नीचे प्रवेश द्वार के शीशे पर गोली लगने के बावजूद शांत खड़े रहे थे—ने एक शब्द कहा और वह शब्द भय से भारी होकर उनके पैरों में गिर पड़ा: “क्यों?”
कोई जवाब नहीं दे सका। तभी टूही ने कंधे उचकाए, मुस्कुराया और कहा: "अगर यह मुफ्त प्रचार पाने की कोशिश थी—तो कितनी घटिया बात है!" लेकिन किसी ने भी इस स्पष्टीकरण पर विश्वास नहीं किया, क्योंकि सभी को लगा कि टूही को भी इस पर यकीन नहीं था। इसके बाद हुए साक्षात्कारों में टूही ने सवालों के जवाब हंसमुख अंदाज में दिए। उन्होंने कहा: "मैंने कभी खुद को इतना महत्वपूर्ण नहीं समझा कि मेरी हत्या की जाए। यह मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान होता—अगर यह किसी ओपेरा की शैली में न होता।" उन्होंने यह आकर्षक आभास देने में कामयाबी हासिल की कि कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं हुआ क्योंकि धरती पर कभी कुछ महत्वपूर्ण होता ही नहीं।
मैलोरी को मुकदमे की प्रतीक्षा में जेल भेज दिया गया। उससे पूछताछ करने के सभी प्रयास विफल रहे।
उस रात, जिस विचार ने कीटिंग को कई घंटों तक बेचैनी से जगाए रखा, वह यह निराधार निश्चितता थी कि टूही भी ठीक वैसा ही महसूस कर रहा था जैसा वह खुद कर रहा था।
कीटिंग ने सोचा, वह जानता है, और मैं भी जानता हूँ, कि स्टीवन में—
मैलोरी का मकसद—उसके हत्या के प्रयास से भी कहीं अधिक खतरनाक था।
लेकिन हम उसका मकसद कभी नहीं जान पाएंगे। या जान पाएंगे? ... और फिर उसने डर की जड़ को छू लिया: अचानक उसके मन में यह इच्छा जागी कि आने वाले वर्षों में, जीवन के अंत तक, उसे उस मकसद के बारे में कभी पता न चले।
जब कीटिंग ने प्रवेश किया तो एल्सवर्थ टूही के सचिव ने आराम से उठकर उनके लिए एल्सवर्थ टूही के कार्यालय का दरवाजा खोल दिया।
कीटिंग उस दौर से आगे निकल चुका था जब उसे किसी प्रसिद्ध व्यक्ति से मिलने की आशंका होती थी, लेकिन जैसे ही उसने उसके हाथ से दरवाजा खुलते देखा, उसे घबराहट महसूस हुई। वह सोचने लगा कि टूही असल में कैसा दिखता होगा। उसे हड़ताल की बैठक की लॉबी में सुनी गई उसकी दमदार आवाज़ याद आई, और उसने एक विशालकाय व्यक्ति की कल्पना की, जिसके घने बाल हों, शायद अभी-अभी सफ़ेद हुए हों, और जिसके चेहरे पर असीम दयालुता झलकती हो, कुछ-कुछ ईश्वर पिता के चेहरे जैसा।
“श्री पीटर कीटिंग—श्री टूही,” सचिव ने कहा और अपने पीछे दरवाजा बंद कर दिया।

एल्सवर्थ मोंकटन टूही को पहली नज़र में देखते ही मन करता था कि उन्हें एक भारी, गद्देदार ओवरकोट पहनाया जाए—उनका पतला-दुबला शरीर इतना कमज़ोर और असुरक्षित लग रहा था, मानो अंडे से अभी-अभी निकली मुर्गी हो, जिसकी हड्डियाँ अभी पूरी तरह से न कसी हुई हों। दूसरी नज़र में देखते ही मन करता था कि वह ओवरकोट वीकई बेहतरीन हो—उनके शरीर पर लिपटे वस्त्र इतने सुंदर थे। गहरे रंग के सूट की रेखाएँ उनके शरीर की बनावट को सहजता से दर्शाती थीं, मानो किसी भी बात को छिपा नहीं रही हों: वे संकरे सीने की गहराई में समा जाती थीं, लंबी, पतली गर्दन से कंधों के तीखे ढलान के साथ नीचे उतरती थीं। उनका बड़ा माथा उनके शरीर पर हावी था। नुकीला चेहरा चौड़ी कनपटी से लेकर छोटी, नुकीली ठुड्डी तक फैला हुआ था। बाल काले, चमकदार थे, एक पतली सफेद रेखा से बराबर दो हिस्सों में बँटे हुए थे। इससे खोपड़ी सुगठित और आकर्षक दिखती थी, लेकिन कानों पर ज़्यादा ज़ोर पड़ता था, जो किसी सूप के प्याले के हैंडल की तरह अकेले ही फैले हुए थे। नाक लंबी और पतली थी, जो काली मूंछों के छोटे से गुच्छे से और भी लंबी दिखती थी। आंखें गहरी और आकर्षक थीं। उनमें बुद्धिमत्ता और चंचल प्रसन्नता का अथाह भंडार था।
ऐसा प्रतीत होता था कि वह अपने चश्मे अपनी आंखों की रक्षा के लिए नहीं बल्कि अन्य लोगों को उनकी आंखों की अत्यधिक चमक से बचाने के लिए पहनते थे।
“हैलो, पीटर कीटिंग,” एल्सवर्थ मोंकटन टूही ने अपनी सम्मोहक, जादुई आवाज़ में कहा। “नाइके एप्टेरोस के मंदिर के बारे में आपकी क्या राय है?”

“आप कैसे हैं, श्रीमान टूही?” कीटिंग ने रुककर, अचंभित होकर कहा।
मैं किस बारे में क्या सोचता हूँ...?
"बैठ जाओ, मेरे मित्र। नाइके एप्टेरोस के मंदिर में।"
“अच्छा... अच्छा... मैं...”
मुझे पूरा यकीन है कि आप उस नन्हे रत्न को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते थे। पार्थेनन ने वह पहचान छीन ली है जो—और क्या ऐसा ही अक्सर नहीं होता? बड़ा और ताकतवर सारी शान बटोर लेता है, जबकि साधारण की सुंदरता अनसुनी रह जाती है—जो ग्रीस के महान स्वतंत्र आत्मा की उस शानदार छोटी रचना को मिलनी चाहिए थी। मुझे यकीन है कि आपने इसके विशाल आकार का उत्तम संतुलन, इसके साधारण अनुपातों की सर्वोच्च पूर्णता—हाँ, आप जानते हैं, सादगी में ही श्रेष्ठता—बारीकियों की नाजुक कारीगरी पर ध्यान दिया होगा।
“हाँ, बिल्कुल,” कीटिंग ने बुदबुदाते हुए कहा, “यह हमेशा से मेरा पसंदीदा रहा है।”
—नाइके एप्टेरोस का मंदिर।"
“सचमुच?” एल्सवर्थ टूही ने मुस्कुराते हुए कहा, जिसे कीटिंग ठीक से समझ नहीं पाए।
“मुझे इसका पूरा यकीन था। मुझे यकीन था कि आप यही कहेंगे। पीटर कीटिंग, आपका चेहरा बहुत ही आकर्षक है, जब आप इस तरह घूरते नहीं हैं—जो कि बिल्कुल अनावश्यक है।”
और टूही अचानक हंसने लगा, बिल्कुल स्पष्ट रूप से, बिल्कुल अपमानजनक ढंग से, कीटिंग और खुद पर हंसते हुए; ऐसा लग रहा था मानो वह पूरी प्रक्रिया की झूठी प्रकृति को रेखांकित कर रहा हो। कीटिंग एक पल के लिए स्तब्ध रह गया; और फिर उसने सहजता से जवाब में हंसना शुरू कर दिया, मानो वह किसी पुराने दोस्त के साथ घर पर हो।
“यह बेहतर है,” टूही ने कहा। “क्या आपको नहीं लगता कि इतने महत्वपूर्ण क्षण में इतनी गंभीरता से बात करना उचित नहीं है? और यह हम दोनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण क्षण हो सकता है—कौन जानता है?—और हाँ, मुझे पता था कि आप मुझसे थोड़ा डरेंगे और—हाँ, मैं मानता हूँ—मैं भी आपसे काफी डरा हुआ था, तो क्या यह बेहतर नहीं है?”

“आह, जी हाँ, श्री टूही,” कीटिंग ने खुशी से कहा। लोगों से मिलने में उनका सामान्य आत्मविश्वास गायब हो गया था; लेकिन उन्हें सहजता महसूस हो रही थी, मानो सारी ज़िम्मेदारी उनसे हट गई हो और उन्हें सही बातें कहने की चिंता न हो, क्योंकि उन्हें बड़े आराम से मार्गदर्शन मिल रहा था।
उन्हें बिना किसी प्रयास के ये शब्द कहने में सक्षम बनाना। "मुझे हमेशा से पता था कि आपसे मिलना एक महत्वपूर्ण क्षण होगा, श्री टूही। हमेशा से।"
सालों के लिए।"
“सचमुच?” एल्सवर्थ टूही ने चश्मे के पीछे चौकस निगाहों से देखते हुए कहा। “क्यों?”
क्योंकि मुझे हमेशा से उम्मीद थी कि मैं आपको प्रसन्न कर सकूंगी, कि आप मेरे काम को स्वीकार कर लेंगे... जब समय आएगा... क्यों, मैंने तो यहाँ तक
...”
"हाँ?"
“...चित्र बनाते समय मैं अक्सर सोचता था, क्या यह उस तरह की इमारत है जिसे एल्सवर्थ टूही अच्छा कहेंगे? मैंने इसे आपकी नज़रों से देखने की कोशिश की... मैंने... मैंने...” टूही ध्यान से सुन रहे थे।
“मैं हमेशा से आपसे मिलना चाहता था क्योंकि आप एक गहन विचारक और सांस्कृतिक रूप से बेहद विशिष्ट व्यक्ति हैं—”
“अर्ब,” टूही ने विनम्रता से कहा, लेकिन उनकी आवाज़ में थोड़ी अधीरता थी; आखिरी वाक्य पर उनकी रुचि कम हो गई थी। “इन सब बातों को छोड़िए। मेरा इरादा असभ्य होने का नहीं है, लेकिन हम इस तरह की बातों को छोड़ देते हैं, ठीक है? यह सुनने में भले ही अटपटा लगे, लेकिन मुझे व्यक्तिगत प्रशंसा सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है।”
कीटिंग ने सोचा, टूही की आँखों ने ही उसे सूकून दिया था। टूही की आँखों में असीम समझदारी और बेपरवाह दयालुता थी—नहीं, यह कैसा शब्द है—असीम दयालुता। ऐसा लगता था मानो उससे कुछ छिपाया नहीं जा सकता, लेकिन छिपाने की ज़रूरत भी नहीं थी, क्योंकि वह सब कुछ माफ़ कर देता था।
कीटिंग ने आज तक जितनी भी आंखें देखी थीं, उनमें से वे सबसे निर्भीक आंखें थीं।
लेकिन, श्री टूही,” उसने बुदबुदाते हुए कहा, “मैं तो चाहता था...”
“तुम मेरे लेख के लिए मुझे धन्यवाद देना चाहते थे,” टूही ने कहा और समलैंगिक निराशा का थोड़ा सा भाव दिखाते हुए बोला। “और मैं तो तुम्हें ऐसा करने से रोकने की इतनी कोशिश कर रहा था। मुझे ऐसा करने दोगे क्या?”
आपको मुझे धन्यवाद देने की कोई आवश्यकता नहीं है। यदि आप उन बातों के पात्र थे जो मैंने कही हैं, तो इसका श्रेय आपको जाता है, मुझे नहीं।
है ना?
लेकिन मुझे बहुत खुशी हुई कि आपने मेरे बारे में ऐसा सोचा...
“...एक महान वास्तुकार? लेकिन यकीनन, मेरे बेटे, तुम यह जानते थे। या तुम्हें पूरी तरह यकीन नहीं था? क्या तुम्हें कभी इस बात का पूरा यकीन ही नहीं था?”
“ठीक है, मैं...”
यह महज एक पल का विराम था। और कीटिंग को लगा कि टूही उससे बस इतना ही सुनना चाहता था; टूही ने बाकी का इंतज़ार नहीं किया, बल्कि ऐसे बोला जैसे उसे पूरा जवाब मिल गया हो, और वह जवाब उसे पसंद आया हो।
“और जहाँ तक कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग की बात है, कौन इस बात से इनकार कर सकता है कि यह एक असाधारण उपलब्धि है? आप जानते हैं, मैं इसकी योजना से बहुत प्रभावित हुआ। यह एक बेहद ही चतुराई भरी योजना है। एक शानदार योजना। बहुत ही अनोखी। आपके पिछले कार्यों से बिल्कुल अलग। है ना?”
“स्वाभाविक रूप से,” कीटिंग ने कहा, उनकी आवाज पहली बार स्पष्ट और दृढ़ थी।

"यह समस्या मेरे द्वारा पहले किए गए किसी भी काम से अलग थी, इसलिए मैंने उस योजना को समस्या की विशेष आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया।"
“बिल्कुल,” टूही ने नरमी से कहा। “यह एक खूबसूरत कलाकृति है। आपको इस पर गर्व होना चाहिए।”
कीटिंग ने देखा कि टूही की आंखें लेंस के ठीक बीचोंबीच टिकी हुई थीं और लेंस सीधे उसकी पुतलियों पर केंद्रित थे। कीटिंग को अचानक एहसास हुआ कि टूही को पता था कि उसने कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग का नक्शा नहीं बनाया था। इससे उसे डर नहीं लगा। उसे डर इस बात से लगा कि उसने टूही की आंखों में स्वीकृति देखी।
“अगर आपको महसूस करना ही है—नहीं, कृतज्ञता नहीं, कृतज्ञता तो बहुत ही शर्मनाक शब्द है—लेकिन, क्या हम कहें, प्रशंसा?” टूही ने अपनी बात जारी रखी, और उनकी आवाज़ नरम हो गई, मानो कीटिंग उनका साथी षड्यंत्रकारी हो जो जानता हो कि अब से इस्तेमाल किए गए शब्द एक निजी अर्थ के लिए सांकेतिक भाषा में हैं, “आप मुझे अपनी इमारत के प्रतीकात्मक अर्थों को समझने और उन्हें शब्दों में उसी तरह व्यक्त करने के लिए धन्यवाद दे सकते हैं जैसे आपने उन्हें संगमरमर में उकेरा है। क्योंकि, ज़ाहिर है, आप केवल एक साधारण राजमिस्त्री नहीं हैं, बल्कि पत्थर के एक विचारक हैं।”
“हां,” कीटिंग ने कहा, “इमारत को डिजाइन करते समय मेरा यही अमूर्त विषय था—जनसमूह और संस्कृति के फूल। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि सच्ची संस्कृति आम आदमी से ही जन्म लेती है। लेकिन मुझे इस बात की कोई उम्मीद नहीं थी कि कोई मुझे समझ पाएगा।”
टूही मुस्कुराया। उसके पतले होंठ खुल गए, उसके दांत दिखाई दिए। वह कीटिंग की ओर नहीं देख रहा था। वह अपने हाथ को देख रहा था, एक कॉन्सर्ट पियानोवादक का लंबा, पतला, संवेदनशील हाथ, जो मेज पर रखे कागज के पन्ने को हिला रहा था। फिर उसने कहा: "शायद हम आत्मा के भाई हैं, कीटिंग। मानवीय आत्मा। जीवन में बस यही मायने रखता है"—कीटिंग की ओर नहीं, बल्कि उसके पार, लेंस स्पष्ट रूप से कीटिंग के चेहरे पर केंद्रित थे।
और कीटिंग जानता था कि टूही को पता था कि उस लेख को पढ़ने से पहले उसने कभी किसी अमूर्त विषय के बारे में सोचा ही नहीं था, और इतना ही नहीं: टूही ने फिर से उसकी बात मान ली थी। जब लेंस धीरे-धीरे कीटिंग के चेहरे पर केंद्रित हुए, तो आँखों में स्नेह झलक रहा था, एक ऐसा स्नेह जो बहुत ठंडा और सच्चा था। तभी कीटिंग को ऐसा लगा मानो कमरे की दीवारें धीरे-धीरे उसकी ओर झुक रही हों, उसे एक भयानक अंतरंगता में धकेल रही हों, टूही के साथ नहीं, बल्कि किसी अज्ञात अपराधबोध के साथ। वह उछलकर भागना चाहता था। लेकिन वह चुपचाप बैठा रहा, उसका मुँह आधा खुला हुआ था।
और यह जाने बिना कि किस बात ने उन्हें प्रेरित किया, कीटिंग ने सन्नाटे में अपनी ही आवाज़ सुनी:
और मैं यह कहना चाहता था कि मुझे कितनी खुशी हुई कि आप कल उस पागल की गोली से बच गए, श्री टूही।
“ओह? ... ओह, धन्यवाद। वह? अच्छा! इससे परेशान मत होइए। सार्वजनिक जीवन में प्रमुखता पाने के लिए चुकाई जाने वाली छोटी-मोटी सजाओं में से एक है।”
मुझे मैलोरी कभी पसंद नहीं आया। वह एक अजीब किस्म का इंसान है। बहुत तनावग्रस्त। मुझे तनावग्रस्त लोग पसंद नहीं हैं। मुझे उसका काम भी कभी पसंद नहीं आया।
“बस एक दिखावा करने वाला। कुछ खास नहीं कर पाएगा।”
“बेशक, उन्हें मौका देने का विचार मेरा नहीं था। यह श्रीमान का विचार था।”

स्लोटानेक का। खींचो, तुम्हें पता है। लेकिन मिस्टर स्लोटानेक को अंत में बेहतर पता था।"
"क्या मैलोरी ने कभी तुम्हारा नाम लिया था?"
"नहीं, कभी नहीं।"
“मैं तो उससे मिला भी नहीं हूँ, तुम्हें पता है। मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा। उसने ऐसा क्यों किया?”
और फिर टूही कीटिंग के चेहरे पर जो भाव उसने देखे, उनके सामने एकदम शांत बैठा रहा; टूही, पहली बार सतर्क और असुरक्षित महसूस कर रहा था। कीटिंग ने सोचा, यही वो बंधन था जो उन दोनों के बीच था, और वो बंधन डर था, और उससे भी कहीं ज़्यादा, लेकिन डर ही एकमात्र ऐसा नाम था जिसे इसे दिया जा सकता था। और उसे अटूट निश्चय के साथ यह एहसास हो गया कि वह टूही को अब तक मिले किसी भी पुरुष से ज़्यादा पसंद करता है।
"खैर, आप तो जानते ही हैं कि यह कैसा होता है," कीटिंग ने उत्साह से कहा, इस उम्मीद में कि वह जो सामान्य सी बात कहने वाला था, उससे यह विषय समाप्त हो जाएगा।
"मैलोरी एक अक्षम व्यक्ति है और वह यह जानता है, और उसने महान और सक्षम लोगों के प्रतीक के रूप में आप पर अपना गुस्सा निकालने का फैसला किया।"
लेकिन मुस्कान के बजाय, कीटिंग ने टूही की अचानक उस पर पड़ी नज़र देखी; वह एक नज़र नहीं थी, बल्कि एक फ्लोरोस्कोप थी, उसे लगा जैसे वह उसकी हड्डियों के अंदर रेंगती हुई खोज कर रही हो। फिर टूही का चेहरा सख्त हो गया, मानो फिर से संयम में आ गया हो, और
कीटिंग जानता था कि टूही को कहीं न कहीं राहत मिली थी, शायद उसकी हड्डियों में या उसके खुले, हैरान चेहरे में, कि उसके भीतर छिपी अज्ञानता की विशालता ने टूही को दिलासा दिया था। फिर टूही ने धीरे-धीरे, अजीब तरह से, उपहासपूर्वक कहा:
"पीटर, हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त बनेंगे।"
कीटिंग ने कुछ क्षण बीतने के बाद जल्दबाजी में जवाब देने से पहले खुद को संभाला:
"ओह, मुझे उम्मीद है, मिस्टर टूही!"
“सच में, पीटर! मैं इतना बूढ़ा तो नहीं हूँ, है ना? ‘एल्सवर्थ’ मेरे माता-पिता के नामकरण के अनोखे शौक का प्रतीक है।”
“हां... एल्सवर्थ।”
“यह बेहतर है। मुझे इस नाम से सच में कोई आपत्ति नहीं है, खासकर उन नामों की तुलना में जो मुझे इतने सालों से निजी तौर पर और सार्वजनिक रूप से कहे जाते रहे हैं। खैर, कोई बात नहीं। प्रशंसा की बात है। जब कोई दुश्मन बनाता है तो उसे पता चलता है कि जहाँ खतरनाक होना ज़रूरी है, वहाँ वह खतरनाक होता है।”
कुछ चीज़ें ऐसी हैं जिन्हें नष्ट करना ही होगा—वरना वे हमें नष्ट कर देंगी। हम एक-दूसरे से खूब मिलेंगे, पीटर।” अब आवाज़ सहज और आत्मविश्वास से भरी थी, मानो किसी सोच-समझकर लिए गए फैसले की अंतिम परिणति हो, इस निश्चितता के साथ कि कीटिंग में अब कभी भी कोई बात उसके लिए प्रश्नचिह्न नहीं रहेगी। “उदाहरण के लिए, मैं कुछ समय से कुछ युवा वास्तुकारों को एक साथ लाने के बारे में सोच रहा हूँ—मैं उनमें से कई को जानता हूँ—
यह एक अनौपचारिक छोटा संगठन है, जहाँ विचारों का आदान-प्रदान होता है, सहयोग की भावना विकसित होती है, और आवश्यकता पड़ने पर पेशे के हित में एक समान कार्यप्रणाली अपनाई जाती है। यह ए.जी.ए. की तरह औपचारिक नहीं है। बस युवाओं का एक समूह है। क्या आपको इसमें रुचि होगी?
“क्यों न सिर्फ! और आप चेयरमैन होंगे?”

"अरे नहीं, पीटर। मैं कभी किसी चीज़ का अध्यक्ष नहीं बनता। मुझे उपाधियाँ पसंद नहीं हैं।"
नहीं, मुझे तो लगता था कि आप ही हमारे लिए सही अध्यक्ष साबित होंगे, आपसे बेहतर कोई और हो ही नहीं सकता।
"मुझे?"
“पीटर, तुम। खैर, ये तो बस एक प्रोजेक्ट है—कुछ तय नहीं—बस एक विचार है जो मेरे मन में कभी-कभार आता रहता है। हम इस बारे में कभी और बात करेंगे। मैं चाहता हूँ कि तुम कुछ करो—और यही एक वजह है कि मैं तुमसे मिलना चाहता था।”
“ओह, ज़रूर, श्रीमान ट्—ज़रूर, एल्सवर्थ। मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूँ...”
“यह मेरे लिए नहीं है। क्या आप लोइस कुक को जानते हैं?”
“लोइस... कौन?”
“कुक। तुम नहीं जानते। लेकिन जानोगे। वह युवती गोएथे के बाद सबसे बड़ी साहित्यिक प्रतिभा है। पीटर, तुम्हें उसे अवश्य पढ़ना चाहिए। मैं आमतौर पर यह सुझाव केवल समझदार लोगों को ही देता हूँ। वह उन मध्यमवर्गीय लोगों की समझ से परे है जो स्पष्ट बातों को पसंद करते हैं। वह एक घर बनाने की योजना बना रही है। बोवेरी में एक छोटा सा निजी निवास।”
जी हाँ, बोवेरी में। लोइस की तरह, उन्होंने भी मुझसे एक आर्किटेक्ट की सिफ़ारिश करने को कहा है। मुझे यकीन है कि लोइस जैसी शख्सियत को समझने के लिए आप जैसे व्यक्ति की ही ज़रूरत होगी। मैं उन्हें आपका नाम बता रहा हूँ—अगर आप उस छोटे, लेकिन काफी महंगे घर में दिलचस्पी रखते हैं।
“बिल्कुल! यह तो आपकी बहुत बड़ी मेहरबानी है, एल्सवर्थ! आपको पता है, जब आपने कहा था... और जब मैंने आपका नोट पढ़ा, तो मुझे लगा था कि आप मुझसे कुछ मदद चाहते हैं, मतलब, एक अच्छे काम के बदले एक अच्छा काम, और लीजिए आप...”
“मेरे प्यारे पीटर, तुम कितने भोले हो!”
“ओह, मुझे लगता है कि मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था! मुझे खेद है। मेरा इरादा आपको ठेस पहुंचाने का नहीं था...”
मुझे कोई आपत्ति नहीं है। तुम्हें मुझे बेहतर तरीके से जानना सीखना होगा। सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन इस दुनिया में अपने साथी मनुष्यों के प्रति पूर्णतः निस्वार्थ भाव रखना संभव है, पीटर।
फिर उन्होंने लोइस कुक और उनकी तीन प्रकाशित रचनाओं के बारे में बात की।
—“उपन्यास? नहीं, पीटर, बिलकुल उपन्यास नहीं... नहीं, कहानियों का संग्रह भी नहीं... बस यही है, बस लोइस कुक—साहित्य का एक बिलकुल नया रूप...”—उस संपत्ति के बारे में जो उसे सफल व्यापारियों की एक लंबी पीढ़ी से विरासत में मिली थी, और उस घर के बारे में जिसे वह बनाने की योजना बना रही थी।
जब टूही कीटिंग को दरवाज़े तक छोड़ने के लिए उठे, तभी यह बात सामने आई—और कीटिंग ने गौर किया कि वह अपने छोटे-छोटे पैरों पर कितनी नाज़ुकता से खड़ा था—यह देखकर टूही अचानक रुक गया और बोला:
“वैसे, मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मुझे हमारे बीच किसी व्यक्तिगत संबंध की याद आ रही है, हालाँकि लाख कोशिश करने पर भी मुझे ठीक से याद नहीं आ रहा... ओह, हाँ, बिल्कुल। मेरी भतीजी। छोटी कैथरीन।”
कीटिंग ने महसूस किया कि उसका चेहरा तनावग्रस्त हो गया है, और वह जानता था कि उसे इस बारे में चर्चा नहीं होने देनी चाहिए, लेकिन विरोध करने के बजाय उसने अजीब सी मुस्कान दी।
“मुझे पता चला है कि आपकी उससे सगाई हो चुकी है?”
"हाँ।"

“बहुत ही आकर्षक,” टूही ने कहा। “बेहद आकर्षक। तुम्हें अपना चाचा बनकर बहुत अच्छा लगेगा। तुम उससे बहुत प्यार करते हो?”
“जी हां,” कीटिंग ने कहा। “बिल्कुल।”
उनकी आवाज़ में तनाव का अभाव उनके उत्तर को गंभीर बना रहा था। टूही के सामने प्रस्तुत यह उत्तर, कीटिंग के व्यक्तित्व में निहित ईमानदारी और महत्व की पहला अंश था।
"कितना सुंदर है," टूही ने कहा। "युवा प्रेम। वसंत और भोर और स्वर्ग और दवा की दुकान पर मिलने वाली चॉकलेट, जो एक डॉलर पच्चीस सेंट में एक डिब्बा मिलती है।" देवताओं और फिल्मों का विशेषाधिकार... ओह, मुझे यह पसंद आया, पीटर। मुझे यह बहुत अच्छा लगा। कैथरीन से बेहतर चुनाव हो ही नहीं सकता था। वह बिल्कुल वैसी ही है जिसके लिए दुनिया खो जाना ठीक है—दुनिया अपनी तमाम समस्याओं और महान बनने के तमाम अवसरों के साथ—हां, बिल्कुल खो जाना ठीक है क्योंकि वह मासूम, प्यारी, सुंदर और थोड़ी कमज़ोर है।
“अगर आप ऐसा करने जा रहे हैं...” कीटिंग ने कहना शुरू किया, लेकिन टूही ने एक चमकदार प्रकार की दयालुता के साथ मुस्कुरा दिया।
“ओह, पीटर, बिल्कुल मैं समझता हूं। और मैं सहमत हूँ। मैं एक यथार्थवादी हूँ।”
इंसान हमेशा से खुद को मूर्ख साबित करने पर तुला रहा है। अरे, हमें कभी भी अपना हास्यबोध नहीं खोना चाहिए। सच में, हास्यबोध के सिवा कुछ भी पवित्र नहीं है। फिर भी, मुझे टिस्टन और इसोल्डे की कहानी हमेशा से बहुत पसंद रही है। यह अब तक की सबसे खूबसूरत कहानी है—मिकी और मिनी माउस की कहानी के बाद।
चतुर्थ
जबड़े में टूथब्रश टूथब्रश ब्रश ब्रश
दांत जबड़ा फोम गुंबद फोम में रोमन गुंबद घर आओ घर जबड़े में रोम गुंबद दांत टूथब्रश टूथपिक जेबकतरा सॉकेट रॉकेट ..."
पीटर कीटिंग ने अपनी आँखें सिकोड़ीं, उनकी निगाहें मानो दूर कहीं टिकी हुई थीं, लेकिन उन्होंने किताब नीचे रख दी। किताब पतली और काली थी, जिस पर लाल अक्षरों में लिखा था: क्लाउड्स एंड श्राउड्स, लेखक: लोइस कुक। कवर पर लिखा था कि यह मिस कुक की विश्व यात्राओं का वृत्तांत है।
कीटिंग एक सुखद और आरामदायक अनुभूति के साथ पीछे झुक गया। उसे यह किताब पसंद थी। इसने उसके रविवार की सुबह के नाश्ते को एक गहन आध्यात्मिक अनुभव में बदल दिया था; उसे यकीन था कि यह गहन इसलिए था क्योंकि वह इसे समझ नहीं पा रहा था।
पीटर कीटिंग को कभी भी अमूर्त मान्यताओं को गढ़ने की आवश्यकता महसूस नहीं हुई। लेकिन उनके पास एक कारगर विकल्प था। "कोई चीज़ तब तक ऊँची नहीं होती जब तक उसे पाया न जा सके; वह तब तक महान नहीं होती जब तक उसके बारे में तर्क किया जा सके; वह तब तक गहरी नहीं होती जब तक उसकी तह देखी जा सके"—यह उनका हमेशा से ही अव्यक्त और निर्विवाद सिद्धांत रहा था। इससे उन्हें किसी भी तरह की पहुँच, तर्क या अवलोकन के प्रयास से मुक्ति मिल जाती थी; और यह उन लोगों पर एक व्यंग्यात्मक कटाक्ष प्रस्तुत करता था जो ऐसा करने का प्रयास करते थे। इसलिए वे लोइस कुक की रचनाओं का आनंद ले पाते थे।
अमूर्त, गहन और आदर्श को समझने की अपनी क्षमता के ज्ञान से उन्हें बहुत खुशी मिली। टूही ने कहा था: “बस यही बात है, ध्वनि को ध्वनि के रूप में, शब्दों की कविता को शब्दों के रूप में, शैली को शैली के विरुद्ध विद्रोह के रूप में। लेकिन केवल श्रेष्ठ आत्मा ही इसे सराह सकती है, पीटर।”
कीटिंग को लगा कि वह अपने दोस्तों से इस किताब के बारे में बात कर सकता है, और अगर वे इसे नहीं समझते तो उसे पता चल जाएगा कि वह उनसे श्रेष्ठ है। उसे अपनी

श्रेष्ठता को समझाने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी—बस यही बात है, "श्रेष्ठता ही श्रेष्ठता"—स्पष्टीकरण माँगने वालों के लिए यह श्रेष्ठता स्वतः ही नकार दी जाएगी। उसे यह किताब बहुत पसंद थी।
उसने टोस्ट का एक और टुकड़ा उठाया। उसने मेज के अंत में, अपनी माँ द्वारा उसके लिए छोड़े गए रविवार के अखबारों का भारी ढेर देखा। उसने उसे उठाया, इस क्षण में, अपने गुप्त आध्यात्मिक गौरव के आत्मविश्वास में, वह पूरी दुनिया का सामना करने के लिए पर्याप्त मजबूत महसूस कर रहा था।
उस ढेर में मौजूद। उसने रोटोग्राव्योर सेक्शन को बाहर निकाला। वह रुक गया। उसने एक चित्र की प्रतिकृति देखी: हॉवर्ड रोर्क द्वारा बनाया गया एनराइट हाउस।
उन्हें रेखाचित्र के कोने में लिखे कैप्शन या संक्षिप्त हस्ताक्षर को देखने की आवश्यकता नहीं थी; वे जानते थे कि उस घर की कल्पना किसी और ने नहीं की थी और वे रेखाचित्र बनाने की शैली से भी परिचित थे, जो एक साथ शांत और उग्र थी, कागज पर पेंसिल की रेखाएँ उच्च तनाव वाले तारों की तरह, देखने में पतली और निर्दोष, लेकिन छूने योग्य नहीं। यह ईस्ट रिवर के किनारे एक विशाल स्थान पर बनी संरचना थी। पहली नज़र में उन्होंने इसे एक इमारत के रूप में नहीं, बल्कि चट्टानी क्रिस्टल के बढ़ते हुए पिंड के रूप में समझा। वही कठोर, गणितीय क्रम एक स्वतंत्र, अद्भुत विकास को एक साथ बांधे हुए था; सीधी रेखाएँ और स्पष्ट कोण, चाक से चीरा गया स्थान, फिर भी एक जौहरी के काम की तरह नाजुक संरचना का सामंजस्य; आकृतियों की एक अविश्वसनीय विविधता, प्रत्येक अलग इकाई अद्वितीय, लेकिन अनिवार्य रूप से अगली इकाई और परे की ओर ले जाती है; ताकि भविष्य के निवासियों को, पिंजरों के ढेर से बना एक वर्गाकार पिंजरा नहीं, बल्कि प्रत्येक घर दूसरे घरों से इस प्रकार जुड़ा हो जैसे एक क्रिस्टल चट्टान के किनारे से जुड़ा हो।
कीटिंग ने रेखाचित्र को देखा। उन्हें काफी समय से पता था कि एनराइट हाउस के निर्माण के लिए हॉवर्ड रोर्क को चुना गया था। उन्होंने अखबारों में रोर्क के नाम का कुछ जिक्र देखा था; ज्यादा नहीं, बस इतना ही कि "श्रीमान द्वारा चुना गया कोई युवा वास्तुकार।"
किसी कारणवश एनराइट, शायद एक दिलचस्प युवा वास्तुकार हैं।
चित्र के नीचे लिखे कैप्शन में घोषणा की गई थी कि परियोजना का निर्माण कार्य तुरंत शुरू होना है। खैर, कीटिंग ने सोचा और कागज नीचे गिरा दिया, तो क्या हुआ? कागज काले और लाल रंग की किताब के बगल में गिर गया।
उसने दोनों को देखा। उसे हल्का सा एहसास हुआ मानो लोइस कुक ही हॉवर्ड रोर्क के खिलाफ़ उसकी रक्षा पंक्ति हो।
“क्या है ये, पेटी?” उसकी माँ की आवाज़ पीछे से आई।
उसने कंधे के ऊपर से कागज़ उसे पकड़ा दिया। कागज़ पलक झपकते ही उसके पास से वापस मेज पर गिर गया।
“ओह,” श्रीमती कीटिंग ने कंधे उचकाते हुए कहा। “हम्म...”
वह उसके बगल में खड़ी थी। उसकी पतली रेशमी पोशाक बहुत कसी हुई थी, जिससे उसके कोर्सेट की मज़बूती साफ़ दिख रही थी; उसके गले में एक छोटी सी पिन चमक रही थी, इतनी छोटी कि दिखावटी तौर पर यह दर्शा रही थी कि वह असली हीरों की बनी है। वह उस नए अपार्टमेंट की तरह थी जिसमें वे रहने आए थे: बेहद महंगा।
अपार्टमेंट की सजावट भी
यह कीटिंग की पहली पेशेवर नौकरी थी। इसे मध्य-विक्टोरियन शैली के नए फर्नीचर से सजाया गया था। यह रूढ़िवादी और भव्य था।
ड्राइंग रूम में चिमनी के ऊपर एक बड़ी पुरानी पेंटिंग टंगी हुई थी, जिसमें किसी प्रतिष्ठित पूर्वज की छवि थी, हालांकि वह वास्तव में कोई प्रतिष्ठित पूर्वज नहीं थे, लेकिन देखने में उन्हीं की तरह लग रहे थे।

"प्यारे पेटी, मुझे तुम्हें रविवार को सुबह जल्दी करने में बुरा लग रहा है, लेकिन क्या तैयार होने का समय नहीं हो गया है? मुझे अभी जाना है और मैं नहीं चाहती कि तुम समय भूल जाओ और देर हो जाओ, मिस्टर टूही ने तुम्हें अपने घर बुलाया, यह बहुत अच्छा लगा!"
"हाँ माँ।"
"क्या कोई मशहूर मेहमान भी आ रहे हैं?"
“नहीं। कोई मेहमान नहीं। लेकिन वहाँ एक और व्यक्ति होगा। कोई मशहूर हस्ती नहीं।” उसने उम्मीद भरी निगाहों से उसकी ओर देखा। उसने आगे कहा, “केटी भी वहाँ होगी।”
उस नाम का उस पर कोई असर नहीं हुआ। हाल ही में उस पर एक अजीब सी निश्चिंतता छा गई थी, मानो वसा की एक परत हो जिसके माध्यम से वह विशेष प्रश्न अब भेद नहीं सकता था।
“बस एक पारिवारिक चाय पार्टी,” उन्होंने जोर देकर कहा। “उन्होंने यही कहा था।”
“यह उनकी बहुत अच्छी बात है। मुझे पूरा यकीन है कि श्री टूही बहुत बुद्धिमान व्यक्ति हैं।”
"हाँ माँ।"
वह अधीर होकर उठा और अपने कमरे में चला गया।
यह उस प्रतिष्ठित आवासीय होटल में कीटिंग की पहली यात्रा थी जहाँ कैथरीन और उनके चाचा हाल ही में रहने आए थे। उन्होंने अपार्टमेंट के बारे में ज़्यादा कुछ नहीं देखा, बस इतना याद रहा कि वह सादा, बेहद साफ़-सुथरा और शालीन था, उसमें बहुत सारी किताबें थीं और कुछ ही तस्वीरें थीं, लेकिन वे सभी असली और अनमोल थीं। एल्सवर्थ टूही के अपार्टमेंट को कोई याद नहीं रखता था, बस उसके मेज़बान को याद रखता था। उस रविवार की दोपहर को मेज़बान ने गहरे भूरे रंग का सूट पहना था, जो वर्दी की तरह बिल्कुल सही लग रहा था, और लाल किनारी वाले काले पेटेंट चमड़े के स्लीपर्स पहने थे; स्लीपर्स सूट की गंभीर शालीनता का मज़ाक उड़ा रहे थे, फिर भी एक साहसिक विरोधाभास के रूप में उस शालीनता को पूरा कर रहे थे। वह एक चौड़ी, नीची कुर्सी पर बैठे थे और उनके चेहरे पर एक सतर्क कोमलता का भाव था, इतना सतर्क कि कीटिंग और कैथरीन को कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे वे तुच्छ साबुन के बुलबुले हों।
कीटिंग को कैथरीन का कुर्सी के किनारे पर झुकी हुई, टांगों को अजीब तरह से सटाकर बैठने का तरीका पसंद नहीं था। वह चाहता था कि वह तीसरे सीज़न में भी वही सूट न पहने, लेकिन उसने पहना।
उसकी निगाहें कालीन के बीचोंबीच कहीं एक बिंदु पर टिकी हुई थीं। वह कीटिंग की ओर बहुत कम देखती थी। वह अपने चाचा की ओर तो कभी देखती ही नहीं थी। कीटिंग को उसमें वह आनंदमय प्रशंसा का कोई निशान नहीं मिला, जिसके साथ वह हमेशा टूही के बारे में बात करती थी और जिसकी उसे अपने सामने उससे उम्मीद थी। कैथरीन में कुछ उदासी और उदासी थी, और वह बहुत थकी हुई लग रही थी।
टूही के नौकर ने चाय की ट्रे अंदर ला दी।
“तुम चाय डालोगी ना, मेरी प्यारी?” टूही ने कैथरीन से कहा। “आह, दोपहर में चाय जैसा कुछ नहीं। जब ब्रिटिश साम्राज्य का पतन होगा, तो इतिहासकार पाएंगे कि इसने सभ्यता में केवल दो अमूल्य योगदान दिए थे—यह चाय की रस्म और जासूसी उपन्यास। कैथरीन, मेरी प्यारी, क्या तुम्हें उस बर्तन का हैंडल ऐसे पकड़ना ज़रूरी है जैसे वह कोई कुल्हाड़ी हो? खैर, कोई बात नहीं, यह प्यारा है, वास्तव में यही तो है जिसके लिए हम तुम्हें प्यार करते हैं, पीटर और मैं, अगर तुम किसी डचेस की तरह सजी-धजी होतीं तो हम तुम्हें प्यार नहीं करते—आजकल कौन डचेस चाहता है?”

कैथरीन ने चाय डाली और उसे कांच की मेज पर गिरा दिया, जो उसने पहले कभी नहीं किया था।
“मैं तुम दोनों को एक बार साथ देखना चाहती थी,” टूही ने एक नाजुक कप को लापरवाही से संभाले हुए कहा। “बिल्कुल बेवकूफी वाली बात है, है ना?”
इसमें कोई खास बात नहीं है, लेकिन मैं भी कभी-कभी हम सब की तरह भावुक और नासमझ हो जाती हूँ। कैथरीन, आपकी पसंद के लिए बधाई। मुझे आपसे माफी मांगनी चाहिए, मुझे कभी उम्मीद नहीं थी कि आपका स्वाद इतना अच्छा होगा। आप और पीटर एक शानदार जोड़ी हैं। आप उनके लिए बहुत कुछ करेंगी। आप उनके लिए क्रीम ऑफ व्हीट बनाएंगी, उनके रुमाल धोएंगी और उनके बच्चे पैदा करेंगी, हालांकि बेशक बच्चों को कभी न कभी खसरा जरूर होगा, जो एक परेशानी की बात है।
"लेकिन, आखिरकार, आप... आप इसे स्वीकार करते हैं?" कीटिंग ने चिंता से पूछा।
“इसे मंज़ूर करते हो? किस बात को, पीटर?”
"हमारी शादी के बारे में... अंततः।"
“पीटर, ये तो फिजूल का सवाल है! बेशक, मैं इससे सहमत हूँ। लेकिन तुम कितने जवान हो! नौजवानों का यही तरीका होता है—ये बेवज़ह ही मुद्दा बना देते हैं। तुमने ये सवाल ऐसे पूछा जैसे ये पूरी बात इतनी अहम् हो कि मैं इसे नामंजूर करूं।”
"केटि और मैं सात साल पहले मिले थे," कीटिंग ने बचाव करते हुए कहा।
और हां, यह पहली नजर में ही प्यार हो गया था!
"हां," कीटिंग ने कहा और खुद को हास्यास्पद महसूस किया।
“ज़रूर बसंत का मौसम रहा होगा,” टूही ने कहा। “अक्सर ऐसा ही होता है। हमेशा एक अंधेरा सिनेमाघर होता है, और दो लोग दुनिया से बेखबर, एक-दूसरे का हाथ थामे बैठे होते हैं—लेकिन ज़्यादा देर तक हाथ थामे रहने पर पसीना तो आता ही है, है ना? फिर भी, प्यार में होना कितना खूबसूरत होता है। अब तक की सबसे प्यारी कहानी—और सबसे घिसी-पिटी भी। कैथरीन, ऐसे मुंह मत फेरो। हमें कभी भी अपना हास्यबोध नहीं खोना चाहिए।”
वह मुस्कुराया। उसकी मुस्कान की कोमलता ने उन दोनों को अपने आलिंगन में ले लिया। वह कोमलता इतनी प्रबल थी कि उनके प्रेम को भी छोटा और तुच्छ लगने लगा, क्योंकि केवल तुच्छ वस्तु ही इतनी अपार करुणा को जगा सकती है। उसने पूछा:
"वैसे, पीटर, आप शादी करने का इरादा कब रखते हैं?"
“खैर... हमने कभी कोई निश्चित तारीख तय नहीं की, आप जानते ही हैं, मेरे साथ जो कुछ भी हो रहा है और अब केटी का अपना काम भी है... और हाँ,” उन्होंने तीखे लहजे में कहा, क्योंकि केटी के काम का यह मामला उन्हें बिना किसी कारण के परेशान कर रहा था, “जब हमारी शादी हो जाएगी, तो केटी को यह काम छोड़ना पड़ेगा। मुझे यह मंजूर नहीं है।”
"लेकिन बेशक," टूही ने कहा, "अगर कैथरीन को यह पसंद नहीं है, तो मुझे भी यह पसंद नहीं है।"
कैथरीन क्लिफोर्ड सेटलमेंट हाउस में डे नर्सरी अटेंडेंट के रूप में काम कर रही थी। यह उसका अपना विचार था। वह अपने चाचा के साथ अक्सर उस बस्ती में जाती थी, जो वहां अर्थशास्त्र की कक्षाएं लेते थे, और उसे इस काम में रुचि हो गई थी।
“पर मुझे ये अच्छा लगता है!” उसने अचानक उत्साह से कहा। “मुझे समझ नहीं आता कि तुम्हें इससे इतनी नाराज़गी क्यों है, पीटर!” उसकी आवाज़ में थोड़ी कड़वाहट थी, अकड़ और नाराज़गी। “मैंने अपनी ज़िंदगी में कभी किसी चीज़ का इतना आनंद नहीं लिया। बेसहारा और दुखी लोगों की मदद करना। मैं आज सुबह वहाँ गई थी—मुझे जाना जरूरी नहीं था, पर मैं जाना चाहती थी—और फिर घर आते समय इतनी जल्दी में थी कि कपड़े बदलने का भी समय नहीं मिला, पर इससे क्या फ़र्क पड़ता है, मैं कैसी दिखती हूँ? और”—कड़वाहट गायब हो गई, वह उत्सुकता से और बहुत तेज़ी से बोल

रहा था—“अंकल एल्सवर्थ, सोचिए! छोटे बिली हैनसेन का गला खराब था—आपको बिली याद है? और नर्स वहाँ नहीं थी, और मुझे उसके गले में आर्जिरोल लगाना पड़ा, बेचारा! उसके गले में भयानक सफेद बलगम के धब्बे थे!”
उसकी आवाज़ में एक चमक थी, मानो वह किसी महान सौंदर्य की बात कर रही हो। उसने अपने चाचा की ओर देखा। पहली बार कीटिंग ने वह स्नेह देखा जिसकी उसे उम्मीद थी। वह अपने काम के बारे में बोलती रही।
बच्चे, बस्ती। टूही गंभीरता से सुनता रहा। उसने कुछ नहीं कहा। लेकिन उसकी आँखों में दिख रही गहरी एकाग्रता ने उसे बदल दिया, उसकी बनावटी खुशी गायब हो गई और वह अपनी ही सलाह भूल गया, वह गंभीर हो गया, सचमुच बहुत गंभीर। जब उसने देखा कि कैथरीन की थाली खाली है, तो उसने एक साधारण इशारे से उसे सैंडविच की ट्रे दी और किसी तरह इसे सम्मान का एक विनम्र संकेत बना दिया।
कीटिंग बेसब्री से तब तक इंतजार करता रहा जब तक वह एक पल के लिए रुकी नहीं। वह विषय बदलना चाहता था। उसने कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई और रविवार के अखबार देखे। यह एक ऐसा सवाल था जो वह लंबे समय से पूछना चाहता था। उसने सावधानी से पूछा:
“एल्सवर्थ... रोर्क के बारे में आपकी क्या राय है?”
“रोर्क? रोर्क?” टूही ने पूछा। “रोर्क कौन है?”
जिस मासूमियत भरे, तुच्छ अंदाज़ में उसने नाम दोहराया, और अंत में हल्की सी तिरस्कारपूर्ण प्रश्नचिह्न की आवाज़ साफ सुनाई दे रही थी, उससे कीटिंग को यकीन हो गया कि टूही उस नाम को अच्छी तरह जानता था। किसी विषय के बारे में पूरी तरह से अनभिज्ञ होने पर उस पर ज़ोर नहीं दिया जाता। कीटिंग ने कहा:
“हावर्ड रोर्क। आप जानते हैं, वो वास्तुकार। वही जो एनराइट हाउस का निर्माण कर रहे हैं।”
“ओह? ओह, हाँ, आखिरकार कोई एनराइट हाउस का काम कर ही रहा है, है ना?”
"आज क्रॉनिकल में इसकी एक तस्वीर छपी है।"
“क्या ऐसा है? मैंने क्रॉनिकल में सरसरी नज़र डाली थी।”
और... आपको वह इमारत कैसी लगी?
"अगर यह महत्वपूर्ण होता, तो मुझे याद रहता।"
“बिल्कुल!” कीटिंग के शब्द ऐसे लहरा रहे थे मानो हर शब्द पर उनकी सांसें थम रही हों: “यह एक भयानक, पागलपन भरी चीज़ है! ऐसा कुछ भी आपने कभी नहीं देखा होगा और न ही देखना चाहेंगे!”
उसे मुक्ति का अहसास हुआ। मानो उसने अपना पूरा जीवन यह मानते हुए बिताया हो कि वह जन्मजात बीमारी से ग्रसित है, और अचानक दुनिया के सबसे बड़े विशेषज्ञ ने उसे स्वस्थ घोषित कर दिया हो। वह खुलकर, बेधड़क, बिना किसी संकोच के हंसना चाहता था। वह बातें करना चाहता था।
“हावर्ड मेरा दोस्त है,” उसने खुशी से कहा।
“तुम्हारा कोई दोस्त? तुम उसे जानते हो?”
“मैं उसे जानता हूँ! हम साथ में स्कूल जाते थे—स्टैंटन, तुम्हें पता है ना—वह तीन साल तक हमारे घर में रहा था, मैं तुम्हें बता सकता हूँ...”
मैंने उसे देखा है, उसके अंडरवियर का रंग और वह कैसे नहाता है!
“क्या वह स्टैंटन में आपके घर पर रहता था?” टूही ने दोहराया। टूही ने एक तरह की सावधानी और सटीकता से बात की। उसकी आवाज़ धीमी, सूखी और निर्णायक थी, जैसे माचिस की तीलियाँ टूट रही हों।
कीटिंग ने सोचा, यह बहुत अजीब था। टूही उससे हॉवर्ड रोर्क के बारे में ढेरों सवाल पूछ रहा था। लेकिन ये सवाल बेतुके थे। ये इमारतों के बारे में नहीं थे, वास्तुकला के बारे में

तो बिलकुल भी नहीं। ये निरर्थक व्यक्तिगत सवाल थे—ऐसे व्यक्ति के बारे में पूछना अजीब था जिसके बारे में उसने पहले कभी सुना ही नहीं था।
क्या वह अक्सर हंसता है?
"बहुत मुश्किल से ही।"
क्या वह नाखुश लग रहा है?
"कभी नहीं।"
"क्या स्टैंटन में उनके कई दोस्त थे?"
"उसके कभी कहीं भी कोई दोस्त नहीं रहे हैं।"
“लड़कों को वह पसंद नहीं था?”
उसे कोई पसंद नहीं कर सकता।
"क्यों?"
वह आपको ऐसा महसूस कराता है कि उसे पसंद करना गुस्ताखी होगी।
क्या वह बाहर गया, शराब पी, मौज-मस्ती की?
"कभी नहीं।"
क्या उसे पैसा पसंद है?
"नहीं।"
क्या उसे प्रशंसा पाना पसंद है?
"नहीं।"
क्या वह ईश्वर में विश्वास करता है?
"नहीं।"
क्या वह बहुत बोलता है?
"ज़रा सा।"
"क्या वह दूसरों द्वारा किसी विचार पर चर्चा किए जाने पर सुनता है?"
“वह सुनता तो है। अगर वह न सुनता तो बेहतर होता।”
"क्यों?"
"यह कम अपमानजनक होगा—अगर आप समझ रहे हैं कि मेरा क्या मतलब है, जब कोई व्यक्ति इस तरह सुनता है और आप जानते हैं कि इससे उस पर जरा सा भी फर्क नहीं पड़ा है।"
क्या वह हमेशा से वास्तुकार बनना चाहता था?
"वह..."
“क्या बात है, पीटर?”
“कुछ नहीं। अभी-अभी मुझे यह बात समझ में आई कि यह कितना अजीब है कि मैंने उससे पहले कभी खुद से यह सवाल नहीं पूछा। अजीब बात यह है कि आप उससे यह सवाल पूछ ही नहीं सकते। वह वास्तुकला के विषय में पूरी तरह से जुनूनी है। ऐसा लगता है कि यह विषय उसके लिए इतना महत्वपूर्ण है कि उसने मानवीय दृष्टिकोण ही खो दिया है। उसमें खुद के बारे में हास्यबोध बिल्कुल भी नहीं है।”
अब ये तो बिल्कुल भी हास्यबोध न रखने वाला आदमी है, एल्सवर्थ। आप उससे ये मत पूछिए कि अगर वो वास्तुकार नहीं बनना चाहता तो क्या करता।
“नहीं,” टूही ने कहा। “आप ही पूछिए कि अगर वह आर्किटेक्ट नहीं बन पाता तो क्या करता।”
“वह लाशों के ऊपर से चल सकता था। किसी भी लाश के ऊपर से। हम सभी की लाशों के ऊपर से। लेकिन वह एक वास्तुकार होता।”
टूही ने अपने घुटने पर रखे नैपकिन को मोड़ा, जो कपड़े का एक छोटा सा चौकोर टुकड़ा था; उसने इसे सटीकता से, हर तरफ एक बार मोड़ा, और किनारों पर अपनी उंगली के नाखून से एक स्पष्ट क्रीज बनाई।

“पीटर, क्या तुम्हें हमारे वास्तुकारों के छोटे से युवा समूह की याद है?” उसने पूछा। “मैं जल्द ही पहली बैठक की व्यवस्था कर रहा हूँ। मैंने हमारे कई भावी सदस्यों से बात की है और हमारे भावी अध्यक्ष के रूप में तुम्हारे बारे में उन्होंने जो कहा, उसे सुनकर तुम्हें बहुत खुशी होगी।”
वे अगले आधे घंटे तक सुखद बातचीत करते रहे। जब कीटिंग जाने के लिए उठे, तो टूही ने कहा:
“ओह, जी हाँ। मैंने आपके बारे में लोइस कुक से बात की थी। आपको जल्द ही उनसे जवाब मिल जाएगा।”
“बहुत-बहुत धन्यवाद, एल्सवर्थ। वैसे, मैं 'क्लाउड्स एंड श्राउड्स' पढ़ रहा हूँ।”
"और?"
“ओह, यह तो अद्भुत है। जानते हो, एल्सवर्थ, यह... यह आपको उन सभी चीज़ों के बारे में बिल्कुल अलग तरीके से सोचने पर मजबूर कर देता है जिनके बारे में आपने पहले सोचा था।”
“हां,” टूही ने कहा, “क्या ऐसा नहीं है?”
वह खिड़की पर खड़ा था, ठंडी, चमकदार दोपहर की आखिरी धूप को देख रहा था। फिर वह मुड़ा और बोला:
“आज का दिन बहुत सुहाना है। शायद इस साल के आखिरी दिनों में से एक। पीटर, क्यों न तुम कैथरीन को थोड़ी देर सैर पर ले चलो?”
“ओह, मुझे बहुत खुशी होगी!” कैथरीन ने उत्सुकता से कहा।
“ठीक है, आगे बढ़ो।” टूही ने खुशी से मुस्कुराते हुए कहा। “क्या बात है, कैथरीन? क्या तुम्हें मेरी अनुमति का इंतजार करना पड़ेगा?”
जब वे साथ-साथ बाहर निकले, जब वे ढलती धूप से जगमगाती ठंडी सड़कों की चकाचौंध में अकेले थे, कीटिंग को ऐसा लगा जैसे वह कैथरीन के लिए अपने सारे मायने फिर से महसूस कर रहा हो, वह अजीब सी भावना जिसे वह दूसरों की मौजूदगी में छिपा नहीं पाता था। उसने अपना हाथ उसके हाथ पर रख दिया। उसने अपना हाथ पीछे खींच लिया, अपना दस्ताना उतारा और अपनी उंगलियाँ उसके हाथ में डाल दीं। तभी उसे अचानक ख्याल आया कि हाथों को ज़्यादा देर तक पकड़े रहने पर पसीना आ जाता है, और वह चिड़चिड़ाकर तेज़ी से चलने लगा। उसने सोचा कि वे मिकी और मिन्नी माउस की तरह चल रहे हैं और शायद राहगीरों को हास्यास्पद लग रहे होंगे। इन विचारों से खुद को दूर करने के लिए उसने नीचे कैथरीन के चेहरे की ओर देखा। वह सुनहरी रोशनी में सीधे देख रही थी, उसने उसका कोमल चेहरा और उसके होंठों के कोने पर हल्की सी मुस्कान देखी, एक शांत खुशी की मुस्कान। लेकिन उसने देखा कि उसकी पलक का किनारा पीला पड़ गया था और उसे आश्चर्य होने लगा कि कहीं वह एनीमिया से पीड़ित तो नहीं है।
लोइस कुक अपने बैठक कक्ष के बीचोंबीच फर्श पर बैठी थीं, उनके पैर तुर्की शैली में क्रॉस किए हुए थे, जिससे उनके बड़े नंगे घुटने दिख रहे थे, उन्होंने तंग गार्टर्स के ऊपर ग्रे रंग की स्टॉकिंग्स पहनी हुई थीं और एक फीकी गुलाबी रंग की अंडरवियर पहनी थी। पीटर कीटिंग बैंगनी रंग के साटन के सोफे के किनारे पर बैठे थे। इससे पहले उन्हें किसी ग्राहक के साथ पहली मुलाकात में कभी असहज महसूस नहीं हुआ था।
लोइस कुक सैंतीस वर्ष की थीं। उन्होंने अपने प्रचार और निजी बातचीत में बार-बार कहा था कि उनकी उम्र चौंसठ वर्ष है। इसे एक मज़ाकिया अंदाज़ में दोहराया जाता था और इससे उनके नाम के साथ शाश्वत यौवन की एक अस्पष्ट छवि बन गई थी। वह लंबी, दुबली-पतली, संकरे कंधों और चौड़े कूल्हों वाली थीं। उनका चेहरा लंबा और पीला था, और आँखें एक-दूसरे के बहुत करीब थीं। उनके बाल चिपचिपे होकर कानों तक लटके रहते थे। उनके नीखून टूटे हुए थे। वह देखने में बेहद अस्त-व्यस्त लगती थीं, मानो

जानबूझकर लापरवाही बरती जा रही हो, मानो वह खुद को संवारने में ही इतनी सावधानी बरत रही हो—और उसी उद्देश्य से।
वह लगातार बोलती रही और अपने घुटनों के बल आगे-पीछे हिलती रही:
“...हाँ, बोवेरी पर। एक निजी निवास। बोवेरी पर स्थित मंदिर। ज़मीन मेरी है, मुझे यह चाहिए थी और मैंने इसे खरीद लिया, बस इतना ही। या फिर मेरे बेवकूफ वकील ने इसे मेरे लिए खरीदा है। आपको मेरे वकील से मिलना चाहिए, उसे मुँह से बदबू आती है। मुझे नहीं पता कि आपको कितना खर्चा करना पड़ेगा, लेकिन यह ज़रूरी नहीं है, पैसा तो आम बात है। पत्तागोभी भी आम बात है। इसमें तीन मंज़िलें और टाइल वाले फर्श वाला एक बैठक कक्ष होना चाहिए।”
“मिस कुक, मैंने 'क्लाउड्स एंड श्राउड्स' पढ़ी है और यह मेरे लिए एक आध्यात्मिक अनुभव था। मुझे भी उन गिने-चुने लोगों में शामिल होने दीजिए जो आपके द्वारा अकेले दम पर हासिल की जा रही इस उपलब्धि के साहस और महत्व को समझते हैं...”
"अरे, बकवास बंद करो," लोइस कुक ने कहा और उसे आँख मारी।
“लेकिन मैं सच कह रहा हूँ!” उसने गुस्से से कहा। “मुझे तुम्हारी किताब बहुत पसंद आई। मैं...”
वह ऊबी हुई लग रही थी।
"हर किसी द्वारा समझा जाना तो बहुत आम बात है," उसने धीमी आवाज़ में कहा। लेकिन श्री टूही ने कहा...
“अरे हाँ। श्री टूही।” अब उसकी आँखें चौकस थीं, शरारती और दोषी भाव से भरी हुई, ठीक वैसे ही जैसे किसी बच्चे की आँखें होती हैं जिसने अभी-अभी कोई शरारत भरी हरकत की हो। “श्री टूही। मैं लेखकों के एक छोटे से युवा समूह की अध्यक्ष हूँ जिसमें श्री टूही की बहुत रुचि है।”
“आप?” उसने खुशी से कहा। ऐसा लग रहा था जैसे उन दोनों के बीच पहली बार सीधी बातचीत हुई हो। “यह तो बहुत दिलचस्प है! श्री टूही भी आर्किटेक्ट्स का एक छोटा सा युवा समूह बना रहे हैं, और उन्होंने मुझे अध्यक्ष पद के लिए सोच रखा है, यह उनकी मेहरबानी है।”
“ओह,” उसने कहा और आँख मारी। “हममें से एक?”
"जिनमें से?"
उसे पता नहीं था कि उसने क्या किया है, लेकिन वह जानता था कि उसने उसे किसी न किसी तरह निराश किया है। वह हंसने लगी। वह वहीं बैठी रही, उसकी ओर देखती रही, जानबूझकर उसके चेहरे पर हंसती रही, बेमन से, न कि खुशी से।
“ये क्या...!” उसने खुद को संभाला। “क्या बात है, मिस कुक?”
“अरे वाह!” उसने कहा। “तुम कितने प्यारे और सुंदर लड़के हो!”
“श्री टूही एक महान व्यक्ति हैं,” उन्होंने क्रोधपूर्वक कहा। “वे सबसे ... सबसे नेक व्यक्तित्व हैं जिनसे मैं कभी मिला हूँ...”
“ओह, हाँ। श्री टूही एक अद्भुत व्यक्ति हैं।” उनकी आवाज़ में एक अजीब सी खामोशी थी, उसमें स्पष्ट रूप से सम्मान का अभाव था। “मेरे सबसे अच्छे दोस्त। धरती पर सबसे अद्भुत इंसान। एक तरफ धरती है और दूसरी तरफ श्री टूही।”
टूही—प्रकृति का नियम। इसके अलावा, सोचो इसे कितनी अच्छी तरह से तुकबंदी में बाँधा जा सकता है: टूही—गई—फूई—हई। फिर भी, वह एक संत है। यह बहुत दुर्लभ है। प्रतिभा की तरह दुर्लभ। मैं एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हूँ। मुझे बिना खिड़कियों वाला लिविंग रूम चाहिए। बिल्कुल भी खिड़कियाँ नहीं, योजना बनाते समय यह याद रखना। कोई खिड़की नहीं, टाइल का फर्श और काली छत। और नहीं
मुझे बिजली नहीं चाहिए। मुझे अपने घर में बिजली नहीं चाहिए, सिर्फ मिट्टी के तेल के लैंप चाहिए।

ाचमनी वाले कैरोसिन लैंप और मोमबत्तियाँ। थॉमस एडिसन भाड़ में जाए! आखिर वो था कौन?
उसके शब्दों से उसे उतनी परेशानी नहीं हुई जितनी उसकी मुस्कान से। वह मुस्कान नहीं थी, बल्कि उसके लंबे होंठों के कोनों को ऊपर उठाती हुई एक स्थायी व्यंग्यात्मक मुस्कान थी, जिससे वह एक धूर्त, दुष्ट शैतान जैसी लग रही थी।
और, कीटिंग, मैं चाहता हूँ कि घर बदसूरत हो। बेहद बदसूरत। मैं चाहता हूँ कि यह न्यूयॉर्क का सबसे बदसूरत घर हो।
“सबसे बदसूरत, मिस कुक?”
"प्रियतम, सुंदरता तो बहुत आम बात है!"
“हाँ, लेकिन... लेकिन मैं... खैर, मुझे नहीं लगता कि मैं खुद को इसकी अनुमति दे सकता हूँ।”
...
"कीटिंग, तुम्हारा साहस कहाँ है? क्या तुम कभी-कभी कोई उदात्त भाव प्रकट करने में सक्षम नहीं हो? वे सभी इतनी मेहनत करते हैं, संघर्ष करते हैं और कष्ट सहते हैं, सुंदरता प्राप्त करने की कोशिश में, सुंदरता में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में।"
चलो हम सबको पीछे छोड़ दें! चलो हम उनका पसीना उनके चेहरे पर फेंक दें। चलो हम उन्हें एक ही झटके में नष्ट कर दें। चलो हम भगवान बन जाएं। चलो हम बदसूरत बन जाएं।
उन्होंने यह काम स्वीकार कर लिया। कुछ हफ्तों बाद उन्हें इस बात की चिंता होना बंद हो गई। जब भी वे इस नए काम का ज़िक्र करते, उन्हें एक सम्मानजनक जिज्ञासा का सामना करना पड़ता। यह जिज्ञासा भले ही मनोरंजक होती, लेकिन सम्मानजनक ज़रूर होती। लोइस कुक का नाम उन सभी बेहतरीन ड्राइंग रूमों में जाना-माना था जहाँ वे जाते थे। उनकी किताबों के नाम बातचीत में ऐसे चमकते थे मानो वक्ता के बौद्धिक मुकुट में हीरे जड़े हों।
उन शब्दों का उच्चारण करने वालों की आवाज़ में हमेशा एक चुनौती का भाव होता था। ऐसा लगता था मानो वक्ता बहुत साहसी हो। यह एक संतोषजनक साहस था; इसने कभी शत्रुता उत्पन्न नहीं की। एक ऐसी लेखिका के लिए जिसकी पुस्तकें नहीं बिकती थीं, उसका नाम अजीब तरह से प्रसिद्ध और सम्मानित प्रतीत होता था। वह बुद्धि और विद्रोह की एक अग्रणी मंडली की ध्वजवाहक थी। लेकिन उसे यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं था कि वास्तव में यह विद्रोह किसके विरुद्ध था।
किसी न किसी तरह, वह यह जानना नहीं चाहता था।
उसने घर को उसकी इच्छा के अनुसार डिजाइन किया। यह तीन मंजिला इमारत थी, जिसका कुछ हिस्सा संगमरमर और कुछ प्लास्टर से बना था, और उस पर सजावटी मूर्तियां और रथों के लिए बनी लालटेनें लगी थीं। यह किसी मनोरंजन पार्क की इमारत जैसी दिखती थी।
कास्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग को छोड़कर, उनके द्वारा बनाए गए किसी भी अन्य चित्र की तुलना में इसका उनका रेखाचित्र अधिक प्रकाशनों में छपा। एक टिप्पणीकार ने यह राय व्यक्त की कि
"पीटर कीटिंग एक प्रतिभाशाली व्यक्ति से कहीं अधिक बनने की क्षमता प्रदर्शित कर रहे हैं।"
एक ऐसा युवक जिसे बड़े-बड़े व्यापारियों के रूढ़िवादी दिग्गजों को प्रसन्न करने की कला आती है।
वह लोइस कुक जैसी ग्राहक के साथ बौद्धिक प्रयोग के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। टूही ने घर को "एक ब्रह्मांडीय मजाक" बताया।
लेकिन कीटिंग के मन में एक अजीब सी अनुभूति बनी रही: एक अधूरी सी अनुभूति। किसी महत्वपूर्ण रचना पर काम करते समय, जो उन्हें पसंद आती थी, उन्हें यह

अनुभूति धुंधली सी महसूस होती थी; उन्हें यह अनुभूति तब भी होती थी जब वे अपने काम पर गर्व महसूस करते थे। वे इस अनुभूति की प्रकृति को स्पष्ट नहीं कर पाते थे; लेकिन वे जानते थे कि इसका कुछ हिस्सा शर्मिंदगी का भाव था।
एक बार उसने यह बात एल्सवर्थ टूही को बताई। टूही हंस पड़ा।
“यह तुम्हारे लिए अच्छा है, पीटर। किसी को भी अपने महत्व का अतिरंजित बोध नहीं होने देना चाहिए। खुद को पूर्णता के बोझ तले दबाने की कोई आवश्यकता नहीं है।”
वी
डोमिनिक न्यूयॉर्क लौट आई थी।
वह बिना किसी उद्देश्य के लौट आई, क्योंकि खुदान की अपनी पिछली यात्रा के बाद वह अपने ग्रामीण घर में तीन दिन से अधिक नहीं रह सकती थी। उसे शहर में होना ही था; यह एक अचानक आई आवश्यकता थी, अप्रतिरोध्य और निरर्थक। उसे शहर से कोई अपेक्षा नहीं थी। लेकिन वह सड़कों और इमारतों के उस एहसास को चाहती थी जो उसे वहां बांधे रखता था।
सुबह जब वह जागी और नीचे दूर से आती गाड़ियों की धीमी गड़गड़ाहट सुनी, तो वह आवाज़ उसके लिए अपमान की कारण बनी, उसे याद दिलाती रही कि वह कहां है और क्यों। वह खिड़की पर खड़ी थी, बाहें फैलाए, फ्रेम के दोनों किनारों को पकड़े हुए; ऐसा लग रहा था मानो उसने शहर का एक टुकड़ा पकड़ रखा हो, सारी सड़कें और छतें उसके दोनों हाथों के बीच कांच पर उभरी हुई थीं।
वह अकेले ही लंबी सैर पर निकल जाती थी। वह तेज़ चलती थी, उसके हाथ एक पुराने कोट की जेबों में होते थे, जिसका कालर ऊपर उठा हुआ था। उसने खुद से कहा था कि वह उससे मिलने की उम्मीद नहीं कर रही है। वह उसे ढूंढ नहीं रही है। लेकिन उसे घंटों तक सड़कों पर खाली, उद्देश्यहीन होकर रहना पड़ता था।
उसे हमेशा से शहर की गलियां नापसंद थीं। वह अपने सामने से गुज़रते चेहरों को देखती थी, डर से एक जैसे बने चेहरे—डर ही सबमें समाया हुआ था, खुद का डर, सबका और एक-दूसरे का डर, डर जो उन्हें हर उस चीज़ पर झपटने के लिए तैयार कर देता था जिसे वे अपने सामने आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए पवित्र मानते थे। वह उस डर की प्रकृति या कारण को परिभाषित नहीं कर सकती थी। लेकिन उसने हमेशा उसकी मौजूदगी को महसूस किया था। उसने खुद को एक ही जुनून में पवित्र और मुक्त रखा था—किसी भी चीज़ को न छूना।
उसे सड़कों पर उनका सामना करना अच्छा लगता था, उसे उनकी नफ़रत की बेबसी अच्छी लगती थी, क्योंकि उसने उन्हें चोट पहुंचाने के लिए कुछ भी नहीं दिया था।
अब वह आज़ाद नहीं थी। सड़कों पर हर कदम उसे दर्द देता था। वह उससे बंधी हुई थी—और वह शहर के हर हिस्से से बंधा हुआ था। वह एक गुमनाम मज़दूर था, कोई गुमनाम काम कर रहा था, इन भीड़ में खोया हुआ, उन पर निर्भर, उनमें से किसी से भी चोट खा सकता था, और वह उसे पूरे शहर के साथ साझा करती थी। लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए फुटपाथों पर उसे देखने का ख्याल ही उसे घृणास्पद लगता था। उसे यह सोचकर घृणा होती थी कि कोई क्लर्क काउंटर के उस पार से उसे सिगरेट का पैकेट दे रहा है। उसे घृणा होती थी...
सुबह ट्रेन में उसकी कोहनियां एक-दूसरे से छू रही थीं। इन सैरों के बाद वह बुखार से कांपती हुई घर लौटी। अगले दिन वह फिर बाहर चली गई।
जब उनकी छुट्टी की अवधि समाप्त हुई, तो उन्होंने बैनर के कार्यालय में इस्तीफा देने के लिए गईं। उन्हें अपना काम और अपना कॉलम अब मनोरंजक नहीं लग रहा था।
उन्होंने अल्वाह स्कारेट के उत्साहपूर्ण अभिवादन को रोकते हुए कहा: "मैं बस आपको यह बताने के लिए वापस आई हूं कि मैं नौकरी छोड़ रही हूं, अल्वाह।" अल्वाह ने उन्हें हैरानी से देखा। उन्होंने बस इतना कहा: "क्यों?"

बहुत समय बाद बाहरी दुनिया से आने वाली यह पहली आवाज़ थी जो उस तक पहुँची। वह हमेशा तात्कालिक आवेग में आकर काम करती थी, उसे इस बात पर गर्व था कि उसे अपने कार्यों के लिए किसी कारण की आवश्यकता नहीं थी। अब उसे एक ऐसे "क्यों?" का सामना करना था जिसका उत्तर वह टाल नहीं सकती थी। उसने सोचा: उसकी वजह से, क्योंकि वह उसे अपने जीवन की दिशा बदलने दे रही थी। यह एक और उल्लंघन होगा; वह उसे जंगल के रास्ते पर मुस्कुराते हुए देख सकती थी। उसके पास कोई विकल्प नहीं था। दोनों में से कोई भी रास्ता मजबूरी में ही चुनना पड़ता: वह अपना काम छोड़ सकती थी, क्योंकि उसने उसे छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया था, या वह उससे नफ़रत करते हुए भी, अपने जीवन को अपरिवर्तित रखने के लिए, उसके विरोध में, वहीं रह सकती थी। दूसरा विकल्प ज़्यादा कठिन था।
उसने अपना सिर उठाया। उसने कहा: “बस एक मज़ाक था, अल्वाह। मैं बस देखना चाहती थी कि तुम क्या कहोगे। मैं नौकरी नहीं छोड़ रही।”
वह काम पर वापस आए हुए कुछ ही दिन हुए थे कि तभी एल्सवर्थ टूही उनके कार्यालय में आ गए।
“हेलो, डोमिनिक,” उसने कहा। “अभी-अभी सुना कि तुम वापस आ गई हो।”
"हैलो, एल्सवर्थ।"
मुझे खुशी है। मुझे हमेशा से यह आभास होता रहा है कि एक दिन तुम बिना किसी कारण के हमें छोड़कर चले जाओगे।
“भावना, एल्सवर्थ? या आशा?”
वह उसे देख रहा था, उसकी आँखें हमेशा की तरह दयालु थीं, उसकी मुस्कान हमेशा की तरह मनमोहक थी; लेकिन उस आकर्षण में आत्म-उपहास का एक अंश था, मानो वह जानता हो कि वह इसे पसंद नहीं करती, और एक आश्वासन का अंश भी था, मानो वह यह दिखा रहा हो कि वह हमेशा की तरह दयालु और मनमोहक दिखेगा।
"आप जानते हैं, आप वहां गलत हैं," उसने शांति से मुस्कुराते हुए कहा।
"आप इस बारे में हमेशा गलत रहे हैं।"
“नहीं। मैं फिट नहीं बैठता, एल्सवर्थ। क्या मैं फिट बैठता हूँ?”
मैं बेशक पूछ सकता हूं: किसमें? लेकिन मान लीजिए कि मैं यह नहीं पूछता।
मान लीजिए कि मैं बस इतना कह दूं कि जो लोग समाज में फिट नहीं बैठते, उनका भी अपना महत्व होता है, ठीक वैसे ही जैसे फिट बैठने वालों का? क्या आपको यह बेहतर लगेगा? बेशक, सबसे सरल बात तो यही है कि मैं हमेशा से आपका बहुत बड़ा प्रशंसक रहा हूं और हमेशा रहूंगा।
"यह कोई प्रशंसा नहीं है।"
"मुझे नहीं लगता कि हम कभी दुश्मन बनेंगे, डोमिनिक, अगर तुम यही चाहती हो तो।"
“नहीं, मुझे नहीं लगता कि हम कभी दुश्मन बनेंगे, एल्सवर्थ। तुम मेरे जानने वाले सबसे सुकून देने वाले इंसान हो।”
"बिल्कुल।"
"क्या मेरा मतलब उसी अर्थ में है?"
"आप जिस भी अर्थ में चाहें।"
उसके सामने मेज पर संडे क्रॉनिकल का रोटोग्रावियर वाला भाग पड़ा था। वह उस पृष्ठ पर मुड़ा हुआ था जिस पर एनराइट हाउस का चित्र बना था। उसने उसे उठाया और उसकी ओर बढ़ाया, उसकी आँखें मौन प्रश्न के भाव से सिकुड़ी हुई थीं। उसने चित्र को देखा, फिर उसकी नज़र उसके चेहरे पर पड़ी और फिर चित्र पर लौट आई। उसने कागज़ को वापस मेज पर रख दिया।
"यह तो अपमान जितना ही बेहूदा है, है ना?" उसने कहा।
“जानते हो, एल्सवर्थ, मुझे लगता है कि जिसने इसे डिज़ाइन किया है, उसे आत्महत्या कर लेनी चाहिए थी। जो व्यक्ति इतनी खूबसूरत चीज़ की कल्पना कर सकता है, उसे

इसे बनने ही नहीं देना चाहिए। उसे तो यह नहीं चाहना चाहिए कि यह अस्तित्व में आए। लेकिन वह इसे बनने दे रहा है, ताकि औरतें उसकी छतों पर डायपर टांगें, ताकि मर्द उसकी सीढ़ियों पर थूकें और उसकी दीवारों पर गंदी तस्वीरें बनाएं। उसने इसे उन्हें दे दिया है और इसे उनका हिस्सा बना दिया है, हर चीज़ का हिस्सा। उसे इसे तुम्हारे जैसे मर्दों के देखने के लिए नहीं देना चाहिए था। तुम्हारे जैसे मर्दों के चर्चा करने के लिए नहीं देना चाहिए था। तुम्हारे पहले शब्द से ही उसने अपने काम को अपवित्र कर दिया है। उसने खुद को तुमसे भी बदतर बना लिया है। तुम तो बस एक छोटी-सी बेहूदगी करोगे, लेकिन उसने तो अपवित्रता की है। जिस आदमी को यह बनाने के लिए जो कुछ भी जानना पड़ा होगा, उसे तो जीवित नहीं रहना चाहिए था।"
"क्या आप इस बारे में कोई लेख लिखने जा रहे हैं?" उन्होंने पूछा।
"नहीं। ऐसा करना तो उसके अपराध को दोहराना होगा।"
और मुझसे इस बारे में बात कर रहे हो?
उसने उसकी ओर देखा। वह सुखद मुस्कान लिए हुए था।
"हां बिल्कुल," उसने कहा, "यह भी उसी अपराध का हिस्सा है।"
"डोमिनिक, चलो किसी दिन साथ में डिनर करते हैं," उसने कहा। "तुम मुझे बहुत कम ही देखने देती हो।"
"ठीक है," उसने कहा। "जब भी आप चाहें।"
एल्सवर्थ टूही पर हमले के मुकदमे में स्टीवन मैलोरी ने अपना मकसद बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कोई बयान नहीं दिया। उन्हें किसी भी संभावित सजा से कोई फर्क नहीं पड़ा। लेकिन एल्सवर्थ टूही ने मैलोरी के बचाव में बिना बुलाए पेश होकर थोड़ी हलचल मचा दी। उन्होंने जज से नरमी बरतने की गुहार लगाई; उन्होंने समझाया कि वह मैलोरी का भविष्य और करियर बर्बाद होते नहीं देखना चाहते।
अदालत में मौजूद हर कोई भावुक हो गया था - सिवाय स्टीवन मैलोरी के।
स्टीवन मैलोरी सुनता रहा और उसका चेहरा ऐसा लग रहा था मानो उस पर किसी विशेष प्रकार की क्रूरता की जा रही हो। न्यायाधीश ने उसे दो साल की सजा सुनाई और उसे निलंबित कर दिया।
टूही की असाधारण उदारता पर खूब चर्चा हुई। टूही ने बड़ी विनम्रता और प्रसन्नता से सारी प्रशंसा को खारिज कर दिया। उनका यही कथन सभी समाचार पत्रों में छपा, "मेरे मित्रों, मैं शहीदों के निर्माण में भागीदार बनने से इनकार करता हूँ।"
युवा वास्तुकारों के प्रस्तावित संगठन की पहली बैठक में कीटिंग ने निष्कर्ष निकाला कि टूही में ऐसे लोगों को चुनने की अद्भुत क्षमता थी जो एक-दूसरे के साथ अच्छी तरह घुलमिल जाते थे। उपस्थित अठारह लोगों में एक ऐसा भाव था जिसे वह परिभाषित नहीं कर सके, लेकिन जिसने उन्हें एक सुकून और सुरक्षा का एहसास दिलाया, ऐसा सुकून उन्होंने अकेलेपन में या किसी अन्य सभा में कभी अनुभव नहीं किया था; और उस सुकून का एक हिस्सा यह ज्ञान था कि बाकी सभी लोग भी उसी अज्ञात कारण से ऐसा ही महसूस कर रहे थे। यह भाईचारे की भावना थी, लेकिन किसी संत या महान भाईचारे की नहीं; फिर भी यही सुकून था।
उनमें से किसी को भी संत या कुलीन बनने की कोई आवश्यकता महसूस नहीं होती थी।
यदि यह रिश्तेदारी न होती, तो कीटिंग इस सभा से निराश हो जाते। टूही के बैठक कक्ष में बैठे अठारह लोगों में से, स्वयं कीटिंग और गॉर्डन एल. कीटिंग को छोड़कर कोई भी प्रतिष्ठित वास्तुकार नहीं था।
प्रेस्कॉट ने बेज रंग का टर्टल-नेक स्वेटर पहना हुआ था और वह कुछ हद तक संशय में दिख रही थी, लेकिन उत्सुक भी थी। कीटिंग ने बाकी लोगों के नाम कभी नहीं सुने थे। उनमें से अधिकतर नौसिखिए थे, युवा, फटे-पुराने कपड़े पहने हुए और झगड़ालू स्वभाव के थे। कुछ तो केवल ड्राफ्ट्समैन थे। उनमें एक महिला भी थी।

एक वास्तुकार जिसने कुछ छोटे निजी घर बनाए थे, मुख्य रूप से धनी विधवाओं के लिए; उसका व्यवहार आक्रामक था, वह मुंह बंद रखती थी और उसके बालों में एक ताजा पेटूनिया का फूल लगा था। वहाँ एक लड़का था जिसकी आँखें भोली और मासूम थीं। वहाँ एक गुमनाम ठेकेदार था जिसका चेहरा मोटा और भावहीन था। वहाँ एक लंबी, दुबली-पतली महिला थी जो इंटीरियर डेकोरेटर थी, और एक अन्य महिला थी जिसका कोई निश्चित पेशा नहीं था।
बहुत सारी बातें होने के बावजूद कीटिंग को समझ नहीं आ रहा था कि उस समूह का असल मकसद क्या है। कोई भी बात स्पष्ट नहीं थी, लेकिन उन सबमें एक ही अंतर्निहित संदेश था। उसे लगा कि उन सभी अस्पष्ट बातों के बीच यही एक बात साफ थी, भले ही कोई इसका ज़िक्र न करे। यही संदेश उसे और बाकी सबको वहीं रोके हुए था, और वह इसे परिभाषित करने की कोई इच्छा नहीं रखता था।
उन युवकों ने अन्याय, नाइंसाफी, युवाओं के प्रति समाज की क्रूरता के बारे में बहुत बातें कीं और सुझाव दिया कि कॉलेज छोड़ने के बाद हर किसी को भविष्य में मिलने वाले कमीशन की गारंटी मिलनी चाहिए। महिला वास्तुकार ने संक्षेप में अमीरों के अन्याय के बारे में कुछ कहा। ठेकेदार ने गुस्से में कहा कि यह दुनिया बहुत कठिन है और "साथियों को एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।" मासूम आँखों वाले लड़के ने विनती की कि
“हम कितना अच्छा काम कर सकते थे...” उनकी आवाज़ में एक हताश ईमानदारी का भाव था जो शर्मनाक और बेतुका लग रहा था। गॉर्डन एल.
प्रेस्कॉट ने घोषणा की कि ए.जी.ए. पुराने ख्यालों वाले लोगों का एक समूह है जिन्हें सामाजिक जिम्मेदारी की कोई समझ नहीं है और उनमें जरा भी मर्दानगी नहीं है, और अब समय आ गया है कि उन्हें सबक सिखाया जाए।
उस महिला ने, जिसका पेशा स्पष्ट नहीं था, आदर्शों और उद्देश्यों के बारे में बात की, हालांकि कोई भी यह नहीं समझ पाया कि वे वास्तव में क्या थे।
पीटर कीटिंग सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए। गॉर्डन एल.
प्रेस्कॉट उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष चुने गए। टूही ने सभी नामांकनों को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे केवल एक अनौपचारिक सलाहकार के रूप में कार्य करेंगे। यह निर्णय लिया गया कि संगठन का नाम होगा...
"काउंसिल ऑफ अमेरिकन बिल्डर्स।" यह निर्णय लिया गया कि सदस्यता केवल वास्तुकारों तक ही सीमित नहीं होगी, बल्कि "संबद्ध शिल्पों" और "भवन निर्माण के महान पेशे के हितों को दिल से चाहने वाले सभी लोगों" के लिए खुली होगी।
फिर टूही बोले। वे खड़े होकर, एक हाथ की उंगलियों के बल मेज पर टिके हुए, काफी देर तक बोलते रहे। उनकी दमदार आवाज कोमल और प्रभावशाली थी। वह पूरे कमरे में गूंज उठी, लेकिन इससे उनके श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।
उन्हें एहसास हुआ कि यह एक रोमन एम्फीथिएटर को भर सकता था; इस अहसास में कुछ सूक्ष्म रूप से प्रशंसा का भाव था, उस शक्तिशाली आवाज को उनके लाभ के लिए नियंत्रित किए जाने की ध्वनि में।
“...और इस प्रकार, मेरे मित्रों, वास्तुकला के पेशे में अपनी सामाजिक महत्ता की समझ की कमी है। इस कमी के दो कारण हैं: हमारे संपूर्ण समाज का असामाजिक स्वभाव और आपकी अंतर्निहित विनम्रता। आपको केवल रोटी कमाने वाले के रूप में सोचने की आदत पड़ गई है, जिसका एकमात्र उद्देश्य अपनी फीस और जीवनयापन के साधन जुटाना है। क्या अब समय नहीं आ गया है, मेरे मित्रों, कि आप रुकें और समाज में अपनी स्थिति को फिर से परिभाषित करें? सभी शिल्पों में, आपका शिल्प सबसे महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण, इस मायने में नहीं कि आप कितना पैसा कमा सकते हैं, न ही इस मायने में कि आप कितना कलात्मक कौशल प्रदर्शित कर सकते हैं, बल्कि इस मायने में कि आप अपने साथी मनुष्यों की सेवा करते हैं। आप ही हैं जो मानवता को

आश्रय प्रदान करते हैं। इसे याद रखें और फिर हमारे शहरों, हमारी झुग्गी-झोपड़ियों को देखें, ताकि आप उस विशाल कार्य को समझ सकें जो आपका इंतज़ार कर रहा है।"
लेकिन इस चुनौती का सामना करने के लिए आपको स्वयं और अपने काम के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण रखना होगा। आप अमीरों के किराए के नौकर नहीं हैं। आप वंचितों और बेघरों के हितैषी हैं। हमारा मूल्यांकन हमारे व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उन लोगों से होगा जिनकी हम सेवा करते हैं। आइए, हम सब इस भावना से एकजुट हों। आइए, हम सभी मामलों में इस नए, व्यापक और उच्चतर दृष्टिकोण के प्रति निष्ठावान रहें। आइए, संगठित हों—
तो, मेरे दोस्तों, क्या मैं कहूँ—एक और भी महान सपना?"
कीटिंग ध्यान से सुन रहा था। उसने हमेशा खुद को एक ऐसा व्यक्ति समझा था जो अपनी आय कमाने के लिए हर संभव प्रयास करता था, और यह पेशा उसने अपनी माँ की इच्छा के कारण चुना था। यह जानकर उसे बहुत खुशी हुई कि वह इससे कहीं बढ़कर है; कि उसकी दैनिक गतिविधि का एक अधिक महान महत्व है। यह सुखद भी था और मदहोश करने वाला भी। वह जानता था कि कमरे में मौजूद बाकी सभी लोग भी ऐसा ही महसूस कर रहे थे।
"...और जब हमारी सामाजीय व्यवस्था ध्वस्त हो जाएगी, तो निर्माणकर्ताओं का शिल्प लुप्त नहीं होगा, बल्कि और अधिक प्रमुखता और मान्यता प्राप्त करेगा..."
दरवाज़े की घंटी बजी। तभी टूही का नौकर एक पल के लिए प्रकट हुआ और उसने बैठक के कमरे का दरवाजा खोलकर डोमिनिक फ्रैंकन को अंदर आने दिया।
टूही के अधूरे शब्द पर रुकने के तरीके से कीटिंग समझ गई कि डोमिनिक को आमंत्रित नहीं किया गया था और न ही उसकी अपेक्षा थी। उसने टूही की ओर मुस्कुराते हुए सिर हिलाया और एक हाथ से इशारा किया।
उसे बोलने के लिए कहने पर, उसने उसकी ओर हल्का सा झुककर अभिवादन किया, मानो उसकी भौंहें बस थोड़ी सी हिली हों, और अपना भाषण जारी रखा। यह एक सुखद अभिवादन था और इसकी अनौपचारिकता ने अतिथि को उस अवसर के घनिष्ठ सौहार्दपूर्ण माहौल में शामिल कर लिया, लेकिन कीटिंग को लगा कि यह अभिवादन बस एक पल देर से हुआ है। उसने टूही को इससे पहले कभी भी सही समय चूकते नहीं देखा था।
डोमिनिक बाकियों के पीछे एक कोने में बैठ गई। कीटिंग कुछ देर के लिए सबकी बात भूल गया, उसका ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश में। उसे तब तक इंतज़ार करना पड़ा जब तक उसकी नज़रें कमरे में एक-एक चेहरे को ध्यान से देखते हुए उस पर नहीं ठहर गईं। उसने झुककर और सिर हिलाकर अभिवादन किया, मानो किसी निजी चीज़ का अभिवादन कर रहा हो। उसने अपना सिर झुकाया, उसने देखा कि आँखें बंद करते समय उसकी पलकें एक पल के लिए उसके गालों को छू गईं, और फिर उसने दोबारा उसकी ओर देखा। वह काफी देर तक बिना मुस्कुराए उसे देखती रही, मानो उसके चेहरे में कुछ नया खोज रही हो। उसने उसे बसंत ऋतु के बाद से नहीं देखा था। उसने सोचा कि वह थोड़ी थकी हुई और उसकी यादों से कहीं ज़्यादा प्यारी लग रही थी।
फिर उन्होंने एक बार फिर एल्सवर्थ टूही की ओर रुख किया और उनकी बात सुनी। जो शब्द उसने सुने, वे हमेशा की तरह दिल को छू लेने वाले थे, लेकिन उनमें छिपी खुशी के साथ-साथ बेचैनी भी थी। उसने डोमिनिक की ओर देखा। वह इस कमरे में, इस सभा में बिल्कुल बेमेल लग रही थी। वह कारण तो नहीं बता सकता था, लेकिन यह बात उसे बहुत गहरी और घुटन भरी लग रही थी। न तो उसकी सुंदरता, न ही उसका अभिमानी अंदाज़। लेकिन किसी चीज़ ने उसे अजनबी बना दिया था। ऐसा लग रहा था मानो सब लोग आराम से नग्न बैठे हों और अचानक कोई व्यक्ति पूरे कपड़े पहने हुए अंदर आ गया हो, जिससे सब लोग असहज और शर्मिंदा महसूस करने लगे हों। फिर भी उसने कुछ नहीं किया। वह ध्यान से सुनती रही। एक बार, वह पीछे झुकी, पैर मोड़े

और सिगरेट जलाई। उसने अपनी कलाई को हल्के से झटका देकर माचिस की लौ बुझाई और उसे अपने बगल में रखी मेज पर राखदानी में डाल दिया। उसने उसे माचिस राखदानी में डालते देखा; उसे ऐसा लगा मानो उसकी कलाई की उस हरकत ने माचिस को सबके चेहरों पर फेंक दिया हो।
उसे लगा कि वह बेतुकी बात कर रहा है। लेकिन उसने गौर किया कि एल्सवर्थ टूही बोलते समय कभी उसकी तरफ नहीं देखता था।
मीटिंग खत्म होते ही टूही दौड़कर उसके पास गई।
“डोमिनिक, मेरी प्यारी!” उसने उत्साह से कहा। “क्या मुझे खुद को सम्मानित समझना चाहिए?”
"यदि आप चाहते हैं।"
"अगर मुझे पता होता कि आप इसमें रुचि रखते हैं, तो मैं आपको एक बहुत ही खास निमंत्रण भेजता।"
"लेकिन आपको नहीं लगा था कि मुझे इसमें दिलचस्पी होगी?"
नहीं, सच कहूँ तो, मैं...
“यह एक गलती थी, एल्सवर्थ। आपने एक पत्रकार के रूप में मेरी सहज प्रवृत्ति को नज़रअंदाज़ कर दिया। कोई भी सनसनीखेज खबर न चूकें। किसी गंभीर अपराध के जन्म का प्रत्यक्षदर्शी बनने का अवसर बार-बार नहीं मिलता।”
"तुम्हारा असल में क्या मतलब है, डोमिनिक?" कीटिंग ने तीखी आवाज में पूछा।
वह उसकी ओर मुड़ी। "हैलो, पीटर।"
"आप पीटर कीटिंग को तो जानती ही होंगी ना?" टूही ने मुस्कुराते हुए उससे पूछा।
"ओह, हाँ। पीटर एक समय मुझसे प्यार करता था।"
"डोमिनिक, तुम गलत काल का प्रयोग कर रही हो," कीटिंग ने कहा।
“पीटर, डोमिनिक जो भी कहे उसे कभी गंभीरता से मत लेना। वह नहीं चाहती कि हम उसे गंभीरता से लें। डोमिनिक, क्या तुम हमारे छोटे से समूह में शामिल होना चाहोगी? तुम्हारी पेशेवर योग्यताएं तुम्हें इसके लिए पूरी तरह योग्य बनाती हैं।”
“नहीं, एल्सवर्थ। मैं तुम्हारे छोटे से समूह में शामिल नहीं होना चाहूंगी। मैं तुमसे इतनी नफरत नहीं करती कि ऐसा करूं।”
"आखिर आपको इससे आपत्ति क्यों है?" कीटिंग ने झल्लाकर पूछा।
“क्यों, पीटर!” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “तुम्हें यह विचार कहाँ से आया? मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। क्या सच में है, एल्सवर्थ? मुझे लगता है कि यह एक स्पष्ट आवश्यकता के जवाब में एक उचित प्रयास है। यही तो हम सबको चाहिए—और हम इसके हकदार भी हैं।”
“क्या आप हमारी अगली बैठक में उपस्थित रहेंगे?” टूही ने पूछा। “अगली बैठक में, आपका इतना समझदार श्रोता होना सुखद है, जो किसी भी तरह से बाधा नहीं बनेगा।”
नहीं, एल्सवर्थ। धन्यवाद। यह महज़ जिज्ञासा थी। वैसे, यहाँ आपके साथ वाकई दिलचस्प लोग हैं। युवा बिल्डर। वैसे, आपने एनराइट हाउस को डिज़ाइन करने वाले उस व्यक्ति को क्यों नहीं बुलाया?
उसका नाम क्या है?—हॉवर्ड रोर्क?
कीटिंग को लगा जैसे उसका जबड़ा कस गया हो। लेकिन उसने मासूमियत से उनकी तरफ देखा था, उसने यह बात हल्के-फुल्के अंदाज में कही थी—ज़रूर, उसने सोचा, उसका मतलब... क्या था? उसने खुद से पूछा और आगे कहा: उसका मतलब वो नहीं था जो उसने एक पल के लिए सोचा था, वो सब जिसने उसे उस पल डरा दिया था।
"मुझे श्री रोर्क से मिलने का सौभाग्य कभी नहीं मिला," टूही ने गंभीरता से उत्तर दिया।
“क्या तुम उसे जानती हो?” कीटिंग ने उससे पूछा।
“नहीं,” उसने जवाब दिया। “मैंने केवल एनराइट हाउस का एक रेखाचित्र देखा है।”
“और?” कीटिंग ने जोर देकर पूछा। “आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?”

“मैं इसके बारे में नहीं सोचता,” उसने जवाब दिया।
जब वह जाने के लिए मुड़ी, तो कीटिंग उसके पीछे-पीछे गया। नीचे जाते समय लिफ्ट में उसने उसे देखा। उसने देखा कि उसका हाथ, एक कसे हुए काले दस्ताने में, एक पर्स के चपटे कोने को पकड़े हुए था। उसकी उंगलियों की ढीली-ढाली बेफिक्री एक साथ उद्दंड और आकर्षक थी। उसे लगा जैसे वह एक बार फिर उसके सामने आत्मसमर्पण कर रहा हो।
"डोमिनिक, तुम आज यहाँ क्यों आई हो?"
“ओह, मैं काफी समय से कहीं नहीं गया था और मैंने सोचा कि इसी से शुरुआत करूं। आप जानते हैं, जब मैं तैरने जाता हूं तो मुझे धीरे-धीरे ठंडे पानी में उतरकर खुद को तकलीफ देना पसंद नहीं है। मैं सीधे पानी में कूद जाता हूं और यह एक तेज झटका होता है, लेकिन उसके बाद बाकी सब कुछ सहना इतना मुश्किल नहीं होता।”
“आपका क्या मतलब है? आपको उस बैठक में ऐसा क्या गलत लगा? आखिर, हम कोई निश्चित योजना तो नहीं बना रहे हैं। हमारे पास कोई तय कार्यक्रम नहीं है। मुझे तो यह भी नहीं पता कि हम वहां किसलिए गए थे।”
बस, पीटर। तुम्हें तो यह भी नहीं पता कि तुम वहां किसलिए गए थे।
“यह तो बस साथियों का एक समूह है जहाँ वे मिलते हैं, मुख्यतः बातचीत करने के लिए। इसमें बुराई क्या है?”
"पीटर, मैं थक गया हूँ।"
"तो क्या आज रात आपकी उपस्थिति का मतलब कम से कम यह है कि आप अपने एकांतवास से बाहर आ रहे हैं?"
“हाँ। बस यही... मेरा एकांतवास?”
"मैंने आपसे संपर्क करने की बहुत कोशिश की है, आप जानते हैं।"
"आपके पास?"
"क्या मैं आपको बताना शुरू करूँ कि आपको दोबारा देखकर मुझे कितनी खुशी हुई है?"
“नहीं। मान लेते हैं कि आपने मुझे बता दिया है।”
"जानती हो, तुम बदल गई हो, डोमिनिक। मुझे ठीक से नहीं पता कि किस तरह से, लेकिन तुम बदल गई हो।"
"मेरे पास है?"
"मान लीजिए कि मैंने आपको बता दिया है कि आप कितनी प्यारी हैं, क्योंकि मेरे पास इसे व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं हैं।"
गलियाँ अंधेरी थीं। उसने एक टैक्सी बुलाई। उसके पास बैठकर, वह मुड़ा और सीधे उसकी ओर देखा, उसकी निगाहें एक खुले इशारे की तरह थीं, मानो उनके बीच की खामोशी को अर्थपूर्ण बनाना चाहता हो। उसने मुँह नहीं मोड़ा। वह उसके चेहरे को निहारती रही। ऐसी लग रहा था मानो वह किसी विचार में डूबी हो, जिसे वह समझ नहीं पा रहा था। उसने धीरे से हाथ बढ़ाकर उसका हाथ थाम लिया। उसने उसके हाथ में एक प्रयास महसूस किया, उसकी सख्त उंगलियों से वह उसकी पूरी बांह का प्रयास महसूस कर सकता था, हाथ छुड़ाने का प्रयास नहीं, बल्कि उसे थामे रहने देने का प्रयास।
उसने हाथ उठाया, उसे पलटा और उसके कलाई पर अपने होंठ दबा दिए।
फिर उसने उसके चेहरे की ओर देखा। उसने उसका हाथ छोड़ दिया और वह पल भर के लिए हवा में लटका रहा, उंगलियां अकड़ी हुई, आधी बंद। यह वह उदासीनता नहीं थी जो उसे याद थी। यह घृणा थी, इतनी तीव्र कि वह व्यक्तिगत नहीं रही, वह उसे ठेस नहीं पहुंचा सकी, ऐसा लगा जैसे उसमें उसके शरीर से कहीं अधिक समाहित है। उसे अचानक उसके शरीर का एहसास हुआ; न तो इच्छा से और न ही आक्रोश से, बल्कि

बस उसके करीब, उसके वस्त्रों के नीचे उसकी उपस्थिति का एहसास हुआ। उसने अनजाने में फुसफुसाया:
"डोमिनिक, वह कौन था?"
वह घूमकर उसकी ओर देखने लगी। तभी उसने देखा कि उसकी आँखें सिकुड़ रही हैं। उसने देखा कि उसके होंठ ढीले पड़ रहे हैं, और अधिक भरे हुए, मुलायम हो रहे हैं, उसका मुँह धीरे-धीरे बिना खुले एक हल्की मुस्कान में बदल रहा है। उसने सीधे उसकी ओर देखते हुए उत्तर दिया:
"ग्रेनाइट की खदान में काम करने वाला एक मजदूर।"
वह सफल हो गई; वह ज़ोर से हँस पड़ा।
"मेरे साथ यही होना चाहिए था, डोमिनिक। मुझे असंभव की आशंका नहीं करनी चाहिए थी।"
"पीटर, क्या यह अजीब नहीं है? एक समय था जब मुझे लगता था कि मैं तुम्हें चाह सकती हूँ।"
"इसमें अजीब क्या है?"
“यह सोचकर ही हमें एहसास होता है कि हम अपने बारे में कितना कम जानते हैं। पीटर, एक दिन तुम्हें भी अपने बारे में सच्चाई पता चलेगी, और वह हममें से अधिकांश लोगों की तुलना में तुम्हारे लिए कहीं अधिक भयावह होगी। लेकिन अभी इसके बारे में सोचने की जरूरत नहीं है। वह सच्चाई अभी बहुत दूर है।”
"क्या तुम मुझे चाहती थी, डोमिनिक?"
मुझे लगता था कि मुझे कभी किसी चीज की चाह नहीं हो सकती और तुम उस सोच पर बिल्कुल खरे उतरे।
मुझे नहीं पता कि तुम क्या कहना चाहते हो। मुझे यह भी नहीं पता कि तुम क्या कहना चाहते हो। मैं इतना जानती हूँ कि मैं तुम्हें हमेशा प्यार करूँगी। और मैं तुम्हें फिर कभी गायब नहीं होने दूंगी। अब जब तुम वापस आ गए हो...
“अब जब मैं वापस आ गई हूँ, पीटर, मैं तुम्हें दोबारा नहीं देखना चाहती। हाँ, जब हम कभी मिलेंगे, तो तुम्हें देखना पड़ेगा, लेकिन मुझसे मिलने मत आना। मुझसे मिलने मत आना। मैं तुम्हें नाराज़ करने की कोशिश नहीं कर रही हूँ, पीटर।”
बात वो नहीं है। तुमने ऐसा कुछ नहीं किया जिससे मुझे गुस्सा आए। ये मेरे अंदर की कोई ऐसी बात है जिसका मैं दोबारा सामना नहीं करना चाहती। मुझे तुम्हें उदाहरण के तौर पर चुनने का अफ़सोस है। लेकिन तुम इस पर पूरी तरह खरे उतरते हो। तुम—पीटर, तुम वो सब कुछ हो जिससे मुझे दुनिया में नफ़रत है और मैं ये याद नहीं करना चाहती कि मुझे इससे कितनी नफ़रत है। अगर मैंने खुद को याद करने दिया—तो मैं उसी तरफ लौट जाऊंगी। ये तुम्हारा अपमान नहीं है, पीटर। इसे समझने की कोशिश करो। तुम दुनिया के सबसे बुरे इंसान नहीं हो। तुम दुनिया के सबसे अच्छे इंसान हो। यही बात डरावनी है। अगर मैं कभी तुम्हारे पास वापस आई—तो मुझे आने मत देना। मैं ये अभी इसलिए कह रही हूं क्योंकि मैं कह सकती हूं, लेकिन अगर मैं तुम्हारे पास वापस आई, तो तुम मुझे रोक नहीं पाओगे, और अभी ही एकमात्र समय है जब मैं तुम्हें चेतावनी दे सकती हूं।
"मुझे नहीं पता," उसने ठंडे गुस्से में कहा, उसके होंठ कसे हुए थे, "कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो।"
“जानने की कोशिश मत करो। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। चलो एक-दूसरे से दूर ही रहें। ठीक है?”
मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा।
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "ठीक है, पीटर। यह एकमात्र ऐसा समय है जब मैं तुम्हारे प्रति दयालु रही हूँ। या किसी और के प्रति।"
छठी

रोज़र एनराइट ने अपने जीवन की शुरुआत एक कोयला खानेक के रूप में की थी। पेंसिल्वेनिया। करोड़ों की संपत्ति हासिल करने के उनके सफ़र में किसी ने उनकी मदद नहीं की थी। उन्होंने समझाया, "इसीलिए आज तक कोई मेरे रास्ते में नहीं आया।" हालांकि, कई चीजें और लोग उनके रास्ते में बाधा बने थे; पर उन्होंने कभी उन पर ध्यान नहीं दिया। उनके लंबे करियर की कई घटनाओं की सराहना नहीं की गई; किसी के बारे में कानाफूसी भी नहीं हुई। उनका करियर एक बड़े विज्ञापन की तरह चकाचौंध भरा और सार्वजनिक था। वे ब्लैकमेल करने वालों या उनकी छवि को उजागर करने वाले जीवनीकारों के लिए एक आसान निशाना नहीं थे। अमीरों के बीच उन्हें इसलिए नापसंद किया जाता था क्योंकि उन्होंने इतनी बेढंगी तरीके से धन कमाया था। उन्हें बैंकरों, मज़दूर संघों, महिलाओं, धर्म प्रचारकों और शेयर बाजार से नफरत थी। उन्होंने कभी भी अपने किसी भी उद्यम में शेयर नहीं खरीदे और न ही बेचे, और अपनी सारी संपत्ति उन्होंने अकेले ही बनाई थी, मानो सारा पैसा उनकी जेब में ही रखा हो। तेल के कारोबार के अलावा, उनके पास एक प्रकाशन गृह, एक रेस्तरां, एक रेडियो की दुकान, एक गैराज और बिजली के रेफ्रिजरेटर बनाने का एक कारखाना भी था। हर नए उद्यम से पहले वे उस क्षेत्र का गहन अध्ययन करते, फिर ऐसे काम करते जैसे उन्होंने उसके बारे में कभी सुना ही न हो, इस तरह वे सभी पुरानी परंपराओं को उलट देते थे। उनके कुछ उद्यम सफल रहे, कुछ असफल। वे उन सभी को पूरी ऊर्जा के साथ चलाते रहे। वे दिन में बारह घंटे काम करते थे।
जब उन्होंने एक इमारत बनाने का फैसला किया, तो उन्होंने छह महीने तक एक वास्तुकार की तलाश की। फिर आधे घंटे के पहले साक्षात्कार के अंत में उन्होंने रोर्क को काम पर रख लिया। बाद में, जब रेखाचित्र तैयार हो गए, तो उन्होंने तुरंत निर्माण कार्य शुरू करने का आदेश दिया। जब रोर्क रेखाचित्रों के बारे में बोलने लगे, तो एनराइट ने उन्हें बीच में ही रोक दिया:
“समझाने की ज़रूरत नहीं। मुझे अमूर्त आदर्शों को समझाने का कोई फ़ायदा नहीं है। मेरे कभी कोई आदर्श रहे ही नहीं। लोग कहते हैं कि मैं पूरी तरह अनैतिक हूँ। मैं सिर्फ़ अपनी पसंद के अनुसार चलता हूँ। लेकिन मुझे पता है कि मुझे क्या पसंद है।”
रोर्क ने एनराइट से संपर्क करने की अपनी कोशिश का ज़िक्र तक नहीं किया, न ही ऊबे हुए सचिव के साथ अपनी मुलाकात का। एनराइट को किसी तरह इसकी भनक लग गई। पाँच मिनट के भीतर सचिव को छुट्टी दे दी गई, और दस मिनट के भीतर वह आदेशानुसार, व्यस्त दिन के बीचोंबीच, अपने कंप्यूटर में आधा टाइप किया हुआ पत्र छोड़कर कार्यालय से बाहर निकल गया।
रोर्क ने अपना दफ्तर फिर से खोल दिया, जो एक पुरानी इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर बना वही बड़ा कमरा था। उन्होंने उसमें एक और कमरा जोड़कर उसे बड़ा कर दिया था—यह कमरा उन ड्राफ्टसमैन के लिए था जिन्हें उन्होंने निर्माण कार्य की तयशुदा तेज़ गति को बनाए रखने के लिए नियुक्त किया था। ये ड्राफ्टसमैन युवा थे और उन्हें ज्यादा अनुभव नहीं था। उन्होंने उनके बारे में पहले कभी नहीं सुना था और उन्होंने सिफारिशी पत्र भी नहीं मांगे थे। उन्होंने कई आवेदकों में से उन्हें बस कुछ मिनटों के लिए उनके रेखाचित्रों पर एक नज़र डालकर चुन लिया था।
अगले दिनों की भीड़भाड़ और तनाव में, वह उनसे उनके काम के अलावा कभी बात नहीं करता था। सुबह दफ्तर में प्रवेश करते ही उन्हें लगता था कि उनका कोई निजी जीवन नहीं है, कोई महत्व नहीं है और उनकी मेजों पर रखे कागजों की विशाल शीटों की विशाल वास्तविकता के अलावा कोई वास्तविकता नहीं है। वह जगह किसी कारखाने की तरह ठंडी और आत्माहीन लगती थी, जब तक कि वे उसे नहीं देखते; तब उन्हें लगता था कि यह कोई कारखाना नहीं, बल्कि एक भट्टी है जो उनके शरीरों को, सबसे पहले उसके अपने शरीर को, खा रही है।

कई बार ऐसा होता था कि वह पूरी रात दफ्तर में ही रहते थे। सुबह लौटने पर भी वे उन्हें काम करते हुए पाते थे। वे थके हुए नहीं लगते थे। एक बार तो वे लगातार दो दिन और दो रात वहीं रहे। तीसरे दिन दोपहर को वे अपनी मेज पर आधे लेटे हुए सो गए। कुछ घंटों बाद उनकी नींद खुली, उन्होंने कुछ नहीं कहा और एक मेज से दूसरी मेज पर जाकर देखा कि क्या काम हुआ है। उन्होंने कुछ सुधार किए, उनके शब्द ऐसे लग रहे थे मानो कुछ घंटे पहले शुरू हुए उनके विचार में कोई रुकावट ही न आई हो।
"जब तुम काम कर रहे होते हो तो तुम असहनीय हो जाते हो, हॉवर्ड," ऑस्टेन हेलर ने एक शाम उससे कहा, हालांकि उसने अपने काम के बारे में बिल्कुल भी बात नहीं की थी।
“क्यों?” उसने आश्चर्यचकित होकर पूछा।
"तुम्हारे साथ एक ही कमरे में रहना असहज है। तनाव संक्रामक होता है, तुम्हें पता है।"
“कैसा तनाव? मुझे तो काम करते समय ही पूरी तरह से सहज महसूस होता है।”
बस यही बात है। तुम तभी पूरी तरह स्वाभाविक होते हो जब तुम टुकड़े-टुकड़े होने से बस एक इंच दूर होते हो। आखिर तुम किस चीज के बने हो, हॉवर्ड? आखिर ये तो सिर्फ एक इमारत है। ये कोई पवित्र संस्कार, भारतीय यातना और यौन आनंद का मिश्रण तो नहीं है जैसा तुम इसे समझते हो।
"यही है ना?"
वह डोमिनिक के बारे में अक्सर नहीं सोचता था, लेकिन जब भी सोचता, तो वह अचानक याद नहीं आती, बल्कि एक निरंतर उपस्थिति की अनुभूति होती जिसे किसी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं थी। वह उसे चाहता था। वह जानता था कि वह कहां मिलेगी। वह इंतज़ार करता रहा। इंतज़ार करना उसे अच्छा लगता था, क्योंकि वह जानता था कि यह इंतज़ार उसके लिए असहनीय था। वह जानता था कि उसकी अनुपस्थिति उसे उससे इस तरह बांधे रखती थी जो उसकी उपस्थिति से कहीं अधिक पूर्ण और अपमानजनक था। वह उसे भागने का प्रयास करने का समय दे रहा था, ताकि जब वह उससे दोबारा मिलने का फैसला करे, तो वह अपनी बेबसी को जान सके। वह जान जाएगी कि यह प्रयास स्वयं उसकी मर्ज़ी का था, यह केवल प्रभुत्व का एक और रूप था। तब वह या तो उसे मार डालने के लिए तैयार होगी या अपनी इच्छा से उसके पास आने के लिए। उसके मन में दोनों कार्य बराबर होंगे। वह उसे इस स्थिति तक लाना चाहता था। वह इंतज़ार करता रहा।
एनराइट हाउस का निर्माण शुरू होने ही वाला था कि रोर्क को जोएल सटन के कार्यालय में बुलाया गया। सफल व्यवसायी जोएल सटन एक विशाल कार्यालय भवन के निर्माण की योजना बना रहे थे। उनकी सफलता का आधार लोगों के बारे में कुछ भी न समझने की उनकी क्षमता थी। वे सभी से प्रेम करते थे। उनका प्रेम किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करता था। यह एक महान समतावादी था; इसमें कोई ऊँचाई या गहराई नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे गुड़ से भरे कटोरे की सतह में नहीं होती।
जोएल सटन की मुलाकात रोर्क से एनराइट द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में हुई। जोएल सटन को रोर्क पसंद आया। वह रोर्क की प्रशंसा करते थे। उन्हें रोर्क और किसी अन्य व्यक्ति में कोई अंतर नहीं दिखता था। जब रोर्क उनके कार्यालय में आए, तो जोएल सटन ने कहा:
“अब मुझे पक्का यकीन नहीं है, बिल्कुल भी नहीं, लेकिन मैंने सोचा कि मैं उस छोटी सी इमारत के लिए आपके बारे में सोच सकता हूँ जो मेरे दिमाग में है। आपका एनराइट हाउस कुछ अजीब सा है, लेकिन आकर्षक है, सभी इमारतें आकर्षक होती हैं, मुझे इमारतें पसंद हैं, है ना? और रोज़ एनराइट बहुत ही समझदार आदमी है, बेहद समझदार, वो वहां पैसा कमाते हैं जहां कोई सोच भी नहीं सकता। मैं रोज़ एनराइट से सलाह लेने के लिए हमेशा तैयार हूँ, जो रोज एनराइट के लिए अच्छा है, वो मेरे लिए भी अच्छा है।”

उस पहले साक्षात्कार के बाद रोर्क ने कई हफ्तों तक इंतजार किया। जोएल सटन कभी भी जल्दबाजी में फैसला नहीं करते थे।
दिसंबर की एक शाम को ऑस्टेन हेलर ने बिना किसी पूर्व सूचना के रोर्क से मुलाकात की और घोषणा की कि उसे अगले शुक्रवार को उसके साथ चलना होगा।
श्रीमती राल्स्टन होल्कोम्बे द्वारा दी गई औपचारिक पार्टी।
“बिल्कुल नहीं, ऑस्टेन,” रोर्क ने कहा।
"सुनो, हॉवर्ड, आखिर क्यों नहीं? ओह, मुझे पता है, तुम्हें इस तरह की बातें पसंद नहीं हैं, लेकिन ये कोई अच्छा कारण नहीं है। दूसरी तरफ, मैं तुम्हें जाने के कई बेहतरीन कारण बता सकता हूँ। वो जगह आर्किटेक्ट्स के लिए एक तरह का गुप्त अड्डा है और, ज़ाहिर है, तुम वहाँ एक इमारत के लिए अपना सब कुछ बेच दोगे—ओह, मुझे पता है, तुम्हारे जैसे भवन के लिए, लेकिन फिर भी तुम अपनी आत्मा भी बेच दोगे जो तुम्हारे पास नहीं है, तो क्या तुम भविष्य की संभावनाओं के लिए कुछ घंटों की बोरियत बर्दाश्त नहीं कर सकते?"
“बिल्कुल। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इस तरह की चीजें कभी किसी संभावना की ओर ले जाती हैं।”
"क्या तुम इस बार जाओगे?"
"खास तौर पर इस बार ही क्यों?"
“खैर, पहली बात तो ये है कि उस बदतमीज़ किकी होल्कोम्बे की ज़िद है। कल उसने दो घंटे तक यही ज़िद की और मेरी लंच की मुलाकात कैंसिल करवा दी। शहर में एनराइट हाउस जैसी इमारत बन रही है और उसके आर्किटेक्ट की कलाकृतियाँ उसके सैलून में प्रदर्शित न कर पाना उसकी प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। ये उसका शौक है। वो आर्किटेक्ट्स का संग्रह करती है। उसने ज़िद की कि मैं तुम्हें ज़रूर लाऊँ और मैंने वादा किया कि मैं लाऊँगी।”
“किसलिए?”
"खास तौर पर, अगले शुक्रवार को जोएल सटन वहां मौजूद रहेंगे।"
चाहे कुछ भी हो जाए, उससे अच्छा बर्ताव करने की कोशिश करो। मैंने सुना है कि उसने तुम्हें वह इमारत देने का लगभग मन बना लिया है। शायद थोड़ी सी निजी बातचीत ही काफी हो। उसके पीछे कई और लोग पड़े हैं। वे सब वहाँ मौजूद होंगे। मैं चाहता हूँ कि तुम वहाँ रहो। मैं चाहता हूँ कि तुम्हें वह इमारत मिले। मैं अगले दस साल तक ग्रेनीइट की खदानों के बारे में कुछ भी नहीं सुनना चाहता। मुझे ग्रेनाइट की खदानें पसंद नहीं हैं।
रोर्क एक मेज पर बैठा था, अपने हाथों से मेज के किनारे को पकड़े हुए ताकि वह स्थिर रह सके। अपने कार्यालय में चौदह घंटे बिताने के बाद वह थका हुआ था, उसे लगा कि उसे थका हुआ होना चाहिए, लेकिन उसे इसका एहसास नहीं हो रहा था।
आराम पाने की कोशिश में उसने अपने कंधे झुका लिए, लेकिन आराम नहीं मिला; उसकी बाहें तन गई थीं, और एक कोहनी लगातार काँप रही थी। उसके लंबे पैर फैले हुए थे, एक पैर मुड़ा हुआ और स्थिर था, घुटना मेज पर टिका हुआ था, जबकि दूसरा पैर कूल्हे से सीधा मेज के किनारे पर लटका हुआ था और बेचैनी से झूल रहा था। इन दिनों खुद को आराम करने के लिए मजबूर करना बहुत मुश्किल हो गया था।
उसका नया घर एक शांत गली में स्थित एक छोटे, आधुनिक अपार्टमेंट भवन का एक बड़ा कमरा था। उसने यह घर इसलिए चुना था क्योंकि इसकी खिड़कियों पर छज्जे नहीं थे और अंदर की दीवारों पर पैनलिंग नहीं थी। उसके कमरे में कुछ साधारण फर्नीचर थे; कमरा साफ़-सुथरा, विशाल और खाली-खाली सा दिखता था; ऐसा लगता था मानो इसके कोनों से आवाज़ों की गूंज सुनाई दे रही हो।
“एक बार क्यों न चलें?” हेलर ने कहा। “यह इतना बुरा नहीं होगा। शायद आपको मज़ा भी आ जाए। वहाँ आपको अपने कई पुराने दोस्त मिलेंगे। जॉन एरिक स्नाइट, पीटर

कॉटेज, गाय फ्रैंकन और उनकी बेटी—आपको उनकी बेटी से ज़रूर मिलना चाहिए। क्या आपने कभी उनकी रचनाएँ पढ़ी हैं?"
"मैं जाऊंगा," रोर्क ने अचानक कहा।
"तुम इतने अप्रत्याशित हो कि कभी-कभी समझदारी भी दिखाते हो। मैं तुम्हें शुक्रवार को साढ़े आठ बजे बुलाऊंगा। ब्लैक टाई पहनना है। वैसे, क्या तुम्हारे पास टक्सिडो है?"
"एनराइट ने मुझे एक लेने के लिए मजबूर किया।"
"एनराइट बहुत ही समझदार व्यक्ति हैं।"
हेलर के जाने के बाद, रोर्क काफ़ी देर तक मेज पर बैठा रहा। उसने पार्टी में जाने का फैसला इसलिए किया था क्योंकि वह जानता था कि डोमिनिक उससे दोबारा मिलने की आखिरी इच्छा शायद इसी जगह पर रखेगी।
"मेरी प्यारी किकी, इससे ज़्यादा बेकार कुछ नहीं है," एल्सवर्थ टूही ने कहा।
एक धनी महिला के रूप में, जिसने मनोरंजन को अपना पेशा बना लिया है।
लेकिन फिर भी, हर बेकार चीज़ में एक आकर्षण होता है। जैसे कि अभिजात वर्ग, उदाहरण के लिए, जो कि सबसे बेकार अवधारणा है।
किकी होल्कोम्बे ने नाराज़गी भरे अंदाज़ में नाक सिकोड़ी, लेकिन उन्हें कुलीन वर्ग से तुलना पसंद आई। उनके फ्लोरेंस स्थित बॉलरूम में तीन क्रिस्टल झूमर जगमगा रहे थे, और जब उन्होंने टूही की ओर देखा तो उनकी आँखों में रोशनी प्रतिबिंबित हो रही थी, जिससे उनकी घनी, मोतियों जैसी पलकों के बीच उनकी आँखें नम चिंगारियों के समूह जैसी लग रही थीं।
"तुम बहुत ही घिनौनी बातें करते हो, एल्सवर्थ। मुझे नहीं पता कि मैं तुम्हें बार-बार क्यों आमंत्रित करता रहता हूँ।"
"यही तो बात है, मेरी प्रिय। मुझे लगता है कि मुझे यहाँ उतनी बार आमंत्रित किया जाएगा जितनी बार मैं चाहूँगी।"
"एक साधारण महिला इसके खिलाफ क्या कर सकती है?"
"मिस्टर टूही से कभी बहस शुरू मत करना," श्रीमती गिलेस्पी ने कहा, जो एक लंबी महिला थीं और उन्होंने बड़े-बड़े हीरों का हार पहन रखा था।
मुस्कुराते हुए उसने अपने दांत दिखाए। "कोई फायदा नहीं। हम पहले ही हार चुके हैं।"
"श्रीमती गिलेस्पी, बहस करना उन चीजों में से एक है जिनका न तो कोई उपयोग है और न ही कोई आकर्षण। इसे बुद्धिमान पुरुषों पर छोड़ दीजिए। बेशक, बुद्धि कमजोरी की एक खतरनाक स्वीकारोक्ति है। ऐसा कहा जाता है कि पुरुष तब बुद्धि विकसित करते हैं जब वे बाकी सब चीजों में असफल हो जाते हैं।"
"आपका मतलब बिल्कुल ऐसा नहीं है," श्रीमती गिलेस्पी ने मुस्कुराते हुए कहा, मानो यह एक सुखद सच्चाई हो। उन्होंने विजयी भाव से उसे अपने कब्जे में लिया और श्रीमती होल्कोम्बे से चुराए गए किसी इनाम की तरह उसे अपने साथ ले गईं, जो कुछ पल के लिए नए मेहमानों का स्वागत करने के लिए एक तरफ मुड़ी थीं। "लेकिन आप जैसे बुद्धिमान पुरुष तो बिल्कुल बच्चों जैसे हैं। आप बहुत संवेदनशील हैं। आपको लाड़-प्यार करना पड़ता है।"
"मैं ऐसा नहीं करूँगा, श्रीमती गिलेस्पी। हम इसका फ़ायदा उठाएँगे। और अपनी बुद्धि का प्रदर्शन करना बहुत ही भद्दा है। यह तो अपनी दौलत का प्रदर्शन करने से भी कहीं ज्यादा भद्दा है।"
"अरे बाप रे, तुम तो इसे शामिल कर ही लोगे, है ना? वैसे तो मैंने सुना है कि तुम किसी तरह के कट्टरपंथी हो, लेकिन मैं इसे गंभीरता से नहीं लूंगा।"
बिलकुल भी नहीं। कैसा लगा?
"मुझे यह बहुत पसंद है," टूही ने कहा।

“तुम मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते। तुम मुझे यह सोचने पर मजबूर नहीं कर सकते कि तुम खतरनाक किस्म के हो। खतरनाक किस्म के लोग तो सब गंदे होते हैं और गलत व्याकरण का इस्तेमाल करते हैं। और तुम्हारी आवाज़ तो बहुत ही प्यारी है!”
"आपको ऐसा क्यों लगा कि मैं खतरनाक बनना चाहता हूं, श्रीमती?"
गिलेस्पी? मैं तो बस—ठीक है, क्या कहें? वो सबसे सौम्य चीज़, एक अंतरात्मा। आपकी अपनी अंतरात्मा, जो सुविधाजनक रूप से किसी दूसरे व्यक्ति के शरीर में साकार हो गई है और इस दुनिया के कम भाग्यशाली लोगों के प्रति आपकी चिंता का ध्यान रखती है, जिससे आपको इस पर ध्यान न देने की स्वतंत्रता मिल जाती है।
वाह, क्या अनोखा विचार है! मुझे नहीं पता कि यह भयानक है या वास्तव में बहुत ही बुद्धिमानी भरा है।
“दोनों ही बातें, श्रीमती गिलेस्पी। जैसे कि सारी बुद्धिमत्ता।”
किकी होल्कोम्बे ने संतुष्टि से अपने बॉलरूम को जायज़ा लिया। उन्होंने झूमरों के ऊपर छत की धुंधली रोशनी को देखा, जो अब तक वैसी ही थी, और गौर किया कि वह मेहमानों से कितनी ऊपर थी, कितनी प्रभावशाली और शांत। मेहमानों की विशाल भीड़ ने उनके हॉल को छोटा नहीं दिखाया; वह उनके ऊपर एक चौकोर डिब्बे की तरह खड़ा था, बेमेल और बेमेल; और उनके ऊपर कैद हवा का यही विशाल विस्तार उस अवसर को शाही विलासिता का रूप दे रहा था; यह किसी ढक्कन की तरह था। एक छोटा सा रत्न रखने वाला, सपाट तल पर बना हुआ, अनावश्यक रूप से बड़ा गहनों का डिब्बा।
मेहमान दो व्यापक, बदलती धाराओं में बह रहे थे जो उन्हें देर-सवेर दो भंवरों की ओर खींच रही थीं; एक के केंद्र में एल्सवर्थ टूही थे, दूसरे के केंद्र में पीटर कीटिंग। शाम के कपड़े एल्सवर्थ टूही पर शोभा नहीं दे रहे थे; सफेद कमीज़ का आयताकार अग्रभाग उनके चेहरे को लंबा कर रहा था, मानो उन्हें दो आयामों में फैला रहा हो; उनकी टाई के पंख उनकी पतली गर्दन को किसी नोची हुई मुर्गी की तरह बना रहे थे, पीली, नीली और किसी मजबूत मुट्ठी के एक ही वार से मरोड़ने को तैयार। लेकिन उन्होंने अपने कपड़े वहाँ मौजूद सभी लोगों से बेहतर पहने थे। उन्होंने उन्हें उस बेपरवाह धृष्टता के साथ पहना था जो उन्हें शोभा नहीं देती थी, और उनकी विचित्र उपस्थिति ही उनकी श्रेष्ठता की घोषणा बन गई थी, इतनी महान श्रेष्ठता कि इतनी भद्दीपन की अनदेखी जायज़ थी।
वह चश्मा पहने और गले से नीचे तक गले वाली शाम की पोशाक पहने एक गंभीर युवती से कह रहा था: "मेरी प्यारी, तुम बुद्धि की एक शौकिया से ज़्यादा कभी नहीं बन पाओगी, जब तक तुम खुद को अपने से बड़े किसी उद्देश्य में समर्पित नहीं कर देती।"
बहस की गर्मी में चेहरा बैंगनी पड़ रहे एक मोटे सज्जन से वह कह रहा था: "लेकिन, मेरे दोस्त, हो सकता है कि मुझे भी यह पसंद न आए। मैंने तो बस इतना ही कहा कि इतिहास का यही अपरिहार्य मार्ग है।"
और इतिहास की धारा का विरोध करने वाले आप या मैं कौन होते हैं?
वह एक असंतुष्ट युवा वास्तुकार से कह रहे थे: “नहीं, मेरे लड़के, मुझे तुमसे शिकायत तुम्हारे द्वारा डिज़ाइन की गई खराब इमारत से नहीं है, बल्कि मेरी आलोचना पर तुम्हारे द्वारा दिखाई गई शिकायत करने के बुरे व्यवहार से है। तुम्हें सावधान रहना चाहिए। कोई कह सकता है कि तुम न तो किसी की आलोचना कर सकते हो और न ही खुद आलोचना सह सकते हो।]”
वह एक करोड़पति की विधवा से कह रहा था: "हाँ, मुझे लगता है कि अगर आप सामाजिक अध्ययन कार्यशाला में योगदान दें तो यह एक अच्छा विचार होगा। यह आपकी दिनचर्या या पाचन क्रिया को बिगाड़े बिना, सांस्कृतिक उपलब्धियों की महान मानवीय धारा में भाग लेने का एक तरीका होगा।"
उसके आसपास के लोग कह रहे थे: “कितना बुद्धिमान है! और कितना साहसी भी!”

पीटर कीटिंग के चेहरे पर एक दमकती मुस्कान थी। उन्हें महसूस हो रहा था कि पूरे हॉल में हर तरफ से लोग उन पर ध्यान दे रहे हैं और उनकी प्रशंसा कर रहे हैं। उन्होंने वहां मौजूद लोगों को देखा, ये सभी सजे-धजे, इत्र लगाए, रेशम की सरसराहट करते लोग, मानो एक अलग ही रंग में रंगे हुए हों।
प्रकाश से जगमगाता हुआ, जैसे कुछ घंटे पहले वे सब शॉवर के पानी से भीगे हुए थे, यहाँ आने और पीटर कीटिंग नामक एक व्यक्ति के सामने श्रद्धापूर्वक खड़े होने की तैयारी कर रहे थे। कुछ पल ऐसे भी थे जब वह भूल जाता था कि वह पीटर कीटिंग है और वह दर्पण में अपनी आकृति को देखता था, वह भी उसके प्रति लोगों की प्रशंसा में शामिल होना चाहता था।
एक बार जब बिजली का प्रवाह उसे एल्सवर्थ टूही के आमने-सामने ले आया।
कीटिंग एक ऐसे लड़के की तरह मुस्कुरा रहा था जो गर्मी के दिन नदी से बाहर निकला हो, दमकता हुआ, स्फूर्तिवान और ऊर्जा से भरपूर। टूही उसे देखता रह गया; लापरवाही से उसके हाथ उसकी पतलून की जेबों में चले गए थे, जिससे उसकी जैकेट उसकी पतली कमर पर फैल गई थी; वह अपने छोटे पैरों पर थोड़ा लड़खड़ाता हुआ लग रहा था; उसकी आँखें रहस्यमय ढंग से सब कुछ निहार रही थीं।
"अब ये, एल्सवर्थ... ये... क्या ये एक शानदार शाम नहीं है?" कीटिंग ने एक बच्चे की तरह अपनी माँ से कहा, जो उसकी बात समझती हो, और कुछ हद तक एक नशे में धुत व्यक्ति की तरह।
"पीटर, खुश हो? आज रात तो तुम ही कमाल हो। छोटा पीटर तो मानो रातोंरात मशहूर हो गया है। कभी-कभी ऐसा ही होता है, कोई ठीक-ठीक बता नहीं सकता कि कब और क्यों... वैसे, यहां कोई है जो तुम्हें खुलेआम नज़रअंदाज़ कर रही है, है ना?"
कीटिंग चौंक गया। उसे आश्चर्य हुआ कि टूही को यह बात देखने का समय कब और कैसे मिला।
“खैर,” टूही ने कहा, “अपवाद नियम को साबित करता है।”
अफसोस की बात है। मेरे मन में हमेशा से यह बेतुका ख्याल रहा है कि डोमिनिक फ्रैंकन को आकर्षित करने के लिए एक बेहद असाधारण पुरुष की ज़रूरत होगी। इसलिए ज़ाहिर है, मेरे दिमाग में तुम्हारा ख्याल आया। बस यूं ही ख्याल आ गया। फिर भी, तुम्हें पता है, जो भी उसे पाएगा, उसमें कुछ ऐसा होगा जिसकी बराबरी तुम नहीं कर पाओगे। वो तुम्हें हरा देगा।
"उसे कोई नहीं पकड़ पाया है," कीटिंग ने गुस्से से कहा।
“नहीं, बिल्कुल नहीं। अभी नहीं। यह तो काफी आश्चर्यजनक है। ओह, मुझे लगता है कि इसके लिए एक असाधारण किस्म के व्यक्ति की आवश्यकता होगी।”
“देखो यहाँ, तुम आखिर कर क्या रहे हो? तुम्हें डोमिनिक फ्रैंकन पसंद नहीं है, है ना?”
मैंने कभी नहीं कहा कि मैंने ऐसा किया।
कुछ देर बाद कीटिंग ने किसी गंभीर चर्चा के बीच टूही को गंभीरता से यह कहते हुए सुना: "खुशी? लेकिन यह तो बिल्कुल मध्यमवर्गीय बात है।"
खुशी क्या है? जीवन में खुशी से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण चीजें हैं।
कीटिंग धीरे-धीरे डोमिनिक की ओर बढ़ा। वह पीछे की ओर झुकी खड़ी थी, मानो हवा ही उसके पतले, नंगे कंधों को सहारा दे रही हो। उसका शाम का गाउन कांच के रंग का था। उसे ऐसा लग रहा था मानो वह उसके शरीर के आर-पार दीवार देख सकता हो। वह इतनी नाजुक लग रही थी मानो उसका अस्तित्व ही असंभव हो; और यही नाजुकता किसी भयानक शक्ति की कहानी कह रही थी जिसने उसे वास्तविकता से बांधे रखा था, जबकि उसका शरीर वास्तविकता के लिए अपर्याप्त था।
जब वह उसके पास आया, तो उसने उसे अनदेखा करने की कोई कोशिश नहीं की; वह उसकी ओर मुड़ी, उसने जवाब दिया; लेकिन उसके जवाबों की नीरस सटीकता ने उसे

रोक दिया, उसे असहाय बना दिया, और कुछ ही क्षणों में उसे उसे छोड़कर जाने पर मजबूर कर दिया।
जब रोर्क और हेलर अंदर आए, तो किकी होल्कोम्बे ने दरवाजे पर उनका स्वागत किया। हेलर ने रोर्क का परिचय किकी से कराया, और किकी ने हमेशा की तरह बोलना शुरू किया, उनकी आवाज़ किसी तीखे रॉकेट की तरह तेज़ थी जो अपनी गति से सभी विरोधियों को किनारे कर देती थी।
“ओह, श्रीमान रोर्क, आपसे मिलने के लिए मैं बहुत उत्सुक थी! हम सबने आपके बारे में बहुत कुछ सुना है! अब मुझे आपको यह बताना होगा कि मेरे पति आपको पसंद नहीं करते—ओह, बिल्कुल कलात्मक कारणों से, आप समझ रहे हैं ना—लेकिन इसकी चिंता मत कीजिए, इस घर में आपको एक सच्चा समर्थक मिलेगा, एक उत्साही समर्थक!”
“यह बहुत ही दयालुतापूर्ण है, श्रीमती होल्कोम्बे,” रोर्क ने कहा। “और शायद इसकी आवश्यकता भी नहीं थी।”
“ओह, मुझे आपका एनराइट हाउस बहुत पसंद आया! बेशक, मैं यह नहीं कह सकती कि यह मेरे अपने सौंदर्यबोध का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन सुसंस्कृत लोगों को हर चीज के प्रति खुला दिमाग रखना चाहिए, मेरा मतलब है, रचनात्मक कला में किसी भी दृष्टिकोण को शामिल करने के लिए, हमें सबसे पहले उदार होना चाहिए, क्या आप ऐसा नहीं सोचते?”
रोर्क ने कहा, "मुझे नहीं पता। मैं कभी भी खुले विचारों वाला नहीं रहा।"
उसे पूरा यकीन था कि उसका इरादा कोई बदतमीज़ी करने का नहीं था; न तो उसकी आवाज़ में और न ही उसके हाव-भाव में; लेकिन बदतमीज़ी ही उसकी पहली छाप थी। उसने शाम के कपड़े पहने थे और वे उसके लंबे, पतले शरीर पर अच्छे लग रहे थे, लेकिन किसी तरह ऐसा लग रहा था कि वह उन कपड़ों में जंच नहीं रहा था; नारंगी बाल औपचारिक पोशाक के साथ बेतुके लग रहे थे; इसके अलावा, उसे उसका चेहरा पसंद नहीं आया; वह चेहरा किसी कामगार या सेना के जवान को शोभा देता, उसके ड्राइंग रूम में उसकी कोई जगह नहीं थी। उसने कहा:
“हम सभी को आपके काम में बहुत दिलचस्पी रही है। क्या यह आपकी पहली इमारत है?”
“मेरा पाँचवाँ।”
“ओह, सचमुच? बिल्कुल। कितना दिलचस्प है।”
उसने अपने हाथ जोड़े और एक नए मेहमान का स्वागत करने के लिए मुड़ी। हेलर ने कहा:
“आप सबसे पहले किससे मिलना चाहते हैं? ... डोमिनिक फ्रैंकन हमें देख रही हैं। चलिए।”
रोर्क मुड़ा; उसने देखा कि डोमिनिक कमरे के दूसरी ओर अकेली खड़ी है। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था, भावों को छुपाने का भी कोई प्रयास नहीं था; एक इंसान के चेहरे को हड्डियों की संरचना और मांसपेशियों की बनावट के साथ देखना अजीब था, पर कोई अर्थ नहीं था, चेहरा एक साधारण शारीरिक बनावट जैसा था, जैसे कंधा या बाँह, अब इंद्रियों से मिलने वाली अनुभूति का दर्पण नहीं। जैसे ही वे पास आए, उसने उनकी ओर देखा। उसके पैर अजीब तरह से रखे हुए थे, दो छोटे त्रिकोण सीधे और समानांतर, मानो उसके चारों ओर कोई जमीन ही न हो, बस उसके तलवों के नीचे कुछ वर्ग इंच की जगह हो और जब तक वह हिले-डुले या नीचे न देखे, तब तक वह सुरक्षित है। उसे एक तीव्र आनंद का अनुभव हुआ, क्योंकि वह उसके द्वारा किए जा रहे अत्याचार को सहने के लिए बहुत नाजुक लग रही थी; और क्योंकि उसने इसे बहुत अच्छी तरह से सहन किया।
"मिस फ्रैंकन, क्या मैं हॉवर्ड रोर्क को पेश कर सकता हूँ?" हेलर ने कहा।

उसने नाम का उच्चारण करने के लिए अपनी आवाज़ ऊंची नहीं की थी; उसे आश्चर्य हुआ कि यह इतना तनावपूर्ण क्यों लग रहा था; फिर उसने सोचा कि मौन ने नाम को पकड़ लिया है और उसे स्थिर कर दिया है; लेकिन कोई मौन नहीं था: रोर्क का चेहरा विनम्रतापूर्वक भावहीन था और डोमिनिक सही कह रहा था:
"आप कैसे हैं, श्रीमान रोर्क?"
रोर्क ने झुककर कहा: "आप कैसी हैं, मिस फ्रैंकन?"
उसने कहा: “एनराइट हाउस...”
उसने ऐसा कहा मानो वह इन तीन शब्दों का उच्चारण करना ही नहीं चाहती थी; और मानो ये शब्द किसी घर का नहीं, बल्कि उससे परे कई चीजों का नाम ले रहे हों।
रोर्क ने कहा: "जी हां, मिस फ्रैंकन।"
फिर उसने मुस्कुराया, एक औपचारिक, औपचारिक मुस्कान जिससे परिचय के समय अभिवादन किया जाता है। उसने कहा:
मैं रोजर एनराइट को जानता हूं। वह लगभग परिवार के दोस्त की तरह हैं।
मुझे श्रीमान के कई मित्रों से मिलने का सौभाग्य नहीं मिला है।
एनराइट।"
मुझे याद है एक बार पिताजी ने उन्हें रात के खाने पर बुलाया था। वह बहुत ही नीरस भोजन था। पिताजी को एक कुशल वार्ताकार कहा जाता है, लेकिन वह बात नहीं कर सके।
मिस्टर एनराइट से एक आवाज़ निकलवाने की कोशिश की। रोजर बस वहीं बैठा रहा। पिता को जानने पर ही पता चलता है कि उनके लिए यह कितनी बड़ी हार थी।
“मैंने कुछ साल पहले आपके पिता के लिए काम किया था”—उसका हाथ हिल रहा था और बीच हवा में ही रुक गया—“एक ड्राफ्ट्समैन के रूप में।”
उसका हाथ नीचे गिर गया। "तो फिर आप समझ सकते हैं कि पिताजी का रोजर एनराइट के साथ कभी भी अच्छा तालमेल नहीं हो सकता था।"
नहीं। वह ऐसा नहीं कर सकता था।
"मुझे लगता है कि रोजर मुझे लगभग पसंद करता था, लेकिन उसने मुझे वायनांड के शोध पत्र पर काम करने के लिए कभी माफ नहीं किया।"
उनके बीच खड़े हेलर को लगा कि उनसे गलती हो गई है; इस मुलाकात में कुछ भी अजीब नहीं था; वास्तव में, कुछ भी अजीब नहीं था। उन्हें इस बात पर गुस्सा आया कि डोमिनिक ने वास्तुकला के बारे में बात नहीं की, जैसा कि उनसे उम्मीद की जा रही थी; उन्होंने अफसोस के साथ यह निष्कर्ष निकाला कि वह इस आदमी को नापसंद करती है, जैसे वह ज्यादातर लोगों को नापसंद करती है जिनसे वह मिलती है।
फिर श्रीमती गिलेस्पी ने हेलर को पकड़ लिया और उसे अपने साथ ले गईं। रोर्क और डोमिनिक अकेले रह गए। रोर्क ने कहा:
“श्री एनराइट शहर के सभी अखबार पढ़ते हैं। उन सभी अखबारों को उनके कार्यालय में लाया जाता है—जिनमें से संपादकीय पृष्ठ काट दिए जाते हैं।”
“वह हमेशा से ऐसा ही करता आया है। रोजर ने अपना असली पेशा खो दिया। उसे वैज्ञानिक होना चाहिए था। उसे तथ्यों से इतना लगाव है और टिप्पणियों से इतनी नफरत है।”
“दूसरी ओर, क्या आप श्री फ्लेमिंग को जानते हैं?” उन्होंने पूछा।
"नहीं।"
“वह हेलर के दोस्त हैं। श्री फ्लेमिंग संपादकीय पृष्ठों के अलावा कुछ नहीं पढ़ते। लोगों को उनकी बातें सुनना अच्छा लगता है।”
वह उसे देखती रही। वह सीधे उसकी ओर देख रहा था, बहुत ही विनम्रता से, जैसे कोई भी पुरुष पहली बार मिलने पर देखता है। उसने चाहा कि उसके चेहरे पर कोई संकेत मिल जाए, कम से कम उसकी पुरानी उपहास भरी मुस्कान का ही एक संकेत; यहाँ तक

कि उपहास भी एक स्वीकृति और संबंध होता; उसे कुछ नहीं मिला। वह एक अजनबी की तरह बोल रहा था। उसने केवल एक ऐसे व्यक्ति की वास्तविकता को स्वीकार किया जिससे उसका परिचय ड्राइंग रूम में कराया गया था, जो सम्मान के हर नियम का त्रुटिहीन रूप से पालन कर रहा था। उसने इस सम्मानजनक औपचारिकता का सामना किया, यह सोचते हुए कि उसकी पोशाक उससे कुछ भी नहीं छिपा रही है, कि उसने उसका उपयोग भोजन के उपयोग से कहीं अधिक अंतरंग आवश्यकता के लिए किया है—जबकि वह अब उससे कुछ ही फीट की दूरी पर खड़ा था, मानो कोई ऐसा व्यक्ति जो खुद को उसके करीब आने की अनुमति नहीं दे सकता हो।
उसे लगा कि यह उसका उपहास करने का तरीका था, उस बात के बाद जिसे वह भूला नहीं था और स्वीकार भी नहीं करना चाहता था। उसे लगा कि वह चाहता है कि वह सबसे पहले इसका नाम ले, वह उसे अतीत को स्वीकार करने की शर्मिंदगी में डाल देगा —उस शब्द को बोलकर उसे वास्तविकता में वापस लाकर; क्योंकि वह जानता था कि वह इसे अनसुना नहीं छोड़ सकती।
“और श्री फ्लेमिंग क्या काम करते हैं?” उसने पूछा।
वह पेंसिल शार्पनर बनाने वाला निर्माता है।
“सच में? ऑस्टेन का दोस्त?”
“ऑस्टेन कई लोगों को जानते हैं। उनका कहना है कि यह उनका निजी मामला है।”
क्या वह सफल है?
“कौन, मिस फ्रैंकन? मुझे ऑस्टेन के बारे में तो पक्का नहीं पता, लेकिन श्री फ्लेमिंग बहुत सफल हैं। उनकी न्यू जर्सी, कनेक्टिकट और रोड आइलैंड में शाखा कारखाने हैं।”
“आप ऑस्टेन के बारे में गलत सोच रहे हैं, मिस्टर रोर्क। वह बहुत सफल हैं। उनके और मेरे पेशे में, आप तभी सफल माने जाते हैं जब वह आप पर कोई प्रभाव न डाले।”
“इसे कैसे हासिल किया जा सकता है?”
"दो तरीकों में से एक तरीका यह है: या तो लोगों को बिल्कुल न देखें या उनके बारे में सब कुछ देखें।"
"मिस फ्रैंकन, इनमें से कौन सा बेहतर है?"
"जो भी सबसे कठिन हो।"
लेकिन सबसे कठिन विकल्प चुनने की इच्छा रखना स्वयं में कमजोरी की स्वीकारोक्ति हो सकती है।
“बिल्कुल, मिस्टर रोर्क। लेकिन यह कबूलनामा करने का सबसे कम आपत्तिजनक तरीका है।”
"अगर कमजोरी है भी तो उसे स्वीकार करना चाहिए।"
तभी भीड़ के बीच से कोई दौड़ता हुआ आया और उसने रोर्क के कंधों पर हाथ रख दिया। वह जॉन एरिक स्नाइट थे।
“रोर्क, भला किसे यहाँ देखना है!” वह चिल्लाया। “बहुत खुशी हुई, बहुत खुशी हुई!” बहुत समय हो गया है, है ना? सुनो, मैं तुमसे बात करना चाहता हूँ! मुझे उसे थोड़ी देर के लिए अपने पास रहने दो, डोमिनिक।
रोर्क ने उसके सामने झुककर प्रणाम किया, उसकी बाहें उसके बगल में थीं, बालों की एक लट आगे की ओर लटक रही थी, जिससे उसका चेहरा दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन केवल नारंगी रंग का सिर ही एक क्षण के लिए विनम्रतापूर्वक झुका, और वह स्नाइट के पीछे भीड़ में चला गया।
स्नाइट कह रहे थे: “हे भगवान, पिछले कुछ सालों में आपने कितनी तरक्की की है! सुनिए, क्या आपको पता है कि एनराइट असल में कुछ करने की योजना बना रहा है या नहीं?”

मेरा मतलब है, एक विशाल संपत्ति; क्या उनके पास और भी कोई इमारतें बनाने की योजना है?
हेलर ही वह व्यक्ति था जिसने स्नाइट को दूर भगाया और रोर्क को जोएल सटन के पास लाया। जोएल सटन बहुत खुश हुआ। उसे लगा कि रोर्क की उपस्थिति ने उसके सारे संदेह दूर कर दिए हैं; यह रोर्क की उपस्थिति पर सुरक्षा की मुहर थी। जोएल सटन का हाथ रोर्क की कोहनी पर जा लगा, उसकी पांच गुलाबी, छोटी उंगलियां काली आस्तीन पर थीं। जोएल सटन ने दबे स्वर में एक गहरी सांस ली:
सुनो, बेटा, सब तय हो गया है। तुम ही हो। अब मुझसे एक-एक पैसा मत निचोड़ लेना, तुम सब आर्किटेक्ट तो बेरहम और लुटेरे हो, लेकिन मैं तुम पर भरोसा कर रहा हूँ, तुम बड़े होशियार हो, तुमने तो रॉज को फंसा लिया, है ना? तो अब तुमने मुझे भी ठग लिया है, लगभग, मतलब, मैं तुम्हें कुछ दिनों में फोन करूंगा और हम कॉन्ट्रैक्ट के लिए जमकर लड़ेंगे!
हेलर ने उन दोनों को देखा और सोचा कि उन्हें एक साथ देखना लगभग अशोभनीय था: रोर्क का लंबा, तपस्वी शरीर, लंबे कद के लोगों की विशिष्ट गर्वित स्वच्छता के साथ, और उसके बगल में मुस्कुराता हुआ मांस का गोला जिसका निर्णय बहुत मायने रख सकता था।
फिर रोर्क ने भावी इमारत के बारे में बोलना शुरू किया, लेकिन जोएल सटन ने हैरानी और दुख से उसकी ओर देखा। जोएल सटन यहाँ इमारतों के बारे में बात करने नहीं आया था; पार्टियाँ तो मौज-मस्ती के लिए होती हैं, और जीवन की ज़रूरी बातों को भूल जाने से बढ़कर और क्या आनंद हो सकता है? इसलिए जोएल सटन ने बैडमिंटन के बारे में बात की; यह उसका शौक था; उसने समझाया कि यह एक संभ्रांत लोगों का शौक है, वह गोल्फ़ पर समय बर्बाद करने वाले दूसरे लोगों की तरह आम आदमी नहीं था। रोर्क ने विनम्रता से सुना। उसके पास कहने के लिए कुछ नहीं था।
“आप बैडमिंटन खेलते हैं, है ना?” जोएल सटन ने अचानक पूछा।
“नहीं,” रोर्क ने कहा।
“नहीं?” जोएल सटन ने घबराकर कहा। “नहीं? अरे, ये तो बहुत अफ़सोस की बात है, कितनी बुरी बात है! मुझे तो पूरा यकीन था कि तुम करोगे, तुम्हारी उस दुबली-पतली काया के साथ तो तुम कमाल करोगे, तुम तो ज़बरदस्त होगे, मुझे तो पूरा यकीन था कि जब तक वो इमारत बन रही है, हम पुराने टॉमपकिंस को कभी भी हरा देंगे।”
"जब तक वह इमारत बन रही है, श्रीमान सटन, मेरे पास खेलने का समय वैसे भी नहीं होगा।"
“तुम्हारा क्या मतलब है, समय नहीं होगा? तुमने ड्राफ्ट्समैन किसलिए रखे हैं? कुछ और रख लो, उन्हें काम करने दो, मैं तुम्हें काफी पैसे दे दूंगा, है ना? लेकिन फिर, तुम खेलते ही नहीं, कितना बुरा हुआ, मुझे लगा था... नहर के किनारे मेरी इमारत बनाने वाला आर्किटेक्ट...”
स्टीव बैडमिंटन में माहिर थे, लेकिन पिछले साल एक कार दुर्घटना में उनकी मौत हो गई, धिक्कार है उन्हें, वह एक बेहतरीन वास्तुकार भी थे।
और यहाँ आप खेलते नहीं हैं।
"श्रीमान सटन, आप वास्तव में इससे परेशान तो नहीं हैं, है ना?"
"मैं बहुत निराश हूं, मेरे बेटे।"
"लेकिन आप मुझे असल में किसलिए नियुक्त कर रहे हैं?"
मैं क्या हूँ?
“मुझे किसलिए नियुक्त कर रहे हैं?”
"क्यों, इमारत बनाने के लिए तो ज़रूर।"
"क्या आपको सच में लगता है कि अगर मैं बैडमिंटन खेलूं तो यह इमारत बेहतर हो जाएगी?"

खैर, इसमें व्यापार भी है और मनोरंजन भी, व्यावहारिक पहलू भी है और मानवीय पहलू भी, ओह, मुझे कोई आपत्ति नहीं है, फिर भी मुझे लगा था कि तुम्हारे जैसे दुबले-पतले शरीर के साथ तुम ज़रूर... लेकिन कोई बात नहीं, कोई बात नहीं, हमें सब कुछ नहीं मिल सकता....
जब जोएल सटन उसे छोड़कर चला गया, तो रोर्क ने एक मधुर आवाज़ सुनी:
"बधाई हो, हॉवर्ड," और मुड़कर देखा तो पीटर कीटिंग उसे देखकर बेहद खुश और उपहासपूर्ण मुस्कान बिखेर रहे थे।
“हेलो, पीटर। तुमने क्या कहा?”
मैंने कहा, जोएल सटन को टीम में शामिल करने पर बधाई। लेकिन, आप जानते हैं, आपने इसे ठीक से नहीं संभाला।
"क्या?"
“बूढ़े जोएल। ओह, बिल्कुल, मैंने तो लगभग सब कुछ सुना ही होगा—क्यों न सुनूँ?—यह बहुत मनोरंजक था। हावर्ड, यह तरीका सही नहीं है। जानते हो मैं क्या करती? मैं कसम खाकर कहता कि मैं दो साल की उम्र से बैडमिंटन खेल रहा हूँ और यह राजाओं और रईसों का खेल है और इसे समझने के लिए एक असाधारण प्रतिभा की आवश्यकता होती है और जब तक वह मेरी परीक्षा लेता, तब तक मैं भी रईस की तरह बैडमिंटन खेलने का पक्का इरादा कर लेता। इसमें तुम्हारा क्या खर्चा होता?”
मुझे इसका ख्याल ही नहीं आया।
“यह एक राज़ है, हॉवर्ड। एक दुर्लभ राज़। मैं इसे तुम्हें मुफ्त में दे रहा हूँ, मेरी शुभकामनाओं के साथ: हमेशा वही बनो जो लोग तुम्हें देखना चाहते हैं। तब तुम उन्हें अपने वश में कर लोगे। मैं इसे मुफ्त में इसलिए दे रहा हूं क्योंकि तुम इसका कभी इस्तेमाल नहीं करोगे। तुम्हें कभी पता ही नहीं चलेगा कि कैसे। हॉवर्ड, तुम कुछ मामलों में बहुत प्रतिभाशाली हो, मैंने हमेशा यही कहा है—और कुछ मामलों में बेहद मूर्ख।”
"संभवतः।"
“अगर आप किकी होल्कोम्बे सैलून के माध्यम से खेल खेलने जा रहे हैं, तो आपको कुछ चीजें सीखने की कोशिश करनी चाहिए। क्या आप जा रहे हैं?”
हॉवर्ड, बड़े हो रहे हो? वैसे तो तुम्हें यहाँ देखकर मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ। और हाँ, एनराइट की नौकरी के लिए बधाई हो, हमेशा की तरह शानदार काम है - गर्मियों में कहाँ थे? - मुझे याद दिलाना कि मैं तुम्हें टक्सिडो पहनना सिखाऊँ, भगवान, यह तुम पर कितना अजीब लग रहा है! मुझे यही तो पसंद है, मुझे तुम्हें अजीब हालत में देखना अच्छा लगता है, हम पुराने दोस्त हैं ना, हावर्ड?
"पीटर, तुम नशे में हो।"
“बिल्कुल, मैं हूँ। लेकिन मैंने आज रात एक बूंद भी नहीं पी है, एक बूंद भी नहीं।”
मैं जिसे नशे में चूर हूँ—तुम कभी नहीं जान पाओगे, कभी नहीं, यह तुम्हारे लिए नहीं है, और यही बात मेरे नशे का एक हिस्सा है कि यह तुम्हारे लिए नहीं है। जानते हो, हॉवर्ड, मैं तुमसे प्यार करती हूँ। सच में करती हूँ। आज रात।
“हाँ, पीटर। तुम हमेशा ऐसे ही रहोगे, जीनते हो ना।”
रोर्क का परिचय कई लोगों से कराया गया और कई लोगों ने उनसे बातचीत की। वे मुस्कुराए और एक मित्र के रूप में उनसे मिलने, प्रशंसा व्यक्त करने, सद्भावना और सौहार्दपूर्ण रुचि दिखाने के अपने प्रयासों में सच्चे प्रतीत हुए। लेकिन उन्होंने जो सुना वह यह था: "एनराइट हाउस शानदार है। यह लगभग कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग जितना ही अच्छा है।"
“मुझे पूरा यकीन है कि आपका भविष्य उज्ज्वल है, श्री रोर्क, मेरा विश्वास कीजिए, मैं संकेतों को पहचानता हूँ, आप एक और रेल्स्टन होल्कोम्बे बनेंगे।” वह शत्रुता का आदी था; इस तरह की परोपकारिता शत्रुता से कहीं अधिक अपमानजनक थी।

उसने कंधे उचका दिए; उसने सोचा कि वह जल्द ही यहाँ से निकलकर अपने कार्यालय की सरल, स्वच्छ वास्तविकता में वापस आ जाएगा।
उस शाम के बाकी समय में उसने डोमिनिक की तरफ़ दोबारा नहीं देखा। वह भीड़ में उसे देखती रही। वह उन लोगों को देखती रही जो उसे रोककर उससे बात करते थे। वह देखती रही कि सुनते समय उसके कंधे विनम्रता से झुके हुए थे। उसने सोचा कि यह भी उसका उस पर हँसने का तरीका था; वह उसे अपनी आँखों के सामने भीड़ के हवाले होते हुए दिखा रहा था, जैसे कुछ पलों के लिए उसे अपना बनाने की चाह रखने वाले किसी भी व्यक्ति के हवाले किया जा रहा हो। वह जानता था कि यह देखना उसके लिए खदान में सूरज और ड्रिल की आवाज़ से भी ज़्यादा मुश्किल था। वह आज्ञाकारी होकर खड़ी देखती रही। उसे उम्मीद नहीं थी कि वह उसे दोबारा देखेगा; जब तक वह इस कमरे में था, उसे वहीं रहना था।
उस रात एक और व्यक्ति था, जो रोर्क की उपस्थिति के प्रति असामान्य रूप से सचेत था, रोर्क के कमरे में प्रवेश करने के क्षण से ही। एल्सवर्थ टूही ने उसे प्रवेश करते देखा था। टूही ने कभी भी
पहले भी लोग उसे देख रहे थे और उसे पहचानते नहीं थे। लेकिन टूही काफी देर तक उसे देखता रहा।
फिर टूही भीड़ के बीच से गुजरा और अपने दोस्तों को देखकर मुस्कुराया।
लेकिन मुस्कान और बातों के बीच, उसकी नज़रें नारंगी बालों वाले आदमी पर फिर से टिक गईं। वह उस आदमी को देखता रहा, जैसे तीसवीं मंज़िल की खिड़की से कभी-कभार फुटपाथ पर नज़र डालता था, और सोचता रहा कि अगर उसका शरीर नीचे गिर जाए तो क्या होगा जब वह फुटपाथ से टकराएगा। वह उस आदमी का नाम, पेशा या अतीत नहीं जानता था; उसे जानने की जरूरत भी नहीं थी; वह उसके लिए एक इंसान नहीं, बल्कि एक शक्ति मात्र था; टूही ने कभी इंसानों को नहीं देखा था।
शायद यह उस विशेष शक्ति को मानव शरीर में इतने स्पष्ट रूप से साकार रूप में देखने का आकर्षण था।
कुछ देर बाद उसने जॉन एरिक स्नाइट से इशारा करते हुए पूछा:
"वह आदमी कौन है?"
“वो?” स्नाइट ने कहा। “हावर्ड रोर्क। आप जानते हैं, एनराइट हाउस।”
“ओह,” टूही ने कहा।
"क्या?"
“बिल्कुल। ऐसा ही होगा।”
"क्या आप उनसे मिलना चाहते हैं?"
“नहीं,” टूही ने कहा। “नहीं, मैं उससे मिलना नहीं चाहता।”
बाकी शाम भर, जब भी कोई आकृति टूही के हॉल के दृश्य को बाधित करती, तो वह बेचैनी से अपना सिर घुमाकर रोर्क को फिर से ढूंढने लगता। वह रोर्क को देखना नहीं चाहता था; फिर भी उसे देखना ही पड़ता था; ठीक वैसे ही जैसे उसे हमेशा उस दूर स्थित फुटपाथ को देखना पड़ता था, उस दृश्य से डरते हुए।
उस शाम, एल्सवर्थ टूही को रोर्क के अलावा किसी और का होश नहीं था। रोर्क को यह भी नहीं पता था कि टूही कमरे में मौजूद है।
जब रोर्क चला गया, तो डोमिनिक मिनट गिनते हुए खड़ी रही, ताकि उसे यकीन हो जाए कि वह सड़क पर उसकी नज़रों से ओझल हो जाएगा, तभी वह बाहर जाने की हिम्मत कर पाएगी। फिर वह जाने के लिए उठी।
कीकी होल्कोम्बे की पतली, नम उंगलियों ने विदाई के समय उसका हाथ पकड़ा, उसे अस्पष्ट रूप से पकड़ा और एक पल के लिए उसकी कलाई को थामने के लिए ऊपर सरक गईं।

“और, मेरी प्यारी,” कीकी होल्कोम्बे ने पूछा, “उस नए वाले के बारे में तुम्हारा क्या ख्याल है, तुम्हें पता है, मैंने तुम्हें उससे बीत करते हुए देखा था, वह हॉवर्ड रोर्क?”
डोमिनिक ने दृढ़ता से कहा, "मुझे लगता है कि वह अब तक मिले सबसे घृणित व्यक्ति हैं।"
"अरे, अब सचमुच?"
"क्या आपको इस तरह का बेलगाम घमंड पसंद है? मुझे नहीं पता कि उसके बारे में क्या कहा जा सकता है, सिवाय इसके कि वह बेहद आकर्षक है, अगर इससे कोई फर्क पड़ता है तो।"
“सुंदर? क्या तुम मजाक कर रही हो, डोमिनिक?”
कीकी होल्कोम्बे ने पहली बार डोमिनिक को मूर्खतापूर्ण ढंग से हैरान होते हुए देखा। और डोमिनिक को एहसास हुआ कि उसके चेहरे में जो कुछ उसने देखा, जिसने उसे उसके लिए एक देवता का चेहरा बना दिया, वह दूसरों को दिखाई नहीं देता था; कि यह उन्हें उदासीन छोड़ सकता था; कि जिसे उसने सबसे स्पष्ट, महत्वहीन टिप्पणी समझा था, वह वास्तव में उसके भीतर की किसी बात की स्वीकारोक्ति थी, एक ऐसा गुण जो दूसरों में नहीं पाया जाता था।
"अरे, मेरी प्यारी," किकी ने कहा, "वह दिखने में बिल्कुल भी अच्छा नहीं है, लेकिन बेहद मर्दाना है।"
"इस बात से हैरान मत हो, डोमिनिक," उसके पीछे से एक आवाज आई।
"कीकी का सौंदर्यबोध न तो आपका है और न ही मेरा।"
डोमिनिक मुड़ी। एल्सवर्थ टूही वहाँ मुस्कुराते हुए खड़ा था और ध्यान से उसके चेहरे को देख रहा था।
“तुम...” उसने कहना शुरू किया और रुक गई।
“बिल्कुल,” टूही ने हल्के से झुकते हुए कहा, मानो वह अनकही बात को समझ रही हो। “मुझे भी विवेक का श्रेय दो, डोमिनिक, कुछ हद तक तुम्हारे बराबर। हालांकि सौंदर्यबोध के मामले में नहीं। वह तो मैं तुम्हारे लिए छोड़ता हूँ। पर हम कभी-कभी ऐसी चीजें देख लेते हैं जो स्पष्ट नहीं होतीं, है ना—तुम और मैं?”
"क्या चीजें?"
“मेरी प्यारी, यह कितनी लंबी दार्शनिक चर्चा बन जाएगी, कितनी उलझी हुई और कितनी—अनावश्यक। मैंने हमेशा तुमसे कहा है कि हमें अच्छे दोस्त बनना चाहिए। बौद्धिक रूप से हम दोनों में बहुत कुछ समान है। हम विपरीत ध्रुवों से शुरुआत करते हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि देखो, हम एक ही बिंदु पर मिलते हैं। डोमिनिक, यह बहुत ही रोचक शाम थी।”
"आप क्या कहना चाहते है?"
उदाहरण के लिए, यह जानना दिलचस्प था कि आपको किस तरह की चीज़ें आकर्षक लगती हैं। आपको बिना शब्दों के, केवल एक चेहरे की मदद से, स्पष्ट रूप से वर्गीकृत करना अच्छा लगता है।
"अगर... अगर आप देख सकते हैं कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं, तो आप वह नहीं हो सकते जो आप हैं।"
नहीं, मेरी प्रिय। मुझे वही होना चाहिए जो मैं हूँ, ठीक उसी वजह से जो मैं देखती हूँ।
"जानते हो, एल्सवर्थ, मुझे लगता है कि तुम मेरी सोच से कहीं ज्यादा बुरे हो।"
और शायद जितना आप अभी सोच रहे हैं उससे कहीं ज्यादा बुरा। लेकिन उपयोगी। हम सब एक दूसरे के लिए उपयोगी हैं। जैसे आप मेरे लिए उपयोगी होंगे। और मुझे लगता है, आप भी उपयोगी होना चाहेंगे।
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
“यह बहुत बुरा है, डोमिनिक। बहुत ही बुरा। बिलकुल बेकार। अगर तुम्हें समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या कह रही हूँ, तो मैं समझा ही नहीं सकती। अगर समझ आ रहा है तो,

बिना कुछ और कहे हाँ, मैं तुम्हें समझ गई हूँ।"
"यह किस तरह की बातचीत है?" कीकी ने अचंभित होकर पूछा।
"बस एक-दूसरे से मज़ाक करने का हमारा तरीका है," टूही ने मुस्कुराते हुए कहा। "इस बात से परेशान मत हो, किकी। डोमिनिक और मैं हमेशा एक-दूसरे से मज़ाक करते रहते हैं। हालांकि, हम इसमें उतने माहिर नहीं हैं, क्योंकि देखो—हम कर ही नहीं सकते।"
"एल्सवर्थ, एक दिन तुम भी गलती करोगे," डोमिनिक ने कहा।
"बिल्कुल संभव है। और तुम, मेरी प्यारी, अपना तो पहले ही बना चुकी हो।"
शुभ रात्रि, एल्सवर्थ।
"शुभ रात्रि, डोमिनिक।"
डोमिनिक के चले जाने के बाद किकी उसकी ओर मुड़ी।
"एल्सवर्थ, तुम दोनों को क्या हुआ है? ऐसी बातें क्यों कर रहे हो?"
क्या ये सब बेवजह हुआ? लोगों के चेहरे और पहली छाप का कोई मतलब नहीं होता।
"मेरी प्यारी किकी," उसने कोमल और दूर की आवाज़ में उत्तर दिया, मानो वह उसे नहीं, बल्कि अपने ही किसी विचार का उत्तर दे रहा हो, "यह हमारी सबसे बड़ी आम भ्रांतियों में से एक है। किसी इंसान के चेहरे से ज़्यादा महत्वपूर्ण और प्रभावशाली कुछ भी नहीं होता। हम किसी दूसरे व्यक्ति को तब तक पूरी तरह नहीं जान सकते, जब तक हम उसे पहली नज़र में न देख लें। क्योंकि उस एक नज़र में ही हम सब कुछ जान लेते हैं। भले ही हम उस ज्ञान को समझने के लिए हमेशा उतने बुद्धिमान न हों। क्या तुमने कभी किसी आत्मा की शैली के बारे में सोचा है, किकी?"
"क्या?"
"आत्मा की शैली। क्या आपको वह प्रसिद्ध दार्शनिक याद है जिसने सभ्यता की शैली की बात की थी? उन्होंने इसे 'शैली' कहा था। उन्होंने कहा था कि इसके लिए उन्हें यही सबसे उपयुक्त शब्द मिला। उन्होंने कहा था कि प्रत्येक सभ्यता का अपना एक मूल सिद्धांत होता है, एक एकल, सर्वोच्च, निर्णायक अवधारणा होती है, और उस सभ्यता के भीतर मनुष्यों का प्रत्येक प्रयास अनजाने में और अपरिवर्तनीय रूप से उस एक सिद्धांत के प्रति सच्चा होता है... मुझे लगता है, किकी, कि प्रत्येक मानव आत्मा की अपनी एक शैली होती है।"
यह भी एक मूलभूत सिद्धांत है। आप इसे उस व्यक्ति के हर विचार, हर कार्य, हर इच्छा में प्रतिबिंबित होते देखेंगे। उस सजीव प्राणी में निहित एकमात्र परम सत्य, एकमात्र अनिवार्यता। वर्षों तक किसी व्यक्ति का अध्ययन करने से यह स्पष्ट नहीं होगा। उसका चेहरा ही इसे दर्शाएगा। किसी व्यक्ति का वर्णन करने के लिए आपको कई पुस्तकें लिखनी पड़ेंगी। बस उसके चेहरे के बारे में सोचिए। आपको और कुछ जानने की आवश्यकता नहीं है।
"यह तो बहुत ही शानदार लग रहा है, एल्सवर्थ। और अगर सच है, तो अन्यायपूर्ण भी। इससे लोग आपके सामने बेबस हो जाएंगे।"
"यह उससे भी बदतर है। यह आपको उनके सामने नंगा कर देता है। आप किसी खास चेहरे पर, किसी खास तरह के चेहरे पर अपनी प्रतिक्रिया से खुद को धोखा देते हैं... आपकी आत्मा की शैली से... धरती पर इंसानों के सिवा कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं है। इंसानों के बारे में सबसे महत्वपूर्ण बात उनके आपसी संबंध हैं..."
"अच्छा, मेरे चेहरे में तुम्हें क्या दिखता है?"
उसने उसकी ओर ऐसे देखा मानो उसने अभी-अभी उसकी उपस्थिति को महसूस किया हो।
"क्या कहा आपने?"
मैंने कहा, मेरे चेहरे पर तुम्हें क्या दिखता है?

"ओह... हाँ... अच्छा, मुझे उन फिल्म सितारों के नाम बताओ जो तुम्हें पसंद हैं और मैं तुम्हें बता दूँगा कि तुम क्या हो।"
“मुझे तो विश्लेषण करवाना बहुत पसंद है। अब देखते हैं। मेरा सबसे पसंदीदा हमेशा से ही रहा है...”
लेकिन वह सुन नहीं रहा था। उसने उसकी तरफ पीठ फेर ली थी, वह बिना माफी मांगे चला जा रहा था। वह थका हुआ लग रहा था। उसने उसे पहले कभी जानबूझकर किए गए असभ्य व्यवहार के अलावा किसी और तरह से असभ्य होते नहीं देखा था।
कुछ देर बाद, दोस्तों के एक समूह के बीच से, उसने उसकी मधुर, जोशीली आवाज़ सुनी:
"...और इसलिए, पृथ्वी पर सबसे महान अवधारणा मनुष्यों की पूर्ण समानता की है।"
सातवीं
“...और यह वहीं खड़ा रहेगा, श्री एनराइट और श्री रोर्क के अहंकार के प्रतीक के रूप में। यह एक तरफ भूरे पत्थर की इमारतों की कतार और दूसरी तरफ गैस स्टेशन के टैंकों के बीच खड़ा होगा। शायद यह कोई संयोग नहीं, बल्कि भाग्य की उपयुक्तता का प्रमाण है। कोई और स्थान इस इमारत की अंतर्निहित धृष्टता को इतनी स्पष्ट रूप से उजागर नहीं कर सकता। यह शहर की सभी इमारतों और उन्हें बनाने वालों का मज़ाक उड़ाएगा। हमारी इमारतें अर्थहीन और झूठी हैं; यह इमारत उन्हें और भी अधिक अर्थहीन बना देगी। लेकिन यह विरोधाभास इसके लाभ में नहीं होगा। विरोधाभास पैदा करके यह स्वयं को घोर अक्षमता का, उसके सबसे हास्यास्पद हिस्से का हिस्सा बना लेगा। यदि प्रकाश की एक किरण सूअर के बाड़े में गिरती है, तो वह किरण ही हमें गंदगी दिखाती है और वही किरण घृणित होती है।”
हमारी संरचनाओं को अस्पष्टता और निर्भीकता का बहुत बड़ा लाभ प्राप्त है।
इसके अलावा, ये हमारे लिए उपयुक्त हैं। एनराइट हाउस चमकीला और आकर्षक है। पंखों वाला बोआ भी ऐसा ही है। यह ध्यान आकर्षित करेगा—लेकिन केवल श्री रोर्क की कल्पना की असीम धृष्टता की ओर। जब यह इमारत बनकर तैयार होगी, तो यह हमारे शहर के चेहरे पर एक घाव होगी। और घाव भी रंगीन होता है।
यह लेख किकी होल्कोम्बे के घर पर हुई पार्टी के एक सप्ताह बाद डोमिनिक फ्रैंकन के कॉलम "योर हाउस" में प्रकाशित हुआ था।
जिस सुबह अखबार छपा, उसी सुबह एल्सवर्थ टूही डोमिनिक के दफ़्तर में दाखिल हुए। उनके हाथ में बैनर की एक प्रति थी, जिसका पन्ना डोमिनिक की ओर था। वे चुपचाप खड़े रहे, अपने छोटे-छोटे पैरों पर थोड़ा-थोड़ा हिलते रहे। ऐसा लग रहा था मानो उनकी आँखों के भाव को देखा नहीं जा सकता था, बल्कि सुना जा सकता था: मानो वे ज़ोर से हँस रहे हों। उनके होंठ शालीनता और मासूमियत से मुड़े हुए थे।
“तो?” उसने पूछा।
"उस पार्टी से पहले आप रोर्क से कहाँ मिले थे?"
वह उसे देखती हुई बैठी थी, एक हाथ कुर्सी के पीछे लटका हुआ था, उंगलियों के बीच एक पेंसिल नाजुक ढंग से लटक रही थी। वह मुस्कुराती हुई लग रही थी। उसने कहा:
"उस पार्टी से पहले मैं रोर्क से कभी नहीं मिला था।"
“मेरी गलती। मैं तो बस सोच रहा था...” उसने कागज़ को सरसराते हुए कहा,
“...भावनाओं में आए बदलाव के बारे में।”
"ओह, वो? खैर, जब मैं उससे पार्टी में मिली थी तो मुझे वो पसंद नहीं आया था।"
“तो मैंने यह बात नोटिस की।”
"बैठ जाओ, एल्सवर्थ। खड़े रहने पर तुम अच्छे नहीं दिखते।"
“क्या आपको कोई आपत्ति है? क्या आप व्यस्त तो नहीं हैं?”
"विशेष रूप से नहीं।"

वह उसकी मेज़ के कोने पर बैठ गया। वह बैठे-बैठे सोच-विचार करते हुए मुड़े हुए कागज़ से अपने घुटने को थपथपा रहा था।
“डोमिनिक, तुम्हें पता है,” उसने कहा, “यह ठीक से नहीं बना है। बिलकुल भी ठीक नहीं बना है।”
"क्यों?"
“क्या आपको शब्दों के बीच छिपे अर्थ समझ नहीं आ रहे? बेशक, बहुत कम लोग इस बात पर ध्यान देंगे। वह देगा। मैं देता हूँ।”
यह न तो उसके लिए लिखा गया है और न ही आपके लिए।
लेकिन बाकियों के लिए?
"दूसरों के लिए।"
"तो फिर यह उसके और मेरे साथ किया गया एक घटिया मजाक है।"
देखा आपने? मुझे लगा कि यह बहुत अच्छा किया गया था।
"खैर, हर किसी के अपने तरीके होते हैं।"
आप इसके बारे में क्या लिखने वाले हैं?
"किस बारे में?"
“एनराइट हाउस के बारे में।”
"कुछ नहीं।"
"कुछ नहीं?"
"कुछ नहीं।"
उसने बिना हिले-डुले, बस अपनी कलाई को आगे की ओर झटका देते हुए कागज को मेज पर फेंक दिया। उसने कहा:
"वास्तुकला की बात करें तो, डोमिनिक, आपने कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के बारे में कभी कुछ क्यों नहीं लिखा?"
क्या इसके बारे में लिखना सार्थक है?
“हाँ, बिलकुल। ऐसे लोग हैं जिन्हें इससे बहुत बुरा लगेगा।”
और क्या उन लोगों को परेशान करना उचित है?
"तो ऐसा लगता है कि।"
“कौन से लोग?”
“ओह, मुझे नहीं पता। हमें कैसे पता चलेगा कि हमारी लिखी हुई चीज़ें कौन पढ़ता है? यही तो इसे इतना दिलचस्प बनाता है। वे सभी अजनबी जिन्हें हमने पहले कभी नहीं देखा, जिनसे हमने कभी बात नहीं की, या जिनसे हम बात नहीं कर सकते—और यहाँ यह कागज़ है जहाँ वे हमारा जवाब पढ़ सकते हैं, अगर हम जवाब देना चाहें तो।”
मुझे सच में लगता है कि आपको कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के बारे में कुछ अच्छी बातें लिखनी चाहिए।
"ऐसा लगता है कि आप पीटर कीटिंग को बहुत पसंद करते हैं।"
“मैं? मैं पीटर को बहुत पसंद करता हूँ। आप भी धीरे-धीरे उसे पसंद करने लगेंगे, जब आप उसे बेहतर तरीके से जान लेंगे। पीटर एक उपयोगी व्यक्ति है। क्यों न आप कभी समय निकालकर उससे उसकी जीवन कहानी सुनें? आपको कई रोचक बातें पता चलेंगी।”
"उदाहरण के लिए?"
उदाहरण के लिए, वह स्टैंटन गया था।
"मुझे पता है कि।"
“क्या आपको यह दिलचस्प नहीं लगता? मुझे तो लगता है। अद्भुत जगह है, स्टैंटन।” गॉथिक वास्तुकला का एक अद्भुत उदाहरण। चैपल में लगी रंगीन कांच की खिड़की वास्तव में इस देश की सबसे बेहतरीन खिड़कियों में से एक है। और फिर, सोचिए, इतने

सारे युवा छात्र। सभी कितने अलग-अलग हैं। कुछ उच्च सम्मान के साथ स्नातक हो रहे हैं, तो कुछ को निष्कासित किया जा रहा है।
"कुंआ?"
क्या आपको पता है कि पीटर कीटिंग, हॉवर्ड रोर्क के पुराने दोस्त हैं?
नहीं। क्या वह है?
"वह है।"
"पीटर कीटिंग सबके पुराने दोस्त हैं।"
“बिल्कुल सही। एक असाधारण लड़का। लेकिन यह अलग बात है। क्या आपको नहीं पता था कि रोर्क स्टैंटन में पढ़ता था?”
"नहीं।"
"ऐसा लगता है कि आप मिस्टर रोर्क के बारे में ज़्यादा नहीं जानते हैं।"
मुझे श्री रोर्क के बारे में कुछ नहीं पता। हम श्री रोर्क के बारे में चर्चा नहीं कर रहे थे। रोर्क।"
“क्या हम नहीं थे? नहीं, बिल्कुल नहीं, हम पीटर कीटिंग के बारे में चर्चा कर रहे थे।”
देखिए, तुलना करके ही अपनी बात को सबसे अच्छे ढंग से समझाया जा सकता है। जैसा कि आपने आज अपने प्यारे से लेख में किया। पीटर की सराहना करने के लिए, आइए एक तुलना पर गौर करें। चलिए दो समानांतर रेखाओं को लेते हैं। मैं यूक्लिड से सहमत हूँ, मुझे नहीं लगता कि ये दोनों समानांतर रेखाएँ कभी मिलेंगी। खैर, दोनों ने स्टैंटन विश्वविद्यालय में पढ़ाई की। पीटर की माँ एक तरह का बोर्डिंग हाउस चलाती थीं और रोर्क तीन साल तक उनके साथ रहा। इससे कोई खास फ़र्क नहीं पड़ता, सिवाय इसके कि यह तुलना को और अधिक प्रभावशाली और—हाँ—बाद में और अधिक व्यक्तिगत बना देता है। पीटर ने उच्च सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की, जो सर्वोच्च सम्मान था।
उसकी कक्षा। रोर्क को निष्कासित कर दिया गया। ऐसे मत देखो। मुझे यह समझाने की ज़रूरत नहीं है कि उसे क्यों निष्कासित किया गया, हम समझते हैं, तुम और मैं। पीटर तुम्हारे पिता के यहाँ काम करने चला गया और अब वह भागीदार है। रोर्क ने तुम्हारे पिता के यहाँ काम किया और उसे निकाल दिया गया। हाँ, उसे निकाल दिया गया। वैसे, क्या यह मज़ेदार नहीं है?
उसने ये सब बिना आपकी किसी मदद के किया था—उस समय। पीटर के नाम कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग का प्रोजेक्ट है—और रोर्क का कनेक्टिकट में एक हॉट-डॉग का स्टॉल है। पीटर ऑटोग्राफ देता है—और रोर्क को तो बाथरूम के सामान बनाने वाली कंपनियों में भी कोई नहीं जानता। अब रोर्क को एक अपार्टमेंट बिल्डिंग का प्रोजेक्ट मिला है और वो उसके लिए इकलौते बेटे की तरह कीमती है—जबकि पीटर को एनराइट हाउस का प्रोजेक्ट मिला होता तो शायद उसे पता भी नहीं चलता, क्योंकि उसे तो ये प्रोजेक्ट हर दिन मिलते हैं। अब, मुझे नहीं लगता कि रोर्क पीटर के काम को बहुत महत्व देता है। उसने कभी नहीं दिया और न ही कभी देगा, चाहे कुछ भी हो जाए। ज़रा और आगे बढ़िए। कोई भी आदमी हारना पसंद नहीं करता। लेकिन उस आदमी से हारना जो हमेशा से उसकी नज़रों में औसत दर्जे का प्रतीक रहा हो, उस औसत दर्जे के साथ खड़े होकर उसे ऊपर उठते देखना, जबकि वह संघर्ष करता रहे और उसे चेहरे पर लात के सिवा कुछ न मिले, उस औसत दर्जे को उससे एक-एक करके वे मौके छीनते देखना जिनके लिए वह अपनी जान भी दे सकता था, उस औसत दर्जे को पूजे जाते देखना, अपनी मनचाही जगह से चूक जाना और उस पर औसत दर्जे को विराजमान देखना, हारना, बलिदान होना, अनदेखा किया जाना, मार खाना, मार खाना—किसी महान प्रतिभा से नहीं, किसी भगवान से नहीं, बल्कि पीटर कीटिंग से—तो मेरे नन्हे शौकिया, क्या तुम्हें लगता है कि स्पेनिश इनक्विजिशन ने कभी इसके बराबर की यातना के बारे में सोचा होगा?

“एल्सवर्थ!” वह चीखी। “यहाँ से निकल जाओ!”
वह झट से खड़ी हो गई। एक पल के लिए सीधी खड़ी रही, फिर आगे की ओर झुक गई, उसकी दोनों हथेलियाँ मेज पर सपाट थीं, और वह झुकी हुई खड़ी रही; उसने देखा कि उसके चिकने बालों का गुच्छा भारीपन से हिल रहा था, फिर स्थिर हो गया, जिससे उसका चेहरा छिप गया।
"लेकिन, डोमिनिक," उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक कहा, "मैं तो बस आपको यह बता रहा था कि पीटर कीटिंग इतने दिलचस्प व्यक्ति क्यों हैं।"
उसके बाल पीछे की तरह पीछे की ओर उड़ गए, और उसका चेहरा भी वैसा ही हो गया, वह अपनी कुर्सी पर बैठ गई, उसे देखती हुई, उसका मुंह ढीला और बहुत बदसूरत लग रहा था।
“डोमिनिक,” उसने धीरे से कहा, “तुम बहुत स्पष्ट हो। हद से ज्यादा स्पष्ट।”
"यहाँ से चले जाओ।"
“खैर, मैंने हमेशा कहा है कि तुमने मुझे कम आंका। अगली बार जब तुम्हें मदद की जरूरत हो तो मुझसे संपर्क करना।”
दरवाजे पर पहुँचकर उसने मुड़कर कहा:
"निःसंदेह, व्यक्तिगत रूप से, मुझे लगता है कि पीटर कीटिंग हमारे पास मौजूद सबसे महान वास्तुकार हैं।"
उस शाम जब वह घर लौटी तो टेलीफोन की घंटी बजी।
“डोमिनिक, मेरी प्यारी,” तार पर एक आवाज घबराई हुई सी सुनाई दी, “क्या तुमने सचमुच ये सब कहा था?”
"यह कौन है?"
“जोएल सटन। मैं...”

"हेलो, जोएल। क्या मेरा मतलब वही था जो मैंने कहा था?"
"हेलो, प्यारी, कैसी हो? तुम्हारे प्यारे पिताजी कैसे हैं? मेरा मतलब है, क्या तुमने एनराइट हाउस और उस रोर्क के बारे में जो कुछ भी कहा, वह सच था?"
मतलब, आज आपने अपने कॉलम में जो लिखा, उससे मैं बहुत परेशान हूँ, सच में बहुत। आपको मेरी बिल्डिंग के बारे में पता है ना? खैर, हम सब आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं और इसमें बहुत पैसा लग रहा है। मैंने सोचा था कि मैंने फैसला लेने में बहुत सावधानी बरती है, लेकिन मुझे आप पर सबसे ज्यादा भरोसा है, हमेशा से रहा है। आप बहुत समझदार हैं, बहुत ही समझदार। अगर आप वायनांड जैसे आदमी के लिए काम करते हैं, तो मुझे लगता है कि आपको अपने काम की अच्छी जानकारी होगी। वायनांड को बिल्डिंग्स की अच्छी समझ है, अरे, उस आदमी ने तो अपने सारे कागजात से भी ज्यादा रियल एस्टेट में कमाया है, बिल्कुल सही, यह बात सबको पता नहीं चलनी चाहिए, लेकिन मुझे पता है। और आप उसके लिए काम कर रहे हैं, और अब मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या सोचूं। क्योंकि, देखिए, मैंने तय कर लिया था, हाँ, मैंने लगभग पक्का कर लिया था कि इस रोर्क को रखूं, असल में मैंने उसे बताया भी था, असल में वह कल दोपहर कॉन्ट्रैक्ट पर साइन करने आ रहा है, और अब... क्या आपको सच में लगता है कि यह एक बेढंगी इमारत जैसी दिखेगी?
“सुनो, जोएल,” उसने दांत भींचते हुए कहा, “क्या तुम कल मेरे साथ दोपहर का खाना खा सकते हो?”
डोमिनिक की मुलाकात एक प्रतिष्ठित होटल के विशाल, सुनसान भोजन कक्ष में जोएल सटन से हुई। सफेद मेजों के बीच कुछ ही अकेले मेहमान थे, जिससे हर कोई अलग दिख रहा था। खाली मेजें एक सुरुचिपूर्ण माहौल बना रही थीं जो मेहमान की विशिष्टता को दर्शाती थीं। जोएल सटन मुस्कुराए। उन्होंने डोमिनिक जैसी इतनी खूबसूरत महिला को पहले कभी नहीं देखा था।

"जानते हो, जोएल," उसने मेज के उस पार उसकी ओर देखते हुए, शांत, दृढ़ और बिना मुस्कुराए स्वर में कहा, "रोर्क को चुनना तुम्हारा एक शानदार विचार था।"
"ओह, क्या आपको ऐसा लगता है?"
मुझे ऐसा लगता है। आपके पास एक ऐसी इमारत होगी जो खूबसूरत होगी, किसी राष्ट्रगान की तरह। एक ऐसी इमारत जो आपकी सांसें रोक देगी—और साथ ही आपकी भी।
किरायेदारों। सौ साल बाद इतिहास में तुम्हारे बारे में लिखा जाएगा—और पॉटर फील्ड में तुम्हारी कब्र खोजी जाएगी।"
"हे भगवान, डोमिनिक, तुम क्या बात कर रही हो?"
“आपकी इमारत के बारे में। उस तरह की इमारत के बारे में जिसे रोर्क आपके लिए डिजाइन करेगा। यह एक शानदार इमारत होगी, जोएल।”
"तुम्हारा मतलब है, अच्छा?"
मेरा मतलब अच्छा नहीं है। मेरा मतलब बहुत अच्छा है।
“ये एक ही बात नहीं है।”
"नहीं, जोएल, नहीं, यह एक ही बात नहीं है।"
मुझे ये ‘शानदार’ वाली बातें पसंद नहीं हैं।
“नहीं। तुम ऐसा नहीं करते। मुझे लगा भी नहीं था कि तुम ऐसा करोगे। तो फिर रोर्क से तुम्हें क्या चाहिए? तुम्हें एक ऐसी इमारत चाहिए जो किसी को चौंकाए नहीं। एक ऐसी इमारत जो सादगी भरी, आरामदायक और सुरक्षित हो, बिल्कुल घर के उस पुराने बैठक कक्ष की तरह जहाँ क्लैम चाउडर की खुशबू आती है। एक ऐसी इमारत जो सबको पसंद आए, हर किसी को। हीरो बनना बहुत मुश्किल होता है, जोएल, और तुम्हारे पास वो कद-काठी नहीं है।”
“खैर, बेशक मैं एक ऐसी इमारत चाहता हूँ जो लोगों को पसंद आए। आपको क्या लगता है, मैं इसे किसलिए बनवा रहा हूँ, अपनी सेहत के लिए?”
“नहीं, जोएल। और न ही तुम्हारी आत्मा के लिए।”
"तुम्हारा मतलब है, रोर्क किसी काम का नहीं है?"
वह एकदम सीधी और अकड़ी हुई बैठी थी, मानो दर्द से उसकी सारी मांसपेशियां कस गई हों। लेकिन उसकी आंखें भारी और आधी बंद थीं, मानो कोई हाथ उसके शरीर को सहला रहा हो। उसने कहा:
“क्या आपको उनकी बनाई हुई कई इमारतें दिखती हैं? क्या आपको कई लोग उन्हें काम पर रखते हुए दिखते हैं? न्यूयॉर्क शहर में 60 लाख लोग हैं। 60 लाख लोग गलत नहीं हो सकते। क्या वे हो सकते हैं?”
"बिल्कुल नहीं।"
"बिल्कुल।"
लेकिन मुझे लगा कि एनराइट...
“तुम एनराइट नहीं हो, जोएल। एक तो वो इतना मुस्कुराता नहीं है।”
तो देखिए, एनराइट ने मेरी राय नहीं पूछी होती। आपने पूछी।
मुझे तुम्हारी यही बात पसंद है।
"क्या तुम सच में मुझे पसंद करती हो, डोमिनिक?"
"क्या आपको नहीं पता था कि आप हमेशा से मेरे सबसे पसंदीदा लोगों में से एक रहे हैं?"
“मैं... मैंने हमेशा आप पर भरोसा किया है। मैं आपकी बात कभी भी मान लूंगा। आपको वास्तव में क्या लगता है कि मुझे क्या करना चाहिए?”
“यह सरल है। आप पैसे से खरीदी जा सकने वाली सबसे अच्छी चीज़ चाहते हैं। आप एक ऐसी इमारत चाहते हैं जो अपनी असलियत के अनुरूप हो। आप एक ऐसे

वास्तुकार को चाहते हैं जिसे अन्य लोगों ने भी काम पर रखा हो, ताकि आप उन्हें दिखा सकें कि आप भी उनके जितने ही अच्छे हैं।"
"बिल्कुल सही। एकदम सही... देखो, डोमिनिक, तुमने अपने खाने को छुआ तक नहीं है।"
"मुझे भूख नहीं है।"
"अच्छा, आप किस वास्तुकार की सिफारिश करेंगे?"
"सोचो, जोएल। इस समय कौन है जिसके बारे में हर कोई बात कर रहा है? किसे सबसे अच्छे काम मिलते हैं? कौन अपने और अपने ग्राहकों के लिए सबसे ज्यादा पैसा कमाता है? कौन युवा है, मशहूर है, सुरक्षित है और लोकप्रिय है?"
"क्यों, मुझे लगता है... मुझे लगता है पीटर कीटिंग।"
"जी हां, जोएल। पीटर कीटिंग।"
"मुझे बहुत खेद है, श्री रोर्क, सचमुच बहुत खेद है, मेरा विश्वास कीजिए, लेकिन अंततः, मैं अपने स्वास्थ्य के लिए व्यवसाय नहीं कर रहा हूँ... न तो अपने स्वास्थ्य के लिए और न ही अपनी आत्मा के लिए।"
"...मतलब, मैं कह रहा हूँ, खैर, मुझे यकीन है कि आप मेरी बात समझ सकते हैं। और ऐसा नहीं है कि मुझे आपसे कोई शिकायत है, बल्कि इसके बिल्कुल उलट, मैं आपको एक महान वास्तुकार मानता हूँ। देखिए, यही तो समस्या है, महानता तो अच्छी बात है, लेकिन व्यावहारिक नहीं। यही तो समस्या है, श्री रोर्क, व्यावहारिकता की कमी, और आखिरकार आपको यह मानना ही पड़ेगा कि श्री कीटिंग का नाम कहीं बेहतर है और उनके पास वो... वो लोकप्रिय हुनर है जो आप हासिल नहीं कर पाए हैं।
श्री सटन को इस बात से बेचैनी हुई कि रोर्क ने कोई विरोध नहीं किया। वे चाहते थे कि रोर्क बहस करने की कोशिश करे; तब वह उन अकाट्य तर्कों को सामने रख सकता था जो डोमिनिक ने उसे कुछ घंटे पहले सिखाए थे। लेकिन रोर्क ने कुछ नहीं कहा; फैसला सुनकर उसने बस अपना सिर झुका लिया। श्री सटन उन तर्कों को दोहराना चाहते थे, लेकिन एक ऐसे व्यक्ति को समझाने की कोशिश करना व्यर्थ लग रहा था जो पहले से ही आश्वस्त प्रतीत हो रहा था। फिर भी, श्री सटन लोगों से प्रेम करते थे और किसी को ठेस नहीं पहुंचाना चाहते थे।
"दरअसल, श्री रोर्क, इस फैसले में मैं अकेली नहीं हूँ। सच तो यह है कि मैं आपको चाहती थी, मैंने आपके लिए मन बना लिया था, ईमानदारी से कहूँ तो, लेकिन मिस डोमिनिक फ्रैंकन, जिनके निर्णय को मैं सबसे अधिक महत्व देती हूँ, ने मुझे समझाया कि आप इस पद के लिए सही विकल्प नहीं हैं।
कमीशन—और उन्होंने मुझे यह बताने की अनुमति देकर निष्पक्षता दिखाई कि उन्होंने ऐसा किया।
उसने देखा कि रोर्क अचानक उसकी ओर देख रहा है। फिर उसने देखा कि रोर्क के गाल अंदर की ओर धंस गए हैं, मानो और गहरे धंस गए हों, और उसका मुंह खुला हुआ है: वह हंस रहा था, बिना किसी आवाज़ के, बस एक गहरी सांस के साथ।
"आप आखिर किस बात पर हंस रहे हैं, मिस्टर रोर्क?"
"तो मिस फ्रैंकन चाहती थीं कि आप मुझे यह बताएं?"
"वह नहीं चाहती थी कि मैं ऐसा करूं, वह क्यों चाहेगी?—उसने बस इतना कहा कि अगर मैं चाहूं तो तुम्हें बता सकती हूं।"
"हाँ बिल्कुल।"
"यह केवल उनकी ईमानदारी को दर्शाता है और यह भी कि उनके विचारों के पीछे अच्छे कारण हैं और वे खुले तौर पर उन पर कायम रहेंगी।"
"हाँ।"
"तो फिर क्या बात है?"
"कुछ नहीं, श्रीमान सटन।"

"देखो, इस तरह हंसना ठीक नहीं है।"
"नहीं।"
उसके कमरे में चारों ओर आधा अंधेरा छाया हुआ था। हेलर हाउस का एक स्केच बिना फ्रेम के एक लंबी, खाली दीवार पर टंगा हुआ था; इससे कमरा और भी खाली और दीवार और भी लंबी लग रही थी। उसे मिनटों का बीतना महसूस नहीं हो रहा था, लेकिन समय उसे कमरे के भीतर एक ठोस वस्तु की तरह लग रहा था, मानो अलग-थलग पड़ा हो; समय का कोई अर्थ नहीं था सिवाय उसके शरीर की स्थिर वास्तविकता के।
जब उसने दरवाजे पर दस्तक सुनी, तो बिना उठे उसने कहा: "अंदर आ जाओ।"
डोमिनिक अंदर आई। वह ऐसे दाखिल हुई मानो पहले भी इस कमरे में आ चुकी हो। उसने भारी कपड़े का काला सूट पहना हुआ था, बच्चों के कपड़ों की तरह सादा, जिसे महज़ सुरक्षा के लिए पहना जाता था, गहने के तौर पर नहीं; उसके गले में एक ऊँचा मर्दाना कॉलर था जो उसके गालों तक उठा हुआ था, और एक टोपी थी जिसने उसके आधे चेहरे को छिपा रखा था। वह उसे देखती रही। वह उसके व्यंग्यात्मक मुस्कान का इंतज़ार करती रही, लेकिन वह नहीं आई। मुस्कान मानो कमरे में ही छिपी हुई थी, उसके वहाँ खड़े होने में, कमरे के बीचोंबीच। उसने अपनी टोपी उतारी, जैसे कोई आदमी घर में प्रवेश करता है, उसने अपनी सख्त उंगलियों के सिरों से टोपी को किनारे से खींचकर उतारा और उसे अपनी बांह के अंत में लटकाए रखा। वह इंतज़ार करती रही, उसका चेहरा कठोर और ठंडा था; लेकिन उसके चिकने, हल्के बाल असहाय और विनम्र लग रहे थे। उसने कहा:
"मुझे देखकर आपको आश्चर्य नहीं हुआ होगा।"
मुझे आज रात तुम्हारी उम्मीद थी।
उसने अपना हाथ उठाया, कोहनी को बड़ी कुशलता से मोड़ा, बस न्यूनतम आवश्यक गति से, और अपनी टोपी को मेज़ पर फेंक दिया। टोपी की लंबी उड़ान ने उसकी कलाई के उस नियंत्रित झटके में छिपी हिंसा को दर्शाया।
उसने पूछा: "तुम क्या चाहते हो?"
उसने भारी और सपाट आवाज में जवाब दिया, "तुम जानते हो कि मैं क्या चाहती हूँ।"
“हां। लेकिन मैं चाहता हूं कि तुम इसे पूरा बोलो।
“अगर तुम चाहो।” उसकी आवाज़ में एक दक्षता झलक रही थी, मानो वह किसी आदेश का पालन धातु की सटीकता से कर रही हो। “मैं तुम्हारे साथ सोना चाहती हूँ। अभी, आज रात, और जब भी तुम मुझे बुलाना चाहो। मुझे तुम्हारा नग्न शरीर, तुम्हारी त्वचा, तुम्हारा मुँह, तुम्हारे हाथ चाहिए। मैं तुम्हें चाहती हूँ—इस तरह—इच्छा से पागल नहीं—बल्कि ठंडे और सचेत भाव से—बिना गरिमा और बिना पछतावे के—मैं तुम्हें चाहती हूँ—मेरे पास आत्मसम्मान नहीं है जो मुझसे सौदेबाजी करे और मुझे बाँटे—मैं तुम्हें चाहती हूँ—मैं तुम्हें एक जानवर की तरह, या बाड़ पर बैठी बिल्ली की तरह, या एक वेश्या की तरह चाहती हूँ।”
वह एक ही स्वर में, शांत भाव से बोल रही थी, मानो किसी धर्मग्रंथ का पाठ कर रही हो। वह बिना हिले-डुले खड़ी थी, उसके पैरों में सपाट जूते थे, पैर फैले हुए थे, कंधे पीछे की ओर झुके हुए थे और बांहें बगल में सीधी लटकी हुई थीं। वह भावहीन लग रही थी, अपने बोले शब्दों से अप्रभावित, एक छोटे लड़के की तरह पवित्र।
“तुम जानते हो कि मैं तुमसे नफ़रत करती हूँ, रोर्क। मैं तुमसे इसलिए नफ़रत करती हूँ क्योंकि तुम जैसे हो, तुम्हें चाहने के लिए, तुम्हें चाहने के लिए मजबूर होने के लिए। मैं तुमसे लड़ूँगी—और मैं तुम्हें नष्ट कर दूँगी—और मैं तुम्हें यह उतनी ही शांति से कह रही हूँ जितनी शांति से मैंने तुम्हें बताया था कि मैं एक भीख माँगने वाला जानवर हूँ। मैं प्रार्थना करूँगी कि तुम नष्ट न हो सको—”
मैं तुमसे ये भी कहता हूँ—भले ही मैं किसी चीज़ में विश्वास नहीं करता और मेरे पास प्रार्थना करने के लिए कुछ भी नहीं है। लेकिन मैं तुम्हारे हर कदम को रोकने के लिए

लड़ूँगा। मैं तुम्हारे हर उस मौके को छीनने के लिए लड़ूँगा जो तुम चाहते हो। मैं तुम्हें उसी चीज़ से चोट पहुँचाऊँगा जिससे तुम्हें सबसे ज़्यादा चोट पहुँच सकती है—तुम्हारे काम से। मैं तुम्हें भूखा रखने के लिए लड़ूँगा, तुम्हें उन चीज़ों से गला घोंटने के लिए लड़ूँगा जिन तक तुम पहुँच नहीं पाओगे। मैंने आज तुम्हारे साथ ये सब किया है—और इसीलिए मैं आज रात तुम्हारे साथ सोऊँगा।
वह अपनी कुर्सी पर गहराई से बैठा था, शरीर फैला हुआ था, उसका शरीर शिथिल था, और विश्राम में भी तनावग्रस्त था, एक ऐसी स्थिरता जो धीरे-धीरे भविष्य की गति की तीव्रता से भर रही थी।
“मैंने आज तुम्हें चोट पहुँचाई है। मैं फिर से ऐसा करूँगा। जब भी मैं तुम्हें हराऊँगा—जब भी मुझे पता चलेगा कि मैंने तुम्हें चोट पहुँचाई है—मैं तुम्हारे पास आऊँगा और तुम्हें
तुम मेरे मालिक हो। मैं किसी प्रेमी के नहीं, बल्कि एक ऐसे शत्रु के अधीन होना चाहती हूँ जो मेरी जीत को सम्मानजनक प्रहारों से नहीं, बल्कि अपने शरीर के स्पर्श से नष्ट कर दे। रोर्क, मैं तुमसे यही चाहती हूँ।
मैं वही हूँ। आप सब कुछ सुनना चाहते थे। आपने सुन लिया। अब आप क्या कहना चाहते हैं?
"अपने कपड़े उतारो।"
वह एक पल के लिए स्थिर खड़ी रही; उसके होंठों के कोनों के नीचे दो सख्त धब्बे उभर आए और सफेद पड़ गए। फिर उसने उसकी कमीज़ के कपड़े में हलचल देखी, एक नियंत्रित साँस का झटका—और उसने भी उसी तरह व्यंग्यपूर्ण मुस्कान दी, जैसे वह हमेशा उस पर मुस्कुराता था।
उसने अपने दोनों हाथ कॉलर तक उठाए और जैकेट के बटन एक-एक करके बड़ी सहजता और सटीकता से खोले। उसने जैकेट को ज़मीन पर फेंक दिया, अपनी पतली सफ़ेद ब्लाउज़ उतारी और अपनी नंगी बाहों की कलाईयों पर कसे हुए काले दस्ताने देखे। उसने बारी-बारी से हर उंगली को खींचते हुए दस्ताने उतारे। उसने बेपरवाही से कपड़े उतारे, मानो वह अपने ही शयनकक्ष में अकेली हो।
फिर उसने उसकी ओर देखा। वह नग्न अवस्था में खड़ी प्रतीक्षा कर रही थी, उनके बीच की दूरी को अपने पेट पर दबाव की तरह महसूस कर रही थी, यह जानते हुए कि यह उसके लिए भी यातना थी और यह वही था जो वे दोनों चाहते थे।
फिर वह उठा, उसके पास गया, और जब उसने उसे गले लगाया, तो उसकी बाहें स्वेच्छा से ऊपर उठ गईं और उसने अपने शरीर की आकृति को अपनी बांह के अंदरूनी हिस्से की त्वचा पर अंकित महसूस किया, जैसे ही उसकी बांह ने उसे घेर लिया, उसकी पसलियां, उसकी बगल, उसकी पीठ, उसकी उंगलियों के नीचे उसका कंधा, उसका मुंह उसके मुंह पर, एक ऐसे समर्पण में जो उसके संघर्ष से कहीं अधिक तीव्र था।
उसके बाद, वह उसके बगल में, कंबल के नीचे, बिस्तर पर लेटी हुई, उसके कमरे को देख रही थी, और उसने पूछा:
रोर्क, तुम उस पत्थर की खदान में क्यों काम कर रहे थे?
"आपको यह पता है।"
“हां। कोई और होता तो आर्किटेक्ट के ऑफिस में नौकरी कर लेता।”
और तब तुम्हें मुझे नष्ट करने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं होगी।
"क्या आप यह बात समझते हैं?"
“हां। शांत रहो। अभी कोई फर्क नहीं पड़ता।”
क्या आप जानते हैं कि एनराइट हाउस न्यूयॉर्क की सबसे खूबसूरत इमारत है?
मुझे पता है कि तुम यह जानते हो।

“रोक, जब तुम्हारे अंदर एनराइट हाउस और कई अन्य एनराइट हाउस जैसी प्रांतभाएं थीं, तब तुमने उस खदान में काम किया था, और तुम ड्रिलिंग कर रहे थे।”
ग्रेनाइट जैसा...
"डोमिनिक, तुम पल भर में कमजोर पड़ जाओगी, और फिर तुम्हें कल इसका पछतावा होगा।"
"हाँ।"
"डोमिनिक, तुम बहुत प्यारी हो।"
"नहीं।"
"आप सुन्दर हो।"
रोक, मैं... मैं अब भी तुम्हें नष्ट करना चाहूँगा।
"क्या तुम्हें लगता है कि अगर तुम ऐसा नहीं करते तो मैं तुम्हें चाहूँगी?"
“रोक ...”
“क्या तुम इसे फिर से सुनना चाहती हो? इसका कुछ हिस्सा? मैं तुम्हें चाहता हूँ, डोमिनिक। मैं तुम्हें चाहता हूँ। मैं तुम्हें चाहता हूँ।”
“मैं...” वह रुक गई, जिस शब्द पर वह रुकी वह उसकी सांस में लगभग सुनाई दे रहा था।
“नहीं,” उसने कहा। “अभी नहीं। तुम अभी ऐसा नहीं कहोगे। सो जाओ।”
"यहां आपके साथ?"
“लो। मेरे साथ। मैं सुबह तुम्हारे लिए नाश्ता बना दूँगी। क्या तुम्हें पता है कि मैं अपना नाश्ता खुद बनाती हूँ? तुम्हें यह देखकर अच्छा लगेगा। जैसे खदान में काम करना। फिर तुम घर जाकर मुझे बर्बाद करने के बारे में सोचोगी। शुभ रात्रि, डोमिनिक।”
आठवीं
उसके बैठक कक्ष की खिड़कियों पर पर्दे उठे हुए थे।
कमरे में, शहर की रोशनी कांच के शीशों पर आधे ऊपर तक काले क्षितिज की तरह उठ रही थी। डोमिनिक अपनी मेज पर बैठी एक लेख के आखिरी पन्नों को ठीक कर रही थी, तभी उसे दरवाजे की घंटी सुनाई दी। मेहमान बिना सूचना दिए उसे परेशान नहीं करते थे - और उसने गुस्से और जिज्ञासा से भरी नज़रों से ऊपर देखा, पेंसिल हवा में ही अटकी हुई थी। उसने हॉल में नौकरानी के कदमों की आहट सुनी, फिर नौकरानी अंदर आई और बोली: "महोदया, आपसे मिलने आए हैं," उसकी आवाज़ में हल्की सी नाराज़गी थी, जिससे पता चलता था कि सज्जन ने अपना नाम बताने से इनकार कर दिया था।
नारंगी बालों वाला आदमी?—डोमिनिक पूछना चाहती थी, लेकिन नहीं पूछ पाई; पेंसिल अचानक अकड़ गई और उसने कहा: "उसे अंदर बुलाओ।"
फिर दरवाजा खुला; हॉल की रोशनी में उसने एक लंबी गर्दन और झुके हुए कंधे देखे, जो किसी बोतल की आकृति जैसे लग रहे थे; एक मधुर, मखमली आवाज ने कहा, "शुभ संध्या, डोमिनिक," और उसने एल्सवर्थ टूही को पहचान लिया, जिसे उसने कभी अपने घर नहीं बुलाया था।
वह मुस्कुराई। उसने कहा: “शुभ संध्या, एल्सवर्थ। आपसे मिले हुए बहुत समय हो गया है।”
“आपको अब तक मेरी उम्मीद करनी चाहिए थी, है ना?” वह नौकरानी की ओर मुड़ा: “कॉइनट्रो दीजिए, अगर आपके पास है, और मुझे यकीन है कि आपके पास होगा।”
नौकरानी ने हैरानी भरी निगाहों से डोमिनिक की ओर देखा; डोमिनिक ने चुपचाप सिर हिलाया, और नौकरानी दरवाजा बंद करके बाहर चली गई।
“व्यस्त हो, है ना?” टूही ने बिखरे हुए डेस्क पर नज़र डालते हुए कहा। “बहुत बढ़िया, डोमिनिक। नतीजे भी मिलते हैं। आजकल तुम बहुत अच्छा लिख रही हो।”

उसने पॉसेल नीचे गिरा दी, और अपनी कुर्सी के पीछे एक हाथ रखकर, आधा मुड़कर उसकी ओर देखते हुए, शांति से बोली, "क्या चाहते हो, एल्सवर्थ?"
वह बैठा नहीं, बल्कि एक विशेषज्ञ की तरह धीमी गति से जिज्ञासापूर्वक उस स्थान का निरीक्षण करता रहा।
“बुरा नहीं है, डोमिनिक। जैसा मैं उम्मीद कर रही थी, वैसा ही है। थोड़ी ठंड है। वैसे, मुझे वह बर्फीली नीली कुर्सी वहाँ नहीं चाहिए थी।”
बहुत स्पष्ट। बहुत सटीक बैठता है। बिल्कुल वैसा ही जैसा लोग उम्मीद करेंगे।
वो जगह। मैं उसे गाजर जैसे लाल रंग में रंगवाना चाहूँगी। एक भद्दा, चटख, बेतुका लाल रंग। बिल्कुल मिस्टर हॉवर्ड रोर्क के बालों जैसा। ये तो बस यूँ ही कह दिया—महज़ एक मुहावरा है—इसमें कोई व्यक्तिगत बात नहीं है। बस एक गलत रंग का स्पर्श पूरे कमरे को बदल देगा। ऐसी चीज़ जो किसी जगह को भव्यता प्रदान करती है। आपके फूलों की सजावट अच्छी है। तस्वीरें भी—बुरी नहीं हैं।
"ठीक है, एल्सवर्थ, ठीक है, क्या बात है?"
“लेकिन क्या आपको नहीं पता कि मैं यहाँ पहले कभी नहीं आया? पता नहीं क्यों, आपने मुझसे कभी पूछा भी नहीं।” वह आराम से बैठ गया, एक टखने को घुटने पर टिकाकर, एक पतली टाँग दूसरी टाँग पर क्षैतिज रूप से फैलाकर, पैंट के कफ के नीचे से एक तंग, गहरे रंग का मोज़ा पूरी तरह से दिखाई दे रहा था, और मोज़े के ऊपर त्वचा का एक छोटा सा हिस्सा दिख रहा था, जो नीले-सफेद रंग का था और उस पर कुछ काले बाल थे। “लेकिन फिर, आप तो बहुत ही असामाजिक रहे हैं।”
प्रिय, भूतकाल। क्या तुमने कहा कि हम बहुत दिनों से नहीं मिले हैं? हाँ, बिल्कुल। तुम बहुत व्यस्त थे—
इतने अनोखे तरीके से। मुलाकातें, डिनर, गुप्त बैठकें और चाय पार्टियां। क्या आपने ऐसा नहीं किया है?
"मेरे पास है।"
“चाय पार्टियां—मुझे लगता था कि ये सबसे बढ़िया है। ये कमरा पार्टियों के लिए अच्छा है—बड़ा है—लोगों को ठूंसने के लिए काफी जगह है—खासकर अगर आपको इस बात की परवाह नहीं है कि आप किसे बुला रहे हैं—और आपको परवाह नहीं है। अभी तो बिल्कुल नहीं।”
आप उन्हें क्या परोसते हैं? एंकोवी पेस्ट और बारीक कटा हुआ अंडा, जिसे दिल के आकार में काटा गया हो?
"कैवियार और बारीक कटा प्याज तारों की तरह काटे गए।"
"बुजुर्ग महिलाओं के बारे में क्या?"
"क्रीम चीज़ और कटे हुए अखरोट - सर्पिलाकार आकार में।"
“काश मैं तुम्हें इस तरह की चीज़ों का ख्याल रखते देख पाता। यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि तुम बूढ़ी महिलाओं के प्रति इतने विचारशील हो गए हो। खासकर उन बेहद अमीर महिलाओं के प्रति जिनके दामाद रियल एस्टेट में हैं। हालांकि मुझे नहीं लगता कि यह उतना बुरा है जितना कि कमोडोर हिगबी के साथ 'नॉक मी फ्लैट' देखना, जिसके नकली दांत हैं और ब्रॉडवे और चैंबर्स के कोने पर एक अच्छा खाली प्लॉट है।”
नौकरानी टे लेकर अंदर आई। टूही ने एक गिलास उठाया और उसे धीरे से पकड़े हुए सांस ली, जबकि नौकरानी बाहर चली गई।
"क्या आप मुझे बताएंगे कि गुप्त सेवा विभाग ने - मैं यह नहीं पूछूँगा कि कौन - और मेरी गतिविधियों पर विस्तृत रिपोर्ट क्यों तैयार की?" डोमिनिक ने उदासीनता से कहा।
“आप पूछ सकते हैं कौन। हर कोई। क्या आपको नहीं लगता कि लोग अचानक से मशहूर होस्टेस मिस डोमिनिक फ्रेंकन के बारे में बात कर रहे हैं? मिस डोमिनिक फ्रैंकन एक तरह से दूसरी किकी होल्कोम्बे हैं, लेकिन उनसे कहीं बेहतर—ओह, कहीं ज़्यादा!—कहीं ज़्यादा सूक्ष्म, कहीं ज़्यादा सक्षम, और फिर, ज़रा सोचिए, कितनी ज़्यादा

खूबसूरत। अब समय आ गया है कि आप अपनी उस बेमिसाल खूबसूरती का कुछ इस्तेमाल करें जिसके लिए कोई भी औरत आपकी जान तक दे सकती है। बेशक, अगर हम रूप को उसके सही काम के संदर्भ में देखें तो यह अभी भी बेकार जा रही है, लेकिन कम से कम कुछ लोग इससे कुछ फायदा उठा रहे हैं। उदाहरण के लिए, आपके पिताजी। मुझे यकीन है कि वे आपके इस नए जीवन से बहुत खुश हैं। छोटी डोमिनिक लोगों से दोस्ताना व्यवहार कर रही है। छोटी डोमिनिक जो आखिरकार सामान्य हो गई है। बेशक, वे गलत हैं, लेकिन उन्हें खुश करना अच्छा लगता है। कुछ और लोग भी... जैसे मैं। हालाँकि आप मुझे खुश करने के लिए कभी कुछ नहीं करेंगे, लेकिन देखिए, यही तो मेरी खासियत है—कि मैं जो चीज़ मेरे लिए बिल्कुल भी नहीं थी, उससे भी निस्वार्थ भाव से आनंद प्राप्त करना।"
आप मेरे सवाल का जवाब नहीं दे रहे हैं।
“लेकिन मैं हूँ। आपने पूछा कि मुझे आपकी गतिविधियों में दिलचस्पी क्यों है—और मेरा जवाब है: क्योंकि उनसे मुझे खुशी मिलती है। वैसे भी, देखिए, अगर मैं अपने दुश्मनों की गतिविधियों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहा होता तो कोई हैरान हो सकता था—भले ही यह अदूरदर्शी सोच होती। लेकिन अपने ही पक्ष की कार्रवाइयों के बारे में जानकारी न रखना—सच में, आप जानते हैं, आपने सोचा भी नहीं होगा कि मैं इतना अकुशल सेनापति हो सकता हूँ, और आप मेरे बारे में चाहे जो भी सोचें, आपने मुझे कभी अकुशल नहीं समझा।”
“तुम्हारा पक्ष, एल्सवर्थ?”
"देखो, डोमिनिक, यही तो तुम्हारी लिखित और मौखिक दोनों तरह की भाषा में समस्या है।"
शैली: आप बहुत ज्यादा प्रश्न चिह्नों का प्रयोग करते हैं। वैसे भी, यह गलत है। जब इसकी आवश्यकता न हो तो यह विशेष रूप से बुरा होता है। आइए क्विज़ तकनीक को छोड़ दें—
और बस बातें करते हैं। क्योंकि हम दोनों समझते हैं और हमारे बीच कोई सवाल पूछने की जरूरत नहीं है। अगर होते तो तुम मुझे बाहर निकाल देते। इसके बजाय, तुमने मुझे एक बहुत महंगी शराब दी।
उसने गिलास के किनारे को अपनी नाक के नीचे रखा और एक ढीले-ढाले कामुक आनंद के साथ सांस ली, जो खाने की मेज़ पर, एक साफ़-सुथरी छोटी मूंछ पर दबे हुए तराशे हुए क्रिस्टल के किनारे पर जोर से होंठ चटकाने के बराबर होता, जो कहीं अश्लील था, तो कहीं अत्यंत सुरुचिपूर्ण।
“ठीक है,” उसने कहा। “बोलिए।”
“मैं यही कर रहा हूँ। यह मेरी तरफ से अच्छा है—क्योंकि आप अभी बात करने के लिए तैयार नहीं हैं। अभी नहीं, कुछ समय के लिए। चलिए, पूरी तरह से चिंतनशील भाव से बात करते हैं—कि यह देखना कितना दिलचस्प है कि लोग आपको अपने बीच इतनी उत्सुकता से स्वागत करते हैं, स्वीकार करते हैं, आपके पास आते हैं। आपको क्या लगता है, ऐसा क्यों है? वे खुद तो बहुत उपेक्षा करते हैं, लेकिन अगर कोई ऐसा व्यक्ति जिसने जीवन भर उनकी उपेक्षा की हो, अचानक पिघल जाए और मिलनसार हो जाए—तो वे सब आपके पास आ जाते हैं, अपने पंजे मोड़कर, ताकि आप उनका पेट सहला सकें। क्यों? मुझे लगता है, इसके दो कारण हो सकते हैं। अच्छा कारण यह होगा कि वे उदार हैं और अपनी मित्रता से आपका सम्मान करना चाहते हैं। लेकिन अच्छे कारण कभी सच्चे नहीं होते। दूसरा कारण यह है कि वे जानते हैं कि आप उनकी जरूरत महसूस करके खुद को नीचा दिखा रहे हैं, आप एक शिखर से नीचे आ रहे हैं—हर अकेलापन एक शिखर होता है—और वे अपनी मित्रता के माध्यम से आपको नीचे खींचने में आनंदित होते हैं। हालाँकि, बेशक, उनमें से कोई भी नहीं जानता इसे जानबूझकर किया जाता है, सिवाय आपके खुद के। इसीलिए इसे करते समय आपको

पीड़ा सहनी पड़ती है, और आप इसे कभी किसी नेक उद्देश्य के लिए नहीं करेंगे, आप इसे केवल अपने चुने हुए लक्ष्य के लिए ही करेंगे, एक ऐसा लक्ष्य जो साधनों से भी अधिक घृणित है और साधनों को सहनीय बनाता है।
"एल्सवर्थ, तुम्हें पता है, तुमने यहाँ एक ऐसा वाक्य कह दिया है जिसे तुम अपने कॉलम में कभी इस्तेमाल नहीं करोगे।"
“क्या मैंने ऐसा किया? निःसंदेह। मैं आपसे बहुत सी ऐसी बातें कह सकता हूँ जिनका इस्तेमाल मैं अपने कॉलम में कभी नहीं करूँगा। कौन सी बात?”
"हर अकेलापन एक शिखर है।"
“वो? जी हाँ, बिल्कुल सही। मैं नहीं देता। आप इसे रख सकते हैं—हालाँकि ये बहुत अच्छा नहीं है। काफ़ी भद्दा है। अगर आप चाहें तो मैं आपको किसी दिन इससे बेहतर भी दे सकता हूँ। लेकिन मुझे खेद है कि मेरी छोटी सी बात में से आपने बस इतना ही समझा।”
आप मुझसे क्या चुनने को कह रहे थे?
उदाहरण के लिए, मेरी दो व्याख्याएँ। इसमें एक दिलचस्प सवाल उठता है। क्या अधिक दयालु है—लोगों में सर्वश्रेष्ठ देखना और उन पर उनकी सहनशीलता से परे बड़प्पन का बोझ डालना—या उन्हें वैसे ही देखना जैसे वे हैं, और इसे स्वीकार करना क्योंकि इससे उन्हें आराम मिलता है?
बेशक, न्याय से ज्यादा दयालुता महत्वपूर्ण है।
मुझे कोई परवाह नहीं, एल्सवर्थ।
“अमूर्त अटकलों में पड़ने का मन नहीं है? केवल ठोस परिणाम चाहिए? ठीक है। आपने अब तक कितने प्रोजेक्ट हासिल किए हैं?”
पिछले तीन महीनों में पीटर कीटिंग के लिए क्या स्थिति रही है?
वह उठी, नौकरानी द्वारा छोड़ी गई ट्रे के पास गई, अपने लिए एक ड्रिंक डाली और गिलास मुँह से लगाते हुए बोली: "चार।" फिर वह गिलास हाथ में लिए खड़े उस व्यक्ति की ओर मुड़ी और बोली: "और यही तो टूही की मशहूर तकनीक थी। अपने पंच को कभी भी कॉलम के शुरू या अंत में मत रखो। इसे चुपके से वहाँ डालो जहाँ इसकी सबसे कम उम्मीद हो। पूरे कॉलम को बेतुकी बातों से भर दो, बस उस एक ज़रूरी लाइन को लिखने के लिए।"
उन्होंने विनम्रतापूर्वक सिर झुकाया। “बिल्कुल। इसीलिए मुझे आपसे बात करना अच्छा लगता है। उन लोगों के साथ चालाकी और क्रूरता से पेश आना सरासर बेकार है जिन्हें पता ही नहीं चलता कि आप चालाकी और क्रूरता से पेश आ रहे हैं। लेकिन ये बेतुकी बातें कभी अनजाने में नहीं होतीं, डोमिनिक। और हाँ, मुझे पता नहीं था कि मेरे कॉलम की तकनीक इतनी स्पष्ट हो रही है। मुझे कोई नई तकनीक सोचनी पड़ेगी।”
“परेशान मत होइए। उन्हें यह बहुत पसंद आएगा।”
“बिल्कुल। उन्हें मेरी लिखी हर चीज़ पसंद आएगी। तो चार हो गए? एक छूट गया।”
मैंने तीन गिने।
“मुझे समझ नहीं आता कि अगर आपको बस इतना ही जानना था तो आपको यहाँ आने की क्या ज़रूरत थी। आप पीटर कीटिंग को बहुत पसंद करते हैं, और मैं उनकी बहुत अच्छी तरह से मदद कर रहा हूँ, आपसे भी बेहतर, इसलिए अगर आप मुझे पीटी के बारे में हौसला बढ़ाने वाली बातें बताना चाहते थे तो इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी, है ना?”
“डोमिनिक, तुम एक ही वाक्य में दो बार गलत हो। एक अनजाने में हुई गलती और एक झूठ। अनजाने में हुई गलती यह है कि तुमने यह मान लिया कि मैं पीटी कीटिंग की मदद करना चाहता हूँ—और संयोगवश, मैं तुम्हारी तुलना में उसकी कहीं बेहतर मदद कर सकता हूँ, और मैंने की भी है और आगे भी करूँगा, लेकिन यह एक दूरगामी योजना है। झूठ यह है कि मैं यहाँ पीटर कीटिंग के बारे में बात करने आया हूँ।”

जब आपने मुझे अंदर आते देखा, तभी आपको पता चल गया था कि मैं यहां किस बारे में बात करने आया हूं।
और—हे भगवान!—आप मुझसे भी ज़्यादा अप्रिय व्यक्ति को सिर्फ़ उस विषय पर बात करने के लिए अपने कमरे में घुसने की इजाज़त दे देंगे। हालाँकि, इस समय मुझे नहीं पता कि मुझसे ज़्यादा अप्रिय व्यक्ति आपके लिए कौन हो सकता है।
“पीटर कीटिंग,” उसने कहा।
उसने मुंह बनाते हुए नाक सिकोड़ी और कहा, "अरे नहीं। वह इसके लिए काफी बड़ा नहीं है। लेकिन चलिए पीटर कीटिंग के बारे में बात करते हैं। यह कितना सुविधाजनक संयोग है कि वह आपके पिता का साथी है।"
एक आज्ञाकारी बेटी की तरह, तुम अपने पिता के लिए काम हासिल करने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रही हो, इससे ज्यादा स्वाभाविक कुछ नहीं। पिछले तीन महीनों में तुमने फ्रैंकन एंड कीटिंग फर्म के लिए कमाल का काम किया है।
कुछ बुजुर्ग महिलाओं को देखकर मुस्कुराने और शानदार मॉडलों को पहनने मात्र से ही
हमारी कुछ बेहतरीन मुलाकातों में से एक। सोचो, अगर तुम पूरी तरह से आगे बढ़कर अपने बेजोड़ शरीर को सौंदर्य संबंधी चिंतन के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए बेच दो—पीटर कीटिंग के लिए कमीशन के बदले—तो तुम क्या हासिल करोगी।” वह रुका, उसने कुछ नहीं कहा, और उसने आगे कहा: “मेरी बधाई हो, डोमिनिक, तुमने मेरे तुम्हारे बारे में सबसे अच्छे विचार को सही साबित किया है—
इस पर आश्चर्यचकित न होकर।"
"एल्सवर्थ, इसका मकसद क्या था? चौंकाना या संकेत देना?"
“ओह, यह कई चीजें हो सकती थीं—उदाहरण के लिए, एक प्रारंभिक संकेत। लेकिन, असल में, यह कुछ भी नहीं था। बस थोड़ी सी अश्लीलता। और टूही की तकनीक भी—आप जानते हैं, मैं हमेशा सही समय पर गलत स्पर्श की सलाह देता हूँ। मैं—मूल रूप से—इतना गंभीर और रूढ़िवादी हूं कि मुझे कभी-कभी नीरसता से रहित पाने के लिए खुद को एक और रंग की अनुमति देनी पड़ती है।”
“क्या आप एल्सवर्थ हैं? मुझे आश्चर्य है कि आप असल में क्या हैं। मुझे नहीं पता।”
“मुझे लगता है कि शायद ही कोई जानता हो,” उन्होंने प्रसन्नता से कहा। “हालांकि, सच में इसमें कोई रहस्य नहीं है। यह बहुत सरल है। जब आप किसी चीज़ को उसके मूल तत्वों में बदल देते हैं, तो वह सरल हो जाती है। आपको आश्चर्य होगा यदि आप यह जान लें कि कितने कम मूल तत्व हैं। शायद केवल दो। हम सभी को समझाने के लिए। असली मुश्किल तो उसे सुलझाना, उसे सरल बनाना है—”
इसीलिए लोग इसमें पड़ने की जहमत नहीं उठाते। मुझे नहीं लगता कि उन्हें इसके नतीजे भी पसंद आएंगे।
मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं जानती हूँ कि मैं क्या हूँ। कह दो, कह दो। मैं बस एक बेदतमीज़ औरत हूँ।
"खुद को धोखा मत दो, मेरी प्यारी। तुम कुतिया से भी बदतर हो।"
आप एक संत हैं। यही कारण है कि संत खतरनाक और अवांछनीय होते हैं।
"और आप?"
दरअसल, मैं जानता हूँ कि मैं क्या हूँ। यही बात मेरे बारे में बहुत कुछ बता सकती है। मैं आपको एक उपयोगी संकेत दे रही हूँ—अगर आप इसका इस्तेमाल करना चाहें।
बेशक, आप नहीं करेंगे। लेकिन हो सकता है—भविष्य में।
“मैं ऐसा क्यों करूं?” “तुम्हें मेरी ज़रूरत है, डोमिनिक। बेहतर होगा कि तुम मुझे थोड़ा समझ लो। देखो, मुझे समझे जाने से डर नहीं लगता।”
तुम्हारे द्वारा नहीं।
"मुझे तुम्हारी जरूरत है?"

"अरे, चलो भी, थोड़ा हिम्मत तो दिखाओ।"
वह उठकर बैठ गई और ठंडेपन से चुपचाप इंतज़ार करने लगी। वह मुस्कुराया, जाहिर तौर पर खुशी से, और उसने अपनी खुशी छिपाने की कोई कोशिश नहीं की।
“देखते हैं,” उसने लापरवाही से छत का अवलोकन करते हुए कहा।
“पीटर कौटिंग के लिए तुमने जो कमीशन हासिल किए। क्रायसन ऑफिस बिल्डिंग तो बस नाममात्र की थी—हॉवर्ड रोर्क को वो कभी मिल ही नहीं सकती थी। लिंडसे का घर बेहतर था—रोर्क पर ज़रूर विचार किया गया था, मुझे लगता है कि अगर तुम न होती तो उसे वो मिल जाता। स्टोनब्रुक क्लबहाउस भी—उसे वो मिल सकता था, जिसे तुमने बर्बाद कर दिया।” उसने उसकी तरफ देखा और धीरे से हँसा। “तकनीकों और दाँव-पेच पर कोई टिप्पणी नहीं, डोमिनिक?” उसकी मुस्कान उसकी आवाज़ की तरलता पर तैरती ठंडी चिकनाई जैसी थी। “तुम नॉरिस कैरी हाउस के मामले में चूक गई—वो उसे पिछले हफ्ते मिल गया, तुम्हें पता है। खैर, कोई भी सौ प्रतिशत सफल नहीं हो सकता। आखिर, एनराइट हाउस एक बड़ा प्रोजेक्ट है; इसकी बहुत चर्चा हो रही है, और काफी लोग मिस्टर हावर्ड रोर्क में दिलचस्पी दिखाने लगे हैं। लेकिन तुमने बहुत अच्छा काम किया है।”
बधाई हो। अब आपको नहीं लगता कि मैं आपके प्रति कुछ ज़्यादा ही नरमी बरत रहा हूँ? हर कलाकार को सराहना की ज़रूरत होती है—और आपकी तारीफ़ करने वाला कोई नहीं है, क्योंकि रोर्क और मेरे अलावा कोई नहीं जानता कि आप क्या कर रहे हैं, और वो भी आपका शुक्रिया अदा नहीं करेगा। वैसे, मुझे नहीं लगता कि रोर्क को भी पता है कि आप क्या कर रहे हैं, और इससे सारा मज़ा किरकिरा हो जाता है, है ना?
उसने थकी हुई आवाज में पूछा: "आपको कैसे पता चलता है कि मैं क्या कर रही हूँ?"
“मेरी प्यारी, क्या तुम यह भूली हो कि यह विचार सबसे पहले मैंने ही तुम्हें दिया था?”
“ओह, हाँ,” उसने अनमने ढंग से कहा। “हाँ।”
“और अब आपको पता चल गया होगा कि मैं यहाँ क्यों आया था। अब आपको समझ आ गया होगा कि जब मैंने अपनी बात रखी थी तो मेरा क्या मतलब था।”
“हां,” उसने कहा। “बिल्कुल।”
“यह एक समझौता है, मेरे प्रिय। एक गठबंधन। सहयोगी कभी एक-दूसरे पर भरोसा नहीं करते, लेकिन इससे उनकी प्रभावशीलता कम नहीं होती। हमारे उद्देश्य भले ही बिल्कुल विपरीत हों। वास्तव में, वे हैं ही। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। परिणाम एक ही होगा। एक साझा नेक उद्देश्य होना आवश्यक नहीं है। केवल एक साझा शत्रु होना आवश्यक है। और हमारा है।”
"हाँ।"
“इसीलिए तो आपको मेरी जरूरत है। मैंने एक बार आपकी मदद की थी।”
"हाँ।"
"मैं आपके मिस्टर रोर्क को किसी भी चाय पार्टी से कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता हूं जो आप कभी आयोजित करेंगे।"
“किसलिए?”
"कारणों के बारे में मत पूछो, मुझे तुम्हारे कारणों की परवाह नहीं है।"
"ठीक है।"
“तो क्या यह हमारे बीच की समझ है? क्या हम इस मामले में सहयोगी हैं?”
उसने उसकी ओर देखा, आगे की ओर झुकी, ध्यान से, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। फिर उसने कहा: "हम सहयोगी हैं।"
ठीक है, मेरी प्यारी। अब सुनो। अपने कॉलम में हर दूसरे दिन उसका ज़िक्र करना बंद करो। मुझे पता है, तुम हर बार उस पर तीखे हमले करती हो, लेकिन यह हद से ज़्यादा हो रहा है। तुम उसका नाम छपवा रही हो, और तुम ऐसा नहीं करना चाहती। इसके

अलावा: बेहतर होगा कि तुम मुझे अपनी पार्टियों में बुलाओ। कुछ चीज़ें हैं जो मैं कर सकती हूँ, जो तुम नहीं कर सकते। एक और सलाह: श्रीमान...
गिलबर्ट कोल्टन—आप जानते हैं ना, कैलिफोर्निया के कोल्टन परिवार की पॉटरी कंपनी—पूर्व में एक शाखा कारखाना खोलने की योजना बना रहे हैं। वे एक अच्छे आधुनिकतावादी वास्तुकार के बारे में सोच रहे हैं। दरअसल, वे श्री रोर्क के बारे में सोच रहे हैं। रोर्क को यह कारखाना मिलने मत देना। यह बहुत बड़ा काम है।
खूब प्रचार के साथ। जाओ और श्रीमती जी के लिए एक नया चाय सैंडविच बनाओ। कोल्टन, जो चाहो करो। लेकिन रोर्क को यह मत लेने देना।
वह उठी, अपने पैरों को घसीटते हुए एक मेज तक गई, उसकी बाहें बेजान सी हिल रही थीं, और उसने एक सिगरेट निकाली। उसने उसे जलाया, उसकी ओर मुड़ी और उदासीनता से बोली: "जब तुम चाहो, तो बहुत संक्षेप में और सीधे मुद्दे की बात कर सकते हो।"
जब मुझे आवश्यक लगेगा।
वह खिड़की पर खड़ी होकर शहर को देख रही थी। उसने कहा:
“आपने रोर्क के खिलाफ कभी कुछ नहीं किया। मुझे नहीं पता था कि आपको इतनी परवाह है।”
“ओह, मेरी प्यारी। क्या मैंने ऐसा नहीं किया है?”
आपने कभी भी लिखित रूप में उनका जिक्र नहीं किया है।
“यही है, मेरी प्यारी, जो मैंने अब तक मिस्टर रोर्क के खिलाफ किया है।”
आपने उनके बारे में पहली बार कब सुना था?
“जब मैंने हेलर हाउस के चित्र देखे। आपको नहीं लगा होगा कि मैं उसे नज़रअंदाज़ कर दूंगा, है ना? और आप?”
"जब मैंने एनराइट हाउस के चित्र देखे।"
"इससे पहले नहीं?"
"इससे पहले नहीं।"
वह चुपचाप सिगरेट पीती रही; फिर उसने उसकी ओर मुड़े बिना कहा:
“एल्सवर्थ, अगर हममें से कोई भी आज रात यहाँ कही गई बातों को दोहराने की कोशिश करे, तो दूसरा उसे नकार देगा और यह कभी साबित नहीं हो पाएगा। तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम एक-दूसरे के प्रति ईमानदार हैं या नहीं, है ना? यह बिल्कुल सुरक्षित है। तुम उससे इतनी नफरत क्यों करते हो?”
मैंने कभी नहीं कहा कि मैं उससे नफरत करता हूँ।
उसने कंधे उचका दिए।
उन्होंने आगे कहा, "बाकी के बारे में, मुझे लगता है कि आप खुद ही जवाब दे सकते हैं।"
उसने धीरे से सिर हिलाकर शीशे पर अपनी सिगरेट के चमकते हुए छोटे से बिंदु के प्रतिबिंब की ओर इशारा किया।
वह उठा, उसके पास गया और नीचे शहर की रोशनी, इमारतों के कोणीय आकार, खिड़कियों की चमक से पारदर्शी हो चुकी अंधेरी दीवारों को देखने लगा, मानो दीवारें चमक के ठोस पिंड के ऊपर पतले काले जालीदार पर्दे की तरह हों। और एल्सवर्थ टूही ने धीरे से कहा:
इसे देखिए। यह एक उत्कृष्ट उपलब्धि है, है ना? एक वीरतापूर्ण उपलब्धि।
उन हज़ारों लोगों के बारे में सोचिए जिन्होंने इसे बनाने में मेहनत की और उन लाखों लोगों के बारे में सोचिए जिन्हें इससे फ़ायदा हुआ। और यह भी कहा जाता है कि सदियों से यहाँ-वहाँ कुछ दर्जन लोगों की हिम्मत के बिना, शायद कुछ दर्जन लोगों से भी कम लोगों के बिना, यह संभव नहीं हो पाता।
—इनमें से कुछ भी संभव नहीं होता। और यह सच भी हो सकता है। अगर ऐसा है, तो फिर से दो दृष्टिकोण सामने आते हैं। हम कह सकते हैं कि ये बारह महान परोपकारी थे,

कि हम सभी उनकी आत्मा के अपार धन से पोषित हैं, और हम कृतज्ञता और भाईचारे के साथ इसे सहर्ष स्वीकार करते हैं। या, हम कह सकते हैं कि उनकी उस उपलब्धि की भव्यता से, जिसकी हम न तो बराबरी कर सकते हैं और न ही उसे बनाए रख सकते हैं, इन बारह ने हमें दिखाया है कि हम क्या हैं, कि हम उनकी महानता के मुफ्त उपहारों को नहीं चाहते, कि गगनचुंबी इमारतों और नियॉन लाइटों से बेहतर है, अगर गुफा और लकड़ियों को रगड़कर जलाई गई आग ही हमारी रचनात्मक क्षमताओं की सीमा है।
डोमिनिक, इन दो दृष्टिकोणों में से आप किसे सही मायने में मानवतावादी कहेंगे?
क्योंकि, आप जानते हैं, मैं एक मानवतावादी हूँ।
कुछ समय बाद डोमिनिक को लोगों के साथ घुलना-मिलना आसान लगने लगा। उसने आत्म-यातना को सहनशक्ति की परीक्षा के रूप में स्वीकार करना सीख लिया, यह जानने की जिज्ञासा से प्रेरित होकर कि वह कितना सहन कर सकती है। वह औपचारिक समारोहों, थिएटर पार्टियों, रात्रिभोजों, नृत्य कार्यक्रमों में भाग लेती रही—वह सौम्य और मुस्कुराती हुई थी, उसकी मुस्कान उसके चेहरे को और भी चमकदार और शीतल बना देती थी, जैसे सर्दियों के दिन सूरज। वह खोखले शब्दों को बेजान भाव से सुनती रही।
ऐसा लग रहा था मानो वक्ता अपने श्रोता की ओर से थोड़ी सी भी उत्सुकता देखकर अपमानित महसूस करेगा, मानो चिकनी-चुपड़ी बोरियत ही लोगों के बीच एकमात्र बंधन हो, उनकी नाजुक गरिमा को बचाने का एकमात्र उपाय हो। वह हर बात पर सहमति जताती और सब कुछ स्वीकार कर लेती।
"जी हां, श्रीमान होल्ट, मुझे लगता है कि पीटर कीटिंग इस सदी के महान व्यक्ति हैं - हमारी सदी के।"
“नहीं, श्रीमान इनस्किप, हॉवर्ड रोर्क नहीं, आपको हॉवर्ड रोर्क नहीं चाहिए।”
... एक पाखंडी? बिल्कुल, वह पाखंडी है—किसी व्यक्ति की ईमानदारी का मूल्यांकन करने के लिए आपकी संवेदनशील ईमानदारी की आवश्यकता होती है... कुछ खास नहीं? नहीं, श्रीमान इनस्किप, बिल्कुल, हावर्ड रोर्क कुछ खास नहीं है। यह सब आकार और दूरी का मामला है—और दूरी का... नहीं, मैं ज्यादा शराब नहीं पीता, श्रीमान इनस्किप—
मुझे खुशी है कि आपको मेरी आंखें पसंद आईं—हां, जब मैं खुश होती हूं तो वे हमेशा ऐसी ही दिखती हैं—और यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई कि आपने कहा कि हावर्ड रोर्क कोई खास नहीं है।"
“क्या आप मिस्टर रोर्क से मिली हैं, मिसेज़ जोन्स? और आपको वो पसंद नहीं आए?...”
ओह, वह तो उस तरह का आदमी है जिसके लिए किसी के मन में कोई दया नहीं आती? कितना सच है! करुणा एक अद्भुत भावना है। यह वही भावना है जो कुचले हुए कीड़े को देखकर महसूस होती है। एक उत्थानकारी अनुभव। इंसान खुद को खुला छोड़ सकता है और फैल सकता है—जैसे कमरबंद उतारना। करुणा महसूस करते समय आपको अपने पेट, दिल या आत्मा को थामे रखने की ज़रूरत नहीं है। बस नीचे देखना है। यह बहुत आसान है। ऊपर देखने पर गर्दन में दर्द होता है। करुणा सबसे बड़ा सद्गुण है। यह दुख को जायज़ ठहराती है। दुनिया में दुख होना ही चाहिए, नहीं तो हम सद्गुणी कैसे हो सकते हैं और करुणा कैसे महसूस कर सकते हैं?
ओह, इसका एक विलोम भी है—लेकिन इतना कठिन और चुनौतीपूर्ण...
प्रशंसा, श्रीमती जोन्स, प्रशंसा। लेकिन इसके लिए सिर्फ़ कमरबंद से ज़्यादा कुछ चाहिए... इसलिए मैं कहता हूँ कि जिस किसी के लिए हम दया महसूस नहीं कर सकते, वह एक दुष्ट व्यक्ति है। जैसे हॉवर्ड रोर्क।
अक्सर देर रात को वह रोर्क के कमरे में आती थी। वह बिना बताए आती थी, उसे पूरा यकीन होता था कि वह वहाँ अकेला मिलेगा। उसके कमरे में, उसे बख्शने, झूठ बोलने, सहमत होने या खुद को मिटाने की कोई ज़रूरत नहीं थी। यहाँ वह विरोध करने के

लिए स्वतंत्र थी, अपने विरोध को एक ऐसे प्रतिद्वंद्वी द्वारा स्वीकार किए जाने को देखती थी जो किसी भी मुकाबले से डरने में असमर्थ था, इतना शक्तिशाली कि उसे इसकी आवश्यकता थी; उसे एक ऐसी इच्छाशक्ति मिली जो उसे अपने अस्तित्व की पहचान दिलाती थी, जो अछूती थी और जिसे केवल स्वच्छ युद्ध में ही छुआ जा सकता था, चाहे जीत हो या हार।
पराजित होना, लेकिन जीत या हार में संरक्षित रहना, न कि निरर्थक, निर्जीव चीज़ों के ढेर में बदल जाना।
जब वे एक साथ बिस्तर पर लेटे थे, तो यह—जैसा कि होना ही था, जैसा कि उस क्रिया की प्रकृति की मांग थी—हिंसा का एक कृत्य था। यह समर्पण था, जो उनके प्रतिरोध की शक्ति से और भी पूर्ण हो गया था। यह तनाव का एक कृत्य था, जैसे पृथ्वी पर महान चीजें तनाव से भरी होती हैं। यह बिजली की तरह तनावपूर्ण था, प्रतिरोध से पोषित बल, कसकर खींचे गए धातु के तारों से होकर गुजरता हुआ; यह बांध की हिंसा से शक्ति में परिवर्तित पानी की तरह तनावपूर्ण था। उसकी त्वचा का उसकी त्वचा से स्पर्श एक दुलार नहीं, बल्कि दर्द की एक लहर थी, यह अत्यधिक चाहत से, इच्छा और इनकार के बीते सभी घंटों की पूर्ति से दर्द बन गया था। यह दांत भींचने और घृणा का एक कृत्य था, यह असहनीय था, पीड़ा थी, जुनून का एक कृत्य था—वह शब्द जिसका अर्थ पीड़ा है—यह घृणा, तनाव और दर्द से बुनी क्षण था।
वह क्षण जिसने अपने ही तत्वों को तोड़ दिया, उन्हें उलट दिया, विजय प्राप्त की, समस्त पीड़ाओं के खंडन में, उनके विपरीत में, परमानंद में समा गया।
वह एक पार्टी से उसके कमरे में आई, उसने एक महंगी और नाजुक शाम की पोशाक पहनी हुई थी, मानो उसके शरीर पर बर्फ की परत जमी हो। वह दीवार से टिक गई, अपनी त्वचा के नीचे खुरदुरे प्लास्टर को महसूस करते हुए, अपने आस-पास की हर वस्तु पर धीरे-धीरे नज़र डाल रही थी - कागजों से लदी खुरदरी रसोई की मेज़ पर, स्टील के रूलर पर, पाँच उंगलियों के काले निशानों से सने तौलिये पर, फर्श के नंगे तख्तों पर - और उसने अपनी नज़र अपने चमकदार सैटिन की लंबाई पर, चांदी की चप्पल के छोटे त्रिकोण पर सरका दी, यह सोचते हुए कि वह यहाँ कैसे कपड़े उतारेगी। उसे कमरे में घूमना अच्छा लगता था, अपने दस्ताने पेंसिल, रबर के इरेज़र और चिथड़ों के ढेर में फेंक देना, अपना छोटा चांदी का थैला एक दागदार, फेंकी हुई कमीज़ पर रख देना, हीरे के कंगन का हुक खोलकर उसे एक अधूरी ड्राइंग के पास रखे सैंडविच के टुकड़े के साथ प्लेट पर गिरा देना।
“रोर्क,” वह उसकी कुर्सी के पीछे खड़ी होकर बोली, उसकी बांहें उसके कंधों पर थीं, उसका हाथ उसकी कमीज़ के नीचे था, उंगलियां फैली हुई थीं और उसकी छाती पर सपाट दबी हुई थीं, “मैंने आज श्रीमान साइमन्स से वादा करवा लिया है कि वे अपनी नौकरी पीटर कीटिंग को देंगे। पैंतीस मंजिलें, और वह जो चाहे उतनी कीमत, पैसे की कोई परवाह नहीं, बस कला, स्वतंत्र कला।” उसने उसकी हल्की हंसी सुनी, लेकिन वह उसकी ओर देखने के लिए नहीं मुड़ा, बस उसकी उंगलियां उसकी कलाई पर कस गईं और उसने उसका हाथ अपनी कमीज़ के नीचे और नीचे धकेल दिया।
उसने उसे उसकी त्वचा पर कसकर दबाया। फिर उसने उसका सिर पीछे खींचा और झुककर अपने होंठों से उसका मुंह ढक लिया।
वह अंदर आई और उसने देखा कि बैनर अखबार की एक प्रति उसकी मेज़ पर फैली हुई है, जो डोमिनिक फ्रैंकन के "आपका घर" शीर्षक वाले पृष्ठ पर खुली हुई है। उसके कॉलम में यह पंक्ति थी: "हावर्ड रोर्क वास्तुकला के मार्क्विस डी साडे हैं। उन्हें अपनी इमारतों से बेहद प्यार है—और उन्हें देखिए।" वह जानती थी कि उसे बैनर अखबार पसंद नहीं था, कि उसने इसे केवल उसके लिए वहाँ रखा था, कि वह उसे देखते हुए देख रहा था, उसके चेहरे पर उस आधी मुस्कान के साथ जिसे देखकर वह डर जाती थी। वह गुस्से में थी; वह चाहती थी कि वह उसकी लिखी हर बात पढ़े, फिर भी वह यह

सोचना पसंद करती कि उसे इतना दुख हुआ होगा कि वह उसे पढ़ने से बचता। बाद में, बिस्तर पर लेटे हुए, उसका मुंह उसके स्तन पर था, उसने उसके नारंगी उलझे बालों को पार करते हुए मेज पर रखे अखबार के उस पन्ने को देखा, और उसने उसे आनंद से कांपते हुए महसूस किया।
वह फर्श पर, उसके पैरों के पास बैठी थी, अपना सिर उसके घुटनों से सटाए, उसका हाथ पकड़े हुए, बारी-बारी से उसकी हर उंगली पर मुट्ठी कसती हुई, उसे कसकर बंद करती और धीरे-धीरे उसकी उंगली की लंबाई पर सरकाती हुई, जोड़ों पर मौजूद कठोर, छोटे धब्बों को महसूस करती हुई, और उसने धीरे से पूछा:
“रोर्क, तुम कोल्टन फैक्ट्री हासिल करना चाहते थे? तुम्हें इसकी बहुत सख्त जरूरत थी?” “हाँ, बहुत सख्त,” उसने बिना मुस्कुराए और बिना किसी दर्द के जवाब दिया।
फिर उसने उसका हाथ अपने होठों तक उठाया और काफी देर तक वहीं रखा।
वह अंधेरे में बिस्तर से उठी और नग्न अवस्था में उसके कमरे में चलकर मेज से सिगरेट उठाई। वह माचिस की तीली की रोशनी में झुकी, इस हरकत से उसका सपाट पेट हल्का सा गोल हो गया। उसने कहा:
"मेरे लिए एक सिगरेट जला दो," और उसने उसके होठों के बीच एक सिगरेट रख दी; फिर वह अंधेरे कमरे में सिगरेट पीते हुए इधर-उधर घूमने लगी, जबकि वह बिस्तर पर कोहनी के बल टिका हुआ उसे देखता रहा।
एक बार जब वह अंदर आई तो उसने उसे अपनी मेज पर काम करते हुए पाया। उसने कहा:
“मुझे इसे खत्म करना है। बैठ जाओ। रुको।” उसने दोबारा उसकी तरफ नहीं देखा।
वह कमरे के सबसे दूर कोने में एक कुर्सी पर दुबक कर चुपचाप इंतज़ार कर रही थी। वह एकाग्रता से खिंची उसकी भौहों की सीधी रेखाओं, उसके होंठों की बनावट, उसकी गर्दन की कसी हुई त्वचा के नीचे फड़कती नस और उसके हाथों के तीखे, शल्यचिकित्सकीय आत्मविश्वास को देख रही थी। वह किसी कलाकार जैसा नहीं लग रहा था, वह किसी पत्थर की खान में काम करने वाले मज़दूर, दीवार तोड़ने वाले किसी विध्वंसक और किसी साधु जैसा लग रहा था। फिर वह नहीं चाहती थी कि वह रुके या उसकी तरफ़ देखे, क्योंकि वह उस तपस्वी को देखना चाहती थी।
उसके व्यक्तित्व की पवित्रता, कामुकता का पूर्ण अभाव; उसे देखना—और उन बातों के बारे में सोचना जो उसे याद थीं।
कुछ रातें ऐसी भी होती थीं जब वह बिना किसी पूर्व सूचना के उसके अपार्टमेंट में आ जाता था, जैसे वह उसके अपार्टमेंट में आती थी। अगर उसके घर में मेहमान होते, तो वह कहता: "इन्हें बाहर निकाल दो।"
और वह आज्ञा मानते हुए बेडरूम में चली गई। उनके बीच एक मौन समझौता था, जो बिना बोले ही समझ लिया गया था, कि वे कभी एक साथ नहीं दिखेंगे।
उसका शयनकक्ष कांच और हल्के बर्फीले हरे रंग से सुसज्जित एक बेहद खूबसूरत जगह थी। उसे निर्माण स्थल पर बिताए दिन के दाग लगे कपड़ों में अंदर आना अच्छा लगता था। उसे बिस्तर की चादर हटाकर एक-दो घंटे चुपचाप बैठकर बातें करना अच्छा लगता था, बिना बिस्तर की ओर देखे, बिना उसकी लेखन, इमारतों या पीटर कीटिंग के लिए मिले नवीनतम काम का ज़िक्र किए। यहाँ, इस तरह, सहजता से रहने की सादगी, उन पलों से कहीं अधिक भावुक कर देती थी जो उन्हें रोक रहे थे।
कई शामें ऐसी होती थीं जब वे दोनों उसके लिविंग रूम में, शहर के ऊपर बनी विशाल खिड़की के पास बैठकर बातें करते थे। उसे उस खिड़की पर उसे देखना अच्छा लगता था। वह आधा उसकी ओर मुँह करके खड़ा रहता, सिगरेट पीता और नीचे शहर को देखता रहता। वह उससे थोड़ा दूर हटकर कमरे के बीचोंबीच फर्श पर बैठ जाती और उसे देखती रहती।

एक बार जब वह बिस्तर से उठा, तो उसने बत्ती जलाई और उसे वहाँ नग्न खड़ा देखा; उसने उसे देखा, फिर उसने शांत और हताश स्वर में, पूर्ण ईमानदारी की सादगी भरी निराशा के साथ कहा: "रोर्क, मैंने अपने पूरे जीवन में जो कुछ भी किया है, वह इसलिए किया है क्योंकि यह उसी तरह की दुनिया है जिसने तुम्हें पिछली गर्मियों में एक पत्थर की खदान में काम करने के लिए मजबूर किया।"
"मुझे पता है कि।"
वह पलंग के निचले हिस्से में बैठ गया। वह उसके पास सरक गई, अपना चेहरा उसकी जांघ से सटा लिया, सिमटकर बैठ गई, पैर तकिए पर रखे, बांह नीचे लटकी हुई थी, और हथेली धीरे-धीरे उसकी टांग पर, टखने से घुटने तक और फिर वापस ऊपर की ओर फेर रही थी। उसने कहा: "लेकिन, बेशक, अगर यह मेरे हाथ में होता, पिछली बसंत में, जब तुम कंगाल और बेरोजगार थे, तो मैं तुम्हें ठीक उसी तरह की नौकरी के लिए उस खास खदान में भेज देती।"
“मुझे भी यह पता है। लेकिन शायद आपको पता न होता। शायद आपने मुझे ए.जी.ए. के क्लबहाउस में वाशरूम अटेंडेंट के रूप में रखा होता।”
“हाँ। शायद। रोर्क, अपना हाथ मेरी पीठ पर रखो। बस वहीं रखे रहो। ऐसे ही।” वह शांत लेटी रही, उसका चेहरा उसके घुटनों में दबा हुआ था, उसकी बांह बिस्तर के किनारे लटकी हुई थी, हिल नहीं रही थी, मानो कुछ हुआ ही न हो।
उसके भीतर तो जीवन था, लेकिन उसके कंधे की हड्डियों के बीच की त्वचा उसके हाथ के नीचे दबी हुई थी।
जिन ड्राइंग रूम में वह जाती थीं, रेस्तरां में, ए.जी.ए. के कार्यालयों में, लोग बैनर अखबार की मिस डोमिनिक फ्रैंकन की हॉवर्ड रोर्क के प्रति नापसंदगी के बारे में बात करते थे, जो रोजर एनराइट की वास्तुकला की सनकी रचना थी। इसने उन्हें एक तरह की बदनामी दिलाई। ऐसा कहा जाता था:
“रोर्क? आप जानते हैं, वही आदमी जिसे डोमिनिक फ्रैंकन बिलकुल भी पसंद नहीं करती।” “फ्रैंकन को वास्तुकला की अच्छी समझ है, और अगर वो कहती है कि वो बेकार है, तो वो मेरी सोच से भी ज़्यादा बुरा होगा।” “हे भगवान, ये दोनों तो एक-दूसरे से नफ़रत करते होंगे! हालाँकि मुझे पता है कि ये दोनों कभी मिले भी नहीं हैं।” उसे ये सब सुनना अच्छा लगता था। उसे तब और भी खुशी होती थी जब एथेलस्टन बीसली ने ए.जी.ए. बुलेटिन में अपने कॉलम में मध्ययुगीन किलों की वास्तुकला पर चर्चा करते हुए लिखा था: “इन संरचनाओं की भयावह क्रूरता को समझने के लिए, हमें याद रखना होगा कि सामंती सरदारों के बीच युद्ध एक बर्बर मामला था—कुछ-कुछ मिस डोमिनिक फ्रैंकन और मिस्टर हॉवर्ड रोर्क के बीच की दुश्मनी जैसा।”
ऑस्टेन हेलर, जो उसका दोस्त था, ने उससे इस बारे में बात की। वह पहले से कहीं अधिक क्रोधित था; उसके चेहरे से उसके सामान्य व्यंग्यात्मक संयम का सारा आकर्षण गायब हो गया था।
"डोमिनिक, तुम आखिर कर क्या रही हो?" उसने गुस्से से कहा।
“सार्वजनिक रूप से छपी इस तरह की पत्रकारिता की गुंडागर्दी का यह सबसे बड़ा प्रदर्शन है जो मैंने आज तक देखा है। इस तरह के काम ऐल्सवर्थ टूही पर क्यों नहीं छोड़ देते?”
“ऐल्सवर्थ अच्छा है, है ना?” उसने कहा।
“कम से कम, उसने रोर्क के बारे में अपनी गंदी ज़बान बंद रखने की तमीज़ तो दिखाई है—हालाँकि, ज़ाहिर है, यह भी एक तरह की तमीज़ ही है। लेकिन तुम्हें क्या हो गया है? क्या तुम्हें एहसास है कि तुम किसके बारे में बात कर रहे हो? जब तुम दादा होल्कोम्बे के किसी भयानक गर्भपात की तारीफ़ करके या अपने पिता और उस खूबसूरत कसाई के कैलेंडर वाले लड़के की बुराई करके अपना मनोरंजन करते थे, तब तो ठीक था। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता था। लेकिन रोर्क जैसे किसी व्यक्ति के मूल्यांकन में उसी बौद्धिक

अंदाज़ को अपनाना... तुम्हें पता है, मैंने तो सच में सोचा था कि तुममें इमानदारी और समझदारी है—
अगर कभी उन्हें इस्तेमाल करने का मौका मिले तो। असल में, मुझे लगा कि तुम एक आवारा की तरह व्यवहार कर रही हो, सिर्फ उन बेवकूफों की घटियापन को उजागर करने के लिए जिनके कामों के बारे में तुम्हें लिखना पड़ता है। मुझे नहीं लगा था कि तुम सिर्फ एक गैर-जिम्मेदार औरत हो।
“तुम गलत थे,” उसने कहा।
एक सुबह रोजर एनराइट उनके कार्यालय में दाखिल हुए और बिना अभिवादन किए बोले: "अपनी टोपी ले आओ। तुम इसे मेरे साथ देखने आ रही हो।"
“सुप्रभात, रोजर,” उसने कहा। “क्या देखने के लिए?”
“एनराइट हाउस। जितना हिस्सा हमने तैयार किया है।”
“क्यों नहीं, रोजर,” वह मुस्कुराते हुए उठी, “मुझे एनराइट हाउस देखना बहुत अच्छा लगेगा।”
रास्ते में उसने पूछा: “क्या बात है, रोजर? क्या तुम मुझे रिश्वत देने की कोशिश कर रहे हो?”
वह अपनी लिमोसिन के विशाल, भूरे रंग के कुशनों पर अकड़े हुए बैठा था, उसकी ओर देखे बिना। उसने उत्तर दिया: "मैं मूर्खतापूर्ण द्वेष को समझ सकता हूँ। मैं अज्ञानतापूर्ण द्वेष को समझ सकता हूँ। मैं जानबूझकर की गई नीचता को नहीं समझ सकता।"
आप चाहें तो बाद में जो चाहें लिख सकते हैं। लेकिन वह मूर्खता या अज्ञानता नहीं होगी।
"तुम मुझे जरूरत से ज्यादा आंकते हो, रोजर," उसने कंधे उचकाते हुए कहा और बाकी की यात्रा के दौरान कुछ नहीं बोली।
वे लकड़ी की बाड़ के पास से होते हुए नंगे स्टील और तख्तों के उस जंगल में चले गए, जो भविष्य में एनराइट हाउस बनने वाला था। उनकी ऊँची एड़ी के जूते चूने से सने तख्तों पर हल्के कदमों से पड़ रहे थे और वे पीछे की ओर झुककर, बेपरवाह, उद्दंड अंदाज़ में चल रही थीं। वे रुकीं और स्टील के फ्रेम में समाए आकाश को देखा, वह आकाश जो हमेशा से कहीं अधिक दूर प्रतीत हो रहा था, बीमों की विशाल लंबाई से पीछे धकेला हुआ। उन्होंने भविष्य की योजनाओं के स्टील के पिंजरों को देखा, उद्दंड कोणों को देखा, इस आकृति की अविश्वसनीय जटिलता को देखा जो एक सरल, तार्किक संपूर्णता के रूप में जीवंत हो रही थी, एक नंगा कंकाल जिसकी दीवारें हवा के तलों से बनी थीं, एक ठंडे सर्दियों के दिन में एक नंगा कंकाल, जन्म और वादे की भावना के साथ, जैसे हरे रंग का पहला स्पर्श लिए एक नंगा पेड़।
“ओह, रॉजर!”
उसने उसकी ओर देखा और उसे वैसा ही चेहरा दिखाई दिया जैसा ईस्टर के अवसर पर चर्च में देखने को मिलता है।
उन्होंने रूखेपन से कहा, "मैंने दोनों में से किसी को भी कम नहीं आंका। न तुम्हें, न ही इमारत को।"
उनके बगल से एक धीमी, कठोर आवाज आई, "सुप्रभात।"
रोर्क को देखकर उसे कोई हैरानी नहीं हुई। उसने उसके आने की आहट नहीं सुनी थी, लेकिन उसके बिना इस इमारत की कल्पना करना अस्वाभाविक होता। उसे लगा कि वह बस वहीं था, जैसे ही उसने बाहरी बाड़ पार की थी, वह वहीं मौजूद था।
उसका ढांचा, उसके शरीर से कहीं अधिक व्यक्तिगत था। वह उनके सामने खड़ा था, उसके हाथ ढीले कोट की जेबों में थे, ठंड के कारण उसके बाल बिना टोपी के थे।
“मिस फ्रैंकन—मिस्टर रोर्क,” एनराइट ने कहा।
“हम एक बार मिले थे,” उसने कहा, “होल्कोम्ब्स के घर पर। अगर मिस्टर रोर्क को याद हो तो।”
“बिल्कुल, मिस फ्रैंकन,” रोर्क ने कहा।

“मैं चाहता था कि मिस फ्रैंकन इसे देखें,” एनराइट ने कहा।
“क्या मैं आपको आसपास घुमा दूं?” रोर्क ने उससे पूछा।
“जी हां, कृपया कीजिए,” उसने सबसे पहले उत्तर दिया।
वे तीनों साथ-साथ इमारत के अंदर चले और मजदूर उत्सुकता से डोमिनिक को देखते रहे। रोर्क ने भविष्य के कमरों का लेआउट, लिफ्टों की व्यवस्था, हीटिंग प्लांट, खिड़कियों की व्यवस्था—सब कुछ ऐसे समझाया जैसे वह किसी ठेकेदार के सहायक को समझा रहे हों। उसने सवाल पूछे और उन्होंने जवाब दिए। “कितने घन फुट जगह है, श्रीमान रोर्क?” “कितने टन स्टील?”
“इन पाइपों से सावधान रहें, मिस फ्रैंकन। इधर आइए।” एनराइट आगे बढ़ गया, उसकी नज़रें ज़मीन पर टिकी थीं, वह कहीं नहीं देख रहा था। लेकिन फिर उसने पूछा: “कैसा चल रहा है, हॉवर्ड?” और रोर्क ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया:
"निर्धारित समय से दो दिन पहले," और वे भाइयों की तरह काम के बारे में बातें करने लगे, एक पल के लिए उसे भूल गए, उनके चारों ओर मशीनों की खड़खड़ाहट उनकी आवाज़ को दबा रही थी।
इमारत के केंद्र में खड़ी होकर उसने सोचा कि अगर उसके पास उसका कुछ भी नहीं है, केवल उसका शरीर ही है, तो भी यह रहा, उसके सामने प्रस्तुत, उसका शेष भाग, जिसे देखा और छुआ जा सकता है, सबके लिए खुला; गर्डर, पाइप और अंतरिक्ष का विशाल विस्तार उसका था और दुनिया में किसी और का नहीं हो सकता था; उसका, उसके चेहरे की तरह, उसकी आत्मा की तरह; यह वह आकृति थी जिसे उसने बनाया था और उसके भीतर वह तत्व जिसने उसे इसे बनाने के लिए प्रेरित किया था, अंत और कारण एक साथ, इस्पात की हर रेखा में अभिव्यक्त प्रेरक शक्ति, एक पुरुष का स्व, इस क्षण के लिए उसका, उसे देखने और समझने की कृपा से उसका।
"क्या आप थकी हुई हैं, मिस फ्रैंकन?" रोर्क ने उनके चेहरे की ओर देखते हुए पूछा।
“नहीं,” उसने कहा, “नहीं, बिलकुल नहीं। मैं सोच रही थी—मिस्टर रोर्क, आप यहाँ किस तरह के प्लंबिंग उपकरण इस्तेमाल करने वाले हैं?”
कुछ दिनों बाद, अपने कमरे में, अपने लेखन टेबल के किनारे पर बैठी, उसने एक अखबार देखा, अपने कॉलम को और उन पंक्तियों को: “मैंने एनराइट निर्माण स्थल का दौरा किया है। मेरी इच्छा है कि भविष्य में किसी समय
हवाई हमले में बम से यह घर पूरी तरह नष्ट हो जाएगा। यह एक सार्थक अंत होगा। इसे बढ़ा और कालिख से सना हुआ देखने से कहीं बेहतर, जहाँ इसमें रहने वालों की पारिवारिक तस्वीरें, गंदे मोजे, कॉकटेल शेकर और अंगूर के छिलके बिखरे पड़े हैं। न्यूयॉर्क शहर में किसी को भी इस इमारत में रहने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।
रोर्क उसके बगल में आकर खड़ा हो गया, उसके करीब, अपने पैरों को उसके घुटनों से सटाकर, और मुस्कुराते हुए कागज की ओर देखने लगा।
उन्होंने कहा, "आपने रोजर को इससे पूरी तरह से हैरान कर दिया है।"
"क्या उसने इसे पढ़ा है?"
“आज सुबह मैं उनके दफ्तर में था जब उन्होंने इसे पढ़ा। पहले तो उन्होंने मुझे कुछ ऐसे अपशब्द कहे जो मैंने पहले कभी नहीं सुने थे। फिर उन्होंने कहा, एक पल रुकिए, और उन्होंने इसे दोबारा पढ़ा, ऊपर देखा, बहुत हैरान थे, लेकिन बिल्कुल भी गुस्से में नहीं थे, और उन्होंने कहा, अगर आप इसे एक तरह से पढ़ते हैं... लेकिन दूसरी तरफ...”
"क्या कहा आपने?"
“कुछ नहीं। डोमिनिक, मैं तुम्हारी बहुत आभारी हूँ, लेकिन तुम मेरी इतनी बढ़ा-चढ़ाकर तारीफ़ करना कब बंद करोगी? कोई और भी इसे देख सकता है। और तुम्हें यह अच्छा नहीं लगेगा।”
"किसी और को?"

“आपको पता था कि मुझे यह समझ आ गया है, आपके एनराइट हाउस के बारे में लेख पहले लेख से ही। आप चाहते थे कि मुझे यह समझ आए। लेकिन क्या आपको नहीं लगता कि कोई और आपके काम करने के तरीके को समझ सकता है?”
“हाँ, बिल्कुल। लेकिन इसका असर—आपके लिए—उस स्थिति से भी बदतर होगा जब वे ऐसा नहीं करते।”
वे तुम्हें और भी कम पसंद करेंगे। हालांकि, मुझे नहीं पता कि कौन इस बात को समझने की जहमत उठाएगा। सिवाय इसके कि... रोर्क, तुम एल्सवर्थ टूही के बारे में क्या सोचते हो?
"हे भगवान, कोई एल्सवर्थ टूही के बारे में क्यों सोचेगा?"
जब कभी-कभार हैलर या एनराइट रोर्क को किसी समारोह में लाते और उससे मिलते, तो उसे वे दुर्लभ अवसर अच्छे लगते थे। उसे रोर्क द्वारा विनम्रतापूर्वक, औपचारिक रूप से उच्चारित "मिस फ्रैंकन" सुनना पसंद था। उसे मेज़बान की घबराहट और चिंता तथा उन्हें आपस में मिलने से रोकने के उसके प्रयास भी अच्छे लगते थे। वह जानती थी कि उनके आसपास के लोग किसी बड़े टकराव या शत्रुतापूर्ण प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे थे, जो कभी नहीं हुई। वह रोर्क से मिलने की कोशिश नहीं करती थी और न ही उससे बचती थी।
यदि वे एक ही समूह में शामिल होते, तो वे आपस में वैसे ही बात करते जैसे वे किसी और से करते। इसके लिए आवश्यक था
कोई प्रयास नहीं; यह वास्तविक और सही था; इसने सब कुछ सही कर दिया, यहाँ तक कि इस सभा को भी। उसे इस तथ्य में एक गहरी उपयुक्तता का अहसास हुआ कि यहाँ, लोगों के बीच, वे अजनबी हों; अजनबी और शत्रु।
उसने सोचा, ये लोग हमारे बीच के कई पहलुओं के बारे में सोच सकते हैं—सिवाय उस पहलू के जो हम असल में हैं। इससे उसे याद आने वाले पल और भी गहरे हो गए, वो पल जो दूसरों की नज़रों, उनके शब्दों, यहाँ तक कि उनके ज्ञान से भी अछूते थे। उसने सोचा, यहाँ उसका कोई अस्तित्व नहीं है, सिवाय मुझमें और उसमें। उसे ऐसे अधिकार का अहसास हुआ, जैसा उसे कहीं और नहीं होता था। वह उसे कभी भी उस तरह से अपना नहीं बना सकती थी, जैसे अजनबियों से भरे एक कमरे में, जब वह शायद ही कभी उसकी तरफ देखती थी।
अगर वह कमरे के उस पार बैठे उस व्यक्ति पर नज़र डालती और उसे भावहीन, उदासीन चेहरों के साथ बातचीत करते देखती, तो वह बेपरवाही से मुँह फेर लेती; अगर चेहरे शत्रुतापूर्ण होते, तो वह एक पल के लिए प्रसन्नतापूर्वक देखती; लेकिन जब वह किसी के चेहरे पर मुस्कान, स्नेह या स्वीकृति का भाव देखती, तो उसे गुस्सा आता। यह ईर्ष्या नहीं थी; उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता था कि चेहरा पुरुष का है या स्त्री का; वह स्वीकृति को गुस्ताखी समझती थी।
वह कुछ अजीब बातों से परेशान थी: जिस गली में वह रहता था, उसके घर की दहलीज, और उसके मोहल्ले के मोड़ पर मुड़ने वाली गाड़ियाँ। उसे खास तौर पर गाड़ियों से चिढ़ थी; वह चाहती थी कि काश वह उन्हें अगली गली में जाने के लिए मजबूर कर पाती।
उसने बगल वाले घर की सीढ़ियों के पास रखे कूड़ेदान को देखा और सोचने लगी कि क्या वह आज सुबह जब वह अपने दफ्तर जा रहा था, तब भी वहीं पड़ा था, क्या उसने उस पर पड़े सिगरेट के पैकेट को देखा था।
एक बार, उसके घर की लॉबी में, उसने एक आदमी को लिफ्ट से बाहर निकलते देखा; वह एक पल के लिए चौंक गई; उसे हमेशा ऐसा लगता था जैसे उस घर में वही अकेला रहता हो। जब वह छोटी, स्वचालित लिफ्ट में ऊपर जाती थी, तो वह दीवार से टेक लगाकर खड़ी हो जाती थी, अपनी बाहों को अपनी छाती पर रखकर, अपने हाथों को अपने कंधों पर रखकर, एकांत और अंतरंगता का अनुभव करती थी, जैसे गर्म पानी के शॉवर के नीचे किसी कोठरी में बैठी हो।

वह इस बारे में सोच रही थी, जब कोई सज्जन उसे ब्रॉडवे के नवीनतम शो के बारे में बता रहे थे, जब रोर्क कमरे के दूसरे छोर पर कॉकटेल की चुस्कियां ले रहा था, जब उसने मेज़बान को किसी से फुसफुसाते हुए सुना: "माई लॉर्ड, मुझे नहीं लगा था कि गॉर्डन डोमिनिक को लाएगा - मुझे पता है कि ऑस्टेन मुझसे बहुत नाराज़ होंगे, क्योंकि उनका दोस्त रोर्क यहां है।"
बाद में, उसके बिस्तर पर लेटी हुई, आँखें बंद किए, गाल लाल, होंठ गीले, खुद के बनाए नियमों का होश खो बैठी, अपने शब्दों का होश खो बैठी, फुसफुसाते हुए बोली: "रोर्क, आज बाहर एक आदमी तुमसे बात कर रहा था, और वो तुम पर मुस्कुरा रहा था, बेवकूफ, कितना बड़ा बेवकूफ, पिछले हफ्ते वो दो फिल्मी कॉमेडियन को देख रहा था और उन्हें पसंद कर रहा थी, मैं उस आदमी से कहना चाहती थी: उसे मत देखो, तुम्हें किसी और चीज़ को देखने का हक नहीं रहेगा, उसे पसंद मत करो, तुम्हें बाकी दुनिया से नफ़रत करनी पड़ेगी, बात ऐसी ही है, तुम धिक्कार है बेवकूफ, या तो एक या दूसरा, साथ में नहीं, एक ही नज़र से नहीं, उसे मत देखो, उसे पसंद मत करो, उसे स्वीकार मत करो, यही मैं उसे कहना चाहती थी, तुम्हें और बाकी सबको नहीं, मैं ये सब नहीं देख सकती, मैं बर्दाश्त नहीं कर सकती, कुछ भी हो जाए तुम्हें इससे दूर ले जाए, उनकी दुनिया से, उन सबसे, कुछ भी, रोर्क..." उसने खुद को ये कहते हुए नहीं सुना, उसने देखा नहीं उसे मुस्कुराते हुए देखकर, वह उसके चेहरे पर पूरी समझ को पहचान नहीं पाई, उसने केवल उसका चेहरा अपने चेहरे के करीब आते देखा, और उसके पास उससे छिपाने के लिए कुछ भी नहीं था, अनकहा रखने के लिए कुछ भी नहीं था, सब कुछ स्वीकार किया गया था, उत्तर दिया गया था, पाया गया था।
पीटर कीटिंग स्तब्ध थे। डोमिनिक का अपने करियर के प्रति अचानक समर्पण चकाचौंध करने वाला, प्रशंसात्मक और बेहद लाभदायक प्रतीत होता था; हर कोई उन्हें यही बताता था; लेकिन कुछ क्षण ऐसे भी थे जब उन्हें न तो चकाचौंध महसूस होती थी और न ही प्रशंसा; उन्हें बेचैनी महसूस होती थी।
उसने गाइ फ्रैंकन से बचने की कोशिश की। "पीटर, तुमने ये कैसे किया? तुमने ये कैसे किया?" फ्रैंकन पूछता। "वो तुम्हारे लिए पागल होगी!"
भला कौन सोच सकता था कि डोमिनिक जैसी शख्सियत ऐसा करेगी...? और कौन सोच सकता था कि वो ऐसा कर सकती है? अगर उसने पांच साल पहले ही अपना काम कर लिया होता, तो मैं करोड़पति बन गया होता। लेकिन फिर, ज़ाहिर है, एक पिता से वैसी प्रेरणा नहीं मिलती जैसी किसी..." उसने कीटिंग के चेहरे पर एक अशुभ भाव देखा और अपने वाक्य का अंत बदलते हुए कहा: "क्या हम उसे उसका आदमी कह सकते हैं?"
"सुनो, गाइ," कीटिंग ने शुरू किया, फिर रुक गया, आह भरी और बुदबुदाया: "प्लीज़, गाइ, हमें ऐसा नहीं करना चाहिए..."
"मुझे पता है, मुझे पता है, मुझे पता है। हमें जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। लेकिन पीटर, सच कहूँ तो, क्या यह सब सगाई जितना ही सार्वजनिक नहीं है? बल्कि उससे भी ज़्यादा। और शीरगुल भरा।" फिर मुस्कान गायब हो गई, और फ्रैंकन का चेहरा गंभीर, शांत, और उम्रदराज़ लग रहा था, मानो उनकी सच्ची गरिमा के दुर्लभ क्षणों में से एक।
"और मुझे खुशी है, पीटर," उन्होंने सादगी से कहा। "मैं यही चाहता था। मुझे लगता है कि मैं हमेशा से डोमिनिक से प्यार करता था। इससे मुझे
खुश हूं। मुझे पता है कि मैं उसे अच्छे हाथों में छोड़कर जा रहा हूं। आखिरकार, वह और बाकी सब कुछ...
"देखो, बूढ़े आदमी, क्या तुम मुझे माफ़ करोगे? मैं बहुत जल्दबाज़ी में हूँ—कल रात सिर्फ़ दो घंटे सोया, कोल्टन फ़ैक्ट्री, तुम्हें पता है, हे भगवान, क्या काम है!—डोमिनिक का शुक्रिया—यह बहुत मुश्किल है, लेकिन ज़रा रुको, जब तुम इसे देखोगे! और जब तुम बिल देखोगे, तब तो और भी ज़्यादा इंतज़ार करना!"

“क्या वो कमाल का नहीं है? क्या आप मुझे बताएंगे कि वो ऐसा क्यों कर रहा है? मैंने उससे पूछा है और मुझे उसकी बातें बिल्कुल समझ नहीं आतीं, वो एकदम बेतुकी बातें करती है, आप जानते ही हैं वो कैसे बात करती है।”
"खैर, हमें चिंता क्यों करनी चाहिए, जब तक वह ऐसा कर रही है!"
वह फ्रैंकन को यह नहीं बता सका कि उसके पास कोई जवाब नहीं है; वह यह स्वीकार नहीं कर सका कि उसने डोमिनिक को महीनों से अकेले में नहीं देखा था; कि उसने उससे मिलने से इनकार कर दिया था।
उसे उसके साथ हुई आखिरी निजी बातचीत याद थी—टूही की मीटिंग से लौटते समय टैक्सी में। उसे उसके द्वारा किए गए अपमानों की उदासीनता और शांति याद थी—बिना क्रोध के दिए गए अपमानों में घोर तिरस्कार। उसके बाद वह कुछ भी उम्मीद कर सकता था—सिवाय इसके कि वह उसकी समर्थक, उसकी प्रेस एजेंट, लगभग उसकी दलाल बन जाए।
उसने सोचा, यही तो गलत है कि जब मैं इसके बारे में सोचता हूँ तो मेरे दिमाग में ऐसे शब्द आ जाते हैं।
जब से उसने बिना अनुरोध के अपना अभियान शुरू किया था, तब से वह उसे अक्सर देखता था; उसे उसकी पार्टियों में आमंत्रित किया जाता था और उसके भावी ग्राहकों से मिलवाया जाता था; उसे कभी भी उसके साथ अकेले में एक पल भी बिताने की अनुमति नहीं दी गई थी।
उसने उसे धन्यवाद देने और उससे सवाल पूछने की कोशिश की थी। लेकिन वह उस बातचीत को जारी रखने के लिए उसे मजबूर नहीं कर सका, जिसे वह जारी नहीं रखना चाहती थी, क्योंकि मेहमानों की भीड़ चारों ओर जमा थी। इसलिए वह बेजान मुस्कान के साथ मुस्कुराता रहा—उसका हाथ लापरवाही से उसकी डिनर जैकेट की काली आस्तीन पर टिका था, उसकी जांघ उसके बगल में खड़ी थी, उसका हावभाव अधिकारपूर्ण और अंतरंग था, जिसे अनदेखा करने के उसके भाव ने और भी स्पष्ट कर दिया था, जबकि वह अपने प्रशंसकों के समूह को कास्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के बारे में अपने विचार बता रही थी। उसने अपने सभी दोस्तों से ईर्ष्यापूर्ण टिप्पणियाँ सुनीं। उसने कड़वाहट से सोचा, वह न्यूयॉर्क शहर का एकमात्र ऐसा आदमी था जो यह नहीं सोचता था कि डोमिनिक फ्रैंकन उससे प्यार करती है।
लेकिन वह उसकी सनक की खतरनाक अस्थिरता को जानता था, और यह सनक इतनी अनमोल थी कि इसमें दखल देना ठीक नहीं था। वह उससे दूर रहा और उसे फूल भेजे; वह अपने साथ चलता रहा और इसके बारे में न सोचने की कोशिश करता रहा; मन में एक हल्की सी बेचैनी बनी रही।
एक दिन, संयोग से उसकी मुलाकात एक रेस्तरां में हो गई। उसने उसे अकेले दोपहर का भोजन करते देखा और इस मौके का फायदा उठाया। वह सीधे उसकी मेज पर गया, यह जताते हुए कि वह एक पुराने दोस्त की तरह व्यवहार करेगा जिसे उसकी असाधारण उदारता के अलावा कुछ भी याद नहीं है। अपनी किस्मत पर कई तारीफें करने के बाद, उसने पूछा: "डोमिनिक, तुम मुझसे मिलने से क्यों इनकार कर रही हो?"
मुझे आपसे मिलने की क्या इच्छा होनी चाहिए थी?
“लेकिन हे भगवान! ...” ये शब्द अनजाने में, लंबे समय से दबी हुई क्रोध की तीखी आवाज के साथ निकल गए, और उन्होंने मुस्कुराते हुए जल्दी से इसे सुधारा: "अच्छा, क्या आपको नहीं लगता कि आपको मुझे धन्यवाद देने का मौका देना चाहिए था?"
आपने मुझे कई बार धन्यवाद दिया है।
“हाँ, लेकिन क्या आपको नहीं लगा कि हमें अकेले में ही मिलना होगा? क्या आपको नहीं लगा कि मैं थोड़ा... घबरा जाऊँगी?”
मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। हाँ, मुझे लगता है कि आप हो सकते हैं।
"कुंआ?"

"अच्छी तरह से क्या?"
"यह सब क्या है?"
"अब तक लगभग पचास हजार डॉलर हो चुके होंगे, मुझे लगता है।"
तुम बदतमीजी कर रहे हो।
"क्या मैं रुक जाऊं?"
“अरे नहीं! ऐसा नहीं है...”
“कमीशन की बात नहीं। ठीक है। मैं उन्हें नहीं रोकूंगा। देखा? हमारे बीच बात करने के लिए क्या था? मैं आपके लिए काम कर रहा हूं और आपको खुशी है कि मैं उन्हें कर रहा हूं—तो हम पूरी तरह सहमत हैं।”
“आप तो वाकई बहुत मजेदार बातें कहते हैं! मैं पूरी तरह सहमत हूँ। यह एक तरह से अतिशयोक्ति और साथ ही साथ एक हल्का बयान भी है, है ना?”
इन परिस्थितियों में हम और क्या हो सकते थे? आप मुझसे यह उम्मीद तो नहीं करेंगे कि मैं आपके कार्यों पर आपत्ति जताऊँ, है ना?
नहीं। मैं ऐसा नहीं करूंगा।
लेकिन मेरी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए 'सहमत होना' शब्द काफी नहीं है। मैं आपका इतना आभारी हूं कि मेरा सिर चकरा रहा है—मैं पूरी तरह से अभिभूत हो गया हूं—मुझे अभी ज्यादा बोलने मत दीजिए—मुझे पता है कि आपको यह पसंद नहीं आएगा—लेकिन मैं इतना आभारी हूँ कि मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या करूँ।
“ठीक है, पीटर। अब तुमने मुझे धन्यवाद दे दिया।”
“देखिए, मैंने कभी यह सोचकर खुद को बड़ा नहीं समझा कि आप मेरे काम को बहुत महत्व देते हैं, उसकी परवाह करते हैं या उस पर ध्यान देते हैं। और फिर आप...
“यही बात मुझे बहुत खुश करती है और... डोमिनिक,” उसने पूछा, और उसकी आवाज थोड़ी लड़खड़ा गई, क्योंकि सवाल एक लंबी और छिपी हुई रस्सी को खींचने वाले हुक की तरह था, और वह जानता था कि यही उसकी बेचैनी का मूल कारण था, "क्या आपको सच में लगता है कि मैं एक महान वास्तुकार हूं?"
वह धीरे से मुस्कुराई। उसने कहा, "पीटर, अगर लोग तुम्हें यह पूछते हुए सुन लें, तो वे हंसेंगे। खासकर, मुझसे यह पूछते हुए।"
"हां, मुझे पता है, लेकिन... लेकिन क्या आप सचमुच उन सभी बातों को सच मानते हैं जो आप मेरे बारे में कहते हैं?"
"वे करते हैं।"
“हां, लेकिन क्या इसीलिए आपने मुझे चुना? क्योंकि आपको लगता है कि मैं अच्छा हूं?”
“आपकी बिक्री तो धड़ल्ले से हो रही है। क्या यही इसका सबूत नहीं है?”
“हाँ... नहीं... मेरा मतलब... एक अलग तरीके से... मेरा मतलब... डोमिनिक, मैं तुमसे एक बार, बस एक बार, यह सुनना चाहूंगा कि मैं...”
सुनो, पीटर, मुझे अभी थोड़ी देर में जाना होगा, लेकिन जाने से पहले मैं तुम्हें बता दूं कि श्रीमती लोंसडेल से तुम्हें शायद कल या परसों खबर मिलेगी। याद रखना कि वह शराबबंदी की समर्थक हैं, कुत्तों से प्यार करती हैं, धूम्रपान करने वाली महिलाओं से नफरत करती हैं और पुनर्जन्म में विश्वास करती हैं। वह चाहती हैं कि उनका घर श्रीमती पर्डी के घर से बेहतर हो—पर्डी का घर होल्कोम्बे ने सजाया था—इसलिए अगर तुम उनसे कहोगे कि श्रीमती पर्डी का घर दिखावटी लगता है और सच्ची सादगी में बहुत पैसा लगता है, तो तुम्हारी अच्छी बातचीत हो जाएगी। तुम छोटी-छोटी बातों पर भी चर्चा कर सकते हो। यह उनका शौक है।
वह श्रीमती लोंसडेल के घर के बारे में खुशी से सोचते हुए चला गया और अपना सवाल भूल गया। बाद में, उसे वह सवाल याद आया, लेकिन मन ही मन नाराज़ हुआ, उसने कंधे उचकाए और खुद से कहा कि डोमिनिक की मदद का सबसे अच्छा हिस्सा यही था कि वह उससे मिलना नहीं चाहती थी।

इसके बदले में, उन्हें टूही को अमेरिकी बिल्डर्स पारिषद की बैठकों में भाग लेने में आनंद मिलता था। उन्हें नहीं पता था कि इसे वे मुआवजा क्यों मानते हैं, लेकिन वे ऐसा मानते थे और इससे उन्हें सुकून मिलता था।
उन्होंने ध्यानपूर्वक सुना जब गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट ने वास्तुकला के अर्थ पर भाषण दिया। और इस प्रकार हमारे शिल्प का आंतरिक महत्व इस दार्शनिक तथ्य में निहित है कि हम शून्यता से व्यवहार करते हैं। हम शून्यता का सृजन करते हैं जिसके माध्यम से कुछ भौतिक शरीर गति करते हैं—सुविधा के लिए हम उन्हें मनुष्य कहेंगे। शून्यता से मेरा तात्पर्य उस चीज़ से है जिसे सामान्यतः कमरे कहा जाता है। इसलिए केवल अज्ञानी आम आदमी ही सोचता है कि हम पत्थर की दीवारें खड़ी करते हैं। हम ऐसा कुछ नहीं करते। जैसा कि मैंने सिद्ध किया है, हम शून्यता का सृजन करते हैं। यह हमें एक निष्कर्ष की ओर ले जाता है...
खगोलीय महत्व: इस धारणा की बिना शर्त स्वीकृति कि 'अनुपस्थिति' 'उपस्थिति' से श्रेष्ठ है। अर्थात, अस्वीकृति की स्वीकृति। मैं इसे सरल शब्दों में कहूँगा—
स्पष्टता के लिए: 'कुछ नहीं' 'कुछ' से श्रेष्ठ है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि वास्तुकार केवल एक राजमिस्त्री से कहीं अधिक है—क्योंकि ईंटों का अस्तित्व तो वैसे भी गौण भ्रम है। वास्तुकार मूलभूत तत्वों का ज्ञाता है, जो वास्तविकता की आदिम अवधारणा को अवास्तविकता के रूप में स्वीकार करने का साहस रखता है—क्योंकि कुछ भी नहीं है और वह शून्यता का सृजन करता है। यदि यह विरोधाभास प्रतीत होता है, तो यह खराब तर्क का प्रमाण नहीं है, बल्कि एक उच्चतर तर्क का प्रमाण है, जो जीवन और कला के सर्वांगीण द्वंद्ववाद का प्रतीक है। यदि आप इस मूलभूत अवधारणा से आवश्यक निष्कर्ष निकालना चाहें, तो आप समाजशास्त्रीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण निष्कर्षों पर पहुँच सकते हैं। आप देख सकते हैं कि एक सुंदर स्त्री एक बदसूरत स्त्री से हीन है, साक्षर निरक्षर से हीन है, धनी गरीब से हीन है, और सक्षम अक्षम से हीन है। वास्तुकार एक ब्रह्मांडीय विरोधाभास का मूर्त उदाहरण है। आइए इस अनुभूति के अपार गौरव में विनम्र रहें।
बाकी सब बकवास है।
इसे सुनते समय व्यक्ति को अपने मूल्य या महानता की चिंता करने की आवश्यकता नहीं रह जाती थी। इससे आत्मसम्मान की कोई ज़रूरत ही नहीं रह जाती थी।
कीटिंग ने गहरी संतुष्टि के साथ सुना। उसने बाकी लोगों की ओर एक नज़र डाली। श्रोतागण सन्नाटे में डूबे हुए थे; वे सभी इसे वैसे ही पसंद कर रहे थे जैसे वह कर रहा था। उसने एक लड़के को च्युइंग गम चबाते हुए, एक आदमी को माचिस की डिब्बी के कोने से अपने नाखून साफ करते हुए और एक युवक को अभद्र ढंग से लेटे हुए देखा।
इससे भी कीटिंग प्रसन्न हुए; ऐसा लगा मानो वे कह रहे हों: हमें उदात्तता को सुनने में खुशी है, लेकिन उदात्तता के प्रति अत्यधिक श्रद्धावान होना आवश्यक नहीं है।
अमेरिकी बिल्डरों की परिषद महीने में एक बार मिलती थी और भाषण सुनने और घटिया किस्म की रूट बियर पीने के अलावा कोई ठोस गतिविधि नहीं करती थी। इसकी सदस्यता में न तो संख्या में और न ही गुणवत्ता में तेजी से वृद्धि हुई। कोई ठोस परिणाम प्राप्त नहीं हुए।
परिषद की बैठकें पश्चिम की ओर एक गैराज के ऊपर बने एक विशाल, खाली कमरे में होती थीं। एक लंबी, संकरी, हवादार न होने वाली सीढ़ी परिषद के नाम वाले दरवाजे तक जाती थी; अंदर तह करने वाली कुर्सियाँ, अध्यक्ष के लिए एक मेज और एक कूड़ेदान था। ए.जी.ए.
फ्रैंकन ने काउंसिल ऑफ अमेरिकन बिल्डर्स को एक मूर्खतापूर्ण मजाक समझा।
उन्होंने कीटिंग से पूछा, "तुम उन सनकी लोगों पर समय क्यों बर्बाद करना चाहते हो?"
ए.जी.ए. के गुलाबों से जगमगाते, रेशम से सजे कमरों में, कीटिंग ने नज़ाकत भरी हंसी के साथ अपनी नाक सिकोड़ी। "मुझे क्या पता," कीटिंग ने हंसमुख अंदाज़ में जवाब

दिया। "मुझे तो ये पसंद हैं।" एल्सवर्थ टूही पारिषद की हर बैठक में उपस्थित रहते थे, लेकिन बोलते नहीं थे। वे एक कोने में बैठकर सुनते थे।
एक रात, बैठक के बाद कीटिंग और टूही वेस्ट साइड की अंधेरी, जर्जर गलियों से होते हुए साथ-साथ घर जा रहे थे और एक घटिया सी दवा की दुकान पर कॉफी पीने के लिए रुके। "क्यों न दवा की दुकान पर ही चलें?" कीटिंग ने उन्हें उन प्रतिष्ठित रेस्तराओं की याद दिलाई जिन्हें टूही अक्सर जाया करते थे और जो उनकी वजह से मशहूर हुए थे। "कम से कम, यहाँ हमें कोई पहचानेगा नहीं और परेशान नहीं करेगा।"
उन्होंने अपनी मिस्र की सिगरेट से धुएं की एक तेज़ धार उनके बूथ के ऊपर लगे धुंधले कोका-कोला के साइनबोर्ड पर छोड़ी, एक सैंडविच मंगवाया, अचार का एक टुकड़ा बड़े चाव से खाया जो देखने में मक्खियों के धब्बे जैसा नहीं था, और कीटिंग से बातें करने लगे। वे बेतरतीब ढंग से बातें करते रहे। उन्होंने क्या कहा, यह पहले तो मायने नहीं रखता था; मायने तो उनकी आवाज़ रखती थी, एल्सवर्थ टूही की बेजोड़ आवाज़। कीटिंग को ऐसा लगा मानो वे तारों से भरे एक विशाल मैदान के बीचोंबीच खड़े हों, मानो किसी के हाथों में हों, किसी के अधिकार में, निश्चिंतता और सुरक्षा से भरे हुए।
“दयालुता, पीटर,” कोमल आवाज़ ने कहा, “दयालुता। यही पहली आज्ञा है, शायद इकलौती। इसीलिए मैंने कल अपने लेख में उस नए नाटक की आलोचना की थी। उस नाटक में दयालुता की कमी थी। पीटर, हमें अपने आस-पास के सभी लोगों के प्रति दयालु होना चाहिए। हमें स्वीकार करना और क्षमा करना चाहिए—हममें से प्रत्येक के भीतर क्षमा करने योग्य बहुत कुछ है। यदि तुम हर किसी से प्रेम करना सीख जाओगे, सबसे विनम्र से, सबसे छोटे से, सबसे नीच से भी, तो तुम्हारे भीतर का सबसे नीच भी प्रेम का पात्र बन जाएगा। तब हमें सार्वभौमिक समानता का बोध होगा, भाईचारे की महान शांति मिलेगी, एक नई दुनिया, पीटर, एक सुंदर नई दुनिया...”
नौवीं
एल्सवर्थ मोनक्टन टूही सात साल का था।
जब उसने जॉनी स्टोक्स पर पानी की बौछार कर दी, तब जॉनी अपने सबसे अच्छे संडे सूट में टूही के लॉन से गुजर रहा था। जॉनी ने उस सूट के लिए डेढ़ साल इंतजार किया थी, क्योंकि उसकी माँ बहुत गरीब थी।
एल्सवर्थ ने छिपकर या चुपके से नहीं, बल्कि खुलेआम, सुनियोजित ढंग से अपना काम अंजाम दिया; वह नल के पास गया, उसे चालू किया, लॉन के बीचोंबीच खड़ा हुआ और नली को जॉनी की ओर कर दिया, उसका निशाना अचूक था—जॉनी की माँ उसके ठीक पीछे गली में कुछ कदम दूर थी, और उसके अपने माता-पिता और अतिथि पादरी टूही के बरामदे पर सबके सामने थे। जॉनी स्टोक्स एक होशियार बच्चा था जिसके गालों पर डिंपल थे और सुनहरे घुंघराले बाल थे; लोग हमेशा जॉनी स्टोक्स को मुड़कर देखते थे। लेकिन एल्सवर्थ टूही को देखकर आज तक किसी ने मुड़कर नहीं देखा था।
वहाँ मौजूद बड़ों का सदमा और हैरानी इतनी गहरी थी कि काफी देर तक किसी ने भी एल्सवर्थ को रोकने की कोशिश नहीं की। वह खड़ा रहा, अपने पतले से शरीर को हाथों में फड़फड़ाते नोज़ल की ज़ोरदार हरकत से बचाते हुए, जब तक उसे तसल्ली नहीं हो गई, तब तक उसने नोजल को अपने लक्ष्य से हटने नहीं दिया; फिर उसने नोजल को छोड़ दिया, पानी घास पर फुफकारता हुआ निकला, और वह बरामदे की ओर दो कदम बढ़ा और रुक गया, सिर ऊंचा करके इंतज़ार करने लगा, मानो सज़ा के लिए तैयार हो। अगर श्रीमती स्टोक्स ने अपने बेटे को पकड़कर न रखा होता, तो जॉनी ही उसे सज़ा देता। एल्सवर्थ ने पीछे खड़े स्टोक्स की ओर मुड़कर नहीं देखा, बल्कि धीरे-धीरे, स्पष्ट स्वर में, अपनी माँ और पादरी की ओर देखते हुए कहा: “जॉनी एक गंदा बदमाश है। वह स्कूल के सभी लड़कों को पीटता है।” यह सच था।
सज़ा का सवाल एक नैतिक समस्या बन गया। एल्सवर्थ को किसी भी परिस्थिति में सज़ा देना मुश्किल था, क्योंकि उसका शरीर कमज़ोर और स्वास्थ्य नाज़ुक था; इसके

अलावा, उस लड़के को दौड़ते करना गलत लग रहा था जिसने अन्याय का बदला लेने के लिए खुद को कुर्बान कर दिया था, और यह काम उसने खुलेआम, अपनी शारीरिक कमज़ोरी की परवाह किए बिना बहादुरी से किया था; किसी तरह, वह एक शहीद जैसा लग रहा था। एल्सवर्थ ने ऐसा नहीं कहा; उसने आगे कुछ नहीं कहा; लेकिन उसकी माँ ने ऐसा कहा। पादरी भी उसकी बात से सहमत थे। एल्सवर्थ को बिना खाना खाए उसके कमरे में भेज दिया गया। उसने कोई शिकायत नहीं की। वह वहाँ चुपचाप बैठा रहा—उसने उस खाने को ठुकरा दिया जो उसकी माँ ने देर रात, अपने पति की अवज्ञा करते हुए, चुपके से उसके लिए लाया था।
टूही ने जॉनी के सूट के लिए श्रीमती स्टोक्स को भुगतान करने पर ज़ोर दिया।
टूही ने उसे ऐसा करने दिया, मन ही मन नाराज़ होते हुए; उसे श्रीमती स्टोक्स पसंद नहीं थीं।
एल्सवर्थ के पिता एक राष्ट्रीय स्तर की जूता दुकानों की श्रृंखला की बोस्टन शाखा का प्रबंधन करते थे। उन्हें एक मामूली, आरामदायक वेतन मिलता था और बोस्टन के एक साधारण से उपनगर में उनका एक साधारण, आरामदायक घर था।
उनके जीवन का गुप्त दुख यह था कि वे अपना खुद का व्यवसाय नहीं चलाते थे। लेकिन वे एक शांत, कर्तव्यनिष्ठ और कल्पनाहीन व्यक्ति थे, और कम उम्र में हुई शादी ने उनकी सारी महत्वाकांक्षाओं को समाप्त कर दिया था।
एल्सवर्थ की माँ दुबली-पतली और बेचैन स्वभाव की महिला थीं, जिन्होंने नौ वर्षों में पाँच धर्म अपनाए और त्याग दिए। उनके चेहरे की बनावट कोमल थी, ऐसी कि जीवन के कुछ वर्षों तक, जब वे पूरी तरह जवान थीं, वे खूबसूरत दिखती थीं, न उससे पहले और न उसके बाद। एल्सवर्थ उनकी आदर्श थीं। उनकी बहन हेलेन, जो उनसे पाँच साल बड़ी थीं, एक नेक स्वभाव की, साधारण लड़की थीं, सुंदर तो नहीं थीं, लेकिन प्यारी और स्वस्थ थीं; उनसे कोई समस्या नहीं थी। लेकिन एल्सवर्थ जन्म से ही कमज़ोर थे। डॉक्टर द्वारा उनके जीवित न रहने की घोषणा किए जाने के क्षण से ही उनकी माँ उन्हें प्यार करने लगीं; इससे उनका आध्यात्मिक विकास हुआ—यह जानकर कि इतने साधारण से बच्चे के प्रति उनका प्रेम कितना बड़ा है; एल्सवर्थ जितने नीले और बदसूरत दिखते थे, उनके लिए उनका प्यार उतना ही बढ़ता जाता था। जब वे अपंग हुए बिना बच गए, तो उन्हें लगभग निराशा हुई। हेलेन में उनकी कोई खास दिलचस्पी नहीं थी; हेलेन से प्रेम करने में कोई बलिदान नहीं था। हेलेन स्पष्ट रूप से प्रेम की कहीं अधिक योग्य थीं, इसलिए उन्हें प्रेम से वंचित रखना न्यायसंगत लगता था।
श्री टूही, कुछ अज्ञात कारणों से, अपने बेटे को ज़्यादा पसंद नहीं करते थे। हालाँकि, एल्सवर्थ दोनों माता-पिता की मौन, स्वैच्छिक अधीनता के कारण घर का मुखिया था, हालाँकि उसके पिता को कभी भी उस अधीनता में अपनी भूमिका का कारण समझ में नहीं आया।
शाम के समय, पारिवारिक बैठक कक्ष के दीपक के नीचे, श्रीमती...
टूही गुस्से और हार के भाव से भरे तनावपूर्ण और चुनौती भरे स्वर में बोलना शुरू करती, मानो पहले से ही क्रोधित और हारी हुआ महसूस कर रहा हो: “होरेस, मुझे एक साइकिल चाहिए। एल्सवर्थ के लिए एक साइकिल। उसकी उम्र के सभी लड़कों के पास साइकिल है, विली लवेट ने तो अभी कुछ दिन पहले ही नई साइकिल ली है, होरेस। होरेस, मुझे एल्सवर्थ के लिए साइकिल चाहिए।”
“अभी नहीं, मैरी,” श्री टूही थके हुए स्वर में उत्तर देते। “शायद अगली गर्मियों में... अभी तो हमारे पास पैसे नहीं हैं...”
श्रीमती टूही बहस करतीं, उनकी आवाज झटके से चीख में तब्दील हो जाती।
“माँ, किसलिए?” एल्सवर्थ ने कोमल, मधुर और स्पष्ट स्वर में कहा, जो उसके माता-पिता की आवाज़ों से धीमा था, फिर भी उन्हें भेदता हुआ, आदेशात्मक और अजीब तरह से प्रेरक था। “हमें साइकिल से ज़्यादा कई चीज़ों की ज़रूरत है। तुम्हें विली लवेट की क्या

परवाह है? मुझे विली पसंद नहीं है। विली एक बेवकूफ है। विली इसे खरीद सकता है, क्योंकि उसके पिता की अपनी कपड़े की दुकान है। उसके पिता दिखावा करते हैं। मुझे साइकिल नहीं चाहिए।"
यह सब सच था, और एल्सवर्थ को साइकिल नहीं चाहिए थी।
लेकिन श्री टूही ने उसे अजीब नज़रों से देखा, यह सोचते हुए कि उसने ऐसा क्यों कहा। उन्होंने देखी कि उनके बेटे की आँखें छोटे चश्मे के पीछे से उन्हें खालीपन से देख रही थीं; आँखें दिखावटी रूप से मीठी नहीं थीं, न ही निंदा भरी, न ही द्वेषपूर्ण; बस खाली थीं।
श्री टूही को लगा कि उन्हें अपने बेटे की समझदारी के लिए आभारी होना चाहिए—और वे दिल से चाहते थे कि लड़के ने निजी दुकान वाली बात का ज़िक्र न किया होता।
एल्सवर्थ को साइकिल नहीं मिली। लेकिन घर में उसे विनम्रतापूर्वक ध्यान दिया गया, एक सम्मानजनक स्नेह मिला—माँ की ओर से कोमल और दोषी भाव से भरा, जबकि पिता की ओर से बेचैन और संदेहपूर्ण भाव से भरा। श्री टूही एल्सवर्थ से बातचीत करने के लिए मजबूर होने के बजाय कुछ भी करने को तैयार थे—साथ ही साथ अपने डर के लिए खुद पर मूर्खता और क्रोध महसूस कर रहे थे।
"होरेस, मुझे एक नया सूट चाहिए। एल्सवर्थ के लिए एक नया सूट। मैंने आज एक दुकान की खिड़की में एक सूट देखा और मुझे..."
"माँ, मेरे पास चार सूट हैं। मुझे एक और की क्या ज़रूरत है? मैं पैट नूनन की तरह बेवकूफ नहीं दिखना चाहता जो हर दिन सूट बदलता रहता है।"
ऐसा इसलिए है क्योंकि उसके पापा की अपनी आइसक्रीम की दुकान है। पैट अपने कपड़ों को लेकर लड़कियों की तरह नखरे करता है। मैं लड़कियों जैसा नहीं बनना चाहता।
श्रीमती टूही कभी खुश तो कभी डरी हुई सोचती थीं कि एल्सवर्थ तो संत बनेगा; उसे भौतिक चीजों की बिल्कुल परवाह नहीं है; जरा भी नहीं। यह सच था। एल्सवर्थ को भौतिक चीजों की परवाह नहीं थी।
वह दुबला-पतला, पीला-सा लड़का था जिसका पेट खराब रहता था, और उसकी माँ को उसके खान-पान पर ध्यान देना पड़ता था, साथ ही साथ उसे बार-बार सर्दी-जुकाम होने की समस्या भी रहती थी।
उनके दुबले-पतले शरीर में उनकी सुरीली आवाज़ अद्भुत थी। वे गायन मंडली में गाते थे, जहाँ उनका कोई प्रतिद्वंदी नहीं था। विद्यालय में वे एक आदर्श विद्यार्थी थे।
वह हमेशा अपने पाठों को अच्छी तरह जानता था, उसकी कापियाँ हमेशा साफ़-सुथरी रहती थीं, उसके नाखून हमेशा साफ रहते थे, उसे सड़े स्कूल बहुत पसंद था और वह खेलों की बजाय पढ़ना पसंद करता था, जिनमें उसकी कोई जीत नहीं थी। वह पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं था।
गणित—जिसे वह नापसंद करते थे—लेकिन इतिहास, अंग्रेज़ी, नागरिक शास्त्र और सुलेख में उत्कृष्ट थे; बाद में, मनोविज्ञान और समाज़शास्त्र में भी।
वह लगन और मेहनत से पढ़ाई करता था। वह जॉनी स्टोक्स जैसा नहीं था, जो कक्षा में कभी ध्यान नहीं देता था, घर पर शायद ही कभी किताब खोलता था, फिर भी शिक्षक के समझाने से पहले ही लगभग सब कुछ जानता था।
जॉनी को सीखना सहजता से आता था, जैसे कि बाकी सब कुछ: उसकी छोटी-छोटी मुट्ठियाँ, उसका स्वस्थ शरीर, उसकी अद्भुत सुंदरता, उसकी भरपूर ऊर्जा। लेकिन जॉनी चौंकाने वाले और अप्रत्याशित काम करता था; एल्सवर्थ अपेक्षित काम करता था, और वह भी इतने अच्छे तरीके से कि किसी ने पहले कभी नहीं देखा था। जब रचनाओं की बारी आती, तो जॉनी विद्रोह के अपने शानदार प्रदर्शन से पूरी कक्षा को चकित कर देता था। विषय को देखते हुए...
"स्कूल के दिन—स्वर्ण युग" शीर्षक से जॉनी ने एक उत्कृष्ट निबंध प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें स्कूल से कितनी नफरत थी और क्यों। एल्सवर्थ ने स्कूल के

दिनों की महिमा पर एक गद्य कविता प्रस्तुत की, जिसे एक स्थानीय समाचार पत्र में पुनः प्रकाशित किया गया।
इसके अलावा, नामों और तारीखों के मामले में एल्सवर्थ जॉनी से कहीं बेहतर था; एल्सवर्थ की याददाश्त पिघले हुए सीमेंट की तरह थी: वह हर बात याद रख लेता था। जॉनी एक फूटते हुए फव्वारे की तरह था; एल्सवर्थ एक स्पंज की तरह।
बच्चे उसे "एल्सी टूही" कहकर पुकारते थे। वे आमतौर पर उसकी मनमानी करते थे और जब संभव होता, उससे बचते थे, लेकिन खुलकर नहीं; वे उसे समझ नहीं पाते थे। जब उन्हें पढ़ाई में मदद की ज़रूरत होती, तो वह मददगार और भरोसेमंद होता था; वह बहुत हाज़िरजवाब था और अपने दिए गए चुटीले उपनामों से किसी भी बच्चे को परेशान कर सकता था; वह बाड़ों पर ज़बरदस्त कार्टून बनाता था; उसमें एक डरपोक के सारे लक्षण थे, लेकिन फिर भी उसे डरपोक नहीं कहा जा सकता था; उसमें अत्यधिक आत्मविश्वास था और वह चुपचाप, लेकिन अजीब तरह से सबका तिरस्कार करता था। उसे किसी चीज़ से डर नहीं लगता था।
वह सड़क के बीचोंबीच खड़े सबसे ताकतवर लड़कों के पास जाकर चिल्लाए बिना, साफ आवाज में, बिना गुस्से के कुछ कहता था—एल्सवर्थ टूही को कभी किसी ने गुस्से में नहीं देखा था।
—"जॉनी स्टोक्स के नितंब पर एक पट्टी लगी है। जॉनी स्टोक्स किराए के फ्लैट में रहता है। विली लवेट एक मूर्ख है। पैट नूनन मछली खाने वाला है।"
जॉनी ने उसे कभी नहीं पीटा, और न ही दूसरे लड़कों ने, क्योंकि एल्सवर्थ चश्मा पहनता था।
वह गेंद के खेलों में भाग नहीं ले सकता था, और वह एकमात्र ऐसा बच्चा था जो इस बात पर गर्व करता था, बजाय इसके कि वह अन्य बच्चों की तरह निराश या शर्मिंदा महसूस करे।
अन्य लड़कों का शरीर भी कमज़ोर था। वह एथलेटिक्स को भद्दा मानता था और खुलकर ऐसा कहता भी था; उसका कहना था कि बुद्धि, बल से कहीं अधिक शक्तिशाली होती है; और वह सचमुच ऐसा मानता था।
उनके कोई करीबी दोस्त नहीं थे। उन्हें निष्पक्ष और ईमानदार माना जाता था। उनके बचपन में दो ऐसी घटनाएं घटी थीं जिन पर उनकी माँ को बहुत गर्व था।
ऐसा हुआ कि धनी और लोकप्रिय विली लवेट ने उसी दिन अपना जन्मदिन मनाया जिस दिन डिपी मुन का जन्मदिन था। डिपी मुन एक विधवा दर्जी का बेटा था, जो हमेशा नाक बहने से परेशान रहता था। डिपी का निमंत्रण किसी ने स्वीकार नहीं किया, सिवाय उन बच्चों के जिन्हें कभी कहीं आमंत्रित नहीं किया जाता था। दोनों अवसरों पर आमंत्रित किए गए लोगों में से, एल्सवर्थ टूही एकमात्र ऐसा व्यक्ति था जिसने विली लवेट को ठुकराकर डिपी मुन की पार्टी में भाग लिया। यह एक निराशाजनक आयोजन था जिससे उसे कोई खुशी नहीं मिली और न ही उसे इसकी कोई उम्मीद थी। इसके बाद विली लवेट के दुश्मनों ने कई महीनों तक डिपी मुन के पक्ष में विली को नजरअंदाज किए जाने पर तीने मारे और उसका मजाक उड़ाया।
एक बार पैट नूनन ने एल्सवर्थ को उसके परीक्षा पत्र पर चुपके से नज़र डालने के बदले में जेली बीन्स का एक थैला दिया। एल्सवर्थ ने जेली बीन्स ले लीं और पैट को अपनी परीक्षा की नकल करने दी। एक हफ्ते बाद, एल्सवर्थ शिक्षिका के पास गया, जेली बीन्स को बिना छुए उनकी मेज पर रख दिया और दूसरे दोषी का नाम लिए बिना अपना जुर्म कबूल कर लिया। शिक्षिका के सारे प्रयास विफल रहे और वह चुप रहा; एल्सवर्थ चुप ही रहा; उसने बस इतना बताया कि दोषी लड़का सबसे अच्छे छात्रों में से एक था, और वह अपने अंतरात्मा की आवाज़ के आगे उसे लड़के के रिकॉर्ड को दांव पर नहीं लगा सकता था। केवल उसे ही सज़ा मिली—उसे दो घंटे तक स्कूल के बाद रोक लिया गया। फिर शिक्षिका को मामला छोड़ना पड़ा और परीक्षा के अंक वैसे ही रहने दिए गए।

लेकिन इससे जॉनी स्टोक्स, पैट नूनन और कक्षा के सभी होशियार छात्रों के अंकों पर संदेह पैदा हो गया, सिवाय एल्सवर्थ टूही के।
एल्सवर्थ ग्यारह वर्ष के थे जब उनकी माँ का निधन हो गया। उनके पिता की अविवाहित बहन, आंटी एडेलिन, उनके साथ रहने आईं और टूही परिवार का कामकाज संभालने लगीं। आंटी एडेलिन एक लंबी, सक्षम महिला थीं, जिनके लिए "घोड़ा" शब्द "समझ" शब्दों के साथ जुड़ा हुआ था।
और "चेहरा"। उसके जीवन का गुप्त दुख यह था कि उसने कभी रोमांस को प्रेरित नहीं किया था। हेलेन उसकी तुरंत पसंदीदा बन गई। वह एल्सवर्थ को नरक से आया हुआ शैतान समझती थी। लेकिन एल्सवर्थ ने आंटी एडेलिन के प्रति अपने गंभीर शिष्टाचार में कभी कोई कमी नहीं आने दी। वह उछल पड़ा
जब उनके घर मेहमान आते थे, खासकर पुरुष मेहमान, तो वह उसका रूमाल उठाता, उसकी कुर्सी खिसकाता। वह उसे उचित दिन पर सुंदर वैलेंटाइन कार्ड भेजता था—कागज़ की लेस, गुलाब की कलियाँ और प्रेम कविताएँ। वह पूरे जोश से "स्वीट एडेलिन" गाता था। एक बार उसने उससे कहा, "तुम एक कीड़े हो, एल्सी। तुम घावों पर पलते हो।" उसने जवाब दिया, "तो मैं कभी भूखा नहीं मरूँगा।" कुछ समय बाद उनके बीच तटस्थता का भाव आ गया। एल्स्वर्थ को अपनी मर्ज़ी से बड़ा होने दिया गया।
हाई स्कूल में एल्सवर्थ एक स्थानीय हस्ती बन गया—वह एक स्टार वक्ता था। कई सालों तक स्कूल में एक होनहार लड़के को अच्छे वक्ता के रूप में नहीं, बल्कि "टूही" कहकर पुकारा जाता था। वह हर प्रतियोगिता जीतता था। बाद में, श्रोता "उस खूबसूरत लड़के" के बारे में बात करते थे; उन्हें धँसी हुई छाती, कमजोर टांगों और चश्मे वाले उस दुबले-पतले शरीर की याद नहीं रहती थी; उन्हें उसकी आवाज़ याद रहती थी। वह हर बहस जीतता था। वह कुछ भी साबित कर सकता था। एक बार, "कलम तलवार से अधिक शक्तिशाली है" के सकारात्मक कथन से विली लोवेट को हराने के बाद,
उसने विली को अपनी स्थिति पलटने की चुनौती दी, नकारात्मक पक्ष लिया और फिर से जीत हासिल की।
सोलह वर्ष की आयु तक एल्सवर्थ स्वयं को धर्मोपदेशक बनने के लिए प्रेरित महसूस करते रहे। वे धर्म के बारे में गहन चिंतन करते थे। वे ईश्वर और आत्मा के विषय में चर्चा करते थे। उन्होंने इस विषय पर व्यापक अध्ययन किया। उन्होंने धर्म के सार की तुलना में चर्च के इतिहास पर अधिक पुस्तकें पढ़ीं। अपने भाषणों में से एक सबसे प्रभावशाली प्रस्तुति में उन्होंने "विनम्र लोग पृथ्वी के उत्तराधिकारी होंगे" विषय पर बोलते हुए श्रोताओं को भावुक कर दिया।
इस दौरान उनके दोस्त बनने लगे। उन्हें धर्म के बारे में बात करना अच्छा लगता था और उन्हें सुनने वाले भी मिल गए। लेकिन उन्होंने पाया कि उनकी कक्षा के होशियार, बलवान और सक्षम लड़कों को उनकी बात सुनने की कोई ज़रूरत नहीं थी, उन्हें उनकी बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं थी। लेकिन दुखी और वंचित लोग उनके पास आते थे। डिपी मुने चुपचाप कुत्ते की तरह उनके पीछे-पीछे चलने लगा। बिली विल्सन ने अपनी माँ को खो दिया था और शाम को टूही के घर भटकता हुआ आता था, एल्सवर्थ के साथ बरामदे में बैठता था, सुनता था, कभी-कभी कांपता था, कुछ नहीं कहता था, उसकी आँखें चौड़ी, सूखी और विनती भरी होती थीं। स्किनी डिक्स को बचपन का लकवा हो गया था और वह बिस्तर पर लेटा रहता था, खिड़की के बाहर गली के कोने को देखता रहता था, एल्सवर्थ का इंतज़ार करता रहता था। रस्टी हेज़ल्टन परीक्षा में फेल हो गया और कई घंटों तक रोता रहता था, एल्सवर्थ का ठंडा, स्थिर हाथ उसके कंधे पर रहता था।
यह कभी स्पष्ट नहीं हो पाया कि उन सभी ने एल्सवर्थ को खोजा या एल्सवर्थ ने उन्हें। यह प्रकृति के नियम की तरह लगता था: जैसे प्रकृति में कोई खालीपन नहीं होता, वैसे ही

दद और एल्सवथ टूहो एक दूसरे को ओर आकाषेत हुए। उनको समृद्ध, सुंदर आवाज ने उनसे कहा:
कृष्ट सहना अच्छा है। शिकायत मत करो। सहन करो, झुक जाओ, स्वीकार करो—और ईश्वर का आभारी रहो कि उसने तुम्हें कृष्ट दिया। क्योंकि यही तुम्हें उन लोगों से बेहतर बनाता है जो हंसते-खेलते खुश रहते हैं। अगर तुम यह नहीं समझते, तो समझने की कोशिश मत करो। हर बुराई मन से आती है, क्योंकि मन बहुत सारे सवाल पूछता है। विश्वास करना धन्य है, समझना नहीं। इसलिए अगर तुम परीक्षा में पास नहीं हुए, तो खुश रहो। इसका मतलब है कि तुम उन होशियार लड़कों से बेहतर हो जो बहुत ज्यादा और आसानी से सोचते हैं।
लोगों का कहना था कि एल्सवर्थ के दोस्तों का उससे लगाव देखना दिल को छू लेने वाला था। कुछ समय तक उसके साथ रहने के बाद, वे उसके बिना रह ही नहीं पाते थे। यह एक नशे की लत की तरह था।
एल्सवर्थ पंद्रह वर्ष का था, जब उसने एक विचित्र प्रश्न पूछकर बाइबल कक्षा के शिक्षक को आश्चर्यचकित कर दिया। शिक्षक बाइबल पाठ की व्याख्या कर रहे थे:
“यदि कोई व्यक्ति सारा संसार प्राप्त कर ले और अपनी आत्मा खो दे, तो उसे क्या लाभ होगा?” एल्सवर्थ ने पूछा: “तो फिर, वास्तव में धनी होने के लिए, क्या मनुष्य को आत्माओं का संग्रह करना चाहिए?” शिक्षक उससे पूछने ही वाला था कि आखिर उसका मतलब क्या है, लेकिन उसने खुद को संभाला और पूछा कि उसका मतलब क्या है। एल्सवर्थ ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।
सोलह वर्ष की आयु में एल्सवर्थ ने धर्म में रुचि खो दी। उन्होंने समाजवाद को अपनाया। उसके इस बदलाव से आंटी एडेलिन को गहरा सदमा लगा। उन्होंने कहा, “पहली बात तो यह ईशनिंदा और बेतुकी बात है। दूसरी बात, इसका कोई मतलब नहीं बनता। मुझे तुम पर हैरानी है, एल्सी। ‘आत्मा से गरीब’—यह तो ठीक था, लेकिन सिर्फ ‘गरीब’—यह बिल्कुल भी सम्मानजनक नहीं लगता।”
इसके अलावा, यह तुम्हारे स्वभाव के अनुरूप नहीं है। तुम बड़ी मुसीबत खड़ी करने के लिए नहीं बने हो।
बस थोड़ी सी परेशानी है। कहीं कुछ गड़बड़ है, एल्सी। ये ठीक नहीं लग रहा। ये बिल्कुल भी तुम्हारे जैसा नहीं है।” “पहली बात तो ये है, मेरी प्यारी चाची,” उसने जवाब दिया, “मुझे एल्सी मत बुलाओ। दूसरी बात, आप गलत हैं।”
यह बदलाव एल्सवर्थ के लिए अच्छा साबित हुआ। वह उग्र कट्टरपंथी नहीं बना। वह पहले से ज़्यादा सौम्य, शांत और सौम्य हो गया। वह लोगों के प्रति अधिक ध्यान देने लगा। ऐसा लगा जैसे किसी चीज़ ने उसके व्यक्तित्व की घबराहट को दूर कर दिया हो और उसे नया आत्मविश्वास दिया हो। उसके आसपास के लोग उसे पसंद करने लगे। एडेलिन की चिंता कम हो गई। क्रांतिकारी सिद्धांतों में उनकी व्यस्तता से कुछ खास नतीजा नहीं निकला। उन्होंने किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं हुए। वे खूब पढ़ते थे और कुछ संदिग्ध सभाओं में भी जाते थे, जहाँ वे एक-दो बार बोलते थे, हालाँकि बहुत अच्छे से नहीं, लेकिन ज्यादातर समय कोने में बैठकर सुनते, देखते और सोचते रहते थे।
एल्सवर्थ हार्वर्ड गए। उनकी माँ ने अपनी जीवन बीमा राशि इसी उद्देश्य के लिए वसीयत की थी। हार्वर्ड में उनका शैक्षणिक रिकॉर्ड उत्कृष्ट था। उन्होंने इतिहास में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। आंटी एडेलिन चाहती थीं कि वह अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र की पढ़ाई करें; उन्हें आधा डर था कि वह समाजसेवी बन जाएँगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वह साहित्य और ललित कलाओं में मग्न हो गए। इससे वह थोड़ी हैरान थीं; यह उनमें एक नया गुण था; उन्होंने पहले कभी इस दिशा में कोई विशेष रुझान नहीं दिखाया था।
“तुम कलात्मक स्वभाव की नहीं हो, एल्सी,” उसने कहा। “यह तुम पर जंचता नहीं है।”
“आप गलत कह रही हैं, आंटी,” उसने कहा।

हावर्ड में एल्सवर्थ की उपलब्धियों में सबसे अनोखी बात उनके सहपाठियों के साथ उनके संबंध थे। उन्होंने खुद को सबके लिए स्वीकार्य बना लिया था।
पुराने प्रतिष्ठित परिवारों के स्वाभिमानी युवा वंशजों के बीच, उन्होंने अपनी साधारण पृष्ठभूमि को छिपाया नहीं; बल्कि उसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया। उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके पिता एक जूते की दुकान के प्रबंधक थे; बल्कि कहा कि उनके पिता मोची थे। उन्होंने यह बात बिना किसी उद्दंडता, कड़वाहट या सर्वहारा अहंकार के कही; उन्होंने इसे ऐसे कहा मानो यह उन पर और—अगर कोई उनकी मुस्कान को ध्यान से देखे—तो उन पर भी एक मज़ाक हो। उनका व्यवहार एक घमंडी व्यक्ति जैसा था; खुलेआम घमंडी नहीं, बल्कि एक स्वाभाविक, निर्दोष घमंडी व्यक्ति जो घमंडी न दिखने की पूरी कोशिश करता है। वे विनम्र थे, लेकिन किसी से कृपा पाने वाले की तरह नहीं, बल्कि कृपा करने वाले की तरह। उनका रवैया संक्रामक था। लोगों ने उनकी श्रेष्ठता के कारणों पर सवाल नहीं उठाए; उन्होंने मान लिया कि ऐसे कारण मौजूद हैं। पहले तो "मोंक" टूही को स्वीकार करना मनोरंजक लगा; फिर यह विशिष्ट और प्रगतिशील बन गया। अगर यह कोई जीत थी तो एल्सवर्थ को इसका एहसास नहीं था; उन्हें इसकी परवाह भी नहीं थी। वह इन सभी अनुभवहीन युवाओं के बीच इस आत्मविश्वास के साथ घूम रहा था मानो उसके पास एक सुनियोजित योजना हो, एक ऐसी दूरगामी योजना जो हर छोटी-बड़ी बात को बारीकी से सँजो कर रखती हो, और जो अपने रास्ते में आने वाली छोटी-छोटी घटनाओं का भरपूर आनंद ले रहा हो। उसकी मुस्कान में एक रहस्यमयी, बंद भाव था, ठीक वैसे ही जैसे कोई दुकानदार मुनाफा गिन रहा हो—भले ही कुछ खास घटित होता हुआ न दिख रहा हो।
उन्होंने ईश्वर और पीड़ा की महानता के बारे में बात नहीं की। उन्होंने आम जनता के बारे में बात की। उन्होंने अपने भाषणों में मंत्रमुग्ध श्रोताओं के सामने यह साबित कर दिया।
भोर तक चलने वाले अपने प्रवचन में उन्होंने कहा कि धर्म स्वार्थ को बढ़ावा देता है; क्योंकि, उन्होंने कहा, धर्म व्यक्तिगत आत्मा के महत्व पर अत्यधिक बल देता है; धर्म केवल एक ही बात का उपदेश देता है - अपनी आत्मा का उद्धार।
“पूर्ण अर्थों में सद्गुण प्राप्त करने के लिए, मनुष्य को अपने भाइयों के खातिर सबसे जघन्य अपराधों का बोझ अपने ऊपर लेने के लिए तैयार रहना चाहिए। शरीर को कष्ट देना कुछ नहीं है। आत्मा को कष्ट देना ही एकमात्र सद्गुण है। तो क्या आपको लगता है कि आप मानवता के विशाल जनसमूह से प्रेम करते हैं? आप प्रेम के बारे में कुछ नहीं जानते। आप हड़ताल कोष में दो रुपये देते हैं और सोचते हैं कि आपने अपना कर्तव्य पूरा कर लिया है? आप मूर्ख हैं! कोई भी दान तब तक मायने नहीं रखता, जब तक कि वह आपकी सबसे कीमती चीज न हो। अपनी आत्मा दे दो। झूठ को? हाँ, अगर दूसरे उस पर विश्वास करते हैं। छल को? हाँ, अगर दूसरों को इसकी आवश्यकता है। विश्वासघात, कुटिलता, अपराध को? हाँ! जो कुछ भी आपकी दृष्टि में सबसे नीच और घृणित लगता है, उसे दे दो। जब आप अपने अनमोल छोटे अहंकार के प्रति घृणा महसूस कर सकते हैं, तभी आप निस्वार्थता की सच्ची, व्यापक शांति प्राप्त कर सकते हैं, अपनी आत्मा का मानवता की विशाल सामूहिक आत्मा के साथ विलय कर सकते हैं। तंग, भीड़भाड़ वाले कंजूस के भीतर दूसरों के प्रेम के लिए कोई जगह नहीं है।”
निजी अहंकार का खालीपन। भरने के लिए खाली रहो। 'जो अपने जीवन से प्रेम करता है, वह उसे खो देगा; और जो इस संसार में अपने जीवन से घृणा करता है, वह उसे अनन्त जीवन तक बचा कर रखेगा।' चर्च के अफीम विक्रेताओं की बात में कुछ सच्चाई थी, लेकिन उन्हें पता नहीं था कि उनकी बात में क्या सच्चाई है। आत्म-त्याग? जी हाँ, मेरे मित्रों, बिलकुल।
लेकिन स्वयं को पवित्र और अपनी पवित्रता पर गर्व करने से त्याग नहीं होता। वह बलिदान जिसमें आत्मा का विनाश शामिल है—

लेकिन मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ? यह तो केवल नायकों के लिए ही संभव है और इसे हासिल करना तो और भी आसान है।
कॉलेज की पढ़ाई पूरी करने के लिए मेहनत करने वाले गरीब लड़कों के बीच उन्हें ज्यादा सफलता नहीं मिली। युवा वारिसों, यानी दूसरी और तीसरी पीढ़ी के करोड़पतियों के बीच उन्होंने काफी लोकप्रियता हासिल की। उन्होंने उन्हें एक ऐसी उपलब्धि का वादा किया जिसे वे हासिल करने में सक्षम महसूस करते थे।
उन्होंने उच्च सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। जब वे न्यूयॉर्क आए, तो उनसे पहले ही एक छोटी-सी निजी प्रसिद्धि प्राप्त हो चुकी थी; हार्वर्ड से एल्सवर्थ टूही नामक एक असामान्य व्यक्ति के बारे में कुछ अफवाहें फैल चुकी थीं; कुछ लोग, जिनमें अति बुद्धिजीवी और अत्यंत धनी लोग शामिल थे, ने इन अफवाहों को सुना और जो सुना उसे तुरंत भूल गए, लेकिन नाम याद रखा; यह उनके दिमाग में बना रहा।
प्रतिभा, साहस, आदर्शवाद जैसी चीजों के अस्पष्ट अर्थों के साथ।
लोग धीरे-धीरे एल्सवर्थ टूही की ओर आकर्षित होने लगे; सही तरह के लोग, वे लोग जिन्होंने जल्द ही उन्हें एक आध्यात्मिक आवश्यकता के रूप में पाया। दूसरे प्रकार के लोग नहीं आए; ऐसा लगता था मानो यह एक सहज प्रवृत्ति थी।
जब किसी ने टूही के अनुयायियों की वफ़ादारी पर टिप्पणी की—उनके पास कोई पदवी, कार्यक्रम या संगठन नहीं था, लेकिन किसी तरह उनके समूह को शुरू से ही अनुयायी कहा जाता था—तो एक ईर्ष्यालु प्रतिद्वंद्वी ने कहा: "टूही तो चिपचिपे लोगों को आकर्षित करते हैं। आप जानते हैं कि दो चीजें सबसे ज्यादा चिपकती हैं: कीचड़ और गोंद।" टूही ने यह सुना और मुस्कुराते हुए कंधे उचकाए और कहा: "अरे, अरे, और भी बहुत कुछ है: चिपकने वाला प्लास्टर, जोंक, टॉफी, गीले मोजे, रबर की कमरबंद, च्युइंग गम और टैपिओका हलवा।"
थोड़ा दूर जाते हुए, उन्होंने बिना मुस्कुराए पीछे मुड़कर कहा: "और सीमेंट भी।"
उन्होंने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की और "14वीं शताब्दी की शहरी वास्तुकला में सामूहिक प्रतिरूप" विषय पर शोध प्रबंध लिखा। उनका जीवनयापन व्यस्त, विविध और बिखरे हुए तरीके से होता था: उनकी सभी गतिविधियों का हिसाब रखना असंभव था। वे विश्वविद्यालय में व्यावसायिक सलाहकार के पद पर थे, पुस्तकों, नाटकों, कला प्रदर्शनियों की समीक्षा करते थे, लेख लिखते थे और छोटे, गुमनाम श्रोताओं को कुछ व्याख्यान भी देते थे। उनके काम में कुछ विशेष प्रवृत्तियाँ स्पष्ट थीं। पुस्तकों की समीक्षा करते समय, वे शहर के बजाय मिट्टी के बारे में, प्रतिभाशाली के बजाय औसत लोगों के बारे में, स्वस्थ के बजाय बीमारों के बारे में लिखे गए उपन्यासों की ओर अधिक आकर्षित होते थे; "आम लोगों" की कहानियों का जिक्र करते समय उनके लेखन में एक विशेष चमक होती थी; "मानव" उनका पसंदीदा विशेषण था; वे क्रिया के बजाय चरित्र अध्ययन और चरित्र अध्ययन के बजाय वर्णन को प्राथमिकता देते थे; वे कथानक रहित उपन्यासों को और सबसे बढ़कर, नायक रहित उपन्यासों को पसंद करते थे।
उन्हें एक उत्कृष्ट व्यावसायिक सलाहकार माना जाता था। विश्वविद्यालय में उनका छोटा सा कार्यालय एक अनौपचारिक प्रार्थना कक्ष बन गया था जहाँ छात्र अपनी सभी समस्याओं, चाहे वे शैक्षणिक हों या व्यक्तिगत, के साथ आते थे।
वह उसी सौम्य, गंभीर एकाग्रता के साथ कक्षाओं के चयन, प्रेम संबंधों या विशेष रूप से भविष्य के करियर के चयन पर चर्चा करने के लिए तैयार थे।
प्रेम संबंधों पर सलाह दिए जाने पर टूही ने समर्पण की सलाह दी, यदि यह किसी आकर्षक, सीधे-सादे व्यक्ति के साथ रोमांस की बात हो, जो कुछ नशे वाली पार्टियों के लिए अच्छा हो—"आइए आधुनिक बनें"; और त्याग की सलाह दी, यदि यह यह एक गहरी, भावनात्मक भावना से जुड़ा था—"हमें समझदार बनना चाहिए।" जब एक लड़का किसी अप्रिय यौन अनुभव के बाद शर्मिंदगी महसूस करने की बात कबूल

करने आया, तो टूही ने उससे कहा, "यह तुम्हारे लिए बहुत अच्छा था। जीवन में हमें दो चीजों से जल्दी छुटकारा पाना चाहिए: व्यक्तिगत श्रेष्ठता की भावना और यौन क्रिया के प्रति अत्यधिक श्रद्धा।"
लोगों ने गौर किया कि एल्सवर्थ टूही शायद ही कभी किसी लड़के को उसके चुने हुए करियर को आगे बढ़ाने देते थे। "नहीं, अगर मैं तुम्हारी जगह होता तो मैं कानून की पढ़ाई नहीं करता।"
आप इस बारे में बहुत ज़्यादा तनावग्रस्त और भावुक हैं। अपने करियर के प्रति उन्मादी समर्पण से न तो खुशी मिलती है और न ही सफलता। बेहतर होगा कि आप ऐसा पेशा चुनें जिसके बारे में आप शांत, समझदार और व्यावहारिक रह सकें। हाँ, भले ही आपको वह पसंद न हो। इससे आप ज़मीनी हकीकत से रूबरू होते हैं। ... "नहीं, मैं आपको संगीत जारी रखने की सलाह नहीं दूंगा।"
यह बात कि यह प्रतिभा आपको इतनी आसीनी से मिल जाती है, इस बात का पक्का संकेत है कि यह केवल सतही है। और यही तो समस्या है—कि आपको यह बहुत पसंद है।
क्या आपको नहीं लगता कि यह बचकाना कारण है? इसे छोड़ दो। हाँ, चाहे कितना भी दर्द हो। ... "नहीं, मुझे माफ़ करना, मैं कहना तो चाहता हूँ कि मैं सहमत हूँ, पर नहीं। जब आपने वास्तुकला के बारे में सोचा, तो यह पूरी तरह से स्वार्थी चुनाव था, है ना? क्या आपने अपनी अहंकारी संतुष्टि के अलावा किसी और चीज़ पर विचार किया है? फिर भी, एक व्यक्ति का करियर पूरे समाज से संबंधित होता है। सबसे पहले यह सवाल आता है कि आप अपने साथी मनुष्यों के लिए सबसे ज़्यादा उपयोगी कहाँ हो सकते हैं। यह मायने नहीं रखता कि आप समाज से क्या पा सकते हैं, बल्कि यह मायने रखता है कि आप समाज को क्या दे सकते हैं। और सेवा के अवसरों की बात करें, तो सृजन के काम से बढ़कर कोई और काम नहीं है।"
इस पर विचार।"
कॉलेज छोड़ने के बाद उनके कुछ शिष्यों ने काफ़ी तरक्की की, जबकि कुछ असफल रहे। केवल एक ने आत्महत्या की। कहा जाता है कि एल्सवर्थ टूही का उन पर सकारात्मक प्रभाव था—क्योंकि वे उन्हें कभी नहीं भूले: वर्षों बीत जाने के बाद भी वे कई मामलों में उनसे सलाह लेने आते थे, उन्हें पत्र लिखते थे, और उनका साथ देते थे। वे उन मशीनों की तरह थे जिनमें कोई बाहरी शक्ति नहीं होती थी, जिन्हें किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा चालू किया जाना आवश्यक था। वे कभी भी इतने व्यस्त नहीं होते थे कि उन्हें अपना पूरा ध्यान न दे सकें।
उनका जीवन भीड़भाड़ वाला, सार्वजनिक और किसी शहर के चौक की तरह निर्वैयक्तिक था। मानवता के इस मित्र का कोई निजी मित्र नहीं था। लोग उनके पास आते थे; वे किसी के करीब नहीं जाते थे। वे सबको स्वीकार करते थे। उनका स्नेह सुनहरा, कोमल और एकसमान था, जैसे रेत का विशाल विस्तार; उस पर किसी प्रकार की हवा का प्रभाव नहीं पड़ता था।
रेत के टीले बनाने के लिए भेदभाव किया गया; रेत स्थिर पड़ी थी और सूरज आसमान में ऊँचा था।
अपनी सीमित आमदनी में से उन्होंने कई संस्थाओं को दान दिया। उनका कभी किसी व्यक्ति को एक डॉलर भी उधार देने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। उन्होंने कभी अपने धनी मित्रों से जरूरतमंदों की सहायता करने का अनुरोध नहीं किया; बल्कि उनसे धर्मार्थ संस्थाओं के लिए बड़ी धनराशि और दान प्राप्त किए: पुनर्वास गृहों, मनोरंजन केंद्रों, अनाथ लड़कियों के लिए घरों, विकलांग बच्चों के स्कूलों के लिए। उन्होंने इन सभी संस्थाओं के बोर्ड में बिना वेतन के सेवा की। विभिन्न प्रकार के लोगों द्वारा संचालित अनेक परोपकारी कार्यों और क्रांतिकारी प्रकाशनों में एक ही साझा कड़ी थी: उनके पत्रक पर एल्सवर्थ एम. टूही का नाम।

वह परोपकार की एक तरह की एकल-व्यक्ति कंपनी थी।
महिलाओं का उनके जीवन में कोई स्थान नहीं था। यौन संबंध में उनकी कभी रुचि नहीं रही।
उसकी दबी-कुचली, कभी-कभार उठने वाली इच्छाएँ उसे युवा, पतली, सुडौल, बुद्धिहीन लड़कियों की ओर खींच लाती थीं—हंसती हुई छोटी वेट्रेस, तुतलाती हुई मैनीक्योरिस्ट, कम कुशल स्टेनोग्राफर, गुलाबी या लाल रंग की पोशाकें पहनने वाली और सिर के पीछे छोटी टोपी लगाए सुनहरे बालों की लटें बिखेरने वाली लड़कियाँ। वह बुद्धिमान महिलाओं के प्रति उदासीन था।
उनका तर्क था कि परिवार एक बुर्जुआ संस्था है; लेकिन उन्होंने इस मुद्दे को उठाया नहीं और न ही मुक्त प्रेम के लिए कोई अभियान चलाया। यौन संबंध उन्हें उबाऊ लगते थे। उन्हें लगता था कि इस विषय पर बेवजह ही इतना हंगामा मचाया जाता है; इसका कोई महत्व नहीं है; दुनिया में इससे कहीं अधिक गंभीर समस्याएं हैं।
साल बीतते गए, उनके जीवन का हर व्यस्त दिन एक छोटे, साफ-सुथरे सिक्के की तरह था जिसे धैर्यपूर्वक एक विशाल स्लॉट मशीन में डाला गया हो, प्रतीकों के संयोजन पर एक नज़र डाली बिना, बिना वापस लौटे। धीरे-धीरे, उनकी कई गतिविधियों में से एक अन्य गतिविधियों से अलग दिखने लगी: वे वास्तुकला के एक प्रख्यात आलोचक के रूप में जाने जाने लगे। उन्होंने तीन लगातार पत्रिकाओं के लिए इमारतों के बारे में लिखा जो कुछ वर्षों तक शोर-शराबे के साथ चलती रहीं और एक के बाद एक बंद हो गईं: न्यू वॉयसेस, न्यू पाथवेज़, न्यू होराइजन्स। चौथी, न्यू फ्रंटियर्स, बच गई। एल्सवर्थ टूही ही एकमात्र ऐसी चीज थे जो लगातार होने वाली असफलताओं से बच पाए।
वास्तुकला आलोचना एक उपेक्षित क्षेत्र प्रतीत होता था; कुछ ही लोग इमारतों के बारे में लिखने की जहमत उठाते थे, और उससे भी कम लोग पढ़ते थे। टूही ने एक प्रतिष्ठा और एक अनौपचारिक एकाधिकार प्राप्त कर लिया। बेहतर पत्रिकाएँ शुरू हुईं वास्तुकला से संबंधित किसी भी चीज़ की जरूरत पड़ने पर वे उनसे संपर्क करते थे।
सन् 1921 में टूही के निजी जीवन में एक छोटा सा बदलाव आया; उनकी बहन हेलेन की बेटी, उनकी भतीजी कैथरीन हैल्सी, उनके साथ रहने आई। उनके पिता का बहुत पहले ही निधन हो चुका था, और चाची एडेलिन किसी छोटे कस्बे की गुमनाम गरीबी में गुम हो गई थीं; कैथरीन के माता-पिता की मृत्यु के बाद उसकी देखभाल करने वाला कोई और नहीं था।
टूही का इरादा उसे अपने घर में रखने का नहीं था। लेकिन जब वह न्यूयॉर्क में ट्रेन से उतरी, तो उसका सादा सा चेहरा एक पल के लिए बेहद खूबसूरत लग रहा था, मानो भविष्य उसके सामने खुल रहा हो और उसकी चमक उसके माथे पर पहले से ही झलक रही हो, मानो वह उत्सुक, गौरवान्वित और उसका सामना करने के लिए तैयार हो। यह उन दुर्लभ पलों में से एक था जब सबसे विनम्र व्यक्ति को अचानक यह एहसास होता है कि ब्रह्मांड का केंद्र होने का क्या अर्थ है, और इस ज्ञान से वह खूबसूरत बन जाता है, और दुनिया - देखने वालों की नज़रों में - ऐसे केंद्र के होने से एक बेहतर जगह लगती है। एल्सवर्थ टूही ने यह देखा - और फैसला किया कि कैथरीन उसके साथ ही रहेगी।
सन 1925 में 'सर्मन्स इन स्टोन' प्रकाशित हुआ और उसी के साथ प्रसिद्धि भी मिली। एल्सवर्थ टूही एक फैशन बन गए थे। बुद्धिमान मेजबान उनके लिए आपस में होड़ करते थे। कुछ लोग उन्हें नापसंद करते थे और उन पर हंसते थे। लेकिन एल्सवर्थ टूही पर हंसने में कोई संतुष्टि नहीं थी, क्योंकि वे हमेशा अपने बारे में सबसे अटपटी टिप्पणियां करने में सबसे आगे रहते थे। एक बार एक पार्टी में, एक घमंडी, असभ्य व्यापारी ने कुछ देर तक टूही के गंभीर सामाजिक सिद्धांतों को सुना और फिर संतुष्टि से कहा:

“खैर, मुझे इन सब बौद्धिक बातों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं तो शेयर बाजार में निवेश करता हूं।” “मैं,” टूही ने कहा, “आत्मा के शेयर बाजार में निवेश करता हूं।” और मैं कम कीमत पर बेचता हूं।"
'सर्मन्स इन स्टोन' का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम यह था कि टूही को गेल वायनांड के न्यूयॉर्क बैनर के लिए एक दैनिक कॉलम लिखने का अनुबंध मिला।
यह समझौता दोनों पक्षों के समर्थकों के लिए एक आश्चर्य की बात थी, और शुरू में इसने सभी को नाराज कर दिया। टूही ने वायनांड का अक्सर और अपमानजनक ढंग से जिक्र किया था; वायनांड के अखबारों ने टूही को हर तरह की अपशब्दों से नवाज़ा था। लेकिन वायनांड के अखबारों की कोई नीति नहीं थी, सिवाय इसके कि वे ज़्यादा से ज़्यादा लोगों के सबसे बड़े पूर्वाग्रहों को प्रतिबिंबित करें, और इसी वजह से उनकी दिशा अनियमित थी, लेकिन फिर भी पहचानी जा सकने वाली थी: असंगत और गैर-जिम्मेदार की ओर।
घिसी-पिटी और भावुक बातें। वायनांड अखबार विशेषाधिकार के खिलाफ और आम आदमी के पक्ष में खड़ा था, लेकिन एक ऐसे सम्मानजनक तरीके से जिससे किसी को भी हैरानी नहीं हुई; उन्होंने जब चाहा एकाधिकारों का पर्दाफाश किया; उन्होंने जब चाहा हड़तालों का समर्थन किया, और इसके विपरीत भी। उन्होंने वॉल स्ट्रीट की निंदा की, समाजवाद की निंदा की और साफ-सुथरी फिल्मों की वकालत की, सब कुछ एक ही जोश के साथ। वे मुखर और स्पष्ट थे—और सार रूप में, बेजान रूप से नरम थे।
एल्सवर्थ टूही एक ऐसी असाधारण शख्सियत थे जो बैनर के पहले पन्ने के पीछे समा जाने के लिए बहुत अधिक चरमपंथी थे।
लेकिन बैनर के कर्मचारी उसकी नीतियों की तरह ही बेपरवाह थे। इसमें हर वो व्यक्ति शामिल था जो जनता या उसके किसी बड़े वर्ग को खुश कर सके। कहा जाता था: "गेल वायनांड कोई लालची व्यक्ति नहीं है। वो कुछ भी खा लेता है।"
एल्सवर्थ टूही को जबरदस्त सफलता मिली और जनता में अचानक वास्तुकला के प्रति रुचि जागृत हुई; बैनर अखबार वास्तुकला का आधिकारिक विशेषज्ञ नहीं था; बैनर अखबार को एल्सवर्थ टूही का लेख प्रकाशित करने का अधिकार मिला। यह एक सरल तर्क था।
इस प्रकार "वन स्मॉल वॉइस" अस्तित्व में आया।
बैनर ने अपनी उपस्थिति का कारण बताते हुए घोषणा की: "सोमवार को बैनर आपको एक नए मित्र से परिचित कराएगा - एल्सवर्थ एम."
टूही—जिनकी शानदार किताब 'सर्मन्स इन स्टोन' आप सभी ने पढ़ी और पसंद की है। श्री टूही का नाम वास्तुकला के महान पेशे का प्रतीक है। वे आपको आधुनिक भवन निर्माण के चमत्कारों के बारे में वह सब कुछ समझने में मदद करेंगे जो आप जानना चाहते हैं। देखते रहिए!
सोमवार को 'वन स्मॉल वॉइस' प्रकाशित होगा। यह न्यूयॉर्क शहर के बैनर अखबार में ही छपेगा। श्री टूही के बाकी सिद्धांतों को नजरअंदाज कर दिया गया।
एल्सवर्थ टूही ने किसी को कोई घोषणा या स्पष्टीकरण नहीं दिया। उन्होंने उन दोस्तों की बात अनसुनी कर दी जिन्होंने उन पर खुद को बेचने का आरोप लगाया था। वे बस काम पर लग गए। उन्होंने महीने में एक बार "वन स्मॉल वॉइस" पत्रिका को वास्तुकला के लिए समर्पित किया। बाकी समय यह एल्सवर्थ टूही की आवाज़ थी, जो अपनी इच्छा से लाखों पाठकों तक अपनी बात पहुंचाते थे।
टूही वायनांड का एकमात्र ऐसा कर्मचारी था जिसके पास अनुबंध था जो उसे अपनी इच्छानुसार कुछ भी लिखने की अनुमति देता था। उसने खुद इस पर जोर दिया था।
एल्सवर्थ टूही को छोड़कर बाकी सभी इसे एक बड़ी जीत मान रहे थे। उन्हें एहसास हुआ कि इसका मतलब दो बातें हो सकती हैं: या तो
वायनांड ने अपने नाम की प्रतिष्ठा के आगे सम्मानपूर्वक आत्मसमर्पण कर दिया था।

या फिर वायनाड ने उसे इतना तुच्छ समझा कि उसे नियंत्रित करना उचित ही नहीं समझा।
“वन स्मॉल वॉइस” ने कभी भी कोई खतरनाक क्रांतिकारी बात नहीं कही, और न ही शायद ही कभी कोई राजनीतिक बात। इसने केवल उन भावनाओं का प्रचार किया जिनसे अधिकांश लोग सहमत थे: निस्वार्थता, भाईचारा, समानता। “मैं सही होने से ज़्यादा दयालु होना पसंद करूँगा।” “दया न्याय से श्रेष्ठ है, चाहे संकीर्ण हृदय वाले इसके विपरीत कुछ भी कहें।” “शारीरिक रूप से कहें तो—और शायद अन्यथा भी—” हृदय हमारा सबसे मूल्यवान अंग है। मस्तिष्क एक अंधविश्वास है। आध्यात्मिक मामलों में एक सरल, अचूक कसौटी है: अहंकार से उत्पन्न होने वाली हर चीज बुरी है; दूसरों के प्रति प्रेम से उत्पन्न होने वाली हर चीज़ अच्छी है। सेवा ही बड़प्पन का एकमात्र प्रतीक है। मुझे उर्वरक को मनुष्य के भाग्य के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में देखने में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं लगता: यह उर्वरक ही है जो गेहूँ और गुलाब पैदा करता है। सबसे खराब लोकगीत भी सर्वश्रेष्ठ सिम्फनी से श्रेष्ठ है। अपने भाइयों से अधिक बहादुर व्यक्ति अप्रत्यक्ष रूप से उनका अपमान करता है। हमें किसी ऐसे सद्गुण की आकांक्षा नहीं करनी चाहिए जिसे साझा न किया जा सके। मैंने अभी तक किसी ऐसे प्रतिभाशाली या नायक को नहीं देखा है, जिसे जलती हुई माचिस की तीली से चोट लगने पर अपने साधारण औसत भाई से कम दर्द महसूस हो। प्रतिभा आयाम का अतिशयोक्तिपूर्ण रूप है। हाथीपांव भी ऐसा ही है। दोनों शायद सिर्फ एक बीमारी हैं। हम सब त्वचा के नीचे भाई हैं—और मैं, व्यक्तिगत रूप से, इसे साबित करने के लिए मानवता की खाल उतारने को तैयार हूँ।
बैनर के दफ्तरों में ऐल्सवर्थ टूही के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता था और उन्हें अकेला छोड़ दिया जाती था। फुसफुसाहट में कहा जाता था कि गेल वायनांड उन्हें पसंद नहीं करतीं थीं—क्योंकि वायनांड हमेशा उनके प्रति विनम्र रहती थीं। अल्वा स्कारेट का व्यवहार सौहार्दपूर्ण था, लेकिन फिर भी वह एक सतर्क दूरी बनाए रखती थीं।
टूही और स्कारेट के बीच एक खामोश, सतर्क संतुलन था: वे एक दूसरे को समझते थे। टूही ने वायनांड से किसी भी तरह से संपर्क करने का प्रयास नहीं किया। बैनर पर निर्भर सभी लोगों के प्रति टूही उदासीन प्रतीत हो रहा था। इसके बजाय, उसने अपना ध्यान दूसरों पर केंद्रित किया।
उन्होंने वायनांड कर्मचारियों का एक क्लब बनाया। यह कोई श्रमिक संघ नहीं था; यह महज़ एक क्लब था। इसकी बैठक महीने में एक बार बैनर अखबार की लाइब्रेरी में होती थी। इसका वेतन, काम के घंटे या कार्य परिस्थितियों से कोई लेना-देना नहीं था; इसका कोई ठोस कार्यक्रम भी नहीं था। लोग एक-दूसरे से परिचित होते, बातें करते और भाषण सुनते थे। अधिकांश भाषण ऐल्सवर्थ टूही देते थे। वे नए क्षितिजों और प्रेस को एक आवाज़ के रूप में प्रस्तुत करते थे।
आम लोगों में से एक। गेल वायनांड एक बार अचानक एक बैठक में आ गए, सत्र के बीच में ही प्रवेश कर गए। टूही मुस्कुराए और उन्हें क्लब में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, यह कहते हुए कि वे इसके योग्य हैं। वायनांड शामिल नहीं हुए। वे आधे घंटे तक सुनते रहे, जम्हाई ली, उठे और बैठक समाप्त होने से पहले ही चले गए।
अल्वाह स्कारेट इस बात की सराहना करते थे कि टूही उनके क्षेत्र में, नीतिगत महत्वपूर्ण मामलों में दखल देने की कोशिश नहीं करते थे। एक तरह से शिष्टाचारवश, स्कारेट टूही को नए कर्मचारियों की सिफारिश करने देते थे, जब भी कोई पद खाली होता था, खासकर अगर वह पद महत्वपूर्ण न हो; आमतौर पर, स्कारेट को परवाह नहीं होती थी, जबकि टूही हमेशा परवाह करते थे, चाहे वह सिर्फ कॉपी बॉय का पद ही क्यों न हो। टूही द्वारा चुने गए लोगों को नौकरी मिल जाती थी। उनमें से अधिकतर युवा,

उद्दंड, सक्षम, धूर्त निगाहों वाले और ढीले-ढाले ढंग से हाथ मिलाने वाले होते थे। उनमें और भी कई समानताएँ थीं, लेकिन वे इतनी स्पष्ट नहीं थीं।
कई मासिक बैठकें होती थीं जिनमें टूहे नियमित रूप से भाग लेते थे; जैसे कि काउंसिल ऑफ़ अमेरिकन बिल्डर्स, काउंसिल ऑफ़ अमेरिकन राइटर्स और काउंसिल ऑफ अमेरिकन आर्टिस्ट्स। इन सभी का आयोजन उन्होंने ही किया था।
लोइस कुक अमेरिकी लेखकों की परिषद की अध्यक्ष थीं। इसकी बैठक बोवेरी स्थित उनके घर के डाइंग रूम में होती थी। वह एकमात्र प्रसिद्ध सदस्य थीं। बाकी सदस्यों में एक ऐसी महिला थीं जो अपनी किताबों में कभी बड़े अक्षरों का प्रयोग नहीं करती थीं, और एक ऐसे पुरुष थे जो कभी अल्पविराम का प्रयोग नहीं करते थे; एक ऐसा युवक था जिसने एक हजार पन्नों का उपन्यास बिना एक भी 'ओ' अक्षर के लिखा था, और एक अन्य युवक था जिसने ऐसी कविताएँ लिखीं जिनमें न तो तुकबंदी थी और न ही लय; एक दाढ़ी वाला पुरुष था जो परिष्कृत था और उसने अपनी पांडुलिपि के हर दस पन्नों में हर अपशब्द का प्रयोग करके इसे साबित किया; एक ऐसी महिला थी जो लोइस कुक की नकल करती थी, सिवाय इसके कि उसकी शैली कम स्पष्ट थी; जब उससे स्पष्टीकरण मांगा गया तो उसने कहा कि उसके अवचेतन मन के चश्मे से छनकर जीवन उसे ऐसा ही सुनाई देता है।
—"तुम जानते हो ना कि प्रिज्म प्रकाश की किरण पर क्या प्रभाव डालता है?" उसने कहा। वहाँ एक जोशीला नौजवान भी था जिसे केवल आइके द जीनियस के नाम से जाना जाता था, हालाँकि किसी को नहीं पता था कि उसने वास्तव में क्या किया था, सिवाय इसके कि वह जीवन के हर पहलू से प्रेम करने की बात करता था।
परिषद ने एक घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिसमें कहा गया था कि लेखक सर्वहारा वर्ग के सेवक हैं—लेकिन यह कथन इतना सरल नहीं था; यह कहीं अधिक जटिल और लंबा था।
यह घोषणा देश के हर अखबार को भेजी गई थी। लेकिन यह कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई, सिवाय न्यू फ्रंटियर्स के पृष्ठ 32 पर।
अमेरिकी कलाकारों की परिषद के अध्यक्ष एक दुबला-पतला युवक था जो रात के सपनों में जो देखता था, उसे चित्रित करता था। एक लड़का था जो कैनवास का इस्तेमाल नहीं करता था, बल्कि चिड़ियों के पिंजरों और मेट्रोनोम से कुछ न कुछ बनाता था, और एक अन्य ने चित्रकला की एक नई तकनीक खोजी: वह कागज की एक शीट को काला कर देता था और फिर रबर के इरेज़र से चित्र बनाता था। एक हृष्ट-पुष्ट अधेड़ उम्र की महिला थी जो अवचेतन रूप से चित्र बनाती थी, उसका दावा था कि वह कभी अपने हाथ को नहीं देखती और उसे पता ही नहीं होता कि उसका हाथ क्या कर रहा है; उसका कहना था कि उसके हाथ को उसके दिवंगत प्रेमी की आत्मा निर्देशित करती है, जिससे वह कभी धरती पर नहीं मिली थी।
यहां उन्होंने सर्वहारा वर्ग के बारे में ज्यादा बात नहीं की, बल्कि केवल वास्तविकता और वस्तुनिष्ठता के अत्याचार के खिलाफ विद्रोह किया।
कुछ मित्रों ने एल्सवर्थ टूही को बताया कि वे विरोधाभासी प्रतीत होते हैं; उन्होंने कहा कि वे व्यक्तिवाद के घोर विरोधी थे, और उनके सभी लेखक और कलाकार कट्टर व्यक्तिवादी थे। "क्या आप सचमुच ऐसा सोचते हैं?"
टूही ने भावहीन मुस्कान के साथ कहा।
किसी ने भी इन परिषदों को गंभीरता से नहीं लिया। लोग इनके बारे में बात करते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे बातचीत अच्छी होगी; वे कहते थे कि यह एक बहुत बड़ा मज़ाक था, इसमें कोई बुराई नहीं थी। "क्या आप सचमुच ऐसा सोचते हैं?" टूही ने कहा।
एल्सवर्थ टूही अब इकतालीस वर्ष के थे। वे एक आलीशान अपार्टमेंट में रहते थे, जो उनकी आमदनी के मुकाबले मामूली लगता था। वे खुद को "रूढ़िवादी" कहना पसंद

करते थे, लेकिन सिर्फ एक ही बात में: कपड़ों के प्रति उनके रूढ़िवादी और सुरुचिपूर्ण स्वाद में। उन्हें कभी किसी ने क्रोधित होते नहीं देखा था। उनका व्यवहार एक जैसा था; ड्राइंग रूम में हो, किसी मजदूर सभा में हो, भाषण मंच पर हो, बाथरूम में हो या यौन संबंध के दौरान भी, उनका व्यवहार एक जैसा ही रहता था: शांत, संयमित, हंसमुख और थोड़ा-सा उपदेशात्मक।
लोग उनके हास्यबोध की प्रशंसा करते थे। उनका कहना था कि वे एक ऐसे व्यक्ति थे जो खुद पर भी हंस सकते थे। "मैं एक खतरनाक व्यक्ति हूं। किसी को तो आपको मुझसे सावधान करना चाहिए," वे लोगों से दुनिया की सबसे हास्यास्पद बात कहते हुए कहते थे।
उन्हें दी गई अनेक उपाधियों में से, उन्हें एक उपाधि सबसे अधिक पसंद थी: एल्सवर्थ टूही, मानवतावादी।
ऐक्स
एनराइट हाउस का उद्घाटन जून 1929 में हुआ था। कोई औपचारिक समारोह नहीं हुआ था। लेकिन रोजर एनराइट अपनी संतुष्टि के लिए इस पल को यादगार बनाना चाहते थे। उन्होंने अपने कुछ खास लोगों को आमंत्रित किया और विशाल कांच के प्रवेश द्वार का ताला खोलकर उसे धूप से भरी हवा में खुला छोड़ दिया। कुछ प्रेस फोटोग्राफर भी आ गए थे, क्योंकि यह खबर रोजर एनराइट से संबंधित थी और रोजर एनराइट उन्हें वहां नहीं चाहते थे। उन्होंने उन्हें नजरअंदाज कर दिया। वे सड़क के बीचोंबीच खड़े होकर इमारत को देखते रहे, फिर लॉबी से गुजरे, अचानक बिना किसी कारण के रुक गए और फिर चलने लगे।
उसने कुछ नहीं कहा। वह गुस्से से भौंहें चढ़ाए बैठा, मानो क्रोध से चीखने ही वाला हो। उसके दोस्त जानते थे कि रोजर एनराइट खुश था।
पूर्वी नदी के किनारे पर खड़ी वह इमारत, उठी हुई बाहों की तरह एक सम्मोहित संरचना थी। चट्टानी क्रिस्टल की आकृतियां इतनी खूबसूरती से ऊपर की ओर बढ़ती थीं कि इमारत स्थिर नहीं, बल्कि निरंतर प्रवाह में ऊपर की ओर बढ़ती हुई प्रतीत होती थी—जब तक कि किसी को यह एहसास न हो जाए कि यह केवल दृष्टि की गति है और दृष्टि उस विशेष लय में चलने के लिए विवश है। हल्के भूरे रंग के चूना पत्थर की दीवारें आकाश के सामने चांदी जैसी चमक रही थीं, धातु की स्वच्छ, मंद चमक के साथ, लेकिन एक ऐसी धातु जो एक गर्म, सजीव पदार्थ बन गई थी, जिसे सबसे तीक्ष्ण औज़ार —एक उद्देश्यपूर्ण मानवीय इच्छाशक्ति—से तराशा गया था। इसने घर को एक विचित्र, व्यक्तिगत तरीके से जीवंत कर दिया, जिससे दर्शकों के मन में पांच शब्द धुंधले ढंग से, बिना किसी उद्देश्य या स्पष्ट संबंध के, दौड़ते रहे: "...उनकी छवि और समानता में..."
बैनर पत्रिका के एक युवा फोटोग्राफर ने हावर्ड रोर्क को सड़क के उस पार, नदी के किनारे की दीवार पर अकेले खड़े देखा। वह पीछे की ओर झुके हुए थे, उनके हाथ दीवार पर टिके हुए थे, उन्होंने टोपी नहीं पहनी थी और इमारत की ओर देख रहे थे।
यह एक आकस्मिक, अचेतन क्षण था। युवा फोटोग्राफर ने रोर्क के चेहरे पर एक नज़र डाली और एक ऐसी बात के बारे में सोचा जिसने उन्हें लंबे समय से परेशान कर रखा था: उन्होंने हमेशा सोचा था कि सपनों में महसूस होने वाली संवेदनाएं जागृत वास्तविकता में अनुभव की जाने वाली किसी भी चीज से कहीं अधिक तीव्र क्यों होती हैं - भय इतना पूर्ण और परमानंद इतना संपूर्ण क्यों होता है - और वह कौन सा अतिरिक्त गुण है जिसे बीद में कभी पुनः प्राप्त नहीं किया जा सकता;
सपने में जब वह घनी हरी पत्तियों से भरे रास्ते पर चल रहा था, तब उसे जो अनुभूति हुई, वह अद्भुत थी। चारों ओर उम्मीद और असीम आनंद का माहौल था—और जब वह जागा तो उसे समझ नहीं आया कि यह तो बस जंगल का एक रास्ता था। उसे यह इसलिए याद आया क्योंकि उसने जागृत अवस्था में पहली बार उस विशेष अनुभूति को देखा था; उसने रोर्क के चेहरे में, जो इमारत की ओर उठा हुआ था, उसे देखा।

फोटोग्राफर एक युवा लड़का था, अपने काम में नया था; उसे इसके बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी; लेकिन उसे अपना काम बहुत पसंद था; वह बचपन से ही शौकिया फोटोग्राफर था। इसलिए उसने उस एक पल में रोर्क की एक तस्वीर खींच ली।
बाद में बैनर के कला संपादक ने तस्वीर देखी और गुस्से से चिल्लाया:
“ये क्या है?” “हावर्ड रोर्क,” फोटोग्राफर ने कहा।
“हावर्ड रोर्क कौन है?” “वास्तुकार।” “वास्तुकार की तस्वीर कौन देखना चाहेगा?”
“खैर, मैंने तो बस यही सोचा था...” “वैसे भी, यह पागलपन है।”
इस आदमी को क्या हुआ है?” इसलिए उस तस्वीर को मुर्दाघर में फेंक दिया गया।
एनराइट हाउस तुरंत किराए पर दे दिया गया। जो किराएदार वहाँ रहने आए, वे ऐसे लोग थे जो आराम से रहना चाहते थे और उन्हें किसी और बात की परवाह नहीं थी। उन्होंने इमारत के मूल्य पर कोई चर्चा नहीं की; उन्हें बस वहाँ रहना अच्छा लगता था। वे ऐसे लोग थे जो सार्वजनिक रूप से चुप रहकर उपयोगी और सक्रिय निजी जीवन जीते थे।
लेकिन अन्य लोगों ने लगभग तीन सप्ताह तक एनराइट हाउस के बारे में बहुत बातें कीं। उन्होंने कहा कि यह बेतुका, दिखावटी और बनावटी था।
उन्होंने कहा: “मेरी प्यारी, अगर तुम ऐसी जगह रहती तो श्रीमती मोरलैंड को आमंत्रित करने की कल्पना करो! और उनका घर तो वाकई बहुत ही शानदार है!” कुछ लोग आने लगे और कहने लगे: “मुझे तो आधुनिक वास्तुकला काफी पसंद है, आजकल उस तरह की कई दिलचस्प चीजें बन रही हैं, जर्मनी में तो इसकी एक अलग ही शैली है जो वाकई उल्लेखनीय है—लेकिन यह उससे बिलकुल अलग है। यह तो बिल्कुल ही अनोखा है।”
एल्सवर्थ टूही ने अपने कॉलम में कभी एनराइट हाउस का ज़िक्र नहीं किया। बैनर के एक पाठक ने उन्हें लिखा: “प्रिय श्री टूही: आप इस जगह के बारे में क्या सोचते हैं जिसे एनराइट हाउस कहते हैं? मेरा एक दोस्त इंटीरियर डेकोरेटर है और वह इसके बारे में बहुत बातें करता है और कहता है कि यह घटिया है। वास्तुकला और इस तरह की विभिन्न कलाएँ मेरी रुचि का विषय हैं, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं क्या सोचूँ। क्या आप अपने कॉलम में इसके बारे में बताएँगे?” एल्सवर्थ टूही ने एक निजी पत्र में उत्तर दिया: “प्रिय मित्र; आज दुनिया में इतनी महत्वपूर्ण इमारतें और बड़ी घटनाएँ घट रही हैं कि मैं अपने कॉलम को तुच्छ बातों के लिए समर्पित नहीं कर सकता।”
लेकिन लोग रोर्क के पास आते थे—उतने ही लोग जितने वह चाहते थे। उस सर्दी में उन्हें नॉरिस हाउस बनाने का ठेका मिला, जो एक साधारण सा देहाती घर था। मई में उन्होंने एक और अनुबंध पर हस्ताक्षर किए—मैनहट्टन के केंद्र में स्थित अपनी पहली कार्यालय इमारत, पचास मंजिला गगनचुंबी इमारत के लिए। मालिक एंथनी कॉर्ड, जो एक साधारण पृष्ठभूमि से आए थे और कुछ ही शानदार, उतार-चढ़ाव भरे वर्षों में वॉल स्ट्रीट में अपार धन कमा चुके थे। वह अपनी खुद की एक इमारत चाहते थे और इसलिए वे रोर्क के पास गए।
रोर्क का दफ्तर बढ़कर चार कमरों का हो गया था। उसके कर्मचारी उसे बहुत प्यार करते थे। उन्हें इस बात का एहसास नहीं था और अगर वे अपने ठंडे, पहुंच से बाहर और अमानवीय बॉस के लिए प्यार जैसा शब्द इस्तेमाल करते तो उन्हें बहुत हैरानी होती। ये वो शब्द थे जिनका इस्तेमाल वे रोर्क का वर्णन करने के लिए करते थे, ये वो शब्द थे जिन्हें उन्हें अपने अतीत के सभी मानकों और धारणाओं के अनुसार इस्तेमाल करना सिखाया गया था; लेकिन उसके साथ काम करते हुए, उन्हें पता चला कि वह इनमें से कुछ भी नहीं था, लेकिन वे यह समझा नहीं सकते थे कि वह क्या था और उसके लिए उनके मन में क्या भावनाएँ थीं।
वह अपने कर्मचारियों पर कभी मुस्कुराते नहीं थे, उन्हें बाहर पेय पदार्थों के लिए नहीं ले जाते थे, उनके परिवार, प्रेम जीवन या चर्च जाने के बारे में कभी पूछताछ नहीं करते थे।

वह केवल व्यक्ति के सार को समझते थे: उसकी रचनात्मक क्षमता को। इस कार्यालय में सक्षम होना अनिवार्य था। कोई विकल्प नहीं था, कोई रियायत नहीं थी। लेकिन अगर कोई व्यक्ति अच्छा काम करता था, तो उसे अपने मालिक की कृपा पाने के लिए और कुछ नहीं चाहिए होता था: यह कृपा उपहार के रूप में नहीं, बल्कि एक कर्तव्य के रूप में दी जाती थी। यह स्नेह के रूप में नहीं, बल्कि मान्यता के रूप में दी जाती थी। इससे उस कार्यालय में हर व्यक्ति के भीतर आत्म-सम्मान की अपार भावना उत्पन्न होती थी।
"अरे, ये तो मानवीय नहीं है," रोर्क के एक ड्राफ्ट्समैन ने जब घर पर यह समझाने की कोशिश की, तो किसी ने कहा, "कितना ठंडा, बौद्धिक दृष्टिकोण है!" एक लड़का, जो कुछ हद तक पीटर कीटिंग जैसा दिखता था, रोर्क के दफ्तर में बौद्धिकता की जगह मानवीयता लाने की कोशिश करने लगा; वह दो हफ्ते भी नहीं टिक पाया। रोर्क कभी-कभार अपने कर्मचारियों को चुनने में गलतियाँ कर बैठते थे, अक्सर नहीं; जो लोग एक महीने तक उनके साथ रहते थे, वे जीवन भर के लिए उनके दोस्त बन जाते थे। वे खुद को दोस्त नहीं कहते थे; वे बाहरी लोगों के सामने उनकी प्रशंसा नहीं करते थे; वे उनके बारे में बात नहीं करते थे। वे बस इतना जानते थे, धुंधले ढंग से, कि यह वफादारी उनके प्रति नहीं, बल्कि अपने भीतर की सर्वश्रेष्ठता के प्रति थी।
डोमिनिक पूरी गर्मी शहर में ही रही। उसे अपनी यात्रा करने की आदत याद आती थी, लेकिन साथ ही कड़वी खुशी भी होती थी; यह सोचकर उसे गुस्सा आता था कि वह जा नहीं सकती थी, जाना नहीं चाहती थी। उसे क्रोध में आनंद आता था; यही क्रोध उसे उसके कमरे तक ले जाता था। जिन रातों में वह उसके साथ नहीं होती थी, वह शहर की गलियों में घूमती थी। वह एनराइट हाउस या फार्गो स्टोर तक जाती और काफी देर तक इमारत को देखती रहती। वह अकेले ही शहर से बाहर जाती—हेलर हाउस, सैनबोर्न हाउस, गोवन सर्विस स्टेशन देखने। उसने कभी उससे इस बारे में बात नहीं की।
एक बार, वह सुबह दो बजे स्टेटन आइलैंड फेरी में सवार हुई; वह द्वीप तक गई और खाली डेक की रेलिंग पर अकेली खड़ी रही। उसने शहर को खुद से दूर जाते हुए देखा। आकाश और सागर के विशाल शून्य में, शहर मात्र एक छोटा, ऊबड़-खाबड़ ठोस ढांचा प्रतीत हो रहा था।
यह संकुचित, कसकर एक साथ दबा हुआ प्रतीत होता था; गलियों और अलग-अलग इमारतों का स्थान नहीं, बल्कि एक ही गढ़ी हुई आकृति। अनियमित सीढ़ियों की एक आकृति जो बिना किसी क्रमबद्ध निरंतरता के ऊपर-नीचे जाती थी, लंबी चढ़ाई और अचानक ढलान, मानो किसी ज़बरदस्त संघर्ष का ग्राफ हो।
लेकिन यह बढ़ता ही गया—कुछ बिंदुओं की ओर, संघर्ष से उभरकर सामने आई गगनचुंबी इमारतों के विजयी स्तंभों की ओर।
नाव स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के पास से गुजरी - एक हरी रोशनी में जगमगाती आकृति, जिसकी एक भुजा उसके पीछे की गगनचुंबी इमारतों की तरह ऊपर उठी हुई थी। वह रेलिंग पर खड़ी थी, शहर धीरे-धीरे छोटा होता जा रहा था, और बढ़ती दूरी की गति उसके भीतर एक बढ़ती हुई जकड़न की तरह महसूस हो रही थी, मानो किसी जीवित तार का खिंचाव हो जिसे बहुत दूर तक खींचा नहीं जा सकता था। वह शांत उत्साह से खड़ी थी, जब नाव वापस चली गई और उसने शहर को फिर से अपने सामने बढ़ते हुए देखा। उसने अपनी बाहें चौड़ी कर लीं। शहर उसकी कोहनियों तक, उसकी कलाई तक, उसकी उंगलियों के सिरों से भी आगे तक फैल गया। फिर गगनचुंबी इमारतें उसके सिर के ऊपर उठ गईं, और वह वापस लौट आई।
वह किनारे पर आ पहुँची। उसे पता था कि उसे कहाँ जाना है और वह वहाँ जल्दी पहुँचना चाहती थी, लेकिन उसे लगा कि उसे खुद ही, अपने पैरों पर चलकर वहाँ पहुँचना होगा। इसलिए वह मैनहट्टन की आधी लंबाई तक, लंबी, सुनसान और गूंजती गलियों से गुज़री। साढ़े चार बज रहे थे जब उसने उसके दरवाजे पर दस्तक दी। वह सो

रहा था। उसने अपना सिर हिलाया। “नहीं,” उसने कहा। “वापस सो जाओ। मैं बस यहाँ रहना चाहती हूँ।” उसने उसे छुआ तक नहीं। उसने अपनी टोपी और जूते उतारे, एक कुर्सी में सिमट गई और सो गई, उसकी बांह कुर्सी के किनारे से लटकी हुई थी और उसका सिर उसकी बांह पर टिका हुआ था। सुबह उसने कोई सवाल नहीं पूछा। उन्होंने साथ मिलकर नाश्ता बनाया, फिर वह जल्दी से अपने कार्यालय के लिए निकल गया। जाने से पहले, उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया।
और उसने उसे चूमा। वह बाहर चला गया, और वह कुछ पल वहीं खड़ी रही, फिर चली गई। उन्होंने बीस शब्द भी नहीं बोले थे।
कुछ सप्ताहांत ऐसे होते थे जब वे साथ में शहर छोड़कर उसकी कार में बैठकर समुद्र तट के किसी सुनसान इलाके में चले जाते थे। वे किसी वीरान समुद्र तट की रेत पर धूप में लेट जाते, समुद्र में तैरते। उसे पानी में उसके शरीर को देखना अच्छा लगता था। वह पीछे खड़ी रहती, लहरें उसके घुटनों से टकरातीं, और वह उसे लहरों को चीरते हुए सीधी रेखा में आगे बढ़ते देखती। उसे पानी के किनारे उसके साथ लेटना अच्छा लगता था; वह उससे कुछ फीट दूर पेट के बल लेट जाती, किनारे की ओर मुंह करके, अपने पैर की उंगलियों को लहरों की ओर फैलाए; वह उसे छूती नहीं थी, लेकिन वह अपने पीछे आती लहरों को महसूस करती, जो उनके शरीरों से टकराती थीं, और वह देखती कि लहरों का पानी उसके और उसके शरीर से मिलकर धाराओं में बह रहा है।
उन्होंने रात किसी ग्रामीण सराय में एक कमरे में बिताई।
उन्होंने शहर में पीछे छूटी हुई चीजों के बारे में कभी बात नहीं की। लेकिन यही अनकही बातें इन पलों की सहज सादगी को अर्थ देती थीं; जब भी वे एक-दूसरे को देखते, उनकी आँखें उस बेतुके विरोधाभास पर चुपचाप हँसती थीं।
उसने उस पर अपना दबदबा कायम करने की कोशिश की। वह उसके घर से दूर रही; उसने उसके आने का इंतज़ार किया। उसने जल्दबाज़ी में आकर सब कुछ बिगाड़ दिया; उसने उसे यह तसल्ली देने से इनकार कर दिया कि उसने उसका इंतज़ार किया और अपनी इच्छा को काबू में रखा; उसने तुरंत ही आत्मसमर्पण कर दिया।
वह कहती: “रोक, मेरे हाथ को चूम लो।” वह घुटने टेककर उसकी टखने को चूम लेता। उसने उसकी शक्ति को स्वीकार करके उसे पराजित कर दिया; उसे अपनी शक्ति का प्रयोग करने का सुख नहीं मिल सका। वह उसके चरणों में लेट जाता, वह कहता:
“बेशक मुझे तुम्हारी ज़रूरत है। तुम्हें देखकर मैं पागल हो जाती हूँ। तुम मेरे साथ लगभग कुछ भी कर सकते हो जो चाहो। क्या तुम यही सुनना चाहते हो?”
लगभग, डोमिनिक। और वो चीज़ें जो तुम मुझसे नहीं करवा सकतीं—अगर तुम मुझसे मांगो और मुझे मना करना पड़े, जैसा कि मैं करूंगी, तो तुम मुझे नरक में धकेल सकती हो। घोर नरक में, डोमिनिक। क्या इससे तुम्हें खुशी मिलती है? तुम क्यों जानना चाहती हो कि क्या तुम मेरी मालिक हो? यह तो बहुत आसान है।
बेशक तुम करते हो। मेरा हर वो हिस्सा जिस पर तुम्हारा अधिकार हो सकता है। तुम कभी कुछ और नहीं मांगोगे। लेकिन तुम जानना चाहते हो कि क्या तुम मुझे तकलीफ दे सकते हो? दे सकते हो। तो फिर क्या हुआ?” ये शब्द समर्पण जैसे नहीं लग रहे थे, क्योंकि ये उससे जबरदस्ती नहीं निकलवाए गए थे, बल्कि सरलता और स्वेच्छा से स्वीकार किए गए थे। उसे जीत का कोई रोमांच महसूस नहीं हुआ; उसे पहले से कहीं ज़्यादा ऐसा महसूस हुआ जैसे वह उस आदमी की गुलाम हो गई हो जो ये बातें कह सकता था, जानती थी
उन्हें सच मानना, और फिर भी नियंत्रित और नियंत्रणकारी बने रहना—जैसा कि वह चाहती थी कि वह बना रहे।
जून के अंत में केंट लैंसिंग नाम का एक व्यक्ति रोर्क से मिलने आया। वह चालीस वर्ष का था, फैशनेबल कपड़ों में लिपटा हुआ था और देखने में किसी मुक्केबाज जैसा लगता

था, हालांकि वह हट्टा-कट्टा, मांसल या मजबूत नहीं था: वह दुबला-पतला और गठीला था। उसे देखकर किसी मुक्केबाज और कुछ ऐसी चीज़ों की याद आती थी जो उसके रूप-रंग से मेल नहीं खाती थीं: किसी भारी भरकम हथियार, टैंक या पनडुब्बी के टॉरपीडो जैसी। वह सेंट्रल पार्क साउथ में एक आलीशान होटल बनाने के उद्देश्य से गठित एक निगम का सदस्य था। इसमें कई धनी लोग शामिल थे और निगम का संचालन एक बड़े बोर्ड द्वारा किया जाता था; उन्होंने अपनी ज़मीन खरीद ली थी; उन्होंने अभी तक वास्तुकार का चयन नहीं किया था। लेकिन केंट लैंसिंग ने ठान लिया था कि वह रोर्क ही होगा।
“मैं आपको यह बताने की कोशिश नहीं करूँगा कि मैं यह काम कितना करना चाहता हूँ,” रोर्क ने अपने पहले साक्षात्कार के अंत में उनसे कहा। “लेकिन मुझे यह पद मिलने की कोई संभावना नहीं है। मैं लोगों के साथ घुलमिल सकता हूँ—जब वे अकेले हों। मैं समूहों में उनके साथ कुछ भी नहीं कर सकता। किसी भी बोर्ड ने मुझे कभी नियुक्त नहीं किया है—और मुझे नहीं लगता कि कोई कभी करेगा।”
केंट लैंसिंग मुस्कुराया। "क्या आपने कभी किसी बोर्ड को कुछ करते हुए देखा है?"
"आपका क्या मतलब है?"
“बस यही: क्या आपने कभी किसी बोर्ड को कुछ भी करते हुए देखा है?”
"खैर, वे मौजूद हैं और काम कर रहे हैं।"
“क्या सच में ऐसा होता है? आपको पता है, एक ज़माना था जब हर कोई मानता था कि धरती चपटी है। इंसान के भ्रमों की प्रकृति और कारणों पर अटकलें लगाना मनोरंजक होगा। मैं इस पर एक दिन किताब लिखूंगा। वो लोकप्रिय नहीं होगी। उसमें निदेशक मंडलों पर एक अध्याय होगा। देखिए, उनका तो कोई अस्तित्व ही नहीं है।”
मैं आपकी बात पर विश्वास करना चाहूंगा, लेकिन इसमें चाल क्या है?
नहीं, आप मेरी बात पर यकीन नहीं करना चाहेंगे। भ्रम के कारणों का पता लगाना आसान नहीं होता। वे या तो क्रूर होते हैं या दुखद। यह दोनों है। मुख्य रूप से क्रूर। और यह कोई मज़ाक नहीं है। लेकिन हम अभी इस पर चर्चा नहीं करेंगे। मेरा मतलब सिर्फ इतना है कि निदेशक मंडल में एक या दो महत्वाकांक्षी व्यक्ति होते हैं—और बहुत सारा बोझ। मेरा मतलब है कि पुरुषों के समूह खाली होते हैं।
बड़ी-बड़ी खोखली बातें। कहते हैं कि हम पूर्ण शून्यता की कल्पना नहीं कर सकते। अरे, किसी भी समिति की बैठक में बैठ कर देख लीजिए। असली मुद्दा तो बस यह है कि कौन
वह उस खालीपन को भरने का विकल्प चुनता है। यह एक कठिन लड़ाई है। सबसे कठिन। किसी भी दुश्मन से लड़ना काफी आसान है, बशर्ते वह लड़ने के लिए मौजूद हो।
लेकिन जब वो ऐसा नहीं होता... तो मुझे ऐसे मत देखो, जैसे मैं पागल हूँ। तुम्हें पता होना चाहिए। तुमने पूरी जिंदगी एक खालीपन से लड़ाई लड़ी है।
मैं तुम्हें इसी तरह इसलिए देख रहा हूं क्योंकि मैं तुम्हें पसंद करता हूँ।
“बेशक, आप मुझे पसंद करते हैं। जैसा कि मुझे पता था, मैं भी आपको पसंद करूंगा। पुरुष भाई होते हैं, आप जानते हैं, और उनमें भाईचारे की प्रबल भावना होती है—सिवाय बोर्डों, यूनियनों, निगमों और अन्य गुटों के। लेकिन मैं बहुत ज्यादा बोलता हूं। इसीलिए मैं एक अच्छा विक्रेता हूं। हालांकि, मेरे पास आपको बेचने के लिए कुछ नहीं है। आप जानते हैं। तो हम बस इतना कहेंगे कि आप 'द एक्विटेनिया' बनाएंगे—यह हमारे होटल का नाम है—और बात यहीं खत्म करते हैं।”
अगर उन लड़ाइयों की हिंसा को, जिनके बारे में लोग कभी नहीं सुनते, भौतिक आंकड़ों में मापा जा सकता, तो एक्विटेनिया कॉर्पोरेशन के निदेशक मंडल के खिलाफ केंट लैंसिंग की लड़ाई इतिहास के महान नरसंहारों में गिनी जाती। लेकिन जिन चीज़ों से

उन्होंने लड़ाई लड़ी, वे इतनी ठोस नहीं थीं कि युद्ध के मैदान में लाशों के अलावा कुछ भी ठोस छोड़ सकें।
उन्हें कई तरह की बातों का सामना करना पड़ा, जैसे: “सुनो, पामर, लैंसिंग रोर्क नाम के किसी व्यक्ति के बारे में बात कर रहा है, तुम कैसे वोट देने वाले हो, क्या बड़े लोग उसे पसंद करते हैं या नहीं?” “मैं तब तक फैसला नहीं करूंगा जब तक मुझे पता नहीं चल जाता कि किसने उसके पक्ष में या विपक्ष में वोट दिया है।” “लैंसिंग कहता है... लेकिन दूसरी तरफ, थार्प मुझे बताता है...” “टैलबोट साठ के दशक में फिफ्थ स्ट्रीट पर एक शानदार होटल बना रहा है—और उसके पास फ्रेंकन और कीटिंग हैं।” “हार्पर इस नौजवान—गार्डन प्रेस्कॉट—की बहुत तारीफ करता है।” “सुनो, बेटसी कहती है कि हम पागल हैं।” “मुझे रोर्क का चेहरा पसंद नहीं है—वह सहयोगात्मक नहीं लगता।” “मुझे पता है, मैं महसूस करता हूं, रोर्क उस तरह का आदमी है जो घुलमिल नहीं पाता। वह आम आदमी नहीं है।” “आम आदमी क्या होता है?” “अरे यार, तुम तो अच्छी तरह जानते हो मेरा मतलब क्या है: सामान्य।” “थाम्पसन कहते हैं कि श्रीमती प्रिचेट कहती हैं कि उन्हें पक्का पता है क्योंकि श्री मेसी ने उनसे कहा था कि अगर...” “खैर, लड़को, मुझे किसी की परवाह नहीं, मैं अपना फैसला खुद करती हूँ, और मैं तुम्हें यह बताने आई हूँ कि मुझे लगता है कि यह रोर्क घटिया है। मुझे एनराइट हाउस पसंद नहीं है।” “क्यों?” “मुझे नहीं पता क्यों। बस मुझे पसंद नहीं है, और बात खत्म। क्या मुझे अपनी राय रखने का अधिकार नहीं है?”
यह लड़ाई कई हफ्तों तक चली। रोर्क को छोड़कर सभी ने अपनी बात रखी।
लैंसिंग ने उससे कहा: “कोई बात नहीं। शांत रहो। कुछ मत करो। मुझे बोलने दो। तुम कुछ नहीं कर सकते। समाज का सामना करते समय, सबसे ज़्यादा चिंतित, सबसे ज़्यादा काम करने वाला और योगदान देने वाला व्यक्ति ही सबसे आगे होता है।”
सबसे अधिक अधिकार रखने वाले व्यक्ति की बात सबसे कम सुनी जाती है। यह मान लिया जाता है कि उसकी कोई आवाज नहीं है और उसके द्वारा दिए जाने वाले तर्क पूर्वाग्रह से ग्रसित मानकर खारिज कर दिए जाते हैं—क्योंकि किसी भी बात पर विचार नहीं किया जाता, केवल वक्ता पर ध्यान दिया जाता है। किसी विचार की तुलना में किसी व्यक्ति पर निर्णय लेना कहीं अधिक आसान है। हालांकि, किसी व्यक्ति के दिमाग की सामग्री पर विचार किए बिना उस पर निर्णय कैसे लिया जा सकता है, यह मेरी समझ से परे है।
लेकिन, बात यही है। देखिए, तर्क को तौलने के लिए तराजू चाहिए। और तराजू रुई का नहीं बना होता। और रुई तो इंसान की आत्मा होती है—वही चीज़ जो अपना आकार नहीं बदलती, कोई प्रतिरोध नहीं करती और जिसे आगे-पीछे मोड़ा जा सकता है, यहाँ तक कि टेढ़ी-मेढ़ी भी। आप उन्हें मुझसे कहीं बेहतर बता सकते हैं कि उन्हें आपको क्यों नियुक्त करना चाहिए। लेकिन वे आपकी बात नहीं सुनेंगे, मेरी बात सुनेंगे। क्योंकि मैं बिचौलिया हूं। दो बिंदुओं के बीच की सबसे छोटी दूरी सीधी रेखा नहीं होती—वह एक बिचौलिया होता है।
और जितने ज़्यादा बिचौलिए होंगे, प्रेट्ज़ेल उतना ही छोटा होगा। यही प्रेट्ज़ेल का मनोविज्ञान है।
“तुम मेरे लिए इस तरह क्यों लड़ रहे हो?” रोर्क ने पूछा।
“आप एक अच्छे वास्तुकार क्यों हैं? क्योंकि आपके पास अच्छे के कुछ निश्चित मापदंड हैं, जो आपके अपने हैं, और आप उन पर अडिग रहते हैं। मुझे एक अच्छा होटल चाहिए, और मेरे पास अच्छे के कुछ निश्चित मापदंड हैं, जो मेरे अपने हैं, और आप ही हैं जो मुझे वह दे सकते हैं जो मैं चाहता हूँ। और जब मैं आपके लिए लड़ता हूँ, तो मैं अपनी तरफ से वही कर रहा होता हूँ जो आप एक इमारत का डिज़ाइन बनाते समय करते हैं। क्या आपको लगता है कि ईमानदारी केवल कलाकारों का एकाधिकार है? और वैसे, आपके अनुसार ईमानदारी क्या है? क्या यह अपने पड़ोसी की जेब से घड़ी न निकालने

की क्षमता है? नहीं, यह इतना आसान नहीं है। अगर बस इतना ही होता, तो मैं कहता कि 95 प्रतिशत मानवता ईमानदार और नेक इंसान होती। लेकिन, जैसा कि आप देख सकते हैं, वे नहीं हैं। ईमानदारी किसी विचार पर अडिग रहने की क्षमता है। इसके लिए सोचने की क्षमता आवश्यक है। सोचना ऐसी चीज है जिसे उधार नहीं लिया जा सकता या गिरवी नहीं रखा जा सकता। फिर भी, अगर मुझसे मानवता के प्रतीक के रूप में किसी एक को चुनने के लिए कहा जाए, तो मैं न तो क्रास चुनूंगा और न ही न तो चील, न शेर, न ही यूनिकॉर्न। मैं तो तीन सोने की गेंदें चुनूंगा।
और रोर्क ने उसकी ओर देखते हुए कहा, "चिंता मत करो। वे सब मेरे खिलाफ हैं। लेकिन मेरे पास एक फायदा है: उन्हें नहीं पता कि वे क्या चाहते हैं। मुझे पता है।"
जुलाई के अंत में, रोर्क ने एक्विटेनिया के निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए।
एल्सवर्थ टूही अपने दफ्तर में बैठे थे और अपनी मेज पर फैले अखबार को देख रहे थे, जिसमें एक्विटेनिया अनुबंध की खबर छपी थी। वे सिगरेट पी रहे थे, जिसे उन्होंने दो सीधी उंगलियों के सहारे मुंह के कोने में टिका रखा था; एक उंगली सिगरेट पर धीरे-धीरे, लयबद्ध तरीके से, काफी देर तक थपथपाती रही।
उसने अपने दरवाजे के खुलने की आवाज सुनी और ऊपर देखा तो डोमिनिक वहाँ खड़ी थी, दरवाजे के चौखट से टेक लगाए, हाथ सीने पर बांधे हुए। उसके चेहरे पर रुचि के भाव थे, बस इतना ही, लेकिन उसके चेहरे पर सचमुच रुचि का भाव देखना चिंताजनक था।
"मेरी प्यारी," उसने उठते हुए कहा, "पिछले चार सालों में जब से हम एक ही इमारत में काम कर रहे हैं, यह पहली बार है जब तुमने मेरे कार्यालय में आने की जहमत उठाई है। यह सचमुच एक खास अवसर है।"
उसने कुछ नहीं कहा, बस हल्की सी मुस्कान दी, जो और भी ज्यादा चिंताजनक थी। उन्होंने मधुर स्वर में कहा, "मेरा छोटा सा भाषण, वास्तव में, एक प्रश्न के समान था। या क्या हम अब एक दूसरे को समझ नहीं पा रहे हैं?"
"मुझे लगता है कि हमें नहीं पता—अगर आपको यह पूछना ज़रूरी लगता है कि मैं यहाँ क्यों आई हूँ। लेकिन आप जानते हैं, एल्सवर्थ, आप जानते हैं; यह आपकी मेज़ पर है।"
वह मेज़ के पास गई और अख़बार का एक कोना पलटा। वह हँसी। "क्या आप चाहते हैं कि आपने इसे कहीं छिपा रखा होता? ज़ाहिर है आपने मेरे आने की उम्मीद नहीं की होगी। वैसे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। लेकिन मुझे बस आपको एक बार सबके सामने देखना अच्छा लगता है। बिल्कुल आपकी मेज़ पर, ऐसे ही। और वो भी रियल एस्टेट वाले पन्ने पर खुला हुआ।"
"तुम्हारी बातों से ऐसा लग रहा है जैसे उस छोटी सी खबर ने तुम्हें खुश कर दिया हो।"
"हाँ, एल्सवर्थ, ऐसा हुआ था। ऐसा होता है।"
मुझे लगा था कि आपने उस अनुबंध को रोकने के लिए कड़ी मेहनत की थी।
"मेरे पास था।"
"डोमिनिक, अगर तुम्हें लगता है कि यह सब तुम नाटक कर रही हो, तो तुम खुद को धोखा दे रही हो। यह नाटक नहीं है।"
"नहीं, एल्सवर्थ। यह नहीं है।"
"क्या आप खुश हैं कि रोर्क को यह मिल गया?"
"मैं इतनी खुश हूं कि अगर मैं कभी केंट लैंसिंग से मिली और उसने मुझसे पूछा, तो मैं उसके साथ सो सकती हूं, चाहे वह कोई भी हो।"
तो क्या समझौता रद्द हो गया?
"बिल्कुल नहीं। मैं उसके हाथ में आने वाले हर काम को रोकने की कोशिश करूंगा। मैं कोशिश जारी रखूंगा। हालांकि, यह पहले जितना आसान नहीं होगा। एनराइट हाउस, कॉर्ड बिल्डिंग—और यह। मेरे लिए इतना आसान नहीं होगा।"

और तुम्हारे लिए। वो तुम्हें हरा रहा है, एल्सवर्थ। एल्सवर्थ, क्या पता दुनेया के बारे में हम दोनों ही गलत हों?
“तुम हमेशा से ऐसी ही रही हो, मेरी प्यारी। मुझे माफ कर दो। मुझे आश्चर्य नहीं करना चाहिए था। बेशक, उसे यह मिल जाने से तुम्हें खुशी होगी। मुझे यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है कि इससे मुझे बिल्कुल भी खुशी नहीं हुई। देखा? अब मेरे कार्यालय में तुम्हारा आना पूरी तरह सफल रहा। तो हम ऑक्टेनियों को एक बड़ी हार मानकर भूल जाएंगे और पहले की तरह आगे बढ़ेंगे।”
“बिल्कुल, एल्सवर्थ। बिल्कुल वैसे ही जैसे हम थे। मैं आज रात एक डिनर पार्टी में पीटर कीटिंग के लिए एक खूबसूरत नए अस्पताल का सौदा पक्का कर रहा हूँ।”
एल्सवर्थ टूही घर गए और उन्होंने पूरी शाम हॉपटन स्टोडार्ड के बारे में सोचते हुए बिताई।
हॉपटन स्टोडार्ड एक छोटा सा आदमी था जिसकी संपत्ति बीस मिलियन डॉलर थी। तीन विरासतें उस राशि में योगदान दे चुकी थीं, और बहत्तर साल का व्यस्त जीवन धन कमाने के उद्देश्य से समर्पित था। हॉपटन स्टोडार्ड निवेश में माहिर थे; उन्होंने हर चीज में निवेश किया।
वेश्यालय, ब्रॉडवे के भव्य प्रदर्शन, अधिमानतः धार्मिक प्रकृति के, कारखाने, कृषि बंधक और गर्भनिरोधक। वह कद में छोटा और झुका हुआ था। उसका चेहरा विकृत नहीं था; लोग बस ऐसा सोचते थे, क्योंकि उसके चेहरे पर एक ही भाव रहता था: वह मुस्कुराता था। उसका छोटा सा मुंह हमेशा खुश रहने वाले 'वी' के आकार का था; उसकी भौहें गोल, नीली आंखों के ऊपर उल्टे 'वी' के आकार की थीं; उसके घने, सफेद और लहराते बाल विग जैसे दिखते थे, लेकिन असली थे।
टूही हॉपटन स्टोडार्ड को कई वर्षों से जानते थे और उन पर उनका गहरा प्रभाव था। हॉपटन स्टोडार्ड ने कभी शादी नहीं की थी, उनके कोई रिश्तेदार या दोस्त नहीं थे; वे लोगों पर भरोसा नहीं करते थे, क्योंकि उनका मानना था कि लोग हमेशा उनके पैसे के पीछे पड़े रहते हैं। लेकिन वे एल्सवर्थ टूही का बहुत सम्मान करते थे, क्योंकि टूही उनके अपने जीवन के बिल्कुल विपरीत थे; टूही को सांसारिक धन-दौलत से कोई लगाव नहीं था; इसी अंतर के कारण वे टूही को सद्गुण का प्रतीक मानते थे; इस धारणा का उनके अपने जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है, यह बात उन्हें कभी पूरी तरह समझ नहीं आई। वे अपने जीवन को लेकर निश्चिंत नहीं थे, और जैसे-जैसे समय बीतता गया, अंत निकट आता गया, उनकी बेचैनी बढ़ती गई।
उसने धर्म में राहत पाई—भ्रष्टाचार के रूप में। उसने कई अलग-अलग मतों को आजमाया, धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया, बड़ी रकम दान की और दूसरे धर्म में परिवर्तित हो गया। जैसे-जैसे वर्ष बीतते गए, उसकी खोज की गति तेज होती गई; उसमें घबराहट झलकने लगी।
धर्म के प्रति टूही की उदासीनता ही एकमात्र ऐसी कमी थी जो उनके मित्र और गुरु को परेशान करती थी। लेकिन टूही द्वारा प्रचारित हर बात ईश्वर के नियमों के अनुरूप प्रतीत होती थी: दान, त्याग, गरीबों की सहायता। हॉपटन स्टोडार्ड टूही की सलाह का पालन करते समय सुरक्षित महसूस करते थे। उन्होंने बिना किसी आग्रह के टूही द्वारा अनुशंसित संस्थानों को उदारतापूर्वक दान दिया। आध्यात्मिक मामलों में वे टूही को पृथ्वी पर उसी प्रकार मानते थे जैसे वे स्वर्ग में ईश्वर को मानते थे।
लेकिन इस गर्मी में टूही को पहली बार हॉपटन स्टोडार्ड से हार का सामना करना पड़ा। हॉपटन स्टोडार्ड ने एक ऐसे सपने को साकार करने का निश्चय किया, जिसकी योजना वह अपने अन्य सभी निवेशों की तरह ही कई वर्षों से चुपके-चुपके और सावधानीपूर्वक बना रहे थे: उन्होंने एक मंदिर बनाने का फैसला किया। यह किसी विशेष पंथ का मंदिर नहीं होगा, बल्कि धर्म के लिए एक अंतरधार्मिक, गैर-सांप्रदायिक स्मारक होगा, आस्था का एक गिरजाघर होगा, जो सभी के लिए खुला होगा।

हॉपटन स्टोडार्ड सुरक्षित खेलना चाहता था।
जब एल्सवर्थ टूही ने उन्हें इस परियोजना के खिलाफ सलाह दी तो वे बेहद निराश हुए। टूही एक ऐसी इमारत चाहते थे जिसमें मानसिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए एक नया घर हो; उन्होंने एक संगठन भी बना लिया था, प्रायोजकों की एक प्रतिष्ठित समिति भी गठित कर ली थी, संचालन खर्चों के लिए एक बंदोबस्ती भी थी—लेकिन उनके पास न तो कोई इमारत थी और न ही उसे बनाने के लिए कोई धन। टूही ने जोर देकर उनसे कहा कि अगर हॉप्टन स्टोडार्ड अपने नाम के लिए एक योग्य स्मारक, अपनी उदारता की एक भव्य परिणति चाहते हैं, तो वे अपने धन को हॉप्टन स्टोडार्ड होम फार सबनार्मल चिल्ड्रन से बेहतर किस नेक उद्देश्य के लिए समर्पित कर सकते हैं; उन बेचारे छोटे बच्चों के लिए जिनकी कोई परवाह नहीं करता।
लेकिन हॉप्टन स्टोडार्ड को न तो किसी गृहस्थी के लिए और न ही किसी सांसारिक संस्था के लिए कोई उत्साह था। उन्हें तो बस "मानव आत्मा का हॉप्टन स्टोडार्ड मंदिर" ही चाहिए था।
वह टूही की शानदार रचना के खिलाफ कोई तर्क नहीं दे सका; वह इसके अलावा कुछ नहीं कह सका: "नहीं, एल्सवर्थ, नहीं, यह सही नहीं है, बिल्कुल सही नहीं है।"
मामला अनसुलझा ही रह गया। हॉपटन स्टोडार्ड टस से मस नहीं हुए, लेकिन टूही की असहमति ने उन्हें असहज कर दिया और वे अपना फैसला हर दिन टालते रहे। उन्हें बस इतना पता था कि उन्हें फैसला लेना ही होगा।
ग्रीष्म ऋतु के अंत तक, क्योंकि शरद ऋतु में उन्हें एक लंबी यात्रा पर निकलना था, जो कि सभी धर्मों के पवित्र तीर्थ स्थलों की विश्व यात्रा थी, जिसमें लूर्डस से लेकर यरूशलेम, मक्का और बनारस तक की यात्रा शामिल थी।
एक्विटेनिया अनुबंध की घोषणा के कुछ दिनों बाद, टूही शाम को हॉप्टन स्टोडार्ड से मिलने के लिए रिवरसाइड ड्राइव पर स्थित स्टोडार्ड के विशाल, भरे-पूरे अपार्टमेंट में आए।
“हॉप्टन,” उसने खुशी से कहा, “मैं गलत था। उस मंदिर के बारे में आप सही थे।”
“नहीं!” हॉपटन स्टोडार्ड ने क्षोभपूर्वक कहा।
“जी हां,” टूही ने कहा, “आप सही थे। इसके अलावा और कुछ उपयुक्त नहीं होगा। आपको एक मंदिर बनाना होगा। मानव आत्मा का मंदिर।”
हॉपटन स्टोडार्ड ने गहरी साँस ली और उसकी नीली आँखें नम हो गईं। उसे लगा कि अगर वह अपने गुरु को सद्गुण का एक अंश सिखा पाया है, तो वह धर्म के मार्ग पर बहुत आगे बढ़ चुका है। इसके बाद, उसके लिए और कुछ मायने नहीं रखता था; वह एक नम्र, झुर्रीदार बच्चे की तरह बैठा, एल्सवर्थ टूही की बातें सुनता रहा, सिर हिलाता रहा और हर बात से सहमत होता रहा।
“हॉप्टन, यह एक महत्वाकांक्षी प्रयास है, और यदि आप इसे करते हैं, तो आपको इसे सही तरीके से करना होगा। भगवान को उपहार देना थोड़ा अहंकारपूर्ण है, और जब तक आप इसे सर्वोत्तम तरीके से नहीं करते, यह अपमानजनक होगा, श्रद्धापूर्ण नहीं।”
“हाँ, बिल्कुल। यह सही ही होगा। यह सही ही होगा। यह सबसे अच्छा ही होगा। आप मेरी मदद करेंगे ना, एल्सवर्थ? आप इमारतों, कला और हर चीज़ के बारे में सब कुछ जानते हैं—यह सही ही होगा।”
"अगर आप सचमुच चाहते हैं तो मुझे आपकी मदद करने में खुशी होगी।"
“अगर मैं चाहूँ तो! तुम्हारा क्या मतलब है—अगर मैं चाहूँ तो...! हे भगवान, तुम्हारे बिना मैं क्या करूँगी? मुझे तो कुछ पता ही नहीं।”
...इस तरह की किसी भी बात के बारे में। और यह सही ही होना चाहिए।"
"अगर आप इसे सही तरीके से करना चाहते हैं, तो क्या आप बिल्कुल वैसा ही करेंगे जैसा मैं कहता हूं?"
“जी हां, जी हां। जी हां, बिल्कुल।”

सबसे पहले तो, वास्तुकार। वह बहुत महत्वपूर्ण है।
"हां, वास्तव में।"
“आपको वो दिखावटी, दिखावटी और सिर्फ पैसे कमाने वाले व्यावसायिक लड़के नहीं चाहिए। आपको ऐसा आदमी चाहिए जो अपने काम में उतना ही विश्वास रखता हो जितना आप ईश्वर में रखते हैं।”
“जी हां, बिलकुल सही।
"तुम्हें वही लेना होगा जिसका मैं नाम लूँ।"
“ज़रूर। वो कौन है?”
“हावर्ड रोर्क।”
“ह?” हॉपटन स्टोडार्ड का चेहरा खाली हो गया। “ये कौन है?”
"वही व्यक्ति है जो मानव आत्मा का मंदिर बनाने जा रहा है।"
क्या वह अच्छा खिलाड़ी है?
एल्सवर्थ टूही मुड़ा और सीधे उसकी आँखों में देखा।
"मेरी अमर आत्मा की कसम, हाइटन," उसने धीरे से कहा, "वह सबसे बेहतरीन है।"
"ओह! ..."
लेकिन उन्हें पाना मुश्किल है। वे कुछ खास शर्तों पर ही काम करते हैं। आपको उन शर्तों का कड़ाई से पालन करना होगा। आपको उन्हें पूरी आज़ादी देनी होगी। उन्हें बताइए कि आप क्या चाहते हैं और कितना खर्च करना चाहते हैं, बाकी सब उन पर छोड़ दीजिए। उन्हें अपनी इच्छानुसार डिजाइन और निर्माण करने दीजिए। अन्यथा वे काम नहीं करेंगे। बस उन्हें साफ़-साफ़ बता दीजिए कि आपको वास्तुकला के बारे में कुछ नहीं पता और आपने उन्हें इसलिए चुना है क्योंकि आपको लगा कि वही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन पर बिना सलाह या दखलंदाजी के काम को सही ढंग से करने का भरोसा किया जा सकता है।
"ठीक है, अगर आप उसकी गारंटी देते हैं।"
मैं उसकी गारंटी देता हूँ।
“कोई बात नहीं। और मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि इसमें मुझे कितना खर्च आएगा।”
लेकिन आपको उससे संपर्क करने में सावधानी बरतनी चाहिए। मुझे लगता है कि वह पहले तो मना कर देगा। वह आपको बताएगा कि वह भगवान में विश्वास नहीं करता।
"क्या!"
“उसकी बात पर विश्वास मत करो। वह अपने तरीके से एक बेहद धार्मिक व्यक्ति है। आप इसे उसकी इमारतों में देख सकते हैं।”
"ओह।"
लेकिन वह किसी स्थापित चर्च से संबंधित नहीं है। इसलिए आप पक्षपातपूर्ण नहीं दिखेंगे। आप किसी को नाराज नहीं करेंगे।
"अच्छी बात है।"
“अब, जब आप आस्था से जुड़े मामलों में व्यवहार करते हैं, तो आपको सबसे पहले स्वयं आस्था रखनी चाहिए। क्या यह सही है?”
"यह सही है।"
“उसके चित्र देखने का इंतज़ार मत करो। उनमें समय लगेगा—और आपको अपनी यात्रा में देरी नहीं करनी चाहिए। बस उसे काम पर रख लो—कोई अनुबंध पर हस्ताक्षर मत करो, यह ज़रूरी नहीं है—अपने बैंक से वित्तीय मामलों का इंतज़ाम करवा लो और बाकी काम उसे करने दो। आपको उसकी फीस तब तक नहीं देनी है जब तक आप वापस नहीं आ जाते। लगभग एक साल बाद, जब आप वापस आएंगे...”
इन सभी भव्य मंदिरों को देखकर, आपको अपना एक बेहतर मंदिर यहीं मिलेगा, जो आपका इंतजार कर रहा होगा।

मुझे बिल्कुल यही चाहिए था।
लेकिन आपको जनता के सामने उचित अनावरण, उचित समर्पण और सही प्रचार के बारे में सोचना होगा।
“बिल्कुल... मतलब, प्रचार?”
“बिल्कुल। क्या आप किसी ऐसे बड़े आयोजन के बारे में जानते हैं जिसका प्रचार अभियान अच्छा न हो? ऐसा आयोजन जिसका प्रचार अभियान न हो, वह खास नहीं हो सकता। अगर आप इसमें कंजूसी करेंगे, तो यह सरासर अपमानजनक होगा।”
“यह सच है।”
“अब अगर आप उचित प्रचार चाहते हैं, तो आपको इसकी सावधानीपूर्वक, काफ़ी पहले से योजना बनानी होगी। आप चाहते हैं कि जब आप इसका अनावरण करें, तो यह एक भव्य समारोह हो, किसी ओपेरा के शुरुआती संगीत की तरह, गेब्रियल के तुरही की ध्वनि की तरह।”
"आपने जिस तरह से इसे व्यक्त किया, वह बहुत सुंदर है।"
“अच्छा, इसके लिए आपको अखबार के कुछ अय्याशों को समय से पहले खबरें फैलाकर आपका प्रभाव कम करने नहीं देना चाहिए। मंदिर के चित्र जारी मत कीजिए। उन्हें गुप्त रखिए। रोर्क को बता दीजिए कि आप उन्हें गुप्त रखना चाहते हैं। उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। निर्माण के दौरान ठेकेदार से साइट के चारों ओर मजबूत बाड़ लगवा दीजिए। जब तक आप वापस आकर स्वयं अनावरण समारोह में शामिल नहीं होते, तब तक किसी को पता नहीं चलना चाहिए कि यह कैसा है। फिर—देश के हर अखबार में तस्वीरें छपें!”
“एल्सवर्थ!”
"मैं क्षमा चाहता हूँ।"
“यह विचार बिल्कुल सही है। हमने दस साल पहले इसी तरह से 'द लीजेंड ऑफ द वज़िन' का मंचन किया था, जिसमें सत्तानवे कलाकार थे।”
“हाँ। लेकिन इस बीच, जनता की दिलचस्पी बनाए रखें। एक अच्छा प्रेस एजेंट नियुक्त करें और उसे बताएं कि आप इसे कैसे संभालना चाहते हैं। मैं आपको एक बेहतरीन एजेंट का नाम बता देता हूँ। यह सुनिश्चित करें कि हर दूसरे सप्ताह अखबारों में रहस्यमय स्टोडार्ड मंदिर के बारे में कुछ न कुछ छपती रहे। लोगों को अनुमान लगाने दें। उन्हें इंतजार करने दें। जब समय आएगा, वे पूरी तरह से तैयार होंगे।”
"सही।"
लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोर्क को यह पता न चलने दें कि मैंने उसकी सिफारिश की है।
मेरे इस मामले में शामिल होने की बात किसी को मत बताना। एक भी इंसान को नहीं। कसम खाओ।
"लेकिन क्यों?"
"क्योंकि मेरे बहुत सारे दोस्त आर्किटेक्ट हैं, और यह इतना महत्वपूर्ण काम है, और मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता।"
"हाँ यह सच है।"
"कसम खाओ।"
“ओह, एल्सवर्थ!”
“इसकी कसम खाओ। अपनी आत्मा की मुक्ति की कसम।”
मैं कसम खाता हूँ। उस बात की कसम।
“ठीक है। अब आपने कभी आर्किटेक्ट्स से बात नहीं की है, और वह एक असामान्य प्रकार के आर्किटेक्ट हैं, और आप कोई गलती नहीं करना चाहते। इसलिए मैं आपको बताता हूँ कि आपको उनसे क्या कहना है।”

अगले दिन टूही डोमेनेक के दफ्तर में दाखिल हुआ। वह उसकी डेस्क के पास खड़ा हुआ, मुस्कुराया और बिना मुस्कान के बोला:
"क्या आपको हॉपटन स्टोडार्ड और उस सर्वधर्म मंदिर के बारे में याद है जिसके बारे में वह छह साल से बात कर रहे हैं?"
"अस्पष्ट रूप से।"
वह इसे बनाने जा रहा है।
"क्या वह है?"
"वह यह नौकरी हॉवर्ड रोर्क को दे रहे हैं।"
"ज़रूरी नहीं!"
"वास्तव में।"
"वाह, इतने सारे अविश्वसनीय लोगों में से... हॉपटन नहीं!"
“हॉपटन।”
"अच्छा, ठीक है। मैं उस पर काम शुरू कर देता हूँ।"
“नहीं। तुम इसे छोड़ दो। मैंने उससे कहा है कि वह इसे रोर्क को दे दे।”
वह एकदम स्थिर बैठी रही, जैसे ही उन शब्दों ने उसे झकझोर दिया, उसके चेहरे से हंसी गायब हो गई। उसने आगे कहा:
“मैं चाहता था कि आपको पता चले कि मैंने यह किया है, ताकि कोई सामरिक विरोधाभास न हो। इसे कोई और नहीं जानता और न ही किसी और को जानना चाहिए। मुझे भरोसा है कि आप इसे याद रखेंगे।”
उसने होंठ कसकर हिलाते हुए पूछा, "तुम क्या चाहते हो?"
वह मुस्कुराया। उसने कहा:
मैं उसे मशहूर बनाऊंगा।
रोर्क हॉपटन स्टोडार्ड के कार्यालय में बैठा रहा और स्तब्ध होकर सुनता रहा।
हॉपटन स्टोडार्ड धीरे-धीरे बोलते थे; उनकी आवाज़ गंभीर और प्रभावशाली लगती थी, लेकिन इसका कारण यह था कि उन्होंने अपने भाषण लगभग रट लिए थे।
शब्दशः। उसकी मासूम आँखें रोर्क की ओर एक विनम्र विनती भरी निगाहों से देख रही थीं।
एक पल के लिए, रोर्क लगभग वास्तुकला को भूल गया और उसने मानवीय पहलू को प्राथमिकता दी; वह उठकर दफ्तर से बाहर निकलना चाहता था; वह उस आदमी को बर्दाश्त नहीं कर सकता था। लेकिन जो शब्द उसने सुने, उन्होंने उसे बांधे रखा; वे शब्द उस आदमी के चेहरे या आवाज़ से मेल नहीं खाते थे।
तो देखिए, श्रीमान रोर्क, यद्यपि यह एक धार्मिक इमारत है, फिर भी यह उससे कहीं अधिक है। आपने गौर किया होगा कि हम इसे मानव आत्मा का मंदिर कहते हैं। हम पत्थर में, जैसे अन्य लोग संगीत में धारण करते हैं, किसी संकीर्ण मत को नहीं, बल्कि समस्त धर्म के सार को धारण करना चाहते हैं। और धर्म का सार क्या है? सर्वोच्च, श्रेष्ठ और सर्वोत्तम की ओर मानव आत्मा की महान आकांक्षा। आदर्श के निर्माता और विजेता के रूप में मानव आत्मा। ब्रह्मांड की महान जीवनदायिनी शक्ति। वीर मानव आत्मा। यही आपका कार्य है, श्रीमान रोर्क।
रोर्क ने बेबसी से अपनी आँखों पर हाथ फेरा। यह मुमकिन नहीं था। बिलकुल भी मुमकिन नहीं था। वह आदमी ऐसा नहीं चाहता था; वह आदमी तो बिल्कुल नहीं। उसे ऐसा कहते सुनना भयानक लग रहा था।
“श्रीमान स्टोडार्ड, मुझे खेद है कि आपने गलती की है,” उन्होंने धीमी और थकी हुई आवाज़ में कहा। “मुझे नहीं लगता कि मैं वह व्यक्ति हूँ जिसे आप चाहते हैं। मुझे नहीं लगता कि मेरे लिए यह ज़िम्मेदारी लेना उचित होगा। मैं ईश्वर में विश्वास नहीं करता।”
हॉपटन स्टोडार्ड के चेहरे पर खुशी और विजय का भाव देखकर वह चकित रह गया।
हॉपटन स्टोडार्ड प्रशंसा से प्रफुल्लित था—एल्सवर्थ टूही की दूरदर्शी बुद्धिमत्ता के प्रति,

जो हमेशा सही साबित होते थे। उसने नए आत्मविश्वास के साथ खुद को संभाला और दृढ़ता से बोला, पहली बार एक बूढ़े व्यक्ति के लहजे में, जो एक युवक को संबोधित कर रहा हो, बुद्धिमान और विनम्रतापूर्वक उपदेश देते हुए:
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप एक अत्यंत धार्मिक व्यक्ति हैं, श्री रोर्क।”
अपने ही अंदाज में। मैं इसे आपकी इमारतों में देख सकता हूँ।
वह सोच रहा था कि रोर्क इतनी देर तक बिना हिले-डुले उसे क्यों घूरता रहा।
“यह सच है,” रोर्क ने लगभग फुसफुसाते हुए कहा।
यह जानकर कि वह इस व्यक्ति से अपने बारे में, अपनी इमारतों के बारे में कुछ सीख सकता है, जिसने इसे उससे पहले देखा और जाना था, और यह व्यक्ति इसे उस सहनशील आत्मविश्वास के साथ कह रहा है जो पूर्ण समझ को दर्शाता है—रोर्क के संदेह दूर हो गए। उसने खुद से कहा कि वह वास्तव में लोगों को नहीं समझता; कि धारणा भ्रामक हो सकती है;
कि हॉपटन स्टोडार्ड वैसे भी किसी दूसरे महाद्वीप पर बहुत दूर होंगे; कि ऐसे कार्य के सामने कुछ भी मायने नहीं रखता; कि जब एक मानवीय आवाज - यहाँ तक कि हॉपटन स्टोडार्ड की भी - बोल रही हो, तो कुछ भी मायने नहीं रख सकता:

“मैं इसे ईश्वर कहना चाहता हूँ। आप कोई और नाम चुन सकते हैं। लेकिन उस इमारत में मुझे आपकी आत्मा चाहिए। आपकी आत्मा, श्री रोर्क। मुझे अपनी आत्मा का सर्वश्रेष्ठ रूप दीजिए—और आप अपना काम पूरा कर लेंगे, जैसे मैं अपना। मैं जो अर्थ व्यक्त करना चाहता हूँ, उसकी चिंता न कीजिए। इसे एक इमारत के रूप में आपकी आत्मा बनने दीजिए—और इसका वही अर्थ होगा, चाहे आप इसे जानें या न जानें।”
और इसलिए रोर्क ने स्टोडार्ड टेंपल ऑफ द ह्यूमन स्पिरिट का निर्माण करने पर सहमति जताई।
ग्यारहवीं
दिसंबर में कॉस्मो-स्लॉटनिक बिल्डिंग थी
इसका भव्य उद्घाटन हुआ। इसमें मशहूर हस्तियां, फूलों से बने घोड़े की नाल, न्यूज़रील कैमरे, घूमती हुई सर्चलाइटें और तीन घंटे के भाषण शामिल थे, जो सभी एक जैसे थे।
पीटर कीटिंग ने खुद से कहा, "मुझे खुश होना चाहिए"—पर वह खुश नहीं था। उसने खिड़की से ब्रॉडवे पर दूर-दूर तक फैले लोगों की भीड़ को देखा। उसने खुद को खुश करने की कोशिश की। लेकिन उसे कुछ महसूस नहीं हुआ। उसे मानना पड़ा कि वह ऊब गया था। फिर भी वह मुस्कुराया, लोगों से हाथ मिलाया और अपनी तस्वीरें खिंचवाईं। कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग सड़क पर एक बड़े सफेद ब्रोमाइड की तरह भव्य रूप से खड़ी थी।
समारोहों के बाद, एल्सवर्थ टूही कीटिंग को एक शांत, महंगे रेस्तरां में हल्के गुलाबी रंग के बूथ में ले गए। उद्घाटन के उपलक्ष्य में कई शानदार पार्टियां आयोजित की जा रही थीं, लेकिन कीटिंग ने टूही का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया और अन्य सभी निमंत्रणों को ठुकरा दिया। टूही उन्हें देखते रहे जब उन्होंने अपना पेय उठाया और अपनी सीट पर बैठ गए।
“क्या यह शानदार नहीं था?” टूही ने कहा। “पीटर, यही तो जीवन से मिलने वाली हर खुशी का चरम है।” उन्होंने धीरे से अपना गिलास उठाया। “आशा है कि तुम्हें ऐसी ही कई जीतें मिलेंगी। जैसे आज रात।”
"धन्यवाद," कीटिंग ने कहा और बिना देखे जल्दबाजी में अपना गिलास उठाया, तो पाया कि वह खाली था।
"क्या तुम्हें गर्व नहीं हो रहा, पीटर?"
“जी हाँ। जी हां, बिल्कुल।”

“बहुत बाढ़िया। मुझे आपको इसी रूप में देखना पसंद है। आज रात आप बेहद आकर्षक लग रहे थे। आप न्यूज़रील में शानदार दिखेंगे।”
कीटिंग की आँखों में थोड़ी सी दिलचस्पी झलक उठी। "हाँ, मुझे पूरी उम्मीद है।"
“काश तुम शादीशुदा होते, पीटर। आज रात तुम्हारी पत्नी होती तो और भी अच्छा लगता। जनता को भी पसंद आता। फिल्म देखने वालों को भी।”
"कैटी की तस्वीरें अच्छी नहीं आतीं।"
“ओह, हाँ, आपकी सगाई कैटी से हो चुकी है। कितनी बेवकूफी की बात है। मैं इसे बार-बार भूल जाती हूँ। नहीं, कैटी की तस्वीरें बिल्कुल भी अच्छी नहीं आतीं। और हाँ, ज़िंदगी भर के लिए
मुझे नहीं लगता कि कैटी किसी सामाजिक समारोह में बहुत प्रभावी साबित होगी। कैटी के लिए कई अच्छे विशेषण इस्तेमाल किए जा सकते हैं, लेकिन 'संयमित' और 'प्रतिष्ठित' उनमें शामिल नहीं हैं। मुझे माफ़ करना, पीटर। मेरी कल्पना मुझ पर हावी हो गई। कला से इतना जुड़ाव होने के कारण, मैं चीजों को केवल कलात्मक दृष्टि से ही देखने की प्रवृत्ति रखता हूँ। और आज रात आपको देखकर, मैं उस महिला के बारे में सोचे बिना नहीं रह सका जो आपके साथ एक आदर्श तस्वीर पेश करती।
"कौन?"
“अरे, मेरी बातों पर ध्यान मत दो। ये तो बस एक सौंदर्यबोध है। ज़िंदगी कभी इतनी परिपूर्ण नहीं होती। लोगों के पास तुमसे ईर्ष्या करने के लिए बहुत कुछ है। तुम इसे अपनी अन्य उपलब्धियों में नहीं जोड़ सकते।”
"कौन?"
"इसे छोड़ दो, पीटर। तुम उसे नहीं पा सकते। कोई भी उसे नहीं पा सकता। तुम अच्छे हो, लेकिन तुम इसके लिए काफी अच्छे नहीं हो।"
"कौन?"
"डोमिनिक फ्रैंकन, बिल्कुल।"
कीटिंग सीधा बैठ गया और टूही ने उसकी आँखों में सतर्कता, विद्रोह, यहाँ तक कि वास्तविक शत्रुता भी देखी। टूही ने शांत भाव से उसकी ओर देखा। अंत में कीटिंग ही हार मान गया; वह फिर से ढीला पड़ गया और गिड़गिड़ाते हुए बोला:
"हे भगवान, एल्सवर्थ, मैं उससे प्यार नहीं करता।"
“मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि आप ऐसा करते हैं। लेकिन मैं अक्सर भूल जाता हूँ कि आम आदमी प्यार को, खासकर यौन प्रेम को, कितनी अधिक अहमियत देता है।”
"मैं कोई साधारण आदमी नहीं हूँ," कीटिंग ने थके हुए स्वर में कहा; यह एक सहज विरोध था—बिना किसी जोश के।
"पीटर, सीधे बैठो। इस तरह झुके हुए तुम हीरो नहीं लगते।"
कीटिंग घबराकर और गुस्से में उठ खड़ा हुआ। उसने कहा:
“मुझे हमेशा से ऐसा लगता था कि तुम चाहते थे कि मैं डोमिनिक से शादी करूँ। क्यों?” इससे आपको क्या लेना-देना है?
“पीटर, तुमने अपने सवाल का जवाब खुद ही दे दिया है। भला इससे मुझे क्या लेना-देना? लेकिन हम प्यार की बात कर रहे थे। पीटर, यौन प्रेम एक बेहद स्वार्थी भावना है। और स्वार्थी भावनाएँ खुशी की ओर नहीं ले जातीं। क्या ऐसा होता है? आज रात का ही उदाहरण ले लो। वह शाम तो एक अहंकारी के दिल को खुश करने वाली थी। क्या तुम खुश थे, पीटर? चिंता मत करो, मेरे प्यारे, जवाब की कोई ज़रूरत नहीं है। मैं बस इतना कहना चाहता हूँ कि हमें अपनी सबसे निजी भावनाओं पर भरोसा नहीं करना चाहिए। असल में, हमारी इच्छाएँ कितनी कम मायने रखती हैं! हम उनसे खुशी पाने की उम्मीद नहीं कर सकते।
जब तक इस बात को पूरी तरह से समझ न लिया जाए, तब तक खुशी नहीं मिलती। आज रात के बारे में एक पल के लिए सोचो। मेरे प्यारे पीटर, तुम वहाँ सबसे कम

महत्वपूर्ण व्यक्ति थे।
और यही होना चाहिए। मायने रखने वाला काम करने वाला नहीं, बल्कि वो होता है जिसके लिए काम किया जाता है। लेकिन आप इस बात को स्वीकार नहीं कर पाए—और इसीलिए आपको वो अपार खुशी नहीं मिली जो आपको मिलनी चाहिए थी।
“यह सच है,” कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा। वह किसी और के सामने यह बात स्वीकार नहीं करता।
“तुमने पूर्ण निस्वार्थता के सुंदर गौरव को खो दिया। यह गौरव तभी प्राप्त होता है जब तुम अपने अहंकार को पूरी तरह से नकारना सीखते हो, जब तुम अपनी छोटी-मोटी यौन इच्छाओं जैसी तुच्छ भावनाओं से आनंदित होना सीखते हो।”
तभी तुम वह महानता हासिल कर पाओगे जिसकी मैंने तुमसे हमेशा अपेक्षा की है।
“क्या तुम... तुम मेरे बारे में ऐसा मानते हो, एल्सवर्थ? क्या तुम सचमुच ऐसा मानते हो?”
“अगर ऐसा नहीं होता तो मैं यहां नहीं बैठा होता। लेकिन प्यार की ओर वापस लौटना।”
पीटर, व्यक्तिगत प्रेम एक बड़ी बुराई है—जैसे कि हर व्यक्तिगत चीज़। और यह हमेशा दुख की ओर ले जाता है। क्या तुम यह नहीं समझते? व्यक्तिगत प्रेम भेदभाव और पक्षपात का कार्य है। यह अन्याय है—धरती पर हर उस इंसान के साथ जिसे तुम मनमाने ढंग से दिए गए स्नेह से वंचित कर देते हो। तुम्हें सभी मनुष्यों से समान रूप से प्रेम करना चाहिए। लेकिन तुम इस महान भावना को तब तक प्राप्त नहीं कर सकते जब तक तुम अपने स्वार्थी छोटे विकल्पों को समाप्त नहीं कर देते। वे दुष्ट और व्यर्थ हैं—क्योंकि वे प्रथम ब्रह्मांडीय नियम—सभी मनुष्यों की मूलभूत समानता—के विरुद्ध हैं।
"आपका मतलब है," कीटिंग ने अचानक दिलचस्पी दिखाते हुए कहा, "कि... दार्शनिक रूप से, गहराई से, मेरा मतलब है, हम सब बराबर हैं? हम सभी?"
“बिल्कुल,” टूही ने कहा।
कीटिंग सोच रहा था कि यह विचार उसे इतना सुखद क्यों लग रहा है। उसे इस बात का ज़रा भी दुख नहीं था कि इससे वह आज रात अपनी इमारत के जश्न में इकट्ठा हुए लोगों के बराबर हो जाएगा; यह विचार उसके मन में धुंधला सा आया—और उसे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ा, भले ही यह श्रेष्ठता की उस प्रबल चाह के विपरीत था जिसने उसे जीवन भर प्रेरित किया था। यह विरोधाभास मायने नहीं रखता था; वह न तो आज रात के बारे में सोच रहा था और न ही भीड़ के बारे में; वह एक ऐसे व्यक्ति के बारे में सोच रहा था जो आज रात वहां मौजूद नहीं था।
“जानते हो, एल्सवर्थ,” उसने आगे झुकते हुए कहा, एक अजीब सी खुशी के साथ, “मैं... मैं किसी और काम के बजाय तुमसे बात करना ज़्यादा पसंद करूँगा, बिल्कुल किसी और काम के बजाय। आज रात मुझे कई जगहों पर जाना था—और मैं बहुत तुम्हारे साथ यहाँ बैठे-बैठे ही मुझे बहुत खुशी मिलती है। कभी-कभी मुझे आश्चर्य होता है कि तुम्हारे बिना मेरा जीवन कैसा होगा।
टूही ने कहा, "यही तो होना चाहिए। वरना दोस्त किस काम के होते हैं?"
उस सर्दी में वार्षिक कॉस्ट्यूम आर्ट्स बॉल हमेशा की तुलना में कहीं अधिक शानदार और मौलिक आयोजन था। इसके आयोजन के सूत्रधार एथेलस्टन बीसली ने एक अद्भुत विचार को जन्म दिया: सभी वास्तुकारों को अपनी सर्वश्रेष्ठ इमारतों की वेशभूषा में आने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह एक बड़ी सफलता साबित हुई।
पीटर कीटिंग शाम के सितारे थे। कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग के रूप में वे बेहद आकर्षक लग रहे थे। उनकी प्रसिद्ध इमारत की हूबहू प्रतिकृति ने उन्हें सिर से घुटनों तक ढक रखा था; उनका चेहरा तो दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन उनकी चमकीली आँखें सबसे ऊपरी मंजिल की खिड़कियों के पीछे से झाँक रही थीं, और छत का गुंबदनुमा हिस्सा उनके सिर के ऊपर उठ रहा था; स्तंभों की कतार उनके सीने के पास कहीं छू रही थी, और उन्होंने विशाल प्रवेश द्वार से उंगली हिलाई। उनके पैर हमेशा की

तरह सहजता से हिल-डुल रहे थे, उन्होंने बेदाग़ फॉर्मल पैंट और पेटेंट लेदर के जूते पहन रखे थे।
फ्रिंक नेशनल बैंक बिल्डिंग के रूप में गाइ फ्रैंकन का अभिनय बेहद प्रभावशाली था, हालांकि फ्रैंकन के पेट को ध्यान में रखते हुए, इमारत मूल इमारत की तुलना में थोड़ी छोटी दिखाई दे रही थी; उनके सिर के ऊपर लगी हैड्रियन मशाल में एक असली बिजली का बल्ब लगा था जो एक छोटी बैटरी से जलती था।
राज्य की राजधानी के रूप में रैल्स्टन होल्कोम्बे शानदार था, और गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट अनाज के गोदाम की तरह बेहद मर्दाना दिखता था। यूजीन पेटिंगिल अपने दुबले-पतले, बूढ़े पैरों पर लड़खड़ाते हुए चलता था, छोटा और झुका हुआ, एक भव्य पार्क एवेन्यू होटल की तरह, जिसके विशाल टावर के नीचे से सींग के फ्रेम वाला चश्मा झाँक रहा था। दो बुद्धिमान लोग एक द्वंद्व में लगे हुए थे, एक-दूसरे को प्रसिद्ध मीनारों से टक्कर दे रहे थे, शहर के महान स्थलचिह्न जो समुद्र पार से आने वाले जहाजों का स्वागत करते हैं।
सभी ने खूब आनंद लिया।
कई वास्तुकारों, विशेष रूप से एथेलस्टन बीसली ने, हॉवर्ड रोर्क के आमंत्रित न किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्हें उम्मीद थी कि वे उन्हें एनराइट हाउस के परिधान में देखेंगे।
डोमिनिक हॉल में रुक गई और दरवाजे पर लिखे शिलालेख को देखने लगी: "हावर्ड रोर्क, वास्तुकार।"
उसने कभी उसका दफ्तर नहीं देखा था। वह लंबे समय से यहाँ आने से बच रही थी। लेकिन उसे वह जगह देखनी ही थी जहाँ वह काम करता था।
स्वागत कक्ष में मौजूद सचिव डोमिनिक द्वारा अपना नाम बताए जाने पर चौंक गई, लेकिन उसने रोर्क को आगंतुक के बारे में बताया। उसने कहा, "अंदर आइए, मिस फ्रैंकन।"
जब वह उसके कार्यालय में दाखिल हुई तो रोर्क मुस्कुराया; एक हल्की सी मुस्कान जिसमें कोई हैरानी नहीं थी।
“मुझे पता था कि तुम एक दिन यहाँ आओगे,” उसने कहा। “क्या मैं तुम्हें यह जगह दिखाऊँ?”
“यह क्या है?” उसने पूछा।
उसके हाथ मिट्टी से सने हुए थे; एक लंबी मेज पर, अधूरे रेखाचित्रों के ढेर के बीच, एक इमारत का मिट्टी का मॉडल रखा था, जो कोणों और छतों का एक मोटा-मोटा अध्ययन था।
“एक्विटेनिया?” उसने पूछा।
उसने सहमति में सिर हिलाया।
"क्या आप हमेशा ऐसा करते हैं?"
“नहीं। हमेशा नहीं। कभी-कभी। यहाँ एक कठिन समस्या है। मुझे इसके साथ थोड़ी देर खेलना अच्छा लगता है। यह शायद मेरी सबसे पसंदीदा इमारत होगी—यह इतनी कठिन है।”
"ठीक है, मैं तुम्हें ऐसा करते हुए देखना चाहता हूँ। क्या तुम्हें कोई आपत्ति है?"
"बिल्कुल नहीं।"
पल भर में वह उसकी मौजूदगी को भूल गया। वह एक कोने में बैठी उसके हाथों को देखती रही। उसने देखा कि उसके हाथ दीवारों को आकार दे रहे हैं। उसने देखा कि वे संरचना के एक हिस्से को तोड़कर फिर से शुरू कर रहे हैं, धीरे-धीरे, धैर्य से, उसकी झिझक में भी एक अजीब सी निश्चितता के साथ। उसने देखा कि उसकी हथेली एक लंबी, सीधी सतह को चिकना कर रही है, उसने देखा कि उसके हाथ की गति से एक कोण अंतरिक्ष में झटक रहा है, इससे पहले कि वह उसे मिट्टी में देख पाए।

वह उठा और खिड़की की ओर चला गया। नीचे दूर शहर की इमारतें उसकी मेज़ पर रखे मॉडल से बड़ी नहीं लग रही थीं। उसे ऐसा लग रहा था मानो वह उसके हाथों को नीचे की सभी इमारतों के उभार, कोने, छतें बनाते हुए, तोड़ते और फिर से आकार देते हुए देख सकती हो। उसका हाथ अनमने ढंग से एक दूर की इमारत के आकार का अनुसरण करते हुए ऊपर की ओर बढ़ने लगा, उसे एक शारीरिक अधिकार का अहसास हो रहा था, मानो वह यह अहसास उसके लिए कर रही हो।
वह मेज की ओर मुड़ गई। उसके चेहरे पर बालों की एक लट लटक रही थी; वह मॉडल को ध्यान से देख रहा था; वह उसे नहीं देख रहा था, वह अपनी उंगलियों के नीचे की आकृति को देख रहा था। ऐसा लग रहा था मानो वह किसी दूसरी महिला के शरीर पर उसके हाथों की हरकत देख रही हो।
दीवार के सहारे झुक गया, तीव्र शारीरिक सुख की अनुभूति से कमजोर पड़ गया था।
जनवरी की शुरुआत में, जब कॉर्ड बिल्डिंग और एक्विटेनिया होटल बनने वाले उत्खनन स्थलों से पहले स्टील के स्तंभ खड़े हो रहे थे, तब रोर्क मंदिर के लिए रेखाचित्रों पर काम कर रहे थे।
जब पहले रेखाचित्र पूरे हो गए, तो उन्होंने अपने सचिव से कहा:
"स्टीवन मैलोरी को बुलाओ।"
“मैलोरी, मिस्टर रोर्क? कौन... ओह, हाँ, शूटिंग करने वाले मूर्तिकार।”
"क्या?"
"उसने एल्सवर्थ टूही पर निशाना साधा था, है ना?"
“क्या उसने ऐसा किया? हां, बिल्कुल सही।”
"क्या आपको यही चाहिए, मिस्टर रोर्क?"
"यही है।"
दो दिनों तक सचिव ने कला डीलरों, दीर्घाओं, वास्तुकारों और समाचार पत्रों को फोन किया। कोई भी उसे यह नहीं बता सका कि स्टीवन मैलोरी का क्या हुआ या वह कहाँ मिल सकता है। तीसरे दिन उसने रोर्क को सूचना दी: “मुझे गाँव में एक पता मिला है, जिसके बारे में मुझे बताया गया है कि यह उसीका हो सकता है। वहाँ टेलीफ़ोन नहीं है।”
रोर्क ने एक पत्र लिखवाया जिसमें मैलोरी से उनके कार्यालय में फोन करने का अनुरोध किया गया था।
पत्र का कोई जवाब नहीं आया, लेकिन एक सप्ताह बीत गया और कोई उत्तर नहीं मिला।
फिर स्टीवन मैलोरी ने फोन किया।
“हेलो?” रोर्क ने कहा, जब सचिव ने कॉल उसे सौंप दी।
"स्टीवन मैलोरी बोल रहा हूं," एक युवा, कठोर आवाज ने कहा, जिसके बाद शब्दों के बाद अधीर और आक्रामक चुप्पी छा गई।
“मैं आपसे मिलना चाहूंगा, श्रीमान मैलोरी। क्या हम आपके मेरे कार्यालय में आने के लिए एक अपॉइंटमेंट तय कर सकते हैं?”
आप मुझसे किसलिए मिलना चाहते हैं?
“बिल्कुल, एक कमीशन के बारे में। मैं चाहता हूं कि आप मेरी एक इमारत के लिए कुछ काम करें।”
एक लंबा सन्नाटा था।
“ठीक है,” मैलोरी ने कहा; उसकी आवाज़ बेजान सी लग रही थी। उसने आगे पूछा:
“कौन सी इमारत?”
“स्टोड्डार्ड मंदिर। आपने शायद इसके बारे में सुना होगा...”
“हाँ, मैंने सुना है। आप लोग ऐसा कर रहे हैं। किसने नहीं सुना? क्या आप मुझे उतना ही भुगतान करेंगे जितना आप अपने प्रेस एजेंट को कर रहे हैं?”
मैं प्रेस एजेंट को भुगतान नहीं कर रहा हूँ। आप जो भी मांगेंगे, मैं आपको दे दूंगा।

"तुम्हें पता है कि यह ज्यादा नहीं हो सकता।"
"आपके लिए यहां आने का सुविधाजनक समय क्या रहेगा?"
"अरे, छोड़ो, जो चाहो कह लो। तुम्हें पता ही है मैं व्यस्त नहीं हूँ।"
"कल दोपहर दो बजे?"
“ठीक है।” उन्होंने आगे कहा, “मुझे तुम्हारी आवाज़ पसंद नहीं है।”
रोर्क हँसा। “मुझे तुम्हारा पसंद आया। बस करो और कल दो बजे यहाँ आ जाना।”
“ठीक है।” मैलोरी ने फोन काट दिया।
रोर्क ने रिसीवर नीचे रख दिया और मुस्कुराने लगा। लेकिन उसकी मुस्कान अचानक गायब हो गई और वह गंभीर चेहरे के साथ टेलीफोन को घूरने लगा।
मैलोरी तय समय पर नहीं आया। तीन दिन बीत गए और उसकी तरफ से कोई खबर नहीं आई। तब रोर्क खुद उससे मिलने गया।
जिस किराए के मकान में मैलोरी रहती थी, वह एक अंधेरी गली में स्थित एक जर्जर भूरे रंग का पत्थर का मकान था, जहाँ मछली बाजार जैसी गंध आती थी।
संकरे प्रवेश द्वार के दोनों ओर भूतल पर एक कपड़े धोने की दुकान और एक मोची की दुकान थी। एक मैली-कुचैली मकान मालकिन ने कहा: "मैलोरी? पाँचवीं मंजिल के पीछे," और बेपरवाही से चली गई। रोर्क पाइपों के जाल में लगे बल्बों से रोशन, झुकी हुई लकड़ी की सीढ़ियों पर चढ़ गया। उसने एक गंदे दरवाजे पर दस्तक दी।
दरवाजा खुला। दहलीज पर एक दुबला-पतला युवक खड़ा था; उसके बाल बिखरे हुए थे, उसका मुंह मजबूत था और निचला होंठ चौकोर था, और उसकी आंखें इतनी भावपूर्ण थीं जितनी रोर्क ने पहले कभी नहीं देखी थीं।
“तुम्हें क्या चाहिए?” उसने गुस्से से कहा।
“श्रीमान मैलोरी?”
"हां।"
मैं हॉवर्ड रोर्क हूँ।
मैलोरी दरवाजे के चौखट से टेक लगाकर हंसा, एक हाथ दरवाज़े के पार फैलाए हुए था और उसका हटने का कोई इरादा नहीं था। वह स्पष्ट रूप से नशे में था।
“वाह वाह!” उसने कहा। “आमने-सामने।”
"क्या मैं अंदर आ सकता हूँ?"
“किसलिए?”
रोर्क सीढ़ियों की रेलिंग पर बैठ गया। "तुमने अपनी तय मुलाक़ात क्यों नहीं की?"
“ओह, वो अपॉइंटमेंट? ओह, हाँ। अच्छा, मैं आपको बताता हूँ,” मैलोरी ने गंभीरता से कहा। “बात कुछ इस तरह थी: मैं वाकई में अपॉइंटमेंट पर जाना चाहता था, और आपके ऑफिस के लिए निकल पड़ा, लेकिन रास्ते में मुझे एक सिनेमाघर दिखा जहाँ 'टू हेड्स ऑन अ पिलो' दिखाई जा रही थी, तो मैं अंदर चला गया। मुझे 'टू हेड्स ऑन अ पिलो' देखनी ही थी।” वह मुस्कुराया और अपनी फैली हुई बांह पर झुक गया।
रोर्क ने धीमी आवाज़ में कहा, "बेहतर होगा कि तुम मुझे अंदर आने दो।"
"अरे छोड़ो, अंदर आ जाओ।"
कमरा एक संकरा गड्ढा जैसा था। कोने में एक बिखरा हुआ बिस्तर था, अखबारों और पुराने कपड़ों का ढेर लगा था, गैस की चूल्हे की आवाज आ रही थी, और एक दुकान से खरीदी गई एक फ्रेम वाली तस्वीर थी, जिसमें भेड़ों के साथ किसी बीमार से दिखने वाले भूरे घास के मैदान का दृश्य था; कमरे में कोई चित्र या आकृति नहीं थी, न ही रहने वाले के पेशे का कोई संकेत था।
रोर्क ने इकलौती कुर्सी से कुछ किताबें और एक कड़ाही हटाई और बैठ गया। मैलोरी उसके सामने खड़ी थी, मुस्कुरा रही थी और थोड़ा लड़खड़ा रही थी।
"तुम सब कुछ गलत कर रहे हो," मैलोरी ने कहा। "इसे करने का यह तरीका नहीं है। एक मूर्तिकार के पीछे भागने के लिए तुम्हें बहुत ही मजबूर होना पड़ेगा।"

तरीका कुछ इस तरह है: आप मुझे अपने दफ्तर बुलाते हैं, और पहली बार जब मैं आता हूं तो आप वहाँ नहीं होने चाहिए। दूसरी बार आपको मुझे डेढ़ घंटे तक इंतज़ार करवाना होगा, फिर रिसेप्शन रूम में आकर मुझसे हाथ मिलाना होगा और पूछना होगा कि क्या मैं पोडंक के विल्सन परिवार को जानता हूं, और कहना होगा कि हमारे कुछ साझा दोस्त हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन आज आपको बहुत जल्दी है और आप मुझे जल्द ही दोपहर के भोजन पर बुलाएंगे और फिर हम काम की बात करेंगे। फिर आप यही सिलसिला दो महीने तक चलाते हैं। फिर आप मुझे कमीशन देते हैं। फिर आप मुझसे कहते हैं कि मैं किसी काम का नहीं हूँ और शुरू से ही किसी काम का नहीं था, और आप उस काम को कूड़ेदान में फेंक देते हैं। फिर आप वैलेरियन ब्रॉन्सन को काम पर रखते हैं और वह काम पूरा कर देता है। बस यही तरीका है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं होगा।
लेकिन उसकी निगाहें रोर्क को ध्यान से देख रही थीं, और उसकी आँखों में एक पेशेवर की तरह आत्मविश्वास था। जैसे-जैसे वह बोलता गया, उसकी आवाज से उसका दिखावटी उत्साह धीरे-धीरे कम होता गया, और आखिरी वाक्यों में वह एकदम सपाट और नीरस हो गई।
“नहीं,” रोर्क ने कहा, “इस बार नहीं।”
लड़का चुपचाप उसे देखता रहा।
“आप हॉवर्ड रोर्क हैं?” उसने पूछा। “मुझे आपकी इमारतें पसंद हैं। इसीलिए मैं आपसे मिलना नहीं चाहता था। ताकि मुझे हर बार बीमार न पड़ना पड़े।”
जब मैंने उन्हें देखा, तो मैं यही सोचता रहा कि उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति ने बनाया होगा जो उनसे मेल खाता हो।
"अगर मैं ऐसा करूँ तो क्या होगा?"
ऐसा नहीं होता।
लेकिन वह सिकुड़े हुए बिस्तर के किनारे पर बैठ गया और आगे की ओर झुक गया, उसकी निगाहें एक संवेदनशील तराजू की तरह रोर्क के चेहरे को तौल रही थीं, मूल्यांकन की अपनी खुली क्रिया में वह अभद्र लग रहा था।
“सुनो,” रोर्क ने स्पष्ट और बहुत सावधानी से बोलते हुए कहा, “मैं चाहता हूँ कि तुम स्टोडार्ड मंदिर के लिए एक मूर्ति बनाओ। मुझे एक कागज़ दो और मैं अभी तुम्हारे लिए एक अनुबंध लिख दूँगा, जिसमें यह लिखा होगा कि अगर मैं किसी दूसरे मूर्तिकार को काम पर रखता हूँ या तुम्हारा काम इस्तेमाल नहीं किया जाता है, तो मुझे तुम्हें दस लाख डॉलर का हर्जाना देना होगा।”
“आप सामान्य तरीके से बात कर सकते हैं। मैं नशे में नहीं हूँ। पूरी तरह से नहीं। मैं समझता हूं।”
"कुंआ?"
आपने मुझे क्यों चुना?
"क्योंकि तुम एक अच्छे मूर्तिकार हो।"
"यह सच नहीं है।"
"क्या तुम ठीक हो?"
“नहीं। ये तो आपका कारण है। आपको मुझे काम पर रखने के लिए किसने कहा था?”
"कोई नहीं।"
"क्या वो कोई औरत थी जिसके साथ मैंने संबंध बनाए थे?"
"मैं उन महिलाओं को नहीं जानती जिनके साथ तुमने संबंध बनाए हों।"
"क्या आप अपने भवन निर्माण बजट को लेकर असमंजस में हैं?"
नहीं। बजट असीमित है।
"क्या तुम्हें मुझ पर तरस आता है?"
"नहीं मुझे क्यों करना चाहिए?"

"क्या आप टूही की गोलीबारी वाली घटना से प्रचार पाना चाहते हैं?"
“हे भगवान, नहीं!”
"तो फिर क्या?"
"आप सबसे सरल कारण जानने के बजाय इन सब बेतुकी बातों की तलाश क्यों करते हैं?"
"कौन सा?"
मुझे आपका काम पसंद आया।
“ज़रूर। सब यही कहते हैं। हम सबको यही कहना और मानना चाहिए। सोचो अगर कोई धमाका कर दे तो क्या होगा।”
अब इस राज़ का पर्दाफाश! तो ठीक है, आपको मेरा काम पसंद आया। असली वजह क्या है?
मुझे आपका काम पसंद है।
मैलोरी ने गंभीरता से बात की, उनकी आवाज शांत थी।
“आपका मतलब है कि आपने मेरे किए हुए काम देखे और आपको वे पसंद आए—आप
—तुमने अकेले ही—बिना किसी के बताए कि तुम्हें उन्हें पसंद करना चाहिए या क्यों पसंद करना चाहिए—और तुमने तय किया कि तुम मुझे चाहते हो, बस इसी वजह से—सिर्फ इसी वजह से—मेरे बारे में कुछ भी जाने बिना या परवाह किए बिना—सिर्फ इसलिए कि मैंने क्या किया है और... और तुमने उनमें क्या देखा—सिर्फ इसी वजह से, तुमने मुझे काम पर रखने का फैसला किया, और मुझे ढूंढने, यहां आने और अपमानित होने की परेशानी उठाई—सिर्फ इसलिए कि तुमने देखा—और जो तुमने देखा उसने मुझे तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण बना दिया, तुम्हें मुझे चाहने पर मजबूर कर दिया? क्या तुम्हारा यही मतलब है?
“बस इतना ही,” रोर्क ने कहा।
जिन चीजों को देखकर मैलोरी की आंखें चौड़ी हो गईं, उन्हें देखना भयावह था।
फिर उसने अपना सिर हिलाया और खुद को दिलासा देते हुए बहुत ही सरल लहजे में कहा:
"नहीं।"
वह आगे की ओर झुका। उसकी आवाज बेजान और विनती भरी लग रही थी।
सुनिए, श्रीमान रोर्क। मैं आपसे नाराज़ नहीं हूँगी। मैं बस जानना चाहती हूँ। ठीक है, मुझे पता है कि आप मुझे अपने यहाँ काम पर रखना चाहते हैं, और आप जानते हैं कि आप मुझे किसी भी कीमत पर पा सकते हैं, आपको कोई लाखों डॉलर का अनुबंध साइन करने की ज़रूरत नहीं है, इस कमरे को देखिए, आप जानते हैं कि आपने मुझे पा लिया है, तो आप मुझे सच क्यों नहीं बताते? इससे आपको कोई फर्क नहीं पड़ेगा - और यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।
आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण क्या है?
“नहीं... नहीं... देखो। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कोई मुझे फिर से चाहेगा। लेकिन तुम चाहते हो। ठीक है। मैं फिर से कोशिश करूँगी। बस मैं यह सोचना नहीं चाहती कि मैं किसी ऐसे व्यक्ति के लिए काम कर रही हूँ जो... जिसे मेरा काम पसंद है। यह मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकती। अगर तुम मुझे सच बता दोगे तो मुझे अच्छा लगेगा। मैं... मैं शांत हो जाऊँगी। मेरे लिए नाटक क्यों करना? मैं कुछ भी नहीं हूँ। अगर तुम्हें डर है तो मैं तुम्हारे बारे में बुरा नहीं सोचूँगी। क्या तुम्हें समझ नहीं आ रही? सच बताना ज़्यादा सही है। तब यह सरल और ईमानदार होगा। मैं तुम्हारा और सम्मान करूँगी। सचमुच करूँगी।”
“क्या हुआ है तुम्हें, बच्चे? उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया है?”
आप इस तरह की बातें क्यों कहना चाहते हैं?

“क्योंकि...” मैलोरी अचानक दहाड़ा, फिर उसकी आवाज़ लड़खड़ा गई, उसका सिर झुक गया, और उसने धीमी फुसफुसाहट में कहा: “क्योंकि मैंने दो साल बिताए हैं”—उसने कमरे की ओर इशारा करते हुए अपना हाथ बेजान ढंग से घुमाया।
—“मैंने ये समय इसी तरह बिताया है—यह समझने की कोशिश में कि जो तुम मुझे बताने की कोशिश कर रहे हो, उसका कोई अस्तित्व नहीं है....”
रोर्क उसके पास गया, उसकी ठोड़ी ऊपर उठाई, उसे ऊपर की ओर झटका दिया और कहा:
“तुम बिलकुल मूर्ख हो। तुम्हें इस बात की परवाह करने का कोई हक नहीं है कि मैं तुम्हारे काम के बारे में क्या सोचता हूँ, मैं कौन हूँ या मैं यहाँ क्यों हूँ। तुम इसके लिए बहुत बूढ़े हो। लेकिन अगर तुम जानना ही चाहते हो तो—मुझे लगता है कि तुम हमारे सबसे बेहतरीन मूर्तिकार हो। मुझे ऐसा इसलिए लगता है, क्योंकि तुम्हारी बनाई आकृतियाँ इंसान की असलियत नहीं हैं, बल्कि वो हैं जो इंसान हो सकता है—और होना चाहिए। क्योंकि तुमने संभावनाओं से परे जाकर हमें वो दिखाया है जो मुमकिन है, और वो मुमकिन सिर्फ तुम्हारे ज़रिए ही हो सकता है।”
क्योंकि आपकी आकृतियाँ मानवता के प्रति तिरस्कार से इतनी मुक्त हैं जितना मैंने आज तक किसी और रचना में नहीं देखा। क्योंकि आप मनुष्य के प्रति अद्भुत सम्मान रखते हैं। क्योंकि आपकी आकृतियाँ मनुष्य के भीतर के वीर भाव को दर्शाती हैं।
इसलिए मैं यहाँ आप पर कोई एहसान करने या आप पर दया करने या आपको नौकरी की सख्त ज़रूरत होने के कारण नहीं आया हूँ। मैं एक सरल, स्वार्थी कारण से आया हूँ—वही कारण जो मनुष्य को सबसे स्वच्छ भोजन चुनने के लिए प्रेरित करता है। यह जीवन का नियम है, है ना?—सर्वोत्तम की खोज करना। मैं आपके लिए नहीं आया हूँ। मैं अपने लिए आया हूँ।
मैलोरी ने खुद को उससे दूर झटक दिया और बिस्तर पर औंधा गिर पड़ा, उसकी दोनों भुजाएँ सिर के दोनों ओर फैली हुई थीं, मुट्ठियाँ बंद थीं। उसकी पीठ पर पड़े कमीज़ के पतले कपड़े से पता चल रहा था कि वह सिसक रहा है; कमीज़ का कपड़ा और मुट्ठियाँ धीरे-धीरे तकिए में धँसती जा रही थीं। रोर्क जानता था कि वह एक ऐसे व्यक्ति को देख रहा है जो पहले कभी नहीं रोया था। वह बिस्तर के किनारे बैठ गया और उसकी नज़रें मुड़ती हुई कलाइयों से हट नहीं पा रही थीं, हालाँकि यह दृश्य देखना असहनीय था।
कुछ देर बाद मैलोरी उठ बैठा। उसने रोर्क की ओर देखा और उसे एक बेहद शांत, दयालु चेहरा दिखाई दिया—ऐसा चेहरा जिस पर दया का कोई निशान नहीं था। यह उन लोगों के चेहरे जैसा नहीं था जो किसी दूसरे की पीड़ा को गुप्त आनंद से देखते हैं, किसी ज़रूरतमंद भिखारी को देखकर उत्साहित होते हैं; इस चेहरे पर उस भूखी आत्मा का भाव नहीं था जो दूसरे के अपमान से अपना पेट भरती है। रोर्क का चेहरा थका हुआ लग रहा था, कनपटी सिकुड़ी हुई थी, मानो अभी-अभी उसकी पिटाई हुई हो। लेकिन उसकी आँखें निर्मल थीं।
और उन्होंने चुपचाप मैलोरी की ओर देखा, एक कठोर, स्पष्ट दृष्टि से जिसमें समझ और सम्मान झलक रहा था।
“अब लेट जाओ,” रोर्क ने कहा। “कुछ देर तक शांत लेटे रहो।”
“उन्होंने तुम्हें जीवित कैसे रहने दिया?”
लेट जाओ। आराम करो। हम बाद में बात करेंगे।
मैलोरी उठ खड़ा हुआ। रोर्क ने उसे कंधों से पकड़कर नीचे गिरा दिया, उसके पैर ज़मीन से ऊपर उठाए और उसका सिर तकिए पर रख दिया। लड़के ने कोई विरोध नहीं किया।
पीछे हटते हुए, रोर्क का पैर कबाड़ से भरी एक मेज से टकरा गया।

कोई चीज़ ज़मीन पर गिर पड़ी। मैलोरी उसे सबसे पहले उठाने की कोशिश में झट से आगे बढ़ी। रोर्क ने उसका हाथ एक तरफ़ हटाया और उस चीज़ को उठा लिया।
यह प्लास्टर की एक छोटी सी पट्टिका थी, वैसी ही जैसी सस्ती उपहार दुकानों में बिकती हैं। इसमें एक शिशु पेट के बल लेटा हुआ था, जिसका पिछला हिस्सा उभरा हुआ था और वह शरमाते हुए अपने कंधे के ऊपर से झाँक रहा था। कुछ रेखाएँ, कुछ मांसपेशियों की बनावट एक ऐसी अद्भुत प्रतिभा को दर्शाती थीं जिसे छिपाया नहीं जा सकता था, जो बाकी सब कुछ से अलग हटकर प्रकट होती थी; बाकी सब कुछ स्पष्ट, भद्दा और घिसा-पिटा होने का जानबूझकर किया गया प्रयास था, एक भद्दा, अविश्वसनीय और पीड़ादायक प्रयास। यह एक ऐसी वस्तु थी जो किसी डरावनी जगह में रखी जाने लायक थी।
मैलोरी ने देखा कि रोर्क का हाथ कांपने लगा। फिर रोर्क का हाथ धीरे-धीरे पीछे और ऊपर की ओर, उसके सिर के ऊपर चला गया, मानो वह अपनी कोहनी के मोड़ में हवा का भार समेट रहा हो; यह पल भर का क्षण था, लेकिन ऐसा लगा जैसे कई मिनट बीत गए हों, हाथ ऊपर उठा हुआ स्थिर रहा—फिर वह अचानक आगे की ओर झपटा, पट्टिका कमरे में दूर जा गिरी और दीवार से टकराकर टुकड़े-टुकड़े हो गई। रोर्क को इतने गुस्से में देखने का यह एकमात्र मौका था।
“रोर्क।”
"हाँ?"
“रोर्क, काश मैं तुमसे तब मिला होता जब तुमने मुझे नौकरी देने का फैसला नहीं किया था।” उसने बिना किसी भाव के कहा, उसका सिर तकिए पर टिका था और आँखें बंद थीं। “ताकि कोई और वजह न होती। क्योंकि, देखो, मैं तुम्हारा बहुत आभारी हूँ। नौकरी देने के लिए नहीं। यहाँ आने के लिए नहीं। मेरे लिए तुम जो कुछ भी करोगे उसके लिए नहीं। बस इसलिए कि तुम जैसे हो वैसे ही हो।”
फिर वह बिना हिले-डुले सीधा और बेजान पड़ा रहा, मानो कोई व्यक्ति पीड़ा के दौर से बहुत दूर जा चुका हो। रोर्क खिड़की पर खड़ा उस दयनीय कमरे और बिस्तर पर लेटे लड़के को देख रहा था। उसे आश्चर्य हुआ कि उसे ऐसा क्यों लग रहा था जैसे वह किसी का इंतज़ार कर रहा हो। वह अपने सिर के ऊपर किसी विस्फोट का इंतज़ार कर रहा था। यह सब बेतुका लग रहा था। फिर उसे समझ आया। उसने सोचा, यह एक बम के गड्ढे में फंसे हुए पुरुषों को ऐसा ही महसूस होता है; यह कमरा गरीबी का आकस्मिक परिणाम नहीं है, यह एक युद्ध का निशान है; यह उन विस्फोटकों से हुई तबाही है जो दुनिया के शस्त्रागारों में रखे किसी भी विस्फोटक से कहीं अधिक घातक हैं।
एक युद्ध... किसके विरुद्ध? ... दुश्मन का कोई नाम नहीं था, कोई चेहरा नहीं। लेकिन यह लड़का युद्ध में घायल हुआ उसका साथी था, और रोर्क उसके ऊपर खड़ा था, एक अजीब सी नई भावना महसूस कर रहा था, उसे अपनी बाहों में उठाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने की तीव्र इच्छा... लेकिन नरक और सुरक्षा का कोई ज्ञात नाम नहीं था... वह केंट लैंसिंग के बारे में सोचता रहा, केंट लैंसिंग की कही कोई बात याद करने की कोशिश करता रहा...
फिर मैलोरी ने अपनी आंखें खोलीं और एक कोहनी के बल उठ खड़ा हुआ।
रोर्क कुर्सी को बिस्तर के पास खींचकर लाया और बैठ गया।
“अब,” उन्होंने कहा, “बात करो। उन बातों के बारे में बात करो जो तुम सच में कहना चाहते हो।”
मुझे अपने परिवार, अपने बचपन, अपने दोस्तों या अपनी भावनाओं के बारे में मत बताओ। मुझे उन चीजों के बारे में बताओ जो तुम सोचते हो।
मैलोरी ने अविश्वास भरी निगाहों से उसकी ओर देखा और फुसफुसाते हुए कहा:
"आप उसे कैसे जानते हैं?"

रोक मुस्कुराया और कुछ नहीं बोला। “तुम्हें कैसे पता चला कि मुझे क्या अंदर से मार रहा है? धीरे-धीरे, सालों से, मुझे लोगों से नफ़रत करने पर मजबूर कर रहा है, जबकि मैं नफ़रत करना नहीं चाहता... क्या तुमने भी ऐसा महसूस किया है? क्या तुमने देखा है कि तुम्हारे सबसे अच्छे दोस्त तुम्हारी हर बात से प्यार करते हैं—सिवाय उन चीजों के जो मायने रखती हैं? और तुम्हारी सबसे अहमियत उनके लिए कुछ भी नहीं, कुछ भी नहीं, यहाँ तक कि वो आवाज़ भी नहीं जिसे वे पहचान सकें। मतलब, तुम सुनना चाहते हो? तुम जानना चाहते हो कि मैं क्या करता हूँ और क्यों करता हूँ, तुम जानना चाहते हो कि मैं क्या सोचता हूँ? क्या यह तुम्हें उबाऊ नहीं लगता? क्या यह तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण है?”
“आगे बढ़ो,” रोर्क ने कहा।
फिर वह घंटों बैठा सुनता रहा, जबकि मैलोरी अपने काम के बारे में, अपने काम के पीछे के विचारों के बारे में, उन विचारों के बारे में बोलता रहा जिन्होंने उसके जीवन को आकार दिया, वह लालच से बोलता रहा, जैसे कोई डूबता हुआ आदमी किनारे पर फेंक दिया गया हो और हवा के बड़े-बड़े, साफ झोंकों से मदहोश हो रहा हो।
अगली सुबह मैलोरी रोर्क के दफ्तर में आया और रोर्क ने उसे मंदिर के रेखाचित्र दिखाए। जब वह रेखाचित्र बनाने की मेज पर एक समस्या पर विचार करने के लिए खड़ा हुआ, तो मैलोरी बदल गया; उसमें कोई अनिश्चितता नहीं थी, कोई पीड़ा याद नहीं थी; रेखाचित्र को पकड़ने का उसका हाथ एक कर्तव्यनिष्ठ सैनिक की तरह तेज और दृढ़ था। उस हावभाव ने कहा कि उसके साथ जो कुछ भी हुआ हो, वह उसके भीतर की उस भावना को नहीं बदल सकता जो अब सक्रिय होने वाली थी।
उनमें अटूट, निष्पक्ष आत्मविश्वास था; उन्होंने रोर्क का सामना एक समान व्यक्ति के रूप में किया।
उन्होंने काफी देर तक चित्रों का अध्ययन किया, फिर अपना सिर उठाया।
उसकी आँखों को छोड़कर उसके चेहरे की हर चीज नियंत्रित थी।
“पसंद आया?” रोर्क ने पूछा।
“बेवकूफी भरे शब्दों का प्रयोग न करें।”
उसने एक चित्र उठाया, खिड़की तक गया, वहां खड़ा होकर चित्र से सड़क की ओर, फिर रोर्क के चेहरे की ओर और फिर वापस चित्र की ओर देखता रहा।
“यह संभव नहीं लगता,” उसने कहा। “न यह, न वह।” उसने रेखाचित्र को सड़क की ओर लहराया।
नीचे वाली गली के कोने पर एक स्विमिंग पूल था; एक ऐसा कमरा किराए पर देने वाला मकान था जिसमें कोरिंथियन शैली का बरामदा था; एक ब्रॉडवे म्यूजिकल का विज्ञापन करने वाला एक बिलबोर्ड था; और एक छत पर गुलाबी-भूरे रंग के अंडरवियर की एक कतार लहरा रही थी।
“एक ही शहर में नहीं। एक ही धरती पर नहीं,” मैलोरी ने कहा। “लेकिन तुमने इसे मुमकिन कर दिखाया। यह संभव है... मैं अब कभी नहीं डरूंगी।”
"किस?"
मैलोरी ने स्केच को सावधानीपूर्वक मेज पर रख दिया। उसने उत्तर दिया:
“कल आपने एक प्रथम नियम के बारे में कुछ कहा था। एक ऐसा नियम जो मनुष्य से सर्वश्रेष्ठ की खोज करने की अपेक्षा करता है... यह हास्यास्पद था... अज्ञात प्रतिभा—”
ये तो पुरानी कहानी है। क्या आपने कभी इससे भी बुरी कहानी सोची है— वो प्रतिभा जिसे हद से ज़्यादा पहचान मिल गई हो?... ये तो कुछ भी नहीं है कि बहुत से लोग बेचारे मूर्ख हैं जो सबसे अच्छी चीज़ को देख नहीं पाते। इस पर गुस्सा नहीं किया जा सकता। लेकिन क्या आप उन पुरुषों के बारे में समझते हैं जो इसे देखते हैं और इसे नहीं चाहते हैं?
"नहीं।"

“नहीं। तुम ऐसा नहीं करोगे। मैंने पूरी रात तुम्हारे बारे में सोचा। मुझे बिल्कुल नींद नहीं आई। क्या तुम जानते हो तुम्हारा रहस्य क्या है? यह तुम्हारी भयानक मासूमियत है।” रोर्क उस लड़के के चेहरे को देखकर ज़ोर से हंस पड़ा।
“नहीं,” मैलोरी ने कहा, “यह मज़ाक नहीं है। मुझे पता है मैं क्या कह रही हूँ—”
और आप नहीं जानते। आप जान ही नहीं सकते। यह आपकी उस बेमिसाल सेहत की वजह से है। आप इतने स्वस्थ हैं कि बीमारी की कल्पना भी नहीं कर सकते। आप जानते तो हैं, पर आपको इस पर यकीन नहीं है। मुझे है। कुछ मामलों में मैं आपसे ज़्यादा समझदार हूं, क्योंकि मैं कमज़ोर हूं। मैं दूसरी तरफ की बात समझता हूं। उसी बात ने मुझे झकझोर दिया... जो आपने कल देखा।
"बस खत्म।"
“शायद। पर पूरी तरह नहीं। मुझे अब डर नहीं लगता। लेकिन मैं जानती हूँ कि आतंक मौजूद है। मैं जानती हूं कि यह किस तरह का आतंक है। आप उस तरह के आतंक की कल्पना भी नहीं कर सकते। सुनिए, आप सबसे भयानक अनुभव क्या सोच सकते हैं? मेरे लिए—यह है निहत्थे, एक बंद कोठरी में लार टपकाते हुए दरिंदे या किसी ऐसे पागल के साथ छोड़ दिया जाना, जिसे किसी ऐसी बीमारी ने जकड़ लिया हो जिसने उसका दिमाग खा लिया हो। तब आपके पास अपनी आवाज़ के सिवा कुछ नहीं होगा —आपकी आवाज़ और आपके विचार। आप उस प्राणी को चिल्लाकर कहेंगे कि वह आपको क्यों न छुए, आपके पास सबसे प्रभावशाली शब्द होंगे, ऐसे शब्द जिनका कोई जवाब न हो, आप परम सत्य के पात्र बन जाएंगे।”
और आपको जीवित आँखें आपको देखती हुई दिखाई देंगी और आप जान जाएँगे कि वह चीज़ आपको सुन नहीं सकती, उस तक पहुँचा नहीं जा सकता, किसी भी तरह से नहीं, फिर भी वह आपके सामने साँस ले रही है और अपने ही किसी उद्देश्य के साथ चल रही है। यही तो भय है। खैर, यही वह चीज़ है जो दुनिया पर मंडरा रही है, मानवता के बीच कहीं घात लगाए बैठी है, वही चीज़, कुछ बंद, बेजान, पूरी तरह से बेलगाम, लेकिन जिसका अपना एक उद्देश्य और धूर्तता है। मुझे नहीं लगता कि मैं कायर हूँ, लेकिन मैं उससे डरता हूँ। और बस इतना ही मैं जानता हूँ—कि वह मौजूद है। मैं उसका उद्देश्य नहीं जानता, मैं उसका स्वरूप नहीं जानता।
रोर्क ने कहा, "डीन के पीछे का सिद्धांत यही है।"
"क्या?"
“यह एक ऐसी बात है जिसके बारे में मैं कभी-कभी सोचता हूँ... मैलोरी, तुमने एल्सवर्थ टूही को गोली मारने की कोशिश क्यों की?” उसने लड़के की आँखों में देखा और आगे कहा: “अगर तुम इसके बारे में बात नहीं करना चाहते तो मुझे बताने की ज़रूरत नहीं है।”
“मुझे इस बारे में बात करना पसंद नहीं है,” मैलोरी ने तनाव भरी आवाज़ में कहा।
“लेकिन यह पूछना सही सवाल था।”
रोर्क ने कहा, "बैठ जाओ। हम तुम्हारे कमीशन के बारे में बात करेंगे।"
फिर मैलोरी ने ध्यान से सुना जब रोर्क इमारत के बारे में और मूर्तिकार से अपनी अपेक्षाओं के बारे में बोल रहा था। उसने निष्कर्ष निकाला:
“बस एक ही मूर्ति। यह यहीं खड़ी रहेगी।” उन्होंने एक रेखाचित्र की ओर इशारा किया। “यह जगह इसी के चारों ओर बनी है। एक नग्न महिला की मूर्ति। अगर आप इमारत को समझते हैं, तो आप समझ जाएंगे कि मूर्ति कैसी होनी चाहिए।”
मानवीय भावना। मनुष्य में निहित वीरता। आकांक्षा और उसकी पूर्ति, दोनों। अपनी खोज में उत्थानशील—और अपने सार से ही उत्थानकारी। ईश्वर की खोज में—और स्वयं को पाना। यह दर्शाते हुए कि अपने स्वरूप से परे कोई उच्चतर पहुँच नहीं है... केवल तुम ही हो जो मेरे लिए यह कर सकते हो।
"हां।"

“आप मेरे ग्राहकों के लिए वैसे ही काम करेंगे जैसे मैं करता हूँ। आप जानते हैं कि मुझे क्या चाहिए—बाक़ी सब आप पर निर्भर है। आप इसे जैसे चाहें वैसे करें। मैं मॉडल का नाम सुझाना चाहूँगा, लेकिन अगर वह आपके उद्देश्य के अनुरूप नहीं है, तो आप अपनी पसंद का कोई भी मॉडल चुन सकते हैं।”
आपका पसंदीदा उम्मीदवार कौन है?
“डोमिनिक फ्रैंकन।”
"हाय भगवान!"
"उसे पहचानो?"
“मैंने उसे देखा है। अगर वो मेरी हो जाए... हे भगवान! इस काम के लिए उससे बेहतर कोई और औरत नहीं हो सकती। वो...” वह रुक गया। फिर निराश होकर बोला, “वो पोज़ नहीं देगी। कम से कम तुम्हारे लिए तो बिल्कुल नहीं।”
"वह होगी।"
जब गाइ फ्रैंकन को इसके बारे में पता चला तो उन्होंने आपत्ति जताने की कोशिश की।
“सुनो, डोमिनिक,” उसने गुस्से से कहा, “एक सीमा होती है। सचमुच एक सीमा होती है—तुम्हारे लिए भी। तुम ऐसा क्यों कर रही हो? क्यों—रोर्क की इमारत के लिए? उसके खिलाफ तुमने जो कुछ कहा और किया है—क्या तुम्हें आश्चर्य होता है कि लोग बातें कर रहे हैं? अगर कोई और होता तो किसी को परवाह नहीं होती या कोई ध्यान नहीं देता। लेकिन तुम—और रोर्क! मैं कहीं भी जाता हूँ तो कोई न कोई मुझसे इसके बारे में पूछ ही लेता है। मैं क्या करूँ?”
“पिताजी, मूर्ति की एक प्रतिकृति बनवा लीजिए। वह बहुत सुंदर होगी।”
पीटर कीटिंग ने इस बारे में बात करने से इनकार कर दिया। लेकिन उनकी मुलाकात एक पार्टी में डोमिनिक से हुई और उन्होंने यह सवाल पूछ लिया, हालांकि उनका इरादा यह सवाल पूछने का नहीं था:
"क्या यह सच है कि आप रोर्क के मंदिर के लिए एक मूर्ति की तस्वीर खिंचवा रहे हैं?"
"हाँ।"
"डोमिनिक, मुझे यह पसंद नहीं है।"
"नहीं?"
"ओह, मुझे माफ़ करना। मुझे पता है कि मुझे ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है... बस... बस यही कि मैं तुम्हें रोर्क के साथ दोस्ती करते हुए नहीं देखना चाहता। रोर्क के साथ नहीं। रोर्क के अलावा किसी और के साथ नहीं।"
वह दिलचस्पी से बोली: "क्यों?"
"मुझे नहीं पता।"
उसकी जिज्ञासु निगाहों ने उसे चिंतित कर दिया।
“शायद,” उसने बुदबुदाते हुए कहा, “शायद इसलिए कि तुम्हें उसके काम के प्रति इतनी घृणा होना कभी उचित नहीं लगा। मुझे बहुत खुशी हुई कि तुम्हें ऐसा लगा, लेकिन... लेकिन यह तुम्हें कभी उचित नहीं लगेगा।”
“क्या ऐसा नहीं हुआ, पीटर?”
“नहीं। लेकिन आप उसे एक व्यक्ति के रूप में पसंद नहीं करते, है ना?”
"नहीं, मुझे वह व्यक्ति के रूप में पसंद नहीं है।"
एल्सवर्थ टूही नाराज़ थे। उन्होंने डोमिनिक के कार्यालय में अकेले में कहा, "डोमिनिक, तुमने बहुत ही नासमझी की।" उनकी आवाज़ में नरमी नहीं थी।
मुझे पता है ऐसा ही था।
"क्या आप अपना मन नहीं बदल सकते और मना नहीं कर सकते?"
"मैं अपना मन नहीं बदलूंगा, एल्सवर्थ।"
वह बैठ गया और कंधे उचका दिए; थोड़ी देर बाद मुस्कुराया। "ठीक है, मेरी प्यारी, जैसा तुम चाहो।"

उसने पोंसेल से टेक्स्ट की एक पंक्ति पर निशान लगा दिया और कुछ नहीं कहा।
टूही ने सिगरेट जलाई। उन्होंने कहा, "तो उन्होंने इस काम के लिए स्टीवन मैलोरी को चुना है।"
“हाँ। एक अजीब संयोग था, है ना?”
“ये महज़ कोई संयोग नहीं है, मेरे प्रिय। ऐसी चीज़ें कभी संयोग नहीं होतीं। इसके पीछे एक बुनियादी नियम है। हालांकि मुझे यकीन है कि उसे यह पता नहीं है और किसी ने भी उसे यह चुनाव करने में मदद नहीं की।”
"मुझे लगता है कि आप सहमत हैं?"
“पूरी लगन से। इससे सब कुछ एकदम सही हो जाता है। पहले से भी बेहतर।”
“ऐल्सवर्थ, मैलोरी ने तुम्हें जान से मारने की कोशिश क्यों की?”
मुझे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं है। मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि मिस्टर रोर्क को पता होगा। या पता होना चाहिए। वैसे, उस मूर्ति के लिए आपको किसने चुना? रोर्क ने या मैलोरी ने?
"इससे तुम्हारा कोई लेना-देना नहीं है, एल्सवर्थ।"
“मैं समझ गया। रोर्क।”
"वैसे, मैंने रोर्क को बता दिया है कि हॉपटन स्टोडार्ड को उसे काम पर रखने के लिए आपने ही राजी किया था।"
उसने सिगरेट को हवा में ही रोक दिया; फिर दोबारा हिलकर उसे अपने मुंह में रख लिया।
“क्या तुमने ऐसा किया? क्यों?”
मैंने मंदिर के चित्र देखे।
"अच्छा है कि?"
"बेहतर है, एल्सवर्थ।"
"जब आपने उसे बताया तो उसने क्या कहा?"
“कुछ नहीं। वह हँस पड़ा।”
“क्या उसने ऐसा किया? बहुत अच्छा किया। मुझे पूरा यकीन है कि कुछ समय बाद कई लोग उसका साथ देंगे।”
उस सर्दी के महीनों में रोर्क शायद ही कभी रात में तीन घंटे से ज़्यादा सोता था। उसकी हरकतों में एक झिलमिलाहट और तेज़ी थी, मानो उसका शरीर अपने आस-पास के सभी लोगों को ऊर्जा प्रदान कर रहा हो। यह ऊर्जा उसके दफ्तर की दीवारों से होकर शहर के तीन बिंदुओं तक पहुंचती थी: मैनहट्टन के केंद्र में स्थित ताँबे और काँच से बनी विशाल इमारत कॉर्ड बिल्डिंग तक; सेंट्रल पार्क साउथ पर स्थित एक्विटेनिया होटल तक; और हडसन नदी के ऊपर एक चैट्टान पर बने मंदिर तक, जो रिवरसाइड ड्राइव पर उत्तर की ओर स्थित था।
जब उन्हें मिलने का समय मिला, तो ऑस्टेन हेलर ने उन्हें बड़े आनंद और प्रसन्नता से देखा। "जब ये तीनों अपना काम खत्म कर लेंगे, हॉवर्ड," उन्होंने कहा,
“कोई भी तुम्हें रोक नहीं पाएगा। कभी नहीं। मैं कभी-कभी सोचता हूँ कि तुम कितनी दूर तक जाओगे। दरअसल, मुझे खगोल विज्ञान से हमेशा से ही लगाव रहा है।”
मार्च की एक शाम को रोर्क, स्टोडार्ड के आदेशानुसार मंदिर स्थल के चारों ओर निर्मित ऊँचे घेरे के भीतर खड़ा था। भविष्य की दीवारों की नींव, पत्थर के पहले ब्लॉक, ज़मीन से ऊपर उठ रहे थे। रात ढल चुकी थी और मज़दूर जा चुके थे। वह स्थान सुनसान पड़ा था, दुनिया से कटा हुआ, अंधेरे में डूबा हुआ; लेकिन आकाश चमक रहा था, नीचे की रात के लिए बहुत अधिक प्रकाशमान, मानो वसंत के आगमन की घोषणा करते हुए प्रकाश सामान्य समय से आगे तक रुका हुआ हो। नदी पर कहीं एक जहाज़ का सायरन एक बार बजा, और ऐसा लगा जैसे वह आवाज़ मीलों के सन्नाटे को चीरते हुए

दूर ग्रामीण इलाके से आ रहा हो। स्टीवन मैलोरी के स्टूडियो के रूप में नोमैत लकड़ी की झोपड़ी में अभी भी एक बत्ती जल रही थी, जहां डोमिनिक उनके लिए पोज़ देती थी।
यह मंदिर धूसर चूना पत्थर से बनी एक छोटी इमारत थी। इसकी रेखाएँ क्षैतिज थीं, स्वर्ग तक पहुंचने वाली रेखाएँ नहीं, बल्कि पृथ्वी की रेखाएं। यह मानो कंधे की ऊंचाई पर फैली हुई भुजाओं की तरह, हथेलियाँ नीचे की ओर, एक महान, मौन स्वीकृति में फैली हुई प्रतीत होती थी। यह न तो मिट्टी से चिपकी हुई थी और न ही आकाश के नीचे झुकी हुई थी। ऐसा लगता था मानो यह पृथ्वी को उठा रही हो, और इसके कुछ ऊर्ध्वाधर स्तंभ आकाश को नीचे खींच रहे हों। इसे मनुष्य की ऊंचाई के अनुरूप इस प्रकार बनाया गया था कि यह मनुष्य को बौना न दिखाए, बल्कि एक ऐसे परिवेश के रूप में खड़ा हो जो मनुष्य की आकृति को एकमात्र पूर्ण, पूर्णता का वह मापदंड बना दे जिससे सभी आयामों का मूल्यांकन किया जाना था।
जब कोई व्यक्ति इस मंदिर में प्रवेश करता था, तो उसे ऐसा महसूस होता था मानो उसके लिए ही एक विशेष स्थान बनाया गया हो, मानो वह स्थान उसके प्रवेश की प्रतीक्षा कर रहा हो, पूर्ण होने की प्रतीक्षा कर रहा हो। यह एक आनंदमय स्थान था, जहाँ परमानंद का ऐसा अनिंद व्याप्त था जो शांत होना चाहिए। यह एक ऐसा स्थान था जहां व्यक्ति स्वयं को निष्पाप महसूस करता था।
मजबूत होकर, मन की उस शांति को प्राप्त करना जो स्वयं की महिमा के अलावा कभी प्राप्त नहीं होती।
अंदर कोई सजावट नहीं थी, सिवाय दीवारों के उभरे हुए हिस्सों और विशाल खिड़कियों के। यह जगह गुंबदों से घिरी हुई नहीं थी, बल्कि चारों ओर फैली धरती, पेड़ों, नदी, सूरज और दूर तक फैले शहरों के क्षितिज, गगनचुंबी इमारतों और धरती पर मनुष्य की उपलब्धियों के आकार के लिए खुली हुई थी। कमरे के अंत में, प्रवेश द्वार के सामने, शहर की पृष्ठभूमि में, एक नग्न मानव शरीर की आकृति खड़ी थी।
अब अंधेरे में उसके सामने पहले पत्थरों के सिवा कुछ नहीं था, लेकिन रोर्क उस तैयार इमारत के बारे में सोच रहा था, उसे अपनी उंगलियों के जोड़ों में महसूस कर रहा था, उसे अभी भी अपनी पेंसिल की हरकतें याद थीं जिससे उसने उसे बनाया था। वह वहीं खड़ा होकर उसके बारे में सोच रहा था। फिर वह उबड़-खाबड़, फटी हुई ज़मीन पर चलकर स्टूडियो की झोपड़ी की ओर गया।
जब मैलोरी ने दरवाजा खटखटाया तो उसकी आवाज सुनाई दी, "बस एक पल रुकिए।"
झोपड़ी के अंदर डोमिनिक स्टैंड से नीचे उतरी और एक बाथरोब पहन लिया। फिर मैलोरी ने दरवाजा खोला।
“अरे, आप हैं?” उसने कहा। “हमने सोचा था कि चौकीदार है। इतनी रात को आप यहाँ क्या कर रहे हैं?”
“शुभ संध्या, मिस फ्रैंकन,” रोर्क ने कहा, और उन्होंने संक्षिप्त रूप से सिर हिलाया।
"माफ़ करना, स्टीव, बीच में टोकने के लिए।"
कोई बात नहीं। हमारा प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है। डोमिनिक आज रात वो नहीं कर पा रहा जो मैं चाहता हूँ। बैठ जाओ, हॉवर्ड। आखिर कितना समय हो गया है?
“साढ़े नौ बज गए हैं। अगर आप और देर तक रुकने वाले हैं, तो क्या मैं आपके लिए कुछ खाना ऊपर भिजवा दूं?”
मुझे नहीं पता। चलो एक सिगरेट पीते हैं।
उस जगह पर बिना रंगा हुआ लकड़ी का फर्श था, लकड़ी की छत की बीमें नंगी थीं, और एक कोने में लोहे का चूल्हा सुलग रहा था। मैलोरी किसी सामंती मेज़बान की तरह इधर-उधर घूम रहा था, उसके माथे पर मिट्टी के निशान थे। वह बेचैनी से सिगरेट पी रहा था और चहलकदमी कर रहा था।

“डॉमिनिक, कपड़े पहनना चाहती हो?” उसने पूछा। “मुझे नहीं लगता कि आज रात हम और कुछ करेंगे।” उसने कोई जवाब नहीं दिया। वह रोर्क को देखती रही।
मैलोरी कमरे के अंत तक पहुंची, घूमी और रोर्क को देखकर मुस्कुराई: “हावर्ड, तुम पहले कभी अंदर क्यों नहीं आए? अगर मैं सच में व्यस्त होती, तो तुम्हें बाहर निकाल देती। वैसे, तुम इस समय यहां क्या कर रहे हो?”
मैं आज रात बस इस जगह को देखना चाहता था। पहले नहीं आ सका।
“क्या तुम यही चाहते हो, स्टीव?” डोमिनिक ने अचानक पूछा। उसने अपना बाथरोब उतारा और नग्न अवस्था में मंच की ओर चल पड़ी। मैलोरी ने उसे देखा, फिर रोर्क को और फिर वापस डोमिनिक को। तभी उसने वह देखा जिसे वह दिन भर देखने के लिए संघर्ष कर रहा था। उसने देखा कि उसका शरीर उसके सामने सीधा और तनावग्रस्त खड़ा है, सिर पीछे की ओर झुका हुआ है, बाहें बगल में हैं, हथेलियाँ बाहर की ओर फैली हुई हैं, जैसे वह कई दिनों से खड़ी थी; लेकिन अब उसका शरीर जीवंत था, इतना स्थिर कि मानो काँप रहा हो, मानो वह वही कह रहा हो जो वह सुनना चाहता था: अपने ही दर्शन के प्रति एक गर्वपूर्ण, श्रद्धापूर्ण, भावविभोर समर्पण, वह सही क्षण, वह क्षण जब आकृति डगमगाकर टूट जाएगी, वह क्षण जो उसके देखे हुए के प्रतिबिंब से स्पर्शित था।
मैलोरी की सिगरेट कमरे में उड़कर दूर जा गिरी।
“रुको, डोमिनिक!” वह चिल्लाया। “रुको! रुको!”
सिगरेट जमीन पर गिरने से पहले ही वह अपने स्टॉल पर मौजूद था।
वह काम कर रहा था, और डोमिनिक बिना हिले-डुले खड़ी रही, और रोर्क दीवार से टेक लगाकर उसके सामने खड़ा रहा।
अप्रैल के महीने में मंदिर की दीवारें ज़मीन पर टूटी-फूटी रेखाओं में खड़ी थीं। चांदनी रातों में उनमें एक हल्की, धुंधली, पानी के नीचे की चमक दिखाई देती थी। ऊंची बाड़ उनके चारों ओर पहरा दे रही थी।
दिन भर का काम खत्म होने के बाद अक्सर चार लोग घटनास्थल पर ही रह जाते थे। रोर्क, मैलोरी, डोमिनिक और माइक डोनिगन। माइक ने रोर्क को किसी भी इमारत में काम करना नहीं छोड़ा था।
बाकी सब लोगों के चले जाने के बाद वे चारों मैलोरी की झोपड़ी में एक साथ बैठे थे। एक गीला कपड़ा अधूरी मूर्ति को ढके हुए था। झोपड़ी का दरवाजा खुला था, जिससे बसंत की रात की पहली गर्माहट अंदर आ रही थी। बाहर एक पेड़ की शाखा लटकी हुई थी, जिस पर काले आसमान के बीच तीन नए पत्ते थे, और तारें पत्तों के किनारों पर पानी की बूंदों की तरह कांप रहे थे। झोपड़ी में कोई कुर्सी नहीं थी। मैलोरी लोहे के चूल्हे पर खड़े होकर हॉट डॉग और कॉफ़ी बना रहे थे। माइक मॉडल के स्टैंड पर बैठकर पाइप पी रहा था। रोर्क कोहनियों के बल फर्श पर लेटा हुआ था।
डोमिनिक रसोई के एक स्टूल पर बैठी थी, उसने अपने चारों ओर एक पतला रेशमी लबादा लपेटा हुआ था और उसके नंगे पैर फर्श के तख्तों पर थे।
उन्होंने अपने काम के बारे में कोई बात नहीं की। मैलोरी ने अजीबोगरीब कहानियां सुनाईं और डोमिनिक बच्चों की तरह हंसती रही। उन्होंने किसी खास विषय पर बात नहीं की, उनके वाक्यों का अर्थ केवल उनकी आवाज़ों की ध्वनि में, उनकी गर्मजोशी भरी खुशी में और पूर्ण विश्राम की सहजता में ही निहित था।
वे बस चार लोग थे जिन्हें वहां एक साथ रहना अच्छा लगता था।
खुले दरवाजे के पार अंधेरे में उठती दीवारें उनके आराम को स्वीकृति दे रही थीं, उन्हें हल्कापन का अधिकार दे रही थीं, वह इमारत जिस पर वे सबने मिलकर काम किया था, वह इमारत जो उनकी आवाज़ों के लिए एक धीमी, श्रव्य लय की तरह थी। रोर्क हँसा, जैसा डोमिनिक ने उसे पहले कभी हँसते नहीं देखा था, उसका मुँह खुला और युवा था।

वे देर रात तक वहाँ रुके रहे। मेलोरा ने टूट-फूट प्यालों के बेतरतीब संग्रह में कॉफी डाली। कॉफी की गंध बाहर उग रहे नए पेत्तों की गंध से मिल गई।
मई में एक्विटेनिया होटल के निर्माण कार्य को रोक दिया गया था।
दो मालिकों का शेयर बाजार में दिवालिया हो गया; तीसरे मालिक की संपत्ति किसी और द्वारा विवादित विरासत को लेकर दायर मुकदमे में जब्त कर ली गई; चौथे मालिक ने किसी और के शेयर हड़प लिए। निगम अदालती मुकदमों के एक ऐसे जाल में फंस गया जिसे सुलझाने में सालों लग गए। इमारत अधूरी ही रह गई।
“मैं इसे सुलझा लूंगा, चाहे मुझे उनमें से कुछ को मारना ही क्यों न पड़े,” केंट लैंसिंग ने रोर्क से कहा। “मैं इसे उनके हाथों से छीन लूंगा। हम इसे किसी दिन खत्म कर देंगे, तुम और मैं। लेकिन इसमें समय लगेगा। शायद बहुत लंबा समय। मैं तुमसे धैर्य रखने के लिए नहीं कहूंगा। तुम और मेरे जैसे लोग अपने पहले पंद्रह वर्षों से आगे जीवित नहीं रह पाएंगे अगर उनमें चीनी जल्लाद जैसा धैर्य और युद्धपोत जैसी सहनशक्ति न हो।”
डोमिनिक की मेज के किनारे बैठे हुए एल्सवर्थ टूहीं हँसे। उन्होंने कहा, "अधूरी सिम्फनी - भगवान का शुक्र है।"
डोमिनिक ने अपने कॉलम में इसका इस्तेमाल किया। उन्होंने लिखा, "सेंट्रल पार्क साउथ पर अधूरी सिम्फनी।" उन्होंने "भगवान का शुक्र है" नहीं कहा। यह उपनाम बार-बार दोहराया गया। अजनबी लोगों ने एक महत्वपूर्ण सड़क पर बनी एक महंगी इमारत के अजीबोगरीब दृश्य को देखा, जिसमें खाली खिड़कियाँ, आधी ढकी दीवारें और नंगी बीमें थीं; जब उन्होंने पूछा कि यह क्या है, तो जिन लोगों ने रोर्क या इमारत के पीछे की कहानी के बारे में कभी नहीं सुना था, वे हँसते हुए बोले: "ओह, यह अधूरी सिम्फनी है।"
देर रात को रोर्क सड़क के उस पार, पार्क के पेड़ों के नीचे खड़ा होकर शहर की जगमगाती इमारतों के बीच उस काली, निर्जीव आकृति को देखता रहता था। उसके हाथ वैसे ही हिलते जैसे मिट्टी के मॉडल पर हिले थे; इतनी दूरी से, वह एक टूटी हुई आकृति जैसा दिखता था।
वह उसे अपनी हथेली से ढक सकता था; लेकिन सहज रूप से पूरी होने वाली गति को हवा के अलावा कुछ नहीं मिला।
वह कभी-कभी खुद को इमारत में चलने के लिए मजबूर करता था। वह खालीपन के ऊपर लटके कांपते तख्तों पर चलता था, बिना छत वाले कमरों से होकर गुजरता था, बिना फर्श वाले कमरों से होकर उन खुले किनारों तक जाता था जहाँ टूटी हुई त्वचा से हड्डियों की तरह गर्डर बाहर निकले होते थे।
भूतल के पीछे एक छोटे से कमरे में एक बूढ़ा चौकीदार रहता था। वह रोर्क को जानता था और उसे इधर-उधर घूमने देता था। एक बार, बाहर जाते समय उसने रोर्क को रोका और अचानक बोला: "मेरा भी एक बेटा था - लगभग।"
“वह तो जन्म से ही मृत था।” किसी बात ने उसे ऐसा कहने पर मजबूर किया था, और उसने रोर्क की ओर देखा, उसे ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या कहना चाहता था। लेकिन रोर्क मुस्कुराया, उसकी आँखें बंद थीं, और उसने बूढ़े आदमी के कंधे पर हाथ रखा, जैसे हाथ मिला रहा हो, और फिर वह चला गया।
यह तो बस शुरुआती कुछ सप्ताहों की बात थी। फिर उसने खुद को एक्विटेनिया को भुलाने के लिए मजबूर कर लिया।
अक्टूबर की एक शाम को रोर्क और डोमिनिक ने साथ मिलकर बनकर तैयार हुए मंदिर का भ्रमण किया। इसे एक सप्ताह बाद, स्टोडार्ड की वापसी के अगले दिन, जनता के लिए खोला जाना था। इसके निर्माण में काम करने वालों के अलावा किसी ने भी इसे नहीं देखा था।
वह एक साफ, शांत शाम थी। मंदिर का स्थान खाली और खामोश पड़ा था। चूना पत्थर की दीवारों पर सूर्यास्त की लालिमा सुबह की पहली किरण जैसी लग रही थी।

वे मंदिर को निहारते रहे, फिर अंदर संगमरमर की मूर्ति के सामने खड़े हो गए, एक-दूसरे से कुछ बोले बिना। उनके चारों ओर बनी आकृति में छायाएँ मानो उसी हाथ से गढ़ी गई हों जिसने दीवारों को आकार दिया था। प्रकाश की घटती-बढ़ती गति एक नियंत्रित अनुशासन में बह रही थी, मानो किसी भाषण के वाक्य दीवारों के बदलते स्वरूपों को आवाज़ दे रहे हों।
“रोर्क ..."
“जी हां, मेरी प्यारी?”
"कुछ भी नहीं ..."
वे दोनों साथ-साथ कार की ओर वापस चले, उसका हाथ उसकी कलाई को पकड़े हुए था।
बारहवीं
स्टोडार्ड मंदिर का उद्घाटन हुआ था।
नवंबर की पहली तारीख की दोपहर के लिए घोषणा की गई है।
प्रेस एजेंट ने अच्छा काम किया था। लोग इस आयोजन के बारे में, हॉवर्ड रोर्क के बारे में और उस वास्तुशिल्प कृति के बारे में बात कर रहे थे जिसकी शहर को उम्मीद थी।
31 अक्टूबर की सुबह हॉपटन स्टोडार्ड विश्व यात्रा से लौटे। एल्सवर्थ टूही उनसे घाट पर मिले।
1 नवंबर की सुबह हॉपटन स्टोडार्ड ने एक संक्षिप्त बयान जारी कर घोषणा की कि कोई उद्घाटन नहीं होगा। कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया।
2 नवंबर की सुबह न्यूयॉर्क बैनर में एल्सवर्थ एम. टूही का "एक छोटी सी आवाज" शीर्षक वाला स्तंभ प्रकाशित हुआ।
“अपवित्रता।” यह इस प्रकार था:
“समय आ गया है,” वालरस ने कहा।
कई चीज़ों के बारे में बात करने के लिए:
जहाजों के बारे में—और जूतों के बारे में—और हॉवर्ड रोर्क के बारे में—
और गोभी—और राजा—
और समुद्र इतना गर्म क्यों उबल रहा है?
और क्यों रोर्क के पंख हैं?
"हमारा काम मक्खी मारने वाला बनना नहीं है—एक ऐसे दार्शनिक के शब्दों को दोहराते हुए जिसे हम पसंद नहीं करते—लेकिन जब कोई मक्खी अहंकार का शिकार हो जाती है, तो हममें से सर्वश्रेष्ठ को भी झुककर उसे खत्म करने का छोटा सा काम करना पड़ता है।"
हाल ही में हॉवर्ड रोर्क नाम के एक व्यक्ति के बारे में बहुत चर्चा हुई है। चूंकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हमारी पवित्र विरासत है और इसमें समय बर्बाद करने की स्वतंत्रता भी शामिल है, इसलिए ऐसी चर्चा में कोई बुराई नहीं थी—सिवाय इसके कि ऐसे व्यक्ति की चर्चा करने से कहीं अधिक लाभदायक कार्य किए जा सकते थे, जिसके नाम पर एक इमारत के निर्माण के अलावा कुछ भी नहीं है, जिसे शुरू तो किया गया लेकिन पूरा नहीं किया जा सका। अगर हास्यास्पद बात दुखद और कपटपूर्ण न बन जाती, तो कोई बुराई नहीं होती।
“हॉवर्ड रोर्क—जैसा कि आपमें से अधिकांश ने नहीं सुना है और शायद फिर कभी नहीं सुनेंगे—एक वास्तुकार हैं। एक साल पहले उन्हें एक जिम्मेदारी सौंपी गई थी। असाधारण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उन्हें मालिक की अनुपस्थिति में एक विशाल स्मारक के निर्माण का कार्य सौंपा गया था, जिसने उन पर विश्वास किया और उन्हें पूर्ण स्वतंत्रता दी। यदि हमारे आपराधिक कानून की शब्दावली को कला के क्षेत्र में लागू किया जा सके, तो हमें कहना होगा कि श्री रोर्क ने जो किया वह आध्यात्मिक गबन के समतुल्य है।

“प्रसिद्ध परोपकारी श्री हॉएटन स्टोडार्ड ने न्यूयॉर्क शहर को एक धार्मिक मंदिर भेंट करने का इरादा किया था, जो मानव आस्था की भावना का प्रतीक एक गैर-सांप्रदायिक गिरजाघर होगा। श्री हॉएटन स्टोडार्ड का इरादा क्या था...?”
रोर्क ने उसके लिए जो इमारत बनाई है, वह शायद एक गोदाम हो सकती है—हालांकि यह व्यावहारिक नहीं लगती। यह एक वेश्यालय भी हो सकता है—जो कि अधिक संभावित है, अगर हम इसकी कुछ मूर्तिकलात्मक सजावट पर विचार करें। यह निश्चित रूप से एक मंदिर नहीं है।
ऐसा प्रतीत होता है मानो किसी जानबूझकर की गई दुर्भावना ने इस इमारत में धार्मिक संरचना से जुड़ी हर धारणा को उलट दिया हो। संयमित रूप से घिरे होने के बजाय, यह तथाकथित मंदिर किसी पश्चिमी सैलून की तरह खुला हुआ है। जहाँ शाश्वत चिंतन किया जाता है और मनुष्य की तुच्छता का अहसास होता है, वहाँ के लिए उपयुक्त श्रद्धापूर्ण उदासी के भाव के बजाय, इस इमारत में एक बेलगाम, उन्मादपूर्ण उल्लास का भाव है। स्वर्ग की ओर बढ़ती हुई ऊँची रेखाओं के बजाय, जो एक मंदिर की मूल प्रकृति के अनुसार मनुष्य की अपने छोटे अहंकार से परे किसी उच्चतर की खोज का प्रतीक होती हैं, यह इमारत दिखावटी रूप से क्षैतिज है, जिसका निचला हिस्सा कीचड़ में धंसा हुआ है, इस प्रकार यह देह-सम्मोहन के प्रति अपनी निष्ठा की घोषणा करती है, आत्मा के सुखों के ऊपर शरीर के स्थूल सुखों का महिमामंडन करती है। एक ऐसी जगह पर नग्न स्त्री की मूर्ति जहाँ पुरुष आध्यात्मिक उत्थान के लिए आते हैं, अपने आप में सब कुछ बयां करती है और इस पर और टिप्पणी की आवश्यकता नहीं है।
“मंदिर में प्रवेश करने वाला व्यक्ति स्वयं से मुक्ति चाहता है। वह अपने अहंकार को कम करना चाहता है, अपनी अयोग्यता को स्वीकार करना चाहता है, क्षमा मांगना चाहता है। उसे परम विनम्रता की अनुभूति में पूर्णता मिलती है। ईश्वर के घर में मनुष्य की उचित मुद्रा घुटने टेकना है। कोई भी समझदार व्यक्ति श्री रोर्क के मंदिर में घुटने नहीं टेकेगा। वह स्थान इसकी अनुमति नहीं देता। वहाँ जो भावनाएँ जागृत होती हैं, वे भिन्न प्रकार की हैं: अहंकार, दुस्साहस, अवज्ञा, आत्म-प्रशंसा। यह ईश्वर का घर नहीं, बल्कि एक अहंकारी व्यक्ति का कोड़ा है। यह मंदिर नहीं, बल्कि उसका पूर्ण विपरीत, समस्त धर्मों का एक उद्दंड उपहास है। हम इसे मूर्तिपूजा कह सकते थे, लेकिन यह तथ्य है कि मूर्तिपूजक अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध थे।”

* * * * *

“यह कॉलम किसी विशेष पंथ का समर्थक नहीं है, लेकिन सामान्य शिष्टाचार यह मांग करता है कि हम अपने साथी मनुष्यों की धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करें। हमने महसूस किया कि हमें जनता को धर्म पर इस जानबूझकर किए गए हमले की प्रकृति को स्पष्ट करना आवश्यक है। हम इस घोर अपवित्रता को बर्दाश्त नहीं कर सकते।”
“अगर हम वास्तुकला के विशुद्ध मूल्यों के आलोचक के रूप में अपने कर्तव्य को भूल गए हैं, तो हम केवल यही कह सकते हैं कि अभी इसकी आवश्यकता नहीं है। गंभीर आलोचना के प्रयास से साधारणता को महिमामंडित करना एक गलती है। हमें ऐसा लगता है कि हमें हॉवर्ड रोर्क द्वारा पहले बनाई गई किसी चीज़ की याद आ रही है, और उसमें भी वही अयोग्यता, वही अतिमहत्वाकांक्षी शौकिया की साधारण गुणवत्ता थी। ईश्वर की सभी रचनाएँ पंख लगा सकती हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, यह ईश्वर के सभी प्रतिभाशाली लोगों के लिए सच नहीं है।”
और बस, दोस्तों, यही बात है। हमें खुशी है कि आज का काम खत्म हो गया।
हमें सचमुच शोक संदेश लिखना पसंद नहीं है।"
3 नवंबर को हॉपटन स्टोडार्ड ने अनुबंध के उल्लंघन और कदाचार के लिए हॉवर्ड रोर्क के खिलाफ़ मुकदमा दायर किया और हर्जाने की मांग की; उन्होंने इतनी राशि की मांग की जिससे मंदिर को किसी अन्य वास्तुकार द्वारा संशोधित कराया जा सके।

हॉपटन स्टोडार्ड को मनाना आसान था। वह अपनी यात्रा से धर्म के व्यापक पारदृश्य से व्याकुल होकर लौटा था, विशेष रूप से पृथ्वी भर में नरक की धमकी के विभिन्न रूपों से। वह इस निष्कर्ष पर पहुँच गया था कि उसका जीवन उसे किसी भी धार्मिक व्यवस्था के अंतर्गत सबसे बुरे परलोक का पात्र बनाता है। इसने उसके मन को पूरी तरह झकझोर दिया था।
वापसी यात्रा के दौरान जहाज के कर्मचारियों को पूरा यकीन हो गया था कि वह बुजुर्ग सज्जन वृद्धावस्था के कारण कमजोर हो गए हैं।
वापसी की दोपहर को एल्सवर्थ टूही उसे मंदिर दिखाने ले गया। टूही ने कुछ नहीं कहा। हॉपटन स्टोडार्ड घूरता रहा, और टूही ने स्टोडार्ड के नकली दांतों की रुक-रुक कर होने वाली चटकने की आवाज़ सुनी। वह जगह स्टोडार्ड ने दुनिया में कहीं भी नहीं देखी थी; न ही वैसी थी जैसी उसने उम्मीद की थी। उसे समझ नहीं आ रहा था कि क्या सोचे। जब स्टोडार्ड ने टूही की ओर बेताब अपील भरी नज़र से देखा, तो उसकी आँखें जेली जैसी लग रही थीं। वह इंतज़ार करता रहा। उस पल, टूही उसे किसी भी बात के लिए मना सकता था। टूही ने वही कहा जो उसने बाद में अपने कॉलम में लिखा।
"लेकिन तुमने तो मुझे बताया था कि यह रोक अच्छा है!" स्टोडार्ड घबराकर कराह उठा।
"मुझे उम्मीद थी कि वह अच्छा होगा," टूही ने ठंडे लहजे में जवाब दिया।
लेकिन फिर—क्यों?
"मुझे नहीं पता," टूही ने कहा - और उसकी आरोप भरी नज़र ने स्टोडार्ड को यह समझने में मदद की कि इस सब के पीछे एक भयावह अपराध बोध छिपा हुआ है, और वह अपराध बोध स्टोडार्ड का ही था।
स्टोडार्ड के अपार्टमेंट लौटते समय लिमोसिन में टूही चुप रहा, जबकि स्टोडार्ड उससे बोलने की गुहार लगाता रहा। उसने कोई जवाब नहीं दिया। इस चुप्पी ने स्टोडार्ड को भयभीत कर दिया। अपार्टमेंट में, टूही उसे एक कुर्सी पर ले गया और उसके सामने एक न्यायाधीश की तरह गंभीर मुद्रा में खड़ा हो गया।
"हॉपटन, मुझे पता है कि ऐसा क्यों हुआ।"
"ओह क्यों?"
"क्या आपको कोई ऐसा कारण सूझता है जिसकी वजह से मैंने आपसे झूठ बोला हो?"
“नहीं, बिलकुल नहीं, आप सबसे बड़े विशेषज्ञ और सबसे ईमानदार व्यक्ति हैं, और मुझे समझ नहीं आ रहा, मुझे बिल्कुल भी समझ नहीं आ रहा!”
“हाँ, मुझे ऐसा लगता है। जब मैंने रोक की सिफारिश की थी, तब मेरे पास यह उम्मीद करने का हर कारण था—
मेरे ईमानदार अनुमान के अनुसार—वह आपको एक उत्कृष्ट कृति प्रदान करता। लेकिन उसने नहीं किया। हॉपटन, क्या आप जानते हैं कि कौन सी शक्ति मनुष्य के सभी अनुमानों को उलट सकती है?
“क-कौन सी शक्ति?”
“ईश्वर ने तुम्हारी भेंट को अस्वीकार करने का यही तरीका चुना है। उन्होंने तुम्हें अपने सामने एक पवित्र स्थान बनाने के योग्य नहीं समझा। मुझे लगता है, हॉपटन, तुम मुझे और सभी मनुष्यों को मूर्ख बना सकते हो, लेकिन ईश्वर को नहीं। वह जानते हैं कि तुम्हारा अतीत मेरी आशंका से भी कहीं अधिक काला है।”
वह काफी देर तक शांत, गंभीर स्वर में, भय से सहमे हुए मौन समूह से बात करता रहा। अंत में उसने कहा:
“हॉपटन, यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि आप शीर्ष पर रहकर क्षमा नहीं खरीद सकते। केवल पवित्र हृदय वाले ही मंदिर बना सकते हैं। उस स्तर तक पहुँचने से पहले आपको प्रायश्चित के कई विनम्र चरणों से गुजरना होगा। प्रायश्चित करने से पहले आपको अपने साथी मनुष्यों के प्रति प्रायश्चित करना होगा।

ईश्वर के लिए। यह इमारत मंदिर के लिए नहीं, बल्कि मानवीय परोपकार की संस्था के लिए बनाई गई थी। जैसे कि मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चों के लिए एक घर।
हॉपटन स्टोडार्ड ने इस पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई। "बाद में, एल्सवर्थ, बाद में," उन्होंने विलाप करते हुए कहा। "मुझे समय दो।" उन्होंने टूही के सुझाव के अनुसार, रोर्क पर बदलावों की लागत की वसूली के लिए मुकदमा करने पर सहमति जताई और बाद में यह तय करने का निर्णय लिया कि ये बदलाव क्या होंगे।
"इस विषय पर मैं जो कुछ भी कहूंगा या लिखूंगा, उससे आश्चर्यचकित मत होना।" विदाई के समय टूही ने उससे कहा, “मुझे कुछ ऐसी बातें कहनी पड़ेंगी जो पूरी तरह सच नहीं हैं। मुझे अपनी प्रतिष्ठा को उस बदनामी से बचाना है जो तुम्हारी गलती है, मेरी नहीं। बस याद रखना कि तुमने शपथ ली है कि तुम कभी यह खुलासा नहीं करोगे कि तुम्हें रोर्क को काम पर रखने की सलाह किसने दी थी।”
अगले दिन बैनर में "अपवित्रता" शीर्षक से लेख छपा और उसने आग में घी डाला। स्टोडार्ड के मुकदमे की घोषणा ने आग को और भड़का दिया।
किसी को भी किसी इमारत के बारे में धर्मयुद्ध छेड़ने की इच्छा नहीं होती; लेकिन धर्म पर हमला हुआ था; प्रेस एजेंट ने जमीन बहुत अच्छी तरह से तैयार कर दी थी, जनता का ध्यान आकर्षित करने का मौका मिल गया था, और बहुत से लोग इसका फायदा उठा सकते थे।
हावर्ड रोर्क और उनके मंदिर के खिलाफ उठे आक्रोश के शोर ने एल्सवर्थ टूही को छोड़कर सभी को चकित कर दिया। पादरियों ने अपने उपदेशों में इमारत की निंदा की। महिला संगठनों ने विरोध प्रस्ताव पारित किए। माताओं की एक समिति ने अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में एक याचिका के साथ अखबारों के आठवें पृष्ठ पर जगह बनाई। एक प्रसिद्ध अभिनेत्री ने सभी कलाओं की मूलभूत एकता पर एक लेख लिखा, यह बताया कि स्टोडार्ड मंदिर में संरचनात्मक भाषा का कोई बोध नहीं था, और उस समय का जिक्र किया जब उन्होंने एक महान बाइबिल नाटक में मैरी मैग्डलीन की भूमिका निभाई थी। एक समाजसेविका ने अपनी खतरनाक जंगल यात्राओं में देखे गए अनोखे मंदिरों पर एक लेख लिखा, आदिवासियों के मार्मिक विश्वास की प्रशंसा की और आधुनिक मनुष्य को संशयवाद के लिए फटकारा; उन्होंने कहा कि स्टोडार्ड मंदिर कोमलता और पतन का प्रतीक था; चित्र में उन्हें अपशकुन में, एक पतला पैर एक मृत शेर की गर्दन पर रखा हुआ दिखाया गया था। एक कॉलेज प्रोफेसर ने संपादक को पत्र लिखकर अपने आध्यात्मिक अनुभवों के बारे में बताया और कहा कि स्टोडार्ड मंदिर जैसी जगह पर उन्हें ऐसे अनुभव नहीं हो सकते थे। किकी होल्कोम्बे ने भी संपादक को पत्र लिखकर जीवन और मृत्यु पर अपने विचार व्यक्त किए।
ए.जी.ए. ने एक गरिमापूर्ण बयान जारी कर स्टोडार्ड टेंपल को आध्यात्मिक और कलात्मक धोखाधड़ी बताते हुए उसकी निंदा की। इसी तरह के बयान, कम शब्दों में, जारी किए गए।
गरिमापूर्ण और कुछ हद तक बोलचाल की भाषा में, अमेरिकी बिल्डर्स, राइटर्स और आर्टिस्ट्स की परिषदों द्वारा बयान जारी किए गए थे। किसी ने उनके बारे में कभी सुना नहीं था, लेकिन वे परिषदें थीं और इसी वजह से उनकी बात में दम था। एक व्यक्ति दूसरे से कहता, "क्या आपको पता है कि अमेरिकी बिल्डर्स की परिषद ने इस मंदिर को वास्तुकला का एक घटिया नमूना बताया है?" यह कहते हुए उसका लहजा कला जगत के दिग्गजों से घनिष्ठ संबंध दर्शाता था। दूसरा व्यक्ति यह कहना नहीं चाहता था कि उसने ऐसे किसी समूह के बारे में नहीं सुना, बल्कि जवाब देता, "मुझे उनसे यही उम्मीद थी। क्या आपको नहीं थी?"
हॉपटन स्टोडार्ड को इतने सारे सहानुभूति पत्र मिले कि उन्हें बहुत खुशी होने लगी। इससे पहले वे कभी लोकप्रिय नहीं थे।

उसे लगा कि एल्सवथ सही था; उसके साथी उसे माफ कर रहे थे; एल्सवथ हमेशा सही होता था।
कुछ समय बाद बेहतर अखबारों ने इस खबर को दबा दिया। लेकिन बैनर अखबार ने इसे जारी रखा। यह बैनर के लिए एक वरदान साबित हुआ। गेल वायनांड हिंद महासागर में अपनी नौका चला रहे थे और अल्वा स्कारेट एक अभियान की तलाश में थे। यह उनके लिए उपयुक्त था। एल्सवर्थ टूही को कोई सुझाव देने की आवश्यकता नहीं थी; स्कारेट ने अकेले ही इस अवसर को संभाला।
उन्होंने सभ्यता के पतन के बारे में लिखा और सरल आस्था के लुप्त होने पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने हाई स्कूल के छात्रों के लिए "मैं चर्च क्यों जाता हूँ" विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता आयोजित की। उन्होंने "हमारे बचपन के चर्च" पर सचित्र लेखों की एक श्रृंखला प्रकाशित की। उन्होंने विभिन्न युगों की धार्मिक मूर्तियों - स्फिंक्स, गार्गोयल्स, टोटेम पोल - की तस्वीरें प्रकाशित कीं और डोमिनिक की मूर्ति की तस्वीरों को प्रमुखता दी, जिसमें आक्रोश से भरे उचित कैप्शन थे, लेकिन मॉडल का नाम नहीं था। उन्होंने रोर्क के कार्टून प्रकाशित किए, जिसमें उसे भालू की खाल और गदा लिए एक बर्बर के रूप में दिखाया गया था। उन्होंने बाबेल के उस टॉवर के बारे में कई चतुर बातें लिखीं जो स्वर्ग तक नहीं पहुँच सकता था और इकारस के बारे में भी, जो अपने मोम के पंखों पर लड़खड़ा गया था।
एल्सवर्थ टूही चुपचाप बैठकर देखते रहे। उन्होंने दो छोटे सुझाव दिए: उन्होंने बैनर के संग्रह में एनराइट हाउस के उद्घाटन के समय रोर्क की तस्वीर ढूंढी, जिसमें एक व्यक्ति के चेहरे पर उत्साह के भाव झलक रहे थे, और उन्होंने उसे बैनर में इस शीर्षक के साथ छपवाया: "क्या आप खुश हैं, मिस्टर सुपरमैन?" उन्होंने स्टोडार्ड को अपने मुकदमे की सुनवाई के दौरान मंदिर को जनता के लिए खोलने के लिए कहा। मंदिर में भारी भीड़ उमड़ी और लोगों ने डोमिनिक की मूर्ति के चबूतरे पर अश्लील चित्र और शिलालेख बना दिए।
कुछ लोग आए, उन्होंने चुपचाप इमारत को देखा और उसकी प्रशंसा की। लेकिन वे ऐसे लोग थे जो सार्वजनिक मुद्दों में भाग नहीं लेते।
ऑस्टेन हेलर ने रोर्क और मंदिर के बचाव में एक तीखा लेख लिखा। लेकिन वे वास्तुकला या धर्म के विशेषज्ञ नहीं थे, और उनका लेख इस विवाद में दब गया।
हॉवर्ड रोर्क ने कुछ नहीं किया।
उनसे बयान देने को कहा गया और उन्होंने अपने कार्यालय में पत्रकारों के एक समूह से मुलाकात की। उन्होंने बिना किसी क्रोध के बात की। उन्होंने कहा: “मैं अपनी इमारत के बारे में किसी को कुछ नहीं बता सकता। अगर मैं शब्दों का घालमेल करके दूसरों के दिमाग में ठूंस दूं, तो यह उनके और मेरे दोनों के लिए अपमान होगा। लेकिन मुझे खुशी है कि आप यहाँ आए हैं। मुझे कुछ कहना है। मैं इस विषय में रुचि रखने वाले हर व्यक्ति से आग्रह करता हूं कि वे जाकर इमारत देखें, उसका निरीक्षण करें और फिर यदि वे चाहें तो अपने विवेक से अपनी राय व्यक्त करें।”
बैनर अखबार ने साक्षात्कार को इस प्रकार छापा: “श्री रोर्क, जो प्रचार के भूखे प्रतीत होते हैं, ने पत्रकारों का बड़े ही घमंडी और अभिमानी अंदाज में स्वागत किया और कहा कि जनता की राय बेमानी है। उन्होंने बात करना उचित नहीं समझा, लेकिन वे इस स्थिति में विज्ञापन के पहलुओं से भलीभांति परिचित थे। उन्होंने बताया कि उन्हें बस इतना ही फ़िक्र है कि उनकी इमारत को ज्यादा से ज्यादा लोग देख सकें।”
रोर्क ने आगामी मुकदमे में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए वकील नियुक्त करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे अपना बचाव स्वयं संभालेंगे और ऑस्टेन हेलर के कड़े विरोध के बावजूद, उन्होंने यह बताने से इनकार कर दिया कि वे इसे कैसे संभालेंगे।

“ऑस्टेन, कुछ नियम ऐसे हैं जिनका मैं सहर्ष पालन करने को तैयार हूँ। मैं वैसे ही कपड़े पहनने को तैयार हूँ जैसे हर कोई पहनता है, वही खाना खाने को तैयार हूँ और उन्हीं मेटो का इस्तेमाल करने को तैयार हूँ। लेकिन कुछ चीजें ऐसी हैं जिन्हें मैं उनके तरीके से नहीं कर सकती—और यह उनमें से एक है।”
“आपको अदालतों और कानून के बारे में क्या पता है? वह तो जीत ही जाएगा।”
“क्या जीतने के लिए?”
“उसका मामला।”
“क्या इस मामले का कोई महत्व है? मैं उसे इमारत को छूने से रोकने के लिए कुछ नहीं कर सकता। वह इसका मालिक है। वह इसे धरती से मिटा सकता है या इससे गोंद बनाने का कारखाना बना सकता है। चाहे मैं मुकदमा जीतूं या हारूं, वह ऐसा कर सकता है।”
लेकिन वो ऐसा करने के लिए आपसे पैसे ले लेगा।
“हां। वह मेरा पैसा ले सकता है।”
स्टीवन मैलोरी ने किसी भी बात पर कोई टिप्पणी नहीं की। लेकिन उनका चेहरा वैसा ही दिख रहा था जैसा उस रात था जब रोर्क उनसे पहली बार मिला था।
एक शाम रोर्क ने उससे कहा, "स्टीव, अगर इससे तुम्हारे लिए आसानी होगी तो इस बारे में बात करो।"
“बात करने लायक कुछ नहीं है,” मैलोरी ने बेपरवाही से जवाब दिया। “मैंने तुमसे कहा था कि मुझे नहीं लगता कि वे तुम्हें ज़िंदा रहने देंगे।”
“बकवास। तुम्हें मेरे लिए डरने का कोई हक नहीं है।”
मुझे तुम्हारे लिए डर नहीं है। डरने का क्या फायदा? बात कुछ और ही है।
कुछ दिनों बाद, रोर्क के कमरे की खिड़की पर बैठकर, सड़क की ओर देखते हुए, मैलोरी ने अचानक कहा:
“हॉवर्ड, क्या तुम्हें याद है मैंने तुम्हें उस शैतान के बारे में क्या बताया था जिससे मैं डरता हूँ? मैं एल्सवर्थ टूही के बारे में कुछ नहीं जानता। मैंने उसे गोली मारने से पहले कभी नहीं देखा था। मैंने केवल उसकी लिखी हुई बातें पढ़ी थीं। हॉवर्ड, मैंने उस पर गोली इसलिए चलाई क्योंकि मुझे लगता है कि वह उस शैतान के बारे में सब कुछ जानता है।”
जिस शाम स्टोडार्ड ने अपना मुकदमा सुनाने की घोषणा की, उसी शाम डोमिनिक रोर्क के कमरे में आई। उसने कुछ नहीं कहा। उसने अपना बैग मेज पर रखा और धीरे-धीरे अपने दस्ताने उतारने लगी, मानो वह इस कमरे में एक सामान्य क्रिया को करते हुए अंतरंगता को कुछ देर तक बनाए रखना चाहती हो; उसने अपनी उंगलियों को देखा। फिर उसने अपना सिर उठाया।
उसका चेहरा ऐसा लग रहा था मानो वह उसकी सबसे बड़ी पीड़ा को जानती हो और वह पीड़ा उसकी अपनी हो, और वह इसे इसी तरह, निर्दयता से, सहन करना चाहती हो, किसी भी प्रकार की सांत्वना की उम्मीद न करते हुए।
“तुम गलत हो,” उसने कहा। वे हमेशा एक-दूसरे से इसी तरह बात करते रहते थे, मानो उन्होंने अभी शुरुआत ही न की हो। उसकी आवाज़ कोमल थी। “मुझे ऐसा महसूस नहीं होता।”
मैं जानना नहीं चाहता।
“मैं चाहता हूँ कि आप यह जान लें। आप जो सोच रहे हैं वह सच्चाई से कहीं ज्यादा बुरा है। मुझे नहीं लगता कि इससे मुझे कोई फ़र्क पड़ता है कि वे इसे नष्ट करने वाले हैं।”
शायद दर्द इतना ज़्यादा है कि मुझे पता ही नहीं कि मुझे दर्द हो रहा है। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता। अगर तुम मेरे लिए इसे सहना चाहते हो, तो मुझसे ज़्यादा मत सहो। मैं पूरी तरह से पीड़ा सहन नहीं कर सकती। मैंने कभी नहीं की। यह एक हद तक ही कम होती है और फिर रुक जाती है। जब तक वह अछूता बिंदु मौजूद है, तब तक वह वास्तव में दर्द नहीं है। तुम्हें ऐसा नहीं दिखना चाहिए।

“यह कहाँ जाकर रुकता है?”
“जब मैं इस बात के सिवा कुछ सोच भी नहीं सकता और कुछ महसूस भी नहीं कर सकता कि मैंने उस मंदिर का डिज़ाइन बनाया है। मैंने उसे बनाया है। इसके अलावा और कुछ भी मुझे बहुत अच्छा नहीं लग सकता।”
महत्वपूर्ण।"
“आपको इसे बनाना ही नहीं चाहिए था। आपको इसे उस तरह के काम के लिए नहीं देना चाहिए था जो वे कर रहे हैं।”
“इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यहां तक कि इससे भी नहीं कि वे इसे नष्ट कर देंगे। फर्क सिर्फ इस बात से पड़ता है कि यह कभी अस्तित्व में था।”
उसने सिर हिलाया। “क्या तुम्हें समझ आ रहा है कि मैंने तुमसे कमीशन छीनकर तुम्हें किससे बचाया था? ... ताकि उन्हें तुम्हारे साथ ऐसा करने का कोई अधिकार न रहे... तुम्हारी इमारत में रहने का कोई अधिकार न रहे... तुम्हें छूने का कोई अधिकार न रहे... किसी भी तरह से नहीं...”
जब डोमिनिक टूही के दफ्तर में दाखिल हुई, तो उसने मुस्कुराते हुए उसका स्वागत किया, एक उत्सुक मुस्कान, अप्रत्याशित रूप से सच्ची। निराशा से उसकी भौंहें तन गईं और वह अपनी मुस्कान को नियंत्रित नहीं कर पाया; पल भर के लिए वह तंद्रा और मुस्कान एक साथ हास्यास्पद रूप से बनी रहीं। वह निराश था, क्योंकि यह उसका हमेशा की तरह नाटकीय प्रवेश नहीं था; उसे न तो गुस्सा दिखा, न ही उपहास; वह किसी व्यावसायिक काम से आई हुई लेखिका की तरह अंदर आई। उसने पूछा:
आप इससे क्या हासिल करना चाहते हैं?
उन्होंने उनके बीच होने वाली पुरानी प्रतिद्वंद्विता के रोमांच को फिर से जगाने की कोशिश की। उन्होंने कहा:
बैठ जाओ, मेरी प्यारी। तुम्हें देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। सच कहूँ तो, मुझे बेहद खुशी हुई। तुम्हें आने में बहुत देर हो गई। मुझे उम्मीद थी कि तुम बहुत पहले आ जाओगी। मेरे उस छोटे से लेख की बहुत तारीफ़ हुई है, लेकिन सच कहूँ तो, उसमें कोई मज़ा नहीं आया, मैं तो बस यही सुनना चाहती थी कि तुम क्या कहोगी।
आप इससे क्या हासिल करना चाहते हैं?
"देखो, प्रिय, मुझे उम्मीद है कि तुम्हें बुरा नहीं लगा होगा जो मैंने तुम्हारी उस मनमोहक मूर्ति के बारे में कहा था। मुझे लगा था कि तुम समझ जाओगी कि मैं उसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सका।"
“उस मुकदमे का उद्देश्य क्या है?”
"अच्छा, तुम मुझे बुलवाना चाहते हो। और मैं तुम्हें सुनना चाहता था।"
लेकिन थोड़ी सी खुशी भी बिल्कुल खुशी न होने से बेहतर है। मैं बात करना चाहता हूँ। मैंने तुम्हारा बहुत बेसब्री से इंतज़ार किया है। लेकिन मैं चाहता हूँ कि तुम बैठ जाओ, मुझे ज़्यादा आराम मिलेगा... नहीं? खैर, जैसी तुम्हारी मर्ज़ी, बस तुम भाग मत जाना। मुक़दमा? अरे, यह तो साफ़ है ना?
“इससे उसे कैसे रोका जा सकेगा?” उसने आंकड़ों की सूची सुनाने वाले लहजे में पूछा।
“इससे कुछ भी साबित नहीं होगा, चाहे वह जीते या हारे। यह सब तो बस बड़ी संख्या में बदमाशों के लिए मौज-मस्ती का एक जरिया है।”
घटिया पर बेकार। मुझे नहीं लगा था कि तुम बदबूदार बम बनाने में अपना समय बर्बाद करोगे। अगली क्रिसमस से पहले सब कुछ भुला दिया जाएगा।
हे भगवान! मैं तो बिल्कुल नाकाम हो गया! मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं इतना बुरा शिक्षक हूँ। दो साल मेरे साथ रहने के बावजूद तुमने इतना कम सीखा! ये तो सच में निराशाजनक है। तुम मेरी जान-पहचान की सबसे बुद्धिमान महिला हो, तो ग़लती मेरी ही होगी। चलो देखते हैं, तुमने एक बात तो सीख ली: कि मैं अपना समय बर्बाद नहीं करता। बिलकुल सही। मैं नहीं करता। ठीक है, मेरी प्यारी, अगले क्रिसमस तक सब

कुछ भुला दिया जाएगा। और यही तो उपलब्धि होगी। तुम किसी जीवित मुद्दे से लड़ सकती हो। लेकिन मृत मुद्दे से नहीं। मृत मुद्दे, बाकी सभी मृत चीज़ों की तरह, यूं ही गायब नहीं हो जाते, बल्कि अपने पीछे कुछ सड़ता हुआ पदार्थ छोड़ जाते हैं। तुम्हारे नाम के साथ इस तरह का नाम जुड़ा रहना बहुत ही अप्रिय होगा। श्री हॉप्टन स्टोडार्ड को पूरी तरह भुला दिया जाएगा। मंदिर को भुला दिया जाएगा।
मुकदमा भुला दिया जाएगा। लेकिन ये बात याद रहेगी: 'हावर्ड रोर्क? भला, ऐसे आदमी पर कैसे भरोसा किया जा सकता है? वो धर्म का दुश्मन है। वो पूरी तरह अनैतिक है। पता नहीं, वो आपके निर्माण खर्च में भी हेराफेरी कर देगा।' 'रोर्क? वो किसी काम का नहीं है—अरे, एक ग्राहक को तो उस पर मुकदमा करना पड़ा क्योंकि उसने इमारत का इतना घटिया निर्माण किया था।' 'रोर्क?'
रोर्क? एक पल रुकिए, क्या ये वही आदमी नहीं है जो किसी गड़बड़ के कारण अखबारों में सुर्खियों में आया था? क्या बात थी? कोई घटिया किस्म का घोटाला, इमारत के मालिक ने—मुझे लगता है वो जगह एक अय्याशी का अड्डा थी—खैर, मालिक को उस पर मुकदमा करना पड़ा। आप ऐसे बदनाम शख्स के चक्कर में नहीं पड़ना चाहेंगे। आखिर क्यों, जब इतने सारे अच्छे आर्किटेक्ट मौजूद हैं?' इस बात को मानिए, मेरे प्यारे। मुझे इससे लड़ने का कोई तरीका बताओ। खासकर तब जब तुम्हारे पास अपनी प्रतिभा के अलावा कोई हथियार न हो, जो कि हथियार नहीं बल्कि एक बड़ी कमजोरी है।
उसकी आँखें निराशा से भरी थीं; वे धैर्यपूर्वक सुन रही थीं, एक स्थिर निगाह जो क्रोध में नहीं बदल रही थी। वह उसकी मेज के सामने सीधी, संयमित खड़ी थी, जैसे तूफान में कोई संतरी जिसे पता हो कि उसे यह सब सहना है और तब भी वहीं रहना है जब वह इसे और सहन नहीं कर सकता।
“मुझे लगता है आप चाहते हैं कि मैं जारी रखूँ,” टूही ने कहा। “अब आप एक मृत मुद्दे की अजीबोगरीब प्रभावशीलता देख रहे हैं। आप इससे बच नहीं सकते, आप इसे समझा नहीं सकते, आप अपना बचाव नहीं कर सकते। कोई सुनना नहीं चाहता। प्रसिद्धि हासिल करना काफी मुश्किल है। एक बार हासिल कर लेने के बाद इसकी प्रकृति को बदलना असंभव है। नहीं, आप किसी वास्तुकार को यह साबित करके कभी बर्बाद नहीं कर सकते कि वह एक बुरा वास्तुकार है। लेकिन आप उसे बर्बाद कर सकते हैं क्योंकि वह नास्तिक है, या क्योंकि किसी ने उस पर मुकदमा कर दिया है, या क्योंकि उसने किसी औरत के साथ संबंध बनाया, या क्योंकि वह मक्खियों के पंख नोचता है। आप कहेंगे कि इसमें कोई लॉजिक नहीं है? बिल्कुल नहीं है।
इसीलिए तो यह कारगर है। तर्क का मुकाबला तर्क से किया जा सकता है। तुम अतार्किकता से कैसे लड़ोगे? मेरी प्यारी, तुम्हारे साथ और ज़्यादातर लोगों के साथ यही समस्या है कि तुम निरर्थक चीज़ों का सम्मान नहीं करते। निरर्थक चीज़ें ही हमारे जीवन का प्रमुख कारक हैं। अगर ये तुम्हारी दुश्मन हैं तो तुम्हारे पास कोई मौका नहीं है। लेकिन अगर तुम इन्हें अपना सहयोगी बना लो—अहा, मेरी प्यारी! ... देखो, डोमिनिक, जिस पल तुम डर का कोई भी संकेत दिखाओगे, मैं बोलना बंद कर दूंगी।
“आगे बढ़ो,” उसने कहा।
“मुझे लगता है कि अब आपको मुझसे एक सवाल पूछना चाहिए। या शायद आप स्पष्ट होना पसंद नहीं करते और सोचते हैं कि मुझे खुद ही सवाल का अनुमान लगाना होगा? मुझे लगता है कि आप सही हैं। सवाल यह है कि मैंने हॉवर्ड रोर्क को क्यों चुना?”
क्योंकि—जैसा कि मैंने अपने ही लेख में कहा था—मक्खी मारने का काम मेरा नहीं है। मैं इसे अब थोड़े अलग अर्थ में उद्धृत कर रहा हूं, लेकिन चलिए इसे छोड़ देते हैं। साथ ही, इससे मुझे हॉपटन स्टोडार्ड से वह चीज़ मिल गई जो मैं चाहता था, लेकिन यह तो बस एक छोटी सी बात है, एक संयोगवश मिली हुई चीज़, बस बोनस। असल में, यह सब एक प्रयोग था। बस एक परीक्षण, ऐसा कह सकते हैं? परिणाम बेहद संतोषजनक हैं। अगर आप इसमें शामिल न होते, तो आप ही वह अकेले व्यक्ति होते जो इस तमाशे की

सराहना करते। सच में, आप जानते हैं, इसके बाद जो कुछ हुआ, उसके मुकाबले मैंने बहुत कम किया है। क्या आपको यह देखना दिलचस्प नहीं लगता कि हमारा समाज जैसी विशाल, जटिल मशीनरी, जिसमें लीवर, बेल्ट और इंटरलॉकिंग गियर लगे हैं, जिसे चलाने के लिए मानो एक पूरी सेना की ज़रूरत होगी—और फिर आप अपनी छोटी उंगली से एक जगह, उस महत्वपूर्ण बिंदु, उसके गुरुत्वाकर्षण के केंद्र पर दबाकर उसे बेकार लोहे के ढेर में बदल सकते हैं? यह संभव है, मेरे प्रिय। लेकिन इसमें बहुत समय लगता है। सदियाँ लग जाती हैं। मुझे अपने से पहले आए कई विशेषज्ञों का अनुभव प्राप्त है। मुझे लगता है कि मैं इस क्रम का अंतिम और सफल व्यक्ति बनूँगा, क्योंकि—हालांकि मैं उनसे अधिक सक्षम नहीं हूँ—मैं उस लक्ष्य को अधिक स्पष्ट रूप से समझता हूँ जिसकी हमें तलाश है। हालांकि, यह अमूर्त है। ठोस वास्तविकता की बात करें तो, क्या आपको मेरे इस छोटे से प्रयोग में कुछ मज़ेदार नहीं लगता? मुझे तो लगता है। उदाहरण के लिए, क्या आपने ध्यान दिया कि सभी गलत लोग गलत पक्षों में हैं? श्री अल्वाह स्कारेट, कॉलेज के प्रोफेसर, अखबार के संपादक, सम्मानित माताएँ और चैंबर ऑफ कॉमर्स को तो हमारे बचाव में आ जाना चाहिए था।
हावर्ड रोर्क—अगर उन्हें अपनी जान की परवाह होती। लेकिन उन्हें परवाह नहीं थी। वे हॉएन स्टोडार्ड का समर्थन कर रहे हैं। दूसरी ओर, मैंने सुना है कि 'द न्यू लीग ऑफ प्रोलिटेरियन आर्ट' नाम के कुछ सनकी कैफे रेडिकल्स ने हावर्ड रोर्क की समर्थन करने की कोशिश की—उन्होंने कहा कि वह पूंजीवाद का शिकार हैं—जबकि उन्हें पता होना चाहिए था कि हॉएन स्टोडार्ड ही उनके असली समर्थक हैं। वैसे, रोर्क ने समझदारी दिखाते हुए मना कर दिया। वह समझते हैं। आप समझते हैं। मैं समझता हूँ। लेकिन बाकी लोग नहीं।
खैर, कोई बात नहीं। कबाड़ लोहे के भी अपने उपयोग होते हैं।
वह कमरे से बाहर जाने के लिए मुड़ी।
“डोमिनिक, तुम नहीं जा रही?” उसकी आवाज़ में उदासी थी। “तुम कुछ नहीं कहोगी? बिलकुल कुछ भी नहीं?”
"नहीं।"
“डोमिनिक, तुम मुझे निराश कर रही हो। और मैंने तुम्हारा कितना इंतज़ार किया! मैं आम तौर पर बहुत आत्मनिर्भर व्यक्ति हूँ, लेकिन कभी-कभी मुझे किसी के सुनने की ज़रूरत होती है। तुम ही एकमात्र ऐसी व्यक्ति हो जिसके साथ मैं खुलकर जी सकता हूँ। शायद इसलिए कि तुम मुझसे इतनी नफ़रत करती हो कि मेरी कोई भी बात तुम पर कोई असर नहीं करती। देखो, मैं यह जानता हूं, लेकिन मुझे परवाह नहीं।”
साथ ही, जो तरीके मैं दूसरों पर आजमाता हूं, वे आप पर कभी काम नहीं करेंगे।
अजीब बात है, सिर्फ मेरी ईमानदारी ही काम आएगी। आखिर, अगर किसी को पता ही न हो कि आपने कोई कुशल काम किया है, तो उसे करने का क्या फायदा? अगर आप पहले जैसे होते, तो इस समय मुझसे कहते कि यह उस हत्यारे की मानसिकता है जिसने एक परिपूर्ण अपराध किया है और फिर कबूल कर लिया है क्योंकि वह यह सोच भी नहीं सकता कि किसी को पता नहीं है कि यह एक परिपूर्ण अपराध था। और मैं जवाब देता कि आप सही हैं। मुझे श्रोता चाहिए। पीड़ितों के साथ यही समस्या है—उन्हें पता भी नहीं होता कि वे पीड़ित हैं, जो कि होना तो चाहिए, लेकिन इससे नीरसता आ जाती है और आधा मज़ा किरकिरा हो जाता है। आप एक दुर्लभ तोहफा हैं—एक पीड़ित जो अपने ही अंजाम की कलाकारी की सराहना कर सकता है...
भगवान के लिए, डोमिनिक, क्या तुम तब जा रही हो जब मैं तुमसे रुकने की लगभग भीख मांग रहा हूँ?
उसने अपना हाथ दरवाजे के हैंडल पर रखा। उसने कंधे उचकाए और अपनी कुर्सी पर वापस बैठ गया।

“ठीक है,” उसने कहा। “वैसे, हॉपटन स्टोडार्ड को खरीदने की कोशिश मत करना। वो अभी मेरे इशारों पर चल रहा है। वो बेचेगा नहीं।” उसने दरवाज़ा खोला, लेकिन रुक गई और उसे फिर से बंद कर दिया। “ओह, हाँ, मुझे पता है कि तुमने कोशिश की है। कोई फायदा नहीं। तुम इतने अमीर नहीं हो।”
आपके पास उस मंदिर को खरीदने के लिए पर्याप्त धन नहीं है और आप धन जुटा भी नहीं सकते।
बस करो। वैसे, हॉपटन तुमसे कपड़ों में बदलाव के लिए कोई पैसा नहीं लेगा। मुझे पता है तुमने यह पेशकश भी की थी। वह रोर्क से पैसे लेना चाहता है। वैसे, मुझे नहीं लगता कि रोर्क को अच्छा लगेगा अगर मैं उसे बता दूं कि तुमने कोशिश की थी।
उसने इस तरह मुस्कुराया जैसे विरोध की माँग कर रहा हो। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं दिखा। वह फिर दरवाजे की ओर मुड़ गई।
“बस एक और सवाल, डोमिनिक। श्री स्टोडार्ड के वकील जानना चाहते हैं कि क्या वे आपको गवाह के रूप में बुला सकते हैं। वास्तुकला की विशेषज्ञ होने के नाते, आप वादी के पक्ष में गवाही देंगी, बिल्कुल?”
“जी हां। मैं वादी के पक्ष में गवाही दूंगा।”
हॉपटन स्टोडार्ड बनाम हॉवर्ड रोर्क का मामला फरवरी 1931 में शुरू हुआ।
अदालत कक्ष इतना भरा हुआ था कि सामूहिक प्रतिक्रियाओं को केवल लोगों के चेहरों पर धीमी गति से चलने वाली हलचल के माध्यम से ही व्यक्त किया जा सकता था, एक सुस्त लहर की तरह जैसे किसी समुद्री शेर की कसी हुई त्वचा के नीचे उठने वाली लहर।
भीड़, भूरे रंग से सजी और मंद रंगों से सराबोर, कलाओं के मिश्रण जैसी लग रही थी, मानो ए.जी.ए. के लोग उसके ऊपर मलाई की तरह सजे-धजे और भारी-भरकम थे। वहाँ प्रतिष्ठित पुरुष और सलीके से सजी, चुप रहने वाली महिलाएँ थीं; हर महिला को ऐसा लग रहा था मानो उसके साथी द्वारा प्रदर्शित कला पर उसका एकाधिकार हो, जिसे वह दूसरों पर तिरछी निगाहों से देखती हुई सुरक्षित रखती थी। लगभग हर कोई एक-दूसरे को जानता था। कमरे का माहौल किसी सम्मेलन, उद्घाटन समारोह और पारिवारिक पिकनिक जैसा था। वहाँ "हमारा समूह," "हमारे लड़के," "हमारा शो" का भाव था।
स्टीवन मैलोरी, ऑस्टेन हेलर, रोजर एनराइट, केंट लैंसिंग और माइक एक कोने में साथ बैठे थे। उन्होंने इधर-उधर न देखने की कोशिश की।
माइक को स्टीवन मैलोरी की चिंता थी। वह मैलोरी के करीब रहता था, उसके बगल में बैठने पर जोर देता था और जब भी कोई आपत्तिजनक बातचीत होती, तो उसकी तरफ देखता था। आखिरकार मैलोरी ने इसे महसूस किया और कहा:
“चिंता मत करो, माइक। मैं चिल्लाऊंगा नहीं। मैं किसी को गोली नहीं मारूंगा।”
“अपने पेट का ध्यान रखना, बच्चे,” माइक ने कहा, “बस अपने पेट का ध्यान रखना। कोई आदमी सिर्फ इसलिए बीमार नहीं पड़ सकता क्योंकि उसे बीमार होना चाहिए।”
“माइक, क्या तुम्हें वो रात याद है जब हम इतनी देर तक रुके रहे कि लगभग सुबह हो गई थी, और डोमिनिक की कार में पेट्रोल खत्म हो गया था, और वहाँ
कोई बस नहीं थी, और हम सभी ने पैदल घर जाने का फैसला किया, और जब हममें से पहला व्यक्ति अपने घर पहुंचा तब तक छतों पर धूप निकल चुकी थी?
“बिल्कुल सही। आप इसके बारे में सोचिए, और मैं ग्रेनाइट की खदान के बारे में सोचूंगा।”
“कौन सी ग्रेनाइट की खदान?”
"इसकी वजह से मैं एक बार बहुत बीमार हो गया था, लेकिन बाद में पता चला कि लंबे समय में इससे कोई फर्क नहीं पड़ा।"
खिड़कियों के बाहर आसमान सफेद और सपाट था, मानो पाले से ढका हुआ कांच हो।

ऐसा लग रहा था मानो रोशनी छतों और छज्जों पर जमी बर्फ की परतों से आ रही हो, एक ऐसी अप्राकृतिक रोशनी जिससे कमरे में सब कुछ नंगा सा दिख रहा था।
न्यायाधीश अपनी ऊंची बेंच पर इस प्रकार झुके हुए बैठे थे मानो वे किसी घोंसले में आराम कर रहे हों।
उनका चेहरा छोटा था, मानो झुर्रियों से भरा हुआ हो। उन्होंने अपने हाथ सीने के सामने सीधे रखे हुए थे, उंगलियों के सिरे आपस में जुड़े हुए थे। हॉपटन स्टोडार्ड उपस्थित नहीं थे। उनका प्रतिनिधित्व उनके वकील कर रहे थे, जो एक सुंदर सज्जन थे, लंबे और गंभीर, किसी राजदूत की तरह।
रोर्क बचाव पक्ष की मेज़ पर अकेले बैठे थे। भीड़ ने उन्हें घूरकर देखा और गुस्से से हार मान ली, उन्हें कोई संतुष्टि नहीं मिली। वे न तो कुंचले हुए लग रहे थे और न ही विद्रोही। वे भावहीन और शांत दिख रहे थे। वे किसी सार्वजनिक स्थान पर किसी सार्वजनिक हस्ती की तरह नहीं थे; वे अपने कमरे में अकेले रेडियो सुन रहे किसी व्यक्ति की तरह थे। उन्होंने कोई नोट्स नहीं लिए; उनके सामने मेज़ पर कोई कागज़ नहीं था, बस एक बड़ा भूरा लिफ़ाफा था। भीड़ सब कुछ माफ कर देती, सिवाय उस व्यक्ति के जो उनकी विशाल सामूहिक उपहास की गूंज के बीच भी सामान्य बना रह सकता था।
उनमें से कुछ लोग उस पर दया करने की तैयारी के साथ आए थे; लेकिन पहले कुछ मिनटों के बाद ही उन सभी को उससे नफ़रत हो गई।
वादी के वकील ने अपने प्रारंभिक भाषण में सरल शब्दों में अपना पक्ष रखा: उन्होंने स्वीकार किया कि यह सच था कि हॉपटन स्टोडार्ड ने रोर्क को मंदिर के डिजाइन और निर्माण के लिए पूरी स्वतंत्रता दी थी; लेकिन मुद्दा यह था कि श्री स्टोडार्ड ने स्पष्ट रूप से एक मंदिर का उल्लेख किया था और उसकी अपेक्षा की थी; विचाराधीन इमारत को किसी भी ज्ञात मानदंड के अनुसार मंदिर नहीं माना जा सकता; जैसा कि वादी इस क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ विशेषज्ञों की सहायता से साबित करने का प्रस्ताव रखता है।
रोर्क ने जूरी के समक्ष प्रारंभिक बयान देने के अपने विशेषाधिकार को त्याग दिया।
एल्सवर्थ मोंकटन टूही वादी द्वारा बुलाया गया पहला गवाह था। वह गवाह की कुर्सी के किनारे पर बैठा और पीछे की ओर झुक गया।
अपनी रीढ़ की हड्डी के सिरे पर आराम करते हुए: उसने एक पैर उठाया और उसे दूसरे पैर के ऊपर क्षैतिज रूप से रख दिया। वह मुस्कुराता हुआ लग रहा था—लेकिन उसने यह जताने की कोशिश की कि उसकी यह मुस्कान ऊबने से बचने का एक सभ्य तरीका था।
वकील ने श्रीमान के बारे में सवालों की एक लंबी सूची पूछी।
टूही की पेशेवर योग्यताओं का जायज़ा लिया गया, जिसमें उनकी पुस्तक "सर्मन्स इन स्टोन" की बिकने वाली प्रतियों की संख्या भी शामिल थी। फिर उन्होंने टूही का स्तंभ "अपवित्रता" जोर से पढ़ा और उनसे पूछा कि क्या उन्होंने ही इसे लिखा है।
टूही ने जवाब दिया कि उसने ऐसा किया था। इसके बाद मंदिर की स्थापत्य कला की खूबियों पर विद्वतापूर्ण शब्दों में प्रश्नों की एक सूची प्रस्तुत की गई। टूही ने साबित कर दिया कि इसमें कोई खूबी नहीं थी। फिर एक ऐतिहासिक समीक्षा हुई। टूही ने सहज और अनौपचारिक ढंग से बोलते हुए, इंका सभ्यता से लेकर फोनीशियन और ईस्टर द्वीपवासियों तक, सभी ज्ञात सभ्यताओं और उनके उत्कृष्ट धार्मिक स्मारकों का संक्षिप्त विवरण दिया—जहां तक संभव हो, इन स्मारकों के निर्माण की शुरुआत और पूर्णता की तिथियां, निर्माण में लगे श्रमिकों की संख्या और आधुनिक अमेरिकी डॉलर में अनुमानित लागत भी बताई। श्रोता मंत्रमुग्ध होकर सुन रहे थे।
टूही ने यह साबित कर दिया कि स्टोडार्ड मंदिर इतिहास की हर ईंट, पत्थर और सिद्धांत के विपरीत था। उन्होंने अंत में कहा, “मैंने यह दिखाने का प्रयास किया है कि मंदिर की अवधारणा के दो मूल तत्व हैं: श्रद्धा और मनुष्य की विनम्रता। हमने धार्मिक भवनों के विशाल आकार, उनकी ऊँची-ऊँची रेखाएँ, राक्षसी देवताओं की भयानक विकृतियाँ, या

बाद में गार्गोयल्स (आधा इंसान, आधा इंसान, आधा इंसान, आधा इंसान, आधा इंसान को देखा है। ये सब मनुष्य को उसकी मूलभूत तुच्छता का अहसास कराते हैं, उसे अपने विशाल आकार से कुचल देते हैं, और उसमें उस पवित्र भय को भर देते हैं जो सद्गुण की नम्रता की ओर ले जाता है। स्टोडार्ड मंदिर हमारे पूरे अतीत का एक निर्भीक खंडन है, इतिहास के मुंह पर फेंका गया एक उद्दंड 'नहीं' है। मैं इस बात का अनुमान लगा सकता हूँ कि इसे मामले ने इतनी जनहितकारी रुचि क्यों जगाई है। हम सभी ने सहज रूप से यह पहचान लिया है कि इसमें कानूनी पहलुओं से कहीं अधिक एक नैतिक मुद्दा शामिल है। यह इमारत मानवता के प्रति गहरी घृणा का स्मारक है। यह एक व्यक्ति का अहंकार है जो समस्त मानव जाति की, सड़क पर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति की, इस दुनिया में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सबसे पवित्र भावनाओं का उल्लंघन कर रहा है।
अदालत कक्ष!
यह अदालत में कोई गवाह नहीं था, बल्कि एल्सवर्थ टूही एक सभा को संबोधित कर रहे थे—और प्रतिक्रिया स्वाभाविक थी: श्रोता तालियों से गूंज उठे। न्यायाधीश ने अपना हथौड़ा पटका और धमकी दी कि वे...
अदालत खाली करा दी गई। व्यवस्था बहाल हो गई, लेकिन भीड़ के चेहरों पर कोई भाव नहीं था: उनके चेहरे अभी भी लंपट और आत्म-धर्मी भाव से भरे हुए थे। पीड़ित पक्ष के रूप में चुना जाना और मामले में घसीटा जाना सुखद था। उनमें से तीन-चौथाई लोगों ने कभी स्टोडार्ड मंदिर देखा ही नहीं था।
“धन्यवाद, श्री टूही,” वकील ने हल्के से झुककर कहा। फिर वह रोर्क की ओर मुड़ा और बड़ी विनम्रता से बोला: “आपका गवाह।”
रोर्क ने कहा, "कोई सवाल नहीं।"
एल्सवर्थ टूही ने अपनी एक भौंह उठाई और खेदपूर्वक मंच से चले गए।
“श्री पीटर कीटिंग!” वकील ने पुकारा।
पीटर कीटिंग का चेहरा आकर्षक और तरोताज़ा लग रहा था, मानो उन्होंने अच्छी नींद ली हो। वे कॉलेज के छात्रों जैसे जोश के साथ गवाह के कटघरे में चढ़े, अपने कंधों और बाहों को बेवजह हिलाते हुए। उन्होंने शपथ ली और पहले सवालों के जवाब खुशी-खुशी दिए। गवाह की कुर्सी पर उनका बैठने का तरीका अजीब था: उनका धड़ एक तरफ झुका हुआ था, कोहनी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर टिकी हुई थी; लेकिन उनके पैर अजीब तरह से सीधे थे और घुटने आपस में सटे हुए थे। उन्होंने रोर्क की तरफ देखा तक नहीं।
"क्या आप कृपया उन कुछ उत्कृष्ट इमारतों के नाम बता सकते हैं जिन्हें आपने डिज़ाइन किया है, श्री कीटिंग?" वकील ने पूछा।
कीटिंग ने प्रभावशाली नामों की एक सूची बनाना शुरू किया; पहले कुछ नाम तेजी से आए, बाकी धीरे-धीरे आते गए, मानो वह रुकना चाहता हो; आखिरी नाम अधूरा ही रह गया।
“क्या आप सबसे महत्वपूर्ण बात भूल रहे हैं, श्रीमान कीटिंग?” वकील ने पूछा। “क्या आपने कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग का डिज़ाइन नहीं बनाया था?”
“हां,” कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा।
“श्रीमान कीटिंग, क्या आपने भी श्री रोर्क के साथ ही स्टैंटन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पढ़ाई की थी?”
"हाँ।"
"आप हमें वहां श्री रोर्क के कार्यकाल के बारे में क्या बता सकते हैं?"
उसे निष्कासित कर दिया गया था।
"उसे संस्थान के उच्च मानकों पर खरा न उतर पाने के कारण निष्कासित कर दिया गया?"
“हां। हां, यही बात थी।”

जज ने रोर्क को और एक नज़र डाली। एक वकील इस गवाही को अप्रासंगिक बताकर आपत्ति जताता। रोर्क ने कोई आपत्ति नहीं जताई।
"क्या उस समय आपको लगता था कि उसमें वास्तुकला के पेशे के लिए कोई प्रतिभा थी?"
"नहीं।"
"क्या आप कृपया थोड़ा ज़ोर से बोलेंगे, श्रीमान कीटिंग?"
मुझे नहीं लगता था कि उसमें कोई प्रतिभा है।
कीटिंग के बोलने के तरीके में अजीबोगरीब बदलाव आ रहे थे: कुछ शब्द एकदम साफ और स्पष्ट निकल रहे थे, मानो हर शब्द के बाद विस्मयबोधक चिह्न लगा रहे हों; वहीं कुछ शब्द एक साथ निकल रहे थे, मानो उन्हें सुनने के लिए रुकना ही न चाहते हों। उन्होंने वकील की तरफ नहीं देखा। उनकी निगाहें दर्शकों पर टिकी थीं। कभी-कभी वे किसी शरारती लड़के की तरह लग रहे थे, मानो उन्होंने मेट्रो के टूथपेस्ट विज्ञापन में किसी खूबसूरत लड़की के चेहरे पर मूछें बना दी हों। फिर वे ऐसे लग रहे थे मानो भीड़ से समर्थन की भीख मांग रहे हों—जैसे उन्हीं के सामने उनका मुकदमा चल रहा हो।
"क्या आपने कभी श्री रोर्क को अपने कार्यालय में नियुक्त किया था?"
"हाँ।"
"और आपको उसे नौकरी से निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा?"
"हाँ हमने किया।"
“अक्षमता के लिए?”
"हाँ।"
"आप हमें श्री रोर्क के बाद के करियर के बारे में क्या बता सकते हैं?"
“खैर, आप जानते हैं, ‘करियर’ एक सापेक्ष शब्द है। उपलब्धियों की मात्रा के हिसाब से हमारे कार्यालय में किसी भी ड्राफ्ट्समैन ने श्रीमान से अधिक काम किया है।”
रोर्क। हम एक या दो इमारतों को अपना करियर नहीं कहते। हम हर महीने लगभग उतनी ही इमारतें बनाते हैं।
"क्या आप हमें उनके काम के बारे में अपनी पेशेवर राय देंगे?"
"खैर, मुझे लगता है कि यह अपरिपक्व है। बहुत चौंकाने वाला, कभी-कभी काफी दिलचस्प भी, लेकिन मूल रूप से - किशोरावस्था जैसा है।"
तो क्या श्री रोर्क को पूर्णतः वास्तुकार नहीं कहा जा सकता?
“उस अर्थ में नहीं जिस अर्थ में हम श्री रालस्टन होल्कोम्बे की बात करते हैं।”
गाय फ्रैंकन, मिस्टर गार्डन प्रेस्कॉट—नहीं। लेकिन, ज़ाहिर है, मैं निष्पक्ष रहना चाहता हूँ। मुझे लगता है कि मिस्टर रोर्क में निश्चित रूप से क्षमताएँ थीं, खासकर शुद्ध इंजीनियरिंग के मामलों में। वह कुछ बन सकते थे। मैंने उनसे इस बारे में बात करने की कोशिश की—मैंने उनकी मदद करने की कोशिश की—सचमुच की। लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे मैं उनके पालतू कंक्रीट के टुकड़े से बात कर रहा हूँ। मुझे पता था कि वह ऐसा कुछ करेंगे। जब मैंने सुना कि आखिरकार एक ग्राहक को उन पर मुकदमा करना पड़ा, तो मुझे आश्चर्य नहीं हुआ।
"मिस्टर रोर्क का ग्राहकों के प्रति क्या रवैया है, इसके बारे में आप हमें क्या बता सकते हैं?"
“खैर, यही तो असली मुद्दा है। यही तो पूरी बात है। उन्हें इस बात की परवाह नहीं थी कि ग्राहक क्या सोचते हैं या क्या चाहते हैं, दुनिया में कोई भी क्या सोचता है या क्या चाहता है। उन्हें तो यह भी समझ नहीं आता था कि दूसरे आर्किटेक्ट को इसकी परवाह कैसे हो सकती है।”
वह तुम्हें इतना भी नहीं देगा, न समझेगा, न ही तुम्हारा थोड़ा सा भी सम्मान करेगा। मुझे लोगों को खुश करने की कोशिश में कुछ गलत नहीं लगता। मुझे दोस्ताना और लोकप्रिय बनने की चाहत में कुछ गलत नहीं लगता। भला इसमें क्या अपराध है?

इसके लिए कोई आपका उपहास क्यों करे, हर समय, दिन-रात उपहास क्यों करे, आपको एक पल की भी शांति क्यों न दे, जैसे चीनी जल यातना में होता है, जिसमें वे आपकी खोपड़ी पर बूंद-बूंद करके पानी डालते हैं?
दर्शकों को धीरे-धीरे एहसास होने लगा कि पीटर कीटिंग नशे में है। वकील ने frowning किया; गवाही का पूर्वाभ्यास किया गया था; लेकिन यह बेकाबू होती जा रही थी।
“अच्छा, अब श्रीमान कीटिंग, शायद बेहतर होगा कि आप हमें श्रीमान के बारे में बताएं...”
रोर्क के वास्तुकला संबंधी विचार।"
“अगर आप जानना चाहते हैं, तो मैं आपको बताता हूँ। उनका मानना है कि वास्तुकला के बारे में बात करते समय आपको अपने जूते उतारकर घुटने टेक देने चाहिए। उनका यही मानना है। अब ऐसा क्यों करना चाहिए? क्यों? यह भी तो बाकी व्यवसायों की तरह ही एक व्यवसाय है, है ना? इसमें इतनी पवित्रता वाली क्या बात है? हमें इतना तनाव क्यों लेना पड़ता है? हम इंसान ही तो हैं। हमें अपना जीवन यापन करना है। चीजें इतनी सरल और आसान क्यों नहीं हो सकतीं? हमें किसी तरह का हीरो क्यों बनना पड़ता है?”
“अब, अब, श्रीमान कीटिंग, मुझे लगता है कि हम विषय से थोड़ा भटक रहे हैं। हंम...”
“नहीं, हम नहीं हैं। मुझे पता है मैं क्या कह रहा हूँ। आपको भी पता है। सबको पता है। यहाँ मौजूद हर किसी को। मैं मंदिर की बात कर रहा हूँ। समझ नहीं आ रहा? मंदिर बनाने के लिए किसी शैतान को क्यों चुना जाए? इसके लिए तो एक बहुत ही मानवीय स्वभाव वाले व्यक्ति को ही चुना जाना चाहिए। एक ऐसा व्यक्ति जो समझता हो... और क्षमा करता हो। एक ऐसा व्यक्ति जो क्षमा करता हो... इसीलिए तो लोग चर्च जाते हैं—क्षमा पाने के लिए...”
जी हां, श्रीमान कीटिंग, लेकिन श्रीमान रोर्क की बात करें तो...
“अच्छा, मिस्टर रोर्क के बारे में क्या? वो कोई वास्तुकार नहीं हैं। वो किसी काम के नहीं हैं।”
मुझे यह कहने से क्यों डरना चाहिए कि वह अच्छा आदमी नहीं है? आप सब उससे क्यों डरते हैं?
“श्रीमान कीटिंग, यदि आप अस्वस्थ हैं और छुट्टी लेना चाहते हैं...”
कीटिंग ने उसे देखा, मानो जाग उठा हो। उसने खुद को नियंत्रित करने की कोशिश की।
कुछ देर बाद उसने सपाट, हताश स्वर में कहा:
“नहीं। मैं ठीक हूँ। मैं आपको जो चाहें बता दूँगा। आप मुझसे क्या सुनना चाहते हैं?”
"क्या आप हमें पेशेवर शब्दों में, स्टोडार्ड मंदिर के नाम से जानी जाने वाली संरचना के बारे में अपनी राय बताएंगे?"
“जी हां। ज़रूर। स्टोडार्ड मंदिर... स्टोडार्ड मंदिर की योजना ठीक से नहीं बनी है, जिससे स्थानिक भ्रम पैदा होता है। द्रव्यमानों में संतुलन नहीं है। इसमें समरूपता का अभाव है। इसके अनुपात बेमेल हैं।” वह एकरस स्वर में बोला। उसकी गर्दन अकड़ी हुई थी; वह उसे आगे झुकने से रोकने की कोशिश कर रहा था। “यह बेमेल है। यह रचना के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। कुल मिलाकर इसका प्रभाव यह है कि...”
"कृपया थोड़ा और ज़ोर से बोलिए, श्रीमान कीटिंग।"
“कुल मिलाकर इसका प्रभाव अशिष्टता और स्थापत्य कला की अज्ञानता को दर्शाता है। यह दिखाता है... इसमें संरचना की कोई समझ नहीं है, सौंदर्य की कोई सहज प्रवृत्ति नहीं है, कोई रचनात्मक कल्पना नहीं है...” उन्होंने अपनी आँखें बंद कर लीं, “...कलात्मक अखंडता नहीं है।
...”

“धन्यवाद, श्रीमान कॉटिंग। बस इतना ही।”
वकील ने रोर्क की ओर मुड़कर घबराते हुए कहा:
“आपका गवाह।”
रोर्क ने कहा, "कोई सवाल नहीं।"
इसके साथ ही मुकदमे का पहला दिन समाप्त हो गया।
उस शाम मैलोरी, हेलर, माइक, एनराइट और लैंसिंग रोर्क के कमरे में इकट्ठा हुए। उन्होंने आपस में सलाह नहीं ली थी, लेकिन वे सभी एक ही भावना से प्रेरित होकर आए थे। उन्होंने मुकदमे के बारे में बात नहीं की, लेकिन न तो कोई तनाव था और न ही विषय से बचने की कोशिश। रोर्क अपनी ड्राफ्टिंग टेबल पर बैठे और उनसे प्लास्टिक उद्योग के भविष्य के बारे में बात करने लगे। मैलोरी अचानक बिना किसी स्पष्ट कारण के ज़ोर से हंस पड़े। रोर्क ने पूछा, "क्या बात है, स्टीव?" मैलोरी ने जवाब दिया, "मैंने अभी सोचा... हॉवर्ड, हम सब तुम्हारी मदद करने, तुम्हारा हौसला बढ़ाने के लिए यहाँ आए हैं। लेकिन इसके बजाय तुम ही हमारी मदद कर रहे हो। तुम अपने समर्थकों का समर्थन कर रहे हो, हॉवर्ड।"
उस शाम, पीटर कीटिंग एक गुप्त बार में एक मेज पर आधा लेटा हुआ था, एक हाथ मेज के ऊपर फैला हुआ था और उसका चेहरा उसके हाथ पर टिका हुआ था।
अगले दो दिनों में वादी के पक्ष में कई गवाहों ने गवाही दी। हर पूछताछ की शुरुआत ऐसे सवालों से हुई जिनसे गवाह की पेशेवर उपलब्धियों का खुलासा हुआ। वकील ने उन्हें एक कुशल प्रेस एजेंट की तरह जानकारी दी। ऑस्टेन हेलर ने टिप्पणी की कि वास्तुकारों को गवाही देने का मौका पाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा होगा, क्योंकि यह आमतौर पर शांत रहने वाले पेशे में प्रचार का सबसे बड़ा अवसर था।
किसी भी गवाह ने रोर्क की ओर नहीं देखा। रोर्क ने उन सभी को देखा। उसने गवाही सुनी। उसने हर एक से कहा: "कोई सवाल नहीं।"
गवाही देते समय, लहराती टाई और सोने की नोक वाली छड़ी के साथ, रैल्स्टन होल्कोम्बे किसी ग्रैंड ड्यूक या किसी बीयर गार्डन के संगीतकार की तरह दिख रहे थे। उनकी गवाही लंबी और विद्वतापूर्ण थी, लेकिन अंत में उसका सार यह था:
“यह सब बकवास है। यह सब बचकाना बकवास है। मुझे श्री हापटन स्टोडार्ड के लिए ज़रा भी सहानुभूति नहीं है। उन्हें बेहतर पता होना चाहिए था। यह एक वैज्ञानिक तथ्य है कि पुनर्जागरण काल की स्थापत्य शैली ही हमारे युग के लिए उपयुक्त है। अगर श्री स्टोडार्ड जैसे हमारे सबसे अच्छे लोग भी इसे मानने से इनकार करते हैं, तो आप हर तरह के नवधनी, महत्वाकांक्षी वास्तुकारों और आम जनता से क्या उम्मीद कर सकते हैं? यह सिद्ध हो चुका है कि पुनर्जागरण काल ही सभी गिरजाघरों, मंदिरों और गिरजाघरों के लिए एकमात्र स्वीकार्य शैली है। सर क्रिस्टोफ़र व्रेन के बारे में क्या? बस उसे हंसकर टाल दीजिए। और सर्वकालिक महानतम धार्मिक स्मारक - रोम में सेंट पीटर चर्च को याद कीजिए। क्या आप सेंट पीटर चर्च से बेहतर कुछ बनाने जा रहे हैं? और अगर श्री स्टोडार्ड ने विशेष रूप से पुनर्जागरण काल पर ज़ोर नहीं दिया, तो उन्हें वही मिला जिसके वे हकदार थे। उनके साथ जो हुआ वह बिल्कुल सही था।”
गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट ने प्लेड कोट के नीचे टर्टल-नेक स्वेटर, ट्वीड ट्राउजर और भारी गोल्फ़ शूज पहने थे।
उन्होंने कहा, “चर्चाधीन इमारत में पारलौकिक और विशुद्ध स्थानिक के बीच संबंध पूरी तरह से बेतुका है।” “यदि हम क्षैतिज को एक-आयामी, ऊर्ध्वाधर को द्वि-आयामी, विकर्ण को त्रि-आयामी और स्थानों के अंतर्संबंध को चतुर्थ-आयामी मानते हैं—वास्तुकला एक चतुर्थ-आयामी कला है—तो हम आसानी से देख सकते हैं कि यह इमारत समरूप है, या—आम भाषा में—प्राकृतिक है। यह बहता हुआ जीवन है जो अराजकता में व्यवस्था की भावना से, या, यदि आप चाहें, तो विविधता में एकता से, और इसके विपरीत भी, उत्पन्न होता है।

वास्तुकला में निहित विरोधाभास का अहसास यहाँ बिल्कुल अनुपस्थित है। मैं वास्तव में अपनी बात को यथासंभव स्पष्ट रूप से व्यक्त करने का प्रयास कर रहा हूँ, लेकिन किसी द्वंद्वात्मक स्थिति को केवल मानसिक रूप से आलसी आम आदमी के लिए तर्क के पुराने आवरण से ढककर प्रस्तुत करना असंभव है।
जॉन एरिक स्नाइट ने विनम्रतापूर्वक और सहजता से गवाही दी कि उन्होंने रोर्क को अपने कार्यालय में नियुक्त किया था, कि रोर्क एक अविश्वसनीय, बेवफ़ा और बेईमान कर्मचारी था, और रोर्क ने उनसे एक ग्राहक चुराकर अपने करियर की शुरुआत की थी।
मुकदमे के चौथे दिन वादी के वकील ने अपने आखिरी गवाह को पेश किया।
“मिस डोमिनिक फ्रैंकन,” उन्होंने गंभीरता से घोषणा की।
मैलोरी हांफने लगा, लेकिन किसी ने नहीं सुना; माइक ने उसकी कलाई पर हाथ कसकर पकड़ लिया और उसे स्थिर रहने के लिए मजबूर कर दिया।
वकील ने डोमिनिक को अपने भाषण के चरम बिंदु के लिए आरक्षित रखा था, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि उन्हें उससे बहुत उम्मीदें थीं, और आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि वे चिंतित थे: वह एकमात्र ऐसी गवाह थी जिसने पहले से तैयारी नहीं की थी; उसने प्रशिक्षण लेने से इनकार कर दिया था। उसने अपने लेख में कभी भी स्टोडार्ड मंदिर का उल्लेख नहीं किया था; लेकिन उसने रोर्क पर लिखे उसके पुराने लेखों को पढ़ा था; और एल्सवर्थ टूही ने उसे डोमिनिक को बुलाने की सलाह दी थी।
डोमिनिक गवाहों के चबूतरे पर कुछ पल खड़ी रही, भीड़ पर धीरे-धीरे नज़र डालती रही। उसकी सुंदरता चौंका देने वाली थी, लेकिन साथ ही साथ कुछ हद तक भावहीन भी, मानो वह उसकी अपनी न हो; ऐसा लग रहा था मानो वह कमरे में एक अलग इकाई के रूप में मौजूद हो। लोगों के मन में एक ऐसी छवि उभर आई जो अभी पूरी तरह प्रकट नहीं हुई थी, किसी फांसी के तख्ते पर लटके पीड़ित की छवि, किसी समुद्री जहाज की रेलिंग पर रात के समय खड़े व्यक्ति की छवि।
"आपका क्या नाम है?"
“डोमिनिक फ्रैंकन।”
“और आपका पेशा क्या है, मिस फ्रैंकन?”
“अखबार वाली महिला।”
“क्या आप न्यूयॉर्क बैनर में प्रकाशित होने वाले शानदार कॉलम ‘योर हाउस’ के लेखक हैं?”
मैं ‘योर हाउस’ का लेखक हूँ।
“क्या आपके पिता प्रख्यात वास्तुकार गाइ फ्रैंकन हैं?”
“हां। मेरे पिता को यहां गवाही देने के लिए बुलाया गया था। उन्होंने मना कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें स्टोडार्ड मंदिर जैसी इमारत पसंद नहीं है, लेकिन उन्हें नहीं लगता था कि हम सज्जनों जैसा व्यवहार कर रहे थे।
“अच्छा, तो अब, मिस फ्रैंकन, क्या हम अपने उत्तरों को प्रश्नों तक ही सीमित रखें? हम वास्तव में भाग्यशाली हैं कि आप हमारे साथ हैं, क्योंकि आप हमारी एकमात्र महिला गवाह हैं, और महिलाओं में हमेशा से ही धार्मिक आस्था की सबसे शुद्ध भावना रही है। इसके अलावा, वास्तुकला की एक उत्कृष्ट विशेषज्ञ होने के नाते, आप हमें इस मामले पर नारीवादी दृष्टिकोण देने के लिए पूरी तरह से योग्य हैं, जिसे मैं पूरे सम्मान के साथ कहना चाहूंगा। क्या आप हमें अपने शब्दों में बताएँगी कि आप स्टीडार्ड मंदिर के बारे में क्या सोचती हैं?”
मुझे लगता है कि श्री स्टोडार्ड ने गलती की है। अगर उन्होंने बदलाव के खर्चों के बजाय विध्वंस के खर्चों के लिए मुकदमा दायर किया होता, तो उनके मामले की न्यायसंगतता पर कोई संदेह नहीं होता।
वकील ने राहत की सांस ली। "क्या आप अपने कारण स्पष्ट करेंगी, मिस फ्रैंकन?"

"आपने इस मुकदमे में हर गवाह से ये बातें सुनी हैं।"
“तो क्या मैं यह मान लूँ कि आप उपरोक्त गवाही से सहमत हैं?”
“बिल्कुल। गवाही देने वाले व्यक्तियों से भी कहीं अधिक। वे बहुत ही विश्वसनीय गवाह थे।”
"क्या आप इसे स्पष्ट करेंगी, मिस फ्रैंकन? आपका मतलब क्या है?"
श्री टूही ने जो कहा, वही सही है: यह मंदिर हम सभी के लिए खतरा है।
"ओह, मैं समझा।"
“श्री टूही इस मुद्दे को बहुत अच्छी तरह समझते थे। क्या मैं इसे अपने शब्दों में स्पष्ट करूँ?”
"हर तरह से।"
“हावर्ड रोर्क ने मानव आत्मा के लिए एक मंदिर का निर्माण किया। उन्होंने मनुष्य को बलवान, गर्वित, पवित्र, बुद्धिमान और निडर देखा। उन्होंने मनुष्य को एक वीर प्राणी के रूप में देखा। और उन्होंने उसी के लिए एक मंदिर का निर्माण किया। मंदिर वह स्थान है जहाँ मनुष्य को परमानंद का अनुभव होता है। उनका मानना था कि परमानंद निर्दोषता की चेतना से, सत्य को देखने और उसे प्राप्त करने से, अपनी उच्चतम क्षमता तक पहुँचने से, लज्जाहीन होने और लज्जा का कोई कारण न होने से, और पूर्ण सूर्यप्रकाश में नग्न खड़े होने की क्षमता से आता है। उनका मानना था कि परमानंद का अर्थ आनंद है और आनंद मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है। उनका मानना था कि मनुष्य के लिए निर्मित स्थान एक पवित्र स्थान है। हावर्ड रोर्क मनुष्य और परमानंद के बारे में यही सोचते थे। लेकिन एल्सवर्थ टूही ने कहा कि यह मंदिर मानवता के प्रति गहरी घृणा का स्मारक था। एल्सवर्थ टूही ने कहा कि परमानंद का सार अचेतन रूप से भयभीत होना था।
गिर जाना और गिड़गिड़ाना। एल्सवर्थ टूही ने कहा था कि मनुष्य का सर्वोच्च कार्य अपनी अक्षमता को महसूस करना और क्षमा माँगना है।
एल्सवर्थ टूही ने कहा कि यह मानना घोर पाप है कि मनुष्य को क्षमा करने की आवश्यकता नहीं है। एल्सवर्थ टूही ने देखा कि यह इमारत मनुष्य और धरती की बनी है —और उन्होंने कहा कि इस इमारत का आधार कीचड़ में धंसा हुआ है। एल्सवर्थ टूही ने कहा कि मनुष्य का महिमामंडन करना शरीर की स्थूल इच्छाओं का महिमामंडन करना है, क्योंकि आत्मा का लोक मनुष्य की समझ से परे है। एल्सवर्थ टूही ने कहा कि उस लोक में प्रवेश करने के लिए मनुष्य को भिखारी की तरह घुटनों के बल आना होगा। एल्सवर्थ टूही मानवता से प्रेम करते थे।
"मिस फ्रैंकन, हम वास्तव में मिस्टर टूही के बारे में चर्चा नहीं कर रहे हैं, इसलिए कृपया आप स्वयं को इसी तक सीमित रखें..."
“मैं एल्सवर्थ टूही की निंदा नहीं करता। मैं हॉवर्ड रोर्क की निंदा करता हूँ। कहते हैं ना, इमारत अपने परिसर का हिस्सा होनी चाहिए। रोर्क ने किस तरह की दुनिया में अपना मंदिर बनाया? किस तरह के लोगों के लिए? अपने चारों ओर देखो।”
क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि कोई मंदिर श्री हॉपटन स्टोड्डार्ड, श्री राल्स्टन होल्कोम्बे या श्री पीटर कीटिंग के लिए एक मंच बनकर पवित्र हो सकता है? जब आप इन सभी को देखते हैं, तो क्या आपको एल्सवर्थ टूही से नफरत होती है?
या फिर आप हॉवर्ड रोर्क को उस घिनौने अपमान के लिए दोषी ठहरा रहे हैं जो उसने किया? एल्सवर्थ टूही सही हैं, वह मंदिर एक अपवित्र कार्य है, हालांकि उस अर्थ में नहीं जैसा उन्होंने कहा था। मुझे लगता है कि श्री टूही यह जानते हैं। जब आप किसी आदमी को मोती फेंकते हुए देखते हैं और बदले में आपको एक सूअर का मांस भी नहीं मिलता —तो आपको सूअरों पर गुस्सा नहीं आता। गुस्सा उस आदमी पर आता है जिसने अपने मोतियों को इतनी कम महत्व दिया कि वह उन्हें कीचड़ में फेंकने और उन्हें घुरघुराहट

को पूरा आवाज़ का पात्र बनने देने को तैयार था, जिसे दरबारी स्टेनोग्राफर ने लिख लिया।
"मिस फ्रैंकन, मुझे नहीं लगता कि गवाही की यह पंक्ति प्रासंगिक या स्वीकार्य है..."
“गवाह को गवाही देने की अनुमति दी जानी चाहिए,” न्यायाधीश ने अप्रत्याशित रूप से घोषणा की। वह ऊब चुके थे और उन्हें डोमिनिक का शरीर देखना अच्छा लगता था। इसके अलावा, वह जानते थे कि दर्शक इस घोटाले के रोमांच में डूबे हुए इसका आनंद ले रहे थे, भले ही उनकी सहानुभूति हॉपटन स्टोडार्ड के साथ थी।
“माननीय न्यायाधीश महोदय, कुछ गलतफहमी हो गई प्रतीत होती है।”
वकील ने कहा, “मिस फ्रैंकन, आप किसके पक्ष में गवाही दे रही हैं? श्री रोर्क के पक्ष में या श्री स्टोडार्ड के पक्ष में?”
“श्रीमान् स्टोडार्ड के लिए, बिल्कुल। मैं श्रीमान् स्टोडार्ड के कारणों को बता रहा हूँ।”
स्टोडार्ड को यह मुकदमा जीतना चाहिए। मैंने सच बोलने की शपथ ली है।
न्यायाधीश ने कहा, "आगे बढ़िए।"
“सभी गवाहों ने सच कहा है। लेकिन पूरा सच नहीं। मैं केवल छूटी हुई बातों को पूरा कर रहा हूँ। उन्होंने धमकी और नफ़रत के बारे में बताया।”
वे सही थे। स्टोडार्ड मंदिर कई चीज़ों के लिए खतरा है। अगर इसे अस्तित्व में रहने दिया गया, तो कोई भी खुद को आईने में देखने की हिम्मत नहीं करेगा। और यह इंसानों के साथ किया जाने वाला एक क्रूर व्यवहार होगा। इंसानों से कुछ भी पूछ लो।
उनसे धन, प्रसिद्धि, प्रेम, क्रूरता, हत्या, आत्म-बलिदान जैसी चीज़ें हासिल करने को कहो। लेकिन उनसे आत्मसम्मान हासिल करने को मत कहो। वे तुम्हारी आत्मा से नफ़रत करेंगे। खैर, उन्हें बेहतर पता है। उनके पास अपने कारण होंगे। वे यह तो नहीं कहेंगे कि वे तुमसे नफ़रत करते हैं। वे कहेंगे कि तुम उनसे नफरत करते हो। शायद बात लगभग यही है। वे इसमें शामिल भावना को समझते हैं।
इंसान जैसे होते हैं वैसे ही होते हैं। तो असंभव के लिए शहीद होने का क्या फायदा? उस दुनिया के लिए निर्माण करने का क्या फ़ायदा जो अस्तित्व में ही नहीं है?
"माननीय न्यायाधीश महोदय, मुझे नहीं लगता कि इसका इस पर कोई असर पड़ सकता है..."
मैं आपके पक्ष में आपकी बात साबित कर रहा हूँ। मैं साबित कर रहा हूँ कि आपको एल्सवर्थ टूही के साथ क्यों जाना चाहिए, जैसा कि आप वैसे भी करेंगे। स्टोडार्ड मंदिर को नष्ट करना होगा। लोगों को इससे बचाने के लिए नहीं, बल्कि इसे लोगों से बचाने के लिए।
लेकिन फर्क क्या है? श्री स्टोडार्ड जीत गए। मैं यहाँ जो कुछ भी हो रहा है उससे पूरी तरह सहमत हूँ, सिवाय एक बात के। मुझे नहीं लगता कि हमें उस बात को यूँ ही नज़रअंदाज़ करने की अनुमति मिलनी चाहिए।
आइए विनाश करें, लेकिन यह दिखावा न करें कि हम कोई पुण्य कार्य कर रहे हैं। मान लीजिए कि हम छछूंदर हैं और हमें पर्वत शिखरों से आपत्ति है। या शायद, हम लेमिंग हैं, वे जानवर जो आत्म-विनाश की ओर तैरते जाने से खुद को रोक नहीं पाते। मैं पूरी तरह से जानता हूँ कि इस समय मैं हॉवर्ड रोर्क जितना ही निष्फल हूँ। यही मेरा स्टोडार्ड मंदिर है।
"मेरी पहली और आखिरी।" उसने न्यायाधीश की ओर सिर झुकाया। "बस इतना ही, माननीय न्यायाधीश।"
"आपका गवाह," वकील ने रोर्क से झल्लाकर कहा।
रोर्क ने कहा, "कोई सवाल नहीं।"
डोमिनिक स्टैंड से उठकर चली गई।
वकील ने पीठ के सामने झुककर कहा: "वादी अपनी बात समाप्त करता है।"

न्यायाधीश ने रोर्क की ओर मुड़कर एक अस्पष्ट इशारा किया, मानो उन्हें आगे बढ़ने के लिए आमंत्रित कर रहे हों।
रोर्क उठे और भूरे रंग का लिफाफा हाथ में लिए बेंच की ओर चले। उन्होंने लिफाफे से स्टोडार्ड मंदिर की दस तस्वीरें निकालीं और उन्हें न्यायाधीश की मेज पर रख दिया। उन्होंने कहा:
“बचाव पक्ष ने अपनी बात समाप्त कर दी है।”
तेरहवें
हॉपटन स्टोडार्ड ने मुकदमा जीत लिया। एल्सवर्थ टूही ने अपने कॉलम में लिखा: “श्री रोर्क ने अदालत में फ्रॉइन जैसा बर्ताव किया और बच नहीं पाए। हमने तो शुरू से ही उस कहानी पर विश्वास नहीं किया था।”
रोर्क को मंदिर में किए गए बदलावों का खर्च वहन करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा कि वे इस मामले में अपील नहीं करेंगे। हॉपटन स्टोडार्ड ने घोषणा की कि मंदिर को हॉपटन स्टोडार्ड होम फॉर सबनॉर्मल चिल्ड्रन में परिवर्तित किया जाएगा।
मुकदमे की समाप्ति के अगले दिन, जब अल्वाह स्कारेट ने अपने डेस्क पर "योर हॉउस" के प्रूफ़ देखे तो वह दंग रह गए: कॉलम में डोमिनिक की अदालत में दी गई गवाही का अधिकांश हिस्सा था। उनकी गवाही को मामले से संबंधित समाचार पत्रों में उद्धृत किया गया था, लेकिन केवल कुछ अंशों में। अल्वाह स्कारेट जल्दी से डोमिनिक के कार्यालय गए।
“डार्लिंग, डार्लिंग, डार्लिंग,” उसने कहा, “हम इसे छाप नहीं सकते।”
उसने उसे खाली निगाहों से देखा और कुछ नहीं कहा।
“डोमिनिक, प्रिय, समझदारी से काम लो। तुम्हारी भाषा और कुछ बेहद आपत्तिजनक विचारों को छोड़ दें तो, तुम इस मामले पर इस अखबार के रुख से भली-भांति परिचित हो। तुम हमारे अभियान से वाकिफ हो। तुमने आज सुबह मेरा संपादकीय पढ़ा है —‘सभ्यता की जीत’। हम एक लेखक को अपनी पूरी नीति के खिलाफ जाने नहीं दे सकते।”
आपको इसे प्रिंट करना होगा।
लेकिन, प्रियतम...
या फिर मुझे नौकरी छोड़नी पड़ेगी।
"अरे, चलो, चलो, चलो, मूर्खता मत करो। अब बेतुकी बातें मत करो।"
आप यह बात अच्छी तरह जानते हैं। हम आपके बिना नहीं रह सकते। हम नहीं रह सकते।
...”
“तुम्हें चुनना होगा, अल्वाह।”
स्कारेट जानता था कि अगर उसने वह लेख छापा तो गेल वायनांड उसे खूब खरी-खोटी सुनाएंगी, और अगर उसने डोमिनिक फ्रेंकन को खो दिया, जिसका कॉलम काफी लोकप्रिय था, तो भी उसे भारी परेशानी झेलनी पड़ सकती थी। वायनांड अभी तक अपने समुद्री यात्रा से नहीं लौटी थी।
स्कारेट ने बाली में उन्हें तार भेजकर स्थिति स्पष्ट की।
कुछ ही घंटों में स्कारेट को जवाब मिल गया। यह वायनांड के निजी कोड में था। अनुवाद करने पर इसका अर्थ था: उस कुतिया को निकाल दो। जी. डब्ल्यू.
स्कारेट तार को घूरता रहा, उसका दिल टूट गया था। यह एक ऐसा आदेश था जिसमें कोई दूसरा विकल्प नहीं था, भले ही डोमिनिक आत्मसमर्पण कर दे। उसे उम्मीद थी कि वह इस्तीफा दे देगी। उसे उसे नौकरी से निकालने की बात तो वह सोच भी नहीं सकता था।
टूही ने एक दफ्तर के लड़के के ज़रिए, जिसकी सिफ़ारिश उसने नौकरी के लिए की थी, वायनांड के संदेश की डिकोड की हुई प्रति प्राप्त की। उसने उसे अपनी जेब में रखा

और डोमिनिक के दफ्तर गया। मुकदमे के बाद से उसने उसे नहीं देखा था। उसने उसे अपनी डेस्क की दराजें खाली करते हुए पाया।
“हेलो,” उसने रूखेपन से कहा। “आप क्या कर रहे हैं?”
"अल्वाह स्कारेट से जवाब का इंतजार है।"
"अर्थ?"
मुझे यह जानने का इंतजार है कि मुझे इस्तीफा देना पड़ेगा या नहीं।
"क्या आप मुकदमे के बारे में बात करना चाहेंगे?"
"नहीं।"
“हाँ, मैं करता हूँ। मुझे लगता है कि मुझे यह स्वीकार करने का कर्तव्य निभाना चाहिए कि आपने वह किया है जो आज तक किसी ने नहीं किया: आपने मुझे गलत साबित कर दिया।” वह ठंडे स्वर में बोला; उसका चेहरा भावहीन था; उसकी आँखों में दया का कोई निशान नहीं था। “मुझे आपसे यह उम्मीद नहीं थी कि आप गवाही देते समय ऐसा करेंगे। यह एक घटिया चाल थी। हालाँकि, आपके सामान्य स्तर के अनुरूप ही थी। मैंने बस आपकी दुर्भावना की दिशा को गलत समझा। फिर भी, आपने यह स्वीकार करने की समझदारी दिखाई कि आपका यह कृत्य व्यर्थ था। बेशक, आपने अपनी बात साबित कर दी। और मेरी भी। आभार के प्रतीक के रूप में, मेरे पास आपके लिए एक उपहार है।”
उसने केबल को उसकी मेज पर रख दिया।
उसने उसे पढ़ा और हाथ में पकड़े खड़ी रही।
“तुम इस्तीफा भी नहीं दे सकती, मेरी प्यारी,” उसने कहा। “तुम अपने मोती तराशने वाले हीरो के लिए यह बलिदान नहीं दे सकती। यह याद रखते हुए कि तुम अपने हाथों के अलावा किसी और से हारना कितना अहम समझती हो, मुझे लगा कि तुम्हें यह अच्छा लगेगा।”
उसने केबल को मोड़कर अपने पर्स में रख लिया।
"धन्यवाद, एल्सवर्थ।"
"अगर तुम मुझसे लड़ना चाहती हो, मेरी प्यारी, तो सिर्फ भाषणों से काम नहीं चलेगा।"
"क्या मैं हमेशा से ऐसा नहीं करता रहा हूँ?"
“हाँ। हाँ, बिल्कुल आपने किया है। एकदम सही। आप मुझे फिर से सुधार रहे हैं। आपने हमेशा मुझसे लड़ाई की है—और केवल एक बार आपने हार मानी है।”
वह गवाह के कटघरे में नीचे गिरकर दया की भीख मांगते हुए चिल्ला रहा था।
"यह सही है।"
"यहीं पर मुझसे गलती हुई।"
"हाँ।"
उन्होंने औपचारिक रूप से झुककर अभिवादन किया और कमरे से बाहर चले गए।
उसने घर ले जाने वाली चीज़ों का एक पैकेट बनाया। फिर वह स्कारेट के दफ्तर गई।
उसने अपने हाथ में मौजूद केबल उसे दिखाई, लेकिन उसे दी नहीं।
“ठीक है, अल्वाह,” उसने कहा।
"डोमिनिक, मैं कुछ नहीं कर सकती थी, मैं कुछ नहीं कर सकती थी, ये तो—आखिर तुम्हें ये मिला कैसे?"
“कोई बात नहीं, अल्वाह। नहीं, मैं इसे तुम्हें वापस नहीं दूंगी। मैं इसे अपने पास रखना चाहती हूँ।” उसने केबल वापस अपने बैग में रख ली। “मुझे मेरा चेक और बाकी जो भी बात करनी हो, भेज देना।”
“आप...आप तो वैसे भी इस्तीफा देने वाले थे, है ना?”
"हां, मैं था। लेकिन मुझे नौकरी से निकाले जाना ज़्यादा अच्छा लगता है।"
“डोमिनिक, अगर तुम्हें पता होता कि मुझे इस बारे में कितना बुरा लग रहा है। मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा है।”

मुझे तो इस पर बिल्कुल भी यकीन नहीं हो रहा है।
तो आखिरकार तुम लोगों ने मुझे शहीद बना दिया। और यही वो चीज़ है जो मैंने अपनी पूरी ज़िंदगी बनने से बचने की कोशिश की है। शहीद होना बहुत ही अशोभनीय है। यह अपने दुश्मनों का ज़रूरत से ज़्यादा सम्मान करना है। लेकिन मैं तुमसे ये कहूँगा, अल्वाह—मैं तुमसे ये कहूँगा, क्योंकि मुझे इसे सुनने के लिए तुमसे कम उपयुक्त व्यक्ति नहीं मिला: तुम मेरे साथ—या उसके साथ—जो कुछ भी करोगे, वो उससे बुरा नहीं होगा जो मैं खुद करूँगा। अगर तुम्हें लगता है कि मैं स्टीडार्ड मंदिर पर कब्ज़ा नहीं कर सकता, तो तब तक इंतज़ार करो जब तक तुम ये न देख लो कि मैं क्या कर सकता हूँ।
मुकदमे के तीन दिन बाद एक शाम, एल्सवर्थ टूही अपने कमरे में रेडियो सुन रहे थे। उन्हें काम करने का मन नहीं था और उन्होंने आराम करने का फैसला किया। वे आराम से कुर्सी पर बैठे एक जटिल संगीत की धुन पर अपनी उंगलियां फिरा रहे थे। तभी उनके दरवाजे पर दस्तक हुई। उन्होंने धीमी आवाज़ में कहा, "अंदर आ जाओ।" कैथरीन अंदर आई। उसने अपने प्रवेश के लिए माफी मांगते हुए रेडियो पर एक नजर डाली।
“मुझे पता था कि आप काम नहीं कर रहे हैं, अंकल एल्सवर्थ। मैं आपसे बात करना चाहता हूं।”
वह झुकी हुई खड़ी थी, उसका शरीर पतला और बेढंगा था। उसने महंगे ट्वीड का एक बिना इस्त्री किया हुआ स्कर्ट पहना हुआ था। उसने थोड़ा सा मेकअप लगाया हुआ था। उसका चेहरा; पाउडर के धब्बों के नीचे त्वचा बेजान सी दिख रही थी। छब्बीस साल की उम्र में वह ऐसी लग रही थी मानो तीस साल से अधिक उम्र की होने की सच्चाई को छुपाने की कोशिश कर रही हो।
पिछले कुछ वर्षों में, अपने चाचा की मदद से, वह एक कुशल समाज सेविका बन गई थी। वह एक पुनर्वास गृह में वेतनभोगी नौकरी करती थी, उसका अपना एक छोटा बैंक खाता था; वह अपने पेशे की वरिष्ठ महिलाओं को दोपहर के भोजन पर ले जाती थी और वे अविवाहित माताओं की समस्याओं, गरीब बच्चों के आत्म-अभिव्यक्ति के अधिकार और औद्योगिक निगमों की बुराइयों के बारे में बातें करती थीं।
पिछले कुछ वर्षों में टूही मानो उसका अस्तित्व ही भूल गया था। लेकिन वह जानता था कि अपने शांत और विनम्र स्वभाव में वह उसके प्रति पूरी तरह सजग थी। वह उससे शायद ही कभी पहले बात करता था। लेकिन वह छोटी-मोटी सलाह के लिए लगातार उसके पास आती रहती थी। वह उसकी ऊर्जा से चलने वाली एक छोटी सी मोटर की तरह थी, जिसे बीच-बीच में ईंधन भरने के लिए रुकना पड़ता था। वह नाटक के बारे में उससे सलाह लिए बिना थिएटर नहीं जाती थी। वह उसकी राय पूछे बिना किसी व्याख्यान में शामिल नहीं होती थी। एक बार उसकी एक बुद्धिमान, सक्षम, समलैंगिक और गरीबों से प्रेम करने वाली लड़की से दोस्ती हो गई, हालाँकि वह एक समाजसेवी थी।
टूही को वह लड़की पसंद नहीं थी। कैथरीन ने उसे छोड़ दिया।
जब उसे सलाह की ज़रूरत होती, तो वह उसे संक्षेप में, चलते-फिरते ही पूछ लेती, ताकि उसे देर न हो: खाने के बीच में, उसके बाहर जाते समय लिफ्ट के दरवाज़े पर, या बैठक में जब कोई महत्वपूर्ण प्रसारण स्टेशन की पहचान के लिए रुकता था। वह यह दिखाने का पूरा प्रयास करती थी कि वह उसके समय के बचे-खुचे टुकड़ों के अलावा और कुछ भी दावा नहीं करेगी।
इसलिए जब वह उसके अध्ययन कक्ष में दाखिल हुई तो टूही ने उसे आश्चर्य से देखा। उसने कहा:
“ज़रूर, प्रिये। मैं व्यस्त नहीं हूँ। वैसे भी, मैं तुम्हारे लिए कभी भी इतना व्यस्त नहीं होता कि समय न निकाल सकूँ।”
कृपया इसकी आवाज़ थोड़ी कम कर दें।

उसने रोडेया का आवाज़ धीमा कर दी और उसके सामने एक कुर्सी पर बैठ गई। उसकी हरकतें अटपटी और विरोधाभासी थीं, किसी किशोरी की तरह: उसने आत्मविश्वास से चलने की आदत खो दी थी, फिर भी, कभी-कभी, एक इशारा, सिर का एक झटका, एक रूखी, दबंग अधीरता को दर्शाता था जो उसमें धीरे-धीरे विकसित हो रही थी।
उसने अपने चाचा की ओर देखा। चश्मे के पीछे उसकी आँखें स्थिर और तनावग्रस्त थीं, लेकिन भावहीन थीं। उसने कहा:
अंकल एल्सवर्थ, आप क्या कर रहे थे? मैंने अखबारों में पढ़ा कि आपने किसी बड़े मुकदमे में जीत हासिल की है, जिसमें आपका नाम भी शामिल था। मुझे खुशी हुई। मैंने महीनों से अखबार नहीं पढ़े। मैं बहुत व्यस्त था... नहीं, यह पूरी तरह सच नहीं है। मेरे पास समय तो था, लेकिन घर आकर मैं कुछ भी नहीं कर पाया, बस बिस्तर पर गिर पड़ा और सो गया। अंकल एल्सवर्थ, क्या लोग थकान के कारण ज्यादा सोते हैं या किसी चीज से बचने के लिए?
“अब, मेरी प्यारी, यह तो बिलकुल भी तुम्हारे जैसा नहीं लग रहा है। बिल्कुल भी नहीं।”
उसने बेबसी से सिर हिलाया और कहा: "मुझे पता है।"
"क्या बात है आ?"
उसने अपने जूतों के अगले हिस्से को देखते हुए कहा, उसके होंठ बड़ी मुश्किल से हिल रहे थे:
“मुझे लगता है मैं किसी काम की नहीं हूँ, अंकल एल्सवर्थ।” उसने अपनी आँखें उठाकर उनकी ओर देखा। “मैं बहुत दुखी हूँ।”
उसने चुपचाप उसकी ओर देखा, उसका चेहरा गंभीर था, आँखें कोमल थीं। उसने फुसफुसाते हुए कहा:
“समझे?” उसने सिर हिलाया। “तुम मुझसे नाराज़ तो नहीं हो? तुम मुझसे नफ़रत तो नहीं करते?”
“मेरी प्यारी, मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ?”
“मैं ये कहना नहीं चाहती थी। खुद से भी नहीं। ये सिर्फ आज रात की बात नहीं है, बहुत पहले से है। बस मुझे सब कुछ कहने दो, हैरान मत होना, मुझे ये बताना ही है। ये वैसा ही है जैसे मैं पहले पोप स्वीकार करती थी—ओह, ये मत सोचो कि मैं उस तरफ लौट रही हूँ, मुझे पता है कि धर्म सिर्फ... वर्ग शोषण का एक जरिया है, ये मत सोचो कि मैंने तुम्हें निराश किया है जब तुमने सब कुछ इतनी अच्छी तरह समझाया है। मुझे चर्च जाने की याद नहीं आती। लेकिन बस—बस ये है कि मुझे किसी को सुनना है।”
“केटी, मेरी प्यारी, सबसे पहले तो तुम इतनी डरी हुई क्यों हो? तुम्हें डरना नहीं चाहिए। खासकर मुझसे बात करने से तो बिल्कुल नहीं। बस आराम करो, जैसी हो वैसी ही रहो और मुझे बताओ क्या हुआ।”
उसने कृतज्ञता से उसकी ओर देखा। “आप... बहुत संवेदनशील हैं, अंकल एल्सवर्थ। यह एक ऐसी बात है जो मैं कहना नहीं चाहती थी, लेकिन आपने अंदाज़ा लगा लिया। मैं डरी हुई हूँ। क्योंकि—देखिए, आपने अभी कहा था, जैसे हो वैसे ही रहो।”
और मुझे सबसे ज़्यादा डर इस बात से लगता है कि मैं खुद जैसा हूं वैसा ही रहूं। क्योंकि मैं अंदर से क्रूर हूं।
वह हँसा, आक्रामक ढंग से नहीं, बल्कि स्नेह से, उसकी हँसी ने उसके कथन को दबा दिया। लेकिन वह मुस्कुराई नहीं।
“नहीं, अंकल एल्सवर्थ, यह सच है। मैं समझाने की कोशिश करता हूँ। देखिए, बचपन से ही मैं हमेशा सही काम करना चाहता था। मैं हर किसी के बारे में सोचता था।”
मैंने ऐसा किया था, लेकिन अब मुझे ऐसा नहीं लगता। कुछ लोग अपनी पूरी कोशिश करते हैं, भले ही उनसे गलतियाँ हो जाएँ, और कुछ लोगों को परवाह ही नहीं होती। मैंने हमेशा परवाह की है। मैंने इसे बहुत गंभीरता से लिया। बेशक, मैं जानता था कि मैं कोई

बहुत बुद्धिमान व्यक्ति नहीं हूँ और यह अच्छाई और बुराई का बहुत बड़ा विषय है। लेकिन मुझे लगता था कि जो भी अच्छाई है—जितना मेरे लिए जानना संभव होगा—मैं ईमानदारी से उसके अनुरूप जीने की पूरी कोशिश करूँगा। यही तो हर कोई कर सकता है, है ना? यह शायद आपको बहुत बचकाना लगे।
नहीं, केटी, ऐसा नहीं है। आगे बढ़ो, मेरी प्यारी।
“खैर, सबसे पहले तो मुझे पता था कि स्वार्थी होना बुराई है। इस बात का मुझे पूरा यकीन था। इसलिए मैंने कभी अपने लिए कुछ नहीं माँगा। जब पीटर महीनों तक गायब हो जाता था... नहीं, मुझे नहीं लगता कि आपको यह पसंद आएगा।”
“किस बात की, मेरी प्यारी?”
“पीटर और मेरे बारे में। तो मैं उस पर बात नहीं करूँगी। वैसे भी यह ज़रूरी नहीं है। खैर, आप समझ सकते हैं कि जब मैं आपके साथ रहने आई तो मैं इतनी खुश क्यों थी। आप निस्वार्थता के आदर्श के सबसे करीब हैं। मैंने यथासंभव आपका अनुसरण करने की कोशिश की। इसी वजह से मैंने अपना काम चुना। आपने कभी सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि मुझे यह काम चुनना चाहिए, लेकिन मुझे ऐसा महसूस हुआ कि आप ऐसा सोचते हैं। मुझसे यह मत पूछिए कि मुझे ऐसा कैसे महसूस हुआ—यह कोई ठोस बात नहीं थी, बस आपकी कही छोटी-छोटी बातें थीं। जब मैंने शुरुआत की तो मैं बहुत आत्मविश्वास से भरी थी। मैं जानती थी कि दुख स्वार्थ से आता है, और सच्ची खुशी केवल दूसरों की सेवा में ही मिल सकती है। आपने यह कहा था। बहुत से लोगों ने यह कहा है। क्यों, इतिहास के सभी महानतम पुरुष सदियों से यही कहते आ रहे हैं।”
"और?"
"अच्छा, मुझे देखो।"

उनका चेहरा एक पल के लिए भावहीन रहा, फिर वे खुशी से मुस्कुराए और बोले:
“तुम्हें क्या हुआ है, प्यारी? सिवाय इसके कि तुम्हारी स्टॉकिंग्स मैच नहीं कर रही हैं और तुम्हें अपने मेकअप पर थोड़ा और ध्यान देना चाहिए?”
"हंसो मत, अंकल एल्सवर्थ। कृपया हंसो मत। मुझे पता है आप कहते हैं कि हमें हर चीज पर हंसने में सक्षम होना चाहिए, खासकर खुद पर।"
लेकिन—मैं नहीं कर सकता।
“मैं नहीं हँसूँगी, केटी। लेकिन बात क्या है?”
“मैं दुखी हूँ। मैं बहुत ही भयानक, घिनौने और अशोभनीय तरीके से दुखी हूँ। एक ऐसे तरीके से जो... अशुद्ध और बेईमान लगता है। मैं कई दिनों तक दुखी रहती हूँ।”
मुझे सोचने से, खुद को देखने से डर लगता है। और यह गलत है। यह... पाखंडी बनना है। मैं हमेशा खुद के प्रति ईमानदार रहना चाहता था। लेकिन मैं नहीं हूँ, मैं नहीं हूँ, मैं नहीं हूँ!
“रुको, मेरी प्यारी। चिल्लाओ मत। पड़ोसी सुन लेंगे।”
उसने अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपना माथा छुआ। उसने अपना सिर हिलाया। उसने फुसफुसाते हुए कहा:
मुझे खेद है... मैं ठीक हो जाऊँगा...
"आखिर तुम दुखी क्यों हो, मेरी प्यारी?"
“मुझे नहीं पता। मैं इसे समझ नहीं पा रही हूँ। उदाहरण के लिए, क्लिफोर्ड हाउस में प्रसवपूर्व देखभाल की कक्षाएं आयोजित करवाने की व्यवस्था मैंने ही की थी—यह मेरा ही विचार था—मैंने ही पैसे जुटाए—मैंने ही शिक्षकों को ढूंढा।”
क्लासें बहुत अच्छी चल रही हैं। मैं खुद से कहती हूँ कि मुझे इस बात पर खुश होना चाहिए। लेकिन मैं खुश नहीं हूँ। मुझे लगता है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं बैठ जाती हूँ और खुद से कहती हूँ: तुमने ही मेरी गोंजालेस के बच्चे को एक अच्छे परिवार में गोद दिलवाया था—अब खुश हो जाओ। लेकिन मैं खुश नहीं हूँ। मुझे कुछ भी महसूस

नहीं होता। जब मैं खुद से सच बोलती हूं, तो मुझे पता चलता है कि सालों से मैंने सिर्फ थकान महसूस की है। शारीरिक थकान नहीं। बस थकान। ऐसा लगता है जैसे... जैसे अब कोई है ही नहीं जो इन भावनाओं को महसूस कर सके।
उसने अपना चश्मा उतार दिया, मानो उसके और उसके चश्मे की दोहरी बाधा उसे उस तक पहुँचने से रोक रही हो। उसने धीमी आवाज़ में बोलना शुरू किया, शब्द बड़ी मुश्किल से निकल रहे थे:
"लेकिन बात यहीं खत्म नहीं होती। इससे भी कहीं ज़्यादा बुरा कुछ है। यह मुझ पर भयानक असर डाल रहा है। अंकल एल्सवर्थ, मुझे लोगों से नफ़रत होने लगी है। मैं पहले से कहीं ज़्यादा क्रूर, नीच और तुच्छ होती जा रही हूँ। मैं लोगों से कृतज्ञता की उम्मीद करती हूँ। मैं... मैं कृतज्ञता की माँग करती हूँ। मुझे खुशी होती है जब झुग्गी-झोपड़ी के लोग मेरे सामने झुकते हैं, मेरी चापलूसी करते हैं और मेरे सामने गिड़गिड़ाते हैं। मुझे सिर्फ़ वही लोग पसंद आते हैं जो मेरे वश में रहते हैं। एक बार... एक बार मैंने एक औरत से कहा कि वह उन लोगों की कद्र नहीं करती जो हम जैसे लोग उसके जैसे कचरे के लिए करते हैं। उसके बाद मैं घंटों रोई, मुझे बहुत शर्म आई। मुझे बुरा लगने लगा है जब लोग मुझसे बहस करते हैं। मुझे लगता है कि उन्हें अपनी मर्ज़ी से सोचने का कोई हक नहीं है, कि मैं ही सब जानती हूँ, कि मैं ही उनके लिए अंतिम अधिकार हूँ। एक लड़की थी जिसके बारे में हम चिंतित थे, क्योंकि वह एक बहुत ही सुंदर लड़के के साथ घूम रही थी जिसकी बदनामी थी। मैंने हफ़्तों तक उसे इस बारे में परेशान किया, उसे बताया कि वह उसे मुसीबत में डाल देगा और उसे उससे रिश्ता तोड़ देना चाहिए। खैर, उनकी शादी हो गई और वे सबसे खुशहाल जोड़ा हैं।" जिले के बारे में। क्या आपको लगता है कि मैं खुश हूँ? नहीं, मैं बहुत गुस्से में हूँ और उस लड़की से ठीक से बात भी नहीं कर पा रही हूँ।
जब मैं उससे मिली। फिर एक लड़की थी जिसे नौकरी की सख्त जरूरत थी—उसके घर की हालत वाकई बहुत खराब थी, और मैंने उससे वादा किया कि मैं उसे नौकरी दिलवा दूंगी। इससे पहले कि मैं नौकरी ढूंढ पाती, उसने खुद ही एक अच्छी नौकरी पा ली। मुझे अच्छा नहीं लगा। मुझे बहुत बुरी लगा कि कोई मेरी मदद के बिना इतनी बुरी स्थिति से बाहर निकल गया। कल, मैं एक लड़के से बात कर रही थी जो कॉलेज जाना चाहता था और मैं उसे हतोत्साहित कर रही थी, उसे कह रही थी कि इसके बजाय अच्छी नौकरी ढूंढ ले। मुझे भी बहुत गुस्सा आ रहा था। और अचानक मुझे एहसास हुआ कि ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि मैं खुद कॉलेज जाना चाहती थी—
आपको याद है, आपने मुझे ऐसा करने नहीं दिया था—और इसलिए मैं भी उस बच्चे को ऐसा नहीं करने देने वाली था... अंकल एल्सवर्थ, क्या आपको समझ नहीं आ रहा? मैं स्वार्थी होता जा रहा हूँ। मैं इस तरह से स्वार्थी होता जा रहा हूँ जो किसी कारखाने में काम करने वाले किसी छोटे-मोटे धोखेबाज़ की तरह इन लोगों की तनख्वाहों में से पैसे हड़पने से कहीं ज़्यादा भयानक है!
उसने धीमी आवाज़ में पूछा:
"बस इतना ही?"
उसने अपनी आँखें बंद कर लीं और फिर अपने हाथों की ओर देखते हुए बोली:
"हां... बस फर्क इतना है कि मैं अकेली ऐसी नहीं हूं। बहुत सी औरतें ऐसी ही हैं, मेरी सहेलियों में से ज़्यादातर... मुझे नहीं पता कि वे ऐसी कैसे हो गईं... मुझे नहीं पता कि मेरे साथ ऐसा कैसे हुआ... पहले मुझे किसी की मदद करके खुशी मिलती थी। मुझे याद है एक बार—उस दिन मैंने पीटर के साथ दोपहर का खाना खाया था—और वापस आते समय मैंने एक बूढ़े ऑर्गन बजाने वाले को देखा और मैंने उसे अपने बैग में रखे पाँच डॉलर दे दिए। मेरे पास बस उतने ही पैसे थे; मैंने उन्हें 'क्रिसमस नाइट' की एक बोतल खरीदने के लिए बचाकर रखा था, मुझे 'क्रिसमस नाइट' बहुत बुरी तरह से चाहिए थी, लेकिन उसके बाद जब भी मैं उस ऑर्गन बजाने वाले के बारे में सोचती, मुझे खुशी होती

था... उन दिनों मैं पोटर से अक्सर मिलता था... उससे मिलने के बाद घर आता और हमारे मोहल्ले के हर गरीब बच्चे को चूमने का मन करता... मुझे लगता है कि अब मुझे गरीबों से नफरत है... मुझे लगता है कि बाकी सभी औरतें भी ऐसा ही करती हैं... लेकिन गरीब हमसे नफरत नहीं करते, जैसा उन्हें करना चाहिए। वे बस हमें तुच्छ समझते हैं... जानते हो, यह अजीब बात है: ये मालिक ही हैं... कुछ लोग गुलामों से घृणा करते हैं, और कुछ गुलाम अपने मालिकों से नफरत करते हैं। मुझे नहीं पता कि कौन किस श्रेणी में आता है।
शायद यह यहाँ ठीक नहीं बैठता। शायद बैठ भी जाए। मुझे नहीं पता...
उसने विद्रोह की अंतिम लहर के साथ अपना सिर उठाया।
“क्या आपको वह बात समझ नहीं आ रही जो मुझे समझनी चाहिए? ऐसा क्यों है कि मैंने ईमानदारी से वही करने का प्रयास किया जो मुझे सही लगा और यही मुझे भ्रष्ट बना रहा है? मुझे लगता है कि शायद इसलिए क्योंकि मैं स्वभाव से दुष्ट हूँ और एक अच्छा जीवन जीने में असमर्थ हूँ। यही एकमात्र कारण प्रतीत होता है।
स्पष्टीकरण। लेकिन... लेकिन कभी-कभी मुझे लगता है कि यह बात समझ से परे है कि एक इंसान पूरी ईमानदारी से नेक इरादे रखता है, फिर भी भलाई उसके बस में नहीं है। मैं इतनी बुरी नहीं हो सकती। लेकिन... लेकिन मैंने सब कुछ त्याग दिया है, मुझमें कोई स्वार्थी इच्छा नहीं बची है, मेरे पास अपना कुछ भी नहीं है—और मैं दुखी हूँ। और मेरे जैसी दूसरी औरतें भी दुखी हैं।
और मैं दुनिया में एक भी ऐसे निस्वार्थ व्यक्ति को नहीं जानता जो खुश हो।
सिवाय तुम्हारे।
उसने अपना सिर झुका लिया और फिर कभी नहीं उठाया; वह जिस जवाब की तलाश कर रही थी, उसके प्रति भी वह उदासीन प्रतीत हो रही थी।
“केटी,” उसने धीमी, तिरस्कारपूर्ण आवाज़ में कहा, “मेरी प्यारी केटी।”
वह चुपचाप इंतजार करती रही।
“क्या तुम सचमुच चाहती हो कि मैं तुम्हें जवाब बताऊँ?” उसने सिर हिलाया।
“क्योंकि, तुम्हें पता है, तुमने अपनी बातों से खुद ही जवाब दे दिया है।” उसने खाली निगाहों से ऊपर देखा। “तुम किस बारे में बात कर रहे थे? किस बात की शिकायत कर रहे थे? इस बात की कि तुम नाखुश हो। सिर्फ केटी हेल्सी के बारे में। यह मेरे जीवन का सबसे अहंकारी भाषण था जो मैंने कभी सुना है।”
वह ध्यान से पलकें झपका रही थी, मानो कोई स्कूली बच्चा किसी कठिन पाठ से परेशान हो गया हो।
“क्या तुम्हें नहीं दिखता कि तुम कितने स्वार्थी रहे हो? तुमने एक नेक पेशा चुना, इसलिए नहीं कि तुम उससे क्या अच्छा कर सकते थे, बल्कि इसलिए कि तुम्हें उसमें व्यक्तिगत सुख मिलने की उम्मीद थी।”
लेकिन मैं सचमुच लोगों की मदद करना चाहता था।
क्योंकि आपको लगा कि ऐसा करने से आप अच्छे और सदाचारी बनेंगे।
“क्यों—हाँ। क्योंकि मुझे लगा कि यह सही है। क्या सही काम करने की चाह रखना बुराई है?”
“हां, अगर यही आपकी सबसे बड़ी चिंता है। क्या आपको यह नहीं दिख रहा कि यह कितना अहंकारपूर्ण है?”
जब तक मैं सदाचारी हूं, तब तक मुझे बाकी सब लोगों की परवाह नहीं है।"
लेकिन अगर आपके पास आत्मसम्मान ही नहीं है, तो आप कुछ भी कैसे बन सकते हैं? आपको कुछ भी क्यों बनना चाहिए?
वह अचंभित होकर अपने हाथ फैलाकर खड़ी हो गई।
"यदि आपकी पहली चिंता इस बात को लेकर है कि आप क्या हैं, क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं, आपके पास क्या है या क्या नहीं है - तो आप अभी भी एक सामान्य

अहंकारी हैं।"
लेकिन मैं अपने ही शरीर से बाहर नहीं निकल सकता।
नहीं। लेकिन आप अपनी संकीर्ण मानसिकता से बाहर निकल सकते हैं।
"आपका मतलब है, मुझे दुखी होना चाहना चाहिए?"
नहीं। आपको कुछ भी चाहना बंद करना होगा। आपको यह भूल जाना होगा कि मिस कैथरीन हैल्सी कितनी महत्वपूर्ण हैं। क्योंकि, देखिए, वह महत्वपूर्ण नहीं हैं। पुरुष केवल अन्य पुरुषों के संबंध में, उनकी उपयोगिता में, उनके द्वारा दी जाने वाली सेवा में ही महत्वपूर्ण हैं। जब तक आप इसे पूरी तरह से नहीं समझ लेते, तब तक आप किसी न किसी प्रकार के दुख के अलावा कुछ और नहीं पा सकते। लोगों के प्रति क्रूरता महसूस करने को इतना बड़ा संकट क्यों बना रहे हैं? तो क्या हुआ? यह तो बस विकास की प्रक्रिया है। कोई भी व्यक्ति कुछ बदलावों के बिना पशुवत क्रूरता की स्थिति से आध्यात्मिक जीवन की स्थिति में नहीं पहुंच सकता। और उनमें से कुछ बुरे भी लग सकते हैं। एक सुंदर स्त्री अक्सर पहले एक अनाड़ी किशोरी होती है। हर विकास के लिए विनाश आवश्यक है। अंडे तोड़े बिना आमलेट नहीं बन सकता। आपको कष्ट सहने, क्रूर होने, बेईमान होने, अपवित्र होने के लिए तैयार रहना होगा—कुछ भी, मेरे प्रिय, कुछ भी, ताकि अहंकार की सबसे जिद्दी जड़, अहंकार को नष्ट किया जा सके। और जब यह मर जाएगा, जब आपको कोई परवाह नहीं रहेगी, जब आप अपनी पहचान खो देंगे और अपनी आत्मा का नाम भूल जाएंगे—तभी आप उस प्रकार के सुख को जान पाएंगे जिसके बारे में मैंने बात की थी, और आध्यात्मिक महिमा के द्वार आपके लिए खुल जाएंगे।
"लेकिन, अंकल एल्सवर्थ," उसने फुसफुसाते हुए कहा, "जब द्वार खुलेंगे, तो अंदर कौन आएगा?"
वह खुलकर और स्पष्ट रूप से हँसा। ऐसा लग रहा था जैसे वह प्रशंसा की हँसी हँस रहा हो।
“मेरी प्यारी,” उसने कहा, “मैंने कभी नहीं सोचा था कि तुम मुझे आश्चर्यचकित कर सकती हो।”
फिर उनके चेहरे पर दोबारा गंभीरता आ गई।
"यह एक चालाकी भरा मजाक था, केटी, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह सिर्फ एक चालाकी भरा मजाक ही था?"
“हां,” उसने अनिश्चितता से कहा, “मुझे लगता है ऐसा ही है। फिर भी...”
“अमूर्त अवधारणाओं से निपटते समय हमें शाब्दिक अर्थ नहीं लेना चाहिए। बेशक, प्रवेश तो आप ही करेंगे। आप अपनी पहचान नहीं खोएंगे—बल्कि एक व्यापक पहचान प्राप्त करेंगे, एक ऐसी पहचान जो हर किसी की और पूरे ब्रह्मांड की होगी।”
“कैसे? किस तरह से? किसका हिस्सा?”
अब आप समझ सकते हैं कि इन बातों पर चर्चा करना कितना मुश्किल है जब हमारी पूरी भाषा व्यक्तिवाद की भाषा है, जिसमें तमाम शब्द और अंधविश्वास शामिल हैं। ‘पहचान’—यह एक भ्रम है, आप जानते हैं। लेकिन आप जर्जर पुरानी ईंटों से नया घर नहीं बना सकते। आप मुझसे आज की अवधारणाओं के माध्यम से पूरी तरह समझने की उम्मीद नहीं कर सकते। हम अहंकार के अंधविश्वास से दूषित हैं।
हम यह नहीं जान सकते कि निस्वार्थ समाज में क्या सही होगा और क्या गलत, न ही हम क्या महसूस करेंगे और किस तरह से महसूस करेंगे। हमें पहले अहंकार को नष्ट करना होगा।
इसीलिए मन इतना अविश्वसनीय है। हमें सोचना नहीं चाहिए। हमें विश्वास करना चाहिए। विश्वास करो, केटी, भले ही तुम्हारा मन विरोध करे। सोचना मत। विश्वास करो। अपने दिल पर भरोसा करो, दिमाग पर नहीं। सोचो मत। महसूस करो। विश्वास करो।

वह शांत, स्थिर बैठी रही, लेकिन किसी तरह वह किसी टैंक के नीचे कुचली हुई वस्तु जैसी लग रही थी। उसने आज्ञाकारी स्वर में फुसफुसाया:
“जी हां, अंकल एल्सवर्थ... मैं... मैंने इस बारे में उस तरह से नहीं सोचा था। मेरा मतलब है, मैंने हमेशा यही सोचा था कि मुझे सोचना चाहिए... लेकिन आप सही हैं, मतलब अगर सही शब्द है, अगर कोई शब्द है... हां, मैं विश्वास करूंगा... मैं समझने की कोशिश करूंगा... नहीं, समझने की नहीं। महसूस करने की। मेरा मतलब है, विश्वास करने की...”
मैं कितनी कमज़ोर हूँ... तुमसे बात करने के बाद हमेशा खुद को छोटा महसूस करती हूँ... शायद मैं एक तरह से सही थी—मैं बेकार हूँ... लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ... कोई फर्क नहीं पड़ता कि...."
अगली शाम जब दरवाजे की घंटी बजी तो टूही खुद दरवाजा खोलने गया।
पीटर कीटिंग को अंदर आने की अनुमति देते समय वह मुस्कुराया। मुकदमे के बाद उसे उम्मीद थी कि कीटिंग उसके पास आएगा; वह जानता था कि कीटिंग को आना ही पड़ेगा। लेकिन उसे उम्मीद थी कि वह जल्दी आ जाएगा।
कीटिंग अनिश्चित भाव से अंदर आया। उसके हाथ उसकी कलाई के लिए बहुत भारी लग रहे थे। उसकी आँखें सूजी हुई थीं और उसके चेहरे की त्वचा ढीली लग रही थी।
“हेलो, पीटर,” टूही ने उत्साह से कहा। “मुझसे मिलना चाहते हो? अंदर आ जाओ। तुम्हारी किस्मत अच्छी है। मैं पूरी शाम खाली हूँ।”
“नहीं,” कीटिंग ने कहा। “मैं केटी से मिलना चाहता हूँ।”
वह टूही की ओर नहीं देख रहा था और उसने टूही के चश्मे के पीछे के भावों को भी नहीं देखा।
“कैटी? बिलकुल!” टूही ने खुशी से कहा। “आप जानते हैं, आप कैटी से मिलने यहाँ कभी नहीं आए, इसलिए मुझे याद ही नहीं आया, लेकिन... अंदर जाइए, मुझे लगता है वो घर पर ही है। इधर आइए—क्या आप उसका कमरा नहीं जानते?—दूसरा दरवाज़ा।”
कीटिंग लड़खड़ाते कदमों से गलियारे में आगे बढ़ा, कैथरीन के दरवाजे पर दस्तक दी और उसके दरवाजा खोलने पर अंदर चला गया। टूही उसे देखता रहा, उसके चेहरे पर सोच-विचार के भाव थे।
कैथरीन अपने मेहमान को देखते ही उछल पड़ी। वह एक पल के लिए अविश्वास और हैरानी से खड़ी रही, फिर दौड़कर अपने बिस्तर पर गई और वहाँ पड़ी हुई एक कमरबंद को उठाकर जल्दी से अपने बिस्तर के नीचे रख लिया।
तकिया। फिर उसने झट से अपना चश्मा उतारा, मुट्ठी से उसे कसकर पकड़ा और जेब में रख लिया। वह सोच रही थी कि कौन सा ज़्यादा बुरा होगा: जैसा वह थी वैसी ही रहना या अपनी ड्रेसिंग टेबल पर बैठकर उसके सामने मेकअप करना।
उसने छह महीने से कीटिंग को नहीं देखा था। पिछले तीन सालों में, वे कभी-कभार, लंबे अंतराल पर मिलते रहे थे; उन्होंने कुछ बार साथ में लंच और डिनर किया था; दो बार फिल्म देखने भी गए थे। उनकी मुलाकात हमेशा किसी सार्वजनिक स्थान पर ही होती थी। टूही से जान-पहचान शुरू होने के बाद से, कीटिंग उससे मिलने उसके घर नहीं आता था। जब भी वे मिलते, वे ऐसे बात करते जैसे कुछ बदला ही न हो।
लेकिन उन्होंने लंबे समय से शादी के बारे में कोई बात नहीं की थी।
"हेलो, केटी," कीटिंग ने धीरे से कहा। "मुझे नहीं पता था कि अब तुम चश्मा भी पहनती हो।"
“ये तो बस... ये तो सिर्फ पढ़ने के लिए है... मैं... हैलो, पीटर... मुझे लगता है कि मैं आज रात बहुत खराब दिख रही हूँ... आपको देखकर खुशी हुई, पीटर...”
वह भारी मन से बैठ गया, टोपी हाथ में थी और ओवरकोट पहने हुए था। वह असहाय होकर मुस्कुराती रही। फिर उसने अपने हाथों से एक अस्पष्ट, गोलाकार इशारा किया और पूछा:

"क्या यह सिर्फ़ थोड़ी देर के लिए है या... या आप अपना कोट उतारना चाहते हैं?"
“नहीं, यह सिर्फ़ थोड़ी देर के लिए नहीं है।” वह उठा, अपना कोट और टोपी बिस्तर पर फेंक दी, फिर पहली बार मुस्कुराते हुए पूछा: “या आप व्यस्त हैं और मुझे बाहर निकालना चाहते हैं?”
उसने अपनी हथेलियों के पिछले हिस्से को अपनी आंखों के सॉकेट पर दबाया और फिर जल्दी से अपने हाथों को नीचे कर लिया; उसे उससे वैसे ही मिलना था जैसे वह हमेशा मिलती थी, उसे हल्के और सामान्य स्वर में बोलना था: "नहीं, नहीं, मैं बिल्कुल भी व्यस्त नहीं हूं।"
वह बैठ गया और मौन आमंत्रण के रूप में अपना हाथ आगे बढ़ाया। वह तुरंत उसके पास आई, उसने अपना हाथ उसके हाथ में रखा और उसने उसे अपनी कुर्सी के आर्मरेस्ट पर खींच लिया।
लैंप की रोशनी उस पर पड़ी, और वह इतनी संभल गई थी कि उसके चेहरे की बनावट को देख सके।
“पीटर,” वह हांफते हुए बोली, “तुमने अपने साथ क्या किया है? तुम बहुत बुरे दिख रहे हो।”
"पीना।"
"ऐसा नहीं!"
“बिल्कुल वैसे ही। लेकिन अब यह सब खत्म हो गया है।”
"यह क्या था?"
“मैं तुमसे मिलना चाहता था, केटी। मैं तुमसे मिलना चाहता था।”
“डार्लिंग... उन्होंने तुम्हारे साथ क्या किया है?”
“किसी ने मेरे साथ कुछ नहीं किया है। मैं अब ठीक हूँ। मैं बिल्कुल ठीक हूँ।”
क्योंकि मैं यहाँ आया हूँ... केटी, क्या तुमने कभी हॉपटन स्टोडार्ड के बारे में सुना है?
“स्टोडार्ड? ... मुझे नहीं पता। मैंने यह नाम कहीं देखा है।”
खैर, छोड़ो, कोई बात नहीं। मैं तो बस यही सोच रहा था कि ये कितना अजीब है। देखो, स्टोडार्ड एक बूढ़ा कमीना है जो अपनी ही बुराई को और बर्दाश्त नहीं कर सका, इसलिए इसकी भरपाई के लिए उसने शहर को एक बड़ा तोहफा दिया। लेकिन जब मैं... जब मैं इसे और बर्दाश्त नहीं कर सका, तो मुझे लगा कि इसकी भरपाई करने का एकमात्र तरीका वही है जो मैं सबसे ज्यादा करना चाहता था—यहां आना।
"जब तुम सहन नहीं कर सके—क्या, पीटर?"
“मैंने बहुत बड़ी गलती की है, केटी। मैं तुम्हें इसके बारे में किसी दिन बताऊंगा, लेकिन अभी नहीं... देखो, क्या तुम मुझसे बिना पूछे ही मुझे माफ कर दोगी? मैं सोचूंगा... मैं सोचूंगा कि मुझे किसी ऐसे व्यक्ति ने माफ़ कर दिया है जो मुझे कभी माफ नहीं कर सकता। कोई ऐसा व्यक्ति जिसे चोट नहीं लग सकती और इसलिए वह माफ भी नहीं कर सकता—लेकिन इससे मेरे लिए और भी बुरा हो जाता है।”
वह विचलित नहीं दिखीं। उन्होंने गंभीरता से कहा:
"मैं तुम्हें माफ करता हूं, पीटर।"
उन्होंने धीरे-धीरे कई बार सिर हिलाया और कहा:
"धन्यवाद।"
फिर उसने अपना सिर उसके सिर से सटाया और फुसफुसाते हुए कहा:
"तुमने बहुत मुश्किल दौर देखे हैं, है ना?"
“हाँ। लेकिन अब सब ठीक है।”
उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया और चूमा। फिर उसने स्टोडार्ड मंदिर के बारे में सोचना बंद कर दिया, और उसने भी अच्छे और बुरे के बारे में नहीं सोचा। उन्हें इसकी ज़रूरत नहीं थी; वे खुद को बहुत पवित्र महसूस कर रहे थे।
"केटी, हमने अभी तक शादी क्यों नहीं की?"

“मुझे नहीं पता,” उसने कहा। और जल्दबाजी में बोली, क्योंकि उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा था, क्योंकि वह चुप नहीं रह सकती थी और क्योंकि उसे लगा कि उसे उसका फायदा नहीं उठाना चाहिए: “शायद इसलिए क्योंकि हम जानते हैं कि हमें जल्दी करने की ज़रूरत नहीं है।”
“लेकिन हम ऐसा कर सकते हैं। अगर पहले से ही बहुत देर न हो गई हो तो।”
"पीटर, तुम... क्या तुम मुझसे दोबारा शादी का प्रस्ताव रख रहे हो?"
“कैटी, इतनी हैरान मत दिखो। अगर तुम ऐसा करोगी, तो मुझे पता चल जाएगा कि तुम्हें इतने सालों से इस पर शक था। और मैं इस समय यह सोचना बर्दाश्त नहीं कर सकती।”
मैं आज रात आपको यही बताने आया था। हम शादी करने वाले हैं। हम अभी तुरंत शादी करने वाले हैं।
“जी हां, पीटर।”
“हमें किसी घोषणा, तारीख, तैयारियों, मेहमानों, इनमें से किसी की भी ज़रूरत नहीं है। हर बार इनमें से किसी न किसी चीज़ ने हमारी शादी में रुकावट डाल दी है। सच कहूँ तो मुझे नहीं पता कि ऐसा कैसे हो गया कि हमने सब कुछ ऐसे ही टाल दिया... हम किसी को कुछ नहीं बताएंगे। हम बस चुपके से शहर से निकल जाएंगे और शादी कर लेंगे। अगर किसी को स्पष्टीकरण चाहिए, तो हम बाद में घोषणा और स्पष्टीकरण देंगे। और इसमें आपके चाचा, मेरी माँ और सभी लोग शामिल हैं।”
“जी हां, पीटर।”
“कल अपनी नौकरी छोड़ दो। मैं ऑफिस में एक महीने की छुट्टी का इंतज़ाम कर दूँगा। गाइ को बहुत तकलीफ होगी—मुझे इसमें मजा आएगा। अपना सामान तैयार रखो—ज्यादा कुछ नहीं चाहिए होगा—वैसे, मेकअप की चिंता मत करो—क्या तुमने कहा था कि तुम आज रात बहुत खराब लग रही थी?—तुम आज पहले से कहीं ज्यादा खूबसूरत लग रही हो। मैं परसों सुबह नौ बजे यहाँ रहूँगा। तुम्हें उस समय काम शुरू करने के लिए तैयार रहना होगा।”
“जी हां, पीटर।”
उसके जाने के बाद, वह अपने बिस्तर पर लेट गई और बिना किसी रोक-टोक, बिना किसी गरिमा, बिना किसी परवाह के जोर-जोर से रोने लगी।
एल्सवर्थ टूही ने अपने अध्ययन कक्ष का दरवाजा खुला छोड़ दिया था। उन्होंने कीटिंग को दरवाजे के पास से बिना ध्यान दिए गुजरते हुए और बाहर जाते हुए देखा। फिर उन्होंने कैथरीन के सिसकने की आवाज सुनी। वे उसके कमरे की ओर गए और बिना दरवाजा खटखटाए अंदर चले गए। उन्होंने पूछा:
“क्या बात है, मेरी प्यारी? क्या पीटर ने कुछ ऐसा किया है जिससे तुम्हें दुख पहुंचा हो?”
वह बिस्तर पर आधी उठी, उसकी ओर देखा, अपने बालों को चेहरे से पीछे हटाते हुए खुशी से रोने लगी। बिना सोचे समझे उसने वही कहा जो उसके मन में सबसे पहले आया। उसने कुछ ऐसा कहा जिसे वह खुद नहीं समझ पाई, लेकिन वह समझ गया: "मैं आपसे नहीं डरती, अंकल एल्सवर्थ!"

XIV

“कौन?” कीटिंग ने हांफते हुए पूछा। “मिस डोमिनिक फ्रैंकन,” नौकरानी ने दोहराया।
“तुम नशे में हो, बेवकूफ!”
“श्रीमान कीटिंग! ..."
वह तुरंत खड़ा हुआ, उसने उसे रास्ते से धक्का दिया, वह दौड़कर लिविंग रूम में घुस गया और उसने देखा कि डोमिनिक फ्रैंकन उसके अपार्टमेंट में खड़ी है।
"हैलो, पीटर।"
“डोमिनिक! ... डोमिनिक, ये कैसे?” अपने क्रोध, आशंका, जिज्ञासा और प्रसन्नता के बीच, उसका पहला सचेत विचार ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का था कि उसकी माँ घर पर

नहीं थी।
मैंने आपके दफ्तर में फोन किया था। उन्होंने बताया कि आप घर चले गए हैं।
“मैं बहुत खुश हूं, बहुत सुखद आश्चर्य से... अरे, डोमिनिक, इसका क्या फायदा? मैं हमेशा तुम्हारे साथ सही व्यवहार करने की कोशिश करती हूं, लेकिन तुम हमेशा इसे इतनी अच्छी तरह समझ जाती हो कि यह बिल्कुल व्यर्थ है। इसलिए मैं संयमित मेज़बान बनने की कोशिश नहीं करूंगी। तुम जानती हो कि मैं बहुत उत्साहित हूं और तुम्हारा यहां आना स्वाभाविक नहीं है, और मैं जो कुछ भी कहूंगी, वह शायद गलित ही होगा।”
"हां, अब बेहतर है, पीटर।"
उसने देखा कि उसके हाथ में अभी भी एक चाबी है और उसने उसे अपनी जेब में रख लिया; वह कल की अपनी शादी की यात्रा के लिए सूटकेस पैक कर रहा था। उसने कमरे पर एक नज़र डाली और गुस्से से देखा कि डोमिनिक की भव्य आकृति के सामने उसका विक्टोरियन फर्नीचर कितना भद्दा लग रहा था।
उसने एक ग्रे सूट, गालों तक उठा हुआ कॉलर वाला काला फर जैकेट और नीचे की ओर झुकी हुई टोपी पहनी हुई थी। वह वैसी नहीं दिख रही थी जैसी गवाह के कटघरे में दिखी थी, न ही वैसी जैसी उसे डिनर पार्टियों में याद थी।
उन्हें अचानक वर्षों पहले का वह क्षण याद आ गया, जब वे गाइ फ्रैंकन के कार्यालय के बाहर सीढ़ियों पर खड़े थे और कामना कर रहे थे कि उन्हें डोमिनिक को फिर कभी न देखना पड़े। वह तब भी वैसी ही थी: एक अजनबी, जिसके चेहरे की निर्मल शून्यता ने उन्हें भयभीत कर दिया था।
“अच्छा, बैठ जाओ, डोमिनिक। अपना कोट उतार दो।”
नहीं, मैं ज्यादा देर नहीं रुकूंगा। चूंकि आज हम कुछ भी दिखावा नहीं कर रहे हैं, तो क्या मैं आपको बताऊं कि मैं किसे लिए आया हूं—या आप पहले कुछ शिष्टाचारपूर्ण बातचीत करना चाहते हैं?
नहीं, मुझे औपचारिक बातचीत नहीं चाहिए।
“ठीक है। क्या तुम मुझसे शादी करोगे, पीटर?”
वह एकदम स्थिर खड़ा रहा; फिर वह भारी मन से बैठ गया—क्योंकि वह जानता था कि वह सच में ऐसा चाहती थी।
“अगर तुम मुझसे शादी करना चाहते हो,” उसने उसी सटीक, भावहीन स्वर में कहा, “तो तुम्हें अभी करना होगा। मेरी कार नीचे खड़ी है।”
हम कनेक्टिकट तक गाड़ी से जाएंगे और वापस आ जाएंगे। इसमें लगभग तीन घंटे लगेंगे।
“डोमिनिक...” वह उसका नाम लेने के अलावा अपने होंठ हिलाना नहीं चाहता था। वह चाहता था कि वह जैसे लकवाग्रस्त हो गया हो। वह जानता था कि वह ज़बरदस्ती जीवित है, वह अपने शरीर और दिमाग में बेहोशी का भाव भर रहा है, क्योंकि वह चेतना की ज़िम्मेदारी से बचना चाहता था।
“हम दिखावा नहीं कर रहे हैं, पीटर। आमतौर पर लोग पहले अपने कारण और भावनाओं पर चर्चा करते हैं, फिर व्यावहारिक व्यवस्था करते हैं। हमारे साथ यही एकमात्र तरीका है। अगर मैं इसे आपको किसी और रूप में पेश करता, तो मैं आपको धोखा दे रहा होता। यह इसी तरह होना चाहिए। कोई सवाल नहीं, कोई शर्त नहीं, कोई स्पष्टीकरण नहीं। जो हम नहीं कहते, वही अपने आप जवाब दे देता है। न कहकर।” आपको इस बारे में सोचने की कोई जरूरत नहीं है—बस यह तय करना है कि आप इसे करना चाहते हैं या नहीं।
“डोमिनिक,” उसने उसी एकाग्रता से कहा जैसे वह किसी अधूरी इमारत के नंगे गर्डर पर चलते समय करता था, “मैं बस इतना ही समझता हूं: मैं समझता हूं कि मुझे तुम्हारी नकल करने की कोशिश करनी चाहिए, इस पर चर्चा नहीं करनी चाहिए, बात नहीं करनी चाहिए, बस जवाब देना चाहिए।”

"हाँ।"
"बस—मैं पूरी तरह से नहीं कर सकता।"
“पीटर, यह एक ऐसा समय है जब कोई सुरक्षा नहीं है। छिपने के लिए कुछ भी नहीं है। शब्द भी नहीं।”
अगर आप बस एक बात कह दें तो...
"नहीं।"
अगर आप मुझे समय देंगे तो...
नहीं। या तो हम अभी साथ में नीचे चलें या फिर इसे भूल जाएं।
“अगर मैं ऐसा कहूँ तो तुम्हें बुरा नहीं मानना चाहिए... तुमने मुझे कभी यह उम्मीद ही नहीं करने दी कि तुम... कि तुम... नहीं, नहीं, मैं ये नहीं कहूँगी... लेकिन तुम मुझसे क्या उम्मीद कर सकते हो कि मैं क्या सोचूं? मैं यहाँ अकेली हूँ, और...”
“और यहाँ सिर्फ मैं ही हूं जो आपको सलाह दे सकता हूँ। मेरी सलाह है कि आप मना कर दें। मैं आपके साथ ईमानदार हूं, पीटर। लेकिन प्रस्ताव वापस लेने से आपकी कोई मदद नहीं होगी। आप शायद यह मौका ही न लेना पसंद करते।
मुझसे शादी करने के बारे में। लेकिन तुम्हारे पास मौका है। अभी। चुनाव तुम्हारा होगा।
फिर वह अपनी गरिमा को और अधिक देर तक बनाए नहीं रख सका; उसने अपना सिर झुका लिया, उसने अपनी मुट्ठी अपने माथे पर दबा ली।
“डोमिनिक— क्यों?”
“तुम्हें कारण पता है। मैंने तुम्हें बहुत पहले बताया था। अगर तुममें उनके बारे में सोचने की हिम्मत नहीं है, तो मुझसे उन्हें दोहराने की उम्मीद मत करो।”
वह सिर झुकाए चुपचाप बैठा रहा। फिर उसने कहा:
"डोमिनिक, तुम्हारे और मेरे जैसे दो लोगों की शादी हो रही है, तो यह लगभग अखबारों के पहले पन्ने की खबर बन जाती है।"
"हाँ।"
"क्या बेहतर नहीं होगा कि इसे ठीक से किया जाए, एक घोषणा के साथ और एक वास्तविक शादी समारोह के साथ?"
“मैं मजबूत हूं, पीटर, लेकिन इतना भी मजबूत नहीं। आप अपने स्वागत समारोह और प्रचार बाद में कर सकते हैं।”
"आप नहीं चाहते कि मैं अभी हां या ना के अलावा कुछ भी कहूं?"
"बस इतना ही।"
वह काफी देर तक उसे देखता रहा। उसकी निगाहें उसकी आँखों पर टिकी थीं, पर उनमें किसी चित्र की निगाहों से ज़्यादा वास्तविकता नहीं थी। उसे कमरे में अकेलापन महसूस हो रहा था। वह धैर्यपूर्वक खड़ी इंतज़ार कर रही थी, उसे कुछ भी नहीं दे रही थी, यहाँ तक कि उसे जल्दी करने के लिए कहने की दया भी नहीं दिखा रही थी।
“ठीक है, डोमिनिक। हां,” उसने अंत में कहा।
उसने सहमति में अपना सिर गंभीरता से झुका लिया।
वह खड़ा हो गया। उसने कहा, "मैं अपना कोट ले आता हूँ। क्या आप अपनी कार से जाना चाहेंगे?"
"हाँ।"
“यह एक खुली कार है, है ना? क्या मुझे अपना फर कोट पहनना चाहिए?”
नहीं। लेकिन एक गर्म साइलेंसर ले लो। थोड़ी हवा चल रही है।
“सामान नहीं है? हम सीधे शहर वापस आ रहे हैं?”
हम तुरंत वापस आ रहे हैं।
उसने हॉल का दरवाजा खुला छोड़ दिया, और उसने उसे अपना कोट पहनते, गले में मफलर डालते और कंधे पर केप डालने के इशारे करते हुए देखा। वह हाथ में टोपी लिए लिविंग रूम के दरवाजे तक गया और सिर हिलाकर उसे अंदर आने का न्योता

दिया। बाहर हॉल में उसने लिफ्ट का बटन दबाया और उसे पहले अंदर जाने देने के लिए पीछे हट गया। वह सधा हुआ और आत्मविश्वास से भरा हुआ था।
बिना खुशी के, बिना भावनाओं के। वह पहले से कहीं अधिक निर्मम पुरुषवादी प्रतीत हो रहा था।
उसने उसका हाथ मजबूती से, सुरक्षात्मक ढंग से पकड़कर उसे सड़क पार कराया, जहाँ उसने अपनी कार खड़ी की थी। उसने कार का दरवाजा खोला, उसे स्टीयरिंग व्हील के पीछे बैठने दिया और चुपचाप उसके बगल में बैठ गया। वह उसकी ओर झुकी और उसकी तरफ की शीशे की खिड़की ठीक की। उसने कहा, "अगर यह ठीक नहीं है, तो जब हम चलना शुरू करें तो इसे जैसे चाहो ठीक कर लेना, ताकि तुम्हें ज्यादा ठंड न लगे।" उसने कहा, "ग्रैंड कानकोर्स तक चलो, वहाँ कम ट्रैफिक होता है।" उसने अपना हैंडबैग उसकी गोद में रख दिया और स्टीयरिंग व्हील संभालकर कार स्टार्ट कर दी। अचानक उनके बीच कोई दुश्मनी नहीं रही, बल्कि एक शांत, निराशा से भरी दोस्ती का एहसास हुआ, मानो वे एक ही तरह की त्रासदी के शिकार हों, जिन्हें एक-दूसरे की मदद करनी थी।
वह आदत के तौर पर तेज़ गाड़ी चला रही थी, एक समान गति से, बिना किसी हड़बड़ी के। वे चुपचाप इंजन की धीमी आवाज़ सुनते रहे, और जब गाड़ी सिग्नल पर रुकी, तो वे धैर्यपूर्वक बिना हिले-डुले बैठे रहे। मानो वे गति की एक ही लकीर में फँस गए हों, एक ऐसी अनिवार्य दिशा में जैसे कोई गोली अपने रास्ते में रुक न सके। शहर की सड़कों पर हल्की-हल्की शाम ढल रही थी। फुटपाथ पीले दिख रहे थे। दुकानें अभी भी खुली थीं। एक सिनेमाघर का साइनबोर्ड जगमगा रहा था, और लाल बल्ब तेज़ी से घूम रहे थे, मानो हवा से आखिरी दिन का उजाला सोख रहे हों, जिससे सड़क और भी अंधेरी लग रही थी।
पीटर कीटिंग को बोलने की कोई ज़रूरत नहीं थी। वो अब पीटर कीटिंग जैसे नहीं लग रहे थे। उन्होंने न तो स्नेह माँगा, न ही दया। उन्होंने कुछ नहीं माँगा। उसने एक बार इस बात पर विचार किया और उनकी ओर देखा, एक ऐसी नज़र जिसमें प्रशंसा का भाव था, जो लगभग कोमल था। उन्होंने उसकी आँखों में स्थिर नज़र से देखा; उसने समझ तो देखी, लेकिन कोई टिप्पणी नहीं। ऐसा लगा जैसे उनकी नज़र ने कहा हो: "बेशक," और कुछ नहीं।
वे शहर से बाहर निकल चुके थे, और उनके सामने एक ठंडी भूरी सड़क तेजी से आती हुई दिखाई दे रही थी, तभी उसने कहा:
“यहाँ के ट्रैफिक पुलिस वाले बहुत सख्त हैं। क्या आपके पास आपका प्रेस कार्ड है, कहीं ज़रूरत पड़ जाए तो?”
मैं अब प्रेस का हिस्सा नहीं हूं।
“तुम क्या नहीं हो?”
मैं अब अखबारों में काम करने वाली महिला नहीं हूं।
“क्या आपने नौकरी छोड़ दी?”
नहीं, मुझे नौकरी से निकाल दिया गया था।
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
“पिछले कुछ दिनों से तुम कहाँ थे? मुझे लगा सबको पता है।”
"माफ़ कीजिए। पिछले कुछ दिनों में मैं चीज़ों को ठीक से समझ नहीं पाया।"
कुछ मील दूर जाकर उसने कहा: “मुझे एक सिगरेट दो। मेरे बैग में है।”
उसने उसका बैग खोला और उसमें सिगरेट का डिब्बा, कॉम्पैक्ट, लिपस्टिक, कंघी और एक रुमाल रखा, जो छूने में इतना सफेद था कि उसे छूने का मन नहीं कर रहा था, और जिसमें उसके परफ्यूम की हल्की-हल्की खुशबू आ रही थी। उसके मन में कहीं यह ख्याल आया कि यह लगभग उसकी ब्लाउज के बटन खोलने जैसा है। लेकिन उसका अधिकांश मन इस विचार से और उस अंतरंग अधिकार की भावना से अनजान

था जिसके साथ उसने बैग खोला था। उसने उसके डिब्बे से एक सिगरेट निकाली, उसे जलाया और अपने होठों से हटाकर उसके होठों पर रख दी। "धन्यवाद," उसने कहा। उसने अपने लिए एक सिगरेट जलाई और बैग बंद कर दिया।
जब वे ग्रीनविच पहुंचे, तो वही था जिसने पूछताछ की, उसे बताया कि कहाँ गाड़ी चलानी है, किस ब्लॉक पर मुड़ना है, और कहा, "यह रहा।"
जब वे जज के घर के सामने रुके, तो वह पहले बाहर निकला और उसे कार से बाहर निकलने में मदद की। उसने डोरबेल का बटन दबाया।
उनकी शादी एक ऐसे बैठक कक्ष में हुई जिसमें फीके नीले और बैंगनी रंग के टेपेस्ट्री से बनी आरामकुर्सियाँ और कांच के मोतियों की झालर वाला एक लैंप सजा हुआ था। गवाह न्यायाधीश की पत्नी और पड़ोस में रहने वाला चक नाम का एक व्यक्ति था, जो किसी घरेलू काम में व्यस्त था और उससे हल्की-सी क्लोरॉक्स की गंध आ रही थी।
फिर वे अपनी कार में वापस आए और कीटिंग ने पूछा: "अगर तुम थक गई हो तो क्या मैं गाड़ी चलाऊं?" उसने कहा: "नहीं, मैं गाड़ी चलाऊंगी।"
शहर की ओर जाने वाली सड़क भूरे खेतों से होकर गुजरती थी, जहाँ पश्चिम की ओर वाले हिस्से में हर उभार पर उदासी भरी लालिमा छाई हुई थी। खेतों के किनारों पर बैंगनी धुंध छाई हुई थी, और आकाश में आग की एक स्थिर लकीर दिखाई दे रही थी। कुछ कारें भूरे रंग की आकृतियों की तरह उनकी ओर आ रही थीं, जो अभी भी दिखाई दे रही थीं; अन्य कारों की बत्तियाँ जल रही थीं, पीले रंग के दो बेचैन कर देने वाले धब्बे दिखाई दे रहे थे।
कीटिंग सड़क को देखता रहा; वह संकरी लग रही थी, विंडशील्ड के बीचोंबीच एक छोटी सी लकीर जैसी, चारों ओर मिट्टी और पहाड़ियाँ थीं, और यह सब उसके सामने कांच के आयताकार हिस्से में समाया हुआ था। लेकिन जैसे ही विंडशील्ड आगे बढ़ी, सड़क फैल गई। सड़क ने कांच को भर दिया, किनारों से बाहर निकल गई, और उन्हें रास्ता देने के लिए फट गई, कार के दोनों ओर दो धूसर पट्टियों में बहती हुई। उसने सोचा कि यह कोई दौड़ है और वह देखने के लिए इंतज़ार करने लगा।
विंडशील्ड से जीत हासिल करना, कार को उस छोटे से डैशबोर्ड में तेजी से घुसते हुए देखना, इससे पहले कि उसे फैलने का समय मिले।
“अब हम पहले कहाँ रहेंगे?” उसने पूछा। “तुम्हारे घर या मेरे घर?”
"बेशक, आपका ही।"
मैं तुम्हारे घर में रहना पसंद करूंगा।
नहीं। मैं अपना कारोबार बंद कर रहा हूँ।
"तुम्हें मेरा अपार्टमेंट बिल्कुल पसंद नहीं आ सकता।"
"क्यों नहीं?"
मुझे नहीं पता। यह तुम पर जचेगा नहीं।
मुझे यह पसंद आएगा।
वे कुछ देर चुप रहे, फिर उन्होंने पूछा: "अब हम इसकी घोषणा कैसे करेंगे?"
“आप जैसा चाहें, वैसा कर सकते हैं। यह पूरी तरह आप पर निर्भर है।”
अंधेरा बढ़ता जा रहा था और उसने कार की हेडलाइट्स चालू कर दीं।
उसने सड़क के किनारे नीचे की ओर बने यातायात संकेतों के छोटे-छोटे धुंधले निशानों को देखा, जो पास आते ही अचानक जीवंत हो उठते थे और लिखते थे:
"बाएँ मुड़ें," "आगे चौराहा है," प्रकाश के बिंदुओं में जो सचेत, द्वेषपूर्ण और आँख मारते हुए प्रतीत होते थे।
वे चुपचाप गाड़ी चला रहे थे, लेकिन अब उनकी चुप्पी में कोई बंधन नहीं था; वे विनाश की ओर साथ नहीं बढ़ रहे थे; विनाश आ चुका था; उनके साहस का अब कोई महत्व नहीं रह गया था। वह हमेशा की तरह डोमिनिक फ्रैंकन की उपस्थिति में बेचैन और अनिश्चित महसूस कर रहा था।

वह आधा मुड़कर उसे देखने लगा। उसकी नज़रें सड़क पर टिकी हुई थीं। ठंडी हवा में उसका चेहरा शांत, एकांत और एक ऐसी सुंदरता लिए हुए था जिसे सहन करना मुश्किल था। उसने उसके दस्ताने पहने हाथों को देखा जो स्टीयरिंग व्हील के दोनों ओर मज़बूती से टिके हुए थे। उसने एक्सीलरेटर पर रखे उसके पतले पैर को देखा, फिर उसकी नज़र उसकी टांग की रेखा पर उठी। उसकी निगाह उसकी तंग ग्रे स्कर्ट के संकरे त्रिकोण पर टिकी रही। उसे अचानक एहसास हुआ कि जो वह सोच रहा था, उसे सोचने का पूरा अधिकार था।
पहली बार विवाह के इस निहितार्थ का उसे पूर्णतः और सचेत रूप से एहसास हुआ। तब उसे पता चला कि वह हमेशा से इस स्त्री को चाहता था, कि यह वैसी ही भावना थी जैसी किसी वेश्या के लिए होती है, बस यह भावना स्थायी, निराशाजनक और क्रूर थी।
"मेरी पत्नी," उसने पहली बार सोचा, इस शब्द में जरा भी सम्मान नहीं था। उसके भीतर इतनी तीव्र इच्छा जागृत हुई कि यदि गर्मी का मौसम होता तो वह उसे पहली गली में गाड़ी ले जाने का आदेश देता और वहीं उसके साथ संबंध बना लेता।
उसने अपना हाथ सीट के पीछे सरकाया और उसके कंधों को हल्के से छूते हुए उसे घेर लिया। वह हिली नहीं, विरोध नहीं किया और न ही उसकी ओर मुड़ी। उसने अपना हाथ हटा लिया और सीधे सामने घूरता हुआ बैठ गया।
"श्रीमती कीटिंग," उन्होंने सपाट स्वर में कहा, उन्हें संबोधित नहीं किया, बस एक तथ्य के रूप में।
“श्रीमती पीटर कीटिंग,” उसने कहा।
जब वे उसके अपार्टमेंट के सामने रुके, तो वह गाड़ी से बाहर निकला और उसके लिए दरवाजा पकड़ लिया, लेकिन वह स्टीयरिंग व्हील के पीछे ही बैठी रही।
“शुभ रात्रि, पीटर,” उसने कहा। “कल मिलते हैं।”
उसके चेहरे के भाव अपशब्दों में तब्दील होने से पहले ही उसने कहा, "मैं कल अपना सामान भेज दूंगी और फिर हम सब कुछ पर चर्चा करेंगे। सब कुछ कल से शुरू होगा, पीटर।"
"आप कहां जा रहे हैं?"
मुझे कुछ काम निपटाने हैं।
"लेकिन आज रात मैं लोगों को क्या बताऊँगा?"
"आप जो चाहें, अगर चाहें तो।"
उसने गाड़ी को ट्रैफिक में मोड़ा और चली गई।
जब वह उस शाम रोर्क के कमरे में दाखिल हुई, तो उसने मुस्कुराया, लेकिन यह उसकी सामान्य हल्की मुस्कान नहीं थी जो अपेक्षित को स्वीकार करने की होती है, बल्कि एक ऐसी मुस्कान थी जो प्रतीक्षा और पीड़ा को बयां करती थी।
मुकदमे के बाद से उसने उसे नहीं देखा था। गवाही देने के बाद वह अदालत कक्ष से चली गई थी और उसके बाद से उसने उससे कोई संपर्क नहीं किया था। वह उसके घर भी गया था, लेकिन उसकी नौकरानी ने उसे बताया कि मिस फ्रैंकन उससे नहीं मिल सकतीं।
अब उसने उसकी ओर देखा और मुस्कुराई। पहली बार, यह पूर्ण स्वीकृति का भाव था, मानो उसे देखकर सब कुछ सुलझ गया हो, सारे सवालों के जवाब मिल गए हों, और उसका उद्देश्य केवल एक ऐसी स्त्री होना था जो उसे देख रही हो।
वे एक पल के लिए एक-दूसरे के सामने चुपचाप खड़े रहे, और उसने सोचा कि सबसे सुंदर शब्द वे होते हैं जिनकी आवश्यकता नहीं होती है।
जब वह हिलने लगा, तो उसने कहा: "मुकदमे के बारे में कुछ मत कहना।"
उसके बाद।"
जब उसने उसे अपनी बाहों में लिया, तो उसने अपना शरीर घुमाकर सीधे उसकी ओर किया, ताकि वह अपनी और उसकी छाती की चौड़ाई को महसूस कर सके।

उसके पैरों की लंबाई उसके पैरों की लंबाई के बराबर थी, मानो वह उसके सहारे लेटी हो, और उसके पैरों पर कोई भार न हो, और वह उसके शरीर के दबाव से सीधी खड़ी हो।
उस रात वे दोनों एक साथ बिस्तर पर लेटे रहे, और उन्हें पता ही नहीं चला कि वे कब सो गए, थकावट भरी बेहोशी के अंतराल उनके शरीरों के तीव्र मिलन की तरह ही गहन मिलन का अनुभव करा रहे थे।
सुबह जब वे तैयार हो गए, तो उसने उसे कमरे में इधर-उधर घूमते देखा। उसने उसके हाव-भाव में एक थकावट और शिथिलता देखी; उसने सोचा कि उसने उससे क्या छीन लिया है, और उसकी कलाइयों का भारीपन उसे बता रहा था कि उसकी अपनी शक्ति अब उसकी नसों में समा गई है, मानो उन्होंने अपनी ऊर्जा का आदान-प्रदान कर लिया हो।
वह कमरे के दूसरे छोर पर था, एक पल के लिए उसकी पीठ उसकी ओर थी, तभी उसने धीमी और शांत आवाज में कहा, "रोर्क।"
वह उसकी ओर मुड़ा, मानो उसे इसकी उम्मीद थी और शायद उसने बाकी सब कुछ अनुमान लगा लिया था।
वह फर्श के बीचोंबीच खड़ी थी, ठीक वैसे ही जैसे वह इस कमरे में अपनी पहली रात खड़ी थी, एक अनुष्ठान के प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से गंभीर मुद्रा में।
“मैं तुमसे प्यार करती हूँ, रोर्क।”
उसने यह बात पहली बार कही थी।
अपने अगले शब्दों को बोलने से पहले ही उसने उनका प्रतिबिंब उसके चेहरे पर देख लिया।
“मेरी शादी कल हुई। पीटर कीटिंग से।”
अगर उसने किसी आदमी को अपने मुँह को विकृत करके आवाज़ दबाते हुए, मुट्ठियाँ भींचकर खुद को बचाने के लिए उन्हें मरोड़ते हुए देखा होता, तो यह आसान होता।
लेकिन यह आसान नहीं था, क्योंकि उसने उसे ऐसा करते हुए नहीं देखा था, फिर भी वह जानती थी कि यह सब हो रहा है, बिना किसी शारीरिक हावभाव के।
“रोर्क...” उसने डरते हुए धीरे से फुसफुसाया।
उन्होंने कहा: “मैं ठीक हूँ।” फिर उन्होंने कहा: “कृपया एक पल रुकिए... ठीक है। आगे बढ़िए।”
“रोर्क, तुमसे मिलने से पहले, मैं हमेशा तुम्हारे जैसे किसी व्यक्ति को देखने से डरता था, क्योंकि मुझे पता था कि मुझे भी वही देखना पड़ेगा जो मैंने गवाह के कटघरे में देखा और मुझे भी वही करना पड़ेगा जो मैंने उस अदालत में किया। मुझे ऐसा करना बहुत बुरा लगता था, क्योंकि तुम्हारा बचाव करना तुम्हारा अपमान था—और यह मेरा भी अपमान था कि तुम्हारा बचाव करना पड़ा...”
रोर्क, मैं सब कुछ स्वीकार कर सकता हूँ, सिवाय उसके जो अधिकांश लोगों के लिए सबसे आसान लगता है: आधा-अधूरा, लगभग, बस थोड़ा-बहुत, और जो...
बीच में। उनके पास अपने तर्क हो सकते हैं। मुझे नहीं पता। मुझे जानने की कोई परवाह नहीं है। मैं इतना जानता हूँ कि यही एक चीज़ है जो मुझे समझने के लिए नहीं दी गई है।
जब मैं तुम्हारे बारे में सोचता हूँ, तो तुम्हारे जैसे संसार के अलावा मैं किसी और वास्तविकता को स्वीकार नहीं कर सकता। या कम से कम एक ऐसा संसार जिसमें तुम्हें लड़ने का मौका मिले और अपनी शर्तों पर लड़ने का मौका मिले। ऐसा संसार मौजूद नहीं है। और मैं उस मौजूदा संसार और तुम्हारे बीच फंसा हुआ जीवन नहीं जी सकता। इसका मतलब होगा उन चीजों और लोगों से लड़ना जो तुम्हारे विरोधी होने के लायक नहीं हैं। उनके तरीकों का इस्तेमाल करके लड़ना—और यह बहुत बड़ा अपमान होगा। इसका मतलब होगा तुम्हारे लिए वही करना जो मैंने पीटर कीटिंग के लिए किया था:

झूठ बोलना, चापलूसी करना, टालमटोल करना, समझौता करना, हर तरह की अक्षमता को बढ़ावा देना—ताकि उनसे तुम्हारे लिए एक मौका माँग सकूँ, उनसे तुम्हें जीने देने की भीख माँग सकूँ, तुम्हें काम करने देने की भीख माँग सकूँ, उनसे भीख माँग सकूँ, रोर्क, कि उन पर हँसो नहीं, बल्कि काँपो क्योंकि उनके पास तुम्हें चोट पहुँचाने की शक्ति है। क्या मैं इतना कमज़ोर हूँ कि मैं यह नहीं कर सकता? मुझे नहीं पता कि कौन सी ताकत ज्यादा है: तुम्हारे लिए यह सब स्वीकार करना—या तुमसे इतना प्यार करना कि बाकी सब कुछ स्वीकार न हो सके। मुझे नहीं पता। मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूँ।
वह प्रतीक्षा करते हुए उसकी ओर देखने लगा। वह जानती थी कि वह यह बात बहुत पहले ही समझ चुका था, लेकिन फिर भी इसे कहना ज़रूरी था।
“तुम्हें इनके बारे में पता नहीं है। मुझे पता है। मैं कुछ नहीं कर सकती। मैं तुमसे प्यार करती हूँ। अंतर बहुत बड़ा है। रोर्क, तुम नहीं जीतोगे, वे तुम्हें बर्बाद कर देंगे, लेकिन मैं वहाँ यह सब होते हुए देखने के लिए नहीं रहूँगी। मैं पहले खुद को बर्बाद कर लूँगी।”
विरोध जताने का यही एक तरीका है जो मेरे पास है। मैं आपको और क्या दे सकती हूँ? लोग जो त्याग करते हैं वो बहुत मामूली होता है। मैं आपको पीटर कीटिंग से अपनी शादी दे दूँगी। मैं उनकी दुनिया में खुश रहने से इनकार कर दूँगी। मैं कष्ट सहूँगी। यही मेरा उन्हें जुवाब होगा, और यही मेरी आपके लिए उपहार। शायद मैं आपसे फिर कभी न मिल पाऊँ। मैं कोशिश करूँगी कि आपसे न मिलूँ।
लेकिन मैं तुम्हारे लिए जिऊंगा, हर पल और हर शर्मनाक कृत्य के बावजूद, मैं तुम्हारे लिए अपने तरीके से जिऊंगा, जिस एकमात्र तरीके से मैं जी सकता हूं।
उसने बोलने के लिए हाथ बढ़ाया, और उसने कहा:
"रुको। मुझे अपनी बात पूरी करने दो। तुम पूछ सकते हो, फिर मैं खुद को क्यों न मार लूं?"
क्योंकि मैं तुमसे प्यार करती हूँ। क्योंकि तुम्हारा अस्तित्व है। बस यही काफी है कि मैं मर नहीं सकती। और चूंकि तुम्हारे अस्तित्व को जानने के लिए मुझे जीवित रहना होगा, इसलिए मैं इस दुनिया में जैसी हूँ, जैसी यह जीवन शैली चाहती है, वैसे ही जीऊँगी। आधा-अधूरा नहीं, बल्कि पूरी तरह से। इससे गिड़गिड़ाकर भागने के बजाय, इसका सामना करने के लिए आगे बढ़ूँगी, इसके दर्द और कुरूपता को मात दूँगी, और सबसे पहले यह चुनूँगी कि यह मेरे साथ क्या बुरा कर सकता है। किसी आधे-अधूरे भले इंसान की पत्नी बनकर नहीं, बल्कि पीटर की पत्नी बनकर।
कीटिंग। और केवल मेरे अपने मन में, केवल जहाँ कोई उसे छू नहीं सकता, मेरी अपनी ही गिरावट की सुरक्षात्मक दीवार द्वारा पवित्र रखा गया, वहाँ तुम्हारा विचार और तुम्हारा ज्ञान होगा, और मैं कहूँगा
मैं कभी-कभार खुद से 'हावर्ड रोर्क' कहता हूँ, और तब मुझे लगता है कि मैंने ऐसा कहने का हक पा लिया है।
वह उसके सामने खड़ी थी, उसका चेहरा ऊपर उठा हुआ था; उसके होंठ खिंचे हुए नहीं थे, बल्कि कोमल भाव से बंद थे, फिर भी उसके चेहरे पर उसके मुंह की आकृति बहुत स्पष्ट थी, दर्द, कोमलता और त्याग की एक आकृति।
उसके चेहरे पर उसने ऐसा दुख देखा जो पुराना हो चुका था, मानो वह लंबे समय से उसका हिस्सा रहा हो, क्योंकि उसने उसे स्वीकार कर लिया था, और वह एक घाव की तरह नहीं, बल्कि एक निशान की तरह दिखता था।
“डोमिनिक, अगर मैं तुमसे अभी कहूँ कि तुम उस शादी को तुरंत रद्द करवा दो—दुनिया और मेरे संघर्ष को भूल जाओ—कोई गुस्सा, कोई चिंता, कोई उम्मीद न रखो—सिर्फ मेरे लिए, तुम्हारी ज़रूरत के लिए—मेरी पत्नी के रूप में—मेरी संपत्ति के रूप में अस्तित्व में रहो...?”
उसने उसके चेहरे पर वही भाव देखा जो उसने उसके चेहरे पर तब देखा था जब उसने उसे अपनी शादी के बारे में बताया था; लेकिन वह डरा नहीं और उसने शांति से यह सब

देखा।
कुछ देर बाद उसने ज़वाब दिया, और शब्द उसके होठों से नहीं निकले, बल्कि ऐसा लगा जैसे उसके होठों को बाहर की आवाज़ों को इकट्ठा करने के लिए मजबूर किया गया हो।
मैं आपकी बात मानूंगा।
अब आपको समझ आ गया होगा कि मैं ऐसा क्यों नहीं करूंगा। मैं आपको रोकने की कोशिश नहीं करूंगा। मैं आपसे प्यार करता हूं, डोमिनिक।
उसने अपनी आँखें बंद कर लीं, और उसने कहा:
“क्या तुम इसे अभी सुनना नहीं चाहती? पर मैं चाहता हूँ कि तुम इसे सुनो। जब हम साथ होते हैं, तो हमें एक-दूसरे से कुछ भी कहने की ज़रूरत नहीं होती। यह उस समय के लिए है जब हम साथ नहीं होंगे। मैं तुमसे प्यार करता हूं, डोमिनिक। उतना ही स्वार्थी जितना कि मेरा अस्तित्व। उतना ही स्वार्थी जितना कि मेरे फेफड़े हवा में साँस लेते हैं। मैं अपनी ज़रूरत के लिए, अपने शरीर के लिए, अपने अस्तित्व के लिए साँस लेता हूँ। मैंने तुम्हें अपना बलिदान या दया नहीं, बल्कि अपना अहंकार और अपनी असीम ज़रूरत दी है। यही एकमात्र तरीका है जिससे तुम प्यार पाना चाह सकती हो। यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं चाहता हूँ कि तुम मुझसे प्यार करो। अगर तुम अभी मुझसे शादी कर लो, तो मैं तुम्हारा पूरा अस्तित्व बन जाऊँगा। लेकिन तब मैं तुम्हें नहीं चाहूँगा।”
तुम खुद को नहीं चाहोगे—और इसलिए तुम मुझे लंबे समय तक प्यार नहीं करोगे। 'मैं तुमसे प्यार करता हूँ' कहने के लिए, पहले 'मैं' कहना आना चाहिए। जिस तरह का समर्पण मैं तुमसे अभी पा सकता हूँ, उससे मुझे खोखले के सिवा कुछ नहीं मिलेगा। अगर मैं इसकी माँग करता, तो मैं तुम्हें बर्बाद कर देता। इसीलिए मैं रुकूँगा नहीं।
मैं तुम्हें तुम्हारे पति के पास जाने दूँगा। मुझे नहीं पता कि मैं आज रात कैसे गुज़ारूँगा, लेकिन गुज़ार लूँगा। मैं तुम्हें पूरी तरह से स्वस्थ देखना चाहता हूँ, जैसे मैं हूँ, और जैसे तुम उस लड़ाई में बनी रहोगी जिसे तुमने चुना है। कोई भी लड़ाई निस्वार्थ नहीं होती।
उसके शब्दों की संयमित लय में उसे यह महसूस हुआ कि उसके लिए उन्हें बोलना, उसे सुनने से कहीं अधिक कठिन था। इसलिए उसने ध्यान से सुना।
“तुम्हें दुनिया से डरना नहीं सीखना होगा। दुनिया के चंगुल में नहीं फंसना होगा, जैसा कि तुम अभी फंसे हुए हो। दुनिया से कभी भी वैसे आहत नहीं होना होगा, जैसा कि उस अदालत कक्ष में हुआ था।”
मुझे तुम्हें इसे सीखने देना होगा। मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता। तुम्हें अपना रास्ता खुद ढूँढना होगा।
जब तुम ऐसा कर लोगी, तो मेरे पास वापस आओगी। वे मुझे नष्ट नहीं कर पाएंगे, डोमिनिक। और वे तुम्हें भी नष्ट नहीं कर पाएंगे। तुम जीतोगी, क्योंकि तुमने दुनिया से अपनी स्वतंत्रता के लिए लड़ने का सबसे कठिन रास्ता चुना है।
मैं तुम्हारा इंतज़ार करूँगा। मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मैं ये बात अभी से कह रहा हूँ, उन सभी सालों के लिए जो हमें इंतज़ार करना पड़ेगा। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, डोमिनिक।
फिर उसने उसे चूमा और उसे जाने दिया।
XV
उस सुबह नौ बजे पीटर कीटिंग थे।
अपने कमरे में, जिसका दरवाजा बंद था, वह इधर-उधर चहलकदमी कर रहा था। वह भूल गया था कि नौ बज चुके हैं और कैथरीन उसका इंतजार कर रही है। उसने खुद को उसे और उसके द्वारा कही गई हर बात को भुलाने के लिए मजबूर कर दिया था।
उसे उसकी मां से बचाने के लिए उसके कमरे का दरवाजा बंद कर दिया गया था।
पिछली रात, उसकी बेचैनी देखकर, उसने उसे सच बताने के लिए मजबूर कर दिया। उसने झट से कह दिया कि उसकी शादी डोमिनिक फ्रेंकन से हुई है, और उसने

डोमिनिक के किसी पुराने रिश्तेदार को शादी की खुशखबरी देने के लिए शहर से बाहर जाने का बहाना भी बना दिया। उसकी माँ खुशी से आहें भर रही थी और सवाल पूछ रही थी, इसलिए वह कुछ भी जवाब नहीं दे पाया और अपनी घबराहट छिपाता रहा; उसे यकीन नहीं था कि उसकी पत्नी है और वह सुबह उसके पास वापस आएगी। उसने अपनी माँ को यह खबर सार्वजनिक करने से मना किया था, लेकिन उन्होंने कल रात कुछ फोन किए थे, और आज सुबह भी कुछ और फोन कर रही थीं, और अब उनका फोन लगातार बज रहा था, उत्सुक आवाज़ों में पूछा जा रहा था: "क्या यह सच है?" आश्चर्य और बधाई की आवाज़ें गूंज रही थीं। कीटिंग देख सकता था कि फोन करने वाले लोगों के नामों और सामाजिक स्थिति से यह खबर पूरे शहर में फैल रही थी। उसने फोन का जवाब देने से इनकार कर दिया। उसे ऐसा लग रहा था कि न्यूयॉर्क का हर कोना जश्न से भरा हुआ है और वह अकेला, अपने कमरे के सुरक्षित घेरे में छिपा हुआ, ठंड से काँप रहा है, खोया हुआ है और भयभीत है।
दोपहर के लगभग समय हो चुका था जब दरवाजे की घंटी बजी, और उसने अपने कानों पर हाथ रख लिए, यह न जानने के लिए कि कौन है और वे क्या चाहते हैं।
तभी उसने अपनी माँ की आवाज़ सुनी, जो खुशी से इतनी तीखी थी कि सुनने में हास्यास्पद लग रही थी: "प्यारे पेटी, क्या तुम बाहर आकर अपनी पत्नी को चूमना नहीं चाहते?" वह दौड़कर हॉल में गया, और वहाँ डोमिनिक खड़ी थी, अपना मुलायम मिंक कोट उतार रही थी, फर से उसकी नाक में सड़क की ठंडी हवा का झोंका आ रहा था जिसमें उसके इत्र की हल्की सी महक थी। वह मुस्कुरा रही थी, सीधे उसकी ओर देख रही थी और बोली: "सुप्रभात, पीटर।"
वह एक पल के लिए एकदम सीधा खड़ा हो गया, और उस पल में उसने सभी टेलीफोन कॉल को फिर से जी लिया और उस विजय का अनुभव किया जिसका वह हकदार था। वह एक खचाखच भरे स्टेडियम के मैदान में एक पुरुष की तरह आगे बढ़ा, वह ऐसे मुस्कुराया मानो उसकी मुस्कान की सिलवटों में किसी चापाकार प्रकाश की किरण खेल रही हो, और उसने कहा: "डोमिनिक मेरी प्यारी, यह तो मानो एक सपना सच हो गया है!"
उनकी उस दुर्भाग्यपूर्ण समझ की गरिमा समाप्त हो गई थी और उनका विवाह वैसा ही हो गया था जैसा कि होना चाहिए था।
वह इससे खुश लग रही थी। उसने कहा, "माफ़ करना पीटर, तुमने मुझे दहलीज़ पार नहीं कराई।" उसने उसे चूमा नहीं, बल्कि उसका हाथ पकड़कर उसकी कलाई के ऊपर बांह को हल्के से, सहिज और अंतरंग अंदाज़ में चूमा।
उसने अपनी माँ को वहाँ खड़े देखा और उसने विजय के भाव से भरे एक जोशीले इशारे के साथ कहा: "माँ - डोमिनिक कीटिंग।"
उसने अपनी माँ को उसे चूमते हुए देखा। डोमिनिक ने गंभीरता से चुंबन लौटाया।
श्रीमती कीटिंग घबराकर बोलीं, "मेरी प्यारी, मैं बहुत खुश हूँ, बहुत खुश हूँ, भगवान तुम्हें आशीर्वाद दे, मुझे पता ही नहीं था कि तुम इतनी खूबसूरत हो!"
उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आगे क्या करें, लेकिन डोमिनिक ने तुरंत कमान संभाल ली और उन्हें सोचने का समय ही नहीं दिया। वह बैठक में आई और बोलीं: "पहले हम दोपहर का खाना खा लेते हैं, फिर मुझे जगह दिखा देना, पीटर। मेरा सामान एक घंटे में यहाँ आ जाएगा।"
श्रीमती कीटिंग ने मुस्कुराते हुए कहा: "तीनों के लिए दोपहर का भोजन तैयार है, मिस फ्रैन..."
वह रुक गई। "ओह, प्रिय, मैं आपको क्या कहकर बुलाऊं, हनी? मिसेज़ कीटिंग या..."
"बिल्कुल डोमिनिक की तरफ से," डोमिनिक ने बिना मुस्कुराए जवाब दिया।
"क्या हम किसी को आमंत्रित करने के लिए घोषणा नहीं करने जा रहे हैं...?" कीटिंग ने शुरू किया, लेकिन डोमिनिक ने कहा:

"बाद में, पीटर। यह अपने आप ही सामने आ जाएगा।"
बाद में, जब उसका सामान आया, तो उसने उसे बिना किसी झिझक के अपने बेडरूम में जाते हुए देखा। उसने नौकरानी को अपने कपड़े टांगने का तरीका बताया और उससे अलमारियों में रखी चीजों को व्यवस्थित करने में मदद करने को कहा।
श्रीमती कीटिंग असमंजस में दिखीं। "लेकिन क्या तुम बच्चे बिल्कुल भी कहीं नहीं जाओगे? यह सब इतना अचानक और रोमांटिक है, लेकिन—किसी भी तरह का हनीमून नहीं?"
“नहीं,” डोमिनिक ने कहा, “मैं पीटर को उसके काम से दूर नहीं करना चाहती।”
उन्होंने कहा: “डोमिनिक, यह तो बस अस्थायी है। हमें एक बड़े अपार्टमेंट में जाना होगा। मैं चाहता हूं कि तुम इसे चुनो।”
“नहीं,” उसने कहा। “मुझे नहीं लगता कि यह ज़रूरी है। हम यहीं रहेंगे।”
डोमिनिक के प्रति अत्यधिक भय के कारण, श्रीमती कीटिंग ने बिना सोचे-समझे उदारतापूर्वक कहा, "मैं यहाँ से चली जाऊंगी। मैं अपने लिए एक छोटा सा स्थान ले लूंगी।"
“नहीं,” डोमिनिक ने कहा। “मैं नहीं चाहती कि तुम ऐसा करो। मैं कुछ भी बदलना नहीं चाहती। मैं पीटर के जीवन में वैसे ही ढल जाना चाहती हूँ जैसा वह है।”
"आपकी यह दयालुता तो देखिए!" श्रीमती कीटिंग मुस्कुराईं, जबकि कीटिंग ने मन ही मन सोचा कि यह उनकी ओर से बिलकुल भी दयालुता नहीं थी।
श्रीमती कीटिंग जानती थीं कि ठीक होने के बाद वह अपनी बहू से नफ़रत करेंगी। वह उपेक्षा को तो सह सकती थीं, लेकिन डोमिनिक की गंभीर विनम्रता को वह माफ नहीं कर सकती थीं।
फोन की घंटी बजी। कार्यालय में कीटिंग के मुख्य डिजाइनर ने बधाई देते हुए कहा:
"पीटर, हमें अभी-अभी पता चला है और गाय तो बिल्कुल हैरान है। मुझे लगता है कि आपको उसे फोन करना चाहिए या यहां आना चाहिए।"
कीटिंग जल्दी से दफ्तर की ओर भागा, कुछ देर के लिए घर से बाहर निकलने की खुशी में। दफ़्तर में दाखिल होते ही वह किसी युवा प्रेमी की तरह चमक रहा था। ड्राफ्टिंग रूम में उसने खूब हंसा और लोगों से हाथ मिलाया, जहां ज़ोर-ज़ोर से बधाई दी जा रही थी, ईर्ष्या भरी चीखें सुनाई दे रही थीं और कुछ अश्लील बातें भी हो रही थीं। फिर वह जल्दी से फ्रैंकन के दफ़्तर की ओर चल पड़ा।
जब वह अंदर आया और फ्रैंकन के चेहरे पर एक आशीर्वाद जैसी मुस्कान देखी, तो उसे एक पल के लिए अजीब सा अपराधबोध हुआ। उसने स्नेहपूर्वक फ्रैंकन के कंधों को छुआ और धीरे से कहा: "मैं बहुत खुश हूँ, गाइ, मैं बहुत खुश हूँ..."
"मुझे हमेशा से इसकी उम्मीद थी," फ्रैंकन ने धीमी आवाज़ में कहा, "लेकिन अब मुझे सही लग रहा है।"
अब यह बिल्कुल सही है कि यह सब तुम्हारा हो जाए, पीटर, यह सब कुछ, यह कमरा, सब कुछ, जल्द ही।"
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
“चलो, तुम हमेशा समझते हो। मैं थक गई हूँ, पीटर। तुम्हें पता है, एक समय ऐसा आता है जब तुम इस तरह थक जाते हो कि बस... नहीं, तुम्हें पता नहीं होगा, तुम बहुत छोटे हो। लेकिन पीटर, यहाँ मेरा क्या काम है? मज़ेदार बात तो यह है कि अब मुझे किसी काम का होने का दिखावा करने की भी परवाह नहीं है... कभी-कभी मुझे ईमानदार रहना अच्छा लगता है।”
ये एक अच्छा एहसास है... खैर, शायद एक-दो साल और लग जाएं, लेकिन फिर मैं रिटायर हो जाऊंगा। उसके बाद सब कुछ तुम्हारा होगा। मुझे यहाँ थोड़ा और रुकना अच्छा लग सकता है—वैसे, मुझे ये जगह बहुत पसंद है—यहाँ बहुत चहल-पहल रहती

है, सब कुछ बढ़िया चल रहा है, लोग हमारा सम्मान करते हैं—फ्रैंकन एंड हेयर एक अच्छी कंपनी थी, है ना?—मैं ये सब क्या कर रहा हूं?
क्या कह रहे हो? फ्रैंकन और कीटिंग। फिर तो सिर्फ कीटिंग ही रह जाएगा.... पीटर," उसने धीरे से पूछा, "तुम खुश क्यों नहीं दिख रहे हो?"
"बेशक मैं खुश हूं, मैं बहुत आभारी हूं और सब कुछ ठीक है, लेकिन भला अभी रिटायर होने के बारे में क्यों सोचना चाहिए?"
"मेरा मतलब वो नहीं है। मेरा मतलब है—जब मैं कहती हूँ कि यह तुम्हारा होगा, तो तुम खुश क्यों नहीं दिखते? मैं... मैं चाहती हूँ कि तुम इस बात से खुश हो जाओ, पीटर।"
"भगवान के लिए, गाइ, तुम बहुत निराशावादी हो रहे हो, तुम..."
"पीटर, मेरे लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि तुम जो कुछ मैं तुम्हारे लिए छोड़ रहा हूँ उससे खुश रहो। तुम्हें उस पर गर्व होना चाहिए। और तुम्हें गर्व है ना, पीटर? है ना?"
"खैर, कौन नहीं चाहेगा?" उसने फ्रैंकन की ओर नहीं देखा। फ्रैंकन की आवाज़ में विनती का भाव उसे असहनीय लग रहा था।
"हाँ, कौन नहीं होगा? बिल्कुल... और आप कौन हैं, पीटर?"
"तुम क्या चाहते हो?" कीटिंग ने गुस्से से कहा।
"पीटर, मैं चाहता हूँ कि तुम मुझ पर गर्व करो," फ्रैंकन ने विनम्रता, सादगी और बेताबी से कहा। "मैं जानना चाहता हूँ कि मैंने कुछ हासिल किया है। मैं महसूस करना चाहता हूँ कि इसका कुछ अर्थ था। अंत में, मैं आश्वस्त होना चाहता हूँ कि यह सब व्यर्थ नहीं गया।"
"क्या आपको इस बात का यकीन नहीं है? क्या आपको यकीन नहीं है?" कीटिंग की आँखों में जानलेवा गुस्सा था, मानो फ्रैंकन अचानक उसके लिए खतरा बन गया हो।
"क्या बात है, पीटर?" फ्रैंकन ने नरमी से, लगभग उदासीनता से पूछा।
"तुम्हें धिक्कार है, तुम्हें कोई अधिकार नहीं है—निश्चित होने का तो बिल्कुल भी नहीं! तुम्हारी उम्र में, तुम्हारे नाम के साथ, तुम्हारी प्रतिष्ठा के साथ, तुम्हारे..."
"मैं पूरी तरह आश्वस्त होना चाहता हूँ, पीटर। मैंने बहुत मेहनत की है।"
"लेकिन तुम्हें यकीन नहीं है!" वह गुस्से से भरा और डरा हुआ था, इसलिए वह चोट पहुंचाना चाहता था, और उसने वह चीज़ फेंक दी जिससे सबसे ज़्यादा चोट पहुँच सकती थी, यह भूलकर कि इससे उसे चोट पहुँची, फ्रैंकन को नहीं, कि फ्रैंकन को पता नहीं चलेगा, कभी पता नहीं चला, और वह अंदाज़ा भी नहीं लगा सकता: "खैर, मैं एक ऐसे व्यक्ति को जानता हूँ जिसे अपने जीवन के अंत में यकीन होगा, जो इतना पक्का यकीन करेगा कि मैं इसके लिए उसका गला काट देना चाहूँगा!"
"कौन?" फ्रैंकन ने शांत भाव से, बिना किसी रुचि के पूछा।
"गाइ! गाइ, हमें क्या हो गया है? हम किस बारे में बात कर रहे हैं?"
"मुझे नहीं पता," फ्रैंकन ने कहा। वह थका हुआ लग रहा था।
उस शाम फ्रैंकन कीटिंग के घर डिनर के लिए आए। उन्होंने शानदार कपड़े पहने थे और श्रीमती कीटिंग का हाथ चूमते समय उनके चेहरे पर पुरानी शालीनता झलक रही थी। लेकिन बधाई देते समय उनका चेहरा गंभीर हो गया।
डोमिनिक और उसके पास उससे कहने के लिए कुछ खास नहीं था; जब उसने ऊपर उसकी ओर देखा तो उसकी आँखों में विनती का भाव था। उससे जिस तीखे, चुभने वाले उपहास की उसे उम्मीद थी, उसके बजाय उसे अचानक समझदारी दिखाई दी। उसने कुछ नहीं कहा, बस झुककर उसके माथे पर चुंबन किया और औपचारिकता से एक पल ज़्यादा देर तक अपने होंठ उसके सिर से हल्के से दबाए रखे। उसे कृतज्ञता की एक गर्म लहर महसूस हुई—और फिर वह डर गया। "डोमिनिक," उसने फुसफुसाते हुए कहा—बाकी लोग उसे सुन नहीं पाए—"तुम कितनी दुखी होगी..." वह खिलखिलाकर हंस पड़ी और उसका हाथ पकड़ लिया: "अरे नहीं, पिताजी, आप ऐसा कैसे कह सकते हैं!"

“मुझे माफ़ कर दो,” उसने बुदबुदाते हुए कहा, “मैं बस बेवकूफ हूँ... यह सचमुच अद्भुत है...”
पूरी शाम बिना बुलाए और बिना सूचना दिए मेहमान आते रहे, वे सभी लोग जिन्होंने खबर सुनी थी और आने को अपना सौभाग्य समझा।
कीटिंग को यह नहीं पता था कि उन्हें देखकर खुशी हुई या नहीं। जब तक समलैंगिकों को लेकर भ्रम बना रहा, तब तक सब ठीक लग रहा था। डोमिनिक का व्यवहार बेहद शालीन था। उसके हावभाव में उसे जरा भी व्यंग्य नहीं दिखा।
जब आखिरी मेहमान चला गया तब तक काफी रात हो चुकी थी और वे राखदानियों से भरे और खाली गिलासों के बीच अकेले रह गए थे। वे बैठक कक्ष के विपरीत छोरों पर बैठे थे, और कीटिंग उस पल को टालने की कोशिश कर रहा था जब उसे अब सोचना था।
“ठीक है, पीटर,” डोमिनिक ने उठते हुए कहा, “चलो इसे जल्दी खत्म करते हैं।”
जब वह अँधेरे में उसके बगल में लेटा था, उसकी इच्छा तो तृप्त हो गई थी, लेकिन उस निर्जीव शरीर ने, जिसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी, यहाँ तक कि घृणा भी नहीं दिखाई थी, उसे पहले से कहीं अधिक भूखा छोड़ दिया था। जब उसे लगा कि उस एकमात्र वशीकरण में वह पराजित हो गया है, जिसे वह उस पर थोपने की उम्मीद कर रहा था, तो उसके पहले फुसफुसाए शब्द थे: "तुम्हें नरक में जाना चाहिए!"
उसे उसकी ओर से कोई हलचल सुनाई नहीं दी।
फिर उसे वह खोज याद आई जिसे जुनून के क्षणों ने उसके दिमाग से मिटा दिया था।
“वह कौन था?” उसने पूछा।
“हावर्ड रोर्क,” उसने उत्तर दिया।
“ठीक है,” उसने झल्लाकर कहा, “अगर तुम नहीं बताना चाहती तो तुम्हें बताने की ज़रूरत नहीं है!”
उसने बत्ती जला दी। उसने उसे नग्न अवस्था में, सिर पीछे की ओर झुकाए हुए, स्थिर लेटे देखा। उसका चेहरा शांत, मासूम और निर्मल लग रहा था। उसने कहा...
छत की ओर देखते हुए, उसकी आवाज़ कोमल थी: "पीटर, अगर मैं यह कर सकती हूँ... तो अब मैं कुछ भी कर सकती हूँ..."
"अगर आपको लगता है कि मैं आपको बार-बार परेशान करूंगा, अगर यही आपका विचार है..."
"पीटर, जितनी बार या जितनी कम बार आप चाहें।"
अगली सुबह, नाश्ते के लिए भोजन कक्ष में प्रवेश करते ही, डोमिनिक ने अपनी प्लेट के ऊपर एक लंबा और सफेद फूलों का डिब्बा रखा हुआ पाया।
“यह क्या है?” उसने नौकरानी से पूछा। “इसे आज सुबह लाया गया था, महोदया, और निर्देश दिया गया था कि इसे नाश्ते की मेज पर रख दिया जाए।”
बॉक्स पर श्रीमती पीटर कीटिंग का पता लिखा था। डोमिनिक ने उसे खोला। उसमें सफेद लिली की कुछ शाखाएँ थीं, जो साल के इस समय ऑर्किड से भी कहीं अधिक भव्य और आलीशान थीं। साथ में एक छोटा सा कार्ड था जिस पर बड़े अक्षरों में एक नाम लिखा था, मानो अक्षरों में अभी भी किसी की तेज़ लिखावट की झलक थी, मानो वे गत्ते पर हँस रहे हों: "एल्सवर्थ एम. टूही।"
“कितना अच्छा!” कीटिंग ने कहा। “मुझे आश्चर्य हो रहा था कि कल तक हमें उनसे बिल्कुल भी कोई खबर क्यों नहीं मिली।”
"कृपया इन्हें पानी में डाल दो, मैरी," डोमिनिक ने नौकरानी को डिब्बा देते हुए कहा।
दोपहर में डोमिनिक ने टूही को फोन किया और उसे रात के खाने पर आमंत्रित किया।
कुछ दिनों बाद रात्रिभोज हुआ। कीटिंग की माँ ने किसी पूर्व योजना का बहाना बनाकर उस शाम के लिए समय निकाल लिया; उन्होंने खुद को यह समझाते हुए समझाया कि उन्हें बस चीजों के अभ्यस्त होने के लिए समय चाहिए। इसलिए भोजन कक्ष की मेज पर

केवल तीन ही स्थान थे, क्रिस्टल होल्डर में मोमबत्तियाँ थीं, और बीच में नीले फूलों और कांच के बुलबुलों का एक गुलदस्ता रखा था।
जब टूही ने प्रवेश किया तो उन्होंने दरबारी स्वागत समारोह के अनुरूप अपने मेज़बानों को झुककर प्रणाम किया। डोमिनिक एक ऐसी संभ्रांत महिला लग रही थीं जो हमेशा से ही संभ्रांत महिला रही हों और उन्हें किसी और रूप में कल्पना करना असंभव था।
"तो, एल्सवर्थ? तो?" कीटिंग ने हॉल, हवा और डोमिनिक को शामिल करते हुए एक इशारे के साथ पूछा।
“मेरे प्यारे पीटर,” टूही ने कहा, “चलिए स्पष्ट बात को छोड़ देते हैं।”
डोमिनिक आगे-आगे लिविंग रूम में दाखिल हुई। उसने डिनर ड्रेस पहनी हुई थी—एक सफेद साटन ब्लाउज जो पुरुषों के ब्लाउज की तरह सिला हुआ था, और एक लंबी काली स्कर्ट, जो उसके बालों की तरह सीधी और सरल थी।
उसकी कमर के पास स्कर्ट की पतली पट्टी यह जता रही थी कि दो हाथ उसकी कमर को पूरी तरह से घेर सकते हैं या बिना ज़्यादा मेहनत के उसे बीच से तोड़ सकते हैं।
छोटी आस्तीनों से उसकी बाहें खुली थीं, और उसने एक सादा सोने का कंगन पहना हुआ था, जो उसकी पतली कलाई के लिए बहुत बड़ा और भारी था। उसका रूप एक ऐसी शालीनता का मिश्रण था जो विकृति में तब्दील हो गई थी, एक ऐसी बुद्धिमत्तापूर्ण, खतरनाक परिपक्वता का आभास जो एक बहुत छोटी लड़की जैसी दिखने के कारण हासिल हुई थी।
"एल्सवर्थ, क्या यह अद्भुत नहीं है?" कीटिंग ने डोमिनिक को ऐसे देखते हुए कहा जैसे कोई भरे हुए बैंक खाते को देखता है।
"जितना मैंने उम्मीद की थी, उससे कम नहीं," टूही ने कहा। "और इससे ज्यादा भी नहीं।"
खाने की मेज पर कीटिंग ने ही ज़्यादातर बातें कीं। मानो उन्हें बोलने का जुनून सवार हो गया हो। वे शब्दों को इस तरह उछाल रहे थे जैसे कोई बिल्ली कैटनिप में लोट रही हो।
“दरअसल, एल्सवर्थ, आपको डोमिनिक ने आमंत्रित किया था। मैंने उनसे नहीं कहा था। आप हमारे पहले औपचारिक अतिथि हैं। मुझे लगता है यह बहुत बढ़िया है। मेरी पत्नी और मेरी सबसे अच्छी दोस्त। मुझे हमेशा से यह गलतफहमी थी कि आप दोनों एक-दूसरे को पसंद नहीं करते। पता नहीं ये ख्याल मुझे कहाँ से आते हैं। लेकिन यही बात मुझे बेहद खुश करती है—हम तीनों का एक साथ होना।”
“तो फिर तुम गणित में विश्वास नहीं करते, है ना, पीटर?” टूही ने कहा। “आश्चर्य क्यों? कुछ निश्चित संख्याओं के संयोजन से निश्चित परिणाम ही मिलते हैं। मान लीजिए कि डोमिनिक, तुम और मैं जैसे तीन लोग हैं—तो यही अपरिहार्य परिणाम होना चाहिए था।”
“लोग कहते हैं कि तीन लोगों की भीड़ होती है,” कीटिंग हँसते हुए बोले। “लेकिन यह बकवास है। दो लोग एक से बेहतर होते हैं, और कभी-कभी तीन लोग दो से बेहतर होते हैं, यह सब परिस्थितियों पर निर्भर करता है।”
टूही ने कहा, “उस पुरानी कहावत में बस एक ही गलती है, और वो ये कि ‘भीड़’ को अपमानजनक शब्द मान लिया जाता है। असल में, ये बिल्कुल उल्टा है। जैसा कि आप खुशी-खुशी खोज रहे हैं। मैं ये भी कहना चाहूंगा कि तीन एक रहस्यमयी संख्या है। जैसे कि पवित्र त्रिमूर्ति। या त्रिभुज, जिसके बिना फिल्म उद्योग का कोई अस्तित्व ही नहीं होता। त्रिभुज के इतने सारे रूप हैं, और ज़रूरी नहीं कि वो दुखद ही हों। जैसे हम तीनों—और मैं कर्ण की भूमिका निभा रहा हूं, जो कि बिल्कुल सही है, क्योंकि मैं अपने विपरीत ध्रुव की जगह ले रहा हूं, है ना डोमिनिक?”
वे लोग मिठाई खत्म कर ही रहे थे कि कीटिंग को फोन पर बुलाया गया। बगल वाले कमरे में उनकी अधीर आवाज़ सुनाई दे रही थी, जिसमें वे एक ड्राफ्ट्समैन को निर्देश दे रहे थे जो जल्दबाजी में देर रात तक काम कर रहा था।

नौकरों की तलाश में थी और मदद की ज़रूरत थी। टूही मुड़ा, डोमिनिक को देखा और मुस्कुराई। उसकी मुस्कान ने वो सब कह दिया जो उसके हाव-भाव पहले नहीं कह पा रहे थे। उसकी निगाहें उसकी ओर थीं, लेकिन चेहरे पर कोई भाव नहीं था, मानो वो उसकी बात को समझने से इनकार करने के बजाय स्वीकार कर रही हो। उसे इनकार का भाव ज़्यादा पसंद होता। लेकिन स्वीकार करना कहीं ज़्यादा तिरस्कारपूर्ण था।
तो डोमिनिक, तुम वापस हमारे समूह में आ गई हो?
“हां, एल्सवर्थ।”
"क्या अब दया की कोई गुहार नहीं चलेगी?"
"क्या ऐसा प्रतीत होता है कि इनकी आवश्यकता होगी?"
“नहीं। मैं तुम्हारी प्रशंसा करता हूँ, डोमिनिक... तुम्हें यह कैसा लगा? मुझे लगता है कि पीटर बुरा नहीं है, हालाँकि उतना अच्छा नहीं जितना वह आदमी जिसके बारे में हम दोनों सोच रहे हैं, जो शायद सबसे बेहतरीन है, लेकिन तुम्हें कभी सीखने का मौका नहीं मिलेगा।”
वह घृणा से भरी हुई नहीं लग रही थी; वह सचमुच हैरान दिख रही थी।
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो, एल्सवर्थ?"
"अरे, आओ मेरी प्यारी, अब दिखावा करने का समय बीत चुका है, है ना? कि की होल्कोम्बे के ड्राइंग रूम में रोर्क को देखते ही तुम उससे प्यार करने लगी थी—या यूँ कहूँ कि तुम उसके साथ सोना चाहती थी—लेकिन उसने तुम्हें ठुकराया नहीं—इसीलिए तुम्हारा बाद का सारा व्यवहार ऐसा रहा।"
“क्या तुमने यही सोचा था?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
“क्या यह स्पष्ट नहीं था? एक तिरस्कृत महिला। उतनी ही स्पष्ट जितना कि यह तथ्य कि रोर्क ही वह पुरुष होना चाहिए जिसे तुम चाहोगी। कि तुम उसे सबसे आदिम तरीके से चाहोगी। और यह कि उसे कभी पता ही नहीं चलेगा कि तुम्हारा अस्तित्व है।”
“मैंने तुम्हें ज़्यादा ही समझ लिया था, एल्सवर्थ,” उसने कहा। उसकी मौजूदगी में उसकी सारी दिलचस्पी ख़त्म हो गई थी, यहाँ तक कि सावधानी बरतने की ज़रूरत भी नहीं रही थी। वह ऊबी हुई लग रही थी। वह हैरान होकर भौंहें चढ़ा बैठा।
कीटिंग वापस आ गया। अपनी सीट पर जाते समय टूही ने उसके कंधे पर थपथपाया।
"जाने से पहले, पीटर, हमें स्टोडार्ड मंदिर के पुनर्निर्माण के बारे में थोड़ी बात करनी होगी। मैं चाहता हूं कि तुम उस पर भी जमकर चर्चा करो।"
“एल्सवर्थ...!” वह हांफते हुए बोला।
टूही हँस पड़ा। “ज़्यादा गंभीर मत बनो, पीटर। बस थोड़ी सी पेशेवर अशिष्टता है। डोमिनिक को बुरा नहीं लगेगा। वो भी एक पूर्व अख़बारकर्मी है।”
“क्या बात है, एल्सवर्थ?” डोमिनिक ने पूछा। “क्या तुम बहुत परेशान हो? हथियार तुम्हारे सामान्य स्तर के नहीं हैं।” वह उठी। “क्या हम ड्राइंग रूम में कॉफ़ी पिएं?”
हॉपटन स्टोडार्ड ने रोर्क से मिली पुरस्कार राशि में एक बड़ी रकम जोड़ दी, और स्टोडार्ड मंदिर का पुनर्निर्माण एल्सवर्थ टूही द्वारा चुने गए वास्तुकारों के एक समूह द्वारा उसके नए उद्देश्य के लिए किया गया: पीटर कीटिंग, गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट, जॉन एरिक स्नाइट और गस वेब नाम का एक व्यक्ति, जो चौबीस साल का था और सड़क पर संभ्रांत महिलाओं के पास से गुजरते समय अपशब्द बोलने का शौकीन था, और जिसने कभी भी खुद कोई वास्तुशिल्प परियोजना नहीं संभाली थी। इन चारों में से तीन का सामाजिक और पेशेवर रुतबा था; गस वेब का ऐसा कोई रुतबा नहीं था; टूही ने इसी कारण उसे शामिल किया था। चारों में से गस वेब की आवाज़ सबसे बुलंद और आत्मविश्वास सबसे अधिक था। गस वेब कहता था कि उसे किसी चीज़ से डर नहीं लगता; और वह सचमुच ऐसा ही सोचता था। वे सभी काउंसिल ऑफ़ अमेरिकन बिल्डर्स के सदस्य थे। अमेरिकन बिल्डर्स काउंसिल का विस्तार हो चुका था। स्टोडार्ड मुकदमे के बाद ए.जी.ए. के क्लब रूम में अनौपचारिक रूप से कई गंभीर चर्चाएँ हुईं। ए.जी.ए. का

एल्सवर्थ टूही के प्रति रवैया सौहार्दपूर्ण नहीं था, विशेष रूप से उनकी काउंसिल की स्थापना के बाद से।
लेकिन मुकदमे ने एक सूक्ष्म बदलाव ला दिया; कई सदस्यों ने बताया कि "वन स्मॉल वॉइस" में छपे लेख ने ही स्टोडार्ड मुकदमे को जन्म दिया था; और जो व्यक्ति मुवक्किलों को मुकदमा करने के लिए मजबूर कर सकता है, उससे सावधान रहना चाहिए। इसलिए सुझाव दिया गया कि एल्स्वर्थ टूही को ए.जी.ए. के एक लंच कार्यक्रम में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया जाए। कुछ सदस्यों ने आपत्ति जताई, जिनमें गाय फ्रैंकन भी शामिल थे।
सबसे मुखर विरोध करने वालों में एक युवा वास्तुकार था, जिसने एक प्रभावशाली भाषण दिया। सार्वजनिक रूप से पहली बार बोलने की शर्मिंदगी से उसकी आवाज़ कांप रही थी। उसने कहा कि वह एल्सवर्थ टूही का प्रशंसक था और हमेशा से उनके सामाजिक आदर्शों से सहमत था, लेकिन अगर लोगों के एक समूह को लगता है कि कोई व्यक्ति उन पर हावी हो रहा है, तो यही वह समय है जब ऐसे व्यक्ति से लड़ना चाहिए। बहुमत ने उसकी बात नहीं मानी। एल्सवर्थ टूही को दोपहर के भोजन पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया, उपस्थिति बहुत अधिक थी और टूही ने एक हास्यपूर्ण और शालीन भाषण दिया। ए.जी.ए. के कई सदस्य काउंसिल ऑफ अमेरिकन बिल्डर्स में शामिल हुए, जिनमें जॉन एरिक स्नाइट पहले सदस्यों में से एक थे।
स्टोडार्ड के पुनर्निर्माण के प्रभारी चार वास्तुकार कीटिंग के कार्यालय में एक मेज के चारों ओर मिले, जिस पर उन्होंने मंदिर के ब्लूप्रिंट, ठेकेदार से प्राप्त रोर्क के मूल रेखाचित्रों की तस्वीरें और कीटिंग द्वारा बनवाया गया एक मिट्टी का मॉडल फैलाया था। उन्होंने मंदी और भवन निर्माण उद्योग पर इसके विनाशकारी प्रभाव के बारे में बात की; उन्होंने महिलाओं के बारे में बात की, और गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट ने कुछ अश्लील चुटकुले सुनाए। फिर गस वेब ने मुट्ठी उठाई और उसे ज़ोर से मॉडल की छत पर मारा, जो पूरी तरह से सूखी नहीं थी और चपटी होकर फैल गई थी। "चलो लड़कों," उसने कहा, "काम पर लगें।" "गस, कमीने," कीटिंग ने कहा, "इस चीज़ पर पैसे लगे हैं।" "भाड़ में जाओ!" गस ने कहा, "हम इसके लिए पैसे नहीं देंगे।"
उनमें से प्रत्येक के पास मूल रेखाचित्रों की तस्वीरों का एक सेट था, जिनके कोने में "हावर्ड रोर्क" के हस्ताक्षर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कई शामें और कई सप्ताह मूल रेखाचित्रों पर अपने-अपने संस्करण बनाने, उन्हें सुधारने और बेहतर बनाने में बिताए। उन्होंने आवश्यकता से अधिक समय लिया। उन्होंने आवश्यकता से अधिक बदलाव किए। ऐसा लगता था कि उन्हें ऐसा करने में आनंद मिलता था। बाद में, उन्होंने चारों संस्करणों को एक साथ रखा और एक सहयोगात्मक टीम बनाई। उनमें से किसी ने भी पहले कभी किसी काम का इतना आनंद नहीं लिया था। उनकी लंबी, सौहार्दपूर्ण बैठकें होती थीं। कुछ मामूली मतभेद भी हुए, जैसे कि गस वेब ने कहा: "अरे गॉर्डन, अगर रसोई तुम्हारी होने वाली है, तो शौचालय भी मेरे होने चाहिए," लेकिन ये केवल सतही बातें थीं। उनमें एकता की भावना और एक-दूसरे के लिए एक चिंतित स्नेह था, उस तरह का भाईचारा जो किसी व्यक्ति को गिरोह की चुगली करने के बजाय कड़ी पूछताछ सहने के लिए प्रेरित करता है।
स्टोडार्ड मंदिर को तोड़ा नहीं गया, बल्कि उसकी संरचना को पाँच मंजिलों में विभाजित किया गया, जिनमें छात्रावास, विद्यालय कक्ष, औषधालय, रसोईघर और वस्त्रगृह बनाए गए। प्रवेश कक्ष में रंगीन संगमरमर बिछाया गया था, सीढ़ियों पर हाथ से गढ़ी हुई एल्युमीनियम की रेलिंग थीं, स्नानघर कांच से घिरे थे और मनोरंजन कक्षों में सोने की परत चढ़े कोरिंथियन स्तंभ थे। विशाल खिड़कियों को वैसे ही छोड़ दिया गया, उन पर केवल फ्रेम की रेखाएँ ही बनी हुई थीं।
चारों वास्तुकारों ने सामंजस्य का प्रभाव प्राप्त करने का निर्णय लिया था और इसलिए किसी भी ऐतिहासिक शैली को उसके शुद्ध रूप में उपयोग न करने का निर्णय लिया।

पोटर कोटेंग ने मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर बने सफेद संगमरमर के अर्ध-डोरिक पोर्टिको और विनीशियन बालकनियों को डिज़ाइन किया, जिनके लिए नए दरवाजे बनाए गए थे। जॉन एरिक स्नाइट ने छोटे अर्ध-गॉथिक शिखर को डिज़ाइन किया। इसके ऊपर एक क्रॉस बना हुआ है, और दीवारों के चूना पत्थर में शैलीबद्ध एकैंथस पत्तियों की पट्टियाँ उकेरी गई हैं। गार्डन एल.
प्रेस्कॉट ने अर्ध-पुनर्जागरण शैली की कॉर्निस और तीसरी मंज़िल से बाहर निकली कांच से घिरी हुई छत को डिजाइन किया। गस वेब ने मूल खिड़कियों को फ्रेम करने के लिए घनाकार अलंकरण और छत पर आधुनिक नियॉन साइन डिजाइन किया, जिस पर लिखा था: "हॉप्टन स्टोडार्ड होम फॉर सेंबनॉर्मल चिल्ड्रन।"
गस वेब ने बनकर तैयार हुई इमारत को देखते हुए कहा, "क्रांति आएगी और देश के हर बच्चे के पास ऐसा ही घर होगा!"
इमारत का मूल आकार स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। यह किसी ऐसे शव की तरह नहीं था जिसके टुकड़े दयापूर्वक बिखेर दिए गए हों; यह किसी ऐसे शव की तरह था जिसे टुकड़ों में काटकर फिर से जोड़ा गया हो।
सितंबर में गृह में रहने वाले लोग रहने लगे। टूही ने एक छोटा, कुशल स्टाफ चुना। योग्य बच्चों को ढूंढना मुश्किल था। उनमें से अधिकांश को अन्य संस्थानों से लाया गया था। तीन से पंद्रह वर्ष की आयु के पैंसठ बच्चों को दयालु और उत्साही महिलाओं ने चुना, जिन्होंने ठीक हो सकने वाले बच्चों को अस्वीकार कर दिया और केवल असाध्य मामलों को ही चुना। उनमें एक पंद्रह वर्षीय लड़का था जिसने कभी बोलना नहीं सीखा था; एक मुस्कुराता हुआ बच्चा जिसे पढ़ना-लिखना नहीं सिखाया जा सकता था; एक लड़की जो बिना नाक के पैदा हुई थी, जिसका पिता ही उसका दादा था; एक व्यक्ति जिसका नाम "जैकी" था, जिसकी उम्र या लिंग के बारे में कोई निश्चित नहीं था। वे अपने नए घर में दाखिल हुए, उनकी आँखें खाली-खाली सी घूर रही थीं, मृत्यु की ऐसी निगाहें जिनके सामने कोई दुनिया नहीं थी।
गर्मियों की शामों में पास की झुग्गियों के बच्चे चुपके से स्टोडार्ड होम के पार्क में घुस जाते थे और बड़ी खिड़कियों के बाहर बने खेल के कमरों, व्यायामशाला और रसोई को बड़ी उम्मीदों से देखते रहते थे।
इन बच्चों के कपड़े गंदे थे, चेहरे मैले थे, फुर्तीले छोटे शरीर थे, शरारती मुस्कान थी और आँखें एक प्रचंड, दबंग और मांग भरी बुद्धि से चमक रही थीं। गृह की प्रभारी महिलाओं ने उन्हें "छोटे गुंडे" कहकर गुस्से से भगा दिया।
महीने में एक बार प्रायोजकों का एक प्रतिनिधिमंडल गृह का दौरा करने आता था। यह एक प्रतिष्ठित समूह था जिनके नाम कई विशिष्ट रजिस्टरों में दर्ज थे, हालांकि किसी व्यक्तिगत उपलब्धि ने उन्हें वहां तक नहीं पहुंचाया था। यह मिंक कोट और हीरे की क्लिप पहने लोगों का समूह था; कभी-कभी, एक डॉलर का सिगार और एक चमकदार डर्बी टोपी भी दिखाई देती थी।
ब्रिटिश दुकानदारों के बीच, एल्सवर्थ टूही हमेशा उन्हें गृह का भ्रमण कराने के लिए उपस्थित रहते थे। निरीक्षण से मिंक कोट अधिक गर्म प्रतीत होते थे और उन्हें पहनने वालों का उन पर अधिकार निर्विवाद हो जाता था, क्योंकि यह श्रेष्ठता और परोपकारी गुणों को एक साथ स्थापित करता था, जो मुर्दाघर के दौरे से कहीं अधिक प्रभावशाली प्रदर्शन था। ऐसे निरीक्षण से लौटते समय, एल्सवर्थ टूही को उनके द्वारा किए जा रहे अद्भुत कार्य के लिए विनम्रतापूर्वक प्रशंसा मिलती थी, और उन्हें अपने अन्य मानवीय कार्यों, जैसे प्रकाशन, व्याख्यान पाठ्यक्रम, रेडियो मंच और सामाजिक अध्ययन कार्यशाला के लिए चेक प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होती थी।
कैथरीन हेल्सी को बच्चों की ऑक्यूपेशनल थेरेपी का प्रभार सौंपा गया और वह स्थायी निवासी के रूप में उस गृह में रहने लगीं।

उसने पूरे जोश के साथ अपना काम शुरू किया। वह हर किसी से, जो भी सुनने को तैयार होता, इस बारे में लगातार बात करती रहती थी। उसकी आवाज़ रूखी और बेपरवाह थी। बोलते समय, उसके होंठों की हरकतें उसकी नाक से ठुड्डी तक हाल ही में बनी दो लकीरों को छुपा देती थीं; लोग चाहते थे कि वह अपना चश्मा न उतारे; उसकी आँखें देखने में अच्छी नहीं थीं। वह आक्रामक ढंग से कहती थी कि उसका काम दान नहीं, बल्कि "मानव उद्धार" है।
उनके दिन का सबसे महत्वपूर्ण समय बच्चों की कला गतिविधियों के लिए निर्धारित एक घंटा था, जिसे "रचनात्मक कील" के नाम से जाना जाता था। इसके लिए एक विशेष कमरा था - एक ऐसा कमरा जहाँ से दूर स्थित शहर का नज़ारा दिखता था - जहाँ बच्चों को सामग्री दी जाती थी और उन्हें कैथरीन के मार्गदर्शन में स्वतंत्र रूप से रचना करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता था, जो जन्म के समय उपस्थित देवदूत की तरह उन पर नजर रखती थीं।
उस दिन कैथरीन बहुत खुश थी जब जैकी, जो उन सबमें सबसे कम होनहार थी, ने अपनी कल्पना की एक कृति पूरी कर ली। जैकी ने मुट्ठी भर रंगीन फेल्ट के टुकड़े और गोंद का एक डिब्बा उठाया और उन्हें कमरे के एक कोने में ले गई। उस कोने में दीवार से एक तिरछी पट्टी निकली हुई थी—जिस पर प्लास्टर किया गया था और हरे रंग से रंगा गया था—यह रोर्क द्वारा मंदिर के आंतरिक भाग के मॉडल का अवशेष था, जो कभी सूर्यास्त के समय प्रकाश के घटने को नियंत्रित करता था। कैथरीन जैकी के पास गई और उसने पट्टी पर फैले हुए एक कुत्ते की जानी-पहचानी आकृति देखी, भूरे रंग का, नीले धब्बों वाला और पाँच पैरों वाला। जैकी के चेहरे पर गर्व का भाव था। "अब समझ में आया ना?" कैथरीन ने अपने साथियों से कहा। "कितना अद्भुत और दिल को छूने वाला है! उचित प्रोत्साहन मिलने पर बच्चा कितनी तरक्की कर सकता है, यह कहना मुश्किल है। सोचो आगे क्या होता है।"

* * * * *

अगर उनकी रचनात्मक प्रवृत्ति में बाधा आती है तो उनकी छोटी सी आत्मा को ठेस पहुंचती है! उन्हें आत्म-अभिव्यक्ति का मौका देने से इनकार न करना बहुत ज़रूरी है। क्या आपने जैकी का चेहरा देखा?
डोमिनिक की मूर्ति बिक चुकी थी। किसी को नहीं पता था कि इसे किसने खरीदा। इसे एल्सवर्थ टूही ने खरीदा था।
रोर्क का दफ्तर सिकुड़कर एक कमरे का रह गया था। कॉर्ड बिल्डिंग के पूरा होने के बाद उन्हें कोई काम नहीं मिला। मंदी ने भवन निर्माण उद्योग को तहस-नहस कर दिया था; किसी के लिए भी काम बहुत कम था; कहा जा रहा था कि गगनचुंबी इमारत का निर्माण पूरा हो चुका है; वास्तुकार अपने दफ्तर बंद कर रहे थे।
कभी-कभार कुछ कमीशन मिलते रहते थे, और आर्किटेक्टों का एक समूह उनके आसपास रोटी की कतार में खड़े रहने वाले लोगों की तरह मंडराता रहता था। उनमें राल्स्टन होल्कोम्बे जैसे लोग भी थे, जिन्होंने कभी भीख नहीं मांगी, लेकिन ग्राहक स्वीकार करने से पहले संदर्भ मांगते थे। जब रोर्क ने कमीशन पाने की कोशिश की, तो उन्हें इस तरह से अस्वीकार कर दिया गया मानो यह जताते रहे हों कि अगर उनमें इससे ज्यादा अक्ल नहीं है, तो शिष्टाचार का कोई फायदा नहीं। "रोर्क?" सतर्क व्यापारियों ने कहा। "ट्रैब्लाइड हीरो? आजकल पैसा इतना कम है कि बाद में मुकदमों पर बर्बाद करना ठीक नहीं है।"
उन्हें कुछ काम मिले, जैसे कि किराए के कमरों वाले मकानों का नवीनीकरण करना, जिसमें केवल दीवार बनाना और पाइपलाइन ठीक करना शामिल था। "इसे मत लो, हॉवर्ड," ऑस्टेन हेलर ने गुस्से से कहा। "तुम्हें इस तरह का काम देने की कितनी गुस्ताखी है! कॉर्ड बिल्डिंग जैसी गगनचुंबी इमारत के बाद। एनराइट हाउस के बाद।"
"मैं कुछ भी कर लूंगा," रोर्क ने कहा।

स्टोडार्ड पुरस्कार में कॉर्ड बिल्डिंग के लिए मिली फीस से भी ज़्यादा रकम चली गई थी। लेकिन उन्होंने कुछ समय तक गुज़ारा करने लायक पैसे बचा लिए थे। वे मैलोरी का किराया देते थे और उनके साथ अक्सर होने वाले भोजन का ज़्यादातर खर्च भी वही उठाते थे।
मैलोरी ने आपत्ति जताने की कोशिश की। रोर्क ने कहा, "चुप रहो, स्टीव। मैं यह तुम्हारे लिए नहीं कर रहा हूँ। ऐसे समय में मुझे खुद को कुछ सुख-सुविधाएँ देने का हक है। इसलिए मैं बस सबसे कीमती चीज़ खरीद रहा हूँ जो खरीदी जा सकती है—तुम्हारा।"
समय। मैं पूरे देश से प्रतिस्पर्धा कर रहा हूँ—और यह अपने आप में एक बड़ी बात है, है ना? वे चाहते हैं कि मैं बच्चों के लिए पट्टिकाएँ बनाऊँ और मैं नहीं, और मुझे अच्छा लगता है कि मैं उनके खिलाफ अपनी बात मनवा सकता हूँ।"
"हावर्ड, आप मुझसे किस काम पर काम करवाना चाहते हैं?"
मैं चाहता हूं कि आप बिना किसी से पूछे काम करें कि वह आपसे क्या काम करवाना चाहता है।
ऑस्टेन हेलर ने इसके बारे में मैलोरी से सुना और निजी तौर पर रोर्क से इस बारे में बात की।
"अगर तुम उसकी मदद कर रहे हो, तो मुझे भी तुम्हारी मदद क्यों नहीं करने देते?"
“अगर तुम कर सकते तो मैं तुम्हें करने देता,” रोर्क ने कहा। “लेकिन तुम नहीं कर सकते। उसे बस अपना समय चाहिए। वह ग्राहकों के बिना काम कर सकता है। मैं नहीं कर सकता।”
"हावर्ड, आपको परोपकारी की भूमिका में देखना मजेदार है।"
“आपको मेरा अपमान करने की ज़रूरत नहीं है। यह परोपकार नहीं है। लेकिन मैं आपको यह बता दूँ: ज़्यादातर लोग कहते हैं कि उन्हें दूसरों के दुख से मतलब है। मुझे नहीं है। फिर भी एक बात मेरी समझ से परे है। अगर वे किसी आदमी को सड़क पर खून बहते हुए देखें, जिसे किसी हिट-एंड-रन ड्राइवर ने बुरी तरह कुचल दिया हो, तो उनमें से ज़्यादातर लोग वहां से गुज़रेंगे भी नहीं। और उनमें से ज़्यादातर लोग स्टीवन मैलोरी की तरफ मुड़कर भी नहीं देखेंगे। लेकिन क्या वे नहीं जानते कि अगर दुख को मापा जा सकता, तो स्टीवन मैलोरी को अपने मनचाहे काम न कर पाने का जितना दुख है, उतना दुख किसी ट्रैक से कुचले गए पीड़ितों के पूरे समूह को भी नहीं है? अगर इस दुनिया के दर्द को कम करना ही है, तो क्या मैलोरी से शुरुआत करना सही नहीं होगा? ... लेकिन मैं यह इसलिए नहीं कर रहा हूँ।”
रोर्क ने पुनर्निर्मित स्टोडार्ड मंदिर कभी नहीं देखा था। नवंबर की एक शाम वह उसे देखने गया। उसे नहीं पता था कि यह पीड़ा के आगे आत्मसमर्पण था या उसे देखने के भय पर विजय।
रात हो चुकी थी और स्टोडार्ड होम का बगीचा सुनसान था।
इमारत में अंधेरा छाया हुआ था, ऊपर की मंजिल पर पीछे की खिड़की में एक हल्की रोशनी दिखाई दे रही थी। रोर्क काफी देर तक इमारत को देखता रहा।
ग्रीक बरामदे के नीचे का दरवाजा खुला और एक दुबला-पतला पुरुष बाहर आया। वह लापरवाही से सीढ़ियों से नीचे उतरा और फिर रुक गया।
“हैलो, मिस्टर रोर्क,” एल्सवर्थ टूही ने धीमी आवाज़ में कहा।
रोर्क ने बिना किसी जिज्ञासा के उसकी ओर देखा। "नमस्ते," रोर्क ने कहा।
"कृपया भाग मत जाओ।" आवाज उपहासपूर्ण नहीं, बल्कि गंभीर थी।
मैं ऐसा नहीं करने वाला था।
“मुझे लगता है कि मुझे पता था कि तुम एक दिन यहाँ आओगे और मुझे लगता है कि मैं तुम्हारे आने पर यहीं रहना चाहता था। मैंने इस जगह पर समय बिताने के लिए खुद को बहाने बनाना जारी रखा।” आवाज़ में कोई घमंड नहीं था; यह थकी हुई और सरल लग रही थी।

"कुआ?"
“आपको मुझसे बात करने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। देखिए, मैं आपके काम को समझता हूं। लेकिन मैं इसके बारे में क्या करता हूं, यह एक अलग बात है।”
आप इसके बारे में जो चाहें करने के लिए स्वतंत्र हैं।
“मैं आपके काम को डोमिनिक फ्रेंकन को छोड़कर, शायद किसी भी जीवित व्यक्ति से बेहतर समझता हूँ। और शायद उनसे भी बेहतर। यह बहुत बड़ी बात है, है ना, श्री रोर्क? आपके आस-पास ऐसे बहुत कम लोग हैं जो यह कह सकते हैं। यह एक ऐसा बंधन है जो आपके प्रति मेरे समर्पित, लेकिन अंधभक्त होने से कहीं अधिक गहरा है।”
मुझे पता था कि तुम समझ गए हो।
"तो फिर आपको मुझसे बात करने में कोई आपत्ति नहीं होगी।"
"किस बारे में?"
अंधेरे में ऐसा लगा मानो टूही ने आह भरी हो। थोड़ी देर बाद उसने इमारत की ओर इशारा करते हुए पूछा:
"आप इस बात को समझ सकते हो?"
रोर्क ने कोई जवाब नहीं दिया।
टूही ने धीमी आवाज़ में कहा: “यह आपको कैसा दिखता है? एक बेतरतीब अव्यवस्था की तरह? बहती हुई लकड़ियों के बेतरतीब संग्रह की तरह? एक मूर्खतापूर्ण अराजकता की तरह? लेकिन क्या यह सच में ऐसा ही है, श्री रोर्क? क्या आपको इसमें कोई तरीका नज़र नहीं आता? आप जो संरचना की भाषा और रूप का अर्थ जानते हैं, क्या आपको इसमें कोई उद्देश्य नहीं दिखता?”
मुझे इस पर चर्चा करने में कोई फायदा नहीं दिखता।
“श्रीमान रोर्क, हम यहाँ अकेले हैं। आप मुझे बताइए कि आप मेरे बारे में क्या सोचते हैं? आप जैसे चाहें वैसे कह सकते हैं। हमें कोई नहीं सुनेगा।”
लेकिन मैं तुम्हारे बारे में नहीं सोचता।
टूही के चेहरे पर ध्यानपूर्वक सुनने का भाव था, मानो वह भाग्य जैसी सरल बात को चुपचाप सुन रहा हो। वह चुप रहा, और रोर्क ने पूछा:
आप मुझसे क्या कहना चाहते थे?
टूही ने उसकी ओर देखा, और फिर उनके चारों ओर के नंगे पेड़ों की ओर, नीचे दूर बहती नदी की ओर, और नदी के उस पार फैले विशाल आकाश की ओर देखा।
“कुछ नहीं,” टूही ने कहा।
वह चला गया, सन्नाटे में बजरी पर उसके कदमों की चरमराहट, तेज और एक समान, जैसे किसी इंजन के पिस्टन के चटकने की आवाज।
रोर्क खाली सड़क के किनारे अकेला खड़ा होकर इमारत को देख रहा था।
भाग 3
गेल वायनांड
मैं
गेल वायनांड ने अपनी कनपटी पर बंदूक तान ली। उसे अपनी त्वचा पर एक धातु की अंगूठी का दबाव महसूस हुआ—और कुछ नहीं। हो सकता है उसने सीसे का पाइप या कोई गहना पकड़ रखा हो; यह महज़ एक छोटा सा गोला था जिसका कोई महत्व नहीं था। “मैं मरने वाला हूँ,” उसने ज़ोर से कहा—
और उसने जम्हाई ली।
उसे न राहत महसूस हुई, न निराशा, न डर। उसकी मृत्यु का क्षण उसे गंभीरता की गरिमा तक नहीं दे सका। वह एक गुमनाम क्षण था; कुछ मिनट पहले उसी हाथ में उसके पास टूथब्रश था; अब उसी सहज उदासीनता के साथ उसके हाथ में बंदूक थी। उसने सोचा, इस तरह मौत नहीं आती। मौत के लिए या तो अपार खुशी या एक स्वस्थ भय का अनुभव होना चाहिए। अंत को स्वीकार करना चाहिए। मुझे भय की एक लहर

महसूस हो और मैं ट्रिगर दबा दूंगा। लेकिन उसे कुछ भी महसूस नहीं हुआ।
उसने कंधे उचकाए और बंदूक नीचे रख दी। वह अपने बाएं हाथ की हथेली पर बंदूक थपथपाता हुआ खड़ा रहा। लोग हमेशा काली मौत या लाल मौत की बात करते हैं, उसने सोचा; गेल वायनांड, तुम्हारी मौत धूसर होगी। किसी ने कभी यह क्यों नहीं कहा कि यही सबसे भयानक चीज़ है? चीखें, विनतियाँ या कंपकंपी नहीं। किसी बड़ी आपदा की आग से शुद्ध हुई निर्मल शून्यता की उदासीनता नहीं। बल्कि यह—एक नीच, घिनौनी छोटी सी भयावहता, जो डराने में भी असमर्थ है। तुम ऐसा नहीं कर सकते, उसने ठंडी मुस्कान के साथ खुद से कहा; यह बहुत ही भद्दा लगेगा।
वह अपने शयनकक्ष की दीवार तक गया। उसका पेंटहाउस मैनहट्टन के केंद्र में स्थित एक विशाल आवासीय होटल की सत्तावनवीं मंजिल के ऊपर बना था, जिसका वह मालिक था; नीचे उसे पूरा शहर दिखाई देता था। शयनकक्ष पेंटहाउस की छत पर बना एक कांच का पिंजरा थी, जिसकी दीवारें और छत विशाल कांच की चादरों से बनी थीं। दीवारों पर धूल भरे नीले रंग के मखमली पर्दे लगे थे जिन्हें वह अपनी इच्छा अनुसार खींचकर कमरे को बंद कर सकता था; छत पर कुछ भी नहीं था। बिस्तर पर लेटे हुए वह अपने सिर के ऊपर तारों का अध्ययन कर सकता था, या बिजली की चमक देख सकता था, या अदृश्य सुरक्षा के बीच अपने ऊपर हवा में बारिश की बूंदों को उग्र, चमकदार सूर्य की किरणों में बदलते हुए देख सकता था। जब वह किसी महिला के साथ बिस्तर पर होता था तो उसे बत्तियाँ बुझाना और सारे पर्दे खोलना पसंद था। वह उससे कहता, "हम 60 लाख लोगों की नज़रों के सामने व्यभिचार कर रहे हैं।"
अब वह अकेला था। पर्दे खुले हुए थे। वह शहर को देखता हुआ खड़ा था। रात हो चुकी थी और नीचे फैली जगमगाती रोशनी धीरे-धीरे मंद पड़ने लगी थी। उसने सोचा कि उसे कई और वर्षों तक शहर को देखने में कोई आपत्ति नहीं है और उसे फिर कभी न देखने में भी कोई आपत्ति नहीं है।
वह दीवार से टिक गया और अपने पायजामे के पतले, गहरे रेशम से ढके हुए ठंडे कांच को महसूस किया। उसकी छाती की जेब पर सफ़ेद रंग से एक मोनोग्राम कढ़ाई किया हुआ था: GW, उसकी लिखावट से हूबहू, ठीक वैसे ही जैसे वह अपने नाम के पहले अक्षर एक शाही अंदाज में लिखता था।
लोगों का कहना था कि गेल वायनांड के कई छल में से सबसे बड़ा छल उसका रूप-रंग था। वह एक समृद्ध खानदान के बिगड़े हुए, अति-परिपूर्ण व्यक्ति जैसा दिखता था—और हर कोई जानता था कि वह गटर से आया था। वह लंबा था, शारीरिक सुंदरता के लिए बहुत दुबला-पतला, मानो उसकी सारी मांसलता और मांसपेशियां खत्म हो गई हों। उसे कठोरता का आभास देने के लिए सीधा खड़ा होने की आवश्यकता नहीं थी। किसी कीमती स्टील के टुकड़े की तरह, वह झुकता, टेढ़ा-मेढ़ा चलता और लोगों को अपने हाव-भाव का नहीं, बल्कि उस प्रचंड उछाल का एहसास कराता जो किसी भी क्षण उसे सीधा कर सकता था। यही संकेत उसके लिए काफी था; वह शायद ही कभी सीधा खड़ा होता था; वह इधर-उधर घूमता रहता था। वह जो भी कपड़े पहनता, यह उसे एक परिपूर्ण शालीनता का आभास देता था।
उनका चेहरा आधुनिक सभ्यता का नहीं, बल्कि प्राचीन रोम का था; एक शाश्वत कुलीन व्यक्ति का चेहरा। उनके बाल, जिनमें सफ़ेद रंग की धारियाँ थीं, ऊंचे माथे से पीछे की ओर करीने से संवारे हुए थे। उनकी त्वचा चेहरे की नुकीली हड्डियों पर कसी हुई थी; उनका मुँह लंबा और पतला था; तिरछी भौहों के नीचे उनकी आँखें हल्के नीले रंग की थीं और मानो दो व्यंग्यात्मक सफेद अंडाकारों की तरह लग रही थीं। एक बार एक कलाकार ने उनसे मेफ़िस्टोफेल्स की पेंटिंग के लिए बैठने को कहा था; वायनांड हँसे और मना कर दिया, और कलाकार उदास होकर देखता रहा, क्योंकि उनकी हँसी ने उनके चेहरे को उस पेंटिंग के लिए एकदम सही बना दिया था।

वह अपने शयनकक्ष के शीशे के सहारे लापरवाही से बैठा था, हथेली पर बंदूक का भार था। आज, उसने सोचा; आज क्या था? क्या कुछ ऐसा हुआ था जो अब मेरी मदद कर सके और इस पल को अर्थ दे सके?
आज का दिन भी बीते कई दिनों जैसा ही था, इसलिए चेहरे के कुछ खास भावों को पहचानना मुश्किल था। उनकी उम्र इक्यावन वर्ष थी और यह 1932 के अक्टूबर महीने का मध्य था; उन्हें इतना तो यकीन था; बाकी बातें उन्हें याद करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।
वह आज सुबह छह बजे उठा और कपड़े पहने; उसने अपने वयस्क जीवन में कभी भी चार घंटे से अधिक नींद नहीं ली थी। वह अपने भोजन कक्ष में गया जहाँ उसे नाश्ता परोसा गया।
उनका पेंटहाउस, एक छोटा सा ढांचा, एक विशाल छत के किनारे पर बना था जिसे बगीचे की तरह सजाया गया था। कमरे कलात्मकता का उत्कृष्ट नमूना थे; उनकी सादगी और सुंदरता किसी और के घर की होती तो लोग प्रशंसा से दंग रह जाते; लेकिन लोग यह जानकर सन्नाटे में डूब गए कि यह देश के सबसे अश्लील अखबार, न्यूयॉर्क बैनर के प्रकाशक का घर है।
नाश्ते के बाद वे अपने अध्ययन कक्ष में गए। उनकी मेज पर उस सुबह देश भर से प्राप्त सभी महत्वपूर्ण समाचार पत्र, पुस्तकें और पत्रिकाएँ ढेर लगी हुई थीं। वे तीन घंटे तक अकेले अपनी मेज पर काम करते रहे, पढ़ते रहे और छपे हुए पन्नों पर एक बड़ी नीली पेंसिल से संक्षिप्त नोट्स बनाते रहे। नोट्स किसी जासूस की लिखावट जैसे लग रहे थे; उन्हें कोई नहीं समझ पा रहा था सिवाय उस रूखी, अधेड़ उम्र की सचिव के जो वायनांड के जाने के बाद अध्ययन कक्ष में आती थी। उन्होंने पाँच वर्षों से उसकी आवाज़ नहीं सुनी थी, लेकिन उनके बीच किसी संवाद की आवश्यकता नहीं थी।
जब वह शाम को अपने अध्ययन कक्ष में लौटा, तो सचिव और कागजों का ढेर गायब हो चुका था; उसकी मेज पर साफ-सुथरे ढंग से टाइप किए गए पन्ने पड़े थे जिनमें वे चीजें लिखी थीं जिन्हें वह सुबह के काम से दर्ज करवाना चाहता था।
दस बजे वह बैनर बिल्डिंग पहुंचा, जो लोअर मैनहट्टन के एक साधारण से इलाके में स्थित एक सादी, मैली-कुचैली इमारत थी।
जब वह इमारत के संकरे गलियारों से गुजरा, तो रास्ते में मिले कर्मचारियों ने उसे सुप्रभात कहा। अभिवादन उचित था और उसने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया; लेकिन उसके गुजरने का प्रभाव किसी ऐसी घातक किरण जैसा था जिसने जीवित प्राणियों की गति रोक दी हो।
वायनांड एंटरप्राइजेज के सभी कर्मचारियों पर लागू किए गए कई सख्त नियमों में से सबसे सख्त नियम यह था कि श्री वायनांड के कमरे में प्रवेश करने पर कोई भी कर्मचारी अपना काम न रोके, न ही उनके आने पर ध्यान दे। कोई भी यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि वे किस विभाग में आएंगे और कब आएंगे। वे किसी भी क्षण इमारत के किसी भी हिस्से में प्रकट हो सकते थे—और उनकी उपस्थिति बिजली के झटके की तरह ही अदृश्य होती थी।
कर्मचारियों ने यथासंभव नियम का पालन करने की कोशिश की; लेकिन वे उसकी मूक निगरानी में दस मिनट काम करने के बजाय तीन घंटे का अतिरिक्त समय देना पसंद करते थे।
आज सुबह अपने दफ्तर में उन्होंने बैनर के रविवार के संपादकीय पत्रों की प्रतियों की जाँच की। उन्होंने उन पन्नों पर नीली रेखाएँ खींचीं जिन्हें वे हटाना चाहते थे। उन्होंने अपने नाम के पहले अक्षर नहीं लिखे; सबको पता था कि केवल गेल वायनांड ही इस तरह की नीली रेखाएँ खींच सकती थीं, ऐसी रेखाएँ जो मानो लेखकों का अस्तित्व ही मिटा देती हों।

उन्होंने प्रूफ रीडिंग पूरी की, फिर स्प्रिंगवेल, कंसास स्थित वायनांड हेराल्ड के संपादक से संपर्क करने का अनुरोध किया। जब उन्होंने अपने प्रांतों में फोन किया, तो पीड़ित को वायनांड का नाम कभी नहीं बताया गया।
उन्हें उम्मीद थी कि उनकी आवाज उनके साम्राज्य के हर प्रमुख नागरिक को जानी-पहचानी होगी।
जब संपादक ने जवाब दिया तो उन्होंने कहा, "सुप्रभात, कमिंग्स।"
“हे भगवान!” संपादक ने हांफते हुए कहा। “यह तो ...”
"हाँ," वायनांड ने कहा। "सुनो, कमिंग्स। अगर तुमने कल की तरह 'द लास्ट रोज़ ऑफ़ समर' पर एक और बकवास कहानी सुनाई, तो तुम वापस हाई स्कूल के बिगुल में जा सकते हो।"
जी हां, श्री वायनांड।
वायनांड ने फोन काट दिया। उन्होंने वाशिंगटन के एक प्रतिष्ठित सीनेटर से संपर्क कराने का अनुरोध किया।
“सुप्रभात, सीनेटर,” उन्होंने दो मिनट के भीतर ही फोन पर उस सज्जन के आने पर कहा। “इस कॉल का जवाब देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं आपका आभारी हूँ। मैं आपका समय बर्बाद नहीं करना चाहता। लेकिन मुझे लगा कि मुझे आपके प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए। मैंने आपको हेज़-लैंगस्टन विधेयक पारित कराने में आपके योगदान के लिए धन्यवाद देने के लिए फोन किया था।”
“लेकिन... श्री वायनांड!” सीनेटर की आवाज़ में थोड़ी हिचकिचाहट झलक रही थी। “आपकी मेहरबानी के लिए धन्यवाद, लेकिन... विधेयक अभी पारित नहीं हुआ है।”
"ओह, हाँ। मेरी गलती थी। यह कल पारित हो जाएगा।"
वायनांड एंटरप्राइजेज, इंक. के निदेशक मंडल की बैठक उस सुबह ग्यारह बजकर साढ़े ग्यारह बजे निर्धारित थी। वायनांड एंटरप्राइजेज़ में बाईस समाचार पत्र, सात पत्रिकाएँ, तीन समाचार सेवाएँ और दो समाचार रीलें शामिल थीं। वायनांड के पास कंपनी के पचहत्तर प्रतिशत शेयर थे। निदेशक मंडल अपने कार्यों या उद्देश्य को लेकर अनिश्चित था। वायनांड ने आदेश दिया था कि बोर्ड की बैठकें हमेशा समय पर शुरू हों, चाहे वह उपस्थित हो या न हो। आज वह बारह बजकर पच्चीस मिनट पर बोर्ड रूम में दाखिल हुआ। एक प्रतिष्ठित बुजुर्ग सज्जन भाषण दे रहे थे। निदेशक मंडल को वायनांड की उपस्थिति पर ध्यान देने या रुकने की अनुमति नहीं थी। वह महोगनी की लंबी मेज के शीर्ष पर स्थित खाली कुर्सी पर गया और बैठ गया। किसी ने उसकी ओर मुड़कर नहीं देखा; ऐसा लग रहा था मानो उस कुर्सी पर अभी-अभी कोई भूत बैठा हो, जिसकी उपस्थिति का उन्हें कोई आभास नहीं था।
वह यह बात स्वीकार करने की हिम्मत नहीं कर सका। उसने पंद्रह मिनट तक चुपचाप सुना। वह एक वाक्य के बीच में ही उठा और कमरे से वैसे ही बाहर निकल गया जैसे अंदर आया था।
अपने दफ्तर की एक बड़ी मेज पर उन्होंने स्टोनरिज के नक्शे फैलाए, जो उनका नया रियल एस्टेट प्रोजेक्ट था, और अपने दो एजेंटों के साथ आधे घंटे तक इस पर चर्चा की। उन्होंने लॉन्ग आइलैंड पर ज़मीन का एक विशाल टुकड़ा खरीदा था, जिसे स्टोनरिज डेवलपमेंट में बदला जाना था। यह छोटे मकान मालिकों की एक नई बस्ती थी, जहां हर फुटपाथ, सड़क और घर गेल वायनांड द्वारा बनाया जाना था। उनके रियल एस्टेट कारोबार के बारे में जानने वाले कुछ लोगों ने उन्हें पागल कहा था। यह एक ऐसा साल था जब किसी ने भी निर्माण के बारे में नहीं सोचा था। लेकिन गेल वायनांड ने उन फैसलों से अपनी दौलत बनाई थी जिन्हें लोग पागलपन कहते थे।
स्टोनरिज को डिजाइन करने के लिए वास्तुकार का चयन नहीं हुआ था। परियोजना की खबर धीरे-धीरे वास्तुकारों के बीच फैल गई थी। कई हफ्तों तक वायनांड ने देश के

सर्वश्रेष्ठ वास्तुकारों और उनके मित्रों के पत्रों को पढ़ने या फोन का जवाब देने से इनकार कर दिया था। जब उनकी कान्फ्रेंस समाप्त हुई और उनके सचिव ने उन्हें बताया कि श्री राल्स्टन होल्कोम्बे को उनसे फोन पर दो मिनट का समय चाहिए, तब भी उन्होंने एक बार फिर इनकार कर दिया।
एजेंटों के चले जाने के बाद, वायनांड ने अपनी मेज पर एक बटन दबाकर अल्वाह स्कारेट को बुलाया। स्कारेट मुस्कुराते हुए कार्यालय में दाखिल हुआ। वह हमेशा एक ऑफिस बॉय की तरह उत्सुकता और उत्साह से उस बटन को दबाता था।
“अल्वाह, आखिर यह गैलंट गॉलस्टोन क्या होता है?”
स्कारेट हंस पड़ी। "ओह, वह? यह तो एक उपन्यास का शीर्षक है। लोइस कुक द्वारा लिखित।"
“किस तरह का उपन्यास?”
“अरे, ये तो बस सरासर बकवास है। इसे एक तरह की गद्य कविता होना चाहिए था।” यह सब एक पित्ताशय की पथरी के बारे में है जो खुद को एक स्वतंत्र इकाई समझती है, पित्ताशय की थैली की एक तरह की अंडियल और अकड़ पथरी, अगर आप मेरी बात समझ रहे हैं तो। फिर वह आदमी अरंडी के तेल की एक बड़ी खुराक लेता है—इसके परिणामों का विस्तृत वर्णन है—मुझे यकीन नहीं है कि यह चिकित्सकीय रूप से सही है, लेकिन खैर, इसी के साथ उस घमंडी पित्ताशय की पथरी का अंत हो जाता है। यह सब इस बात को साबित करने के लिए है कि स्वतंत्र इच्छा जैसी कोई चीज नहीं होती।
इसकी कितनी प्रतियां बिक चुकी हैं?
मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि बहुत ज्यादा लोग नहीं होंगे। सिर्फ बुद्धिजीवियों के बीच ही होंगे।
लेकिन मैंने सुना है कि हाल ही में इसमें कुछ तेजी आई है, और..."
“बिल्कुल सही। अल्वाह, यहां क्या चल रहा है?”
“क्या? ओह, आपका मतलब है कि आपने उन कुछ उल्लेखों पर ध्यान दिया जो...”
"मेरा मतलब है कि मैंने पिछले कुछ हफ्तों में बैनर में हर जगह यही देखा है।"
बहुत ही बढ़िया किया है, अगर मुझे यह पता लगाने में इतना समय लग गया कि यह संयोग नहीं था।
"आपका क्या मतलब है?"
“मेरा मतलब क्या है? वो खास शीर्षक लगातार, सबसे अनुचित जगहों पर क्यों दिखाई देता है? एक दिन वो किसी हत्यारे की फांसी को पुलिस खबर में होता है, जिसे ‘वीर पित्त पथरी की तरह बहादुरी से मरा’। दो दिन बाद वो अल्बानी के एक राजकीय समाचार पत्र के सोलहवें पृष्ठ पर होता है। ‘सीनेटर हेज़लटन खुद को एक स्वतंत्र व्यक्ति समझते हैं, लेकिन शायद वो सिर्फ एक वीर पित्त पथरी ही हों।’ फिर वो शोक संदेशों में होता है। कल वो महिलाओं के पृष्ठ पर था। आज वो कॉमिक्स में है। स्नूक्सी अपने अमीर मकान मालिक को वीर पित्त पथरी कहता है।”
स्कारेट ने शांति से खिलखिलाते हुए कहा, "हाँ, क्या यह मूर्खतापूर्ण नहीं है?"
“मुझे पहले तो यह बेवकूफी भरा लगा। अब ऐसा नहीं लगता।”
"लेकिन छोड़ो भी, गेल! ऐसा तो है नहीं कि ये कोई बड़ा मुद्दा था और हमारे लेखकों ने इसे खूब उछाला हो। ये तो बस मामूली मामले हैं, चालीस डॉलर प्रति सप्ताह वाले।"
“यही तो मुख्य बात है। उनमें से एक। दूसरी बात यह है कि यह किताब कोई मशहूर बेस्टसेलर नहीं है। अगर होती, तो मैं समझ सकता था कि शीर्षक अपने आप उनके दिमाग में आ जाता। लेकिन ऐसा नहीं है। तो कोई तो है जो इसे उनके दिमाग में ला रहा है। क्यों?”
“अरे, गेल! भला कोई क्यों इसमें पड़ना चाहेगा? और हमें इससे क्या फर्क पड़ता है? अगर यह कोई राजनीतिक मुद्दा होता... लेकिन भला, स्वतंत्र इच्छा का समर्थन करने या उसके खिलाफ बोलने से किसे क्या फायदा होगा?”

"क्या इस प्लग को लगाने के बारे में किसी ने आपसे सलाह ली थी?"
“नहीं। मैं आपको बताता हूँ, इसके पीछे कोई नहीं है। यह बस सहज रूप से हुआ है। बस बहुत सारे लोग थे जिन्हें लगा कि यह एक मजेदार मजाक है।”
"यह बात आपने सबसे पहले किससे सुनी थी?"
मुझे नहीं पता... मुझे देखने दीजिए... यह... हां, मुझे लगता है कि यह एल्सवर्थ टूही था।"
“इसे बंद करवाइए। श्री टूही को ज़रूर बता दीजिएगा।”
"ठीक है, अगर आप ऐसी कहते हैं। लेकिन यह वास्तव में कुछ भी नहीं है। बस बहुत सारे लोग अपना मनोरंजन कर रहे हैं।"
मुझे यह पसंद नहीं है कि कोई मेरे अखबार पर अपना मनोरंजन करे।
“जी हां, गेल।”
दोपहर दो बजे, महिला क्लबों के राष्ट्रीय सम्मेलन द्वारा आयोजित दोपहर के भोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में वायनांड पहुंचे। वे अध्यक्ष के दाहिनी ओर बैठे, एक गूंजते हुए भोज कक्ष में जो फूलों की खुशबू (गार्डनिया और स्वीट पीज़) और तले हुए चिकन की महक से भरा हुआ था। दोपहर के भोजन के बाद वायनांड ने भाषण दिया। सम्मेलन विवाहित महिलाओं के लिए करियर की वकालत कर रहा था; वायनांड के अखबारों ने कई वर्षों तक विवाहित महिलाओं के रोजगार के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। वायनांड ने बीस मिनट तक भाषण दिया और कुछ खास नहीं कहा; फिर भी उन्होंने यह आभास कराया कि वे बैठक में व्यक्त की गई हर भावना का समर्थन करते हैं। गेल वायनांड का श्रोताओं, विशेषकर महिलाओं के श्रोताओं पर, ऐसा प्रभाव कोई भी आज तक नहीं समझा पाया था। उन्होंने कुछ भी असाधारण नहीं किया; उनकी आवाज धीमी, धातु जैसी, नीरस सी थी; वे बहुत ही सटीक थे, मानो शुद्धता पर जानबूझकर व्यंग्य कर रहे हों। फिर भी उन्होंने सभी श्रोताओं को मोहित कर लिया।
लोगों का कहना था कि यह उनकी सूक्ष्म, विशाल पौरुषता थी; इसी वजह से स्कूल, घर और परिवार के बारे में बात करते समय उनकी विनम्र आवाज ऐसी लगती थी मानो वह वहां मौजूद हर बूढ़ी औरत के साथ प्रेम कर रहे हों।
अपने दफ्तर लौटकर वायनांड सिटी रूम में रुक गए। एक ऊँची मेज पर खड़े होकर, हाथ में एक बड़ी नीली पेंसिल लिए, उन्होंने सादे कागज़ की एक विशाल शीट पर, एक इंच ऊँचे अक्षरों में, महिलाओं के लिए करियर के सभी समर्थकों की निंदा करते हुए एक शानदार, निर्मम संपादकीय लिखा। अंत में GW नीली लौ की लकीर की तरह चमक रहा था। उन्होंने लेख को दोबारा नहीं पढ़ा—उन्हें कभी इसकी ज़रूरत नहीं पड़ी—बल्कि उसे सामने दिख रहे पहले संपादक की मेज पर फेंक दिया और कमरे से बाहर निकल गए।
दोपहर ढलने के बाद, जब वायनांड अपने कार्यालय से निकलने ही वाले थे, तभी उनके सचिव ने घोषणा की कि एल्सवर्थ टूही उनसे मिलने की अनुमति मांग रहे हैं। वायनांड ने कहा, "उन्हें अंदर आने दीजिए।"
टूही अंदर आया, उसके चेहरे पर एक सतर्क, अर्ध-मुस्कान थी, एक ऐसी मुस्कान जो खुद का और अपने बॉस का मज़ाक उड़ा रही थी, लेकिन उसमें संतुलन का एक सूक्ष्म भाव था, जिसका साठ प्रतिशत हिस्सा उसी पर निर्देशित था। वह जानता था कि वायनांड उसे देखना नहीं चाहता था, और उसका स्वागत होना उसके हित में नहीं था।
वायनांड अपनी डेस्क के पीछे बैठे थे, उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। उनके माथे पर तिरछी दो लकीरें हल्की-हल्की उभरी हुई थीं, जो उनकी झुकी हुई भौहों के समानांतर थीं। यह एक विचित्र विशेषता थी जो कभी-कभी उनके चेहरे पर दिखाई देती थी; इससे दोहरी छवि का आभास होता था, एक अशुभ संकेत मिलता था।
"बैठ जाइए, श्री टूही। मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ?"
“ओह, श्रीमान वायनांड, मैं इससे कहीं अधिक अभिमानी हूँ,” टूही ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। “मैं आपकी सेवाओं का अनुरोध करने नहीं, बल्कि अपनी सेवाएं देने आया हूँ।”

“किस मामले में?”
स्टोनरिज।
वायनांड के माथे पर तिरछी रेखाएं अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं।
"स्टोनरिज के लिए एक अखबार का स्तंभकार किस काम का हो सकता है?"
“एक अखबार स्तंभकार—नहीं, श्री वायनांड। लेकिन एक वास्तुकला विशेषज्ञ...” टूही ने व्यंग्यात्मक प्रश्न चिह्न के साथ अपनी आवाज़ धीमी कर दी।
अगर टूही की निगाहें विनांड पर अभद्रता से न टिकी होतीं, तो उसे तुरंत दफ्तर से बाहर निकाल दिया जाता। लेकिन उस नज़र ने विनांड को बता दिया कि टूही जानता था कि वास्तुकारों की सिफ़ारिश करने वालों ने उसे किस हद तक परेशान किया था और उसने उनसे बचने की कितनी कोशिश की थी; और टूही ने इस मुलाकात को एक ऐसे उद्देश्य के लिए हासिल करके उसे मात दे दी थी जिसकी विनांड ने उम्मीद नहीं की थी।
टूही की इस धृष्टता ने विनांड को हंसाया, जैसा कि टूही को पता था कि ऐसा ही होगा।
“ठीक है, एम. टूही। आप किसे बेच रहे हैं?”
“पीटर कीटिंग।”
"कुंआ?"
"मैं क्षमा चाहता हूँ?"
"ठीक है, उसे मुझे बेच दो।"
टूही को रोका गया, फिर उसने उत्साह से कंधे उचकाए और पानी में कूद गया:
आप यह तो समझते ही हैं कि मेरा श्रीमान से कोई संबंध नहीं है।
मैं किसी भी तरह से कीटिंग के साथ नहीं हूं। मैं तो बस उसका और तुम्हारा दोस्त होने के नाते व्यवहार कर रहा हूं।” आवाज़ में अनौपचारिकता झलक रही थी, लेकिन उसमें कुछ आत्मविश्वास की कमी आ गई थी। “सच कहूं तो, मुझे पता है यह घिसा-पिटा लगता है, लेकिन मैं और क्या कह सकता हूं? यह बस सच है।” वायनांड ने उसकी मदद नहीं की।
“मैंने यहाँ आने का साहस इसलिए किया क्योंकि मुझे लगा कि आपको अपनी राय देना मेरा कर्तव्य है। नहीं, नैतिक कर्तव्य नहीं। इसे सौंदर्यपरक कर्तव्य कह लीजिए। मैं जानता हूं कि आप जो भी करते हैं उसमें सर्वश्रेष्ठ की अपेक्षा रखते हैं। आपके मन में जिस अंकार की परियोजना है, उसके लिए पीटर कीटिंग की दक्षता, रुचि, मौलिकता और कल्पनाशीलता के बराबर कोई दूसरा जीवित वास्तुकार नहीं है। श्रीमान, यह बात...”
वायनांड, यह मेरी सच्ची राय है।"
मुझे आपकी बात पर पूरा यकीन है।
"आप कर?"
“बिल्कुल। लेकिन, श्री टूही, मुझे आपकी राय पर विचार क्यों करना चाहिए?”
“खैर, आखिर मैं ही तो आपका वास्तुकला विशेषज्ञ हूं!” वह अपनी आवाज में गुस्से की झलक छिपा नहीं सका।
"मेरे प्रिय श्री टूही, मुझे मेरे पाठकों से भ्रमित न करें।"
कुछ देर बाद, टूही पीछे की ओर झुक गया और हंसते हुए बेबसी में अपने हाथ फैला दिए।
"सच कहूँ तो, श्री वायनांड, मुझे नहीं लगा था कि मेरी बात का आप पर कोई खास असर पड़ेगा। इसलिए मेरा इरादा आपको पीटर कीटिंग को बेचने का नहीं था।"
“नहीं? आपका इरादा क्या था?”
"मैं आपसे केवल इतना ही अनुरोध करना चाहता हूं कि आप अपना आधा घंटा उस व्यक्ति को दें जो पीटर कीटिंग की क्षमताओं के बारे में मुझसे कहीं बेहतर तरीके से आपको आश्वस्त कर सकता है।"
"कोण है वोह?"

"श्रीमती पीटर कीटिंग।"
मुझे श्रीमती पीटर कीटिंग के साथ इस मामले पर चर्चा करने की इच्छा क्यों होनी चाहिए?
"क्योंकि वह बेहद खूबसूरत महिला होने के साथ-साथ बेहद जटिल भी है।"
वायनांड ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और जोर से हँस पड़ा।
"हे भगवान, टूही, क्या मैं इतना स्पष्ट हूँ?"
टूही ने पलकें झपकाईं, वह इसके लिए तैयार नहीं था।
"सच में, श्री टूही, मुझे आपसे माफी माँगनी चाहिए, अगर मेरी पसंद-नापसंद इतनी मशहूर होने के कारण मैंने आपको इतना अभद्र बना दिया। लेकिन मुझे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि आपके कई अन्य मानवीय कार्यों के अलावा आप एक दलाल भी हैं।"
टूही उठ खड़ा हुआ।
"मुझे खेद है कि मैं आपको निराश कर रहा हूँ, श्री टूहे। मुझे श्रीमती पीटर कीटिंग से मिलने की बिल्कुल भी इच्छा नहीं है।"
“मुझे नहीं लगा था कि आप ऐसा करेंगे, श्रीमान वायनांड। मेरी निराधार सलाह पर तो बिल्कुल नहीं। मुझे इसका अंदाजा कई घंटे पहले ही हो गया था। दरअसल, आज सुबह ही। इसलिए मैंने आपसे इस बारे में चर्चा करने का एक और मौका तैयार कर लिया। मैंने आपको एक उपहार भी भेज दिया। आज रात जब आप घर पहुंचेंगे, तो आपको मेरा उपहार वहां मिलेगा। फिर, अगर आपको लगता है कि आपसे ऐसी उम्मीद करना मेरा उचित था, तो आप मुझे फोन कर सकते हैं और मैं तुरंत आ जाऊंगा ताकि आप मुझे बता सकें कि आप श्रीमती पीटर कीटिंग से मिलना चाहते हैं या नहीं।”
"टूही, यह अविश्वसनीय है, लेकिन मुझे लगता है कि तुम मुझे रिश्वत की पेशकश कर रहे हो।"
"मैं हूँ।"
"आप जानते हैं, इस तरह की हरकत करने पर आपको पूरी तरह से छूट मिलनी चाहिए - या फिर इसके लिए आपको अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ सकता है।"
"आज रात मैं अपनी वर्तमान स्थिति के बारे में आपकी राय पर भरोसा करूंगा।"
"ठीक है, श्रीमान टूही, मैं आपका उपहार देख लेता हूं।"
टूही ने झुककर अभिवादन किया और जाने के लिए मुड़ गया। वह दरवाजे पर ही था जब वायनांड ने आगे कहा:
"तुम्हें पता है, टूही, एक दिन तुम मुझे बोर कर दोगे।"
"मैं उचित समय आने तक ऐसा न करने का प्रयास करूंगा," टूही ने कहा, फिर से झुककर अभिवादन किया और बाहर चला गया।
जब वायनांड अपने घर लौटा, तो वह एल्सवर्थ टूही के बारे में सब कुछ भूल चुका था। उस शाम, अपने पेंटहाउस में, वायनांड ने एक ऐसी महिला के साथ रात का खाना खाया, जिसका चेहरा गोरा था, मुलायम भूरे बाल थे और उसके पीछे तीन शताब्दियों से ऐसे पिता और भाई थे जो गेल वायनांड द्वारा उसके साथ अनुभव की गई चीजों के संकेत के लिए किसी आदमी को मार डालते।
जब उसने पानी से भरा क्रिस्टल का गिलास होठों तक उठाया, तो उसकी बांह की रेखा इतनी परिपूर्ण थी मानो किसी अद्वितीय कलाकार द्वारा निर्मित चांदी के मोमबत्ती स्टैंड की रेखाएं हों—और वायनांड ने इसे उसी प्रशंसा से देखा। उसके चेहरे पर टिमटिमाती मोमबत्ती की रोशनी ने ऐसा सौंदर्य उत्पन्न किया कि वायनांड चाहता था कि वह जीवित न हो, ताकि वह उसे निहार सके, कुछ न कहे और जो चाहे सोच सके।
"एक या दो महीने में, गेल," उसने आलस भरी मुस्कान के साथ कहा, "जब मौसम बहुत ठंडा और खराब हो जाएगा, तो चलो शादी कर लेते हैं और सीधे सूरज की ओर कहीं नाव से निकल पड़ते हैं, जैसा हमने पिछली सर्दियों में किया था।"

वायनाड की नौका का नाम 'आइ डू' था। उन्होंने कभी किसी को इस नाम का मतलब नहीं बताया था। कई महिलाओं ने उनसे इस बारे में सवाल किए थे।
इस महिला ने उससे पहले भी सवाल किया था। अब, जब वह चुप रहा, तो उसने वही सवाल दोबारा पूछा:
“वैसे, प्रिये, तुम्हारे उस अद्भुत मिट्टी के गुंडे के नाम का क्या मतलब है?”
उन्होंने कहा, "यह एक ऐसा सवाल है जिसका मैं जवाब नहीं देता। उनमें से एक है।"
"अच्छा, क्या मैं क्रूज के लिए अपने कपड़े तैयार कर लूँ?"
हरा रंग तुम पर सबसे अच्छा लगता है। समुद्र में यह बहुत सुंदर लगता है। मुझे यह देखना अच्छा लगता है कि यह तुम्हारे बालों और बाहों पर कैसा असर डालता है। मुझे तुम्हारी झलक की बहुत याद आएगी।
हरी रेशमी त्वचा पर नंगी बाहें। क्योंकि आज रात आखिरी बार है।
उसकी उंगलियां गिलास के डंडे पर स्थिर थीं। उसे ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था कि आज रात आखिरी होगी। लेकिन वह जानती थी कि ये शब्द ही उसके लिए इसे खत्म करने के लिए काफी थे। वायनाड की सभी महिलाओं को पता था कि उन्हें इसी तरह के अंत की उम्मीद करनी चाहिए और इस बारे में कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए। कुछ देर बाद, उसने धीमी आवाज़ में पूछा:
“क्या कारण है, गेल?”
"जो स्पष्ट है।"
उसने अपनी जेब में हाथ डाला और हीरे का एक कंगन निकाला; मोमबत्ती की रोशनी में वह ठंडी, चमकदार आग की तरह चमक रहा था; उसकी भारी कड़ियाँ उसकी उंगलियों में बेजान सी लटक रही थीं। उसके साथ न कोई आवरण था, न कोई रैपर। उसने उसे मेज पर फेंक दिया।
“एक स्मारक, मेरी प्रिय,” उसने कहा। “जिसकी याद में इसे बनाया गया है, उससे कहीं अधिक मूल्यवान।”
कंगन प्याले से टकराया और उससे एक पतली, तीखी आवाज़ निकली, मानो कांच उस औरत के लिए चीख रहा हो। औरत ने कोई आवाज़ नहीं की।
वह जानता था कि यह भयानक था, क्योंकि वह उस तरह की महिला थी जिसे ऐसे क्षणों में ऐसे उपहार नहीं दिए जाते थे, ठीक वैसे ही जैसे अन्य सभी महिलाएं थीं; और क्योंकि वह मना नहीं करेगी, जैसे अन्य सभी ने मना नहीं किया था।
"धन्यवाद, गेल," उसने मोमबत्तियों के पार उसकी ओर देखे बिना, अपनी कलाई पर कंगन कसते हुए कहा।
बाद में, जब वे ड्राइंग रूम में पहुँच गए, तो वह रुक गई और उसकी लंबी पलकों के बीच से उसकी नजर उस अंधेरे की ओर गई जहाँ से उसके बेडरूम की ओर जाने वाली सीढ़ियाँ शुरू होती थीं।
"क्या तुम मुझे यह सम्मान अर्जित करने दोगी, गेल?" उसने सपाट स्वर में पूछा।
उसने उसके सिर को हिलाकर रख दिया।
उन्होंने कहा, "मेरा इरादा तो यही था। लेकिन मैं थक गया हूँ।"
उसके जाने के बाद, वह हॉल में खड़ा रहा और सोचने लगा कि वह पीड़ा झेल रही है, वह पीड़ा वास्तविक है, लेकिन कुछ समय बाद उसके लिए कंगन के अलावा कुछ भी वास्तविक नहीं रह जाएगा। उसे वह समय याद नहीं आ रहा था जब इस तरह के विचार से उसके मन में कड़वाहट उत्पन्न होती थी।
जब उसे याद आया कि वह भी आज शाम की घटना को लेकर चिंतित था, तो उसे आश्चर्य के अलावा और कुछ महसूस नहीं हुआ कि उसने यह बहुत पहले क्यों नहीं किया।
वह अपनी लाइब्रेरी में गया। वह कुछ घंटों तक पढ़ता रहा। फिर वह रुक गया। वह अचानक, बिना किसी कारण के, बीच में ही रुक गया।

महत्वपूर्ण वाक्य। उसे आगे पढ़ने की कोई इच्छा नहीं थी। उसे फिर कभी कोई प्रयास करने की इच्छा नहीं थी।
उसके साथ कुछ भी नहीं हुआ था—घटना एक सकारात्मक वास्तविकता है, और कोई भी वास्तविकता उसे कभी असहाय नहीं बना सकती थी; यह एक बहुत बड़ा नकारात्मक था—जैसे कि सब कुछ मिट गया हो, एक अर्थहीन खालीपन छोड़ गया हो, जो थोड़ा अशोभनीय लग रहा था क्योंकि यह बहुत साधारण, बहुत नीरस था, जैसे हत्या एक घरेलू मुस्कान धारण किए हुए हो।
कुछ भी नहीं खोया था—सिर्फ इच्छा; नहीं, उससे भी कहीं अधिक—इच्छा की जड़, इच्छा करने की इच्छा। उसने सोचा कि जो व्यक्ति अपनी आँखें खो देता है, वह दृष्टि की अवधारणा को तो बनाए रखता है; लेकिन उसने एक और भी भयावह अंधत्व के बारे में सुना था—यदि दृष्टि को नियंत्रित करने वाले मस्तिष्क के केंद्र नष्ट हो जाते हैं, तो व्यक्ति दृश्य बोध की स्मृति भी खो देता है।
उसने क़िताब नीचे गिरा दी और खड़ा हो गया। उसका वहाँ रुकने का कोई मन नहीं था; वहाँ से हिलने का भी कोई मन नहीं था। उसने सोचा कि उसे सो जाना चाहिए। उसके लिए अभी बहुत जल्दी थी, लेकिन वह कल सुबह जल्दी उठ सकता था। वह अपने बेडरूम में गया, नहाया, और पजामा पहन लिया। फिर उसने अपनी अलमारी का एक दराज खोला और उसमें रखी हुई बंदूक देखी। उसे देखते ही, उसके मन में जो अचानक जिज्ञासा जागी, उसी ने उसे बंदूक उठाने पर मजबूर कर दिया।
जब उसने आत्महत्या करने का सोचा, तो उसे कोई सदमा नहीं लगा, इसी बात ने उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। यह विचार इतना सरल लगा, मानो कोई तर्क जिसका खंडन करने का कोई औचित्य न हो। मानो कोई घिसा-पिटा जुमला हो।
अब वह कांच की दीवार के पास खड़ा था, उस सादगी ने उसे स्तब्ध कर दिया था। उन्होंने सोचा कि कोई व्यक्ति अपने जीवन को तो एक घिसी-पिटी बात बना सकता है; लेकिन अपनी मृत्यु को नहीं।
वह बिस्तर तक गया और बैठ गया, बंदूक उसके हाथ में लटकी हुई थी।
एक मरणासन्न व्यक्ति, उसने सोचा, को अपने पूरे जीवन को अंतिम क्षण में देखना चाहिए। मुझे कुछ नहीं दिख रहा। लेकिन मैं इसे देखने के लिए खुद को मजबूर कर सकता हूँ। मैं इसे फिर से जी सकता हूं, चाहे बलपूर्वक ही क्यों न हो। मुझे इसमें या तो जीने की इच्छा मिल जाए या फिर इसे अभी समाप्त करने का कारण।
बारह वर्षीय गेल वायनांड हडसन नदी के किनारे एक टूटी हुई दीवार के नीचे अंधेरे में खड़ी थी, एक हाथ पीछे की ओर झुका हुआ था, मुट्ठी बंद थी, प्रहार करने के लिए तैयार, प्रतीक्षा कर रही थी।
उसके पैरों के नीचे के पत्थर एक कोने के अवशेष तक ऊपर उठते थे; उसका एक किनारा उसे सड़क से छिपाता था; दूसरे किनारे के पीछे नदी तक एक सीधी ढलान के अलावा कुछ नहीं था। एक अप्रकाशित, कच्ची सड़क का हिस्सा...
उसके सामने समुद्र तट फैला हुआ था, जर्जर इमारतें और आकाश के खाली स्थान, गोदाम, एक खिड़की के ऊपर कहीं लटकता हुआ एक टेढ़ा कंगनी जिसमें एक भयावह रोशनी थी।
एक पल में उसे लड़ना होगा—और वह जानता था कि यह उसकी जान बचाने की लड़ाई होगी। वह स्थिर खड़ा रहा। उसकी बंद मुट्ठी, जो नीचे और पीछे की ओर थी, मानो अदृश्य तारों को जकड़े हुए थी जो उसके दुबले-पतले, मांसहीन शरीर के हर महत्वपूर्ण हिस्से तक फैले हुए थे, फटी हुई पैंट और कमीज़ के नीचे, उसकी नंगी बांह की लंबी, सूजी हुई नस तक, उसकी गर्दन की तनी हुई नसों तक। तार कांपते हुए प्रतीत हो रहे थे; शरीर गतिहीन था। वह एक नए प्रकार के घातक हथियार की तरह था; अगर कोई उंगली उसके शरीर के किसी भी हिस्से को छूती, तो ट्रिगर दब जाता।

उसे पता था कि लड़कों के गिरोह का सरगना उसे ढूंढ रहा है और वह अकेला नहीं आएगा। जिन दो लड़कों के आने की उसे उम्मीद थी, वे चाकू से लड़ते थे; उनमें से एक ने हत्या की थी। वह उनका इंतज़ार कर रहा था, उसकी जेब खाली थीं। वह गिरोह का सबसे छोटा सदस्य था और सबसे आखिर में शामिल हुआ था। सरगना ने कहा था कि उसे सबक सिखाने की ज़रूरत है।
नदी पर चल रही नावों की लूटपाट की योजना को लेकर झगड़ा शुरू हुआ था। सरगना ने तय किया था कि यह काम रात में किया जाएगा। गिरोह के सभी सदस्य सहमत हो गए थे; गेल वायनांड को छोड़कर। गेल वायनांड ने धीमी, तिरस्कारपूर्ण आवाज़ में समझाया कि नदी के कुछ दूर पर स्थित 'लिटिल प्लग-अग्लीज़' गिरोह ने पिछले हफ्ते यही हरकत करने की कोशिश की थी और उनके छह सदस्य पुलिस के हाथ लग गए थे, साथ ही दो कब्रिस्तान में मिले थे; इसलिए यह काम सुबह तड़के ही करना होगा, जब किसी को इसकी उम्मीद न हो। गिरोह ने उसका मज़ाक उड़ाया। लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। गेल वायनांड आदेश मानने में माहिर नहीं था। वह अपने फैसले की सटीकता के अलावा कुछ नहीं मानता था। इसलिए सरगना इस मामले को हमेशा के लिए सुलझाना चाहता था।
तीनों लड़के इतनी धीमी चाल से चल रहे थे कि पतली दीवारों के पीछे खड़े लोग उनके कदमों की आहट नहीं सुन पा रहे थे। गेल वायनांड ने उन्हें एक ब्लॉक दूर से सुना। वह अपने कोने में बिल्कुल नहीं हिला; बस उसकी कलाई थोड़ी अकड़ गई।
जब सही समय आया, तो उसने छलांग लगाई। वह सीधे अंतरिक्ष में कूद गया, बिना उतरने की परवाह किए, मानो किसी गुलेल ने उसे मीलों दूर उड़ा दिया हो। उसकी छाती एक दुश्मन के सिर से टकराई, उसका पेट दूसरे से, उसके पैर तीसरे की छाती पर जा लगे। चारों नीचे गिर गए। जब तीनों ने अपना चेहरा उठाया, तो गेल वायनांड वहीं थी।
पहचानना असंभव था; उन्होंने अपने ऊपर हवा में एक बवंडर देखा, और उस बवंडर से कुछ झलसा देने वाले स्पर्श के साथ उनकी ओर झपटा।
उसके पास अपने दो मुक्कों के सिवा कुछ नहीं था; उनके पास पाँच मुक्के और कमर में एक चाकू था; लेकिन यह गिनती से परे लग रहा था। उन्हें अपने वारों की धमक सुनाई दी, मानो वे किसी कठोर रबर पर पड़ रहे हों; उन्हें अपने चाकू के वार में रुकावट महसूस हुई, जिससे पता चला कि वह रुक गया था और अपना रास्ता बनाते हुए बाहर निकल गया था।
लेकिन जिससे वे लड़ रहे थे, वह अजेय था। उसे महसूस करने का समय ही नहीं मिला; वह बहुत तेज़ था; दर्द उसे पकड़ नहीं पाया; ऐसा लगा जैसे उसने उसे उसी जगह पर हवा में लटका दिया हो जहाँ उसने उसे मारा था और अगले ही पल वह वहाँ से गायब हो गया।
ऐसा लग रहा था मानो उसके कंधों के बीच कोई मोटर लगी हो जो उसकी बाहों को दो गोल चक्करों में घुमा रही हो; केवल गोल चक्कर ही दिखाई दे रहे थे; बाहें किसी तेज़ पहिए की तीलियों की तरह गायब हो गई थीं। हर बार वह गोला रुकता और जिस भी चीज़ पर गिरता, उसे बिना रुके रोक देता। एक लड़के ने देखा कि उसकी चाकू वायनांड के कंधे में गायब हो गई; उसने कंधे का झटका देखा जिससे चाकू वायनांड के बगल से नीचे की ओर चीरती हुई बेल्ट की ओर जा गिरी। यही वह आखिरी चीज़ थी जो लड़के ने देखी। उसकी ठुड्डी के साथ कुछ हुआ और उसे पता भी नहीं चला जब उसके सिर का पिछला हिस्सा पुरानी ईंटों के ढेर से टकराया।
काफी देर तक बाकी दोनों लोग उस सेंटीफ्यूज से लड़ते रहे जो अब उनके चारों ओर की दीवारों पर लाल बूँदें बिखेर रहा था। लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। वे किसी इंसान से नहीं लड़ रहे थे। वे एक निराकार मानवीय इच्छाशक्ति से लड़ रहे थे।

जब वे ईंटों के बीच कराहते हुए हार मान गए, तो गेल वायनांड ने सामान्य स्वर में कहा: "हम इसे सुबह होते ही पूरा कर लेंगे," और चली गईं।
उस क्षण से वह गिरोह की सरगना बन गया।
दो दिन बाद, तड़के ही नावों की लूटपाट की गई और यह शानदार ढंग से सफल रही।
गेल वायनांड अपने पिता के साथ हेलस किचन के बीचोबीच एक पुराने घर के तहखाने में रहते थे। उनके पिता एक बंदरगाह मज़दूर थे, लंबे, शांत, अनपढ़ व्यक्ति जिन्होंने कभी स्कूल नहीं देखा था। उनके अपने पिता और दादा भी ऐसे ही थे, और उन्होंने अपने परिवार में गरीबी के अलावा कुछ नहीं देखा था। लेकिन कहीं बहुत पहले उनके वंश में कुलीनता की एक जड़ थी, किसी महान पूर्वज की शान और फिर कोई त्रासदी, जिसे बहुत पहले भुला दिया गया था, जिसने वंशजों को गटर में धकेल दिया था।
वायनांड परिवार के सभी सदस्यों में कुछ ऐसा था—
झुग्गी-झोपड़ी, शराबखाना और जेल—ये सब उनके परिवेश के अनुरूप नहीं थे। गेल के पिता बंदरगाह पर ड्यूक के नाम से जाने जाते थे।
गेल की माँ की मृत्यु तपेदिक से तब हुई जब वह दो साल का था। वह इकलौता बेटा था। उसे धुंधला सा याद था कि उसके पिता के वैवाहिक जीवन में कुछ बड़ा विवाद हुआ था; उसने अपनी माँ की एक तस्वीर देखी थी; वह दिखने में और पहनावे में पड़ोस की महिलाओं जैसी नहीं थीं; वह बहुत सुंदर थीं। उनकी मृत्यु के बाद उसके पिता का जीवन थम सा गया था। वह गेल से प्यार करता था; लेकिन यह उस तरह का प्यार नहीं था जिसके लिए हफ्ते में दो वाक्य लिखने की ज़रूरत हो।
गेल अपने माता-पिता जैसा नहीं दिखता था। वह किसी ऐसी चीज़ का पूर्वज था जिसे कोई पूरी तरह समझ नहीं पाता था; यह दूरी पीढ़ियों में नहीं, बल्कि सदियों में मापी जानी थी। वह अपनी उम्र से हमेशा लंबा और दुबला-पतला था। लड़के उसे स्ट्रेच वायनांड कहकर बुलाते थे।
किसी को नहीं पता था कि वह मांसपेशियों के लिए क्या इस्तेमाल करता था; उन्हें बस इतना पता था कि वह इसका इस्तेमाल करता था।
उन्होंने बचपन से ही कई तरह की नौकरियां की थीं। लंबे समय तक वे सड़क के कोनों पर अखबार बेचते रहे। एक दिन वे प्रेस-रूम के प्रमुख के पास गए और सुझाव दिया कि उन्हें एक नई सेवा शुरू करनी चाहिए—सुबह-सुबह अखबार को पाठक के घर तक पहुंचाना; उन्होंने समझाया कि इससे वितरण में कैसे और क्यों वृद्धि होगी।
“हाँ?” बॉस ने कहा। “मुझे पता है ये काम करेगा,” वायनांड ने कहा। “अच्छा, यहाँ सब कुछ तुम्हारे हाथ में नहीं है,” बॉस ने कहा। “तुम बेवकूफ हो,” वायनांड ने कहा। उसकी नौकरी चली गई।
वह एक किराने की दुकान में काम करता था। वह छोटे-मोटे काम करता, गीले लकड़ी के फर्श को साफ करता, सड़ी हुई सब्जियों के डिब्बों को छांटता, ग्राहकों की सेवा में मदद करता, धैर्यपूर्वक एक पौंड आटा तौलता या एक बड़े डिब्बे से जग में दूध भरता। यह रूमालों को प्रेस करने के लिए स्टीमरोलर का इस्तेमाल करने जैसा था। लेकिन उसने ठान लिया और काम पर डटा रहा। एक दिन, उसने दुकानदार को समझाया कि व्हिस्की की तरह दूध को बोतलों में भरना कितना अच्छा विचार होगा। दुकानदार ने कहा, "तुम चुप रहो और जाकर श्रीमती सुलिवन की सेवा करो, मुझे मेरे व्यवसाय के बारे में कुछ भी मत बताओ जो मुझे पता न हो। यहां का कामकाज तुम्हारे हाथ में नहीं है।" उसने श्रीमती सुलिवन की सेवा की।
सुलिवन ने कुछ नहीं कहा।
वह एक स्विमिंग पूल में काम करता था। वह थूकदान साफ़ करता था और शराबियों के मल-मूत्र को धोता था। उसने ऐसी चीज़ें सुनीं और देखीं जिनसे उसे जीवन भर आश्चर्य से मुक्ति मिल गई। उसने पूरी कोशिश की और चुप रहना सीख लिया, उस जगह को, जिसे दूसरे लोग उसकी जगह बताते थे, वैसे ही बनाए रखने के लिए।

अपनी अक्षमता को स्वीकार करने और प्रतीक्षा करने के लिए उसने हमेशा यही किया। किसी ने भी उसे अपने मन की बात कहते नहीं सुना था। वह अपने साथी मनुष्यों के प्रति अनेक भावनाएँ रखता था, लेकिन सम्मान उनमें से एक नहीं था।
वह एक नौका पर नौकर का काम करता था। वहाँ हर घमंडी व्यापारी, हर शराबी नाविक उसे धक्का देता और आदेश देता रहता था। अगर वह कुछ बोलता, तो उसे किसी भारी आवाज़ में जवाब सुनाई देता: "यहाँ तुम्हारा कोई बस नहीं चलता।" लेकिन उसे यह काम पसंद था।
जब उसके पास कोई ग्राहक नहीं होता था, तो वह रेलिंग के पास खड़ा होकर मैनहट्टन को देखता था। वह नए घरों के पीले बोर्ड, खाली ज़मीनों, क्रेन और डेरिक, और दूर से आती कुछ मीनारों को देखता था। वह सोचता था कि क्या बनाया जाना चाहिए और क्या तोड़ा जाना चाहिए, उस खाली जगह, उसकी संभावनाओं और उससे क्या हासिल किया जा सकता है। तभी एक कर्कश आवाज़—“अरे, लड़के!”—ने उसे रोक दिया। वह अपनी बेंच पर वापस गया और आज्ञाकारी होकर किसी कीचड़ से सने जूते पर झुक गया। ग्राहक ने केवल हल्के भूरे बालों वाला एक छोटा सा सिर और दो पतले, कुशल हाथ देखे।
धुंध भरी शामों में, सड़क के कोने पर गैस लालटेन के नीचे, किसी ने भी लैम्पपोस्ट से टिके हुए उस दुबले-पतले व्यक्ति पर ध्यान नहीं दिया, जो मध्य युग का अभिजात वर्ग था, वह शाश्वत कुलीन जिसकी हर प्रवृत्ति उसे आदेश देने के लिए प्रेरित करती थी, जिसका तेज दिमाग उसे बताता था कि उसे ऐसा करने का अधिकार क्यों है, वह सामंती बैरन जिसे शासन करने के लिए बनाया गया था - लेकिन जो फर्श साफ करने और आदेश लेने के लिए पैदा हुआ था।
उन्होंने पांच साल की उम्र में ही सवाल पूछकर पढ़ना-लिखना सीख लिया था। उन्हें जो भी मिलता, वे सब पढ़ते थे। उन्हें अस्पष्ट बातें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होती थीं। उन्हें हर वो बात समझनी होती थी जो किसी को भी पता हो।
उनके बचपन का प्रतीक चिन्ह—वह कुलचिह्न जिसे उन्होंने सदियों पहले खो चुके अपने कुलचिह्न के स्थान पर स्वयं बनाया था—प्रश्न चिह्न था। उन्हें कभी भी कोई बात दोबारा समझाने की ज़रूरत नहीं पड़ती थी।
उसने गणित की शुरुआत सीवर पाइप बिछाने वाले इंजीनियरों से की। भूगोल उसने बंदरगाह पर काम करने वाले नाविकों से सीखा। नागरिक शास्त्र उसने स्थानीय क्लब में राजनेताओं से सीखा, जो गुंडों का अड्डा हुआ करता था। वह कभी चर्च या स्कूल नहीं गया था। बारह साल की उम्र में वह एक चर्च में गया। उसने धैर्य और विनम्रता पर एक प्रवचन सुना। फिर कभी वापस नहीं आया। तेरह साल की उम्र में उसने यह जानने का फैसला किया कि शिक्षा कैसी होती है और एक सरकारी स्कूल में दाखिला लिया। उसके पिता ने इस फैसले पर कुछ नहीं कहा, जैसे वे हर बार चुप रहते थे जब गेल किसी गिरोह की लड़ाई के बाद बुरी तरह घायल होकर घर आती थी।
स्कूल में अपने पहले सप्ताह के दौरान, शिक्षिका गेल वायनांड को लगातार प्रश्न पूछने के लिए बुलाती रहीं—यह उनके लिए अत्यंत सुखद था, क्योंकि वह हमेशा उत्तर जानता था। जब वह अपने वरिष्ठों और उनके उद्देश्य पर भरोसा करता था, तो वह एक तपस्वी की तरह आज्ञाकारी होता था, और स्वयं पर वैसा ही अनुशासन लागू करता था जैसा वह अपने साथियों से अपेक्षा करता था। लेकिन उसकी इच्छाशक्ति व्यर्थ थी: एक सप्ताह के भीतर ही उसने देखा कि कक्षा में प्रथम आने के लिए उसे किसी प्रयास की आवश्यकता नहीं है। एक महीने बाद शिक्षिका ने उसकी उपस्थिति पर ध्यान देना बंद कर दिया; यह व्यर्थ लग रहा था, वह हमेशा अपना पाठ जानता था और शिक्षिका को धीमे, कम बुद्धिमान बच्चों पर ध्यान देना पड़ता था। वह घंटों तक बिना हिले-डुले बैठा रहा, जबकि शिक्षिका बार-बार दोहराती रहीं, बार-बार समझाती रहीं, खाली आँखों और बुदबुदाती आवाज़ों से बुद्धि की कोई चिंगारी निकालने के लिए पसीना बहाती रहीं। दो महीने के

अंत में, इतिहास के उन बुनियादी सिद्धांतों की समीक्षा करते हुए, जिन्हें उन्होंने अपनी कक्षा में जबरदस्ती डालने का प्रयास किया था, शिक्षिका ने पूछा: "और संघ में कितने मूल राज्य थे?" किसी ने हाथ नहीं उठाया। तभी गेल वायनांड ने अपना हाथ उठाया। शिक्षिका ने उसकी ओर इशारा किया। वह उठा। उसने पूछा, "क्यों?"
“क्या मुझे सब कुछ दस बार में गटक लेना चाहिए? मुझे तो सब पता है।” “तुम अकेली नहीं हो इस कक्षा में,” शिक्षक ने कहा। उन्होंने एक ऐसा भाव व्यक्त किया जिससे वह एकदम सफेद पड़ गई और पंद्रह मिनट बाद जब उसे पूरी तरह समझ आया तो वह शर्म से लाल हो गई। वह दरवाजे की ओर चले गए। दहलीज पर पहुंचकर उन्होंने मुड़कर कहा: “ओह हाँ। तेरह मूल अवस्थाएँ थीं।”
यह उनकी औपचारिक शिक्षा की अंतिम चरण था।
हेल्स किचन में कुछ लोग ऐसे थे जो कभी इसकी सीमाओं से बाहर नहीं निकले, और कुछ ऐसे थे जो शायद ही कभी अपने जन्मस्थान वाले मकान से बाहर कदम रखते थे। लेकिन गेल वायनांड अक्सर शहर की सबसे खूबसूरत सड़कों पर टहलने जाया करते थे। उन्हें धन-दौलत की दुनिया से कोई नफ़रत नहीं थी, न ईर्ष्या और न ही डर। वे बस जिज्ञासु थे और फिफ्थ एवेन्यू में उन्हें घर जैसा ही सुकून मिलता था, जैसे कहीं और। वे आलीशान मकानों के पास से गुज़रते थे, हाथ जेब में डाले, पैर की उंगलियां सपाट तलवों वाले जूतों से बाहर निकली हुई। लोग उन्हें घूरते थे, लेकिन इसका उन पर कोई असर नहीं होता था। वे आगे बढ़ते गए और अपने पीछे यह एहसास छोड़ गए कि वे इस सड़क के नहीं बल्कि उनके हैं। फिलहाल, उन्हें कुछ नहीं चाहिए था, बस समझना था। वह जानना चाहता था कि ये लोग उसके पड़ोस के लोगों से किस प्रकार भिन्न थे। उसका ध्यान कपड़ों, गाड़ियों या बैंकों पर नहीं गया; बल्कि किताबों पर गया। उसके पड़ोस के लोग
उस मोहल्ले में लोगों के पास कपड़े, घोड़े की गाड़ियाँ और पैसा था; डिग्री की कोई ज़रूरत नहीं थी; लेकिन वे किताबें नहीं पढ़ते थे। उसने तय किया कि वह सीखेगा कि फिफ्थ एवेन्यू के लोग क्या पढ़ते हैं। एक दिन, उसने सड़क के किनारे एक गाड़ी में एक महिला को इंतज़ार करते देखा; वह जानता था कि वह एक महिला है—ऐसे मामलों में उसका विवेक सामाजिक रजिस्टर के भेदभाव से कहीं ज़्यादा सटीक था; वह एक किताब पढ़ रही थी। वह गाड़ी की सीढ़ियों पर झपटा, किताब छीनी और भाग गया। उसे पकड़ने के लिए पुलिस से भी ज़्यादा फुर्तीले और चुस्त आदमियों की ज़रूरत होती।
यह हर्बर्ट स्पेंसर की एक किताब थी। इसे अंत तक पढ़ने के लिए वह एक गहरी पीड़ा से गुज़रा। उसने इसे अंत तक पढ़ा। उसने जो पढ़ा, उसका एक चौथाई ही समझ पाया। लेकिन यहीं से उसकी एक ऐसी प्रक्रिया शुरू हुई जिसे उसने व्यवस्थित और दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ाया। बिना किसी सलाह, सहायता या योजना के, उसने बेमेल किताबों का एक संग्रह पढ़ना शुरू कर दिया; उसे किसी किताब में कोई ऐसा अंश मिलता जिसे वह समझ नहीं पाता, तो वह उस विषय पर दूसरी किताब उठा लेता। वह बेतरतीब ढंग से हर दिशा में भटकता रहा; उसने पहले विशिष्ट विद्वत्ता की किताबें पढ़ीं, और फिर हाई स्कूल की शुरुआती किताबें। उसके पढ़ने में कोई क्रम नहीं था; लेकिन उसके मन में जो कुछ भी बचा था, उसमें एक क्रम था।
उन्होंने सार्वजनिक पुस्तकालय का वाचनालय खोज निकाला और कुछ समय के लिए वहाँ गए—संरचना का अध्ययन करने के लिए। फिर, एक दिन, अलग-अलग समय पर, कई युवा लड़के, बड़े करीने से कंघी किए हुए और बनावटी ढंग से नहाए हुए, वाचनालय में आने लगे। जब वे आए थे तब वे पतले थे, लेकिन जब वे गए तब नहीं। उसी शाम गेल वायनांड ने अपने तहखाने के कोने में अपना एक छोटा सा पुस्तकालय बना लिया।

उसके गिरोह ने बिना किसी विरोध के उसके आदेशों का पालन किया था। यह एक शर्मनाक काम था; कोई भी स्वाभिमानी गिरोह किताबों जैसी बेकार चीज़ को कभी नहीं लूटता। लेकिन स्ट्रेच वायनांड ने आदेश दिए थे—और स्ट्रेच वायनांड से कोई बहस नहीं कर सकता था।

पंद्रह साल की उम्र में, एक सुबह वह नाले में पड़ा मिला, खून से लथपथ, दोनों पैर टूटे हुए, किसी शराबी मज़दूर ने उसे बुरी तरह पीटा था। जब वह मिला तो बेहोश था। लेकिन पिटाई के बाद उस रात वह होश में था। उसे एक अंधेरी गली में अकेला छोड़ दिया गया था। उसने कोने में एक रोशनी देखी थी। किसी को नहीं पता था कि वह खुद को घसीटते हुए उस कोने तक कैसे पहुँचा होगा; लेकिन वह पहुँच गया था; बाद में फुटपाथ पर खून का लंबा धब्बा देखा गया था।

वह रेंगता हुआ आया, अपने हाथों के अलावा कुछ भी हिला नहीं पा रहा था। उसने दस्तक दी।

दरवाजे के निचले हिस्से से सटा हुआ। यह एक शराबखाना था, जो अभी भी खुला था। शराबखाना मालिक बाहर आया। यह उसके जीवन में एकमात्र ऐसा समय था जब गेल वायनांड ने मदद मांगी थी। शराबखाने मालिक ने उसे एक सपाट, गंभीर नज़र से देखा, एक ऐसी नज़र जो पीड़ा, अन्याय और एक निर्मम, निर्मम उदासीनता को दर्शाती थी। शराबखाना मालिक अंदर गया और दरवाजा जोर से बंद कर दिया। उसे गिरोहों की लड़ाई में उलझने की कोई इच्छा नहीं थी।

कई वर्षों बाद, न्यूयॉर्क बैनर के प्रकाशक गेल वायनांड को अभी भी उस मजदूर और शराबखाने के मालिक के नाम और उनके ठिकाने याद थे। उन्होंने उस मजदूर के खिलाफ कभी कुछ नहीं किया। लेकिन उन्होंने शराबखाने के मालिक का धंधा बर्बाद कर दिया, उसका घर और सारी बचत छीन ली और उसे आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया।

गेल वायनांड सोलह वर्ष के थे जब उनके पिता का निधन हो गया। वे अकेले थे, उस समय बेरोजगार थे, जेब में केवल पैंसठ सेंट थे, किराया बकाया था और ज्ञान का भंडार बिखरा हुआ था। उन्होंने फैसला किया कि अब समय आ गया है कि वे अपने जीवन का भविष्य तय करें। उस रात वे अपने छोटे से मकान की छत पर गए और शहर की रोशनी को देखा, उस शहर को जहाँ उनका कोई बस नहीं चलता था। उन्होंने अपनी नज़रें आसपास की जर्जर झोपड़ियों की खिड़कियों से दूर स्थित आलीशान मकानों की खिड़कियों की ओर धीरे-धीरे घुमाईं। वहाँ केवल रोशन चौकोर आकृतियाँ हवा में लटकी हुई थीं, लेकिन वे उनसे उन इमारतों की गुणवत्ता का अंदाजा लगा सकते थे जिनसे वे संबंधित थीं; उनके आसपास की रोशनी धुंधली और निराश लग रही थी; दूर की रोशनी साफ़ और चमकदार थी। उन्होंने खुद से एक ही सवाल पूछा: ऐसी क्या बात थी जो उन सभी घरों में, चाहे वे धुंधले हों या जगमगाते, प्रवेश करती थी, जो हर कमरे में, हर व्यक्ति तक पहुँचती थी? उन सबके पास रोटी थी। क्या कोई व्यक्ति लोगों पर उनके द्वारा खरीदी गई रोटी के माध्यम से शासन कर सकता है? उनके पास जूते थे, उनके पास कॉफी थी, उनके पास और भी बहुत कुछ था।

... उनके जीवन की दिशा तय हो चुकी थी।

अगली सुबह, वह एक जर्जर इमारत में छपने वाले घटिया अखबार 'गैज़ेट' के संपादक के दफ्तर में गया और सिटी रूम में नौकरी मांगी। संपादक ने उसके कपड़ों को देखकर पूछा, "क्या तुम 'कैट' की स्पेलिंग जानते हो?" "क्या तुम 'एंथ्रोपोमॉर्फोलॉजी' की स्पेलिंग जानते हो?"

वायनांड ने पूछा। संपादक ने कहा, "यहाँ कोई नौकरी नहीं है।" वायनांड ने कहा, "मैं यहीं रुकूँगा। जब चाहो मेरा इस्तेमाल कर लेना। मुझे वेतन देने की ज़रूरत नहीं है। जब तुम्हें लगे कि बेहतर होगा, तब मुझे वेतन पर रख लेना।"

वह इमारत में ही रहा, शहर के कमरे के बाहर सीढ़ियों पर बैठा रहा। वह एक हफ्ते तक हर दिन वहीं बैठा रहा। किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।
उसके लिए। रात में वह दरवाजों के पास सोता था। जब उसके पास ज़्यादातर पैसे खत्म हो जाते थे, तो वह काउंटर या कूड़ेदान से खाना चुराता था, और फिर सीढ़ियों पर अपनी जगह पर लौट आता था।
एक दिन एक रिपोर्टर को उस पर दया आ गई और सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए उसने वायनांड की गोद में एक निकल फेंकते हुए कहा, "जाओ अपने लिए एक कटोरी स्टू खरीद लो, बच्चे।" वायनांड की जेब में एक डाइम (10 सेंट का सिक्का) बचा था। उसने वह डाइम उठाया और रिपोर्टर पर फेंकते हुए कहा, "जाओ अपने लिए एक पेंच खरीद लो।" वह आदमी गाली देकर नीचे चला गया। निकल और डाइम सीढ़ियों पर ही पड़े रहे। वायनांड ने उन्हें छुआ तक नहीं। यह कहानी सिटी रूम में दोहराई गई। एक मुहासों से भरे चेहरे वाले क्लर्क ने कंधे उचकाए और दोनों सिक्के उठा लिए।
सप्ताह के अंत में, व्यस्त समय में, शहर के कार्यालय से एक व्यक्ति ने वायनांड को एक काम के लिए बुलाया। इसके बाद कुछ और छोटे-मोटे काम भी सौंपे गए। उन्होंने पूरी तत्परता से आदेश का पालन किया। दस दिनों में उन्हें वेतन मिलने लगा। छह महीनों में वे रिपोर्टर बन गए। दो वर्षों में वे एसोसिएट एडिटर बन गए।
गेल वायनांड बीस साल के थे जब उन्हें प्यार हुआ। तेरह साल की उम्र से ही उन्हें यौन संबंध के बारे में सब कुछ पता था। उनके कई साथी रहे थे। वह कभी प्यार की बात नहीं करते थे, कोई रोमांटिक भ्रम नहीं पालते थे और इसे एक साधारण शारीरिक क्रिया मानते थे; लेकिन इस मामले में वह माहिर थे—और औरतें उन्हें देखकर ही यह समझ जाती थीं। जिस लड़की से उन्हें प्यार हुआ, वह बेहद खूबसूरत थी, ऐसी खूबसूरती जिसकी पूजा की जाए, न कि चाहत की। वह नाजुक और शांत थीं। उनके चेहरे पर छिपे अनकहे रहस्य झलकते थे।
वह गेल वायनांड की प्रेमिका बन गई। उसने खुशी मनाने की कमजोरी को खुद पर हावी होने दिया। अगर उसने शादी की बात कही होती तो वह तुरंत उससे शादी कर लेता। लेकिन वे आपस में ज्यादा बात नहीं करते थे। उसे लगता था कि उनके बीच सब कुछ स्पष्ट है।
एक शाम उसने बोलना शुरू किया। उसके चरणों में बैठकर, अपना चेहरा उसकी ओर उठाकर, उसने अपने दिल की बात कही। “मेरी प्रियतमा, जो कुछ भी तुम चाहो, जो कुछ भी मैं हूँ, जो कुछ भी मैं कभी बन सकता हूँ... वही मैं तुम्हें देना चाहता हूँ—वे चीजें नहीं जो मैं तुम्हारे लिए लाऊँगा, बल्कि वह गुण जो मुझमें हैं और जो मुझे उन्हें लाने में सक्षम बनाता है। वह गुण—एक आदमी उसे त्याग नहीं सकता—लेकिन मैं उसे त्यागना चाहता हूँ—ताकि वह तुम्हारा हो—ताकि वह तुम्हारी सेवा में हो—केवल तुम्हारे लिए।” लड़की मुस्कुराई और बोली, “क्या तुम्हें लगता है कि मैं मेगी केली से ज़्यादा सुंदर हूँ?”
वह उठी। उसने कुछ नहीं कहा और घर से बाहर चला गया। उसने उस लड़की को फिर कभी नहीं देखा। गेल वायनांड, जिसे इस बात पर गर्व था कि वह कभी किसी को परेशान नहीं करेगा।
दो बार सबक सीखने के बाद, आने वाले वर्षों में उसे दोबारा प्यार नहीं हुआ।
जब वह इक्कीस वर्ष का था, तब गैज़ेट में उसका करियर पहली और एकमात्र बार खतरे में पड़ गया। राजनीति और भ्रष्टाचार ने उसे कभी परेशान नहीं किया था; वह इसके बारे में सब कुछ जानता था; उसके गिरोह को चुनाव के दिनों में मतदान केंद्रों पर मारपीट करवाने में मदद करने के लिए पैसे दिए गए थे। लेकिन जब उसके थाने के पुलिस कप्तान पैट मुलिगन को फंसाया गया, तो वायनांड इसे बर्दाश्त नहीं कर सका; क्योंकि पैट मुलिगन ही एकमात्र ईमानदार व्यक्ति था जिससे वह अपने जीवन में मिला था।

द गजट उन ताकतों के नियंत्रण में था जिन्होंने मुलिगन को फंसाया था। वायनांड ने कुछ नहीं कहा। उसने बस अपने दिमाग में उन जानकारियों को इकट्ठा किया जिनसे गजट का पर्दाफाश हो सके। उसकी नौकरी भी खतरे में पड़ जाती, पर उसे इसकी परवाह नहीं थी। उसका फैसला उसके करियर के हर उस नियम के खिलाफ था जो उसने खुद बनाया था। लेकिन उसने सोचा नहीं। यह उन दुर्लभ विस्फोटों में से एक था जो कभी-कभी उस पर हावी हो जाते थे, उसे बेकाबू कर देते थे, उसे एक ऐसे प्राणी में बदल देते थे जो सिर्फ अपनी बात मनवाने की धुन में पागल हो जाता था, क्योंकि उसे लगता था कि उसका तरीका इतना सही है कि वह अंधाधुंध विश्वास कर बैठा था। लेकिन वह जानता था कि गजट का विनाश सिर्फ पहला कदम होगा। यह मुलिगन को बचाने के लिए काफी नहीं था।
तीन साल तक वायनांड ने एक छोटे से संपादकीय लेख की कतरन संभाल कर रखी थी, जो एक महान समाचार पत्र के प्रसिद्ध संपादक द्वारा भ्रष्टाचार पर लिखा गया था। उन्होंने इसे इसलिए रखा था क्योंकि यह ईमानदारी की सबसे खूबसूरत प्रशंसा थी जो उन्होंने कभी पढ़ी थी। उन्होंने वह कतरन ली और उस महान संपादक से मिलने गए। वे उन्हें मुलिगन के बारे में बताएंगे और साथ मिलकर वे भ्रष्टाचार के तंत्र को हराएंगे।
वह शहर के उस पार, मशहूर अखबार की इमारत तक पैदल चलकर गया। उसे चलना ही था। इससे उसके अंदर के गुस्से को काबू करने में मदद मिलती थी। उसे संपादक के दफ्तर में जाने दिया गया—वह नियमों के विरुद्ध जाकर भी जगहों पर घुसने का तरीका जानता था। उसने मेज पर एक मोटे आदमी को देखा, जिसकी पतली-पतली आँखें पास-पास थीं। उसने अपना परिचय नहीं दिया, बल्कि अखबार की कतरन मेज पर रख दी और पूछा: "क्या आपको यह याद है?" संपादक ने कतरन पर एक नज़र डाली, फिर वायनांड की ओर। यह वही नज़र थी जो वायनांड ने पहले भी देखी थी: उस शराबखाने वाले की आँखों में जिसने दरवाजा पटक दिया था। संपादक ने पूछा, "आप मुझसे यह उम्मीद कैसे कर सकते हैं कि मुझे अपनी लिखी हर बकवास याद रहे?"
कुछ क्षण बाद, वायनांड ने कहा: "धन्यवाद।" यह उनके जीवन का एकमात्र ऐसा क्षण था जब उन्होंने किसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। यह कृतज्ञता सच्ची थी—एक ऐसे सबक का प्रतिफल जिसकी उन्हें फिर कभी आवश्यकता नहीं पड़ेगी। लेकिन संपादक भी जानता था कि उस संक्षिप्त "धन्यवाद" में कुछ बहुत गलत और बेहद भयावह था। उसे नहीं पता था कि यह गेल वायनांड की मृत्यु पर एक शोक संदेश था।
वायनांड गजट वापस लौट आया, संपादक या राजनीतिक तंत्र के प्रति उसके मन में कोई क्रोध नहीं था। उसे केवल अपने लिए, पैट मुलिगन के लिए, और सारी ईमानदारी के लिए घोर घृणा थी; उसे उन लोगों के बारे में सोचकर शर्म आती थी जिनके शिकार बनने के लिए वह और मुलिगन तैयार थे। वह उन्हें "पीड़ित" नहीं, बल्कि "बेवकूफ" समझता था। वह कार्यालय लौटा और कैप्टन मुलिगन की जमकर आलोचना करते हुए एक शानदार संपादकीय लिखा। "अरे, मुझे लगा था कि तुम्हें उस बेचारे पर थोड़ी दया आती होगी।"
उनके संपादक ने प्रसन्नता से कहा, "मुझे किसी के लिए कोई अफ़सोस नहीं है," वायनांड ने कहा।
किराना दुकानदारों और नौकरों को गेल वायनांड की कद्र नहीं थी; राजनेताओं को थी। अखबार में काम करते हुए उन्होंने लोगों से घुलना-मिलना सीख लिया था। उनके चेहरे पर वही भाव आ गया था जो जीवन भर उनके चेहरे पर रहा: पूरी तरह से मुस्कान तो नहीं, लेकिन पूरी दुनिया पर कटाक्ष भरी एक भावहीन नज़र। लोग समझ जाते थे कि उनका मज़ाक उन्हीं चीज़ों पर था जिनका वे मज़ाक उड़ाना चाहते थे।
इसके अलावा, ऐसे व्यक्ति से व्यवहार करना सुखद था जो जुनून या पवित्रता से विचलित नहीं होता था।

जब वह तेईस वर्ष के थे, तब एक प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गुट ने, जो नगरपालिका चुनाव जीतने के इरादे से किसी विशेष मुद्दे का प्रचार करने के लिए एक समाचार पत्र की तलाश में था, गज़ट अखबार खरीद लिया। उन्होंने इसे गेल वायनांड के नाम पर खरीदा, जो उस गुट के लिए एक सम्मानित मुखौटा के रूप में काम करने वाली थीं।
गेल वायनांड मुख्य संपादक बने। उन्होंने इस मुद्दे को उठाया और अपने आकाओं के लिए चुनाव जितवाया। दो साल बाद, उन्होंने गिरोह का भंडाफोड़ किया, उसके नेताओं को जेल भेजा और गैज़ेट के एकमात्र मालिक बने रहे।
सबसे पहले उन्होंने इमारत के दरवाजे पर लगा साइनबोर्ड फ़ाड़ दिया और अखबार का पुराना लोगो हटा दिया। द गैज़ेट का नाम बदलकर न्यूयॉर्क बैनर हो गया। उनके दोस्तों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, "प्रकाशक अखबार का नाम नहीं बदलते।" उन्होंने कहा, "यह तो बदल रहा है।"
बैनर का पहला अभियान एक धर्मार्थ कार्य के लिए धन जुटाने की अपील थी। बैनर को बराबर जगह में अगल-बगल प्रदर्शित किया गया था और इसमें दो कहानियां छपी थीं: एक संघर्षरत युवा के बारे में।
एक कहानी में एक वैज्ञानिक एक छोटे से कमरे में भूख से मर रहा था और एक महान आविष्कार पर काम कर रहा था; दूसरी कहानी एक नौकरानी के बारे में थी, जो एक फांसी पर लटकाए गए हत्यारे की प्रेमिका थी और अपने नाजायज बच्चे के जन्म की प्रतीक्षा कर रही थी। एक कहानी में वैज्ञानिक आरेखों का इस्तेमाल किया गया था; दूसरी में एक मुंहफट लड़की की तस्वीर थी, जिसके चेहरे पर उदासी छाई हुई थी और कपड़े अस्त-व्यस्त थे। बैनर अखबार ने अपने पाठकों से इन दोनों दुर्भाग्यशाली लोगों की मदद करने का अनुरोध किया। युवा वैज्ञानिक के लिए उसे नौ डॉलर और पैंतालीस सेंट मिले; अविवाहित माँ के लिए उसे एक हज़ार सतहत्तर डॉलर मिले। गेल वायनांड ने अपने कर्मचारियों की एक बैठक बुलाई। उन्होंने मेज पर दोनों कहानियों वाला कागज और दोनों कोषों के लिए एकत्रित धन रख दिया।
“क्या यहां कोई ऐसा है जिसे समझ नहीं आया?” उसने पूछा। किसी ने जवाब नहीं दिया। उसने कहा: “अब आप सभी को पता चल गया है कि बैनर किस तरह के कागज पर छपने वाला है।”
उनके समय के प्रकाशक अपने अखबारों पर अपनी व्यक्तिगत छाप छोड़ने में गर्व महसूस करते थे। गेल वायनांड ने अपने अखबार को पूरी तरह से जनता के सामने पेश किया। बैनर अखबार का बाहरी रूप सर्कस के पोस्टर जैसा और आंतरिक रूप सर्कस के प्रदर्शन जैसा था। इसका उद्देश्य एक ही था—लोगों को चौंकाना, उनका मनोरंजन करना और टिकट खरीदना। इस पर एक नहीं, बल्कि लाखों लोगों की छाप थी। गेल वायनांड ने अपनी नीति समझाते हुए कहा, "अगर कोई गुण होते भी हैं, तो वे अलग-अलग होते हैं।"
“परन्तु उनकी बुराइयाँ एक समान हैं।” उन्होंने प्रश्नकर्ता की आँखों में सीधे देखते हुए कहा, “मैं उस चीज़ की सेवा कर रहा हूँ जो इस पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा में विद्यमान है। मैं बहुसंख्यक का प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ—निःसंदेह यह एक सद्गुण का कार्य है।”
जनता अपराध, घोटाले और भावनाओं की मांग कर रही थी। गेल वायनांड ने उन्हें ये सब दिया। उन्होंने लोगों को वो सब दिया जो वे चाहते थे, साथ ही उन रुचियों को पूरा करने का औचित्य भी दिया जिनसे वे शर्मिंदा थे। बैनर ने हत्या, आगजनी, बलात्कार, भ्रष्टाचार को प्रस्तुत किया—प्रत्येक के विरुद्ध एक उपयुक्त नैतिक संदेश के साथ। एक नैतिक संदेश के लिए तीन कालम में विस्तृत विवरण दिए गए थे। "यदि आप लोगों को कोई नेक कर्तव्य निभाने के लिए मजबूर करते हैं, तो वे ऊब जाते हैं।"
वायनांड ने कहा, “अगर आप उन्हें अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए मजबूर करते हैं, तो उन्हें शर्म आती है। लेकिन दोनों को मिला दें—तो वे आपके वश में हो जाते हैं।”
उन्होंने पतित लड़कियों, समाज में होने वाले तलाक, अनाथालयों, रेड-लाइट इलाकों

और चैरिटी अस्पतालों के बारे में कहानियां चलाईं। वायनांड ने कहा, “पहले सेक्स, फिर आंसू।”
उन्हें खुजली करवाओ और उन्हें रुलाओ—और बस, वे तुम्हारे काबू में आ जाएंगे।"
बैनर ने ऐसे मुद्दों पर महान और साहसी अभियान चलाए जिनका कोई विरोध नहीं था। इसने राजनेताओं का पर्दाफाश किया—ग्रेंड से एक कदम आगे रहते हुए।
जूरी ने दलितों के नाम पर एकाधिकारों पर प्रहार किया; इसने अमीरों और सफल लोगों की मज़ाक उड़ाया—उन लोगों के अंदाज़ में जो कभी अमीर या सफल नहीं हो सकते थे। इसने समाज की चकाचौंध को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया—और समाज की खबरों को एक सूक्ष्म व्यंग्य के साथ प्रस्तुत किया। इससे आम आदमी को दो तरह की संतुष्टि मिली: एक तो प्रतिष्ठित ड्राइंग रूम में प्रवेश करने की और दूसरा दहलीज पर पैर न पोंछने की।
द बैनर को सत्य, रुचि और विश्वसनीयता को तोड़-मरोड़कर पेश करने की अनुमति थी, लेकिन पाठकों की बौद्धिक क्षमता को नहीं। इसकी विशाल सुर्खियां, चकाचौंध भरी तस्वीरें और अतिसरलीकृत पाठ सीधे इंद्रियों पर प्रहार करते थे और तर्क की किसी मध्यवर्ती प्रक्रिया की आवश्यकता के बिना ही लोगों की चेतना में प्रवेश कर जाते थे, ठीक वैसे ही जैसे भोजन सीधे गुदा मार्ग से होकर गुजरता है और उसे पाचन की आवश्यकता नहीं होती।
गेल वायनांड ने अपने कर्मचारियों से कहा, "खबर वह है जो सबसे अधिक लोगों में सबसे अधिक उत्साह पैदा करे। वह चीज़ जो उन्हें पूरी तरह से हैरान कर दे। जितनी ज्यादा हैरानी हो, उतना ही अच्छा, बशर्ते कि ऐसे लोग पर्याप्त संख्या में हों।"
एक दिन वह एक ऐसे आदमी को दफ्तर ले आया जिसे उसने सड़क से उठाया था। वह एक साधारण आदमी था, न तो सलीके से कपड़े पहने हुए और न ही फटेहाल, न लंबा और न छोटा, न काला और न गोरा; उसका चेहरा ऐसा था कि उसे देखकर भी कोई उसे याद नहीं रख पाता था। वह इतना साधारण होने के कारण डरावना था; उसमें एक मंदबुद्धि व्यक्ति की भी कोई पहचान नहीं थी। वायनांड उसे इमारत में ले गया, कर्मचारियों के हर सदस्य से उसका परिचय कराया और उसे जाने दिया।
फिर वायनांड ने अपने कर्मचारियों को एक साथ बुलाया और उनसे कहा: "जब भी अपने काम के बारे में संदेह हो, तो उस व्यक्ति का चेहरा याद रखें। आप उसी के लिए लिख रहे हैं।"
“लेकिन, श्री वायनांड,” एक युवा संपादक ने कहा, “उनका चेहरा तो याद ही नहीं रहता।” “यही तो बात है,” वायनांड ने कहा।
जब गेल वायनांड का नाम प्रकाशन जगत के लिए खतरा बन गया, तो अखबार मालिकों के एक समूह ने उन्हें एक तरफ ले जाकर - शहर के एक चैरिटी कार्यक्रम में, जिसमें सभी को उपस्थित होना था - सार्वजनिक रुचि को ठेस पहुंचाने के लिए उनकी निंदा की। वायनांड ने कहा, "लोगों को उस आत्मसम्मान को बनाए रखने में मदद करना मेरा काम नहीं है जो उनके पास है ही नहीं।"
आप उन्हें वो देते हैं जो वे सार्वजनिक रूप से पसंद करने का दावा करते हैं। मैं उन्हें वो देता हूँ जो उन्हें वास्तव में पसंद है। ईमानदारी ही सबसे अच्छी नीति है, सज्जनों, हालांकि उस अर्थ में नहीं जिस अर्थ में आपको सिखाया गया है।
वायनांड के लिए किसी भी काम को बेहतरीन तरीके से न करना असंभव था। उनका लक्ष्य चाहे जो भी हो, उनके साधन सर्वोत्तम थे। उनके अखबार के पन्नों में दबी हुई सारी लगन, ताकत और इच्छाशक्ति इसे बनाने में लगी रहती थी।
असाधारण प्रतिभा को साधारण चीज़ों में पूर्णता प्राप्त करने के लिए बेहिसाब खर्च कर दिया गया। सनसनीखेज कहानियों को इकट्ठा करने और उन्हें कागज़ों पर उकेरने में उन्होंने जितनी ऊर्जा लगाई, उससे एक नए धार्मिक विश्वास की नींव रखी जा सकती थी।

द बैनर हमेशा सबसे पहले खबरें देता था। जब दक्षिण अमेरिका में भूकंप आया और प्रभावित क्षेत्र से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था, तो वायनांड ने एक जहाज किराए पर लिया, एक दल को घटनास्थल पर भेजा और अपने प्रतिद्वंद्वियों से कई दिन पहले न्यूयॉर्क की सड़कों पर अतिरिक्त कलाकारों को तैनात कर दिया, जिनके पास आग की लपटों, खाइयों और कुचले हुए शवों को दर्शाने वाले चित्र थे। जब अटलांटिक तट पर तूफान में डूब रहे एक जहाज से एसओएस (सहायता संदेश) प्राप्त हुआ, तो वायनांड स्वयं तटरक्षक बल से पहले अपने दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे; वायनांड ने बचाव कार्य का नेतृत्व किया और एक विशेष खबर लेकर लौटे, जिसमें उनकी तस्वीरें भी थीं, जिनमें वे उग्र लहरों पर सीढ़ी चढ़ते हुए, अपनी बाहों में एक बच्चे को लिए हुए थे। जब हिमस्खलन के कारण कनाडा का एक गाँव दुनिया से कट गया, तो बैनर अखबार ने गुब्बारा भेजकर वहां के निवासियों के लिए भोजन और बाइबल पहुंचाई। जब कोयला खदानों में काम करने वाले एक समुदाय में हड़ताल के कारण जनजीवन ठप्प हो गया, तो बैनर ने उनके लिए भोजन वितरण केंद्र खोले और गरीबी के दबाव में खनिकों की सुंदर बेटियों के सामने आने वाले खतरों की मार्मिक कहानियाँ छापीं। जब एक बिल्ली का बच्चा खंभे के ऊपर फंस गया, तो उसे बैनर के एक फोटोग्राफर ने बचाया।
“जब कोई खबर न हो, तो खबर बनाओ,” वायनांड का आदेश था। एक पागल व्यक्ति सरकारी मानसिक अस्पताल से भाग गया। कई मील दूर तक फैले आतंक के बाद—जो बैनर अखबार की भयावह भविष्यवाणियों और स्थानीय पुलिस की अक्षमता पर उसके आक्रोश से और भी बढ़ गया था—उसे बैनर के एक पत्रकार ने पकड़ लिया। पकड़े जाने के दो हफ्ते बाद वह चमत्कारिक रूप से ठीक हो गया, उसे रिहा कर दिया गया और उसने बैनर को अस्पताल में अपने साथ हुए दुर्व्यवहार का खुलासा करने वाला लेख बेच दिया। इससे व्यापक सुधार हुए। बाद में, कुछ लोगों ने कहा कि अस्पताल में भर्ती होने से पहले उस पागल व्यक्ति ने बैनर के लिए काम किया था। यह कभी साबित नहीं हो सका।
एक कारखाने में आग लग गई, जहाँ तीस युवतियाँ काम करती थीं। इस हादसे में दो युवतियों की मौत हो गई। बची हुई युवतियों में से एक, मैरी वॉटसन ने बैनर अखबार को उनके साथ हुए शोषण की एक विशेष कहानी सुनाई। इसके बाद शहर की कुछ प्रमुख महिलाओं के नेतृत्व में कारखानों के खिलाफ एक अभियान शुरू हुआ। आग लगने का कारण कभी पता नहीं चल पाया।
दबी आवाज़ में कहा जाता था कि मैरी वॉटसन कभी एवलिन ड्रेक थीं, जो बैनर के लिए लिखती थीं। इसे साबित नहीं किया जा सका।
बैनर की स्थापना के शुरुआती वर्षों में गेल वायनांड अपने बेडरूम से ज़्यादा रातें अपने दफ्तर के सोफे पर बिताते थे। कर्मचारियों से उनकी अपेक्षाएँ इतनी ज़बरदस्त थीं कि उन्हें निभाना उनके लिए असंभव था; स्वयं उनकी अपेक्षाएँ तो अविश्वसनीय थीं। वे कर्मचारियों को सेना की तरह चलाते थे; स्वयं को गुलाम की तरह। वे कर्मचारियों को अच्छा वेतन देते थे; उन्हें किराए और खाने के अलावा कुछ नहीं मिलता था। उस समय जब उनके सर्वश्रेष्ठ पत्रकार महंगे होटलों के सुइट्स में रहते थे, वे एक सुसज्जित कमरे में रहते थे। वे आय से भी तेज़ी से पैसा खर्च करते थे—और सारा पैसा बैनर पर ही खर्च कर देते थे। अखबार उनके लिए एक विलासितापूर्ण प्रेमिका की तरह था, जिसकी हर ज़रूरत बिना किसी कीमत की परवाह किए पूरी की जाती थी।
सबसे पहले बैनर को नवीनतम टाइपोग्राफिकल उपकरण प्राप्त हुए।
बैनर अखबार को सबसे आखिर में सर्वश्रेष्ठ पत्रकार मिलते थे—आखिरी इसलिए क्योंकि वह उन्हें अपने पास ही रखता था। वायनांड ने अपने प्रतिद्वंद्वियों के शहर स्थित दफ्तरों में पत्रकारों की भर्ती की; कोई भी उनके द्वारा दी जाने वाली तनख्वाहों का मुकाबला नहीं कर सकता था। उनकी कार्यप्रणाली एक सरल सूत्र में विकसित हो गई। जब किसी पत्रकार को वायनांड से मिलने का निमंत्रण मिलता, तो वह इसे अपनी

पत्रकारिता को ईमानदारी का अपमान समझता, फिर भी वह मिलने जरूर जाता। वह इस तैयारी के साथ जाता कि वह नौकरी स्वीकार करने से पहले कुछ आपत्तिजनक शर्तें रखेगा, यदि उसे नौकरी मिलती भी है तो।
वायनांड ने साक्षात्कार की शुरुआत अपने द्वारा दिए जाने वाले वेतन को बताकर की। फिर उन्होंने आगे कहा, "आप चाहें तो अन्य स्थितियों पर भी चर्चा कर सकते हैं—" और उस व्यक्ति के गले में निगलने की क्रिया देखकर उन्होंने निष्कर्ष निकाला, "नहीं? ठीक है। सोमवार को मुझे रिपोर्ट करें।"
जब वायनांड ने फिलाडेल्फिया में अपना दूसरा अखबार खोला, तो स्थानीय प्रकाशकों ने उनका उसी तरह स्वागत किया जैसे यूरोपीय सरदार अत्तिला के आक्रमण के विरुद्ध एकजुट हुए हों। इसके बाद जो युद्ध हुआ वह भी उतना ही क्रूर था। वायनांड ने इस पर हंसते हुए कहा। अखबार की डिलीवरी गाड़ियों को हाईजैक करने और अखबार विक्रेताओं को पीटने के लिए गुंडों को किराए पर लेने के बारे में उन्हें कोई कुछ नहीं सिखा सकता था।
इस लड़ाई में उनके दो प्रतिद्वंद्वी मारे गए। वायनांड फिलाडेल्फिया स्टार बच गया। बाकी सब कुछ महामारी की तरह तेज़ी से और आसानी से फैल गया। जब तक वे पैंतीस वर्ष के हुए, अमेरिका के सभी प्रमुख शहरों में वायुनांड के अखबार मौजूद थे। जब वे चालीस वर्ष के हुए, तब तक वायनांड की पत्रिकाएं, वायनांड की न्यूज़रीलें और वायनांड एंटरप्राइजेज़, इंक. का अधिकांश हिस्सा स्थापित हो चुका था।
कई ऐसी गतिविधियाँ, जिनका प्रचार नहीं किया गया, उनकी संपत्ति बनाने में सहायक रहीं।
उन्हें अपने बचपन की कोई बात नहीं भूली थी। उन्हें याद था कि फेरी की रेलिंग पर जूते पॉलिश करते हुए उन्होंने क्या सोचा था—एक बढ़ते शहर के अवसरों के बारे में। उन्होंने ऐसी ज़मीन खरीदी जहां किसी को उम्मीद नहीं थी कि वह इतनी कीमती हो जाएगी, उन्होंने तमाम सलाहों के खिलाफ़ जाकर निर्माण कार्य किया—और सैकड़ों को हजारों में बदल दिया। उन्होंने हर तरह के कई व्यवसायों में पैसे के बल पर प्रवेश किया। कभी-कभी वे व्यवसाय विफल हो जाते थे, जिससे गेल वायनांड को छोड़कर सभी संबंधित लोग बर्बाद हो जाते थे। उन्होंने एक संदिग्ध स्टीटकार एकाधिकार के खिलाफ अभियान चलाया और उसकी फ्रेंचाइज़ी छीन ली; फ्रेंचाइज़ी गेल वायनांड द्वारा नियंत्रित एक और भी संदिग्ध समूह को दे दी गई। उन्होंने मध्यपश्चिम में गोमांस बाज़ार पर कब्जा करने के एक घिनौने प्रयास का पर्दाफाश किया—और अपने आदेशों के तहत काम करने वाले एक अन्य गिरोह के लिए रास्ता साफ कर दिया।
उन्हें कई लोगों का सहयोग मिला जिन्होंने पाया कि युवा वायनांड एक प्रतिभाशाली व्यक्ति थे और उनका उपयोग करना उचित था। उपयोग किए जाने पर भी उन्होंने बड़ी सहजता दिखाई। हर मामले में, लोगों ने पाया कि उनका ही उपयोग किया गया था—जैसे कि वे लोग जिन्होंने गेल वायनांड के लिए गजट खरीदा था।

कभी-कभी वह जानबूझकर और निर्मम इरादे से अपने निवेशों में नुकसान उठाता था। कई गुप्त चालों के ज़रिए उसने कई शक्तिशाली व्यक्तियों को बर्बाद कर दिया: एक बैंक के अध्यक्ष, एक बीमा कंपनी के प्रमुख, एक स्टीमशिप कंपनी के मालिक और अन्य। कोई भी उसके इरादों का पता नहीं लगा सका। वे लोग उसके प्रतिद्वंद्वी नहीं थे और उनके विनाश से उसे कुछ भी हासिल नहीं हुआ।
लोगों ने कहा, "वो कमीना वायनांड चाहे जो भी चाहता हो, वह पैसा नहीं चाहता।"
जो लोग लगातार उसकी निंदा करते थे, उन्हें अपने पेशे से निकाल दिया जाता था: कुछ को कुछ ही हफ्तों में, दूसरों को कई वर्षों बाद। ऐसे भी मौके आए जब उसने अपमानों को अनसुना कर दिया; ऐसे भी मौके आए जब उसने एक मामूली सी टिप्पणी पर किसी

को तोड़ डाला। यह कहना मुश्किल था कि वह किस बात का बदला लेगा और किसे माफ करेगा।
एक दिन उन्होंने दूसरे अखबार में एक युवा पत्रकार के शानदार काम को देखा और उसे बुलवाया। लड़का आया, लेकिन वायनांड द्वारा बताई गई तनख्वाह का उस पर कोई असर नहीं हुआ। "मैं आपके लिए काम नहीं कर सकता, महोदय..."
“वायनैंड,” उसने हताशा भरी गंभीरता से कहा, “क्योंकि तुम... तुम्हारे पास कोई आदर्श नहीं हैं।” वायनैंड के पतले होंठों पर मुस्कान आ गई। “तुम मानवीय दुराचार से बच नहीं सकते, बच्चे,” उसने कोमल स्वर में कहा। “हो सकता है कि जिस बॉस के लिए तुम काम करते हो, उसके पास भी आदर्श हों।”
आदर्श तो हैं, लेकिन उसे पैसे के लिए भीख मांगनी पड़ती है और कई नीच लोगों से आदेश लेने पड़ते हैं। मेरे कोई आदर्श नहीं हैं - लेकिन मैं भीख नहीं मांगता। अपनी पसंद खुद चुनो। कोई दूसरा विकल्प नहीं है।” लड़का वापस अपने अखबार पर काम करने लगा। एक साल बाद वह वायनांड आया और पूछा कि क्या उसका प्रस्ताव अभी भी मान्य है।
वायनांड ने कहा कि ऐसा ही था। वह लड़का तब से बैनर में ही काम करता रहा। वह स्टाफ में इकलौता ऐसा व्यक्ति था जो गेल वायनांड से प्यार करता था।
अलवाह स्कारेट, जो मूल गजट के इकलौते जीवित सदस्य थे, वायनांड के साथ ही आगे बढ़े थे। लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि वे वायनांड से प्रेम करते थे—वे तो बस अपने बॉस के प्रति उसी निष्ठा से चिपके रहते थे जैसे वायनांड के पैरों के नीचे की चटाई। अलवाह स्कारेट ने कभी किसी से घृणा नहीं की थी, इसलिए उनमें प्रेम की भावना नहीं थी। वे चतुर, सक्षम और उस भोलेपन में बेईमान थे जैसे उन्हें नैतिकता का कोई ज्ञान ही न हो। वे अपने लिखे हर शब्द और बैनर में छपी हर बात पर विश्वास करते थे। उनका विश्वास केवल दो सप्ताह तक ही टिकता था। वे वायनांड के लिए अमूल्य थे—जनता की प्रतिक्रिया का पारा रखने वाले एक संकेतक के रूप में।
कोई नहीं कह सकता था कि गेल वायनांड का कोई निजी जीवन था या नहीं। दफ्तर से दूर उनका समय बैनर अखबार के पहले पन्ने की तरह बीतता था—लेकिन एक भव्य अंदाज में, मानो वे अभी भी सर्कस कर रहे हों, बस राजाओं की भीड़ के सामने। उन्होंने एक भव्य ओपेरा प्रदर्शन के लिए पूरा हॉल बुक कर लिया—और खाली सभागार में अपनी मौजूदा प्रेमिका के साथ अकेले बैठे रहे। उन्होंने एक अज्ञात नाटककार का एक सुंदर नाटक खोजा और उसे एक बार मंचित करवाने के लिए भारी रकम दी; वायनांड उस एकमात्र प्रदर्शन के इकलौते दर्शक थे; स्क्रिप्ट अगली सुबह जला दी गई। जब एक प्रतिष्ठित समाज की महिला ने उनसे किसी नेक काम के लिए दान देने को कहा, तो वायनांड ने उन्हें एक हस्ताक्षरित खाली चेक थमा दिया—और हंसते हुए स्वीकार किया कि उसने जो राशि भरने की हिम्मत की थी, वह उससे कम थी जो वे अन्यथा देते।
उन्होंने एक ऐसे कंगाल ढोंगी के लिए एक तरह का बाल्कन सिंहासन खरीदा, जिससे वे एक गुप्त बार में मिले थे और उसके बाद कभी मिलने की ज़हमत नहीं उठाई; वे अक्सर खुद को "मेरा नौकर, मेरा ड्राइवर और मेरा राजा" कहते थे।
रात में, नौ डॉलर में खरीदे गए एक पुराने से सूट में, वायनांड अक्सर सबवे में सफर करते और झुग्गी-झोपड़ी वाले इलाकों की तंग गलियों में घूमते हुए अपने श्रोताओं की बातें सुनते थे। एक बार, एक तहखाने में बने शराबखाने में, उन्होंने एक टैक्स ड्राइवर को गेल वायनांड को पूंजीवादी बुराइयों का सबसे बड़ा समर्थक बताते हुए सुना, वह भी तीखे शब्दों में। वायनांड उससे सहमत हुए और अपनी कुछ बातों से उसकी बात को आगे बढ़ाया।
अपनी ही शैली में, हेल्स किचन की शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए। फिर वायनांड ने मेज पर किसी द्वारा छोड़े गए बैनर की एक प्रति उठाई, पृष्ठ 3 से अपनी तस्वीर फाड़ी,

उसे सौ डॉलर के नोट पर चिपकाया, ट्रक चालक को दिया और किसी के कुछ कहने से पहले ही बाहर निकल गया।
उनकी रखैलें इतनी तेजी से बदलती रहीं कि यह गपशप की बात ही नहीं रह गई। कहा जाता था कि वह किसी भी महिला के साथ तभी आनंद लेते थे जब उसे खरीद लेते थे—और वह महिला ऐसी होनी चाहिए थी जिसे खरीदा न जा सके।
उन्होंने अपने जीवन के हर पहलू को सार्वजनिक करके उसे गुप्त रखा। उन्होंने खुद को भीड़ के हवाले कर दिया था; वे किसी की भी संपत्ति थे, पार्क में किसी स्मारक की तरह, बस स्टॉप के साइनबोर्ड की तरह, या बैनर अखबार के पन्नों की तरह। उनके अखबारों में उनकी तस्वीरें फिल्मी सितारों की तस्वीरों से भी ज़्यादा छपती थीं। हर तरह के कपड़ों में, हर मुमकिन मौके पर उनकी तस्वीरें खींची गई थीं। उनकी कभी नग्न तस्वीर नहीं खींची गई थी, लेकिन उनके पाठकों को ऐसा लगता था मानो उनकी नग्न तस्वीर खींची गई हो। उन्हें निजी प्रचार से कोई खुशी नहीं मिलती थी; यह महज़ एक नीति थी जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया था। उनके पेंटहाउस का हर कोना उनके अखबारों और पत्रिकाओं में छप चुका था। उन्होंने कहा, "देश का हर कमीना मेरे फ्रिज और बाथटब के अंदर की हर बात जानता है।"
हालांकि, उनके जीवन का एक पहलू बहुत कम लोगों को पता था और जिसका कभी ज़िक्र नहीं हुआ। उनके पेंटहाउस के नीचे वाली इमारत की सबसे ऊपरी मंज़िल उनकी निजी कला दीर्घा थी। वह हमेशा बंद रहती थी। उन्होंने चौकीदार के अलावा किसी को भी अंदर जाने की इजाज़त नहीं दी थी। कुछ ही लोगों को इसके बारे में पता था। एक बार एक फ्रांसीसी राजदूत ने उनसे वहाँ जाने की अनुमति माँगी। वायनांड ने मना कर दिया।
कभी-कभार, हालांकि अक्सर नहीं, वह अपनी गैलरी में उतरते और घंटों वहीं बैठे रहते। उन्होंने जो कलाकृतियाँ एकत्र कीं, वे उनके अपने मानकों के अनुसार चुनी गई थीं। उनके पास प्रसिद्ध कृतियाँ थीं; उनके पास अज्ञात कलाकारों के चित्र भी थे; उन्होंने अमर नामों की रचनाओं को अस्वीकार कर दिया, जिनकी उन्हें परवाह नहीं थी। संग्राहकों द्वारा निर्धारित मूल्य और महान हस्ताक्षरों का उन्हें कोई महत्व नहीं था। जिन कला व्यापारियों को वह संरक्षण देते थे, वे बताते थे कि उनका निर्णय किसी उस्ताद जैसा था।
एक रात उनके नौकर ने वायनांड को नीचे स्थित आर्ट गैलरी से लौटते देखा और उनके चेहरे के भाव देखकर स्तब्ध रह गया; उनके चेहरे पर पीड़ा का भाव था, फिर भी वे दस साल छोटे लग रहे थे। "क्या आप बीमार हैं, महोदय?"
उसने पूछा। वायनांड ने उसकी ओर उदासीनता से देखा और कहा: "जाओ सो जाओ।"
“हम आपकी आर्ट गैलरी से संडे स्कैंडल शीट के लिए एक शानदार खबर बना सकते हैं,” अल्वाह स्कारेट ने उदास स्वर में कहा। “नहीं,” वायनांड ने कहा।
“लेकिन क्यों, गेल?” “देखो, अल्वु। धरती पर हर इंसान की अपनी एक आत्मा होती है जिसे कोई नहीं देख सकता। यहाँ तक कि जेल में बंद कैदियों और तमाशों में तमाशबीनों की भी। सिवाय मेरे। मेरी आत्मा तो तुम्हारे रविवार के सनसनीखेज अखबार में छपी है—तीन रंगों में। इसलिए मुझे कोई विकल्प चाहिए—भले ही वह सिर्फ एक बंद कमरा और कुछ ऐसी चीज़ें हों जिन्हें कोई छू न सके।”
यह एक लंबी प्रक्रिया थी और इसके पूर्वाभास भी मिल रहे थे, लेकिन स्कारेट ने गेल वायनांड के चरित्र में एक विशेष नए लक्षण को तब तक नहीं पहचाना जब तक वायनांड पैंतालीस वर्ष की नहीं हो गईं। फिर यह कई लोगों के सामने स्पष्ट हो गया।
वायनांड ने उद्योगपतियों और वित्तपोषकों को लूटने में रुचि खो दी। उन्हें एक नए प्रकार के शिकार मिल गए। लोग यह नहीं बता पा रहे थे कि यह एक खेल था, एक जुनून

था या एक सोचा-समझा प्रयास। उन्हें यह भयानक लगता था, क्योंकि यह बेहद क्रूर और निरर्थक प्रतीत होता था।
इसकी शुरुआत डवाइट कार्सन के मामले से हुई। डवाइट कार्सन एक प्रतिभाशाली युवा लेखक थे, जिन्होंने अपने सिद्धांतों के प्रति अटूट निष्ठा के साथ एक बेदाग छवि हासिल की थी। उन्होंने जनसमूह के विरुद्ध व्यक्ति के अधिकारों का समर्थन किया। वे प्रतिष्ठित लेकिन कम प्रसार वाली पत्रिकाओं के लिए लिखते थे, जो वायनांड के लिए कोई ख़तरा नहीं थीं।
वायनांड ने डवाइट कार्सन को खरीद लिया। उन्होंने कार्सन को बैनर अखबार में एक कॉलम लिखने के लिए मजबूर किया, जिसमें प्रतिभावान व्यक्ति पर आम जनता की श्रेष्ठता का प्रचार किया गया था। यह एक घटिया, नीरस और अविश्वसनीय कॉलम था; इसने कई लोगों को नाराज कर दिया। यह जगह और एक बड़ी तनख्वाह की बर्बादी थी। वायनांड ने इसे जारी रखने पर जोर दिया।
कार्सन के इस धर्मत्याग से अल्वाह स्कारेट भी हैरान थे। उन्होंने कहा, "कोई और होता तो ऐसा करता, गेल, लेकिन सच कहूं तो मुझे कार्सन से ऐसी उम्मीद नहीं थी।"
वायनांड हँसा; वह इतनी देर तक हँसता रहा मानो खुद को रोक ही न पा रहा हो; उसकी हँसी में उन्माद का भाव झलक रहा था। स्कारेट ने भौंहें चढ़ाईं; उसे वायनांड को अपनी भावनाओं पर काबू न रख पाने का दृश्य अच्छा नहीं लगा; यह वायनांड के बारे में उसकी हर जानकारी के विपरीत था; इससे स्कारेट को एक अजीब सी आशंका हुई, जैसे किसी ठोस दीवार में छोटी सी दरार दिख जाए; वह दरार दीवार के लिए किसी भी तरह से खतरा नहीं बन सकती थी—सिवाय इसके कि वहाँ उसका कोई काम ही नहीं था।
कुछ महीनों बाद वायनांड ने एक कट्टरपंथी पत्रिका से एक युवा लेखक को काम पर रखा, जो अपनी ईमानदारी के लिए जाना जाता था, और उसे असाधारण पुरुषों की महिमा करने और आम जनता की निंदा करने वाले लेखों की एक श्रृंखला लिखने का काम सौंपा। इससे भी उनके कई पाठक नाराज हो गए।
उसने इसे जारी रखा। ऐसा प्रतीत होता था कि उसे रक्त परिसंचरण पर पड़ने वाले सूक्ष्म प्रभावों की अब कोई परवाह नहीं थी।
उन्होंने बेसबॉल खेलों की रिपोर्टिंग के लिए एक संवेदनशील कवि को नियुक्त किया। उन्होंने वित्तीय समाचारों के लिए एक कला विशेषज्ञ को नियुक्त किया। उन्होंने कारखाने के मालिकों का बचाव करने के लिए एक समाजवादी और श्रमिकों का समर्थन करने के लिए एक रूढ़िवादी को नियुक्त किया। उन्होंने एक नास्तिक को धर्म की महिमा पर लिखने के लिए मजबूर किया। उन्होंने एक अनुशासित वैज्ञानिक से वैज्ञानिक पद्धति पर रहस्यवादी अंतर्ज्ञान की श्रेष्ठता का ऐलान करवाया। उन्होंने एक महान सिम्फनी कंडक्टर को बिना किसी काम के उदार वार्षिक आय दी, इस एकमात्र शर्त पर कि वह फिर कभी ऑर्केस्ट्रा का संचालन न करे।
इनमें से कुछ लोगों ने पहले तो इनकार कर दिया था। लेकिन कुछ ही वर्षों में कई अनसुलझे कारणों से दिवालिया होने की कगार पर पहुँचने पर उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से कुछ लोग प्रसिद्ध थे, कुछ गुमनाम। वायनांड को अपने शिकारों की पिछली प्रतिष्ठा से कोई लेना-देना नहीं था। उन्हें उन लोगों में भी कोई दिलचस्पी नहीं थी जिन्होंने अपने करियर को व्यावसायिक रूप दे दिया था और किसी भी प्रकार की कोई विशेष मान्यता नहीं रखते थे। उनके पीड़ितों में केवल एक ही गुण समान था: उनकी बेदाग ईमानदारी।
एक बार जब वे टूट गए, तो वायनांड ने उन्हें बड़ी ईमानदारी से भुगतान करना जारी रखा। लेकिन उन्हें उनकी कोई चिंता नहीं रही और न ही उन्हें दोबारा देखने की कोई इच्छा। डवाइट कार्सन शराबी बन गया। दो लोग नशे के आदी हो गए। एक ने आत्महत्या कर ली। यह आखिरी घटना स्कारेट के लिए असहनीय थी। "क्या यह हद से

ज़्यादा नहीं हो रहा, गेल?" उसने पूछा। "यह तो लगभग हत्या ही थी।" "बिल्कुल नहीं," वायनांड ने कहा। "मैं तो बस एक बाहरी परिस्थिति था। असली कारण तो वह खुद था। अगर बिजली किसी सड़े हुए पेड़ पर गिरती है और वह गिर जाता है, तो यह बिजली की गलती नहीं है।" "लेकिन आप स्वस्थ पेड़ किसे कहते हैं?" "ऐसे पेड़ होते ही नहीं, अल्वाह," वायनांड ने खुशी से कहा। "ऐसे पेड़ होते ही नहीं।"
अल्वाह स्कारेट ने वायनांड से इस नए प्रयास के बारे में कभी कोई स्पष्टीकरण नहीं मांगा। किसी धुंधली सी अंतर्ज्ञान से स्कारेट को इसके पीछे का कारण थोड़ा-बहुत समझ आ गया था। स्कारेट ने कंधे उचकाए और हंसते हुए लोगों से कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है, यह तो बस "एक सुरक्षा उपाय" है। गेल वायनांड को केवल दो लोग समझते थे: अल्वाह स्कारेट—आंशिक रूप से; एल्सवर्थ टूही।
-पूरी तरह।
एल्सवर्थ टूही—जो उस समय सबसे बढ़कर वायनांड से झगड़ा टालना चाहते थे—अपने मन में असंतोष की भावना को रोक नहीं सके, क्योंकि वायनांड ने उन्हें अपना शिकार नहीं चुना था। वे लगभग यही चाहते थे।
वायनांड उसे भ्रष्ट करने की हर संभव कोशिश करेगा, चाहे परिणाम कुछ भी हो। लेकिन वायनांड ने शायद ही कभी उसके अस्तित्व पर ध्यान दिया हो।
वायनांड को मृत्यु से कभी भय नहीं लगा था। वर्षों से उनके मन में आत्महत्या का विचार आता रहा था, इरादे के रूप में नहीं, बल्कि जीवन के अनेक अवसरों में से एक के रूप में। वे हर संभावना की तरह ही उदासीनता और विनम्रतापूर्वक जिज्ञासा से इस विचार पर गौर करते थे और फिर इसे भूल जाते थे। उन्होंने ऐसे क्षण भी देखे थे जब वे पूरी तरह से थक चुके थे और उनकी इच्छाशक्ति जवाब दे चुकी थी। ऐसे क्षणों में वे हमेशा अपनी कला दीर्घा में कुछ घंटे बिताकर खुद को तरोताज़ा कर लेते थे।
इस प्रकार वह इक्यावन वर्ष की आयु तक पहुंच गया, और एक ऐसा दिन जब उसके साथ कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं हुआ, फिर भी शाम होते-होते उसमें एक कदम भी आगे बढ़ने की इच्छा नहीं बची थी।
गेल वायनांड बिस्तर के किनारे पर आगे की ओर झुके हुए बैठे थे, उनकी कोहनी उनके घुटनों पर टिकी हुई थी और बंदूक उनकी हथेली पर थी।
हाँ, उसने खुद से कहा, कहीं न कहीं तो जवाब है। लेकिन मैं उसे जानना नहीं चाहता। मैं उसे जानना नहीं चाहता।
और क्योंकि जीवन का और अधिक विश्लेषण न करने की इस इच्छा के मूल में उसे भय का एक गहरा एहसास था, इसलिए वह जानता था कि वह आज रात नहीं मरेगा। जब तक उसे किसी बात का डर था, तब तक जीने की उम्मीद बाकी थी; भले ही इसका मतलब किसी अज्ञात आपदा की ओर बढ़ना ही क्यों न हो। मृत्यु के विचार से उसे कुछ नहीं मिलता था। जीने के विचार से उसे एक हल्की सी उम्मीद मिलती थी—डर का एक संकेत।
उसने हाथ हिलाकर बंदूक का वजन किया। उसके चेहरे पर हल्की सी तिरस्कार भरी मुस्कान थी। नहीं, उसने सोचा, यह तुम्हारे लिए नहीं है। अभी नहीं। तुम अब भी व्यर्थ मृत्यु नहीं मरना चाहते। इसी भावना ने तुम्हें रोक दिया है।
वह भी किसी चीज़ का अवशेष मात्र है।
उसने बंदूक को बिस्तर पर एक तरफ फेंक दिया, यह जानते हुए कि वह क्षण बीत चुका था और अब उससे उसे कोई खतरा नहीं था। वह उठ खड़ा हुआ। उसे कोई खुशी नहीं थी; वह थका हुआ महसूस कर रहा था; लेकिन वह अपनी सामान्य दिनचर्या में लौट आया था। कोई समस्या नहीं थी, सिवाय इसके कि आज का दिन जल्दी खत्म करके सो जाना था।
वह पानी पीने के लिए अपने अध्ययन कक्ष में गया।

जब उसने अध्ययन कक्ष की बत्ती जलाई, तो उसे टूही का उपहार दिखाई दिया। यह एक विशाल, खड़ी पेटी थी, जो उसकी डेस्क के पास रखी थी। उसने इसे शाम को पहले भी देखा था। उसने सोचा था, "क्या फर्क पड़ता है," और इसके बारे में सब कुछ भूल गया था।
उसने अपने लिए एक गिलास पेय डाला और धीरे-धीरे घूंट-घूंट करके पीने लगा। वह डिब्बा इतना बड़ा था कि उसकी नज़र से ओझल नहीं हो रहा था, और पीते हुए वह अंदाज़ा लगाने की कोशिश कर रहा था कि उसमें क्या हो सकता है। वह फर्नीचर के किसी टुकड़े के लिए बहुत लंबा और पतला था। वह कल्पना भी नहीं कर पा रहा था कि टूही उसे क्या भेजना चाहेगा; उसने कुछ कम मूर्त चीज़ की उम्मीद की थी—एक छोटा सा लिफाफा जिसमें किसी तरह की ब्लैकमेलिंग का संकेत हो; इतने सारे लोगों ने उसे ब्लैकमेल करने की कोशिश की थी, लेकिन नाकाम रहे थे; उसे लगा था कि टूही में इतनी समझ तो होगी।
जब तक उसने अपना पेय समाप्त किया, उसे उस डिब्बे के बारे में कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण नहीं मिला। यह उसे एक जिद्दी पहेली की तरह परेशान कर रहा था। उसकी डेस्क की दराज में कहीं औजारों का एक किट पड़ा था। उसने उसे ढूंढा और डिब्बे को तोड़ दिया।
यह स्टीवन मैलोरी द्वारा बनाई गई डोमिनिक फ्रैंकन की प्रतिमा थी।
गेल वायनांड अपनी मेज तक गए और अपने हाथ में पकड़ी हुई चिमटी को ऐसे नीचे रख दिया मानो वह नाजुक क्रिस्टल की बनी हो। फिर उन्होंने मुड़कर मूर्ति को दोबारा देखा। वे एक घंटे तक उसे देखते रहे।
फिर वह टेलीफोन के पास गया और टूही का नंबर डायल किया।
"हेलो?" टूही की आवाज सुनाई दी, उसकी कर्कश अधीरता से यह स्पष्ट हो गया कि वह गहरी नींद से जाग गया था।
“ठीक है। इधर आ जाओ,” वायनांड ने कहा और फोन काट दिया।
टूही आधे घंटे बाद पहुंचे। यह वायनांड के घर उनकी पहली यात्रा थी। वायनांड ने खुद ही दरवाजे की घंटी खोली, वे अभी भी अपने पायजामे में थे। उन्होंने कुछ नहीं कहा और अध्ययन कक्ष में चले गए, टूही उनके पीछे-पीछे गए।
संगमरमर की नग्न प्रतिमा, जिसका सिर श्रद्धा से पीछे की ओर झुका हुआ था, कमरे को एक ऐसी जगह जैसा बना रही थी जो अब अस्तित्व में नहीं थी: जैसे स्टौडार्ड मंदिर।
वायनांड की निगाहें आशा भरी निगाहों से टूही पर टिकी थीं, उनकी निगाहों में दमित क्रोध झलक रहा था।
"आप निश्चित रूप से मॉडल का नाम जानना चाहेंगे?" टूही ने अपनी आवाज में थोड़ी सी जीत का भाव लिए पूछा।
"बिल्कुल नहीं," वायनांड ने कहा। "मैं मूर्तिकार का नाम जानना चाहता हूँ।"
उसे आश्चर्य हुआ कि टूही को यह सवाल क्यों पसंद नहीं आया; टूही के चेहरे पर निराशा से कहीं अधिक कुछ और भी था।
“मूर्तिकार?” टूही ने कहा। “रुको... मुझे देखने दो... मुझे लगता है मैं जानता था... यह स्टीवन है... या स्टेनली... स्टेनली कुछ और...”
सच कहूं तो, मुझे याद नहीं है।
"अगर आप इसे खरीदने के लिए काफी समझदार थे, तो आप नाम पूछने और उसे कभी न भूलने के लिए भी काफी समझदार थे।"
"मैं इसकी जानकारी जुटा लूंगा, श्री वायनांड।"
"आपको यह कहां मिला?"
"किसी आर्ट शॉप में, मतलब सेकंड एवेन्यू पर मौजूद उन जगहों में से एक में।"
"यह वहां कैसे गया?"

मुझे नहीं पता। मैंने पूछा भी नहीं। मैंने इसे इसलिए खरीदा क्योंकि मैं मॉडल को जानता था।
“तुम झूठ बोल रहे हो। अगर तुम्हें सिर्फ यही दिखता, तो तुम वो जोखिम नहीं उठाते जो तुमने उठाया। तुम जानते हो कि मैंने कभी किसी को अपनी गैलरी नहीं दिखाई। क्या तुम्हें लगा कि मैं तुम्हें उसमें योगदान देने की हिम्मत करने दूँगा? आज तक किसी ने भी मुझे इस तरह का उपहार देने की हिम्मत नहीं की है।”
तुम यह जोखिम तब तक नहीं उठाते, जब तक तुम्हें पूरा यकीन न होता, बिलकुल पक्का यकीन न होता, कि यह कला का कितना महान नमूना है। तुम्हें पूरा यकीन होता कि मुझे इसे स्वीकार करना ही पड़ेगा। कि तुम मुझे हरा दोगे। और तुमने हरा दिया है।"
मुझे यह सुनकर खुशी हुई, श्री वायनांड।
“अगर आप इसका आनंद लेना चाहते हैं, तो मैं आपको यह भी बता दूं कि मुझे यह देखकर बहुत बुरा लग रहा है कि आपने ऐसा किया है। मुझे इस बात से नफरत है कि आप इसकी सराहना कर पाए। यह आप पर जंचता नहीं है। हालांकि, आपके बारे में मेरा अनुमान गलत निकला: आप कला के उतने बड़े जानकार हैं जितना मैंने सोचा भी नहीं था।”
"जो भी हो, मैं इसे एक प्रशंसा के रूप में स्वीकार करूंगा और आपको धन्यवाद दूंगा, श्री वायनांड।"
“अब आप क्या चाहते थे? आप मुझे यह समझाना चाहते थे कि जब तक मैं श्रीमती को साक्षात्कार नहीं देता, तब तक आप मुझे यह नहीं देंगे।”
पीटर कीटिंग?
“नहीं, श्रीमान वायनांड। मैंने इसे आपको उपहार में दिया है। मेरा इरादा सिर्फ आपको यह समझाने का था कि यह श्रीमती पीटर कीटिंग हैं।”
वायनांड ने मूर्ति को देखा, फिर वापस टूही की ओर देखा।
"अरे, तुम तो बिलकुल मूर्ख हो!" वायनांड ने धीरे से कहा।
टूही ने हैरानी से उसकी ओर देखा।
“तो क्या तुमने सचमुच इसे खिड़की में लाल बत्ती की तरह इस्तेमाल किया?” वायनांड को राहत मिली; अब उसे टूही की ओर देखने की जरूरत नहीं थी। “अच्छा हुआ, टूही। तुम उतने चालाक नहीं हो जितना मैंने एक पल के लिए सोचा था।”
लेकिन, श्री वायनांड, क्या...?
"क्या आपको यह एहसास नहीं था कि यह मूर्ति आपकी मिसेज कीटिंग के प्रति मेरे मन में उठने वाली किसी भी संभावित इच्छा को खत्म करने का सबसे निश्चित तरीका होगी?"
"आपने उसे नहीं देखा है, श्री वायनांड।"
“ओह, वह शायद खूबसूरत है। हो सकता है वह इससे भी ज्यादा खूबसूरत हो। लेकिन उसके पास वह नहीं हो सकता जो उस मूर्तिकार ने उसे दिया है। और उसी चेहरे को देखना, लेकिन बिना किसी अर्थ के, एक मृत व्यंग्यचित्र की तरह—
क्या आपको नहीं लगता कि इस वजह से कोई उस महिला से नफरत करेगा?
आपने उसे नहीं देखा है।
"अच्छा, ठीक है, मैं उससे मिल लूँगा। मैंने तुमसे कहा था कि तुम्हें अपनी इस हरकत के लिए पूरी छूट मिलनी चाहिए, या बिल्कुल भी नहीं। मैंने तुमसे उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का वादा तो नहीं किया था, है ना? सिर्फ उससे मिलने का वादा किया था।"
"मुझे बस यही चाहिए था, श्री वायनांड।"
"उसे मेरे कार्यालय में फोन करके अपॉइंटमेंट लेने के लिए कहो।"
"धन्यवाद, श्री वायनांड।"
इसके अलावा, आप उस मूर्तिकार का नाम न जानने के बारे में झूठ बोल रहे हैं।
लेकिन आपसे पूछना बहुत झंझट का काम है। वो मुझे खुद बता देगी।
मुझे यकीन है कि वह आपको बता देगी। वैसे, मैं झूठ क्यों बोलूं?

"भगवान जाने। वैसे, अगर यह कोई कम दर्जे का मूतेकार होता, तो इस वजह से तुम्हारी नौकरी चली जाती।"
लेकिन, आखिरकार, श्री वायनांड, मेरे पास एक अनुबंध है।
"अरे, ये सब बातें अपने मजदूर संघों के लिए बचाकर रखो, एल्सी! और अब मुझे लगता है कि तुम्हें मुझे शुभ रात्रि कहना चाहिए और यहाँ से चले जाना चाहिए।"
"जी हाँ, श्रीमान वायनांड। आपको शुभ रात्रि।"
वायनांड उनके साथ हॉल तक गए। दरवाजे पर वायनांड ने कहा:
“टूही, तुम एक घटिया व्यापारी हो। मुझे नहीं पता कि तुम मुझे श्रीमती कीटिंग से मिलवाने के लिए इतने उत्सुक क्यों हो। मुझे यह भी नहीं पता कि तुम अपनी उस कीटिंग के लिए कमीशन पाने की कोशिश में क्या धंधा चला रहे हो। लेकिन जो भी हो, यह इतना कीमती तो नहीं हो सकता कि तुम इसके बदले में ऐसी चीज़ देने को तैयार हो जाओ।”
द्वितीय
आपने अपना पन्ना का कंगन क्यों नहीं पहना?
पीटर कीटिंग ने पूछा, "गॉर्डन प्रेस्कॉट की तथाकथित मंगेतर के नीलमणि रत्न को देखकर हर कोई दंग रह गया था।"
“मुझे माफ करना, पीटर। मैं अगली बार इसे पहनूंगी,” डोमिनिक ने कहा।
“पार्टी अच्छी थी। क्या आपने अच्छा समय बिताया?”
मुझे हमेशा अच्छा समय बिताने को मिलता है।
“मैंने भी ऐसा ही किया... बस... हे भगवान, क्या आप सच जानना चाहते हैं?”
"नहीं।"
“डोमिनिक, मैं बहुत ऊब गया था। विन्सेंट नोल्टन तो सिरदर्द है। वह हद से ज़्यादा घमंडी है। मैं उसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।” उन्होंने सावधानी से आगे कहा: “मैंने दिखाया तो नहीं, है ना?”
“नहीं। तुमने बहुत अच्छा व्यवहार किया। तुमने उसके सभी चुटकुलों पर हँसा—यहाँ तक कि तब भी जब कोई और नहीं हँस रहा था।”
"अरे, तुमने यह देखा? यह हमेशा काम करता है।"
"हां, मैंने यह देखा।"
"तुम्हें लगता है कि मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए, है ना?"
मैंने ऐसा नहीं कहा है।
"आपको लगता है कि यह ... कम है, है ना?"
मुझे नहीं लगता कि कुछ भी कम है।
वह अपनी कुर्सी पर और अधिक धंस गया; इससे उसकी ठुड्डी असहज रूप से उसकी छाती से दब गई; लेकिन उसने फिर से हिलने की परवाह नहीं की।
उसके बैठक कक्ष की चिमनी में आग की लपटें चटक रही थीं। उसने पीले रेशमी शेड वाले एक दीपक को छोड़कर बाकी सभी बत्तियाँ बुझा दी थीं; लेकिन इससे अंतरंग विश्राम का कोई माहौल नहीं बन रहा था, बल्कि कमरा वीरान लग रहा था, मानो कोई खाली अपार्टमेंट हो जिसकी बिजली-पानी की व्यवस्था बंद हो। डोमिनिक कमरे के दूसरे छोर पर बैठी थी, उसका पतला शरीर सीधी पीठ वाली कुर्सी के आकार में सहजता से ढला हुआ था; वह अकड़ी हुई नहीं लग रही थी, बस थोड़ी असहज सी लग रही थी। वे दोनों अकेले थे, लेकिन वह किसी सार्वजनिक समारोह में बैठी महिला की तरह बैठी थी; जैसे किसी प्रदर्शनी की खिड़की में रखी कोई सुंदर पोशाक की पुतली हो।
एक खिड़की जो एक व्यस्त चौराहे की ओर खुलती है।
वे विंसेंट नोल्टन के घर पर चाय पार्टी से घर लौटे थे, जो एक प्रमुख युवा समाजसेवक और कीटिंग के नए दोस्त थे।

उन्होंने साथ में शांतिपूर्वक भोजन किया था, और अब उनकी शाम खाली थी। कल तक कोई और सामाजिक कार्यक्रम नहीं था।
"आपको श्रीमती से बात करते समय थियोसोफी पर नहीं हंसना चाहिए था।"
मार्श," उन्होंने कहा। "वह इसमें विश्वास करती है।"
मुझे खेद है। मैं आगे से अधिक सावधान रहूंगा।
वह उसके द्वारा बातचीत शुरू करने का इंतज़ार करता रहा। उसने कुछ नहीं कहा। उसे अचानक ख्याल आया कि उसने उससे कभी पहले बात ही नहीं की थी।
शादी के बीस महीनों में। उसने खुद से कहा कि यह बेतुका और असंभव है; उसने याद करने की कोशिश की कि कब उसने उससे बात की थी। बेशक उसने की होगी; उसे याद था कि उसने उससे पूछा था: "आज रात कितने बजे वापस आओगे?" और "क्या तुम मंगलवार के खाने में डिक्सन परिवार को शामिल करना चाहोगे?" और इसी तरह की कई बातें।
उसने उसकी तरफ एक नज़र डाली। वह ऊबी हुई या उसे नज़रअंदाज़ करने की कोशिश करती हुई नहीं लग रही थी। वह वहाँ बैठी हुई थी, सजग और तैयार, मानो उसकी संगति में ही उसकी पूरी दिलचस्पी हो; उसने न तो कोई किताब उठाई, न ही अपने किसी दूर के विचार में खोई रही। वह सीधे उसकी ओर देख रही थी, उससे आगे नहीं, मानो किसी बातचीत का इंतज़ार कर रही हो। उसे एहसास हुआ कि वह हमेशा इसी तरह सीधे उसकी ओर देखती थी; और अब वह सोच रहा था कि क्या उसे यह अच्छा लग रहा है। हाँ, उसे अच्छा लग रहा था, इससे उसे ईर्ष्या करने का कोई कारण नहीं मिल रहा था, यहाँ तक कि उसके छिपे हुए विचारों से भी नहीं। नहीं, उसे अच्छा नहीं लग रहा था, बिल्कुल नहीं, इससे उन दोनों में से किसी को भी बचने का कोई रास्ता नहीं मिल रहा था।
उन्होंने कहा, "मैंने अभी-अभी 'द गैलेंट गैलस्टोन' पढ़ना समाप्त किया है। यह एक शानदार किताब है। यह एक प्रतिभाशाली दिमाग की उपज है, एक ऐसा पुरुष जिसकी आँखों से आँसू बह रहे हैं, एक सुनहरे दिल वाला विदूषक जो क्षण भर के लिए ईश्वर के सिंहासन पर आसीन हो जाता है।"
मैंने भी वही पुस्तक समीक्षा पढ़ी। संडे बैनर में।
मैंने खुद किताब पढ़ी है। आप जानते हैं मैंने पढ़ी है।
"यह आपकी बहुत अच्छी बात थी।"
"हँ?" उसे स्वीकृति की आवाज़ सुनाई दी और उसे अच्छा लगा।
"यह लेखिका के प्रति सम्मान का भाव था। मुझे यकीन है कि उन्हें अच्छा लगता होगा जब लोग उनकी किताब पढ़ेंगे। इसलिए समय निकालना एक तरह से दयालुता का काम था—जबकि आपको पहले से ही पता था कि आप इसके बारे में क्या सोचेंगे।"
मुझे पता नहीं था। लेकिन मैं समीक्षक की बात से सहमत हूँ।
"बैनर के समीक्षक सबसे अच्छे हैं।"
"यह सच है। बिल्कुल। तो उनसे सहमत होने में कोई बुराई नहीं है, है ना?"
"बिल्कुल नहीं। मैं हमेशा सहमत रहता हूँ।"
"किसके साथ?"
"सभी के साथ।"
"क्या तुम मेरा मज़ाक उड़ा रही हो, डोमिनिक?"
क्या आपने मुझे ऐसा करने का कोई कारण दिया है?
"नहीं। मुझे नहीं लगता कि ऐसा हो सकता है। नहीं, बिल्कुल नहीं।"
"तो मैं नहीं हूँ।"
वह इंतजार करता रहा। नीचे सड़क पर उसे एक ट्रक के गुजरने की गड़गड़ाहट सुनाई दी, जिससे कुछ सेकंड का समय कट गया; लेकिन जब आवाज बंद हुई, तो उसे फिर से बोलना पड़ा:

"डोमिनिक, मैं जानना चाहता हूँ कि तुम क्या सोचते हो।"
"किस?"
“का...का...” उन्होंने एक महत्वपूर्ण विषय की तलाश की और अंत में कहा:
"...विंसेंट नोल्टन के।"
मुझे लगता है कि वह एक ऐसा आदमी है जिसकी पीठ चूमने में कोई बुराई नहीं है।
हे भगवान, डोमिनिक!
मुझे खेद है। यह खराब अंग्रेजी और खराब शिष्टाचार है। यह बिल्कुल गलत है। खैर, चलिए देखते हैं: विंसेंट नोल्टन एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनसे मिलकर अच्छा लगता है। बुजुर्ग परिवारों को बहुत सम्मान मिलना चाहिए, और हमें दूसरों के विचारों के प्रति सहिष्णु होना चाहिए, क्योंकि सहिष्णुता सबसे बड़ा सद्गुण है, इसलिए विंसेंट नोल्टन पर अपने विचार थोपना अनुचित होगा, और यदि आप उन्हें अपनी पसंद के अनुसार विश्वास करने दें, तो वे आपकी मदद करने में भी प्रसन्न होंगे, क्योंकि वे एक बहुत ही मानवीय व्यक्ति हैं।
“अब, यह तो समझदारी की बात है,” कीटिंग ने कहा; उन्हें जानी-पहचानी भाषा में सहज महसूस हुआ। “मुझे लगता है कि सहिष्णुता बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि
..."वह रुक गया। उसने भावहीन स्वर में कहा, "तुमने बिल्कुल वही बात कही जो पहले कही थी।"
“क्या तुमने यह देखा?” उसने कहा। उसने बिना किसी सवालिया निशान के, बेपरवाही से, एक साधारण तथ्य की तरह कहा। यह व्यंग्य नहीं था; काश यह व्यंग्य होता; व्यंग्य उसे व्यक्तिगत रूप से प्रभावित करता—उसे चोट पहुँचाने की इच्छा जगाता। लेकिन उसकी आवाज़ में उसके लिए कभी कोई व्यक्तिगत जुड़ाव नहीं था—बीस महीनों से नहीं।
वह आग को घूरता रहा। यही तो इंसान को खुशी देता था—अपने घर में, अपने चूल्हे के पास, आग को देखते हुए सपनों में खो जाना; उसने हमेशा यही सुना और पढ़ा था। वह बिना पलक झपकाए लपटों को देखता रहा, मानो खुद को पूरी तरह से आग के वश में कर रहा हो।
यह एक स्थापित सत्य है। बस एक मिनट और, और मैं खुश हो जाऊंगा, उसने ध्यान केंद्रित करते हुए सोचा। कुछ नहीं हुआ।
वह सोचने लगा कि वह कितनी convincingly इस दृश्य का वर्णन अपने दोस्तों के सामने कर सकता है और उन्हें अपनी पूर्ण संतुष्टि से ईर्ष्या करवा सकता है। वह खुद को क्यों नहीं मना पा रहा था? उसके पास वह सब कुछ था जो वह हमेशा से चाहता था। उन्हें श्रेष्ठता की चाह थी—और पिछले एक साल से वे अपने पेशे के निर्विवाद नेता थे। उन्हें शोहरत की चाह थी—और उनके पास पाँच मोटी-मोटी पत्रिकाओं में छपी खबरों की कटिंग थीं। उन्हें दौलत की चाह थी—और उनके पास इतना धन था कि वे जीवन भर आराम से रह सकें। उनके पास वो सब कुछ था जो कोई भी चाह सकता है। कितने लोगों ने वो हासिल करने के लिए संघर्ष और कष्ट सहे जो उन्होंने हासिल किए थे? कितने लोगों ने इसके लिए सपने देखे, खून बहाया और अपनी जान गवाई, लेकिन फिर भी इसे हासिल नहीं कर पाए? "पीटर कीटिंग धरती पर सबसे भाग्यशाली इंसान हैं।" उन्होंने यह बात कितनी बार सुनी होगी?
पिछला साल उनके जीवन का सबसे बेहतरीन साल रहा था। उन्होंने अपनी संपत्ति में एक असंभव को संभव कर दिखाया था—डोमिनिक फ्रैंकन। दोस्तों के बार-बार यह कहने पर कि, "पीटर, तुमने यह कैसे किया?" उन्हें हँसते हुए कितना आनंद आता था। अजनबियों से उनका परिचय कराते हुए, हल्के-फुल्के अंदाज़ में "मेरी पत्नी" कहना और उनकी आँखों में ईर्ष्या की मुखतापूर्ण, अनियंत्रित झुलक देखना कितना सुखद था। एक बार एक बड़ी पार्टी में, एक सेलीकेदार शराबी ने आँख मारते हुए, अपने इरादे

ज़ाहिर करते हुए उनसे पूछा, "कहिए, क्या आप उस खूबसूरत महिला को जानते हैं जो वहाँ खड़ी है?"
“थोड़ा-बहुत,” कीटिंग ने संतुष्टि से जवाब दिया, “वह मेरी पत्नी है।”
वह अक्सर मन ही मन कृतज्ञता से कहता था कि उनकी शादी उसकी उम्मीदों से कहीं बेहतर साबित हुई है। डोमिनिक एक आदर्श पत्नी बन चुकी थी। वह पूरी तरह से उसकी रुचियों के लिए समर्पित थी: उसके ग्राहकों को खुश रखना, उसके दोस्तों का मनोरंजन करना, उसका घर संभालना। उसने उसके जीवन में कुछ भी नहीं बदला: न उसके समय में, न उसके पसंदीदा व्यंजनों में, यहाँ तक कि उसके फर्नीचर की व्यवस्था में भी नहीं। वह अपने साथ कपड़ों के अलावा कुछ भी नहीं लाई थी; उसने उसके घर में एक भी किताब या ऐशट्रे नहीं रखी थी। जब वह किसी विषय पर अपने विचार व्यक्त करता, तो वह बहस नहीं करती—वह उससे सहमत हो जाती। सहजता से, वह दूसरे स्थान पर रही, मानो उसकी पृष्ठभूमि में गुम हो गई हो।
उसे उम्मीद थी कि कोई तेज़ धारा उसे उठाकर किसी अनजान चट्टान से टकरा देगी। उसे अपनी शांत नदी में मिलने वाली कोई छोटी सी धारा भी नहीं मिली। ऐसा लग रहा था मानो नदी बहती जा रही हो और कोई चुपचाप उसके पीछे-पीछे तैर रहा हो; नहीं, तैरना भी नहीं—वह तो एक तेज़, ज़ोरदार क्रिया थी—बल्कि बस धारा के साथ उसके पीछे बह रहा हो।
यदि उन्हें शादी के बाद डोमिनिक के रवैये को निर्धारित करने की शक्ति दी जाती, तो वे उनसे ठीक वैसा ही व्यवहार करने के लिए कहते जैसा उन्होंने किया था।
उनकी रातें ही उसे बेहद असंतुष्ट छोड़ जाती थीं। जब भी वह चाहता, वह उसके सामने झुक जाती। लेकिन हमेशा वहीं होता था, जैसे उनकी पहली रात: उसकी बाहों में एक उदासीन शरीर, बिना किसी घृणा, बिना किसी प्रतिक्रिया के। जहाँ तक उसका सवाल था, वह अभी भी कुंवारी थी: उसने उसे कभी कुछ अनुभव नहीं कराया था। हर बार, अपमान से जलते हुए, वह उसे फिर कभी न छूने का फैसला करता। लेकिन उसकी चाहत फिर लौट आती, उसकी सुंदरता की निरंतर उपस्थिति से जागृत होकर। जब वह और अधिक प्रतिरोध नहीं कर पाता, तो वह उसके आगे आत्मसमर्पण कर देता; ऐसा अक्सर नहीं होता था।
यह उसकी माँ ही थी जिसने वह बात कही जो उसने अपने विवाह के बारे में खुद से भी कभी स्वीकार नहीं की थी। शादी के छह महीने बाद उसकी माँ ने कहा, "मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती। अगर वह मुझ पर एक बार गुस्सा करे, मुझे गालियाँ दे, मुझ पर चीज़ें फेंके, तो सब ठीक हो जाएगा। लेकिन मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकती।" "क्या, माँ?" उसने पूछा, उसके चेहरे पर घबराहट की एक हल्की सी ठंडक महसूस हो रही थी।
"कोई फ़ायदा नहीं, पीटर," उसने जवाब दिया। उसकी माँ, जिसके तर्क, राय और ताने-बाने को वह कभी रोक नहीं पाया था, उसके विवाह के बारे में एक शब्द भी नहीं बोली। उसने अपना एक छोटा सा अपार्टमेंट लिया और उसके घर से अलग रहने लगी। वह अक्सर उससे मिलने आती थी और डोमिनिक के प्रति हमेशा विनम्र रहती थी, उसके चेहरे पर एक अजीब सी, हताश और हार मान लेने वाली भावना झलकती थी।
उसने मन ही मन सोचा कि उसे अपनी माँ से मुक्त होने पर प्रसन्न होना चाहिए; लेकिन वह प्रसन्न नहीं था।
फिर भी वह समझ नहीं पा रहा था कि डोमिनिक ने ऐसा क्या किया था जिससे उसके मन में इतना भय उत्पन्न हो रहा था। उसे उसे दोषी ठहराने के लिए कोई शब्द या इशारा नहीं सूझ रहा था। लेकिन बीस महीनों से स्थिति बिल्कुल आज रात जैसी ही थी: वह उसके साथ अकेले नहीं रह सकता था—फिर भी वह उससे दूर नहीं भागना चाहता था और वह भी उससे बचना नहीं चाहती थी।
"आज रात कोई नहीं आ रहा है?" उसने भावहीनता से पूछा और आग से मुंह फेर लिया।

“नहीं,” उसने कहा और मुस्कुराई, उसकी मुस्कान उसके अगले शब्दों से जुड़ी हुई थी: “क्या मैं तुम्हें अकेला छोड़ दूँ, पीटर?”
“नहीं!” यह लगभग एक चीख थी। मुझे इतना हताश नहीं दिखना चाहिए, उसने सोचा, और ज़ोर से कहा: “बिल्कुल नहीं। मुझे अपनी पत्नी के साथ पूरी शाम अकेले बिताने का मौका पाकर खुशी है।”
उसे एक धुंधली सी अंतरात्मा ने बताया कि उसे इस समस्या का समाधान करना होगा, उनके साथ बिताए पलों को सहनीय बनाना सीखना होगा, और उसे हिम्मत दिखानी होगी।
इससे भागना नहीं चाहिए, उसके भले के लिए नहीं बल्कि अपने भले के लिए।
"डोमिनिक, आज रात तुम क्या करना चाहोगी?"
"जो तुम चाहो।"
क्या तुम फिल्म देखने चलना चाहोगे?
"क्या आप?"
"ओह, मुझे नहीं पता। बस समय कट जाता है।"
ठीक है। चलो समय बिताते हैं।
“नहीं। हमें ऐसा क्यों करना चाहिए? यह तो बहुत बुरा लगेगा।”
"क्या यह?"
“हमें अपने ही घर से क्यों भागना चाहिए? चलो यहीं रुकते हैं।”
“जी हां, पीटर।”
वह इंतजार करता रहा। लेकिन उसने सोचा, यह खामोशी भी एक तरह की उड़ान है, एक बदतर किस्म की उड़ान।
“क्या तुम रशियन बैंक का एक हाथ खेलना चाहोगे?” उसने पूछा।
क्या आपको रशियन बैंक पसंद है?
“ओह, इससे तो दिल ही भर जाता है—” वह रुक गया। वह मुस्कुराई।
“डोमिनिक,” उसने उसकी ओर देखते हुए कहा, “तुम बहुत खूबसूरत हो। तुम हमेशा से ही बहुत... बेहद खूबसूरत हो। मैं हमेशा तुम्हें बताना चाहता हूँ कि मैं तुम्हारे बारे में कैसा महसूस करता हूँ।”
"पीटर, मैं जानना चाहूंगा कि आप इसके बारे में क्या सोचते हैं।"
मुझे आपको देखना अच्छा लगता है। मुझे हमेशा गार्डन प्रेस्कॉट की कही बात याद आती है।
उन्होंने कहा कि आप संरचनात्मक गणित में ईश्वर की परिपूर्ण रचना हैं। और विंसेंट नोल्टन ने कहा कि आप वसंत की सुबह के समान हैं।
और एल्सवर्थ ने कहा, "तुम धरती पर मौजूद हर दूसरी स्त्री आकृति के लिए एक कलंक हो।"
“और रैल्स्टन होल्कोम्बे?” उसने पूछा।
“अरे, छोड़ो!” उसने झल्लाकर कहा और आग की ओर मुड़ गया।
मुझे पता है कि मुझे यह चुप्पी क्यों असहनीय लगती है, उसने सोचा। क्योंकि मेरे बोलने या न बोलने से उसे कोई फर्क नहीं पड़ता; मानो मेरा कोई अस्तित्व ही न हो और कभी रहा ही न हो... यह किसी की मृत्यु से भी कहीं अधिक अकल्पनीय है—जन्म न होना...
उसे अचानक एक तीव्र इच्छा महसूस हुई जिसे वह पहचान सकता था—उसके लिए वास्तविक होने की इच्छा।
“डोमिनिक, क्या तुम जानती हो कि मैं क्या सोच रहा हूँ?” उसने उत्सुकता से पूछा।
नहीं। तुम क्या सोच रहे थे?
“मैंने इसके बारे में काफी समय से सोचा है—बिल्कुल अकेले—मैंने किसी से इसका जिक्र नहीं किया। और न ही किसी ने इसका सुझाव दिया। यह मेरा अपना विचार है।”
“ठीक है, कोई बात नहीं। क्या बात है?”

“मुझे लगता है कि मैं गाँव में जाकर अपना खुद का घर बनाना चाहूँगा। क्या आपको यह पसंद आएगा?”
मुझे यह बहुत पसंद आएगा। उतना ही जितना आपको। क्या आप अपने लिए एक घर डिज़ाइन करना चाहते हैं?
“बिल्कुल नहीं। बेनेट मेरे लिए झटपट एक बना देगा। वह हमारे सभी ग्रामीण घरों का काम करता है। वह इसमें माहिर है।”
"क्या आपको रोज़ाना आना-जाना पसंद आएगा?"
नहीं, मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी परेशानी होगी। लेकिन आप जानते हैं, आजकल हर कोई रोज़ाना काम पर आने-जाने के लिए यात्रा करता है। जब मुझे यह स्वीकार करना पड़ता है कि मैं शहर में रहता हूँ, तो मुझे हमेशा एक आम आदमी जैसा महसूस होता है।
"क्या आप पेड़, बगीचा और अपने चारों ओर की धरती देखना चाहेंगे?"
“अरे, ये तो सरासर बकवास है। मेरे पास समय कब होगा? पेड़ तो पेड़ ही होता है। जब आप वसंत ऋतु में जंगल का कोई समाचार देख लेते हैं, तो समझिए आपने सब कुछ देख लिया।”
“क्या आप बागवानी करना चाहेंगे? लोग कहते हैं कि खुद मिट्टी में काम करना बहुत अच्छा लगता है।”
“हे भगवान! आपको क्या लगता है कि हमारे पास किस तरह का बगीचा होगा? हम एक माली रख सकते हैं, और वो भी अच्छा वाला—तो यह जगह पड़ोसियों के लिए प्रशंसा का विषय होगी।”
क्या आप कोई खेल खेलना चाहेंगे?
"हां, मुझे यह पसंद आएगा।"
"कौन सा?"
“मुझे लगता है कि मैं गोल्फ़ में बेहतर प्रदर्शन करूँगा। आप जानते हैं, किसी कंट्री क्लब का सदस्य होना, जहाँ आप समुदाय के प्रमुख नागरिकों में से एक होते हैं, कभी-कभार सप्ताहांत बिताने से बिल्कुल अलग होता है। और आप जिन लोगों से मिलते हैं, वे भी अलग होते हैं। कहीं अधिक उच्च वर्ग के। और आप जो संपर्क बनाते हैं...” उन्होंने खुद को रोका और गुस्से में कहा: “साथ ही, मैं घुड़सवारी भी सीखूँगा।”
मुझे घुड़सवारी पसंद है। क्या आपको भी?
“मुझे इसमें कभी ज़्यादा दिलचस्पी नहीं रही। खैर, यह आपके अंदर तक बुरी तरह झकझोर देता है। लेकिन गार्डन प्रेस्कॉट कौन होता है जो खुद को धरती पर इकलौता मर्द समझता है और अपने रिसेप्शन रूम में घुड़सवारी के कपड़ों में अपनी तस्वीर चिपका देता है?”
"मुझे लगता है कि आप कुछ एकांत चाहेंगे?"
“खैर, मैं उस रेगिस्तानी द्वीप वाली बात पर विश्वास नहीं करता। मुझे लगता है कि घर किसी मुख्य राजमार्ग के सामने होना चाहिए, ताकि लोग उसे पहचान सकें, जैसे कि कोटिंग की जागीर। क्लाउड स्टेंगल भला कौन होता है कि उसके पास एक देहाती घर हो, जबकि मैं किराए के फ्लैट में रहता हूँ? उसने भी लगभग उसी समय शुरुआत की थी जब मैंने की थी, और देखो वो कहाँ है और मैं कहाँ हूँ, अगर ढाई आदमियों ने भी उसका नाम सुना हो तो वो खुद को भाग्यशाली समझेगा, तो उसे वेस्टचेस्टर में क्यों बसाए रखना चाहिए और...”
और वह रुक गया। वह उसे देखती रही, उसका चेहरा शांत था।
“अरे यार!” वह चिल्लाया। “अगर तुम गाँव में नहीं जाना चाहती, तो सीधे-सीधे कह क्यों नहीं देती?”
"पीटर, मैं आपकी हर इच्छा पूरी करना चाहता हूँ। आप जो भी विचार खुद लेकर आएं, मैं उसका पालन करना चाहती हूँ।"

वह काफी देर तक चुप रहा।
“कल रात हम क्या करेंगे?” उसने खुद को रोक पाने से पहले ही पूछ लिया।
वह उठी, एक डेस्क के पास गई और अपना कैलेंडर उठा लिया।
उन्होंने कहा, "कल रात हमारे घर पामर्स डिनर पर आ रहे हैं।"
“हे भगवान!” वह कराह उठा। “ये लोग कितने उबाऊ हैं! हमें इन्हें क्यों रखना पड़ता है?”
वह कैलेंडर को अपनी उंगलियों के सिरों के बीच आगे की ओर पकड़े खड़ी थी, मानो वह एक तस्वीर हो जिसमें कैलेंडर पर ध्यान केंद्रित किया गया हो और उसकी अपनी आकृति पृष्ठभूमि में धुंधली हो गई हो।
“हमें पामर्स को हर हाल में बुलाना होगा,” उसने कहा, “ताकि हम उनके नए स्टोर भवन के लिए कमीशन प्राप्त कर सकें। हमें वह कमीशन इसलिए चाहिए ताकि हम शनिवार को एडिंगटन्स को डिनर पर आमंत्रित कर सकें। एडिंगटन्स के पास देने के लिए कोई कमीशन नहीं है, लेकिन उनका नाम सोशल रजिस्टर में है। पामर्स आपको बोर करते हैं और एडिंगटन्स आपको नज़रअंदाज़ करते हैं। लेकिन आपको उन लोगों की चापलूसी करनी पड़ती है जिनसे आप नफरत करते हैं, ताकि आप उन लोगों को प्रभावित कर सकें जो आपसे नफरत करते हैं।”
आपको इस तरह की बातें क्यों कहनी पड़ती हैं?
"पीटर, क्या आप यह कैलेंडर देखना चाहेंगे?"
"खैर, यही तो सब लोग करते हैं। यही तो सब लोग जीने का मकसद है।"
“हां, पीटर। लगभग सभी लोग।”
"अगर आपको यह मंजूर नहीं है, तो आप सीधे-सीधे क्यों नहीं कह देते?"
"क्या मैंने अस्वीकृति के बारे में कुछ कहा है?"
उसने ध्यानपूर्वक सोचा। “नहीं,” उसने स्वीकार किया। “नहीं, तुमने नहीं किया है...”
लेकिन बात तो इस पर निर्भर करती है कि आप अपनी बात कैसे रखते हैं।
"क्या आप चाहेंगे कि मैं इसे और अधिक विस्तृत तरीके से बताऊं—जैसा मैंने विन्सेंट नोल्टन के बारे में बताया था?"
“मैं तो यही चाहूंगा कि...” फिर वह चिल्लाया: “मैं तो यही चाहूंगा कि तुम अपनी राय व्यक्त करो, भगवान की कसम, कम से कम एक बार तो करो!”
उसने उसी नीरस स्वर में पूछा: "पीटर, यह किसकी राय है?"
गार्डन प्रेस्कॉट का? राल्स्टन होल्कोम्बे का? एल्सवर्थ टूही का?
वह कुर्सी के बाजू पर झुकते हुए, आधा उठते हुए, अचानक तनावग्रस्त होकर उसकी ओर मुड़ा। उनके बीच का रिश्ता आकार लेने लगा था। उसे उन शब्दों का पहला आभास हो गया था जिनसे वह इसे नाम दे सकता था।
“डोमिनिक,” उसने धीमी, समझदारी भरी आवाज़ में कहा, “बस यही बात है। अब मुझे पता चल गया है। मुझे पता चल गया है कि असल में समस्या क्या थी।”
"क्या कोई समस्या हुई है?"
“रुको। यह बेहद महत्वपूर्ण है। डोमिनिक, तुमने कभी भी, एक बार भी, अपने मन की बात नहीं कही। किसी भी बात पर नहीं। तुमने कभी कोई इच्छा व्यक्त नहीं की। किसी भी प्रकार की नहीं।”
इसमें गलत क्या है?
“लेकिन ये... ये तो मौत जैसी है। तुम असलियत में नहीं हो। तुम सिर्फ एक शरीर हो। देखो, डोमिनिक, तुम्हें पता नहीं है, मैं समझाने की कोशिश करती हूं। क्या तुम समझती हो कि मौत क्या होती है? जब शरीर हिल-डुल नहीं सकता, जब उसका कोई... कोई इच्छाशक्ति नहीं, कोई अर्थ नहीं। समझती हो? कुछ नहीं। एकदम शून्य।”
खैर, आपका शरीर हिलता-डुलता है—बस इतना ही। दूसरी बात, आपके अंदर की वो चीज़, आपकी—ओह, मुझे गलत मत समझिए, मैं धर्म की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन

इसके लिए कोई और शब्द नहीं है, इसलिए मैं कहूंगा: आपकी आत्मा—आपकी आत्मा का कोई अस्तित्व नहीं है। न कोई इच्छा, न कोई अर्थ। अब आपका कोई वास्तविक अस्तित्व नहीं रहा।
“मेरा असली स्वरूप क्या है?” उसने पूछा। पहली बार, वह ध्यान से सुन रही थी; सहानुभूति से नहीं; लेकिन कम से कम, ध्यान से सुन रही थी।
“वास्तविक व्यक्ति क्या है?” उसने उत्साह से कहा। “यह सिर्फ शरीर नहीं है। यह... यह आत्मा है।”
आत्मा क्या है?
“यह तुम हो। तुम्हारे अंदर की चीज़।”
“वह चीज जो सोचती है, महत्व देती है और निर्णय लेती है?”
“हाँ! हाँ, यही बात है। और यही एहसास होता है। तुमने इसे त्याग दिया है।”
तो ऐसी दो चीजें हैं जिन्हें कोई त्याग नहीं सकता: अपने विचार और अपनी इच्छाएँ?
“हाँ! ओह, आप समझते हैं! तो देखिए, आप अपने आस-पास के सभी लोगों के लिए एक लाश की तरह हैं। एक तरह से चलती-फिरती मौत। यह किसी भी सक्रिय अपराध से भी बदतर है। यह...”
“निषेध?”
“हाँ। बस खालीपन। तुम यहाँ नहीं हो। तुम कभी यहाँ नहीं रही। अगर तुम मुझे बता दो कि इस कमरे के पर्दे भद्दे हैं और अगर तुम उन्हें फाड़कर अपनी पसंद के पर्दे लगा दो —तो तुम्हारा कुछ अंश यहाँ, इस कमरे में, मौजूद होगा। लेकिन तुमने कभी नहीं बताया। तुमने कभी रसोइए को नहीं बताया कि तुम्हें रात के खाने में कौन सी मिठाई पसंद है। तुम यहाँ नहीं हो, डोमिनिक। तुम जीवित नहीं हो। तुम्हारा 'मैं' कहाँ है?”
“पीटर, तुम्हारा कहाँ है?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
वह स्थिर बैठा रहा, उसकी आँखें चौड़ी थीं। वह जानती थी कि इस क्षण उसके विचार दृश्य बोध की तरह स्पष्ट और तात्कालिक थे, कि सोचने की क्रिया उसके पीछे बीते वर्षों के एक जुलूस को देखने की क्रिया थी।
अंत में उसने खोखली आवाज़ में कहा, "यह सच नहीं है। यह सच नहीं है।"
“क्या सच नहीं है?”
"आप ने क्या कहा।"
मैंने कुछ नहीं कहा। मैंने आपसे एक सवाल पूछा था।
उसकी आँखें उससे बोलने, इनकार करने की गुहार लगा रही थीं। वह उठी, उसके सामने खड़ी हुई, और उसके शरीर की तनी हुई दृढ़ता जीवन का प्रतीक थी, वह जीवन जिसकी उसे कमी खल रही थी और जिसके लिए वह तरस रहा था, उद्देश्य का एक सकारात्मक गुण, लेकिन एक न्यायाधीश का गुण।
“अब तुम्हें समझ आने लगा है ना, पीटर? क्या मैं इसे और स्पष्ट करूँ? तुम कभी नहीं चाहते थे कि मैं असली बनूं। तुम कभी नहीं चाहते थे कि कोई भी असली बने। लेकिन तुम यह नहीं चाहते थे कि मैं इसे दिखाऊँ। तुम अपने दिखावे के लिए एक नाटक चाहते थे—एक खूबसूरत, जटिल नाटक, जिसमें ढेर सारे मोड़, सजावट और शब्द हों। बस शब्द। तुम्हें विंसेंट नोल्टन के बारे में मेरी कही बात पसंद नहीं आई।”
जब मैंने नेक भावनाओं की आड़ में वही बात कही थी, तब तुम्हें अच्छा लगा था। तुम नहीं चाहते थे कि मैं विश्वास करूं। तुम बस इतना चाहते थे कि मैं तुम्हें यकीन दिलाऊं कि मैं विश्वास करती हूं। मेरी असली आत्मा, पीटर? यह तभी असली होती है जब यह स्वतंत्र हो—तुमने यह जान लिया है, है ना? यह तभी असली होती है जब यह पर्दे और मिठाइयों का चुनाव करती है—तुम इस बारे में सही हो—
पर्दे, मिठाइयाँ और धर्म, पीटर, और इमारतों के आकार।
लेकिन तुमने कभी वो नहीं चाहा। तुम्हें तो एक दर्पण चाहिए था। लोग अपने आस-पास दर्पण के सिवा कुछ नहीं चाहते। ताकि वे खुद को प्रतिबिंबित कर सकें और दर्पण में भी

प्रतीबिंबित हो सके। जैसे दो दर्पणों से मिलने वाली वह निरर्थक अनंतता।
एक सकरे गलियारे में आमने-सामने लगे दर्पण। आमतौर पर ये ज़्यादातर साधारण किस्म के होटलों में पाए जाते हैं। प्रतिबिंबों का प्रतिबिंब और प्रतिध्वनियों की प्रतिध्वनि। न कोई शुरुआत, न कोई अंत। न कोई केंद्र, न कोई उद्देश्य। मैंने तुम्हें वही दिया जो तुम चाहते थे। मैं वही बन गया जो तुम हो, जो तुम्हारे दोस्त हैं, जो अधिकांश मानवता बनने में व्यस्त है—बस दिखावे के बिना।
मैंने अपनी निर्णय क्षमता की कमी को छुपाने के लिए किताबों की समीक्षाएँ नहीं कीं—मैंने कहा कि मेरी कोई निर्णय क्षमता नहीं है। मैंने अपनी रचनात्मक अक्षमता को छुपाने के लिए डिज़ाइन उधार नहीं लिए—मैंने कुछ भी नहीं बनाया। मैंने यह नहीं कहा कि समानता एक महान अवधारणा है और एकता मानवता का मुख्य लक्ष्य है—मैंने बस सबकी बात मान ली। पीटर, तुम इसे मृत्यु कहते हो? उस तरह की मृत्यु—
मैंने इसे तुम पर और हमारे आस-पास के सभी लोगों पर थोपा है। लेकिन तुमने ऐसा नहीं किया। लोग तुम्हारे साथ सहज महसूस करते हैं, तुम्हें पसंद करते हैं, तुम्हारी उपस्थिति का आनंद लेते हैं। तुमने उन्हें उस निराकार मृत्यु से बचा लिया है। क्योंकि तुमने इसे खुद पर थोपा है।
उसने कुछ नहीं कहा। वह उससे दूर चली गई और फिर से बैठ गई, इंतज़ार करने लगी।
वह उठा। वह उसकी ओर कुछ कदम बढ़ा। उसने कहा: “डोमिनिक
”
फिर वह उसके सामने घुटनों के बल बैठ गया, उसे कसकर पकड़ लिया और अपना सिर उसकी टांगों में दबा लिया।
“डोमिनिक, यह सच नहीं है—कि मैंने तुम्हें कभी प्यार नहीं किया। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, हमेशा से करता आया हूं, यह सिर्फ दूसरों को दिखाने के लिए नहीं था—यह सब कुछ नहीं था—”
मैं तुमसे प्यार करती थी। दो लोग थे—तुम और एक दूसरा आदमी, वो हमेशा मुझे एक ही एहसास दिलाते थे—डर तो नहीं, लेकिन एक दीवार की तरह, एक खड़ी दीवार जिस पर चढ़ना हो—ऊपर उठने का आदेश—पता नहीं कहाँ—लेकिन ऊपर जाने का एहसास—मैंने उस आदमी से हमेशा नफरत की है।
लेकिन तुम, मैं तुम्हें हमेशा से चाहती थी—इसीलिए मैंने तुमसे शादी की—जब मुझे पता था कि तुम मुझसे नफरत करती हो—तो तुम्हें उस शादी के लिए मुझे माफ़ कर देना चाहिए था—तुम्हें इस तरह बदला नहीं लेना चाहिए था—इस तरह नहीं, डोमिनिक—डोमिनिक, मैं पलटवार नहीं कर सकती, मैं—”
"पीटर, तुम किस आदमी से नफरत करते थे?"
"कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि।"
"कौन है ये?"
“कोई नहीं। मैं...”
उसका नाम बताओ।
“हावर्ड रोर्क।”
वह काफी देर तक चुप रही। फिर उसने अपना हाथ उसके बालों पर फेरा। यह भाव कोमलता से भरा था।
"पीटर, मैं तुमसे कभी बदला नहीं लेना चाहती थी," उसने धीरे से कहा।
"तो क्यों?"
मैंने तुमसे अपने निजी कारणों से शादी की। मैंने वही किया जो दुनिया चाहती है। मैं कोई भी काम अधूरा नहीं छोड़ सकती। जो लोग ऐसा कर पाते हैं, उनके भीतर कहीं न कहीं कोई दरार होती है। ज़्यादातर लोगों में कई दरारें होती हैं। वे खुद से झूठ बोलते हैं—यह न जानने के लिए। मैंने कभी खुद से झूठ नहीं बोला। इसलिए मुझे वही करना

पड़ा जो आप सब करते हैं—बस लगातार और पूरी तरह से। शायद मैंने तुम्हें बर्बाद कर दिया है। अगर मुझे परवाह होती, तो मैं माफ़ी मांग लेती। मेरा मकसद यह नहीं था।
“डोमिनिक, मैं तुमसे प्यार करता हूँ। लेकिन मुझे डर लगता है। क्योंकि हमारी शादी के बाद से, जब से मैंने तुम्हें हाँ कहा है, तुमने मुझमें कुछ बदल दिया है—”
अगर मैं तुम्हें अभी खो भी दूं, तो भी मैं पहले जैसा नहीं बन पाऊंगा—तुमने मुझसे कुछ ऐसा छीन लिया है जो मेरे पास था..."
“नहीं। मैंने तुमसे कुछ ऐसा लिया जो तुम्हारे पास कभी नहीं था। मैं मानता हूँ कि यह ज़्यादा बुरा है।”
"क्या?"
“कहा जाता है कि किसी व्यक्ति के साथ सबसे बुरा काम उसकी आत्मसम्मान की हत्या करना है। लेकिन यह सच नहीं है। आत्मसम्मान ऐसी चीज़ है जिसे मारा नहीं जा सकता। सबसे बुरा काम किसी व्यक्ति के आत्मसम्मान के दिखावे को खत्म करना है।”
"डोमिनिक, मैं... मैं बात नहीं करना चाहती।"
उसने नीचे उसकी ओर देखा, उसका चेहरा उसके घुटनों पर टिका हुआ था, और उसने उसकी आँखों में दया देखी, और एक पल के लिए उसे एहसास हुआ कि सच्ची दया कितनी भयानक चीज़ है, लेकिन उसने इस बात को अनसुना कर दिया, क्योंकि उसने उन शब्दों के सामने अपने दिमाग को बंद कर लिया जिनमें वह इसे सहेजने वाला था।
वह झुकी और उसने उसके माथे पर चुंबन किया। यह पहला चुंबन था जो उसने उसे दिया था।
“मैं नहीं चाहती कि तुम कष्ट सहो, पीटर,” उसने कोमल स्वर में कहा। “यह अब सच है—यह मैं हूँ—ये मेरे अपने शब्द हैं—मैं नहीं चाहती कि तुम कष्ट सहो—मैं और कुछ महसूस नहीं कर सकती—लेकिन मैं इतना तो महसूस कर ही रही हूँ।”
उसने अपने होंठ उसके हाथ पर रखे।
जब उसने अपना सिर उठाया, तो उसने उसे ऐसे देखा मानो एक पल के लिए वह उसका पति हो। उसने कहा: "पीटर, अगर तुम इसे थामे रख सको—जो तुम अभी हो—"
“मैं तुमसे प्यार करता हूँ,” उसने कहा।
वे काफ़ी देर तक चुपचाप बैठे रहे। उन्हें उस चुप्पी में कोई तनाव महसूस नहीं हुआ।
टेलीफोन बजा।
उस पल को आवाज़ ने नहीं, बल्कि उस उत्सुकता ने बिगाड़ा, जिसके साथ कीटिंग उछलकर जवाब देने के लिए दौड़ा। उसने खुले दरवाजे से उसकी आवाज़ सुनी, एक ऐसी आवाज़ जो राहत से भरी हुई थी:
“हेलो? ... ओह, हेलो, एल्सवर्थ! ... नहीं, कुछ नहीं... बिल्कुल खाली हूँ... ज़रूर, इधर आ जाओ, तुरंत आ जाओ!... ठीक है!”
“एल्सवर्थ है,” उसने लिविंग रूम में लौटते हुए कहा। उसकी आवाज़ में खुशी और थोड़ी सी धृष्टता थी। “वह मिलने आना चाहता है।”
कुछ बोली नहीं।
वह राखदानी खाली करने में व्यस्त था जिसमें एक माचिस या एक सिगरेट का टुकड़ा बचा था, अखबार इकट्ठा कर रहा था, आग में अनावश्यक रूप से लकड़ी डाल रहा था और और भी दीपक जला रहा था। वह एक फिल्मी ओपेरा की धुन सीटी बजाकर गुनगुना रहा था।
घंटी की आवाज सुनकर वह दरवाजा खोलने के लिए दौड़ा।
"कितना अच्छा है," टूही ने अंदर आते हुए कहा। "आग और सिर्फ आप दोनों।"
हेलो, डोमिनिक। उम्मीद है मैं आपको परेशान नहीं कर रहा हूं।
“हेलो, एल्सवर्थ,” उसने कहा।

“तुम मुझे परेशान नहीं कर रहे हो,” कीटिंग ने कहा। “तुम्हें देखकर मुझे कितनी खुशी हुई है, यह मैं शब्दों में बयान नहीं कर सकता।” उसने एक कुर्सी आग के पास खिसका दी। “बैठ जाओ, एल्सवर्थ। क्या खाओगे? तुम्हें पता है, जब मैंने फ़ोन पर तुम्हारी आवाज़ सुनी... तो मैं खुशी से उछल-कूद करने लगा, जैसे कोई पिल्ला।”
“लेकिन अपनी पूंछ मत हिलाओ,” टूही ने कहा। “नहीं, कोई पेय पदार्थ नहीं, धन्यवाद।” डोमिनिक, तुम कैसी हो?
“बिल्कुल एक साल पहले जैसी थी,” उसने कहा।
"लेकिन वैसे नहीं जैसे आप दो साल पहले थे?"
"नहीं।"
"दो साल पहले हमने इस समय क्या किया था?" कीटिंग ने लापरवाही से पूछा।
“आपकी शादी नहीं हुई थी,” टूही ने कहा। “प्रागैतिहासिक काल। मुझे देखने दीजिए—तब क्या हुआ था? मुझे लगता है कि स्टोडार्ड मंदिर का निर्माण अभी-अभी पूरा हो रहा था।”
“ओह, वह,” कीटिंग ने कहा।
टूही ने पूछा: "क्या आपने अपने दोस्त रोर्क... पीटर के बारे में कुछ सुना है?"
“नहीं। मुझे नहीं लगता कि उसने एक साल या उससे अधिक समय तक काम किया है। इस बार उसका काम खत्म हो गया है।”
“हां, मुझे ऐसा ही लगता है... तुम क्या कर रहे थे, पीटर?”
“कुछ खास नहीं... ओह, मैंने अभी-अभी 'द गैलेंट गैलस्टोन' पढ़ी है।”
"यह पसंद है?"
“हां! आप जानते हैं, मुझे लगता है कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण किताब है। क्योंकि यह सच है कि स्वतंत्र इच्छा जैसी कोई चीज़ नहीं होती। हम जो हैं या जो करते हैं, उस पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं है। इसमें हमारी कोई गलती नहीं है। किसी को भी किसी चीज़ के लिए दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यह सब आपके स्वभाव और... और आपकी ग्रंथियों पर निर्भर करता है। अगर आप अच्छे हैं, तो यह आपकी कोई उपलब्धि नहीं है—आप बस अपनी ग्रंथियों के मामले में भाग्यशाली रहे। अगर आप बुरे हैं, तो आपको कोई दंडित नहीं कर सकता—आप बदकिस्मत रहे, बस इतना ही।” वह इसे चुनौती भरे लहजे में कह रहा था, एक ऐसी उग्रता के साथ जो साहित्यिक चर्चा के लिए उपयुक्त नहीं थी। वह न तो टूही को देख रहा था और न ही डोमिनिक को, बल्कि कमरे में मौजूद लोगों और उस कमरे में जो कुछ भी देखा गया था, उससे बात कर रहा था।
“मूलतः सही,” टूही ने कहा। “लेकिन तर्कसंगत रूप से, हमें उन लोगों को दंडित करने के बारे में नहीं सोचना चाहिए जो भ्रष्ट हैं। चूंकि उन्होंने अपनी किसी गलती के बिना कष्ट सहा है, चूंकि वे बदकिस्मत और अयोग्य थे, इसलिए उन्हें किसी न किसी प्रकार का मुआवजा मिलना चाहिए।”
यह एक इनाम की तरह है।
“क्यों—हाँ!” कीटिंग चिल्लाया। “यह... यह तो तर्कसंगत है।”
“और बस,” टूही ने कहा।
"क्या तुमने बैनर को लगभग वहीं लगा दिया है जहाँ तुम चाहते थे, एल्सवर्थ?" डोमिनिक ने पूछा।
“यह किस संदर्भ में है?”
“वीर पित्त पथरी।”
“ओह। नहीं, मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने ऐसा किया है। बिलकुल नहीं। हमेशा कुछ न कुछ होता ही रहता है—”
अविभाज्य।"
“तुम किस बारे में बात कर रहे हो?” कीटिंग ने पूछा।

“पेशेवर गपशप,” टूही ने कहा। उसने आग की ओर हाथ बढ़ाया और शरारती अंदाज़ में उंगलियाँ हिलाईं। “वैसे, पीटर, क्या तुम स्टोनरिज के बारे में कुछ कर रहे हो?”
"लानत है," कीटिंग ने कहा।
"क्या बात क्या बात?"
“तुम्हें पता है मामला क्या है। तुम उस कमीने को मुझसे बेहतर जानते हो। ऐसे समय में, जब रेगिस्तान में मन्ना मिल रहा है, इस तरह की परियोजना शुरू करना, और वह भी उस हरामखोर वायनांड से करवाना!”
“मिस्टर वायनांड को क्या हुआ है?”
“अरे, एल्सवर्थ! तुम अच्छी तरह जानते हो कि अगर कोई और होता, तो मुझे वो कमीशन झट से मिल जाता”—उसने उंगलियां चटकाते हुए कहा—“मुझे तो पूछना भी नहीं पड़ता, मालिक खुद मेरे पास आ जाता। खासकर...”
जब उन्हें पता है कि हमारे कार्यालय में जितना काम हो सकता है, उसकी तुलना में मेरे जैसा वास्तुकार तो अब लगभग खाली बैठा है। लेकिन श्रीमान...
गेल वायनांड! ऐसा लगता है मानो वह कोई पवित्र लामा हो जिसे वास्तुकारों द्वारा सांस ली गई हवा से एलर्जी हो!
"मुझे लगता है कि आपने कोशिश की है?"
“अरे, इसके बारे में बात मत करो। मुझे इससे घिन आती है। मुझे लगता है मैंने तीन सौ डॉलर उन घटिया लोगों को खाना खिलाने और शराब पिलाने में खर्च कर दिए जिन्होंने मुझसे कहा था कि वे मुझे उनसे मिलवा सकते हैं। मुझे बस हैंगओवर ही मिला। मुझे लगता है पोप से मिलना ज़्यादा आसान होगा।”
"मुझे लगता है कि आप स्टोनरिज को खरीदना चाहते हैं?"
“क्या तुम मुझे उकसा रहे हो, एल्सवर्थ? मैं इसके लिए अपना दाहिना हाथ भी दे दूंगा।”
“ऐसा करना उचित नहीं होगा। तब आप कोई चित्र नहीं बना पाएंगे।”
या फिर दिखावा करें। बेहतर होगा कि किसी ऐसी चीज को छोड़ दिया जाए जो कम मूर्त हो।
मैं अपनी आत्मा भी दे दूंगा।
“क्या तुम करोगे, पीटर?” डोमिनिक ने पूछा।
“तुम्हारे दिमाग में क्या चल रहा है, एल्सवर्थ?” कीटिंग ने तीखे स्वर में कहा।
“बस एक व्यावहारिक सुझाव,” टूही ने कहा। “अतीत में आपका सबसे प्रभावी विक्रेता कौन रहा है और उसने आपको कुछ बेहतरीन कमीशन दिलाए हैं?”
"क्यों—शायद डोमिनिक।"
“बिल्कुल सही। और चूंकि आप वायनांड तक नहीं पहुंच सकते और अगर पहुंच भी जाएं तो इससे आपको कोई फायदा नहीं होगा, तो क्या आपको नहीं लगता कि डोमिनिक ही वह व्यक्ति होगा जो उसे मना पाएगा?”
कीटिंग ने उसे घूरकर देखा। "क्या तुम पागल हो गए हो, एल्सवर्थ?"
डोमिनिक आगे की ओर झुकी। वह रुचि दिखा रही थी।
उन्होंने कहा, "मैंने जो सुना है, उसके अनुसार गेल वायनांड किसी महिला पर तब तक कोई एहसान नहीं करते, जब तक कि वह खूबसूरत न हो। और अगर वह खूबसूरत भी है, तो वह एहसान के तौर पर ऐसा नहीं करते।"
टूही ने उसकी ओर देखा, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसने इनकार नहीं किया।
“ये तो बेवकूफी है,” कीटिंग ने गुस्से से कहा। “डोमिनिक उससे मिल कैसे पाएगी?”
"उनके कार्यालय में फोन करके और अपॉइंटमेंट लेकर," टूही ने कहा।
"तुम्हें किसने कहा था कि वह इसे मंज़ूर कर देगा?"
“उसने किया।”
"कब?!"
"कल देर रात। या कहें तो आज सुबह-सुबह।"

“एल्सवर्थ!” कीटिंग ने हांफते हुए कहा। उन्होंने आगे कहा, “मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा।”
“हाँ,” डोमिनिक ने कहा, “वरना एल्सवर्थ ने यह बातचीत शुरू ही न की होती।” उसने टूही की ओर मुस्कुराते हुए कहा, “तो वायनांड ने आपसे मिलने का वादा किया था?”
"हाँ मेरे प्रिय।"
आपने यह कैसे किया?
“ओह, मैंने उन्हें एक ठोस तर्क दिया था। हालांकि, इसमें देरी न करना ही बेहतर होगा। अगर आप चाहें तो कल उन्हें फोन कर सकते हैं।”
“वह अभी फोन क्यों नहीं कर सकती?” कीटिंग ने कहा। “ओह, मुझे लगता है कि बहुत देर हो चुकी है। आप सुबह उठते ही सबसे पहले फोन कर लीजिएगा।”
उसने आधी बंद आँखों से उसकी ओर देखा और कुछ नहीं कहा।
टूही ने कहा, "पीटर के करियर में आपने काफी समय से कोई सक्रिय रुचि नहीं दिखाई है। क्या आप पीटर के लिए ऐसा कोई कठिन काम करने को तैयार नहीं होंगे?"
"अगर पीटर चाहे तो।"
“अगर मैं चाहूँ तो?” कीटिंग चिल्लाया। “क्या तुम दोनों पागल हो? ये ज़िंदगी का सुनहरा मौका है...” उसने देखा कि दोनों उसे उत्सुकता से देख रहे हैं। वह झल्लाकर बोला:
“अरे, बकवास!”
"कचरा क्या होता है, पीटर?" डोमिनिक ने पूछा।
क्या तुम बेवकूफी भरी गपशपों से रुक जाओगी? अरे, किसी भी दूसरे आर्किटेक्ट की पत्नी तो ऐसे मौके के लिए हाथ-पैर जोड़कर भी गिड़गिड़ाएगी...
“किसी और वास्तुकार की पत्नी को ऐसा मौका नहीं मिलता,” टूही ने कहा। “किसी और वास्तुकार के पास डोमिनिक जैसी पत्नी नहीं है। पीटर, आपको हमेशा इस बात पर गर्व रहा है।”
"डोमिनिक किसी भी परिस्थिति में अपना ख्याल रख सकती है।"
इसमें कोई शक नहीं है।
“ठीक है, एल्सवर्थ,” डोमिनिक ने कहा। “मैं कल वायनांड को फोन करूँगी।”
"एल्सवर्थ, तुम कमाल हो!" कीटिंग ने उसकी ओर देखे बिना कहा।
“मुझे लगता है कि अब मुझे एक ड्रिंक चाहिए,” टूही ने कहा। “हमें जश्न मनाना चाहिए।”
जब कीटिंग जल्दी से रसोई की ओर भागा, तो टूही और डोमिनिक ने एक-दूसरे को देखा। वह मुस्कुराया। उसने उस दरवाजे की ओर देखा जिससे कीटिंग गया था, फिर हल्के से मुस्कुराते हुए डोमिनिक को सिर हिलाकर अभिवादन किया।
"तुम्हें यहाँ उम्मीद थी," डोमिनिक ने कहा।
"बिल्कुल।"
"अब असली मकसद क्या है, एल्सवर्थ?"
“क्यों, मैं पीटर के लिए स्टोनरिज को हासिल करने में आपकी मदद करना चाहता हूँ। यह वास्तव में एक शानदार प्रोजेक्ट है।”
"तुम मुझे वायनांड के साथ सोने के लिए इतना उत्सुक क्यों हो?"
"क्या आपको नहीं लगता कि यह सभी संबंधित लोगों के लिए एक दिलचस्प अनुभव होगा?"
"मेरी शादी के नतीजों से आप संतुष्ट नहीं हैं, है ना, एल्सवर्थ?"
“पूरी तरह से नहीं। लगभग पचास प्रतिशत। खैर, इस दुनिया में कुछ भी परिपूर्ण नहीं है। इंसान जितना इकट्ठा कर सकता है, उतना करता है और फिर आगे प्रयास करता है।”
“तुम पीटर की मुझसे शादी करवाने के लिए बहुत उत्सुक थीं। तुम्हें पता था कि इसका परिणाम क्या होगा, पीटर या मुझसे भी बेहतर।”
"पीटर को इस बारे में बिल्कुल भी पता नहीं था।"

"खैर, यह काम कर गया—पचास प्रतिशत। आपने पीटर कीटिंग को वहाँ पा लिया जहाँ आप उन्हें चाहते थे—देश के अग्रणी वास्तुकार जो अब आपके जूतों से चिपके कीचड़ की तरह हैं।"
“मुझे आपकी अभिव्यक्ति का अंदाज़ कभी पसंद नहीं आया, लेकिन वह हमेशा सटीक रही है। मुझे कहना चाहिए था: अब कौन है एक आत्मा जो अपनी पूंछ हिला रही है। आपका अंदाज़ ज़्यादा सौम्य है।”
लेकिन बाकी पचास प्रतिशत, एल्सवर्थ? क्या वो असफल रहे?
“लगभग पूरी तरह से। मेरी गलती। मुझे यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए थी कि पीटर कीटिंग जैसा कोई व्यक्ति, पति की भूमिका में भी, तुम्हें बर्बाद कर देगा।”
"अच्छा, तुम तो स्पष्टवादी हो।"
मैंने तुमसे एक बार कहा था कि यही एकमात्र तरीका है जो तुम्हारे साथ काम करेगा। इसके अलावा, आपको यह समझने में दो साल तो नहीं लगे होंगे कि मैं उस शादी से क्या चाहती थी?
"तो आपको लगता है कि गेल वायनांड यह काम पूरा कर लेंगी?"
“हो सकता है। आपका क्या ख्याल है?”
मुझे लगता है कि मैं फिर से सिर्फ एक गौण मुद्दा बन गया हूँ। क्या आपने इसे एक बार 'ग्रेवी' नहीं कहा था?
आपको वायनांड से क्या शिकायत है?
वह हँस पड़ा; उसकी हँसी से पता चल गया कि उसे इस सवाल की उम्मीद नहीं थी। उसने तिरस्कार भरे लहजे में कहा: "हैरान होने का दिखावा मत करो, एल्सवर्थ।"
ठीक है। हम सीधे मुद्दे पर आते हैं। मुझे श्री गेल वायनाड से कोई खास शिकायत नहीं है। मैं काफी समय से आपसे उनकी मुलाकात करवाने की योजना बना रहा था। अगर आपको कुछ छोटी-मोटी बातें जाननी हों, तो उन्होंने कल सुबह कुछ ऐसा किया जिससे मुझे गुस्सा आ गया। वे बहुत ज्यादा बारीकी से देखते हैं। इसलिए मैंने सोचा कि यही सही समय है।
और वहाँ स्टोनरिज था।
और फिर स्टोनरिज की कहानी थी। मुझे पता था कि इसका वो हिस्सा आपको पसंद आएगा। आप अपने देश, अपनी आत्मा या अपने प्रिय व्यक्ति की जान बचाने के लिए कभी खुद को नहीं बेचेंगी। लेकिन आप पीटर कीटिंग के लिए वो कमीशन हासिल करने के लिए खुद को बेच देंगी जिसके वो हकदार नहीं हैं। फिर देखना तुम्हारा क्या बचेगा। या गेल वायनांड का। मुझे भी ये देखना दिलचस्प लगेगा।
"बिल्कुल सही, एल्सवर्थ।"
“क्या सब कुछ? यहाँ तक कि उस आदमी के बारे में भी जिसे आपने प्यार किया था—अगर आपने किया था तो?”
"हाँ।"
“क्या तुम रोर्क के लिए खुद को नहीं बेचोगे? हालांकि, बेशक, तुम्हें वह नाम सुनना पसंद नहीं होगा।”
“हावर्ड रोर्क,” उसने शांत स्वर में कहा।
"डोमिनिक, तुममें बहुत साहस है।"
कीटिंग कॉकटेल की ट्रे लेकर लौटा। उसकी आँखें बुखार से लाल थीं और वह बहुत ज्यादा इशारे कर रहा था।
टूही ने अपना गिलास उठाया। उसने कहा:
गेल वायनांड और न्यूयॉर्क बैनर को!
तृतीय
गेल वायनांड उठे और उनसे आधे रास्ते में मिले।
कार्यालय। "आप कैसी हैं, श्रीमती कीटिंग?" उन्होंने कहा।

"आप कैसे हैं, श्रीमान वायनांड?" डोमिनिक ने कहा।
उसने उसके लिए एक कुर्सी खिसकाई, लेकिन जब वह बैठ गई तो वह अपनी मेज के पीछे बैठने के लिए नहीं गया, बल्कि पेशेवर ढंग से, बारीकी से उसका अवलोकन करता रहा। उसके हावभाव में एक स्पष्ट आवश्यकता झलक रही थी, मानो उसका कारण उसे ज्ञात हो और इस व्यवहार में कुछ भी अनुचित न हो।
“तुम अपने ही शैलीबद्ध रूप के शैलीबद्ध रूप जैसे दिखते हो,” उन्होंने कहा। “आम तौर पर कलाकृतियों के मॉडल देखने से व्यक्ति नास्तिक हो जाता है। लेकिन इस बार मूर्तिकार और ईश्वर के बीच का अंतर बहुत कम है।”
“कौन सा मूर्तिकार?”
"जिसने तुम्हारी वह मूर्ति बनाई थी।"
उसे ऐसा लग रहा था कि उस मूर्ति के पीछे कोई कहानी है और अब उसके चेहरे पर कुछ देखकर उसे इस बात का यकीन हो गया, एक ऐसा तनाव जो एक पल के लिए उसके आत्म-नियंत्रण की सहज उदासीनता के विपरीत था।
"श्री वायनांड, आपने वह मूर्ति कहाँ और कब देखी थी?"
"आज सुबह मेरी आर्ट गैलरी में।"
"आपको यह कहां से मिला?"
अब हैरानी जताने की बारी उनकी थी। "लेकिन क्या आपको यह नहीं पता?"
"नहीं।"
“आपके मित्र एल्सवर्थ टूही ने इसे मुझे उपहार के रूप में भेजा है।”
"क्या आप मेरे लिए यह अपॉइंटमेंट बुक करवा सकते हैं?"
"जिस तरह की सीधी वजह से आप सोच रहे हैं, वैसा नहीं है। लेकिन मूल रूप से—हाँ।"
"उन्होंने मुझे यह बात नहीं बताई है।"
"क्या आपको इस मूर्ति के मेरे पास होने से कोई आपत्ति है?"
"विशेष रूप से नहीं।"
मुझे उम्मीद थी कि आप कहेंगे कि आप बहुत खुश हैं।
"मैं नहीं हूँ।"
वह अनौपचारिक रूप से अपनी मेज के बाहरी किनारे पर बैठ गया, पैर फैलाकर, टखने आपस में क्रॉस करके। उसने पूछा:
"मुझे लगता है कि आप उस मूर्ति का पता खो बैठे हैं और उसे ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं?"
“दो साल के लिए।”
“तुम्हें यह नहीं मिल सकता।” उसने उसकी ओर देखते हुए कहा, “शायद तुम्हें स्टोनरिज मिल जाए।”
मैं अपना मन बदल लूंगा। मुझे खुशी है कि टूही ने इसे आपको दे दिया।
उसे जीत का एक कड़वा सा एहसास हुआ—और साथ ही निराशा का भी, यह सोचकर कि वह उसके मन की बात पढ़ सकता था और आखिरकार उसका मन तो स्पष्ट था।
उसने पूछा:
"क्योंकि इसी वजह से आपको यह इंटरव्यू मिला?"
“नहीं। क्योंकि आप दुनिया में आखिरी से पहले वाले व्यक्ति हैं जिनकी मैं वह मूर्ति बनवाना चाहता हूँ। लेकिन टूही आखिरी हैं।”
उसने जीत खो दी; स्टोनरिज पर ध्यान केंद्रित करने वाली किसी महिला को ऐसी बात कहनी या सोचनी नहीं चाहिए थी। उसने पूछा:
"क्या आपको नहीं पता था कि टूही के पास यह है?"
"नहीं।"

“हमें अपने साझा मित्र श्री एल्सवथ टूही के बारे में मिलकर बात करनी चाहिए। मुझे किसी के हाथों की कठपुतली बनना पसंद नहीं है और मुझे नहीं लगता कि आपको भी पसंद है या कभी पसंद किया जा सकता है। श्री टूही ने कई बातें छिपा रखी हैं। उदाहरण के लिए, उस मूर्तिकार का नाम।”
“उन्होंने आपको यह बात नहीं बताई?”
"नहीं।"
“स्टीवन मैलोरी।”
“मैलोरी? ... वो नहीं जिसने कोशिश की थी...” वह ज़ोर से हँस पड़ा।
"क्या बात क्या बात?"
टूही ने मुझसे कहा कि उसे वह नाम याद नहीं आ रहा था। वह नाम।
"क्या मिस्टर टूही अब भी आपको आश्चर्यचकित करते हैं?"
“पिछले कुछ दिनों में उन्होंने कई बार ऐसा किया है। जिस तरह से वे इतने खुलेआम बोल रहे हैं, उसमें एक खास तरह की सूक्ष्मता है। एक बहुत ही मुश्किल तरह की सूक्ष्मता। मुझे उनकी कूलात्मकता लगभग पसंद है।”
मुझे आपकी पसंद नहीं है।
“किसी भी क्षेत्र में नहीं? मूर्तिकला में नहीं—या वास्तुकला में भी नहीं?”
मुझे यकीन है कि मैं वास्तुकला में नहीं हूँ।
"क्या आपके लिए ऐसा कहना बिल्कुल गलत नहीं है?"
"शायद।"
उसने उसकी तरफ देखा। उसने कहा: "तुम दिलचस्प हो।"
मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था।
“यह आपकी तीसरी गलती है।”
"तीसरा?"
“पहला प्रश्न श्री टूही के बारे में था। इन परिस्थितियों में, आपसे यही अपेक्षा की जाती है कि आप उनकी प्रशंसा करें। उनके कथनों को उद्धृत करें। वास्तुकला के क्षेत्र में उनकी अपार प्रतिष्ठा का सहारा लें।”
लेकिन आपसे यह उम्मीद की जाती है कि आप एल्सवर्थ टूही को जानते होंगे। इससे किसी भी उद्धरण पर आपत्ति हो जानी चाहिए।
"मैं आपसे यही कहना चाहता था—अगर आपने मुझे वो मौका दिया होता जो आप मुझे नहीं दे रहे हैं।"
"इससे यह और भी मनोरंजक हो जाएगा।"
"क्या आपको मनोरंजन की उम्मीद थी?"
"मैं हूँ।"
“मूर्ति के बारे में?” यही एक कमजोरी थी जो उसने खोजी थी।
“नहीं।” उसकी आवाज़ कठोर थी। “मूर्ति के बारे में नहीं।”
"बताइए, यह कब और किसके लिए बनाया गया था?"
"क्या मिस्टर टूही एक और बात भूल गए?"
"जाहिरा तौर पर।"
“क्या आपको स्टोडार्ड टेंपल नामक इमारत से जुड़े एक घोटाले की याद है? दो साल पहले की बात है। उस समय आप बाहर थे।”
“स्टोडार्ड मंदिर... आपको कैसे पता चला कि मैं दो साल पहले कहाँ था? ... रुकिए, स्टोडार्ड मंदिर। मुझे याद है: एक अपवित्र चर्च या कुछ ऐसा ही, जिसने बाइबल समुथकों को खूब हंगामा मचाने पर मजबूर कर दिया था।”
"हां।"
“वहाँ था...” वह रुक गया। उसकी आवाज़ कठोर और अनिच्छुक लग रही थी।
—ठीक उसकी तरह। "उसमें एक नग्न महिला की मूर्ति शामिल थी।"

"हाँ।"
"अच्छा ऐसा है।"
वह एक पल के लिए चुप रहा। फिर उसने कठोर स्वर में कहा, मानो वह किसी ऐसे गुस्से को दबा रहा हो जिसका कारण वह समझ न सके:
"मैं उस समय बाली के आसपास कहीं था। मुझे खेद है कि न्यूयॉर्क के सभी लोगों ने मुझसे पहले वह मूर्ति देख ली। लेकिन मैं नौकायन करते समय अखबार नहीं पढ़ता। यहाँ एक स्थायी आदेश है कि जो भी व्यक्ति वायनांड अखबार नौका पर लेकर आएगा, उसे नौकरी से निकाल दिया जाएगा।"
क्या आपने कभी स्टोडार्ड मंदिर की तस्वीरें देखी हैं?
नहीं। क्या वह इमारत मूर्ति के लायक थी?
"वह प्रतिमा लगभग इमारत के अनुरूप थी।"
"यह नष्ट हो चुका है, है ना?"
"हां। वायनांड के दस्तावेजों की मदद से।"
उसने कंधे उचकाते हुए कहा, "मुझे याद है अल्वाह स्कारेट ने इसका खूब आनंद लिया था। एक बड़ी कहानी थी। मुझे खेद है कि मैं इसे देख नहीं पाया। लेकिन अल्वाह ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। वैसे, आपको कैसे पता चला कि मैं अनुपस्थित था और मेरी अनुपस्थिति की बात आपको अभी तक याद क्यों है?"
"इसी कहानी की वजह से मुझे आपके यहाँ से अपनी नौकरी गंवानी पड़ी।"
"तुम्हारी नौकरी? मेरे साथ?"
क्या आपको नहीं पता था कि मेरा नाम डोमिनिक फ्रैंकन है?
चुस्त-दुरुस्त जैकेट के नीचे उसके कंधे आगे की ओर झुक गए; यह आश्चर्य और बेबसी का भाव था। उसने उसे बस यूं ही घूरा। कुछ देर बाद उसने कहा:
"नहीं।"
वह उदासीनता से मुस्कुराई। उसने कहा, "ऐसा लगता है कि टूही हम दोनों के लिए जितना हो सके उतनी मुश्किलें पैदा करना चाहता था।"
"टूही जाए भाड़ में। इसे समझना होगा। यह समझ से परे है। तुम डोमिनिक फ्रैंकन हो?"
"मैं था।"
"आपने इस इमारत में वर्षों तक काम किया?"
"छह साल के लिए।"
"मैं आपसे पहले क्यों नहीं मिला?"
मुझे यकीन है कि आप अपने सभी कर्मचारियों से नहीं मिलते होंगे।
मुझे लगता है कि आप मेरी बात समझ गए होंगे।
"क्या आप चाहते हैं कि मैं इसे आपके लिए कहूं?"
"हाँ।"
मैंने आपसे पहले मिलने की कोशिश क्यों नहीं की?
"हाँ।"
मेरी ऐसी कोई इच्छा नहीं थी।
"यह बात बिल्कुल भी समझ में नहीं आती।"
"क्या मुझे इसे अनदेखा कर देना चाहिए या इसे समझना चाहिए?"
"मैं आपको इस विकल्प से बचाऊंगा। आपकी खूबसूरती और मेरी प्रतिष्ठा को देखते हुए, आपने बैनर अखबार में अपना करियर बनाने की कोशिश क्यों नहीं की?"
"मैं बैनर में कभी भी एक वास्तविक करियर नहीं बनाना चाहता था।"
"क्यों?"
"शायद उसी कारण से जिसके चलते आप अपनी नौका पर वायनांड के कागजात रखने पर रोक लगाते हैं।"

“यह एक अच्छा कारण है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा। फिर उसने सामान्य स्वर में पूछा: “देखते हैं, आपको नौकरी से क्यों निकाला गया? मुझे लगता है कि आपने हमारी नीति का उल्लंघन किया?”
मैंने स्टोडार्ड मंदिर की रक्षा करने की कोशिश की।
"क्या आपको यह नहीं पता था कि बैनर पर ईमानदारी दिखाने की कोशिश करना बेकार है?"
"मैं आपसे यही कहना चाहता था—अगर आपने मुझे मौका दिया होता।"
क्या आपका मनोरंजन हो रहा है?
“तब मैं ऐसा नहीं था। मुझे यहां काम करना अच्छा लगता था।”
"इस इमारत में ऐसा कहने वाले आप अकेले हैं।"
"मैं उन दो लोगों में से एक होऊंगा।"
“दूसरा कौन है?”
"आप स्वयं, श्री वायनांड।"
“इतना यकीन मत करो।” सिर उठाकर उसने उसकी आँखों में शरारत का भाव देखा और पूछा: “क्या तुमने मुझे इस तरह के बयान में फंसाने के लिए ही ऐसा कहा था?”
“हां, मुझे ऐसा ही लगता है,” उसने शांत भाव से उत्तर दिया।
“डोमिनिक फ्रेंकन...” उसने दोहराया, लेकिन उसकी ओर नहीं बोला। “मुझे तुम्हारा काम पसंद हुआ करता था। काश तुम यहाँ होतीं और मैं तुमसे तुम्हारी पुरानी नौकरी माँग पाता।”
मैं यहां स्टोनरिज के बारे में चर्चा करने आया हूं।
“हाँ, बिल्कुल।” वह आराम से बैठ गया, ताकि वह एक लंबे प्रेरक भाषण का आनंद ले सके। उसने सोचा कि यह देखना दिलचस्प होगा कि वह क्या तर्क देगी और याचिकाकर्ता की भूमिका में वह कैसे व्यवहार करेगी।
"अच्छा, आप मुझे इसके बारे में क्या बताना चाहते हैं?"
मैं चाहूंगी कि आप वह कमीशन मेरे पति को दे दें। बेशक, मैं समझती हूं कि ऐसा करने का कोई कारण नहीं है।
—जब तक कि मैं बदले में आपके साथ सोने के लिए सहमत न हो जाऊं। अगर आप इसे पर्याप्त कारण मानते हैं—तो मैं ऐसा करने को तैयार हूं।
वह चुपचाप उसे देखता रहा, उसके चेहरे पर किसी भी तरह की व्यक्तिगत प्रतिक्रिया का कोई संकेत नहीं था। वह ऊपर उसकी ओर देखती रही, उसकी पैनी नजरों से थोड़ी हैरान थी, मानो उसके शब्दों पर किसी विशेष ध्यान देने की जरूरत ही न हो। वह अपने आप पर कोई और प्रभाव नहीं डाल सका, हालांकि वह इसे पाने की पुरजोर कोशिश कर रहा था, सिवाय उसके चेहरे की उस असंगत, शांत पवित्रता के भाव के।
उसने कहा:
“मैं यही सुझाव देने वाला था। लेकिन इतने भद्दे तरीके से नहीं और हमारी पहली मुलाकात में तो बिल्कुल नहीं।”
मैंने आपका समय और झूठ बचा लिया है।
“क्या आप अपने पति से बहुत प्यार करती हैं?”
मैं उससे घृणा करता हूँ।
"क्या आपको उनकी कलात्मक प्रतिभा पर पूरा भरोसा है?"
मुझे लगता है कि वह एक घटिया दर्जे का वास्तुकार है।
"तो फिर आप ऐसा क्यों कर रहे हैं?"
मुझे इससे मनोरंजन मिलता है।
"मुझे लगा कि मैं ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति हूं जिसने ऐसे इरादों पर अमल किया।"
“आपको कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। मुझे नहीं लगता कि आपने कभी मौलिकता को एक वांछनीय गुण माना है, श्री वायनांड।”

"असल में, आपको इस बात की परवाह नहीं है कि आपके पोते को स्टोनरेज पुरस्कार मिले या नहीं?"
"नहीं।"
"और क्या तुम मेरे साथ सोना नहीं चाहती?"
"बिल्कुल भी नहीं।"
“मैं ऐसी महिला की प्रशंसा कर सकता हूँ जो इस तरह का अभिनय करे। लेकिन यह अभिनय नहीं है।”
“ऐसा नहीं है। कृपया मेरी प्रशंसा करना शुरू न करें। मैंने इससे बचने की कोशिश की है।”
जब भी वह मुस्कुराता था, उसके चेहरे की मांसपेशियों में किसी स्पष्ट हलचल की आवश्यकता नहीं होती थी; व्यंग्य का संकेत हमेशा मौजूद रहता था और वह क्षण भर के लिए और अधिक स्पष्ट होकर फिर धीरे-धीरे गायब हो जाता था। अब वह संकेत और भी स्पष्ट था।
“असल में,” उसने कहा, “तुम्हारा मुख्य मकसद तो मैं ही हूँ। खुद को मुझे सौंपने की चाहत।” उसने देखा कि वह अपनी नज़रें नहीं रोक पा रही थी और उसने आगे कहा, “नहीं, यह सोचकर खुश मत हो कि मैंने इतनी बड़ी गलती कर दी है। मेरा मतलब आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले अर्थ में नहीं था। बल्कि ठीक इसके विपरीत। क्या तुमने नहीं कहा था कि तुम मुझे दुनिया का सबसे नीच इंसान मानती हो? तुम्हें स्टोनरिज नहीं चाहिए। तुम सबसे घटिया मकसद से खुद को सबसे नीच इंसान को बेचना चाहती हो।”
“मुझे उम्मीद नहीं थी कि आप यह समझ जाएंगे,” उसने सरल शब्दों में कहा।
"तुम चाहती हो—पुरुष कभी-कभी ऐसा करते हैं, महिलाएं नहीं—यौन क्रिया के माध्यम से मेरे प्रति अपनी घोर घृणा व्यक्त करना।"
“नहीं, श्री वायनांड। मैं अपने लिए ऐसा कर रहा हूँ।”
उसके होंठों की पतली रेखा हल्की सी हिली, मानो उसके होंठों को किसी व्यक्तिगत रहस्योद्घाटन का पहला संकेत मिल गया हो—एक अनैच्छिक और इसलिए एक कमजोरी—और बोलते समय वे उसे कसकर थामे हुए थे:
"ज्यादातर लोग अपने आत्मसम्मान को लेकर खुद को आश्वस्त करने के लिए बहुत हद तक प्रयास करते हैं।"
"हाँ।"
और, बेशक, आत्मसम्मान की खोज ही इसकी कमी का प्रमाण है।
"हाँ।"
"क्या आपको आत्म-घृणा की खोज का अर्थ समझ में आता है?"
"क्या मुझमें इसकी कमी है?"
और आप इसे कभी हासिल नहीं कर पाएंगे।
मुझे उम्मीद नहीं थी कि आप यह भी समझ पाएंगे।
“मैं और कुछ नहीं कहूंगा—वरना मैं दुनिया में आखिरी से पहले वाला व्यक्ति होना छोड़ दूंगा और आपके उद्देश्य के लिए अनुपयुक्त हो जाऊंगा।” वह उठ खड़ा हुआ। "क्या मैं आपको औपचारिक रूप से बता दूं कि मैं आपका प्रस्ताव स्वीकार करता हूं?"
उसने सहमति में अपना सिर झुकाया।
“सच कहूं तो,” उन्होंने कहा, “मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि स्टोनरिज का निर्माण कौन करेगा। मैंने आज तक जितनी भी इमारतें बनवाई हैं, उनमें से किसी के लिए भी मुझे कोई अच्छा वास्तुकार नहीं मिला। मैं जनता को वही देता हूं जो वे चाहते हैं। इस बार मैं दुविधा में था, क्योंकि मैं अपने यहां काम करने वाले नासमझ लोगों से तंग आ चुका हूं, और बिना किसी मापदंड या तर्क के फैसला करना मुश्किल है। मुझे यकीन है कि आपको मेरी यह बात बुरी नहीं लगेगी। मैं आपका बहुत आभारी हूँ कि आपने मुझे एक ऐसा बेहतर मकसद दिया है जिसकी मैं कल्पना भी नहीं कर सकता था।”

मुझे खुशी है कि आपने यह नहीं कहा कि आप हमेशा से पीटर कीटिंग के काम की प्रशंसा करते रहे हैं।
"आपने मुझे यह नहीं बताया कि गेल वायनांड की रखेलों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल होकर आपको कितनी खुशी हुई।"
"अगर आप चाहें तो शायद आपको मेरा यह स्वीकार करना अच्छा लगे, लेकिन मुझे लगता है कि हम दोनों का आपस में बहुत अच्छा तालमेल रहेगा।"
“बिल्कुल संभव है। कम से कम, आपने मुझे एक नया अनुभव दिया है: वही काम करना जो मैं हमेशा से करता आया हूँ—लेकिन ईमानदारी से। क्या अब मैं आपको अपने आदेश देना शुरू करूँ? मैं यह दिखावा नहीं करूँगा कि ये कुछ और हैं।”
"यदि आप चाहते हैं।"
“तुम मेरे साथ मेरी नौका पर दो महीने की यात्रा पर चलोगी। हम दस दिनों में रवाना होंगे। जब हम वापस आएंगे, तो तुम स्टोनरिज के अनुबंध के साथ अपने पति के पास लौटने के लिए स्वतंत्र होगी।”
"अच्छे से।"
मैं आपके पति से मिलना चाहूंगा। क्या आप दोनों सोमवार रात मेरे साथ डिनर करेंगे?
"जी हां, अगर आप चाहें तो।"
जब वह जाने के लिए उठी, तो उसने पूछा:
"क्या मैं आपको आपके और आपकी मूर्ति के बीच का अंतर बताऊं?"
"नहीं।"
“लेकिन मैं ऐसा करना चाहता हूँ। दो विपरीत विषयों वाली रचनाओं में एक ही तत्वों का उपयोग देखना आश्चर्यजनक है। उस मूर्ति में आपके बारे में सब कुछ उत्थान का विषय है। लेकिन आपका अपना विषय पीड़ा है।”
“पीड़ा? मुझे इस बात का एहसास नहीं है कि मैंने ऐसा कुछ दिखाया है।”
“तुमने ऐसा नहीं किया है। मेरा यही मतलब था। कोई भी खुश इंसान दर्द के प्रति इतना असंवेदनशील नहीं हो सकता।”
वायनांड ने अपने कला डीलर को फोन किया और उनसे स्टीवन मैलोरी की कलाकृतियों की निजी प्रदर्शनी आयोजित करने का अनुरोध किया। उन्होंने मैलोरी से व्यक्तिगत रूप से मिलने से इनकार कर दिया; वे उन लोगों से कभी नहीं मिलते थे जिनकी कलाकृतियाँ उन्हें पसंद आती थीं। कला डीलर ने बड़ी जल्दी में उनका अनुरोध पूरा किया। वायनांड ने देखी गई पाँच कलाकृतियाँ खरीद लीं और डीलर द्वारा अपेक्षित कीमत से अधिक भुगतान किया।
“श्रीमान मैलोरी जानना चाहते हैं,” व्यापारी ने कहा, “कि आपने उन्हें कैसे देखा?” “मैंने उनकी एक कृति देखी।” “कौन सी?” “कोई बात नहीं।”
टूही को उम्मीद थी कि डोमिनिक के साथ साक्षात्कार के बाद वायनांड उसे फोन करेगा। वायनांड ने फोन नहीं किया। लेकिन कुछ दिनों बाद, सिटी रूम में संयोग से टूही से मुलाकात होने पर, वायनांड ने ज़ोर से पूछा:
“श्री टूहे, क्या इतने सारे लोगों ने आपको जान से मारने की कोशिश की है कि आपको उनके नाम याद नहीं हैं?”
टूही मुस्कुराई और बोली, "मुझे यकीन है कि काफी लोग ऐसा करना चाहेंगे।"
"तुम अपने साथी मनुष्यों की चापलूसी करते हो," वायनांड ने कहा और वहां से चले गए।
पीटर कीटिंग रेस्तरां के शानदार कमरे को घूर रहा था। यह शहर का सबसे खास और सबसे महंगा स्थान था। कीटिंग इस बात पर गर्व महसूस कर रहा था कि वह गेल वायनांड के मेहमान के रूप में यहाँ आया है।
उसने मेज के उस पार बैठे वायनांड के आकर्षक व्यक्तित्व को घूरने से बचने की कोशिश की। उसने वायनांड को सार्वजनिक स्थान पर रात्रिभोज देने के उनके निर्णय

के लिए धन्यवाद दिया। लोग वायनांड को घूर रहे थे—चुपचाप और कुशलता से, लेकिन घूरते हुए—और उनकी निगाहें वायनांड की मेज पर बैठे दो मेहमानों पर भी थीं।
डोमिनिक दोनों पुरुषों के बीच बैठी थी। उसने लंबी आस्तीन और गले पर हुड वाली सफेद रेशमी पोशाक पहनी हुई थी, जो ननों का पहनावा था।
शाम के गाउन का चौंकाने वाला प्रभाव केवल इस बात से था कि वह उस उद्देश्य के लिए बिल्कुल अनुपयुक्त था। उसने कोई आभूषण नहीं पहना था। उसके सुनहरे बाल किसी हुड की तरह लग रहे थे। फीका सफेद रेशम उसके शरीर की हलचल के साथ कोणीय तलों में लहरा रहा था, उसे एक ठंडी मासूमियत के साथ प्रकट कर रहा था, मानो किसी बलि की वस्तु का शरीर सार्वजनिक रूप से अर्पित किया गया हो, जिसे छिपाने या इच्छा करने की कोई आवश्यकता न हो। कीटिंग को यह अनाकर्षक लगा। उसने देखा कि वायनांड इसे पसंद कर रही थी।
दूर एक मेज पर बैठा कोई व्यक्ति उनकी ओर लगातार घूर रहा था, वह लंबा और भारी-भरकम था। तभी वह विशालकाय आकृति उठ खड़ी हुई—और कीटिंग ने राल्स्टन होल्कोम्बे को उनकी ओर तेजी से आते हुए पहचान लिया।
"पीटर, मेरे प्यारे, तुम्हें देखकर बहुत खुशी हुई," होल्कोम्बे ने गरजते हुए कहा, उसका हाथ मिलाते हुए, डोमिनिक को झुककर प्रणाम किया और वायनांड को स्पष्ट रूप से अनदेखा कर दिया।
“तुम कहाँ छिपे हुए थे? अब तुम कहीं नज़र क्यों नहीं आते?” उन्होंने तीन दिन पहले साथ में दोपहर का भोजन किया था।
वायनांड उठ खड़े हुए और थोड़ा आगे की ओर झुककर विनम्रतापूर्वक खड़े हो गए।
कीटिंग हिचकिचाया; फिर, स्पष्ट अनिच्छा के साथ बोला:
श्री वायनांड—श्री होल्कोम्बे।
"क्या वह मिस्टर गेल वायनांड नहीं हैं?" होल्कोम्बे ने बड़ी मासूमियत से कहा।
"मिस्टर होल्कोम्बे, अगर आप कफ ड्रॉप बेचने वाले स्मिथ भाइयों में से किसी एक को असल जिंदगी में देखें, तो क्या आप उसे पहचान पाएंगे?" वायनांड ने पूछा।
"क्यों—मुझे लगता है ऐसा ही है," होल्कोम्बे ने पलकें झपकाते हुए कहा।
"मेरा चेहरा, श्री होल्कोम्बे, भी उतना ही सार्वजनिक घिसा-पिटा उदाहरण है।"
होलकोम्ब ने कुछ दयालुतापूर्ण सामान्य बातें बुदबुदाईं और वहां से चले गए।
वायनांड ने स्नेहपूर्वक मुस्कुराते हुए कहा, "मिस्टर कीटिंग, आपको मिस्टर होल्कोम्बे का मुझसे परिचय कराने से डरने की ज़रूरत नहीं थी, भले ही वह एक वास्तुकार हों।"
“क्यों आप डरे हुए हैं, श्री वायनांड?”
“बेकार की बात है, क्योंकि सब कुछ तय हो चुका है। क्या श्रीमती कीटिंग ने आपको नहीं बताया कि स्टोनरिज आपका है?”
“मैं... नहीं, उसने मुझे नहीं बताया... मुझे पता नहीं था....” वायनांड मुस्कुरा रही थी, लेकिन उसकी मुस्कान स्थिर रही, और कीटिंग को तब तक बोलते रहने की मजबूरी महसूस हुई जब तक कि कोई संकेत उसे रोक न दे। “मुझे इतनी उम्मीद नहीं थी... इतनी जल्दी नहीं... बिल्कुल, मुझे लगा कि यह डिनर एक संकेत हो सकता है... आपको फैसला लेने में मदद करे...” उसने अनजाने में ही कह दिया: "क्या आप हमेशा ऐसे ही सरप्राइज देते हैं—बस यूं ही?"
"जब भी मुझे मौका मिलेगा," वायनांड ने गंभीरता से कहा।
"मैं इस सम्मान के योग्य बनने और आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा, श्री वायनांड।"
"मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है," वायनांड ने कहा।
आज रात उसने डोमिनिक से बहुत कम बात की थी। उसका पूरा ध्यान कीटिंग पर केंद्रित लग रहा था।

कीटिंग ने कहा, "जनता ने मेरे पिछले प्रयासों के प्रति उदार रवैया दिखाया है।"
लेकिन मैं स्टोनरिज को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बनाऊंगा।
"आपके कार्यों की विशिष्ट सूची को देखते हुए, यह एक बहुत बड़ा वादा है।"
"मुझे उम्मीद नहीं थी कि मेरी रचनाएँ इतनी महत्वपूर्ण होंगी कि आपका ध्यान आकर्षित कर सकें, श्री वायनांड।"
“लेकिन मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूँ। कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग, जो बिल्कुल माइकल एंजेलो की कृति है।” कीटिंग के चेहरे पर अविश्वास भरी खुशी झलक रही थी; वह जानता था कि वायनांड कला का एक बड़ा विद्वान है और ऐसी तुलनाएँ यूँ ही नहीं करेगा। “प्रूडेंशियल बैंक बिल्डिंग, जो बिल्कुल पैलाडियो की कृति है। स्लॉटर्न डिपार्टमेंट स्टोर, जो क्रिस्टोफर व्रेन की नकल है।” कीटिंग का चेहरा बदल गया था। “देखो, एक ही कीमत में मुझे कितनी शानदार इमारतें देखने को मिल रही हैं। है ना ये बढ़िया सौदा?”
कीटिंग मुस्कुराया, उसका चेहरा तनावग्रस्त था, और उसने कहा:
"मैंने आपके हास्यबोध की अद्भुत क्षमता के बारे में सुना है, श्री वायनांड।"
"क्या आपने मेरी वर्णनात्मक शैली के बारे में सुना है?"
"आपका क्या मतलब है?"
वायनांड अपनी कुर्सी पर आधा घूमकर डोमिनिक को ऐसे देखने लगा मानो वह किसी निर्जीव वस्तु का निरीक्षण कर रही हो।
“आपकी पत्नी का शरीर बहुत सुंदर है, श्रीमान कीटिंग। उनके कंधे थोड़े पतले हैं, लेकिन उनके बाकी शरीर के अनुपात में बिल्कुल सही हैं। उनकी टांगें थोड़ी लंबी हैं, लेकिन इससे उनके शरीर में एक सुंदर रेखाचित्र बनता है, जैसा कि किसी अच्छी नौका में देखने को मिलता है। उनके स्तन भी बहुत खूबसूरत हैं, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”
“वास्तुकला एक असभ्य पेशा है, श्री वायनांड,” कीटिंग ने हंसने की कोशिश की। “यह किसी को उच्च कोटि की परिष्कृतता के लिए तैयार नहीं करता।”
“क्या आप मुझे समझ नहीं पा रहे हैं, श्रीमान कीटिंग?”
"अगर मुझे यह पता न होता कि आप एक सच्चे सज्जन व्यक्ति हैं, तो शायद मैं इसे गलत समझ लेती, लेकिन आप मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते।"
मैं यही करने से बचने की कोशिश कर रहा हूँ।
"श्री वायनांड, मुझे आपकी तारीफें अच्छी लगती हैं, लेकिन मैं इतना अहंकारी नहीं हूं कि यह सोचूं कि हमें मेरी पत्नी के बारे में बात करनी ही चाहिए।"
"क्यों नहीं, श्रीमान कीटिंग? जिन चीजों में हम समान हैं—या समान होंगे—उनके बारे में बात करना शिष्टाचार माना जाता है।"
श्री वायनांड, मैं... मुझे समझ नहीं आ रहा है।
"क्या मुझे और स्पष्ट रूप से बताना चाहिए?"
नहीं, मैं...
“नहीं? क्या हम स्टोनरिज के विषय को यहीं छोड़ दें?”
“ओह, चलिए स्टोनरिज के बारे में बात करते हैं! मैं...”
"लेकिन हम हैं, श्री कीटिंग।"
कीटिंग ने अपने आस-पास के कमरे पर नज़र डाली। उसने सोचा कि ऐसी जगह पर ये सब नहीं किया जा सकता; दिखावटी भव्यता ने इसे भयानक बना दिया था; काश यह कोई सीलन भरा तहखाना होता। उसने सोचा: पक्की सड़कों पर खून तो ठीक है, लेकिन ड्राइंग रूम के कालीन पर खून नहीं...
“अब मुझे पता चल गया है कि यह एक मजाक था, मिस्टर वायनांड,” उन्होंने कहा।
"अब आपकी हास्यबोध की प्रशंसा करने की मेरी बारी है, श्री कीटिंग।"
“इस तरह की चीजें... इस तरह की चीजें नहीं की जा रही हैं...”

“आपका मतलब बिल्कुल भी यह नहीं है, श्रीमान कीटिंग। आपका मतलब यह है कि ये सब चीजें हर समय होती रहती हैं, लेकिन इनके बारे में बात नहीं की जाती।”
मुझे ऐसा नहीं लगा था...
“आपने यहाँ आने से पहले ही यह सोच लिया था। आपको कोई आपत्ति नहीं थी। मैं मानता हूँ कि मैं घोर निंदनीय व्यवहार कर रहा हूँ। मैं दान के सभी नियमों को तोड़ रहा हूँ। सच कहूँ तो यह बेहद क्रूरता है।”
"कृपया, श्रीमान वायनांड, चलिए... इस मामले को यहीं खत्म करते हैं। मुझे नहीं पता कि... मुझे क्या करना चाहिए।"
“ये तो बहुत आसान है। तुम्हें बस मेरे चेहरे पर थप्पड़ मारना है।” कीटिंग हंस पड़ी। आपको यह काम कुछ मिनट पहले ही कर देना चाहिए था।
कीटिंग ने देखा कि उसकी हथेलियाँ गीली थीं और वह अपनी गोद में रखे नैपकिन को पकड़कर अपना भार संभालने की कोशिश कर रहा था। वायनांड और डोमिनिक धीरे-धीरे और शालीनता से भोजन कर रहे थे, मानो वे किसी और मेज पर बैठे हों।
कीटिंग को लगा कि वे दोनों मानव शरीर नहीं थे; कुछ गायब हो गया था; कमरे में लगे क्रिस्टल के उपकरणों की रोशनी एक्स-रे की चमक थी जो हड्डियों तक नहीं, बल्कि उससे भी गहरी, भेद रही थी; उसने सोचा, वे आत्माएँ थीं, भोजन की मेज पर बैठी हुई, शाम के वस्त्रों में समाई हुई आत्माएँ, मांस के मध्यवर्ती आकार से रहित, नग्न प्रकटीकरण में भयावह—भयानक, क्योंकि उसे यातना देने वालों को देखने की उम्मीद थी, लेकिन उसने एक महान मासूमियत देखी।
वह सोचने लगा कि उन्होंने क्या देखा होगा, अगर उसका शारीरिक स्वरूप ही गायब हो गया होता तो उसके अपने कपड़ों में क्या होता।
“नहीं?” वायनांड ने कहा। “आप ऐसा नहीं करना चाहते, श्रीमान कीटिंग? लेकिन बेशक आपको ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है। बस कह दीजिए कि आप इसमें शामिल नहीं होना चाहते। मुझे कोई आपत्ति नहीं होगी। कमरे के उस पार श्रीमान राल्स्टन होल्कोम्बे हैं। वे स्टोनरिज का निर्माण उतना ही अच्छा कर सकते हैं जितना आप कर सकते हैं।”
"मुझे समझ नहीं आ रहा कि आप क्या कहना चाहते हैं, मिस्टर वायनांड," कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा।
उसकी निगाहें सलाद की प्लेट में रखे टमाटर के रस पर टिकी हुई थीं; वह नरम और कांप रहा था; उसे देखकर उसे घिन आ रही थी।
वायनांड ने डोमिनिक की ओर रुख किया।
"क्या आपको हमारी उस खास खोज के बारे में हुई बातचीत याद है, श्रीमती?"
कीटिंग? मैंने कहा था कि यह एक ऐसा प्रयास है जिसमें तुम कभी सफल नहीं हो पाओगे।
अपने पति को देखो। वो तो बिना किसी मेहनत के माहिर हैं। यही तो सही तरीका है। कभी तो तुम भी ऐसा कर पाओ। मुझे ये बताने की ज़रूरत नहीं कि तुम नहीं कर सकती। मुझे पता है। तुम तो नोसिखिया हो, मेरी प्यारी।
कीटिंग ने सोचा कि उसे फिर से बोलना चाहिए, लेकिन वह बोल नहीं सका, जब तक वह सलाद उसके सामने था। डर उस प्लेट से आ रहा था, न कि मेज के उस पार बैठे उस नज़ाकत भरे राक्षस से; कमरे का बाकी हिस्सा गर्म और सुरक्षित था। वह लड़खड़ाकर आगे बढ़ा और उसकी कोहनी से प्लेट मेज से नीचे गिर गई।
उसने खेद व्यक्त करते हुए एक तरह की आवाज निकाली। किसी की आकृति दिखाई दी, क्षमा मांगने की विनम्र आवाजें आईं, और कालीन पर फैली गंदगी गायब हो गई।
कीटिंग ने एक आवाज सुनी, "तुम ऐसा क्यों कर रहे हो?" उसने दो चेहरों को अपनी ओर मुड़ा हुआ देखा और जान गया कि यह बात उसने ही कही थी।
“मिस्टर वायनांड तुम्हें यातना देने के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं, पीटर,” डोमिनिक ने शांत भाव से कहा। “वे मेरे लिए ऐसा कर रहे हैं। यह देखने के लिए कि मैं कितना सहन

कर सकता हूँ।"
"यह सच है, श्रीमती कीटिंग," वायनांड ने कहा। "आंशिक रूप से सच है। दूसरा हिस्सा यह है: खुद को सही ठहराने के लिए।"
"किसकी नज़रों में?"
"तुम्हारा। और शायद मेरा भी।"
क्या आपको इसकी आवश्यकता है?
"कभी-कभी। बैनर एक घटिया अखबार है, है ना? खैर, मैंने उस पद को पाने के विशेषाधिकार के लिए अपनी प्रतिष्ठा की कीमत चुकाई है जहाँ मैं दूसरों में सम्मान की कार्यप्रणाली को देखकर अपना मनोरंजन कर सकता हूँ।"
कीटिंग ने सोचा कि उसके अपने कपड़ों में अब कुछ भी नहीं बचा है, क्योंकि वे दोनों चेहरे अब उसे देख भी नहीं रहे थे। वह सुरक्षित था; उसकी जगह सुरक्षित थी।
वह मेज खाली थी। वह एक बड़ी, उदासीन दूरी से सोच रहा था कि वे दोनों चुपचाप एक-दूसरे को क्यों देख रहे थे, दुश्मनों की तरह नहीं, साथी जल्लादों की तरह नहीं, बल्कि साथियों की तरह।
उनके रवाना होने से दो दिन पहले, वायनांड ने देर शाम डोमिनिक को फोन किया।
"क्या आप अभी आ सकते हैं?" उसने पूछा, और एक पल की चुप्पी सुनकर बोला: "ओह, आप जो सोच रहे हैं वैसा नहीं। मैं अपने वादों का पालन करता हूँ। आप बिल्कुल सुरक्षित रहेंगे। मैं बस आज रात आपसे मिलना चाहता हूँ।"
"ठीक है," उसने कहा, और धीमी आवाज़ में "धन्यवाद" सुनकर वह आश्चर्यचकित रह गई।
जब उनके पेंटहाउस की निजी लॉबी में लिफ्ट का दरवाजा खुला, तो वह वहां इंतजार कर रहे थे, लेकिन उन्होंने उसे बाहर नहीं निकलने दिया। वह लिफ्ट में उसके साथ चले गए।
"मैं नहीं चाहता कि तुम मेरे घर में प्रवेश करो," उसने कहा। "हम नीचे वाले तल पर जा रहे हैं।"
लिफ्ट ऑपरेटर ने हैरानी से उसकी ओर देखा।
कार रुकी और एक बंद दरवाजे के सामने खुली। वायनांड ने ताला खोला और उसे पहले बाहर निकलने दिया, फिर उसके पीछे-पीछे आर्ट गैलरी में चली गई।
उसे याद था कि यह वह जगह थी जहाँ कोई बाहरी व्यक्ति कभी प्रवेश नहीं करता था। उसने कुछ नहीं कहा। उसने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।
घंटों तक वह विशाल कमरों में चुपचाप घूमती रही, सुंदरता के अद्भुत खजानों को निहारती रही। वहाँ एक गहरा कालीन बिछा था, कदमों की कोई आहट नहीं थी, बाहर शहर की कोई आवाज़ नहीं थी, कोई खिड़कियाँ नहीं थीं। वह उसके पीछे-पीछे चलता रहा, जब वह रुकती तो वह भी रुक जाता। उसकी आँखें एक वस्तु से दूसरी वस्तु पर जाती रहीं। कभी-कभी उसकी नज़र उसके चेहरे पर भी पड़ती। वह स्टीडार्ड मंदिर की मूर्ति के पास से बिना रुके गुज़र गई।
उसने न तो उसे रुकने के लिए कहा और न ही जल्दी करने के लिए, मानो उसने वह जगह उसे सौंप दी हो। उसने खुद तय किया कि उसे कब जाना है, और वह उसके पीछे-पीछे दरवाज़े तक गया। फिर उसने पूछा:
"तुम मुझे यह क्यों दिखाना चाहते थे? इससे तुम्हारे बारे में मेरी राय बेहतर नहीं होगी। बल्कि और खराब हो सकती है।"
"हां, मुझे यही उम्मीद होती," उसने धीमी आवाज़ में कहा, "अगर मैंने इस बारे में उस तरह से सोचा होता। लेकिन मैंने ऐसा नहीं सोचा। मैं बस चाहता था कि आप इसे देखें।"
चतुर्थ
जब वे कार से बाहर निकले तब तक सूरज डूब चुका था।

आकाश और समुद्र के फैलाव में, पारे की चादर पर हर आसमान में, बादलों के किनारों और नौका के पीतल के फिटिंग में आग की लकीरें उभर रही थीं। नौका गति की एक सफेद लकीर की तरह थी, एक संवेदनशील शरीर जो स्थिरता की सीमा के विरुद्ध तनाव में था।
डोमिनिक ने नाजुक सफेद रिबन पर सुनहरे अक्षरों में लिखे हुए— मैं हाँ कहती हूँ—को देखा।
“इस नाम का क्या अर्थ है?” उसने पूछा।
“यह उन लोगों के लिए एक जवाब है जो बहुत पहले मर चुके हैं। हालाँकि शायद वे ही एकमात्र अमर हैं। देखिए, मेरे बचपन में मैंने सबसे ज़्यादा जो वाक्य सुना था, वह था 'यहाँ का कामकाज आप नहीं संभाल सकते।'”
उसे याद आया कि उसने पहले कभी इस सवाल का जवाब नहीं दिया था। उसने तुरंत जवाब दे दिया था; ऐसा लग रहा था जैसे उसने कोई अपवाद नहीं बनाया हो। उसे उसके व्यवहार में एक अजीब और नयापन सा महसूस हुआ, मानो वह शांत और निर्णायक हो।
जब वे नौका पर सवार हुए, तो नौका चलने लगी, मानो डेक पर वायनांड के कदमों ने ही उसे छू लिया हो। वह रेलिंग पर खड़ा रहा, उसे छुए बिना, उसने उस लंबे, भूरे किनारे को देखा जो आकाश के सामने ऊपर-नीचे होता हुआ उनसे दूर जा रहा था। फिर वह उसकी ओर मुड़ा।
उसने उसकी आँखों में कोई नई पहचान नहीं देखी, कोई शुरुआत नहीं देखी, बल्कि केवल एक ही नज़र का सिलसिला जारी देखा—मानो वह हर समय उसे ही देख रहा हो।
जब वे नीचे गए तो वह उसके साथ उसके केबिन में चला गया। उसने कहा:
“अगर आपको कुछ चाहिए तो कृपया मुझे बता दीजिए,” कहकर वह अंदर के दरवाजे से बाहर निकल गया। उसने देखा कि वह दरवाज़ा उसके शयनकक्ष की ओर जाता था। उसने दरवाज़ा बंद कर दिया और वापस नहीं लौटा।
वह केबिन में धीरे-धीरे घूम रही थी। हल्के सैटिनवुड पैनल की चमकदार सतहों पर उसकी परछाईं की एक हल्की सी लकीर बन रही थी। वह एक नीची कुर्सी पर लेट गई, टखने आपस में क्रॉस किए हुए, हाथ सिर के पीछे रखे हुए, और खिड़की के हरे रंग से गहरे नीले रंग में बदलते हुए देखने लगी। उसने हाथ हिलाया और लाइट जला दी; नीला रंग गायब हो गया और उसकी जगह एक चमकदार काला गोला बन गया।
सेवक ने भोजन की घोषणा की। वायनांड ने उसके दरवाजे पर दस्तक दी और उसे भोजन कक्ष तक ले गया। उसका व्यवहार उसे हैरान कर गया: वह हंसमुख तो था, लेकिन उस उल्लास में छिपी शांति एक अजीब गंभीरता का संकेत दे रही थी।
जब वे मेज पर बैठ गए, तो उसने पूछा:
“तुम मुझे अकेला क्यों छोड़ गए?”
मुझे लगा कि शायद आप अकेले रहना चाहेंगे।
"इस विचार की आदत डालने के लिए?"
"अगर आप इसे इस तरह कहना चाहें तो।"
"आपके कार्यालय में आने से पहले मुझे इसकी आदत थी।"
“जी हां, बिल्कुल। मुझे माफ कर दीजिए अगर मैंने आपमें कोई कमजोरी समझी हो। मुझे बेहतर पता है। वैसे, आपने मुझसे यह नहीं पूछा कि हम कहां जा रहे हैं।”
"वह भी कमजोरी होगी।"
“सच है। मुझे खुशी है कि आपको परवाह नहीं है। क्योंकि मेरा कोई निश्चित गंतव्य नहीं है। यह जहाज़ जगहों पर जाने के लिए नहीं, बल्कि उनसे दूर जाने के लिए है। जब मैं किसी बंदरगाह पर रुकता हूँ, तो सिर्फ़ उसे छोड़ने के आनंद के लिए। मैं हमेशा सोचता हूँ: यह एक और जगह है जो मुझे रोक नहीं सकती।”

“मैं बहुत यात्रा करता था। मुझे हमेशा ऐसा ही महसूस होता था। मुझे बताया गया है कि ऐसा इसलिए है क्योंकि मैं मानवता से नफरत करती हूं।”
"आप इतने मूर्ख तो नहीं हैं कि इस बात पर विश्वास कर लें, है ना?"
"मुझे नहीं पता।"
“यकीनन आप उस मूर्खता को समझ गए होंगे। मेरा मतलब उस बात से है जो कहती है कि सुअर मानवता के प्रति प्रेम का प्रतीक है—वह प्राणी जो सब कुछ स्वीकार करता है। असल में, जो व्यक्ति सभी से प्रेम करता है और हर जगह सहज महसूस करता है, वही मानवता का सच्चा दुश्मन है। वह मनुष्यों से कुछ भी अपेक्षा नहीं रखेता, इसलिए किसी भी प्रकार की दुष्टता उसे आहत नहीं कर सकती।”
"आपका मतलब उस व्यक्ति से है जो कहता है कि हममें से सबसे बुरे लोगों में भी कुछ अच्छाई होती है?"
“मेरा मतलब उस व्यक्ति से है जो इतनी बेशर्मी से दावा करता है कि वह उस व्यक्ति से बराबर प्यार करता है जिसने तुम्हारी मूर्ति बनाई और उस व्यक्ति से जो गली-नुक्कड़ों पर मिकी माउस के गुब्बारे बेचता है। मेरा मतलब उस व्यक्ति से है जो उन पुरुषों से प्यार करता है जो तुम्हारी मूर्ति के बजाय मिकी माउस को पसंद करते हैं—और ऐसे बहुत से लोग हैं। मेरा मतलब उस व्यक्ति से है जो जोन ऑफ आर्क से प्यार करता है और बोर्डवे पर कपड़ों की दुकानों में काम करने वाली सेल्सगर्ल्स से भी—”
उतनी ही शिद्दत से। मेरा मतलब है वो इंसान जो तुम्हारी खूबसूरती से प्यार करता है और मेटो में दिखने वाली हर महिला से—वो इंसान जो अपनी सीमाओं को पार नहीं कर सकता।
घुटने और शरीर का वह हिस्सा जो सार्वजनिक रूप से उनके गार्टर्स के ऊपर लटका हुआ है—उसी उल्लास के भाव से। मेरा मतलब उस व्यक्ति से है जो दूरबीन से झाँकते हुए मनुष्य की निर्मल, स्थिर, निडर आँखों और एक मंदबुद्धि की सफेद घूरती निगाहों को समान रूप से पसंद करता है। मेरा मतलब एक बहुत बड़े, उदार, दयालु समूह से है। क्या आप ही हैं जो मानवता से नफरत करती हैं, श्रीमती?
कीटिंग?

“आप वो सारी बातें कह रही हैं जो—जब से मुझे याद है—जब से मैंने देखना और सोचना शुरू किया है—तब से होती आ रही हैं...” वह रुक गई।
“तुम्हें प्रताड़ित किया है। बेशक। मनुष्य से प्रेम किए बिना उन अधिकांश प्राणियों से घृणा करना असंभव है जो उसके नाम का ढोंग करते हैं। या तो यह या वह। ईश्वर और अपवित्रता से निष्पक्ष रूप से प्रेम नहीं किया जा सकता। सिवाय तब जब पता ही न हो कि अपवित्रता हुई है। क्योंकि तब ईश्वर का ज्ञान ही नहीं होता।”
अगर मैं आपको वही जवाब दूं जो लोग आमतौर पर मुझे देते हैं, तो आप क्या कहेंगे?
—क्या प्रेम का अर्थ क्षमा है?
मैं कहूंगा कि यह एक ऐसी अशोभनीयता है जिसके आप काबिल नहीं हैं—भले ही आप खुद को ऐसे मामलों में विशेषज्ञ समझते हों।
या फिर प्रेम ही दया है।
"अरे, चुप रहो। ऐसी बातें सुनना ही काफी बुरा है। तुम्हारे मुंह से ये सुनना तो घिनौना है—मजाक में भी कहो तो।"
"आपका जवाब क्या है?"
“प्रेम आदर, आराधना, महिमा और ऊपर की ओर दृष्टि है। यह गंदे घावों पर पट्टी नहीं है। लेकिन वे यह नहीं जानते। जो लोग प्रेम की सबसे बेतरतीब बातें करते हैं, वे वही हैं जिन्होंने इसे कभी महसूस नहीं किया। वे सहानुभूति, करुणा, तिरस्कार और सामान्य उदासीनता का एक कमजोर मिश्रण बनाकर उसे प्रेम कहते हैं।”

एक बार जब आप यह महसूस कर लेंगे कि प्यार का असली मतलब क्या होता है, जैसा कि आप और मैं जानते हैं—पूर्णतम जुनून और असीम प्रेम—तो आप इससे कम कुछ भी करने में असमर्थ हो जाएंगे।"
“जैसा कि—आप और मैं—जानते हैं?”
“जब हम आपकी मूर्ति जैसी किसी चीज़ को देखते हैं, तो हमें यही महसूस होता है। उसमें न तो क्षमा है, न ही दया। और जो यह दावा करता है कि क्षमा होनी चाहिए, मैं उसे मार डालना चाहता हूँ। लेकिन, आप देखिए, जब वह आपकी मूर्ति को देखता है—तो उसे कुछ भी महसूस नहीं होता। चाहे वह मूर्ति हो—या टूटा हुआ पंजा लिए कुत्ता—उसके लिए सब एक समान है। उसे तो यह भी लगता है कि उसने कुत्ते के पंजे पर पट्टी बांधकर आपकी मूर्ति को देखने से कहीं अधिक महान कार्य किया है। इसलिए यदि आप महानता की एक झलक चाहते हैं, यदि आप उत्थान चाहते हैं, यदि आप ईश्वर की प्रार्थना करते हैं और घावों को धोने को विकल्प के रूप में स्वीकार करने से इनकार करते हैं—
आपको मानवता से नफरत करने वाली कहा जाता है, श्रीमती कीटिंग, क्योंकि आपने उस प्रेम को जानने का अपराध किया है जिसे मानवता अभी तक प्राप्त करना नहीं सीख पाई है।
"श्री वायनांड, क्या आपने वह कारण पढ़ा है जिसके लिए मुझे नौकरी से निकाल दिया गया था?"
“नहीं। मैंने तब भी ऐसा नहीं किया था। अब भी ऐसा करने की हिम्मत नहीं है।”
"क्यों?"
उन्होंने सवाल को अनसुना कर दिया। मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा: “तो फिर, तुम मेरे पास आए और बोले, ‘तुम धरती पर सबसे नीच इंसान हो—मुझे ले जाओ ताकि मैं आत्म-घृणा सीख सकूँ। मुझमें वह गुण नहीं है जिसके सहारे अधिकांश लोग जीते हैं। उन्हें जीवन सहनीय लगता है, जबकि मुझे नहीं।’ क्या अब तुम्हें समझ आ रहा है कि तुमने क्या कर दिखाया है?”
मुझे उम्मीद नहीं थी कि इसे देखा जाएगा।
नहीं। न्यूयॉर्क बैनर के प्रकाशक द्वारा तो बिल्कुल नहीं।
कोई बात नहीं। मुझे तो उम्मीद थी कि वो खूबसूरत वेश्या होगी जो एल्सवर्थ टूही की दोस्त होगी।
वे दोनों एक साथ हँसे। उसे यह अजीब लगा कि वे बिना किसी तनाव के बात कर पा रहे थे—जैसे कि वह इस यात्रा का उद्देश्य ही भूल गया हो।
उनकी शांत प्रवृत्ति ने उन दोनों के बीच शांति की एक संक्रामक भावना का रूप ले लिया था।
उसने देखा कि खाना कितने सहज और शालीन तरीके से परोसा जा रहा था, उसने महोगनी की गहरी लाल दीवारों पर बिछे सफ़ेद मेज़पोश को निहारा। नौका पर हर चीज़ में एक ऐसा भाव था जिससे उसे लगा कि यह पहली सचमुच आलीशान जगह है जहाँ वह कभी गई थी: विलासिता गौण थी, उसके लिए इतनी उपयुक्त पृष्ठभूमि थी कि उसे नज़रअंदाज़ किया जा सकता था। वह व्यक्ति अपनी दौलत को विनम्रता से पेश कर रहा था। उसने धनवान लोगों को देखा था, जो अपने अंतिम लक्ष्य के सामने अकड़े और भयभीत रहते थे। इस जगह की भव्यता उस व्यक्ति का लक्ष्य नहीं थी, न ही उसकी अंतिम उपलब्धि थी जो सहजता से मेज़ पर झुका हुआ था। उसने सोचा कि उसका लक्ष्य क्या रहा होगा।
"यह जहाज तुम्हारे लिए उपयुक्त है," उसने कहा।
उसने उसकी आँखों में खुशी और कृतज्ञता का भाव देखा।
“धन्यवाद... क्या यह आर्ट गैलरी है?”
“हां। लेकिन यह कम क्षम्य है।”

“मैं नहीं चाहता कि तुम मेरे लिए बहाने बनाओ।” उसने यह बात सीधे-सादे शब्दों में, बिना किसी शिकायत के कही।
उन्होंने रात का खाना खत्म कर लिया था। वह निमंत्रण की प्रतीक्षा कर रही थी, लेकिन निमंत्रण नहीं आया। वह सिगरेट पीते हुए याट और समुद्र के बारे में बातें कर रहा था। उसका हाथ अनजाने में मेज़पोश पर, उसके हाथ के पास ही टिक गया।
उसने देखा कि वह उसे देख रहा है। वह अपना हाथ झटक कर हटाना चाहती थी, लेकिन उसने खुद को रोका और हाथ को वहीं रहने दिया। अब, उसने सोचा।
वह उठ खड़ा हुआ। उसने कहा, "चलो डेक पर चलते हैं।"
वे रेलिंग पर खड़े होकर एक काले शून्य को देख रहे थे। अंतरिक्ष दिखाई नहीं दे रहा था, केवल उनके चेहरों पर हवा की अनुभूति से ही महसूस हो रहा था। कुछ तारों ने खाली आकाश को वास्तविकता प्रदान की। पानी में जलती हुई सफेद आग की कुछ चिंगारियों ने सागर को जीवन दिया।
वह लापरवाही से झुके हुए खड़ा था, एक हाथ ऊपर उठाकर एक खंभे को पकड़े हुए। उसने देखा कि चिंगारियाँ निकल रही थीं, लहरों के किनारे बना रही थीं, जो उसके शरीर के वक्र से घिरी हुई थीं। यह भी उस पर जँच रहा था।
उसने कहा:
"क्या मैं एक और घिनौनी बात बताऊं जिसका आपने कभी अनुभव नहीं किया हो?"
"कौन सा?"
"समुद्र को देखते समय आपको कभी यह एहसास नहीं हुआ होगा कि आप कितने छोटे हैं।"
वह हँसा। “कभी नहीं। न ही ग्रहों को देखकर। न ही पर्वतों की चोटियों को देखकर। न ही ग्रैंड कैन्यन को देखकर। मैं ऐसा क्यों करूँ? जब मैं सागर को देखता हूं, तो मुझे मनुष्य की महानता का एहसास होता है। मैं मनुष्य की उस अद्भुत क्षमता के बारे में सोचता हूं जिसने इस विशाल अंतरिक्ष को जीतने के लिए इस जहाज का निर्माण किया।”
जब मैं पहाड़ों की चोटियों को देखता हूं, तो मुझे सुरंगों और डायनामाइट की याद आती है।
जब मैं ग्रहों को देखता हूं, तो मुझे हवाई जहाज याद आते हैं।"
“हां। और प्रकृति का चिंतन करते समय पुरुषों द्वारा अनुभव की जाने वाली पवित्र परमानंद की वह विशेष अनुभूति—मुझे वह प्रकृति से कभी नहीं मिली, केवल...” वह रुक गई।
"से क्या?"
“इमारतें,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “गगनचुंबी इमारतें।”
"तुम यह बात क्यों नहीं कहना चाहते थे?"
"मुझे नहीं पता।"
“मैं न्यूयॉर्क की गगनचुंबी इमारतों का एक नज़ारा देखने के लिए दुनिया का सबसे खूबसूरत सूर्यास्त भी दे दूंगा। खासकर तब जब बारीकियां दिखाई न दें। बस आकृतियां। आकृतियां और उन्हें बनाने वाला विचार। न्यूयॉर्क के ऊपर का आकाश, और मनुष्य की इच्छाशक्ति का प्रत्यक्ष प्रमाण। हमें और किस धर्म की ज़रूरत है? और फिर लोग मुझे जंगल में किसी दुर्गम, गंदी जगह की तीर्थयात्राओं के बारे में बताते हैं, जहां वे एक खंडहर मंदिर को श्रद्धांजलि देने जाते हैं, एक कुष्ठ रोगी द्वारा बनाए गए, मोटे पेट वाले, घूरते हुए पत्थर के राक्षस को। क्या वे सुंदरता और प्रतिभा देखना चाहते हैं? क्या वे उदात्तता का अनुभव करना चाहते हैं? उन्हें न्यूयॉर्क आने दो, खड़े होने दो। हडसन नदी के किनारे को देखो और घुटने टेक दो। जब मैं अपनी खिड़की से शहर को देखता हूँ—नहीं, मुझे अपनी छोटी सी हैसियत का एहसास नहीं होता—लेकिन मुझे

लगता है कि अगर कोई युद्ध इसे खतरे में डाल दे, तो मैं खुद को अंतरिक्ष में, शहर के ऊपर फेंक दूँगा और अपने शरीर से इन इमारतों की रक्षा करूँगा।
गेल, मुझे नहीं पता कि मैं तुम्हारी बात सुन रहा हूँ या खुद की।
क्या आपने अभी-अभी खुद को सुना?
वह मुस्कुराई। "दरअसल नहीं। लेकिन मैं इसे वापस नहीं लूंगी, गेल।"
“धन्यवाद—डोमिनिक।” उसकी आवाज़ नरम और हंसी से भरी थी। “लेकिन हम तुम्हारे या मेरे बारे में बात नहीं कर रहे थे। हम दूसरे लोगों के बारे में बात कर रहे थे।”
वह दोनों कोहनियों को रेलिंग पर टिकाकर पानी में उठती चिंगारियों को देखते हुए बोला। “यह सोचना दिलचस्प है कि आखिर क्यों पुरुष खुद को नीचा दिखाने के लिए इतने उत्सुक होते हैं। जैसे कि प्रकृति के सामने खुद को छोटा महसूस करने का विचार। यह कोई घिसा-पिटा विचार नहीं, बल्कि एक तरह की संस्था बन चुकी है। क्या आपने गौर किया है कि जब कोई व्यक्ति इसके बारे में बताता है तो वह कितना आत्म-धर्मी लगता है? मानो वह कह रहा हो, 'मैं बौना होने पर कितना प्रसन्न हूं, मैं इतना गुणी हूं।' क्या आपने सुना है कि लोग कितने आनंद से किसी महान हस्ती का हवाला देते हैं जिसने नियाग्रा फॉल्स को देखकर खुद को उतना महान नहीं समझा? ऐसा लगता है मानो वे इस बात पर खुशी से होंठ चटका रहे हों कि भूकंप की प्रचंड शक्ति के सामने उनकी सारी उपलब्धियां धूल में मिल गईं। मानो वे चारों हाथों-पैरों के बल लेटकर, तूफान की भव्यता के सामने अपना माथा कीचड़ में रगड़ रहे हों। लेकिन यह वह भावना नहीं है जिसने आग, भाप, बिजली को जन्म दिया, जिसने नौकाओं में महासागरों को पार किया, जिसने हवाई जहाज़ और बांध... और गगनचुंबी इमारतें बनाईं।”
वे किस बात से डरते हैं? उन्हें रेंगने वालों से इतनी नफरत क्यों है? और क्यों?
उन्होंने कहा, "जब मुझे इसका जवाब मिल जाएगा, तब मैं दुनिया से सुलह कर लूंगी।"
वह लगातार बातें करता रहा—अपनी यात्राओं के बारे में, उनके चारों ओर फैले अंधकार से परे महाद्वीपों के बारे में, उस अंधकार के बारे में जिसने अंतरिक्ष को उनकी पलकों पर एक नरम पर्दे की तरह बना दिया था। वह इंतज़ार करती रही। उसने जवाब देना बंद कर दिया। उसने उसे इस संक्षिप्त मौन का उपयोग इस बातचीत को समाप्त करने के लिए, उन शब्दों को कहने के लिए मौका दिया जिनकी वह अपेक्षा कर रही थी। लेकिन उसने वे शब्द नहीं कहे।
“क्या तुम थक गई हो, मेरी प्यारी?” उसने पूछा।
"नहीं।"
"अगर आप बैठना चाहें तो मैं आपके लिए एक डेक चेयर ला दूंगा।"
नहीं, मुझे यहां खड़े रहना अच्छा लगता है।
“थोड़ी ठंड है। लेकिन कल तक हम काफी दक्षिण में पहुँच जाएँगे और तब रात में आपको समुद्र आग की तरह चमकता हुआ दिखाई देगा। यह बहुत ही खूबसूरत होगा।”
वह चुप था। उसने पानी की आवाज़ में जहाज़ की गति सुनी, पानी की सतह पर एक लंबा घाव बनाते हुए उस चीज़ के खिलाफ विरोध की सरसराहट भरी कराह सुनी।
“हम नीचे कब जाएंगे?” उसने पूछा।
हम नीचे नहीं जा रहे हैं।
उसने यह बात धीमी आवाज़ में, एक अजीब तरह की सरलता के साथ कही थी, मानो वह एक ऐसे तथ्य के सामने असहाय खड़ा हो जिसे वह बदल नहीं सकता था।
“क्या तुम मुझसे शादी करोगी?” उसने पूछा।
वह अपना सदमा छिपा नहीं सकी; उसने इसे पहले ही देख लिया था, वह चुपचाप मुस्कुरा रहा था, मानो समझ रहा हो।
“बेहतर होगा कि मैं और कुछ न कहूँ।” उसने संभलकर कहा। “लेकिन तुम इसे सुनना पसंद करती हो—क्योंकि हमारे बीच इस तरह की चुप्पी मेरी अपेक्षा से परे है। तुम मुझे

ज़्यादा कुछ बताना नहीं चाहता, लेकिन आज रात मैंने तुम्हारे लिए बोल दिया है, तो मुझे फिर से बोलने दो। तुमने मुझे पुरुषों के प्रति अपनी घृणा का प्रतीक चुना है। तुम मुझसे प्यार नहीं करतीं। तुम मुझे कुछ भी नहीं देना चाहतीं। मैं केवल तुम्हारा आत्म-विनाश का हथियार हूँ। मैं यह सब जानता हूँ, मैं इसे स्वीकार करता हूँ और मैं चाहता हूँ कि तुम मुझसे शादी करो। यदि तुम दुनिया से बदला लेने के लिए कोई घिनौना काम करना चाहती हो, तो वह काम अपने दुश्मन को खुद को बेचना नहीं, बल्कि उससे शादी करना है। अपनी सबसे बुरी चीज़ का मुकाबला उसकी सबसे बुरी चीज़ से करना नहीं, बल्कि अपनी सबसे बुरी चीज़ का मुकाबला उसकी सबसे अच्छी चीज़ से करना है। तुमने एक बार ऐसा करने की कोशिश की थी, लेकिन तुम्हारा शिकार तुम्हारे उद्देश्य के योग्य नहीं था। देखो, मैं अपनी बात तुम्हारे ही शब्दों में कह रहा हूँ।"
मेरी क्या इच्छाएं हैं, मैं उसे शादी में क्या पाना चाहता हूँ, इससे आपको कोई लेना-देना नहीं है और मैं इसे इसी तरह समझूंगा। आपको इसके बारे में जानने की ज़रूरत नहीं है। आपको इस पर विचार करने की ज़रूरत नहीं है। मैं आपसे कोई वादा नहीं लेता और न ही आप पर कोई बाध्यता डालता हूँ। आप जब चाहें मुझे छोड़ने के लिए स्वतंत्र हैं। वैसे—चूंकि इससे आपको कोई लेना-देना नहीं है—मैं आपसे प्यार करता हूँ।
वह खड़ी थी, एक हाथ पीछे की ओर फैलाए, उंगलियों के सिरे रेलिंग पर टिके हुए थे। उसने कहा:
मैं ऐसा नहीं चाहता था।
"मुझे पता है। लेकिन अगर आपको इसके बारे में जानने की उत्सुकता है, तो मैं आपको बता दूं कि आपने गलती की है। आपने मुझे अब तक का सबसे साफ-सुथरा इंसान दिखाया है।"
"जिस तरह से हमारी मुलाकात हुई, उसके बाद तो यह हास्यास्पद नहीं है क्या?"
"डोमिनिक, मैंने अपना पूरा जीवन दुनिया की बागडोर अपने हाथों में ली है। मैंने सब कुछ देखा है। क्या तुम्हें लगता है कि मैं किसी भी पवित्रता पर विश्वास कर सकता हूं—जब तक कि वह मेरे सामने तुम्हारे द्वारा चुने गए किसी भयानक रूप में न आए?"
लेकिन मेरी भावनाओं का आपके निर्णय पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए।
वह उसे देखती रही, बीते हुए पलों को अविश्वास से देखती रही। उसके होंठों पर कोमलता का भाव था। उसने यह देखा। उसे लगा कि आज उसने जो भी कहा, वह सब उसकी अपनी भाषा में था, यह प्रस्ताव और इसे दिया गया रूप उसकी अपनी दुनिया का था—और उसने इसके द्वारा अपना उद्देश्य नष्ट कर दिया था, उससे वह मकसद छीन लिया था जो उसने सुझाया था, और ऐसे व्यक्ति के साथ अपमान की तलाश करना असंभव बना दिया था जो इस तरह बोलता था। अचानक उसका मन हुआ कि वह उसे गले लगा ले, उसे सब कुछ बता दे, उसकी समझ में एक पल की राहत पा ले, और फिर उससे कहे कि वह उसे फिर कभी न देखे।
फिर उसे याद आया।
उसने उसके हाथ की हरकत पर ध्यान दिया। उसकी उंगलियां रेलिंग पर तनाव से नहीं टिकी थीं, जिससे सहारे की जरूरत का संकेत मिलता हो या उस पल की अहमियत का पता चलता हो; वे शिथिल थीं और रेलिंग पर इस तरह बंद थीं जैसे उसने लापरवाही से किसी लगाम को पकड़ लिया हो, क्योंकि अब उस अवसर पर किसी गंभीर प्रयास की आवश्यकता नहीं थी।
उसे स्टोडार्ड मंदिर याद आया। उसने अपने सामने बैठे उस व्यक्ति के बारे में सोचा, जिसने ऊँचाई के प्रति पूर्ण जुनून और अपने शरीर से गगनचुंबी इमारतों की रक्षा करने के बारे में बात की थी - और उसने न्यूयॉर्क बैनर के एक पृष्ठ पर एक तस्वीर देखी, जिसमें हॉवर्ड रोर्क एनराइट हाउस की ओर देख रहे थे, और कैप्शन था: "क्या आप खुश हैं, मिस्टर सुपरमैन?"
उसने अपना चेहरा उसकी ओर उठाया। उसने पूछा:

“क्या मैं तुमसे शादी करूँ? क्या मैं मिसेज़ वायनांड-पेपस बनूँ?”
उसने उसकी आवाज में प्रयास महसूस किया जब उसने जवाब दिया: "अगर आप इसे ऐसा कहना चाहें तो - हाँ।"
"मैं आपसे शादी करूंगा।"
"धन्यवाद, डोमिनिक।"
वह उदासीनता से इंतजार करती रही।
जब वह उसकी ओर मुड़ा, तो उसने वैसे ही बात की जैसे वह पूरे दिन बात करता रहा था, एक शांत आवाज जिसमें थोड़ी सी खुशी झलक रही थी।
“हम क्रूज़ का समय कम कर देंगे। हम सिर्फ़ एक हफ़्ता लेंगे—मैं चाहता हूँ कि तुम कुछ समय यहाँ रहो। हमारे लौटने के अगले दिन तुम रेनो के लिए रवाना हो जाओगी। मैं तुम्हारे पति का ख्याल रखूँगा। वो स्टोनरिज़ और जो चाहे खा सकते हैं।
अन्यथा जो चाहे, भगवान उसे नरक में भेजे। जिस दिन तुम वापस आओगे, उसी दिन हमारी शादी हो जाएगी।
“जी गेल। अब चलो नीचे चलते हैं।”
"क्या आप यह चाहते हैं?"
नहीं। लेकिन मैं नहीं चाहती कि हमारी शादी महत्वपूर्ण हो।
“मैं चाहता हूँ कि यह खास हो, डोमिनिक। इसीलिए आज रात मैं तुम्हें छुऊंगा नहीं। जब तक हमारी शादी नहीं हो जाती। मुझे पता है यह एक बेमतलब का काम है। मुझे पता है कि शादी की रस्म हम दोनों के लिए कोई मायने नहीं रखती। लेकिन हमारे बीच पारंपरिक होना ही एकमात्र अपवाद है। इसीलिए मैं यही चाहता हूं। मेरे पास अपवाद बनाने का कोई और तरीका नहीं है।”
"जैसी आपकी इच्छा, गेल।"
फिर उसने उसे अपनी ओर खींचा और उसके होंठों को चूमा। यह उसके शब्दों की पूर्णता थी, एक ऐसा भावपूर्ण कथन था, इतनी तीव्रता से भरा हुआ कि उसने अपने शरीर को अकड़ने की कोशिश की, प्रतिक्रिया न देने की कोशिश की, लेकिन फिर भी उसका शरीर प्रतिक्रिया दे रहा था, मानो वह उस पुरुष की शारीरिक उपस्थिति के अलावा सब कुछ भूलने को मजबूर हो गई हो जिसने उसे थाम रखा था।
उसने उसे जाने दिया। वह जानती थी कि उसने ध्यान दिया है। वह मुस्कुराया और बोला:
“डोमिनिक, तुम थकी हुई लग रही हो। क्या मैं तुम्हें शुभ रात्रि कहूँ? मैं थोड़ी देर यहीं रुकना चाहता हूँ।”
वह आज्ञाकारी भाव से मुड़ी और अकेले ही अपनी झोपड़ी की ओर चल पड़ी।
वी
“क्या बात है? क्या मुझे स्टोनरिज नहीं मिल रहा?”
पीटर कीटिंग ने झटके से जवाब दिया।
डोमिनिक लिविंग रूम में दाखिल हुई। वह उसके पीछे-पीछे खुला दरवाज़ा खोलकर इंतज़ार करने लगा। लिफ्ट वाला उसका सामान लेकर आया और चला गया। उसने अपने दस्ताने उतारते हुए कहा:
“पीटर, तुम्हें स्टोनरिज मिल जाएगा। बाकी की जानकारी मिस्टर वायनांड खुद दे देंगे। वो आज रात साढ़े आठ बजे अपने घर पर तुमसे मिलना चाहते हैं।”
"आखिर क्यों?"
वह आपको बता देगा।
उसने अपने दस्तानों को हथेली पर हल्के से थपथपाया, मानो किसी बात को समाप्त करने का छोटा सा संकेत हो, जैसे वाक्य के अंत में पूर्णविराम। वह कमरे से बाहर जाने के लिए मुड़ी। वह उसके रास्ते में खड़ा हो गया।

“मुझे परवाह नहीं,” उसने कहा। “मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं इसे आपके तरीके से खेल सकता हूँ।”
आप लोग कमाल के हैं, है ना?—क्योंकि आप और मिस्टर गेल वायनांड टैक्स ड्राइवरों की तरह बर्ताव करते हैं? शिष्टाचार भाड़ में जाए, दूसरे की भावनाओं की परवाह ही न हो? खैर, मैं भी ऐसा कर सकता हूँ। मैं आप दोनों का इस्तेमाल करूँगा और जो कुछ भी मुझे मिलेगा, ले लूँगा—और मुझे बस यही फ़िक्र है। कैसा लगा? जब कीड़ा चोट लगने से इनकार कर दे तो मज़ा किरकिरा हो जाता है?
“मुझे लगता है कि यह बहुत बेहतर है, पीटर। मुझे खुशी है।”
उस शाम जब वह वायनांड के अध्ययन कक्ष में दाखिल हुआ तो वह अपना यह रवैया बरकरार नहीं रख सका। गेल वायनांड के घर में प्रवेश करने की खुशी से वह अभिभूत हो गया। जब तक वह कमरे को पार करके मेज के सामने वाली कुर्सी तक पहुँचा, तब तक उसे केवल भारीपन का एहसास हुआ और वह सोचने लगा कि क्या उसके पैरों के निशान मुलायम कालीन पर पड़ गए हैं; मानो किसी गहरे समुद्र में गोताखोर के सीसे से जड़े पैरों के निशान हों।
“मिस्टर कीटिंग, मुझे जो कहना है, वो कहने या करने की ज़रूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी,” वायनांड ने कहा। कीटिंग ने कभी किसी को इतने सधे हुए अंदाज़ में बोलते नहीं सुना था। उन्हें अजीब सा लगा जैसे वायनांड ने अपनी आवाज़ पर मुट्ठी कसकर रखी हो और हर अक्षर को निर्देशित कर रहे हों। “एक भी अतिरिक्त शब्द बोलना आपत्तिजनक होगा, इसलिए मैं संक्षेप में बोलूंगा। मैं आपकी पत्नी से शादी करने जा रहा हूं। वह कल रेनो के लिए रवाना हो रही हैं। ये रहा स्टोनरिज का अनुबंध। मैंने इस पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।”
इसके साथ ढाई लाख डॉलर का चेक संलग्न है।
अनुबंध के तहत आपके काम के लिए आपको जो मिलेगा, उसके अतिरिक्त। कृपया अब इस संबंध में कोई टिप्पणी न करें। मुझे पता है कि मैं इससे कम में भी आपकी सहमति प्राप्त कर सकता था, लेकिन मैं कोई चर्चा नहीं करना चाहता।
इस बारे में मोलभाव करना असहनीय होगा। इसलिए, क्या आप कृपया इसे स्वीकार करेंगे और मामले को सुलझा हुआ मानेंगे?
उसने अनुबंध को मेज पर फैला दिया। कीटिंग ने चेक का हल्का नीला आयताकार भाग देखा जो कागज़ की क्लिप से पृष्ठ के शीर्ष पर चिपका हुआ था। डेस्क लैंप की रोशनी में क्लिप चांदी की तरह चमक रही थी।
कीटिंग का हाथ कागज तक नहीं पहुंचा। उन्होंने अपनी ठुड्डी को अजीब तरह से हिलाते हुए कहा:
मुझे यह नहीं चाहिए। मेरी सहमति आपको मुफ्त में मिल जाएगी।
उसने वायनांड के चेहरे पर आश्चर्य और लगभग दयालुता का भाव देखा।
“क्या आप इसे नहीं चाहते? क्या आप स्टोनरिज को भी नहीं चाहते?”
“मुझे स्टोनरिज चाहिए!” कीटिंग का हाथ उठा और उसने कागज़ छीन लिया। मुझे तो सब कुछ चाहिए! तुम इससे बच क्यों जाओ? मुझे क्या फर्क पड़ता है?
वायनांड उठ खड़ा हुआ। उसने राहत और अफसोस भरी आवाज़ में कहा:
“ठीक है, श्रीमान कीटिंग। एक पल के लिए तो आपने अपनी शादी को लगभग जायज़ ठहरा दिया था। इसे जैसा है वैसा ही रहने दीजिए। शुभ रात्रि।”
कीटिंग घर नहीं गए। वे अपने नए डिज़ाइनर और सबसे अच्छे दोस्त नील डुमोंट के अपार्टमेंट तक पैदल गए। नील डुमोंट दुबले-पतले, कमज़ोर और संभ्रांत स्वभाव के थे, और उनके कंधों पर उनके प्रतिष्ठित पूर्वजों का बोझ साफ झलकता था। वे एक अच्छे डिज़ाइनर नहीं थे, लेकिन उनके अच्छे संपर्क थे; वे दफ्तर में कीटिंग की चापलूसी करते थे, और दफ्तर के बाद कीटिंग भी उनकी चापलूसी करते थे।

उन्हें डुमॉट घर पर मिला। उन्होंने मिलकर गॉडेन प्रेस्कॉट और विंसेंट नोल्टन को बुलाया और एक तूफानी रात बिताने के लिए निकल पड़े।
कीटिंग ज़्यादा शराब नहीं पीता था। वह हर चीज़ का भुगतान खुद करता था। ज़रूरत से ज़्यादा ही करता था। ऐसा लगता था मानो उसे भुगतान करने के लिए चीज़ें ढूंढने की जल्दी रहती हो। वह ज़रूरत से ज़्यादा टिप देता था। वह बार-बार पूछता था: "हम दोस्त हैं—है ना?—है ना?" वह अपने आस-पास रखे गिलासों को देखता और उनमें चमकती रोशनी को निहारता। उसने तीनों आँखों को देखा; वे धुंधली थीं, लेकिन कभी-कभी संतुष्टि से उसकी ओर मुड़ जाती थीं। वे कोमल और सुकून देने वाली थीं।
उस शाम, अपने कमरे में बैग पैक करके तैयार रखने के बाद, डोमिनिक स्टीवन मैलोरी से मिलने गई।
रोर्क से उसकी मुलाकात बीस महीने से नहीं हुई थी। वह कभी-कभार मैलोरी से मिलने जाती थी। मैलोरी जानता था कि ये मुलाकातें एक ऐसे संघर्ष का हिस्सा थीं जिसे वह नाम नहीं देना चाहती थी; वह जानता था कि वह आना नहीं चाहती थी, उसके साथ बिताई गई वो दुर्लभ शामें उसके जीवन से छीने गए पलों के समान थीं। वह कभी कोई सवाल नहीं पूछता था और उसे देखकर हमेशा खुश होता था। वे शांत भाव से बातें करते थे, मानो किसी पुराने विवाहित जोड़े की तरह आत्मीयता का भाव हो; मानो उसने उसके शरीर पर अधिकार कर लिया हो, और उसका आकर्षण बहुत पहले ही समाप्त हो चुका हो, और केवल एक निर्मल आत्मीयता ही शेष रह गई हो। उसने उसके शरीर को कभी छुआ नहीं था, लेकिन जब उसने उसकी मूर्ति बनाई थी, तब उसने उस पर एक गहरे प्रकार का अधिकार जमा लिया था, और वे एक-दूसरे के उस विशेष अहसास को खो नहीं सकते थे जो उस मूर्ति ने उन्हें दिया था।
जब उसने दरवाजा खोला और उसे देखा तो उसके चेहरे पर मुस्कान आ गई।
"हैलो, डोमिनिक।"
"हेलो, स्टीव। क्या मैं आपको डिस्टर्ब कर रहा हूँ?"
नहीं। अंदर आ जाओ।
उसका एक स्टूडियो था, एक पुरानी इमारत में बना एक विशाल, अव्यवस्थित कमरा। पिछली बार आने के बाद से उसने बदलाव महसूस किया। कमरे में हंसी की गूंज थी, मानो किसी ने बहुत देर तक सांस रोकी हो और फिर छोड़ी हो। उसने पुराने फर्नीचर, दुर्लभ बुनावट और मोहक रंगों वाला एक प्राच्य कालीन, जेड की राखदानियां, ऐतिहासिक खुदाई से मिली मूर्तियां, और वायनांड के संरक्षण से मिली अचानक दौलत की बदौलत जो कुछ भी वह इकट्ठा करना चाहता था, सब कुछ देखा। रंगीन सामान के ऊपर दीवारें अजीब तरह से खाली लग रही थीं। उसने कोई पेंटिंग नहीं खरीदी थी। उसके स्टूडियो के ऊपर केवल एक स्केच लटका हुआ था—स्टोडार्ड मंदिर का रोर्क द्वारा बनाया गया मूल चित्र।
उसने धीरे-धीरे अपने चारों ओर देखा, हर वस्तु और उसके वहां होने के कारण पर ध्यान दिया। उसने दो कुर्सियां चिमनी की ओर धकेल दीं और वे आग के दोनों ओर एक-एक करके बैठ गए।
उन्होंने बड़े सरल शब्दों में कहा:
क्लेटन, ओहियो।
"क्या करें?"
"जेनर डिपार्टमेंट स्टोर के लिए एक नई इमारत। पांच मंजिला। मेन स्ट्रीट पर।"
वह वहां कब से है?
"एक महीने मे।"
जब भी वह यहाँ आती, तो वह बिना पूछे ही सबसे पहले इसी सवाल का जवाब दे देता था। उसकी सहज सरलता ने उसे स्पष्टीकरण या दिखावे की आवश्यकता से मुक्त कर दिया; उसके व्यवहार में कोई टिप्पणी नहीं होती थी।

मैं कल जा रहा हूँ, स्टीव।
"लंबे समय तक के लिए?"
“छह सप्ताह। रेनो।”
"मैं खुश हूं।"
मैं अभी आपको यह नहीं बताना चाहता कि मैं वापस आकर क्या करूंगा। आपको यह जानकर खुशी नहीं होगी।
"मैं कोशिश करूंगा—अगर आप यही चाहते हैं।"
"मैं यही करना चाहता हूँ।"
चूल्हे में रखे कोयलों के ढेर पर एक लकड़ी का लट्ठा अभी भी अपनी आकृति में था; उस पर छोटे-छोटे चौकोर खांचे बने हुए थे और वह बिना लौ के भी चमक रहा था, मानो रोशन खिड़कियों की एक ठोस कतार हो। उसने झुककर कोयलों पर एक और लट्ठा फेंक दिया। इससे खिड़कियों की कतार बीच से टूट गई और चिंगारियां कालिख लगी ईंटों पर जा टकराईं।
उन्होंने अपने काम के बारे में बात की। वह सुनती रही, मानो कोई प्रवासी कुछ समय के लिए अपनी मातृभूमि की भाषा सुन रही हो।
थोड़ी देर रुककर उसने पूछा:
"स्टीव, वो कैसा है?"
“वह हमेशा से जैसा रहा है। वह बदलता नहीं है, आप जानते हैं।”
उसने लकड़ी के लट्ठे को लात मारी। कुछ अंगारे बाहर लुढ़क गए। उसने उन्हें वापस धकेल दिया।
उसने कहा:
“मैं अक्सर सोचता हूँ कि हममें से वही एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिसने अमरता प्राप्त कर ली है। मेरा मतलब प्रसिद्धि के अर्थ में नहीं है और न ही यह कि वह कभी नहीं मरेगा। लेकिन वह इसे जी रहा है। मुझे लगता है कि वह इस अवधारणा का सही अर्थ है। आप जानते हैं कि लोग अमर होने की कितनी लालसा रखते हैं।”
लेकिन हर गुज़रते दिन के साथ वे मरते जाते हैं। जब आप उनसे मिलते हैं, तो वे वैसे नहीं होते जैसे पिछली बार मिले थे। हर पल, वे अपने किसी न किसी हिस्से को मार डालते हैं। वे बदलते हैं, इनकार करते हैं, विरोधाभास करते हैं—और इसे विकास कहते हैं। अंत में कुछ भी नहीं बचता, कुछ भी अपरिवर्तित या विश्वासघात से मुक्त नहीं; मानो कभी कोई अस्तित्व ही न रहा हो, बस एक आकारहीन पिंड पर विशेषणों का एक सिलसिला धुंधलाता और प्रकट होता रहता है। वे उस स्थायित्व की अपेक्षा कैसे कर सकते हैं जिसे उन्होंने एक पल के लिए भी धारण नहीं किया? लेकिन हॉवर्ड—कोई कल्पना कर सकता है कि वह हमेशा के लिए विद्यमान रहेगा।
वह आग को देखती हुई बैठी रही। इससे उसके चेहरे पर जीवन का एक भ्रामक आभास हुआ। थोड़ी देर बाद उसने पूछा:
"मैंने जो नई चीजें खरीदी हैं, वे आपको कैसी लगीं?"
मुझे ये पसंद हैं। मुझे अच्छा लगता है कि आपके पास ये हैं।
“पिछली बार जब मैंने तुम्हें देखा था, उसके बाद मेरे साथ जो हुआ, वो मैंने तुम्हें नहीं बताया। बिलकुल अविश्वसनीय। गेल वायनांड...”
"हां, मुझे इसके बारे में पता है।"
“सच में? वो भी वायनांड जैसे व्यक्ति को—आखिर किस वजह से उन्होंने मुझे खोजा?”
मुझे भी यह पता है। मैं वापस आकर आपको बता दूँगा।
“उनका निर्णय लेने का कौशल अद्भुत है। उनके लिए यह अद्भुत है। उन्होंने सबसे बेहतरीन चीज़ खरीदी।”
"हां, वह करेगा।"

फिर उसने बिना किसी बदलाव के पूछा, हालांकि वह जानता था कि वह वायनांड के बारे में बात नहीं कर रही थी:
"स्टीव, क्या उसने कभी मेरे बारे में तुमसे पूछा है?"
"नहीं।"
"क्या तुमने उसे मेरे यहाँ आने के बारे में बताया है?"
"नहीं।"
"क्या यह मेरे लिए है, स्टीव?"
नहीं। उसके लिए।
वह जानता था कि उसने उसे वह सब कुछ बता दिया था जो वह जानना चाहती थी।
वह उठते हुए बोली:
“चलो चाय पीते हैं। मुझे दिखाओ कि तुम अपना सामान कहाँ रखते हो। मैं उसे ठीक कर दूंगा।”
डोमिनिक सुबह-सुबह रेनो के लिए रवाना हो गई। कीटिंग अभी भी सो रहा था और उसने उसे अलविदा कहने के लिए नहीं जगाया।
जब उसने आँखें खोलीं, तो घड़ी देखने से पहले ही घर की खामोशी से उसे पता चल गया था कि वह जा चुकी है। उसने सोचा कि उसे कहना चाहिए, "अच्छा हुआ," लेकिन उसने न तो कहा और न ही उसे ऐसा महसूस हुआ। उसे बस एक विशाल, सपाट वाक्य का एहसास हुआ, जिसका कोई विषय नहीं था।
“कोई फायदा नहीं”—ये शब्द न तो उसने खुद कहे और न ही डोमिनिक ने। वह अकेला था और कुछ भी दिखावा करने की कोई ज़रूरत नहीं थी। वह बिस्तर पर पीठ के बल लेटा था, उसकी बाहें बेबस होकर फैली हुई थीं। उसका चेहरा नम्र लग रहा था और आँखें व्याकुल। उसे लगा कि यह अंत है, एक मृत्यु है, लेकिन उसका मतलब डोमिनिक को खोना नहीं था।
वह उठा और कपड़े पहने। बाथरूम में उसे एक तौलिया मिला जिसे उसने इस्तेमाल करके फेंक दिया था। उसने उसे उठाया और अपना चेहरा उस पर दबाया।
उसने उसे काफी देर तक थामे रखा, दुःख में नहीं, बल्कि एक अनकही भावना में, कुछ समझे बिना, बस इतना जानते हुए कि उसने उससे दो बार प्यार किया था—उस शाम जब टूही ने फोन किया था, और अब। फिर उसने अपनी उंगलियां खोलीं और तौलिया फर्श पर ऐसे फिसल गया जैसे कोई तरल पदार्थ उसकी उंगलियों के बीच से बह रहा हो।
वह अपने दफ्तर गया और हमेशा की तरह काम करने लगा। उसके तलाक के बारे में किसी को पता नहीं था और उसे किसी को बताने की कोई इच्छा भी नहीं थी। नील डुमोंट ने उसे आँख मारी और धीमी आवाज़ में बोला, "देखो, पीट, तुम थके हुए लग रहे हो।" उसने कंधे उचकाए और पीठ फेर ली। आज डुमोंट को देखकर उसे जी मिचला रहा था।
वह दफ्तर से जल्दी निकल गया। एक अस्पष्ट सी सहज प्रवृत्ति उसे लगातार अपनी ओर खींच रही थी, पहले तो भूख की तरह, फिर स्पष्ट होती गई। उसे एल्सवर्थ टूही से मिलना ही था।
उसे टूही तक पहुंचना ही था। उसे ऐसा लग रहा था जैसे कोई जहाज़ दुर्घटना में बचा हुआ व्यक्ति दूर किसी रोशनी की ओर तैर रहा हो।
उस शाम वह खुद को घसीटते हुए एल्सवर्थ टूही के अपार्टमेंट तक पहुंचा।
जब वह अंदर आया, तो उसे अपने आत्म-संयम पर थोड़ी सी खुशी महसूस हुई, क्योंकि टूही ने उसके चेहरे पर कुछ भी नहीं देखा।
“ओह, हेलो पीटर,” टूही ने लापरवाही से कहा। “तुम्हारा समय का बोध बिल्कुल भी अच्छा नहीं है। तुमने मुझे सबसे खराब शाम को पकड़ा है।”

में बहुत व्यस्त हूँ। लेकिन इसकी चिंता मत करो। दोस्त किसलिए होते हैं, सिवाय एक-दूसरे को परेशान करने के? बैठ जाओ, बैठ जाओ, मैं एक मिनट में आता हूँ।
मुझे माफ करना, एल्सवर्थ। लेकिन... मुझे ऐसा करना पड़ा।
“आप आराम से रहिए। बस थोड़ी देर के लिए मेरी बात अनसुनी कर दीजिए, ठीक है?”
कीटिंग बैठ गया और इंतज़ार करने लगा। टूही टाइप किए हुए कागज़ों पर नोट्स बनाता रहा। उसने पेंसिल तेज़ की, जिसकी आवाज़ कीटिंग की नसों में आरी की तरह चुभ रही थी। वह फिर से अपनी कॉपी पर झुका और बीच-बीच में पन्ने पलटता रहा।
आधे घंटे बाद उसने कागज़ों को एक तरफ़ धकेल दिया और कीटिंग की ओर मुस्कुराते हुए कहा, "बस हो गया।" कीटिंग थोड़ा आगे बढ़ा। टूही ने कहा, "शांत रहो, मुझे बस एक फ़ोन करना है।"
उसने गस वेब का नंबर डायल किया। "हैलो, गस," उसने खुशी से कहा।
"कैसे हो तुम, गर्भनिरोधक दवाओं के चलते-फिरते विज्ञापन?"
कीटिंग ने टूही से कभी भी उस तरह की सहज आत्मीयता का स्वर नहीं सुना था, भाईचारे की वह विशेष स्वर जो लापरवाही की अनुमति देता था। उसने रिसीवर में वेब की तीखी आवाज़ को कुछ कहते और हंसते हुए सुना। रिसीवर अपने भीतर से लगातार तेज़ आवाज़ें निकाल रहा था।
गले साफ़ करने जैसी आवाज। शब्द तो समझ में नहीं आ रहे थे, बस उनकी प्रकृति समझ में आ रही थी; उद्दंडता और धृष्टता की प्रकृति, जिसमें बीच-बीच में हंसी की तेज चीखें सुनाई दे रही थीं।
टूही अपनी कुर्सी पर पीछे झुककर, हल्की मुस्कान के साथ सुन रहा था। “हाँ,” वह बीच-बीच में कहता, “हम्म... तुमने सही कहा, लड़के... बिलकुल सही...” वह और पीछे झुक गया और एक पैर, चमकदार, नुकीले जूते में, डेस्क के किनारे पर रख दिया।
“सुनो, लड़के, मैं तुम्हें यह बताना चाहता था कि कुछ समय के लिए बूढ़े बैसेट पर थोड़ा रहम रखो। बेशक उसे तुम्हारा काम पसंद आया होगा, लेकिन फिलहाल उसे ज़्यादा परेशान मत करो। कोई मारपीट नहीं, समझे? अपने उस बड़े से मुंह को बंद रखो... तुम अच्छी तरह जानते हो कि मैं कौन होता हूँ तुम्हें बताने वाला... बिल्कुल सही... यही तो बात है, बच्चे... ओह, उसने किया? शाबाशी, मासूम चेहरे वाले... अच्छा, अलविदा—ओह, सुनो, गस, क्या तुमने उस ब्रिटिश महिला और प्लंबर की कहानी सुनी है?” इसके बाद एक कहानी सुनाई गई। अंत में रिसीवर ज़ोर से बज उठा। “अच्छा, संभलकर चलना और अपना पेट संभालना, मासूम चेहरे वाले। शुभ रात्रि।”
टूही ने रिसीवर नीचे रख दिया, कहा: "अब, पीटर," अंगड़ाई ली, उठे, कीटिंग के पास गए और उनके सामने खड़े हो गए, अपने छोटे पैरों पर थोड़ा सा डगमगाते हुए, उनकी आंखें चमकीली और दयालु थीं।
"तो पीटर, क्या बात है? क्या दुनिया तुम्हारे सिर पर गिर पड़ी है?"
कीटिंग ने अपनी जेब में हाथ डाला और एक पीला चेक निकाला, जो मुड़ा हुआ और काफी इस्तेमाल किया हुआ था। उस पर उनके हस्ताक्षर थे और दस हजार डॉलर की राशि लिखी थी, जो एल्सवर्थ एम. टूही के नाम पर जारी की गई थी। जिस भाव से उन्होंने टूही को चेक सौंपा, वह किसी दानदाता का नहीं, बल्कि एक भिखारी का भाव था।
“कृपया, एल्सवर्थ... लीजिए... इसे ले लीजिए... एक अच्छे उद्देश्य के लिए... सामाजिक अध्ययन कार्यशाला के लिए... या आपकी इच्छा के अनुसार किसी भी चीज़ के लिए... आप बेहतर जानते हैं... एक अच्छे उद्देश्य के लिए...”
टूही ने चेक को अपनी उंगलियों के सिरों से ऐसे पकड़ा जैसे वह कोई गंदा सिक्का हो, अपना सिर एक तरफ झुकाया, प्रशंसा में अपने होंठ सिकोड़े और चेक को अपनी मेज पर फेंक दिया।
“पीटर, आप बहुत ही आकर्षक लग रहे हैं। वाकई बहुत आकर्षक। क्या अवसर है?”

“एल्सवर्थ, तुम्हें याद है तुमने एक बार क्या कहा था—कि हम क्या हैं या क्या करते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, अगर हम दूसरों की मदद करते हैं? क्या यही सबसे महत्वपूर्ण है?”
यह तो अच्छी बात है, है ना? यह साफ है।
मैंने यह बात एक बार नहीं कही है। मैंने यह बात लाखों बार कही है।
“और क्या यह सचमुच सच है?”
“बिल्कुल सच है। अगर आपमें इसे स्वीकार करने का साहस है तो।”
“तुम मेरे दोस्त हो, है ना? तुम ही मेरे इकलौते दोस्त हो। मैं...”
मैं तो खुद से भी दोस्ताना नहीं हूँ, लेकिन तुम हो। मतलब, तुम मुझसे दोस्ताना हो, है ना, एल्सवर्थ?
"बिल्कुल। जो स्वयं से आपकी मित्रता से कहीं अधिक मूल्यवान है - एक विचित्र अवधारणा, लेकिन पूरी तरह से मान्य।"
“तुम समझते हो। कोई और नहीं समझता। और तुम मुझे पसंद करते हो।”
पूरी लगन से। जब भी मुझे समय मिलता है।
“आह?”
"पीटर, तुम्हारा हास्यबोध कहाँ गया?"
क्या बात है? पेट में दर्द है? या आत्मा में अपच हो गई है?
“एल्सवर्थ, मैं ...”
"हाँ?"
मैं तुम्हें नहीं बता सकता। यहाँ तक कि तुम्हें भी नहीं।
"तुम कायर हो, पीटर।"
कीटिंग असहाय होकर देखता रहा: आवाज कठोर और कोमल दोनों थी, उसे समझ नहीं आ रहा था कि उसे दर्द, अपमान या आत्मविश्वास महसूस करना चाहिए।
“तुम यहाँ आकर मुझे बताते हो कि तुम जो भी करो, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता—और फिर अपने ही किसी न किसी काम को लेकर तुम टूट पड़ते हो। अरे, मर्द बनो और कहो कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। कहो कि तुम महत्वपूर्ण नहीं हो।”
सच में ऐसा सोचो। हिम्मत दिखाओ। अपने छोटे से अहंकार को भूल जाओ।
“मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ, एल्सवर्थ। मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ। हे भगवान, काश हर कोई तुम्हारी तरह ही कहता! मैं महत्वपूर्ण नहीं हूँ। मैं महत्वपूर्ण बनना नहीं चाहता।”
“वो पैसा कहाँ से आया?”
मैंने डोमिनिक को बेच दिया।
“तुम किस बारे में बात कर रहे हो? क्रूज के बारे में?”
"ऐसा लगता है कि मैंने डोमिनिक को नहीं बेचा है।"
"अगर ऐसा हो तो तुम्हें क्या फर्क पड़ता है..."
वह रेनो चली गई है।
"क्या?"
टूही की प्रतिक्रिया की तीव्रता उसे समझ नहीं आ रही थी, लेकिन वह इतना थका हुआ था कि इस बारे में सोचने का समय ही नहीं था। उसने सब कुछ वैसे ही बताया जैसे उसके साथ घटित हुआ था; न तो घटित होने में और न ही बताने में ज़्यादा समय लगा था।
“अरे मूर्ख! तुम्हें ऐसा होने ही नहीं देना चाहिए था!”
“मैं क्या कर सकता था? वायनांड के खिलाफ?”
लेकिन उसे उससे शादी करने देना!
“क्यों नहीं, एल्सवर्थ? यह इससे बेहतर है...”
मुझे नहीं लगा था कि वह कभी ऐसा करेगा... लेकिन... हे भगवान, मैं तुमसे भी बड़ा मूर्ख हूँ!

लेकिन डोमिनिक के लिए यह बेहतर होगा अगर...
“डोमिनिक भाड़ में जाए! मैं तो वायनांड के बारे में सोच रहा हूँ!”
“एल्सवर्थ, तुम्हें क्या हुआ है? ... तुम्हें क्यों परवाह करनी चाहिए?”
"शांत रहो, कृपया? मुझे सोचने दो।"
एक पल में, टूही ने कंधे उचकाए, कीटिंग के बगल में बैठ गया और अपना हाथ उसके कंधों पर रख दिया।
“मुझे माफ़ करना, पीटर,” उसने कहा। “मैं क्षमा चाहता हूँ। मैंने तुम्हारे साथ बेहद बदतमीज़ी की। बस सदमे में था। लेकिन मैं समझता हूँ कि तुम कैसा महसूस कर रहे हो। बस इसे ज़्यादा गंभीरता से मत लेना। कोई बात नहीं।” वह अनायास ही बोल पड़ा। उसका मन कहीं और था। कीटिंग ने इस बात पर ध्यान नहीं दिया। उसने बस शब्द सुने। वे रेगिस्तान में झरने की तरह थे। “कोई बात नहीं। तुम बस एक इंसान हो। तुम बस यही बनना चाहते हो। कौन बेहतर है? किसे पहला पत्थर फेंकने का अधिकार है? हम सब इंसान हैं। कोई बात नहीं।”
“हे भगवान!” अल्वाह स्कारेट ने कहा। “वह ऐसा नहीं कर सकता! डोमिनिक फ्रैंकन ऐसा नहीं कर सकता!”
“वह करेगा,” टूही ने कहा। “जैसे ही वह वापस आएगी।”
स्कारेट को इसी बात पर हैरानी हुई थी कि टूही ने उसे दोपहर के भोजन के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन जो खबर उसने सुनी उसने उस हैरानी को एक कहीं अधिक बड़ी और दर्दनाक हैरानी में बदल दिया।
“मुझे डोमिनिक बहुत पसंद है,” स्कारेट ने अपनी थाली एक तरफ रखते हुए कहा, उसकी भूख खत्म हो चुकी थी। “मैं हमेशा से उसे बहुत पसंद करता रहा हूँ। लेकिन उसे श्रीमती गेल वायनांड के रूप में देखना तो और भी अद्भुत है!”
"ये बिलकुल मेरे अपने विचार हैं," टूही ने कहा।
मैंने हमेशा उसे शादी करने की सलाह दी है। इससे मदद मिलती है। मान-सम्मान बढ़ता है। एक तरह से प्रतिष्ठा की गारंटी मिलती है, और उसे इसकी ज़रूरत है। वह हमेशा से ही जोखिम भरे रास्ते पर चलता रहा है। अब तक तो बच निकला है। लेकिन डोमिनिक!
"आपको इस तरह का विवाह अनुपयुक्त क्यों लगता है?"
“अच्छा... अच्छा, यह तो... धिक्कार है, तुम जानते हो कि यह सही नहीं है!”
मुझे पता है। क्या आपको पता है?
"देखो, वह एक खतरनाक किस्म की महिला है।"
“हाँ, वह है। यह आपकी गौण धारणा है। लेकिन आपकी मुख्य धारणा यह है: वह एक खतरनाक किस्म का आदमी है।”
"खैर... कुछ मायनों में... हाँ।"
“मेरे आदरणीय संपादक महोदय, आप मुझे अच्छी तरह समझते हैं। लेकिन कई बार बातों को स्पष्ट रूप से कहना उपयोगी होता है। यह भविष्य की ओर उन्मुख होता है—सहयोग। हम दोनों में बहुत कुछ समान है—हालाँकि आप इसे स्वीकार करने में कुछ हिचकिचाते रहे हैं। हम एक ही विषय के दो रूप हैं, क्या हम ऐसा कह सकते हैं? या हम एक ही मध्य बिंदु के विरुद्ध दो छोरों से खेल रहे हैं, अगर आप अपनी साहित्यिक शैली पसंद करते हैं। लेकिन हमारे प्यारे बॉस बिल्कुल अलग धुन हैं। एक बिलकुल अलग विषयवस्तु—क्या आपको ऐसा नहीं लगता, अल्वा? हमारे प्यारे बॉस हमारे बीच एक अप्रत्याशित घटना हैं। अप्रत्याशित घटनाएँ अविश्वसनीय होती हैं। आप वर्षों से उत्सुकता से बैठे हैं—है ना?—श्री गेल वायनांड को देखते हुए। इसलिए आप अच्छी तरह जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूँ। आप यह भी जानते हैं कि मिस डोमिनिक फ्रैंकन भी हमारी धुन नहीं हैं। और आप नहीं चाहते कि उनका प्रभाव हमारे

बॉस के जीवन में प्रवेश करे। क्या मुझे इस मुद्दे को और स्पष्ट रूप से बताने की आवश्यकता है?
"तुम एक समझदार आदमी हो, एल्सवर्थ," स्कारेट ने भारी स्वर में कहा।
"यह बात तो वर्षों से स्पष्ट है।"
मैं उससे बात करूँगा। बेहतर होगा कि तुम ऐसा न करो—वह तुमसे बेहद नफरत करता है, अगर तुम मुझे माफ करो तो। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं भी कुछ खास फायदा कर पाऊँगा। खासकर तब जब उसने अपना मन बना लिया हो।
मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं है। आप चाहें तो कोशिश कर सकते हैं, हालांकि यह बेकार है।
हम उस शादी को रोक नहीं सकते। मेरी एक अच्छी बात यह है कि जब हार माननी पड़ती है तो मैं उसे स्वीकार कर लेता हूँ।
लेकिन फिर आपने ऐसा क्यों किया——"
"क्या मैं आपको यह बताऊं? यह एक तरह की एक्सक्लूसिव खबर है, अल्वाह। अग्रिम सूचना।"
"मैं इसकी सराहना करता हूँ, एल्सवर्थ। मैं सचमुच करता हूँ।"
"इसकी सराहना जारी रखना बुद्धिमानी होगी। वायनांड के कागजात, अल्वाह, आसानी से नहीं छोड़े जा सकते। एकता में ही शक्ति है। आपकी शैली शानदार है।"
"आपका क्या मतलब है?"
"बस इतना ही कि हम एक कठिन समय से गुजरने वाले हैं, मेरे दोस्त। इसलिए बेहतर होगा कि हम एक साथ रहें।"
"क्यों, मैं तुम्हारे साथ हूँ, एल्सवर्थ। मैं हमेशा से तुम्हारे साथ रहा हूँ।"
"गलत है, लेकिन हम इसे नज़रअंदाज़ कर देंगे। हम सिर्फ वर्तमान और भविष्य की चिंता कर रहे हैं। आपसी समझ के प्रतीक के रूप में, क्यों न हम जिमी कर्न्स को पहले अवसर पर ही हटा दें?"
"मुझे लगा कि तुम महीनों से यही कोशिश कर रहे हो! जिमी कर्न्स को क्या हुआ है? वो तो बहुत होशियार लड़का है। शहर का सबसे बढ़िया नाटक समीक्षक। उसका दिमाग बहुत तेज़ है। बेहद बुद्धिमान। बहुत ही होनहार।"
"उसकी अपनी ही सोच है। मुझे नहीं लगता कि आपको यहाँ किसी और तरह के चाबुक की ज़रूरत है—सिवाय उस एक के जो आपके हाथ में है। मुझे लगता है कि आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वादा क्या कहता है।"
मैं उसकी जगह किसे रखूं?
जूल्स फोगलर।
"अरे यार, एल्सवर्थ!"
"क्यों नहीं?"
"वो बूढ़ा कमीना... हम उसे बर्दाश्त नहीं कर सकते।"
"अगर आप चाहें तो कर सकते हैं। और देखिए उसका नाम कितना बड़ा है।"
लेकिन वह सबसे मुश्किल बूढ़ा है...
"ठीक है, आपको उसे ले जाने की ज़रूरत नहीं है। हम इस बारे में किसी और समय चर्चा करेंगे।"
जिमी कर्न्स से छुटकारा पाओ।
"देखो, एल्सवर्थ, मैं किसी का पक्ष नहीं लेता; मेरे लिए सब एक समान हैं। अगर तुम कहोगे तो मैं जिमी को निकाल दूंगा। लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि इससे क्यों फर्क पड़ेगा और इसका हमारी बातचीत से क्या संबंध है।"
"तुम नहीं करोगे," टूही ने कहा। "तुम करोगे।"
"गैल, तुम जानती हो कि मैं तुम्हें खुश देखना चाहता हूँ," उस शाम वायनांड के पेंटहाउस के अध्ययन कक्ष में एक आरामदायक कुर्सी पर बैठे हुए अल्वाह स्कारेट ने

कहा। “तुम यह जानती हो। मैं इसके अलावा और कुछ नहीं सोच रहा हूँ।”
वायनांड सोफे पर लेटा हुआ था, एक पैर मुड़ा हुआ था और दूसरा पैर उसके घुटने पर टिका हुआ था। वह सिगरेट पी रहा था और चुपचाप सुन रहा था।
"मैं डोमिनिक को सालों से जानता हूं," स्कारेट ने कहा। "आप लोगों के उसके बारे में सुनने से भी बहुत पहले से। मैं उससे प्यार करता हूं। आप कह सकते हैं कि मैं उससे एक पिता की तरह प्यार करता हूं।"
लेकिन आपको यह मानना पड़ेगा कि वह उस तरह की महिला नहीं हैं जिसे आपकी जनता श्रीमती गेल वायनांड के रूप में देखने की उम्मीद करेगी।
वायनांड ने कुछ नहीं कहा।
“गेल, आपकी पत्नी एक सार्वजनिक हस्ती हैं। स्वाभाविक रूप से। एक सार्वजनिक संपत्ति। आपके पाठकों को उनसे कुछ अपेक्षाएँ रखने और माँगने का अधिकार है। एक प्रतीकात्मक मूल्य, अगर आप समझ रही हैं कि मेरा क्या मतलब है। इंग्लैंड की रानी की तरह। आप डोमिनिक से उस स्तर तक पहुँचने की अपेक्षा कैसे करती हैं? इस पर? आप उससे अपनी छवि को बरकरार रखने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? वो मेरी जान-पहचान की सबसे मनमौजी इंसान है। उसकी बदनामी है। लेकिन सबसे बुरी बात ये है—सोचो गेल!—वो तलाकशुदा है! और यहां हम घर की पवित्रता और नारीत्व की शुद्धता की वकालत करते हुए ढेरों लेख लिखते हैं! आप जनता को ये बात कैसे मनवाएँगे? मैं आपकी पत्नी को उनके सामने कैसे पेश करूँगी?
"क्या आपको नहीं लगता कि इस बातचीत को यहीं रोक देना बेहतर होगा, अल्वाह?"
“हां, गेल,” स्कारेट ने विनम्रता से कहा।
स्कारेट भारी तनाव और निराशा के साथ इंतजार कर रही थी, मानो किसी हिंसक झगड़े के बाद सुलह करने के लिए बेताब हो।
“मुझे पता है, गेल!” वह खुशी से चिल्लाया। “मुझे पता है हम क्या कर सकते हैं। हम डोमिनिक को वापस अखबार में रख लेंगे और उससे एक कालम लिखवाएंगे—एक अलग तरह का—घर पर एक सिंडिकेटेड कालम। मतलब, घरेलू नुस्खे, रसोई, बच्चे और ये सब। इससे बुरा असर दूर हो जाएगा।”
दिखाइए कि वह कितनी अच्छी घरेलू महिला है, भले ही उसने जवानी में कुछ गलतियाँ की हों। महिलाओं को उसे माफ़ करने के लिए मनाइए। हम एक विशेष विभाग बनाएंगे—‘श्रीमती गेल वायनांड की रेसिपीज़’। उसकी कुछ तस्वीरें मददगार होंगी—जैसे कि गिंघम ड्रेस और एप्रन पहने हुए और उसके बाल पारंपरिक तरीके से संवारे हुए।
"चुप रहो, अल्वाह, इससे पहले कि मैं तुम्हारे चेहरे पर थप्पड़ मार दूं," वायनांड ने बिना आवाज़ उठाए कहा।
“जी हां, गेल।”
स्कारेट उठने के लिए आगे बढ़ी।
"शांत बैठो। मैंने अभी बात खत्म नहीं की है।"
स्कारेट आज्ञाकारी भाव से प्रतीक्षा करती रही।
“कल सुबह,” वायनांड ने कहा, “आप हमारे सभी अखबारों को एक ज्ञापन भेजेंगे। आप उन्हें अपनी फाइलों की छानबीन करने और डोमिनिक फ्रैंकन की उनके पुराने कॉलम से संबंधित कोई भी तस्वीर ढूंढने के लिए कहेंगे। आप उन्हें उन तस्वीरों को नष्ट करने के लिए कहेंगे। आप उन्हें यह भी बताएंगे कि अब से मेरे किसी भी अखबार में उनके नाम का उल्लेख या उनकी तस्वीर का उपयोग करने पर संबंधित संपादकीय टीम को नौकरी से निकाल दिया जाएगा। उचित समय आने पर, आप हमारे सभी अखबारों में मेरी शादी की घोषणा प्रकाशित करवाएंगे। इसे टाला नहीं जा सकता। घोषणा जितनी संक्षिप्त हो सके उतनी संक्षिप्त होनी चाहिए। कोई टिप्पणी नहीं। कोई खबर नहीं। कोई तस्वीर नहीं। यह बात सबको बता दें और सुनिश्चित करें कि सब समझ गए हैं। अगर इसका उल्लंघन हुआ तो यह हर किसी की जिम्मेदारी है, आपकी भी।”

"शादी के बाद कोई कहानियां नहीं सुनाना?"
“कोई कहानियां नहीं, अल्वाह।”
लेकिन हे भगवान! यह तो खबर है! अन्य अखबारों में...
मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि दूसरे अखबार इस बारे में क्या करते हैं।
लेकिन—क्यों, गेल?
तुम नहीं समझोगे।
डोमिनिक खिड़की पर बैठी, फर्श के नीचे ट्रेन के पहियों की आवाज़ सुन रही थी। ढलते सूरज की रोशनी में ओहायो का ग्रामीण इलाका तेज़ी से गुज़रता जा रहा था। उसका सिर सीट पर टिका हुआ था और उसके हाथ सीट के कुशन पर दोनों तरफ बेजान पड़े थे। वह डिब्बे की संरचना का हिस्सा बन चुकी थी, जैसे खिड़की का फ्रेम, फर्श और डिब्बे की दीवारें आगे बढ़ती जा रही हों, वैसे ही वह भी आगे बढ़ती जा रही थी।
अंधेरा छाने लगा और कोने धुंधले पड़ गए; खिड़की अभी भी जगमगा रही थी, शाम की रोशनी धरती से उठ रही थी। उसने खुद को उस हल्की रोशनी में आराम करने दिया; वह रोशनी कार में प्रवेश कर गई और उस पर हावी हो गई, जब तक कि उसने उसे बाहर निकालने के लिए लाइट नहीं जलाई।
उसे अपने जीवन के उद्देश्य का कोई ज्ञान नहीं था। इस यात्रा का कोई लक्ष्य नहीं था, बस यात्रा ही थी, उसके चारों ओर की हलचल और धातु की ध्वनि ही थी। वह सुस्त और खाली महसूस कर रही थी, दर्द रहित प्रवाह में अपनी पहचान खो रही थी, मिट जाने से संतुष्ट थी और खिड़की में दिख रही उस खास धरती के अलावा कुछ भी परिभाषित न रहने देना चाहती थी।
जब उसने शीशे के पार धीमी गति से चलती हुई ट्रेन में स्टेशन की इमारत की छत के नीचे एक धुंधली तख्ती पर "क्लेयटन" नाम देखा, तो वह समझ गई कि वह क्या उम्मीद कर रही थी। वह जानती थी कि उसने तेज़ चलने वाली ट्रेन के बजाय यही ट्रेन क्यों ली थी, और उसने इसके पड़ावों की समय सारिणी को इतनी सावधानी से क्यों देखा था—भले ही उस समय वह उसके लिए केवल अर्थहीन नामों की एक पंक्ति ही थी। उसने अपना सूटकेस, कोट और टोपी उठाई। वह दौड़ी। उसे कपड़े पहनने का समय नहीं मिला, उसे डर था कि उसके पैरों तले ज़मीन उसे यहां से बहा ले जाएगी। वह डिब्बे के संकरे गलियारे से नीचे भागी, सीढ़ियों से उतरी। वह स्टेशन के प्लेटफार्म पर कूद पड़ी, उसकी नंगी गर्दन पर सर्दियों की ठंड का झटका लगा। वह स्टेशन की इमारत को देखती हुई खड़ी रही। उसने अपने पीछे ट्रेन के चलने की आवाज़ सुनी, जो खड़खड़ाती हुई दूर जा रही थी।
फिर उसने अपना कोट और टोपी पहनी। वह चबूतरे को पार करके प्रतीक्षालय में गई, जहाँ लकड़ी का फर्श पत्थरों से जड़ा हुआ था।
लोहे के चूल्हे से निकलती भीषण गर्मी के बीच से गुजरते हुए, सूखे च्युइंग गम के टुकड़े स्टेशन के उस पार स्थित चौक तक जाते हैं।
उसने नीची छतों के ऊपर आकाश में पीले रंग की एक आखिरी पट्टी देखी।
उसने ईंटों से बनी पक्की सड़क का एक गड्ढा देखा, और छोटे-छोटे घर एक-दूसरे से सटे हुए थे; एक सूखा पेड़ जिसकी शाखाएँ मुड़ी हुई थीं, एक परित्यक्त गैरेज के बिना दरवाजे वाले खुले हिस्से में खरपतवारों के कंकाल, अंधेरी दुकानों के सामने का हिस्सा, एक कोने पर अभी भी खुली एक दवा की दुकान, जिसकी रोशन खिड़की धुंधली थी, जमीन से काफी नीचे थी।
वह पहले कभी यहाँ नहीं आई थी, लेकिन उसे ऐसा महसूस हो रहा था जैसे यह जगह उस पर अपना अधिकार जता रही हो, एक भयावह अंतरंगता के साथ उसे घेर रही हो। ऐसा लग रहा था मानो हर अंधेरा पिंड अंतरिक्ष में ग्रहों के खिंचाव की तरह उसे अपनी ओर खींच रहा हो, मानो उसकी कक्षा निर्धारित कर रहा हो। उसने अपना हाथ एक फायर हाइड्रेंट पर रखा और महसूस किया कि ठंड उसके दस्ताने से होकर उसकी

त्वचा में समा रही है। शहर ने उसे इसी तरह जकड़ रखा था, एक सीधा प्रवेश जिसे न तो उसके कपड़े रोक सकते थे और न ही उसका मन। अपरिहार्य की शांति बनी रही। अब उसे कुछ करना था, लेकिन कार्य सरल थे, पहले से तय थे। उसने एक राहगीर से पूछा: "जेनर डिपार्टमेंट स्टोर की नई इमारत कहाँ है?"
वह धैर्यपूर्वक अंधेरी गलियों से गुज़री। वह वीरान सर्दियों के लॉन और झुके हुए बरामदों के पास से गुज़री; उन खाली मैदानों के पास से जहाँ टिन के डिब्बों से टकराती घासें सरसरा रही थीं; बंद किराना दुकानों और भाप से तपती एक कपड़े धोने की जगह के पास से गुज़री; एक बिना पर्दे वाली खिड़की के पास से गुज़री जहाँ आस्तीन चढ़ाए एक आदमी आग के पास बैठकर अखबार पढ़ रहा था। उसने मोड़ लिए और गलियाँ पार कीं, उसके हील वाले जूतों के पतले तलवों के नीचे पत्थरों का एहसास हो रहा था। इक्का-दुक्का राहगीर उसकी विदेशी शान को देखकर अचंभित रह गए। उसने भी यह महसूस किया; उसके मन में भी हैरानी हुई। वह कहना चाहती थी: लेकिन क्या तुम समझते नहीं?—मैं यहाँ तुमसे ज़्यादा अपनापन महसूस करती हूँ।
वह बीच-बीच में रुक जाती, अपनी आंखें बंद कर लेती; उसे साँस लेने में कठिनाई हो रही थी।
वह मेन स्ट्रीट पर आई और धीरे-धीरे चलने लगी। वहाँ कुछ बत्तियाँ थीं, गाड़ियाँ फुटपाथ पर तिरछी खड़ी थीं, एक सिनेमाघर था, और एक दुकान की खिड़की में रसोई के बर्तनों के बीच गुलाबी रंग की अंडरवियर सजी हुई थी। वह अकड़कर आगे देखती हुई चलने लगी।
उसने एक पुरानी इमारत के किनारे पर, पीली ईंटों की एक बंद दीवार पर तेज़ रोशनी देखी, जिस पर पास की एक ध्वस्त इमारत के कालिख से सने फर्श के निशान दिखाई दे रहे थे। रोशनी एक खुदाई के गड्ढे से आ रही थी। वह जानती थी कि यही वह जगह है। उसने उम्मीद की कि यह वह जगह न हो। अगर
वे देर तक काम करते थे, वह यहीं होगा। वह आज रात उसे देखना नहीं चाहती थी। वह केवल जगह और इमारत देखना चाहती थी; वह इससे ज़्यादा के लिए तैयार नहीं थी; वह उसे कल देखना चाहती थी। लेकिन अब वह रुक नहीं सकती थी। वह खुदाई वाली जगह की ओर चल पड़ी। वह एक कोने पर थी, सड़क की ओर खुली हुई, बिना बाड़ के। उसने लोहे के घिसने की खड़खड़ाहट सुनी, उसने एक डेरिक का हाथ देखा, ताज़ी मिट्टी की ढलान वाली दीवारों पर आदमियों की परछाइयाँ देखीं, जो रोशनी में पीली पड़ रही थीं। वह फुटपाथ तक जाने वाले तख्तों को नहीं देख पाई, लेकिन उसने कदमों की आहट सुनी और फिर उसने रोर्क को सड़क पर आते देखा। उसने टोपी नहीं पहनी थी, उसका ढीला कोट खुला लटका हुआ था।
वह रुक गया। उसने उसकी ओर देखा। उसे लगा कि वह सीधी खड़ी है; यह बिल्कुल सामान्य था, वह उसकी धूसर आँखों और नारंगी बालों को वैसे ही देख रही थी जैसे वह हमेशा देखती आई थी। उसे आश्चर्य हुआ कि वह एक तरह की जल्दबाजी में उसकी ओर बढ़ा, उसका हाथ उसकी कोहनी पर बहुत मजबूती से बंद हो गया और उसने कहा: "बेहतर होगा कि तुम बैठ जाओ।"
तब उसे एहसास हुआ कि कोहनी पर उस हाथ के बिना वह खड़ी नहीं हो सकती थी। उसने उसका सूटकेस ले लिया। वह उसे अंधेरी गली से होते हुए ले गया और एक खाली घर की सीढ़ियों पर बिठा दिया। वह एक बंद दरवाजे से टेक लगाकर बैठ गई। वह उसके बगल में बैठ गया। उसने अपना हाथ उसकी कोहनी पर कसकर रखा, यह कोई दुलार नहीं था, बल्कि उन दोनों पर नियंत्रण का एक भावपूर्ण आलिंगन था।
कुछ देर बाद उसने अपना हाथ नीचे कर लिया। उसे पता चल गया कि अब वह सुरक्षित है। वह बोल सकती थी।
“क्या यह आपकी नई इमारत है?”
“जी हाँ। आप स्टेशन से पैदल चलकर यहाँ आए हैं?”

"हाँ।"
"यह बहुत लंबी पैदल यात्रा है।"
मुझे लगता है ऐसा ही था।
उसने सोचा कि उन्होंने एक-दूसरे को नमस्कार नहीं किया था और यह सही था। यह कोई पुनर्मिलन नहीं था, बल्कि एक ऐसी घटना का बस एक क्षण था जो कभी बाधित नहीं हुई थी। उसने सोचा कि अगर वह कभी उसे "हैलो" कह दे तो कितना अजीब होगा; कोई हर सुबह खुद को नमस्कार नहीं करता।
“आज तुम कितने बजे उठे?” उसने पूछा।
"सात में।"
“मैं उस समय न्यूयॉर्क में था। टैक्सी में बैठकर ग्रैंड सेंट्रल जा रहा था। आपने नाश्ता कहाँ किया था?”
"लंच वैगन में।"
"वो दुकान जो रात भर खुली रहती है?"
“हां। मुख्यतः ट्रक चालकों के लिए।”
"क्या आप अक्सर वहां जाते हैं?"
जब भी मुझे कॉफ़ी पीने का मन करे।
“और आप काउंटर पर बैठते हैं? और आपके आस-पास लोग होते हैं, जो आपको देख रहे होते हैं?”
"जब मेरे पास समय होता है तो मैं काउंटर पर बैठ जाती हूं। वहां लोग होते हैं। मुझे नहीं लगता कि वे मुझे ज्यादा देखते हैं।"
और उसके बाद? आप पैदल चलकर काम पर जाते हैं?
"हाँ।"
“क्या आप हर दिन चलते हैं? इनमें से किसी भी गली से? किसी भी खिड़की के पास से? ताकि अगर कोई चाहे तो खिड़की खोल सके...”
"यहां लोग खिड़कियों से बाहर नहीं देखते।"
ऊँची सीढ़ी से वे सड़क के उस पार खुदाई का काम, मिट्टी, कामगार और तेज़ रोशनी में उठते स्टील के खंभे देख सकते थे। उन्हें फुटपाथ और पत्थरों के बीच ताज़ी मिट्टी देखना अजीब लगा; मानो किसी शहर के वस्त्र से एक टुकड़ा फाड़ दिया गया हो, जिससे नग्न शरीर दिखाई दे रहा हो। उन्होंने कहा:
आपने पिछले दो वर्षों में दो ग्रामीण घर बनाए हैं।
“हां। एक पेंसिल्वेनिया में और एक बोस्टन के पास।”
"वे महत्वहीन मकान थे।"
"सस्ता, अगर आपका यही मतलब है। लेकिन करने में बहुत दिलचस्प है।"
आप यहां कितने दिन रहेंगे?
“एक और महीना।”
आप रात में काम क्यों करते हैं?
"यह जल्दबाजी में किया जाने वाला काम है।"
सड़क के उस पार, एक डेरिक चल रहा था, जो हवा में एक लंबे गर्डर को संतुलित कर रहा था। उसने उसे उसे देखते हुए देखा, और वह जानती थी कि वह इसके बारे में नहीं सोच रहा था, लेकिन उसकी आँखों में सहज प्रतिक्रिया थी, कुछ शारीरिक रूप से व्यक्तिगत, अपने भवन के लिए की गई किसी भी कार्रवाई के साथ एक आत्मीयता।
“रोर्क...”
उन्होंने एक-दूसरे का नाम नहीं लिया था। एक लंबे समय से प्रतीक्षित समर्पण का भावपूर्ण आनंद था—एक-दूसरे का नाम लेना।
उसका नाम लेकर उसे सुनाना।
"रोर्क, फिर से वही पत्थर की खदान है।"

वह मुस्कुराया। "अगर आप चाहें तो। लेकिन ऐसा नहीं है।"
“एनराइट हाउस के बाद? कॉर्ड बिल्डिंग के बाद?”
मैं इस बारे में उस तरह से नहीं सोचता।
आप इसके बारे में क्या सोचते हैं?
मुझे यह काम करना बहुत पसंद है। हर इमारत एक इंसान की तरह होती है। अद्वितीय और जिसकी कोई नकल नहीं हो सकती।
वह सड़क के उस पार देख रहा था। वह बदला नहीं था। उसमें वही पुराना हल्कापन, गति, क्रिया और विचार में सहजता थी। उसने कहा, उसका वाक्य बिना आरंभ या अंत के था:
“...जीवन भर पांच मंजिला इमारतें बनाते रहना...”
“यदि आवश्यक हुआ तो। लेकिन मुझे नहीं लगता कि ऐसा होगा।”
"आप किस का इंतजार कर रहे हैं?"
मैं इंतजार नहीं कर रहा हूं।
उसने अपनी आँखें बंद कर लीं, लेकिन वह अपने मुँह को छिपा नहीं सकी; उसके मुँह में कड़वाहट, क्रोध और पीड़ा झलक रही थी।
"रोर्क, अगर तुम शहर में होते, तो मैं तुमसे मिलने नहीं आता।"
"मुझे यह पता है।"
लेकिन यह तुम ही थे—किसी दूसरी जगह पर—इस जैसी किसी गुमनाम जगह में। मुझे इसे देखना ही था। मुझे उस जगह को देखना ही था।
"आप वापस कब जा रहे हैं?"
"तुम्हें पता है कि मैं यहां रहने के लिए नहीं आया हूँ?"
"हाँ।"
"क्यों?"
"तुम्हें अब भी लंच वैगन और खिड़कियों से डर लगता है।"
मैं न्यूयॉर्क वापस नहीं जा रहा हूँ। अभी तो बिल्कुल नहीं।
"नहीं?"
“रोर्क, तुमने मुझसे कुछ नहीं पूछा। सिर्फ इतना पूछा कि क्या मैं स्टेशन से पैदल चलकर आया था।”
आप मुझसे क्या पूछना चाहते हैं?
“स्टेशन का नाम देखते ही मैं ट्रेन से उतर गई,” उसने उदास आवाज में कहा। “मेरा यहाँ आने का कोई इरादा नहीं था। मैं रेनो जा रही थी।”
और उसके बाद?
मैं दोबारा शादी करूंगी।
क्या मैं आपके मंगेतर को जानता हूँ?
“आपने उनके बारे में सुना होगा। उनका नाम गेल वायनांड है।”
उसने उसकी आंखों में देखा। उसे लगा कि उसे हंसी आनी चाहिए; आखिरकार उसने उसे उस सदमे तक पहुंचा दिया था जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी।
लेकिन वह नहीं हंसी। उसने हेनरी कैमरन के बारे में सोचा; कैमरन की कही बात: “मेरे पास उन्हें देने के लिए कोई जवाब नहीं है, हावर्ड। मैं तुम्हें उनके सामने छोड़कर जा रहा हूं। तुम्हें उन्हें जवाब देना होगा। उन सभी को, वायनांड के कागजातों को, और वायनांड के कागजातों को संभव बनाने वाली बातों को, और उसके पीछे छिपे रहस्यों को।”
“रोर्क।”
उसने कोई जवाब नहीं दिया।
“यह तो पीटर कीटिंग से भी बदतर है, है ना?” उसने पूछा।
"बहुत खराब।"

क्या तुम मुझे रोकना चाहते हो?
"नहीं।"
उसकी कोहनी छोड़ने के बाद से उसने उसे छुआ तक नहीं था, और वह स्पर्श भी एम्बुलेंस में बस नाममात्र का ही था। उसने अपना हाथ हिलाया और उसे उसके हाथ पर टिका दिया। उसने अपनी उंगलियाँ नहीं हटाईं और न ही उदासीनता का दिखावा किया। वह झुक गई, उसका हाथ पकड़े रही, उसे उसकी गोद से नहीं उठाया, और उसने अपने होंठ उसके हाथ पर दबा दिए। उसकी टोपी गिर गई, उसने अपने घुटनों पर सुनहरे बालों वाला सिर देखा, उसने महसूस किया कि उसका मुँह बार-बार उसके हाथ को चूम रहा है। उसकी उंगलियाँ उसकी उंगलियों को थामे हुए थीं, मानो जवाब दे रही हों, लेकिन यही एकमात्र जवाब था।
उसने अपना सिर उठाया और सड़क की ओर देखा। दूर सूखी शाखाओं के जाल के पीछे एक रोशन खिड़की दिखाई दे रही थी। छोटे-छोटे घर अंधेरे में दूर तक फैले हुए थे, और संकरे फुटपाथों के किनारे पेड़ खड़े थे।
उसने नीचे सीढ़ियों पर अपनी टोपी देखी और उसे उठाने के लिए झुकी। उसने नंगे हाथों से सीढ़ियों पर हाथ रखा। पत्थर पुराना, घिसा हुआ और बर्फीला था। उसे स्पर्श से सुकून मिला। वह एक पल के लिए झुकी रही, हथेली पत्थर पर दबाए बैठी रही; इन सीढ़ियों को महसूस करने के लिए—
चाहे कितने ही पैरों ने उनका इस्तेमाल किया हो—उन्हें वैसे ही महसूस करना जैसे उसने फायर हाइड्रेंट को महसूस किया था।
रोर्क, तुम कहाँ रहते हो?
"एक किराए के मकान में।"
“किस तरह का कमरा?”
"बस एक कमरा।"
“इसमें क्या है? किस तरह की दीवारें हैं?”
“किसी तरह का वॉलपेपर। फीका पड़ा हुआ।”
“कौन सा फर्नीचर?”
एक मेज, कुर्सियाँ, एक बिस्तर।
"नहीं, मुझे विस्तार से बताओ।"
“वहाँ एक कपड़ों की अलमारी है, फिर दराज़ों वाली एक अलमारी है, खिड़की के पास कोने में बिस्तर है, और दूसरी तरफ एक बड़ी मेज है—”
"दीवार पर?"
“नहीं, मैंने इसे कोने में, खिड़की के पास रखा है—मैं वहीं काम करता हूँ। फिर वहाँ एक सीधी कुर्सी है, एक आर्मचेयर है जिस पर एक ब्रिज लैंप लगा है और एक मैगज़ीन रैक है जिसका मैं कभी इस्तेमाल नहीं करता। मुझे लगता है बस इतना ही है।”
“कालीन नहीं हैं? या पर्दे?”
मुझे लगता है खिड़की पर कुछ है और कोई कालीन भी है। फर्श अच्छी तरह से पॉलिश किया हुआ है, यह खूबसूरत पुरानी लकड़ी का है।
"मैं आज रात टेन में तुम्हारे कमरे के बारे में सोचना चाहता हूँ।"
वह सड़क के उस पार देख रहा था। उसने कहा:
"रोर्क, मुझे आज रात तुम्हारे साथ रहने दो।"
"नहीं।"
उसकी नज़र नीचे चल रही पीसने वाली मशीन पर टिक गई। थोड़ी देर बाद उसने पूछा:
"आपको इस स्टोर को डिज़ाइन करने का काम कैसे मिला?"
"मालिक ने न्यूयॉर्क में मेरी इमारतें देखीं और उन्हें पसंद आईं।"

ओवरऑल पहने एक आदमी खुदाई के गड्ढे से बाहर निकला, अंधेरे में उनकी ओर देखा और पुकारा: "क्या ऊपर आप ही हैं, बॉस?"
“हां,” रोर्क ने जवाब दिया।
"एक मिनट इधर आओ, क्या तुम?"
रोर्क सड़क पार करके उसके पास गई। वह उनकी बातचीत तो नहीं सुन पाई, लेकिन उसने रोर्क को खुशी से कहते सुना: "यह तो आसान है," और फिर वे दोनों तख्तों से नीचे तल तक चले गए। वह आदमी बात करता हुआ, ऊपर की ओर इशारा करते हुए, समझाता हुआ खड़ा था। रोर्क ने अपना सिर पीछे झुकाया, ऊपर उठते हुए स्टील के ढांचे को देखने के लिए; उसके चेहरे पर पूरी रोशनी पड़ रही थी, और उसने उसकी एकाग्रता देखी, मुस्कान नहीं, बल्कि एक ऐसा भाव जिसने उसे योग्यता, अनुशासित तर्क के क्रियान्वयन का आनंदमय एहसास दिलाया। वह झुका, तख्ते का एक टुकड़ा उठाया, अपनी जेब से एक पेंसिल निकाली। वह एक पैर तख्तों के ढेर पर रखकर खड़ा हो गया, तख्ता उसके घुटने पर टिका हुआ था, और तेजी से रेखांकन करते हुए उस आदमी को कुछ समझा रहा था, जो प्रसन्न होकर सिर हिला रहा था। वह शब्द तो नहीं सुन पाई, लेकिन उसने रोर्क का उस आदमी के साथ, उस खदान में मौजूद सभी अन्य पुरुषों के साथ, एक अजीब तरह की वफादारी और भाईचारे की भावना को महसूस किया, लेकिन उस तरह की नहीं जैसी उसने महसूस की थी।
क्या मैंने कभी इन शब्दों से पुकारा गया नाम सुना है? उसने बात खत्म की, बोर्ड उस आदमी को पकड़ाया और दोनों किसी बात पर हंस पड़े। फिर वह वापस आया और उसके बगल में सीढ़ियों पर बैठ गया।
“रोर्क,” उसने कहा, “मैं तुम्हारे साथ उन सभी वर्षों तक यहीं रहना चाहती हूँ, जितने वर्ष हम साथ रह सकते हैं।”
वह ध्यानपूर्वक उसकी ओर देखता रहा, प्रतीक्षा करता रहा।
“मैं यहीं रहना चाहती हूँ।” उसकी आवाज़ में जैसे किसी बांध पर दबाव महसूस हो रहा हो। “मैं तुम्हारे जैसे जीना चाहती हूँ। मेरे पैसे को हाथ मत लगाना—मैं इसे किसी को भी दे दूँगी, चाहे स्टीव मैलोरी को दे दूँ, या टूही के किसी संगठन को, कोई फर्क नहीं पड़ता। हम यहाँ एक घर लेंगे—इनमें से किसी एक की तरह—और मैं उसे तुम्हारे लिए रखूँगी—हँसो मत, मैं रख सकती हूँ—मैं खाना बनाऊँगी, तुम्हारे कपड़े धोऊँगी, फर्श साफ करूँगी। और तुम आर्किटेक्चर छोड़ दोगे।”
वह हंसा नहीं था। उसे बस एक स्थिर एकाग्रता दिखाई दी, जो ध्यान से सुनने के लिए तैयार थी।
“रोर्क, समझने की कोशिश करो, कृपया समझने की कोशिश करो। मैं यह बर्दाश्त नहीं कर सकता कि वे तुम्हारे साथ क्या कर रहे हैं, क्या करने वाले हैं। यह बहुत भयानक है।”
—तुम, इमारत और उसके बारे में तुम्हारी भावनाएँ। तुम ऐसे ज़्यादा दिन नहीं जी सकते। ये ज़्यादा दिन नहीं चलेगा। वे तुम्हें ऐसा करने नहीं देंगे। तुम किसी भयानक आपदा की ओर बढ़ रहे हो। इसका कोई और अंत नहीं हो सकता। इसे छोड़ दो। कोई अर्थहीन काम कर लो—जैसे पत्थर की खदान में। हम यहीं रहेंगे। हमारे पास बहुत कम होगा और हम कुछ नहीं देंगे। हम सिर्फ़ अपने अस्तित्व और अपने ज्ञान के लिए जिएंगे।
वह हँसा। उसकी हँसी में उसे अपने प्रति एक आश्चर्यजनक सहानुभूति का भाव महसूस हुआ—हँसने की कोशिश; लेकिन वह खुद को रोक नहीं सका।
“डोमिनिक।” जिस तरह से उसने नाम का उच्चारण किया, वह उसके मन में बस गया और उसके बाद के शब्दों को सुनना आसान हो गया: “काश मैं तुम्हें बता पाता कि यह एक प्रलोभन था, कम से कम एक पल के लिए। लेकिन ऐसा नहीं था।” उसने आगे कहा: “अगर मैं बहुत निर्दयी होता, तो मैं इसे स्वीकार कर लेता। बस यह देखने के लिए कि तुम कितनी जल्दी मुझसे निर्माण कार्य में वापस जाने की भीख मांगोगी।”

“हाँ... शायद...”
"वायनैंड से शादी करो और उससे शादीशुदा रहो। यह उससे बेहतर होगा जो तुम अभी अपने साथ कर रही हो।"
“क्या आपको कोई आपत्ति होगी... अगर हम थोड़ी देर और यहीं बैठें... और उस बारे में बात न करें... बल्कि बस बातें करें, जैसे सब कुछ ठीक हो... सालों में से आधे घंटे के लिए एक विराम... मुझे बताएं कि आपने यहां रहते हुए हर दिन क्या किया है, आपको जो कुछ भी याद है...”
फिर वे बातें करने लगे, मानो खाली घर की सीढ़ियाँ अंतरिक्ष में लटका हुआ कोई हवाई जहाज हो, जहाँ से धरती या आकाश दिखाई न दे; उसने सड़क के उस पार नहीं देखा। फिर उन्होंने अपनी कलाई घड़ी पर नज़र डाली और कहा:
“एक घंटे में पश्चिम की ओर जाने वाली ट्रेन है। क्या मैं आपके साथ स्टेशन चलूँ?”
"क्या आपको बुरा लगेगा अगर हम पैदल चलें?"
"ठीक है।"
वह खड़ी हो गई। उसने पूछा:
“कब तक, रोक?”
उसका हाथ सड़कों पर घूम रहा था। "जब तक तुम इन सब चीजों से नफ़रत करना बंद नहीं कर देते, इनसे डरना बंद नहीं कर देते, इन्हें नजरअंदाज करना नहीं सीख लेते।"
वे साथ-साथ स्टेशन तक गए। खाली सड़कों पर वह उसके कदमों की आहट सुनती रही। उसकी निगाहें उन दीवारों पर टिकी रहीं, जिनसे वे गुज़र रहे थे, मानो कोई आसक्त स्पर्श हो। उसे यह जगह, यह शहर और इसमें बसी हर चीज़ से प्यार था।
वे एक खाली मैदान के पास से गुज़र रहे थे। हवा से उड़कर अख़बार का एक पुराना पन्ना उसके पैरों से जा टकराया। वह देह से इस कदर चिपक गई मानो किसी बिल्ली के ज़बरदस्ती के स्पर्श की तरह, जैसे वह जानबूझकर ऐसा कर रही हो। उसने सोचा, इस शहर की हर चीज़ को उस पर इतना ही अधिकार है। वह झुकी, अख़बार उठाया और उसे मोड़कर रखने लगी।
“तुम क्या कर रहे हो?” उसने पूछा।
"ट्रेन में पढ़ने के लिए कुछ चाहिए," उसने मूर्खतापूर्ण ढंग से कहा।
उसने उससे कागज़ छीन लिया, उसे मसलकर झाड़ियों में फेंक दिया। उसने कुछ नहीं कहा और वे आगे बढ़ गए।
खाली स्टेशन प्लेटफॉर्म पर एक अकेला बल्ब लटका हुआ था। वे इंतज़ार कर रहे थे। वह पटरियों की ओर देख रहा था, जहां से ट्रेन आने वाली थी। जब पटरियाँ काँप उठीं, जब दूर से एक सफेद हेडलाइट की रोशनी तेज़ी से निकली और आसमान में ठहर गई, पास नहीं आ रही थी, बल्कि फैलती जा रही थी, तेज़ी से बढ़ती जा रही थी, तब भी वह हिला नहीं और न ही उसकी ओर मुड़ा। तेज़ रोशनी की किरण ने उसकी परछाईं प्लेटफॉर्म पर फेंक दी, तख्तों पर से गुज़री और गायब हो गई। एक पल के लिए उसने चकाचौंध में उसके लंबे, सीधे शरीर की रेखा देखी। इंजन उनके पास से गुज़रा और डिब्बे खड़खड़ाते हुए धीमे हो गए। उसने गुज़रती खिड़कियों को देखा। वह उसका चेहरा नहीं देख पाई, केवल उसकी गाल की हड्डी की रूपरेखा दिखाई दी।
जब ट्रेन रुकी, तो वह उसकी ओर मुड़ा। उन्होंने हाथ नहीं मिलाया, कुछ बोला नहीं। वे एक पल के लिए सीधे खड़े रहे, एक-दूसरे के सामने, मानो सावधान मुद्रा में हों; यह लगभग सैन्य सलामी जैसा था। फिर उसने अपना सूटकेस उठाया और ट्रेन में चढ़ गई। एक मिनट बाद ट्रेन चलने लगी।
छठी
चक: और कस्तूरी क्यों नहीं? मनुष्य को ऐसा क्यों करना चाहिए?
क्या वह खुद को कस्तूरी चूहे से श्रेष्ठ समझता है? खेतों और जंगलों के सभी छोटे जीवों में जीवन धड़कता है। जीवन शाश्वत दुःख का गीत गाता है। एक पुराना दुःख। संगीत का

गीत। हम नहीं समझते—लेकिन समझने की परवाह किसे है? केवल सरकारी लेखाकार और पैरों के डॉक्टर।
और डाकिया भी। हम सिर्फ प्यार करते हैं। प्यार का मीठा रहस्य। बस इतना ही है। मुझे प्यार दो और अपने सारे दार्शनिकों को अपने पास रखो। जब मैरी ने बेघर कस्तूरी को गोद लिया, तो उसका दिल टूट गया और जीवन और प्यार उमड़ पड़ा। कस्तूरी अच्छे नकली मिंक कोट बन सकते हैं, लेकिन बात ये नहीं है। असली बात तो जीवन है।
“जेक: (दौड़ते हुए अंदर आते हुए) कहो, दोस्तों, किसके पास जॉर्ज वाशिंगटन की तस्वीर वाला डाक टिकट है?”
"परदा।"
आइके ने अपनी पांडुलिपि पटक दी और एक गहरी साँस ली। दो घंटे तक ज़ोर से पढ़ने के कारण उसकी आवाज़ बैठ गई थी और उसने अपने नाटक का चरमोत्कर्ष एक ही साँस में पढ़ डाला था। उसने अपने श्रोताओं की ओर देखा, उसके होठों पर आत्म-व्यंग्य की मुस्कान थी, उसकी भौहें अकड़ से उठी हुई थीं, लेकिन उसकी आँखों में विनती थी। फर्श पर बैठे एल्सवर्थ टूही ने कुर्सी के एक पैर से अपनी रीढ़ खुजलाई और जम्हाई ली। कमरे के बीच में पेट के बल लेटे गस वेब ने करवट बदलकर पीठ के बल लेट गए। विदेशी संवाददाता लैंसलॉट क्लोकी ने अपना हाईबॉल ग्लास उठाया और उसे खत्म कर दिया। बैनर के नए नाटक समीक्षक जूल्स फोगलर बिना हिले-डुले बैठे रहे; वे दो घंटे से हिले नहीं थे। मेजबान लोइस कुक ने अपनी बाहें ऊपर उठाईं, उन्हें घुमाया, फैलाया और कहा:
"हे भगवान, आइके, यह तो बहुत बुरा है।"
लैंसलॉट क्लोकी ने धीमी आवाज़ में कहा, "लोइस, मेरी प्यारी, तुम अपनी जिन कहाँ रखती हो? इतनी कंजूस मत बनो। तुम मेरी जान-पहचान की सबसे बुरी मेजबान हो।"
गस वेब ने कहा, "मुझे साहित्य समझ नहीं आता। यह अनुत्पादक और समय की बर्बादी है। लेखकों का तो सफाया ही हो जाएगा।"
आइके ज़ोर से हँसा। "बेहद घटिया, है ना?" उसने अपनी पटकथा लहराई। "सचमुच बेहद घटिया। तुम्हें क्या लगता है मैंने इसे किसलिए लिखा था? बस मुझे कोई ऐसा दिखाओ जो इससे भी बड़ी फ्लॉप लिख सके। यह तुम्हारे जीवन का सबसे घटिया नाटक होगा।"
यह अमेरिकी लेखकों की परिषद् की कोई औपचारिक बैठक नहीं थी, बल्कि एक अनौपचारिक सभा थी। आइके ने अपने कुछ दोस्तों को अपनी नवीनतम रचना सुनने के लिए आमंत्रित किया था। छब्बीस वर्ष की आयु में उन्होंने ग्यारह नाटक लिखे थे, लेकिन उनमें से किसी का भी मंचन नहीं हुआ था।
"आइके, बेहतर होगा कि तुम थिएटर छोड़ दो," लैंसलॉट क्लोकी ने कहा।
“लेखन एक गंभीर पेशा है और यह किसी भी अनाड़ी के बस की बात नहीं है जो इसे आज़माना चाहता हो।” लैंसलॉट क्लोकी की पहली किताब—विदेशों में उनके व्यक्तिगत रोमांच का वृत्तांत—बेस्ट-सेलर सूची में दसवें सप्ताह भी बनी हुई थी।
“क्यों नहीं, लांस?” टूही ने मीठी आवाज़ में कहा।
“ठीक है,” क्लोकी ने झल्लाकर कहा, “ठीक है। मुझे एक ड्रिंक दो।”
"यह भयानक है," लोइस कुक ने कहा, उनका सिर थके हुए अंदाज़ में इधर-उधर हिल रहा था। "यह सचमुच भयानक है। यह इतना भयानक है कि अद्भुत लगता है।"
“धत् तेरे की,” गस वेब ने कहा। “मैं यहाँ आता ही क्यों हूँ?”
आइके ने अपनी पांडुलिपि को चिमनी की ओर फेंका, वह तार की जाली से टकराई और उल्टी होकर, खुली हुई अवस्था में गिरी, पतले पन्ने कुचल गए।
उन्होंने पूछा, "अगर इब्सन नाटक लिख सकते हैं, तो मैं क्यों नहीं? वह अच्छे हैं और मैं घटिया, लेकिन यह कोई पर्याप्त कारण नहीं है।"
"ब्रह्मांडीय अर्थ में नहीं," लैंसलॉट क्लोकी ने कहा। "फिर भी, तुम घटिया हो।"

आपको यह कहने की जरूरत नहीं है। मैंने पहले ही कह दिया है।
“यह एक शानदार नाटक है,” एक आवाज ने कहा।
आवाज धीमी, नाक से निकलने वाली और उबड़-खाबड़ थी। उस शाम पहली बार उसने बात की थी, और सब लोग जूल्स फौगलर की ओर मुड़ गए। एक कार्टूनिस्ट ने कभी उसकी एक मशहूर तस्वीर बनाई थी; उसमें दो लटके हुए गोले थे, एक बड़ा और एक छोटा: बड़ा गोला उसका पेट था, छोटा उसका निचला होंठ। उसने एक शानदार ढंग से सिला हुआ सूट पहना था, जिसका रंग वह "बकवास" कहता था। वह हमेशा दस्ताने पहने रहता था और छड़ी रखता था। वह एक प्रख्यात नाटक समीक्षक था।
जूल्स फौगलर ने अपनी छड़ी बढ़ाई, उसके हैंडल के हुक से नाटक की पटकथा पकड़ी और उसे घसीटते हुए अपने पैरों तक ले आए। उन्होंने उसे उठाया नहीं, बल्कि उसे देखते हुए दोहराया:
“यह एक शानदार नाटक है।”
“क्यों?” लैंसलॉट क्लोकी ने पूछा।
"क्योंकि मैंने ऐसा कहा है," जूल्स फौगलर ने कहा।
"क्या यह कोई मजाक है, जूल्स?" लोइस कुक ने पूछा।
जूल्स फौगलर ने कहा, "मुझे कभी उल्टी नहीं आती। यह अश्लील है।"
"उद्घाटन समारोह के लिए मुझे कुछ सीटें भेज दो," लैंसलॉट क्लोकी ने व्यंग्यपूर्वक कहा।
जूल्स फौगलर ने कहा, "उद्घाटन के लिए दो सीटों का दाम 880 डॉलर है। यह इस सीज़न की सबसे बड़ी हिट होगी।"
जूल्स फौगलर मुड़ा और देखा कि टूही उसे देख रहा है। टूही मुस्कुराया, लेकिन उसकी मुस्कान हल्की या लापरवाही भरी नहीं थी; यह उस बात पर एक सकारात्मक टिप्पणी थी जिसे वह वास्तव में बहुत गंभीर मानता था।
जब फौगलर की नज़र दूसरों की ओर मुड़ी तो उसमें तिरस्कार का भाव था, लेकिन जब उसकी नज़र टूही पर पड़ी तो एक पल के लिए उसमें समझदारी का भाव झलक उठा।
"जूल्स, तुम कौंसिल ऑफ अमेरिकन राइटर्स में क्यों नहीं शामिल हो जाते?" टूही ने पूछा।
“मैं एक व्यक्तिवादी हूँ,” फौगलर ने कहा। “मैं संगठनों में विश्वास नहीं करता। वैसे भी, क्या यह आवश्यक है?”
“नहीं, बिलकुल भी ज़रूरी नहीं,” टूही ने खुशी से कहा। “तुम्हारे लिए नहीं, जूल्स। मैं तुम्हें कुछ भी नहीं सिखा सकता।”
"एल्सवर्थ, मुझे तुम्हारे बारे में जो बात पसंद है, वह यह है कि मुझे तुम्हें कभी भी खुद को समझाने की जरूरत नहीं पड़ती।"
“अरे, यहाँ कुछ भी समझाने की क्या ज़रूरत है? हम छह लोग एक जैसे हैं।”
“पांच,” फौगलर ने कहा। “मुझे गस वेब पसंद नहीं है।”
"तुम क्यों नहीं?" गस ने पूछा। उसे कोई आपत्ति नहीं थी।
"क्योंकि वह अपने कान नहीं धोता," फौगलर ने जवाब दिया, मानो यह सवाल किसी तीसरे व्यक्ति ने पूछा हो।
“ओह, वह,” गस ने कहा।
आइक उठ खड़ा हुआ और फॉगलर को घूरता हुआ खड़ा रहा, उसे यह भी ठीक से समझ नहीं आ रहा था कि उसे सांस लेनी चाहिए या नहीं।
"आपको मेरा नाटक पसंद आया, श्रीमान फौगलर?" उसने अंत में धीमी आवाज में पूछा।
“मैंने यह नहीं कहा कि मुझे यह पसंद है,” फौगलर ने ठंडे लहजे में जवाब दिया। “मुझे लगता है कि इसमें बदबू आती है।”
इसीलिए तो यह शानदार है।

“ओह,” आइके ने कहा। वह हँसा। वह राहत महसूस कर रहा था। उसकी नज़र कमरे में मौजूद सभी चेहरों पर घूमी, मानो उसमें चालाकी भरी जीत का भाव था।
“हां,” फौगलर ने कहा, “इसकी आलोचना के प्रति मेरा दृष्टिकोण वही है जो इसके लेखन के प्रति आपका दृष्टिकोण है। हमारे उद्देश्य एक जैसे हैं।”
"तुम बहुत अच्छे इंसान हो, जूल्स।"
"श्री फौगलर, कृपया।"
“आप एक शानदार आदमी हैं और धरती पर सबसे बेहतरीन बदमाश हैं, श्रीमान।” फौगलर।"
फौगलर ने अपनी छड़ी की नोक से अपने पैरों के पास रखी पटकथा के पन्ने पलटे।
“तुम्हारी टाइपिंग बेहद खराब है, आइके,” उसने कहा।
“अरे, मैं कोई स्टेनोग्राफर नहीं हूँ। मैं एक रचनात्मक कलाकार हूँ।”
“इस शो के शुरू होने के बाद आप एक सचिव रख सकेंगे। मैं इसकी प्रशंसा करने के लिए बाध्य हूँ—कम से कम इसलिए ताकि टाइपराइटर का इस तरह का दुरुपयोग दोबारा न हो। टाइपराइटर एक शानदार उपकरण है, इसका अपमान नहीं किया जाना चाहिए।”
"ठीक है, जूल्स," लैंसलॉट क्लोकी ने कहा, "यह सब बहुत ही हास्यपूर्ण और चतुराई भरा है और तुम बेहद परिष्कृत और प्रतिभाशाली हो - लेकिन तुम वास्तव में उस बकवास की प्रशंसा क्यों करना चाहते हो?"
"क्योंकि यह—जैसा कि आपने कहा—बेकार है।"
“तुम तार्किक नहीं हो, लांस,” आइके ने कहा। “ब्रह्मांडीय अर्थ में तो बिलकुल नहीं। एक अच्छा नाटक लिखना और उसकी प्रशंसा पाना कोई बड़ी बात नहीं है।”
ऐसा कोई भी कर सकता है। कोई भी प्रतिभाशाली व्यक्ति—और प्रतिभा तो महज एक संयोग है। लेकिन एक घटिया रचना लिखकर उसकी प्रशंसा पाना—
ठीक है, आप उससे मेल खाते हैं।
“उसने किया है,” टूही ने कहा।
“यह तो राय की बात है,” लैंसलॉट क्लोकी ने कहा। उसने अपना खाली गिलास मुंह के ऊपर उल्टा किया और बर्फ के आखिरी टुकड़े को चूसा।
“लांस, आइके तुमसे कहीं बेहतर समझता है,” जूल्स फौगलर ने कहा। “उसने अपने उस छोटे से भाषण में खुद को एक सच्चा विचारक साबित कर दिया है। वैसे, वह भाषण उसके पूरे नाटक से भी बेहतर था।”
“मैं अपना अगला नाटक इसी विषय पर लिखूंगा,” आइके ने कहा।
“आइके ने अपने कारण बता दिए हैं,” फौगलर ने आगे कहा। “और मेरे भी। और तुम्हारे भी, लांस। अगर तुम चाहो तो मेरी बात पर गौर करो। एक आलोचक के लिए एक अच्छे नाटक की प्रशंसा करने में क्या उपलब्धि है? बिलकुल भी नहीं। आलोचक तो लेखक और जनता के बीच एक तरह का संदेशवाहक मात्र बनकर रह जाता है। इसमें मेरे लिए क्या है? मैं इससे तंग आ चुका हूँ। मुझे लोगों पर अपनी छाप छोड़ने का अधिकार है। अन्यथा मैं निराश हो जाऊँगा—और मैं निराशा में विश्वास नहीं करता। लेकिन अगर एक आलोचक एक बिलकुल बेकार नाटक की भी प्रशंसा कर सकता है —अरे, तुम अंतर तो समझते ही हो! इसलिए, मैं—तुम्हारे नाटक का नाम क्या है, आइके?”
“मुझे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता,” आइके ने कहा।
"मैं क्षमा चाहता हूँ?"
"यही शीर्षक है।"
"ओह, मैं समझ गया। इसलिए, मैं 'नो स्किन ऑफ योर ऐस' को हिट बनाऊंगा।"
लोइस कुक जोर से हंस पड़ी।

"तुम लोग हर बात पर हद से ज्यादा हंगामा करते हो," गस वेब ने सिर के नीचे हाथ जोड़कर लेटे हुए कहा।
“अब अगर आप अपने मामले पर विचार करें, लांस,” फ़ोगलर ने आगे कहा। “एक संवाददाता के लिए विश्व घटनाओं पर रिपोर्टिंग करने में क्या संतुष्टि है? जनता हर तरह के अंतरराष्ट्रीय संकटों के बारे में पढ़ती है और अगर वे आपका नाम भी देख लें तो आप भाग्यशाली हैं। लेकिन आप किसी भी जनरल, एडमिरल या राजदूत के बराबर ही अच्छे हैं। आपको लोगों को अपने बारे में जागरूक करने का अधिकार है। इसलिए आपने समझदारी का काम किया है।”
आपने बकवास का एक अद्भुत संग्रह लिखा है—जी हाँ, बकवास—लेकिन नैतिक रूप से उचित ठहराया गया है। एक चालाक किताब। विश्व आपदाओं को अपनी छोटी-सी घिनौनी शख्सियत के लिए पृष्ठभूमि के रूप में इस्तेमाल किया है। कैसे लैंसलॉट क्लोकी एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में नशे में धुत हो गया। आक्रमण के दौरान किन सुंदरियों ने लैंसलॉट क्लोकी के साथ संबंध बनाए। कैसे लैंसलॉट क्लोकी को अकाल से ग्रस्त देश में पेचिश हो गई। अच्छा, क्यों नहीं, लैंस? यह चल गया, है ना? एल्सवर्थ ने इसे आगे बढ़ाया, है ना?
"जनता को मानवीय रुचि से जुड़ी अच्छी चीजें पसंद आती हैं," लैंसलॉट क्लोकी ने गुस्से से अपने गिलास में देखते हुए कहा।
“अरे, बकवास बंद करो, लांस!” लोइस कुक चिल्लाई। “तुम किसके लिए अभिनय कर रहे हो? तुम अच्छी तरह जानते हो कि यह कोई मानवीय रुचि का विषय नहीं था, बल्कि सिर्फ एल्सवर्थ टूही का मामला था।”
"मैं एल्सवर्थ का कर्ज नहीं भूलता," क्लोकी ने उदास स्वर में कहा।
“एल्सवर्थ मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। फिर भी, अगर उसके पास लिखने के लिए एक अच्छी किताब नहीं होती, तो वह ऐसा नहीं कर पाता।”
आठ महीने पहले लैंसलॉट क्लोकी एल्सवर्थ टूही के सामने पांडुलिपि लिए खड़े थे, ठीक वैसे ही जैसे आइके अब फ़ोगलर के सामने खड़े थे। टूही ने जब उनसे कहा कि उनकी किताब बेस्टसेलर सूची में शीर्ष पर होगी, तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ। लेकिन दो लाख प्रतियां बिक जाने के बाद क्लोकी के लिए किसी भी रूप में किसी भी सच्चाई को स्वीकार करना असंभव हो गया था।
“खैर, उन्होंने ‘द गैलेंट गॉलस्टोन’ के साथ ऐसा कर दिखाया,” लोइस कुक ने शांत भाव से कहा, “और इससे भी घटिया रचना कागज पर कभी नहीं लिखी गई। मुझे तो पता ही है। लेकिन उन्होंने ऐसा कर दिखाया।”
"और ऐसा करने में मेरी नौकरी लगभग चली गई थी," टूही ने बेपरवाही से कहा।
"लोइस, तुम अपनी शराब का क्या करती हो?" क्लोकी ने झल्लाकर पूछा। "क्या तुम उसे नहाने के लिए बचाकर रखती हो?"
"ठीक है, ब्लॉटर," लोइस कुक ने आलस से उठते हुए कहा।
वह कमरे में इधर-उधर घूमती हुई गई, फर्श पर पड़े किसी के अधूरे पेय को उठाया, बचा हुआ थोड़ा सा पी लिया, बाहर चली गई और कई महंगी बोतलों के साथ वापस आई। क्लोकी और आइक ने जल्दी से अपने लिए बोतलें ले लीं।
“मुझे लगता है कि तुम लांस के साथ अन्याय कर रही हो, लोइस,” टूही ने कहा। “उसे आत्मकथा क्यों नहीं लिखनी चाहिए?”
"क्योंकि उसका जीवन जीने लायक नहीं था, रिकॉर्डिंग करने की तो बात ही छोड़िए।"
"लेकिन इसीलिए तो मैंने इसे बेस्टसेलर बनाया था।"
"तुम मुझे बता रहे हो?"
मुझे किसी को बताना अच्छा लगता है।
उसके आस-पास कई आरामदायक कुर्सियाँ थीं, लेकिन टूही ने फर्श पर ही रहना पसंद किया। वह पेट के बल लेट गया, कोहनियों के बल अपने धड़ को सीधा किया और बड़े

चाव से लेटते हुए, कभी कोहनी तो कभी कोहनी पर अपना वजन बदलता रहा, उसके पैर कालीन पर चौड़े फैले हुए थे। ऐसा लग रहा था मानो उसे इस आज़ादी का भरपूर आनंद मिल रहा हो।
“मैं किसी को बताना चाहता हूँ। अगले महीने मैं एक छोटे शहर के दंत चिकित्सक की आत्मकथा प्रकाशित करने जा रहा हूं, जो वास्तव में एक विलक्षण व्यक्ति है—क्योंकि उसके जीवन का एक भी दिन विलक्षण नहीं है और न ही उसकी किताब का कोई वाक्य। तुम्हें पसंद आएगी, लोइस। क्या तुम कल्पना कर सकती हो कि एक घिसा-पिटा वाक्य उसकी आत्मा को इस तरह उजागर कर रहा है मानो कोई रहस्योद्घाटन हो?”
“छोटे लोग,” आइके ने स्नेहपूर्वक कहा। “मुझे छोटे लोग बहुत प्यारे लगते हैं। हमें इस धरती के छोटे लोगों से प्यार करना चाहिए।”
"इसे अपने अगले नाटक के लिए बचाकर रखो," टूही ने कहा।
“मैं नहीं कर सकता,” आइके ने कहा। “यह इसी में है।”
"एल्सवर्थ, तुम्हारा इरादा क्या है?" क्लोकी ने झल्लाकर पूछा।
“क्यों, यह तो बहुत आसान है, लांस। जब यह तथ्य कि कोई व्यक्ति एक साधारण इंसान है जिसने खाने, सोने और पड़ोसियों से बातचीत करने के अलावा कुछ भी असाधारण नहीं किया है, गर्व करने योग्य, दुनिया को घोषित करने योग्य और लाखों पाठकों द्वारा गहन अध्ययन का विषय बन जाता है—तो किसी के द्वारा एक गिरजाघर का निर्माण करने का तथ्य न तो दर्ज किया जा सकता है और न ही घोषित किया जा सकता है। यह दृष्टिकोण और सापेक्षता का मामला है। किसी भी क्षमता की चरम सीमाओं के बीच की दूरी सीमित होती है। एक चींटी की ध्वनि बोध क्षमता में गड़गड़ाहट शामिल नहीं होती।”
"तुम एक पतित बुर्जुआ की तरह बात करते हो, एल्सवर्थ," गस वेब ने कहा।
"चुप रहो, प्यारी बच्ची," टूही ने बिना किसी नाराजगी के कहा।
“सब कुछ बहुत बढ़िया है,” लोइस कुक ने कहा, “सिवाय इसके कि तुम बहुत अच्छा कर रहे हो, एल्सवर्थ। तुम मुझे धंधे से बाहर कर दोगे। अगर मुझे अभी भी लोगों की नज़र में रहना है, तो मुझे जल्द ही कुछ ऐसा लिखना होगा जो वाकई अच्छा हो।”
“इस सदी में नहीं, लोइस,” टूही ने कहा। “और शायद अगली सदी में भी नहीं। जितना तुम सोचती हो, उससे कहीं बाद में होगा।”
“लेकिन तुमने तो बताया ही नहीं...!” आइके अचानक चिंता से चिल्ला उठा।
मैंने क्या नहीं कहा है?
आपने यह नहीं बताया कि मेरे नाटक का निर्माण कौन करेगा!
"यह काम मुझ पर छोड़ दो," जूल्स फोगलर ने कहा।
“मैं आपको धन्यवाद देना भूल गया था, एल्सवर्थ,” आइके ने गंभीरता से कहा। “तो अब मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। बहुत से नाटक बेकार होते हैं, लेकिन आपने मेरा नाटक चुना। आप और श्री फोगलर।”
"तुम्हारा पिछवाड़ा काम चलाऊ है, आइके।"
"वाह, ये तो कमाल की बात है।"
"यह बहुत अच्छा सौदा है।"
“उदाहरण के लिए, कैसे?”
“ज्यादा मत बोलो, एल्सवर्थ,” गस वेब ने कहा। “तुम्हें बोलने की लत लग गई है।”
"अपना मुंह बंद करो, क्यूपी-डॉल। मुझे बात करना पसंद है। उदाहरण के लिए, आइके? अच्छा, उदाहरण के लिए, मान लो कि मुझे इब्सन पसंद नहीं है—"
“इब्सन अच्छा है,” आइके ने कहा।
“हाँ, वो वाकई अच्छे हैं, लेकिन मान लीजिए कि मुझे वो पसंद नहीं हैं। मान लीजिए कि मैं लोगों को उनके नाटक देखने से रोकना चाहता हूँ। उन्हें ये बताने से मुझे कोई फायदा नहीं होगा। लेकिन अगर मैं उन्हें ये यकीन दिला दूँ कि आप भी इब्सन जितने ही महान हैं—तो जल्द ही उन्हें फर्क पता ही नहीं चलेगा।”

"हे यीशु, क्या तुम कर सकते हो?"
“यह सिर्फ एक उदाहरण है, आइके।”
लेकिन यह बहुत शानदार होगा!
“हाँ। यह बहुत अच्छा होगा। और फिर इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि वे क्या देखने गए थे। तब कुछ भी मायने नहीं रखेगा—न तो लेखक और न ही वे लोग जिनके लिए उन्होंने लिखा था।”
“कैसा लगा, एल्सवर्थ?”
"देखो, आइके, थिएटर में इब्सन और तुम्हारे दोनों के लिए जगह नहीं है।"
आप यह बात समझते हैं, है ना?
"एक तरह से कहें तो—हाँ।"
"अच्छा, आप चाहते हैं कि मैं आपके लिए जगह बनाऊं, है ना?"
"यह सारी बेकार की बहस पहले भी हो चुकी है और बहुत बेहतर तरीके से," गस वेब ने कहा। "संक्षिप्त रूप में। मैं कार्यात्मक मितव्ययिता में विश्वास करता हूं।"
"गस, यह कहां ढका हुआ है?" लोइस कुक ने पूछा।
“ ‘जो कुछ भी नहीं था, वह सब कुछ होगा, बहन।’”
“गस असभ्य है, लेकिन गंभीर स्वभाव का है,” आइके ने कहा। “मैं उसे पसंद करता हूँ।”
"भाड़ में जाओ," गस ने कहा।
लोइस कुक का बटलर कमरे में दाखिल हुआ। वह एक गंभीर, बुजुर्ग व्यक्ति था और उसने शाम के पारंपरिक परिधान पहने हुए थे। उसने पीटर कीटिंग के आने की घोषणा की।
“पीट?” लोइस कुक ने खुशी से कहा। “क्यों नहीं, उसे अंदर डाल दो, बिल्कुल अंदर डाल दो।”
कीटिंग अंदर दाखिल हुआ और भीड़ को देखकर चौंक कर वहीं रुक गया।
“ओह... सभी को नमस्कार,” उसने उदास स्वर में कहा। “मुझे नहीं पता था कि आपके साथ कोई और भी है, लोइस।”
“ये कोई मेहमाननवाज़ी नहीं है। अंदर आओ, पीट, बैठो, अपने लिए एक ड्रिंक ले लो, तुम सबको जानते हो।।”
"हैलो, एल्सवर्थ," कीटिंग ने कहा, उसकी निगाहें समर्थन के लिए टूही पर टिकी हुई थीं। टूही ने हाथ हिलाया, जल्दी से खड़े हुए और आरामकुर्सी पर बैठ गए, बड़े सलीके से पैर मोड़ लिए। कमरे में मौजूद सभी लोगों ने अचानक आए नियंत्रण के अनुसार खुद को ढाल लिया: सीधे बैठना, घुटनों को पास लाना, और मुंह को आराम से अंदर की ओर खींचना। केवल गस वेब पहले की तरह ही खिंचे हुए बैठे रहे।
कीटिंग शांत और आकर्षक दिख रहे थे, उनकी मौजूदगी से उस ठंडे कमरे में ठंडी सड़कों पर टहलने जैसी ताजगी का एहसास हो रहा था। लेकिन उनका चेहरा पीला पड़ गया था और उनकी चाल धीमी, थकी हुई लग रही थी।
“माफ़ करना अगर मैं दखल दे रहा हूं, लोइस,” उसने कहा। “मेरे पास करने को कुछ नहीं था और मैं बहुत अकेला महसूस कर रहा था, सोचा कि आ जाऊँ।” उसने “अकेला” शब्द को अस्पष्ट रूप से बोला।
उसने आत्म-तिरस्कार भरी मुस्कान के साथ इसे फेंक दिया। "नील डुमोंट और उनके साथियों से तंग आ गया हूं। कुछ प्रेरणादायक संगति चाहिए थी—एक तरह का आध्यात्मिक भोजन, है ना?"
“मैं एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हूँ,” आइके ने कहा। “मैं ब्रॉडवे पर एक नाटक लिखूंगा। मैं और इब्सन। एल्सवर्थ ने ऐसा कहा था।”
“आइके ने अभी-अभी हमें अपना नया नाटक पढ़कर सुनाया है,” टूहे ने कहा। “यह एक शानदार रचना है।”

“पीटर, तुम्हें यह बहुत पसंद आएगा,” लैंसलॉट क्लोकॉ ने कहा। “यह वाकई बहुत बढ़िया है।”
“यह एक उत्कृष्ट कृति है,” जूल्स फौगलर ने कहा। “मुझे उम्मीद है कि तुम इसके योग्य साबित होगे, पीटर। यह उस तरह का नाटक है जो इस बात पर निर्भर करता है कि दर्शक अपने साथ रंगमंच में क्या लेकर आते हैं। अगर तुम उन संकीर्ण सोच वाले, रूखे मन और सीमित कल्पना वाले लोगों में से हो, तो यह तुम्हारे लिए नहीं है। लेकिन अगर तुम एक सच्चे इंसान हो, जिसका दिल हँसी से भरा है, जिसने अपने बचपन की शुद्ध भावनाओं को आज भी संजोकर रखा है, तो यह नाटक तुम्हारे लिए नहीं है।
—यह आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।”
“जब तक तुम नन्हे बच्चों के समान नहीं हो जाओगे, तब तक तुम स्वर्ग के राज्य में प्रवेश नहीं कर पाओगे,” एल्सवर्थ टूही ने कहा।
“धन्यवाद, एल्सवर्थ,” जूल्स फौगलर ने कहा। “यह मेरी समीक्षा का मुख्य बिंदु होगा।”
कीटिंग ने आइके और बाकी लोगों को उत्सुकता से देखा। वे सभी उससे दूर और पवित्र प्रतीत हो रहे थे, अपने ज्ञान की सुरक्षा में उससे बहुत ऊपर, लेकिन उनके चेहरों पर मुस्कुराती हुई गर्मजोशी के संकेत थे, मानो एक दयालु निमंत्रण नीचे की ओर बढ़ाया गया हो।
कीटिंग ने उनकी महानता का अहसास किया, वह आध्यात्मिक पोषण जो वह यहाँ आने के लिए खोज रहे थे, और उन्होंने स्वयं को उनके माध्यम से ऊपर उठते हुए महसूस किया। उन्होंने अपनी महानता को कीटिंग के द्वारा साकार होते देखा। कमरे में एक घेरा स्थापित हो गया और वह चक्र पूरा हो गया। पीटर कीटिंग को छोड़कर सभी इस बात से अवगत थे।
एल्सवर्थ टूही ने आधुनिक वास्तुकला के समर्थन में अपनी बात रखी।
पिछले दसे वर्षों में, जहां अधिकांश नए आवासीय भवन ऐतिहासिक इमारतों की हूबहू नकल बनकर बनाए जाते रहे, वहीं हेनरी कैमरून के सिद्धांतों ने व्यावसायिक संरचनाओं के क्षेत्र में विजय प्राप्त कर ली: कारखानों, कार्यालय भवनों और गगनचुंबी इमारतों में। यह एक फीकी, विकृत जीत थी; एक अनिच्छुक समझौता जिसमें स्तंभों और अग्रभागों को छोड़ दिया गया, दीवार के कुछ हिस्सों को बिना सजावट के छोड़ दिया गया, और संयोगवश अच्छी दिखने वाली आकृति को सरल ग्रीक घुमावदार किनारों से सजाकर पूरा किया गया। कई लोगों ने कैमरून की आकृतियों को चुराया; कुछ ही लोग उनकी सोच को समझ पाए। नए भवनों के मालिकों को उनके तर्क का एकमात्र अप्रतिरोध्य हिस्सा वित्तीय मितव्ययिता ही लगा; इस हद तक तो वे सफल रहे।
यूरोप के देशों में, विशेष रूप से जर्मनी में, भवन निर्माण की एक नई शैली लंबे समय से विकसित हो रही थी: इसमें शामिल थे:
चार दीवारें खड़ी करना और उनके ऊपर एक सपाट छत बनाना, जिसमें कुछ खुले स्थान हों।
इसे नई वास्तुकला कहा गया। मनमानी नियमों से मुक्ति, जिसके लिए कैमरून ने संघर्ष किया था, वह मुक्ति जिसने रचनात्मक निर्माता पर एक नई बड़ी जिम्मेदारी डाली थी, अंततः सभी प्रयासों का निरर्थक रूप बन गई, यहाँ तक कि ऐतिहासिक शैलियों में महारत हासिल करने का प्रयास भी। यह कठोर नियमों का एक नया समूह बन गया—सचेत अक्षमता का अनुशासन, रचनात्मक दरिद्रता को एक व्यवस्था में ढालना, और गर्व से स्वीकार की गई औसत दर्जे की स्थिति।
“एक इमारत अपनी सुंदरता स्वयं बनाती है, और उसका अलंकरण उसके विषय और संरचना के नियमों से निर्धारित होता है,” कैमरन ने कहा था। “एक इमारत को सुंदरता, अलंकरण या विषय की आवश्यकता नहीं होती,” नए वास्तुकारों ने कहा। यह कहना बिल्कुल सही था। कैमरन और कुछ अन्य लोगों ने मार्ग प्रशस्त किया और उसे अपने जीवन से समेटा। अन्य लोग, जिनकी संख्या कहीं अधिक थी, वे लोग जो पार्थेनन की

नकल करने में सुरक्षित थे, उन्होंने खतरे को भांप लिया और सुरक्षा का रास्ता खोज निकाला: कैमरन के मार्ग पर चलना और उसे एक नए पार्थेनन तक ले जाना, एक आसान पार्थेनन जो कांच और कंक्रीट के एक पैकिंग क्रेट के आकार का था। ताड़ का पेड़ फूट पड़ा था; कवक उस पर पनपने, उसे विकृत करने, उसे छिपाने और उसे वापस सामान्य जंगल में खींचने के लिए आया था।
जंगल को अपने शब्द मिल गए।
"वन स्मॉल वॉइस" में, जिसका उपशीर्षक "मैं धारा के साथ तैरता हूँ" है, एल्सवर्थ टूही ने लिखा:
"आधुनिक वास्तुकला नामक शक्तिशाली घटना को स्वीकार करने में हमें लंबे समय तक हिचकिचाहट रही है। जनता की रुचि का मार्गदर्शन करने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए ऐसी सावधानी आवश्यक है। अक्सर, कुछ विशिष्ट अपवादों को व्यापक जन आंदोलन समझ लिया जाता है, और हमें उन्हें वह महत्व नहीं देना चाहिए जिसके वे हकदार हैं। लेकिन आधुनिक वास्तुकला समय की कसौटी पर खरी उतरी है, इसने जनता की मांग को पूरा किया है, और हमें इसे सलाम करते हुए खुशी हो रही है।"
इस आंदोलन के अग्रदूतों, जैसे कि दिवंगत हेनरी कैमरून, को कुछ हद तक मान्यता देना अनुचित नहीं होगी। उनके कुछ कार्यों में इस नई भव्यता की झलक देखी जा सकती है। लेकिन सभी अग्रदूतों की तरह, वे भी अतीत के विरासत में मिले पूर्वाग्रहों और उस मध्यम वर्ग की भावुकता से बंधे हुए थे, जिससे वे आए थे।
वह सौंदर्य और अलंकरण के अंधविश्वास के आगे झुक गया, यहाँ तक कि हालांकि यह अलंकरण उनके स्वयं के आविष्कार का था, और इसलिए, स्थापित ऐतिहासिक रूपों की तुलना में निम्न स्तर का था।
आधुनिक वास्तुकला को उसके पूर्ण और सच्चे स्वरूप में लाने के लिए एक व्यापक, सामूहिक आंदोलन की शक्ति ही आवश्यक थी। अब इसे - विश्व भर में विकसित होते हुए - व्यक्तिगत कल्पनाओं की अराजकता के रूप में नहीं, बल्कि एक सुसंगत, संगठित अनुशासन के रूप में देखा जा सकता है जो कलाकार से गंभीर अपेक्षाएँ रखता है, जिनमें से एक अपेक्षा यह है कि वह स्वयं को अपने शिल्प की सामूहिक प्रकृति के अधीन रखे।
"इस नई वास्तुकला के नियम व्यापक जन-रचना प्रक्रिया द्वारा तैयार किए गए हैं। ये नियम क्लासिकवाद के नियमों जितने ही सख्त हैं। ये सादगी की मांग करते हैं—ठीक वैसे ही जैसे एक निर्मल आम आदमी की ईमानदारी। जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय बैंकरों के बीते युग में हर इमारत में एक भव्य कंगनी होना अनिवार्य था, उसी प्रकार अब आने वाला युग यह अनिवार्य करता है कि हर इमारत की छत समतल हो। जिस प्रकार साम्राज्यवादी युग में हर घर में रोमन बरामदा होना आवश्यक था, उसी प्रकार मानवता का युग यह मांग करता है कि हर घर में कोने वाली खिड़कियां हों—जो सभी को समान रूप से वितरित होने वाली धूप का प्रतीक हैं।"
समझदार लोग इस नई वास्तुकला के स्वरूप में निहित सामाजिक महत्व को स्पष्ट रूप से देख पाएंगे। शोषण की पुरानी व्यवस्था के तहत, सबसे उपयोगी सामाजिक तत्व—श्रमिकों—को कभी भी अपना महत्व समझने का अवसर नहीं दिया गया; उनके व्यावहारिक कार्यों को छिपाकर रखा गया; इस प्रकार एक मालिक अपने नौकरों को सोने की कढ़ाई वाली शानदार वर्दी पहनाता था। यह उस काल की वास्तुकला में परिलक्षित होता था; भवन के कार्यात्मक तत्व—उसके दरवाजे, खिड़कियां, सीढ़ियां—व्यर्थ अलंकरणों के नीचे छिपे रहते थे।
लेकिन एक आधुनिक इमारत में, ये उपयोगी तत्व ही सबसे महत्वपूर्ण होते हैं—परिश्रम के प्रतीक—जो स्पष्ट रूप से सामने आते हैं। क्या हम इसमें एक नई दुनिया की आवाज़ नहीं सुनते जहाँ श्रमिक को अपना हक मिलेगा?

अमेरिका में आधुनिक वास्तुकला के सर्वश्रेष्ठ उदाहरण के रूप में, हम आपका ध्यान बैसेट ब्रश कंपनी के नए संयंत्र की ओर आकर्षित करना चाहते हैं, जो जल्द ही बनकर तैयार होने वाला है। यह एक छोटी इमारत है, लेकिन अपने साधारण आकार में ही यह नई विधा की सादगी को समाहित करती है और 'छोटे में भव्यता' का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है। इसका डिज़ाइन प्रतिभाशाली युवा वास्तुकार आगस्टस वेब ने तैयार किया है।
कुछ दिनों बाद टूही से मुलाकात करते हुए, पीटर कीटिंग ने परेशान होकर पूछा:
"एल्सवर्थ, क्या तुमने सचमुच में ऐसा कहा था?"
"क्या?"
“आधुनिक वास्तुकला के बारे में।”
“बिल्कुल, मेरा यही इरादा था। आपको मेरा छोटा सा लेख कैसा लगा?”
“ओह, मुझे तो यह बहुत सुंदर लगा। बहुत ही प्रभावशाली। लेकिन सुनो, एल्सवर्थ, तुमने गस वेब को क्यों चुना? आखिर मैंने पिछले कुछ सालों में कुछ आधुनिक शैली की इमारतें बनाई हैं। पामर बिल्डिंग बिल्कुल खाली थी, और मोवरी बिल्डिंग में छत और खिड़कियों के अलावा कुछ नहीं था, और शेल्डन वेयरहाउस तो...”
"अब, पीटर, लालची मत बनो। मैंने तुम्हारे साथ काफी अच्छा व्यवहार किया है, है ना? मुझे भी कभी-कभी किसी और की मदद करने दो।"
एक दोपहर के भोजन के दौरान, जहाँ उन्हें वास्तुकला पर बोलना था, पीटर कीटिंग ने कहा:
अपने अब तक के करियर की समीक्षा करते हुए, मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि मैंने एक सच्चे सिद्धांत पर काम किया है: निरंतर परिवर्तन जीवन की आवश्यकता है। चूंकि इमारतें जीवन का एक अभिन्न अंग हैं, इसलिए वास्तुकला में निरंतर परिवर्तन होना स्वाभाविक है। मैंने कभी भी वास्तुकला के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं रखा, बल्कि समय की सभी आवाज़ों के प्रति अपना दृष्टिकोण खुला रखा। वे कट्टरपंथी जो यह प्रचार करते फिरते थे कि सभी संरचनाएं आधुनिक होनी चाहिए, उतने ही संकीर्ण सोच वाले थे जितने कि वे रूढ़िवादी जो केवल ऐतिहासिक शैलियों को अपनाने की मांग करते थे। शास्त्रीय शैली में डिज़ाइन की गई मेरी इमारतों के लिए मुझे कोई खेद नहीं है। वे अपने युग की आवश्यकता का उत्तर थीं।
मैंने आधुनिक शैली में जो इमारतें डिज़ाइन की हैं, उनके लिए मैं माफी नहीं मांगता। वे आने वाली बेहतर दुनिया का प्रतिनिधित्व करती हैं। मेरा मानना है कि इस सिद्धांत को विनम्रतापूर्वक साकार करने में ही एक वास्तुकार होने का पुरस्कार और आनंद निहित है।
जब पीटर कीटिंग को स्टोनरिज के निर्माण के लिए चुना गया, तो खूब प्रचार हुआ और पेशेवर हलकों में ईर्ष्या से भरी कई तारीफें भी सुनने को मिलीं। उन्होंने ऐसी चीजों में अपनी पुरानी खुशी को फिर से पाने की कोशिश की। लेकिन वे असफल रहे। उन्हें अब भी कुछ हद तक खुशी महसूस हो रही थी, लेकिन वह धुंधली और कमजोर थी। स्टोनरिज को डिजाइन करने का प्रयास एक बहुत बड़ा बोझ प्रतीत होता था जिसे उठाना असंभव था।
उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं थी कि उन्होंने इसे किन परिस्थितियों में हासिल किया था; वह बात भी उनके मन में धुंधली और महत्वहीन हो चुकी थी, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया था और लगभग भुला दिया था। स्टोनरिज में आवश्यक बड़ी संख्या में घरों का डिज़ाइन तैयार करने का काम उनके लिए असहनीय था। वे बहुत थके हुए महसूस कर रहे थे।
सुबह उठने पर उसे थकान महसूस हुई और वह पूरे दिन इस बात का इंतजार करता रहा कि कब वह वापस बिस्तर पर जा सकेगा।

उन्होंने स्टोनारिज का जिम्मा नील डुमोंट और बेनेट को सौंप दिया। “ठीक है,” उन्होंने थके हुए स्वर में कहा, “जो चाहो करो।” “किस शैली में, पीट?”
डुमोंट ने पूछा, “ओह, इसे किसी खास कालखंड जैसा बनाइए—नहीं तो छोटे मकान मालिक इसे पसंद नहीं करेंगे। लेकिन प्रेस की टिप्पणियों के लिए इसे थोड़ा छोटा कर दीजिए। इसमें ऐतिहासिक झलक के साथ-साथ आधुनिकता का भी एहसास दीजिए।”
जैसे चाहो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।
डुमोंट और बेनेट आगे बढ़ गए। कीटिंग ने उनके रेखाचित्रों में छत की कुछ रेखाओं और कुछ खिड़कियों में बदलाव किया। प्रारंभिक रेखाचित्रों को वायनांड के कार्यालय द्वारा अनुमोदित कर दिया गया था। कीटिंग को यह नहीं पता था कि वायनांड ने व्यक्तिगत रूप से अनुमोदन किया था या नहीं। उन्होंने वायनांड से दोबारा मुलाकात नहीं की।
डोमिनिक के जाने के एक महीने बाद, गाइ फ्रैंकन ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा कर दी। कीटिंग ने उन्हें तलाक के बारे में बताया, लेकिन कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया।
फ्रैंकन ने इस खबर को शांति से लिया। उन्होंने कहा: “मुझे इसकी उम्मीद थी। कोई बात नहीं, पीटर। शायद इसमें न तो तुम्हारी गलती है और न ही उसकी।” उसके बाद उन्होंने इस बारे में कोई बात नहीं की। अब उन्होंने अपनी सेवानिवृत्ति का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया, बस इतना कहा: “मैंने तुम्हें बहुत पहले ही बता दिया था कि ऐसा होने वाला है। मैं थक गया हूँ।”
शुभकामनाएं, पीटर।
कंपनी की जिम्मेदारी अकेले उसके कंधों पर थी और दफ्तर के दरवाजे पर सिर्फ उसका नाम लिखे होने की संभावना ने कीटिंग को बेचैन कर दिया था।
उन्हें एक साझेदार की आवश्यकता थी। उन्होंने नील डुमोंट को चुना। नील में शालीनता और विशिष्टता थी। वे लुसियस हेयर के समकक्ष थे। फर्म का नाम पीटर कीटिंग और कॉर्नेलियस डुमोंट रखा गया। कुछ मित्रों ने इस अवसर पर एक तरह का जश्न मनाया, लेकिन कीटिंग उसमें शामिल नहीं हुए। उन्होंने आने का वादा किया था, लेकिन वे भूल गए, बर्फ से ढके ग्रामीण इलाके में एकांत में सप्ताहांत बिताने चले गए, और उन्हें जश्न की याद तब तक नहीं आई जब तक कि अगली सुबह वे एक जमी हुई ग्रामीण सड़क पर अकेले नहीं चल रहे थे।
स्टोनरिज, फ्रैंकन एंड कीटिंग फर्म द्वारा हस्ताक्षरित अंतिम अनुबंध था।
सातवीं
जब डोमिनिक न्यूयॉर्क में ट्रेन से उतरीं, तो वायनांड उनसे मिलने के लिए वहीं मौजूद थे। रेनो में रहने के दौरान उन्होंने वायनांड को न तो कोई पत्र लिखा था और न ही उनसे कोई संपर्क हुआ था; उन्होंने किसी को भी अपनी वापसी की सूचना नहीं दी थी। लेकिन प्लेटफार्म पर खड़े वायनांड की शांत और निर्णायक मुद्रा ने उन्हें बता दिया कि वे उनके वकीलों के संपर्क में थे, तलाक की कार्यवाही के हर चरण पर नजर रख रहे थे, उन्हें तलाक का आदेश जारी होने की तारीख, उनके ट्रेन में चढ़ने का समय और उनके डिब्बे का नंबर भी पता था।
उसे देखकर वह आगे नहीं बढ़ा। बल्कि वह उसके पास चलकर आई, क्योंकि वह जानती थी कि वह उसे चलते हुए देखना चाहता है, भले ही उनके बीच की थोड़ी सी दूरी ही क्यों न हो। उसने मुस्कुराया नहीं, लेकिन उसके चेहरे पर एक ऐसी प्यारी शांति थी जो बिना किसी प्रयास के मुस्कान में बदल सकती थी।
"हैलो, गेल।"
"हैलो, डोमिनिक।"
उसकी अनुपस्थिति में उसने उसके बारे में नहीं सोचा था, न ही गहराई से, न ही उसकी वास्तविकता की व्यक्तिगत अनुभूति के साथ, लेकिन अब उसे तुरंत एक पहचान का

एहसास हुआ, किसी पारलौकिक और आवश्यक व्यक्ति के साथ पुनर्मिलन का अहसास हुआ।
उन्होंने कहा: “मुझे अपने सामान की जाँच करने दीजिए, मैं बाद में इसका ध्यान रखूंगा; मेरी कार बाहर खड़ी है।”
उसने उसे चेक सौंप दिए और उसने उन्हें अपनी जेब में रख लिया।
वे जानते थे कि उन्हें मुड़कर प्लेटफार्म पर चढ़कर निकास द्वार की ओर जाना होगा, लेकिन दोनों द्वारा पहले से लिए गए निर्णय उसी क्षण टूट गए, क्योंकि वे मुड़े नहीं, बल्कि खड़े रहे और एक-दूसरे को देखते रहे।
उसने पहली बार इस गड़बड़ी को सुधारने का प्रयास किया। वह हल्के से मुस्कुराया। "अगर मुझे यह कहने का अधिकार होता, तो मैं कहता कि अगर मुझे पता होता कि तुम ऐसे दिखोगे, तो मैं इंतजार बर्दाश्त नहीं कर पाता। लेकिन चूंकि मुझे ऐसा कोई अधिकार नहीं है, इसलिए मैं यह नहीं कहूंगा।"
वह हंस पड़ी। “ठीक है, गेल। वह भी एक तरह का दिखावा ही था—”
हमारा बहुत ही लापरवाह रवैया। इससे चीजें कम महत्वपूर्ण नहीं, बल्कि अधिक महत्वपूर्ण हो जाती हैं, है ना? चलो जो चाहें कह लें।
“मैं तुमसे प्यार करता हूँ,” उसने भावहीन स्वर में कहा, मानो ये शब्द दर्द की अभिव्यक्ति हों और उसे संबोधित न हों।
"गेल, तुम्हारे साथ वापस आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे नहीं पता था कि ऐसा होगा, लेकिन मुझे खुशी है।"
“किस तरह से, डोमिनिक?”
मुझे नहीं पता। शायद आपसे फैलने वाले संक्रमण की तरह। एक तरह से अंतिम रूप देने वाली और शांति देने वाली अनुभूति।
फिर उन्होंने गौर किया कि यह बात एक भीड़भाड़ वाले प्लेटफार्म के बीचोंबीच कही गई थी, जहां लोग और सामान रखने वाले रैक तेजी से गुजर रहे थे।
वे सड़क पर निकले, उसकी कार की ओर। उसने नहीं पूछा कि वे कहाँ जा रहे हैं; और उसे परवाह भी नहीं थी। वह चुपचाप उसके बगल में बैठी रही। वह दुविधा में थी, उसका अधिकांश भाग विरोध न करने की इच्छा से भरा था, और उसका एक छोटा सा भाग इस बारे में सोच रहा था। उसे उसे गोद में उठाने की तीव्र इच्छा हो रही थी—बिना किसी आकलन के आत्मविश्वास की भावना, एक सुखद आत्मविश्वास नहीं, बल्कि आत्मविश्वास। थोड़ी देर बाद, उसने देखा कि उसका हाथ उसके हाथ में था, उसकी दस्ताने वाली उंगलियां उसकी उंगलियों से सटी हुई थीं, केवल उसकी नंगी कलाई का एक छोटा सा हिस्सा उसकी त्वचा से लगा हुआ था। उसने ध्यान नहीं दिया था कि उसने उसका हाथ पकड़ा था; यह इतना स्वाभाविक लग रहा था और वह उसे देखते ही यही चाहती थी। लेकिन उसने खुद को ऐसा चाहने नहीं दिया।
“हम कहां जा रहे हैं, गेल?” उसने पूछा।
“लाइसेंस प्राप्त करने के लिए। फिर न्यायाधीश के कार्यालय में। शादी करने के लिए।”
वह धीरे-धीरे उठी और उसकी ओर मुड़ी। उसने अपना हाथ नहीं हटाया, लेकिन उसकी उंगलियां अकड़ गईं, मानो सजग हो गईं, मानो उससे अलग हो गई हों।
“नहीं,” उसने कहा।
वह मुस्कुराई और जानबूझकर, एक निश्चित सटीकता के साथ, बहुत देर तक अपनी मुस्कान को बरकरार रखी। वह उसे शांत भाव से देखता रहा।
“मुझे एक असली शादी चाहिए, गेल। मैं इसे शहर के सबसे आलीशान होटल में चाहता हूँ। मुझे नक्काशीदार निमंत्रण पत्र चाहिए, मेहमान चाहिए, मेहमानों की भीड़ चाहिए, मशहूर हस्तियां चाहिए, फूल चाहिए, फ्लैश बल्ब चाहिए और न्यूजरील कैमरे चाहिए। मैं वैसी शादी चाहता हूँ जैसी जनता गैल वायनांड से उम्मीद करती है।”

उसने बिना किसी नाराजगी के, सहजता से उसकी उंगलियां छोड़ दीं। वह एक पल के लिए खोया-खोया सा लग रहा था, मानो कोई गणित का आसान सा सवाल हल कर रहा हो। फिर उसने कहा:
ठीक है। इसे व्यवस्थित करने में एक सप्ताह लगेगा। मैं इसे आज रात ही करवा सकती थी, लेकिन अगर निमंत्रण पत्र उत्कीर्ण करवाने हैं, तो हमें मेहमानों को कम से कम एक सप्ताह पहले सूचना देनी होगी। अन्यथा यह असामान्य लगेगा और आप गेल वायनांड की पारंपरिक शादी चाहती हैं। मुझे आपको होटल ले जाना होगा।
अब, आप एक हफ्ते के लिए कहाँ रह सकते हैं? मैंने इसकी योजना नहीं बनाई थी, इसलिए मैंने कोई बुकिंग नहीं कराई है। आप कहाँ रहना चाहेंगे?
आपके पेंटहाउस में।
"नहीं।"
"तो फिर नॉर्डलैंड।"
वह आगे झुककर ड्राइवर से बोला:
“द नॉर्डलैंड, जॉन।”
होटल की लॉबी में उसने उससे कहा:
“आज से एक सप्ताह बाद, मंगलवार को, दोपहर चार बजे नोयेस-बेलमोंट में आपसे मुलाकात होगी। निमंत्रण पत्र आपके पिता के नाम पर होने चाहिए। उन्हें बता देना कि मैं उनसे संपर्क करूँगा। बाकी का काम मैं संभाल लूँगा।”
उन्होंने झुककर अभिवादन किया, उनका व्यवहार अपरिवर्तित रहा, उनकी शांति में अभी भी वही विशिष्ट गुण था जो दो चीजों से मिलकर बना था: एक ऐसे व्यक्ति का परिपक्व नियंत्रण जो अपनी नियंत्रण क्षमता के बारे में इतना आश्वस्त था कि यह सहज प्रतीत हो सकता था, और घटनाओं को इस तरह स्वीकार करने की बचकानी सरलता जैसे कि उनमें कोई संभावित परिवर्तन नहीं हो सकता।
उस सप्ताह के दौरान उसकी उससे मुलाकात नहीं हुई। वह बेसब्री से उसका इंतजार करने लगी।
जब वह उसके बगल में खड़ी थी, तो उसने उसे फिर से देखा, न्यायाधीश के सामने, जिसने नोयेस-बेलमोंट होटल के रोशनी से जगमगाते बॉलरूम में छह सौ लोगों की चुप्पी के बीच विवाह समारोह के शब्द पढ़े।
उसने जिस पृष्ठभूमि की कामना की थी, वह इतनी खूबसूरती से तैयार की गई थी कि वह अपने आप में एक व्यंग्यचित्र बन गई, किसी विशिष्ट सामाजिक विवाह की नहीं, बल्कि भव्य, उत्कृष्ट और भद्दी शैली का एक अवैयक्तिक प्रतिरूप। उसने उसकी इच्छा को समझा और उसका पूर्णतया पालन किया; उसने अतिशयोक्ति से बचने का प्रयास नहीं किया, उसने समारोह को भद्दे ढंग से आयोजित नहीं किया, बल्कि उसे ठीक उसी तरह सुंदर बनाया जैसा कि प्रकाशक गेल वायनांड ने चुना होता यदि वह सार्वजनिक रूप से विवाह करना चाहता।
लेकिन गेल वायनांड सार्वजनिक रूप से शादी नहीं करना चाहती थीं।
उन्होंने स्वयं को उस परिवेश में ढाल लिया, मानो वे सौदे का हिस्सा हों, उसी शैली के अधीन हों। जब वे अंदर आए, तो उसने देखा कि वे मेहमानों की भीड़ को ऐसे देख रहे थे मानो उन्हें एहसास ही न हो कि ऐसी भीड़ किसी भव्य ओपेरा के प्रीमियर या शाही नीलामी के लिए उपयुक्त थी, न कि उनके जीवन के इस गंभीर समापन के लिए। वे बिल्कुल सटीक और अद्वितीय रूप से प्रतिष्ठित दिख रहे थे।
फिर वह उसके साथ खड़ी हो गई, उसके पीछे मौजूद भीड़ में सन्नाटा छा गया और सब उसे लालची निगाहों से घूर रहे थे, और वे दोनों एक साथ जज के सामने खड़े हो गए। उसने एक लंबी, काली पोशाक पहनी हुई थी और कलाई पर एक काले बैंड से ताजे चमेली के फूलों का गुलदस्ता बांध रखा था, जो उसका उपहार था। काले लेस वाली

टोपी के घेरे में उसका चेहरा न्यायाधीश की ओर उठा हुआ था, जो धीरे-धीरे बोल रहे थे, मानो उनके शब्द एक-एक करके हवा में गूंज रहे हों।
उसने वायनांड की ओर देखा। वह न तो उसकी ओर देख रहा था और न ही न्यायाधीश की ओर। तब उसे पता चला कि वह उस कमरे में अकेला है। उसने उस पल को थाम लिया और उस चकाचौंध, उस अभद्रता को अपने ही एक मौन शिखर में बदल दिया। वह कोई धार्मिक समारोह नहीं चाहता था, जिसका वह सम्मान नहीं करता था, और उसके सामने मंत्रोच्चार करने वाले राज्य के पदाधिकारी के प्रति तो उसका सम्मान और भी कम था—लेकिन उसने उस अनुष्ठान को शुद्ध धार्मिक अनुष्ठान बना दिया। उसने सोचा, अगर उसकी शादी रोर्क से ऐसे माहौल में हो रही होती, तो रोर्क भी इसी तरह खड़ा होता।
इसके बाद, उस भव्य स्वागत समारोह के उपहास ने उन्हें बेअसर कर दिया। उन्होंने प्रेस कैमरों के सामने उनके साथ पोज़ दिया और पत्रकारों की सभी मांगों को शालीनता से पूरा किया, जो भीड़ के भीतर एक विशेष, शोरगुल करने वाली भीड़ थी। वह उनके साथ स्वागत पंक्ति में खड़े रहे, घंटों तक उनके सामने से गुज़रती हुई हाथों की कतार से हाथ मिलाते रहे। रोशनी, ईस्टर लिली के ढेर, स्ट्रिंग ऑर्केस्ट्रा की आवाज़, लोगों की नदी जो आगे बढ़ती जा रही थी और शैंपेन तक पहुँचते ही डेल्टा में बदल गई, इन सब से वह अप्रभावित लग रहे थे; उन मेहमानों से अप्रभावित जो ऊब, ईर्ष्या, घृणा, उनके खतरनाक नाम वाले निमंत्रण के प्रति अनिच्छा से समर्पण, और सनसनीखेज जिज्ञासा से प्रेरित होकर यहाँ आए थे। ऐसा लग रहा था मानो उन्हें पता ही न हो कि वे उनके सार्वजनिक बलिदान को अपना हक समझ रहे थे, कि वे अपनी उपस्थिति को उस अवसर पर संस्कार की अनिवार्य मुहर मान रहे थे, कि सैकड़ों लोगों में से वह और उनकी दुल्हन ही ऐसे थे जिन्हें यह प्रदर्शन घिनौना लगा।
वह उसे ध्यान से देखती रही। वह चाहती थी कि वह इन सबमें आनंद ले, भले ही एक पल के लिए ही सही। काश, वह एक बार स्वीकार करे और इसमें शामिल हो जाए, उसने सोचा, काश वह न्यूयॉर्क बैनर की आत्मा को उसके सही रूप में देख सके। उसे स्वीकृति नहीं दिखी। उसे कभी-कभी दर्द का हल्का सा संकेत दिखा; यहाँ तक कि दर्द भी उस तक पूरी तरह नहीं पहुँचा। और उसने उस एकमात्र व्यक्ति के बारे में सोचा जिसे वह जानती थी जिसने एक सीमा तक ही पीड़ा सहने की बात कही थी।
जब आखिरी बधाई का सिलसिला खत्म हो गया, तो वे समारोह के नियमों के अनुसार जाने के लिए स्वतंत्र थे। लेकिन उसने जाने की कोई इच्छा नहीं जताई। वह जानती थी कि वह उसके फैसले का इंतजार कर रहा है। वह उससे दूर मेहमानों की भीड़ में चली गई; उसने मुस्कुराते हुए, झुककर अभिवादन किया और हाथ में शैम्पेन का गिलास लिए हुए अपमानजनक बातें सुनीं।
भीड़ में उसने अपने पिता को देखा। वे गर्वित और उदास लग रहे थे; मानो स्तब्ध हों। उन्होंने उसकी शादी की खबर को चुपचाप स्वीकार कर लिया था; उन्होंने कहा था: “मैं चाहता हूँ कि तुम खुश रहो, डोमिनिक। मैं यही दिल से चाहता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वह तुम्हारे लिए सही आदमी है।” उनके लहजे से लग रहा था कि वे निश्चित नहीं हैं।
उसने भीड़ में एल्सवर्थ टूही को देखा। उसने उसे अपनी ओर देखते हुए देखा और झट से नज़रें हटा लीं। वह ज़ोर से हंसना चाहती थी; लेकिन एल्सवर्थ टूही के अचानक पकड़े जाने का मामला अभी हंसने लायक महत्वपूर्ण नहीं लग रहा था।
अल्वाह स्कारेट उसकी ओर बढ़ा। वह चेहरे पर उचित भाव लाने की नाकाम कोशिश कर रहा था, लेकिन उसके चेहरे पर दुख और उदासी साफ़ झलक रही थी।
उसने उसकी खुशी के लिए अपनी शुभकामनाएँ बुदबुदाईं, लेकिन फिर उसने स्पष्ट और तीव्र क्रोध के साथ कहा:
"लेकिन क्यों, डोमिनिक? क्यों?"

उसे यकीन नहीं हो रहा था कि अल्वाह स्कारेट खुद को उस सवाल के आंशिष्ट अथ को स्वीकार करने देगा। उसने ठंडे स्वर में पूछा:
“अल्वाह, तुम किस बारे में बात कर रहे हो?”
"बेशक, वीटो का अधिकार।"
“कौन सा वीटो?”
“आप अच्छी तरह जानते हैं कि वीटो क्या होता है। अब मैं आपसे पूछता हूँ, शहर के सारे अखबार यहाँ मौजूद हैं, हर एक अखबार, यहाँ तक कि सबसे घटिया टैब्लॉइड भी, और यहाँ तक कि न्यूज़ एजेंसी भी—बैनर को छोड़कर सब कुछ! वायनांड अखबारों को छोड़कर सब कुछ! मैं लोगों को क्या बताऊँ? मैं कैसे समझाऊँ?”
क्या आप अपने पूर्व सहकर्मी के साथ ऐसा व्यवहार करने के लिए स्वतंत्र हैं?
"अल्वाह, बेहतर होगा कि तुम इसे दोहरा लो।"
“क्या आपका मतलब यह है कि आपको नहीं पता था कि गेल हमारे किसी भी लड़के को यहाँ आने नहीं देगी? कि कल हमारे पास कोई कहानी नहीं होगी, एक भी पृष्ठ नहीं, एक भी तस्वीर नहीं, पृष्ठ अठारह पर केवल दो पंक्तियाँ होंगी?”
“नहीं,” उसने कहा, “मुझे इसके बारे में पता नहीं था।”
जब वह उससे मुंह मोड़कर अचानक मुड़ी तो उसे आश्चर्य हुआ। उसने शैम्पेन का गिलास पहले व्यक्ति को थमा दिया।
सामने एक अजनबी दिखा, जिसे उसने गलती से वेटर समझ लिया। वह भीड़ को चीरते हुए वायनांड की ओर बढ़ी।
“चलो चलते हैं, गेल।”
"हाँ मेरे प्रिय।"
वह अविश्वास से उसके पेंटहाउस के ड्राइंग रूम के बीच में खड़ी थी, यह सोचकर कि यह जगह अब उसका घर है और यह उसका घर होने के लिए कितना सही लगता है। वह उसे देखता रहा। उसमें उससे बात करने या उसे छूने की कोई इच्छा नहीं थी, वह बस उसे अपने घर में, यहाँ लाकर, शहर के ऊपर इतनी ऊँचाई पर ले जाकर देखता रहा; मानो उस पल का महत्व किसी के साथ साझा न किया जाए, यहाँ तक कि उसके साथ भी नहीं।
वह धीरे-धीरे कमरे में आगे बढ़ी, अपनी टोपी उतारी और मेज के किनारे पर झुक गई। वह सोच रही थी कि कम बोलने और बातों को गुप्त रखने की उसकी सामान्य इच्छा उसके सामने क्यों टूट जाती है, क्यों उसे इतनी सरल और स्पष्टवादी बातें कहने के लिए विवश होना पड़ता है, जैसी बातें वह किसी और से नहीं कह सकती।
"आखिरकार, गेल, तुम्हारी इच्छा पूरी हो गई। तुम्हारी शादी वैसे ही हुई जैसे तुम चाहती थी।"
"हां मुझे ऐसा लगता है।"
तुम्हें यातना देने की कोशिश करना व्यर्थ था।
"जी हां, बिल्कुल। लेकिन मुझे इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा।"
“तुमने नहीं किया?”
“नहीं। अगर आप यही चाहते थे तो मुझे बस अपना वादा निभाना था।”
"लेकिन तुम्हें यह बिल्कुल पसंद नहीं था, गेल।"
“बिल्कुल। इसमें क्या है? बस शुरुआत में थोड़ी मुश्किल हुई थी—जब तुमने कार में ये कहा था। उसके बाद तो मुझे अच्छा ही लगा।” उसने धीमी आवाज़ में बात की, उसकी बेबाकी से मेल खाते हुए; वो जानती थी कि वो उसे ही चुनाव करने देगा—
वह उसके तौर-तरीकों का अनुसरण करता—वह चुप रहता या वह सब कुछ स्वीकार कर लेता जो वह स्वीकार करवाना चाहती थी।
"क्यों?"

“क्या तुम्हें अपनी गलती का एहसास नहीं हुआ—अगर वह गलती थी भी तो? अगर तुम मेरे प्रति पूरी तरह उदासीन होते तो मुझे कष्ट क्यों देते?”
नहीं। यह कोई गलती नहीं थी।
"डोमिनिक, तुम एक अच्छी हार स्वीकार करने वाली हो।"
"मुझे लगता है कि यह भी आप से ही आया है, गेल। और इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ।"
"क्या?"
"आपने हमारी शादी को वायनांड अखबारों से बाहर कर दिया।"
उसने उसकी ओर देखा, उसकी आँखें एक विशेष प्रकार से सतर्क थीं, फिर वह मुस्कुराया।
"आपका इसके लिए मुझे धन्यवाद देना मेरे स्वभाव के विपरीत है।"
"ऐसा करना आपके स्वभाव के विपरीत था।"
मुझे ऐसा करना पड़ा। लेकिन मुझे लगा कि तुम गुस्सा हो जाओगे।
मुझे होना चाहिए था। लेकिन मैं नहीं था। मैं नहीं हूँ। आपका धन्यवाद।
"क्या कृतज्ञता के लिए कृतज्ञता महसूस की जा सकती है? इसे व्यक्त करना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन डोमिनिक, मैं यही महसूस करता हूँ।"
उसने अपने चारों ओर की दीवारों पर पड़ रही हल्की रोशनी को देखा। वह रोशनी कमरे का हिस्सा थी, जो दीवारों को महज़ पदार्थ या रंग से परे एक विशेष बनावट दे रही थी। उसने सोचा कि इन दीवारों के पार और भी कमरे हैं, ऐसे कमरे जिन्हें उसने कभी नहीं देखा था और जो अब उसके थे। और उसने पाया कि वह चाहती थी कि वे कमरे उसके हों।
“गेल, मैंने तुमसे यह नहीं पूछा कि अब हमें क्या करना है। क्या हम कहीं जा रहे हैं?”
क्या हम हनीमून पर जा रहे हैं? अजीब बात है, मैंने तो इसके बारे में सोचा भी नहीं। मैं सिर्फ शादी के बारे में सोच रही थी, उसके आगे कुछ नहीं। मानो बात वहीं खत्म हो गई और उसके बाद तुमने सब कुछ संभाल लिया। ये तो तुम्हारे स्वभाव के विपरीत है, गेल। लेकिन इस बार मेरे पक्ष में नहीं। निष्क्रियता अच्छी बात नहीं है। खासकर तुम्हारे लिए तो बिल्कुल नहीं।
"ऐसा हो सकता है—अगर मुझे इससे खुशी हो।"
“शायद। लेकिन यह ज़्यादा देर तक नहीं टिकेगा। नहीं, हम कहीं नहीं जा रहे हैं। जब तक कि आप जाना न चाहें।”
"नहीं।"
“तो हम यहीं रुकेंगे। अपवाद बनाने का एक और अनोखा तरीका। तुम्हारे और मेरे लिए यही सही तरीका है। हम दोनों के लिए दूर जाना हमेशा भागने जैसा रहा है। इस बार हम नहीं भागेंगे।”
“जी हां, गेल।”
जब उसने उसे गले लगाया और चूमा, तो उसकी बांह मुड़ी हुई थी, उसके शरीर और उसके शरीर के बीच दबी हुई थी, उसका हाथ उसके कंधे पर था - और उसने महसूस किया कि उसका गाल उसकी कलाई पर मुरझाए हुए चमेली के गुलदस्ते को छू रहा है, जिसकी खुशबू अभी भी बरकरार थी, अभी भी वसंत का एक नाजुक एहसास दिला रही थी।
जब वह उसके बेडरूम में दाखिल हुई, तो उसने पाया कि यह वह जगह नहीं थी जिसकी तस्वीरें उसने अनगिनत पत्रिकाओं में देखी थीं। कांच का पिंजरा तोड़ दिया गया था। उसकी जगह जो कमरा बनाया गया था, वह एक अलग ही कमरा था।
एक भी खिड़की के बिना ठोस तिजोरी। इसमें रोशनी और वातानुकूलन की व्यवस्था थी, लेकिन बाहर से न तो रोशनी आती थी और न ही हवा।

वह उसके बिस्तर पर लेटा था और उसने अपनी हथेलियों को अपने बगल में ठंडी, चिकनी चादर पर कसकर दबा रखा था, ताकि उसकी बाहें हिलकर उसे छू न सकें। लेकिन उसकी इस कठोर उदासीनता ने उसे बेबस गुस्से में नहीं डाला। वह समझ गया था।

वह हँसा। उसने उसे कहते सुना—उसकी आवाज़ खुरदरी, बेपरवाह, मज़ाकिया थी—"यह ठीक नहीं है, डोमिनिक।" और वह जानती थी कि यह रुकावट उनके बीच नहीं टिकेगी, कि वह इसे रोक नहीं सकती। उसने अपने शरीर में जवाब महसूस किया, भूख का जवाब, स्वीकृति का जवाब, आनंद का जवाब। उसने सोचा कि यह इच्छा का मामला नहीं था, यौन क्रिया का भी नहीं, बल्कि केवल यह कि पुरुष जीवन शक्ति है और स्त्री किसी और चीज़ का जवाब नहीं दे सकती; कि इस पुरुष में जीवन की इच्छाशक्ति है, मूल शक्ति है, और यह क्रिया केवल इसकी सबसे सरल अभिव्यक्ति है, और वह न तो क्रिया का जवाब दे रही थी और न ही पुरुष का, बल्कि उसके भीतर की उस शक्ति का जवाब दे रही थी।

"तो?" एल्सवर्थ टूही ने पूछा। "अब तुम्हें बात समझ में आई?"

वह अनौपचारिक रूप से स्कारेट की कुर्सी की पीठ से टेक लगाकर खड़ा था, और स्कारेट अपनी डेस्क के बगल में रखे डाक से भरे एक टोकरी को घूरता हुआ बैठा था।

"हजारों," स्कारेट ने आह भरते हुए कहा, "हजारों, एल्सवर्थ। तुम्हें देखना चाहिए कि लोग उसे क्या कहते हैं। उसने अपनी शादी की कहानी क्यों नहीं छापी?"

उसे किस बात की शर्म है? वह क्या छुपाना चाहता है? उसने किसी भी सभ्य पुरुष की तरह चर्च में शादी क्यों नहीं की? वह एक तलाकशुदा महिला से शादी कैसे कर सकता है? यही सवाल सब पूछ रहे हैं। हजारों लोग। और वह चिट्ठियों की तरफ देखता तक नहीं। गेल वायनांड, जिसे लोग जनमत का भूकंपमापी कहते थे।

"बिल्कुल सही," टूही ने कहा। "वह उसी तरह का आदमी था।"

"ये लीजिए एक नमूना," स्कारेट ने अपनी मेज़ से एक पत्र उठाया और जोर से पढ़ा: "मैं एक सम्मानित महिला और पाँच बच्चों की माँ हूँ और मैं निश्चित रूप से अपने बच्चों को आपके अखबार के साथ पालना नहीं चाहती। मैंने इसे चौदह वर्षों तक पढ़ा है, लेकिन अब जब आपने दिखा दिया है कि आप उस तरह के व्यक्ति हैं जिनमें कोई शालीनता नहीं है और आप विवाह की पवित्र संस्था का उपहास उड़ा रहे हैं, जो कि एक पतित स्त्री के साथ व्यभिचार करना है, जो कि दूसरे पुरुष की पत्नी है और काले वस्त्र पहनकर शादी करती है, जैसा कि उसे करना चाहिए, तो मैं अब आपका अखबार नहीं पढ़ूँगी क्योंकि आप बच्चों के लिए उपयुक्त पुरुष नहीं हैं, और मैं...

आपसे बेहद निराश हूं। आपकी बहुत ही सच्ची, श्रीमती थॉमस पार्कर।

मैंने उसे पढ़कर सुनाया। वह बस हँस पड़ा।

"हम्म," टूही ने कहा।

उसे क्या हो गया है?

"अल्वाह, यह ऐसी कोई बात नहीं थी जो उसके अंदर समा गई हो। यह तो बस एक ऐसी बात है जो आखिरकार बाहर निकल गई।"

"वैसे, क्या आपको पता है कि कई अखबारों ने उस घटिया मंदिर से डोमिनिक की नग्न मूर्ति की पुरानी तस्वीरें निकालकर शादी की खबर के साथ छाप दीं—श्रीमती वायनांड की कला में रुचि दिखाने के लिए, कमीने! गेल से बदला लेने में उन्हें कितनी खुशी हो रही है! उसे सबक सिखाने में उन्हें कितना मजा आ रहा है, कमीने! पता नहीं किसने उन्हें यह बात याद दिलाई।"

मुझे नहीं पता।

"खैर, ये तो बस एक छोटी सी बात का बतंगड़ है। कुछ हफ्तों में सब कुछ भूल जाएंगे। मुझे नहीं लगता इससे कोई खास नुकसान होगा।"

नहीं। सिर्फ यह घटना नहीं। अकेले यह घटना काफी नहीं है।

"हं? क्या आप कुछ भविष्यवाणी कर रहे हैं?"
“अल्वाह, उन पत्रों से ही यह बात स्पष्ट हो जाती है। पत्रों से नहीं, बल्कि इस बात से कि वह उन्हें नहीं पढ़ेगा।”
“अरे, ज्यादा बेवकूफी करने का भी कोई फायदा नहीं है। गेल जानती है कि कब रुकना है। छोटी सी बात का बतंगड़ मत बनाओ...” उसने टूही की तरफ देखा और उसकी आवाज बदल गई: “हे भगवान, हाँ, एल्सवर्थ, तुम सही कह रहे हो। अब हम क्या करें?”
“कुछ नहीं, मेरे दोस्त, कुछ नहीं। अभी काफी समय तक नहीं।”
टूही स्कारेट की मेज के किनारे पर बैठ गया और अपने नुकीले जूते की नोक से कपड़े धोने की टोकरी में रखे लिफाफों को उछालने लगा, जिससे उनमें सरसराहट की आवाज आने लगी। उसे स्कारेट के दफ्तर में कभी भी आने-जाने की एक सुखद आदत पड़ गई थी। स्कारेट उस पर निर्भर हो गया था।
"एल्सवर्थ," स्कारेट ने अचानक पूछा, "क्या तुम सचमुच बैनर के प्रति वफ़ादार हो?"
“अल्वाह, स्थानीय बोली में बात मत करो। कोई भी इतना रूढ़िवादी नहीं होता।”
नहीं, मेरा मतलब यही है... खैर, आप समझ ही गए होंगे कि मेरा क्या मतलब है।
मुझे तो जरा भी अंदाजा नहीं है। भला कौन अपने रोजी-रोटी के प्रति बेवफा होता है?
"हाँ, यह तो बिल्कुल... फिर भी, एल्सवर्थ, मुझे तुम बहुत पसंद हो, बस मुझे कभी यकीन नहीं होता कि तुम सिर्फ मेरी भाषा बोल रहे हो या वास्तव में अपनी भाषा में।"
“मनोवैज्ञानिक उलझनों में मत पड़ो। तुम पूरी तरह से उलझ जाओगे। तुम्हारे मन में क्या चल रहा है?”
आप अभी भी न्यू फ्रंटियर्स के लिए क्यों लिखते हैं?
"पैसे के लिए।"
"अरे, ये तो तुम्हारे लिए मामूली रकम है।"
“खैर, यह एक प्रतिष्ठित पत्रिका है। मुझे उनके लिए क्यों नहीं लिखना चाहिए?”
आपके पास मेरे खिलाफ कोई एक्सक्लूसिव जानकारी नहीं है।
नहीं, और मुझे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके लिए लिखते हैं। लेकिन न्यू फ्रंटियर्स आजकल बहुत ही मजेदार रहा है।
"किस बारे में?"
"गेल वायनांड के बारे में।"
"अरे, बकवास है, अल्वाह!"
"जी नहीं, यह बकवास नहीं है। आपने शायद ध्यान नहीं दिया, लगता है आप इसे ठीक से नहीं पढ़ते, लेकिन मुझे ऐसी चीजों का सहज ज्ञान है और मैं जानता हूँ। मुझे पता है कि कब कोई चालाक नौजवान सिर्फ व्यंग्य कर रहा है या कब कोई पत्रिका गंभीर मुद्दा उठा रही है।"
“अल्वा, तुम घबराए हुए हो और बात को बढ़ा-चढ़ाकर कह रहे हो। न्यू फ्रंटियर्स एक उदारवादी पत्रिका है और वे हमेशा से गेल वायनांड पर निशाना साधते रहे हैं। हर कोई ऐसा करता है। तुम्हें पता है, वो इस क्षेत्र में कभी बहुत लोकप्रिय नहीं रहे। लेकिन इससे उन्हें कोई नुकसान तो नहीं हुआ, है ना?”
“यह अलग है। मुझे यह पसंद नहीं है जब इसके पीछे कोई सिस्टम हो, कोई विशेष उद्देश्य हो, जैसे बहुत सारी छोटी-छोटी धाराएँ मासूमियत से बहती हुई आगे बढ़ती हैं, और जल्द ही वे एक छोटी सी धारा बन जाती हैं, और सब कुछ ठीक बैठ जाता है, और जल्द ही...”
"क्या तुम्हें उत्पीड़न का जुनून सवार हो रहा है, अल्वाह?"
“मुझे ये पसंद नहीं है। जब लोग उनकी नौकाओं, महिलाओं और कुछ नगरपालिका चुनाव घोटालों पर कटाक्ष करते थे—जो कभी साबित नहीं हुए—तब तो ठीक था,” उन्होंने जल्दबाजी में कहा। “लेकिन मुझे ये पसंद नहीं है जब आजकल लोग बुद्धिजीवियों की ये नई भाषा इस्तेमाल करने लगते हैं: गेल वायनांड, शोषक, गेल

वायनाड, पूंजीवाद का लुटेरा, गेल वायनाड, युग का बीमारी। ये सब बकवास हो है, एल्सवर्थ, बस फर्क इतनी है कि इस तरह की बकवास में भी धमाका है।"
"यह तो बस पुरानी बातों को दोहराने का आधुनिक तरीका है, इससे ज्यादा कुछ नहीं। वैसे भी, मैं किसी पत्रिका की नीति के लिए जिम्मेदार नहीं हो सकता, सिर्फ इसलिए कि मैं कभी-कभार उन्हें कोई लेख बेच देता हूँ।"
"हां, लेकिन... मैंने ऐसा नहीं सुना है।"
"आप क्या सुन रहे हैं?"
मैंने सुना है कि तुम ही उस चीज़ के लिए पैसे लगा रहे हो।
"कौन, मैं? किसके साथ?"
"खैर, आप खुद तो नहीं। लेकिन मैंने सुना है कि आपने ही शराब के आदी नौजवान रॉनी पिकरिंग को मनाकर उन्हें एक लाख डॉलर का चंदा दिलवाया था, ठीक उसी समय जब न्यू फ्रंटियर्स का भी वही हाल होने वाला था जो बाकी फ्रंटियर्स का होता है।"
"अरे यार, ये तो बस रॉनी को शहर की महंगी गलियों से बचाने के लिए किया गया था। वो लड़का बर्बादी की ओर जा रहा था। इससे उसे जीवन में एक तरह का उच्च उद्देश्य मिला। और एक लाख डॉलर का बेहतर इस्तेमाल हुआ, बजाय उन सुंदर लड़कियों के जो वैसे भी उससे ले लेतीं।"
"हाँ, लेकिन तुम उपहार में एक छोटी सी डोरी बांध सकते थे, संपादकों को चुपके से बता सकते थे कि वे गेल को परेशान करना बंद कर दें वरना।"
"द न्यू फ्रंटियर्स बैनर जैसी पत्रिका नहीं है, अल्वाह। यह सिद्धांतों पर आधारित पत्रिका है। इसके संपादकों से कोई शर्त नहीं रखी जाती और न ही उन्हें 'अन्यथा परिणाम भुगतने' के लिए कहा जाता है।"
"इस खेल में, एल्सवर्थ? तुम किसे बेवकूफ बना रहे हो?"
"अच्छा, अगर इससे आपको तसल्ली मिलेगी, तो मैं आपको कुछ ऐसा बताता हूँ जो आपने पहले कभी नहीं सुना होगा। यह बात सबको पता नहीं चलनी चाहिए थी—यह कई बिचौलियों के ज़रिए किया गया था। क्या आपको पता है कि मैंने मिशेल लेटन को बैनर अखबार का एक बड़ा हिस्सा खरीदने के लिए मना लिया था?"
"नहीं!"
"हाँ।"
"हे भगवान, एल्सवर्थ, यह तो बहुत बढ़िया है! मिशेल लेटन? हम इस तरह के जलाशय का उपयोग कर सकते हैं और... एक मिनट रुकिए। मिशेल लेटन?"
"हाँ। मिशेल लेटन को क्या हुआ है?"
"क्या वह वही छोटा लड़का नहीं है जो दादाजी के पैसे को पचा नहीं पाता था?"
"दादाजी ने उसके लिए बहुत सारा पैसा छोड़ा था।"
"हाँ, लेकिन वह एक सनकी है। वह पहले यॉगी बना, फिर शाकाहारी, फिर यूनिटेरियन, फिर नग्नतावादी—और अब वह मास्को में सर्वहारा वर्ग का महल बनाने चला गया है।"
"तो क्या हुआ?"
लेकिन हे भगवान!—हमारे शेयरधारकों में से एक 'रेड' भी है?
"मिच कम्युनिस्ट नहीं है। एक चौथाई अरब डॉलर वाला कम्युनिस्ट कैसे हो सकता है? वह तो बस एक पीला-सा गुलाबी रंग का आदमी है। ज्यादातर पीला। लेकिन दिल से एक अच्छा लड़का।"
लेकिन—झंडे पर!"
"अल्वाह, तुम एक मूर्ख हो। क्या तुम्हें समझ नहीं आता? मैंने उससे कुछ पैसे एक अच्छे, ठोस, रूढ़िवादी अखबार में लगवाए हैं। इससे उसकी रूढ़िवादी सोच दूर हो जाएगी और वह सही राह पर चल पड़ेगा। वैसे भी, वह क्या नुकसान कर सकती है? तुम्हारी प्यारी गेल ही तो उसके अखबारों को संभालती है, है ना?"
क्या गेल को इसके बारे में पता है?

नहीं। पिछले पाँच सालों में प्रेय गेल पहले की तरह सतर्क नहीं रहे हैं। और बेहतर होगा कि आप उन्हें यह बात न बताएं। गेल का रवैया तो आप देख ही रहे हैं। उन्हें थोड़ा दबाव चाहिए होगा। और आपको पैसों की ज़रूरत पड़ेगी। मिच लेटन के साथ अच्छा व्यवहार करना। वह काम आ सकते हैं।
"ऐसा है।"
“हाँ, ऐसा ही है। देखा आपने? मेरा इरादा नेक है। मैंने न्यू फ्रंटियर्स जैसी एक छोटी सी उदारवादी पत्रिका की मदद की है, लेकिन मैंने न्यूयॉर्क बैनर जैसे कट्टर रूढ़िवाद के एक बड़े गढ़ में काफी बड़ी रकम भी पहुँचाई है।”
“तो आपने ऐसा किया है। यह वाकई बहुत अच्छी बात है, खासकर यह देखते हुए कि आप खुद भी एक तरह के कट्टरपंथी हैं।”
"अब क्या आप किसी बेवफाई के बारे में बात करने वाले हैं?"
“लगता नहीं। लगता है तुम पुराने झंडे के साथ खड़े रहोगे।”
“बिल्कुल करूँगा। मुझे बैनर से बहुत प्यार है। मैं इसके लिए कुछ भी कर सकता हूँ। मैं न्यूयॉर्क बैनर के लिए अपनी जान भी दे सकता हूँ।”
आठवीं
किसी रेगिस्तानी द्वीप की धरती पर चलना एक अलग ही अनुभव प्रदान करता है। पृथ्वी के बाकी हिस्सों से जुड़े होने के बावजूद, अपने पेंटहाउस में, टेलीफोन कनेक्शन कट जाने के कारण, वायनांड और डोमिनिक को अपने नीचे की सत्तावन मंज़िलों का कोई आभास नहीं था, ग्रेनाइट से टिके स्टील के खंभों का भी नहीं—और उन्हें ऐसा लग रहा था मानो उनका घर अंतरिक्ष में टिका हुआ हो, कोई द्वीप नहीं, बल्कि एक ग्रह। शहर उनके लिए एक दोस्ताना दृश्य बन गया, एक ऐसी अमूर्तता जिससे किसी भी प्रकार का संवाद स्थापित नहीं किया जा सकता था, आकाश की तरह, एक ऐसा नज़ारा जिसकी प्रशंसा तो की जा सकती थी, लेकिन जिसका उनके जीवन से कोई सीधा संबंध नहीं था।
शादी के बाद दो सप्ताह तक वे पेंटहाउस से बाहर नहीं निकले।
वह जब चाहे लिफ्ट का बटन दबाकर इन हफ्तों को तोड़ सकती थी; लेकिन उसने ऐसा नहीं चाहा। उसमें विरोध करने, आश्चर्य करने या सवाल करने की कोई इच्छा नहीं थी। यह एक सम्मोहन और शांति थी।
जब वह चाहती, तो वह घंटों उससे बातें करता रहता। जब वह चाहती, तो वह चुपचाप बैठा रहता और अपनी आर्ट गैलरी में रखी वस्तुओं को उसी दूरी भरी, शांत दृष्टि से देखता रहता, जैसे वह उसे देखता था।
वह उसके हर सवाल का जवाब देता था। वह कभी सवाल नहीं पूछता था। वह कभी अपने मन की बात नहीं कहता था। जब वह अकेले रहना चाहती थी, तो वह उसे नहीं बुलाता था। एक शाम वह अपने कमरे में बैठकर पढ़ रही थी और उसने उसे बाहर अँधेरे छत वाले बगीचे की जमी हुई मुंडेर पर खड़े देखा। वह घर की तरफ पीछे मुड़कर नहीं देख रहा था, बस उसकी खिड़की से आती रोशनी की एक लकीर में खड़ा था।
दो सप्ताह बीतने पर वह अपने काम पर, बैनर के दफ्तर लौट गया। लेकिन एकांत का एहसास बना रहा, मानो एक ऐसा विषय हो जिसे घोषित कर दिया गया हो और जो उनके जीवन भर कायम रहे। शाम को वह घर आता और शहर मानो गायब हो जाता। उसे कहीं जाने की इच्छा नहीं होती थी। उसने किसी को आमंत्रित नहीं किया।
उसने कभी इसका ज़िक्र नहीं किया, लेकिन वह जानती थी कि वह उसे घर से बाहर कदम रखने देना नहीं चाहता था, न उसके साथ और न ही अकेले। यह एक दबी हुई सनक थी जिसे वह लागू करने की उम्मीद नहीं करता था। जब वह घर आता, तो पूछता: "क्या तुम बाहर गई थीं?"—कभी नहीं पूछता: "कहाँ गई थीं?" यह ईर्ष्या नहीं थी

—"कहाँ" से कोई फ़र्क नहीं पड़ता था। जब उसे जूते खरीदने होते, तो वह तीन दुकानों से जूतों का एक कलेक्शन मंगवाता था।
उसकी पसंद के कारण—उसने उसे दुकान जाने से रोक दिया। जब उसने कहा कि वह एक खास फिल्म देखना चाहती है, तो उसने छत पर एक प्रोजेक्शन रूम बनवा दिया। पहले कुछ महीनों तक उसने आज्ञा का पालन किया। जब उसे एहसास हुआ कि उसे उनका एकांत पसंद है, तो उसने तुरंत इस नियम को तोड़ दिया। उसने उसे निमंत्रण स्वीकार करने के लिए मजबूर किया और अपने घर पर मेहमानों को आमंत्रित किया। उसने बिना किसी विरोध के बात मान ली।
लेकिन उन्होंने एक ऐसी दीवार खड़ी कर रखी थी जिसे वो तोड़ नहीं सकती थीं—वो दीवार जो उन्होंने अपनी पत्नी और अपने अखबारों के बीच खड़ी की थी। उनका नाम कभी अखबारों में नहीं छपा। उन्होंने श्रीमती गेल वायनांड को सार्वजनिक जीवन में लाने के हर प्रयास को विफल कर दिया—समितियों का नेतृत्व करने, दान-पुण्य अभियान चलाने, किसी भी अभियान का समर्थन करने के लिए। अगर उनके पत्र पर आधिकारिक लेटरहेड होता जिससे उनके उद्देश्य का पता चलता, तो वो बिना जवाब दिए ही उसे नष्ट कर देते और उन्हें बता देते कि उन्होंने पत्र नष्ट कर दिया है। वो बस कंधे उचका देतीं और कुछ नहीं कहतीं।
फिर भी, ऐसा प्रतीत नहीं होता था कि वह उसके लेखों के प्रति उसकी अवहेलना से सहमत हो। उसने उसे उन पर चर्चा करने की अनुमति नहीं दी। वह यह पता नहीं लगा सकी कि वह उनके बारे में क्या सोचता है, न ही वह क्या महसूस करता है। एक बार, जब उसने एक आपत्तिजनक संपादकीय पर टिप्पणी की, तो उसने ठंडे लहजे में कहा: मैंने बैनर के लिए कभी माफी नहीं मांगी। मैं कभी नहीं मांगूंगा।
"लेकिन यह तो वाकई बहुत बुरा है, गेल।"
"मुझे लगा था कि आपने मुझसे बैनर के प्रकाशक के रूप में शादी की थी।"
मुझे लगा था कि आप इस बारे में सोचना पसंद नहीं करते।
मुझे क्या पसंद है या क्या नापसंद है, इससे आपको कोई लेना-देना नहीं है। मुझसे यह उम्मीद मत कीजिए कि मैं ध्वज को बदल दूं या उसका बलिदान कर दूं। मैं धरती पर किसी के लिए भी ऐसा नहीं करूंगा।
वह हंस पड़ी। "मैं यह सवाल नहीं पूछूंगी, गेल।"
उन्होंने जवाब में हँसी नहीं।
बैनर बिल्डिंग स्थित अपने दफ्तर में, वह एक नई ऊर्जा के साथ काम कर रहे थे, एक ऐसे उत्साहपूर्ण और जोशीले उत्साह के साथ जिसने उन लोगों को भी आश्चर्यचकित कर दिया जो उन्हें उनके सबसे महत्वाकांक्षी वर्षों में जानते थे। जरूरत पड़ने पर वह पूरी रात दफ्तर में ही रहते थे, जैसा उन्होंने लंबे समय से नहीं किया था। उनके तौर-तरीकों और नीतियों में कोई बदलाव नहीं आया था। अल्वाह स्कारेट उन्हें संतुष्टि से देख रहे थे। स्कारेट ने अपने साथी से कहा, "हम उनके बारे में गलत थे, एल्सवर्थ, यह वही पुराने गेल हैं, भगवान उनका भला करे।"
पहले से भी बेहतर।" "मेरे प्यारे अल्वाह," टूही ने कहा, "कुछ भी उतना आसान नहीं होता जितना तुम सोचते हो—और न ही उतना जल्दी।" "लेकिन वह खुश है। क्या तुम यह नहीं देख सकते?"
क्या वह खुश है? "खुश रहना उसके लिए सबसे खतरनाक बात हो सकती थी। और, एक मानवतावादी होने के नाते, मैं यह बात उसके भले के लिए कह रहा हूं।"
सैली ब्रेंट ने अपने बॉस को मात देने का फैसला किया। सैली ब्रेंट बैनर अखबार की सबसे प्रतिष्ठित हस्तियों में से एक थीं। वह एक हृष्ट-पुष्ट, अधेड़ उम्र की महिला थीं, जो इक्कीसवीं सदी के फैशन शो की मॉडल की तरह कपड़े पहनती थीं और नौकरानी की तरह लिखती थीं। बैनर के पाठकों के बीच उनकी काफी लोकप्रियता थी। उनकी लोकप्रियता ने उन्हें अति आत्मविश्वासी बना दिया था।

सैली ब्रेंट ने श्रीमती गेल वायनांड पर एक कहानी लिखने का फैसला किया। यह बिल्कुल उनके मनपसंद विषय पर आधारित कहानी थी, जो यूं ही बेकार पड़ी थी। उन्होंने वायनांड के पेंटहाउस में प्रवेश पाने के लिए उन युक्तियों का इस्तेमाल किया, जो उन्हें वायनांड की एक कुशल कर्मचारी के रूप में सिखाई गई थीं - ऐसी जगहों पर प्रवेश पाने की तरकीबें जहां कोई नहीं चाहता। उन्होंने हमेशा की तरह नाटकीय अंदाज में प्रवेश किया, काले रंग की पोशाक पहने हुए, कंधे पर ताजा सूरजमुखी का फूल लगाए - जो उनका स्थायी आभूषण बन चुका था और उनकी पहचान बन गया था - और उन्होंने डोमिनिक से हांफते हुए कहा: "श्रीमती वायनांड, मैं यहां आपके पति को धोखा देने में आपकी मदद करने आई हूं!"
फिर उसने अपनी शरारत पर आंख मारी और समझाया: "हमारे प्रिय श्री वायनांड ने आपके साथ अन्याय किया है, मेरी प्यारी, आपको आपकी उचित प्रसिद्धि से वंचित कर दिया है, जिसका कारण मैं बिल्कुल भी नहीं समझ सकती।"
लेकिन हम उसे सबक सिखा देंगे, तुम और मैं। जब हम लड़कियाँ एक साथ होती हैं तो एक आदमी क्या कर सकता है? उसे बस यह नहीं पता कि तुम कितनी अच्छी खबरें लिख सकती हो। तो बस मुझे अपनी कहानी दे दो, मैं उसे लिख दूंगी, और वह इतनी अच्छी होगी कि वह उसे छापने से खुद को रोक ही नहीं पाएगा।
डोमिनिक घर पर अकेली थी, और उसकी मुस्कान ऐसी थी जैसी सैली ब्रेंट ने पहले कभी नहीं देखी थी, इसलिए सैली के आमतौर पर पैनी नज़र के सामने सही शब्द नहीं सूझे। डोमिनिक ने उसे कहानी सुनाई। उसने ठीक वैसी ही कहानी सुनाई जिसका सैली ने सपना देखा था।
“जी हां, बिल्कुल मैं ही उनके लिए नाश्ता बनाती हूं,” डोमिनिक ने कहा। “हैम और अंडे उनकी पसंदीदा डिश है, बस सादा हैम और अंडे... ओह जी हां, मिस ब्रेंट, मैं बहुत खुश हूं। सुबह उठते ही मैं खुद से कहती हूं, ये सच नहीं हो सकता, ये बेचारी मैं नहीं हूं जो मेहमान गेल वायनांड की पत्नी बन गई हूं, जिनके पास दुनिया की सारी खूबसूरत हसीनाओं में से चुनने का मौका था। दरअसल, मैं उनसे सालों से प्यार करती हूं।”
वह मेरे लिए बस एक सपना था, एक खूबसूरत, असंभव सा सपना। और अब ऐसा लग रहा है जैसे मेरा सपना सच हो गया हो... कृपया, मिस ब्रेंट, यह संदेश ले लीजिए।

* * * * *

मेरी ओर से अमेरिका की महिलाओं के लिए: धैर्य का फल हमेशा मिलता है और प्यार बस आने ही वाला है। मुझे लगता है यह एक खूबसूरत विचार है और शायद यह दूसरी लड़कियों की भी मदद करेगा, जैसे इसने मेरी की है... हां, जीवन में मेरी बस यही इच्छा है कि मैं गेल को खुश रखूं, उसके सुख-दुख में साथ दूं, एक अच्छी पत्नी और मां बनूं।
अल्वाह स्कारेट ने कहानी पढ़ी और उसे इतना पसंद किया कि उसने सारी सावधानी छोड़ दी। "अल्वाह, इसकी एक प्रति छाप लो," सैली ब्रेंट ने उससे आग्रह किया, "बस एक प्रूफ कॉपी तैयार करवा लो और उसे उसकी मेज पर छोड़ दो। वह इसे मंज़ूर कर देगा, देखना अगर नहीं करता है तो।" उसी शाम सैली ब्रेंट को नौकरी से निकाल दिया गया। उसका महंगा अनुबंध तीन साल और चलने वाला था, लेकिन उसे पैसे देकर समाप्त कर दिया गया और उसे साफ कह दिया गया कि वह किसी भी काम से बैनर बिल्डिंग में दोबारा कभी न आए।
स्कारेट ने घबराकर विरोध किया: "गेल, तुम सैली को नौकरी से नहीं निकाल सकती! सैली को नहीं!"
"जब मैं अपने अखबार में किसी को भी अपनी मर्जी से बर्खास्त नहीं कर पाऊंगा, तो मैं इसे बंद कर दूंगा और उस इमारत को ही उड़ा दूंगा," वायनांड ने शांत भाव से कहा।
लेकिन उसके समर्थक! हम उसके समर्थकों को खो देंगे!
"उसकी जनता भाड़ में जाए।"

उस रात, खाने के समय, वायनांड ने अपनी जेब से कागज़ का एक मुड़ा हुआ बंडल निकाला—कहानी का प्रूफ कट—और बिना कुछ कहे उसे मेज के उस पार डोमिनिक के चेहरे पर फेंक दिया। वह उसके गाल पर लगा और ज़मीन पर गिर गया। उसने उसे उठाया, खोला, देखा कि वह क्या है और ज़ोर से हंस पड़ी।
सेली ब्रेंट ने गेल वायनांड के प्रेम जीवन पर एक लेख लिखा। समलैंगिक, बौद्धिक शैली में, समाजशास्त्रीय अध्ययन के संदर्भ में, लेख में ऐसी सामग्री प्रस्तुत की गई जिसे कोई भी साधारण पत्रिका स्वीकार नहीं करती।
यह न्यू फ्रंटियर्स में प्रकाशित हुआ था।
वायनांड डोमिनिक के लिए एक हार लेकर आया, जिसे उसने खास तौर पर डिज़ाइन करवाया था। यह बिना सेटिंग वाले हीरों से बना था, जो अनियमित पैटर्न में दूर-दूर जड़े हुए थे, मानो मुट्ठी भर हीरे गलती से बिखर गए हों। इन्हें सूक्ष्मदर्शी से बनाई गई प्लैटिनम की जंजीरों से जोड़ा गया था, जो मुश्किल से दिखाई देती थीं। जब उसने इसे डोमिनिक के गले में पहनाया, तो यह बेतरतीब ढंग से गिरी पानी की बूंदों जैसा लग रहा था।
वह एक दर्पण के सामने खड़ी थी। उसने अपने कंधों से अपना ड्रेसिंग गाउन उतार दिया और बारिश की बूंदों को अपनी त्वचा पर चमकने दिया। उसने कहा:
“ब्रोंक्स की उस गृहिणी की जीवन कहानी, जिसने अपने पति की युवा प्रेमिका की हत्या कर दी थी, बहुत घिनौनी है, गेल। लेकिन मुझे लगता है कि इससे भी कुछ ज़्यादा गंदा है—उन लोगों की जिज्ञासा जो उस जिज्ञासा को हवा देती है। दरअसल, उस गृहिणी ने ही—जिसकी तस्वीरों में टांगें पियानो बजाने वाले जैसी और गर्दन ढीली दिखती है—इस हार को मुमकिन बनाया है। यह एक खूबसूरत हार है। मुझे इसे पहनकर गर्व होगा।”
वह मुस्कुराया; उसकी आँखों की अचानक चमक में साहस का एक अजीब सा गुण था।
“यह एक दृष्टिकोण है,” उन्होंने कहा। “एक और दृष्टिकोण भी है। मुझे यह सोचना अच्छा लगता है कि मैंने मानव आत्मा के सबसे बुरे अवशेषों को लिया—उस गृहिणी के मन को और उन लोगों के मन को जो उसके बारे में पढ़ना पसंद करते हैं—और उससे तुम्हारे कंधों पर यह हार बना दिया। मुझे यह सोचना अच्छा लगता है कि मैं एक ऐसा रसायनज्ञ था जो इतनी बड़ी शुद्धि करने में सक्षम था।”
जब उसने उसकी ओर देखा तो उसे उसके चेहरे पर न तो माफी, न पछतावा, न ही नाराजगी दिखाई दी।
वह एक विचित्र दृष्टि थी; उसने इसे पहले भी देखा था; एक सरल श्रद्धा भरी दृष्टि। और इससे उसे यह अहसास हुआ कि पूजा का एक ऐसा चरण भी होता है जिसमें उपासक स्वयं श्रद्धा का पात्र बन जाता है।
अगली रात जब वह उसके ड्रेसिंग रूम में दाखिल हुआ, तब वह अपने दर्पण के सामने बैठी थी। वह झुका, उसने उसके गर्दन के पिछले हिस्से पर अपने होंठ दबाए—और उसने देखा कि उसके दर्पण के कोने पर कागज का एक चौकोर टुकड़ा चिपका हुआ है। यह उस टेलीग्राम की डिकोड की गई प्रति थी जिसने बैनर अखबार में उसके करियर का अंत कर दिया था। उस कुतिया को निकाल दो। जी डब्ल्यू
उसने अपने कंधे उचकाए और उसके पीछे सीधा खड़ा हो गया। उसने पूछा:
“तुम्हें यह कैसे मिला?”
“ऐल्सवर्थ टूही ने इसे मुझे दिया था। मुझे लगा कि इसे संरक्षित करना उचित होगा।” बेशक, मुझे नहीं पता था कि यह कभी इतना उपयुक्त साबित होगा।"
उन्होंने गंभीरता से सिर झुकाकर रचनाकार होने की बात स्वीकार की और इसके अलावा कुछ नहीं कहा।
उसे उम्मीद थी कि अगली सुबह तक वह संदेश गायब हो जाएगा। लेकिन उसने उसे छुआ तक नहीं था। उसने उसे हटाया नहीं। वह उसके दर्पण के कोने पर लगा रहा। जब वह उसे बाहों में भरता, तो वह अक्सर देखती कि उसकी नज़र उस कागज़ के टुकड़े पर जाती है। वह नहीं बता सकती थी कि वह क्या सोच रहा है।

* * * * *

वसंत ऋतु में, प्रकाशकों के एक सम्मेलन के कारण उन्हें एक सप्ताह के लिए न्यूयॉर्क से दूर जाना पड़ा। यह उनका पहला अलगाव था। जब वे लौटे तो डोमिनिक उनसे हवाई अड्डे पर मिलने आई और उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया। वह हंसमुख और सौम्य थी; उसके व्यवहार में एक ऐसा वादा छिपा था जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी, जिस पर वह भरोसा नहीं कर सकता था, और फिर भी उसने खुद को उस पर पूरी तरह से भरोसा करते हुए पाया।

जब वह अपने पेटहाउस के ड्राइंग रूम में दाखिल हुआ और सोफे पर आधा लेटकर बैठ गया, तो वह समझ गई कि वह यहीं स्थिर रहना चाहता है, अपने ही संसार की पुनः प्राप्त सुरक्षा को महसूस करना चाहता है।

उसने उसकी खुली आँखें देखीं, जो बिना किसी बचाव के उसकी ओर मंडरा रही थीं। वह सीधी खड़ी रही, तैयार। उसने कहा:

“गेल, बेहतर होगा कि तुम तैयार हो जाओ। आज रात हम थिएटर जा रहे हैं।”

वह उठकर बैठ गया। वह मुस्कुराया, उसके माथे पर उभरी हुई लकीरें साफ दिखाई दे रही थीं। उसे उसके लिए प्रशंसा की ठंडी भावना महसूस हुई: उसका नियंत्रण एकदम सही था, बस ये लकीरें नहीं। उसने कहा:

“ठीक है। ब्लैक टाई या व्हाइट टाई?”

“सफेद। मेरे पास 'नो स्किन ऑफ योर नोज' के टिकट हैं। इन्हें पाना बहुत मुश्किल था।”

यह हद से ज़्यादा था; उनके बीच चल रही इस प्रतियोगिता में यह सब कुछ बेहद हास्यास्पद लग रहा था। वह बेबसी और घृणा से खुलकर हंस पड़ा।

“हे भगवान, डोमिनिक, वो वाली नहीं!”

“क्यों, गेल, ये तो शहर का सबसे बड़ा हिट है। तुम्हारे खुद के आलोचक, जूल्स फोगलर”—वह हंसना बंद कर दिया। वह समझ गया—“ने कहा था कि ये हमारे युग का सबसे महान नाटक है। एल्सवर्थ टूही ने कहा था कि ये आने वाली नई दुनिया की ताज़ा आवाज़ है। अल्वा स्कारेट ने कहा था कि ये स्याही से नहीं, बल्कि मानवीय दया की भावना से लिखा गया है। सैली ब्रेंट—इससे पहले कि तुमने उसे नौकरी से निकाल दिया था

उसने कहा कि इसे देखकर उसे हंसी आ गई और उसकी हंसी रुक सी गई। अरे, यह तो बैनर का गाडचाइल्ड है। मुझे लगा था कि आप इसे जरूर देखना चाहेंगे।

“हां, बिल्कुल,” उन्होंने कहा।

वह उठा और कपड़े पहनने चला गया।

नो स्किन ऑफ योर नोज कई महीनों से चल रहा था।

एल्सवर्थ टूही ने अपने कॉलम में खेद व्यक्त करते हुए उल्लेख किया था कि नाटक के शीर्षक को थोड़ा बदलना पड़ा था - "मध्यम वर्ग की उस दकियानूसी रूढ़िवादिता के प्रति रियायत के रूप में जो अभी भी हमारे रंगमंच को नियंत्रित करती है।"

यह कलाकार की स्वतंत्रता में हस्तक्षेप का एक ज्वलंत उदाहरण है।

अब हमें हमारे समाज के स्वतंत्र होने के बारे में उस पुरानी बकवास को और सुनने की ज़रूरत नहीं है। मूल रूप से, इस सुंदर नाटक का शीर्षक आम लोगों की भाषा से लिया गया एक प्रामाणिक वाक्य है, जिसमें लोक अभिव्यक्ति की साहसी, सरल और प्रभावशाली शैली झलकती है।

वायनांड और डोमिनिक चौथी पंक्ति के बीच में बैठे थे, एक-दूसरे की ओर देखे बिना, नाटक सुन रहे थे। मंच पर जो कुछ हो रहा था वह महज़ घिसी-पिटी और भद्दा था; लेकिन उसके भीतर छिपी भावना ने उसे भयावह बना दिया था। बोले गए भारी-भरकम निरर्थकों में एक अजीब सा भाव था, जिसे अभिनेताओं ने किसी संक्रमण की तरह आत्मसात कर लिया था; यह उनके मुस्कुराते चेहरों में, उनकी धूर्त आवाज़ों में, उनके

बेतरतीब हाव-भावों में झलक रहा था। यह निरर्थकों का ऐसा भाव था मानो उन्हें रहस्योद्घाटन की तरह कहा जा रहा हो और उसी रूप में स्वीकृति की मांग की जा रही हो; यह भाव मासूमियत भरे अहंकार का नहीं, बल्कि जानबूझकर की गई धृष्टता का था; मानो लेखक अपने काम की प्रकृति को जानता हो और अपने दर्शकों के मन में इसे उदात्त दिखाने और इस प्रकार उनके भीतर उदात्तता की क्षमता को नष्ट करने की अपनी क्षमता पर गर्व करता हो। यह कृति अपने प्रायोजकों के फैसले को सही साबित करती थी: इसने हँसी पैदा की, यह मनोरंजक थी; यह एक अश्लील मज़ाक था, जिसे मंच पर नहीं, बल्कि दर्शकों के बीच प्रदर्शित किया गया था। यह एक ऐसा चबूतरा था जिससे एक देवता को उखाड़ फेंका गया था, और उसके स्थान पर तलवार लिए शैतान नहीं, बल्कि एक कोने में बैठा एक आवारा व्यक्ति कोका-कोला की बोतल से घूंटें ले रहा था।
दर्शक दीर्घा में सन्नाटा छा गया, मानो वे असमंजस में हों या विनम्रता से। जब कोई हँसा, तो बाकी सब भी राहत की साँस लेते हुए हँसने लगे, यह जानकर प्रसन्न हुए कि वे आनंद ले रहे हैं। जूल्स फौगलर ने किसी को प्रभावित करने की कोशिश नहीं की थी; उन्होंने बस बहुत पहले ही और कई माध्यमों से यह स्पष्ट कर दिया था कि जो कोई भी इस नाटक का आनंद नहीं ले सकता, वह मूलतः एक बेकार इंसान है। उन्होंने कहा था, "स्पष्टीकरण माँगने का कोई फायदा नहीं। या तो आप इसे पसंद करने लायक अच्छे हैं या नहीं।"
विराम के दौरान वायनांड ने एक हृष्टमंज़िला महिला को यह कहते सुना: “यह अद्भुत है। मैं इसे समझ नहीं पा रही हूँ, लेकिन मुझे ऐसा लग रहा है कि यह कुछ बहुत महत्वपूर्ण है।” डोमिनिक ने उससे पूछा: “क्या तुम जाना चाहते हो, गैल?” उसने कहा: “नहीं। हम अंत तक रुकेंगे।”
घर लौटते समय कार में वह चुप रहा। जब वे अपने ड्राइंग रूम में दाखिल हुए, तो वह इंतज़ार करता खड़ा रहा, कुछ भी सुनने और स्वीकार करने के लिए तैयार। एक पल के लिए उसे उसे बख्श देने की इच्छा हुई। उसे लगा
वह खाली और बेहद थकी हुई थी। वह उसे चोट नहीं पहुंचाना चाहती थी; वह उसकी मदद चाहती थी।
फिर उसने वही सोचा जो उसने रंगमंच पर सोचा था। उसने सोचा कि यह नाटक बैनर की रचना है, यही वह चीज़ है जिसे बैनर ने जीवन दिया है, पोषित किया है, कायम रखा है और विजयी बनाया है।
और स्टोडार्ड मंदिर के विनाश की शुरुआत और अंत बैनर अखबार ने ही किया था...
न्यूयॉर्क बैनर, 2 नवंबर, 1930
—“वन स्मॉल वॉइस”—“सैक्रिलेज” एल्सवर्थ एम. टूही द्वारा—“द चर्च्स ऑफ अवर चाइल्डहुड” अल्वा स्कारेट द्वारा—“आर यू हैप्पी, मिस्टर
सुपरमैन? ...और अब वह विनाश कोई बीती हुई घटना नहीं थी—यह दो परस्पर अतुलनीय संस्थाओं, एक इमारत और एक नाटक के बीच तुलना नहीं थी—यह कोई दुर्घटना नहीं थी, न ही आइके, फॉगलर, टूही, खुद और रोर्क जैसे व्यक्तियों का मामला था। यह समय से परे एक प्रतियोगिता थी, दो अमूर्तताओं का संघर्ष, इमारत बनाने वाली चीज़ और नाटक को संभव बनाने वाली चीज़ें—दो शक्तियाँ, जो अचानक अपने सरल कथन में उसके सामने नग्न हो गईं—दो शक्तियाँ जो दुनिया की शुरुआत से लड़ती आ रही थीं—और हर धर्म उन्हें जानता था—और हमेशा से एक ईश्वर और एक शैतान रहे हैं—केवल मनुष्य ही अपने शैतान के स्वरूपों के बारे में इतने गलत थे—वह अकेला और विशाल नहीं था, वह अनेक, घिनौना और छोटा था। बैनर ने इस नाटक के लिए जगह बनाने के लिए स्टोडार्ड मंदिर को नष्ट कर दिया था—वह इसके अलावा कुछ और नहीं कर सकता था—कोई मध्य विकल्प नहीं था, कोई बच निकलने का रास्ता नहीं था, कोई तटस्थता नहीं थी—यह या तो एक था या दूसरा—यह हमेशा से ऐसा ही रहा है—

और इस प्रतियोगिता के कई प्रतीक थे, लेकिन कोई नाम नहीं था और कोई कथन नहीं था... रोर्क, उसने अपने भीतर चीखते हुए सुना, रोर्क... रोर्क ... रोर्क ...
“डोमिनिक... क्या बात है?”
उसने वायनांड की आवाज़ सुनी। आवाज़ धीमी और चिंतित थी। उसने कभी अपनी चिंता ज़ाहिर नहीं होने दी थी। उसने उस आवाज़ को अपने चेहरे की झलक, और वायनांड द्वारा उसके चेहरे पर देखी गई झलक के प्रतिबिंब के रूप में समझा।
वह सीधी खड़ी थी, आत्मविश्वास से भरी हुई थी, और मन ही मन बहुत शांत थी।
“मैं तुम्हारे बारे में सोच रही हूँ, गेल,” उसने कहा।
उसने इंतज़ार किया।
“तो, गेल? ऊँचाई के लिए इतना जुनून?” वह हँसी, और अपने हाथों को उन अभिनेताओं की तरह बेतरतीब ढंग से हिलाने लगी जिन्हें उन्होंने देखा था। “कहिए, गेल, क्या आपके पास जॉर्ज वाशिंगटन की तस्वीर वाला दो सेंट का डाक टिकट है? ... आपकी उम्र कितनी है, गेल? आपने कितनी मेहनत की है?
आपने मेहनत की? आपका जीवन आधा से अधिक बीत चुका है, लेकिन आज रात आपको अपना पुरस्कार मिल गया है। आपकी सर्वोच्च उपलब्धि। बेशक, कोई भी व्यक्ति अपने सर्वोच्च जुनून के बराबर कभी नहीं हो सकता। अब अगर आप प्रयास करते रहें और कड़ी मेहनत करें, तो एक दिन आप भी उस स्तर तक पहुँच जाएँगे!
वह चुपचाप खड़ा रहा, सुनता रहा, स्वीकार करता रहा।
मुझे लगता है कि आपको उस नाटक की पांडुलिपि लेकर उसे नीचे गैलरी के बीच में एक स्टैंड पर रख देना चाहिए। मुझे लगता है कि आपको अपनी नौका का नाम बदलकर 'नो स्किन ऑफ योर नोज' रख देना चाहिए। मुझे लगता है कि आपको मुझे ले जाना चाहिए——”
"अभी भी रखना।"
“—और मुझे कलाकारों में शामिल कर लो और मुझे हर शाम मैरी की भूमिका निभाने को कहो, वह मैरी जो बेघर कस्तूरी चूहे को गोद लेती है और...”
"डोमिनिक, शांत रहो।"
“तो बोलो। मैं तुम्हें बोलते हुए सुनना चाहता हूँ।”
मैंने कभी किसी के सामने खुद को सही नहीं ठहराया।
"अच्छा, तो फिर शेखी बघारो। उससे भी उतना ही अच्छा रहेगा।"
"अगर आप सुनना चाहें तो, उस नाटक ने मुझे बीमार कर दिया। जैसा कि आप जानते थे। वह ब्रोंक्स की गृहिणी के नाटक से भी बदतर था।"
"बहुत खराब।"
लेकिन मैं इससे भी बदतर कुछ सोच सकता हूँ। एक शानदार नाटक लिखना और उसे आज रात के दर्शकों के सामने हँसी-मज़ाक के लिए पेश करना। खुद को उन लोगों के हाथों शहीद होने देना जिन्हें हमने आज रात मौज-मस्ती करते देखा।
उसने देखा कि उस तक कुछ पहुंचा है; वह यह नहीं बता सका कि यह आश्चर्य का जवाब था या क्रोध का। उसे यह भी नहीं पता था कि वह इन शब्दों को कितनी अच्छी तरह समझ पाई। वह आगे बोला:
“इससे मुझे वाकई घिन आ रही थी। लेकिन बैनर के कई कामों से ऐसा ही हुआ है। आज रात तो और भी बुरा था, क्योंकि इसमें कुछ ऐसा था जो सामान्य से कहीं बढ़कर था। एक खास तरह की दुर्भावना। लेकिन अगर यह मूर्खों को पसंद आता है, तो बैनर का यही जायज़ काम है। बैनर तो मूर्खों के फायदे के लिए ही बनाया गया था। और क्या चाहते हो मुझसे?
"आज रात आपको कैसा महसूस हुआ।"
“एक तरह का छोटा नरक। क्योंकि तुम मेरे साथ वहाँ बैठी थी। तुम यही तो चाहती थी, है ना? मुझे अंतर का एहसास कराना। फिर भी, तुमने गलत अनुमान लगाया। मैंने मंच

को और देखा और सोचा, लोग ऐसे ही होते हैं, उनकी आत्माएँ ऐसी ही होती हैं, लोकेन में —मैंने तुम्हें पा लिया है, तुम मेरी हो—और
यह अंतरे पीड़ा सहने लायक था। आज रात मैंने कष्ट सहा, जैसा कि तुम चाहते थे, लेकिन यह दर्द एक हद तक ही कम हुआ और फिर...
“चुप रहो!” वह चिल्लाई। “चुप रहो, भगवान तुम्हें नरक में भेजे!”
वे एक पल के लिए अचंभित होकर खड़े रहे। पहले वह आगे बढ़ा; वह जानता था कि उसे उसकी मदद की ज़रूरत है; उसने उसके कंधों को थाम लिया। उसने खुद को छुड़ा लिया। वह कमरे के उस पार खिड़की तक गई; वह शहर को, नीचे आग और काले रंग में फैली विशाल इमारतों को देखती रही।
कुछ देर बाद उसने भावहीन स्वर में कहा:
मुझे माफ करना, गेल।
उसने जवाब नहीं दिया।
“मुझे तुमसे वो सब कहने का कोई हक नहीं था।” वह मुड़ी नहीं, बल्कि अपनी बाहें ऊपर उठाकर खिड़की के फ्रेम को पकड़े रही। “अब हिसाब बराबर हो गया है, गेल। अगर इससे तुम्हें तसल्ली मिलेगी, तो मैंने अपना हिसाब चुका दिया है। पहले मैंने ही गलती की थी।”
“मैं नहीं चाहता कि तुम्हें पैसे वापस मिलें।” उसने धीमी आवाज़ में कहा। “डोमिनिक, क्या बात थी?”
"कुछ नहीं।"
“मेरी बातों से आपको क्या याद आया? मेरी कही हुई बातें नहीं, बल्कि कुछ और। उन शब्दों का आपके लिए क्या अर्थ था?”
"कुछ नहीं।"
“एक दर्द जो बस एक हद तक ही जाता था। बस यही वाक्य था। क्यों?” वह शहर की ओर देख रही थी। दूर उसे कॉर्ड बिल्डिंग का खंभा दिखाई दे रहा था। “डोमिनिक, मैंने देखा है कि तुम कितना सह सकती हो। अगर किसी चीज़ ने तुम्हें इतना परेशान किया है, तो वह ज़रूर बहुत भयानक होगी। मुझे जानना ही होगा। कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मैं इससे लड़ने में तुम्हारी मदद कर सकती हूँ, चाहे वह कुछ भी हो।” उसने कोई जवाब नहीं दिया। “थिएटर में, वह सिर्फ़ वह बेवकूफ़ाना नाटक ही नहीं था। आज रात तुम्हारे लिए कुछ और भी था। मैंने तुम्हारा चेहरा देखा। और फिर यहाँ भी वही हुआ। क्या बात है?”
“गेल,” उसने धीरे से कहा, “क्या तुम मुझे माफ़ कर दोगी?”
उसने एक पल बीतने दिया; वह इसके लिए तैयार नहीं था।
मुझे तुम्हें माफ़ करने की क्या जरूरत है?
“सब कुछ। और आज रात।”
“यह आपका विशेषाधिकार था। यही वह शर्त थी जिस पर आपने मुझसे शादी की थी।”
मुझसे बैनर के लिए पैसे वसूलने के लिए।"
मैं नहीं चाहता कि आप इसके लिए भुगतान करें।
"अब आपको इसकी आवश्यकता क्यों नहीं है?"
इसका भुगतान नहीं किया जा सकता।
खामोशी में वह अपने पीछे कमरे में उसके कदमों की आहट सुन रही थी।
“डोमिनिक। क्या हुआ था?”
“वह दर्द जो एक निश्चित बिंदु पर आकर रुक जाता है? कुछ नहीं। बस इतना कि तुम्हें यह कहने का कोई अधिकार नहीं था। जिन पुरुषों ने यह अधिकार व्यक्त किया है, उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है, एक ऐसी कीमत जो तुम नहीं चुका सकते। लेकिन अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अगर तुम कहना चाहो तो कहो। मुझे भी यह कहने का कोई अधिकार नहीं है।”

बात यहाँ खत्म नहीं हुई।
मुझे लगता है कि हम दोनों में बहुत कुछ समानता है। हम दोनों ने कहीं न कहीं एक ही तरह का राजद्रोह किया है। नहीं, यह एक बुरा शब्द है...
हां, मुझे लगता है कि यही सही शब्द है। यही एकमात्र शब्द है जो मेरे कहने का भाव व्यक्त करता है।
“डोमिनिक, तुम इसे महसूस नहीं कर सकती।” उसकी आवाज़ अजीब लग रही थी। वह उसकी ओर मुड़ी।
"क्यों?"
“क्योंकि आज रात मुझे यही महसूस हुआ। राजद्रोह।”
“किसके प्रति?”
मुझे नहीं पता। अगर मैं धार्मिक होता, तो मैं कहता 'भगवान'। लेकिन मैं धार्मिक नहीं हूँ।
“मेरा मतलब यही था, गेल।”
“आपको ऐसा क्यों महसूस होना चाहिए? बैनर आपका बच्चा नहीं है।”
“इसी तरह के अपराधबोध के अन्य रूप भी हैं।”
फिर वह लंबे कमरे को पार करते हुए उसके पास गया, उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया और कहा:
“तुम जिन शब्दों का इस्तेमाल करते हो, उनका मतलब तुम्हें पता नहीं है। हम दोनों में बहुत कुछ समान है, लेकिन यह नहीं। इससे बेहतर है कि तुम मुझ पर थूकते रहो, बजाय इसके कि मेरी गलतियों को सुधारने की कोशिश करो।”
उसने अपना हाथ उसके गाल पर टिका दिया, उसकी उंगलियों के सिरे उसकी कनपटी पर थे।
उन्होंने पूछा:
"क्या आप मुझे अभी बताएंगे कि वह क्या था?"
“कुछ नहीं। मैंने अपनी क्षमता से अधिक काम अपने हाथ में ले लिया था। तुम थक गई हो, गेल।”
आप ऊपर क्यों नहीं चले जाते? मुझे थोड़ी देर यहीं छोड़ दीजिए। मैं बस शहर देखना चाहता हूँ। फिर मैं आपके पास आ जाऊँगा और सब ठीक हो जाएगा।
नौवीं
डोमिनिक नौका के डेक पर रेलिंग के पास खड़ी थी।
उसकी फ्लैट सैंडल के नीचे गर्माहट थी, नंगी टांगों पर धूप पड़ रही थी, हवा उसकी पतली सफेद पोशाक को उड़ा रही थी। उसने अपने सामने डेक कुर्सी पर लेटे हुए वायनांड को देखा।
उसने जहाज पर फिर से उसमें आए बदलाव के बारे में सोचा।
उसने गर्मियों की समुद्री यात्रा के दौरान कई महीनों तक उसे देखा था।
उसने उसे एक बार एक गलियारे से नीचे दौड़ते हुए देखा था; वह तस्वीर उसके दिमाग में बसी हुई थी; एक लंबा, गोरा व्यक्ति गति और आत्मविश्वास की एक लहर में आगे की ओर उछलता हुआ; उसका हाथ एक रेलिंग को पकड़े हुए था, जानबूझकर अचानक गिरने के खतरे को मोल लेते हुए, एक नई गति प्राप्त कर रहा था।
वह किसी लोकप्रिय साम्राज्य का भ्रष्ट प्रकाशक नहीं था। वह एक नौका पर सवार एक कुलीन व्यक्ति था। उसने सोचा, वह वैसा ही दिखता था जैसा युवावस्था में कुलीन वर्ग के बारे में धारणा होती है: एक शानदार प्रकार की निर्लज्जता।
उसने डेक चेयर पर बैठे उसे देखा। उसने सोचा कि आराम केवल उन्हीं लोगों में आकर्षक लगता है जिनके लिए यह एक अप्राकृतिक अवस्था होती है; तब तो शिथिलता भी एक उद्देश्य बन जाती है। वह उसके बारे में सोचने लगी; गेल वायनांड, जो अपनी असाधारण क्षमता के लिए प्रसिद्ध थे; लेकिन यह केवल एक महत्वाकांक्षी साहसी

व्यक्ति को शक्ति नहीं थी जिसने समाचार पत्रों की एक श्रृंखला बनाई थी; यह—वह गुण जो उसने उसमें देखा—सूरज की रोशनी में फैला हुआ, मानो कोई उत्तर हो—यह कहीं अधिक महान था, एक मूल कारण, सार्वभौमिक गतिकी से उत्पन्न एक क्षमता।
“गेल,” उसने अचानक, अनैच्छिक रूप से कहा।
उसने आंखें खोलकर उसे देखा।
“काश मैंने इसकी रिकॉर्डिंग कर ली होती,” उसने आलस भरे लहजे में कहा। “आप सुनकर हैरान रह जाएँगे कि यह कैसी आवाज़ थी। यहाँ तो यह सब बेकार ही गया। मैं इसे अपने बेडरूम में सुनना चाहूँगा।”
"अगर आप चाहें तो मैं इसे वहां दोहरा दूंगा।"
“धन्यवाद, प्रियतम। और मैं वादा करता हूँ कि मैं बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बोलूंगा या बहुत ज्यादा अनुमान नहीं लगाऊंगा। तुम मुझसे प्यार नहीं करती। तुमने कभी किसी से प्यार नहीं किया।”
"आप ऐसा क्यों सोचते हैं?"
“अगर आप किसी पुरुष से प्यार करतीं, तो यह सिर्फ एक सर्कस जैसी शादी और थिएटर में एक घटिया शाम का मामला नहीं होता। आप उसे पूरी तरह से परखतीं। नरक।"
"तुम्हें यह कैसे पता चला, गेल?"
“जब से हम मिले हैं, तुम मुझे क्यों घूर रहे हो? क्योंकि मैं वो गेल वायनांड नहीं हूँ जिसके बारे में तुमने सुना है। देखो, मैं तुमसे प्यार करती हूँ। और प्यार अपवाद बनाता है। अगर तुम प्यार में होते तो तुम टूटना, कुचला जाना, आदेश मानना, हावी होना चाहते, क्योंकि लोगों के साथ तुम्हारे रिश्तों में ये सब असंभव, अकल्पनीय है।”
यह एक ऐसा उपहार होगा, एक ऐसा विशेष अवसर होगा जो आप अपने प्रिय व्यक्ति को देना चाहेंगी। लेकिन यह आपके लिए आसान नहीं होगा।
“अगर यह सच है, तो आप...”
“तब मैं कोमल और विनम्र हो जाता हूँ—आप लोगों को बहुत आश्चर्य होता है—”
क्योंकि मैं इस दुनिया का सबसे बड़ा बदमाश हूँ।
"मुझे इस बात पर यकीन नहीं है, गेल।"
“नहीं? क्या मैं अब आखिरी से पहले वाला व्यक्ति नहीं हूँ?”
"अब और नहीं।"
"जी हां, प्रियतम, वास्तव में, मैं हूं।"
आप ऐसा क्यों सोचना चाहते हैं?
“मैं ऐसा नहीं करना चाहती। लेकिन मुझे ईमानदार रहना पसंद है। यही मेरी इकलौती निजी विलासिता रही है। मेरे बारे में अपनी राय मत बदलो। मुझे वैसे ही देखते रहो जैसे तुम मुझे हमारी मुलाकात से पहले देखते थे।”
"गेल, तुम ऐसा नहीं चाहती हो।"
“मुझे क्या चाहिए, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मुझे कुछ नहीं चाहिए—सिवाय तुम्हें अपना बनाने के। बिना तुम्हारे जवाब के। बिना जवाब के ही होना चाहिए। अगर तुम मुझे बहुत गौर से देखने लगोगी, तो तुम्हें ऐसी चीजें नजर आएंगी जो तुम्हें बिल्कुल पसंद नहीं आएंगी।”
"क्या चीजें?"
“डोमिनिक, तुम बेहद खूबसूरत हो। भगवान की कृपा से ऐसा संयोग हुआ है कि एक व्यक्ति ऐसा है जो अंदर और बाहर से एक दूसरे से बिल्कुल मेल खाता है।”
"कौन सी बातें, गेल?"
“क्या आप जानते हैं कि आप वास्तव में किससे प्यार करते हैं? ईमानदारी से। असंभव से। स्वच्छ, सुसंगत, तर्कसंगत, आत्म-विश्वास से भरपूर, एकरूपता से परिपूर्ण, कलाकृति की तरह। यह केवल कला के क्षेत्र में ही पाई जा सकती है। लेकिन आप इसे

साकार रूप में देखना चाहते हैं। आप इससे प्यार करते हैं। खैर, दीखेए, मुझमें कभी कोई ईमानदारी नहीं रही।"
"गेल, तुम्हें इस बात का कितना यकीन है?"
"क्या तुम झंडा भूल गए हो?"
"बैनर भाड़ में जाए।"
"ठीक है, बैनर भाड़ में जाए। यह सुनकर अच्छा लगा। लेकिन बैनर मुख्य समस्या नहीं है। मैंने कभी किसी भी तरह की ईमानदारी का पालन नहीं किया, यह इतना महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि मुझे कभी इसकी आवश्यकता महसूस नहीं हुई। मुझे इसकी अवधारणा से नफरत है। मुझे इस विचार की धृष्टता से घृणा है।"
"डवाइट कार्सन..." उसने कहा। उसने उसकी आवाज़ में घृणा का भाव सुना।
वह हंसा। "हाँ, डवाइट कार्सन। वह आदमी जिसे मैंने खरीदा था। वह व्यक्तिवादी जो गिरोह का महिमामंडन करने वाला बन गया है और संयोग से, एक शराबी भी। मैंने ही यह किया था। यह बैनर से भी बदतर था, है ना?"
आपको उस बात की याद दिलाना पसंद नहीं है?
"नहीं।"
"लेकिन यकीनन आपने इसके बारे में बहुत कुछ सुना होगा। मैंने जिन महान आत्माओं को कुचला है, उनके बारे में। मुझे नहीं लगता कि किसी को कभी यह एहसास हुआ होगा कि मुझे ऐसा करने में कितना आनंद आता था। यह एक तरह की वासना है। एल्सवर्थ टूही या मेरे दोस्त अल्वा जैसे निकम्मों के प्रति मैं पूरी तरह उदासीन हूँ और उन्हें शांति से रहने देना चाहता हूँ। लेकिन बस मुझे कोई थोड़ा उच्च स्तर का व्यक्ति दिख जाए—और मुझे उसे भी टूही जैसा बनाना ही होगा। मुझे बनाना ही होगा। यह एक यौन इच्छा की तरह है।"
"क्यों?"
"मुझें नहीं पता।"
"वैसे, आप एल्सवर्थ टूही को गलत समझ रहे हैं।"
"शायद। आप मुझसे यह उम्मीद नहीं करते कि मैं उस घोंघे के खोल को सुलझाने में अपना दिमाग बर्बाद करूँ?"
और आप स्वयं अपने ही कथन का खंडन कर रहे हैं।
"कहाँ?"
"तुमने मुझे नष्ट करने की कोशिश क्यों नहीं की?"
"असाधारण हो तुम, डोमिनिक। मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मुझे तुमसे प्यार करना ही पड़ा।"
अगर तुम पुरुष होते तो भगवान ही तुम्हारी मदद करे।
"गेल—क्यों?"
मैंने ये सब क्यों किया?
"हाँ।"
"ताकत, डोमिनिक। बस यही एक चीज़ जो मैं हमेशा से चाहती थी। यह जानना कि ऐसा कोई पुरुष नहीं है जिसे मैं मजबूर न कर सकूँ—कुछ भी। जो मैं चाहूँ। जिस पुरुष को मैं तोड़ नहीं सकती, वही मुझे बर्बाद कर देगा। लेकिन मैंने सालों यह जानने में बिताए हैं कि मैं कितनी सुरक्षित हूँ। लोग कहते हैं कि मुझमें सम्मान की भावना नहीं है।"
मैंने जीवन में कुछ खो दिया है। खैर, मैंने बहुत कुछ नहीं खोया है, है ना? जिस चीज की मुझे कमी महसूस हुई है—वह तो अस्तित्व में ही नहीं है।
उसने सामान्य स्वर में बात की, लेकिन उसने अचानक महसूस किया कि वह इतनी एकाग्रता से सुन रही थी कि मानो कोई फुसफुसाहट भी सुन रहा हो, जिसमें एक भी शब्द छूटने का जोखिम नहीं होता।
"क्या बात है, डोमिनिक? तुम क्या सोच रही हो?"

मैं तुम्हारी बात सुन रहा हूँ, गेल।
उसने यह नहीं कहा कि वह उसकी बातों और उनके पीछे के कारण को सुन रही थी। उसे अचानक यह बात इतनी स्पष्ट हो गई कि वह इसे हर वाक्य में एक अतिरिक्त वाक्यांश की तरह सुन रही थी, भले ही उसे इस बात का कोई ज्ञान न हो कि वह क्या स्वीकार कर रहा है।
“बेईमान लोगों की सबसे बुरी बात यह है कि वे ईमानदारी को किस रूप में देखते हैं,” उन्होंने कहा। “मैं एक ऐसी महिला को जानता हूँ जिसने लगातार तीन दिनों तक एक भी बात पर अडिग नहीं रही, लेकिन जब मैंने उससे कहा कि उसमें कोई ईमानदारी नहीं है, तो वह एकदम चुप हो गई और बोली कि ईमानदारी के बारे में उसका विचार मेरे विचार से अलग है; लगता है उसने कभी कोई पैसा नहीं चुराया। खैर, उससे मुझे कोई खतरा नहीं है। मैं उससे नफरत नहीं करता। मैं उस असंभव धारणा से नफरत करता हूँ जिसे तुम इतनी शिद्दत से पसंद करते हो, डोमिनिक।”
"क्या आप?"
"मुझे इसे साबित करने में बहुत मजा आया है।"
वह उसके पास चलकर आई और उसकी कुर्सी के बगल में डेक पर बैठ गई; नंगे पैरों के नीचे तख्ते चिकने और गर्म थे। उसने सोचा कि वह उसे इतनी कोमलता से क्यों देख रही है। उसने भौंहें चढ़ाईं। वह जानती थी कि उसकी आँखों में अभी भी कुछ झलक बाकी है जो उसने समझा था—और उसने उससे नज़रें हटा लीं।
"गेल, मुझे ये सब क्यों बता रही हो? तुम नहीं चाहती कि मैं तुम्हारे बारे में ऐसा सोचूं।"
“नहीं। ऐसा नहीं है। अब क्यों बताऊँ? सच जानना चाहते हो? क्योंकि सच बताना ज़रूरी है। क्योंकि मैं तुम्हारे साथ ईमानदार रहना चाहती थी। सिर्फ़ तुम्हारे साथ और खुद के साथ। लेकिन कहीं और तुम्हें बताने की हिम्मत नहीं होती। घर पर नहीं। किनारे पर नहीं। सिर्फ़ यहीं—क्योंकि यहाँ यह सब कुछ असली नहीं लगता। है ना?”
"नहीं।"
"मुझे लगता है कि मुझे उम्मीद थी कि यहाँ आप इसे स्वीकार करेंगे - और अभी भी मेरे बारे में वैसे ही सोचेंगे जैसे आपने तब सोचा था जब आपने मेरा नाम उस तरह से लिया था जैसा मैं रिकॉर्ड करना चाहता था।"
उसने अपना सिर उसकी कुर्सी पर टिका दिया, अपना चेहरा उसके घुटनों से सटा लिया, अपने हाथ नीचे लटका दिए, उंगलियां आधी मुड़ी हुई, चमकदार तख्तों पर। वह यह नहीं दिखाना चाहती थी कि उसने आज वास्तव में उसके बारे में क्या कहा था। शरद ऋतु की एक रात, वे छत पर बने बगीचे की मुंडेर पर एक साथ खड़े होकर शहर को देख रहे थे। रोशन खिड़कियों से बनी लंबी किरणें काले आकाश से फूटती धाराओं की तरह लग रही थीं, जो एक-एक बूंद करके नीचे आग के विशाल कुंडों में समाहित हो रही थीं।
“ये रही वो विशाल इमारतें, डोमिनिक। गगनचुंबी इमारतें।”
क्या तुम्हें याद है? वे हमारे बीच की पहली कड़ी थे। हम दोनों उनसे प्यार करते हैं, तुम और मैं।
उसे लगा कि उसे ऐसा कहने के उसके अधिकार पर आपत्ति होनी चाहिए। लेकिन उसे कोई आपत्ति नहीं हुई।
“हां, गेल। मुझे उनसे प्यार हो गया है।”
उसने कॉर्ड बिल्डिंग की प्रकाश की ऊर्ध्वाधर किरणों को देखा, उसने अपनी उंगलियों को मुंडेर से उठाया, बस इतना कि दूर आकाश में उसकी अदृश्य आकृति को छू सके। उसे उससे कोई शिकायत नहीं थी।
उन्होंने कहा, "मुझे किसी व्यक्ति को गगनचुंबी इमारत के तलहटी में खड़े देखना अच्छा लगता है।"

“यह उसे चींटी से भी छोटा बना देता है—क्या यह इस मौके के लिए सही मुहावरा नहीं है? ये धिक्कार है मूर्खों पर! इसे तो इंसान ने बनाया है—पत्थर और इस्पात का यह विशाल ढांचा। यह उसे छोटा नहीं दिखाता, बल्कि उसे संरचना से भी बड़ा बना देता है। यह दुनिया के सामने उसके असली आयाम को प्रकट करता है। डोमिनिक, इन इमारतों के बारे में हमें जो सबसे ज़्यादा पसंद है, वह है रचनात्मकता, इंसान के भीतर का वीर भाव।”
"क्या तुम्हें पुरुषों में मौजूद वीरता पसंद है, गेल?"
मुझे इसके बारे में सोचनी अच्छा लगता है। लेकिन मुझे इस पर विश्वास नहीं होता।
वह दीवार से टेक लगाकर खड़ी हो गई और नीचे दूर तक फैली हरी बत्तियों को एक लंबी सीधी रेखा में देखती रही। उसने कहा:
काश मैं तुम्हें समझ पाता।
मुझे लगा कि मुझे यह बात बिल्कुल स्पष्ट कर देनी चाहिए। मैंने आपसे कभी कुछ नहीं छिपाया है।
उसने काली नदी के ऊपर अनुशासित गति से चमकते बिजली के संकेतों को देखा। फिर उसने दक्षिण की ओर दूर एक धुंधली रोशनी की ओर इशारा किया, जो नीले रंग का एक हल्का प्रतिबिंब था।
“वो बैनर बिल्डिंग है। देखो, उधर? वो नीली बत्ती। मैंने बहुत कुछ किया है, लेकिन एक चीज़ छूट गई, जो सबसे महत्वपूर्ण है।”
न्यूयॉर्क में कोई वायनांड बिल्डिंग नहीं है। किसी दिन मैं एक नई बिल्डिंग बनाऊंगा। बैनर का नया घर। यह शहर की सबसे भव्य इमारत होगी और इस पर मेरा नाम लिखा होगा। मैंने एक बेहद दयनीय जगह से शुरुआत की थी, और अखबार का नाम गजट था। मैं कुछ बेहद घटिया लोगों का सिर्फ एक मोहरा था।
लेकिन तब मैंने उस वायनांड बिल्डिंग के बारे में सोचा जो एक दिन बनकर तैयार होगी। तब से लेकर अब तक मैं इसके बारे में सोचता रहा हूं।
आपने इसे अभी तक क्यों नहीं बनाया?
मैं इसके लिए तैयार नहीं था।
"क्यों?"
“मैं अभी इसके लिए तैयार नहीं हूँ। पता नहीं क्यों। मुझे बस इतना पता है कि यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यह अंतिम प्रतीक होगा। सही समय आने पर मैं खुद समझ जाऊँगा।”
उसने पश्चिम की ओर मुड़कर देखा, जहाँ धुंधली-सी बिखरी हुई रोशनी का एक समूह दिखाई दे रहा था। उसने इशारा किया:
“मेरा जन्म यहीं हुआ था। हेल्स किचन में।” वह ध्यान से सुन रही थी; वह अपने शुरुआती दिनों के बारे में कम ही बात करता था। “जब मैं सोलह साल का था, तब मैं एक छत पर खड़ा होकर शहर को देख रहा था, बिल्कुल आज रात की तरह। और तभी मैंने तय किया कि मैं क्या बनूंगा।”
उनकी आवाज़ का लहजा उस पल को रेखांकित करते हुए एक संदेश बन गया, मानो कह रहा हो: ध्यान दो, यह महत्वपूर्ण है। उनकी ओर देखे बिना, उसने सोचा कि यही वह पल था जिसका वह इंतज़ार कर रही थी, यही उसे जवाब देगा, उसे समझने की कुंजी देगा। वर्षों पहले, गेल वायनांड के बारे में सोचते हुए, उसने सोचा था कि ऐसा व्यक्ति अपने जीवन और काम का सामना कैसे करता होगा; उसे उम्मीद थी कि उसमें घमंड और शर्म की दबी हुई भावना होगी, या फिर वह अपने अपराधबोध को खुलेआम प्रदर्शित करते हुए धृष्टता दिखाएगा। उसने उनकी ओर देखा। उनका सिर उठा हुआ था, उनकी आँखें सामने आकाश पर टिकी हुई थीं, उन्होंने उन बातों में से कुछ भी नहीं कहा जिनकी उसने उम्मीद की थी; उन्होंने इस संदर्भ में एक अविश्वसनीय गुण प्रदर्शित किया: वीरता का भाव।

वह जानती थी कि यह एक चाबी है, लेकिन इससे पहले और भी जटिल हो गई। फिर भी उसके भीतर कुछ ऐसा था जो उस चाबी का उपयोग समझता था और उसे बोलने के लिए प्रेरित करता था।
"गेल, एल्सवर्थ टूही को बर्खास्त करो।"
वह अचंभित होकर उसकी ओर मुड़ा।
"क्यों?"
“गेल, सुनो।” उसकी आवाज़ में एक ऐसी बेचैनी थी जो उसने उससे बात करते समय कभी नहीं दिखाई थी। “मैंने कभी टूही को रोकना नहीं चाहा। मैंने तो उसकी मदद भी की है। मुझे लगता था कि दुनिया उसी के लायक है। मैंने उससे... या किसी और से कुछ भी बचाने की कोशिश नहीं की। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा...
वह बैनर—वह बैनर जो उस पर सबसे अच्छी तरह जचता है—जिसे मैं उससे बचाना चाहूंगा।"
"आप पृथ्वी पर किस बारे मे बात कर रहे हैं?"
गेल, जब मैंने तुमसे शादी की थी, तब मुझे नहीं पता था कि मेरे मन में तुम्हारे लिए इस तरह की वफादारी पैदा हो जाएगी। यह मेरे अब तक के सारे कर्मों के विपरीत है, यह उन सभी बातों के विपरीत है जिन्हें मैं तुम्हें बता भी नहीं सकता—यह मेरे लिए एक तरह की त्रासदी है, एक निर्णायक मोड़ है—मुझसे यह मत पूछो कि क्यों—इसे समझने में मुझे सालों लग जाएंगे।
मुझे बस इतना पता है कि यही मेरा आपके प्रति कर्तव्य है। एल्सवर्थ टूही को बर्खास्त करो। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, उसे बाहर निकालो। तुमने इससे कहीं कम क्रूर और कम खतरनाक लोगों को भी काबू में किया है। टूही को बर्खास्त करो, उसका पीछा करो और तब तक चैन से मत बैठो जब तक तुम उसे पूरी तरह से नष्ट न कर दो।
“क्यों? तुम्हें अभी उसके बारे में क्यों सोचना चाहिए?”
क्योंकि मुझे पता है कि वह क्या चाहता है।
वह क्या चाहता है?
"वायनैंड दस्तावेजों पर नियंत्रण।"
वह जोर से हंसा; यह उपहास या आक्रोश नहीं था; बल्कि एक मूर्खतापूर्ण मजाक के सार पर शुद्ध उल्लास था।
“गेल...” उसने बेबसी से कहा।
"हे भगवान, डोमिनिक! और मैंने तो हमेशा आपके फैसले का सम्मान किया है।"
"तुमने टूही को कभी नहीं समझा।"
और मुझे इसकी परवाह भी नहीं है। क्या आप मुझे एल्सवर्थ टूही के पास जाते हुए देख सकते हैं? एक खटमल को खत्म करने के लिए टैंक? मैं एल्सी को क्यों निकालूं? वह तो मेरे लिए पैसा कमाने वाला आदमी है। लोग उसकी बकवास पढ़ना पसंद करते हैं। मैं ऐसे अच्छे जाल नहीं बिछाता। वह मेरे लिए उतना ही बेकार है जितना मक्खी पकड़ने वाला जाल।
“यही तो खतरा है। इसका एक हिस्सा है।”
“उसके इतने बड़े प्रशंसक? मेरे यहाँ तो उससे भी ज़्यादा और बेहतर प्रशंसक रहे हैं। जब उनमें से कुछ को निकाल दिया गया, तो उनका करियर वहीं खत्म हो गया। उनकी लोकप्रियता बैनर के दरवाजे पर आकर रुक गई। लेकिन बैनर चलता रहा।”
“यह उसकी लोकप्रियता नहीं है। यह उसकी खास प्रकृति है। आप उससे उसकी शर्तों पर नहीं लड़ सकते। आप सिर्फ एक टैंक हैं—और वह एक बहुत ही साफ-सुथरा, निर्दोष हथियार है। एक ईमानदार हथियार जो सबसे आगे जाता है, सब कुछ नष्ट कर देता है या हर जवाबी हमले को झेल लेता है। वह एक संक्षारक गैस है। ऐसी गैस जो फेफड़ों को खा जाती है। मुझे लगता है कि वास्तव में इसमें कोई रहस्य छिपा है।”

उसके अंदर बुराई का मूल तत्व मौजूद है। मुझे नहीं पता कि वह क्या है। लेकिन मुझे पता है कि वह इसका इस्तेमाल कैसे करता है और उसका मकसद क्या है।
"वायनैंड के कागजात पर नियंत्रण?"
"वायनैंड के दस्तावेजों पर नियंत्रण - एक लक्ष्य को प्राप्त करने के साधन के रूप में।"
“क्या अंत?”
दुनिया पर नियंत्रण।
उसने धैर्यपूर्वक घृणा व्यक्त करते हुए कहा: "यह क्या है, डोमिनिक? यह किस तरह का मज़ाक है और किसलिए?"
“मैं सच कह रहा हूँ, गेल। मैं बिल्कुल सच कह रहा हूँ।”
“मेरे प्रिय, दुनिया पर राज करने का अधिकार मुझ जैसे लोगों के पास है। इस धरती के टूही जैसे लोग इसके बारे में सपने भी नहीं देख सकते।”
मैं समझाने की कोशिश करूंगा। यह बहुत मुश्किल है। सबसे मुश्किल बात उस स्पष्ट सच्चाई को समझाना है जिसे हर किसी ने अनदेखा करने का फैसला किया है। लेकिन अगर आप सुनेंगे तो...
“मैं नहीं सुनूंगा। आप मुझे माफ कर देंगे, लेकिन एल्सवर्थ टूही को मेरे लिए खतरा मानना हास्यास्पद है। इस पर गंभीरता से चर्चा करना अपमानजनक है।”
“गेल, मैं...”
“नहीं। प्रिय, मुझे नहीं लगता कि तुम बैनर के बारे में ज़्यादा कुछ समझती हो। और मैं नहीं चाहती कि तुम समझो। मैं नहीं चाहती कि तुम इसमें ज़रा भी हिस्सा लो। भूल जाओ। बैनर का ज़िम्मा मुझ पर छोड़ दो।”
"क्या यह कोई मांग है, गेल?"
यह एक अल्टीमेटम है।
"ठीक है।"
"भूल जाओ। एल्सवर्थ टूही जैसे बड़े आदमी के बारे में डरने की कोई जरूरत नहीं है। यह तुम्हारे स्वभाव के विपरीत है।"
“ठीक है, गेल। चलो अंदर चलते हैं। बिना ओवरकोट के यहाँ तुम्हारे लिए बहुत ठंड है।”
वह धीरे से मुस्कुराया—यह उस तरह की चिंता थी जो उसने पहले कभी उसके लिए नहीं दिखाई थी। उसने उसका हाथ पकड़ा और उसकी हथेली को चूमते हुए उसे अपने चेहरे से लगा लिया।
कई हफ्तों तक, जब वे अकेले होते, तो बहुत कम बोलते और एक-दूसरे के बारे में कभी बात नहीं करते। लेकिन यह नाराजगी की चुप्पी नहीं थी; यह एक ऐसी गहरी समझ की चुप्पी थी जिसे शब्दों में बयां करना नामुमकिन था। शाम को वे एक कमरे में साथ होते, कुछ नहीं कहते, बस संतुष्ट रहते।
एक-दूसरे की उपस्थिति को महसूस करने के लिए। वे अचानक एक-दूसरे की ओर देखते और दोनों मुस्कुरा उठते, उनकी मुस्कान मानो हाथों को थामे हुए हो।
फिर एक शाम, उसे पता था कि वह बोलेगा। वह अपनी ड्रेसिंग टेबल पर बैठी थी। वह अंदर आया और उसके बगल में दीवार से टिक गया।
उसने उसके हाथों को देखा, उसके नंगे कंधों को देखा, लेकिन उसे ऐसा लगा जैसे वह उसे देख ही नहीं रहा हो; वह उसके शरीर की सुंदरता से कहीं अधिक, उसके प्रति अपने प्रेम से कहीं अधिक, किसी और चीज़ को देख रहा था; वह स्वयं को देख रहा था। और वह जानती थी कि यही एकमात्र अतुलनीय श्रद्धांजलि थी।
“मैं अपनी ज़रूरत के लिए, अपने शरीर के लिए, अपने अस्तित्व के लिए साँस लेती हूँ... मैंने तुम्हें अपना बलिदान या दया नहीं, बल्कि अपना अहंकार और अपनी नग्न ज़रूरत दी है...” उसने रोक के शब्द सुने, रोक की आवाज़ गेल वायनांड के लिए बोल रही थी—

और उसे रोक के प्रति किसी भी प्रकार के विश्वासघात का आभास नहीं हुआ, क्योंकि उसने अपने प्रेम के शब्दों का प्रयोग किसी दूसरे पुरुष के प्रेम के लिए किया था।
"गेल," उसने कोमल स्वर में कहा, "एक दिन मुझे तुमसे शादी करने के लिए माफी मांगनी पड़ेगी।"
उसने धीरे से सिर हिलाया और मुस्कुराया। उसने कहा:
“मैं चाहता था कि तुम दुनिया से मेरा सहारा बनो। लेकिन तुम मेरी रक्षा करने वाली बन गई हो। और इसी वजह से मेरा विवाह बेईमान हो गया है।”
नहीं। मैंने तुमसे कहा था कि तुम जो भी कारण चुनोगे, मैं उसे स्वीकार कर लूंगा।
“लेकिन तुमने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। या मैंने ही बदला? मुझे नहीं पता। हमने एक-दूसरे के साथ कुछ अजीब किया है। मैंने तुम्हें वो सब दे दिया जो मैं खोना चाहता था। जीने का वो खास एहसास जिसे मुझे लगा था कि ये शादी मुझसे छीन लेगी। जीवन को एक ऊँचाई पर ले जाने का एहसास। और तुमने वो सब किया जो मैं करता।”
क्या आपको पता है कि हम दोनों में कितनी समानता है?
मुझे यह बात शुरू से ही पता थी।
लेकिन यह असंभव होना चाहिए था। गेल, मैं अब तुम्हारे साथ रहना चाहता हूँ—एक और कारण से। एक जवाब की प्रतीक्षा करने के लिए। मुझे लगता है जब मैं तुम्हें समझ पाऊंगा, तब मैं खुद को समझ पाऊंगा। एक जवाब है। हम दोनों में जो समानता है, उसका एक नाम है। मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे पता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है।
“शायद। मुझे लगता है कि मुझे इसे समझना चाहिए। लेकिन मैं नहीं समझता। अब मुझे किसी चीज की परवाह नहीं है। मैं डर भी नहीं सकता।”
उसने ऊपर उसकी ओर देखा और बहुत शांत भाव से कहा:
मुझे डर लग रहा है, गेल।
“किस बात की, प्रियतम?”
मैं तुम्हारे साथ जो कर रहा हूँ, उसके बारे में।
"क्यों?"
मैं तुमसे प्यार नहीं करता, गेल।
मुझे तो इसकी भी परवाह नहीं है।
उसने अपना सिर झुका लिया और उसने नीचे उसके बालों को देखा जो पॉलिश किए हुए धातु के एक फीके हेलमेट की तरह थे।
“डोमिनिक।”
उसने आज्ञाकारी भाव से अपना चेहरा उसकी ओर उठाया।
“मैं तुमसे प्यार करता हूँ, डोमिनिक। मैं तुमसे इतना प्यार करता हूँ कि मेरे लिए कुछ भी मायने नहीं रखता—यहाँ तक कि तुम भी नहीं। क्या तुम यह समझ सकती हो? सिर्फ मेरा प्यार—तुम्हारा जवाब नहीं। तुम्हारी बेपरवाही भी नहीं। मैंने दुनिया से कभी कुछ नहीं लिया। मैंने कभी कुछ चाहा नहीं। मैंने कभी सच में कुछ चाहा ही नहीं।”
पूर्णतः, अविभाजित तरीके से नहीं, उस प्रकार की इच्छा के साथ नहीं जो एक अंतिम निर्णय बन जाती है, 'हां' या 'ना', और कोई 'ना' को स्वीकार नहीं कर सकता।
अस्तित्व खोए बिना। मेरे लिए तुम वही हो। लेकिन जब कोई उस अवस्था तक पहुँच जाता है, तो वस्तु मायने नहीं रखती, इच्छा मायने रखती है। तुम नहीं, बल्कि मैं। ऐसी इच्छा करने की क्षमता। इससे कम कुछ भी महसूस करने या सम्मान करने लायक नहीं है। और मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। डोमिनिक, मुझे कभी नहीं पता था कि किसी भी चीज़ के लिए 'मेरा' कैसे कहते हैं। उस अर्थ में नहीं जिस अर्थ में मैं तुम्हारे लिए कहता हूँ। मेरा। क्या तुमने इसे जीवन का उत्थान कहा था? तुमने कहा था। तुम समझते हो। मैं डर नहीं सकता। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, डोमिनिक—मैं तुमसे प्यार करता हूँ—तुम मुझे अब यह कहने दे रहे हो—मैं तुमसे प्यार करता हूँ।

उसने हाथ बढ़ाकर दर्पण से पत्र उठाया। उसने उसे मसल दिया, उसकी उंगलियाँ धीरे-धीरे हथेली पर रगड़ती हुई चल रही थीं। वह कागज़ के सरसराने की आवाज़ सुनता रहा। वह आगे झुका, कूड़ेदान के ऊपर हथेली खोली और कागज़ को नीचे गिरा दिया। उसकी हथेली एक पल के लिए स्थिर रही, उंगलियाँ फैली हुई थीं, नीचे की ओर झुकी हुई थीं, जैसे खुली थीं।

भाग 4

हॉवर्ड रोर्क

मैं

पत्तियाँ धूप में काँपती हुई नीचे गिर रही थीं।

वे हरे नहीं थे; जलप्रपात में बिखरे हुए कुछ ही पेड़ ऐसे थे जो हरे रंग की एक-एक बूंद की तरह चमक रहे थे, इतने चमकीले और शुद्ध कि आँखों को चुभ रहे थे; बाकी पेड़ किसी रंग के नहीं, बल्कि प्रकाश के समान थे, धातु पर आग की तरह, बिना किनारों वाली जीवंत चिंगारियों की तरह। और ऐसा लग रहा था मानो जंगल प्रकाश का एक फैलाव हो जो धीरे-धीरे उबलकर इस रंग, इस हरे रंग को उत्पन्न कर रहा हो, छोटे-छोटे बुलबुलों की तरह ऊपर उठ रहा हो, वसंत का संघनित सार। पेड़ सड़क पर झुके हुए थे, और जमीन पर सूर्य के धब्बे शाखाओं के हिलने के साथ-साथ ऐसे हिल रहे थे मानो कोई सचेत स्पर्श हो। युवक आशा कर रहा था कि उसे मरना न पड़े।

अगर धरती ऐसी दिखती, तो क्या होता? उसने सोचा। अगर उसे उम्मीद और वादे की आवाज़ सुनाई देती, शब्दों की जगह पत्तों, पेड़ों के तनों और पत्थरों की आवाज़ सुनाई देती, तो क्या होता? लेकिन वह जानता था कि धरती ऐसी इसलिए दिख रही थी क्योंकि उसे घंटों से कोई इंसान नज़र नहीं आया था; वह अकेला था, पेंसिल्वेनिया की पहाड़ियों में एक सुनसान रास्ते पर साइकिल चला रहा था, जहाँ वह पहले कभी नहीं गया था, जहाँ वह एक अछूती दुनिया के ताज़गी भरे आश्चर्य को महसूस कर सकता था।

वह बहुत ही युवा थे। उन्होंने अभी-अभी कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी—1935 की वसंत ऋतु में—और वे यह तय करना चाहते थे कि जीवन जीने लायक है या नहीं। उन्हें यह पता नहीं था कि यही सवाल उनके मन में चल रहा है। उन्होंने मृत्यु के बारे में नहीं सोचा। वे बस यही सोचते थे कि उन्हें जीवन में आनंद, उद्देश्य और अर्थ की तलाश है—और उन्हें कहीं भी ये सब नहीं मिला था।

उन्हें कॉलेज में सिखाई गई बातें पसंद नहीं आई थीं। उन्हें सामाजिक जिम्मेदारी, सेवा और त्याग के जीवन के बारे में बहुत कुछ सिखाया गया था। सभी ने कहा था कि यह सब सुंदर और प्रेरणादायक है।

लेकिन उन्हें कोई प्रेरणा नहीं मिली थी। उन्हें कुछ भी महसूस नहीं हुआ था।

वह जीवन से जो चाहता था, उसका नाम नहीं बता सका। उसे यह यहीं, इस वीरान एकांत में महसूस हुआ। लेकिन उसने प्रकृति का सामना एक स्वस्थ जानवर के आनंद से नहीं किया—एक उचित और अंतिम पड़ाव के रूप में नहीं; उसने इसका सामना एक स्वस्थ मनुष्य के आनंद से किया—एक चुनौती के रूप में; औजारों, साधनों और सामग्री के रूप में। इसलिए उसे क्रोध आया कि उसे उदात्तता केवल जंगल में ही मिल रही है, कि आशा की यह महान भावना उसके लौटने पर खो जाएगी।

पुरुष और पुरुषों का काम। उसे लगा कि यह ठीक नहीं है; कि पुरुषों का काम प्रकृति से कहीं बेहतर होना चाहिए, न कि उसे नीचा दिखाना चाहिए। वह पुरुषों को तुच्छ नहीं समझना चाहता था; वह उनसे प्रेम और प्रशंसा करना चाहता था। लेकिन रास्ते में मिलने वाले पहले घर, स्विमिंग पूल और फिल्म के पोस्टर को देखकर उसे डर लगने लगा।

उन्हें हमेशा से संगीत लिखने की इच्छा थी, और जिस चीज़ की वे तलाश कर रहे थे, उसे वे कोई और नाम नहीं दे सकते थे। उन्होंने खुद से कहा, अगर तुम जानना चाहते हो कि वह क्या है, तो त्चाइकोवस्की के पहले कॉन्सर्टो के शुरुआती वाक्यांश सुनो—या

राखमानेनॉफ के दूसरे कॉन्सर्टो का आखिरी भाग। मनुष्य को इसके लिए न तो शब्द मिले हैं, न ही कर्म, न ही विचार, लेकिन उन्हें संगीत मिल गया है। मैं इसे धरती पर मनुष्य के एक ही कार्य में देखना चाहता हूँ। मैं इसे साकार होते देखना चाहता हूँ। मैं उस संगीत के वादे का जवाब देखना चाहता हूँ।
न सेवक, न सेवक; न वेदी और न ही बलिदान; बल्कि वह अंतिम, परिपूर्ण, पीड़ा रहित अवस्था। मेरी सहायता या सेवा मत करो, बस मुझे इसे एक बार देखने दो, क्योंकि मुझे इसकी आवश्यकता है। मेरे भाइयों, मेरी खुशी के लिए काम मत करो—मुझे अपनी खुशी दिखाओ—मुझे दिखाओ कि यह संभव है—मुझे अपनी उपलब्धि दिखाओ—और यह ज्ञान मुझे अपनी खुशी के लिए साहस देगा।
आगे उसे एक नीला गड्ढा दिखाई दिया, जहाँ सड़क एक पहाड़ी की चोटी पर जाकर खत्म होती थी। वह नीला रंग ठंडा और साफ लग रहा था, मानो हरी शाखाओं के बीच पानी की एक पतली परत फैली हो। उसने सोचा, यह कितना अजीब होगा अगर मैं किनारे पर पहुँचूँ और मुझे उस नीले रंग के सिवा कुछ न मिले; आगे, ऊपर और नीचे, सिर्फ़ आसमान ही आसमान हो। उसने अपनी आँखें बंद कीं और आगे बढ़ गया, कुछ पल के लिए संभावना को भुलाकर, खुद को एक सपना देखने की छूट दी, कुछ पलों के लिए यह विश्वास किया कि वह चोटी पर पहुँचेगा, अपनी आँखें खोलेगा और नीचे आसमान की नीली चमक देखेगा।
उसका पैर ज़मीन पर पड़ा, जिससे उसकी गति रुक गई; वह रुक गया और उसने अपनी आँखें खोलीं। वह स्थिर खड़ा रहा।
नीचे फैली विशाल घाटी में, सुबह की पहली किरण में, उसने एक कस्बा देखा। लेकिन वह कस्बा नहीं था। कस्बे ऐसे नहीं दिखते। उसे कुछ देर के लिए संभावना को दरकिनार करना पड़ा, कोई सवाल या स्पष्टीकरण नहीं ढूंढना था, बस देखना था। उसके सामने पहाड़ों की ढलानों पर छोटे-छोटे घर बने हुए थे, जो नीचे की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे थे। वह जानता था कि इन ढलानों को छुआ नहीं गया था, किसी भी कृत्रिमता ने इन सीढ़ियों की अनियोजित सुंदरता को नहीं बदला था। फिर भी किसी शक्ति ने इन ढलानों पर इस तरह से निर्माण करना सीखा था कि घर अपरिहार्य हो गए, और एक
अब उनके बिना पहाड़ियों को सुंदर मानना असंभव था—मानो सदियों और संयोगों की वह श्रृंखला, जिसने महान अंध शक्तियों के संघर्ष में इन चट्टानों को जन्म दिया, अपनी अंतिम अभिव्यक्ति की प्रतीक्षा कर रही थी, मानो वह केवल एक लक्ष्य की ओर जाने वाला मार्ग थी—और वह लक्ष्य ये इमारतें थीं, पहाड़ियों का हिस्सा, पहाड़ियों द्वारा आकारित, फिर भी उन्हें अर्थ देकर उन पर शासन करती हुई।
घर साधारण पत्थरों से बने थे—जैसे हरी पहाड़ियों से निकले पत्थर—और काँच के भी, काँच की बड़ी-बड़ी चादरें इस तरह इस्तेमाल की गई थीं मानो सूरज को इमारतों को पूरा करने के लिए आमंत्रित किया गया हो, सूरज की रोशनी चिनाई का हिस्सा बन गई हो। कई घर थे, छोटे-छोटे, एक-दूसरे से कटे हुए, और कोई भी दो घर एक जैसे नहीं थे। लेकिन वे एक ही विषय पर विभिन्न रूपों की तरह थे, जैसे किसी असीम कल्पना द्वारा बजाया गया संगीत, और कोई अब भी उस शक्ति की हंसी सुन सकता था जो उन पर उकेरी गई थी, मानो वह शक्ति बेरोक-टोक दौड़ रही हो, खुद को खत्म करने की चुनौती दे रही हो, लेकिन कभी अपने अंत तक नहीं पहुंची हो। संगीत, उसने सोचा, उस संगीत का वादा जिसे उसने आमंत्रित किया था, उसका एहसास साकार हो गया—वह उसकी आँखों के सामने था—वह उसे देख नहीं रहा था—वह उसे सुरों में सुन रहा था—उसने सोचा कि विचार, दृष्टि और ध्वनि की एक सामान्य भाषा है—क्या यह गणित था?—तर्क का अनुशासन—संगीत गणित था—और वास्तुकला पत्थर में संगीत थी—वह जानता था कि उसे चक्कर आ रहा है क्योंकि उसके नीचे की यह जगह वास्तविक नहीं हो सकती।

उसने पेड़, लॉन, पहाड़ियों पर घुमावदार रास्ते, पत्थरों में तराशी हुई सीढ़ियाँ देखीं, फव्वारे, स्विमिंग पूल, टेनिस कोर्ट देखे—लेकिन जीवन का कोई निशान नहीं था। वह जगह निर्जन थी।
उसे इस बात से कोई झटका नहीं लगा, जैसा कि इसे देखकर लगा था। एक तरह से, यह उचित ही लगा; यह ज्ञात अस्तित्व का हिस्सा नहीं था। फिलहाल उसे यह जानने की कोई इच्छा नहीं थी कि यह क्या है।
काफ़ी देर बाद उसने चारों ओर नज़र घुमाई और तब उसे पता चला कि वह अकेला नहीं है। उससे कुछ कदम दूर एक आदमी एक चट्टान पर बैठा घाटी की ओर देख रहा था। वह आदमी मानो घाटी के नज़ारे में मग्न था और उसने उसके आने की आहट भी नहीं सुनी थी। वह आदमी लंबा और दुबला-पतला था और उसके बाल नारंगी रंग के थे। वह सीधे उस आदमी के पास गया, जिसने अपनी निगाहें उसकी ओर घुमाईं; आँखें धूसर और शांत थीं; लड़के को अचानक एहसास हुआ कि वे दोनों भी वही महसूस कर रहे हैं, और वह ऐसे बोल सका जैसे वह कहीं और किसी अजनबी से नहीं बोलता।
“यह असली नहीं है, है ना?” लड़के ने नीचे की ओर इशारा करते हुए पूछा।
“जी हां, अब है,” उस आदमी ने जवाब दिया।
"यह कोई फिल्म सेट या किसी तरह की कोई चाल तो नहीं है?"
“नहीं। यह एक ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट है। इसका निर्माण अभी-अभी पूरा हुआ है। यह कुछ हफ्तों में खुल जाएगा।”
इसे किसने बनाया?
“मैंने किया।”
"तुम्हारा नाम क्या है?"
“हॉवर्ड रोर्क।”
“धन्यवाद,” लड़के ने कहा। वह जानता था कि उसकी ओर स्थिर निगाहों से देख रही आंखें इन दो शब्दों का सारा अर्थ समझ गई थीं। हॉवर्ड रोर्क ने सहमति में अपना सिर झुकाया।
अपनी साइकिल को बगल में धकेलते हुए, लड़का पहाड़ी की ढलान से नीचे घाटी और नीचे बने घरों की ओर संकरे रास्ते पर चल पड़ा। रोर्क उसे देखता रहा। उसने उस लड़के को पहले कभी नहीं देखा था और न ही वह उसे फिर कभी देखेगा। उसे नहीं पता था कि उसने किसी को जीवन भर की चुनौतियों का सामना करने का साहस दिया था।
रोर्क को कभी समझ नहीं आया कि मोनाडनॉक घाटी में ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट बनाने के लिए उन्हें क्यों चुना गया था।
यह घटना डेढ़ साल पहले, 1933 की शरद ऋतु में घटी थी। उन्होंने इस परियोजना के बारे में सुना और श्री कैलेब ब्रैडली से मिलने गए, जो उस विशाल कंपनी के प्रमुख थे जिसने घाटी को खरीदा था और उसका ज़ोर-शोर से प्रचार कर रही थी। वे ब्रैडली से केवल कर्तव्यवश मिलने गए थे, बिना किसी उम्मीद के, बस अपनी अस्वीकृतियों की लंबी सूची में एक और अस्वीकृति जोड़ने के लिए। स्टोडार्ड मंदिर के बाद से उन्होंने न्यूयॉर्क में कुछ भी नहीं बनाया था।
जब वह ब्रैडली के कार्यालय में दाखिल हुआ, तो उसे पता था कि उसे मोनाडनॉक वैली को भूल जाना चाहिए क्योंकि यह आदमी उसे वह कभी नहीं देगा।
कैलेब ब्रैडली कद में छोटा और मोटा था, उसके गोल कंधों के बीच एक आकर्षक चेहरा था। उसका चेहरा समझदार और बचकाना लगता था, मानो उसकी उम्र का कोई आभास न हो; वह पचास या बीस साल का लग रहा था; उसकी नीली आँखें खाली और धूर्त तथा ऊबी हुई थीं।
लेकिन रोर्क के लिए मोनाडनॉक घाटी को भूलना मुश्किल था। इसलिए उसने इसके बारे में बात करना शुरू कर दिया, यह भूलकर कि यहाँ बोलना व्यर्थ है। श्री ब्रैडली सुन

रहे थे, जाहिर तौर पर रुचि दिखा रहे थे, लेकिन रोर्क जो कह रहा था उसमें उनकी रुचि नहीं थी। रोर्क को लगभग ऐसा महसूस हो रहा था जैसे कोई तीसरी शक्ति वहाँ मौजूद हो।
कमरा। श्री ब्रैडली ने ज़्यादा कुछ नहीं कहा, बस इतना वादा किया कि वे इस पर विचार करेंगे और उनसे संपर्क करेंगे। लेकिन फिर उन्होंने एक अजीब बात कही। उन्होंने बिना किसी स्पष्ट संकेत के, न तो स्वीकृति के भाव से और न ही तिरस्कार के साथ पूछा: "आप ही तो स्टोडार्ड मंदिर के वास्तुकार हैं, है ना, श्री रोर्क?" "हाँ," रोर्क ने कहा।
"मज़ेदार बात है कि मैंने खुद आपके बारे में नहीं सोचा," श्री ब्रैडली ने कहा। रोर्क यह सोचते हुए चले गए कि अगर श्री ब्रैडली ने उनके बारे में सोचा होता तो वाकई मज़ेदार होता।
तीन दिन बाद, ब्रैडली ने फ़ोन किया और उसे अपने कार्यालय में आमंत्रित किया। रोर्क आए और मोनाडनॉक वैली कंपनी के बोर्ड के चार अन्य सदस्यों से मिले। वे सभी सलीके से कपड़े पहने हुए थे और उनके चेहरे भी श्री ब्रैडली की तरह भावहीन थे। ब्रैडली ने विनम्रता से कहा, "श्री रोर्क, कृपया इन सज्जनों को वही बताएं जो आपने मुझे बताया था।"
रोर्क ने अपनी योजना समझाई। अगर वे मध्यम आय वर्ग के लोगों के लिए एक अनोखा ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट बनाना चाहते थे—जैसा कि उन्होंने घोषणा की थी—तो उन्हें यह समझना चाहिए कि गरीबी का सबसे बड़ा अभिशाप निजता का अभाव है; शहर के केवल बहुत अमीर या बहुत गरीब ही अपनी गर्मियों की छुट्टियां मना सकते हैं; बहुत अमीर इसलिए क्योंकि उनके पास निजी संपत्तियां होती हैं; बहुत गरीब इसलिए क्योंकि उन्हें सार्वजनिक समुद्र तटों और सार्वजनिक नृत्यस्थलों पर एक-दूसरे के शरीर के स्पर्श और गंध से कोई आपत्ति नहीं होती; अच्छे स्वाद और कम आय वाले लोगों के पास जाने के लिए कोई जगह नहीं होती, अगर उन्हें भीड़ में आराम या आनंद नहीं मिलता। यह क्यों मान लिया जाता है कि गरीबी इंसान को मवेशियों जैसी प्रवृत्ति देती है? क्यों न इन लोगों को एक ऐसी जगह दी जाए जहाँ वे एक सप्ताह या एक महीने के लिए, कम खर्च में, अपनी मनचाही और ज़रूरत की चीज़ें पा सकें? उन्होंने मोनाडनॉक घाटी देखी थी। यह संभव है। उन पहाड़ियों को मत छुओ, उन्हें विस्फोट करके समतल मत करो। एक विशाल चींटी के ढेर जैसा होटल नहीं—
लेकिन एक-दूसरे से छिपे हुए छोटे-छोटे घर, हर एक निजी संपत्ति, जहाँ लोग अपनी मर्ज़ी से मिल सकते थे या नहीं। कोई मछली बाज़ार के टैंक जैसा बड़ा स्विमिंग पूल नहीं, बल्कि कई निजी स्विमिंग पूल, जितने कंपनी चाहे उतने - वह उन्हें दिखा सकता था कि यह सस्ते में कैसे किया जा सकता है। दिखावटी लोगों के लिए कोई बड़ा टेनिस कोर्ट नहीं, बल्कि कई निजी टेनिस कोर्ट। यह ऐसी जगह नहीं जहाँ लोग "सभ्य लोगों" से मिलने और दो हफ़्ते में पति पाने के लिए जाते हों - बल्कि उन लोगों के लिए एक रिसॉर्ट, जो अपनी मौजूदगी का भरपूर आनंद लेते थे और केवल एक ऐसी जगह चाहते थे जहाँ उन्हें इसका आनंद लेने की पूरी आज़ादी हो।
वे लोग चुपचाप उसकी बात सुनते रहे। उसने देखा कि वे बीच-बीच में एक-दूसरे को देख रहे थे। उसे पूरा यकीन था कि ये वैसी ही नज़रें थीं जो लोग तब मिलाते हैं जब वे बोलने वाले पर खुलकर हंस नहीं सकते। लेकिन ऐसा नहीं हो सकता था—क्योंकि दो दिन बाद ही उसने मोनाडनॉक वैली समर रिसॉर्ट बनाने का ठेका ले लिया था।
उन्होंने अपने ड्राइंग रूम से निकलने वाले हर चित्र पर श्री ब्रैडली के शुरुआती अक्षरों की मांग की; उन्हें स्टोडार्ड मंदिर याद था।
ब्रैडली ने हस्ताक्षर किए, मुहर लगाई, सहमति दी; वह हर बात से सहमत था; उसने हर बात को मंज़ूरी दी। ऐसा लग रहा था मानो वह रोर्क को अपनी मर्ज़ी से काम करने देने में प्रसन्न हो। लेकिन इस उत्सुकता भरी सहमति में एक अजीब सा भाव छिपा था—जैसे कि मिस्टर ब्रैडली किसी बच्चे को बहला-फुसला रहे हों।

उन्हें मिस्टर ब्रैडली के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं मिल पाई। कहा जाता था कि फ्लोरिडा में रियल एस्टेट के तेज़ी के दौर में उन्होंने खूब पैसा कमाया था। उनकी मौजूदा कंपनी के पास असीमित धन प्रतीत होता था और कई धनी समर्थकों के नाम शेयरधारकों के रूप में बताए जाते थे। रोर्क उनसे कभी नहीं मिले। बोर्ड के चारों सदस्य फिर कभी नज़र नहीं आए, सिवाय निर्माण स्थल पर संक्षिप्त दौरों के, जहाँ उन्होंने कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई। मिस्टर ब्रैडली ही सब कुछ संभाल रहे थे। लेकिन बजट पर कड़ी निगरानी रखने के अलावा, ऐसा लगता था कि उन्हें रोर्क को पूरी जिम्मेदारी सौंपने से बेहतर कुछ भी पसंद नहीं था।
इसके बाद के अठारह महीनों में, रोर्क के पास मिस्टर ब्रैडली के बारे में सोचने का समय ही नहीं था। रोर्क अपने सबसे बड़े प्रोजेक्ट को पूरा करने में लगा हुआ था।
पिछले एक साल से वह निर्माण स्थल पर, एक बंजर पहाड़ी पर जल्दबाजी में बनाई गई एक झोपड़ी में रह रहा था, लकड़ी का एक छोटा सा कमरा जिसमें एक पलंग, एक चूल्हा और एक बड़ी मेज थी। उसके पुराने डिज़ाइनर फिर से उसके लिए काम करने आ गए, कुछ ने शहर में बेहतर नौकरियां छोड़कर झोपड़ियों और तंबुओं में रहने का फैसला किया, और लकड़ी के तख्तों से बनी उन बैरकों में काम करने लगे जो वास्तुकार के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होती थीं। निर्माण कार्य इतना बड़ा था कि उनमें से किसी ने भी अपने आश्रयों पर मेहनत बर्बाद करने के बारे में नहीं सोचा। उन्हें बहुत बाद में एहसास हुआ कि उन्हें सुख-सुविधाओं की कमी थी; और तब उन्हें इस बात पर यकीन भी नहीं हुआ—क्योंकि मोनाडनॉक घाटी में बिताया गया वह साल उनके मन में उस अजीब समय के रूप में बसा हुआ था जब धरती घूमना बंद कर देती थी और वे बारह महीने वसंत ऋतु में जीते थे। उन्होंने बर्फ, जमी हुई मिट्टी के ढेलों, तख्तों की दरारों से सीटी बजाती हवा, सेना के पलंगों पर पतले कंबल, सुबह कोयले के चूल्हे पर फैली अकड़ी हुई उंगलियों के बारे में नहीं सोचा, जब पेंसिल को स्थिर रूप से पकड़ना भी मुश्किल होता था।
उन्हें केवल वसंत ऋतु का वास्तविक अर्थ याद था।
घास की पहली पत्तियाँ, पेड़ों की शाखाओं पर खिलती पहली कलियों, आसमान के पहले नीले रंग के प्रति किसी की प्रतिक्रिया—वह मधुर प्रतिक्रिया, घास, पेड़ों और आसमान के प्रति नहीं, बल्कि शुरुआत की महान भावना, विजयी प्रगति की भावना, उस उपलब्धि के प्रति निश्चितता की भावना के प्रति है जिसे कोई नहीं रोक सकता। पत्तियों और फूलों से नहीं, बल्कि लकड़ी के मचानों से, स्टीम शॉवेल से, धरती से उठते पत्थर के टुकड़ों और कांच की चादरों से उन्हें यौवन, गति, उद्देश्य और पूर्णता की भावना प्राप्त होती है।
वे एक सेना थे और यह एक धर्मयुद्ध था। लेकिन स्टीवन मैलोरी को छोड़कर किसी ने भी इसे इन शब्दों में नहीं सोचा था। स्टीवन मैलोरी ने मोनाडनॉक घाटी के फव्वारे और सभी मूर्तिकला का काम किया था। लेकिन वे उस जगह पर तब रहने आए थे जब उनकी ज़रूरत नहीं थी। स्टीवन मैलोरी का मानना था कि युद्ध एक क्रूर अवधारणा है। युद्ध में कोई गौरव नहीं होता, और न ही मनुष्यों के धर्मयुद्ध में कोई सुंदरता होती है। लेकिन यह एक युद्ध था, यह एक सेना और एक जंग थी—और इसमें भाग लेने वाले हर व्यक्ति के जीवन का सर्वोच्च अनुभव था। क्यों? इस अंतर की जड़ कहाँ थी और इसे समझाने वाला नियम कहाँ था?
उसने इस बारे में किसी से बात नहीं की। लेकिन जब माइक इलेक्ट्रिशियनों के दल के साथ आया, तो उसने माइक के चेहरे पर वही भाव देखा। माइक ने कुछ नहीं कहा, लेकिन उसने मैलोरी को मुस्कुराते हुए आँख मारी। "मैंने तुमसे कहा था कि चिंता मत करो," माइक ने बिना किसी भूमिका के उससे कहा, "मुकदमे की बात कर रहा हूँ। वह हार नहीं सकता, चाहे खदानें हों या न हों, मुकदमे हों या न हों। वे उसे हरा नहीं सकते, स्टीव, वे बिल्कुल नहीं हरा सकते, पूरी दुनिया भी नहीं।"

लेकिन मैलोरी ने सोचा, वे सचमुच दुनिया को भूल चुके थे। यह एक नई धरती थी, उनकी अपनी। पहाड़ उनके चारों ओर आकाश की ओर उठते हुए, सुरक्षा की दीवार की तरह लग रहे थे। और उनके पास एक और सुरक्षा थी—वह वास्तुकार जो उनके बीच चलता था, बर्फ या पहाड़ियों की घास पर, पत्थरों और तख्तों के ढेर पर, रेखाचित्र बनाने की मेजों तक, डेरिक तक, उठती दीवारों की चोटियों तक—वह व्यक्ति जिसने इसे संभव बनाया था—उस व्यक्ति के मन का विचार—और उस विचार की विषयवस्तु नहीं, न ही परिणाम, न ही वह दृष्टि जिसने मोनाडनॉक घाटी का निर्माण किया था, न ही वह इच्छाशक्ति जिसने इसे साकार किया था—बल्कि उसके विचार की विधि, उसके कार्य करने का नियम—वह विधि और नियम जो पहाड़ियों के उस पार की दुनिया से अलग थे। जो घाटी और उसके भीतर मौजूद धर्मयोद्धाओं की रक्षा कर रहा था।
फिर उसने देखा कि मिस्टर ब्रैडली उस जगह का दौरा करने आए, उन्होंने बेजान सी मुस्कान दी और फिर चले गए। तब मैलोरी को बिना किसी कारण के गुस्सा आया। और डर।
एक रात जब वे शिविर के ऊपर पहाड़ी पर सूखी शाखाओं की आग के पास एक साथ बैठे थे, तब मैलोरी ने कहा, "हावर्ड, यह फिर से स्टोडार्ड मंदिर है।"
“हां,” रोर्क ने कहा, “मुझे ऐसा लगता है। लेकिन मैं यह नहीं समझ पा रहा हूं कि वे किस तरह से या किसलिए ऐसा चाहते हैं।”
वह पेट के बल लेट गया और नीचे अंधेरे में बिखरे हुए कांच के टुकड़ों को देखने लगा; उन पर कहीं से रोशनी पड़ रही थी और वे ज़मीन से उठते हुए फॉस्फोरसेंट, स्वतः उत्पन्न प्रकाश के झरनों की तरह दिख रहे थे। उसने कहा:
“स्टीव, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, है ना? न तो इस बात से कि वे इसके बारे में क्या करते हैं और न ही इस बात से कि कौन यहाँ रहने आता है। बस इतना ही कि हमने यह मुकाम हासिल कर लिया है। क्या तुम इसे याद करते, चाहे बाद में तुम्हें इसकी कितनी भी कीमत चुकानी पड़े?”
“नहीं,” मैलोरी ने कहा।
रोर्क खुद के लिए एक घर किराए पर लेना चाहता था और वहां गर्मियों का मौसम बिताना चाहता था, जो मोनाडनॉक घाटी के अस्तित्व में आने का पहला ग्रीष्मकाल था। लेकिन रिसॉर्ट खुलने से पहले ही उन्हें न्यूयॉर्क से एक तार मिला:
मैंने तुमसे कहा था ना कि मैं ऐसा करूंगी? अपने दोस्तों और भाइयों से छुटकारा पाने में पाँच साल लग गए, लेकिन अब एक्विटेनिया मेरा है—और तुम्हारा भी।
इसे पूरा करने के लिए आओ। केंट लैंसिंग।
इसलिए वह न्यूयॉर्क वापस चला गया—अधूरे सिम्फनी के ढांचे से मलबा और सीमेंट की धूल साफ होते देखने के लिए, सेंट्रल पार्क के ऊपर ऊंचे-ऊंचे गर्डरों को घुमाते डेरिक देखने के लिए, खिड़कियों के खाली स्थान भरे जाने देखने के लिए, शहर की छतों पर फैले चौड़े डेक देखने के लिए, और एक्विटेनिया होटल को पूरा होते देखने के लिए, जो रात में पार्क के क्षितिज में चमकता है।
पिछले दो वर्षों में वह बहुत व्यस्त रहे थे। मोनाडनॉक घाटी ही उनका एकमात्र प्रोजेक्ट नहीं था। विभिन्न राज्यों से, देश के अप्रत्याशित हिस्सों से, उनके पास काम के लिए बुलावा आया था: निजी घर, छोटे कार्यालय भवन, साधारण दुकानें। उन्होंने उन्हें बनाया था—
मोनाडनॉक घाटी से दूर-दराज के छोटे कस्बों तक ले जाने वाली ट्रेनों और विमानों में वह कुछ घंटों की नींद चुरा लेता था। उसे मिलने वाले हर काम की कहानी एक ही होती थी: "मैं न्यूयॉर्क में था और मुझे एनराइट हाउस पसंद आया।" "मैंने कॉर्ड बिल्डिंग देखी।" "मैंने उस मंदिर की तस्वीर देखी जिसे उन्होंने गिरा दिया।" ऐसा लगता था मानो देश के भीतर एक भूमिगत धारा बह रही हो और अचानक झरनों की तरह फूट पड़ती हो।

वे काम बेतरतीब ढंग से, अप्रत्याशित स्थानों पर सतह पर आ जाते थे। ये छोटे और सस्ते काम थे—लेकिन फिर भी उन्हें काम मिलता रहता था।
उस गर्मी में, मोनाडनॉक घाटी का निर्माण पूरा हो जाने के बाद, उनके पास इसके भविष्य के बारे में चिंता करने का समय नहीं था। लेकिन स्टीवन मैलोरी को इसकी चिंता थी।
“हावर्ड, वे इसका विज्ञापन क्यों नहीं करते? अचानक यह चुप्पी क्यों छा गई?”
क्या आपने गौर किया? उनके भव्य प्रोजेक्ट के बारे में कितनी चर्चा हुई, शुरू होने से पहले ही कितनी छोटी-छोटी खबरें छपीं। काम करते-करते ये सब कम होता चला गया। और अब? मिस्टर ब्रैडली और उनकी टीम एकदम चुप हो गए हैं। अब, जब उनसे प्रेस एजेंटों की अय्याशी की उम्मीद की जा रही थी। ऐसा क्यों?
रोर्क ने कहा, "मुझे नहीं पता। मैं एक आर्किटेक्ट हूं, रेंटल एजेंट नहीं।"
आपको चिंता क्यों करनी चाहिए? हमने अपना काम कर दिया है, उन्हें अपना काम अपने तरीके से करने दीजिए।
“ये तो बिलकुल ही अजीब तरीका है। क्या आपने उनके विज्ञापन देखे हैं—जो थोड़े-बहुत उन्होंने दिखाए हैं? उनमें वही सब बातें लिखी हैं जो आपने उन्हें बताईं, आराम, शांति और निजता के बारे में—लेकिन वो किस तरह से कहते हैं! क्या आप जानते हैं कि उन विज्ञापनों का असल मतलब क्या है? ‘मोनाडनॉक वैली आइए और बोरियत से मर जाइए।’ ऐसा लगता है—सचमुच ऐसा लगता है जैसे वे लोगों को दूर भगाने की कोशिश कर रहे हों।”
"मैं विज्ञापन नहीं पढ़ता, स्टीव।"
लेकिन खुलने के एक महीने के भीतर ही मोनाडनॉक वैली के सारे घर किराए पर दे दिए गए। आने वाले लोग एक अजीबोगरीब मिश्रण थे: समाज के प्रतिष्ठित पुरुष और महिलाएं जो अधिक आलीशान रिसॉर्ट्स में ठहर सकते थे, युवा लेखक और गुमनाम कलाकार, इंजीनियर, पत्रकार और कारखाने के मजदूर। अचानक, अनायास ही, लोग मोनाडनॉक वैली के बारे में बात करने लगे। इस तरह के रिसॉर्ट की ज़रूरत थी, एक ऐसी ज़रूरत जिसे पूरा करने की किसी ने कोशिश नहीं की थी। यह जगह खबरों में छा गई, लेकिन यह निजी खबर थी; अखबारों को इसकी जानकारी नहीं थी। श्री ब्रैडली के पास कोई प्रेस एजेंट नहीं थे; श्री ब्रैडली और उनकी कंपनी सार्वजनिक जीवन से गायब हो गए थे। एक पत्रिका ने बिना अनुरोध के मोनाडनॉक वैली की चार पृष्ठों की तस्वीरें छापीं और हॉवर्ड रोर्क का साक्षात्कार लेने के लिए एक व्यक्ति को भेजा। गर्मियों के अंत तक अगले वर्ष के लिए घर अग्रिम रूप से किराए पर दे दिए गए थे।
अक्टूबर में, एक सुबह तड़के, रोर्क के स्वागत कक्ष का दरवाजा अचानक खुला और स्टीवन मैलोरी अंदर घुस आया और सीधे रोर्क के कार्यालय की ओर बढ़ा। सचिव ने उसे रोकने की कोशिश की; रोर्क काम कर रहा था और किसी भी तरह की बाधा बर्दाश्त नहीं की जा सकती थी। लेकिन मैलोरी ने उसे धक्का देकर एक तरफ कर दिया और तेजी से आगे बढ़ा।
वह दफ्तर में दाखिल हुई और दरवाजा जोर से बंद कर दिया। उसने देखा कि उसके हाथ में अखबार था।
रोर्क ने ड्राइंग टेबल से उसकी ओर देखा और अपनी पेंसिल गिरा दी। वह जानता था कि जब मैलोरी ने एल्सवर्थ टूही पर गोली चलाई थी, तब उसका चेहरा भी कुछ ऐसा ही था।
"तो, हॉवर्ड? क्या तुम जानना चाहते हो कि तुम्हें मोनाडनॉक वैली क्यों मिली?"
उसने अखबार मेज पर पटक दिया। रोर्क ने तीसरे पृष्ठ पर एक खबर का शीर्षक देखा: "कैलेब ब्रैडली गिरफ्तार।"
“सब कुछ वहीं लिखा है,” मैलोरी ने कहा। “इसे मत पढ़ो। इसे पढ़कर तुम्हारी तबीयत खराब हो जाएगी।”

"ठीक है स्टीव, क्या बात है?"
उन्होंने इसका 200 प्रतिशत बेच दिया।
“किसने किया? किस चीज का?”
“ब्रैडली और उसका गिरोह। मोनाडनॉक घाटी के।” मैलोरी ने बनावटी, क्रूर और आत्म-यातनापूर्ण सटीकता के साथ कहा। “उन्होंने इसे शुरू से ही बेकार समझा। उन्हें ज़मीन लगभग मुफ़्त में मिली थी।”
उन्हें लगा कि यह जगह किसी रिसॉर्ट के लिए बिलकुल भी उपयुक्त नहीं है—दूरदराज का इलाका, आसपास न तो बसें चलती हैं और न ही सिनेमाघर—उन्हें लगा कि अभी समय सही नहीं है और जनता को यह पसंद नहीं आएगा। उन्होंने खूब शोर मचाया और कई अमीर भोले-भाले लोगों को शेयर बेच दिए—यह सरासर धोखा था।
उन्होंने पूरी जगह 200% बेच दी। उन्हें निर्माण लागत से दुगुना पैसा मिला। उन्हें पूरा यकीन थी कि यह असफल होगा। वे चाहते थे कि यह असफल हो जाए। उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें कोई मुनाफ़ा नहीं मिलेगा। जब यह जगह दिवालिया हो जाएगी, तो इससे निकलने के लिए उन्होंने एक बढ़िया योजना बना रखी थी। वे हर चीज़ के लिए तैयार थे—सिवाय इसके कि यह उस तरह की सफलता बन जाए जैसी यह आज है। और वे इसे जारी नहीं रख सकते थे—क्योंकि अब उन्हें अपने निवेशकों को हर साल इस जगह की कमाई से दुगुना पैसा चुकाना पड़ता। और यह जगह खूब कमाई कर रही है। और उन्हें लगा था कि उन्होंने निश्चित असफलता का इंतजाम कर लिया है। हॉवर्ड, क्या तुम समझते नहीं हो? उन्होंने तुम्हें सबसे खराब आर्किटेक्ट के रूप में चुना था!
रोर्क ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और हंस पड़ा।
"तुम्हें धिक्कार है, हॉवर्ड! यह मज़ाक नहीं है!"
"बैठ जाओ, स्टीव। कांपना बंद करो। तुम ऐसे लग रहे हो जैसे तुमने अभी-अभी कटे-फटे शवों का पूरा मैदान देख लिया हो।"
“मैंने देखा है। मैंने इससे भी बदतर हालात देखे हैं। मैंने जड़ देखी है। मैंने देखा है कि ऐसे खेतों का निर्माण कैसे संभव होता है। ये मूर्ख लोग किस बात को भयावह समझते हैं?”
युद्ध, हत्याएं, आगज़नी, भूकंप? इन सब को भाड़ में जाने दो! ये तो असली आतंक है—अखबार में छपी वो कहानी। यही वो चीज़ है जिससे पुरुषों को डरना चाहिए, लड़ना चाहिए, चिल्लाना चाहिए और इसे अपने इतिहास का सबसे बड़ा कलंक मानना चाहिए। हॉवर्ड, मैं सदियों से बुराई की सभी व्याख्याओं और उसके लिए सुझाए गए सभी उपायों के बारे में सोच रहा हूँ। उनमें से कोई भी कारगर नहीं हुआ। किसी ने भी किसी चीज़ की व्याख्या या इलाज नहीं किया। लेकिन बुराई की जड़— मेरा लार टपकाने वाला जानवर हॉवर्ड, वो सब उस कहानी में है। उसमें—और उन घमंडी कमीनों की आत्माओं में भी जो उसे पढ़ेंगे और कहेंगे: ‘अच्छा हुआ, प्रतिभा को तो हमेशा संघर्ष करना ही पड़ता है, ये उनके लिए अच्छा ही है’—और फिर किसी गाँव के बेवकूफ को ढूंढेंगे जो उनकी मदद करे, उन्हें टोकरी बुनना सिखाए। यही है वो घिनौना शैतान। हॉवर्ड, मोनाडनॉक के बारे में सोचो। अपनी आँखें बंद करो और उसे देखो। और फिर सोचो कि जिन लोगों ने इसे बनवाया था, उन्हें लगता था कि ये सबसे घटिया चीज़ है जो वे बना सकते थे! हॉवर्ड, दुनिया में कुछ तो गड़बड़ है, बहुत बड़ी गड़बड़ है अगर तुम्हें तुम्हारा सबसे बड़ा काम—एक गंदे मज़ाक के तौर पर दिया गया हो!
“तुम कब तक इसके बारे में सोचना बंद करोगे? दुनिया और मेरे बारे में?”
तुम इसे भूलना कब सीखोगे? डोमिनिक कब...
वह रुक गया। उन्होंने पांच साल से एक-दूसरे की मौजूदगी में उस नाम का ज़िक्र नहीं किया था। उसने मैलोरी की आँखों में हैरानी और सदमा देखा।
मैलोरी को एहसास हुआ कि उसके शब्दों ने रोर्क को चोट पहुँचाई है, इतनी चोट कि उसे यह स्वीकारोक्ति करनी पड़ी। लेकिन रोर्क उसकी ओर मुड़ा और जानबूझकर

बोला:
"डोमिनिक भी पहले बिल्कुल तुम्हारी तरह ही सोचती थी।"
मैलोरी ने रोर्क के अतीत के बारे में अपने अनुमानों के बारे में कभी बात नहीं की थी। उनकी चुप्पी हमेशा यही संकेत देती थी कि मैलोरी समझती है, रोर्क को पता है, और इस पर चर्चा नहीं होनी चाहिए। लेकिन अब मैलोरी ने पूछा:
“क्या आप अब भी उनके लौटने का इंतजार कर रही हैं? श्रीमती गेल वायनांड—”
भगवान उसे नरक में भेजे!
रोर्क ने बिना किसी जोर के कहा:
"चुप रहो, स्टीव।"
मैलोरी ने फुसफुसाते हुए कहा: "मुझे माफ कर दो।"
रोर्क अपनी मेज की ओर बढ़ा और सामान्य आवाज में बोला:
“स्टीव, घर जाओ और ब्रैडली के बारे में भूल जाओ। अब वे सब एक-दूसरे पर मुकदमा करेंगे, लेकिन हम इसमें नहीं घसीटे जाएंगे और वे मोनाडनॉक को बर्बाद नहीं करेंगे। भूल जाओ, निकल जाओ, मुझे काम पर जाना है।”
उसने अपनी कोहनी से अखबार को मेज से झाड़ दिया और ड्राफ्टिंग पेपर की शीटों पर झुक गया।
मोनाडनॉक वैली के वित्तपोषण के तरीकों के खुलासे को लेकर एक बड़ा घोटाला हुआ, मुकदमा चला, कुछ लोगों को जेल की सजा सुनाई गई, और शेयरधारकों की ओर से मोनाडनॉक का प्रबंधन नए सिरे से शुरू हुआ। रोर्क इसमें शामिल नहीं थे। वे व्यस्त थे और अखबारों में मुकदमे की खबरें पढ़ना भूल गए थे। श्री ब्रैडली ने अपने साझेदारों से माफी मांगते हुए स्वीकार किया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक बेतुकी और असामाजिक योजना पर बना रिसॉर्ट कभी सफल हो पाएगा। उन्होंने कहा, "मैंने अपनी पूरी कोशिश की - मैंने सबसे बड़े मूर्ख को चुना।"
फिर ऑस्टेन हेलर ने हॉवर्ड रोर्क और मोनाडनॉक घाटी के बारे में एक लेख लिखा। उन्होंने रोर्क द्वारा डिज़ाइन की गई सभी इमारतों के बारे में बात की, और रोर्क ने संरचना के माध्यम से जो कहा था, उसे शब्दों में व्यक्त किया। लेकिन वे ऑस्टेन हेलर के सामान्य शांत शब्द नहीं थे—
वे प्रशंसा और क्रोध की एक उग्र चीख थीं। "और अगर महानता हमें धोखे से ही प्राप्त करनी पड़े तो हम नरक में जाएं!"
इस लेख ने कला जगत में एक हिंसक विवाद को जन्म दिया।
कुछ महीनों बाद एक दिन मैलोरी ने कहा, "हावर्ड, तुम मशहूर हो गए हो।"
“हां,” रोर्क ने कहा, “मुझे लगता है ऐसा ही है।”
“उनमें से तीन-चौथाई को पता ही नहीं कि ये सब क्या है, लेकिन उन्होंने बाकी एक-चौथाई को आपके नाम पर लड़ते हुए सुना है, इसलिए अब उन्हें लगता है कि उन्हें आपका नाम सम्मानपूर्वक लेना चाहिए। लड़ने वाले एक-चौथाई में से चार-दसवें वे हैं जो आपसे नफरत करते हैं, तीन-दसवें वे हैं जो किसी भी विवाद में अपनी राय देना जरूरी समझते हैं, दो-दसवें वे हैं जो सावधानी बरतते हैं और किसी भी ‘खोज’ का बखान करते हैं, और एक-दसवें वे हैं जो समझते हैं। लेकिन उन सभी को अचानक पता चल गया है कि एक हॉवर्ड रोर्क हैं और वे एक वास्तुकार हैं। ए.जी.ए. बुलेटिन आपको एक महान लेकिन अनियंत्रित प्रतिभा के रूप में संदर्भित करता है—और म्यूज़ियम ऑफ़ द फ्यूचर ने मोनाडनॉक, एनराइट हाउस, कोई बिल्डिंग और एक्विटेनिया की तस्वीरें खूबसूरत कांच के नीचे टांग दी हैं—उस कमरे के बगल में जहाँ गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट की तस्वीर है। और फिर भी—मुझे खुशी है।”
एक शाम केंट लैंसिंग ने कहा: “हेलर ने शानदार काम किया। हावर्ड, क्या तुम्हें याद है मैंने तुम्हें एक बार प्रेटज़ेल के मनोविज्ञान के बारे में क्या बताया था? बिचौलिए को तुच्छ मत समझो। वह ज़रूरी है। किसी को तो उन्हें बताना ही था। हर महान करियर के लिए

दो लोगों की ज़रूरत होती है: एक वह व्यक्ति जो स्वयं महान है, और दूसरा वह व्यक्ति —जो लगभग दुर्लभ है—जो महानता को पहचान सके और उसे व्यक्त कर सके।”
एल्सवर्थ टूही ने लिखा: “इस सारी बेतुकी चर्चा में विरोधाभास यह है कि श्री कालेब ब्रैडली एक गंभीर अन्याय के शिकार हैं। उनकी नैतिकता आलोचना के दायरे में है, लेकिन उनका सौंदर्यशास्त्र निर्विवाद था। वास्तुकला की गुणवत्ता के मामलों में उन्होंने श्री ऑस्टेन हेलर से कहीं बेहतर निर्णय क्षमता दिखाई, जो पुराने विचारों वाले प्रतिक्रियावादी हैं और अचानक कला समीक्षक बन गए हैं। श्री कालेब ब्रैडली को उनके किरायेदारों के खराब स्वाद के कारण शहीद होना पड़ा। इस स्तंभ की राय में, उनकी कलात्मक विवेकशीलता को देखते हुए उनकी सजा कम कर दी जानी चाहिए थी। मोनाडनॉक वैली एक धोखा है - लेकिन केवल वित्तीय धोखा नहीं।”
रोर्क की प्रसिद्धि पर उन संभ्रांत और धनी सज्जनों में कोई खास प्रतिक्रिया नहीं थी, जो वास्तुशिल्प परियोजनाओं के सबसे स्थिर स्रोत थे। वे लोग जिन्होंने कहा था: "रोर्क? मैंने तो उनके बारे में कभी सुना ही नहीं।"
अब उन्होंने कहा: “रोर्क? वह तो बहुत सनसनीखेज है।”
लेकिन कुछ लोग इस बात से प्रभावित थे कि रोर्क ने एक ऐसी जगह बनाई थी जिससे उन मालिकों को मुनाफा होता था जो मुनाफा कमाना नहीं चाहते थे; यह अमूर्त कलात्मक चर्चाओं से कहीं अधिक प्रेरक था। और एक-दसवां हिस्सा ऐसा भी था जो समझता था। मोनाडनॉक वैली के एक साल बाद रोर्क ने कनेक्टिकट में दो निजी घर, शिकागो में एक सिनेमाघर और फिलाडेल्फिया में एक होटल बनाया।
1936 की वसंत ऋतु में एक पश्चिमी शहर ने अगले वर्ष आयोजित होने वाले विश्व मेले की योजना पूरी कर ली, जिसे एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के रूप में जाना जाएगा।
“सदियों का सफर।” परियोजना के प्रभारी प्रतिष्ठित नागरिक नेताओं की समिति ने मेले के डिजाइन के लिए देश के सर्वश्रेष्ठ वास्तुकारों की एक परिषद् का चयन किया। नागरिक नेता स्पष्ट रूप से प्रगतिशील होना चाहते थे। हावर्ड रोर्क चयनित आठ वास्तुकारों में से एक थे।
निमंत्रण मिलने पर रोर्क समिति के समक्ष उपस्थित हुए और बताया कि उन्हें मेले का डिजाइन तैयार करने में खुशी होगी।
अकेला।
"लेकिन आप मजाक कर रहे होंगे, मिस्टर रोर्क," अध्यक्ष ने कहा।
“आखिरकार, इस तरह के विशाल कार्य में, हम सर्वश्रेष्ठ ही चाहते हैं। मेरा मतलब है, दो दिमाग एक से बेहतर होते हैं, आप जानते हैं, और आठ दिमाग... क्यों, आप खुद देख सकते हैं—देश की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएं, सबसे प्रतिभाशाली नाम—आप जानते हैं, सौहार्दपूर्ण परामर्श, सहयोग और तालमेल—आप जानते हैं कि महान उपलब्धियों के लिए क्यों आवश्यक है।”
"मैं करता हूं।"
“तब आपको एहसास होता है...”
“अगर आप मुझे चाहते हैं, तो आपको मुझे यह सब अकेले ही करने देना होगा। मैं परिषदों के साथ काम नहीं करता।”
“आप इस तरह के अवसर को ठुकराना चाहते हैं, इतिहास में एक स्थान पाने का मौका, विश्व प्रसिद्धि का मौका, व्यावहारिक रूप से अमरता का मौका...”
मैं सामूहिक संगठनों के साथ काम नहीं करता। मैं परामर्श नहीं करता, मैं सहयोग नहीं करता, मैं किसी के साथ मिलकर काम नहीं करता।
रोर्क के इनकार पर वास्तुकला जगत में काफी तीखी प्रतिक्रिया हुई। लोगों ने कहा, "वह घमंडी कमीना!" यह आक्रोश इतना तीव्र और तीखा था कि महज़ पेशेवर गपशप से कहीं बढ़कर था; हर किसी ने इसे व्यक्तिगत अपमान समझा; हर कोई खुद को किसी भी जीवित व्यक्ति के काम में बदलाव, सलाह और सुधार करने का योग्य समझता था।

एल्सवर्थ टूही ने लिखा, "यह घटना श्री हॉवर्ड रोर्क के अहंकार की असामाजिक प्रकृति, उस बेलगाम व्यक्तिवाद के घमंड को पूरी तरह से दर्शाती है, जिसका वे हमेशा से प्रतीक रहे हैं।"
"सदियों की यात्रा" को डिज़ाइन करने के लिए चुने गए आठ लोगों में से एक। पीटर कीटिंग, गार्डन एल. प्रेस्कॉट और राल्स्टन होल्कोम्बे परिषद के सदस्य थे। परिषद के सदस्यों की सूची देखकर पीटर कीटिंग ने कहा, "मैं हॉवर्ड रोर्क के साथ काम नहीं करूंगा। आपको चुनना होगा। या तो वह या मैं।" उन्हें बताया गया कि श्री रोर्क ने मना कर दिया है। कीटिंग ने परिषद का नेतृत्व संभाला। मेले के निर्माण की प्रगति के बारे में प्रेस की खबरों में "पीटर कीटिंग और उनके सहयोगियों" का जिक्र किया गया था।
पिछले कुछ वर्षों में कीटिंग का स्वभाव कठोर और अड़ियल हो गया था। वह झटपट आदेश देता था और छोटी-छोटी मुश्किलों पर भी अपना धैर्य खो बैठता था; जब उसका धैर्य टूट जाता था, तो वह लोगों पर चिल्लाता था; उसके पास अपमानजनक शब्दों का ऐसा भंडार था जिसमें कटु, कपटी और लगभग स्त्री-समान दुर्भावना झलकती थी; उसका चेहरा उदास रहता था।
सन् 1936 की शरद ऋतु में रोर्क ने अपना कार्यालय कॉर्ड बिल्डिंग की सबसे ऊपरी मंजिल पर स्थानांतरित कर दिया। जब उन्होंने उस इमारत का डिज़ाइन तैयार किया था, तब उन्होंने सोचा था कि एक दिन यह उनका कार्यालय होगा। जब उन्होंने अपने नए दरवाजे पर "हावर्ड रोर्क, आर्किटेक्ट" लिखा देखा, तो वे एक पल के लिए रुक गए; फिर वे कार्यालय में चले गए। एक लंबे सुइट के अंत में स्थित उनके अपने कमरे की तीन दीवारें कांच की थीं, जहाँ से शहर का शानदार नज़ारा दिखता था। वे कमरे के बीच में रुक गए। चौड़े शीशों से वे फार्गो स्टोर, एनराइट हाउस और एक्विटेनिया होटल देख सकते थे।
वह दक्षिण की ओर वाली खिड़कियों तक गया और वहां काफी देर तक खड़ा रहा। समय बीत रहा था। मैनहट्टन के छोर पर, दूर से, वह हेनरी कैमरून द्वारा निर्मित डाना बिल्डिंग को देख सकता था।
नवंबर की एक दोपहर, लॉन्ग आइलैंड पर निर्माणाधीन एक घर के स्थल का दौरा करने के बाद अपने कार्यालय लौटते समय, रोर्क ने अपने भीगे हुए रेनकोट को झाड़ते हुए स्वागत कक्ष में प्रवेश किया और अपनी सचिव के चेहरे पर दबी हुई उत्तेजना का भाव देखा; वह बेसब्री से उनके लौटने का इंतजार कर रही थी।
“श्री रोर्क, यह शायद कोई बहुत बड़ी बात है,” उसने कहा। “मैंने कल दोपहर तीन बजे आपके लिए अपॉइंटमेंट बुक कर दिया है। उनके ऑफिस में।”
“किसका कार्यालय?”
“उन्होंने आधे घंटे पहले फोन किया था। श्री गेल वायनांड।”
द्वितीय
प्रवेश द्वार के ऊपर एक तख्ती लटकी हुई थी, जिस पर अखबार के मुखपृष्ठ की प्रतिकृति थी:
द न्यू यॉर्क बैनर
वह चिन्ह छोटा था, प्रसिद्धि और शक्ति का एक ऐसा प्रतीक जिसे किसी जोर देने की आवश्यकता नहीं थी; यह एक सुंदर, व्यंग्यात्मक मुस्कान की तरह था जो इमारत की नग्न कुरूपता को उचित ठहराती थी; इमारत एक कारखाना थी जो उस शीर्षक के निहितार्थों को छोड़कर किसी भी सजावट का तिरस्कार करती थी।
प्रवेश कक्ष किसी भट्टी के मुंह जैसा लग रहा था; लिफ्टें लोगों की भीड़ को खींचकर बाहर फेंक रही थीं। लोग जल्दी में नहीं थे, लेकिन एक दृढ़ निश्चय के साथ आगे बढ़ रहे थे; उस कक्ष में कोई भी स्थाई नहीं था। लिफ्ट के दरवाज़े वाल्व की तरह खटक रहे थे,

उनकी आवाज़ में एक लयबद्ध स्पंदन था। दीवार पर लगे बोर्ड पर लाल और हरे रंग की बूंदें चमक रही थीं, जो ऊपर की ओर जा रही लिफ्टों की प्रगति का संकेत दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो उस इमारत में सब कुछ किसी ऐसे प्राधिकारी के हाथों में मौजूद नियंत्रण बोर्डों द्वारा संचालित हो रहा हो जो हर गतिविधि से अवगत हो, मानो इमारत में प्रवाहित होती ऊर्जा सुचारू रूप से, बिना किसी आवाज के काम कर रही हो, एक शानदार मशीन जिसे कोई नष्ट नहीं कर सकता हो।
लॉबी में एक पल के लिए रुके उस लाल बालों वाले आदमी पर किसी ने ध्यान नहीं दिया।
हावर्ड रोर्क ने टाइलों से सजी तिजोरी की ओर देखा। उसने कभी किसी से नफरत नहीं की थी। इस इमारत में कहीं न कहीं इसका मालिक मौजूद था, वही आदमी जिसने उसे नफरत के सबसे करीब का एहसास कराया था।
गेल वायनांड ने अपनी मेज पर रखी छोटी घड़ी पर एक नज़र डाली। कुछ ही मिनटों में उनकी एक वास्तुकार से मुलाकात तय थी। उन्होंने सोचा कि साक्षात्कार मुश्किल नहीं होगा; उन्होंने अपने जीवन में ऐसे कई साक्षात्कार लिए थे; उन्हें बस बोलना था, उन्हें पता था कि उन्हें क्या कहना है, और वास्तुकार से केवल कुछ इशारे करने की अपेक्षा थी जो यह दर्शाते कि वे समझ गए हैं।
उनकी नज़र घड़ी से हटकर वापस अपनी मेज पर रखे प्रूफ के पन्नों पर गई। उन्होंने सेंट्रल पार्क में गिलहरियों को सार्वजनिक रूप से खाना खिलाने पर अल्वाह स्कारेट का एक संपादकीय और श्रमिकों द्वारा बनाई गई पेंटिंग की प्रदर्शनी के महान गुणों पर एल्सवर्थ टूही का एक कॉलम पढ़ा।
शहर स्वच्छता विभाग। उनकी मेज पर एक बजर बजा और उनकी सचिव की आवाज सुनाई दी: "श्री हावर्ड रोर्क, श्री वायनांड।"
“ठीक है,” वायनांड ने स्विच बंद करते हुए कहा। जैसे ही उसका हाथ पीछे हटा, उसने अपनी डेस्क के किनारे पर बटनों की कतार देखी, चमकीले छोटे नॉब, जिन पर अलग-अलग रंगों के कोड लिखे थे, हर एक नॉब इमारत के किसी हिस्से तक फैले तार के एक सिरे को दर्शाता था, हर तार किसी न किसी व्यक्ति को नियंत्रित करता था, हर व्यक्ति अपने आदेशों के तहत कई लोगों को नियंत्रित करता था, और हर समूह कागज़ पर लिखे शब्दों के अंतिम स्वरूप में योगदान देता था, जो लाखों घरों में, लाखों मानव मस्तिष्कों में पहुँचते थे।
रंगीन प्लास्टिक के ये छोटे-छोटे बटन उसकी उंगलियों के नीचे थे। लेकिन उसके पास इस विचार में खो जाने का समय नहीं था, उसके दफ्तर का दरवाजा खुल रहा था, उसने अपना हाथ बटनों से हटा लिया।
वायनांड को यकीन नहीं था कि उनसे कोई क्षण चूक गया, कि वे शिष्टाचार के अनुसार तुरंत नहीं उठे, बल्कि बैठे रहे और अंदर आने वाले व्यक्ति को देखते रहे; शायद वे तुरंत उठ गए थे और उन्हें बस ऐसा लगा कि उनके उठने में काफी समय लग गया।
रोर्क को यकीन नहीं था कि वे कार्यालय में प्रवेश करते ही रुक गए थे, कि वे आगे नहीं बढ़े, बल्कि डेस्क के पीछे बैठे व्यक्ति को देखते रहे; शायद उनके कदमों में कोई विराम नहीं था और उन्हें बस ऐसा लगा कि वे रुक गए हैं। लेकिन एक क्षण ऐसा था जब दोनों तात्कालिक वास्तविकता को भूल गए, जब वायनांड इस व्यक्ति को बुलाने का अपना उद्देश्य भूल गए, जब रोर्क भूल गए कि यह व्यक्ति डोमिनिक का पति है, जब कोई दरवाजा, डेस्क या कालीन का कोई हिस्सा मौजूद नहीं था, बस दोनों को अपने सामने बैठे व्यक्ति की पूरी जागरूकता थी, कमरे के बीच में बस दो विचार मिल रहे थे —"यह गेल वायनांड है"—"यह हॉवर्ड रोर्क हैं।"
फिर वायनांड उठे, उन्होंने अपने डेस्क के बगल वाली कुर्सी की ओर साधारण निमंत्रण देते हुए हाथ से इशारा किया, रोर्क पास आए और बैठ गए, और उन्हें इस बात का एहसास नहीं हुआ कि उन्होंने एक-दूसरे का अभिवादन नहीं किया था।

वायनांड मुस्कुराया और उसने वो बात कह दी जो वह कभी कहना नहीं चाहता था। उसने बहुत ही सरल शब्दों में कहा:
मुझे नहीं लगता कि आप मेरे लिए काम करना चाहेंगे।
"मैं आपके लिए काम करना चाहता हूं," रोर्क ने कहा, जो यहां मना करने की तैयारी के साथ आया था।
"क्या आपने वो सब चीजें देखी हैं जो मैंने बनाई हैं?"
"हाँ।"
वायनांड मुस्कुराए। “यह अलग है। यह मेरे दर्शकों के लिए नहीं है। यह सिर्फ मेरे लिए है।”
"क्या आपने इससे पहले कभी अपने लिए कुछ नहीं बनाया?"
“नहीं—अगर छत पर बने मेरे पिंजरे और इस पुरानी छपाई फैक्टी को छोड़ दें तो। क्या आप मुझे बता सकते हैं कि मैंने कभी अपनी खुद की कोई इमारत क्यों नहीं बनाई, जबकि मेरे पास इच्छा होने पर शहर बसाने के साधन हों? मुझे नहीं पता।”
मुझे लगता है कि आपको पता होगा।" वह भूल गया कि उसने अपने द्वारा नियुक्त पुरुषों को अपने बारे में व्यक्तिगत अटकलें लगाने की अनुमति नहीं दी थी।
“क्योंकि तुम नाखुश रहे हो,” रोर्क ने कहा।
उन्होंने इसे सरल शब्दों में, बिना किसी धृष्टता के कहा; मानो यहाँ उनके लिए पूर्ण ईमानदारी के अलावा कुछ और संभव ही न हो। यह किसी साक्षात्कार की शुरुआत नहीं, बल्कि मध्य भाग था; यह किसी ऐसी बात की निरंतरता थी जो बहुत पहले शुरू हुई थी। वायनांड ने कहा:
इसे स्पष्ट कर दें।
मुझे लगता है कि आप समझ गए हैं।
मैं चाहता हूं कि आप इसे समझाएं।
“अधिकांश लोग जीवनयापन के लिए निर्माण करते हैं—एक नियमित प्रक्रिया और संयोगवश होने वाली घटना के रूप में। लेकिन कुछ ही लोग समझते हैं कि निर्माण एक महान प्रतीक है। हम अपने मन में जीते हैं, और अस्तित्व उस जीवन को भौतिक रूप में लाने, उसे हावभाव और रूप में व्यक्त करने का प्रयास है। जो व्यक्ति इसे समझता है, उसके लिए उसका अपना घर उसके जीवन का प्रतीक है। यदि वह साधन होने के बावजूद निर्माण नहीं करता है, तो इसका अर्थ है कि उसका जीवन वैसा नहीं रहा जैसा वह चाहता था।”
"क्या आपको नहीं लगता कि मुझसे, खासकर मुझसे, यह कहना बेतुका है?"
"नहीं।"
“मैं भी नहीं।” रोर्क मुस्कुराया। “लेकिन तुम और मैं ही ऐसे दो लोग हैं जो यह बात कहेंगे। चाहे इसका कोई भी हिस्सा हो: कि मुझे वह नहीं मिला जो मैं चाहता था या यह कि मैं उन गिने-चुने लोगों में शामिल हो सकता हूँ जिनसे किसी भी तरह के महान प्रतीकों को समझने की उम्मीद की जाती है। क्या तुम इसे भी वापस नहीं लेना चाहते?”
"नहीं।"
"आपकी आयु कितनी है?"
“छत्तीस।”
"मेरे पास जो भी कागजात हैं, उनमें से अधिकांश मेरे पास तब थे जब मैं छत्तीस साल का था।"
उन्होंने आगे कहा, “मेरा मतलब किसी भी तरह की व्यक्तिगत टिप्पणी करना नहीं था। मुझे नहीं पता मैंने ऐसा क्यों कहा। बस यूं ही मेरे मन में यह बात आ गई।”
आप मुझसे क्या बनवाना चाहते हैं?
"मेरा घर।"

वायनांड को लगा कि उन दो शब्दों का रोक पर सामान्य अर्थों के अलावा भी कुछ प्रभाव पड़ा था; उसने इसे महसूस किया।
कारण; वह पूछना चाहता था: "क्या बात है?" लेकिन पूछ नहीं सका, क्योंकि रोर्क ने वास्तव में कुछ भी नहीं दिखाया था।
"आपका निदान बिल्कुल सही था," वायनांड ने कहा, "क्योंकि देखिए, अब मैं सचमुच अपना घर बनाना चाहता हूं। अब मुझे अपने जीवन के स्वरूप को लेकर कोई डर नहीं है। अगर आप सीधे-सीधे कहें, जैसा आपने कहा, तो अब मैं खुश हूं।"
“किस तरह का घर?”
“ग्रामीण इलाके में। मैंने ज़मीन खरीद ली है। कनेक्टिकट में एक संपत्ति, पाँच सौ एकड़। किस तरह का घर? यह आप तय करेंगे।”
"क्या श्रीमती वायनांड ने मुझे इस नौकरी के लिए चुना था?"
“नहीं। श्रीमती वायनांड को इसे बारे में कुछ नहीं पता। मैं ही शहर से बाहर जाना चाहता था, और वह सहमत हो गईं। मैंने उनसे वास्तुकार चुनने के लिए कहा था - मेरी पत्नी पूर्व में डोमिनिक फ्रैंकन थीं; वह कभी वास्तुकला पर लेखिका थीं। लेकिन उन्होंने यह चुनाव मुझ पर छोड़ना बेहतर समझा।”
आप जानना चाहते हैं कि मैंने आपको क्यों चुना? फैसला लेने में मुझे काफ़ी समय लगा। शुरू में तो मैं बिल्कुल असमंजस में था। मैंने आपका नाम तक नहीं सुना था। मैं किसी भी आर्किटेक्ट को नहीं जानता था। मेरा मतलब सचमुच यही है—और मैं रियल एस्टेट में बिताए अपने सालों, अपनी बनाई इमारतों और उन्हें बनाने वाले बेवकूफ़ों को नहीं भूल रहा हूं। यह स्टोनरिज़ नहीं है, यह—आपने इसे क्या कहा था?—मेरे जीवन का प्रतीक है? फिर मैंने मोनाडनॉक देखा। वही पहली चीज़ थी जिसने मुझे आपका नाम याद दिलाया। लेकिन मैंने खुद को एक लंबी परीक्षा दी। मैं पूरे देश में घूमा, घर, होटल, हर तरह की इमारतें देखीं। हर बार जब मुझे कोई इमारत पसंद आती और मैं पूछता कि इसे किसने डिज़ाइन किया है, तो जवाब हमेशा एक ही होता: हॉवर्ड रोर्क। इसलिए मैंने आपको फोन किया।
उन्होंने आगे कहा, "क्या मैं आपको बताऊं कि मैं आपके काम की कितनी प्रशंसा करता हूं?"
“धन्यवाद,” रोर्क ने कहा। उसने एक पल के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं।
"आपको पता है, मैं आपसे मिलना नहीं चाहता था।"
"क्यों?"
क्या आपने मेरी आर्ट गैलरी के बारे में सुना है?
"हाँ।"
“मैं उन पुरुषों से कभी नहीं मिलती जिनका काम मुझे पसंद है। उनका काम मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं नहीं चाहती कि वे इसे बिगाड़ें। वे अक्सर ऐसा करते हैं। वे अपनी प्रतिभा के लिए एक तरह से निराशाजनक साबित होते हैं। आप नहीं। मुझे आपसे बात करने में कोई आपत्ति नहीं है। मैंने आपको यह सिर्फ इसलिए बताया क्योंकि मैं चाहती हूं कि आप जान लें कि मैं जीवन में बहुत कम चीजों का सम्मान करती हूं, लेकिन मैं अपनी गैलरी की चीजों, आपकी इमारतों और मनुष्य की इस तरह का काम करने की क्षमता का सम्मान करती हूं। शायद यही मेरा एकमात्र धर्म है।” उन्होंने कंधे उचकाए। “मुझे लगता है कि मैंने नष्ट कर दिया है।”
विकृत, भ्रष्ट, लगभग हर चीज़ को। लेकिन मैंने उसे कभी छुआ तक नहीं। तुम मुझे इस तरह क्यों देख रहे हो?
मुझे खेद है। कृपया मुझे उस घर के बारे में बताएं जो आप चाहते हैं।
“मैं इसे एक महल जैसा बनाना चाहता हूं—लेकिन मुझे नहीं लगता कि महल बहुत आलीशान होते हैं। वे बहुत बड़े होते हैं, और बहुत ही सार्वजनिक होते हैं। एक छोटा

घर हो असली विलासिता है। सिर्फ दो लोगों के लिए एक निवास—मेरा पत्नी और मेरे लिए।”
परिवार के लिए अलग से कमरा रखने की आवश्यकता नहीं होगी, क्योंकि हमारा बच्चे पैदा करने का इरादा नहीं है। मेहमानों के लिए भी अलग से कमरा नहीं चाहिए, क्योंकि हम मेहमाननवाज़ी नहीं करते। एक अतिथि कक्ष—यदि आवश्यकता पड़े तो—लेकिन इससे अधिक नहीं। बैठक कक्ष, भोजन कक्ष, पुस्तकालय, दो अध्ययन कक्ष, एक शयनकक्ष। नौकरों के लिए अलग कमरा।
क्वार्टर, गैराज। यही मुख्य विचार है। बाकी की जानकारी मैं बाद में दूंगा। लागत—जो भी आपको चाहिए। दिखावट—” वह मुस्कुराते हुए कंधे उचकाते हुए बोला। “मैंने आपकी इमारतें देखी हैं। जो व्यक्ति आपको यह बताना चाहता है कि घर कैसा दिखना चाहिए, उसे या तो बेहतर डिज़ाइन करना आना चाहिए।”
या फिर चुप रहो। मैं बस इतना ही कहूंगा कि मैं चाहता हूं कि मेरे घर में रोर्क की झलक हो।
"वह क्या है?"
मुझे लगता है कि आप समझ गए हैं।
मैं चाहता हूं कि आप इसे समझाएं।
“मुझे लगता है कि कुछ इमारतें दिखावटी और सस्ती होती हैं, सिर्फ ऊपरी दिखावा होती हैं, कुछ कायर होती हैं, हर ईंट में अपनी कमियों के लिए माफी मांगती हैं, और कुछ हमेशा के लिए बेकार, विकृत, द्वेषपूर्ण और झूठी होती हैं। आपकी इमारतों में एक ही भावना सबसे ऊपर है—आनंद की भावना। कोई शांत आनंद नहीं। एक कठिन, चुनौतीपूर्ण आनंद। ऐसा आनंद जो अनुभव करने को एक उपलब्धि जैसा बना देता है। देखकर मन में आता है: अगर मैं ऐसा महसूस कर सकता हूं, तो मैं एक बेहतर इंसान हूं।”
रोर्क ने धीमी आवाज़ में कहा, उत्तर देने के लहजे में नहीं:
मुझे लगता है कि यह होना ही था।
"क्या?"
"कि आप यह देखेंगे।"
"आप ऐसा क्यों कह रहे हैं जैसे आपको इस बात का अफसोस हो कि मैं इसे देख पाया?"
मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है।
"सुनो, मैंने पहले जो चीजें बनाई हैं, उनके लिए मुझे दोषी मत ठहराओ।"
"मैं नहीं।"
"स्टोनरिज और नोयेस-बेलमोंट होटल्स और वायनांड के कागजात, इन सभी की बदौलत ही मेरे लिए वहां एक घर होना संभव हो पाया।"
तुम। क्या यह एक ऐसी विलासिता नहीं है जिसे हासिल करना सार्थक है? क्या इससे कोई फर्क पड़ता है कि कैसे? वे तो साधन थे। तुम ही तो लक्ष्य हो।
आपको मेरे सामने खुद को सही ठहराने की जरूरत नहीं है।
“मैं सिर्फ... हां, मुझे लगता है कि मैं यही कर रहा था।”
“आपको इसकी जरूरत नहीं है। मैं इस बारे में नहीं सोच रहा था कि आपने क्या बनाया है।”
तुम क्या सोच रहे थे?
"मैं उन लोगों के खिलाफ असहाय हूं जो मेरे भवनों में आपने जो देखा वह देख लेते हैं।"
"क्या आपको लगा कि आपको मेरे खिलाफ मदद चाहिए?"
“नहीं। बस फर्क इतना है कि मुझे आमतौर पर असहाय महसूस नहीं होता।”
मुझे आमतौर पर खुद को सही ठहराने की जरूरत नहीं पड़ती। तो फिर—सब ठीक है, है ना?

"हाँ।"
मुझे अपने मनपसंद घर के बारे में आपको और भी बहुत कुछ बताना होगा। मेरा मानना है कि एक वास्तुकार एक धर्मगुरु की तरह होता है—उसे अपने घर में रहने वाले लोगों के बारे में सब कुछ पता होना चाहिए, क्योंकि वह उन्हें जो कुछ भी देता है वह उनके कपड़ों या भोजन से कहीं अधिक व्यक्तिगत होता है। कृपया इसे इसी भावना से समझें—और अगर आपको लगे कि यह कहना मेरे लिए कठिन है तो मुझे क्षमा करें।
—मैंने कभी पश्चाताप नहीं किया। देखिए, मुझे यह घर इसलिए चाहिए क्योंकि मैं अपनी पत्नी से बेइंतहा प्यार करता हूं... क्या बात है? क्या आपको लगता है कि यह एक बेतुका बयान है?
नहीं। आगे बढ़ो।
“मैं अपनी पत्नी को दूसरे लोगों के बीच देखना बर्दाश्त नहीं कर सकता। यह ईर्ष्या नहीं है।”
यह उससे कहीं ज़्यादा और कहीं ज़्यादा बुरा है। मैं उसे शहर की सड़कों पर चलते हुए नहीं देख सकता। मैं उसे किसी के साथ साँझा नहीं कर सकता, दुकानों, सिनेमाघरों, टैक्सियों या फुटपाथों के साथ भी नहीं। मुझे उसे दूर ले जाना होगा। मुझे उसे पहुँच से बाहर रखना होगा—जहाँ उसे कोई छू न सके, किसी भी मायने में। यह घर एक किले की तरह होगा। मेरा वास्तुकार ही मेरी रक्षक होगा।
रोर्क सीधे उसकी ओर देखते हुए बैठा था। उसे सुनने के लिए अपनी निगाहें वायनांड पर टिकाए रखनी पड़ रही थीं। वायनांड ने उस नज़र में प्रयास महसूस किया; उसने इसे प्रयास नहीं, बल्कि शक्ति समझा; उसने खुद को उस नज़र से सहारा महसूस किया; उसने पाया कि कुछ भी स्वीकार करना कठिन नहीं था।
“यह घर एक जेल होगा। नहीं, बिल्कुल वैसा नहीं। एक खज़ाना—एक तिजोरी जहाँ उन चीज़ों की रक्षा की जाएगी जो देखने के लिए बहुत कीमती हैं। लेकिन यह उससे कहीं अधिक होना चाहिए। यह एक अलग दुनिया होनी चाहिए, इतनी खूबसूरत कि हम उस दुनिया को कभी याद न करें जिसे हमने छोड़ा है। एक जेल जो केवल अपनी पूर्णता की शक्ति से बनी हो। सलाखों से नहीं।”
और किलेबंदी - लेकिन आपकी प्रतिभा हमारे और दुनिया के बीच एक दीवार की तरह खड़ी हो। मैं आपसे यही चाहता हूँ। और इससे भी अधिक। क्या आपने कभी मंदिर बनाया है?
एक पल के लिए, रोर्क के पास जवाब देने की ताकत नहीं थी; लेकिन उसने देखा कि प्रश्न वास्तविक था; वायनांड को इसका उत्तर नहीं पता था।
“हां,” रोर्क ने कहा।
"तो इस प्रोजेक्ट को उसी तरह समझें जैसे आप किसी मंदिर को समझते हैं। डोमिनिक वायनांड के लिए एक मंदिर... मैं चाहता हूं कि आप इसे डिजाइन करने से पहले उनसे मिलें।"
“मेरी मुलाकात श्रीमती वायनांड से कुछ साल पहले हुई थी।”
“क्या आपने देखा है? तो आप समझते हैं।”
"मैं करता हूं।"
वायनांड ने देखा कि रोर्क का हाथ उसकी मेज के किनारे पर रखा हुआ था, लंबी उंगलियां बैनर के प्रूफ के बगल में रखे शीशे पर दबी हुई थीं। प्रूफ लापरवाही से मोड़े हुए थे; उसने "एक छोटी सी आवाज़" शीर्षक देखा।
पेन्ने के अंदर। उसने रोर्क के हाथ को देखा। उसने सोचा कि वह इससे एक कांस्य का पेपरवेट बनवाना चाहेगा और यह उसकी मेज पर कितना सुंदर लगेगा।
अब आपको पता चल गया कि मुझे क्या चाहिए। शुरू कीजिए। तुरंत काम शुरू कीजिए। बाकी सब काम छोड़ दीजिए। आप जो चाहें, मैं दे दूंगी। मुझे वो घर गर्मियों

तक चाहिए... ओह, मुझे माफ़ कीजिए। बुरे आर्किटेक्ट्स के साथ मेरा बहुत ज़्यादा मेलजोल रहा है। मैंने आपसे पूछा ही नहीं कि आप ये काम करना चाहती हैं या नहीं।
सबसे पहले रोर्क का हाथ हिली; उसने अपना हाथ डेस्क से हटा लिया।
“हां,” रोर्क ने कहा। “मैं यह करूंगा।”
वायनांड ने कांच पर उंगलियों के निशान देखे, जो इतने स्पष्ट थे मानो त्वचा ने सतह पर खांचे बना दिए हों और वे खांचे गीले हों।
"इसमें आपको कितना समय लगेगा?" वायनांड ने पूछा।
"जुलाई तक आपको यह मिल जाएगा।"
“बेशक आपको साइट देखनी चाहिए। मैं खुद आपको दिखाना चाहता हूं।”
क्या मैं आपको कल सुबह वहां छोड़ दूं?
"यदि आप चाहते हैं।"
"नौ बजे यहां आ जाना।"
"हाँ।"
“क्या आप चाहते हैं कि मैं अनुबंध तैयार करूँ? मुझे नहीं पता कि आप किस तरह काम करना पसंद करते हैं। आमतौर पर, किसी भी मामले में किसी व्यक्ति से बातचीत करने से पहले, मैं उसके जन्म से लेकर अब तक उसके बारे में सब कुछ जान लेता हूं।
या उससे पहले। मैंने कभी तुम्हारा हालचाल नहीं पूछा। मैं बस भूल गया था। मुझे लगा ही नहीं कि यह ज़रूरी है।
मैं आपके किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकता हूँ।
वायनांड मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया:
“नहीं। मुझे आपसे कुछ भी पूछने की ज़रूरत नहीं है। सिवाय व्यापारिक समझौतों के बारे में।”
"मैं कभी कोई शर्त नहीं रखता, सिवाय एक के: यदि आप घर के प्रारंभिक रेखाचित्रों को स्वीकार करते हैं, तो इसे मेरे द्वारा डिजाइन किए गए अनुसार ही बनाया जाना चाहिए, बिना किसी प्रकार के बदलाव के।"
“बिल्कुल। यह तो समझ में आ गया। मैंने सुना है कि आप इसके बिना काम नहीं करते।”
लेकिन क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं इस घर के बारे में आपको कोई प्रचार न दूं? मुझे पता है कि इससे आपको पेशेवर तौर पर फायदा होगा, लेकिन मैं चाहता हूं कि इस इमारत की खबरें अखबारों में न आएं।
मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं होगी।
"क्या आप वादा करेंगे कि आप इसकी तस्वीरें प्रकाशन के लिए जारी नहीं करेंगे?"
"मैं वादा करता हूँ।"
“धन्यवाद। मैं इसकी भरपाई कर दूंगा। आप वायनांड अखबार को अपनी निजी प्रेस सेवा समझ सकते हैं। आपके किसी भी अन्य काम के लिए मैं आपको भरपूर प्रचार दूंगा।”
मुझे किसी तरह की प्लगिंग नहीं चाहिए।
वायनांड जोर से हँस पड़ीं। “ऐसी जगह पर ऐसी बात कहना! मुझे नहीं लगता कि आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि आपके साथी वास्तुकार इस साक्षात्कार को कैसे लेते। मुझे नहीं लगता कि आपको कभी इस बात का एहसास भी था कि आप गेल वायनांड से बात कर रही हैं।”
“मैं था,” रोर्क ने कहा।
“यह मेरा आपको धन्यवाद देने का तरीका था। मुझे हमेशा गेल वायनांड कहलाना पसंद नहीं है।”
"मुझे पता है कि।"
मैं अपना विचार बदल रहा हूं और आपसे एक व्यक्तिगत प्रश्न पूछूंगा।

आपने कहा था कि आप किसी भी सवाल का जवाब देंगे।
"मैं करूँगा।"
"क्या आपको हमेशा से हॉवर्ड रोर्क बनना पसंद रहा है?"
रोर्क मुस्कुराया। उसकी मुस्कान में आनंद, आश्चर्य और अनजाने में ही तिरस्कार का भाव झलक रहा था।
"आपने जवाब दे दिया है," वायनांड ने कहा।
फिर वह उठा और बोला: "कल सुबह नौ बजे।"
अपना हाथ बढ़ाते हुए।
रोर्क के जाने के बाद, वायनांड मुस्कुराते हुए अपनी मेज के पीछे बैठे रहे। उन्होंने अपना हाथ प्लास्टिक के बटनों में से एक की ओर बढ़ाया और रुक गए। उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपना सामान्य व्यवहार अपनाना होगा, कि वे पिछले आधे घंटे में जिस तरह से बोले थे, वैसे नहीं बोल सकते। तब उन्हें समझ आया कि साक्षात्कार में क्या अजीब था: अपने जीवन में पहली बार उन्होंने किसी व्यक्ति से बिना किसी झिझक, दबाव या दिखावे के बात की थी, जो उन्हें हमेशा लोगों से बात करते समय महसूस होता था; कोई तनाव नहीं था और तनाव की कोई आवश्यकता नहीं थी; मानो वे स्वयं से बात कर रहे हों।
उसने बटन दबाया और अपने सचिव से कहा:
"मूर्गाश्रम को कहो कि हॉवर्ड रोर्क के बारे में उनके पास जो भी जानकारी है, वह मुझे भेज दें।"
"अंदाजा लगाओ क्या हुआ," अल्वाह स्कारेट ने कहा, उसकी आवाज में जानकारी के लिए गिड़गिड़ाहट का भाव था।
एल्सवर्थ टूही ने अधीरता से हाथ हिलाकर बात को टालने का इशारा किया, अपनी नजरें डेस्क से ऊपर नहीं उठाईं।
“जाओ, अल्वाह। मैं व्यस्त हूँ।”
“नहीं, लेकिन यह दिलचस्प है, एल्सवर्थ। सचमुच, यह दिलचस्प है। मुझे पता है कि आप जानना चाहेंगे।”
टूही ने अपना सिर उठाया और उसकी ओर देखा, उसकी आँखों के कोनों में उबकाई की हल्की सी झलक ने स्कारेट को यह समझा दिया कि ध्यान देने का यह क्षण एक एहसान था; उसने धैर्य से भरे स्वर में कहा:
“ठीक है। क्या बात है?”

स्कारेट को टूही के व्यवहार में कोई आपत्ति नहीं दिखी। टूही पिछले एक साल या उससे भी अधिक समय से उसके साथ ऐसा ही व्यवहार करता आ रहा था। स्कारेट ने उनके रिश्ते में आए इस बदलाव को महसूस ही नहीं किया था; जब तक उसने इस बदलाव को महसूस किया, तब तक नाराज़ होने में बहुत देर हो चुकी थी—यह उन दोनों के लिए सामान्य बात हो गई थी।
स्कारेट एक ऐसे होशियार छात्र की तरह मुस्कुराया, जिसे उम्मीद हो कि शिक्षक अपनी ही पाठ्यपुस्तक में गलती ढूंढने के लिए उसकी प्रशंसा करेगा।
"एल्सवर्थ, आपकी निजी एफबीआई कमजोर पड़ रही है।"
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
"मुझे यकीन है कि आपको नहीं पता होगा कि गेल क्या कर रही है - और आप तो हमेशा खुद को हर बात की जानकारी रखने का इतना जोर देते हैं।"
मुझे क्या नहीं पता?
"अंदाजा लगाइए कि आज उनके दफ्तर में कौन था।"
"मेरे प्यारे अल्वाह, मेरे पास किज़ गेम खेलने का समय नहीं है।"
"हजार साल में भी आप इसका अंदाजा नहीं लगा पाएंगे।"

"ठीक है, चूंकि आपसे छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका वाडोवेल के कठपुतली की भूमिका निभाना है, तो मैं उचित प्रश्न पूछूंगा: आज प्यारी गेल के कार्यालय में कौन था?"
“हॉवर्ड रोर्क।”
टूही ने अपना ध्यान भटकाते हुए पूरी तरह से उसकी ओर मुड़कर अविश्वास से कहा: "नहीं!"
“हाँ!” स्कारेट ने अपने प्रदर्शन पर गर्व जताते हुए कहा।
“वाह!” टूही ने कहा और जोर से हंस पड़ा।
स्कारेट ने झिझकते हुए, असमंजस में, शामिल होने के लिए उत्सुक, लेकिन मनोरंजन के कारण के बारे में पूरी तरह से निश्चित न होते हुए, हल्की सी मुस्कान दी।
“हाँ, यह मज़ेदार है। लेकिन... आखिर क्यों, एल्सवर्थ?”
"ओह, अल्वा, तुम्हें यह बताने में बहुत समय लग जाएगा।"
मुझे अंदाज़ा था कि ऐसा हो सकता है...
“क्या तुम्हें भव्यता का कोई आभास नहीं है, अल्वाह? क्या तुम्हें आतिशबाजी पसंद नहीं है? अगर तुम जानना चाहते हो कि क्या होने वाला है, तो बस इतना सोचो कि सबसे भयानक युद्ध एक ही धर्म के संप्रदायों के बीच धार्मिक युद्ध या एक ही नस्ल के भाइयों के बीच गृहयुद्ध होते हैं।”
मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आई।
"अरे बाप रे, मेरे तो इतने सारे फॉलोअर्स हैं। मैं उन्हें अपने बालों से हटाती रहती हूँ।"
"खैर, मुझे खुशी है कि आप इसके बारे में इतने खुश हैं, लेकिन मुझे लगा कि यह बुरा है।"
“बेशक यह बुरा है। लेकिन हमारे लिए नहीं।”
लेकिन देखो: तुम्हें पता है कि हमने, खासकर तुमने, इस बात पर कितना जोखिम उठाया है कि यह रोर्क शहर का सबसे खराब वास्तुकार है, और अगर अब हमारा बॉस ही उसे काम पर रख लेता है तो क्या यह शर्मनाक नहीं होगा?
“ओह वो? ... ओह, शायद ..."
"अच्छा, मुझे खुशी है कि आप इसे इस तरह से लेते हैं।"
“वह वायनांड के कार्यालय में क्या कर रहा था? क्या यह कोई आयोग है?”
“यही बात मुझे नहीं पता। पता नहीं चल सकता। किसी को नहीं पता।”
"क्या आपने हाल ही में श्री वायनांड के कुछ निर्माण की योजना के बारे में सुना है?"
"नहीं आप हैं?"
“नहीं। मुझे लगता है मेरी एफबीआई की रिपोर्ट में कुछ गड़बड़ हो रही है। खैर, जो हो सकता है वही करना पड़ता है।”
"लेकिन एल्सवर्थ, मुझे एक विचार आया। मुझे एक ऐसा विचार आया जिससे हमें वाकई बहुत मदद मिल सकती है।"
“क्या विचार है?” “एल्सवर्थ, गेल आजकल बहुत ही मुश्किल हो गई है।”
स्कारेट ने इसे पूरी गंभीरता से, मानो कोई नई खोज बता रही हो, कहा।
टूही आधा मुस्कुराते हुए बैठा था।
“खैर, बिल्कुल, तुमने ही भविष्यवाणी की थी, एल्सवर्थ। तुम सही थे। तुम हमेशा सही होते हो। मुझे समझ नहीं आ रहा कि उसे क्या हो रहा है, चाहे वो डोमिनिक की वजह से हो या जीवन में कोई बदलाव हो या कुछ और, लेकिन कुछ तो हो रहा है। उसे अचानक से दौरे क्यों पड़ने लगते हैं और वो हर अंक की हर एक पंक्ति पढ़ने लगता है और छोटी-छोटी बातों पर हंगामा मचा देता है? उसने हाल ही में मेरे तीन बेहतरीन संपादकीय लेख रद्द करवा दिए हैं—
और उसने मेरे साथ ऐसा पहले कभी नहीं किया। कभी नहीं। जानते हो उसने मुझसे क्या कहा? उसने कहा: 'माँ बनना बहुत अच्छा होता है, अल्वा, लेकिन भगवान के लिए, फालतू की बातों पर थोड़ा रहम करो। बौद्धिक दुराचार की भी एक सीमा होती है।'

कैसा दुराचार? यह अब तक का सबसे प्यारा मदर्स डे संपादकीय था जो मैंने लिखा था। सच में, मैं खुद भावुक हो गई थी। उसे दुराचार के बारे में बात करना कब से आ गया? पिछले दिन, उसने जूल्स फोगलर को उसके सामने ही घटिया दिमाग वाला कहा और उसके रविवार के लेख को कूड़ेदान में फेंक दिया। एक शानदार लेख था—मजदूर रंगमंच पर। जूल्स फोगलर, हमारा सबसे अच्छा लेखक! कोई आश्चर्य नहीं कि गेल का अब वहाँ कोई दोस्त नहीं बचा है। अगर वे पहले उससे इतनी नफरत करते थे, तो अब तो सुनो!
मैंने उन्हें सुना है।
“एल्सवर्थ, वो अपना नियंत्रण खो रहा है। अगर तुम और तुम्हारे चुने हुए शानदार लोग न होते तो मैं क्या करता। तुम्हारे ये युवा लोग ही हमारे लगभग सारे असली कर्मचारी हैं, न कि हमारे वो पुराने लोग जो वैसे भी अब काम से बाहर हो रहे हैं। ये होशियार बच्चे ही बैनर को चलाएँगे। लेकिन गेल... सुनो, पिछले हफ्ते उसने ड्वाइट कार्सन को निकाल दिया। अब तुम्हें पता चल गया होगा, मुझे लगता है कि यह एक महत्वपूर्ण घटना थी। बेशक ड्वाइट एक बोझ और एक सरासर झंझट था, लेकिन वो गेल के उन खास चहेतों में से पहला था, वो लड़के जिन्होंने अपनी आत्मा बेच दी थी।”
तो, एक तरह से, आप देखिए, मुझे ड्वाइट का साथ अच्छा लगता था, सब ठीक था, सेहतमंद था, गेल के सुनहरे दिनों की निशानी था। मैं हमेशा कहता था कि वह गेल का सेफ्टी वाल्व था। और जब उसने अचानक कार्सन को जाने दिया—मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया, एल्सवर्थ। मुझे यह बिलकुल भी पसंद नहीं आया।
“ये क्या है, अल्वाह? क्या तुम मुझे कुछ ऐसी बातें बता रहे हो जो मुझे पता नहीं हैं, या ये बस मन की भड़ास निकालने का तरीका है? मेरी मिली-जुली बातों के लिए मुझे माफ़ करना।”
रूपक—मेरे कंधे पर?
“मुझे लगता है ऐसा ही है। मैं गेल की आलोचना नहीं करना चाहता, लेकिन मैं बहुत दिनों से इतना गुस्से में हूँ कि मेरा सब्र टूट गया है। लेकिन मेरा कहने का मतलब यह है: यह हॉवर्ड रोर्क, उसे देखकर आपको क्या याद आता है?”
“मैं इस विषय पर एक पूरी किताब लिख सकता हूँ, अल्वाह। लेकिन अभी इस तरह के काम में हाथ आजमाने का समय नहीं है।”
नहीं, लेकिन मेरा मतलब है, उसके बारे में हम एक बात तो जानते हैं? कि वो सनकी, अजीब और बेवकूफ है, ठीक है, लेकिन और क्या? कि वो उन बेवकूफों में से एक है जिन्हें प्यार, पैसा या सोलह इंच की बंदूक से भी नहीं हिलाया जा सकता। वो ड्वाइट कार्सन से भी बदतर है, गेल के सारे चमचों से भी बदतर। तो? मेरी बात समझ रहे हो? गेल क्या करेगा जब उसका सामना ऐसे आदमी से होगा?
"कई संभावित चीजों में से एक।"
“बस एक ही बात, अगर मैं गेल को जानता हूँ, और मैं गेल को जानता हूँ। इसीलिए मुझे थोड़ी उम्मीद है। उसे लंबे समय से इसी की ज़रूरत थी। उसकी पुरानी दवा का एक घूंट। सुरक्षा कवच। वह उस आदमी की रीढ़ तोड़ने जाएगा—और यह गेल के लिए अच्छा होगा। दुनिया की सबसे अच्छी बात। उसे वापस सामान्य स्थिति में ले आएगा... यह मेरा विचार था, एल्सवर्थ।” वह रुका, टूही के चेहरे पर कोई उत्साह नहीं देखा और बेजान तरीके से अपनी बात खत्म की:
खैर, हो सकता है मैं गलत हूँ... मुझे नहीं पता... इसका कोई मतलब ही न हो... मुझे तो बस लगा था कि ये मनोविज्ञान है...
“यही बात थी, अल्वाह।”
"तो आपको लगता है कि इस तरह से काम चलेगा?"
"ऐसा हो सकता है। या यह आपकी कल्पना से भी कहीं ज्यादा बुरा हो सकता है।"

लेकिन अब हमारे लिए इसका कोई महत्व नहीं है। क्योंकि देखो, अल्वाह, बैनर के संदर्भ में, अगर हमारे और हमारे बॉस के बीच टकराव की स्थिति आती है, तो हमें अब मिस्टर गैल वायनांड से डरने की कोई जरूरत नहीं है।
जब मुर्दाघर से एक लड़का अखबारों की कतरनों से भरा एक मोटा लिफाफा लेकर अंदर आया, तो वायनांड ने अपनी डेस्क से ऊपर देखा और कहा:
“इतना? मुझे नहीं पता था कि वह इतना मशहूर है।”
"जी हां, यह स्टोडार्ड का मुकदमा है, श्री वायनांड।"
लड़का रुक गया। कुछ भी गलत नहीं था—सिर्फ़ वायनांड के माथे पर उभरी हुई लकीरें थीं, और वह वायनांड को इतना अच्छी तरह नहीं जानता था कि उनका मतलब समझ सके। उसे आश्चर्य हुआ कि वायनांड को डर क्यों लग रहा था। कुछ देर बाद वायनांड ने कहा:
ठीक है। धन्यवाद।
लड़के ने लिफ़ाफ़े को डेस्क की कांच की सतह पर रखा और बाहर चला गया।
वायनांड पीले कागज के उभरे हुए आकार को घूरते हुए बैठे थे। उन्होंने उसे शीशे में प्रतिबिंबित होते देखा, मानो वह भारी-भरकम कागज़ सतह को भेदकर उनकी मेज़ तक जड़ें जमा चुका हो। उन्होंने अपने दफ्तर की दीवारों की ओर देखा और सोचने लगे कि क्या उनमें कोई ऐसी शक्ति है जो उन्हें उस लिफ़ाफ़े को खोलने से बचा सकती है। फिर वह सीधा खड़ा हुआ, उसने अपनी दोनों कोहनियों को मेज़ के किनारे पर एक सीधी रेखा में रखा, उसकी उंगलियां फैली हुई थीं और आपस में मिली हुई थीं, उसने अपनी नाक के नथुनों से नीचे, मेज़ की सतह पर देखा, वह एक पल के लिए गंभीर, गर्वित, संयमित होकर बैठा रहा, जैसे किसी फिरौन की कोणीय ममी हो, फिर उसने एक हाथ बढ़ाया, लिफाफा आगे खींचा, उसे खोला और पढ़ना शुरू कर दिया।
एल्सवर्थ एम. टूही द्वारा लिखित "अपवित्रता" - अल्वाह स्कारेट द्वारा लिखित "हमारे बचपन के चर्च" - संपादकीय, उपदेश, भाषण, बयान, संपादक को पत्र, बैनर अखबार पूरी ताकत से, तस्वीरें, कार्टून, साक्षात्कार, विरोध प्रस्ताव, संपादक को पत्र।
वह एक-एक शब्द को व्यवस्थित ढंग से पढ़ रहा था, उसके हाथ मेज के किनारे पर टिके थे, उंगलियां आपस में गुंथी हुई थीं, वह कतरनों को उठा नहीं रहा था, उन्हें छू भी नहीं रहा था, उन्हें ढेर के ऊपर रखे हुए ही पढ़ रहा था, केवल एक कतरन को पलटने और उसके नीचे वाली कतरन को पढ़ने के लिए हाथ हिलाता था, समय की यांत्रिक सटीकता के साथ, जैसे ही उसकी नज़र आखिरी शब्द पर पड़ती, उंगलियां ऊपर उठ जातीं, कतरन को आवश्यकता से अधिक एक पल भी नज़र में नहीं रहने देता था।
लेकिन वह स्टोडार्ड मंदिर की तस्वीरों को देखने के लिए काफी देर तक रुका। वह रोर्क की एक तस्वीर को देखने के लिए और भी देर तक रुका, वह तस्वीर जिसमें उल्लास का भाव था और कैप्शन था, "क्या आप खुश हैं, मिस्टर सुपरमैन?" उसने उसे उस कहानी से फाड़ दिया जिसका वह चित्रण था, और उसे अपनी मेज की दराज में रख दिया। फिर उसने पढ़ना जारी रखा।
पीटर कीटिंग का मुकदमा—एल्सवर्थ एम. टूहे की गवाही
रैल्स्टन होल्कोम्बे का—गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट का—डोमिनिक फ्रैंकन की गवाही से कोई उद्धरण नहीं, केवल एक संक्षिप्त रिपोर्ट। "बचाव पक्ष अपनी बात समाप्त करता है।"
"वन स्मॉल वॉइस" में कुछ उल्लेख—फिर एक अंतराल—
अगली क्लिपिंग तीन साल बाद की है—मोनाडनॉक वैली।
जब उन्होंने पढ़ना समाप्त किया तब तक काफ़ी रात हो चुकी थी। उनके सचिव जा चुके थे। उन्हें अपने चारों ओर खाली कमरे और गलियारे दिखाई दे रहे थे। लेकिन उन्होंने सुना।
प्रेस की आवाज़: एक धीमी, गड़गड़ाहट भरी कंपन जो हर कमरे में गूंज रही थी। उन्हें यह आवाज़ हमेशा से अच्छी लगती थी—इमारत के दिल की धड़कन जैसी आवाज़।

उन्होंने ध्यान से सुना। वे कल के बैनर अखबार को छपाई कर रहे थे। वे काफी देर तक बिना हिले-डुले बैठे रहे।
तृतीय
रोर्क और वायनांड एक पहाड़ी की चोटी पर खड़े थे, जहाँ से नीचे की ओर ढलानदार लंबी घुमावदार भूमि दिखाई दे रही थी। पहाड़ी की चोटी पर नंगे पेड़ उग रहे थे और झील के किनारे तक उतर रहे थे, उनकी शाखाएँ ज्यामितीय आकृतियों की तरह हवा को चीर रही थीं। आसमान का रंग, एक साफ, नाजुक नीला-हरा, हवा को और ठंडा कर रहा था। ठंड ने धरती के रंगों को धुंधला कर दिया था, जिससे पता चल रहा था कि वे रंग नहीं बल्कि वे तत्व थे जिनसे भविष्य में रंग उत्पन्न होंगे, मृत भूरा रंग पूर्ण भूरा नहीं बल्कि भविष्य का हरा रंग, थका हुआ बैंगनी रंग ज्वाला की प्रस्तावना, और धूसर रंग सुनहरे रंग की प्रस्तावना। धरती एक महान कहानी की रूपरेखा की तरह थी, एक इमारत के स्टील फ्रेम की तरह - जिसे भरा और पूरा किया जाना था, भविष्य की सारी भव्यता को नग्न सरलीकरण में समेटे हुए।
"आपके विचार से यह घर कहाँ बनना चाहिए?" वायनांड ने पूछा।
“यहाँ,” रोर्क ने कहा।
मुझे उम्मीद थी कि आप इसे ही चुनेंगे।
वायनांड शहर से अपनी कार चलाकर आया था, और वे दोनों उसकी नई जागीर के रास्तों पर दो घंटे पैदल चलकर सुनसान गलियों, जंगल, झील के किनारे से होते हुए पहाड़ी तक पहुंचे थे। अब वायनांड इंतज़ार कर रहा था, जबकि रोर्क अपने पैरों के नीचे फैले ग्रामीण इलाके को निहार रहा था।
वायनांड को आश्चर्य हुआ कि यह व्यक्ति भूभाग के सभी बिंदुओं से कौन सी लगामें अपने हाथ में समेट रहा था।
जब रोर्क ने उसकी ओर मुड़ा, तो वायनांड ने पूछा:
"क्या मैं अब आपसे बात कर सकता हूँ?"
“बिल्कुल।” रोर्क मुस्कुराया, उसे उस सम्मान पर हंसी आ रही थी जिसकी उसने अपेक्षा नहीं की थी।
वायनांड की आवाज स्पष्ट और भंगुर लग रही थी, ठीक वैसे ही जैसे उनके ऊपर आकाश का रंग था, उसी बर्फीले हरे रंग की चमक से भरपूर:
आपने यह पद क्यों स्वीकार किया?
क्योंकि मैं किराए पर काम करने वाला वास्तुकार हूँ।
"आप जानते हैं कि मेरा क्या मतलब है।"
मुझे यकीन नहीं है कि मैं ऐसा करता हूं।
क्या तुम मुझसे नफरत नहीं करते?
"नहीं मुझे क्यों करना चाहिए?"
"क्या आप चाहते हैं कि मैं पहले इस बारे में बात करूं?"
"किस?"
“स्टोडार्ड मंदिर।”
रोर्क मुस्कुराया। "तो तुमने कल से मेरा हालचाल पूछा था।"
“मैंने हेमॉरी खबरें पढ़ीं।” वह इंतज़ार करता रहा, लेकिन रोर्क ने कुछ नहीं कहा।
“सारी खबरें।” उसकी आवाज़ कठोर थी, आधी चुनौती भरी, आधी विनती भरी। “हमने तुम्हारे बारे में जो कुछ भी कहा।” रोर्क के शांत चेहरे ने उसे क्रोधित कर दिया। वह धीरे-धीरे, हर शब्द पर पूरा ध्यान देते हुए बोला: “हमने तुम्हें एक नासमझ मूर्ख, एक नौसिखिया, एक धोखेबाज, एक ठग, एक अहंकारी कहा था...”
खुद को यातना देना बंद करो।
वायनांड ने अपनी आँखें बंद कर लीं, मानो रोर्क ने उसे मारा हो। एक पल में उसने कहा:

“श्री रोक, आप मुझे अच्छी तरह से नहीं जानते। बेहतर होगा कि आप यह जान लें: मैं माफी नहीं मांगता। मैं अपने किसी भी काम के लिए कभी माफी नहीं मांगता।”
“आपको माफी मांगने का ख्याल कैसे आया? मैंने तो माफी नहीं मांगी है।”
मैं उन सभी वर्णनात्मक शब्दों पर कायम हूं। मैं बैनर में छपे हर शब्द पर कायम हूं। मैंने आपसे इसे अस्वीकार करने के लिए नहीं कहा है।
“मैं जानता हूँ कि आप क्या सोच रहे हैं। कल आपको समझ आ गया था कि मुझे स्टोडार्ड मंदिर के बारे में जानकारी नहीं थी। मैं उस वास्तुकार का नाम भूल गया था। आपने यह निष्कर्ष निकाला कि आपके विरुद्ध वह अभियान मैंने नहीं चलाया था। आप सही हैं, मैंने नहीं चलाया था, मैं उस समय बाहर था। लेकिन आप यह नहीं समझते कि वह अभियान बैनर की सच्ची और उचित भावना के अनुरूप था। वह बैनर के कार्य के पूर्णतया अनुरूप था।”
इसके लिए मेरे सिवा कोई और जिम्मेदार नहीं है। अल्वाह स्कारेट वही कर रहा था जो मैंने उसे सिखाया था। अगर मैं शहर में होता, तो मैं भी यही करता।
"यह आपका विशेषाधिकार है।"
"क्या आपको विश्वास नहीं है कि मैं ऐसा करता?"
"नहीं।"
मैंने आपसे न तो तारीफ मांगी है और न ही दया की भीख मांगी है।
मैं आपकी बात नहीं मान सकता।
"आपको क्या लगता है मैं क्या पूछ रहा हूँ?"
मैं तुम्हारे चेहरे पर थप्पड़ मारूंगा।
आप ऐसा क्यों नहीं करते?
“मैं अपने अंदर के गुस्से को छुपा नहीं सकता,” रोर्क ने कहा। “यह दया नहीं है। यह मेरे द्वारा किए जा सकने वाले किसी भी काम से कहीं अधिक क्रूर है। बस फर्क इतना है कि मैं इसे जानबूझकर नहीं कर रहा हूं।
क्रूरता का आदेश। अगर मैं तुम्हारे चेहरे पर थप्पड़ मार दूं, तो तुम मुझे स्टोडार्ड मंदिर के लिए माफ कर दोगे।"
क्या तुम्हें क्षमा मांगनी चाहिए?
नहीं। तुम चाहते हो कि मैं ऐसा करूँ। तुम जानते हो कि इसमें क्षमा करने की बात शामिल है। तुम इसमें शामिल लोगों को ठीक से नहीं समझ पा रहे हो। तुम चाहते हो कि मैं तुम्हें माफ कर दूं—या फिर हर्जाना माँगूं, जो कि एक ही बात है—और तुम्हें लगता है कि इससे मामला सुलझ जाएगा। लेकिन, देखो, मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। मैं इसमें शामिल लोगों में से नहीं हूं। अब मैं जो भी करूं या महसूस करूं, उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। तुम मेरे बारे में नहीं सोच रहे हो। मैं तुम्हारी मदद नहीं कर सकता। मैं वो इंसान नहीं हूँ जिससे तुम अभी डर रहे हो।
"कौन है?"
"अपने आप को।"
आपको ये सब कहने का अधिकार किसने दिया?
“तुमने किया।”
"ठीक है, आगे बढ़ो।"
क्या आप बाकी का हिस्सा चाहते हैं?
"जारी रखें।"
मुझे लगता है कि यह जानकर आपको दुख होता है कि आपने मुझे कष्ट दिया है। आप चाहते होंगे कि आपने ऐसा न किया होता। फिर भी एक बात है जो आपको उससे भी ज्यादा डराती है। यह जानकर कि मुझे बिल्कुल भी कष्ट नहीं हुआ।
"जारी रखें।"

“यह जानकर कि मैं अब न तो दयालु हूं और न ही उदार, बल्कि केवल उदासीन हूं। यह आपको डराता है, क्योंकि आप जानते हैं कि स्टोडार्ड मंदिर जैसी चीजों के लिए हमेशा भुगतान करना पड़ता है—और आप देखते हैं कि मैं इसके लिए भुगतान नहीं कर रहा हूं। आप इस बात से चकित थे कि मैंने यह काम स्वीकार कर लिया।”
क्या आपको लगता है कि मेरी स्वीकृति के लिए साहस की आवश्यकता थी? मुझे नौकरी पर रखने के लिए आपको कहीं अधिक साहस की आवश्यकता थी। देखिए, स्टोडार्ड ट्रेपल के बारे में मेरी यही राय है। मेरा इससे कोई लेना-देना नहीं है। आपका अभी भी है।
वायनांड ने अपनी उंगलियां खोल दीं, हथेलियां बाहर की ओर फैली हुई थीं। उनके कंधे थोड़े ढीले पड़ गए, वे आराम महसूस कर रहे थे। उन्होंने बहुत ही सरल शब्दों में कहा:
“ठीक है। यह सच है। सब कुछ सच है।”
फिर वह सीधा खड़ा हो गया, लेकिन एक प्रकार की शांत स्वीकृति के साथ, मानो उसने जानबूझकर अपने शरीर को असुरक्षित बना लिया हो।
उन्होंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि आप जानते हैं कि आपने मुझे अपने तरीके से हरा दिया है।"
“हाँ। और तुमने इसे ले लिया है। तो तुमने जो चाहा था वो हासिल कर लिया। क्या हम हिसाब बराबर कर लें और स्टोडार्ड मंदिर को भूल जाएं?”
"या तो आप बहुत बुद्धिमान हैं या मैं बहुत स्पष्ट रहा हूँ। दोनों ही बातें आपकी उपलब्धि हैं। इससे पहले किसी ने भी मुझे इतना स्पष्ट नहीं बनाया है।"
"क्या मुझे अब भी वही करना चाहिए जो आप चाहते हैं?"
"तुम्हें क्या लगता है कि अब मुझे क्या चाहिए?"
“मेरी ओर से व्यक्तिगत मान्यता। अब मेरी बारी है, है ना?”
आप तो हद से ज्यादा ईमानदार हैं, है ना?
“मैं क्यों न होऊं? मैं तुम्हें यह स्वीकार नहीं कर सकती कि तुमने मुझे तकलीफ दी है। लेकिन तुम मुझे सुख देने की बात मानोगे, है ना? ठीक है, फिर। मुझे खुशी है कि तुम मुझे पसंद करते हो। मुझे लगता है कि तुम जानते हो कि यह मेरे लिए उतना ही अपवाद है जितना तुम्हारा मार खाना। मुझे आमतौर पर परवाह नहीं होती कि लोग मुझे पसंद करते हैं या नहीं। लेकिन इस बारे मुझे परवाह है। मुझे खुशी है।”
वायनांड जोर से हंसा। "तुम सम्राट की तरह भोले और अभिमानी हो। जब तुम सम्मान प्रदान करते हो तो केवल अपना ही उत्थान करते हो।"
तुम्हें ऐसा क्यों लगा कि मैं तुम्हें पसंद करता हूं?
"अब आप इसके बारे में कोई स्पष्टीकरण नहीं चाहते। आपने मुझे एक बार इस बात के लिए फटकारा था कि मैंने आपको स्पष्ट होने के लिए मजबूर किया।"
वायनांड एक गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गया। उसने कुछ नहीं कहा; लेकिन उसकी हरकत एक निमंत्रण और एक मांग दोनों थी। रोर्क उसके बगल में बैठ गया; रोर्क का चेहरा गंभीर था, लेकिन उस पर हल्की सी मुस्कान थी, मानो वह हर शब्द को एक रहस्योद्घाटन नहीं बल्कि एक पुष्टि मान रहा हो।
“तुम बिल्कुल गरीबी से ऊपर उठे हो, है ना?” वायनांड ने पूछा। “तुम एक गरीब परिवार से आए हो।”
“जी हां। आपको यह कैसे पता चला?”
“ऐसा लगता है जैसे मैं आपको कुछ भी देने का दावा कर रहा हूँ—चाहे वो तारीफ हो, कोई विचार हो या फिर धन-दौलत। मैंने भी शुरुआत नीचे से ही की थी। आपके पिता कौन थे?”
"एक स्टील पडलर।"
मेरे पिता बंदरगाह पर काम करने वाले मजदूर थे। क्या आपने भी बचपन में तरह-तरह के अजीबोगरीब काम किए थे?

“हर तरह के लोग। ज़्यादातर निर्माण व्यवसाय से जुड़े हुए।”
“मैंने उससे भी बुरा किया। मैंने लगभग सब कुछ किया। आपको कौन सा काम सबसे ज्यादा पसंद था?”
"स्टील संरचनाओं पर रिवेट्स को पकड़ना।"
मुझे हडसन फेरी पर जूते पॉलिश करना अच्छा लगता था। मुझे इससे नफरत करनी चाहिए थी, लेकिन मैंने नहीं की। मुझे वहां के लोग बिल्कुल याद नहीं हैं। मुझे याद है... शहर। वो शहर—हमेशा वहीं, किनारे पर फैला हुआ, इंतज़ार करता हुआ, मानो मैं उससे रबर बैंड से बंधा हुआ हूँ। वो बैंड खिंचता और मुझे दूसरे किनारे पर ले जाता, लेकिन फिर हमेशा वापस खिंच जाता और मैं लौट आता। इससे मुझे ये एहसास होता कि मैं उस शहर से कभी बच नहीं पाऊँगा—और वो शहर भी मुझसे कभी नहीं बच पाएगा।
रोर्क को पता था कि वायनांड अपने बचपन के बारे में शायद ही कभी बात करता था, उसके शब्दों की गुणवत्ता से; उसके शब्द उज्ज्वल और संकोची थे, उपयोग से अछूते, उन सिक्कों की तरह जो कई हाथों से नहीं गुज़रे थे।
"क्या आप कभी सचमुच बेघर और भूखे रहे थे?" वायनांड ने पूछा।
"कुछेक बार।"
क्या आपको इससे कोई आपत्ति थी?
"नहीं।"
“मुझे भी नहीं। मुझे किसी और बात से परेशानी थी। क्या आप बचपन में चीखना चाहते थे, जब आप अपने चारों ओर केवल मोटी-ताज़ी अयोग्यता देखते थे, यह जानते हुए कि कितनी सारी चीजें की जा सकती हैं और कितनी अच्छी तरह से की जा सकती हैं, लेकिन आपके पास उन्हें करने की शक्ति नहीं थी? अपने चारों ओर की खोखली खोपड़ियों को उड़ाने की शक्ति नहीं थी? आदेश मानने पड़ते थे—और यह भी काफी बुरा है—”
लेकिन अपने से नीचे के अधिकारियों से आदेश लेना! क्या आपने कभी ऐसा महसूस किया है?
"हाँ।"
"क्या तुमने अपने गुस्से को अपने भीतर दबा लिया, उसे जमा कर लिया, और यह तय कर लिया कि यदि आवश्यक हो तो तुम खुद को टुकड़े-टुकड़े होने दोगे, लेकिन उस दिन तक पहुंचोगे जब तुम उन लोगों पर, सभी लोगों पर और अपने आसपास की हर चीज पर शासन करोगे?"
"नहीं।"
“क्या सच में? क्या आपने खुद को भूलने दिया?”
नहीं। मुझे अक्षमता से नफरत है। मुझे लगता है कि शायद यही एक चीज है जिससे मुझे नफरत है। लेकिन इसने मुझे लोगों पर शासन करने या उन्हें कुछ सिखाने की इच्छा नहीं जगाई। इसने मुझे अपना काम अपने तरीके से करने और जरूरत पड़ने पर खुद को टुकड़े-टुकड़े करने की भी इच्छा जगाई।
“और आप कौन थे?”
नहीं। किसी भी मायने में नहीं।
"क्या आपको पीछे मुड़कर देखने में कोई आपत्ति नहीं है? किसी भी चीज़ को देखने में?"
"नहीं।"
“हाँ, मुझे याद है। एक रात की बात है। मुझे पीटा गया और मैं रेंगते हुए एक दरवाजे तक पहुँचा—”
मुझे वो फुटपाथ याद है—वो मेरी नाक के ठीक नीचे था—मैं उसे अभी भी देख सकता हूँ—पत्थर में नसें और सफेद धब्बे थे—मुझे यह सुनिश्चित करना था कि वो फुटपाथ

हिल रहा है—मैं महसूस नहीं कर सकता था कि मैं चल रहा हूँ या नहीं।
हिल रहा था या नहीं—लेकिन मैं फुटपाथ से बता सकता था—मुझे देखना था कि वे नसें और धब्बे बदल रहे थे—मुझे अगले पैटर्न या छह इंच दूर दरार तक पहुंचना था—इसमें बहुत समय लगा—और मुझे पता था कि मेरे पेट के नीचे खून था..."
उनकी आवाज में आत्म-दया का कोई भाव नहीं था; यह सरल, भावहीन और विस्मय की हल्की सी झलक से भरी हुई थी।
रोर्क ने कहा: "मैं आपकी मदद करना चाहूंगा।"
वायनांड ने धीरे से मुस्कुराया, लेकिन खुशी से नहीं। “मुझे विश्वास है कि तुम ऐसा कर सकते हो। मुझे तो यह भी लगता है कि यह उचित होगा। दो दिन पहले मैं किसी भी ऐसे व्यक्ति को जान से मार देता जो मुझे मदद की वस्तु समझता... तुम तो जानते ही हो कि वह रात मेरे अतीत की वो बात नहीं है जिससे मुझे नफरत है। वो बात नहीं है जिसे याद करके मुझे डर लगता है। उसका ज़िक्र करना तो बस सबसे कम आपत्तिजनक था। बाकी बातों के बारे में बात नहीं की जा सकती।”
मुझे पता है। मेरा मतलब दूसरी बातों से था।
“ये क्या हैं? आप इनके नाम बताइए।”
“स्टोडार्ड मंदिर।”
"क्या आप इसमें मेरी मदद करना चाहेंगे?"
"हाँ।"
“तुम बिलकुल मूर्ख हो। क्या तुम्हें यह एहसास नहीं है...”
"क्या आपको एहसास नहीं है कि मैं यह पहले से ही कर रहा हूँ?"
"कैसे?"
"आपके लिए यह घर बनाकर।"
रोर्क ने वायनांड के माथे पर तिरछी लकीरें देखीं। वायनांड की आँखें सामान्य से अधिक सफेद लग रही थीं, मानो पुतली से नीला रंग गायब हो गया हो, दो सफेद अंडाकार, उसके चेहरे पर चमक रहे थे। उसने कहा:
और इसके लिए मोटी रकम का कमीशन भी मिलता है।
उसने रोर्क की मुस्कान देखी, जो पूरी तरह प्रकट होने से पहले ही दब गई थी। मुस्कान यह कहना चाहती थी कि यह अचानक हुआ अपमान आत्मसमर्पण की घोषणा थी, जो आत्मविश्वास भरे भाषणों से कहीं अधिक प्रभावशाली थी; लेकिन दबी हुई मुस्कान यह बता रही थी कि रोर्क इस विशेष क्षण में उसकी मदद नहीं करेगा।
“क्यों नहीं, बिल्कुल,” रोर्क ने शांत भाव से कहा।
वायनांड उठ खड़ा हुआ। “चलो चलते हैं। हम समय बर्बाद कर रहे हैं। मुझे दफ्तर में इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण काम करने हैं।”
शहर लौटते समय उन्होंने आपस में बात नहीं की। वायनांड अपनी कार नब्बे मील प्रति घंटे की रफ्तार से चला रहा था। इस गति के कारण दो ठोस दीवारें बन गईं।
सड़क के किनारों पर धुंधली सी हलचल; मानो वे किसी लंबे, बंद, शांत गलियारे में उड़ रहे हों।
वह कॉर्ड बिल्डिंग के प्रवेश द्वार पर रुका और रोर्क को बाहर निकाल दिया।
उसने कहा:
"आप जितनी बार चाहें उस साइट पर वापस जा सकते हैं, श्री रोर्क।"
मुझे आपके साथ चलने की ज़रूरत नहीं है। आपको सर्वेक्षण और सभी आवश्यक जानकारी मेरे कार्यालय से मिल जाएगी। कृपया बहुत ज़रूरी होने तक मुझसे दोबारा संपर्क न करें। मैं बहुत व्यस्त रहूँगा। जब पहले चित्र तैयार हो जाएँ, तो मुझे बता देना।
जब रेखाचित्र तैयार हो गए, तो रोर्क ने वायनांड के कार्यालय में फोन किया। उन्होंने वायनांड से एक महीने से बात नहीं की थी। वायनांड की सचिव ने कहा, "कृपया तार रोकिए, श्रीमान रोर्क।" उन्होंने प्रतीक्षा की। सचिव की आवाज वापस आई और उन्हें

बताया गया कि श्रीमान वायनांड चाहते हैं कि रेखाचित्र उसी दोपहर उनके कार्यालय में लाए जाएं; उन्होंने समय बताया; वायनांड स्वयं फोन नहीं उठाएंगे।
जब रोर्क ने कार्यालय में प्रवेश किया, तो वायनांड ने कहा: "आप कैसे हैं, श्रीमान?"
“रोर्क,” उनकी आवाज़ सौम्य और औपचारिक थी। उनके भावहीन, विनम्र चेहरे पर आत्मीयता का कोई निशान नहीं था।
रोर्क ने उसे घर का नक्शा और एक बड़ा परिप्रेक्ष्य चित्र दिया। वायनांड ने हर पन्ने को ध्यान से देखा। उसने चित्र को काफी देर तक अपने हाथ में पकड़े रखा। फिर उसने ऊपर देखा।
“मैं आपसे बहुत प्रभावित हूँ, श्रीमान रोर्क।” आवाज़ में तीखापन झलक रहा था। “मैं शुरू से ही आपसे बहुत प्रभावित रहा हूँ। मैंने इस बारे में सोच-विचार किया है और मैं आपके साथ एक विशेष समझौता करना चाहता हूँ।”
उसकी निगाहें रोर्क पर कोमल भाव से टिकी थीं, मानो वह यह दर्शा रहा हो कि वह रोर्क के साथ सावधानी से पेश आना चाहता है, उसे अपने किसी निजी उद्देश्य के लिए सुरक्षित रखना चाहता है।
उसने रेखाचित्र को उठाया और उसे दो उंगलियों के बीच पकड़ लिया, जिससे प्रकाश सीधे उस पर पड़े; सफेद कागज एक क्षण के लिए परावर्तक की तरह चमक उठा, जिससे काली पेंसिल की रेखाएं खूबसूरती से उभर आईं।
“क्या आप इस घर को बनते देखना चाहते हैं?” वायनांड ने धीरे से पूछा। “क्या आप इसे बहुत चाहते हैं?”
“हाँ,” रोर्क ने कहा।
वायनांड ने अपना हाथ नहीं हिलाया, केवल अपनी उंगलियों को अलग किया और गत्ते को मेज पर उल्टा गिरने दिया।
“इसे खड़ा किया जाएगा, श्री रोर्क। बिल्कुल वैसे ही जैसे आपने इसे डिज़ाइन किया था। बिल्कुल वैसे ही जैसे यह इस रेखाचित्र में दिखाया गया है। बस एक शर्त पर।”
रोर्क पीठ के बल झुककर बैठा था, उसके हाथ उसकी जेब में थे, वह चौकन्ना होकर इंतजार कर रहा था।
“आप मुझसे यह नहीं पूछना चाहते कि शर्त क्या है, श्रीमान रोर्क? ठीक है, मैं आपको बताता हूँ। मैं यह घर इसी शर्त पर स्वीकार करूंगा कि आप मेरे प्रस्ताव को स्वीकार करें। मैं एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करना चाहता हूँ जिसके अनुसार भविष्य में मेरे द्वारा निर्मित किसी भी भवन के लिए आप एकमात्र वास्तुकार होंगे। जैसा कि आप जानते हैं, यह एक बहुत बड़ा कार्यभार होगा। मैं दावे से कह सकता हूँ कि मैं देश में किसी भी अन्य व्यक्ति की तुलना में अधिक संरचनात्मक कार्यों का प्रबंधन करता हूँ।”
आपके पेशे में हर कोई मेरा एकमात्र आर्किटेक्ट कहलाना चाहता है। मैं आपको यह अवसर दे रहा हूँ। बदले में, आपको कुछ शर्तों को मानना होगा। उन्हें बताने से पहले, मैं आपको कुछ परिणामों के बारे में बताना चाहूंगा, यदि आप इनकार करते हैं। जैसा कि आपने सुना होगा, मुझे इनकार पसंद नहीं है। मेरी शक्ति दो तरह से काम कर सकती है। मेरे लिए यह सुनिश्चित करना आसान होगा कि आपको इस देश में कहीं भी कोई कमीशन न मिले। आपके अपने कुछ समर्थक हैं, लेकिन कोई भी संभावित नियोक्ता मेरे दबाव को सहन नहीं कर सकता। आपने अपने जीवन के कई व्यर्थ दौर देखे हैं। वे कुछ भी नहीं थे, उस नाकाबंदी के सामने जो मैं लगा सकता हूँ। आपको शायद ग्रेनाइट की खदान में वापस जाना पड़े—हाँ, मुझे पता है, 1928 की गर्मियों में, कनेक्टिकट की फ्रैंकन खदान—कैसे?—निजी जासूसों के ज़रिए, श्री रोर्क।
—हो सकता है तुम्हें ग्रेनाइट की खदान में वापस जाना पड़े, लेकिन मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि खदानें भी तुम्हारे लिए बंद कर दी जाएँ। अब मैं तुम्हें बताता हूँ कि मुझे तुमसे क्या चाहिए।

गेल वायनांड के बारे में फैली तमाम गपशपों में, किसी ने भी उसके चेहरे के उस भाव का ज़िक्र नहीं किया था जो उस पल उसके चेहरे पर था। जिन कुछ लोगों ने उसे देखा था, उन्होंने भी इस बारे में बात नहीं की। इन लोगों में ड्वाइट कूपर पहला व्यक्ति था जिसने उसे देखा था। वायनांड के होंठ खुले हुए थे, उसकी आँखें चमक रही थीं। यह पीड़ा से उत्पन्न कामुक आनंद का भाव था—चाहे वह उसके शिकार की पीड़ा हो या उसकी अपनी, या दोनों की।
“मैं चाहता हूं कि आप मेरी सभी भावी व्यावसायिक इमारतों का डिज़ाइन उसी तरह बनाएं, जैसा कि जनता चाहती है। आप औपनिवेशिक शैली के घर, रोकोको शैली के होटल और अर्ध-ग्रीक शैली की कार्यालय इमारतें बनाएंगे।”
आप जनता की पसंद के अनुरूप रूपों में अपनी अद्वितीय प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे - और आप मेरे लिए पैसा कमाएंगे। आप अपनी
असाधारण प्रतिभा को आज्ञाकारी बनाओ। मौलिकता और अधीनता का संगम। इसे सामंजस्य कहते हैं। तुम अपने क्षेत्र में वही रचना करोगे जो मेरे क्षेत्र में ध्वज है। क्या तुम्हें लगता है कि ध्वज बनाने में प्रतिभा की आवश्यकता नहीं थी? यही तुम्हारा भविष्य का करियर होगा। लेकिन जो घर तुमने मेरे लिए बनाया है, वह तुम्हारे ही डिज़ाइन के अनुसार बनेगा। यह धरती पर बनने वाली रोर्क की आखिरी इमारत होगी। मेरे बाद किसी के पास ऐसी इमारत नहीं होगी।
आपने प्राचीन शासकों के बारे में पढ़ा होगा जिन्होंने अपने महल के वास्तुकार को मृत्युदंड दे दिया था, ताकि कोई अन्य व्यक्ति उस गौरव की बराबरी न कर सके जो उसने उन्हें प्रदान किया था।
उन्होंने वास्तुकार को मार डाला या उसकी आँखें निकाल लीं। आधुनिक तरीके अलग हैं। जीवन भर आपको बहुमत की इच्छा का पालन करना होगा। मैं आपको कोई तर्क देने का प्रयास नहीं करूँगा। मैं केवल एक विकल्प बता रहा हूँ। आप ऐसे व्यक्ति हैं जो सरल भाषा समझ सकते हैं। आपके पास एक सीधा विकल्प है: यदि आप इनकार करते हैं, तो आप फिर कभी कुछ नहीं बना पाएंगे; यदि आप स्वीकार करते हैं, तो आप यह घर बनाएंगे जिसे आप बनते देखना चाहते हैं, और कई अन्य घर भी बनाएंगे जो आपको पसंद नहीं आएंगे, लेकिन जिनसे हम दोनों को लाभ होगा। जीवन भर आप स्टोनरिज जैसी किराये की परियोजनाओं का डिज़ाइन तैयार करेंगे। यही मैं चाहता हूँ।
वह आगे की ओर झुक गया, उन प्रतिक्रियाओं में से एक की प्रतीक्षा करते हुए जिन्हें वह अच्छी तरह जानता था और जिनका आनंद लेता था: क्रोध, आक्रोश या प्रचंड गर्व का भाव।
“क्यों नहीं, बिल्कुल,” रोर्क ने खुशी से कहा। “मुझे यह करने में खुशी होगी। यह आसान है।”
उसने हाथ बढ़ाकर पेंसिल उठाई और वायनांड की मेज पर जो पहला कागज़ दिखा, उसे उठा लिया—एक बड़े लेटरहेड वाला पत्र। उसने तेज़ी से पत्र के पीछे कुछ लिखा। उसके हाथ की गति सहज और आत्मविश्वासपूर्ण थी। वायनांड ने कागज़ पर झुके उसके चेहरे को देखा; उसने झुर्रियों रहित माथा, सीधी भौंहें देखीं, जो एकाग्रचित्त थीं, लेकिन प्रयास से विचलित नहीं थीं।
रोर्क ने अपना सिर उठाया और कागज को डेस्क के उस पार वायनांड की ओर फेंक दिया।
"क्या आप यही चाहते हैं?"
वायनांड का घर कागज पर बना हुआ था—औपनिवेशिक शैली के बरामदे, एक घुमावदार छत, दो विशाल चिमनियां, कुछ छोटे-छोटे स्तंभ और कुछ गोल खिड़कियां। यह कोई व्यंग्य नहीं था, बल्कि एक गंभीर अनुकूलन था जिसे कोई भी प्रोफेसर उत्कृष्ट कलात्मकता की मिसाल देता।
“हे भगवान, नहीं!” यह सिसकी सहज और तात्कालिक थी।

“तो चुप रहो,” रोर्क ने कहा, “और मुझे कभी भी वास्तुकला से जुड़े कोई सुझाव मत देना।”
वायनांड अपनी कुर्सी पर धंस गया और हंसने लगा। वह काफी देर तक हंसता रहा, रुक ही नहीं पा रहा था। उसकी हंसी खुशी की आवाज नहीं थी।
रोर्क ने थके हुए स्वर में सिर हिलाया। “तुम्हें इससे बेहतर पता होना चाहिए था। और यह बात मुझे बहुत पुरानी लगती है। मेरा असामाजिक हठ इतना प्रसिद्ध है कि मुझे नहीं लगता था कि कोई मुझे दोबारा लुभाने की कोशिश में अपना समय बर्बाद करेगा।”
“हावर्ड। मेरा मतलब यही था। जब तक मैंने यह नहीं देखा था।”
मुझे पता था कि तुम सच कह रहे हो। मुझे नहीं लगा था कि तुम इतने मूर्ख हो सकते हो।
"क्या आपको पता था कि आप एक बहुत बड़ा जोखिम उठा रहे हैं?"
“बिल्कुल नहीं। मेरे पास एक ऐसा सहयोगी था जिस पर मैं भरोसा कर सकता था।”
“क्या? आपकी ईमानदारी?”
आपकी, गेल।
वायनांड अपनी मेज की सतह को देखते हुए बैठे रहे। थोड़ी देर बाद उन्होंने कहा:
आप इस बारे में गलत हैं।
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
वायनांड ने अपना सिर उठाया; वह थका हुआ लग रहा था; उसकी आवाज़ में उदासीनता थी।
“यह तो फिर से स्टोडार्ड मुकदमे वाली आपकी ही रणनीति थी, है ना? ‘बचाव पक्ष अपनी बात समाप्त करता है।’... काश मैं उस फैसले को सुनने के लिए अदालत में मौजूद होता... आपने एक बार फिर मुकदमे का इल्जाम मुझ पर ही डाल दिया, है ना?”
इसे यही कहिए।
लेकिन इस बार तुम जीत गए। मुझे लगता है तुम जानते हो कि मुझे तुम्हारी जीत से खुशी नहीं है।
मुझे पता है कि तुम नहीं हो।
“ऐसा मत सोचो कि यह उन प्रलोभनों में से एक था, जिनमें आप सिर्फ अपने शिकार को परखने के लिए प्रलोभन देते हैं और हारने पर खुश होते हैं, मुस्कुराते हैं और कहते हैं, चलो, आखिरकार मुझे वैसा ही आदमी मिल गया जैसा मैं चाहती थी। ऐसा मत सोचो। मेरे लिए ऐसा बहाना मत बनाओ।”
“मैं नहीं हूं। मुझे पता है कि तुम क्या चाहते थे।”
“पहले मैं इतनी आसानी से नहीं हारता। यह तो बस शुरुआत होती। मुझे पता है मैं और कोशिश कर सकता हूं। मैं कोशिश नहीं करना चाहता। इसलिए नहीं कि तुम शायद अंत तक डटे रहोगे। बल्कि इसलिए कि मैं डटा नहीं रहूंगा। नहीं, मैं इसके लिए खुश नहीं हूं और न ही तुम्हारा आभारी हूं... लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता...”
"गेल, तुम खुद से कितना झूठ बोल सकती हो?"
“मैं झूठ नहीं बोल रहा हूं। मैंने अभी जो कुछ भी आपको बताया वह सब सच है। मुझे लगा था कि आप इसे समझ गए होंगे।”
“आपने अभी जो कुछ भी बताया—हाँ। मैं उस बारे में सोच ही नहीं रहा था।”
आप जो सोच रहे हैं, वह गलत है। यहां रहना भी गलत है।
क्या आप मुझे बाहर निकालना चाहते हैं?
"तुम जानते हो कि मैं ऐसा नहीं कर सकता।"
वायनांड की नज़र रोर्क से हटकर उसकी मेज पर उल्टे पड़े घर के चित्र पर पड़ी। वह एक पल के लिए रुका, खाली गत्ते को देखता रहा, फिर उसे पलट दिया। उसने धीरे से पूछा:
"क्या मैं अब आपको बताऊं कि मैं इस बारे में क्या सोचता हूं?"
"तुमने मुझे बताया है।"

"हावर्ड, आपने मेरे जीवन के प्रतीक के रूप में घर की बात की थी। क्या आपको लगता है कि मेरा जीवन इस तरह के प्रतीक के योग्य है?"
"हाँ।"
"क्या यह आपका ईमानदार निर्णय है?"
“मेरा ईमानदार फैसला, गेल। मेरा सबसे सच्चा फैसला। मेरा अंतिम फैसला। चाहे भविष्य में हमारे बीच कुछ भी हो जाए।”
वायनांड ने चित्र नीचे रख दिया और काफ़ी देर तक योजनाओं का अध्ययन करता रहा। जब उसने अपना सिर उठाया, तो वह शांत और सामान्य दिख रहा था।
“तुम यहाँ से दूर क्यों रहे?” उसने पूछा।
ऑप निजी जासूसों के साथ व्यस्त थे।
वायनांड हँस पड़ा। “अरे, वो बात? मैं अपनी पुरानी बुरी आदतों पर काबू नहीं रख पाया और मुझे जिज्ञासा भी हुई। अब मैं तुम्हारे बारे में सब कुछ जानता हूँ—सिवाय तुम्हारी ज़िंदगी की महिलाओं के। या तो तुम बहुत ही गुप्त रहे हो या फिर तुम्हारी ज़िंदगी में ज़्यादा महिलाएं नहीं रही हैं। इस बारे में कहीं कोई जानकारी नहीं है।”
"ऐसे बहुत कम मामले हुए हैं।"
मुझे लगता है कि मुझे तुम्हारी कमी महसूस हुई। तुम्हारे अतीत के बारे में जानकारी इकट्ठा करना एक तरह से विकल्प था। तुम मुझसे दूर क्यों रहे?
"तुमने ही तो मुझे ऐसा करने को कहा था।"
"क्या आप आदेश मानने में हमेशा इतने विनम्र रहते हैं?"
जब मुझे उचित लगेगा।
“अच्छा, ये रहा एक आदेश—आशा है आप इसे उचित आदेश मानेंगे: आज रात हमारे साथ खाना खाइए। मैं ये चित्र घर ले जाकर अपनी पत्नी को दिखाऊंगा। मैंने अभी तक उसे घर के बारे में कुछ नहीं बताया है।”
“तुमने उसे नहीं बताया?”
नहीं। मैं चाहती हूँ कि वह इसे देखे। और मैं चाहती हूँ कि तुम उससे मिलो। मुझे पता है कि उसने अतीत में तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार नहीं किया है—मैंने वह पढ़ा है जो उसने तुम्हारे बारे में लिखा था। लेकिन यह बहुत पहले की बात है। मुझे उम्मीद है कि अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।
नहीं, इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।
तो क्या तुम आओगे?
"हाँ।"
चतुर्थ
डोमिनिक अपने कमरे के कांच के दरवाजे पर खड़ी थी।
वायनांड ने बाहर छत पर बने बगीचे की बर्फ़ की चादरों पर तारों की रोशनी देखी। उसने देखा कि उसका प्रतिबिंब उसके चेहरे की आकृति को छू रहा है, उसकी पलकों पर, उसके गालों पर एक हल्की सी चमक बिखेर रहा है। उसने सोचा कि यही उसके चेहरे की असली चमक है। वह धीरे से उसकी ओर मुड़ी, और रोशनी उसके सीधे, हल्के बालों के चारों ओर एक घेरा बन गई। उसने हमेशा की तरह मुस्कुराते हुए उसे देखा, एक शांत, समझदारी भरी मुस्कान।
“क्या बात है, गेल?”
शुभ संध्या, प्रिय। क्यों?
“आप खुश दिख रहे हैं। यह सही शब्द नहीं है, लेकिन इसके सबसे करीब है।”
“प्रकाश करीब है। मैं हल्का महसूस कर रहा हूँ, तीस साल हल्का। ऐसा नहीं है कि मैं तीस साल पहले जैसा था वैसा बनना चाहूँ। कोई कभी नहीं चाहता। इस एहसास का मतलब सिर्फ इतना है कि मुझे उसी रूप में, जैसा मैं अभी हूँ, वापस शुरुआत में ले जाया जा रहा है। यह बिल्कुल अतार्किक, असंभव और अद्भुत है।”

"इस एहसास का आम तौर पर मतलब यह होता है कि आप किसी से मिले हैं। आमतौर पर एक महिला से।"
“हाँ, मैंने देखा है। औरत नहीं, मर्द। डोमिनिक, तुम आज रात बहुत खूबसूरत लग रही हो। लेकिन मैं हमेशा यही कहता हूँ। ये वो नहीं है जो मैं कहना चाहता था। असल बात ये है: मुझे बहुत खुशी है कि तुम आज रात इतनी खूबसूरत लग रही हो।”
“क्या बात है, गेल?”
कुछ नहीं। बस इस बात का एहसास कि कितनी सारी चीजें महत्वहीन हैं और जीना कितना आसान है।
उसने उसका हाथ पकड़ा और उसे अपने होठों से लगा दिया।
“डोमिनिक, मुझे हमेशा से यही लगता रहा है कि हमारी शादी का अब तक टिके रहना किसी चमत्कार से कम नहीं है। अब मुझे पूरा यकीन है कि यह कभी नहीं टूटेगी। किसी भी चीज़ या किसी भी इंसान से नहीं।” वह शीशे के पैनल से टेक लगाकर बैठ गई। “मेरे पास तुम्हारे लिए एक तोहफ़ा है—मुझे याद मत दिलाओ, यह वो वाक्य है जो मैं सबसे ज़्यादा बार बोलती हूँ। इस गर्मी के अंत तक मैं तुम्हारे लिए एक तोहफ़ा लेकर आऊँगी। हमारा घर।”
“घर? आपने तो इसके बारे में इतने लंबे समय से बात ही नहीं की, मुझे लगा आप भूल ही गए होंगे।”
“पिछले छह महीनों से मैंने इसके अलावा और कुछ नहीं सोचा। क्या आपने अपना मन नहीं बदला? क्या आप वाकई शहर से बाहर जाना चाहते हैं?”
“जी गेल, अगर तुम इतना चाहती हो तो। क्या तुमने किसी आर्किटेक्ट को चुन लिया है?”
“मैंने इससे भी ज़्यादा किया है। मेरे पास आपको दिखाने के लिए घर का नक्शा है।”
"ओह, मैं इसे देखना चाहूंगा।"
“यह मेरे अध्ययन कक्ष में है। चलो, मैं चाहता हूँ कि तुम इसे देखो।”
वह मुस्कुराई और अपनी उंगलियों से उसकी कलाई को हल्के से छुआ, मानो प्रोत्साहन का स्पर्श हो, फिर वह उसके पीछे-पीछे चली गई। उसने अपने अध्ययन कक्ष का दरवाज़ा खोल दिया और उसे पहले अंदर जाने दिया। लाइट जल रही थी और ड्राइंग उसकी मेज पर दरवाजे की ओर मुंह करके रखी हुई थी।
वह रुक गई, उसके हाथ पीछे थे, हथेलियाँ दरवाजे के चौखट पर टिकी हुई थीं। वह हस्ताक्षर देखने के लिए बहुत दूर थी, लेकिन वह काम को जानती थी और यह भी जानती थी कि उस घर को किसने डिज़ाइन किया होगा।
उसके कंधे एक वृत्त बनाते हुए धीरे-धीरे मुड़ने लगे, मानो वह किसी खंभे से बंधी हो, भागने की उम्मीद छोड़ चुकी हो, और केवल उसका शरीर ही विरोध का अंतिम, सहज संकेत दे रहा हो।
उसने सोचा, अगर वह गेल वायनांड की नज़र में रोर्क की बाहों में बिस्तर पर लेटी होती, तो यह उल्लंघन इतना भयानक नहीं होता; यह चित्र, जो रोर्क के शरीर से भी अधिक व्यक्तिगत था, गेल वायनांड से उत्पन्न एक समान बल के जवाब में बनाया गया था, यह उसका, रोर्क का, वायनांड का उल्लंघन था - और फिर भी, उसे अचानक एहसास हुआ कि यह अपरिहार्य था।
“नहीं,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “ऐसी चीजें कभी संयोग नहीं होतीं।”
"क्या?"
लेकिन उसने अपना हाथ ऊपर उठाया, सारी बातचीत को धीरे से पीछे धकेलते हुए, और वह चित्र की ओर चल पड़ी, कालीन पर उसके कदमों की आवाज बिल्कुल नहीं सुनाई दे रही थी।
उसने कोने में स्पष्ट हस्ताक्षर देखा—“हावर्ड रोर्क।” यह घर के आकार से कम भयावह था; यह एक पतले सहारे की तरह था, लगभग एक अभिवादन की तरह।
“डोमिनिक?”

उसने अपना चेहरा उसकी ओर घुमाया। उसने उसका जवाब देखा। उसने कहा:
मुझे पता था कि आपको यह पसंद आएगा। मेरी कमियों के लिए क्षमा करें। आज रात हमारे पास शब्द नहीं हैं।
वह सोफे तक चलकर गई और बैठ गई; उसने अपनी पीठ कुशनों पर टिका ली; इससे उसे सीधा बैठने में मदद मिली। उसकी निगाहें वायनांड पर टिकी रहीं। वह उसके सामने खड़ा था, मेंटलपीस पर टिका हुआ, आधा
उसने मुंह फेर लिया और चित्र को देखने लगी। वह उस चित्र से बच नहीं सकती थी; वायनांड का चेहरा मानो उसका दर्पण था।
"क्या तुमने उसे देखा है, गेल?"
"किसको?"
“वास्तुकार।”
“बेशक मैंने उसे देखा है। एक घंटे पहले ही।”
“आप उनसे पहली बार कब मिले थे?”
"पिछला महीना।"
“तुम उसे इतने समय से जानती थी? ... हर शाम ... जब तुम घर आती थी ... खाने की मेज पर ..."
“तुम्हारा मतलब है, मैंने तुम्हें क्यों नहीं बताया? मैं तुम्हें दिखाने के लिए स्केच रखना चाहती थी। मैंने घर को इस तरह देखा था, लेकिन मैं इसे समझा नहीं पा रही थी। मुझे नहीं लगता था कि कोई मेरी इच्छा को समझ पाएगा और उसे डिज़ाइन कर पाएगा। लेकिन उसने कर दिखाया।”
"कौन?"
“हावर्ड रोर्क।”
वह गेल वायनांड द्वारा नाम का उच्चारण सुनना चाहती थी।
"गेल, तुमने उसे कैसे चुना?"
मैंने पूरे देश में खोजबीन की। मुझे जो भी इमारतें पसंद आईं, वे सभी उसी ने बनाई थीं।
उसने धीरे से सिर हिलाया।
"डोमिनिक, मैं यह मानकर चलता हूं कि अब आपको इसकी परवाह नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैंने उसी वास्तुकार को चुना है जिसकी आप बैनर अखबार में रहते हुए लगातार निंदा करते रहे थे।"
“क्या तुमने इसे पढ़ा?”
मैंने इसे पढ़ा। आपका इसे करने का तरीका अजीब था। यह स्पष्ट था कि आप उनके काम की प्रशंसा करते थे और व्यक्तिगत रूप से उनसे नफरत करते थे। लेकिन आपने स्टोडार्ड के मुकदमे में उनका बचाव किया।
"हाँ।"
“तुमने तो एक बार उनके लिए काम भी किया था। डोमिनिक, वो मूर्ति उनके मंदिर के लिए ही बनाई गई थी।”
"हाँ।"
“यह अजीब है। आपने उसका बचाव करने के लिए बैनर में अपनी नौकरी खो दी। जब मैंने उसे चुना था तब मुझे यह पता नहीं था। मुझे उस मुकदमे के बारे में पता नहीं था। मैं उसका नाम भूल गया था। डोमिनिक, एक तरह से, उसी ने तुम्हें मुझे सौंपा है।”
वो मूर्ति—उसके मंदिर से। और अब वो मुझे ये घर देने जा रहा है। डोमिनिक, तुम उससे नफरत क्यों करती थी?
“मैं उससे नफ़रत नहीं करता था... यह बहुत पहले की बात है...”
“मुझे लगता है कि अब इन सब बातों का कोई मतलब नहीं है, है ना?” उसने चित्र की ओर इशारा किया।
मैंने उसे सालों से नहीं देखा है।

"आप उन्हें लगभग एक घंटे में देखेंगे। वे यहाँ रात के खाने के लिए आ रहे हैं।"
उसने अपना हाथ हिलाया और सोफे के आर्मरेस्ट पर एक सर्पिल आकृति बनाई, ताकि वह खुद को यकीन दिला सके कि वह ऐसा कर सकती है।
"यहाँ?"
"हाँ।"
“क्या आपने उसे रात के खाने पर बुलाया है?”
वह मुस्कुराया; उसे अपने घर में मेहमानों की मौजूदगी के प्रति अपनी नाराज़गी याद आ गई। उसने कहा: “यह अलग बात है। मैं उसे यहाँ चाहता हूँ। मुझे नहीं लगता कि तुम्हें वह अच्छी तरह याद है—वरना तुम आश्चर्यचकित नहीं होते।”
वह उठ बैठी।
“ठीक है, गेल। मैं आदेश देता हूँ। फिर मैं कपड़े पहन लेता हूँ।”
गेल वायनांड के पेंटहाउस के डाइनिंग रूम में वे आमने-सामने थे। उसने सोचा कि यह कितना सरल था। वह हमेशा से यहीं था। इन कमरों में उसके द्वारा उठाए गए हर कदम की प्रेरणा वही था। वही उसे यहाँ लाया था और अब वह इस जगह पर अपना अधिकार जताने आया था। वह उसे देख रही थी। वह उसे वैसे ही देख रही थी जैसे उसने उसे उस सुबह देखा था जब वह आखिरी बार उसके बिस्तर पर जागी थी। वह जानती थी कि न तो उसके कपड़े और न ही बीते साल उस जीवंत स्मृति के बीच खड़े हो सकते हैं। उसने सोचा कि यह शुरू से ही अपरिहार्य था, उस पल से जब उसने एक खदान के किनारे पर उसे देखा था - ऐसा होना ही था, गेल वायनांड के घर में - और अब उसे अंतिम शांति का अनुभव हो रहा था, यह जानते हुए कि निर्णय लेने की उसकी भूमिका समाप्त हो गई थी; उसने ही पहल की थी, लेकिन अब से वह पहल करेगा।
वह सीधी खड़ी थी, उसका सिर समतल था; उसके चेहरे की बनावट में सैन्य शैली की सटीकता और स्त्रीत्व की कोमलता झलक रही थी; उसके हाथ स्थिर, उसके बगल में लटके हुए थे, उसकी काली पोशाक की लंबी सीधी रेखाओं के समानांतर।
"आप कैसे हैं, श्रीमान रोर्क?"
"आप कैसी हैं, श्रीमती वायनांड?"
"क्या मैं आपके द्वारा हमारे लिए डिज़ाइन किए गए घर के लिए आपको धन्यवाद दे सकता हूँ? यह आपकी सभी इमारतों में सबसे सुंदर है।"
"कार्य की प्रकृति के अनुसार, यह काम श्रीमती वायनांड को ही सौंपा जाना था।"
उसने धीरे से अपना सिर घुमाया।
"गेल, तुमने मिस्टर रोर्क को असाइनमेंट कैसे प्रस्तुत किया?"
"ठीक वैसे ही जैसे मैंने आपसे इसके बारे में बात की थी।"
उसने रोर्क द्वारा वायनांड से सुनी और स्वीकार की गई बातों के बारे में सोचा। वह बैठने के लिए आगे बढ़ी; दोनों पुरुषों ने भी उसका अनुसरण किया। रोर्क ने कहा:
"अगर आपको यह घर पसंद है, तो इसकी पहली उपलब्धि श्री वायनांड की इसकी परिकल्पना थी।"
उसने पूछा: "क्या आप इसका श्रेय किसी ग्राहक के साथ साझा कर रहे हैं?"
"हां, एक तरह से।"
मुझे लगता है कि यह आपके पेशेवर विचारों के बारे में मेरी याददाश्त के विपरीत है।
"लेकिन यह मेरे व्यक्तिगत हितों का समर्थन करता है।"
मुझे यकीन नहीं है कि मैं इसे कभी समझ पाया था।
"मैं संघर्ष में विश्वास रखता हूँ, श्रीमती वायनांड।"
"क्या इस घर के डिजाइन में कोई विवाद शामिल था?"
"अपने ग्राहक से प्रभावित न होने की इच्छा।"
"किस तरह से?"

“कुछ लोगों के लिए काम करना मुझे अच्छा लगा और कुछ के लिए नहीं। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। इस बारे, मुझे पता था कि यह घर जैसा बना है, वैसा सिर्फ इसलिए बना है क्योंकि इसे मिस्टर वायनांड के लिए बनाया जा रहा था। मुझे इस चुनौती का सामना करना था। या यूं कहें कि मुझे इसके साथ और इसके विपरीत दोनों तरह से काम करना था। काम करने का यही सबसे अच्छा तरीका था। घर को वास्तुकार, ग्राहक और भावी किरायेदार, सभी से बढ़कर होना था। और यह हुआ भी।”
"लेकिन यह घर—यह तो तुम ही हो, हॉवर्ड," वायनांड ने कहा। "यह अभी भी तुम ही हो।"
जब उसने "हावर्ड" सुना, तो उसके चेहरे पर पहली बार भाव प्रकट हुआ, एक शांत सदमा। वायनांड ने इस पर ध्यान नहीं दिया। रोर्क ने दिया। उसने उसकी ओर देखा—यह उसकी पहली व्यक्तिगत दृष्टि थी। वह उसमें कोई टिप्पणी नहीं समझ पाई—केवल उस विचार की सचेत पुष्टि जिसने उसे चौंका दिया था।
“इसे समझने के लिए धन्यवाद, गेल,” उन्होंने जवाब दिया।
उसे यकीन नहीं था कि उसने उसे नाम पर जोर देते हुए सुना था या नहीं।
“यह अजीब है,” वायनांड ने कहा। “मैं धरती पर सबसे ज़्यादा अधिकार जताने वाला इंसान हूँ। मैं चीज़ों के साथ कुछ अलग ही करता हूं। मान लीजिए, मैं किसी सस्ते स्टोर के काउंटर से एक ऐशट्रे उठाता हूं, उसके लिए पैसे देता हूं और उसे अपनी जेब में रख लेता हूं—और वह एक खास तरह की ऐशट्रे बन जाती है, दुनिया में किसी और ऐशट्रे जैसी नहीं, क्योंकि वह मेरी है। उसमें एक अलग ही खासियत आ जाती है, जैसे कोई आभा मंडल हो। मुझे अपनी हर चीज़ के बारे में ऐसा ही लगता है। मेरे ओवरकोट से लेकर—कंपोजिंग रूम में सबसे पुराने लिनोटाइप तक—न्यूज़स्टैंड पर रखे बैनर अखबार की प्रतियों तक—
इस पेंटहाउस के लिए—मेरी पत्नी के लिए। और मैंने कभी किसी चीज़ का मालिक बनने की इतनी इच्छा नहीं की जितनी इस घर की, जो तुम मेरे लिए बनाने वाले हो, हॉवर्ड। डोमिनिक को इसमें रहते देखकर शायद मुझे जलन होगी—मैं ऐसी चीज़ों को लेकर थोड़ा सनकी हो सकता हूँ। फिर भी—मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं इसका मालिक बनूंगा, क्योंकि चाहे मैं कुछ भी करूँ या कितना भी भुगतान करूँ, यह तुम्हारा ही रहेगा। यह हमेशा तुम्हारा ही रहेगा।
“यह मेरा ही होना चाहिए,” रोर्क ने कहा। “लेकिन दूसरे अर्थ में, गेल, इस घर और मेरी बनाई हर चीज़ की मालिक तुम हो। हर उस संरचना की मालिक तुम हो जहाँ तुम रुकी हो और खुद को जवाब देते हुए सुना है।”
"किस तरीके से?"
“व्यक्तिगत उत्तर के अर्थ में। जिस वस्तु की आप प्रशंसा करते हैं, उसके सामने आप जो महसूस करते हैं, वह केवल एक शब्द है—‘हाँ’। पुष्टि, स्वीकृति, स्वीकारोक्ति का संकेत। और वह ‘हाँ’ केवल एक चीज़ का उत्तर नहीं है, यह जीवन के लिए, उस धरती के लिए जो इसे धारण करती है, उस विचार के लिए जिसने इसे बनाया है, और स्वयं के लिए इसे देखने में सक्षम होने के लिए एक प्रकार का ‘आमीन’ है। लेकिन ‘हाँ’ या ‘ना’ कहने की क्षमता ही स्वामित्व का सार है। यह आपके अपने अहंकार का स्वामित्व है। आपकी आत्मा का, यदि आप चाहें तो। आपकी आत्मा का एक ही मूल कार्य है—मूल्यांकन करना। ‘हाँ’ या ‘ना’, ‘मैं चाहता/चाहती हूँ’ या ‘मैं नहीं चाहता/चाहती हूँ’। आप ‘हाँ’ नहीं कह सकते।”
‘मैं’ कहे बिना। पुष्टि करने वाले के बिना कोई पुष्टि नहीं हो सकती।
इस अर्थ में, जिसे किसी को भी आप अपना प्रेम देते हैं, वह सब आपका हो जाता है।"
“इस अर्थ में, आप दूसरों के साथ चीजें साझा करते हैं?”
“नहीं। यह साझा करना नहीं है। जब मैं कोई सिम्फनी सुनता हूँ जो मुझे बहुत पसंद है, तो मुझे उससे वह नहीं मिलता जो संगीतकार को मिला था। उनका ‘हाँ’ मेरे ‘हाँ’ से

अलग था। उन्हें मेरे 'हाँ' का कोई चेंता नहीं हो सकती थी और न ही उसे इसका कोई सटीक अर्थ पता हो सकता था। यह जवाब हर व्यक्ति के लिए बहुत निजी होता है। लेकिन खुद को वह देकर जो वह चाहते थे, उन्होंने मुझे एक अद्भुत अनुभव दिया। गेल, जब मैं घर डिज़ाइन करता हूँ तो मैं अकेला होता हूँ, और तुम कभी नहीं जान सकती कि मैं उसे किस तरह अपना मानता हूँ। लेकिन अगर तुम भी उसे अपना 'आमीन' कह दो—तो वह तुम्हारा भी हो जाती है। और मुझे खुशी है कि वह तुम्हारा है।"
वायनांड ने मुस्कुराते हुए कहा:
मुझे ऐसा सोचना अच्छा लगता है। कि मोनाडनॉक, एनराइट हाउस और कॉर्ड बिल्डिंग मेरी संपत्ति हैं..."
"और स्टोडार्ड मंदिर," डोमिनिक ने कहा।
उसने उनकी बातें सुनीं। वह सुन्न पड़ गई। वायनांड ने अपने घर में आए किसी भी मेहमान से कभी इस तरह बात नहीं की थी; रोर्क ने कभी किसी ग्राहक से इस तरह बात नहीं की थी। वह जानती थी कि यह सुन्नपन बाद में क्रोध, अस्वीकृति और आक्रोश में बदल जाएगा; अभी तो यह केवल उसकी आवाज़ में एक तीखी सी आवाज़ थी, एक ऐसी आवाज़ जो उसने जो सुना था उसे नष्ट कर दे।
उसे लगा कि वह सफल हो गई है। वायनांड ने भारी स्वर में उत्तर दिया:
"हां।"
"स्टोडार्ड मंदिर को भूल जाओ, गेल," रोर्क ने कहा। उनकी आवाज़ में एक ऐसी सरल, बेफ़िक्री भरी खुशी थी कि कोई भी गंभीर बात इससे अधिक प्रभावी नहीं हो सकती थी।
"जी हां, हॉवर्ड," वायनांड ने मुस्कुराते हुए कहा।
उसने देखा कि रोर्क की निगाहें उसकी ओर मुड़ गई हैं।
"श्रीमती वायनांड, मुझे अपना वास्तुकार चुनने के लिए मैंने आपको धन्यवाद नहीं दिया है। मुझे पता है कि श्री वायनांड ने मुझे चुना था और आप मेरी सेवाएं अस्वीकार कर सकती थीं। मैं आपको बताना चाहता था कि मुझे खुशी है कि आपने ऐसा नहीं किया।"
उसने सोचा, मैं इस पर विश्वास करती हूँ क्योंकि इनमें से किसी भी बात पर विश्वास नहीं किया जा सकता; मैं आज रात कुछ भी स्वीकार कर लूंगी; मैं उसे देख रही हूँ।
उसने विनम्रतापूर्वक उदासीनता से कहा: "क्या यह मेरे विवेक पर सवाल नहीं होगा कि मैं आपके द्वारा डिज़ाइन किए गए घर को अस्वीकार करना चाहूँगी, श्री रोर्क?" उसे लगा कि आज रात वह जो कुछ भी ज़ोर से कहेगी, उसका कोई महत्व नहीं होगा।
वायनांड ने पूछा:
"हावर्ड, वह 'हां' - एक बार मंजूर हो जाने के बाद, क्या उसे वापस लिया जा सकता है?"
वह अविश्वास भरी क्रोध से हंसना चाहती थी। यह सवाल तो वायनांड ने पूछा था; उसे तो यह सवाल खुद पूछना चाहिए था। उसने सोचा, जवाब देते समय उसे मेरी तरफ देखना चाहिए; उसे मेरी तरफ देखना ही होगा।
"कभी नहीं," रोर्क ने वायनांड की ओर देखते हुए उत्तर दिया।
"मानव अस्थिरता और सभी भावनाओं की क्षणभंगुरता के बारे में बहुत सारी बकवास बातें हैं," वायनांड ने कहा। "मैंने हमेशा सोचा है कि जो भावना बदलती है, उसका अस्तित्व ही नहीं है। कुछ किताबें ऐसी हैं जो मुझे सोलह साल की उम्र में पसंद थीं। मुझे वे आज भी पसंद हैं।"
नौकर कॉकटेल की ट्रे लेकर अंदर आया। अपना गिलास पकड़े हुए, उसने देखा कि रोर्क ने ट्रे से अपना गिलास उठाया। उसने सोचा: इस समय उसकी उंगलियों के बीच गिलास का तना बिल्कुल वैसा ही महसूस हो रहा है जैसा मेरी उंगलियों के बीच; हम दोनों में इतनी समानता है... वायनांड गिलास पकड़े खड़ी थी, रोर्क को एक अजीब से अविश्वास और आश्चर्य से देख रही थी, मेजबान की तरह नहीं, बल्कि एक मालिक को

तरह जिसे अपनी सबसे कीमती चीज़ पर अपना अधिकार होने का यकीन नहीं हो रहा था।
... उसने सोचा: मैं पागल नहीं हूँ, मैं बस भावुक हो रही हूँ, लेकिन यह बिल्कुल ठीक है, मैं कुछ कह रही हूँ, मुझे नहीं पता क्या है, लेकिन यह ठीक ही होगा, वे दोनों सुन रहे हैं और जवाब दे रहे हैं, गेल मुस्कुरा रही है, मैं शायद सही बातें कह रही हूँ...
रात के खाने की घोषणा हुई और वह आज्ञाकारी भाव से उठी; वह भोजन कक्ष की ओर आगे बढ़ी, मानो किसी सधे हुए जानवर को सहज प्रतिक्रिया के कारण संतुलन प्राप्त हो गया हो। वह मेज़ के सबसे आगे, अपने दोनों ओर आमने-सामने बैठे दो पुरुषों के बीच में बैठ गई। उसने रोर्क की उंगलियों में चांदी के बर्तनों को देखा, पॉलिश किए हुए धातु के उन टुकड़ों को जिन पर "डी. डब्ल्यू." के अक्षर खुदे हुए थे।
उसने सोचा: मैंने यह काम कितनी बार किया है—मैं ही तो श्रीमती गेल वायनांड हूँ—वे सीनेटर, न्यायाधीश, बीमा कंपनियों के अध्यक्ष थे, जो मेरे दाहिनी ओर उस जगह पर रात के खाने पर बैठे थे—और इसी के लिए मुझे प्रशिक्षित किया जा रहा था, यही कारण है कि गेल ने कष्ट भरे वर्षों को पार करते हुए सीनेटरों और न्यायाधीशों को रात के खाने पर आमंत्रित करने के पद तक पहुँची है—ताकि वह उस शाम तक पहुँच सके जब उसके सामने अतिथि के रूप में हॉवर्ड रोर्क होंगे।
वायनांड अखबार के कारोबार के बारे में बात कर रहे थे; रोर्क से इस पर चर्चा करने में उन्हें कोई झिझक नहीं थी, और जब ज़रूरी लगा तो रोर्क ने भी कुछ वाक्य कहे। उनकी आवाज़ में एक चमकीली सादगी थी; वह बिना किसी प्रतिरोध के, बातचीत में बह रही थीं, कोई भी व्यक्तिगत प्रतिक्रिया, यहां तक कि दर्द या डर भी, अनावश्यक थी। उन्होंने सोचा, अगर बातचीत के दौरान वायनांड का अगला वाक्य यह हो: "तुम उसके साथ सोई हो," तो वह उतनी ही सरलता से जवाब देंगी: "हाँ, गेल, बिल्कुल।" लेकिन वायनांड शायद ही कभी उनकी ओर देखते थे; जब वह देखते थे, तो रोर्क उनके चेहरे से समझ जाती थीं कि उनका चेहरा सामान्य है।
उसके बाद, वे फिर से ड्राइंग रूम में थे, और उसने रोर्क को शहर की रोशनी के बीच खिड़की पर खड़े देखा। उसने सोचा: गेल ने इस जगह को अपनी जीत के प्रतीक के रूप में बनवाया था—ताकि शहर हमेशा उसके सामने रहे—वह शहर जहाँ अंततः उसने सत्ता संभाली।
लेकिन असल में इसे इसी उद्देश्य से बनाया गया था—ताकि रोर्क यहाँ खड़ा हो सके। वह खिड़की—और मुझे लगता है कि गेल आज रात यह जानती है—रोर्क का शरीर उस परिप्रेक्ष्य से मीलों दूर तक सब कुछ अवरुद्ध कर रहा था, उसकी आकृति की रूपरेखा के चारों ओर केवल आग के कुछ बिंदु और रोशन कांच के कुछ टुकड़े ही दिखाई दे रहे थे। वह सिगरेट पी रहा था और वह उसकी सिगरेट को काले आकाश में धीरे-धीरे हिलते हुए देख रही थी, जैसे ही उसने उसे अपने होठों के बीच रखा, फिर उसे अपनी उंगलियों में फैलाए रखा, और उसने सोचा: ये तो बस उसकी सिगरेट की चिंगारियां हैं, उसके पीछे अंतरिक्ष में चमकते हुए वे बिंदु।
उसने धीमी आवाज़ में कहा: “गेल को हमेशा रात में शहर को देखना अच्छा लगता था। उसे गगनचुंबी इमारतों से बेहद लगाव था।”
फिर उसने गौर किया कि उसने भूतकाल का प्रयोग किया है, और सोचने लगी कि ऐसा क्यों हुआ।
नए घर के बारे में बात करते समय उसने क्या कहा, उसे याद नहीं था। वायनांड अपने अध्ययन कक्ष से रेखाचित्र लेकर आया, उन्हें मेज पर फैलाया और तीनों झुककर उन रेखाचित्रों को देखने लगे। रोर्क की पेंसिल सफेद कागज़ों पर बनी पतली काली रेखाओं के कठोर ज्यामितीय पैटर्न पर चलती रही। उसने अपने पास से उसकी आवाज़ सुनी, जो समझा रही थी। वे सुंदरता और पुष्टि की बात नहीं कर रहे थे, बल्कि अलमारियों, सीढ़ियों, भंडारगृहों और स्नानघरों की बात कर रहे थे। रोर्क ने उससे पूछा कि क्या उसे

व्यवस्था सुविधाजनक लगी। उसे यह अजीब लगा कि वे सब ऐसे बात कर रहे थे मानो उन्हें सचमुच विश्वास हो कि वह कभी इस घर में रहेगी।
जब रोर्क चला गया, तो उसने वायनांड को उससे पूछते हुए सुना:
"आप उसके बारे में क्या सोचते हैं?"
उसे अपने भीतर कुछ क्रोधित और खतरनाक महसूस हुआ, जैसे अचानक एक झटका लगा हो, और उसने आधे डर में, आधे जानबूझकर आमंत्रण देते हुए कहा:
"क्या वह आपको इवाइट कार्सन की याद नहीं दिलाता?"
"अरे, इवाइट कार्सन को भूल जाओ!"
वायनांड की आवाज, जिसमें गंभीरता और अपराधबोध झलक नहीं रहा था, बिल्कुल वैसी ही थी जैसी उस आवाज में थी जिसने कहा था: "स्टोडार्ड मंदिर को भूल जाओ।"
स्वागत कक्ष में मौजूद सचिव ने उस संभ्रांत सज्जन को हैरानी से देखा, जिसका चेहरा उसने अखबारों में अक्सर देखा था।
“गेल वायनांड,” उन्होंने अपना परिचय देते हुए सिर झुकाया। “मैं श्री रोर्क से मिलना चाहता/चाहती हूँ। अगर वे व्यस्त न हों तो। अगर वे व्यस्त हों तो कृपया उन्हें परेशान न करें। मेरी कोई अपॉइंटमेंट नहीं थी।”
उसने कभी उम्मीद नहीं की थी कि वायनांड बिना सूचना दिए कार्यालय में आएगा और इतने गंभीर और विनम्र लहजे में प्रवेश की अनुमति मांगेगा।
उसने आगंतुक के आने की सूचना दी। रोर्क मुस्कुराते हुए स्वागत कक्ष में आया, मानो उसे इस मुलाकात में कुछ भी असामान्य न लगा हो।
"हैलो, गेल। अंदर आओ।"
"हैलो, हावर्ड।"
वह रोर्क के पीछे-पीछे दफ्तर तक गया। चौड़ी खिड़कियों के बाहर, ढलती दोपहर का अंधेरा शहर को धुंधला कर रहा था; बर्फ गिर रही थी; काले धब्बे रोशनी के ऊपर तेज़ी से घूम रहे थे।
“अगर आप व्यस्त हैं तो मैं आपको परेशान नहीं करना चाहता, हॉवर्ड। यह ज़रूरी नहीं है।” उन्होंने रात के खाने के बाद से रोर्क को पाँच दिनों से नहीं देखा था।
मैं व्यस्त नहीं हूँ। अपना कोट उतार दो। क्या मैं चित्र अंदर मंगवा दूँ?
“नहीं। मैं घर के बारे में बात नहीं करना चाहता। असल में, मैं बिना किसी खास वजह के ही यहाँ आया हूँ। मैं सारा दिन अपने ऑफिस में था, थोड़ा ऊब गया था, और यहाँ आने का मन हुआ। तुम किस बात पर मुस्कुरा रहे हो?”
“कुछ नहीं। बस आपने कहा था कि यह महत्वपूर्ण नहीं है।”
वायनांड ने उसकी ओर देखा, मुस्कुराया और सिर हिलाया।
वह रोर्क की डेस्क के किनारे पर ऐसे आराम से बैठ गया जैसा उसने अपने खुद के कार्यालय में कभी महसूस नहीं किया था, उसके हाथ उसकी जेब में थे और एक पैर झूल रहा था।
"हावर्ड, तुमसे बात करना लगभग बेकार है। मुझे हमेशा ऐसा लगता है जैसे मैं तुम्हें अपनी ही एक हूबहू नकल पढ़कर सुना रहा हूँ और तुम असली देख चुके हो। ऐसा लगता है जैसे तुम मेरी हर बात एक मिनट पहले ही सुन लेते हो। हम दोनों में तालमेल नहीं है।"
"क्या आप इसे असामंजस्य कहते हैं?"
“ठीक है। बहुत ही सटीक तालमेल।” उसकी आँखें धीरे-धीरे कमरे में घूम रही थीं।
“अगर हम उन चीजों के मालिक हैं जिन्हें हम ‘हाँ’ कहते हैं, तो क्या मैं इस कार्यालय का मालिक हूँ?”
"तो फिर यह आपका है।"
“जानते हो मुझे यहाँ कैसा महसूस हो रहा है? नहीं, मैं यह नहीं कहूँगी कि मुझे घर जैसा महसूस हो रहा है—मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी कहीं भी घर जैसा महसूस किया है।

और मैं यह भी नहीं कहूंगा कि मुझे वैसा ही महसूस हो रहा है जैसा मुझे उन महलों में महसूस हुआ था जहाँ मैं गई थी या यूरोप के महान गिरजाघरों में। मुझे वैसा ही महसूस हो रहा है जैसा मुझे हेलेस किचन में रहते हुए होता था—वहाँ के मेरे सबसे अच्छे दिनों में—ऐसे दिन ज़्यादा नहीं थे। लेकिन कभी-कभी—जब मैं इस तरह बैठती थी—
बस, घाट के पास टूटी हुई दीवार का एक टुकड़ा था—ऊपर बहुत सारे तारे थे, मेरे चारों ओर कूड़े के ढेर थे और नदी से सड़े हुए सीपों की बदबू आ रही थी। ... हॉवर्ड, जब तुम पीछे मुड़कर देखते हो, तो क्या तुम्हें ऐसा लगता है कि तुम्हारे सारे दिन एक समान गति से आगे बढ़ते गए, जैसे कोई टाईपिंग हो रही हो।
क्या सभी अभ्यास एक समान थे? या बीच-बीच में ठहराव आते थे—कुछ पड़ाव आते थे—और फिर टाइपिंग दोबारा शुरू हो जाती थी?
"बीच-बीच में रुकावटें थीं।"
"क्या आप उन्हें उस समय जानते थे—क्या आपको पता था कि वे वही थे?"
"हाँ।"
“मैंने ऐसा नहीं किया। मुझे बाद में पता चला। लेकिन मुझे इसके कारण कभी नहीं पता चले। एक पल था—मैं बारह साल का था और एक दीवार के पीछे खड़ा था, मारे जाने का इंतज़ार कर रहा था। केवल मुझे पता था कि मैं नहीं मारा जाऊँगा। न तो बाद में मैंने जो किया, न ही मैंने जो लड़ाई लड़ी, बल्कि बस वह एक पल जब मैंने इंतज़ार किया। मुझे नहीं पता कि वह पल क्यों याद रखने लायक है या मुझे उस पर गर्व क्यों है।”
मुझे नहीं पता कि मुझे यहां इसके बारे में क्यों सोचना पड़ रहा है।"
कारण की तलाश मत करो।
"क्या आप यह जानते हो?"
मैंने कहा, इसे मत ढूंढो।
“जबसे तुमसे मिला हूँ, मैं अपने अतीत के बारे में सोचता रहता हूँ। और सालों तक मैंने इसके बारे में सोचा ही नहीं था। नहीं, इससे तुम्हें कोई गुप्त निष्कर्ष निकालने की ज़रूरत नहीं है। इस तरह पीछे मुड़कर देखने से मुझे कोई तकलीफ़ नहीं होती, न ही कोई आनंद मिलता है। बस देखना है। कोई खोज नहीं, कोई सफ़र भी नहीं। बस यूँ ही बेतरतीब सैर, जैसे शाम को थोड़ा थका हुआ महसूस करते हुए ग्रामीण इलाकों में घूमना... अगर तुमसे कोई जुड़ाव है भी, तो बस एक ही विचार बार-बार मेरे मन में आता है। मैं सोचता रहता हूँ कि हम दोनों ने एक ही तरह से शुरुआत की थी। एक ही बिंदु से। शून्य से। बस यही सोचता हूँ। बिना कुछ कहे। मुझे इसमें कोई विशेष अर्थ नज़र नहीं आता।”
बस इतना ही कि ‘हमने एक ही तरीके से शुरुआत की’... क्या आप मुझे इसका मतलब समझा सकते हैं?
"नहीं।"
वायनांड ने कमरे में चारों ओर नजर डाली और एक फाइलिंग कैबिनेट के ऊपर एक अखबार देखा।
"यहाँ भला बैनर कौन पढ़ता है?"
"मैं करता हूं।"
"कब से?"
"लगभग एक महीने पहले से।"
“क्रूरता?”
नहीं। बस जिज्ञासा थी।
वायनांड उठे, अखबार उठाया और पन्ने पलटने लगे। एक पन्ने पर रुककर वे मुस्कुराए। उन्होंने उसे ऊपर उठाया: उस पन्ने पर लिखा था
“सदियों का सफर” प्रदर्शनी के लिए इमारतों के रेखाचित्रों की तस्वीरें खींची गईं।

“बहुत बुरा है ना?” वायनांड ने कहा। “यह घिनौना है कि हमें ऐसी चीज़ों का प्रचार करना पड़ रहा है। लेकिन जब मैं सोचता हूँ कि तुमने उन प्रतिष्ठित नागरिक नेताओं के साथ क्या किया, तो मुझे थोड़ा अच्छा लगता है।” वह खुशी से हंस पड़ा। “तुमने उनसे कह दिया कि तुम सहयोग या साझेदारी नहीं करोगे।”
“लेकिन यह कोई दिखावा नहीं था, गेल। यह तो सीधी-सी बात थी। कोई अपने ही काम में सहयोग नहीं कर सकता। मैं अपने भवनों का निर्माण करने वाले श्रमिकों के साथ सहयोग कर सकता हूं, अगर इसे सहयोग कहते हैं तो। लेकिन मैं ईंटें बिछाने में उनकी मदद नहीं कर सकती और वे घर का डिज़ाइन बनाने में मेरी मदद नहीं कर सकते।”
“यह वैसा ही इशारा था जो मैं करना चाहता था। मुझे मजबूरी में उन नागरिक नेताओं को अपने अखबारों में मुफ्त जगह देनी पड़ रही है। लेकिन कोई बात नहीं। तुमने मेरी तरफ से उन्हें करारा जवाब दे दिया।” उसने बिना गुस्से के अखबार एक तरफ फेंक दिया। “यह उस लंच की तरह है जिसमें मुझे आज जाना पड़ा। विज्ञापनदाताओं का एक राष्ट्रीय सम्मेलन। मुझे उन्हें पब्लिसिटी देनी ही थी—सब कुछ चापलूसी, खुशामद और चाटुकारिता। मैं इससे इतना तंग आ गया था कि मेरा मन किया कि मैं बेकाबू होकर किसी का सिर फोड़ दूं। और फिर मुझे तुम्हारा ख्याल आया। मुझे लगा कि तुम पर इसका कोई असर नहीं हुआ। बिलकुल भी नहीं। विज्ञापनदाताओं का राष्ट्रीय सम्मेलन तुम्हारे लिए कोई मायने नहीं रखता। यह किसी ऐसी चौथी दुनिया में है जो तुमसे कभी कोई संपर्क स्थापित नहीं कर सकती। मैंने यह सोचा—और मुझे एक अजीब तरह की राहत महसूस हुई।”
वह फाइलिंग कैबिनेट से टिक गया, अपने पैरों को आगे की ओर सरकाते हुए, अपनी बाहों को क्रॉस करते हुए, और धीरे से बोला:
“हॉवर्ड, मेरे पास एक बार एक बिल्ली का बच्चा था। वह कमीना मुझसे चिपक गया था।”
—गटर से निकला एक छोटा सा, जूँओं से भरा हुआ जानवर, बस फर, मिट्टी और हड्डियाँ—
वह मेरे घर तक मेरा पीछा करता रहा, मैंने उसे खाना खिलाया और फिर भगा दिया, लेकिन अगले दिन वह फिर वहीं था, और आखिरकार मैंने उसे रख लिया। तब मैं सत्रह साल का था, गजट के लिए काम करता था, और जीवन भर के लिए ज़रूरी काम करने का तरीका सीख रहा था।
मैं इसे सहन तो कर सकता था, लेकिन पूरी तरह नहीं। कई बार हालत बहुत खराब हो जाती थी। खासकर शाम के समय। एक बार तो मेरा मन आत्महत्या करने का हुआ था। गुस्सा नहीं था।
—गुस्से ने मुझे और ज़्यादा मेहनत करने पर मजबूर किया। डर ने नहीं। बल्कि घृणा ने, हॉवर्ड। ऐसी घृणा जिससे ऐसा लगता था मानो पूरी दुनिया पानी में डूबी हो और पानी थम गया हो, सीवरों से निकला हुआ पानी जो सब कुछ निगल गया हो, यहाँ तक कि आकाश को भी, यहाँ तक कि मेरे दिमाग को भी। और फिर मैंने उस बिल्ली के बच्चे को देखा। और मैंने सोचा कि वह उन चीजों को नहीं जानता जिनसे मुझे नफरत है, वह कभी जान ही नहीं सकता। वह पवित्र था—पूर्ण अर्थों में पवित्र, क्योंकि उसमें उन चीजों की कल्पना करने की कोई क्षमता नहीं थी।
दुनिया की कुरूपता। मैं आपको बता नहीं सकता कि उस नन्हे से दिमाग के अंदर की चेतना की अवस्था की कल्पना करने में मुझे कितनी राहत मिली, उसे महसूस करने की कोशिश में, एक जीवंत चेतना, लेकिन निर्मल और मुक्त। मैं ज़मीन पर लेट जाता और अपना चेहरा उस बिल्ली के पेट पर रख देता, और उस जानवर की गुर्राहट सुनता। और फिर मुझे अच्छा लगता... लो, हॉवर्ड। मैंने तुम्हारे दफ्तर को सड़ी हुआ घोंट और तुम्हें गली की बिल्ली कह दिया है। यही मेरा तुम्हें श्रद्धांजलि देने का तरीका है।
रोर्क मुस्कुराया। वायनांड ने देखा कि उसकी मुस्कान कृतज्ञता से भरी थी।

“शांत रहो,” वायनांड ने सख्ती से कहा। “कुछ मत बोलो।” वह एक खिड़की के पास गया और बाहर देखने लगा। “मुझे नहीं पता कि मैं इस तरह क्यों बोल रहा हूँ। ये मेरे जीवन के पहले खुशहाल साल हैं। मैं तुमसे इसलिए मिला क्योंकि मैं अपनी खुशी का एक स्मारक बनाना चाहता था। मैं यहाँ आराम पाने आता हूँ, और मुझे आराम मिलता है, फिर भी मैं इन सब बातों के बारे में बात कर रहा हूँ... खैर, छोड़ो... देखो ये मौसम कितना खराब है। क्या तुम्हारा काम यहाँ खत्म हो गया? क्या तुम आज का काम खत्म कर सकते हो?”
“हां। लगभग।”
"चलो कहीं पास में ही साथ में खाना खाने चलते हैं।"
"ठीक है।"
“क्या मैं आपका फोन इस्तेमाल कर सकता हूँ? मैं डोमिनिक को बता दूँगा कि वह रात के खाने पर मेरी उम्मीद न करे।”
उसने नंबर डायल किया। रोर्क ड्राफ्टिंग रूम के दरवाजे की ओर बढ़ा—जाने से पहले उसे कुछ आदेश देने थे। लेकिन वह दरवाजे पर ही रुक गया। उसे रुककर आदेश सुनना ही था।
“हेलो, डोमिनिक? ... हाँ.... थकी हुई हो? ... नहीं, तुम्हारी आवाज़ से ऐसा लग रहा था.... मैं रात के खाने पर घर नहीं आ पाऊँगी, क्या तुम मुझे माफ़ करोगी, प्रिय? ... मुझे नहीं पता, देर हो सकती है.... मैं शहर में खाना खा रही हूँ.... नहीं। मैं हॉवर्ड रोर्क के साथ रात का खाना खा रही हूँ.... हेलो, डोमिनिक? ... हाँ.... क्या? ...”
मैं उनके दफ्तर से फ़ोन कर रहा हूँ... अलविदा, प्रिय। उन्होंने रिसीवर वापस रख दिया। पेटहाउस की लाइब्रेरी में डोमिनिक टेलीफोन पर हाथ रखे खड़ी थी, मानो अभी भी कोई संपर्क बाकी हो।
पांच दिन और पांच रातों तक, वह एक ही इच्छा से जूझती रही—उसके पास जाना। उसे अकेले में देखना—कहीं भी—उसके घर पर, उसके दफ्तर में, या सड़क पर—बस एक शब्द या एक नज़र—लेकिन अकेले में। वह जा नहीं सकी। उसकी भूमिका समाप्त हो चुकी थी। वह जब चाहेगा, उसके पास आएगा। वह जानती थी कि वह आएगा, और वह चाहता था कि वह उसका इंतज़ार करे।
वह इंतजार करती रही, लेकिन उसके मन में एक ही विचार था - एक पता, कॉर्ड बिल्डिंग में एक कार्यालय।
वह टेलीफोन के रिसीवर पर हाथ रखे खड़ी रही। उसे उस कार्यालय में जाने का कोई अधिकार नहीं था। लेकिन गेल वायनांड को था।
जब एल्सवर्थ टूही बुलावे पर वायनांड के कार्यालय में दाखिल हुए, तो उन्होंने कुछ कदम बढ़ाए और फिर रुक गए। वायनांड के कार्यालय की दीवारें—
बैनर बिल्डिंग का एकमात्र आलीशान कमरा—जो कॉर्क और तांबे की पैनलिंग से बना था और जिस पर कभी कोई तस्वीर नहीं लगी थी। अब, वायनांड की मेज के सामने वाली दीवार पर, उन्होंने कांच के नीचे एक बड़ी तस्वीर देखी: एनराइट हाउस के उद्घाटन के समय रोर्क की तस्वीर; रोर्क नदी के किनारे की प्राचीर पर खड़े थे, उनका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था।
टूही ने वायनांड की ओर देखा। दोनों ने एक-दूसरे को देखा।
वायनांड ने एक कुर्सी की ओर इशारा किया और टूही बैठ गया। वायनांड मुस्कुराते हुए बोला:
“मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आपके कुछ सामाजिक सिद्धांतों से सहमत हो जाऊँगा, श्री टूही, लेकिन मुझे ऐसा करने के लिए विवश होना पड़ रहा है। आपने हमेशा उच्च जाति के पाखंड की निंदा की है और आम जनता के सद्गुणों का उपदेश दिया है। और अब मुझे अपने पूर्व सर्वहारा अवस्था में मिले लाभों पर पछतावा हो रहा है। यदि मैं अभी

भी हेल्स किचन में होता, तो मैं इस साक्षात्कार की शुरुआत यह कहकर करता: सुनो, कमीने!—लेकिन चूंकि मैं एक संयमित पूंजीवादी हूं, इसलिए मैं ऐसा नहीं करूंगा।"
टूही इंतजार कर रही था; वह उत्सुकता से देख रही थी।
"मैं शुरुआत में ही कहना चाहूंगा: सुनिए, श्री टूही। मुझे नहीं पता कि आपको क्या बात प्रेरित करती है। मैं आपके इरादों का विश्लेषण नहीं करना चाहता। मुझमें मेडिकल छात्रों जैसी सहनशक्ति नहीं है। इसलिए मैं कोई सवाल नहीं पूछूंगा और न ही कोई स्पष्टीकरण सुनना चाहता हूं। मैं बस इतना कहूंगा कि अब से एक नाम है जिसका ज़िक्र आप अपने कॉलम में कभी नहीं करेंगे।" उन्होंने तस्वीर की ओर इशारा किया। "मैं आपको सार्वजनिक रूप से अपना मत पलटने पर मजबूर कर सकता था और मुझे इसमें मज़ा आता, लेकिन मैं इस विषय पर आपसे पूरी तरह से रोक लगाना बेहतर समझता हूं। एक शब्द भी नहीं, श्री टूही। फिर कभी नहीं। अब अपने अनुबंध या उसकी किसी भी शर्त का ज़िक्र मत कीजिएगा। यह उचित नहीं होगा। अपना कॉलम लिखते रहिए, लेकिन उसका शीर्षक याद रखिए और उसे उसी के अनुरूप विषयों पर लिखिए। इसे संक्षिप्त रखिए, श्री टूही। बिल्कुल संक्षिप्त।"
"जी हां, श्री वायनांड," टूही ने सहजता से कहा। "मुझे फिलहाल श्री रोर्क के बारे में लिखने की जरूरत नहीं है।"
"बस इतना ही।"
टूही उठ खड़ी हुई। "जी हाँ, श्री वायनांड।"
वी
गेल वायनांड अपने कार्यालय में अपनी डेस्क पर बैठे और पढ़ रहे थे।
बड़े परिवार पालने के नैतिक मूल्यों पर एक संपादकीय के प्रूफ़। वाक्य थे जैसे चबाया हुआ च्युइंग गम, चबाया और फिर चबाया, थूका और फिर उठाया, मुंह से मुंह, फुटपाथ से जूते के तलवे से मुंह और फिर दिमाग तक... उसने हावर्ड रोर्क के बारे में सोचा और बैनर पढ़ना जारी रखा; इससे चीजें आसान हो गईं।
"शालीनता एक लड़की का सबसे बड़ा गुण है। हर रात अपने अंडरवियर को धोना न भूलें, और किसी सभ्य विषय पर बात करना सीखें, तो आपको मनचाही डेट्स मिलेंगी।"
"कल का राशिफल शुभ संकेत दे रहा है। लगन और ईमानदारी से काम करने से इंजीनियरिंग, लोक लेखांकन और प्रेम के क्षेत्र में सफलता मिलेगी।"
श्रीमती हंटिंगटन-कोल के शौक बागवानी, ओपेरा और प्राचीन अमेरिकी चीनी के कटोरे हैं। वह अपना समय अपने छोटे बेटे के बीच बांटती हैं।
'किट' और उसके अनेक परोपकारी कार्य। "मैं बस मिली हूं, मैं बस एक अनाथ हूँ।"
"संपूर्ण आहार के लिए दस सेंट और अपना पता लिखा, टिकट लगा लिफाफा भेजें।" ...
वह पन्ने पलटते हुए हावर्ड रोर्क के बारे में सोच रहा था।
उन्होंने क्रीम-ओ पुडिंग के साथ पाँच साल का विज्ञापन अनुबंध किया—वायनैंड चेन के सभी अखबारों में, हर रविवार को दो पूरे पन्नों पर। उनकी मेज़ के सामने बैठे लोग मानो विजय मेहराब की तरह थे, जीत के प्रतीक, धैर्य और गणना से भरी शामों के, रेस्तरां की मेजों के, गले में खाली हुए गिलासों के, महीनों के चिंतन के, उनकी ऊर्जा, उनकी जीवंत ऊर्जा गिलासों में तरल की तरह भारी होंठों के छिद्र में, छोटी उंगलियों में, मेज पर, हर रविवार को दो पूरे पन्नों में, स्ट्राबेरी से सजे पीले मोल्डों और बटरस्कॉच सॉस से सजे पीले मोल्डों के चित्रों में बह रही थी। उन्होंने उन लोगों के सिर के ऊपर से अपने कार्यालय की दीवार पर लगी तस्वीर को देखा: आकाश, नदी और एक आदमी का उठा हुआ चेहरा।
लेकिन मुझे दुख होता है, उसने सोचा। जब भी मैं उसके बारे में सोचता हूँ, मुझे दुख होता है। इससे सब कुछ आसान हो जाता है—लोग, संपादकीय, अनुबंध—
लेकिन यह आसान है क्योंकि इसमें बहुत दर्द होता है। दर्द एक उत्तेजक भी है। मुझे लगता है कि मुझे यह नाम पसंद नहीं है। मैं इसे बार-बार दोहराता रहूंगा। यह एक ऐसा

दर्द है जिसे मैं सहना चाहता हूं।
फिर वह अपने पेंटहाउस के स्टडी रूम में रोर्क के सामने बैठ गया—और उसे कोई दर्द महसूस नहीं हुआ; केवल बिना किसी दुर्भावना के हंसने की इच्छा हुई।
“हावर्ड, तुमने अपने जीवन में जो कुछ भी किया है, वह मानवता के घोषित आदर्शों के अनुसार गलत है। और तुम यहाँ हो। और किसी तरह यह पूरी दुनिया पर एक बहुत बड़ा मज़ाक लगता है।”
रोर्क अंगीठी के पास एक आरामकुर्सी पर बैठा था। आग की रोशनी अध्ययन कक्ष में फैल रही थी; प्रकाश कमरे की हर वस्तु पर बड़े ही सजगता से पड़ रहा था, मानो अपनी सुंदरता को प्रदर्शित कर रहा हो, और उस व्यक्ति के उत्तम स्वाद को निहार रहा हो जिसने अपने लिए यह वातावरण तैयार किया था। वे दोनों अकेले थे। डोमिनिक रात के खाने के बाद चली गई थी। वह जानती थी कि वे दोनों अकेले रहना चाहते हैं।
“हम सब पर एक मज़ाक है,” वायनांड ने कहा। “हर आम आदमी पर। मैं हमेशा आम लोगों को देखता रहता हूँ। मैं मेट्रो में सिर्फ यह देखने के लिए सफ़र करता था कि उनमें से कितने लोग झंडा लिए घूमते हैं। मुझे उनसे नफरत होती थी और कभी-कभी डर भी लगता था। लेकिन अब मैं उनमें से हर एक को देखता हूँ और कहना चाहता हूँ: ‘अरे, बेचारे मूर्ख!’ बस इतना ही।”
उन्होंने एक सुबह रोर्क के कार्यालय में फोन किया।
“क्या आप मेरे साथ दोपहर का भोजन कर सकते हैं, हॉवर्ड? ... आधे घंटे में नॉर्डलैंड में मुझसे मिलें।”
जब वह रेस्टोरेंट की मेज के उस पार रोर्क के सामने आया तो उसने मुस्कुराते हुए कंधे उचका दिए।
"कुछ भी नहीं, हॉवर्ड। कोई खास वजह नहीं। बस आधा घंटा बहुत ही खराब बीता और मैं उस घिनौने स्वाद को अपने मुंह से निकालना चाहता था।"
“वह आधा घंटा कितना घृणित था?”
मैंने लैंसलॉट क्लोकी के साथ अपनी तस्वीर खिंचवाई।
“लैंसलॉट क्लोकी कौन है?”
वायनांड जोर से हँस पड़ा, अपनी संयमित शालीनता को भूलकर, वेटर की चौंकी हुई नजर को भी नज़रअंदाज़ करते हुए।
“बस यही बात है, हॉवर्ड। इसीलिए मुझे आपके साथ दोपहर का भोजन करना पड़ा।” क्योंकि आप इस तरह की बातें कह सकते हैं।
अब क्या बात है?
“क्या तुम किताबें नहीं पढ़ते? क्या तुम्हें नहीं पता कि लैंसलॉट क्लोकी कौन है?”
‘अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य के हमारे सबसे संवेदनशील पर्यवेक्षक’? यही बात आलोचक ने मेरे अपने बैनर पत्रिका में कही थी। लैंसलॉट क्लोकी को हाल ही में किसी संस्था द्वारा वर्ष का सर्वश्रेष्ठ लेखक चुना गया है। हम रविवार के परिशिष्ट में उनकी जीवनी प्रकाशित कर रहे हैं, और मुझे उनके कंधों पर हाथ रखकर तस्वीर खिंचवानी पड़ी। वे रेशमी कमीज़ पहनते हैं।
और उसमें जिन की महक आती है। उनकी दूसरी किताब उनके बचपन के बारे में है और कैसे उस बचपन ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य को समझने में मदद की। उसकी एक लाख प्रतियां बिकीं। लेकिन आपने उनके बारे में कभी नहीं सुना। चलो, अपना लंच खाओ, हॉवर्ड। मुझे तुम्हें खाते हुए देखना अच्छा लगता है। काश तुम कंगाल होते, ताकि मैं तुम्हें यह लंच खिला पाता और जान पाता कि तुम्हें इसकी सच में ज़रूरत थी।
दिन के अंत में, वह बिना बताए रोर्क के दफ्तर या घर आ जाता था। रोर्क का ईस्ट रिवर के ऊपर बने क्रिस्टल के आकार के एनराइट हाउस में एक अपार्टमेंट था: एक वर्क रूम, एक लाइब्रेरी और एक बेडरूम। फर्नीचर उसने खुद डिज़ाइन किया था।
वायनांड को लंबे समय तक समझ नहीं आया कि वह जगह उसे विलासिता का आभास

क्यों देता है, जब तक कि उसने यह नहीं देखा कि वहां फर्नीचर का कोई जिक्र ही नहीं था; बस एक साफ-सुथरा स्थान और सादगी का वह विलासितापूर्ण एहसास था जिसे हासिल करना आसान नहीं था। आर्थिक दृष्टि से, यह पिछले पच्चीस वर्षों में वायनांड द्वारा मेहमान के रूप में देखा गया सबसे साधारण घर था।
“हम दोनों ने एक ही तरह से शुरुआत की थी, हॉवर्ड,” उसने रोर्क के कमरे में नज़र घुमाते हुए कहा। “मेरे अनुमान और अनुभव के अनुसार, तुम्हें गटर में ही रहना चाहिए था। लेकिन तुम नहीं रहे। मुझे यह कमरा पसंद है।”
मुझे यहां बैठना अच्छा लगता है।
मुझे आपको यहां देखकर अच्छा लगा।
"हॉवर्ड, क्या तुमने कभी किसी एक इंसान पर अधिकार जमाया है?"
नहीं। और अगर मुझे यह प्रस्ताव दिया भी जाए तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा।
मुझे इस बात पर विश्वास नहीं हो रहा है।
“मुझे एक बार यह प्रस्ताव दिया गया था, गेल। मैंने इसे ठुकरा दिया था।”
वायनांड ने जिज्ञासा से उसकी ओर देखा; यह पहली बार था जब उसने रोर्क की आवाज में प्रयास सुना था।
"क्यों?"
"मुझे करना पड़ा।"
"क्या उस व्यक्ति के प्रति सम्मान के कारण?"
“वह एक महिला थी।”
"अरे, तुम तो बिल्कुल मूर्ख हो! एक महिला के सम्मान में?"
"अपने सम्मान के कारण।"
"मुझसे समझने की उम्मीद मत करो। हम दोनों एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत हैं।"
मैंने एक बार ऐसा सोचा था। मैं ऐसा सोचना चाहता था।
“और अब आप ऐसा नहीं करते?”
"नहीं।"
"क्या तुम मेरे द्वारा किए गए हर काम से घृणा नहीं करते?"
"लगभग हर वो व्यक्ति जिसे मैं जानता हूँ।"
"और अब भी आप मुझे यहां देखना पसंद करते हैं?"
“हाँ। गेल, एक आदमी था जो तुम्हें उस विशेष बुराई का प्रतीक मानता था जिसने उसे और मुझे भी नष्ट कर दिया था। उसने अपनी नफ़रत मुझमें भर दी। और एक और कारण था। मुझे लगता है कि मैंने तुम्हें देखने से पहले ही तुमसे नफ़रत कर ली थी।”
मुझे पता था कि तुमने ऐसा किया था। तुमने अपना मन क्यों बदल लिया?
मैं आपको यह नहीं समझा सकता।
वे दोनों साथ में कनेक्टिकट स्थित उस संपत्ति की ओर गए जहाँ घर की दीवारें जमीं हुई ज़मीन से उभर रही थीं। वायनांड, रोर्क के पीछे-पीछे भावी कमरों में गए; वे एक तरफ खड़े होकर रोर्क को निर्देश देते हुए देखते रहे। कभी-कभी वायनांड अकेले भी आते थे। मज़दूरों ने काली कार को पहाड़ी की चोटी तक सड़क पर मुड़ते हुए देखा, और दूर खड़े वायनांड को इमारत को निहारते हुए देखा। उनकी आकृति में हमेशा उनकी पदवी की झलक मिलती थी; उनके ओवरकोट की शांत शालीनता, उनकी टोपी का कोण, उनके आत्मविश्वास से भरे हाव-भाव, तनावपूर्ण और सहज, ये सब मिलकर वायनांड साम्राज्य की याद दिलाते थे; एक छोर से दूसरे छोर तक गर्जना करती प्रेस, अखबार, चमकदार पत्रिका के पन्ने, समाचार रीलों से छनकर आती प्रकाश किरणें, दुनिया भर में फैले तार, हर महल, हर राजधानी, हर गुप्त, हर महत्वपूर्ण कमरे में दिन-रात, इस व्यक्ति के जीवन के हर कीमती पल में प्रवाहित होती शक्ति। वे कपड़े धोने के पानी की तरह धूसर आसमान के नीचे स्थिर खड़े थे, और बर्फ के टुकड़े उनकी टोपी के किनारे से धीरे-धीरे गिर रहे थे।

अप्रैल के एक दिन, कई हफ़्तों के बाद, वह अकेले ही कनेक्टिकट के लिए रवाना हो गए। उनकी कार ग्रामीण इलाकों में तेज़ी से दौड़ रही थी, मानो कोई वस्तु न होकर गति की एक लंबी लकीर हो। कांच और चमड़े से बने अपने छोटे से क्यूब के अंदर उन्हें कोई झटका महसूस नहीं हुआ; उन्हें ऐसा लगा मानो उनकी कार स्थिर खड़ी है, ज़मीन से ऊपर हवा में लटकी हुई है, जबकि स्टीयरिंग व्हील पर उनके हाथों का नियंत्रण धरती को उनके सामने से गुज़रने दे रहा है, और उन्हें बस उस जगह के आने का इंतज़ार करना है जहाँ वे जाना चाहते हैं। उन्हें कार का स्टीयरिंग व्हील उतना ही प्यारा था जितना बैनर अखबार के दफ्तर में उनका डेस्क: दोनों ही उन्हें एक खतरनाक दानव का एहसास कराते थे जिसे उनकी उंगलियों के कुशल निर्देशन में आज़ाद छोड़ दिया गया हो।
उसकी आंखों के सामने से कुछ तेज़ी से गुजरा, और वह एक मील दूर जा चुका था जब उसे एहसास हुआ कि यह कितना अजीब था कि उसने इसे देखा।
क्योंकि सड़क के किनारे तो बस कुछ खरपतवार ही थे; एक मील आगे जाकर उसे एहसास हुआ कि ये और भी अजीब थे: खरपतवार हरे थे। उसने सोचा, ये तो सर्दियों के बीच में नहीं हो सकता, और फिर हैरानी से उसे समझ आया कि अब सर्दी का मौसम नहीं रहा। पिछले कुछ हफ्तों से वह बहुत व्यस्त था; उसे ध्यान देने का समय ही नहीं मिला था। अब उसने देखा, उसके चारों ओर खेतों पर मंडराता हुआ हरा रंग, मानो कोई फुसफुसा रहा हो। उसके मन में तीन बातें एक के बाद एक, जैसे आपस में जुड़े हुए गियर: बसंत आ गया है—मुझे आश्चर्य है कि क्या मुझे अभी और बसंत देखने को मिलेंगे—मैं पचपन साल का हूँ।
ये सिर्फ़ बयान थे, भावनाएँ नहीं; उसे कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था, न कोई उत्सुकता, न कोई डर। लेकिन उसे पता था कि समय का एहसास होना अजीब बात है; उसने कभी अपनी उम्र को किसी पैमाने से नहीं जोड़ा था, उसने कभी अपनी स्थिति को किसी सीमित दायरे में नहीं बाँटा था, उसने न किसी मार्ग के बारे में सोचा था, न ही सीमाओं के बारे में। वह गेल वायनांड था और इस कार की तरह स्थिर खड़ा था, और साल इस धरती की तरह तेज़ी से उसके सामने से गुज़र गए थे, और उसके भीतर की शक्ति ने सालों की उड़ान को नियंत्रित किया था।
नहीं, उसने सोचा, मुझे किसी बात का पछतावा नहीं है। कुछ चीज़ें ऐसी थीं जिनकी मुझे कमी खली, लेकिन मैं कोई सवाल नहीं पूछता, क्योंकि मैंने इसे जैसा भी था, वैसे ही प्यार किया है, यहाँ तक कि खालीपन के पलों को भी, यहाँ तक कि अनुत्तरित सवालों को भी —और यही कि मैंने इसे प्यार किया, यही मेरे जीवन का अनुत्तरित सवाल है। लेकिन मैंने इसे प्यार किया।
अगर वह पुरानी कहावत सच होती कि सर्वोच्च न्यायाधीश के सामने पेश होकर अपने सारे कर्मों का ब्योरा देना पड़ता है, तो मैं पूरे गर्व के साथ अपने किए गए किसी भी अपराध का ज़िक्र नहीं करता, बल्कि एक ऐसी बात कहता जो मैंने इस धरती पर कभी नहीं की: कि मैंने कभी किसी बाहरी स्वीकृति की तलाश नहीं की। मैं खड़ा होकर कहता: मैं गेल वायनांड हूँ, वह इंसान जिसने सबसे बड़े अपराध को छोड़कर बाकी सभी अपराध किए हैं: अस्तित्व के अद्भुत तथ्य को निरर्थक मानना और स्वयं से परे औचित्य खोजना। यही मेरा गर्व है: कि अब, अंत के बारे में सोचकर, मैं अपनी उम्र के बाकी लोगों की तरह रोता नहीं हूँ: लेकिन इसका क्या उपयोग और अर्थ था? मैं ही उपयोग और अर्थ था, मैं, गेल वायनांड। कि मैं जिया और मैंने कर्म किया।
वह पहाड़ी की तलहटी तक गाड़ी चलाकर पहुँचा और चौंककर ब्रेक लगा दिए, ऊपर देखते हुए। उसकी अनुपस्थिति में घर आकार ले चुका था; अब उसे पहचाना जा सकता था—वह बिल्कुल चित्र जैसा दिख रहा था। उसे एक पल के लिए बचकाना आश्चर्य हुआ कि वह सचमुच रेखाचित्र के अनुसार ही बन गया था, मानो उसने कभी इस पर पूरी

तरह विश्वास हो नहीं किया था। हल्के नीले आकाश के बीच उभरता हुआ, वह अभी भी एक अधूरे चित्र जैसा दिख रहा था, जिसकी सतहें
पत्थर की चिनाई जैसी आकृतियों को जलरंग से भरा गया है, नग्न मचान पेंसिल की रेखाओं की तरह दिखते हैं; हल्के नीले कागज़ की शीट पर एक विशाल चित्र।
वह कार से उतरा और पहाड़ी की चोटी तक पैदल चला गया। उसने रोर्क को आदमियों के बीच देखा। वह बाहर खड़ा होकर रोर्क के चलने के तरीके, उसके सिर घुमाने या हाथ उठाकर इशारा करने के तरीके को देखता रहा। उसने रोर्क के रुकने के तरीके पर ध्यान दिया: उसके पैर फैले हुए, बाहें बगल में सीधी, सिर ऊपर उठा हुआ; आत्मविश्वास की एक सहज मुद्रा, सहज नियंत्रण में रखी ऊर्जा, एक ऐसा क्षण जो उसके शरीर को उसकी अपनी इमारत की संरचनात्मक स्वच्छता प्रदान करता था। वायनांड ने सोचा, संरचना तनाव, संतुलन और प्रतिवादों में सुरक्षा की एक सुलझी हुई समस्या है। उसने सोचा: किसी इमारत को खड़ा करने में कोई भावनात्मक महत्व नहीं है; यह तो बस एक यांत्रिक काम है, जैसे सीवर बिछाना या कार बनाना। और वह सोचने लगा कि रोर्क को देखते हुए उसे अपनी आर्ट गैलरी में जो महसूस हो रहा था, वह क्यों महसूस हो रहा था। वायनांड ने सोचा, वह किसी अधूरी इमारत में ज़्यादा सहज लगता है, किसी पूरी बनी हुई इमारत में नहीं, किसी डिज़ाइनिंग टेबल पर बैठने से ज़्यादा, यही उसकी सही जगह है, यही उसे शोभा देता है—जैसे डोमिनिक ने कहा था कि मुझे नौका शोभा देती है।
उसके बाद रोर्क बाहर आया और वे दोनों पहाड़ी की चोटी पर पेड़ों के बीच से होते हुए साथ-साथ चलने लगे। वे एक गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठ गए, और झाड़ियों के बीच से दूर स्थित संरचना को देखने लगे। तने सूखे और नंगे थे, लेकिन उनके ऊंपर की ओर उठने की उमंग भरी उद्दंडता में वसंत की एक गुण था, एक आत्म-विश्वास से भरे उद्देश्य का जागरण था।
वायनांड ने पूछा:
"हावर्ड, क्या तुमने कभी प्यार किया है?"
रोर्क ने उसकी ओर मुड़कर सीधे उसकी ओर देखा और धीमी आवाज़ में उत्तर दिया:
"मैं अब भी।"
"लेकिन जब आप किसी इमारत से गुजरते हैं, तो आपको जो महसूस होता है वह उससे कहीं अधिक बड़ा होता है?"
"कहीं ज्यादा, गेल।"
मैं उन लोगों के बारे में सोच रहा था जो कहते हैं कि धरती पर खुशी पाना नामुमकिन है। देखो, वे सब जीवन में थोड़ी सी खुशी पाने के लिए कितनी कोशिश करते हैं। देखो, वे इसके लिए कितना संघर्ष करते हैं। आखिर कोई भी जीवित प्राणी दर्द में क्यों रहे? भला किस अधिकार से कोई यह मांग कर सकता है कि मनुष्य अपने सुख के अलावा किसी और उद्देश्य के लिए जिए? उनमें से हर कोई इसे चाहता है। उनका हर हिस्सा इसे चाहता है। लेकिन उन्हें यह कभी नहीं मिलता। मुझे आश्चर्य होता है क्यों? वे शिकायत करते रहते हैं।
और कहते हैं कि उन्हें जीवन का अर्थ समझ नहीं आता। एक खास तरह के लोग हैं जिनसे मुझे घृणा होती है। वे लोग जो किसी ऊँचे उद्देश्य या 'सार्वभौमिक लक्ष्य' की तलाश में रहते हैं, जिन्हें जीने का मकसद नहीं पता, जो यह कहकर विलाप करते हैं कि उन्हें 'खुद को खोजना' है। ये सब बातें हमारे चारों ओर सुनाई देती हैं।
ऐसा लगता है कि यही हमारी सदी का आधिकारिक घिसा-पिटा जुमला बन गया है। हर किताब में, हर भावुक आत्म-स्वीकृति में, यही बात दोहराई जाती है। ऐसा लगता है कि स्वीकारोक्ति करना एक महान कार्य है। जबकि मुझे लगता है कि यह सबसे शर्मनाक कार्य होना चाहिए।

“देखो, गेल।” रोर्क उठा, हाथ बढ़ाया, पेड़ से एक मोटी शाखा तोड़ी, उसे दोनों हाथों में पकड़ा, दोनों सिरों पर एक-एक मुट्ठी बंदूक की; फिर, अपनी कलाइयों और उंगलियों को बलपूर्वक कसते हुए, उसने शाखा को धीरे-धीरे चाप के आकार में मोड़ा। “अब मैं इससे जो चीज़ें बना सकता हूँ: धनुष, भाला, छड़ी, रेलिंग। यही जीवन का अर्थ है।”
"आपका मजबूत पक्ष?"
“तुम्हारा काम।” उसने शाखा को एक तरफ फेंक दिया। “धरती तुम्हें जो सामग्री देती है और तुम उससे जो बनाती हो... गेल, तुम क्या सोच रही हो?”
"मेरे दफ्तर की दीवार पर लगी तस्वीरें।"
अपनी इच्छा के अनुसार संयमित रहना, धैर्य रखना, धैर्य को एक सक्रिय कर्तव्य बनाना जिसे वह प्रतिदिन सचेत रूप से निभाता है, रोर्क के सामने खड़े होकर उसकी शांति को यह कहने देना: "यह सबसे कठिन काम है जो आप मुझसे मांग सकती थीं, लेकिन अगर आप यही चाहती हैं तो मुझे खुशी है"—
डोमिनिक के जीवन का यही अनुशासन था।
वह चुपचाप खड़ी रही, रोर्क और वायनांड की हर बात को देखती रही। वह उन्हें चुपचाप निहारती रही। वह वायनांड को समझना चाहती थी। यही उसका जवाब था। उसने रोर्क के उनके घर आने को स्वीकार कर लिया और इस बात को भी मान लिया कि उन शामों के समय वह वायनांड की संपत्ति था, उसकी नहीं।
वह एक सौम्य मेज़बान के रूप में उनसे मिली, उदासीन और मुस्कुराती हुई, एक व्यक्ति के रूप में नहीं बल्कि वायनांड के घर की एक उत्कृष्ट वस्तु के रूप में, उन्होंने भोजन की मेज की अध्यक्षता की, और बाद में उन्हें अध्ययन कक्ष में छोड़ दिया।
वह ड्राइंग रूम में अकेली बैठी थी, बत्तियाँ बंद थीं और दरवाज़ा खुला था; वह सीधी और शांत बैठी थी, उसकी नज़र हॉल के पार स्टडी रूम के दरवाज़े के नीचे से आती हल्की रोशनी पर टिकी थी। उसने सोचा: यही मेरा कर्तव्य है, अकेले में भी, अँधेरे में भी, केवल अपने ज्ञान के भरोसे, उस दरवाज़े को वैसे ही देखना जैसे मैंने उसे यहाँ देखा था, बिना किसी शिकायत के... रोर्क, अगर यही वह सज़ा है जो तुमने मेरे लिए चुनी है, तो मैं इसे सह लूँगी।
इसे पूरी तरह से, आपकी उपस्थिति में निभाने वाली एक भूमिका के रूप में नहीं, बल्कि अकेले निभाने वाले एक कर्तव्य के रूप में—आप जानते हैं कि हिंसा मेरे लिए सहन करना कठिन नहीं है, केवल धैर्य ही कठिन है, आपने सबसे कठिन चुना है, और मुझे इसे निभाना होगा और आपको अर्पित करना होगा... मेरे... प्रियतम...
जब रोर्क ने उसकी ओर देखा, तो उसकी आँखों में यादों को नकारने का कोई भाव नहीं था। उसकी नज़र ने साफ़ कह दिया कि कुछ भी नहीं बदला था और इसे बताने की कोई ज़रूरत नहीं थी। उसे ऐसा लगा जैसे वह उससे कह रही हो: तुम हैरान क्यों हो? क्या हम कभी अलग हुए थे? तुम्हारा ड्राइंग रूम, तुम्हारा पति और खिड़कियों के बाहर का वो शहर जिससे तुम्हें डर लगता है, क्या वे अब भी सच हैं, डोमिनिक? क्या तुम समझ रही हो? क्या तुम समझना शुरू कर रही हो? “हाँ,” वह अचानक ज़ोर से बोलती, इस विश्वास के साथ कि यह शब्द उस पल की बातचीत के लिए उपयुक्त होगा, यह जानते हुए कि रोर्क इसे अपना जवाब समझेगा।
यह कोई ऐसी सज़ा नहीं थी जो उसने उसके लिए चुनी हो। यह उन दोनों पर थोपा गया एक अनुशासन था, आखिरी परीक्षा। जब उसने महसूस किया कि कमरे में, वायनांड के बीच, यहाँ तक कि वायनांड और उसके प्रति उसके प्रेम में, असंभव परिस्थिति में, उसकी मजबूरी वाली चुप्पी में—ये सभी बाधाएँ उसे यह साबित कर रही थीं कि कोई बाधाएँ हो ही नहीं सकतीं—तो उसे उसका उद्देश्य समझ में आ गया।
उसने उसे अकेले नहीं देखा। उसने इंतजार किया।
वह निर्माण स्थल पर नहीं गई। उसने वायनांड से कहा था: "घर पूरा होने पर मैं उसे देख लूंगी।" उसने रोर्क के बारे में उससे कभी कोई सवाल नहीं किया। उसने अपने हाथों को

कुर्सी को भुजाओं पर इस तरह रखा कि किसी भी तरह की हलचल से उसे राहत न मिले, उसके हाथ उसकी सहनशक्ति का निजी पैमाना थे, जब वायनांड देर रात घर आया और उसने उसे बताया कि उसने शाम रोर्क के अपार्टमेंट में बिताई थी, वह अपार्टमेंट जिसे उसने कभी नहीं देखा था।
जब उसने हिम्मत जुटाकर पूछा:
“यह क्या है, गेल? कोई जुनून?”
“मुझे लगता है ऐसा ही है।” उन्होंने आगे कहा, “यह अजीब बात है कि आप उन्हें पसंद नहीं करते।”
मैंने ऐसा नहीं कहा है।
“मैं समझ सकती हूँ। मुझे सच में आश्चर्य नहीं हुआ। यह तुम्हारा स्वभाव है। तुम उसे नापसंद करोगी—ठीक इसलिए क्योंकि वह उस तरह का आदमी है जिसे तुम्हें पसंद करना चाहिए... मेरी इस दीवानगी से नाराज़ मत हो।”
मुझे इस बात का कोई मलाल नहीं है।
“डोमिनिक, अगर मैं तुमसे कहूँ कि उससे मिलने के बाद से मेरा प्यार तुम्हारे लिए और भी बढ़ गया है, तो क्या तुम समझ पाओगी? यहाँ तक कि—मैं यह कहना चाहती हूँ—यहाँ तक कि जब तुम
मेरी बाहों में लेट जाओ, यह पहले से कहीं अधिक है। मुझे तुम पर पहले से कहीं अधिक अधिकार महसूस होता है।
उसने उसी सरल आत्मविश्वास के साथ बात की जो पिछले तीन वर्षों में उन दोनों के बीच पनपा था। वह हमेशा की तरह उसे देखती रही; उसकी निगाहों में तिरस्कार के बिना कोमलता और दया के बिना उदासी थी।
“मैं समझ गई, गेल।”
कुछ देर बाद उसने पूछा:
"गेल, वह तुम्हारे लिए क्या है? क्या वह किसी पवित्र स्थान के समान है?"
"एक तरह से बाल-वस्त्र पहनने जैसा," वायनांड ने कहा।
जब वह ऊपर चली गई, तो वह एक खिड़की के पास गया और आसमान की ओर देखने लगा। सिर पीछे की ओर झुकाए हुए, उसने अपने गले की मांसपेशियों में खिंचाव महसूस किया और सोचा कि आसमान को देखने की यह अनोखी गंभीरता, शायद किसी विचार से नहीं, बल्कि सिर को ऊपर उठाने से आती है।
छठी
“आधुनिक दुनिया की मूल समस्या यही है,” कहा गया।
एल्सवर्थ टूही कहते हैं, "स्वतंत्रता और बाध्यता को एक-दूसरे का विरोधी मानना एक बौद्धिक भ्रांति है। आज दुनिया को कुचल रही विशाल समस्याओं को हल करने के लिए, हमें अपनी मानसिक उलझन को दूर करना होगा। हमें एक दार्शनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। सार रूप में, स्वतंत्रता और बाध्यता एक ही हैं। आइए, एक सरल उदाहरण से समझते हैं। ट्रैफिक लाइटें आपको जब चाहें सड़क पार करने की स्वतंत्रता से वंचित करती हैं। लेकिन यह प्रतिबंध आपको ट्रक से कुचले जाने से बचाता है। यदि आपको कोई नौकरी सौंपी जाए और उसे छोड़ने से मना किया जाए, तो यह आपके करियर की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। लेकिन यह आपको बेरोजगारी के भय से मुक्ति दिलाएगा। जब भी हम पर कोई नई बाध्यता थोपी जाती है, तो हमें स्वतः ही एक नई स्वतंत्रता प्राप्त हो जाती है। ये दोनों अविभाज्य हैं। पूर्ण बाध्यता को स्वीकार करके ही हम पूर्ण स्वतंत्रता प्राप्त कर सकते हैं।"
“बिल्कुल सही!” मिशेल लेटन चीख उठा।
यह सचमुच एक चीख थी, पतली और तेज़। यह आग लगने के सायरन की तरह अचानक आई थी। उनके मेहमानों ने मिशेल लेटन की ओर देखा।

वह अपने ड्राइंग रूम की टेपेस्ट्री वाली कुर्सी पर आधा लेटा बैठा था, पैर और पेट आगे की ओर, मानो कोई बदतमीज़ बच्चा अपनी खराब मुद्रा का प्रदर्शन कर रहा हो। मिशेल लेटन के व्यक्तित्व की हर बात लगभग अधूरी थी, बस थोड़ी सी चूक: उसका शरीर शुरू में लंबा था, लेकिन बाद में बदल गया, जिससे उसका धड़ लंबा और टांगें छोटी और गठीली रह गईं; उसके चेहरे की हड्डियाँ नाज़ुक थीं, लेकिन मांस ने उनका मज़ाक उड़ा दिया था, फूलकर, इतना नहीं कि मोटापे की श्रेणी में आ जाए, बस इतना कि गलसुआ होने का आभास हो। मिशेल लेटन ने मुंह फुलाया। यह कोई क्षणिक भाव नहीं था और न ही चेहरे की बनावट का मामला।
यह एक स्थायी लक्षण था, जो उसके पूरे व्यक्तित्व में व्याप्त था। वह अपने पूरे शरीर से मुंह फुलाए रखता था।
मिशेल लेटन को ढाई अरब डॉलर की संपत्ति विरासत में मिली थी और उन्होंने अपने जीवन के तैंतीस साल इसे चुकाने की कोशिश में बिताए थे।
डिनर के कपड़ों में एल्सवर्थ टूही एक कैबिनेट के सहारे आराम से खड़े थे। उनकी सहजता में एक शालीन अनौपचारिकता झलक रही थी।
उसमें थोड़ी सी धृष्टता झलकती थी, मानो उसके आसपास के लोग कठोर शिष्टाचार बनाए रखने के लायक ही न हों।
उसकी निगाहें कमरे में चारों ओर घूम रही थीं। कमरा न तो पूरी तरह आधुनिक था, न ही औपनिवेशिक और न ही फ्रांसीसी साम्राज्य से थोड़ा कम। साज-सज्जा में सीधी सतहें और हंस की गर्दन जैसे आधार, काले दर्पण और बिजली से चलने वाले तूफानी लैंप, क्रोमियम और टेपेस्ट्री का संयोजन था; एक ही विशेषता में एकरूपता थी: हर चीज की महत्ता।
“बिल्कुल सही,” मिशेल लेटन ने आक्रामक लहजे में कहा, मानो उन्हें पहले से ही पता था कि सब लोग असहमत होंगे और वे उन्हें पहले से ही अपमानित कर रहे थे। “लोग आज़ादी को लेकर ज़रूरत से ज़्यादा हंगामा करते हैं। मेरा मतलब है कि यह एक अस्पष्ट, ज़रूरत से ज़्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। मुझे तो यह भी नहीं लगता कि यह वाकई कोई वरदान है। मुझे लगता है कि लोग एक ऐसे अनुशासित समाज में ज़्यादा खुश रहेंगे जिसका एक निश्चित स्वरूप और एकरूपता हो—जैसे लोक नृत्य। आप जानते हैं कि लोक नृत्य कितना सुंदर होता है। और लयबद्ध भी। ऐसा इसलिए है क्योंकि इसे विकसित करने में कई पीढ़ियाँ लग गईं और वे किसी भी अनाड़ी को इसे बदलने नहीं देतीं। हमें यही चाहिए। मेरा मतलब है, एक निश्चित स्वरूप और लय। साथ ही सुंदरता भी।”
“यह तुलना बिल्कुल सटीक है, मिच,” एल्सवर्थ टूही ने कहा। “मैंने हमेशा तुमसे कहा है कि तुम्हारा दिमाग रचनात्मक है।”
“मेरा मतलब यह है कि लोगों को नाखुश करने वाली बात विकल्पों की कमी नहीं, बल्कि विकल्पों की अधिकता है,” मिशेल लेटन ने कहा। “हर समय निर्णय लेना, हर तरफ से उलझे रहना। अब एक सुव्यवस्थित समाज में, एक व्यक्ति सुरक्षित महसूस कर सकता है। कोई भी उसके पास बार-बार आकर उसे कुछ करने के लिए परेशान नहीं करेगा। किसी को भी कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा। मेरा मतलब है, सिवाय आम भलाई के लिए काम करने के।”
होमर स्लॉटर्न ने कहा, "आध्यात्मिक मूल्य ही मायने रखते हैं। हमें दुनिया के साथ कदम मिलाकर चलना होगा और नवीनतम जानकारी से अवगत रहना होगा। यह एक आध्यात्मिक सदी है।"
होमर स्लॉटर्न का चेहरा बड़ा था और आँखें नींद से भरी हुई थीं। उसकी कमीज़ पर लगे स्टड माणिक और पन्ना के मिश्रण से बने थे, मानो उसकी कड़क सफेद कमीज़ के सामने से सलाद के टुकड़े टपक रहे हों। वह तीन डिपार्टमेंट स्टोर का मालिक था।

“ऐसा कानून होना चाहिए जिससे हर किसी को युगों पुराने रहस्यमय रहस्यों का अध्ययन करना पड़े,” मिशेल लेटन ने कहा। “ये सब मिस्र के पिरामिडों में लिखा हुआ है।”
“यह सच है, मिच,” होमर स्लॉटर्न ने सहमति जताते हुए कहा। “एक तरफ तो रहस्यवाद के कई पहलू हैं। दूसरी तरफ द्वंद्वात्मक भौतिकवाद...”
“यह कोई विरोधाभास नहीं है,” मिशेल लेटन ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में कहा। भविष्य की दुनिया इन दोनों का संयोजन होगी।
“वास्तव में,” एल्सवर्थ टूही ने कहा, “ये दोनों सतही तौर पर एक ही चीज़ के भिन्न-भिन्न रूप हैं। एक ही उद्देश्य के।” उनके चश्मे में एक चमक सी आई, मानो भीतर से प्रज्वलित हो; ऐसा लग रहा था मानो वे इस विशेष कथन का अपने ही अंदाज़ में आनंद ले रहे हों।
“मैं बस इतना जानती हूँ कि निस्वार्थता ही एकमात्र नैतिक सिद्धांत है,” जेसिका प्रैट ने कहा, “सबसे महान सिद्धांत, एक पवित्र कर्तव्य और स्वतंत्रता से कहीं अधिक महत्वपूर्ण। निस्वार्थता ही सुख का एकमात्र मार्ग है। जो भी निस्वार्थ होने से इनकार करे, मैं उसे गोली मार दूँगी।”
उनकी पीड़ा को दूर करने के लिए। वे वैसे भी खुश नहीं रह सकते।
जेसिका प्रैट ने उदास स्वर में बात की। उनका चेहरा सौम्य और उम्रदराज लग रहा था; उनकी बेदाग त्वचा, जिस पर मेकअप का कोई निशान नहीं था, ऐसा प्रतीत होता था मानो उंगली छूने पर उस पर सफेद धूल का एक धब्बा लग जाएगा।
जेसिका प्रैट का पारिवारिक नाम पुराना था, उनके पास पैसे नहीं थे, लेकिन एक ही चीज़ का जुनून था: अपनी छोटी बहन रेनी के लिए उनका प्यार। वे बचपन में ही अनाथ हो गई थीं, और उन्होंने अपना जीवन रेनी के पालन-पोषण के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने सब कुछ त्याग दिया था; उन्होंने कभी शादी नहीं की; उन्होंने वर्षों तक संघर्ष किया, योजनाएँ बनाईं, चालें चलीं, धोखाधड़ी की।
और रेनी और होमर स्लाटर्न के विवाह को सफलता हासिल की।
रेनी स्लाटर्न एक फुटस्टूल पर सिकुड़कर बैठी मूंगफली चबा रही थी।
कभी-कभार वह बेंगल की मेज पर रखी कांच की थाली तक हाथ बढ़ाकर एक और गिलास उठा लेती थी। उसने और कोई मेहनत नहीं की। उसकी पीली आँखें उसके पीले चेहरे से शांतिपूर्वक बाहर देख रही थीं।
"जेस, ये तो हद हो गई," होमर स्लॉटर्न ने कहा। "आप हर किसी से संत होने की उम्मीद नहीं कर सकते।"
“मुझे किसी चीज़ की उम्मीद नहीं है,” जेसिका प्रैट ने विनम्रता से कहा। “मैंने बहुत पहले ही उम्मीद करना छोड़ दिया था। लेकिन शिक्षा हम सभी के लिए ज़रूरी है। अब मुझे लगता है कि श्री टूही समझ गए हैं। अगर हर किसी को सही तरह की शिक्षा प्राप्त करने के लिए बाध्य किया जाए, तो हमारी दुनिया बेहतर होगी। अगर हम लोगों को अच्छा करने के लिए प्रेरित करें, तो वे खुश रहने के लिए स्वतंत्र होंगे।”
“यह सरासर बेकार की बहस है,” ईव लैटन ने कहा। “आजकल कोई भी समझदार व्यक्ति स्वतंत्रता में विश्वास नहीं करता। यह पुरानी बात हो चुकी है।”
भविष्य सामाजिक नियोजन पर निर्भर करता है। बाध्यता प्रकृति का नियम है।
बस यही बात है। यह स्वतः स्पष्ट है।
ईव लेटन बेहद खूबसूरत थीं। वह झूमर की रोशनी में खड़ी थीं, उनके चिकने काले बाल उनके सिर से चिपके हुए थे, उनके गाउन का हल्का हरा साटन पानी की तरह जीवंत था मानो बहकर उनकी कोमल, सांवली त्वचा को उजागर करने वाला हो। उनमें साटन और इत्र को एल्युमिनियम की मेज के टॉप जितना आधुनिक दिखाने की अनोखी क्षमता थी। वह मानो पनडुब्बी के हैच से निकलती वीनस थीं।

इव लेटन का मानना था कि उनके जीवन का उद्देश्य किसी भी क्षेत्र में अग्रणी बनना था। उनका तरीका हमेशा से यही रहा था कि वे बेपरवाह होकर छलांग लगाती थीं और विजयी होकर बाकी सभी से बहुत आगे निकल जाती थीं।
उसका दर्शन एक ही वाक्य में सिमटा हुआ था—"मैं कुछ भी करके बच सकती हूँ।" बातचीत में वह इसे अपने पसंदीदा वाक्य में बदल देती थी: "मैं?
मैं कूल की हूं।" वह एक कुशल घुड़सवार, रेसिंग ड्राइवर, स्टंट पायलट और तैराकी चैंपियन थीं। जब उन्होंने देखा कि आज का सारा ध्यान विचारों पर केंद्रित हो गया है, तो उन्होंने एक और छलांग लगाई, जैसे वह किसी खाई को पार करती थीं। वह सबसे आगे, सबसे नए स्थान पर उतरीं। उतरते ही उन्हें आश्चर्य हुआ कि कुछ लोग उनकी इस उपलब्धि पर सवाल उठा रहे थे। उनकी अन्य उपलब्धियों पर कभी किसी ने सवाल नहीं उठाया था। उनके मन में उन सभी लोगों के प्रति तीव्र क्रोध उत्पन्न हो गया जो उनके राजनीतिक विचारों से असहमत थे। यह एक व्यक्तिगत मामला था।
उसे सही होना ही था, क्योंकि वह परसों की ही प्रतिनिधि थी।
उसके पति, मिशेल लेटन, उससे नफरत करते थे।
"यह एक बिलकुल जायज़ चर्चा है," उन्होंने झल्लाकर कहा। "हर कोई तुम्हारी तरह काबिल नहीं हो सकता, मेरी प्यारी। हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। यह बौद्धिक नेताओं का नैतिक कर्तव्य है। मेरा मतलब है कि हमें 'मजबूरी' शब्द से डरने की उस सोच को छोड़ देना चाहिए। जब कोई काम अच्छे मकसद के लिए किया जाता है, तो वह मजबूरी नहीं होती। मेरा मतलब है प्यार के नाम पर किया गया काम। लेकिन मुझे नहीं पता कि हम इस देश को यह बात कैसे समझाएँगे। अमेरिकी लोग बहुत दकियानूसी हैं।"
वह अपने देश को माफ़ नहीं कर सका क्योंकि देश ने उसे ढाई करोड़ डॉलर दिए और फिर उतना सम्मान देने से इनकार कर दिया। लोग कला, साहित्य, इतिहास, जीव विज्ञान, समाजशास्त्र और तत्वमीमांसा पर उसके विचारों को उतना महत्व नहीं देते थे जितना कि उसके पैसों को। उसने शिकायत की कि लोग उसे उसके पैसे से बहुत ज्यादा जोड़ते हैं; वह उनसे नफ़रत करता था क्योंकि वे उसे उतना महत्व नहीं देते थे।
होमर स्लॉटर्न ने कहा, "मजबूरी के कई फायदे हैं, बशर्ते कि इसकी योजना लोकतांत्रिक तरीके से बनाई गई हो। आम भलाई हमेशा सर्वोपरि होनी चाहिए, चाहे हमें पसंद हो या न हो।"
भाषा में कहें तो, होमर स्लॉटर्न का दृष्टिकोण दो भागों में बँटा हुआ था; ये दोनों भाग परस्पर विरोधी थे, पर इससे उन्हें कोई परेशानी नहीं थी, क्योंकि उनके मन में ये अनसुलझे ही रहे। पहला, उन्हें लगता था कि अमूर्त सिद्धांत निरर्थक हैं, और यदि ग्राहक इस विशेष प्रकार का सिद्धांत चाहते हैं, तो उन्हें यह देना पूरी तरह सुरक्षित है, और साथ ही यह एक अच्छा व्यवसाय भी है। दूसरा, उन्हें इस बात की चिंता सता रही थी कि धन कमाने की होड़ में उन्होंने आध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा कर दी थी; शायद टूही जैसे लोगों की बात में कुछ सच्चाई थी। और अगर उनके स्टोर उनसे छीन लिए गए तो क्या होगा? क्या किसी सरकारी डिपार्टमेंटल स्टोर के प्रबंधक के रूप में जीवन यापन करना वास्तव में आसान नहीं होगा? क्या प्रबंधक का वेतन उन्हें स्वामित्व की ज़िम्मेदारी के बिना वह सारा मान-सम्मान और आराम नहीं देगा जो वे अभी प्राप्त कर रहे थे?
"क्या यह सच है कि भविष्य के समाज में कोई भी महिला अपनी मर्जी से किसी भी पुरुष के साथ सो सकेगी?" रेनी स्लॉटर्न ने पूछा। यह एक सवाल के रूप में शुरू हुआ था, लेकिन धीरे-धीरे खत्म हो गया। वह वास्तव में जानना नहीं चाहती थी। वह बस इस बात को लेकर एक खोखली जिज्ञासा महसूस कर रही थी कि किसी ऐसे पुरुष को पाना कैसा लगता है जिसे आप सच में चाहती हैं और उसे पाने की चाहत कैसे पूरी की जाती है।
"व्यक्तिगत पसंद की बात करना बेवकूफी है," इव लेटन ने कहा। "यह पुराने ज़माने की सोच है। व्यक्ति जैसी कोई चीज नहीं होती। केवल एक सामूहिक इकाई होती है। यह

स्वतः स्पष्ट है।"
एल्सवर्थ टूही मुस्कुराया और कुछ नहीं बोला।
"जनता के लिए कुछ तो करना ही होगा," मिशेल लेटन ने कहा। "उनका नेतृत्व करना होगा। उन्हें खुद नहीं पता कि उनके लिए क्या अच्छा है। मेरा मतलब है, मुझे समझ नहीं आता कि हम जैसे सुसंस्कृत और प्रतिष्ठित लोग सामूहिकता के महान आदर्श को इतनी अच्छी तरह समझते हैं और अपने व्यक्तिगत लाभों का त्याग करने को तैयार रहते हैं, जबकि मेहनतकश आदमी, जिसे इससे सब कुछ हासिल हो सकता है, इतना उदासीन क्यों रहता है। मुझे समझ नहीं आता कि इस देश के मजदूरों को सामूहिकता से इतनी कम सहानुभूति क्यों है।"
"क्या तुम नहीं कर सकते?" एल्सवर्थ टूही ने कहा। उनके चश्मे चमक रहे थे।
"मैं इससे ऊब गई हूँ," ईव लेटन ने कमरे में चहलकदमी करते हुए कहा, उसके कंधों से हल्की रोशनी छनकर आ रही थी।
बातचीत का रुख कला और उसके हर क्षेत्र में आज के सर्वमान्य नेताओं की ओर मुड़ गया।
लोइस कुक ने कहा था कि शब्दों को तर्क के दमन से मुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शब्दों पर तर्क की पकड़ पूंजीपतियों द्वारा जनता के शोषण के समान है। शब्दों को सामूहिक सौदेबाजी के माध्यम से तर्क के साथ संवाद करने की अनुमति दी जानी चाहिए।
उसने यही कहा। वह बहुत ही मनोरंजक और ताजगी भरी है।
"आइके—उनका नाम क्या था?—कहते हैं कि रंगमंच प्रेम का एक साधन है। उनका कहना है कि मंच पर नाटक होना पूरी तरह गलत है—नाटक तो दर्शकों के दिलों में घटित होता है।"
जूल्स फोगलर ने पिछले रविवार के बैनर अखबार में लिखा था कि भविष्य की दुनिया में रंगमंच की कोई आवश्यकता नहीं होगी। उनका कहना है कि आम आदमी का दैनिक जीवन अपने आप में उतना ही कलात्मक है जितना कि शेक्सपियर की कोई बेहतरीन त्रासदी। भविष्य में नाटककार की कोई आवश्यकता नहीं होगी। आलोचक केवल आम लोगों के जीवन का अवलोकन करेगा और जनता के लिए उसके कलात्मक पहलुओं का मूल्यांकन करेगा। यही जूल्स फोगलर का कहना है। अब मैं यह तो नहीं कह सकता कि मैं उनसे सहमत हूँ या नहीं, लेकिन उन्होंने इस विषय पर एक रोचक और नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है।
लैंसलॉट क्लोकी का कहना है कि ब्रिटिश साम्राज्य का पतन निश्चित है। उनका कहना है कि कोई युद्ध नहीं होगा, क्योंकि दुनिया भर के मजदूर इसकी इजाज़त नहीं देंगे। युद्ध तो अंतरराष्ट्रीय बैंकर और हथियार बनाने वाले शुरू करते हैं, जिन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया है। लैंसलॉट क्लोकी का कहना है कि ब्रह्मांड एक रहस्य है और उनकी माँ उनकी सबसे अच्छी दोस्त हैं। उनका कहना है कि बुल्गारिया के प्रधानमंत्री नाश्ते में हेरिंग मछली खाते हैं।
गार्डन प्रेस्कॉट कहते हैं कि वास्तुकला का सार चार दीवारें और एक छत है। फर्श वैकल्पिक है। बाकी सब पूंजीवादी आडंबर है। उनका कहना है कि जब तक दुनिया के हर निवासी के सिर पर छत न हो, तब तक किसी को भी कहीं भी कुछ भी बनाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
...तो पैटागोनियाई लोगों के बारे में क्या? उन्हें छत की चाहत सिखाना हमारा काम है। प्रेस्कॉट इसे द्वंद्वात्मक अंतर-स्थानिक अन्योन्याश्रयता कहते हैं।
एल्सवर्थ टूही ने कुछ नहीं कहा। वह एक विशाल टाइपराइटर को देखकर मुस्कुराता रहा। उसके मन में हर प्रसिद्ध नाम उसके कीबोर्ड की एक कुंजी जैसा था, हर कुंजी एक विशेष क्षेत्र को नियंत्रित करती थी, हर कुंजी अपनी छाप छोड़ती थी, और ये सब

मिलकर एक विशाल खाली पन्ने पर जुड़े हुए वाक्य बनाते थे। उसने सोचा, टाइपराइटर के लिए उस हाथ की आवश्यकता होती है जो उसकी कुंजियों को दबाता है।
जब उसने मिशेल लेटन की रूठी हुई आवाज सुनी तो वह एकदम चौकन्ना हो गया:
"अरे हां, बैनर, धिक्कार है!"
“मुझे पता है,” होमर स्लॉटर्न ने कहा।
“इसमें गिरावट आ रही है,” मिशेल लेटन ने कहा। “इसमें निश्चित रूप से गिरावट आ रही है। मेरे लिए यह एक शानदार निवेश साबित हुआ। एल्सवर्थ के बारे में यही एकमात्र गलत अनुमान था।”
"एल्सवर्थ कभी गलत नहीं होता," ईव लेटन ने कहा।
“हाँ, उस समय तो वो सही था। उसी ने मुझे उस घटिया अखबार का एक टुकड़ा खरीदने की सलाह दी थी।” उसने टूही की मखमली आँखों को देखा और जल्दी से कहा: “मेरा मतलब है, मैं शिकायत नहीं कर रहा हूँ, एल्सवर्थ। सब ठीक है। इससे शायद मुझे अपने भारी भरकम आयकर में कुछ कटौती करने में मदद मिल जाए। लेकिन वो घटिया प्रतिक्रियावादी अखबार तो पतन की ओर जा रहा है।”
"थोड़ा धैर्य रखो, मिच," टूही ने कहा।
"क्यों आपको नहीं लगता कि मुझे बेचकर इस झंझट से छुटकारा पा लेना चाहिए?"
नहीं, मिच, मैं नहीं करता।
"ठीक है, अगर आप ऐसा कहते हैं। मैं इसे वहन कर सकता हूँ। मैं कुछ भी वहन कर सकता हूँ।"
“पर मैं ऐसा बिलकुल नहीं कर सकता!” होमर स्लॉटर्न ने आश्चर्यजनक जोश के साथ कहा। “हालात ऐसे हो गए हैं कि बैनर में विज्ञापन देना अब मुमकिन नहीं रहा। उनकी बिक्री की बात नहीं है—वो तो ठीक है—लेकिन एक अजीब सी आशंका फैली हुई है... एल्सवर्थ, मैं अपना अनुबंध तोड़ने के बारे में सोच रहा हूँ।”
"क्यों?"
“क्या आप ‘हम वायनांड को नहीं पढ़ते’ आंदोलन के बारे में जानते हैं?”
मैंने इसके बारे में सुना है।
“इसे गस वेब नाम का कोई व्यक्ति चलाता है। वे खड़ी गाड़ियों के विंडशील्ड पर और सार्वजनिक शौचालयों में स्टिकर चिपकाते हैं। वे सिनेमाघरों में वायनांड की न्यूज़रीलें चलाते हैं। मुझे नहीं लगता कि यह कोई बड़ा समूह है, लेकिन... पिछले हफ्ते एक अप्रिय महिला ने मेरी दुकान में - फिफ्थ एवेन्यू वाली दुकान में - हंगामा मचा दिया और हमें श्रम-विरोधी कहा क्योंकि हमने बैनर में विज्ञापन दिया था। आप इसे नज़रअंदाज़ कर सकते हैं, लेकिन मामला तब गंभीर हो जाता है जब हमारी सबसे पुरानी ग्राहकों में से एक, कनेक्टिकट की एक शांत स्वभाव की बूढ़ी महिला, जो तीन पीढ़ियों से रिपब्लिकन हैं, हमें फोन करके कहती हैं कि शायद उन्हें अपना चार्ज अकाउंट रद्द कर देना चाहिए, क्योंकि किसी ने उन्हें बताया है कि वायनांड एक तानाशाह है।”
“गेल वायनांड को राजनीति के बारे में कुछ नहीं पता, सिवाय सबसे आदिम स्तर की राजनीति के,” टूही ने कहा। “वह अभी भी हेलस किचन के डेमोक्रेटिक क्लब के नज़रिए से सोचते हैं। उन दिनों के राजनीतिक भ्रष्टाचार में एक तरह की मासूमियत थी, क्या आपको ऐसा नहीं लगता?”
मुझे परवाह नहीं। मैं उस बारे में बात नहीं कर रहा हूँ। मेरा मतलब है, बैनर एक तरह का बोझ बनता जा रहा है। इससे कारोबार को नुकसान हो रहा है। आजकल बहुत सावधान रहना पड़ता है। अगर आप गलत लोगों से जुड़ गए तो देखते ही देखते आपके खिलाफ बदनामी का अभियान शुरू हो जाता है और आप भी बदनाम हो जाते हैं। मैं इस तरह की चीज़ों का जोखिम नहीं उठा सकता।
"यह पूरी तरह से अनुचित बदनामी नहीं है।"

मुझे परवाह नहीं। मुझे इस बात से कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि यह सच है या नहीं। गेल वायनांड का बचाव करने वाला मैं कौन होता हूँ? अगर उनके खिलाफ जनता की भावना है, तो मेरा काम है कि मैं जितनी जल्दी हो सके, उनसे दूर हो जाऊं। और मैं अकेला नहीं हूँ। हममें से बहुत से लोग यही सोच रहे हैं।
फेरिस एंड सिम्स के जिम फेरिस, विमो फ्लेक्स के बिली शुल्स, टॉडलर टॉग्स के बड हार्पर, और... अरे, आप तो इन सबको जानते ही होंगे, ये सब आपके दोस्त हैं, हमारा ग्रुप, उदारवादी व्यापारी। हम सब बैनर से अपने विज्ञापन हटवाना चाहते हैं।
“थोड़ा धैर्य रखो, होमर। जल्दी मत करो। हर काम का एक सही समय होता है। मनोवैज्ञानिक क्षण जैसी भी कोई चीज़ होती है।”
ठीक है, मैं आपकी बात मान लेता हूँ। लेकिन माहौल में एक अजीब सी आशंका है। किसी दिन यह खतरनाक हो जाएगी।
“हो सकता है। मैं आपको बता दूंगा कि कब होगा।”
"मुझे लगा था कि एल्सवर्थ बैनर के लिए काम करता था," रेनी स्लॉटर्न ने खालीपन और हैरानी भरे लहजे में कहा।
बाकी लोग आक्रोश और दया भाव से उसकी ओर मुड़ गए।
"तुम भोली हो, रेनी," ईव लेटन ने कंधे उचकाते हुए कहा।
लेकिन बैनर में क्या गड़बड़ है?
"अब, बच्ची, गंदी राजनीति में मत पड़ो," जेसिका प्रैट ने कहा।
“बैनर एक दुष्ट अखबार है। श्री वायनांड एक बेहद दुष्ट व्यक्ति हैं। वे अमीरों के स्वार्थी हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं।”
“मुझे लगता है कि वह सुंदर है,” रेनी ने कहा। “मुझे लगता है कि उसमें कामुकता है।”
"हे भगवान!" ईव लेटन चिल्लाई।
"अब, आखिरकार, रेनी को अपनी राय व्यक्त करने का अधिकार है," जेसिका प्रैट ने तुरंत गुस्से में कहा।
"किसी ने मुझे बताया कि एल्सवर्थ वायनांड कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हैं," रेनी ने धीमी आवाज़ में कहा।
“अरे नहीं, रेनी। मैं कभी किसी चीज़ का अध्यक्ष नहीं होता। मैं तो बस एक आम सदस्य हूँ। किसी कॉपी बॉय की तरह।”
"क्या वायनांड कर्मचारियों का कोई संघ है?" होमर स्लॉटर्न ने पूछा।
"शुरुआत में यह सिर्फ एक क्लब था," टूही ने कहा। "पिछले साल यह एक यूनियन बन गया।"
“इसका आयोजन किसने किया?”
“कैसे पता लगाया जा सकता है? यह लगभग स्वतःस्फूर्त था। सभी जन आंदोलनों की तरह।”
“मुझे लगता है कि वायनांड एक कमीना है,” मिशेल लेटन ने घोषणा की। “आखिर वो खुद को क्या समझता है? मैं शेयरधारकों की बैठक में जाता हूँ और वो हमारे साथ चापलूसी करता है। क्या मेरा पैसा उसके पैसे के बराबर नहीं है? क्या उसके अखबार का एक बड़ा हिस्सा मेरा नहीं है? मैं उसे पत्रकारिता के बारे में कुछ बातें सिखा सकता हूँ। मेरे पास विचार हैं। उसे इतना घमंड क्यों है? सिर्फ इसलिए कि उसने खुद इतनी दौलत कमाई है? क्या उसे सिर्फ इसलिए इतना अकड़ होना ज़रूरी है क्योंकि वो ‘हेल्स किचन’ से आया है? अगर दूसरे लोग ‘हेल्स किचन’ में पैदा होकर ऊपर उठने के लिए इतने भाग्यशाली नहीं हैं, तो इसमें उनकी कोई गलती नहीं है! कोई नहीं समझता कि अमीर पैदा होना कितना बड़ा नुकसान है। क्योंकि लोग मान लेते हैं कि अगर आप अमीर पैदा हुए हैं तो आप किसी काम के नहीं हैं। मेरा मतलब है कि अगर मुझे गेल वायनांड की तरह मौके मिले होते, तो मैं अब तक उससे दुगुना अमीर और तिगुना

मशहूर होता। लेकिन वो इतना अभिमानी है कि उसे इस बात का ज़रा भी एहसास नहीं है!”
किसी ने एक शब्द भी नहीं कहा। उन्होंने मिशेल लेटन की आवाज़ में बढ़ती हुई घबराहट को सुना। ईव लेटन ने टूही की ओर देखा, मानो चुपचाप मदद की गुहार लगा रही हो। टूही मुस्कराया और एक कदम आगे बढ़ा।
“मुझे तुम पर शर्म आती है, मिच,” उसने कहा।
होमर स्लॉटर्न हांफने लगा। इस विषय पर मिशेल लेटन को फटकार नहीं लगाई जाती थी; किसी भी विषय पर मिशेल लेटन को फटकार नहीं लगाई जाती थी।
मिशेल लेटन का निचला होंठ गायब हो गया।
"मुझे तुम पर शर्म आती है, मिच," टूही ने सख्ती से दोहराया, "तुम्हारे द्वारा अपनी तुलना गेल वायनांड जैसे घृणित व्यक्ति से करने के लिए।"
मिशेल लेटन के होंठ एक हल्की सी मुस्कान के समान सहजता से खुल गए।
“यह सच है,” उन्होंने विनम्रता से कहा।
“नहीं, तुम गेल वायनांड के करियर की बराबरी कभी नहीं कर पाओगे। तुम्हारी संवेदनशील आत्मा और मानवतावादी भावनाएँ तो दूर की बात हैं। यही चीज़ तुम्हें रोक रही है, मिच, न कि तुम्हारा पैसा। पैसे की परवाह कौन करता है?”
धन का युग बीत चुका है। आपकी प्रकृति हमारे पूंजीवादी व्यवस्था की क्रूर प्रतिस्पर्धा के लिए बहुत ही कोमल है। लेकिन वह युग भी बीत रहा है।
"यह तो स्वतः स्पष्ट है," ईव लेटन ने कहा।
टूही जब निकला तब काफी रात हो चुकी थी। वह बहुत उत्साहित था और उसने पैदल घर जाने का फैसला किया। शहर की सड़कें उसके चारों ओर सुनसान पड़ी थीं, और इमारतों के विशाल ढांचे आसमान की ओर आत्मविश्वास से भरे और असुरक्षित रूप से उठते जा रहे थे। उसे याद आया कि उसने एक बार डोमिनिक से क्या कहा था:
“हमारे समाज जैसी जटिल मशीनरी... और अपनी छोटी उंगली से उसके एक बिंदु पर... उसके गुरुत्वाकर्षण के केंद्र पर... दबाने से वह चूर-चूर होकर लोहे के बेकार ढेर में बदल सकती है...” उसे डोमिनिक की याद आ रही थी। काश वह आज शाम की बातचीत सुनने के लिए उसके साथ होती।
उसके भीतर अनकही भावनाएं उबल रही थीं। वह एक सुनसान सड़क के बीचोंबीच रुक गया, अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और गगनचुंबी इमारतों की चोटियों को देखते हुए जोर से हंस पड़ा।
एक पुलिसकर्मी ने उनके कंधे पर हाथ रखकर पूछा: "तो, महोदय?"
टूही ने एक चौड़ी छाती पर कसे हुए बटन और नीले कपड़े, एक गंभीर, कठोर और धैर्यवान चेहरा देखा; एक ऐसा व्यक्ति जो उनके आसपास की इमारतों की तरह ही दृढ़ और भरोसेमंद था।
“अपना कर्तव्य निभा रहे हैं, अधिकारी?” टूही ने हँसी की गूँज के साथ पूछा। “कानून-व्यवस्था, शालीनता और इंसानी ज़िंदगियों की रक्षा कर रहे हैं?” पुलिसकर्मी ने अपने सिर के पीछे खुजली की। “आपको मुझे गिरफ्तार कर लेना चाहिए, अधिकारी।”
“ठीक है, दोस्त, ठीक है,” पुलिसवाले ने कहा। “जाओ। हम सब कभी-कभी ज़रूरत से ज़्यादा पी लेते हैं।”
सातवीं
यह तभी हुआ जब आखिरी चित्रकार भी चला गया।
पीटर कीटिंग को उदासी और कोहनियों में सुन्नपन का एहसास हो रहा था। वह हॉल में खड़े छत की ओर देख रहे थे। पेंट की तेज़ चमक के नीचे भी उन्हें वह चौकोर आकृति दिखाई दे रही थी जहां सीढ़ियाँ हटा दी गई थीं और खुला स्थान बंद कर दिया गया था। गाय फ्रैंकन का पुराना कार्यालय अब नहीं था। कीटिंग एंड डुमोंट फर्म के पास अब केवल एक ही मंजिल बची थी।

उसने सीढ़ियों के बारे में सोचा और याद किया कि कैसे वह पहली बार लाल मखमली सीढ़ियों पर चढ़ा था, अपनी उंगलियों पर एक चित्र लिए हुए। उसने गाय फ्रैंकन के उस दफ्तर के बारे में सोचा जिसमें तितलियों की चमकती परछाइयाँ दिखाई देती थीं। उसने उन चार सालों के बारे में सोचा जब वह दफ्तर उसका अपना था।
पिछले कुछ वर्षों में उनकी कंपनी के साथ जो कुछ हो रहा था, वह उन्हें अच्छी तरह से पता था; जब वर्दी पहने लोगों ने सीढ़ियाँ हटाईं और छत में बने छेद को बंद किया, तब भी उन्हें यह बात अच्छी तरह से पता थी। लेकिन सफेद रंग के नीचे का वह चौकोर हिस्सा ही उनके लिए वास्तविकता और अंतिम परिणाम साबित हुआ।
वह बहुत पहले ही पतन की प्रक्रिया को स्वीकार कर चुका था।
उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा देने का विकल्प नहीं चुना थी—यह एक सकारात्मक निर्णय होता—यह बस हो गया था और उन्होंने इसे होने दिया था।
यह सरल और लगभग दर्द रहित था, जैसे उनींदापन आपको सुला देता है, बस एक सुखद नींद की ओर। मंद पीड़ा इस बात को समझने की इच्छा से उत्पन्न हुई कि ऐसा क्यों हुआ।
वहाँ "शताब्दियों का सफर" नाम की प्रदर्शनी थी, लेकिन सिर्फ़ यही काफ़ी नहीं थी।
"शताब्दियों का सफ़र" मई में शुरू हुई थी। यह बुरी तरह फ्लॉप हुई। कीटिंग ने सोचा, आखिर क्यों न सही शब्द ही कह दिया जाए? फ्लॉप। यह एक भयानक फ्लॉप थी।
एल्सवर्थ टूही ने लिखा था, "इस उद्यम का शीर्षक सबसे उपयुक्त होता अगर हम मान लें कि सदियाँ घोड़ों पर सवार होकर गुज़री थीं।" प्रदर्शनी की स्थापत्य कला की खूबियों के बारे में लिखी गई बाकी सभी बातें भी इसी तरह की थीं।
कीटिंग ने उदास मन से सोचा कि उन्होंने और सात अन्य वास्तुकारों ने उन इमारतों को डिजाइन करने में कितनी लगन से काम किया था। यह सच था कि उन्होंने खुद को आगे बढ़ाया था और
उन्होंने खूब प्रचार बटोर लिया, लेकिन डिजाइनिंग के मामले में उन्होंने ऐसा बिल्कुल नहीं किया था। उन्होंने एक के बाद एक कई सम्मेलनों में सामंजस्य से काम किया, हर कोई दूसरे के साथ खड़ा रहा, सच्ची सामूहिक भावना से प्रेरित होकर, किसी ने भी अपने व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों या स्वार्थी विचारों को थोपने की कोशिश नहीं की। यहां तक कि रेल्स्टन होल्कम्बे भी पुनर्जागरण काल को भूल चुके थे।
उन्होंने इमारतों को आधुनिक बना दिया था, इतनी आधुनिक जितनी पहले कभी नहीं देखी गई थीं, स्लॉटर्न डिपार्टमेंट स्टोर की शो विंडो से भी ज़्यादा आधुनिक। उन्हें नहीं लगता था कि इमारतें ऐसी दिखती थीं।
"जब कोई टूथपेस्ट की ट्यूब पर पैर रख देता है तो उससे निकलने वाले टूथपेस्ट के कुंडल या फिर छोटी आंत के शैलीबद्ध रूप," जैसा कि एक आलोचक ने कहा था।
लेकिन जनता को ऐसा लगता था, अगर जनता सोचती भी थी तो। वह बता नहीं सकता था। उसे बस इतना पता था कि सिनेमाघरों में स्क्रीनो गेम्स में "द मार्च ऑफ द सेंचुरीज़" के टिकट धड़ल्ले से बिक रहे थे, और प्रदर्शनी की सनसनी, आर्थिक संकटमोचक, जुआनिटा फे नाम की एक महिला थी जिसने एकमात्र पोशाक के रूप में एक जीवित मोर के साथ नृत्य किया था।
लेकिन अगर मेला असफल हो गया तो क्या होगा? इससे परिषद के अन्य निर्माताओं को कोई नुकसान नहीं हुआ था। गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट पहले से कहीं अधिक मजबूत हो रहे थे। कीटिंग ने सोचा, बात यह नहीं थी। यह सब मेले से पहले ही शुरू हो गया था। वह यह नहीं बता सकते थे कि कब।
इसके कई कारण हो सकते हैं। मंदी ने सभी को प्रभावित किया था; अन्य कंपनियां कुछ हद तक उबर चुकी थीं, लेकिन कीटिंग एंड डुमोंट नहीं। गाय फ्रैंकन की सेवानिवृत्ति के साथ ही फर्म और उसके ग्राहकों के दायरे से कुछ गायब हो गया था।

कीटिंग ने महसूस किया कि गाइ फ्रैंकन के कारेयर में कला, कौशल और एक प्रकार की अतार्किक ऊर्जा थी, भले ही कला केवल उनके सामाजिक आकर्षण तक ही सीमित थी और ऊर्जा भ्रमित करोड़पतियों को अपने जाल में फंसाने पर केंद्रित थी। गाइ फ्रैंकन के प्रति लोगों की प्रतिक्रिया में एक विकृत अर्थ निहित था।
लोगों की मौजूदा प्रतिक्रियाओं में उन्हें तर्कसंगतता का कोई नामोनिशान नहीं दिखता था। पेशे के नेता—औसत दर्जे पर, अब किसी भी चीज़ में कोई भव्यता नहीं बची थी—गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट थे, जो काउंसिल ऑफ अमेरिकन बिल्डर्स के अध्यक्ष थे; वही गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट जो वास्तुकला और सामाजिक नियोजन के पारलौकिक व्यावहारिकता पर व्याख्यान देते थे, जो डाइंग रूम में मेजों पर पैर रखते थे, औपचारिक रात्रिभोज में निकर पहनकर जाते थे और सूप की खुलकर आलोचना करते थे। समाज के लोग कहते थे कि उन्हें एक उदारवादी वास्तुकार पसंद है।
ए.जी.ए. (अमेरिकन जनरल एसोसिएशन) अब भी कायम था, अपनी दबी हुई गरिमा के साथ, लेकिन लोग इसे 'बूढ़ों का घर' कहते थे। काउंसिल ऑफ अमेरिकन बिल्डर्स का दबदबा था और वे एक बंद दुकान की बात करते थे, हालांकि अभी तक किसी ने भी इसे हासिल करने का तरीका नहीं निकाला था। जब भी एल्सवर्थ टूही के कॉलम में किसी वास्तुकार का नाम आता था, वह हमेशा ऑगस्टस वेब का ही होता था। उनतालीस साल की उम्र में, कीटिंग ने खुद को पुराने ख्यालों का बताया जाना सुना।
उसने समझने की कोशिश करना छोड़ दिया था। उसे धुंधला-सा एहसास था कि दुनिया को निगल रहे इस बदलाव का कारण कुछ ऐसा था जिसे वह जानना नहीं चाहता था। जवानी में उसे गाइ फ्रैंकन या राल्स्टन हॉल्कोम्बे की रचनाओं के प्रति एक सौम्य तिरस्कार का भाव था, और उनकी नकल करना उसे महज़ एक भोला-भाला ढोंग लगता था। लेकिन वह जानता था कि गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट और गस वेब इतने बेशर्म, इतने घिनौने धोखे का प्रतिनिधित्व करते थे कि अपनी आँखों के सामने के सबूत को अनसुना करना उसकी क्षमता से परे था। उसका मानना था कि लोग हॉल्कोम्बे में महानता पाते थे और उसकी उधार ली गई महानता को उधार लेने में उसे एक तरह की संतुष्टि मिलती थी। वह जानता था कि प्रेस्कॉट में किसी को कुछ भी नज़र नहीं आता था। लोगों के प्रेस्कॉट की प्रतिभा के बारे में बात करने के तरीके में उसे कुछ अंधकारमय और घृणास्पद सा लगता था; मानो वे प्रेस्कॉट को सम्मान नहीं दे रहे हों, बल्कि प्रतिभा पर थूक रहे हों। एक पल के लिए, कीटिंग लोगों की बात नहीं समझ पाया; यह बात उसके लिए भी स्पष्ट थी कि जनता की प्रशंसा अब योग्यता की पहचान नहीं रही, बल्कि शर्म का एक कलंक बन गई थी।
वह जड़ता के बल पर आगे बढ़ता रहा। वह अपने विशाल कार्यालय भवन का खर्च वहन नहीं कर सकता था और आधे कमरों का उपयोग भी नहीं करता था, लेकिन उसने उन्हें अपने पास रखा और घाटा अपनी जेब से चुकाया। उसे आगे बढ़ना ही था। उसने लापरवाही से शेयर बाजार में निवेश करके अपनी निजी संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा खो दिया था; लेकिन उसके पास इतना पैसा बचा था कि वह अपने शेष जीवन के लिए कुछ हद तक आराम से रह सके। इससे उसे कोई फर्क नहीं पड़ता था; पैसा अब उसके लिए कोई महत्वपूर्ण चिंता का विषय नहीं रह गया था। उसे निष्क्रियता से डर लगता था; उसे भविष्य में मंडराते उस प्रश्नचिह्न से डर लगता था, अगर उसकी नियमित दिनचर्या उससे छीन ली जाए।

वह धीरे-धीरे चलता था, उसकी बाहें शरीर से चिपकी हुई थीं, कंधे झुके हुए थे, मानो किसी स्थायी ठंड से बचने के लिए खींचे जा रहे हों। उसका वजन बढ़ रहा था। उसका चेहरा सूजा हुआ था; वह उसे नीचे रखता था, और उसकी दूसरी ठुड्डी की सिलवट उसकी टाई की गांठ से चिपकी हुई थी। उसकी सुंदरता की एक झलक बची थी और

उसे और भी बदतर दिखा रही थी; मानो उसकी झुर्रियों ने उसे और भी बदसूरत बना दिया हो।
चेहरे का रेखाचित्र सोख्ता कागज पर बनाया गया था और वह फैलकर धुंधला हो गया था। उसकी कनपटी पर सफेद बाल दिखने लगे थे। वह अक्सर शराब पीता था, लेकिन उसे इसमें कोई आनंद नहीं आता था।
उसने अपनी माँ से उसके साथ रहने के लिए वापस आने का अनुरोध किया था। वह वापस आ गई थी। वे कई शामें साथ में बैठक कक्ष में बिताते थे, कुछ नहीं बोलते थे; नाराज़गी में नहीं, बल्कि एक-दूसरे से दिलासा पाने की चाह में। श्रीमती कीटिंग ने कोई सुझाव नहीं दिया, कोई फटकार नहीं लगाई। इसके बजाय, अपने बेटे के प्रति उनके व्यवहार में एक नई, घबराहट से भरी कोमलता थी। नौकरानी होने के बावजूद, वह उसका नाश्ता बनाती थीं; वह उसका पसंदीदा व्यंजन तैयार करती थीं—
फ्रेंच पैनकेक, वही पैनकेक जो उसे नौ साल की उम्र में खसरा होने पर बहुत पसंद थे। अगर वह उसकी कोशिशों को देखकर खुशी जताते हुए कुछ कहता, तो वह सिर हिलाकर, पलकें झपकाकर, मुंह फेर लेतीं और खुद से पूछतीं कि उसे इतनी खुशी क्यों हो रही है और अगर हो रही है तो उसकी आंखों में आंसू क्यों आ रहे हैं।
वह कुछ देर की चुप्पी के बाद अचानक पूछतीं: "सब ठीक हो जाएगा, पेटी?"
क्या ऐसा नहीं होगा?" और वह उससे यह नहीं पूछता कि उसका क्या मतलब है, बल्कि चुपचाप जवाब देता:
"हां, मां, सब ठीक हो जाएगा," उसने अपनी बची हुई दया भावना का इस्तेमाल करते हुए अपनी आवाज को विश्वसनीय बनाने की कोशिश की।
एक बार उसने उससे पूछा: "तुम खुश हो, पेटी? है ना?" उसने उसकी ओर देखा और पाया कि वह उस पर हंस नहीं रही थी; उसकी आँखें चौड़ी और भयभीत थीं। और चूंकि वह जवाब नहीं दे सका, वह रोने लगी:
"लेकिन तुम्हें खुश रहना होगा! पेटी, तुम्हें खुश रहना ही होगा! वरना मेरी जिंदगी का क्या मतलब?" वह उठकर उसे बाहों में भर लेना चाहता था और कहना चाहता था कि सब ठीक है—तभी उसे याद आया कि शादी के दिन गुइ फ्रैंकन ने उससे कहा था: "मैं चाहता हूं कि तुम्हें मुझ पर गर्व हो, पीटर... मैं चाहता हूं कि तुम्हें लगे कि मेरी शादी का कोई मतलब है।" फिर वह हिल भी नहीं सका। उसे लगा जैसे वह किसी ऐसी चीज़ के सामने खड़ा है जिसे वह समझ नहीं सकता, जिसे वह कभी अपने मन में आने नहीं दे सकता। वह अपनी माँ से मुँह मोड़ लिया।
एक शाम, उसने बिना किसी भूमिका के कहा: "पेटी, मुझे लगता है कि तुम्हें शादी कर लेनी चाहिए। मुझे लगता है कि अगर तुम शादीशुदा हो जाओ तो बहुत अच्छा होगा।" उसे कोई जवाब नहीं सूझा, और जब वह कुछ खुशी भरा कहने की कोशिश कर रहा था, तभी उसने आगे कहा: "पेटी, तुम... तुम कैथरीन हैल्सी से शादी क्यों नहीं कर लेते?" उसकी आंखों में गुस्सा भर आया, उसकी सूजी हुई पलकों पर दबाव महसूस हुआ, जब वह धीरे-धीरे अपनी माँ की ओर मुड़ा; तभी उसने अपने सामने उसकी छोटी सी, अकड़ी हुई और असहाय आकृति देखी, जिसमें एक तरह का बेताब गर्व था, मानो वह हर वार सहने को तैयार हो।
वह उसे पहले से ही दोषमुक्त करते हुए, अपनी बात कहना चाहता था—और वह जानता था कि यह उसका अब तक का सबसे साहसी प्रयास था। उसका गुस्सा शांत हो गया, क्योंकि उसने अपने सदमे से कहीं अधिक उसकी पीड़ा को महसूस किया, और उसने एक हाथ उठाया, फिर उसे ढीला छोड़ दिया, मानो उस हावभाव ने सब कुछ ढक लिया हो, और बस इतना कहा: "माँ, ऐसा मत करो..."
सप्ताहांत में, अक्सर नहीं, लेकिन महीने में एक या दो बार, वह शहर से गायब हो जाता था। किसी को नहीं पता था कि वह कहाँ जाता है। श्रीमती कीटिंग चिंतित रहती थीं, लेकिन कोई सवाल नहीं पूछती थीं। उन्हें शक था कि कहीं कोई औरत है, और अच्छी

नहीं, वरना वह इस विषय पर इतना उदास और चुप नहीं रहता। श्रीमती कीटिंग को उम्मीद होती थी कि वह किसी सबसे बुरी, लालची औरत के चंगुल में पड़ गया हो, जो इतनी समझदार हो कि उससे शादी कर ले।
वह एक गुमनाम गांव की पहाड़ियों में किराए पर ली गई एक झोपड़ी में गया।
वह झोपड़ी में रंग, ब्रश और कैनवास रखता था। वह अपना दिन पहाड़ियों में चित्रकारी करते हुए बिताता था। वह यह नहीं बता सकता था कि उसे अपने बचपन की वह अधूरी महत्वाकांक्षा क्यों याद आ गई, जिसे उसकी मां ने दबाकर वास्तुकला की ओर मोड़ दिया था। वह यह भी नहीं बता सकता था कि किस प्रक्रिया से वह आवेग इतना प्रबल हो गया था; लेकिन उसे वह झोपड़ी मिल गई थी और उसे वहाँ जाना अच्छा लगता था।
वह यह नहीं कह सकता था कि उसे चित्रकारी करना पसंद था। यह न तो आनंद था, न ही राहत, बल्कि आत्म-यातना थी, लेकिन किसी तरह, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था।
वह एक छोटे से ईज़ल के सामने कैनवास के स्टूल पर बैठा था और पहाड़ियों के खाली विस्तार, जंगलों और आकाश को देख रहा था। उसके भीतर एक शांत पीड़ा थी, जो उसके भावों को व्यक्त करने का एकमात्र माध्यम थी, उसके चारों ओर पृथ्वी के दृश्य के प्रति एक विनम्र, असहनीय कोमलता—और इसे व्यक्त करने का एकमात्र साधन कुछ जकड़ा हुआ, लकवाग्रस्त सा था। वह चित्रकारी करता रहा। उसने कोशिश की। उसने अपने चित्रों को देखा और जान गया कि उनकी बचकानी अधूरीपन में कुछ भी नहीं समाहित था। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। उन्हें देखने वाला कोई नहीं था।
उसने उन्हें झोपड़ी के एक कोने में सावधानीपूर्वक ढेर लगा दिया और शहर लौटने से पहले दरवाज़ा बंद कर दिया। इसमें उसे कोई खुशी नहीं मिली, कोई गर्व नहीं, कोई समाधान नहीं; बस—जब वह अकेले ईज़ल के सामने बैठा था—एक शांति का अनुभव हुआ।
उसने एल्सवर्थ टूही के बारे में न सोचने की कोशिश की। एक धुंधली सी अंतरात्मा ने उसे बताया कि जब तक वह इस विषय पर बात नहीं करेगा, तब तक वह अपने मन को कुछ हद तक सुरक्षित रख सकता है। टूही के उसके प्रति व्यवहार का केवल एक ही कारण हो सकता था—और वह उसे स्पष्ट रूप से बताना नहीं चाहता था।
टूही उससे दूर होते जा रहे थे। उनकी मुलाकातों के बीच का अंतराल हर साल बढ़ता जा रहा था। उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया और खुद को समझाया कि टूही व्यस्त होंगे। उनके बारे में टूही की सार्वजनिक चुप्पी हैरान करने वाली थी। उन्होंने खुद को समझाया कि टूही के पास लिखने के लिए और भी महत्वपूर्ण विषय होंगे। "द मार्च ऑफ द सेंचुरीज" पर टूही की आलोचना उनके लिए एक बड़ा झटका थी। उन्होंने खुद को समझाया कि उनका काम इसके लायक था। उन्होंने हर तरह की गलती स्वीकार कर ली। वे खुद पर शक कर सकते थे। लेकिन वे एल्सवर्थ टूही पर शक नहीं कर सकते थे।
नील डुमोंट ने ही उन्हें टूही के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर किया। नील ने दुनिया की हालत, बीती बातों पर पछताने, बदलाव को जीवन का नियम मानने, अनुकूलनशीलता और शुरुआत से ही किसी काम में शामिल होने के महत्व के बारे में चिड़चिड़ेपन से बात की। कीटिंग ने उनके लंबे, उलझे हुए भाषण से समझा कि जिस तरह का व्यापार वे जानते थे, वह खत्म हो चुका है, सरकार चाहे उन्हें पसंद हो या न हो, उसे अपने हाथ में ले लेगी, निर्माण उद्योग खत्म हो रहा है और सरकार जल्द ही एकमात्र निर्माता होगी, और अगर वे इसमें शामिल होना ही चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि वे अभी से इसमें शामिल हो जाएं। नील डुमोंट ने कहा, "गॉर्डन प्रेस्कॉट को देखो, उसने आवास परियोजनाओं और डाकघरों में कितना बढ़िया एकाधिकार बना लिया है।"
गस वेब को रैकेट पर कब्ज़ा जमाने की कोशिश करते हुए देखिए।
कीटिंग ने कोई जवाब नहीं दिया। नील डुमोंट अपने अनकहे विचारों को उसके सामने रख रहा था; वह जानता था कि उसे जल्द ही इसका सामना करना पड़ेगा और उसने

इस पल को टालने की कोशिश की थी।
वह कॉर्टलैंड होम्स के बारे में सोचना नहीं चाहता था।
कॉर्टलैंड होम्स, ईस्ट रिवर के किनारे एस्टोरिया में बनने वाली एक सरकारी आवास परियोजना थी। इसे कम किराए वाले आवास के एक विशाल प्रयोग के रूप में योजनाबद्ध किया गया था, ताकि यह पूरे देश और पूरी दुनिया के लिए एक आदर्श बन सके। कीटिंग ने एक साल से अधिक समय से वास्तुकारों को इसके बारे में बात करते सुना था। अनुदान स्वीकृत हो चुका था और जगह भी चुन ली गई थी; लेकिन वास्तुकार का चयन नहीं हुआ था। कीटिंग यह स्वीकार नहीं करना चाहता था कि वह कॉर्टलैंड को पाने के लिए कितना बेताब था और उसे पाने की उसकी संभावना कितनी कम थी।
“सुनो, पीट, चलो सीधी बात करते हैं,” नील डुमोंट ने कहा। “हमारा बुरा हाल है, दोस्त, और तुम यह जानते हो। ठीक है, हम तुम्हारी प्रतिष्ठा के सहारे एक-दो साल और चल लेंगे। और फिर? इसमें हमारी कोई गलती नहीं होगी। बात बस इतनी है कि निजी उद्यम खत्म हो चुका है और और भी खत्म होता जा रहा है।”
यह एक ऐतिहासिक प्रक्रिया है। भविष्य की लहर है। तो बेहतर यही होगा कि हम भी इसमें शामिल हो जाएं।
जब तक मौका है, हमें अपना सर्फ़बोर्ड ले लेना चाहिए। एक अच्छा, मज़बूत सर्फ़बोर्ड उस लड़के का इंतज़ार कर रहा है जो इसे लेने के लिए समझदार होगा। कॉर्टलैंड होम्स।
अब उसने उस नाम का उच्चारण सुन लिया था। कीटिंग को आश्चर्य हुआ कि वह नाम किसी घंटी की धीमी आवाज़ की तरह क्यों सुनाई दिया; मानो उस ध्वनि ने एक ऐसे क्रम को शुरू और समाप्त कर दिया हो जिसे वह रोक नहीं पाएगा।
"तुम्हारा क्या मतलब है, नील?"
“कॉर्टलैंड होम्स। एल्सवर्थ टूही। अब आप समझ गए होंगे कि मेरा मतलब क्या है।”
“नील, तुम...”
“क्या बात है, पीट? सुनो, सब लोग इस पर हंस रहे हैं। सब कह रहे हैं कि अगर वे टूही के खास चहेते होते, जैसे तुम हो, तो उन्हें कॉर्टलैंड होम्स ऐसे ही मिल जाते”—उन्होंने अपनी सजी-संवरी उंगलियां चटकाते हुए कहा—“बस ऐसे ही, और कोई नहीं समझ पा रहा कि तुम किस बात का इंतजार कर रहे हो। तुम्हें पता है कि इस पूरे हाउसिंग प्रोजेक्ट को दोस्त एल्सवर्थ ही चला रहे हैं।”
“यह सच नहीं है। वह नहीं हैं। उनका कोई आधिकारिक पद नहीं है। उनका कभी कोई आधिकारिक पद नहीं रहा है।”
“तुम किसे बेवकूफ बना रहे हो? हर दफ्तर में जितने भी महत्वपूर्ण लोग हैं, उनमें से अधिकतर उसी के आदमी हैं। मुझे खुद नहीं पता कि उसने उन्हें कैसे भर्ती कराया, लेकिन उसने कराया जरूर।”
क्या बात है, पीट? क्या तुम एल्सवर्थ टूही से मदद मांगने से डरते हो?
कीटिंग ने सोचा, बस अब यही आखिरी रास्ता था; अब पीछे हटने का कोई रास्ता नहीं था। वह खुद से यह स्वीकार नहीं कर पा रहा था कि उसे एल्सवर्थ टूही से पूछने में डर लग रहा था।
“नहीं,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, “मैं डरा हुआ नहीं हूँ, नील। मैं... ठीक है, नील। मैं एल्सवर्थ से बात करूँगा।”
एल्सवर्थ टूही एक सोफे पर लेटे हुए थे, उन्होंने ड्रेसिंग गाउन पहना हुआ था। उनका शरीर बेतरतीब ढंग से बने X अक्षर जैसा था—हाथ सिर के ऊपर, पीछे के तकियों के किनारे पर फैले हुए थे, और पैर चौड़े कांटे की तरह खुले हुए थे। ड्रेसिंग गाउन रेशम का बना था जिस पर कोटी के फेस पाउडर का ट्रेडमार्क पैटर्न था, नारंगी पृष्ठभूमि पर सफेद फुहारें; यह बोल्ड और चंचल लग रहा था, अपनी बेतुकीपन के बावजूद बेहद

सुरुचिपूर्ण। गाउन के नीचे, टूही ने पिस्ता-हरे रंग के लिनेन के स्लीपिंग पायजामे पहने हुए थे, जो सिकुड़े हुए थे। उनकी पैंट उनकी पतली टखनों पर लटक रही थी।
कीटिंग ने सोचा, यह बिल्कुल टूही जैसा था; उनके लिविंग रूम की सख्त साफ-सफाई के बीच यह मुद्रा; एक ही कैनवास पर बनी एक पेंटिंग।
उसके पीछे दीवार पर एक प्रसिद्ध कलाकार की कलाकृति थी—और कमरे का बाकी हिस्सा एक भिक्षु की कोठरी की तरह सादा था; नहीं, कीटिंग ने सोचा, यह किसी निर्वासित राजा के विश्राम स्थल की तरह था, जो भौतिक दिखावे से विमुख था।
टूही की आँखों में स्नेह, उत्साह और हौसला था। टूही ने खुद फोन उठाया था; टूही ने तुरंत मिलने का समय दे दिया था। कीटिंग ने सोचा: इस तरह अनौपचारिक स्वागत पाकर अच्छा लगा। मैं किस बात से डर रहा था? मुझे किस बात का शक था? हम तो पुराने दोस्त हैं।
"अरे बाप रे!" टूही ने जम्हाई लेते हुए कहा, "आखिर कितनी थकान हो जाती है! हर इंसान के दिन में एक ऐसा पल आता है जब उसे आवारा की तरह आराम करने की इच्छा होती है। मैं घर आया और मुझे लगा कि मैं एक मिनट भी कपड़े नहीं पहन सकता। एकदम देहाती जैसा महसूस हो रहा था—बस खुजली हो रही थी।
और मुझे वहां से निकलना पड़ा। आपको कोई आपत्ति तो नहीं है ना, पीटर? कुछ लोगों के साथ सख्त और औपचारिक होना जरूरी होता है, लेकिन आपके साथ इसकी बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।
"नहीं बिल्कुल नहीं।"
"सोच रहा हूं थोड़ी देर में नहा लूँ। गर्म पानी से नहाने जैसा कुछ नहीं, इससे मन को परजीवी जैसा महसूस होता है। पीटर, क्या तुम्हें गर्म पानी से नहाना पसंद है?"
"क्यों... हाँ... मुझे लगता है ऐसा ही है..."
"पीटर, तुम्हारा वजन बढ़ रहा है। बहुत जल्द तुम बाथटब में बेहद बदसूरत दिखोगे। तुम्हारा वजन बढ़ रहा है और तुम दुबले-पतले दिख रहे हो। यह एक बुरी मेल है। देखने में बिलकुल गलत है। मोटे लोगों को खुश और हंसमुख होना चाहिए।"
"मैं... मैं ठीक हूं, एल्सवर्थ। बस बात ये है कि..."
"तुम्हारा स्वभाव पहले बहुत अच्छा था। तुम्हें इसे खोना नहीं चाहिए। लोग तुमसे ऊब जाएंगे।"
"मैं बदला नहीं हूँ, एल्सवर्थ।" अचानक उन्होंने शब्दों पर ज़ोर दिया। "मैं सचमुच बिल्कुल नहीं बदला हूँ। मैं वही हूँ जो मैं कास्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग को डिज़ाइन करते समय था।"
उसने उम्मीद भरी निगाहों से टूही की ओर देखा। उसे लगा कि यह इशारा टूही को समझ आ जाएगा; टूही इससे कहीं ज़्यादा सूक्ष्म बातें समझता था। वह बाहर निकलने में मदद का इंतज़ार करने लगा। टूही उसे देखता रहा, उसकी आँखें मासूम और भावहीन थीं।
"पीटर, ये तो दार्शनिक सोच नहीं है। परिवर्तन ब्रह्मांड का मूल सिद्धांत है। सब कुछ बदलता है। ऋतुएं, पत्ते, फूल, पक्षी, नैतिकता, मनुष्य और इमारतें। पीटर, यही तो द्वंद्वात्मक प्रक्रिया है।"
"हां, बिल्कुल। चीजें इतनी तेजी से, इतने अजीब तरीके से बदलती हैं। आपको पता भी नहीं चलता कि कैसे, और अचानक एक सुबह सब कुछ सामने आ जाता है।"
याद कीजिए, कुछ ही साल पहले, लोइस कुक, गार्डनर प्रेस्कॉट, आइके और लांस—ये सब बिल्कुल अनजान थे। और अब—अरे वाह, एल्सवर्थ, ये सब शिखर पर हैं और ये सब आपकी देन हैं। मैं जहाँ भी देखता हूँ, जिस भी बड़े नाम का जिक्र करता हूँ—वो आपके ही लड़के हैं। आप कमाल के हैं, एल्सवर्थ।
कोई भी व्यक्ति कुछ ही वर्षों में ऐसा कैसे कर सकता है?

“पीटर, यह जितना आपको लगता है उससे कहीं ज़्यादा आसान है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप व्यक्तियों के नज़रिए से सोचते हैं। आपको लगता है कि यह काम टुकड़ों में होता है। लेकिन सच में, सौ प्रेस एजेंटों की ज़िंदगी भी काफ़ी नहीं होगी। यह काम बहुत तेज़ी से हो सकता है। यह समय बचाने वाले उपकरणों का युग है। अगर आप कुछ उगाना चाहते हैं, तो आप हर बीज को अलग-अलग नहीं उगाते। आप बस एक खास खाद डाल देते हैं। बाकी काम प्रकृति खुद कर लेती है।”
मुझे लगता है कि आपको लगता है कि इसके लिए सिर्फ मैं ही जिम्मेदार हूं। लेकिन ऐसा नहीं है।
नहीं, बिलकुल नहीं। मैं तो बस कई लोगों में से एक हूँ, एक बहुत बड़े आंदोलन का एक छोटा सा हिस्सा हूँ। बहुत बड़ा और बहुत प्राचीन आंदोलन। संयोगवश मैंने कला का क्षेत्र चुना, जिसमें आपकी रुचि है, क्योंकि मुझे लगा कि यह उस कार्य को पूरा करने के लिए निर्णायक कारकों पर केंद्रित है जिसे हमें अंजाम देना है।
“हां, बिल्कुल, लेकिन मेरा मतलब है, मुझे लगता है कि आप बहुत चतुर थे। मेरा मतलब है, आप ऐसे युवाओं को चुन सकते थे जिनमें प्रतिभा थी, जिनका भविष्य उज्ज्वल था।”
मुझे बिलकुल नहीं पता कि तुमने पहले से कैसे अनुमान लगा लिया। याद है वो घटिया सी कमरा जो हमने काउंसिल ऑफ़ अमेरिकन बिल्डर्स के लिए बनाया था? और किसी ने भी हमें गंभीरता से नहीं लिया। और लोग तुम पर हंसते थे कि तुम इस तरह के फालतू संगठनों पर समय बर्बाद कर रहे हो।
मेरे प्यारे पीटर, लोग कई गलत धारणाओं के आधार पर निर्णय लेते हैं।
उदाहरण के लिए, वह पुराना सिद्धांत—बांटो और राज करो। खैर, इसके अपने उपयोग हैं। लेकिन हमारी सदी को इससे कहीं अधिक शक्तिशाली सूत्र की खोज करनी पड़ी। एकजुट होकर शासन करो।
"आपका क्या मतलब है?"
“ऐसा कुछ भी नहीं जिसे आप समझ सकें। और मुझे आपकी ताकत का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। ऐसा नहीं लगता कि आपके पास ज्यादा ताकत बची है।”
“ओह, मैं ठीक हूँ। मैं शायद थोड़ा चिंतित दिख रहा हूँ, क्योंकि...”
चिंता करना भावनात्मक ऊर्जा का व्यर्थ उपयोग है। बहुत मूर्खतापूर्ण। एक प्रबुद्ध व्यक्ति के लिए अशोभनीय। चूंकि हम केवल अपनी रासायनिक चयापचय प्रक्रिया और अपने परिवेश के आर्थिक कारकों के वश में हैं, इसलिए हम किसी भी चीज़ के बारे में कुछ भी नहीं कर सकते। तो फिर क्यों?
चिंता? बेशक, कुछ अपवाद हैं। केवल दिखावटी।
जब परिस्थितियाँ हमें यह सोचने पर मजबूर कर देती हैं कि स्वतंत्र कार्रवाई आवश्यक है। उदाहरण के लिए, आपका यहाँ कॉर्टलैंड होम्स के बारे में बात करने आना।
कीटिंग ने पलकें झपकाईं, फिर कृतज्ञता से मुस्कुराया। उसने सोचा कि टूही का अनुमान लगाना और उसे शर्मिंदगी भरी शुरुआती बातों से बचाना बिल्कुल उसकी आदत थी।
“जी हां, एल्सवर्थ। मैं इसी बारे में आपसे बात करना चाहता था। आप कमाल के हैं। आप मुझे बिल्कुल जानते हैं।”
“किस तरह की किताब, पीटर? कोई सस्ती कहानी? कोई प्रेम कहानी? कोई क्राइम थ्रिलर? या फिर किसी की नकल? नहीं, चलो मान लेते हैं: कोई धारावाहिक।”
एक अच्छी, लंबी, रोमांचक धारावाहिक—जिसकी आखिरी कड़ी गायब है। आखिरी कड़ी कहीं खो गई। कोई आखिरी कड़ी होगी ही नहीं। हां, अगर वो कॉर्टलैंड होम्स हो तो बात अलग है। हां, वही एक उपयुक्त समापन अध्याय होगा।” कीटिंग इंतज़ार कर रहा था, उसकी आँखें एकाग्रता से भरी थीं, शर्म और विनती को भूलकर, जिसे छुपाया जाना चाहिए था। “एक ज़बरदस्त प्रोजेक्ट, कॉर्टलैंड होम्स। स्टोनरिज से भी बड़ा। क्या तुम्हें स्टोनरिज याद है, पीटर?”

कीटिंग ने सोचा, वह मेरे साथ बहुत सहज है, वह थका हुआ है, वह हर समय विनम्र नहीं रह सकता, उसे इस बात का एहसास नहीं है कि वह क्या कर रहा है...
स्टोनरिज। गेल वायनांड द्वारा निर्मित एक शानदार आवासीय परियोजना।
पीटर, क्या तुमने कभी गेल वायनांड के करियर के बारे में सोचा है? एक छोटे-मोटे व्यापारी से स्टोनरिज तक का सफर—क्या तुम जानते हो कि इस तरह का कदम कितना मायने रखता है? क्या तुम गेल वायनांड की हर कदम पर की गई मेहनत, ऊर्जा और पीड़ा का हिसाब लगाना चाहोगे? और मैं यहाँ हूँ, और स्टोनरिज से कहीं बड़ा प्रोजेक्ट मेरे हाथ में है, वो भी बिना किसी मेहनत के।" उसने अपना हाथ नीचे किया और बोला, "अगर सच में है तो। शायद ये सिर्फ एक मुहावरा हो। मेरी बात को अक्षरशः मत लेना, पीटर।"
"मैं वायनांड से नफ़रत करता हूँ," कीटिंग ने फर्श की ओर देखते हुए, भारी आवाज़ में कहा। "मैं उससे किसी भी जीवित व्यक्ति से ज़्यादा नफरत करता हूँ।"
"वायनैंड? वह तो बहुत ही भोला इंसान है। वह इतना भोला है कि उसे लगता है कि पुरुषों को मुख्य रूप से पैसे से ही प्रेरणा मिलती है।"
"तुम ऐसे नहीं हो, एल्सवर्थ। तुम एक ईमानदार इंसान हो। इसीलिए मैं तुम पर भरोसा करता हूँ। यही मेरा एकमात्र सहारा है। अगर मैंने तुम पर भरोसा करना छोड़ दिया, तो कुछ भी नहीं बचेगा... कहीं भी नहीं।"
"धन्यवाद, पीटर। यह आपकी ओर से बहुत अच्छा लगा। थोड़ा हास्यास्पद था, लेकिन अच्छा लगा।"
"एल्सवर्थ... तुम जानते हो कि मैं तुम्हारे बारे में कैसा महसूस करता हूँ।"
मुझे इसका काफी हद तक अंदाज़ा है।
"देखिए, इसीलिए मुझे समझ नहीं आता।"
"क्या?"
उसे यह कहना ही था। उसने सबसे पहले तो यह तय किया था कि वह कभी यह नहीं कहेगा, लेकिन उसे कहना पड़ा।
"एल्सवर्थ, तुमने मुझे क्यों छोड़ दिया? अब तुम मेरे बारे में कभी कुछ क्यों नहीं लिखते? हमेशा—तुम्हारे कॉलम में और हर जगह—और जब भी तुम्हें कोई काम मिलता है, मैं उसी के बारे में क्यों लिखती हूँ?"
"हमेशा गुस वेब ही क्यों?"
लेकिन, पीटर, ऐसा क्यों नहीं होना चाहिए?
"लेकिन मैं..."
मुझे यह देखकर दुख हुआ कि तुम मुझे बिल्कुल भी नहीं समझ पाए। इतने वर्षों में तुमने मेरे सिद्धांतों के बारे में कुछ नहीं सीखा। पीटर, मैं व्यक्तिवाद में विश्वास नहीं करता। मेरा मानना है कि कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं हो सकता जो बाकी सब न हो सके। मेरा मानना है कि हम सब बराबर हैं और एक-दूसरे की जगह ले सकते हैं। जो पद तुम आज संभाल रहे हो, वह कुल कोई भी संभाल सकता है। समतावादी क्रम-निर्धारण। क्या मैंने तुम्हें हमेशा यही नहीं सिखाया? तुम्हें क्या लगता है मैंने तुम्हें क्यों चुना? मैंने तुम्हें उस पद पर क्यों रखा जहाँ तुम थे? ताकि इस क्षेत्र को उन लोगों से बचाया जा सके जो अपरिहार्य बन जाएंगे। ताकि इस दुनिया के गस वेब जैसे लोगों को मौका मिल सके। तुम्हें क्या लगता है मैंने—उदाहरण के लिए—हॉवर्ड रोर्क के खिलाफ क्यों लड़ाई लड़ी?
कीटिंग का दिमाग एक चोट की तरह था। उसे लगा था कि यह एक चोट ही होगी, क्योंकि ऐसा लग रहा था जैसे कोई चपटी और भारी चीज़ उस पर टकराई हो, और बाद में वह काला-नीला और सूजा हुआ हो जाएगा; लेकिन अब उसे कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था, सिवाय एक मीठी सी सुन्नता के। उसके दिमाग में जो थोड़े-बहुत विचार आ रहे थे, उनसे उसे पता चल रहा था कि जो विचार वह सुन रहा है, वे उच्च नैतिक मूल्यों के हैं, जिन्हें उसने हमेशा स्वीकार किया है, और इसलिए उनसे उसे कोई नुकसान नहीं हो

सकता, कोई बुराई करने का इरादा नहीं हो सकता। टूही की आँखें सीधे उसकी ओर देख रही थीं, गहरी, कोमल, दयालु। शायद बाद में... उसी बाद में पता चलेगा... लेकिन एक बात उसके दिमाग के किसी हिस्से में चुभ गई थी और अटक गई थी। वह समझ गया था। वह नाम।
और यद्यपि उसकी एकमात्र आशा टूही पर टिकी थी, उसके भीतर कुछ अकथनीय उथुल-पुथल मच गई, वह आगे झुकी, यह जानते हुए कि इससे दर्द होगा, टूही को दर्द पहुंचाने की इच्छा रखते हुए, और उसके होंठ अविश्वसनीय रूप से एक मुस्कान में बदल गए, जिससे उसके दांत और मसूड़े दिखाई देने लगे:
“तुम वहाँ असफल हो गए, है ना, एल्सवर्थ? देखो अब वो कहाँ है—”
हॉवर्ड रोर्क।"
अरे बाप रे, स्पष्ट बातों पर अड़े रहने वाले लोगों से चर्चा करना कितना उबाऊ है। पीटर, तुम सिद्धांतों को समझने में बिलकुल असमर्थ हो।
आप सिर्फ व्यक्तियों के बारे में सोचते हैं। क्या आपको सच में लगता है कि मेरे जीवन का एकमात्र उद्देश्य आपके हॉवर्ड रोर्क के भविष्य की चिंता करना है? श्री रोर्क तो बस कई मामलों में से एक हैं। मैंने उनसे तब निपटा है जब यह मेरे लिए सुविधाजनक था। मैं अब भी उनसे निपट रहा हूं—हालांकि सीधे तौर पर नहीं। मैं मानता हूँ कि श्री हॉवर्ड रोर्क मेरे लिए एक बड़ा प्रलोभन हैं। कभी-कभी मुझे लगता है कि अगर मैं उनसे फिर कभी आमने-सामने न मिलूं तो यह बहुत बड़ी शर्म की बात होगी। लेकिन शायद इसकी बिल्कुल भी ज़रूरत न हो।
पीटर, जब आप सिद्धांतों के आधार पर कार्य करते हैं, तो इससे आपको व्यक्तिगत मुठभेड़ों की परेशानी से मुक्ति मिल जाती है।
"आपका क्या मतलब है?"
मेरा मतलब है कि आप दो तरीकों में से एक को अपना सकते हैं। आप अपना पूरा जीवन उगते ही हर एक खरपतवार को उखाड़ने में लगा सकते हैं—और फिर दस जन्म भी इस काम के लिए काफ़ी नहीं होंगे। या फिर आप अपनी मिट्टी को इस तरह तैयार कर सकते हैं—मान लीजिए किसी खास रसायन का छिड़काव करके—कि खरपतवार उग ही न सकें। दूसरा तरीका तेज़ है। मैं 'खरपतवार' इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि यह एक प्रचलित प्रतीक है और आपको डराएगा नहीं। यही तकनीक किसी भी अन्य जीवित पौधे के मामले में भी लागू होती है जिसे आप हटाना चाहते हैं: जैसे कि कुक्कुट, आलू, संतरे, ऑर्किड या मॉर्निंग ग्लोरी।
"एल्सवर्थ, मुझे नहीं पता कि तुम किस बारे में बात कर रहे हो।"
"लेकिन बेशक आप नहीं जानते। यही तो मेरा फायदा है। मैं ये बातें हर रोज सार्वजनिक रूप से कहता हूं—और किसी को नहीं पता होता कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं।"
"क्या आपने सुना है कि हॉवर्ड रोर्क गेल वायनांड के लिए एक घर बना रहे हैं, अपनी खुद का घर?"
"मेरे प्यारे पीटर, क्या तुम्हें लगा कि मुझे यह तुमसे सीखने के लिए इंतजार करना पड़ेगा?"
"अच्छा, आपको यह कैसा लगा?"
"मुझे इससे क्या लेना-देना है?"
क्या आपने सुना है कि रोर्क और वायनांड पक्के दोस्त हैं?
और कैसी दोस्ती है, मैंने तो यही सुना है! अच्छा? तुम जानते हो कि वायनांड क्या कर सकता है। तुम जानते हो कि वह रोर्क का क्या हाल कर सकता है। अब रोर्क को रोकने की कोशिश करो! उसे रोकने की कोशिश करो! कोशिश करो...
उसने एक घूंट भरकर अटकते हुए खुद को टूही के नंगे टखने को घूरते हुए पाया, जो पजामा पैंट और भेड़ की खाल से बनी चप्पल के मुलायम फर के बीच था। उसने कभी टूही के नग्न शरीर की कल्पना नहीं की थी; किसी तरह, उसने कभी टूही को शारीरिक

रूप से मौजूद नहीं माना था। उस टखने में कुछ अजीब सी अभद्रता थी: बस त्वचा, बहुत नीली-सफेद, हड्डियों पर खिंची हुई जो बहुत नाजुक लग रही थीं। इससे उसे रात के खाने के बाद प्लेट में पड़ी सूखी हुई चिकन की हड्डियों की याद आ गई; अगर कोई उन्हें छूता है, तो कोई मेहनत नहीं लगती, वे बस टूट जाती हैं। उसका मन कर रहा था कि वह हाथ बढ़ाकर उस टखने को अंगूठे और तर्जनी के बीच ले और अपनी उंगलियों के पोरों को मरोड़ दे।
“एल्सवर्थ, मैं यहाँ कॉर्टलैंड होम्स के बारे में बात करने आया हूँ!” उसकी नज़रें टखने से हट ही नहीं रही थीं। उसे उम्मीद थी कि ये शब्द उसे राहत देंगे।
“इस तरह चिल्लाओ मत। क्या बात है?... कॉर्टलैंड होम्स?”
तो, आप इसके बारे में क्या कहना चाहते थे?
अब उसे आश्चर्य से अपनी आँखें ऊपर उठानी पड़ीं। टूही मासूमियत से इंतजार करता रहा।
“मैं कॉर्टलैंड होम्स का डिज़ाइन बनाना चाहता हूँ,” उसने कहा, उसकी आवाज़ कपड़े से छने हुए पेस्ट की तरह धीमी थी। “मैं चाहता हूँ कि आप मुझे यह डिज़ाइन सौंप दें।”
मैं इसे तुम्हें क्यों दूं?
कोई जवाब नहीं आया। अगर वह अब कहता: क्योंकि तुमने लिखा है कि मैं अब तक का सबसे महान वास्तुकार हूं, तो यह याद दिलाना साबित कर देता कि टूही अब इस बात पर विश्वास नहीं करता। वह ऐसे सबूत का सामना करने की हिम्मत नहीं कर पा रहा था, न ही टूही के संभावित जवाब का। वह टूही के टखने के नीले उभार पर दो लंबे काले बालों को घूर रहा था; वह उन्हें साफ-साफ देख सकता था: एक सीधा, दूसरा घुमावदार। काफी देर बाद, उसने जवाब दिया:
"क्योंकि मुझे इसकी बहुत सख्त जरूरत है, एल्सवर्थ।"
"मुझे पता है कि तुम करते हो।"
आगे कहने को कुछ नहीं था। टूही ने अपनी एड़ी हिलाई, पैर उठाया और सोफे के आर्मरेस्ट पर सीधा रख दिया, और आराम से पैर फैला लिए।
"पीटर, सीधे बैठो। तुम किसी राक्षस की तरह दिख रहे हो।"
कीटिंग अपनी जगह से नहीं हिला।
"आपको ऐसा क्यों लगा कि कॉर्टलैंड होम्स के लिए आर्किटेक्ट का चयन करना मेरे ऊपर निर्भर था?"
कीटिंग ने अपना सिर उठाया; उसे राहत का एक झोंका लगा। उसने हद से ज़्यादा अनुमान लगा लिया था और टूही को नाराज़ कर दिया था; यही कारण था; बस यही एक कारण था।
“क्यों, मैं समझता हूँ... ऐसा कहा जा रहा है... मुझे बताया गया है कि इस विशेष परियोजना पर आपका बहुत प्रभाव है... उन लोगों के साथ।”
...और वाशिंगटन में...और अन्य स्थानों पर..."
"पूरी तरह से अनौपचारिक क्षमता में। वास्तुकला संबंधी मामलों के विशेषज्ञ के रूप में। इससे अधिक कुछ नहीं।"
“हां, बिल्कुल... मेरा मतलब यही था।”
मैं एक आर्किटेक्ट की सिफारिश कर सकता हूँ। बस इतना ही। मैं किसी चीज की गारंटी नहीं दे सकता।
मेरा निर्णय अंतिम नहीं है।
“मुझे बस यही चाहिए था, एल्सवर्थ। आपकी तरफ से एक सिफारिश...”
लेकिन, पीटर, अगर मैं किसी की सिफारिश करता हूं, तो मुझे कारण बताना होगा। मैं अपने प्रभाव का इस्तेमाल सिर्फ एक दोस्त को आगे बढ़ाने के लिए तो नहीं कर सकता, है ना?

कॉटेज डोसेंग गाउन को घूरते हुए सोच रहा था: पाउडर पफ, ये पाउडर पफ क्यों? काश वो इसे उतार देता, तो मेरी समस्या यही होती।
"पीटर, अब आपकी पेशेवर प्रतिष्ठा वैसी नहीं रही जैसी पहले थी।"
“तुमने कहा था ‘एक दोस्त को धक्का देने के लिए,’ एल्सवर्थ...” यह फुसफुसाहट थी।
“खैर, बेशक मैं तुम्हारा दोस्त हूँ। मैं हमेशा से तुम्हारा दोस्त रहा हूँ।”
आपको इस बात पर शक तो नहीं है?
“नहीं... मैं नहीं कर सकता, एल्सवर्थ....”
अच्छा, तो खुश हो जाओ। देखो, मैं तुम्हें सच बताता हूँ। हम उस कॉर्टलैंड्ट में अटके हुए हैं। इसमें एक छोटा सा झंझट है। मैंने इसे गॉर्डन प्रेस्कॉट और गस वेब के लिए लेने की कोशिश की थी—मुझे लगा था कि यह उनके लिए ज़्यादा आसान होगा, मुझे नहीं लगा था कि तुम्हें इसमें इतनी दिलचस्पी होगी। लेकिन उनमें से कोई भी इसके लायक नहीं था। क्या तुम्हें आवास की सबसे बड़ी समस्या पता है?
पीटर, मितव्ययिता। एक अच्छा आधुनिक अपार्टमेंट कैसे डिज़ाइन किया जाए जिसका किराया पंद्रह डॉलर प्रति माह हो? क्या आपने कभी इस पर विचार किया है? खैर, कॉर्टलैंड्ट का डिज़ाइन तैयार करने वाले वास्तुकार से यही उम्मीद की जाती है—अगर उन्हें कभी ऐसा वास्तुकार मिल पाता है। बेशक, किरायेदारों का चयन भी मायने रखता है, वे किराए को अलग-अलग रखते हैं, बारह सौ डॉलर सालाना कमाने वाले परिवार उसी अपार्टमेंट के लिए अधिक भुगतान करते हैं ताकि छह सौ डॉलर सालाना कमाने वाले परिवारों का खर्च उठाया जा सके—यानी, एक कमजोर का शोषण करके दूसरे और भी कमजोर की मदद की जाती है।
लेकिन फिर भी, इमारत की लागत और रखरखाव जितना संभव हो उतना कम होना चाहिए। वाशिंगटन के अधिकारी एक और इमारत नहीं चाहते।
आपने सुना ही होगा, एक छोटा सा सरकारी प्रोजेक्ट जहाँ एक घर की कीमत दस हज़ार डॉलर है, जबकि एक निजी बिल्डर उसे दो हज़ार डॉलर में बना सकता था। कॉर्टलैंड एक आदर्श प्रोजेक्ट बनने जा रहा है। पूरी दुनिया के लिए एक मिसाल। यह अब तक की सबसे शानदार, सबसे कुशल योजना और संरचनात्मक मितव्ययिता का बेहतरीन उदाहरण होना चाहिए। बड़े-बड़े बिल्डरों की यही मांग है। गॉर्डन और गस ऐसा नहीं कर पाए। उन्होंने कोशिश की और उन्हें मना कर दिया गया। आपको जानकर हैरानी होगी कि कितने लोगों ने कोशिश की है।
पीटर, मैं तुम्हारे करियर के चरम पर भी तुम्हें उनके सामने पेश नहीं कर सका। मैं उन्हें आपके बारे में क्या बताऊँ? आप तो बस आलीशान, सोने से सजी और संगमरमर की इमारतों, पुराने गाय फ्रैंकन, कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग, फ्रैंक नेशनल बैंक और सदियों पुरानी उस बेकार इमारत के लिए जाने जाते हैं जो कभी अपना खर्च भी नहीं निकाल पाएगी। उन्हें तो बस एक करोड़पति की रसोई चाहिए, वो भी एक बटाईदार की आमदनी में। क्या आपको लगता है कि आप ऐसा कर सकते हैं?
“मेरे पास विचार हैं, एल्सवर्थ। मैंने स्थिति का जायजा लिया है... मैंने नई विधियों का अध्ययन किया है... मैं कर सकता हूँ...”
अगर तुम कर सकते हो, तो यह तुम्हारा है। अगर तुम नहीं कर सकते, तो मेरी सारी दोस्ती भी तुम्हारी मदद नहीं करेगी।
और भगवान जानता है कि मैं तुम्हारी मदद करना चाहता हूँ। तुम बारिश में भीगी हुई बूढ़ी मुर्गी की तरह लग रहे हो। पीटर, मैं तुम्हारे लिए यह करूँगा: कल मेरे दफ्तर आना, मैं तुम्हें सारी जानकारी दूँगा, उसे घर ले जाना और देखना कि क्या तुम उस पर दिमाग खपाना चाहते हो। अगर चाहो तो एक मौका ले लो। मुझे एक शुरुआती योजना बनाकर दो। मैं कुछ वादा नहीं कर सकता। लेकिन अगर तुम इसके आस-पास भी पहुँच गए, तो मैं इसे सही लोगों तक पहुँचा दूँगा और अपनी पूरी ताकत से इसे आगे

बढ़ाऊँगा। मैं तुम्हारे लिए बस इतना ही कर सकता हूँ। यह मेरे हाथ में नहीं है। यह पूरी तरह से तुम्हारे हाथ में है।
कीटिंग उसे देखता हुआ बैठा रहा। कीटिंग की आँखों में चिंता, उत्सुकता और निराशा थी।
"पीटर, क्या तुम कोशिश करना चाहोगे?"
"क्या आप मुझे कोशिश करने देंगे?"
“बेशक मैं तुम्हें इजाज़त दूंगा। मैं क्यों न दूं? मुझे बहुत खुशी होगी अगर तुम, सब लोगों में से, यह कमाल कर दिखाओ।”
“मेरी शक्ल-सूरत के बारे में, एल्सवर्थ,” उसने अचानक कहा, “मेरी शक्ल-सूरत के बारे में... ऐसा इसलिए नहीं है कि मुझे अपनी असफलता से बहुत बुरा लगता है... बल्कि इसलिए है क्योंकि मुझे समझ नहीं आता कि मैं इस तरह से शीर्ष से नीचे क्यों गिर गया...”
बिना किसी कारण के..."
“खैर, पीटर, इस बारे में सोचना वाकई डरावना हो सकता है। जो समझ से परे है, वह हमेशा डरावना होता है। लेकिन अगर ऐसा न होता तो यह इतना डरावना नहीं होता।”
आपने रुककर खुद से पूछा कि क्या कभी कोई ऐसा कारण था जिसकी वजह से आपको शीर्ष पर होना चाहिए था... अरे, पीटर, मुस्कुराओ, मैं तो बस मजाक कर रहा हूँ। जब कोई अपना हास्यबोध खो देता है तो वह सब कुछ खो देता है।
अगली सुबह कीटिंग बैनर बिल्डिंग में एल्सवर्थ टूही के छोटे से कमरे में जाने के बाद अपने कार्यालय लौटे। वे अपने साथ कॉर्टलैंड होम्स परियोजना से संबंधित डेटा से भरा एक ब्रीफकेस लाए थे। उन्होंने कागज़ात अपने कार्यालय की एक बड़ी मेज पर फैलाए और दरवाज़ा बंद कर लिया। उन्होंने एक ड्राफ्ट्समैन से दोपहर में सैंडविच लाने को कहा और रात के खाने के समय एक और सैंडविच मंगवाया। नील डुमोंट ने पूछा, "क्या आप चाहते हैं कि मैं आपकी मदद करूँ, पीट? हम इस पर विचार-विमर्श और चर्चा कर सकते हैं और..." कीटिंग ने सिर हिला दिया।
वह पूरी रात अपनी मेज पर बैठा रहा। कुछ देर बाद उसने कागज़ों को देखना बंद कर दिया; वह चुपचाप बैठा सोचने लगा। वह अपने सामने फैले चार्ट और आंकड़ों के बारे में नहीं सोच रहा था। उसने उनका अध्ययन कर लिया था। वह समझ चुका था कि वह क्या नहीं कर सकता।
जब उसने देखा कि दिन का उजाला हो गया है, जब उसने अपने बंद दरवाज़े के पीछे कदमों की आहट सुनी, काम पर लौट रहे पुरुषों की हलचल सुनी, और उसे पता चला कि कार्यालय का समय शुरू हो गया है, यहाँ और शहर में हर जगह—
वह उठा, अपनी मेज तक गया और टेलीफोन बुक उठाई। उसने नंबर डायल किया।
“मैं पीटर कीटिंग बोल रहा हूँ। मैं श्री रोर्क से मिलने का समय लेना चाहता हूँ।”
हे भगवान, प्रतीक्षा करते हुए उसने सोचा, उसे मुझे देखने मत देना। उसे इनकार करने पर मजबूर कर देना। हे भगवान, उसे इनकार करने पर मजबूर कर देना और मुझे जीवन भर उससे घृणा करने का अधिकार होगा। उसे मुझे देखने मत देना।
“क्या कल दोपहर चार बजे का समय आपके लिए सुविधाजनक रहेगा, श्रीमान?”
"कीटिंग?" सचिव की शांत, सौम्य आवाज ने कहा। "श्री रोर्क आपसे बाद में मिलेंगे।"
आठवीं
रोर्क जानता था कि उसे अपने सदमे को नहीं दिखाना चाहिए।
पीटर कीटिंग पर उसकी पहली नज़र पड़ते ही—और तब तक बहुत देर हो चुकी थी: उसने कीटिंग के होठों पर एक हल्की सी मुस्कान देखी, जो विघटन की निराशाजनक स्वीकृति में भया वह थी।
"क्या तुम मुझसे सिर्फ दो साल छोटे हो, हॉवर्ड?" कीटिंग ने छह साल से न देखे गए व्यक्ति के चेहरे की ओर देखते हुए सबसे पहले यही सवाल पूछा।

“मुझे नहीं पता, पीटर, मुझे लगता है ऐसा हो है। मेरी उम्र सैंतीस साल है।”
मैं उनतालीस साल का हूँ—बस इतना ही।
वह रोर्क की मेज के सामने वाली कुर्सी की ओर बढ़ा, उसे हाथ से टटोलते हुए। रोर्क के दफ्तर की तीन दीवारों पर लगे काँच की पट्टी से उसकी आँखें चौंधिया गईं। उसने आकाश और शहर को घूर कर देखा। उसे यहाँ ऊँचाई का कोई आभास नहीं था, और इमारतें मानो उसके पैरों के नीचे पड़ी थीं, कोई असली शहर नहीं, बल्कि प्रसिद्ध इमारतों के लघु रूप, बेमेल रूप से पास-पास और छोटे; उसे ऐसा लगा जैसे वह झुककर उनमें से किसी को भी अपने हाथ में उठा सकता है। उसने काली रेखाएँ देखीं जो गाड़ियाँ थीं और वे रेंगती हुई प्रतीत हो रही थीं, उन्हें उसकी उंगली के आकार के एक ब्लॉक को पार करने में इतना समय लग रहा था। उसने शहर के पत्थर और प्लास्टर को एक ऐसे पदार्थ के रूप में देखा जिसने प्रकाश को सोख लिया था और उसे वापस परावर्तित कर रहा था, खिड़कियों के बिंदुओं से सजी सपाट, ऊर्ध्वाधर सतहों की कतारें, प्रत्येक सतह एक परावर्तक, गुलाबी, सुनहरे और बैंगनी रंग की—और उनके बीच धुएँ के रंग की नीली धारियाँ दौड़ रही थीं, जो उन्हें आकार, कोण और दूरी दे रही थीं। इमारतों से प्रकाश आकाश में फैल रहा था और गर्मियों के साफ नीले आसमान को एक मंद-सी शृंखला बना रहा था, मानो जलती हुई आग पर फ़ीके पानी की एक लहर सी छाई हो। हे भगवान, कीटिंग ने सोचा, ये सब किसने बनाया है?—और फिर उसे याद आया कि वह भी उन्हीं में से एक था।
उसने एक पल के लिए डेस्क के पीछे लगे दो कांच के पैनलों के कोण के सामने रोर्क की सीधी और दुबली-पतली आकृति देखी, फिर रोर्क उसके सामने बैठ गया।
कीटिंग ने रेगिस्तान में खोए हुए लोगों और समुद्र में मरते हुए लोगों के बारे में सोचा, जब आकाश की मौन अनंतता के सामने उन्हें सच बोलना पड़ता है। और अब उन्हें भी सच बोलना था, क्योंकि वे पृथ्वी के सबसे महान शहर के सामने थे।
"हॉवर्ड, क्या यही वो भयानक बात है जिसका मतलब वे दूसरा गाल आगे करने से निकालते थे—कि तुम मुझे यहाँ आने दे रहे हो?"
उसने अपनी आवाज के बारे में नहीं सोचा। उसे यह नहीं पता था कि उसकी आवाज में गरिमा होती है।
रोर्क ने कुछ क्षण चुपचाप उसकी ओर देखा; यह सूजे हुए चेहरे से कहीं अधिक बड़ा बदलाव था।
“मुझे नहीं पता, पीटर। नहीं, अगर उनका मतलब सचमुच माफ़ी देना था। अगर मुझे चोट लगी होती, तो मैं कभी माफ़ नहीं करता। हाँ, अगर उनका मतलब वही था जो मैं कर रहा हूँ। मुझे नहीं लगता कि कोई इंसान किसी दूसरे को चोट पहुँचा सकता है, किसी भी महत्वपूर्ण तरीके से नहीं। न तो उसे चोट पहुँचा सकता है और न ही उसकी मदद कर सकता है। मुझे तुम्हें माफ़ करने की कोई वजह नहीं है।”
"अगर आपको ऐसा महसूस हो तो बेहतर होगा। यह कम क्रूर होगा।"
"मुझे ऐसा लगता है।"
"तुम बिल्कुल नहीं बदले, हॉवर्ड।"
"मुझे नहीं लगता।"
“अगर यही सजा मुझे भुगतनी है तो मैं चाहता हूं कि आप जान लें कि मैं इसे भुगत रहा हूं और समझता हूं। एक समय मुझे लगता था कि मुझे आसानी से छूट मिल रही है।”
"तुम बदल गए हो, पीटर।"
मुझे पता है मैंने किया है।
"अगर सजा के तौर पर यह करना पड़े तो मुझे खेद है।"
मुझे पता है तुम हो। मुझे तुम पर विश्वास है। लेकिन कोई बात नहीं। बस आखिरी बचा है। मैंने सचमुच परसों रात ही इसे ले लिया था।
“आपने यहां आने का फैसला कब किया?”

"हाँ।"
“तो अब डरने की जरूरत नहीं है। बात क्या है?”
कीटिंग सीधे और शांत बैठे थे, वैसे नहीं जैसे वे तीन दिन पहले ड्रेसिंग गाउन पहने एक व्यक्ति के सामने बैठे थे, बल्कि लगभग आत्मविश्वास से भरे शांत भाव से। उन्होंने धीरे-धीरे और बिना किसी दया भाव के बात की:
“हावर्ड, मैं एक परजीवी हूँ। मैं जीवन भर परजीवी रहा हूँ। स्टैंटन में मेरे सबसे बेहतरीन प्रोजेक्ट तुमने ही डिज़ाइन किए थे। मेरा पहला घर तुमने ही डिज़ाइन किया था। कास्मो-स्लॉटनिक बिल्डिंग भी तुमने ही डिज़ाइन की थी। मैंने तुम पर और तुम्हारे जैसे उन सभी लोगों पर निर्भर होकर जीवन बिताया है जो हमारे जन्म से पहले यहाँ रहते थे। वे लोग जिन्होंने पार्थेनन, गोथिक गिरजाघर, पहली गगनचुंबी इमारतें डिज़ाइन कीं। अगर वे न होते, तो मुझे पत्थर पर पत्थर लगाना भी नहीं आता। अपने पूरे जीवन में, मैंने अपने से पहले के लोगों के काम में एक नया दरवाज़े का हैंडल भी नहीं जोड़ा है। मैंने वह लिया है जो मेरा नहीं था और बदले में कुछ नहीं दिया। मेरे पास देने के लिए कुछ था ही नहीं। यह कोई दिखावा नहीं है, हावर्ड, और मैं जो कह रहा हूँ उसके प्रति पूरी तरह सचेत हूँ।”
और मैं यहाँ आपसे एक बार फिर मुझे बचाने की गुहार लगाने आया हूँ। अगर आप मुझे बाहर निकालना चाहते हैं, तो अभी निकाल दीजिए।
रोर्क ने धीरे से अपना सिर हिलाया और एक हाथ से मौन सहमति जताते हुए आगे बढ़ने का इशारा किया।
“मुझे लगता है आप जानते हैं कि एक आर्किटेक्ट के तौर पर मेरा करियर खत्म हो चुका है। ओह, पूरी तरह खत्म तो नहीं, लेकिन लगभग खत्म ही हो गया है। दूसरे लोग तो कई सालों तक ऐसे ही काम करते रह सकते हैं, लेकिन मैं नहीं कर सकता, क्योंकि मैं जैसा रहा हूँ, या जैसा समझा जाता था, उसकी वजह से। लोग उस आदमी को माफ नहीं करते जो भटक रहा हो। मुझे उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। मैं यह सिर्फ उसी तरह कर सकता हूँ जैसे मैंने अपनी ज़िंदगी में बाकी सब कुछ किया है। मुझे एक ऐसी प्रतिष्ठा चाहिए जिसके मैं लायक नहीं हूँ, एक ऐसी उपलब्धि के लिए जो मैंने हासिल नहीं की, एक ऐसे नाम को बचाने के लिए जिस पर मेरा कोई हक नहीं है। मुझे आखिरी मौका मिला है। मैं जानता हूँ कि यह मेरा आखिरी मौका है। मैं जानता हूँ कि मैं इसे नहीं कर सकता। मैं आपके सामने कोई गड़बड़ पेश करके उसे सुधारने के लिए नहीं कहूँगा। मैं आपसे बस इतना कह रहा हूँ कि आप इसे डिज़ाइन करें और मुझे इस पर अपना नाम लिखने दें।”
“यह कौन सा काम है?”
“कोर्टलैंड होम्स।”
“आवासीय परियोजना?”
“हां। आपने इसके बारे में सुना है?”
मुझे इसके बारे में सब कुछ पता है।
"क्या आपको आवास परियोजनाओं में दिलचस्पी है, हॉवर्ड?"
“आपको यह किसने दिया? किन शर्तों पर?”
कीटिंग ने टूही के साथ हुई अपनी बातचीत को सटीक और निष्पक्ष ढंग से समझाया, मानो वह किसी अदालती कार्यवाही का सारांश हो जिसे उन्होंने बहुत पहले पढ़ा हो। उन्होंने अपने ब्रीफ़केस से कागज़ निकाले, उन्हें मेज़ पर रखा और बोलना जारी रखा, जबकि रोर्क उन्हें देख रहे थे। रोर्क ने एक बार उन्हें टोका: "एक पल रुकिए, पीटर। शांत रहिए।" वह काफी देर तक इंतज़ार करते रहे। उन्होंने देखा कि रोर्क का हाथ कागज़ों को यूँ ही हिला रहा है, लेकिन वह जानते थे कि रोर्क कागज़ों को नहीं देख रहे हैं। रोर्क ने कहा: "बोलते रहिए," और कीटिंग ने आज्ञाकारी ढंग से बोलना जारी रखा, बिना कोई सवाल पूछे।

उन्होंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा, "मुझे लगता है कि आपके लिए यह काम करने का कोई कारण नहीं है। अगर आप उनकी समस्या का समाधान कर सकते हैं, तो आप उनके पास जाकर खुद ही कर सकते हैं।"
रोर्क मुस्कुराया। "क्या आपको लगता है कि मैं टूही को हरा पाऊंगा?"
नहीं। नहीं, मुझे नहीं लगता कि आप ऐसा कर सकते हैं।
"आपको किसने बताया कि मुझे आवास परियोजनाओं में दिलचस्पी है?"

* * * * *

"कौन सा वास्तुकार नहीं है?"
“हां, मैं हूं। लेकिन उस तरह से नहीं जैसा आप सोच रहे हैं।”
वह उठ खड़ा हुआ। यह एक तेज़, अधीर और तनावपूर्ण हरकत थी। कीटिंग ने अपनी पहली राय बनाई: उसे रोर्क में दबी हुई उत्तेजना देखनी अजीब लगा।
“पीटर, मुझे इस बारे में सोचने दो। इसे यहीं छोड़ दो। कल रात मेरे घर आना। मैं तुम्हें तब बताऊँगी।”
"क्या आप मुझे मना कर रहे हैं?"
"अभी तक नहीं।"
“शायद... जो कुछ भी हुआ है उसके बाद...?”
"भाड़ में जाए वो सब।"
आप इस पर विचार करेंगे...
“पीटर, मैं अभी कुछ नहीं कह सकता। मुझे इस बारे में सोचना होगा। इस पर भरोसा मत करना। हो सकता है कि मैं तुमसे कुछ असंभव मांग लूँ।”
"आप जो भी पूछेंगे, हावर्ड। कुछ भी।"
हम इस बारे में कल बात करेंगे।
“हावर्ड, मैं... मैं आपका शुक्रिया अदा करने की कोशिश कैसे करूँ, यहाँ तक कि इसके लिए भी...”
मुझे धन्यवाद मत दीजिए। अगर मैं ऐसा करता हूँ, तो मेरा अपना मकसद होगा। मुझे भी उतना ही लाभ होगा जितना आपको होगा। शायद उससे भी ज़्यादा। बस याद रखिएगा कि मैं किसी और शर्त पर काम नहीं करता।
अगली शाम कीटिंग रोर्क के घर आया। वह यह नहीं कह सकता था कि वह बेसब्री से इंतज़ार कर रहा था या नहीं। चोट फैल चुकी थी। वह कुछ कर सकता था; वह कुछ भी तौल नहीं सकता था।
वह रोर्क के कमरे के बीच में खड़ा हो गया और धीरे-धीरे चारों ओर देखने लगा। वह उन सभी बातों के लिए आभारी था जो रोर्क ने उससे नहीं कही थीं। लेकिन जब उसने पूछा तो उसने खुद ही उन बातों को ज़ुबान दे दी:
"यह एनराइट हाउस है, है ना?"
"हाँ।"
"क्या तुमने इसे बनाया है?"
रोर्क ने सिर हिलाया और कहा: "बैठ जाओ, पीटर," वह बात अच्छी तरह समझ रहा था।
कीटिंग अपना ब्रीफकेस लेकर आया था; उसने उसे फर्श पर रख दिया और कुर्सी के सहारे टिका दिया। ब्रीफकेस फूला हुआ और भारी लग रहा था;
उसने इसे सावधानीपूर्वक संभाला। फिर उसने अपने हाथ फैलाए और हावभाव भूलकर, उसे पकड़े हुए पूछा:
"कुआ?"
"पीटर, क्या तुम एक पल के लिए भी यह सोच सकते हो कि तुम दुनिया में अकेले हो?"
मैं पिछले तीन दिनों से यही सोच रहा हूं।

“नहीं। मेरा मतलब वो नहीं है। क्या तुम वो सब भूल सकते हो जो तुम्हें रटने को सिखाया गया है, और अपने दिमाग से सोच सकते हो, गहराई से सोच सकते हो? कुछ बातें हैं जो मैं चाहता हूं कि तुम समझो। ये मेरी पहली शर्त है। मैं तुम्हें बताता हूं कि मुझे क्या चाहिए। अगर तुम इसे ज़्यादातर लोगों की तरह समझोगे, तो कहोगे कि ये कुछ भी नहीं है। लेकिन अगर तुम ऐसा कहोगे, तो मैं ये नहीं कर पाऊंगा। जब तक तुम पूरी तरह से, अपने पूरे दिमाग से, ये नहीं समझ लेते कि ये कितना ज़रूरी है।”
“मैं कोशिश करूंगा, हॉवर्ड। मैं कल तुम्हारे साथ ईमानदार था।”
“हां। अगर आप नहीं होते, तो मैं आपको कल ही मना कर देता।”
अब मुझे लगता है कि आप इसे समझ पाएंगे और इसमें अपना योगदान दे पाएंगे।
"क्या तुम इसे करना चाहते हो?"
"शायद। अगर आप मुझे पर्याप्त राशि दें तो।"
“हावर्ड—आप जो भी मांगेंगे, मैं सब कुछ करूँगा। कुछ भी। मैं अपनी आत्मा भी बेच दूँगा...”
“मैं चाहता हूँ कि आप यह बात समझें। अपनी आत्मा बेचना दुनिया का सबसे आसान काम है। हर कोई अपने जीवन के हर पल यही करता है। अगर मैं आपसे कहूँ कि आप अपनी आत्मा को बचाकर रखें—तो क्या आप समझ पाएँगे कि यह कितना मुश्किल है?”
“हां...हां, मुझे ऐसा ही लगता है।”
“तो? आगे बढ़ो। मैं चाहता हूं कि तुम मुझे एक कारण बताओ कि मुझे कॉर्टलैंड्ट को डिज़ाइन करने की इच्छा क्यों होनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि तुम मुझे एक प्रस्ताव दो।”
“आप मुझे जो भी पैसा देते हैं, वह सब ले लीजिए। मुझे उसकी जरूरत नहीं है। आप दुगुना पैसा ले लीजिए। मैं उनकी फीस दुगुनी कर दूंगा।”
“पीटर, तुम यह बात अच्छी तरह जानते हो। क्या तुम मुझे इसी बात से बहकाना चाहते हो?”
तुम मेरी जान बचाओगे।
"क्या आप कोई ऐसा कारण बता सकते हैं जिसकी वजह से मैं आपकी जान बचाना चाहूँ?"
"नहीं।"
"कुंआ?"
“यह एक शानदार सार्वजनिक परियोजना है, हॉवर्ड। एक मानवीय प्रयास।”
उन गरीब लोगों के बारे में सोचो जो झुग्गी-झोपड़ियों में रहते हैं। अगर आप उनकी हैसियत के हिसाब से उन्हें उचित आराम दे सकते हैं, तो आपको एक नेक काम करने की संतुष्टि मिलेगी।
"पीटर, तुम कल इससे कहीं ज्यादा ईमानदार थे।"
कीटिंग ने अपनी आंखें झुकाते हुए, धीमी आवाज़ में कहा:
आपको इसे डिजाइन करना बहुत पसंद आएगा।
“जी हां, पीटर। अब तुम मेरी भाषा समझ रहे हो।”
"आप क्या चाहते हैं?"
“अब मेरी बात ध्यान से सुनो। मैं वर्षों से कम किराए वाले आवास की समस्या पर काम कर रहा हूँ। मैंने कभी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब लोगों के बारे में नहीं सोचा। मैंने अपने आधुनिक जगत की संभावनाओं के बारे में सोचा। नई सामग्रियाँ, साधन, और उपयोग करने के अवसर। आज हमारे चारों ओर मनुष्य की प्रतिभा के इतने सारे उत्पाद मौजूद हैं। उनका लाभ उठाने की अपार संभावनाएँ हैं। सस्ते में, सरलता से, बुद्धिमत्तापूर्वक निर्माण करने की। मुझे अध्ययन करने के लिए बहुत समय मिला। स्टोडार्ड मंदिर के बाद मेरे पास ज्यादा काम नहीं था। मुझे परिणामों की उम्मीद नहीं थी। मैंने काम किया क्योंकि मैं किसी भी सामग्री को देखे बिना यह सोचे बिना नहीं रह

सकता: इससे क्या किया जा सकता है? और जिस क्षण मैं यह सोचता हूं, मुझे उसे करना ही होता है। उत्तर खोजने के लिए, उस चीज़ को तोड़ने के लिए। मैंने इस पर वर्षों काम किया है। मुझे इससे प्यार था। मैंने काम किया क्योंकि यह एक ऐसी समस्या थी जिसे मैं हल करना चाहता था। आप जानना चाहते हैं कि पंद्रह डॉलर प्रति माह किराए पर देने के लिए एक यूनिट कैसे बनाई जाए? मैं आपको दिखाऊंगा कि इसे दस डॉलर में कैसे बनाया जाए।"
कीटिंग अनजाने में आगे की ओर झुक गया।
"लेकिन पहले, मैं चाहता हूँ कि आप सोचें और मुझे बताएँ कि मैंने इस काम में इतने साल क्यों लगाए। पैसा? शोहरत? दान? निस्वार्थ भाव?" कीटिंग ने धीरे से सिर हिलाया।
"ठीक है। आप समझने लगे हैं। इसलिए हम जो भी करें, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले गरीब लोगों के बारे में बात न करें। उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है, हालाँकि मैं किसी को भी मुझे यह समझाने का काम नहीं सौंपना चाहूंगा। देखिए, मुझे अपने ग्राहकों की कभी चिंता नहीं होती, मुझे सिर्फ उनकी वास्तुशिल्प संबंधी ज़रूरतों की चिंता होती है। मैं इन्हें अपनी इमारत के विषय और समस्या का हिस्सा मानता हूं, अपनी इमारत की सामग्री की तरह—ठीक वैसे ही जैसे मैं ईंटों और स्टील को मानता हूँ। ईंटें और स्टील मेरा मकसद नहीं हैं।"
ग्राहक भी नहीं। दोनों तो बस मेरे काम के साधन मात्र हैं। पीटर, लोगों के लिए कुछ करने से पहले, तुम्हें ऐसा व्यक्ति बनना होगा जो काम को अंजाम दे सके। लेकिन काम को अंजाम देने के लिए, तुम्हें काम से प्यार होना चाहिए, न कि उसके बाद के परिणामों से। काम से, लोगों से नहीं।
यह आपके स्वयं के कार्यों पर निर्भर करता है, न कि आपके दान के किसी संभावित उद्देश्य पर। मुझे खुशी होगी यदि जरूरतमंद लोग मेरे द्वारा डिजाइन किए गए घर में बेहतर जीवन यापन कर सकें। लेकिन यह मेरे काम का उद्देश्य नहीं है। न ही मेरा मकसद। न ही मेरा इनाम।
वह एक खिड़की के पास गया और अंधेरी नदी में कांपती हुई शहर की रोशनी को देखने के लिए खड़ा हो गया।
"कल आपने कहा था: 'ऐसा कौन सा आर्किटेक्ट है जिसे आवास में दिलचस्पी नहीं है?' मुझे तो यह पूरा विचार ही नापसंद है। मुझे लगता है कि यह एक सराहनीय काम है—एक ऐसे व्यक्ति के लिए एक अच्छा अपार्टमेंट उपलब्ध कराना जो सप्ताह में पंद्रह डॉलर कमाता है। लेकिन दूसरों के खर्च पर नहीं। अगर इससे टैक्स बढ़ता है, सभी किराए बढ़ते हैं और चालीस डॉलर कमाने वाले व्यक्ति को चूहे के बिल में रहने को मजबूर होना पड़ता है, तो ऐसा नहीं होना चाहिए। न्यूयॉर्क में यही हो रहा है। आधुनिक अपार्टमेंट का खर्च कोई नहीं उठा सकता—सिवाय बहुत अमीर और गरीबों के। क्या आपने उन परिवर्तित ब्राउनस्टोन इमारतों को देखा है जिनमें एक औसत आत्मनिर्भर दंपत्ति को रहना पड़ता है? क्या आपने उनकी छोटी-छोटी रसोई और उनकी पाइपलाइन देखी हैं? उन्हें इस तरह रहने के लिए मजबूर होना पड़ता है—क्योंकि वे इतने अक्षम नहीं हैं। वे सप्ताह में चालीस डॉलर कमाते हैं और उन्हें किसी आवास परियोजना में रहने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन वे ही इस घटिया परियोजना के लिए पैसा देते हैं। वे टैक्स चुकाते हैं। और टैक्स उनके अपने किराए को बढ़ा देते हैं। और उन्हें एक परिवर्तित ब्राउनस्टोन से एक अपरिवर्तित ब्राउनस्टोन में और फिर उससे एक रेलरोड फ्लैट में जाना पड़ता है। मैं तो... किसी व्यक्ति को सिर्फ पंद्रह डॉलर प्रति सप्ताह कमाने के लिए दंडित करने की मेरी कोई इच्छा नहीं है। लेकिन मैं यह बिल्कुल नहीं समझ पा रहा हूं कि चालीस डॉलर कमाने वाले व्यक्ति को दंडित क्यों किया जाना चाहिए—और वह भी कम सक्षम व्यक्ति के पक्ष में। बेशक, इस विषय पर कई सिद्धांत और चर्चाएँ हैं। लेकिन परिणामों को ही देख लीजिए। फिर भी, वास्तुकार सरकारी आवास के पक्ष में हैं। और क्या आपने कभी किसी ऐसे वास्तुकार को देखा है

जो नियोजित शहरों के लिए ज़ोर-शोर से आवाज़ न उठा रहा हो? मैं उनसे पूछना चाहूँगा कि वे इतने आश्वस्त कैसे हो सकते हैं कि स्वीकृत योजना उनकी अपनी ही होगी।
और अगर ऐसा है, तो उसे दूसरों पर इसे थोपने का क्या अधिकार है? और अगर ऐसा नहीं है, तो उसके काम का क्या होगा? मुझे लगता है कि वह कहेगा कि उसे इनमें से कुछ भी नहीं चाहिए।
वह एक परिषद, एक सम्मेलन, सहयोग और समन्वय चाहता है।
और इसका परिणाम होगा 'सदियों का सफर'। पीटर, उस समिति में आप सभी ने अकेले ही इतना अच्छा काम किया है जितना आप आठों ने मिलकर भी नहीं किया।
कभी खुद से यह सवाल जरूर पूछना।
मुझे लगता है कि मैं इसे जानता हूँ... लेकिन कॉर्टलैंड्ट...
“जी हां, कॉर्टलैंड्ट। ठीक है, मैंने आपको उन सभी बातों के बारे में बता दिया है जिन पर मुझे विश्वास नहीं है, ताकि आप समझ सकें कि मैं क्या चाहती हूं और मुझे ऐसा चाहने का क्या अधिकार है। मैं सरकारी आवास में विश्वास नहीं करती। मैं इसके नेक उद्देश्यों के बारे में कुछ भी नहीं सुनना चाहती। मुझे नहीं लगता कि वे नेक हैं। लेकिन इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ता। यह मेरी पहली चिंता नहीं है। न ही इस बात की कि वहां कौन रहता है।
न तो घर को और न ही उसे बनवाने वाले को। केवल घर को ही महत्व देना चाहिए। अगर उसे बनाना ही है, तो उसे सही तरीके से ही क्यों न बनाया जाए।
“आप इसे बनाना चाहते हैं?”
“इस समस्या पर काम करते हुए मैंने जितने भी साल बिताए हैं, मैंने कभी व्यावहारिक अनुप्रयोग में इसके परिणाम देखने की उम्मीद नहीं की। मैंने खुद को उम्मीद न करने के लिए मजबूर किया। मैं जानता था कि मुझे बड़े पैमाने पर यह दिखाने का मौका नहीं मिलेगा कि क्या किया जा सकता है। आपकी सरकारी आवास योजना ने, अन्य बातों के अलावा, सभी निर्माण कार्यों को इतना महंगा बना दिया है कि निजी मालिक ऐसी परियोजनाओं या किसी भी प्रकार के कम किराए वाले निर्माण को वहन नहीं कर सकते। और मुझे किसी भी सरकार द्वारा कभी कोई नौकरी नहीं दी जाएगी। आप स्वयं यह बात समझ चुके हैं। आपने कहा था कि मैं टूही से आगे नहीं बढ़ सकता। वह अकेला नहीं है। मुझे किसी भी समूह, बोर्ड, परिषद या समिति, चाहे वह सार्वजनिक हो या निजी, द्वारा कभी कोई नौकरी नहीं दी गई, जब तक कि किसी व्यक्ति ने मेरे लिए लड़ाई न लड़ी हो, जैसे कि केंट लैंसिंग ने।”
इसके पीछे एक कारण है, लेकिन अभी इस पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं है। मैं चाहता हूं कि आप केवल इतना जान लें कि मैं समझता हूं कि मुझे आपकी किस प्रकार आवश्यकता है, इसलिए हम जो भी करेंगे वह एक उचित लेन-देन होगा।
"तुम्हें मेरी जरूरत है?"
“पीटर, मुझे यह काम बहुत पसंद है। मैं इसे बनते हुए देखना चाहता हूँ। मैं इसे वास्तविक, जीवंत, कार्यशील और निर्मित देखना चाहता हूँ। लेकिन हर जीवित चीज़ एकीकृत होती है। क्या तुम जानते हो इसका क्या अर्थ है? संपूर्ण, शुद्ध, पूर्ण, अखंड। क्या तुम जानते हो कि एकीकरण का सिद्धांत क्या होता है? एक विचार। वह एक विचार, वह अकेला विचार जिसने इस वस्तु और इसके हर हिस्से को बनाया है। वह विचार जिसे कोई बदल या छू नहीं सकता। मैं कॉर्टलैंड्ट को डिज़ाइन करना चाहता हूँ। मैं इसे बनते हुए देखना चाहता हूँ। मैं इसे ठीक वैसे ही बनते हुए देखना चाहता हूँ जैसा मैंने डिज़ाइन किया है।”
“हावर्ड... मैं यह नहीं कहूंगा कि ‘यह कुछ भी नहीं है’।”
"आप समझते हैं?"
"हाँ।"

“मुझे अपने काम के लिए पैसे लेना अच्छा लगता है। लेकिन इस बार मैं इसे छोड़ सकता हूँ। मुझे अच्छा लगता है जब लोगों को पता चलता है कि मेरा काम मैंने खुद किया है। लेकिन मैं इसे भी छोड़ सकता हूँ। मुझे अच्छा लगता है जब मेरे काम से किराएदार खुश होते हैं। लेकिन ये सब ज़्यादा मायने नहीं रखता। मेरे लिए सिर्फ़ काम ही मायने रखता है, मेरा लक्ष्य, मेरा इनाम, मेरी शुरुआत, मेरा अंत, और वो है मेरा काम। मेरा काम, मेरे तरीके से। पीटर, दुनिया में ऐसा कुछ नहीं है जो तुम मुझे दे सको, सिवाय इसके। मुझे ये दो और जो कुछ भी मेरे पास देने को है, तुम ले सकते हो। मेरा काम, मेरे तरीके से। एक निजी, व्यक्तिगत, स्वार्थी, अहंकारी प्रेरणा। यही मेरा एकमात्र तरीका है। मैं बस इतना ही हूँ।”
“हां, हॉवर्ड। मैं समझता हूँ। पूरी तरह से समझता हूँ।”
“तो मैं आपको यह प्रस्ताव देता हूं: मैं कॉर्टलैंड का डिज़ाइन तैयार करूँगा। आप इस पर अपना नाम लिखवाएँगे। सभी शुल्क आप ही वहन करेंगे। लेकिन आप यह गारंटी देंगे कि इसका निर्माण ठीक उसी तरह होगा जैसा मैंने डिज़ाइन किया है।”
कीटिंग ने उसकी ओर देखा और जानबूझकर, चुपचाप, एक पल के लिए अपनी निगाहें उस पर टिकाए रखीं।
“ठीक है, हॉवर्ड।” उन्होंने आगे कहा, “मैंने इंतज़ार किया, ताकि मैं आपको दिखा सकूँ कि मैं ठीक-ठीक जानता हूँ कि आप क्या पूछ रहे हैं और मैं क्या वादा कर रहा हूँ।”
"तुम्हें पता है कि यह आसान नहीं होगा?"
मुझे पता है कि यह बहुत ही मुश्किल होगा।
“हां, ऐसा होगा। क्योंकि यह एक बहुत बड़ी परियोजना है। विशेष रूप से इसलिए क्योंकि यह एक सरकारी परियोजना है। इसमें बहुत सारे लोग शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक के पास अधिकार होगा और प्रत्येक किसी न किसी रूप में उसका प्रयोग करना चाहेगा। आपको कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। आपको मेरे दृढ़ विश्वासों के अनुरूप साहस दिखाना होगा।”
मैं उस वादे पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा, हॉवर्ड।
“आप ऐसा नहीं कर पाएंगे, जब तक आप यह नहीं समझ लेते कि मैं आपको एक ऐसा विश्वास सौंप रहा हूँ जो किसी भी परोपकारी उद्देश्य से कहीं अधिक पवित्र और श्रेष्ठ है। जब तक आप यह नहीं समझ लेते कि यह कोई एहसान नहीं है, मैं यह आपके लिए या भविष्य के किरायेदारों के लिए नहीं, बल्कि अपने लिए कर रहा हूं, और इन शर्तों के अलावा इस पर आपका कोई अधिकार नहीं है।”
“हां, हॉवर्ड।”
“आपको इसे पूरा करने का अपना तरीका खुद ही ढूंढना होगा। आपको अपने बॉस के साथ एक पक्की समझौता करना होगा और फिर अगले एक साल या उससे अधिक समय तक हर पांच मिनट में आने वाले हर नौकरशाह से लड़ना होगा। मुझे आपके वचन के अलावा कोई गारंटी नहीं होगी। क्या आप मुझे अपना वचन देना चाहेंगे?”
"मेरा आपसे वचन है।"
रोर्क ने अपनी जेब से टाइप किए हुए दो कागज निकाले और उसे दे दिए।
"इस पर हस्ताक्षर करें।"
“यह क्या है?”
“हमारे बीच एक अनुबंध है, जिसमें हमारे समझौते की शर्तें लिखी होंगी। हम दोनों के पास इसकी एक-एक प्रति होगी। शायद इसकी कोई कानूनी वैधता न हो। लेकिन मैं इसे आपके ऊपर एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकता हूँ। मैं आप पर मुकदमा नहीं कर सकता। लेकिन मैं इसे सार्वजनिक कर सकता हूँ। अगर आपको प्रतिष्ठा चाहिए, तो आप इसे होने नहीं दे सकते।”
मशहूर होने के लिए। अगर किसी भी मोड़ पर तुम्हारा साहस डगमगा जाए, तो याद रखना कि हार मानकर तुम सब कुछ खो दोगे। लेकिन अगर तुम अपना वादा निभाओगे

—मैं तुम्हें अपना वादा देता हूं—यह वहां लिखा है—कि मैं इसे कभी किसी को नहीं बताऊंगा। कॉर्टलैंड तुम्हारा होगा। जिस दिन यह काम पूरा हो जाएगा, मैं यह कागज़ तुम्हें वापस भेज दूंगा और तुम चाहो तो इसे जला सकते हो।
"ठीक है, हॉवर्ड।"
कीटिंग ने हस्ताक्षर किए, कलम उसे सौंप दी, और रोर्क ने हस्ताक्षर कर दिए।
कीटिंग एक पल के लिए उसे देखता रहा, फिर धीरे से बोला, मानो अपने ही किसी विचार की धुंधली आकृति को पहचानने की कोशिश कर रहा हो:
“सब लोग कहेंगे कि तुम मूर्ख हो... सब लोग कहेंगे कि मुझे सब कुछ मिल रहा है....”
“समाज एक आदमी को जो कुछ भी दे सकता है, वह सब तुम्हें मिलेगा। सारा पैसा तुम्हारे पास रहेगा। तुम्हें जो भी प्रसिद्धि या सम्मान देना चाहें, वह तुम ले लोगे।”
किरायेदारों की कृतज्ञता आप स्वीकार करेंगे। और मैं—मैं वह सब कुछ लूंगा जो कोई और किसी को नहीं दे सकता, सिवाय खुद उस इंसान के। मैं कॉर्टलैंड का निर्माण करूंगा।
"तुम्हें मुझसे ज्यादा मिल रहा है, हॉवर्ड।"
“पीटर!” आवाज में जीत का भाव था। “क्या तुम यह समझते हो?”
"हां...."
रोर्क एक मेज से टेक लगाकर पीछे झुक गया और धीरे से हँसा; यह कीटिंग द्वारा सुनी गई सबसे खुशी भरी हंसी थी।
“यह काम करेगा, पीटर। यह काम करेगा। सब ठीक हो जाएगा। तुमने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे धन्यवाद देकर तुमने सब कुछ खराब नहीं किया।”
कीटिंग ने चुपचाप सिर हिलाया।
“अब आराम करो, पीटर। क्या तुम्हें कुछ पीना है? आज रात हम किसी भी बात पर चर्चा नहीं करेंगे। बस यहीं बैठो और मुझे समझने की कोशिश करो। मुझसे डरना बंद करो।”
कल तुमने जो कुछ भी कहा, सब भूल जाओ। इससे सब कुछ मिट जाएगा। हम नए सिरे से शुरुआत कर रहे हैं। अब हम साझेदार हैं। तुम्हें भी अपना हिस्सा निभाना होगा। यह एक वैध हिस्सेदारी है। वैसे, सहयोग के बारे में मेरी यही राय है।
आप लोगों को संभालेंगे। मैं निर्माण कार्य करूंगा। हम दोनों अपना-अपना काम पूरी ईमानदारी से करेंगे।
वह कीटिंग के पास गया और अपना हाथ बढ़ाया।
बिना सिर उठाए, स्थिर बैठे हुए, कीटिंग ने हाथ पकड़ लिया। एक पल के लिए उसकी उंगलियां उस पर कस गईं।
जब रोर्क उसके लिए पेय लाया, तो कीटिंग ने तीन लंबे घूंट पी लिए और कमरे की ओर देखने लगा। उसकी उंगलियां मजबूती से बंद थीं।
गिलास के चारों ओर, उसका हाथ स्थिर था; लेकिन बर्फ कभी-कभी तरल में बिना किसी स्पष्ट गति के बजती थी।
उसकी निगाहें कमरे में, रोर्क के शरीर पर भारीपन से घूम रही थीं। उसने सोचा, यह जानबूझकर नहीं है, सिर्फ मुझे चोट पहुँचाने के लिए नहीं है, वह खुद को रोक नहीं सकती, उसे खुद भी इसका एहसास नहीं है—लेकिन उसके पूरे शरीर में, एक ऐसे प्राणी की झलक है जो जीवित होने पर प्रसन्न है। और उसे एहसास हुआ कि उसने कभी यह विश्वास नहीं किया था कि कोई भी जीवित प्राणी अस्तित्व के उपहार से प्रसन्न हो सकता है।
“तुम... बहुत जवान हो, हॉवर्ड... तुम बहुत जवान हो... एक बार मैंने तुम्हें बहुत बूढ़ा और गंभीर होने के लिए फटकारा था... क्या तुम्हें याद है जब तुम फ्रैंकन में मेरे लिए काम करते थे?”
"इसे छोड़ दो, पीटर। हमने बिना याद किए ही बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।"

“ऐसा इसलिए है क्योंकि तुम दयालु हो। रुको, मुंह मत बनाओ। मुझे बोलने दो। मुझे कुछ बात करनी है। मुझे पता है, यही वो बात है जिसका तुम ज़िक्र नहीं करना चाहते थे। हे भगवान, मैं भी नहीं चाहता था कि तुम इसका ज़िक्र करो! उस रात मुझे खुद को इसके लिए मज़बूत करना पड़ा—उन सभी बातों के लिए जो तुम मुझ पर कह सकते थे।”
लेकिन तुमने ऐसा नहीं किया। अगर अब स्थिति उलट जाए और यह मेरा घर हो—क्या तुम कल्पना कर सकते हो कि मैं क्या करता या कहता? तुममें इतना घमंड नहीं है।
“नहीं, बिलकुल नहीं। मैं बहुत अभिमानी हूँ। अगर आप इसे अभिमान कहना चाहें तो कह सकते हैं। मैं तुलना नहीं करता। मैं कभी भी खुद को किसी और के संदर्भ में नहीं देखता। मैं खुद को किसी भी चीज़ के हिस्से के रूप में आंकने से साफ इनकार करता हूँ। मैं पूरी तरह से अहंकारी हूँ।”
“हाँ। आप हैं। लेकिन अहंकारी लोग दयालु नहीं होते। और आप हैं। आप मेरे जानने वाले सबसे अहंकारी और सबसे दयालु व्यक्ति हैं। और यह बात समझ में नहीं आती।”
“हो सकता है ये अवधारणाएँ समझ में न आएँ। हो सकता है इनका वो मतलब न हो जो लोगों को सिखाया गया है। लेकिन चलिए अब इस बात को छोड़ते हैं। अगर किसी चीज़ पर बात करनी ही है, तो चलिए उस पर बात करते हैं जो हम करने वाले हैं।” वह खुली खिड़की से बाहर देखने के लिए झुका। “यह वहाँ नीचे बनेगा। वो अंधेरा इलाका—वो कॉटलैंड की जगह है। जब यह बन जाएगा, तो मैं इसे अपनी खिड़की से देख पाऊँगा। तब यह शहर का हिस्सा होगा। पीटर, क्या मैंने तुम्हें कभी बताया है कि मुझे यह शहर कितना प्यारा है?”
कीटिंग ने अपने गिलास में बचा हुआ सारा तरल पदार्थ पी लिया।
"मुझे लगता है कि मुझे अभी चले जाना चाहिए, हॉवर्ड। मैं... आज रात खेलने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं हूँ।"
“मैं कुछ दिनों में आपको फोन करूंगा। बेहतर होगा कि हम यहीं मिलें। मेरे दफ्तर मत आना। आप वहां दिखना नहीं चाहेंगे—कोई अंदाजा लगा सकता है।”
वैसे, बाद में जब मेरे रेखाचित्र पूरे हो जाएंगे, तो आपको उन्हें अपने तरीके से खुद ही बनाना होगा। कुछ लोग मेरी चित्रकारी को पहचान लेंगे।
"सभी अधिकार हैं...."
कीटिंग उठे और कुछ पल अनिश्चितता से अपने ब्रीफकेस को देखते रहे, फिर उसे उठा लिया। उन्होंने विदाई के कुछ अस्पष्ट शब्द बुदबुदाए, अपनी टोपी ली, दरवाजे की ओर चले, फिर रुक गए और अपने ब्रीफकेस पर नज़र डाली।
“हॉवर्ड... मैं कुछ ऐसा लाया हूँ जो मैं तुम्हें दिखाना चाहता था।”
वह वापस कमरे में गया और ब्रीफकेस को मेज पर रख दिया।
“मैंने इसे किसी को नहीं दिखाया है।” उसकी उंगलियां लड़खड़ा गईं और उसने पट्टियां खोलनी शुरू कर दीं। “न तो मां को और न ही एल्सवर्थ टूही को... मैं बस इतना चाहता हूं कि अगर कुछ हो तो मुझे बता दो...”
उन्होंने रोर्क को अपने छह कैनवास सौंप दिए।
रोर्क ने एक-एक करके उन सभी को देखा। उसने जरूरत से ज्यादा समय लिया। जब उसे अपनी आँखें उठाने का भरोसा हुआ, तो उसने कीटिंग द्वारा अनकहे शब्द का मौन उत्तर देते हुए अपना सिर हिलाया।
"बहुत देर हो चुकी है, पीटर," उसने नरमी से कहा।
कीटिंग ने सिर हिलाया। "लगता है मुझे... यह पता था।"
कीटिंग के चले जाने के बाद, रोर्क दरवाजे से टिककर आंखें बंद कर लीं। वह दया से व्याकुल था।
उसने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया था—न तब जब हेनरी कैमरून उसके पैरों के पास कार्यालय में गिर पड़ी, न तब जब उसने स्टीवन मैलोरी को अपने सामने बिस्तर

पर रोते हुए देखा। वे क्षण निर्मल थे। लेकिन यह दया थी।
—एक ऐसे व्यक्ति के प्रति पूर्ण जागरूकता, जिसका कोई मूल्य या आशा नहीं है, यह अंतिम परिणति का बोध, इसी बात का बोध कि उसका उद्धार असंभव है। इस भावना में शर्म थी—उसकी स्वयं की शर्म कि उसे एक व्यक्ति पर ऐसा निर्णय सुनाना पड़ रहा है, कि वह एक ऐसी भावना को जानता है जिसमें सम्मान का कोई अंश नहीं है।
यह तो दया की बात है, उसने सोचा, और फिर आश्चर्य से अपना सिर ऊपर उठाया। उसने सोचा कि इस दुनिया में ज़रूर कुछ बहुत गलत है जहाँ इस भयानक भावना को सद्गुण कहा जाता है।
नौवीं
वे वायनांड झील के किनारे बैठे थे।
एक चट्टान पर सुस्त पड़ा हुआ—रोर्क जमीन पर लेटा हुआ था—
डोमिनिक सीधी बैठी थी, उसका शरीर घास पर बिछी उसकी स्कर्ट के हल्के नीले घेरे से अकड़कर ऊपर उठ रहा था।
वायनांड का घर उनके ऊपर पहाड़ी पर स्थित था। ज़मीन सीढ़ीदार खेतों में फैली हुई थी और धीरे-धीरे ऊपर उठकर पहाड़ी की ऊँचाई बनाती थी। घर क्षैतिज आयतों से बना था जो एक सीधी ऊर्ध्वाधर संरचना की ओर बढ़ते थे; घटते हुए ढलानों का एक समूह, जिनमें से प्रत्येक एक अलग कमरा था, जिसका आकार और रूप आपस में जुड़ी हुई फर्श की रेखाओं में क्रमिक चरणों का निर्माण करता था। ऐसा लगता था मानो पहली मंजिल पर स्थित विशाल बैठक कक्ष से एक हाथ धीरे-धीरे चला हो, निरंतर स्पर्श से अगले चरणों को आकार दिया हो, फिर रुक गया हो, अलग-अलग गतियों में जारी रहा हो, प्रत्येक छोटी, अधिक कठोर, और अंत में टूटकर आकाश में कहीं गुम हो गया हो। ऐसा प्रतीत होता था मानो ऊपर उठते खेतों की धीमी लय को पकड़ लिया गया हो, उस पर ज़ोर दिया गया हो, उसे गति दी गई हो और अंतिम गीत के लयबद्ध स्वरों में तोड़ दिया गया हो।
"मुझे इसे यहाँ से देखना अच्छा लगता है," वायनांड ने कहा। "मैंने कल पूरा दिन यहीं बिताया, इस पर पड़ने वाली रोशनी के बदलते रंगों को देखता रहा। हॉवर्ड, जब आप कोई इमारत डिज़ाइन करते हैं, तो क्या आपको ठीक-ठीक पता होता है कि दिन के किसी भी समय, किसी भी कोण से सूरज की रोशनी उस पर क्या असर डालेगी? क्या आप सूरज को नियंत्रित करते हैं?"
“ज़रूर,” रोर्क ने सिर उठाए बिना कहा। “दुर्भाग्यवश, मैं यहाँ इसे नियंत्रित नहीं कर सकता। हट जाओ, गेल। तुम मेरे रास्ते में हो। मुझे अपनी पीठ पर धूप पसंद है।”
वायनांड घास पर लेट गया। रोर्क पेट के बल लेटा हुआ था, चेहरा बाँह पर टिका हुआ था, नारंगी बाल सफेद कमीज़ की आस्तीन पर थे, एक हाथ आगे फैला हुआ था, हथेली ज़मीन पर टिकी हुई थी। डोमिनिक अपनी उंगलियों के बीच घास की पत्तियों को देख रहा था। उंगलियाँ कभी-कभार हिलती थीं, घास को आलस्यपूर्ण, कामुक आनंद से मसलती थीं।
उनके पीछे झील फैली हुई थी, एक सपाट चादर की तरह जिसके किनारे गहरे होते जा रहे थे, मानो दूर के पेड़ शाम के समय उसे घेरने के लिए आगे बढ़ रहे हों।
सूरज की किरणें पानी पर एक चमकदार पट्टी की तरह पड़ रही थीं। डोमिनिक ने ऊपर देखा।
घर पर खड़ी होकर उसने सोचा कि वह खिड़की पर खड़े होकर नीचे देखना चाहेगी और उस पहाड़ी की तलहटी में एक सुनसान किनारे पर लेटी हुई उस सफेद आकृति को देखना चाहेगी, जिसका हाथ जमीन पर है, वह थकी हुई, खाली और बेजान सी है।
वह उस घर में एक महीने से रह रही थी। उसने कभी सोचा भी नहीं था कि वह ऐसा कर पाएगी। तभी रोर्क ने कहा: "श्रीमती वायनांड, यह घर दस दिनों में आपके लिए तैयार हो जाएगा," और उसने जवाब दिया: "जी हां, श्रीमान रोर्क।"

उसने घर को स्वीकार किया, सीढ़ियों की रेलिंग को अपने हाथों से छूना, उन दीवारों को जिनमें वह सांस ले रही थी। उसने शाम को दबाए जाने वाले लाइट स्विच और दीवारों में बिछाए गए उसके द्वारा इस्तेमाल किए गए हल्के तारों को स्वीकार किया; नल खोलने पर बहने वाले पानी को, जो उसके द्वारा बनाए गए पाइपों से आता था; अगस्त की शामों में खुली आग की गर्माहट को, उसके द्वारा बनाए गए पत्थर-पत्थर से बने फायरप्लेस के सामने। उसने सोचा: हर पल... मेरे अस्तित्व की हर ज़रूरत।
... उसने सोचा: क्यों नहीं? मेरे शरीर के साथ भी ऐसा ही है—फेफड़े, रक्त वाहिकाएं, नसें, मस्तिष्क—सब एक ही नियंत्रण में हैं। उसे घर के साथ एकात्मता का अनुभव हुआ।
वह उन रातों को स्वीकार करती थी जब वह वायनांड की बाहों में लेटी होती और आंखें खोलकर रोर्क द्वारा डिज़ाइन किए गए बेडरूम का आकार देखती, और एक तीव्र आनंद के खिलाफ अपने दांत भींचती जो आंशिक रूप से उसके शरीर की अतृप्त भूख का जवाब और आंशिक रूप से उपहास था, और उसके सामने आत्मसमर्पण कर देती, यह जाने बिना कि किस आदमी ने उसे यह दिया, उनमें से किसने, या दोनों ने।
वायनांड उसे कमरे में चलते हुए, सीढ़ियों से उतरते हुए, खिड़की पर खड़े होते हुए देखती रही। उसने उसे ये कहते हुए सुना था: “मुझे नहीं पता था कि घर को किसी औरत के लिए, किसी पोशाक की तरह, डिज़ाइन किया जा सकता है। तुम खुद को यहाँ वैसे नहीं देख सकतीं जैसे मैं देखता हूँ, तुम ये नहीं देख सकतीं कि ये घर पूरी तरह से तुम्हारा है। हर कोना, हर कमरे का हर हिस्सा तुम्हारे लिए ही बना है। ये तुम्हारी ऊँचाई, तुम्हारे शरीर के हिसाब से बना है।”
दीवारों की बनावट भी अजीब तरह से तुम्हारी त्वचा की बनावट से मेल खाती है। यह स्टोड्डार्ड मंदिर है, लेकिन एक ही व्यक्ति के लिए बनाया गया है, और यह मेरा है। यही तो मैं चाहती थी। शहर तुम्हें यहां छू भी नहीं सकता। मुझे हमेशा से लगता था कि शहर तुम्हें मुझसे छीन लेगा। इसने मुझे सब कुछ दिया है। मुझे नहीं पता क्यों कभी-कभी मुझे ऐसा लगता है कि एक दिन यह मुझसे इसका बदला माँगेगा। लेकिन यहाँ तुम सुरक्षित हो और तुम मेरी हो। वह रोना चाहती थी: गेल, मैं यहाँ उसकी हूँ, जैसे मैं पहले कभी उसकी नहीं थी।
रोर्क एकमात्र ऐसा मेहमान था जिसे वायनांड ने अपने नए घर में आने की अनुमति दी थी। वह सप्ताहांत में रोर्क के आने को स्वीकार करती थी। यह स्वीकार करना सबसे कठिन था। वह जानती थी कि वह उसे परेशान करने नहीं आता था, बल्कि केवल इसलिए आता था क्योंकि वायनांड ने उसे बुलाया था और रोर्क को वायनांड के साथ रहना अच्छा लगता था। उसे याद है कि एक शाम उसने सीढ़ियों की रेलिंग पर हाथ रखकर, अपने शयनकक्ष की ओर जाते हुए, रोर्क से कहा था: "जब भी आपका मन करे, नाश्ते के लिए नीचे आ जाइए, श्रीमान रोर्क। बस भोजन कक्ष में बटन दबा दीजिए।" "धन्यवाद, श्रीमती वायनांड। शुभ रात्रि।"
एक बार, उसने उसे एक पल के लिए अकेले देखा। सुबह का समय था; वह पूरी रात सोई नहीं थी, हॉल के उस पार वाले कमरे में उसके बारे में सोचती रही थी; वह घर के जागने से पहले ही बाहर आ गई थी। वह पहाड़ी से नीचे उतरी और अपने चारों ओर धरती की अस्वाभाविक शांति में उसे सुकून मिला, बिना सूरज के पूर्ण प्रकाश की शांति, बिना हिले पत्तों की शांति, एक चमकदार, प्रतीक्षापूर्ण सन्नाटे की शांति। उसने अपने पीछे कदमों की आहट सुनी, वह रुक गई, वह एक पेड़ के तने से टिक गई। उसके कंधे पर एक स्विमिंग सूट था, वह झील में तैरने जा रहा था। वह उसके सामने रुका, और वे बाकी धरती के साथ एक-दूसरे को देखते हुए स्थिर खड़े रहे। उसने कुछ नहीं कहा, मुड़ा और आगे बढ़ गया। वह पेड़ से टिकी रही, और थोड़ी देर बाद वह वापस घर चली गई।
अब, झील के किनारे बैठे हुए, उसने वायनांड को उससे यह कहते हुए सुना:

"हावुड, तुम दुनेया के सबसे आलसी प्राणी लगत हो।"
"मैं हूं।"
मैंने किसी को भी इस तरह आराम करते हुए कभी नहीं देखा।
"लगातार तीन रातों तक जागते रहने की कोशिश करें।"
मैंने तुम्हें कल ही यहाँ आने के लिए कहा था।
नहीं कर सका।
क्या तुम यहीं बेहोश हो जाओगे?
“मैं ऐसा करना चाहूंगा। यह बहुत ही शानदार है।” उसने अपना सिर उठाया, उसकी आँखों में चमक थी, मानो उसने पहाड़ी पर बनी इमारत को देखा ही न हो, मानो वह उसके बारे में बात ही न कर रहा हो। “मैं इसी तरह मरना चाहता हूं, किसी किनारे पर लेटा हुआ, बस अपनी आँखें बंद कर लूँ और कभी वापस न आऊँ।”
उसने सोचा: वह वही सोचता है जो मैं सोच रही हूं—हमारा रिश्ता अभी भी कायम है—गेल नहीं समझेगी—कम से कम वह और गेल तो नहीं, इस बार तो बिल्कुल नहीं।
— वो और मैं।
वायनांड ने कहा: “तुम बिलकुल मूर्ख हो। यह तुम्हारे स्वभाव के विपरीत है, मज़ाक में भी नहीं। तुम किसी बात पर खुद को मार रहे हो। क्या बात है?”
"फिलहाल वेंटिलेटर शाफ्ट में समस्या है। बहुत ही जिद्दी वेंटिलेटर शाफ्ट में।"
"किसके लिए?"
“ग्राहक... मेरे पास इस समय हर तरह के ग्राहक हैं।”
क्या आपको रात में काम करना पड़ता है?
“हां—इन खास लोगों के लिए। बहुत ही खास काम है। इसे ऑफिस में भी नहीं लाया जा सकता।”
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
“कुछ नहीं। ध्यान मत दो। मैं आधी नींद में हूँ।”
उसने सोचा: यह गेल को श्रद्धांजलि है, समर्पण का आत्मविश्वास है।
वह बिल्ली की तरह आराम करता है—और बिल्लियाँ केवल उन्हीं लोगों के साथ आराम करती हैं जिन्हें वे पसंद करती हैं।
"मैं तुम्हें खाना खाने के बाद ऊपर कमरे में धकेल दूंगा और दरवाजा बंद कर दूंगा," वायनांड ने कहा।
और तुम्हें वहीं बारह घंटे सोने के लिए छोड़ देंगे।
"ठीक है।"
“जल्दी उठना चाहते हो? चलो सूर्योदय से पहले तैरने चलते हैं।”
“मिस्टर रोर्क थके हुए हैं, गेल,” डोमिनिक ने तीखी आवाज में कहा।
रोर्क ने कोहनी के बल उठकर उसकी ओर देखा। उसने उसकी आँखों में प्रत्यक्ष और समझदारी देखी।
“गेल, तुम सभी यात्रियों की बुरी आदतें अपना रही हो,” उसने कहा।
“शहर से आए मेहमानों पर अपने देहाती समय को थोपना, जो इसके आदी नहीं हैं।”
उसने सोचा: काश वो एक पल मेरा होता—जब तुम झील की ओर जा रहे थे—गेल को वो पल भी न छीनने दो, जैसे बाकी सब कुछ। “तुम मिस्टर रोर्क को ऐसे आदेश नहीं दे सकते जैसे वो बैनर के कर्मचारी हों।”
मुझे इस धरती पर श्रीमान से ज्यादा किसी और को आदेश देना पसंद नहीं आएगा।
"रोर्क," वायनांड ने खुशी से कहा, "जब भी मुझे मौका मिलता है मैं ऐसा करता हूं।"
तुम तो बच निकलोगे।
“मुझे आदेश लेने में कोई आपत्ति नहीं है, श्रीमती वायनांड,” रोर्क ने कहा। “लेकिन गेल जैसे सक्षम व्यक्ति से तो बिल्कुल नहीं।”

उसने सोचा, "काश इस बार मैं जीत जाऊं, कृपया इस बार मैं जीत जाऊं—इससे तुम्हें कोई फर्क नहीं पड़ता—यह निरर्थक है और इसका कोई महत्व नहीं है।"
लेकिन उसे मना कर दो, उस क्षणिक ठहराव की स्मृति के लिए उसे मना कर दो जो उसका नहीं था।
“मुझे लगता है आपको आराम करना चाहिए, श्रीमान रोर्क। कल आपको देर तक सोना चाहिए। मैं नौकरों से कह दूंगा कि वे आपको परेशान न करें।”
“नहीं, धन्यवाद। मैं कुछ घंटों में ठीक हो जाऊंगी, श्रीमती वायनांड। मुझे नाश्ते से पहले तैरना अच्छा लगता है। जब आप तैयार हों, तो दरवाज़ा खटखटा देना, गेल।”
और हम साथ-साथ डूबेंगे।
उसने झील और पहाड़ियों के विशाल विस्तार पर नज़र डाली, जहाँ पुरुषों का कोई निशान नहीं था, दूर-दूर तक कोई दूसरा घर नहीं था, बस पानी, पेड़ और सूरज थे, उनकी अपनी ही एक दुनिया थी, और उसने सोचा कि वह सही था—वे एक-दूसरे के लिए बने थे।
वे तीनों।
कॉर्टलैंड होम्स के रेखाचित्रों में पंद्रह मंजिला छह इमारतें दिखाई गई थीं, जिनमें से प्रत्येक अनियमित तारे के आकार की थी, जिसकी भुजाएँ एक केंद्रीय शाफ्ट से फैली हुई थीं। शाफ्ट में लिफ्ट, सीढ़ियाँ, हीटिंग सिस्टम और सभी आवश्यक उपकरण लगे थे। अपार्टमेंट केंद्र से विस्तारित त्रिभुजों के रूप में फैले हुए थे। भुजाओं के बीच की जगह से तीन तरफ से प्रकाश और हवा आती थी। छतें पहले से ढाली हुई थीं; भीतरी दीवारें प्लास्टिक टाइल की थीं जिन पर पेंटिंग या प्लास्टरिंग की आवश्यकता नहीं थी; सभी पाइप और तार फर्श के किनारों पर धातु की नलिकाओं में बिछाए गए थे, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी महंगे विध्वंस के खोला और बदला जा सकता था; रसोई और बाथरूम पूरी तरह से तैयार इकाइयों के रूप में पूर्वनिर्मित थे; भीतरी विभाजन हल्के धातु के थे जिन्हें एक बड़ा कमरा बनाने के लिए दीवारों में मोड़ा जा सकता था या इसे विभाजित करने के लिए बाहर निकाला जा सकता था; सफाई के लिए बहुत कम हॉल या लॉबी थीं, और जगह के रखरखाव के लिए न्यूनतम लागत और श्रम की आवश्यकता थी। पूरी योजना त्रिभुजों की एक रचना थी। ढले हुए कंक्रीट से बनी इमारतें सरल संरचनात्मक विशेषताओं का एक जटिल मॉड्यूल थीं; कोई अलंकरण नहीं था; इसकी आवश्यकता भी नहीं थी। उन आकृतियों में गणितीय सुंदरता थी।
एल्सवर्थ टूही ने कीटिंग द्वारा अपनी मेज पर फैलाई गई योजनाओं की ओर नहीं देखा। वह परिप्रेक्ष्य रेखाचित्र को घूरता रहा। वह मुँह खुला रखकर घूरता रहा।
फिर उसने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगा।
उन्होंने कहा, "पीटर, तुम एक प्रतिभाशाली व्यक्ति हो।"
उन्होंने आगे कहा, “मुझे लगता है कि आप मेरी बात को अच्छी तरह समझ गए हैं।”
कीटिंग ने बिना किसी जिज्ञासा के, खाली निगाहों से उनकी ओर देखा। “आपने वह हासिल कर लिया है जिसे पाने के लिए मैंने पूरी जिंदगी कोशिश की है, जिसे पाने के लिए सदियों से पुरुषों और खूनी लड़ाइयों ने प्रयास किया है। पीटर, मैं आपको श्रद्धा और प्रशंसा के साथ सलाम करता हूँ।”
"योजनाओं को देखो," कीटिंग ने बेपरवाही से कहा। "इसका किराया दस डॉलर प्रति यूनिट होगा।"
मुझे इसमें ज़रा भी संदेह नहीं है कि यह हो जाएगा। मुझे देखने की जरूरत नहीं है।
ओह जी हाँ, पीटर, यह हो जाएगा। चिंता मत करो। इसे स्वीकार कर लिया जाएगा।
मेरी ओर से हार्दिक बधाई, पीटर।
“अरे बेवकूफ!” गेल वायनांड ने कहा। “क्या कर रहे हो?”
उसने रोर्क की ओर बैनर की एक प्रति फेंकी, जिसे अंदर के एक पृष्ठ से मोड़ा गया था।

उस पृष्ठ पर एक तस्वीर थी जिसके कैप्शन में लिखा था: "कोटलैंड होम्स का आर्किटेक्ट्स द्वारा बनाया गया चित्र, 15,000,000 डॉलर की संघीय आवास परियोजना जो एस्टोरिया, लॉन्ग आइलैंड में बनाई जानी है, आर्किटेक्ट्स: कीटिंग एंड डुमोंट।"
रोर्क ने तस्वीर पर एक नज़र डाली और पूछा: "आपका क्या मतलब है?"
“तुम अच्छी तरह जानते हो मेरा मतलब क्या है। क्या तुम्हें लगता है कि मैंने अपनी आर्ट गैलरी में रखी चीज़ों को उनके हस्ताक्षरों के आधार पर चुना है? अगर इसे पीटर कीटिंग ने डिज़ाइन किया है, तो मैं आज के बैनर की हर कॉपी खा जाऊँगा।”
"पीटर कीटिंग ने इसे डिजाइन किया था, गेल।"
“तुम मूर्ख हो। तुम्हें क्या चाहिए?”
"अगर मैं आपकी बात समझना ही नहीं चाहता, तो मैं उसे नहीं समझूंगा, चाहे आप कुछ भी कह दें।"
"ओह, ऐसा हो सकता है, अगर मैं इस आशय की कोई कहानी चलाऊं कि एक विशेष आवास परियोजना को हॉवर्ड रोर्क द्वारा डिजाइन किया गया था, जो एक शानदार एक्सक्लूसिव कहानी होगी और मिस्टर टूही पर एक मजाक भी होगा, जो उन अधिकांश परियोजनाओं में पर्दे के पीछे का आदमी है।"
"अगर तुमने इसे प्रकाशित किया तो मैं तुम्हारे खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगा।"
"क्या तुम सचमुच ऐसा करोगे?"
“मैं करूँगा। इसे छोड़ दो, गेल। क्या तुम्हें नहीं दिख रहा कि मैं इस पर चर्चा नहीं करना चाहता?”
बाद में, वायनांड ने डोमिनिक को तस्वीर दिखाई और पूछा:
इसे किसने डिजाइन किया?
उसने उस पर नजर डाली। "बेशक," बस इतना ही उसने जवाब दिया।
“अल्वाह, यह किस तरह की ‘बदलती दुनिया’ है? किसमें बदल रही है? किससे? यह बदलाव कौन कर रहा है?”
अलवाह स्कारेट के चेहरे के कुछ हिस्से चिंतित लग रहे थे, लेकिन ज्यादातर हिस्से में अधीरता थी, क्योंकि उन्होंने "बदलती दुनिया में मातृत्व" विषय पर अपने संपादकीय के प्रूफों पर नजर डाली, जो वायनांड की मेज पर पड़े थे।
“ये क्या बकवास है, गेल,” उसने उदासीनता से बुदबुदाया।
“मैं यही तो जानना चाहता हूँ—आखिर ये सब क्या है?” उसने प्रमाण उठाया और ज़ोर से पढ़ा: “‘जिस दुनिया को हम जानते थे, वो खत्म हो चुकी है।’”
और इस बारे में खुद को धोखा देने का कोई फायदा नहीं है। हम पीछे नहीं जा सकते, हमें आगे बढ़ना ही होगा। आज की माताओं को अपने भावनात्मक दृष्टिकोण को व्यापक बनाकर और अपने बच्चों के प्रति अपने स्वार्थी प्रेम को एक उच्च स्तर तक ले जाकर, सभी के छोटे बच्चों को शामिल करके एक उदाहरण स्थापित करना होगा। माताओं को अपने मोहल्ले, अपनी गली, अपने शहर, काउंटी, राज्य, राष्ट्र और पूरी दुनिया के हर बच्चे से उतना ही प्यार करना चाहिए जितना वे अपनी छोटी मैरी या जॉनी से करती हैं।’” वायनांड ने नज़ाकत से अपनी नाक सिकोड़ी। “अल्वा? ... बकवास करना ठीक है।”
लेकिन—इस तरह की बकवास?
अल्वाह स्कारेट उसकी तरफ नहीं देखती थी।
“गेल, तुम ज़माने के साथ कदम मिलाकर नहीं चल रही हो,” उसने कहा। उसकी आवाज़ धीमी थी; उसमें चेतावनी का भाव था—जैसे कोई भविष्य के लिए दबे स्वर में अपने दाँत दिखा रहा हो।
अल्वाह स्कारेट का यह व्यवहार इतना अजीब था कि वायनांड ने बातचीत जारी रखने की सारी इच्छा खो दी। उन्होंने संपादकीय पर एक रेखा खींची, लेकिन नीली पेंसिल की रेखा थकी हुई सी लग रही थी और धुंधली सी हो गई।

उन्होंने कहा: "जाओ और कुछ और करो, अल्वाह।"
स्कारेट उठी, कागज की पट्टी उठाई, मुड़ी और बिना कुछ कहे कमरे से बाहर चली गई।
वायनांड ने उसकी देखभाल की, वह हैरान, खुश और थोड़ा बीमार सा महसूस कर रहा था।
उन्हें कई वर्षों से उस प्रवृत्ति के बारे में पता था जिसे उनका अखबार धीरे-धीरे, अनजाने में, उनकी ओर से बिना किसी निर्देश के अपना रहा था।
उन्होंने देखा था कि समाचारों को किस तरह सावधानीपूर्वक एकतरफा ढंग से प्रस्तुत किया जाता था, आधे-अधूरे संकेत दिए जाते थे, अस्पष्ट इशारे किए जाते थे, विशेषणों का अजीबोगरीब ढंग से प्रयोग किया जाता था, कुछ खास विषयों पर जोर दिया जाता था, और जहाँ जरूरत नहीं होती थी वहाँ भी राजनीतिक निष्कर्ष थोप दिए जाते थे। अगर कोई कहानी मालिक और कर्मचारी के बीच विवाद से संबंधित होती थी, तो तथ्यों की परवाह किए बिना, केवल शब्दों के माध्यम से मालिक को दोषी साबित कर दिया जाता था। अगर कोई वाक्य अतीत की बात करता था, तो उसे हमेशा "हमारा अंधकारमय अतीत" या "हमारा मृत अतीत" कहा जाता था। अगर किसी बयान में किसी व्यक्ति के निजी मकसद की बात होती थी, तो उसे हमेशा "स्वार्थ से प्रेरित" या "लालच से प्रेरित" कहा जाता था। एक क्रॉसवर्ड पहेली में "अप्रचलित व्यक्तियों" की परिभाषा दी गई थी और उसका उत्तर "पूंजीपति" निकला।
वायनांड ने इस पर तिरस्कारपूर्ण मुस्कान के साथ कंधे उचका दिए। उन्होंने सोचा कि उनके कर्मचारी अच्छी तरह से प्रशिक्षित हैं: अगर यह उस समय की प्रचलित बोलचाल की भाषा थी, तो उनके लड़के इसे अपने आप समझ जाते होंगे। इसका कोई मतलब नहीं था। उन्होंने इसे संपादकीय पृष्ठ से हटा दिया और बाकी सब मायने नहीं रखता था। यह इससे ज्यादा कुछ नहीं था।
उस समय का फैशन—और वह कई बदलते फैशनों से बच चुका था।
उन्हें "हम वायनांड को नहीं पढ़ते" अभियान को लेकर कोई चिंता नहीं थी।
उसने उनके शौचालय का एक स्टिकर लिया, उसे अपनी लिंकन कार की विंडशील्ड पर चिपकाया और उस पर ये शब्द लिखे: "हम भी नहीं।"
और उसने उसे इतनी देर तक वहीं रखा कि एक तटस्थ अखबार के फोटोग्राफर ने उसे खोज लिया और उसकी तस्वीर खींच ली। अपने करियर के दौरान, उसे अपने समय के सबसे बड़े प्रकाशकों और वित्तीय शक्ति के सबसे चतुर गठबंधनों द्वारा विरोध का सामना करना पड़ा, निंदा की गई और उसकी आलोचना की गई। लेकिन गस वेब नाम के किसी व्यक्ति की गतिविधियों को लेकर उसे कोई आशंका नहीं हुई।
उन्हें पता था कि बैनर की लोकप्रियता कुछ कम हो रही है। उन्होंने स्कारेट से कंधे उचकाते हुए कहा, "यह तो बस एक अस्थायी चलन है।" वे एक लिमरिक प्रतियोगिता चलाते, या विक्टोला रिकॉर्ड के लिए कूपन की एक श्रृंखला निकालते, बिक्री में थोड़ी सी बढ़ोतरी होती और फिर वे इस बात को भूल जाते।
वह पूरी तरह से सक्रिय नहीं हो पा रहा था। उसे काम करने की इतनी तीव्र इच्छा पहले कभी नहीं हुई थी। वह हर सुबह बड़ी बेसब्री से अपने दफ़्तर में दाखिल होता था। लेकिन एक घंटे के भीतर ही वह दीवारों पर लगे पैनलों के जोड़ों को निहारने लगता और मन ही मन बच्चों की कविताएँ गुनगुनाने लगता। यह ऊब नहीं थी, न ही जम्हाई लेने से मिलने वाली संतुष्टि, बल्कि जम्हाई लेने की तीव्र इच्छा और उसे पूरा न कर पाने की बेचैनी थी। वह यह नहीं कह सकता था कि उसे अपना काम नापसंद था। बस थोड़ा अरुचिकर हो गया था; इतना नहीं कि कोई निर्णय लेने पर मजबूर होना पड़े; इतना नहीं कि मुट्ठी भींचनी पड़े; बस इतना कि नाक सिकोड़नी पड़े।
उसे धुंधला सा लगा कि इसका कारण जनता की पसंद में आया नया रुझान है। उसे कोई कारण नहीं दिख रहा था कि वह इसका अनुसरण क्यों न करे और अन्य सभी

रुझानों की तरह ही कुशलता से इसका फायदा क्यों न उठाए। लीकेन वह ऐसा नहीं कर सका।
उन्हें कोई नैतिक दुविधा नहीं थी। यह कोई तर्कसंगत रूप से लिया गया सकारात्मक रुख नहीं था; किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य के नाम पर की गई अवज्ञा नहीं थी; बस एक संकोची भावना थी, कुछ हद तक पवित्रता से जुड़ी हुई: कीचड़ में पैर रखने से पहले महसूस होने वाली झिझक। उन्होंने सोचा: कोई फ़र्क नहीं पड़ता—यह ज्यादा देर तक नहीं चलेगा—जब लहर किसी और विषय की ओर मुड़ेगी तो मैं वापस आ जाऊंगा—मुझे लगता है कि इस बार तो मुझे इससे दूर ही रहना चाहिए।
वह यह नहीं बता सकता था कि अल्वाह स्कारेट से हुई मुलाकात ने उसे सामान्य से अधिक तीव्र बेचैनी क्यों दी। उसे यह हास्यास्पद लगा कि अल्वाह ने इस तरह की बेतुकी बातें क्यों कीं। लेकिन कुछ और भी था; अल्वाह के व्यक्तित्व में कुछ खास बात थी।
बाहर निकलना; लगभग एक घोषणा थी कि उसे अब बॉस की राय पर विचार करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती।
मुझे अल्वाह को निकाल देना चाहिए, उसने सोचा—और फिर खुद पर हंस पड़ा, हैरान होकर: अल्वाह स्कारेट को निकाल देना?—ऐसा लगता है जैसे धरती को रोक देना—या —अकल्पनीय—बैनर को बंद कर देना।
लेकिन उस गर्मी और पतझड़ के महीनों में, ऐसे भी दिन थे जब उन्हें बैनर से प्यार हो जाता था। तब वे अपनी मेज पर बैठे होते, उनके सामने फैले पन्नों पर हाथ रखा होता, ताज़ी स्याही उनकी हथेली पर लगी होती, और बैनर के पन्नों में हॉवर्ड रोर्क का नाम देखकर वे मुस्कुरा उठते।
उनके कार्यालय से संबंधित सभी विभागों को यह संदेश मिल गया था: हॉवर्ड रोर्क का प्रचार करो। कला अनुभाग, रियल एस्टेट अनुभाग, संपादकीय, कॉलम, हर जगह रोर्क और उनकी इमारतों का ज़िक्र नियमित रूप से होने लगा। किसी वास्तुकार को प्रचारित करने के अवसर बहुत कम होते थे, और इमारतों का समाचार मूल्य भी न के बराबर होता था, लेकिन बैनर ने हर तरह के चतुर बहाने से रोर्क का नाम जनता के सामने पेश कर दिया। वायनांड ने हर शब्द का संपादन किया। बैनर के पन्नों पर छपी सामग्री चौंकाने वाली थी: इसे शालीनता से लिखा गया था। कोई सनसनीखेज कहानियां नहीं थीं, नाश्ते के समय रोर्क की कोई तस्वीरें नहीं थीं, कोई मानवीय पहलू नहीं था, किसी व्यक्ति को बेचने का कोई प्रयास नहीं था; केवल एक कलाकार की महानता को एक सलीके से और सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि दी गई थी।
उसने रोर्क से इस बारे में कभी बात नहीं की, और रोर्क ने भी कभी इसका ज़िक्र नहीं किया। उन्होंने बैनर के बारे में कोई चर्चा नहीं की।
शाम को अपने नए घर लौटते समय, वायनांड को हर रात बैठक कक्ष की मेज पर वह बैनर दिखाई देता था। शादी के बाद से उसने उसे अपने घर में रखने की अनुमति नहीं दी थी। पहली बार उसे देखकर वह मुस्कुराया और कुछ नहीं बोला।
फिर एक शाम उन्होंने इसके बारे में बात की। उन्होंने पन्ने पलटते-पलटते गर्मियों के रिसॉर्ट्स के सामान्य विषय पर एक लेख पर पहुंच गए, जिसका अधिकांश भाग मोनाडेनॉक घाटी का वर्णन था। उन्होंने कमरे के दूसरी ओर बैठी डोमिनिक की ओर देखने के लिए अपना सिर उठाया; वह चिमनी के पास फर्श पर बैठी थी। उन्होंने कहा: "धन्यवाद प्रिय।"
“किसलिए, गेल?”
"यह समझने के लिए कि मुझे अपने घर में झंडा देखकर कब खुशी होगी।"
वह उसके पास गया और उसके बगल में ज़मीन पर बैठ गया। उसने अपनी बांहों के बीच उसकी पतली कंधों को थाम लिया। उसने कहा:

“उन सभी राजनेताओं, फ़िल्म सितारों, आने वाले रईसों और हत्यारों के बारे में सोचो, जिनका बैनर अख़बार ने इतने सालों तक ढोल पीट-पीटकर प्रचार किया है। उन सभी अभियानों के बारे में सोचो जो मैंने रेलगाड़ी कंपनियों, रेड-लाइट इलाकों और स्थानीय स्तर पर उगाई गई सब्ज़ियों के बारे में चलाए थे। डोमिनिक, पहली बार मैं खुलकर अपने विचार व्यक्त कर सकता हूँ।”
“जी हां, गेल...”
“मैंने जो सारी शक्ति चाही, हासिल की, लेकिन कभी इस्तेमाल नहीं की... अब वे देखेंगे कि मैं क्या कर सकता हूँ। मैं उन्हें मजबूर करूँगा कि वे उसे वैसे ही पहचानें जैसे उसे पहचाना जाना चाहिए। मैं उसे वह प्रसिद्धि दिलाऊँगा जिसका वह हकदार है। जनमत? जनमत वही होता है जो मैं बनाता हूँ।
"क्या आपको लगता है कि वह ऐसी चाहता है?"
“शायद नहीं। मुझे परवाह नहीं। उसे इसकी ज़रूरत है और उसे यह मिलेगा। मैं चाहता हूँ कि उसे यह मिले। एक वास्तुकार होने के नाते, वह सार्वजनिक संपत्ति है। अगर कोई अख़बार उसके बारे में लिखना चाहे तो वह उसे रोक नहीं सकता।”
"उसके बारे में जो भी लिखा है, क्या वह सब आप खुद लिखते हैं?"
"इसमें से अधिकांश।"
"गेल, तुम कितनी बेहतरीन पत्रकार बन सकती थीं।"
इस अभियान के नतीजे अप्रत्याशित रहे। आम जनता पूरी तरह उदासीन रही। लेकिन बुद्धिजीवी वर्ग में, कला जगत में, और पेशेवर जगत में, लोग रोर्क का मज़ाक उड़ा रहे थे। वायनांड को ये टिप्पणियां सुनने को मिलीं: “रोर्क? अरे हाँ, वायनांड का चहेता।” “बैनर का ग्लैमर बॉय।” “पीली पत्रकारिता का जीनियस।” “बैनर अब कला बेच रहा है—दो बॉक्स टॉप या उसकी एक अच्छी कॉपी भेज दो।” “क्या आपको पता नहीं? मैंने रोर्क के बारे में हमेशा यही सोचा है—वायनैंड के अखबारों के लिए उपयुक्त प्रतिभा।”
"देखते हैं," वायनांड ने तिरस्कारपूर्वक कहा और अपना निजी अभियान ज़ारी रखा। उसने रोर्क को हर महत्वपूर्ण परियोजना सौंप दी, जिनके मालिक दबाव में आने को तैयार थे। वसंत ऋतु से ही वह रोर्क के कार्यालय में हडसन नदी पर स्थित एक नौका क्लब, एक कार्यालय भवन और दो निजी आवासों के अनुबंध ला रहा था। उसने कहा, "मैं तुम्हें इतना काम दिलवा दूंगा जितना तुम संभाल नहीं पाओगे। मैं तुम्हें उन सभी वर्षों की भरपाई करवा दूंगा जो उन्होंने तुम्हारा बर्बाद किया है।"
एक शाम ऑस्टेन हेलर ने रोर्क से कहा: "अगर मैं इतनी धृष्टता करूँ तो, मुझे लगता है कि आपको सलाह की ज़रूरत है, हॉवर्ड। हां, बिल्कुल, मेरा मतलब श्री गेल वायनांड के इस बेतुके मामले से है। आप और वह घनिष्ठ मित्र के रूप में मेरे अब तक के सभी तर्कसंगत विचारों को उलट देते हैं।"
आखिरकार, मानवता के अलग-अलग वर्ग हैं—नहीं, मैं टूही की भाषा में बात नहीं कर रहा हूँ—लेकिन मनुष्यों के बीच कुछ ऐसी सीमा रेखाएँ हैं जिन्हें पार नहीं किया जा सकता है।"
“हां, हैं। लेकिन किसी ने भी यह स्पष्ट रूप से नहीं बताया है कि उन्हें कहां खींचा जाना चाहिए।”
"खैर, दोस्ती तो तुम्हारा निजी मामला है। लेकिन इसका एक पहलू ऐसा है जिसे रोकना ही होगा—और इस बार तुम्हें मेरी बात सुननी होगी।"
मैं सुन रहा हूं।
“मुझे लगता है कि वह तुम पर जो इतने सारे कमीशन थोप रहा है, वह ठीक है। मुझे यकीन है कि उसे इसका इनाम मिलेगा और वह नरक में कई पायदान ऊपर चढ़ जाएगा, जहाँ उसे जाना ही है। लेकिन उसे बैनर में तुम्हारे बारे में जो प्रचार कर रहा है, उसे बंद करना होगा। तुम्हें उसे रोकना होगा। क्या तुम्हें नहीं पता कि वायनांड अखबारों का समर्थन किसी को भी बदनाम करने के लिए काफी है?”

रोर्क ने कुछ नहीं कहा। "इससे आपके पेशेवर कॅरियर को नुकसान हो रहा है, हॉवर्ड।"
मुझे पता है ऐसा ही है।
क्या तुम उसे रोकोगे?
"नहीं।"
लेकिन इतनी भीषण आग में क्यों?
मैंने कहा था कि मैं सुनूंगा, ऑस्टेन। मैंने यह नहीं कहा था कि मैं उनके बारे में बोलूंगा।
शरद ऋतु में एक दोपहर बाद, वायनांड रोर्क के कार्यालय में आए, जैसा कि वे अक्सर दिन के अंत में करते थे, और जब वे साथ में बाहर निकले, तो उन्होंने कहा: "आज़ शाम मौसम सुहाना है। चलो टहलने चलते हैं, हॉवर्ड। एक ज़मीन का टुकड़ा है जिसे मैं चाहता हूँ कि तुम देखो।"
वह हेलसे किचन की ओर आगे बढ़ा। वे एक विशाल आयताकार क्षेत्र में घूमे—नाइंथ एवेन्यू और इलेवन एवेन्यू के बीच दो ब्लॉक, उत्तर से दक्षिण तक पाँच ब्लॉक। रोर्क ने झुग्गियों की मैली-कुचैली वीरानगी देखी, लाल ईंटों से बनी जर्जर इमारतें, टेढ़े-मेढ़े दरवाजे, सड़ते हुए तख्ते, संकरी हवादार जगहों में लटके भूरे रंग के अंतर्वस्त्रों के गुच्छे —जीवन के संकेत के रूप में नहीं, बल्कि सड़न के घातक प्रसार के रूप में।
“क्या यह आपका है?” रोर्क ने पूछा।
"यह सब।"
“मुझे यह क्यों दिखा रहे हो? क्या तुम्हें नहीं पता कि किसी वास्तुकार को यह दिखाना, उसे बिना दफनाए हुए शवों का ढेर दिखाने से भी बदतर है?”
वायनांड ने सड़क के उस पार एक नए भोजनालय के सफेद टाइलों वाले अग्रभाग की ओर इशारा करते हुए कहा: "चलो अंदर चलते हैं।"
वे खिड़की के पास एक साफ़ धातु की मेज पर बैठे थे, और वायनांड ने कॉफ़ी मंगवाई। वह शहर के सबसे अच्छे रेस्तरां की तरह ही सहज और शिष्ट लग रहे थे; उनकी शालीनता में एक विचित्र गुण था—यह जगह का अपमान नहीं कर रही थी, बल्कि उसे बदल रही थी, जैसे किसी राजा की उपस्थिति जो कभी अपना व्यवहार नहीं बदलता, फिर भी जिस भी घर में प्रवेश करता है उसे महल बना देता है। वह कोहनियों को मेज पर टिकाकर आगे की ओर झुके हुए थे, कॉफ़ी की भाप के बीच से रोर्क को देख रहे थे, उनकी आँखें सिकुड़ी हुई थीं, मानो उन्हें मज़ा आ रहा हो। उन्होंने एक उंगली से सड़क के उस पार इशारा किया।
"हावर्ड, वो मेरी पहली खरीदी हुई संपत्ति थी। बहुत समय पहले की बात है। तब से मैंने उसे छुआ तक नहीं है।"
"तुम इसे किसलिए बचा रहे थे?"
"आप।"
रोर्क ने कॉफ़ी का भारी सफ़ेद मग होठों तक उठाया, उसकी आँखें वायनांड की आँखों में टिकी थीं, जो जवाब में संकुचित और व्यंग्यात्मक थीं। वह जानता था कि वायनांड उत्सुकता भरे प्रश्न सुनना चाहता है, लेकिन वह धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा।
“तुम जिद्दी कमीने,” वायनांड ने हंसते हुए हार मान ली। “ठीक है।”
सुनो। यहीं मेरा जन्म हुआ था। जब मैंने संपत्ति खरीदने के बारे में सोचना शुरू किया, तो मैंने यही ज़मीन खरीदी। एक-एक घर करके। एक-एक ब्लॉक करके। इसमें बहुत समय लगा। मैं बेहतर संपत्ति खरीदकर जल्दी पैसा कमा सकता था, जैसा कि मैंने बाद में किया, लेकिन मैंने तब तक इंतज़ार किया जब तक मेरे पास यह ज़मीन नहीं आ गई। हालाँकि मुझे पता था कि मैं इसका कई सालों तक इस्तेमाल नहीं करूँगा। दरअसल, मैंने तब तय कर लिया था कि एक दिन यहीं पर वायनांड बिल्डिंग बनेगी... ठीक है, जितना चाहो चुप रहो—मैंने अभी तुम्हारा चेहरा देख लिया है।
“हे भगवान, गेल! ...”
“क्या बात है? करना चाहते हो? बहुत बुरी तरह से चाहते हो?”

“मुझे लगता है कि मैं इसके लिए अपनी जान तक दे दूंगा—लेकिन फिर मैं इसे बना नहीं पाऊँगा। क्या आप यही सुनना चाहते थे?”
“कुछ ऐसा ही। मैं तुम्हारी जान नहीं मांगूंगा। लेकिन तुम्हें एक बार चौंका देना अच्छा लगा। चौंकने के लिए धन्यवाद। इसका मतलब है कि तुम समझ गए कि वायनांड बिल्डिंग का क्या मतलब है। शहर की सबसे ऊंची इमारत। और सबसे महान।”
मुझे पता है कि आप यही चाहेंगे।
“मैं इसे अभी नहीं बनाऊंगा। लेकिन मैं इतने सालों से इसका इंतजार कर रहा हूं। और अब तुम भी मेरे साथ इंतजार करोगे। क्या तुम्हें पता है कि मुझे तुम्हें एक तरह से तड़पाना अच्छा लगता है? कि मैं हमेशा से ऐसा करना चाहता हूं?”
"मुझे पता है।"
“मैं तुम्हें यहां सिर्फ यह बताने के लिए लाया हूँ कि जब मैं इसे बना लूँगा तो यह तुम्हारा हो जाएगा। मैंने इंतज़ार किया, क्योंकि मुझे लगा कि मैं इसके लिए तैयार नहीं था। जब से मैं तुमसे मिला हूँ, मुझे पता चल गया है कि मैं तैयार हूँ—और मेरा मतलब यह नहीं है कि तुम एक वास्तुकार हो।”
लेकिन देश के फिर से पटरी पर आने में हमें थोड़ा और इंतज़ार करना पड़ेगा, बस एक-दो साल और। अभी निर्माण कार्य करने का समय नहीं है। बेशक, सब कहते हैं कि गगनचुंबी इमारतों का ज़माना बीत चुका है। ये अब पुरानी हो चुकी हैं। मुझे इसकी कोई परवाह नहीं। मैं इनसे अपना खर्च खुद निकाल लूंगा।
वायनांड एंटरप्राइजेज के कार्यालय पूरे शहर में फैले हुए हैं। मैं चाहता हूँ कि वे सभी एक ही इमारत में हों। और मेरे पास इतने प्रभाव हैं कि मैं उन्हें बाकी सारी जगह किराए पर लेने के लिए मजबूर कर सकता हूं।
शायद, यह न्यूयॉर्क में बनने वाली आखिरी गगनचुंबी इमारत होगी। और यह बहुत अच्छी बात है। सबसे महान और आखिरी।
रोर्क सड़क के उस पार, धारीदार खंडहरों को देखता हुआ बैठा था।
“इसे गिरा दिया जाएगा, हॉवर्ड। सब कुछ। पूरी तरह से। वह जगह जहाँ मेरा कोई दबदबा नहीं था। उसकी जगह एक पॉर्क और वायनांड बिल्डिंग बनाई जाएगी... न्यूयॉर्क की सबसे बेहतरीन इमारतें बेकार पड़ी हैं क्योंकि वे दिखाई नहीं देतीं, ब्लॉकों में एक-दूसरे से सटी हुई हैं। मेरी इमारत दिखाई देगी। यह पूरे मोहल्ले को नया रूप देगी। बाकी लोग भी इसका अनुसरण करें। वे कहेंगे, क्या यह सही जगह नहीं है? सही जगह कौन तय करता है?”
वे देखेंगे। यह शहर का नया केंद्र बन सकता है—जब शहर फिर से जीवंत हो उठेगा। मैंने इसकी योजना तब बनाई थी जब बैनर एक घटिया अखबार मात्र था। मैंने कोई गलती तो नहीं की, है ना? मुझे पता था कि मैं क्या बनूँगी... मेरे जीवन का एक स्मारक, हॉवर्ड। याद है तुमने पहली बार मेरे कार्यालय में आकर क्या कहा था? मेरे जीवन का एक बयान। मेरे अतीत में कुछ ऐसी बातें थीं जो मुझे पसंद नहीं थीं। लेकिन जिन चीजों पर मुझे गर्व है, वे हमेशा रहेंगी। मेरे जाने के बाद वह इमारत गेल वायनांड की होगी... मुझे पता था कि समय आने पर मुझे सही वास्तुकार मिल जाएगा। मुझे नहीं पता था कि वह मेरे द्वारा नियुक्त वास्तुकार से कहीं अधिक होगा। मुझे खुशी है कि ऐसा हुआ। यह एक तरह का इनाम है। ऐसा लगता है जैसे मुझे माफ़ कर दिया गया हो। मेरी आखिरी और सबसे बड़ी उपलब्धि तुम्हारी भी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। यह न केवल मेरा स्मारक होगा, बल्कि वह सबसे अच्छा उपहार होगा जो मैं उस व्यक्ति को दे सकती हूँ जो मेरे लिए धरती पर सबसे अधिक मायने रखता है। नाराज़ मत हो, तुम जानते हो कि तुम मेरे लिए क्या हो।
सड़क के उस पार उस भयानक इमारत को देखो। मैं यहाँ बैठकर तुम्हें उसे देखते हुए देखना चाहता हूँ। हम दोनों मिलकर उसी को नष्ट करेंगे। उसी से वह इमारत फिर से खड़ी होगी - हॉवर्ड रोर्क द्वारा निर्मित वायनांड बिल्डिंग। मैं जन्म से ही इसका इंतज़ार

कर रहा हूँ। तुम भी जन्म से ही अपने इस सुनहरे मौके का इंतज़ार कर रहे हो। देखो, हॉवर्ड, सड़क के उस पार। यह तुम्हारा है - मेरी तरफ से।
एक्स
बारिश रुक गई थी, लेकिन पीटर कीटिंग चाहते थे कि यह और भी तेज़ हो जाए। फिर से शुरू होगा। फुटपाथ चमक रहे थे, इमारतों की दीवारों पर गहरे धब्बे थे, और चूंकि यह आसमान से नहीं आ रहा था, ऐसा लग रहा था मानो शहर ठंडे पसीने में भीगा हुआ हो। हवा में असमय अंधेरा छाया हुआ था, जो समय से पहले बुढ़ापे की तरह बेचैन कर रहा था, और खिड़कियों में पीली रोशनी के छोटे-छोटे पोखर थे। कीटिंग को बारिश की कमी खल रही थी, लेकिन वह अंदर तक भीगा हुआ महसूस कर रहा था। वह अपने दफ्तर से जल्दी निकल गया था और पैदल घर चला गया। दफ्तर उसे अवास्तविक सा लगता था, जैसा कि लंबे समय से लगता आ रहा था। उसे वास्तविकता का एहसास केवल शाम को होता था, जब वह चुपके से रोर्क के अपार्टमेंट में जाता था। वह चुपके से नहीं गया था और न ही यह कोई छुपकर की गई हरकत थी, उसने गुस्से में खुद से कहा—और जानता था कि यह छुपकर की गई हरकत ही थी; भले ही वह एनराइट हाउस की लॉबी से गुज़रा और लिफ्ट में ऊपर गया, जैसे कोई भी व्यक्ति किसी जायज काम से जा रहा हो। यह एक अस्पष्ट बेचैनी थी, हर चेहरे पर नजर डालने की इच्छा, पहचाने जाने का डर; यह एक अज्ञात अपराधबोध का बोझ था, किसी व्यक्ति के प्रति नहीं, बल्कि बिना किसी पीड़ित के अपराधबोध का कहीं अधिक भयावह एहसास।
उन्होंने रोर्क से कॉर्टलैंड के हर विवरण के लिए मोटे-मोटे रेखाचित्र लिए थे। उन्होंने रोर्क के निर्देशों को ध्यान से सुना। उन्होंने अपने नियोक्ताओं के सामने हर संभव आपत्ति का खंडन करने के लिए तर्कों को याद कर लिया। वे एक रिकॉर्डिंग मशीन की तरह सब कुछ आत्मसात करते रहे। बाद में, जब उन्होंने अपने ड्राफ्ट्समैन को स्पष्टीकरण दिया, तो उनकी आवाज़ किसी डिस्क के बजने जैसी सुनाई दी। उन्हें कोई आपत्ति नहीं थी। उन्होंने कुछ भी सवाल नहीं किया।
अब वह धीरे-धीरे उन गलियों से गुज़र रहा था जहाँ बारिश होने का नामोनिशान नहीं था। उसने ऊपर देखा और उसे वह खालीपन नज़र आया जहाँ कभी जानी-पहचानी इमारतों के टावर हुआ करते थे; यह न तो कोहरा था, न बादल, बल्कि ऐसा लग रहा था जैसे आसमान में फैला एक विशाल, खामोश विनाश हो गया हो। इमारतों को आसमान में गायब होते देखना उसे हमेशा बेचैन कर देता था। वह नीचे देखते हुए चलता रहा। सबसे पहले उसकी नज़र जूतों पर पड़ी। उसे पता था कि उसने महिला का चेहरा ज़रूर देखा होगा, आत्मरक्षा की सहज प्रवृत्ति ने उसकी नज़र चेहरे से हटा दी और उसकी सचेत चेतना ने उसे देखना शुरू कर दिया।
जूतों पर। वे सपाट, भूरे रंग के ऑक्सफ़ोर्ड जूते थे, बेहद सलीकेदार, कीचड़ भरे फुटपाथ पर ज़रूरत से ज़्यादा चमकते हुए, बारिश और सुंदरता की परवाह न करने वाले। उसकी नज़र भूरी स्कर्ट पर, फिर सिले-सिलाए जैकेट पर, जो किसी वर्दी की तरह महँगी और ठंडी थी, फिर उस हाथ पर जिसमें एक महँगे दस्ताने की उंगली में छेद था, फिर उस कॉलर पर जिस पर एक बेतुका सा आभूषण लगा था—लाल रंग की पेंट पहने एक टेढ़े पैरों वाला मैक्सिकन—जो चंचलता दिखाने की एक भद्दी कोशिश में चिपकाया गया था; फिर पतले होंठों पर, फिर चश्मे पर, फिर आँखों पर।
“कैटी,” उसने कहा।
वह एक किताबों की दुकान की खिड़की के पास खड़ी थी; उसकी नज़रें कुछ देर तक एक किताब के शीर्षक को पहचानने और उसे देखने के बीच झिझकती रहीं; फिर, हल्की सी मुस्कान के साथ, उसकी नज़रें वापस किताब के शीर्षक पर गईं, उसे पूरा पढ़ने और ध्यान से नोट करने के लिए। फिर उसकी निगाहें कीटिंग पर लौट आईं।

उसकी मुस्कान सुखद थी; कड़वाहट को दबाने की कोशिश नहीं, न ही स्वागत का भाव; बस सुखद।
“क्यों, पीटर कीटिंग,” उसने कहा। “हैलो, पीटर।”
“कैटी...” वह न तो अपना हाथ बढ़ा सका और न ही उसके करीब जा सका।
“हां, सोचो, तुमसे इस तरह अचानक मुलाकात हो जाए, न्यूयॉर्क तो किसी छोटे शहर जैसा ही है, बस शायद वहाँ की आधुनिक सुविधाएं नहीं हैं।” उसकी आवाज़ में कोई तनाव नहीं था।
“तुम यहाँ क्या कर रही हो? मुझे लगा... मैंने सुना था...” वह जानता था कि वाशिंगटन में उसकी अच्छी नौकरी है और वह दो साल पहले वहाँ चली गई थी।
“बस एक व्यावसायिक यात्रा थी। कल ही तुरंत वापस लौटना है। वैसे मुझे इससे कोई खास परेशानी नहीं है। न्यूयॉर्क तो बिल्कुल सुनसान और धीमा लगता है।”
"अच्छा, मुझे खुशी है कि आपको अपना काम पसंद है... अगर आपका मतलब... क्या आपका यही मतलब नहीं है?"
“क्या तुम्हें मेरा काम पसंद है? ये तो बेवकूफी वाली बात है। वाशिंगटन ही देश का एकमात्र समझदार शहर है। मुझे समझ नहीं आता कि लोग कहीं और कैसे रह सकते हैं। पीटर, तुम क्या कर रहे थे? मैंने तुम्हारा नाम अखबार में देखा था, कोई महत्वपूर्ण खबर थी।”
“मैं... मैं काम कर रही हूँ... तुम ज़्यादा नहीं बदली हो, केटी, सच में नहीं, है ना?—मेरा मतलब है, तुम्हारा चेहरा—तुम पहले जैसी ही दिखती हो—एक तरह से।”
...”
“मेरे पास बस यही एक चेहरा है। लोग हमेशा बदलावों के बारे में ही क्यों बात करते हैं, जबकि वे एक-दो साल से मिले ही नहीं हैं? कल मेरी मुलाकात ग्रेस पार्कर से हुई और उन्हें सामान की सूची देखने जाना था।”
मेरी शक्ल-सूरत के बारे में। उसके बोलने से पहले ही मुझे हर शब्द सुनाई दे रहा था।
—‘तुम बहुत अच्छी लग रही हो—बिल्कुल एक दिन भी बूढ़ी नहीं हुई हो, कैथरीन।’
लोग संकीर्ण सोच वाले हैं।
लेकिन... आप वाकई अच्छे दिखते हैं... आपको देखकर अच्छा लगा...
“आपको देखकर मुझे भी खुशी हुई। भवन निर्माण उद्योग कैसा चल रहा है?”
मुझे नहीं पता... आपने जिसके बारे में पढ़ा होगा वह कॉर्टलैंड्ट ही होगा...
मैं कॉर्टलैंड होम्स नामक एक आवासीय परियोजना पर काम कर रहा हूँ..."
“जी हां, बिल्कुल। यही बात थी। मुझे लगता है कि यह आपके लिए बहुत अच्छा है, पीटर। सिर्फ निजी लाभ और मोटी फीस के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक उद्देश्य के लिए काम करना। मेरा मानना है कि वास्तुकारों को पैसे के लालच को छोड़कर सरकारी कार्यों और व्यापक उद्देश्यों के लिए थोड़ा समय देना चाहिए।”
"क्यों, उनमें से अधिकतर इसे हथिया लेंगे अगर उन्हें यह मिल सके, यह सबसे कठिन धंधों में से एक है जिसमें सेंध लगाना मुश्किल है, यह एक बंद धंधा है..."
“हाँ, हाँ, मुझे पता है। आम लोगों को हमारे काम करने के तरीके समझाना नामुमकिन है, और इसीलिए हमें सिर्फ़ ये सारी बेवकूफ़ाना, उबाऊ शिकायतें ही सुनने को मिलती हैं। पीटर, तुम वायनांड के अखबार नहीं पढ़ते होगे।”
“मैंने वायनांड अखबार कभी नहीं पढ़े। इसका इससे क्या लेना-देना है... ओह, मुझे... मुझे नहीं पता कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं, केटी।”
उसे लगा कि वह उस पर किसी भी तरह से ऋणी नहीं है, या फिर वह उस पर हर तरह का क्रोध और तिरस्कार बरसा सकती है; फिर भी उसके प्रति उसका एक मानवीय दायित्व था: उसे इस मुलाकात में उसके प्रति कुछ सकारात्मक भाव प्रदर्शित करना चाहिए था। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ।

“पीटर, हमारे पास बात करने के लिए बहुत कुछ है।” ये शब्द अगर इतनी आसानी से न कहे गए होते तो उसे बहुत खुशी होती। “लेकिन हम यहाँ सारा दिन खड़े नहीं रह सकते।” उसने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। “मेरे पास एक घंटा है, मान लो तुम मुझे कहीं चाय पिला दो, तुम्हें गर्म चाय की ज़रूरत है, तुम तो एकदम ठंडे लग रहे हो।”
उसके रूप-रंग पर उसकी यही पहली टिप्पणी थी; बस एक नज़र, बिना किसी प्रतिक्रिया के। उसने सोचा, यहाँ तक कि रोक भी हैरान था, उसने भी इस बदलाव को स्वीकार कर लिया था।
“हाँ, केटी। यह बहुत अच्छा होगा। मैं...” उसे लगा कि काश यह सुझाव केटी ने न दिया होता; यह उनके लिए सही था; काश काटी इतनी जल्दी सही बातें न सोच पाती। “चलो कोई अच्छी, शांत जगह ढूंढते हैं.....”
“हम थॉप्स जाएंगे। एक यहीं पास में है। उनके पास सबसे बढ़िया वॉटरक्रेस सैंडविच मिलते हैं।”
सड़क पार कराते समय उसी ने उसका हाथ पकड़ा और फिर दूसरी तरफ पहुँचते ही छोड़ दिया। यह सब अपने आप हुआ था। उसने इस पर ध्यान ही नहीं दिया था।
थॉप्स के दरवाज़े के अंदर पेस्ट्री और मिठाई का काउंटर था। चीनी से लिपटे हरे और सफेद बादामों से भरा एक बड़ा कटोरा कीटिंग को घूर रहा था। उस जगह से संतरे की आइसिंग की खुशबू आ रही थी। रोशनी मंद थी, एक घुटन भरी नारंगी धुंध छाई हुई थी; गंध के कारण रोशनी चिपचिपी सी लग रही थी। मेजें बहुत छोटी थीं, एक-दूसरे से सटी हुई थीं।
वह बैठा हुआ था, काले कांच के टेबल टॉप पर रखी कागज़ की लेस वाली डोरी को देख रहा था। लेकिन जब उसने अपनी नज़रें कैथरीन पर उठाईं, तो उसे पता चल गया कि किसी सावधानी की ज़रूरत नहीं है: उसने उसकी नज़रों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी; उसका भाव एक जैसा ही रहा, चाहे वह उसका चेहरा देखे या बगल वाली मेज पर बैठी महिला का; ऐसा लग रहा था मानो उसे अपने अस्तित्व का कोई एहसास ही न हो।
उसने सोचा कि सबसे ज़्यादा बदलाव उसके होंठों में आया था; होंठ अंदर की ओर खिंचे हुए थे, बस उनके खुलने की दबंग रेखा के चारों ओर मांस की एक हल्की सी परत बची थी; उसने सोचा कि ये होंठ आदेश देने के लिए थे, लेकिन बड़े या क्रूर आदेश नहीं; बस छोटे-मोटे आदेश—प्लंबिंग और कीटाणुनाशकों के बारे में। उसने उसकी आँखों के कोनों पर बारीक झुर्रियाँ देखीं—त्वचा कागज़ जैसी थी जिसे कुचलकर फिर सीधा किया गया हो।
वह उसे वाशिंगटन में अपने काम के बारे में बता रही थी, और वह उदास भाव से सुन रहा था। उसे शब्द सुनाई नहीं दे रहे थे, केवल उसकी आवाज का सूखा और कर्कश स्वर सुनाई दे रहा था।
कड़क लाल रंग की वर्दी पहने एक वेट्रेस उनका ऑर्डर लेने आई।
कैथरीन ने गुस्से में कहा:
“चाय सैंडविच स्पेशल। कृपया।”
कीटिंग ने कहा:
“एक कप कॉफ़ी।” उसने देखा कि कैथरीन की निगाहें उस पर टिकी हैं, और अचानक शर्मिंदगी से घबराकर, यह महसूस करते हुए कि उसे यह स्वीकार नहीं करना चाहिए कि वह अभी एक निवाला भी नहीं निगल सकता, यह सोचकर कि यह स्वीकारोक्ति उसे क्रोधित कर देगी, उसने कहा: “शायद राई ब्रेड पर हैम और स्विस चीज़।”
“पीटर, तुम्हारी खाने की आदतें कितनी खराब हैं! एक मिनट रुको, वेट्रेस। पीटर, तुम्हें यह नहीं खाना चाहिए। यह तुम्हारे लिए बहुत हानिकारक है। तुम्हें ताज़ी सलाद खानी चाहिए।”
और दिन के इस समय कॉफी पीना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। अमेरिकी लोग बहुत ज्यादा कॉफी पीते हैं।

“ठीक है,” कीटिंग ने कहा।
“चाय और एक मिक्स सलाद, वेटेस... और—ओह, वेटेस!—सलाद के साथ ब्रेड मत देना—पीटर, तुम्हारा वजन बढ़ रहा है—कुछ डाइट क्रैकर्स दे दो। प्लीज़।”
कीटिंग ने ऑर्किड रंग की वर्दी पहने व्यक्ति के चले जाने तक इंतजार किया, और फिर उसने आशा भरी निगाहों से कहा:
“मैं बदल गया हूँ, है ना केटी? मैं वाकई बहुत बुरा दिख रहा हूँ?” यहाँ तक कि एक अपमानजनक टिप्पणी भी एक व्यक्तिगत जुड़ाव होगी।
“क्या? ओह, मुझे लगता है ऐसा ही है। यह सेहत के लिए अच्छा नहीं है। लेकिन अमेरिकियों को सही पोषण संतुलन के बारे में कुछ भी नहीं पता। बेशक, पुरुष दिखावे को लेकर बहुत ज्यादा परेशान होते हैं। वे महिलाओं से कहीं ज्यादा अभिमानी होते हैं। असल में, आज सभी उत्पादक कार्यों की बागडोर महिलाएं ही संभाल रही हैं, और महिलाएं ही एक बेहतर दुनिया का निर्माण करेंगी।”
"केटी, एक बेहतर दुनियों का निर्माण कैसे किया जा सकता है?"
"खैर, अगर आप निर्णायक कारक पर विचार करें, जो कि निश्चित रूप से आर्थिक है..."
नहीं, मैंने... मैंने इस तरह से नहीं पूछा था... केटी, मैं बहुत दुखी रहा हूँ।"
“यह सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ। आजकल बहुत से लोग ऐसा कहते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह एक परिवर्तन का दौर है और लोग खुद को बेघर महसूस कर रहे हैं। लेकिन पीटर, तुम्हारा स्वभाव हमेशा से ही सकारात्मक रहा है।”
"क्या तुम्हें याद है कि मैं कैसा था?"
"अरे पीटर, तुम तो ऐसे बात कर रहे हो जैसे यह बात पैंसठ साल पहले की हो।"
“लेकिन बहुत कुछ हुआ। मैं...” उन्होंने हिम्मत जुटाई; उन्हें हिम्मत जुटानी ही पड़ी; सबसे सीधा और सरल तरीका ही सबसे आसान लगा। “मेरी शादी हुई थी। और फिर तलाक हो गया।”
“हां, मैंने इसके बारे में पढ़ा था। मुझे खुशी हुई जब आपका तलाक हो गया।” वह आगे झुकी। “अगर आपकी पत्नी गेल वायनोड जैसी महिला थी, तो आप उससे छुटकारा पाकर भाग्यशाली थे।”
उसकी उस चिरस्थायी आवाज़ में कोई बदलाव नहीं आया, जिसमें शब्द बेतरतीब ढंग से बुझ रहे थे। उसे इस बात पर यकीन करना ही था: उसके लिए इस विषय का यही अर्थ था।
“कैटी, तुम बहुत समझदार और दयालु हो... लेकिन ये दिखावा बंद करो,” उसने डरते हुए कहा, यह जानते हुए कि ये दिखावा नहीं था। “इसे बंद करो... मुझे बताओ कि तुमने मेरे बारे में क्या सोचा... सब कुछ कहो... मुझे कोई आपत्ति नहीं है... मैं सुनना चाहता हूँ... क्या तुम समझ नहीं रही हो? सुनकर मुझे अच्छा लगेगा।”
"पीटर, तुम निश्चित रूप से नहीं चाहते कि मैं किसी तरह की आरोप-प्रत्यारोप शुरू करूँ? अगर यह बचकाना न होता तो मैं कहता कि यह तुम्हारा अहंकार है।"
“उस दिन तुम्हें कैसा लगा—जब मैं नहीं आई—और फिर तुम्हें पता चला कि मेरी शादी हो गई है?” उसे नहीं पता था कि किस सहज प्रवृत्ति ने उसे सुन्नता के कारण क्रूरता करने पर मजबूर किया, क्योंकि उसके पास यही एकमात्र उपाय बचा था। “कैटी, क्या तुम्हें तब तकलीफ हुई थी?”
“हाँ, बिल्कुल मैंने कष्ट सहा। ऐसे हालात में सभी युवाओं को कष्ट होता है। बाद में ये सब मूर्खतापूर्ण लगता है। मैं रोई, अंकल एल्सवर्थ पर चिल्लाई, और उन्हें मुझे बेहोश करने के लिए डॉक्टर को बुलाना पड़ा, और फिर हफ़्तों बाद एक दिन मैं बिना किसी कारण के सड़क पर बेहोश हो गई, जो सचमुच शर्मनाक था। ये सब आम बातें हैं, मुझे लगता है, हर कोई इनसे गुज़रता है, जैसे खसरा। मुझे इससे छूट की उम्मीद क्यों करनी चाहिए थी?—जैसा कि अंकल एल्सवर्थ ने कहा था।” उसने सोचा कि उसे नहीं पता था कि दर्द की जीती-जागती याद से भी बदतर कुछ होता है: एक मरी हुई याद। “और बेशक हम

जानतू थ ाक यहा बेहतर था। मैं तुम्हारे साथ शादी करने की कल्पना भी नहीं कर सकती।”
"क्या तुम इसकी कल्पना भी नहीं कर सकती, केटी?"
“मतलब, न ही किसी और के लिए। यह काम नहीं करता, पीटर। मैं स्वभाव से गृहस्थ जीवन के लिए उपयुक्त नहीं हूँ। यह बहुत स्वार्थी और संकीर्ण है।”
बिल्कुल, मैं समझता हूं कि आप अभी कैसा महसूस कर रहे हैं और मैं इसकी सराहना करता हूं।
"यह तो स्वाभाविक है कि तुम्हें पछतावा हो, क्योंकि तुमने मुझे धोखा दिया है।" वह थोड़ा सहम गया। "देखो ये बातें कितनी बेवकूफी भरी लगती हैं। थोड़ा पछतावा होना स्वाभाविक है—एक सामान्य प्रतिक्रिया—लेकिन हमें इसे निष्पक्ष रूप से देखना चाहिए, हम समझदार और तर्कसंगत लोग हैं, कुछ भी बहुत गंभीर नहीं होता, हम जो करते हैं उसे रोक नहीं सकते, हम इसी तरह से ढले हुए हैं, हम बस इसे एक अनुभव मानकर आगे बढ़ जाते हैं।"
“कैटी! तुम किसी गिरी हुई लड़की को उसकी समस्या से बाहर नहीं निकाल सकती।” आप अपने बारे में बात कर रहे हैं।
“क्या कोई मूलभूत अंतर है? सबकी समस्याएं एक जैसी हैं, ठीक वैसे ही जैसे सबकी भावनाएं एक जैसी होती हैं।”
उसने उसे हरे रंग के छींटे लगे पतले ब्रेड के टुकड़े को कुतरते हुए देखा और पाया कि उसका ऑर्डर आ चुका है। उसने अपने सलाद के कटोरे में कांटा घुमाया और खुद को एक भूरे रंग के डाइट क्रैकर का टुकड़ा चबाने के लिए मजबूर किया। तब उसे एहसास हुआ कि जब कोई अपने आप खाने की आदत खो देता है और उसे पूरी सचेत कोशिश से खाना पड़ता है तो यह कितना अजीब होता है; क्रैकर कभी खत्म न होने वाला लग रहा था; वह उसे पूरा नहीं कर पा रहा था।
चबाते हुए; उसने अपने जबड़े हिलाए लेकिन उसके मुंह में मौजूद किरकिरे गूदे की मात्रा कम नहीं हुई।
“कैटी... छह साल से... मैं सोचता आ रहा था कि एक दिन तुमसे माफी मांगूंगा। और अब मुझे मौका मिला है, लेकिन मैं नहीं मांगूंगा। ऐसा लगता है...”
यह बात बेमानी सी लगती है। मुझे पता है यह कहना कितना बुरा है, पर मुझे ऐसा ही लगता है। यह मेरे जीवन का सबसे बुरा काम था—लेकिन इसलिए नहीं कि मैंने तुम्हें दुख पहुंचाया। मैंने तुम्हें दुख पहुंचाया, केटी, और शायद जितना तुम जानती हो उससे कहीं ज़्यादा। लेकिन यह मेरा सबसे बड़ा गुनाह नहीं है... केटी, मैं तुमसे शादी करना चाहता था। यही एक चीज़ थी जो मैं सच में चाहता था। और यही वो गुनाह है जिसे माफ़ नहीं किया जा सकता—कि मैंने वो नहीं किया जो मैं चाहता था। यह इतना गंदा, व्यर्थ और भयानक लगता है, जैसे पागलपन में लगता है, क्योंकि इसमें कोई मतलब नहीं, कोई गरिमा नहीं, सिर्फ़ दर्द—और वो भी बेकार का दर्द... केटी, वे हमेशा हमें क्यों सिखाते हैं कि अपनी मर्ज़ी से करना आसान और बुरा है और हमें खुद को रोकने के लिए अनुशासन की ज़रूरत है? दुनिया में सबसे मुश्किल काम है—अपनी मर्ज़ी से करना।
और इसके लिए सबसे बड़ी हिम्मत चाहिए। मेरा मतलब है, जो हम सच में चाहते हैं। जैसे मैं तुमसे शादी करना चाहता था। न कि किसी औरत के साथ सोना, या शराब पीना, या अखबारों में अपना नाम छपवाना। ये सब बातें—
ये इच्छाएं भी नहीं हैं—ये वो चीजें हैं जो लोग इच्छाओं से बचने के लिए करते हैं—क्योंकि वास्तव में किसी चीज को चाहना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।"
"पीटर, तुम जो कह रहे हो वह बहुत ही घिनौना और स्वार्थी है।"
"शायद। मुझे नहीं पता। मुझे हमेशा तुम्हें सच बताना पड़ा है। हर बात के बारे में। चाहे तुमने पूछा भी न हो। मुझे बताना ही पड़ा।"

“हाँ। तुमने किया। यह एक सराहनीय गुण था। तुम एक आकर्षक लड़के थे, पीटर।”
काउंटर पर रखी चीनी से लिपटे बादामों की कटोरी ने उसे परेशान किया, उसने मन ही मन गुस्से से सोचा। बादाम हरे और सफेद थे; साल के इस समय में उनका हरा और सफेद होना ठीक नहीं था; ये सेंट पैट्रिक दिवस के रंग थे—उस समय तो दुकानों की खिड़कियों में हमेशा ऐसी ही मिठाइयाँ सजी रहती थीं—और सेंट पैट्रिक दिवस का मतलब वसंत ऋतु था।
नहीं, वसंत से भी बेहतर, वसंत के शुरू होने से ठीक पहले की वह अद्भुत प्रत्याशा का क्षण।
“केटी, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैं अब भी तुमसे प्यार करता हूं। मुझे नहीं पता कि मैं करता हूं या नहीं। मैंने खुद से कभी यह सवाल नहीं पूछा। अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।”
मैं यह इसलिए नहीं कह रहा हूँ क्योंकि मुझे किसी चीज़ की उम्मीद है या मैं कोशिश करने के बारे में सोच रहा हूं यी...
मुझे बस इतना पता है कि मैंने तुमसे प्यार किया, केटी, मैंने तुमसे प्यार किया, चाहे मैंने इसे किसी भी रूप में लिया हो।
भले ही मुझे यह बात आखिरी बार इसी तरह कहनी पड़े, लेकिन मैं तुमसे प्यार करता था, केटी।
उसने उसकी ओर देखा—और वह प्रसन्न प्रतीत हुई। न तो उत्तेजित, न प्रसन्न, न ही दया भाव से; बल्कि सहज भाव से प्रसन्न। उसने सोचा: यदि वह पूरी तरह से वैसी ही कुंवारी, वैसी ही निराश समाजसेवी होती, जैसा कि लोग उन महिलाओं के बारे में सोचते हैं, जो अपने सद्गुण के घमंड में यौन संबंध को तुच्छ समझती हैं, तो भी यह एक तरह की स्वीकृति ही होती, भले ही शत्रुतापूर्ण ही क्यों न हो। लेकिन यह—यह प्रसन्नतापूर्ण सहनशीलता मानो यह स्वीकार कर रही थी कि प्रेम स्वाभाविक है, इसे हर किसी की तरह स्वीकार करना पड़ता है, यह एक आम कमजोरी है जिसका कोई खास महत्व नहीं है—वह उतनी ही संतुष्ट थी जितनी कि किसी अन्य पुरुष से उन्हीं शब्दों को सुनकर होती—यह उसके कोट के कॉलर पर लगे उस लाल रंग के मैक्सिकन लोगो की तरह था, लोगों की दिखावे की मांग के प्रति एक तिरस्कारपूर्ण रियायत।
“केटी... केटी, चलो मान लेते हैं कि इसका कोई महत्व नहीं है—यह, अब—वैसे भी इसका कोई महत्व नहीं है, है ना? यह बीते हुए कल की बराबरी नहीं कर सकता, है ना केटी?... लोग हमेशा इस बात का अफसोस करते हैं कि अतीत इतना अंतिम है, कि उसे कुछ भी नहीं बदल सकता—लेकिन मुझे खुशी है कि ऐसा ही है। हम इसे बिगाड़ नहीं सकते। हम अतीत के बारे में सोच सकते हैं, है ना? क्यों न सोचें? मेरा मतलब है, जैसा तुमने कहा, समझदार लोगों की तरह, खुद को धोखा न देते हुए, उम्मीद न पालते हुए, बस उसे याद करते हुए... क्या तुम्हें याद है जब मैं पहली बार तुम्हारे न्यूयॉर्क वाले घर आया था? तुम बहुत दुबली-पतली लग रही थी, और तुम्हारे बाल इधर-उधर बिखरे हुए थे। मैंने तुमसे कहा था कि मैं कभी किसी और से प्यार नहीं करूंगा। मैंने तुम्हें अपनी गोद में लिया था, तुम्हारा वजन बिल्कुल न के बराबर था, और मैंने तुमसे कहा था कि मैं कभी किसी और से प्यार नहीं करूंगा। और तुमने कहा था कि तुम जानती हो।”
"मुझे याद है।"
“जब हम साथ थे... केटी, मुझे बहुत सी बातों पर शर्म आती है, लेकिन हमारे साथ बिताए एक भी पल पर नहीं। जब मैंने तुमसे शादी के लिए पूछा—नहीं, मैंने तुमसे कभी शादी के लिए नहीं पूछा—मैंने बस इतना कहा कि हमारी सगाई हो गई है—और तुमने ‘हाँ’ कहा—यह एक पार्क की बेंच पर हुआ था—बर्फ गिर रही थी...”
"हाँ।"
“तुम्हारे पास ऊनी दस्ताने थे, बिल्कुल मिट्टन जैसे। मुझे याद है—उनमें पानी की बूँदें थीं—गोल-गोल—क्रिस्टल जैसी—वे चटकती थीं—”

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि वहां से एक कार गुजरी थी।
“हां, मुझे लगता है कि कभी-कभी पीछे मुड़कर देखना अच्छा होता है। लेकिन इससे नजरिया व्यापक होता है। समय के साथ-साथ व्यक्ति आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होता जाता है।”
वह काफी देर तक चुप रहा। फिर उसने सपाट स्वर में कहा:
"मुझे माफ़ करें।"
“क्यों? तुम तो बहुत प्यारे हो, पीटर। मैंने तो हमेशा कहा है कि पुरुष भावुक होते हैं।”
उसने सोचा: यह कोई नाटक नहीं है—कोई इस तरह का नाटक नहीं कर सकता—जब तक कि यह कोई आंतरिक क्रिया न हो, स्वयं के लिए न हो, तब तक कोई सीमा नहीं होती, कोई रास्ता नहीं होता, कोई वास्तविकता नहीं होती...
वह उससे बातें करती रही, और थोड़ी देर बाद फिर से वाशिंगटन के बारे में बात होने लगी। उसने जरूरत पड़ने पर जवाब दिया।
उसने सोचा था कि वह इसे अतीत और वर्तमान का एक सरल क्रम मानता था, और यदि अतीत में कोई हानि होती थी तो उसकी भरपाई वर्तमान में पीड़ा से हो जाती थी, और पीड़ा उसे अमरता का रूप दे देती थी - लेकिन उसे यह नहीं पता था कि कोई इस तरह से नष्ट कर सकता है, पूर्वव्यापी रूप से मार सकता है - ताकि उसके लिए यह कभी अस्तित्व में ही न रहा हो।
उसने अपनी कलाई घड़ी पर नजर डाली और अधीरता से हल्की सी आह भरी।
मुझे पहले ही देर हो चुकी है। मुझे अब जाना होगा।
उन्होंने भारी स्वर में कहा:
"क्या आपको बुरा लगेगा अगर मैं आपके साथ न जाऊं, केटी? यह असभ्यता नहीं है। मुझे बस लगता है कि यह बेहतर होगा।"
“बिल्कुल नहीं। बिलकुल नहीं। मैं सड़कों पर आसानी से रास्ता ढूंढ लेती हूँ और पुराने दोस्तों के बीच औपचारिकता की कोई जरूरत नहीं होती।” उसने अपना बैग और दस्ताने समेटते हुए, एक कागज़ के नैपकिन को मोड़कर करीने से अपनी चाय के कप में डालते हुए कहा, “अगली बार जब मैं शहर में आऊँगी तो आपको फ़ोन करूंगी और हम फिर साथ में खाना खाएंगे। हालांकि मैं यह वादा नहीं कर सकती कि कब। मैं बहुत व्यस्त हूं, मुझे बहुत जगहों पर जाना है, पिछले महीने मैं डुब्रोइट गई थी और अगले हफ़्ते सेंट लुइस जा रही हूँ, लेकिन जब मुझे फिर से न्यूयॉर्क का मौका मिलेगा, तो मैं आपको फ़ोन करूंगी, अलविदा पीटर, आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा।”
ग्यारहवीं
गेल वायनांड ने चमकती हुई लकड़ी की ओर देखा।
याट का डेक। लकड़ी और पीतल का दरवाज़े का हैंडल, जो आग की लपटों से काला पड़ गया था, उसे अपने चारों ओर की हर चीज़ का एहसास दिला रहा था: सूरज की रोशनी से जगमगाता मीलों का विशाल अंतरिक्ष, आसमान और समुद्र के जलते विस्तार के बीच। फरवरी का महीना था, और याट दक्षिणी प्रशांत महासागर में स्थिर खड़ी थी, उसके इंजन बंद थे।
वह रेलिंग पर झुक गया और पानी में रोर्क की ओर देखने लगा।
रोर्क पीठ के बल पानी पर तैर रहा था, उसका शरीर एक सीधी रेखा में फैला हुआ था, बाहें फैली हुई थीं, आंखें बंद थीं। उसकी त्वचा का सांवला रंग ऐसे ही कई दिनों का आभास दे रहा था। वायनांड ने सोचा कि अंतरिक्ष और समय को समझने का यही उसका पसंदीदा तरीका था: अपनी नौका की शक्ति के माध्यम से, रोर्क की त्वचा के सांवले रंग के माध्यम से या रेलिंग पर उसके सामने मुड़ी हुई उसकी अपनी बाहों के धूप से भूरे हुए रंग के माध्यम से।
उन्होंने कई वर्षों से अपनी नौका नहीं चलाई थी। इस बार वे चाहते थे कि रोर्क ही उनके इकलौते मेहमान हों। डोमिनिक को पीछे छोड़ दिया गया था।

वायनांड ने कहा था: “तुम खुद को मार रहे हो, हॉवर्ड। तुम जिस रफ्तार से चल रहे हो, उसे कोई लंबे समय तक बर्दाश्त नहीं कर सकता। मोनाडनॉक के बाद से ही, है ना? क्या तुम्हें लगता है कि तुममें वह साहस होगा जो तुम्हारे लिए सबसे कठिन काम है—आराम करना?”
जब रोर्क ने बिना किसी बहस के बात मान ली तो वह आश्चर्यचकित रह गया।
रोर्क हँसा:
“अगर आपको यह जानकर हैरानी हो रही है, तो मैं बता दूं कि मैं अपने काम से भाग नहीं रहा हूँ। मुझे पता है कि कब रुकना है—और मैं तब तक नहीं रुक सकता जब तक कि पूरी तरह से रुकना न पड़े। मुझे पता है कि मैंने हद से ज्यादा कर दिया है। मैं आजकल बहुत ज्यादा कागज बर्बाद कर रहा हूँ और घटिया काम कर रहा हूँ।”
"क्या तुम कभी-कभी भयानक काम करते हो?"
"शायद अन्य किसी भी वास्तुकार की तुलना में अधिक और कम बहाने के साथ।"
मैं सिर्फ इतना ही दावा कर सकता हूं कि मेरी गलतियां अंततः मेरे ही कूड़ेदान में जाती हैं।"
“मैं तुम्हें चेतावनी देता हूँ, हम महीनों के लिए दूर रहेंगे। अगर एक हफ्ते में तुम्हें पछतावा होने लगे और तुम अपने लेखन कार्य के लिए रोने लगो, उन सभी पुरुषों की तरह जिन्होंने कभी आराम करना नहीं सीखा, तो मैं तुम्हें वापस नहीं लूंगा। मैं अपनी नौका पर सबसे बुरा तानाशाह हूं। तुम्हें वह सब कुछ मिलेगा जिसकी तुम कल्पना कर सकते हो, सिवाय इसके कि...”
कागज़ या पेंसिल। मैं तुम्हें बोलने की भी आज़ादी नहीं दूंगा। जहाज़ पर कदम रखते ही गर्डर, प्लास्टिक या प्रबलित कंक्रीट का ज़िक्र नहीं चलेगा। मैं तुम्हें सबसे निकम्मे करोड़पति की तरह खाना, सोना और जीना सिखाऊंगा।
मैं इसे आजमाना चाहूंगा।
अगले कुछ महीनों तक कार्यालय के काम के लिए रोर्क की उपस्थिति की आवश्यकता नहीं थी। उनके मौजूदा काम पूरे हो रहे थे। दो नए प्रोजेक्ट वसंत ऋतु तक शुरू नहीं होने थे।
उन्होंने कॉर्टलैंड के लिए कीटिंग को आवश्यक सभी रेखाचित्र तैयार कर दिए थे। निर्माण कार्य शुरू होने ही वाला था। दिसंबर के अंत में एक दिन, रवाना होने से पहले, रोर्क कॉर्टलैंड स्थल का अंतिम अवलोकन करने गए। खाली बैठे जिज्ञासु लोगों के समूह में एक गुमनाम दर्शक की तरह खड़े होकर उन्होंने भाप से चलने वाले फावड़ों को ज़मीन खोदते और भविष्य की नींव के लिए रास्ता बनाते देखा। ईस्ट रिवर धीमी गति से बहते काले पानी की एक चौड़ी पट्टी की तरह लग रही थी; और उससे परे, बर्फ के टुकड़ों की हल्की धुंध में, शहर के टावर हल्के रंग में, मानो लाल और नीले रंग के जलरंग चित्रों में उकेरे गए हों।
जब वायनांड ने डोमिनिक से कहा कि वह रोर्क के साथ एक लंबी समुद्री यात्रा पर जाना चाहता है, तो डोमिनिक ने कोई विरोध नहीं किया। "प्रिय, क्या तुम समझती हो कि यह तुमसे भागना नहीं है? मुझे बस कुछ समय के लिए सब कुछ से दूर रहने की ज़रूरत है। हॉवर्ड के साथ रहना ऐसा है जैसे मैं खुद के साथ अकेली हूँ, बस उससे कहीं ज़्यादा शांति मिलती है।"
“बिल्कुल, गेल। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।”
लेकिन उसने उसकी तरफ देखा और अचानक अविश्वसनीय रूप से खुश होकर हंस पड़ा। "डोमिनिक, मुझे लगता है कि तुम जल रही हो। यह बहुत अच्छा है, मैं उसका पहले से कहीं अधिक आभारी हूं - अगर इससे तुम मुझसे जल सकती हो।"
वह उसे यह नहीं बता सकी कि वह ईर्ष्या कर रही थी या किससे ईर्ष्या कर रही थी।
याट दिसंबर के अंत में रवाना हुई। रोर्क मुस्कुराते हुए देख रहा था, और वायनांड की निराशा को समझ रहा था जब उसे पता चला कि उसे कोई अनुशासन लागू करने की

ज़रूरत नहीं है। रोर्क इमारतों के बारे में बात नहीं करता था, घंटों डेक पर धूप में लेटा रहता था और एक माहिर की तरह आराम करता था।
वे बहुत कम बोलते थे। कई बार तो वायनांड को याद ही नहीं रहता था कि उन्होंने आपस में क्या कहा था। उन्हें ऐसा लगता था मानो उन्होंने बिल्कुल भी बात न की हो। उनकी शांति ही उनके संवाद का सबसे अच्छा माध्यम थी।
आज वे दोनों एक साथ तैरने के लिए पानी में कूदे थे और वायनांड सबसे पहले वापस ऊपर आ गया था। जब वह रेलिंग पर खड़ा होकर पानी में रोर्क को देख रहा था, तब उसने
उसने उस पल में अपने पास मौजूद शक्ति के बारे में सोचा: वह नौका को चलने का आदेश दे सकता था, दूर जा सकता था और उस लाल बालों वाले शरीर को सूरज और समुद्र के हवाले छोड़ सकता था। इस विचार से उसे आनंद मिला: शक्ति का एहसास और रोर्क के सामने समर्पण का एहसास, इस ज्ञान के साथ कि कोई भी ताकत उसे उस शक्ति का प्रयोग करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। हर शारीरिक क्रिया उसके पक्ष में थी: उसके स्वर रज्जु के कुछ सिंकुचन आदेश दे रहे थे और किसी का हाथ एक वाल्व खोल रहा था।
और आज्ञाकारी मशीन दूर चली जाती। उसने सोचा: यह केवल नैतिक मुद्दा नहीं है, न ही यह उस कृत्य की भयावहता है; अगर किसी महाद्वीप का भाग्य इस पर निर्भर हो तो कोई व्यक्ति सचमुच किसी इंसान को छोड़ सकता है।
लेकिन कोई भी बात उसे इस आदमी को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकती थी।
गेल वायनांड इस समय असहाय था, उसके पैरों के नीचे डेक के ठोस तख्ते थे। रोर्क, लकड़ी के टुकड़े की तरह तैरता हुआ, नौका के भीतर लगे इंजन से भी कहीं अधिक शक्ति रखता था। वायनांड ने सोचा: क्योंकि यही वह शक्ति है जिससे इंजन उत्पन्न हुआ है।
रोर्क वापस डेक पर चढ़ गया; वायनांड ने रोर्क के शरीर को देखा, कोणीय सतहों पर बहती पानी की धारियों को देखा। उसने कहा:
"हावर्ड, तुमने स्टोडार्ड मंदिर के बारे में गलती की है। वह मूर्ति डोमिनिक की नहीं, बल्कि तुम्हारी होनी चाहिए थी।"
नहीं। मैं इसके लिए बहुत अहंकारी हूँ।
“अहंकारी? एक अहंकारी को तो यह बहुत पसंद आता। आप शब्दों का प्रयोग बड़े ही अजीब तरीके से करते हैं।”
“बिल्कुल उसी तरह। मैं किसी चीज का प्रतीक नहीं बनना चाहता। मैं बस खुद हूं।”
डेक की कुर्सी पर आराम से बैठे वायनांड ने संतुष्टि भरी नज़रों से अपने पीछे दीवार पर लगे धुंधले कांच के गोल लालटेन को देखा: इसने समुद्र के काले सन्नाटे को काटकर उन्हें प्रकाश की घनी दीवारों के भीतर निजता प्रदान की। उन्हें नौका की हलचल की आवाज़ सुनाई दे रही थी, उनके चेहरे पर रात की गर्म हवा का स्पर्श हो रहा था, उन्हें अपने चारों ओर फैले डेक के अलावा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था, जो चारों ओर से घिरा हुआ और अनंत था।
रोर्क उसके सामने रेलिंग पर खड़ा था; एक लंबा, सफेद शरीर, काले आकाश के सहारे पीछे की ओर झुका हुआ, उसका सिर उसी तरह उठा हुआ था जैसे वायनांड ने उसे एक अधूरी इमारत में उठा हुआ देखा था। उसके हाथ रेलिंग को जकड़े हुए थे। छोटी आस्तीनों से उसकी बाहें रोशनी में थीं; छाया की ऊर्ध्वाधर लकीरों ने उसकी बाहों की तनावग्रस्त मांसपेशियों और गर्दन की नसों को उभारा था। वायनांड
मैंने नौका के इंजन, गगनचुंबी इमारतों, अटलांटिक पार करने वाले केबलों, और मनुष्य द्वारा बनाई गई हर चीज के बारे में सोचा।
“हावर्ड, मैं यही तो चाहता था। कि तुम मेरे साथ यहाँ रहो।”
"मुझे पता है।"

“क्या तुम्हें पता है असल में यह क्या है? लालच। मैं दो चीजों को लेकर बेहद कंजूस हूं: तुम और डोमिनिक। मैं एक करोड़पति हूं जिसके पास कभी कुछ नहीं रहा। क्या तुम्हें याद है तुमने मालिकाना हक के बारे में क्या कहा था?”
मैं एक ऐसे जंगली इंसान की तरह हूँ जिसने निजी संपत्ति की अवधारणा को खोज निकाला है और उस पर जमकर उत्पात मचा रहा है। यह हास्यास्पद है। एल्सवर्थ टूही के बारे में सोचो।
“एल्सवर्थ टूही क्यों?”
“मेरा मतलब है, वो जो उपदेश देते हैं। मैं आजकल सोच रहा हूँ कि क्या वो सचमुच समझते हैं कि वो किस बात की वकालत कर रहे हैं। पूर्ण अर्थ में निस्वार्थता? अरे, मैं तो वही रहा हूँ। क्या उन्हें पता है कि मैं उनके आदर्श का साक्षात रूप हूँ? बेशक, वो मेरे इरादे को स्वीकार नहीं करेंगे, लेकिन इरादे कभी तथ्यों को नहीं बदलते। अगर वो दार्शनिक अर्थ में सच्ची निस्वार्थता की बात कर रहे हैं—और श्री टूही एक दार्शनिक हैं —
एक अर्थ में, पैसों के मामलों से कहीं अधिक, क्यों, उसे मेरी तरफ देखने दो।
मैंने कभी किसी चीज़ का मालिकाना हक नहीं रखा। मैंने कभी कुछ चाहा नहीं। मुझे किसी बात की परवाह नहीं थी—बिल्कुल उस तरह से जैसे टूही कभी सोच सकता था। मैंने खुद को पूरी दुनिया के दबाव के अधीन एक बैरोमीटर बना लिया था।
उनके समर्थकों की आवाज़ ने मुझे झकझोर कर रख दिया। बेशक, इस प्रक्रिया में मैंने खूब धन कमाया। क्या इससे तस्वीर की मूल वास्तविकता बदल जाती है? मान लीजिए कि मैंने अपना एक-एक पैसा दान कर दिया।
मान लीजिए कि मैंने कभी भी पैसे लेने की इच्छा ही न रखी हो, बल्कि विशुद्ध परोपकार की भावना से लोगों की सेवा करने का निश्चय किया हो। तो मुझे क्या करना होगा?
मैंने बिलकुल यही किया है। अधिकतम लोगों को अधिकतम आनंद प्रदान किया है। बहुमत की राय, इच्छाओं और रुचियों को व्यक्त किया है।
मुझे अपना समर्थन और स्वीकृति देने वाले बहुमत ने हर सुबह कोने के न्यूज़स्टैंड पर डाले गए तीन सेंट के मतपत्र के रूप में स्वेच्छा से अपना मत दिया। वायनांड अखबार? इकत्तीस वर्षों से उन्होंने गेल वायनांड को छोड़कर सबका प्रतिनिधित्व किया है। मैंने अपने अहंकार को इस तरह मिटा दिया जैसा किसी मठवासी संत ने कभी नहीं किया।
फिर भी लोग मुझे भ्रष्ट कहते हैं। क्यों? मठवासी संत केवल भौतिक चीजों का त्याग करते हैं। यह उनकी आत्मा की महिमा के लिए चुकाई जाने वाली एक छोटी सी कीमत है। वे अपनी आत्मा को संजो कर रखते हैं और संसार का त्याग करते हैं। लेकिन मैंने—मैंने गाड़ियाँ, रेशमी पजामा, एक पेंटहाउस लिया और बदले में अपनी आत्मा दुनिया को दे दी।
अगर त्याग को ही सद्गुण की कसौटी माना जाए तो किसने अधिक त्याग किया है? असल संत कौन है?
गेल... मुझे नहीं लगता था कि तुम कभी खुद से यह बात मानोगी।
“क्यों नहीं? मुझे पता था कि मैं क्या कर रहा हूँ। मैं एक सामूहिक आत्मा पर अधिकार चाहता था और मुझे वह मिल गया। एक सामूहिक आत्मा। यह एक जटिल अवधारणा है, लेकिन अगर कोई इसे ठोस रूप से देखना चाहता है, तो वह न्यूयॉर्क बैनर की एक प्रति उठा ले।”
"हाँ..."
“बेशक, टूही मुझसे कहेंगे कि परोपकार से उनका मतलब यह नहीं है। उनका मतलब है कि मुझे लोगों पर यह फैसला नहीं छोड़ना चाहिए कि वे क्या चाहते हैं। मुझे खुद फैसला करना चाहिए। मुझे यह तय करना चाहिए कि मुझे क्या पसंद है या उन्हें क्या पसंद है, बल्कि मुझे क्या लगता है कि उन्हें क्या पसंद होना चाहिए, और फिर उसे उन

पर थोपना चाहिए। इसे थोपना ही पड़ेगा, क्योंकि उनका स्वैच्छिक पसंद ही सर्वोपरि है। खैर, आज दुनिया में ऐसे कई परोपकारी लोग मौजूद हैं।"
"क्या आपको इस बात का एहसास है?"
"बिल्कुल। अगर किसी को जनता की सेवा करनी हो, दूसरों के लिए जीना हो, तो और क्या किया जा सकता है? या तो सबकी इच्छाओं को पूरी करो और भ्रष्ट कहलाओ; या फिर सब पर ज़बरदस्ती अपना भला थोप दो। क्या आपको कोई और रास्ता सूझता है?"
"नहीं।"
"फिर क्या बचता है? शालीनता कहाँ से शुरू होती है? परोपकार जहाँ समाप्त होता है, वहाँ से क्या शुरू होता है? क्या आप समझ पा रहे हैं कि मुझे किससे प्यार है?"
"हां, गेल।" वायनांड ने गौर किया कि रोर्क की आवाज में एक झिझक थी जो लगभग उदासी जैसी लग रही थी।
"तुम्हें क्या हुआ है? तुम इस तरह क्यों बोल रहे हो?"
मुझे खेद है। मुझे क्षमा कर दीजिए। यह बस एक विचार था। मैं इसके बारे में बहुत समय से सोच रहा था। और विशेष रूप से इन सभी दिनों में जब आपने मुझे डेक पर लेटने और आराम करने के लिए मजबूर किया है।
"मेरे बारे में सोचना?"
"आपके बारे में—और भी कई चीजों के बारे में।"
"आपने क्या फैसला किया?"
"मैं परोपकारी नहीं हूँ, गेल। मैं दूसरों के लिए निर्णय नहीं लेता।"
"आपको मेरे बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैंने खुद को बेच दिया है, लेकिन मुझे इस बारे में कोई भ्रम नहीं है। मैं कभी अल्वाह स्कारेट नहीं बना। वह सचमुच वही मानता है जो जनता मानती है। मैं जनता से नफ़रत करता हूँ। यही मेरा एकमात्र औचित्य है। मैंने अपना जीवन बेच दिया है, लेकिन मुझे अच्छी कीमत मिली है। शक्ति। मैंने
मैंने इसका कभी इस्तेमाल नहीं किया। मैं अपनी निजी इच्छा पूरी नहीं कर सकता था। लेकिन अब मैं आज़ाद हूँ।
अब मैं इसका इस्तेमाल अपनी इच्छानुसार कर सकता हूँ। अपनी मान्यताओं के लिए। डोमिनिक के लिए।
आपके लिए।"
रोर्क ने मुंह फेर लिया। जब उसने वायनांड की ओर मुड़कर देखा, तो उसने केवल इतना ही कहा:
मुझे उम्मीद है, गेल।
"पिछले कुछ हफ्तों से आप किन बातों के बारे में सोच रहे हैं?"
"स्टैंटन से मुझे बर्खास्त करने वाले डीन के पीछे का सिद्धांत।"
"कौन सा सिद्धांत?"
"वही चीज जो दुनिया को तबाह कर रही है। वही चीज जिसके बारे में आप बात कर रहे थे। असल निस्वार्थता।"
"वह आदर्श जिसका अस्तित्व ही नहीं है?"
"वे गलत हैं। यह मौजूद है—हालांकि उस तरह से नहीं जैसा वे कल्पना करते हैं।"
यही वह बात है जो मुझे लंबे समय तक लोगों के बारे में समझ नहीं आई। उनमें कोई आत्मसम्मान नहीं होता। वे दूसरों के भीतर जीते हैं। वे दूसरों के सहारे जीते हैं। पीटर कीटिंग को ही देख लीजिए।
उसे देखो। मुझे उससे बेहद नफरत है।
मैंने उसे देखा है—उसके बचे-खुचे हिस्से को—और इससे मुझे समझने में मदद मिली है। वह कीमत चुका रहा है और सोच रहा है कि किस पाप की वजह से और खुद से कह रहा है कि वह बहुत स्वार्थी था। उसके किस काम या विचार में कभी 'स्व' था?

जीवन में उसका लक्ष्य क्या था? महानता—दूसरों की नज़रों में। शोहरत, प्रशंसा, ईष्या—ये सब दूसरों से मिलता है। दूसरों ने उसके विश्वासों को निर्धारित किया, जिन्हें वह नहीं मानती था, लेकिन वह इस बात से संतुष्ट था कि दूसरे मानते थे कि वह उन्हें मानता है। दूसरे ही उसकी प्रेरणा शक्ति और उसकी सर्वोपरि चिंता थे। वह महान बनना नहीं चाहता था, बल्कि महान समझा जाना चाहता था। वह निर्माण करना नहीं चाहता था, बल्कि एक निर्माता के रूप में प्रशंसा पाना चाहता था। उसने दूसरों पर प्रभाव डालने के लिए उनसे उधार लिया। यही है वास्तविक निस्वार्थता। यह उसीका अहंकार है जिसे उसने धोखा दिया और त्याग दिया। लेकिन हर कोई उसे स्वार्थी कहता है।
"ज़्यादातर लोग इसी पैटर्न का अनुसरण करते हैं।"
“हाँ! और क्या यही हर घृणित कृत्य की जड़ नहीं है? स्वार्थ नहीं, बल्कि स्वयं का अभाव। उन्हें देखिए। वह व्यक्ति जो धोखा देता है और झूठ बोलता है, लेकिन फिर भी एक सम्मानित व्यक्ति होने का दिखावा करता है। वह जानता है कि वह बेईमान है, लेकिन दूसरे उसे ईमानदार समझते हैं और इसी से वह अपना आत्मसम्मान प्राप्त करता है। वह व्यक्ति जो किसी और की उपलब्धि का श्रेय खुद ले लेता है। वह जानता है कि वह साधारण है, लेकिन दूसरों की नज़र में वह महान है। निराश व्यक्ति
वह नीच व्यक्ति जो हीनता का दिखावा करता है और अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए कमज़ोर लोगों से चिपका रहता है।
वह व्यक्ति जिसका एकमात्र लक्ष्य पैसा कमाना है। पैसा कमाने की इच्छा में मुझे कोई बुराई नहीं दिखती। लेकिन पैसा तो सिर्फ एक साधन है, किसी न किसी लक्ष्य तक पहुँचने का। अगर कोई व्यक्ति इसे निजी उद्देश्य के लिए चाहता है—जैसे अपने उद्योग में निवेश करना, कुछ नया बनाना, अध्ययन करना, यात्रा करना, विलासिता का आनंद लेना—तो वह पूरी तरह नैतिक है। लेकिन जो लोग पैसे को सबसे ऊपर रखते हैं, वे इससे कहीं आगे जाते हैं। निजी विलासिता एक सीमित प्रयास है। वे जो चाहते हैं वह है दिखावा: दूसरों को दिखाना, चौंकाना, मनोरंजन करना, प्रभावित करना। वे दूसरों की नकल करते हैं। हमारे तथाकथित सांस्कृतिक प्रयासों को देखिए। एक व्याख्याता जो कुछ भी निरर्थक, उधार लिया हुआ, घिसा-पिटा भाषण देता है—और वे लोग जो सुनते तो हैं लेकिन उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, बस इसलिए बैठे रहते हैं ताकि अपने दोस्तों को बता सकें कि उन्होंने एक प्रसिद्ध व्यक्ति का व्याख्यान सुना है। सब नकलची हैं।
“अगर मैं एल्सवर्थ टूही होता, तो मैं कहता: क्या आप स्वार्थ के खिलाफ़ तर्क नहीं दे रहे हैं? क्या वे सभी स्वार्थी मकसद से काम नहीं कर रहे हैं—ध्यान आकर्षित करने, पसंद किए जाने और प्रशंसा पाने के लिए?”
“—दूसरों द्वारा। अपने आत्मसम्मान की कीमत पर। सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में—मूल्यों, विवेक, भावना और विचार के क्षेत्र में—वे दूसरों को स्वयं से ऊपर रखते हैं, ठीक उसी तरह जैसे परोपकार की मांग होती है। एक सच्चा स्वार्थी व्यक्ति दूसरों की स्वीकृति से प्रभावित नहीं हो सकता। उसे इसकी आवश्यकता नहीं होती।”
मुझे लगता है टूही यह बात समझता है। यही बात उसे अपनी घिनौनी बकवास फैलाने में मदद करती है। बस कमजोरी और कायरता। दूसरों के पास भाग जाना बहुत आसान है। अपने कर्मों पर खरा उतरना बहुत मुश्किल है। आप दर्शकों के सामने अच्छाई का दिखावा कर सकते हैं। आप खुद की नजरों में अच्छाई का दिखावा नहीं कर सकते। आपका अहंकार ही आपका सबसे बड़ा न्यायाधीश है। वे इससे भागते हैं। वे अपना पूरा जीवन भागते हुए बिताते हैं।
व्यक्तिगत उपलब्धियों के व्यक्तिगत मानकों पर आत्मसम्मान आधारित करने की तुलना में दान में कुछ हज़ार रुपये देना और खुद को महान समझना कहीं अधिक आसान है। योग्यता के विकल्प खोजना आसान है—जैसे कि प्रेम, आकर्षण, दयालुता, दान। लेकिन योग्यता का कोई विकल्प नहीं है।

“यही तो दूसरों से जानकारी लेने वालों की घातक प्रवृत्ति है। उन्हें तथ्यों, विचारों, काम से कोई मतलब नहीं होता। उन्हें सिर्फ लोगों से मतलब होता है। वे यह नहीं पूछते: ‘क्या यह सच है?’ वे पूछते हैं: ‘क्या दूसरों को भी यही सच लगता है?’ उनका मकसद फैसला करना नहीं, बल्कि दोहराना होता है। वे कुछ करते नहीं, बल्कि करने का दिखावा करते हैं। वे सृजन नहीं, बल्कि दिखावा करते हैं। उनकी क्षमता नहीं, बल्कि...
मित्रता। योग्यता नहीं, बल्कि प्रभाव। कर्म करने वाले, सोचने वाले, काम करने वाले, उत्पादन करने वाले लोगों के बिना दुनिया का क्या होगा? वे ही अहंकारी हैं।
आप किसी दूसरे के दिमाग से नहीं सोचते और न ही किसी दूसरे के हाथों से काम करते हैं। जब आप स्वतंत्र निर्णय लेने की अपनी क्षमता को निलंबित कर देते हैं, तो आप चेतना को निलंबित कर देते हैं। चेतना को रोकना जीवन को रोकना है। दूसरों के अनुभवों पर निर्भर रहने वालों को वास्तविकता का कोई बोध नहीं होता। उनकी वास्तविकता उनके भीतर नहीं, बल्कि उस खालीपन में होती है जो एक मानव शरीर को दूसरे से अलग करता है। एक इकाई नहीं, बल्कि एक संबंध—जो किसी चीज से बंधा नहीं होता। यही वह खालीपन था जिसे मैं लोगों में समझ नहीं पाया। यही वह चीज थी जिसने मुझे हर बार किसी समिति का सामना करने पर रोक दिया। अहंकारहीन लोग। तर्कसंगत प्रक्रिया के बिना राय। ब्रेक या मोटर के बिना गति। ज़िम्मेदारी के बिना शक्ति। दूसरों के अनुभवों पर निर्भर रहने वाला व्यक्ति कार्य तो करता है, लेकिन उसके कार्यों का स्रोत हर दूसरे जीवित व्यक्ति में बिखरा होता है। यह हर जगह है और कहीं नहीं है और आप उससे तर्क नहीं कर सकते। वह तर्क के लिए खुला नहीं है। आप उससे बात नहीं कर सकते—वह सुन नहीं सकता। आपकी परीक्षा एक खाली बेंच द्वारा ली जाती है। एक अंधा जनसमूह जो बेकाबू होकर आपको बिना किसी समझ या उद्देश्य के कुचलने के लिए दौड़ रहा है। स्टीव मैलोरी उस राक्षस को परिभाषित नहीं कर सके, लेकिन वे जानते थे। वह उसी लार टपकाने वाले जानवर से डरता है। उस सेकंडहैंडर से।
मुझे लगता है कि आपके परोक्ष ग्राहक इस बात को समझते हैं, चाहे वे इसे स्वीकार करने की कितनी भी कोशिश करें। ध्यान दीजिए कि वे अकेले खड़े व्यक्ति को छोड़कर सब कुछ स्वीकार कर लेते हैं। वे उसे तुरंत पहचान लेते हैं। सहज प्रवृत्ति से।
उसके प्रति एक खास तरह की, कपटी नफरत है। वे अपराधियों को माफ कर देते हैं। वे तानाशाहों की प्रशंसा करते हैं। अपराध और हिंसा एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। एक प्रकार की आपसी निर्भरता। उन्हें संबंधों की जरूरत है। वे अपने दयनीय छोटे व्यक्तित्व को हर उस व्यक्ति पर थोपना चाहते हैं जिससे वे मिलते हैं।
स्वतंत्र व्यक्ति उन्हें मार डालता है—क्योंकि वे उसके भीतर अस्तित्व में नहीं हैं और अस्तित्व का यही एकमात्र रूप है जिसे वे जानते हैं। स्वतंत्रता का समर्थन करने वाले किसी भी विचार के प्रति घातक प्रकार की घृणा पर ध्यान दें। एक स्वतंत्र व्यक्ति के प्रति द्वेष पर ध्यान दें। हावर्ड, अपने जीवन और अपने मिले-जुले लोगों पर गौर करें। वे जानते हैं। वे भयभीत हैं। आप उनके लिए एक कलंक हैं।
"ऐसा इसलिए है क्योंकि उनमें गरिमा की भावना हमेशा बनी रहती है।"
वे अब भी इंसान हैं। लेकिन उन्हें दूसरों में खुद को खोजना सिखाया गया है। फिर भी कोई भी व्यक्ति उस तरह की पूर्ण विनम्रता प्राप्त नहीं कर सकता जिसके लिए किसी भी रूप में आत्मसम्मान की अविश्यकता न हो। वह जीवित नहीं रह सकता। इसलिए सदियों से परोपकार को परम आदर्श मानने की शिक्षा से प्रभावित होने के बाद, मनुष्यों ने इसे उसी एकमात्र तरीके से स्वीकार किया है।

इसे स्वीकार किया जा सकता है। दूसरों के ज़रिए आत्मसम्मान की तलाश करके। दूसरों के सहारे जीकर। और इसने हर तरह की भयावहता का रास्ता खोल दिया है। यह स्वार्थ का वह भयानक रूप बन गया है जिसकी कल्पना एक सच्चा स्वार्थी व्यक्ति

भी नहीं कर सकता था। और अब, निस्वार्थता से नष्ट हो रही दुनिया को बचाने के लिए, हमसे कहा जा रहा है कि हम स्वयं को नष्ट कर दें। आज जो उपदेश दिया जा रहा है, उसे ध्यान से सुनें। अपने आस-पास के सभी लोगों को देखें। आपने सोचा होगा कि वे क्यों दुखी हैं, क्यों वे खुशी की तलाश करते हैं और उसे कभी नहीं पाते। अगर कोई व्यक्ति रुककर खुद से पूछे कि क्या उसने कभी कोई सच्ची व्यक्तिगत इच्छा रखी है, तो उसे जवाब मिल जाएगा। वह देखेगा कि उसकी सभी इच्छाएँ, उसके प्रयास, उसके सपने, उसकी महत्वाकांक्षाएँ दूसरों से प्रेरित हैं। वह वास्तव में भौतिक धन के लिए भी संघर्ष नहीं कर रहा है, बल्कि दूसरों के सहारे जीने के भ्रम—प्रतिष्ठा—के लिए संघर्ष कर रहा है। एक ऐसी स्वीकृति की मुहर, जो उसकी अपनी नहीं है। उसे संघर्ष में कोई आनंद नहीं मिलता और न ही सफलता मिलने पर। वह किसी भी बात के बारे में यह नहीं कह सकता: 'यह वही है जो मैं चाहता था, क्योंकि मैं इसे चाहता था, इसलिए नहीं कि इससे मेरे पड़ोसी मुझे घूरते थे।'
फिर वह सोचता है कि वह दुखी क्यों है। हर तरह की खुशी निजी होती है। हमारे सबसे सुखद पल निजी, आत्मप्रेरित और अछूते होते हैं। जो चीज़ें हमारे लिए पवित्र या अनमोल होती हैं, उन्हें हम दूसरों के साथ साझा नहीं करते। लेकिन अब हमें सिखाया जाता है कि हम अपने भीतर की हर चीज़ को सार्वजनिक रूप से प्रकट करें और लोगों के साथ साझा करें। सभा-महलों में आनंद की तलाश करें। जिस गुण की मैं बात कर रहा हूँ, उसके लिए हमारे पास कोई शब्द ही नहीं है—मनुष्य की आत्मा की आत्मनिर्भरता के लिए। इसे स्वार्थ या अहंकार कहना मुश्किल है, इन शब्दों का अर्थ ही बदल गया है, इनका मतलब पीटर कीटिंग हो गया है। गैल, मुझे लगता है कि धरती पर एकमात्र सबसे बड़ी बुराई यही है कि हम अपनी सर्वोपरि चिंता दूसरों में लगा दें।
मैंने हमेशा उन लोगों में एक खास गुण की तलाश की है जिन्हें मैं पसंद करती थी। मैंने इसे हमेशा तुरंत पहचान लिया है—और यही एक गुण है जिसका मैं पुरुषों में सम्मान करती हूँ। मैंने अपने दोस्तों को इसी आधार पर चुना है। अब मुझे पता चल गया है कि वह क्या है। एक आत्मनिर्भर अहंकार। इसके अलावा कुछ मायने नहीं रखता।
मुझे खुशी है कि आपने स्वीकार किया कि आपके दोस्त हैं।
मैं यह भी मानता हूँ कि मैं उनसे प्यार करता हूँ। लेकिन अगर वे मेरे जीने का मुख्य कारण होते, तो मैं उनसे प्यार नहीं कर पाता। क्या आपने गौर किया है कि पीटर कीटिंग का अब एक भी दोस्त नहीं बचा? क्या आप इसका कारण समझ पा रहे हैं? अगर इंसान खुद का सम्मान नहीं करता, तो वह न तो दूसरों से प्यार कर सकता है और न ही उनका सम्मान कर सकता है।
"पीटर कीटिंग जाए भाड़ में। मैं तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के बारे में सोच रहा हूँ।"
रोर्क मुस्कुराया। “गेल, अगर यह नाव डूब रही होती, तो मैं तुम्हें बचाने के लिए अपनी जान दे देता। इसलिए नहीं कि यह मेरा कोई कर्तव्य है। बल्कि इसलिए कि मैं तुम्हें पसंद करता हूँ।”
अपने निजी कारणों और मानकों के लिए। मैं तुम्हारे लिए मर सकता हूँ। लेकिन मैं तुम्हारे लिए जी नहीं सकता और न ही जिऊँगा।
"हावर्ड, इसके क्या कारण और मानदंड थे?"
रोर्क ने उसकी ओर देखा और महसूस किया कि उसने वो सारी बातें कह दी थीं जो वो वायनांड से कहने से बचना चाहता था। उसने उत्तर दिया:
"तुम किसी के हाथों इस्तेमाल होने वाले व्यक्ति बनने के लिए पैदा नहीं हुए थे।"
वायनांड मुस्कुराया। उसने वाक्य सुना—और कुछ नहीं।
उसके बाद, जब वायनांड अपने केबिन में नीचे चला गया, तो रोर्क डेक पर अकेला रह गया। वह रेलिंग पर खड़ा होकर समुद्र को घूर रहा था, मानो उसे कुछ दिखाई ही न दे रहा हो।

उसने सोचा: मैंने उसे सबसे बुरे परोक्ष व्यक्ति के बारे में नहीं बताया है—वह व्यक्ति जो सत्ता के पीछे भागता है।

बारहवीं

यह अप्रैल का महीना था जब रोर्क और वायनांड वापस लौटे।

शहर। गगनचुंबी इमारतें नीले आसमान के बीच गुलाबी रंग की दिख रही थीं, मानो पत्थरों के विशाल ढांचे पर चीनी मिट्टी की तरह एक बेमेल रंग हो। सड़कों पर लगे पेड़ों पर हरे रंग के छोटे-छोटे गुच्छे थे।

रोर्क अपने दफ्तर गए। उनके कर्मचारियों ने उनसे हाथ मिलाया और उन्होंने देखा कि सभी अपनी मुस्कान को झिझकते हुए दबा रहे थे, तभी एक छोटा लड़का अचानक बोल पड़ा: "अरे! हम आपको देखकर अपनी खुशी क्यों नहीं जता सकते, बॉस?" रोर्क हँसे। "बोल दो। मैं तुम्हें बता नहीं सकता कि मैं वापस आकर कितना खुश हूँ।" फिर वे ड्राफ्टिंग रूम में एक मेज पर बैठ गए, जबकि सभी कर्मचारी उन्हें पिछले तीन महीनों की रिपोर्ट दे रहे थे, एक-दूसरे को टोकते हुए; वे अपने हाथों में स्केल से खेल रहे थे, मानो लंबे समय बाद अपने खेत की मिट्टी को फिर से महसूस कर रहे हों।

दोपहर में, अपने डेस्क पर अकेले बैठे हुए, उन्होंने एक अखबार खोला। उन्होंने तीन महीने से कोई अखबार नहीं देखा था। उनकी नज़र कॉर्टलैंड होम्स के निर्माण से संबंधित एक खबर पर पड़ी। उन्होंने यह पंक्ति देखी: "पीटर कीटिंग, वास्तुकार। गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट और ऑगस्टस वेब, सहयोगी डिज़ाइनर।"

वह एकदम शांत बैठा रहा।

उस शाम वह कॉर्टलैंड से मिलने गया।

पहली इमारत लगभग बनकर तैयार थी। यह विशाल, खाली ज़मीन पर अकेली खड़ी थी। मज़दूर दिन का काम खत्म करके जा चुके थे; रात के चौकीदार की झोपड़ी में एक छोटी सी रोशनी दिखाई दे रही थी। इमारत में रोर्क द्वारा डिज़ाइन किए गए ढांचे की रूपरेखा थी, जिसमें दस अलग-अलग नस्लों के अवशेष हड्डियों की सुंदर समरूपता पर ढेर किए गए थे। उन्होंने देखा कि योजना की मितव्ययिता बरकरार रखी गई थी, लेकिन समझ से परे विशेषताओं का खर्चा जोड़ा गया था; ढाले गए आकार की विविधता गायब हो गई थी, उसकी जगह क्रूर घनों की एकरसता ने ले ली थी; एक नया विंग जोड़ा गया था, जिसमें एक गुंबददार छत थी, जो एक ट्यूमर की तरह दीवार से बाहर निकली हुई थी, जिसमें एक व्यायामशाला थी; धातु की पट्टियों से बनी बालकनियों की कतारें जोड़ी गई थीं, जिन्हें गहरे नीले रंग से रंगा गया था; बिना किसी उद्देश्य के कोने वाली खिड़कियाँ; एक बेकार दरवाजे के लिए एक कोण काटा गया था, जिस पर एक खंभे से समर्थित एक गोल धातु का शामियाना था, जैसे ब्रॉडवे जिले में कोई कपड़े की दुकान हो; तीन ऊर्ध्वाधर ईंटों की पट्टियाँ, जो कहीं से कहीं नहीं जातीं; वह सामान्य शैली जिसे पेशेवर लोग "बॉक्स माईन" कहते थे; मुख्य प्रवेश द्वार के ऊपर उभरी हुई नक्काशी का एक पैनल, जो मांसपेशियों के एक समूह को दर्शाता है जिसे तीन या चार शरीरों के रूप में पहचाना जा सकता है, जिनमें से एक की बांह उठी हुई है और उसमें एक पेंच पकड़ा हुआ है।

खिड़कियों के नए शीशों पर सफेद क्रॉस बने हुए थे, और यह बिल्कुल सही लग रहा था, मानो किसी गलती को मिटा दिया गया हो। पश्चिम दिशा में, मैनहट्टन के पार, आकाश में लाल रंग की एक पट्टी थी, और शहर की इमारतें उसके सामने सीधी और काली दिखाई दे रही थीं।

रोर्क, कॉर्टलैंड के पहले घर के सामने, भविष्य की सड़क के उस पार खड़ा था। वह सीधा खड़ा था, उसके गले की मांसपेशियां तनी हुई थीं, उसकी कलाइयां नीचे की ओर और शरीर से दूर थीं, मानो वह किसी फायरिंग दस्ते के सामने खड़ा हो।

कोइ नहीं बता सकता था कि यह कैसे हुआ। इसके पीछे कोइ जानबूझकर किया गया इरादा नहीं था। यह बस यूं ही हो गया था।
सबसे पहले, टूही ने एक सुबह कीटिंग को बताया कि गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट और गस वेब को एसोसिएट डिजाइनर के रूप में वेतन पर रखा जाएगा।
“पीटर, तुम्हें क्या फर्क पड़ता है? इससे तुम्हारी फीस में कोई कटौती नहीं होगी। इससे तुम्हारी प्रतिष्ठा पर जरा भी असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि तुम बड़े बॉस हो। वे तुम्हारे सिर्फ ड्राफ्ट्समैन ही होंगे। मैं तो बस लड़कों को थोड़ा प्रोत्साहन देना चाहता हूं। इस प्रोजेक्ट से किसी भी तरह जुड़ने से उनकी प्रतिष्ठा को फ़ायदा होगा।”
मुझे उनकी प्रतिष्ठा बढ़ाने में बहुत दिलचस्पी है।"
लेकिन किसलिए? उनके पास करने के लिए कुछ नहीं है। सब कुछ हो चुका है।
“अरे, आखिरी समय में किसी भी तरह का मसौदा तैयार करना बेकार है। अपने कर्मचारियों के लिए समय बचाएं।”
आप उनके साथ खर्च साझा कर सकते हैं। लालची मत बनो।
टूही ने सच कहा था; उसके मन में कोई और उद्देश्य नहीं था।
कीटिंग यह पता नहीं लगा सके कि प्रेस्कॉट और वेब के परियोजना में शामिल दर्जनों अधिकारियों के साथ किससे, किस पद पर और किन शर्तों पर संबंध थे। ज़िम्मेदारी का जाल इतना जटिल था कि किसी की भी प्रामाणिकता के बारे में कोई निश्चित नहीं हो सकता था। केवल इतना स्पष्ट था कि प्रेस्कॉट और वेब के मित्र थे, और कीटिंग उन्हें काम से दूर नहीं रख सकते थे।
बदलाव की शुरुआत व्यायामशाला से हुई। किरायेदार चयन की प्रभारी महिला ने व्यायामशाला की मांग की। वह एक समाजसेवी थीं और उनका काम परियोजना के उद्घाटन के साथ समाप्त होना था।
कॉर्टलैंड में सामाजिक मनोरंजन निदेशक के पद पर नियुक्त होकर उन्होंने स्थायी नौकरी हासिल कर ली। मूल योजनाओं में व्यायामशाला का कोई प्रावधान नहीं था; आस-पास पैदल दूरी पर दो स्कूल और एक युवा महिला एवं बाल विकास संगठन (वाईएमसीए) स्थित थे। उन्होंने इसे गरीब बच्चों के साथ अन्याय बताया। प्रेस्कॉट और वेब ने व्यायामशाला उपलब्ध कराई।
इसके बाद विशुद्ध रूप से सौंदर्य संबंधी अन्य परिवर्तन हुए। अतिरिक्त खर्चों ने मितव्ययिता के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई निर्माण लागत को और बढ़ा दिया। सामाजिक मनोरंजन निदेशक कॉर्टलैंड की अगली दो इमारतों में एक छोटा रंगमंच और एक बैठक कक्ष जोड़ने के विषय पर चर्चा करने के लिए वाशिंगटन के लिए रवाना हुईं।
रेखाचित्रों में बदलाव धीरे-धीरे, थोड़े-थोड़े करके किए गए। बदलावों को मंजूरी देने के आदेश मुख्यालय से आए। "लेकिन हम तो शुरू करने के लिए तैयार हैं!" कीटिंग चिल्लाया। "क्या बकवास है," गस वेब ने धीमी आवाज़ में कहा।
“बस कुछ हज़ार डॉलर और लगेंगे, बस इतना ही।” “अब बालकनियों की बात करें तो,” गार्डन एल. प्रेस्कॉट ने कहा, “वे एक आधुनिक शैली प्रदान करती हैं। आप नहीं चाहेंगे कि यह जगह इतनी खाली-खाली दिखे। यह निराशाजनक है। इसके अलावा, आपको मनोविज्ञान की समझ नहीं है। जो लोग यहाँ रहेंगे, वे आग से बचने वाली सीढ़ियों पर बैठने के आदी हैं। उन्हें यह बहुत पसंद है।”
उन्हें इसकी कमी खलेगी। उन्हें ताज़ी हवा में बैठने के लिए जगह तो देनी ही होगी...
खर्च? अगर आपको खर्च की इतनी चिंता है, तो मेरे पास एक उपाय है जिससे हम काफी बचत कर सकते हैं। हम अलमारी के दरवाज़ों के बिना ही काम चला लेंगे। अलमारी में दरवाजों की क्या ज़रूरत है? ये तो पुराने ज़माने की बात है।” इस तरह अलमारी के सारे दरवाजे हटा दिए गए।

कीटिंग ने संघर्ष किया। यह एक ऐसा संघर्ष था जिसमें उन्होंने पहले कभी भाग नहीं लिया था, लेकिन उन्होंने अपनी पूरी ताकत लगाकर हर संभव प्रयास किया। वे एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय गए, बहस की, धमकियाँ दीं, विनती की। लेकिन उनका कोई प्रभाव नहीं था, जबकि उनके सहयोगी डिज़ाइनर मानो आपस में जुड़ी सहायक नदियों वाली एक भूमिगत नदी को नियंत्रित कर रहे थे। अधिकारियों ने उनकी बात अनसुनी कर दी और उन्हें किसी और के पास भेज दिया।
किसी को भी सौंदर्यबोध की परवाह नहीं थी। "क्या फर्क पड़ता है?" "पैसा तो तुम्हारी जेब से नहीं निकलता, है ना?" "तुम्हारे बस मनमर्जी करने का हक तुम्हें ही क्यों है? लड़कों को भी कुछ योगदान देने दो।"
उन्होंने एल्सवर्थ टूही से अपील की, लेकिन टूही को इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। वह अन्य मामलों में व्यस्त थे और उन्हें नौकरशाही विवाद को भड़काने की कोई इच्छा नहीं थी। सच तो यह है कि उन्होंने अपने शिष्यों को कलात्मक प्रयासों के लिए प्रेरित नहीं किया था, लेकिन उन्हें रोकने का भी कोई कारण नज़र नहीं आता था। उन्हें इस सब में मज़ा आ रहा था। "लेकिन यह तो भयानक है, एल्सवर्थ!"
तुम जानते हो ये कितना बुरा है!" "ओह, मुझे लगता है ऐसा ही है। तुम्हें क्या फर्क पड़ता है, पीटर?"
आपके गरीब और अनपढ़ किराएदार वास्तुकला की बारीकियों को समझ नहीं पाएंगे। सुनिश्चित करें कि पाइपलाइन ठीक से काम कर रही हो।
"लेकिन किसलिए? किसलिए? किसलिए?" कीटिंग ने अपने साथी डिजाइनरों से चिल्लाकर पूछा। "तो फिर हमें भी अपनी राय देने का अधिकार क्यों नहीं होना चाहिए?" गॉडेन एल. प्रेस्कॉट ने पूछा। "हम भी अपनी विशिष्टता व्यक्त करना चाहते हैं।"
जब कीटिंग ने अपने अनुबंध का हवाला दिया, तो उसे कहा गया: "ठीक है, आगे बढ़ो, सरकार पर मुकदमा करने की कोशिश करो। कोशिश करो।" कई बार, उसके मन में हत्या करने की इच्छा होती थी। मारने के लिए कोई था ही नहीं। अगर उसे यह अधिकार दिया भी जाता, तो वह किसी को अपना शिकार नहीं चुन सकता था। कोई भी ज़िम्मेदार नहीं था। कोई उद्देश्य नहीं था, कोई कारण नहीं था। यह सब बस हो गया था।
रोर्क के लौटने के बाद वाली शाम को कीटिंग रोर्क के घर आया। उसे बुलाया नहीं गया था। रोर्क ने दरवाजा खोला और कहा: "शुभ संध्या, पीटर," लेकिन कीटिंग जवाब नहीं दे सका। वे चुपचाप काम करने वाले कमरे में चले गए। रोर्क बैठ गया, लेकिन कीटिंग फर्श के बीच में खड़ा रहा और धीमी आवाज में पूछा:
"आप क्या करने जा रहे हैं?"
अब आपको यह जिम्मेदारी मुझ पर छोड़नी होगी।
मैं कुछ नहीं कर सकता था, हॉवर्ड... मैं कुछ नहीं कर सकता था!
मुझे नहीं लगता।
"अब आप क्या कर सकते हैं? आप सरकार पर मुकदमा नहीं कर सकते।"
"नहीं।"
कीटिंग को लगा कि उसे बैठ जाना चाहिए, लेकिन कुर्सी तक की दूरी बहुत अधिक लग रही थी। उसे लगा कि अगर वह हिलेगा तो वह बहुत ही ध्यान आकर्षित करने वाला व्यक्ति बन जाएगा।
"तुम मेरे साथ क्या करने वाले हो, हॉवर्ड?"
"कुछ नहीं।"
"क्या आप चाहते हैं कि मैं उनके सामने, सबके सामने सच कबूल कर लूँ?"
"नहीं।"
कुछ देर बाद कीटिंग ने फुसफुसाते हुए कहा:
"क्या आप मुझे फीस... सब कुछ... और... देने देंगे?"

रोक मुस्कुराया।
“मुझे खेद है...” कीटिंग ने नज़रें फेरते हुए फुसफुसाया।
उसने प्रतीक्षा की, और फिर वह विनती जो वह जानता था कि उसे नहीं बोलनी चाहिए, उसके मुँह से निकली:
“मुझे डर लग रहा है, हॉवर्ड...”
रोर्क ने अपना सिर हिलाया।
“मैं जो भी करूँ, वो तुम्हें चोट पहुँचाने के लिए नहीं होगा, पीटर। मैं भी दोषी हूँ। हम दोनों ही दोषी हैं।”
“क्या तुम दोषी हो?”
“पीटर, मैंने ही तुम्हें बर्बाद किया है। शुरू से ही। तुम्हारी मदद करके। कुछ ऐसे मामले होते हैं जिनमें न तो मदद मांगनी चाहिए और न ही देनी चाहिए।”
मुझे स्टेंटन में तुम्हारे प्रोजेक्ट नहीं करने चाहिए थे। मुझे कॉस्मो-स्लॉटनिक बिल्डिंग का प्रोजेक्ट भी नहीं करना चाहिए था। न ही कॉर्टलैंड का। मैंने तुम पर तुम्हारी क्षमता से ज़्यादा बोझ डाल दिया था। यह एक ऐसे विद्युत प्रवाह की तरह है जो सर्किट के लिए बहुत तेज़ है। इससे फ्यूज उड़ जाता है। अब हम दोनों को इसका खामियाज़ा भुगतना पड़ेगा। यह तुम्हारे लिए मुश्किल होगा, लेकिन मेरे लिए इससे भी ज़्यादा मुश्किल होगा।
"क्या तुम चाहते हो कि मैं अभी घर जाऊं, हॉवर्ड?"
"हाँ।"
दरवाज़े पर खड़े होकर कीटिंग ने कहा:
“हावर्ड! उन्होंने जानबूझकर ऐसा नहीं किया।”
"यही तो स्थिति को और भी बदतर बना देता है।"
डोमिनिक ने पहाड़ी सड़क पर कार के ऊपर चढ़ने की आवाज़ सुनी। उसने सोचा कि वायनांड घर लौट रहा है। लौटने के बाद से पिछले दो हफ्तों में वह हर रात शहर में देर तक काम कर रहा था।
इंजन की आवाज़ ने ग्रामीण इलाके की वसंतकालीन शांति को भंग कर दिया। घर में कोई आवाज़ नहीं थी; बस कुर्सी के गद्दी पर सिर टिकाते समय उसके बालों की हल्की सरसराहट सुनाई दे रही थी। एक पल में उसे कार के आने की आहट का एहसास ही नहीं हुआ, इस समय यह आवाज़ इतनी जानी-पहचानी थी, बाहर के अकेलेपन और एकांत का एक हिस्सा।
उसने कार को दरवाजे पर रुकते सुना। दरवाजा कभी बंद नहीं होता था; आस-पड़ोस में कोई मेहमान आने वाला नहीं था। उसने दरवाजा खुलने की आवाज़ सुनी, और नीचे हॉल में कदमों की आहट सुनी। कदम रुके नहीं, बल्कि जानी-पहचानी निश्चितता के साथ सीढ़ियों पर चढ़ गए। किसी ने उसके दरवाजे का हैंडल घुमाया।
वह रोर्क था। उठते हुए उसने सोचा कि वह पहले कभी उसके कमरे में नहीं आया था; लेकिन वह इस घर के हर कोने से वाकिफ था; जैसे वह उसके शरीर के बारे में सब कुछ जानता था। उसे कोई सदमा नहीं लगा, बस एक पल का सदमा याद रह गया, बीते समय का सदमा, यह विचार: उसे देखकर मैं ज़रूर चौंक गई होगी, लेकिन अब नहीं। अब, जब वह उसके सामने खड़ी थी, तो यह बहुत ही सरल प्रतीत हुआ।
उसने सोचा: सबसे महत्वपूर्ण बात तो हम दोनों के बीच कभी कही ही नहीं जानी चाहिए।
हमेशा से यही कहा जाता रहा है। वह मुझे अकेला नहीं देखना चाहता था।
अब वो आ गया है। मैंने इंतज़ार किया और मैं तैयार हूं।
"शुभ संध्या, डोमिनिक।"
उसने पांच साल की अवधि में उस नाम का उच्चारण सुना।
उसने धीमी आवाज़ में कहा:
"शुभ संध्या, रोर्क।"

मैं चाहता हूं कि आप मेरी मदद करें।
वह ओहियो के क्लेटन के स्टेशन प्लेटफॉर्म पर, स्टोडार्ड मुकदमे के गवाह के कटघरे में, एक खदान के किनारे पर खड़ी थी, ताकि वह खुद को - जैसा कि वह तब थी - उस सजा को साझा करने दे सके जो वह अब सुन रही थी।
“जी हां, रोर्क।”
वह उसके लिए डिज़ाइन किए गए कमरे में चलकर आया, उसके सामने बैठ गया, उनके बीच कमरे की चौड़ाई का फासला था। वह भी बैठ गई, उसे अपने शरीर की हलचल का एहसास नहीं था, बस उसकी हलचल का एहसास था, मानो उसके शरीर में दो तरह की नसें हों, एक उसकी और एक उसकी।
"अगले सोमवार की रात, डोमिनिक, ठीक ग्यारह बजकर साढ़े ग्यारह बजे, मैं चाहता हूं कि तुम कॉर्टलैंड होम्स की साइट पर गाड़ी चलाकर आओ।"
उसने महसूस किया कि उसे अपनी पलकों का एहसास हो रहा था; दर्दनाक नहीं, बस हल्का सा; मानो वे कस गई हों और फिर हिल न सकें। उसने कॉर्टलैंड की पहली इमारत देख ली थी। वह जानती थी कि वह क्या सुनने वाली है।
“आप अपनी कार में अकेले होने चाहिए और किसी ऐसी जगह से घर लौट रहे हों जहाँ आपने पहले से मिलने का अपॉइंटमेंट लिया हो। वह जगह यहाँ से केवल कॉर्टलैंड से होकर ही पहुँचा जा सकता है। आपको बाद में यह साबित करना होगा। मैं चाहता हूँ कि आपकी कार कॉर्टलैंड के सामने, साढ़े ग्यारह बजे, पेट्रोल खत्म होने पर रुक जाए। हॉर्न बजाएँ। वहाँ एक बूढ़ा चौकीदार है। वह बाहर आएगा। उससे मदद माँगें और उसे पास के गैरेज तक भेजें, जो एक मील दूर है।”
उसने स्थिर स्वर में कहा, "हां, रोर्क।"
जब वह चला जाए, तो अपनी कार से बाहर निकल जाना। सड़क के किनारे, इमारत के सामने, एक बड़ा खाली मैदान है, और उसके आगे एक खाई है। जितनी जल्दी हो सके उस खाई तक चलना, नीचे तक पहुंचना और ज़मीन पर लेट जाना। बिल्कुल सीधा लेट जाना। थोड़ी देर बाद, तुम कार में वापस आ सकते हो। तुम्हें पता चल जाएगा कि कब वापस आना है। ध्यान रखना कि
आप कार में पाए जाते हैं और आपकी स्थिति कार की स्थिति से मेल खाती है।
-लगभग।"
“जी हां, रोर्क।”
"क्या आपने समझ लिया?"
"हाँ।"
"सब कुछ?"
"हाँ सब कुछ।"
वे खड़े थे। उसने केवल उसकी आँखें देखीं और यह देखा कि वह मुस्कुरा रहा था। उसने उसे कहते सुना: “शुभ रात्रि, डोमिनिक,” वह बाहर चला गया और उसने उसकी कार के दूर जाने की आवाज़ सुनी। उसे उसकी मुस्कान याद आ गई।
वह जानती थी कि उसे जो करने वाला था उसके लिए उसकी मदद की ज़रूरत नहीं थी, वह चौकीदार से छुटकारा पाने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ सकता था; उसने उसे इसमें शामिल होने दिया था, क्योंकि अगर वह ऐसा नहीं करता तो आगे जो होने वाला था उसे वह सहन नहीं कर पाती; यही उसकी परीक्षा थी।
वह इसका नाम नहीं लेना चाहता था; वह चाहता था कि वह समझे और डर न दिखाए। वह स्टोडार्ड के मुकदमे को स्वीकार नहीं कर पाई थी, दुनिया द्वारा उसे चोट पहुंचाए जाने के डर से वह भाग गई थी, लेकिन उसने इस मामले में उसकी मदद करने के लिए सहमति दे दी थी। उसने पूरी शांति से सहमति दी थी।
वह आज़ाद थी और वह यह बात जानता था।

लॉन्ग आइलैंड के अंधेरे इलाकों में सड़क समतल थी, लेकिन डॉमिनेक को ऐसा लग रहा था जैसे वह पहाड़ी पर चढ़ रही हो। बस यही एक अजीब सी अनुभूति थी: ऊपर उठने का एहसास, मानो उसकी कार तेज़ी से ऊपर की ओर जा रही हो। उसने अपनी नज़र सड़क पर रखी हुई थी, लेकिन उसकी नज़र के किनारे पर दिख रहा डैशबोर्ड किसी हवाई जहाज़ के पैनल जैसा लग रहा था। डैशबोर्ड पर लगी घड़ी में 11:10 बज रहे थे।
वह मन ही मन मुस्कुराई और सोचने लगी: मैंने कभी हवाई जहाज उड़ाना नहीं सीखा, और अब मुझे पता चला कि कैसा लगता है; बिल्कुल ऐसे ही, खुला आसमान और कोई मेहनत नहीं। और कोई वज़न भी नहीं। समताप मंडल में ऐसा ही होता है।
या फ़िर यह अंतरग्रहीय अंतरिक्ष है?—जहां इंसान तैरने लगता है और गुरुत्वाकर्षण का कोई नियम नहीं होता। किसी भी प्रकार के गुरुत्वाकर्षण का कोई नियम नहीं होता।
उसने खुद को ज़ोर से हंसते हुए सुना।
बस ऊपर उठने का वो एहसास... वरना, उसे सब कुछ सामान्य लग रहा था। उसने पहले कभी इतनी अच्छी तरह से कार नहीं चलाई थी। उसने सोचा: कार चलाना एक नीरस, यांत्रिक काम है, इसलिए मुझे पता है कि मेरा दिमाग बहुत साफ है; क्योंकि गाड़ी चलाना उसे आसान लग रहा था, जैसे सांस लेना या निगलना, एक तात्कालिक क्रिया जिसमें कुछ समय लगता है।
कोई ध्यान नहीं। वह अनजान उपनगरों की गुमनाम सड़कों के चौराहों पर हवा में लटकती लाल बत्तियों पर रुकती, मोड़ों पर मुड़ती, दूसरी कारों को ओवरटेक करती, और उसे पूरा यकीन था कि आज रात उसके साथ कोई दुर्घटना नहीं हो सकती; उसकी कार रिमोट कंट्रोल से चल रही थी।
—उन स्वचालित किरणों में से एक जिसके बारे में उसने पढ़ा था—क्या यह एक बीकन था या एक रेडियो बीम?—और वह केवल स्टीयरिंग व्हील पर बैठी थी।
इससे उसे छोटी-छोटी बातों के अलावा किसी और चीज़ के बारे में न सोचने की आज़ादी मिल गई, और वह बेफिक्र और... गैर-गंभीर महसूस करने लगी, उसने सोचा; बिल्कुल गैर-गंभीर। यह एक तरह की स्पष्टता थी, सामान्य से भी ज़्यादा सामान्य होना, जैसे क्रिस्टल खाली हवा से ज़्यादा पारदर्शी होता है। बस छोटी-छोटी बातें: उसकी छोटी, काली ड्रेस का पतला रेशम और जिस तरह से वह उसके घुटने तक खींची हुई थी, पैर हिलाने पर उसके हील्स के अंदर उसकी उंगलियों का हिलना, एक अंधेरी खिड़की पर सुनहरे अक्षरों में लिखा "डैनीज़ डिनर" जो तेज़ी से गुज़र गया।
किसी बैंकर की पत्नी द्वारा आयोजित रात्रिभोज में वह बहुत प्रसन्न थी। गेल के कुछ खास दोस्त थे, जिनके नाम उसे अब ठीक से याद नहीं थे। लॉन्ग आइलैंड के एक विशाल हवेली में हुआ वह रात्रिभोज शानदार था। वे उसे देखकर बहुत खुश हुए और गेल के न आ पाने से दुखी थे। उसने अपने सामने परोसी गई हर चीज़ खा ली थी। उसकी भूख बहुत अच्छी थी—ठीक वैसे ही जैसे बचपन में कभी-कभार जंगल में दिन बिताने के बाद दौड़कर घर आती थी और उसकी माँ बहुत प्रसन्न होती थी, क्योंकि उसकी माँ को डर था कि कहीं वह एनीमिया से पीड़ित न हो जाए।
उसने खाने की मेज पर बैठे मेहमानों का अपने बचपन की कहानियों से मनोरंजन किया था, उन्हें हंसाया था, और यह उसके मेज़बानों के लिए अब तक की सबसे खुशनुमा दावत थी। बाद में, ड्राइंग रूम में, खिड़कियाँ पूरी तरह खुली थीं और आसमान गहरा काला दिख रहा था—एक चाँद रहित आसमान जो पेड़ों के पार, कस्बों के पार, पूर्वी नदी के किनारों तक फैला हुआ था—वह हँसी-मज़ाक करती रही, अपने आस-पास के लोगों को देखकर मुस्कुराई, उसकी मुस्कान इतनी गर्मजोशी भरी थी कि वे सब अपने दिल की बातें खुलकर कहने लगे, उसने उन लोगों से प्यार किया था, और वे जानते थे कि उन्हें प्यार किया जाता है, उसने धरती पर हर इंसान से प्यार किया था, और किसी

महिला ने कहा था: “डोमिनिक, मुझे नहीं पता था कि तुम इतनी अद्भुत हो सकती हो!” और उसने जवाब दिया था: “मुझे दुनिया की कोई परवाह नहीं है।”
लेकिन उसने अपनी कलाई पर बंधी घड़ी के अलावा और कुछ भी ध्यान नहीं दिया था, सिवाय इसके कि उसे 10:50 तक उस घर से बाहर निकलना था। उसे इस बात का कोई अंदाज़ा नहीं था कि...
वह विदा लेते समय क्या कहेगी, लेकिन 10:45 तक वह बात सही और विश्वासपूर्वक कह चुकी थी, और 10:50 तक उसका पैर एक्सीलरेटर पर था।
यह एक बंद रोडस्टर थी, काले रंग की, जिसमें लाल चमड़े की सीटिंग थी। उसने सोचा कि ड्राइवर जॉन ने उस लाल चमड़े को कितनी अच्छी तरह से चमकाया था। कार का कुछ भी बाकी नहीं बचेगा, और यह उचित ही था कि अपनी आखिरी यात्रा के लिए यह सबसे अच्छी दिखे। जैसे कोई महिला अपनी पहली रात के लिए तैयार होती है। मैंने अपनी पहली रात के लिए कभी कपड़े नहीं पहने - मेरी कोई पहली रात नहीं थी - बस मेरे शरीर से कुछ फाड़ दिया गया था और मेरे दांतों में खदान की धूल का स्वाद था।
जब उसने कार की साइड विंडो के शीशे पर काली खड़ी पट्टियाँ देखीं, जिन पर रोशनी के बिंदु बिखरे हुए थे, तो उसे आश्चर्य हुआ कि शीशे को क्या हुआ है। फिर उसे एहसास हुआ कि वह ईस्ट रिवर के किनारे गाड़ी चला रही है और दूसरी तरफ न्यूयॉर्क है। वह हँसी और सोचने लगी: नहीं, यह न्यूयॉर्क नहीं है, यह मेरी कार की खिड़की पर चिपकी हुई एक निजी तस्वीर है, पूरी की पूरी, यहाँ, एक छोटे से शीशे पर, मेरे हाथ के नीचे, यह मेरी है, अब यह मेरी है—उसने बैटरी से क्वींसबोरो ब्रिज तक इमारतों पर हाथ फेरा—रोर्क, यह मेरी है और मैं इसे तुम्हें दे रही हूँ।
दूर से देखने पर रात के चौकीदार की आकृति अब पंद्रह इंच ऊंची लग रही थी। डोमिनिक ने सोचा, जब यह दस इंच ऊंची हो जाएगी, तब मैं शुरू करूंगी।
वह अपनी कार के किनारे खड़ी थी और चाहती थी कि चौकीदार थोड़ा तेज़ चले।
वह इमारत एक काले रंग का विशालकाय ढांचा थी जो आकाश को एक ही स्थान पर सहारा दे रही थी।
शेष आकाश एक समतल भूभाग पर अत्यंत नीचे झुका हुआ था। निकटतम सड़कें और घर वर्षों दूर, अंतरिक्ष के किनारे पर, अनियमित छोटे गड्ढों की तरह, टूटी हुई आरी के दांतों की तरह दिखाई दे रहे थे।
उसे अपने जूते के तलवे के नीचे एक बड़ा कंकड़ महसूस हुआ; यह असहज था, लेकिन उसने अपना पैर हिलाया नहीं; ऐसा करने से आवाज़ आती। वह अकेली नहीं थी। वह जानती थी कि वह उस इमारत में कहीं है, जो उससे एक गली की दूरी पर थी। इमारत में न कोई आवाज़ थी, न कोई रोशनी; केवल काली खिड़कियों पर सफेद क्रॉस बने हुए थे। उसे रोशनी की ज़रूरत नहीं होगी; वह हर गलियारे, हर सीढ़ी को जानता था।
चौकीदार पीछे हट गया। उसने झटके से अपनी कार का दरवाजा खोला। उसने अपनी टोपी और बैग अंदर फेंके और दरवाजा जोर से बंद कर दिया।
जब वह सड़क पार कर रही थी और इमारत से दूर खाली मैदान पर दौड़ रही थी, तभी उसे एक ज़ोरदार आवाज़ सुनाई दी।
उसे अपनी पोशाक का रेशम अपने पैरों से चिपका हुआ महसूस हुआ, और यही उसके लिए भागने का एक ठोस उद्देश्य बन गया - उस बंधन को तोड़कर, उस बाधा को जितनी जल्दी हो सके पार कर जाना। ज़मीन पर गड्ढे और सूखी घास थी। वह एक बार गिरी, लेकिन उसे इसका एहसास तभी हुआ जब वह दोबारा दौड़ने लगी।
उसने अंधेरे में खाई देखी। फिर वह घुटनों के बल नीचे गिरी, और फिर पेट के बल औंधे मुंह ज़मीन पर लेट गई।
उसे अपनी जांघों में तेज़ धड़कन महसूस हुई और उसने एक बार अपने शरीर को एक लंबे झटके में मरोड़ा, ताकि वह अपनी टांगों, स्तनों और बाहों की त्वचा से धरती को महसूस कर सके। यह रोर्क के बिस्तर पर लेटने जैसा था।

उसके सिर के पिछले हिस्से पर मुक्के की चोट की आवाज़ आई। उसे धरती का ज़ोरदार धक्का लगा, जिसने उसे उछालकर खाई के किनारे तक पहुंचा दिया। कॉर्टलैंड इमारत का ऊपरी हिस्सा झुक गया और स्थिर हो गया, जबकि आसमान की एक टूटी हुई लकीर धीरे-धीरे उस पर फैलती गई। मानो आसमान इमारत को दो हिस्सों में काट रहा हो। फिर वह लकीर फ़िरोज़ी नीले प्रकाश में बदल गई। फिर ऊपरी हिस्सा गायब हो गया, केवल खिड़कियों के फ्रेम और गर्डर हवा में उड़ते हुए दिखाई दिए, इमारत आसमान में फैलती हुई, केंद्र से लाल रंग की एक लंबी, पतली लकीर निकलती हुई, एक और मुक्के की वार, और फिर एक और, एक चकाचौंध कर देने वाली रोशनी और नदी के उस पार गगनचुंबी इमारतों के शीशे झिलमिलाते हुए दिखाई दिए।
उसे याद नहीं था कि उसने उसे सीधा लेटने का आदेश दिया था, कि वह खड़ी थी, कि उसके चारों ओर कांच और मुड़ा हुआ लोहा बरस रहा था। उस पल जब दीवारें बाहर की ओर उठीं और एक इमारत सूरज की किरणों की तरह खुल गई, उसने उसके बारे में सोचा, जो कहीं दूर था, वह निर्माता जिसे सब कुछ नष्ट करना था, जो उस संरचना के हर महत्वपूर्ण बिंदु को जानता था, जिसने तनाव और सहारे का नाजुक संतुलन बनाया था; उसने उसके बारे में सोचा जिसने इन महत्वपूर्ण बिंदुओं का चयन किया, विस्फोट किया, एक डॉक्टर जो हत्यारा बन गया, जिसने कुशलता से दिल, दिमाग और फेफड़ों को एक साथ चकनाचूर कर दिया। वह वहाँ था, उसने यह सब देखा और इसका उस पर जो प्रभाव पड़ा वह इमारत पर हुए प्रभाव से कहीं अधिक भयानक था। लेकिन वह वहाँ था और उसने इसका स्वागत किया।
उसने आधे पल के लिए शहर को प्रकाश में डूबा हुआ देखा, उसे मीलों दूर तक खिड़कियों के किनारे और छतें दिखाई दीं, उसने इस आग से तपते अंधेरे कमरों और छतों के बारे में सोचा, उसने आसमान के सामने रोशन मीनारों की चोटियों को देखा, अब उसका शहर और उसका शहर। "गरज!" वह चीखी।
“रोक! रोक!” उसे पता ही नहीं चला कि वह चीख पड़ी। धमाके की वजह से उसे अपनी आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी।
फिर वह जलते हुए खंडहर की ओर दौड़ पड़ी, टूटे हुए कांच पर से गुज़रती हुई, हर कदम पर अपने पैर ज़ोर से पटकती हुई, क्योंकि उसे दर्द में आनंद आ रहा था। अब उसे कभी कोई दर्द महसूस नहीं करना था। धूल का गुबार मैदान पर एक छतरी की तरह फैला हुआ था।
उसे दूर से सायरन की तेज आवाज सुनाई दी।
यह अब भी एक कार थी, हालांकि इसके पिछले पहिये भट्टी की मशीनरी के एक हिस्से के नीचे कुचले हुए थे, और एक लिफ्ट का दरवाजा बोनट के ऊपर पड़ा हुआ था।
वह रेंगते हुए सीट तक पहुँची। उसे ऐसा दिखाना था मानो वह यहाँ से हिली ही न हो।
उसने फर्श से मुट्ठी भर कांच के टुकड़े उठाए और उन्हें अपनी गोद और बालों पर बिखेर दिया। उसने एक नुकीला टुकड़ा उठाया और उससे अपनी गर्दन, टांगों और बांहों की त्वचा पर गहरे घाव कर दिए। उसे दर्द महसूस नहीं हो रहा था। उसने देखा कि उसकी बांह से खून निकलकर उसकी गोद में बह रहा है, काले रेशम को भिगो रहा है और उसकी जांघों के बीच से रिस रहा है। उसका सिर पीछे की ओर झुक गया, मुंह खुला रह गया और वह हांफने लगी। वह रुकना नहीं चाहती थी। वह आज़ाद थी। वह अजेय थी। उसे पता ही नहीं था कि उसने अपनी धमनी काट ली है। वह बहुत हल्की महसूस कर रही थी। वह गुरुत्वाकर्षण के नियम पर हंस रही थी।
जब घटनास्थल पर पहुंचने वाली पहली पुलिस गाड़ी के जवानों ने उसे पाया, तो वह बेहोश थी, उसके शरीर में कुछ ही मिनटों की जान बची थी।
तेरहवें
डोमिनिक ने बेडरूम में चारों ओर नज़र डाली।

पटहाउस। यह पहली बार था जब उसका सामना ऐसे परिवेश से हुआ जिसे वह पहचानती थी। उसे पता था कि कई दिनों तक अस्पताल में रहने के बाद उसे यहाँ लाया गया है। शयनकक्ष प्रकाश से जगमगा रहा था। उसने सोचा, हर चीज़ पर क्रिस्टल जैसी स्पष्टता छाई हुई है; यह बनी हुई है; यह हमेशा बनी रहेगी। उसने वायनांड को अपने बिस्तर के पास खड़े देखा। वह उसे देख रहा था। वह मुस्कुरा रहा था।
उसे याद आया कि उसने उसे अस्पताल में देखा था। तब वह खुश नहीं दिख रहा था। उसे पता था कि डॉक्टर ने उसे बताया था कि वह उस पहली रात बच नहीं पाएगी। वह सबको बताना चाहती थी कि वह बच जाएगी, कि अब उसके पास जीने के अलावा कोई चारा नहीं है; लेकिन उसे कभी भी लोगों को कुछ भी बताना ज़रूरी नहीं लगा।
अब वह वापस आ चुकी थी। उसे अपने गले, पैरों और बाएँ हाथ पर पट्टियाँ महसूस हो रही थीं। लेकिन उसके हाथ कंबल पर उसके सामने पड़े थे, और उन पर से जाली हटा दी गई थी; केवल कुछ पतले लाल निशान ही बचे थे।
“अरे बेवकूफ!” वायनांड ने खुशी से कहा। “तुम्हें इतना अच्छा काम करने की क्या जरूरत थी?”
सफेद तकिये पर लेटी हुई, सुनहरे बालों और सफेद, ऊँची गर्दन वाले अस्पताल के गाउन में, वह बचपन से भी अधिक जवान दिख रही थी। उसके चेहरे पर बचपन की वह शांत आभा थी जो कभी नहीं पाई जाती: निश्चितता, मासूमियत और शांति की पूर्ण चेतना।
“मेरी गाड़ी का पेट्रोल खत्म हो गया था,” उसने कहा, “और मैं अपनी कार में वहीं इंतज़ार कर रही थी कि अचानक...”
“मैंने ये कहानी पुलिस को पहले ही बता दी है। रात के चौकीदार ने भी बता दी है। लेकिन क्या आपको नहीं पता था कि कांच को सावधानी से संभालना चाहिए?”
गेल काफी तरोताजा और आत्मविश्वासी लग रही थी, उसने सोचा। इससे उसके लिए भी सब कुछ बदल गया है; ठीक उसी तरह।
“मुझे दर्द नहीं हुआ,” उसने कहा।
"अगली बार जब आप निर्दोष दर्शक बनने की कोशिश करें, तो मुझे आपको प्रशिक्षित करने दें।"
"लेकिन वे इस पर विश्वास तो करते हैं, है ना?"
“हाँ, वे इस पर विश्वास करते हैं। उन्हें करना ही होगा। तुम लगभग मर ही गए थे। मुझे समझ नहीं आता कि उसने चौकीदार की जान बचाने के चक्कर में तुम्हारी जान क्यों ले ली।”
"कौन?"
“हावर्ड, मेरे प्यारे। हावर्ड रोर्क।”
“इसमें उसका क्या लेना-देना है?”
“डार्लिंग, पुलिस तुमसे पूछताछ नहीं कर रही है। हालांकि, पूछताछ होगी और तुम्हें इससे कहीं अधिक ठोस सबूत पेश करने होंगे। लेकिन मुझे यकीन है कि तुम सफल हो जाओगी। वे स्टोडार्ड के मुकदमे के बारे में नहीं सोचेंगे।”
"ओह।"
“तुमने तब भी ऐसा किया था और तुम हमेशा ऐसा करते रहोगे। तुम उसके बारे में चाहे जो भी सोचो, तुम हमेशा उसके काम के बारे में वही महसूस करोगी जो मैं महसूस करता हूँ।”
"गेल, क्या तुम्हें खुशी है कि मैंने ऐसा किया?"
"हाँ।"
उसने देखा कि वह बिस्तर के किनारे रखे उसके हाथ को देख रहा है। फिर वह घुटनों के बल बैठ गया, उसके होंठ उसके हाथ से दबे हुए थे, न उसे उठा रहा था, न उंगलियों से छू रहा था, केवल अपने मुंह से। अस्पताल में बिताए उसके दिनों ने उसे जो कुछ दिया

था, उसका यही एकमात्र इकरार था जो वह खुद को करने की अनुमति दे रहा था।
उसने अपना दूसरा हाथ उठाया और उसके बालों पर फेरा। उसने सोचा: गेल, यह तुम्हारे लिए मेरी मृत्यु से भी बदतर होगा, लेकिन सब ठीक हो जाएगा, इससे तुम्हें कोई तकलीफ़ नहीं होगी, दुनिया में कोई दर्द नहीं बचा है, हमारे अस्तित्व की तुलना में कुछ भी नहीं है: वह, तुम और मैं—
आपने सब कुछ समझ लिया है, हालांकि आपको यह नहीं पता कि आपने मुझे खो दिया है।
उसने अपना सिर उठाया और उठ खड़ा हुआ।
मेरा इरादा आपको किसी भी तरह से फटकार लगाने का नहीं था। मुझे क्षमा कर दीजिए।
“मैं नहीं मरूंगी, गेल। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं।”
तुम ऐसे ही दिखते हो।
क्या उन्होंने उसे गिरफ्तार कर लिया है?
वह जमानत पर बाहर है।
"तुम खुश हो?"
मुझे खुशी है कि आपने ऐसा किया और यह उसके लिए था। मुझे खुशी है कि उसने ऐसा किया। उसे करना ही पड़ा।
“हां। और यह फिर से स्टोडार्ड का मुकदमा होगा।”
"काफी नहीं।"
“गेल, तुम इतने सालों से एक और मौका चाहती थी?”
"हां।"
"क्या मैं कागजात देख सकता हूँ?"
नहीं। जब तक तुम उठ नहीं जाते, तब तक नहीं।
“क्या बैनर भी नहीं?”
"खासकर बैनर नहीं।"
“मैं तुमसे प्यार करता हूँ, गेल। अगर तुम अंत तक साथ रहोगी तो...”
मुझे रिश्वत की पेशकश मत करो। यह मामला सिर्फ तुम्हारे और मेरे बीच का नहीं है। न ही उसके और मेरे बीच का है।
लेकिन आपके और भगवान के बीच?
“अगर आप इसे ऐसा कहना चाहें तो कह सकते हैं। लेकिन हम इस पर चर्चा नहीं करेंगे। जब तक यह सब खत्म नहीं हो जाता। नीचे आपका एक मेहमान इंतज़ार कर रहा है। वह हर दिन यहाँ आता है।”
"कौन?"
“तुम्हारा प्रेमी। हॉवर्ड रोर्क। क्या तुम उसे अभी धन्यवाद देने देना चाहती हो?”
समलैंगिकों का उपहास करने का उसका तरीका, और जिस लहजे में वह सबसे बेतुकी बात कह रहा था, उससे उसे पता चल गया कि वह बाकी बातों का अंदाजा लगाने से कितना दूर था।
उसने कहा:
“हां। मैं उससे मिलना चाहती हूँ। गेल, अगर मैं उसे अपना प्रेमी बनाने का फैसला कर लूँ तो?”
“मैं तुम दोनों को मार डालूंगा। अब हिलना मत, सीधे लेट जाओ, डॉक्टर ने कहा है कि तुम्हें आराम करना चाहिए, तुम्हारे पूरे शरीर पर छब्बीस अलग-अलग टांके लगे हैं।”
वह बाहर चला गया और उसने उसे सीढ़ियों से नीचे उतरते हुए सुना।
जब पहला पुलिसकर्मी विस्फोट स्थल पर पहुंचा, तो उसने इमारत के पीछे, नदी के किनारे, डायनामाइट को विस्फोटित करने वाला प्लंजर पाया। रोर्क प्लंजर के पास खड़ा था, उसके हाथ जेब में थे, और वह कॉर्टलैंड के अवशेषों को देख रहा था।

“तुम्हें इसके बारे में क्या पता है, दोस्त?” पुलिसवाले ने पूछा।
रोर्क ने कहा, "बेहतर होगा कि तुम मुझे गिरफ्तार कर लो। मैं मुकदमे में गवाही दूंगा।"
इसके बाद पूछे गए सभी आधिकारिक प्रश्नों के उत्तर में उन्होंने एक शब्द भी नहीं कहा।
वायनांड ने ही सुबह तड़के उसे ज़मानत पर रिहा करवाया था। वायनांड आपातकालीन अस्पताल में शांत थे, जहां उन्होंने डोमिनिक के घाव देखे थे और उन्हें बताया गया था कि वह जीवित नहीं रहेंगी। उन्होंने फोन करते समय, काउंटी जज को बिस्तर से उठाते समय और रोर्क की जमानत की व्यवस्था करते समय भी शांत भाव से काम लिया था। लेकिन जब वे एक छोटी काउंटी जेल के वार्डन के कार्यालय में खड़े हुए, तो अचानक वे कांपने लगे।
“तुम सब मूर्ख हो!” उसने दांत पीसते हुए कहा और बंदरगाह पर सीखी हुई सारी गालियां बक दीं। वह सब कुछ भूल गया।
हालात के सभी पहलू एक को छोड़कर बाकी सब कुछ बदल गए: रोर्क सलाखों के पीछे था। वह फिर से हेलसे किचन का स्टेच वायनांड बन गया था और यह वही क्रोध था जो उन दिनों अचानक उसे चीर-फाड़ कर देता था, वही क्रोध जो उसने एक ढहती दीवार के पीछे खड़े होकर, मारे जाने का इंतज़ार करते हुए महसूस किया था। अब उसे पता था कि वह गेल वायनांड भी है, एक साम्राज्य का मालिक, और वह समझ नहीं पा रहा था कि किसी तरह की कानूनी प्रक्रिया क्यों ज़रूरी है, वह इस जेल को अपने मुक्कों से या अपने कागज़ों से क्यों नहीं तोड़ देता, उसके लिए उस पल सब कुछ एक ही था, वह मारना चाहता था, उसे मारना ही था, ठीक उसी रात दीवार के पीछे, अपनी जान बचाने के लिए।
उन्होंने कागजों पर हस्ताक्षर कर दिए, और रोर्क के आने तक इंतजार किया। वे दोनों साथ-साथ बाहर निकले, रोर्क ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें आगे बढ़ाया, और जब तक वे कार तक पहुंचे, वायनांड शांत हो चुके थे। कार में वायनांड ने पूछा:
"तुमने ही किया, है ना?"
"बिल्कुल।"
हम मिलकर इसका मुकाबला करेंगे।
"अगर आप इसे अपनी लड़ाई बनाना चाहते हैं।"
"वर्तमान अनुमान के अनुसार, मेरी निजी संपत्ति चालीस मिलियन डॉलर है। इससे आप अपनी पसंद के किसी भी वकील को या पूरे पेशेवर पेशे को ही नियुक्त कर सकते हैं।"
मैं वकील की मदद नहीं लूंगा।
“हावर्ड! क्या तुम दोबारा तस्वीरें नहीं भेजोगे?”
नहीं। इस बार नहीं।
रोर्क बेडरूम में दाखिल हुआ और बिस्तर के पास रखी कुर्सी पर बैठ गया।
डोमिनिक चुपचाप लेटी रही और उसे देखती रही। दोनों ने एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराया।
कुछ कहने की जरूरत नहीं है, इस बार भी नहीं, उसने सोचा।
उसने पूछा:
“क्या आप जेल में थे?”
"कुछ घंटों के लिए।"
"यह किस तरह का था?"
"गेल की तरह व्यवहार करना शुरू मत करो।"
"क्या गेल को यह बात बहुत बुरी लगी?"
"बहुत।"
मैं ऐसा नहीं करूंगा।

मुझे शायद कई सालों तक जेल में वापस जाना पड़े। जब आपने मेरी मदद करने के लिए सहमति दी थी, तब आपको यह बात पता थी।
“हां। मुझे पता था।”
"अगर मैं चला गया तो मैं गेल को बचाने के लिए आप पर भरोसा कर रहा हूँ।"
"क्या तुम मुझ पर भरोसा कर रहे हो?"
उसने उसकी तरफ देखा और सिर हिलाया। "प्रियतम..." यह एक फटकार जैसा लग रहा था।
“हां?” उसने फुसफुसाते हुए कहा।
"क्या तुम्हें अब तक यह नहीं पता चला कि यह मैंने तुम्हारे लिए बिछाया जाल था?"
"कैसे?"
"अगर मैंने तुमसे मदद न मांगी होती तो तुम क्या करते?"
"मैं अभी इसी वक्त, सबके सामने और खुलेआम, आपके साथ आपके अपार्टमेंट में, एनराइट हाउस में होता।"
“हां। लेकिन अब आप ऐसा नहीं कर सकतीं। आप श्रीमती गेल वायनांड हैं, आप संदेह से परे हैं, और हर कोई मानता है कि आप संयोग से घटनास्थल पर थीं।”
बस यह बात सबको पता चल जाए कि हम एक-दूसरे के लिए क्या हैं—और यह एक तरह से स्वीकारोक्ति होगी कि मैंने ही यह किया है।"
"अच्छा ऐसा है।"
“मैं चाहता हूँ कि तुम चुप रहो। अगर तुम्हारे मन में मेरी ही तरह मौत का सामना करने का ख्याल आया है, तो उसे छोड़ दो। मैं तुम्हें यह नहीं बताऊंगा कि मैं क्या करने वाला हूं, क्योंकि मुकदमे की सुनवाई तक तुम्हें काबू में रखने का यही एकमात्र तरीका है।”
डोमिनिक, अगर मुझे दोषी ठहराया जाता है, तो मैं चाहता हूँ कि तुम गेल के साथ रहो। मुझे इस बात की पूरी उम्मीद है। मैं चाहता हूँ कि तुम उसके साथ रहो और उसे हमारे बारे में कभी मत बताना, क्योंकि तुम दोनों को एक-दूसरे की ज़रूरत पड़ेगी।
और अगर आपको बरी कर दिया जाए तो?
“तो फिर...” उसने कमरे में चारों ओर नज़र घुमाई, जो वायनांड का शयनकक्ष था। “मैं इसे यहाँ नहीं कहना चाहता। लेकिन तुम जानते हो।”
"क्या तुम उससे बहुत प्यार करते हो?"
"हाँ।"
“बलिदान करने के लिए काफी है...”
वह मुस्कुराया। "जब से मैं पहली बार यहाँ आया हूँ, तब से तुम इसी बात से डरते रहे हो?"
"हाँ।"
उसने सीधे उसकी ओर देखा। "क्या तुम्हें लगता था कि ऐसा संभव है?"
"नहीं।"
“न तो यह मेरा काम है और न ही तुम्हारा, डोमिनिक। कभी नहीं। लेकिन मैं उसके लिए इतना तो कर सकता हूँ: अगर मुझे जाना पड़े तो मैं यह काम उसे सौंप सकता हूँ।”
आपको बरी कर दिया जाएगा।
मैं आपसे यह सुनना नहीं चाहता।
“अगर वे आपको दोषी ठहरा दें—अगर वे आपको जेल में डाल दें या जंजीरों में जकड़ दें—अगर वे हर गंदी खबर में आपका नाम बदनाम कर दें—अगर वे आपको फिर कभी कोई इमारत डिजाइन करने न दें—अगर वे मुझे फिर कभी आपसे मिलने न दें—तो भी कोई फ़र्क नहीं पड़ेगा। ज़्यादा नहीं। बस एक हद तक।”
"डोमिनिक, मैं सात साल से यही सुनने का इंतजार कर रही थी।"
उसने उसका हाथ पकड़ा, उसे ऊपर उठाया और अपने होठों से लगाया, और उसने महसूस किया कि उसके होठों का स्पर्श वहीं था जहाँ वायनांड के होठों का स्पर्श था।

फिर वह उठ खड़ा हुआ।
“मैं इंतज़ार करूंगी,” उसने कहा। “मैं चुप रहूंगी। मैं तुम्हारे पास नहीं आऊंगी। मैं वादा करती हूं।”
उसने मुस्कुराकर सिर हिलाया। फिर वह चला गया।
"ऐसा कभी-कभार ही होता है कि समझ से परे विश्व की शक्तियां एक ही घटना में केंद्रित हो जाती हैं, जैसे लेंस द्वारा एकत्रित किरणें एक बिंदु पर असाधारण चमक के साथ जमा हो जाती हैं, जिसे हम सभी देख सकते हैं।"
कॉर्टलैंड्ट की यह घटना घोर अन्याय का कारण है। यहाँ, एक सूक्ष्म उदाहरण में, हम उस बुराई को देख सकते हैं जिसने हमारे इस बेचारे ग्रह को जन्म से ही ब्रह्मांडीय कीचड़ में कुचल दिया है। एक व्यक्ति का अहंकार दया, मानवता और भाईचारे की तमाम अवधारणाओं के विरुद्ध है। एक व्यक्ति वंचितों के भविष्य के घर को नष्ट कर रहा है। एक व्यक्ति हजारों लोगों को झुग्गी-झोपड़ियों के भयानक माहौल, गंदगी, बीमारी और मौत के मुंह में धकेल रहा है। जब एक जागृत समाज ने, मानवीय कर्तव्य की नई भावना के साथ, वंचितों को बचाने का अथक प्रयास किया, जब समाज की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं ने उनके लिए एक सभ्य घर बनाने के लिए एकजुट होकर प्रयास किया—तब एक व्यक्ति के अहंकार ने दूसरों की उपलब्धियों को चकनाचूर कर दिया। और किसलिए? किसी अस्पष्ट व्यक्तिगत घमंड के लिए, किसी खोखले अहंकार के लिए। मुझे खेद है कि हमारे राज्य के कानून इस अपराध के लिए कारावास से अधिक कुछ भी नहीं देते। उस व्यक्ति को अपनी जान गंवानी चाहिए। समाज को हॉवर्ड रोर्क जैसे लोगों से छुटकारा पाने का अधिकार होना चाहिए।
एल्सवर्थ एम. टूहे ने न्यू फ्रंटियर्स के पन्नों में यही कहा था।
पूरे देश से उसकी आवाज़ें गूंज उठीं। कॉर्टलैंड में हुआ विस्फोट आधे मिनट तक चला। जनता का आक्रोश लगातार भड़कता रहा, हवा में प्लास्टर के चूर्ण का बादल छा गया, और उस बादल से कांच, जंग और कचरा बरसने लगा।
रोर्क पर ग्रैंड जूरी द्वारा आरोप लगाया गया था, और उसने "दोषी नहीं" होने की दलील दी थी।
और उन्होंने कोई अन्य बयान देने से इनकार कर दिया था। उन्हें गेल वायनांड द्वारा दी गई जमानत पर रिहा कर दिया गया था और वे मुकदमे की प्रतीक्षा कर रहे थे।
उनके मकसद को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई गईं। कुछ लोगों ने कहा कि यह पेशेवर ईर्ष्या थी। दूसरों ने कहा कि कॉर्टलैंड के डिजाइन और रोर्क की भवन निर्माण शैली में एक निश्चित समानता थी, कि कीटिंग, प्रेस्कॉट और वेब ने रोर्क से थोड़ा बहुत उधार लिया होगा - "एक वैध अनुकूलन" - "विचारों पर कोई संपत्ति अधिकार नहीं होता" - "लोकतंत्र में, कला सभी लोगों की होती है" -
और रोर्क को एक ऐसे कलाकार की प्रतिशोध की भावना ने प्रेरित किया था, जिसे लगता था कि उसकी रचना की नकल की गई है।
कुछ भी स्पष्ट नहीं था, लेकिन किसी को भी मकसद की ज्यादा परवाह नहीं थी। मामला सीधा-सादा था: एक आदमी बनाम कई लोग। उसे मकसद रखने का कोई हक नहीं था।
गरीबों के लिए दान से निर्मित एक घर। दस हजार वर्षों के उस इतिहास पर निर्मित, जिसमें मनुष्यों को यह सिखाया गया था कि दान और आत्म-बलिदान एक ऐसा अटल सत्य है जिस पर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता, सद्गुण की कसौटी है, परम आदर्श है। दस हजार वर्षों से सेवा और बलिदान की आवाजें गूंजती रही हैं।
—बलिदान जीवन का सर्वोपरि नियम है—सेवा करो या सेवा करवाओ—कुचल दो या कुचले जाओ—बलिदान महान है—इसका जो भी अर्थ निकाल सको, निकाल लो—सेवा करो और बलिदान करो—सेवा करते रहो और करते रहो...

इसके विपरीत—एक ऐसा व्यक्ति था जो न तो सेवा करना चाहता था और न ही शासन करना चाहता था।
और इस प्रकार उसने एकमात्र अक्षम्य अपराध किया था।
यह एक सनसनीखेज घोटाला था, और हमेशा की तरह शोर-शराबा और न्यायोचित क्रोध की भावना थी, जैसा कि सभी लिंचिंग में होता है।
लेकिन इस बारे में बोलने वाले हर व्यक्ति के आक्रोश में एक तीव्र, व्यक्तिगत भावना झलकती थी।
"वह तो बस एक अहंकारी व्यक्ति है जिसमें नैतिक भावना का कोई नामोनिशान नहीं है"—
एक चैरिटी बाज़ार के लिए तैयार हो रही समाज की महिला ने कहा, जो यह सोचने की हिम्मत भी नहीं कर पा रही थी कि अगर दान ही सर्व-क्षमाशील गुण न होता तो उसके पास आत्म-अभिव्यक्ति के कौन से साधन बचते और वह अपने दोस्तों पर अपना आडंबर कैसे थोप पाती।
—उस समाजसेवक ने कहा, जिसने जीवन में कोई लक्ष्य नहीं पाया था और अपनी आत्मा की बंजरता से कोई लक्ष्य उत्पन्न नहीं कर सका था, लेकिन सद्गुणों में लिप्त था और दूसरों के घावों पर अपनी उंगलियों के स्पर्श से सभी से अनायास ही सम्मान प्राप्त करता था—
—ये बातें उस उपन्यासकार ने कही थीं, जिसके पास सेवा और बलिदान के विषय को छीन लिए जाने पर कहने के लिए कुछ नहीं था; जो हज़ारों उपस्थित लोगों के सामने सिसकते हुए बोला था कि वह उनसे प्यार करता है और क्या वे भी बदले में उससे थोड़ा प्यार करेंगे।
—
—उस महिला स्तंभकार ने कहा जिसने अभी-अभी एक आलीशान हवेली खरीदी थी क्योंकि वह आम लोगों के बारे में बहुत ही कोमल भाव से लिखती थी।
-उन सभी छोटे लोगों ने कहा जो प्रेम के बारे में सुनना चाहते थे, महान प्रेम के बारे में, असीम प्रेम के बारे में, उस प्रेम के बारे में जो सब कुछ समाहित करता है, सब कुछ क्षमा करता है और उन्हें सब कुछ करने की अनुमति देता है—
—यह बात हर उस परोक्ष व्यक्ति ने कही जो दूसरों की आत्माओं पर परजीवी बनकर रहने के अलावा और किसी काम का नहीं था।
एल्सवर्थ टूही आराम से बैठ गए, देखते रहे, सुनते रहे और मुस्कुराते रहे।
गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट और गस वेब को डिनर और कॉकटेल पार्टियों में खूब दावतें दी गईं; उनके साथ आपदा पीड़ितों की तरह कोमल और उत्सुकतापूर्ण व्यवहार किया गया। उन्होंने कहा कि वे समझ नहीं पा रहे थे कि रोर्क का मकसद क्या हो सकता है, और उन्होंने न्याय की मांग की।
पीटर कीटिंग कहीं नहीं गए। उन्होंने प्रेस से मिलने से इनकार कर दिया। उन्होंने किसी से भी मिलने से इनकार कर दिया। लेकिन उन्होंने एक लिखित बयान जारी किया जिसमें उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि रोर्क दोषी नहीं हैं। उनके बयान में एक अजीब वाक्य था, आखिरी वाक्य। उसमें लिखा था: "उसे अकेला छोड़ दो, कृपया क्या तुम उसे अकेला नहीं छोड़ सकते?"
कौंसिल ऑफ अमेरिकन बिल्डर्स के प्रदर्शनकारी कॉर्ड बिल्डिंग के सामने धरना दे रहे थे। इसका कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि रोर्क के कार्यालय में कोई काम नहीं था। जिन परियोजनाओं पर उन्हें काम शुरू करना था, वे रद्द हो चुकी थीं।
यह एकजुटता थी। नवयुवती अपने पैरों के नाखूनों की पेडीक्योर करवा रही थी—ठेले से गाजर खरीदती गृहिणी—वह लेखिका जो पियानोवादक बनना चाहती थी, लेकिन बहन का खर्च उठाने का बहाना बना बैठी थी

—वह व्यापारी जो अपने व्यवसाय से घृणा करता था—वह मजदूर जो अपने काम से घृणा करता था—वह बुद्धिजीवी जो हर किसी से घृणा करता था—ये सभी एक समान क्रोध के आनंद में भाईचारे से एकजुट थे, जो ऊब को दूर करता था और उन्हें आत्म-विश्राम से बाहर निकालता था, और वे भली-भांति जानते थे कि आत्म-विश्राम से बाहर निकलना कितना बड़ा आशीर्वाद था। पाठक इस बात से एकमत थे।
प्रेस की राय एकमत थी।
गेल वायनांड ने विपरीत दिशा में जाने का फैसला किया।
“गेल!” अल्वाह स्कारेट हांफते हुए बोली। “हम डायनामाइट से हमला करने वाले का बचाव नहीं कर सकते!”
"शांत रहो, अल्वाह," वायनांड ने कहा था, "इससे पहले कि मैं तुम्हारे दांत तोड़ दूं।"
गेल वायनांड अपने कार्यालय के बीचोंबीच अकेले खड़े थे, उनका सिर पीछे की ओर झुका हुआ था, उन्हें जीने की खुशी थी, ठीक वैसे ही जैसे वे किसी अंधेरी रात में एक घाट पर खड़े होकर शहर की रोशनी का सामना कर रहे हों।
बैनर में बड़े अक्षरों में "गेल वायनांड" के हस्ताक्षर वाले एक संपादकीय में लिखा था,
"हमारे चारों ओर चल रहे इस घिनौने शोर-शराबे में, किसी को भी यह याद नहीं है कि हॉवर्ड रोर्क ने अपनी मर्ज़ी से आत्मसमर्पण किया था। अगर उसने वह इमारत उड़ाई थी, तो क्या उसे गिरफ़्तार होने के लिए घटनास्थल पर रुकना ज़रूरी था? लेकिन हम उसके कारणों का पता लगाने का इंतज़ार नहीं करते। हमने बिना सुनवाई के ही उसे दोषी ठहरा दिया है। हम चाहते हैं कि वह दोषी हो। हम इस मामले से खुश हैं। जो आप सुन रहे हैं वह आक्रोश नहीं है - यह जीत का जश्न है। कोई भी अनपढ़ पागल, कोई भी निकम्मा मूर्ख जो कोई घिनौना कत्ल करता है, उसे हमारी ओर से सहानुभूति की चीखें मिलती हैं और मानवतावादियों की एक सेना खड़ी हो जाती है। लेकिन एक प्रतिभाशाली व्यक्ति परिभाषा के अनुसार दोषी होता है। यह सच है कि किसी व्यक्ति को केवल इसलिए दोषी ठहराना एक घोर अन्याय है क्योंकि वह कमज़ोर और छोटा है। एक समाज किस हद तक पतित हो गया है जब वह किसी व्यक्ति को केवल इसलिए दोषी ठहराता है क्योंकि वह मज़बूत और महान है? हालाँकि, यही हमारे इस सदी का पूरा नैतिक वातावरण है - इस सदी का घटिया दर्जे का।"
"हम अक्सर यह सुनते हैं कि हॉवर्ड रोर्क अपना पूरा करियर अदालतों में आने-जाने में बिताते हैं। खैर, यह सच है।" एक अन्य वायनांड संपादकीय में कहा गया, "
रोर्क जैसा व्यक्ति जीवन भर समाज के समक्ष कटघरे में खड़ा रहता है। इससे किसे दोषी ठहराया जा सकता है—रोर्क को या समाज को?
“हमने कभी यह समझने की कोशिश नहीं की कि मनुष्य में महानता क्या है और उसे कैसे पहचाना जाए,” वायनांड के एक अन्य संपादकीय में कहा गया। “हम एक तरह के भावुक भ्रम में पड़कर यह मान बैठे हैं कि महानता का मापन आत्म-बलिदान से होता है। हम लार टपकाते हुए कहते हैं कि आत्म-बलिदान ही परम सद्गुण है। ज़रा रुककर एक पल के लिए सोचिए। क्या बलिदान एक सद्गुण है? क्या कोई मनुष्य अपनी ईमानदारी, अपने सम्मान, अपनी स्वतंत्रता, अपने आदर्श, अपने विश्वास, अपनी भावनाओं की सच्चाई, अपने विचारों की स्वतंत्रता का बलिदान कर सकता है? लेकिन ये मनुष्य की सर्वोच्च संपत्ति हैं। इनके लिए जो कुछ भी वह त्यागता है, वह बलिदान नहीं बल्कि एक आसान सौदा है। ये किसी भी कारण या विचार के लिए बलिदान करने से परे हैं। तो क्या हमें इस खतरनाक और दुष्ट बकवास का प्रचार करना बंद नहीं कर देना चाहिए? आत्म-बलिदान? लेकिन असल में यह स्वयं ही है जिसका बलिदान नहीं किया जा सकता और न ही किया जाना चाहिए। मनुष्य में हमें सबसे बढ़कर उस निःस्वार्थ स्वयं का सम्मान करना चाहिए जिसका बलिदान नहीं किया गया है।”
इस संपादकीय को न्यू फ्रंटियर्स और कई अन्य समाचार पत्रों में उद्धृत किया गया था, और इसे "देखो कौन बोल रहा है!" शीर्षक के अंतर्गत एक बॉक्स में पुनः प्रकाशित

किया गया था।
गेल वायनांड हंस पड़ीं। प्रतिरोध ने उन्हें ऊर्जा दी और उन्हें मजबूत बनाया।
यह एक युद्ध था, और उन्होंने वर्षों से किसी वास्तविक युद्ध में भाग नहीं लिया था, उस समय से नहीं जब उन्होंने पूरे पेशे के विरोध के बीच अपने साम्राज्य की नींव रखी थी। उन्हें असंभव को संभव करने का अवसर मिला था, हर इंसान का सपना: युवावस्था का अवसर और जोश, जिसे अनुभव की बुद्धिमत्ता के साथ इस्तेमाल किया जा सके। एक नई शुरुआत और एक चरम बिंदु, एक साथ। उन्होंने सोचा, मैंने इसी का इंतजार किया है और इसी के लिए जिया है।
उनके बाईस अखबारों, पत्रिकाओं और न्यूज़रीलों को यह आदेश दिया गया: रोर्क का बचाव करो। रोर्क को जनता के सामने पेश करो। लिंचिंग को रोको।
“तथ्य चाहे जो भी हों,” वायनांड ने अपने कर्मचारियों को समझाया, “यह तथ्यों पर आधारित परीक्षण नहीं होगा। यह जनमत पर आधारित परीक्षण होगा। हम हमेशा जनमत बनाते आए हैं। चलिए, जनमत बनाते हैं। रोर्क को बेचिए। मुझे परवाह नहीं कि आप कैसे बेचते हैं। मैंने आपको प्रशिक्षित किया है। आप बेचने में माहिर हैं। अब मुझे दिखाइए कि आप कितने कुशल हैं।”
उसका स्वागत सन्नाटे से हुआ, और उसके कर्मचारियों ने एक-दूसरे की ओर देखा। अल्वाह स्कारेट ने अपना माथा पोंछा। लेकिन उन्होंने आज्ञा का पालन किया।
बैनर अखबार ने एनराइट हाउस की एक तस्वीर छापी, जिसके साथ कैप्शन था: "क्या यही वह व्यक्ति है जिसे आप नष्ट करना चाहते हैं?" वायनांड के घर की एक तस्वीर: "अगर आप इसकी बराबरी कर सकते हैं, तो करें।" मोनाड्नॉक घाटी की एक तस्वीर: "क्या यही वह व्यक्ति है जिसने समाज में कोई योगदान नहीं दिया है?"
द बैनर ने रोर्क की जीवनी प्रकाशित की, जिसे एक ऐसे लेखक के नाम से छापा गया था जिसका नाम किसी ने कभी नहीं सुना था; इसे गेल वायनांड ने लिखा था। द बैनर ने उन प्रसिद्ध मुकदमों पर एक श्रृंखला प्रकाशित की जिनमें निर्दोष लोगों को तत्कालीन बहुमत के पूर्वाग्रह के कारण दोषी ठहराया गया था। द बैनर ने समाज द्वारा शहीद किए गए लोगों पर लेख प्रकाशित किए: सुकरात, गैलीलियो, पाश्चर, विचारक, वैज्ञानिक, एक लंबी, वीर पंक्ति—प्रत्येक एक ऐसा व्यक्ति जो अद्वितीय था, वह व्यक्ति जिसने समाज के विरुद्ध विद्रोह किया।
“लेकिन, गेल, भगवान के लिए, गेल, यह एक आवास परियोजना थी!” अल्वाह स्कार्रेट विलाप करते हुए बोली।
वायनांड ने असहाय होकर उसकी ओर देखा: "मुझे लगता है कि तुम जैसे मूर्खों को यह समझाना असंभव है कि इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। ठीक है। हम आवास परियोजनाओं के बारे में बात करेंगे।"
बैनर अखबार ने आवास घोटाले का पर्दाफाश किया: भ्रष्टाचार, अक्षमता, निजी बिल्डर की तुलना में पांच गुना अधिक लागत पर बनी इमारतें, बनी और छोड़ी गई बस्तियां, और परोपकार की आड़ में स्वीकार किया गया, सराहा गया, माफ किया गया और संरक्षित किया गया भयानक प्रदर्शन। बैनर ने लिखा, "कहा जाता है कि अच्छे इरादों से नरक का रास्ता खुलता है। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि हम कभी यह पहचानना नहीं सीख पाए कि अच्छे इरादे क्या होते हैं? क्या अब सीखने का समय नहीं आ गया है? दुनिया में इतने अच्छे इरादे इतने जोर-शोर से पहले कभी नहीं दिखाए गए। और इसे देखिए।"
बैनर के संपादकीय गेल वायनांड द्वारा रचना कक्ष में एक मेज पर खड़े होकर लिखे जाते थे, हमेशा की तरह एक बड़े कागज पर, नीली पेंसिल से, एक इंच ऊंचे अक्षरों में। वे अंत में G W को जोर से लिखते थे, और उन प्रसिद्ध अक्षरों में पहले कभी इतना गर्व और बेपरवाही का भाव नहीं था।
डोमिनिक ठीक हो गई थी और अपने कंट्री हाउस लौट आई थी।

वायनांड देर शाम घर लौटे। वे जितना हो सके रोर्क को अपने साथ लाते थे। वे बैठक कक्ष में खिड़कियाँ खुली रखकर बसंत की रात में साथ बैठे थे। घर की दीवारों के नीचे से पहाड़ी की अंधेरी चोटियाँ धीरे-धीरे झील की ओर ढलान बना रही थीं, और दूर नीचे पेड़ों के बीच से झील चमक रही थी। उन्होंने न तो मुकदमे की बात की और न ही आने वाले मुक़दमे की। लेकिन वायनांड ने अपने अभियान के बारे में, बेपरवाही से, लगभग ऐसे बात की जैसे रोर्क को इससे कोई लेना-देना ही न हो। वायनांड कमरे के बीच में खड़े होकर बोले:
“ठीक है, बैनर का पूरा इतिहास घिनौना था। लेकिन इससे सब कुछ सही साबित हो जाएगा। डोमिनिक, मुझे पता है कि तुम कभी समझ नहीं पाईं कि मुझे अपने अतीत पर शर्म क्यों नहीं आई। मैं बैनर से इतना प्यार क्यों करता हूँ। अब तुम्हें जवाब मिल जाएगा। सत्ता। मेरे पास ऐसी सत्ता है जिसे मैंने कभी आज़माया नहीं। अब तुम इसे आजमाओगी। वे वही सोचेंगे जो मैं चाहता हूँ। वे वही करेंगे जो मैं कहूँगा। क्योंकि यह मेरा शहर है और यहाँ सब कुछ मैं ही चलाती हूँ। हॉवर्ड, जब तक तुम्हारा मुकदमा चलेगा, मैं उन सबको इस तरह उलझा दूँगा कि कोई जूरी तुम्हें दोषी ठहराने की हिम्मत ही नहीं करेगी।”
उन्हें रात को नींद नहीं आती थी। उन्हें सोने की बिल्कुल इच्छा नहीं होती थी। वे रोर्क और डोमिनिक से कहते, “जाओ बिस्तर पर, मैं कुछ मिनटों में ऊपर आ जाता हूँ।” फिर, डोमिनिक अपने शयनकक्ष से और रोर्क हॉल के पार अतिथि कक्ष से, घंटों तक वायनांड के कदमों की आहट को छत पर सुनते रहते, उस आहट में एक तरह की आनंदमय बेचैनी होती, हर कदम मानो एक वाक्य हो, मानो ज़मीन पर उकेरा गया एक कथन हो।
एक बार, जब वायनांड ने उन्हें देर रात छुट्टी दे दी, तो रोर्क और डोमिनिक एक साथ सीढ़ियों से ऊपर गए और पहली मंजिल पर रुक गए; उन्होंने नीचे बैठक में माचिस की एक जोरदार चटकने की आवाज सुनी, एक ऐसी आवाज जिसने उनके मन में एक ऐसे हाथ की तस्वीर बना दी जिसे लापरवाही से झटका दिया गया था, जिससे सुबह तक चलने वाली सिगरेटों में से पहली सिगरेट जलाई जा रही थी, आग का एक छोटा सा बिंदु सीढ़ियों की धमक के साथ छत पर बार-बार आ-जा रहा था।
उन्होंने सीढ़ियों की ओर देखा और फिर एक दूसरे की ओर देखा।
"यह बहुत भयानक है," डोमिनिक ने कहा।
रोर्क ने कहा, "यह बहुत बढ़िया है।"
"वह चाहे कुछ भी कर ले, तुम्हारी मदद नहीं कर सकता।"
मुझे पता है कि वह ऐसा नहीं कर सकता। मुद्दा यह नहीं है।
“वह तुम्हें बचाने के लिए अपनी हर चीज दाँव पर लगा रहा है। उसे नहीं पता कि अगर तुम बच गई तो वह मुझे खो देगा।”
“डोमिनिक, उसके लिए क्या ज़्यादा बुरा होगा—तुम्हें खोना या अपने अभियान को खोना?” उसने सहमति में सिर हिलाया। उसने आगे कहा: “तुम जानती हो कि वह मुझे बचाना नहीं चाहता। मैं तो बस एक बहाना हूँ।”
उसने अपना हाथ उठाया। उसने उसकी गाल की हड्डी को छुआ, उंगलियों का हल्का सा स्पर्श। वह खुद को और कुछ करने की अनुमति नहीं दे सकती थी। वह मुड़ी और अपने बेडरूम की ओर चली गई, और उसने उसे अतिथि कक्ष का दरवाजा बंद करते हुए सुना।
लैंसलॉट क्लोकी ने एक सिंडिकेटेड लेख में लिखा, “क्या यह उचित नहीं है कि हॉवर्ड रोर्क का बचाव वायनांड अखबार कर रहे हैं? अगर किसी को इस भयावह मामले में शामिल नैतिक मुद्दों पर संदेह है, तो यहाँ स्पष्ट सबूत है कि कौन किसका पक्ष ले रहा है। वायनांड अखबार—पीली पत्रकारिता, अश्लीलता, भ्रष्टाचार और कीचड़ उछालने का गढ़, सार्वजनिक रुचि और शालीनता का संगठित अपमान, एक ऐसा बौद्धिक गलियारा

जिस पर एक ऐसे व्यक्ति का राज़ है जिसके सिद्धांतों की समझ एक नरभक्षी से भी कम है—वायनांड अखबार ही हॉवर्ड रोर्क के असली समर्थक हैं, और हॉवर्ड रोर्क उनके सच्चे नायक हैं। प्रेस की ईमानदारी पर जीवन भर प्रहार करने के बाद, यह उचित ही है कि गेल वायनांड अब एक और भी क्रूर साथी का समर्थन करें।"
"ये सारी बड़ी-बड़ी बातें जो चल रही हैं," गस वेब ने एक सार्वजनिक भाषण में कहा, "सब बकवास है। सीधी बात ये है। उस वायनांड ने रियल एस्टेट के धंधे में सालों से भोले-भाले लोगों को लूटकर खूब पैसा जमा किया है, और मेरा मतलब है बहुत सारा। क्या उसे ये अच्छा लगता है जब सरकार दखल देकर उसे बाहर निकाल देती है, ताकि छोटे-मोटे लोग आराम से रह सकें?"
क्या उन्हें रहने के लिए एक साफ छत और उनके बच्चों के लिए एक आधुनिक घर मिल पाएगा?
आप यकीन मानिए, उसे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। यह उन दोनों, वायनांड और उसके उस लाल बालों वाले प्रेमी के बीच की मिलीभगत है, और अगर आप मुझसे पूछें तो उस प्रेमी ने यह काम करवाने के लिए मिस्टर वायनांड से अच्छी खासी रकम ली है।
एक कट्टरपंथी अखबार ने लिखा, "हमें एक विश्वसनीय सूत्र से पता चला है कि कॉर्टलैंड्ट अमेरिका में हर आवासीय परियोजना, हर सार्वजनिक बिजली संयंत्र, डाकघर और स्कूल भवन को उड़ाने की एक विशाल साजिश का सिर्फ पहला कदम था। जैसा कि हम देख सकते हैं, इस साजिश का नेतृत्व गेल वायनांड और उनके जैसे अन्य लालची पूंजीपति कर रहे हैं, जिनमें हमारे कुछ सबसे बड़े धनवान भी शामिल हैं।"
"इस मामले के नारीवादी पहलू पर बहुत कम ध्यान दिया गया है," सैली ब्रेंट ने न्यू फ्रंटियर्स में लिखा। "श्रीमती गेल वायनांड की भूमिका कम से कम बेहद संदिग्ध है। क्या यह महज़ एक अजीब संयोग नहीं है कि श्रीमती वायनांड ने ही ठीक समय पर चौकीदार को भेज दिया? और अब उनके पति श्री रोर्क का बचाव करने के लिए हंगामा कर रहे हैं? अगर हम तथाकथित खूबसूरत महिला के मामले में शिष्टाचार की एक मूर्खतापूर्ण, बेतुकी, पुराने ज़माने की भावना से अंधे न होते, तो हम इस मामले के उस हिस्से को दबाने नहीं देते। अगर हम श्रीमती वायनांड की सामाजिक स्थिति और उनके पति की तथाकथित प्रतिष्ठा से प्रभावित न होते—जो खुद को पूरी तरह से मूर्ख साबित कर रहे हैं —
हम उस कहानी के बारे में कुछ सवाल पूछेंगे जिसमें कहा गया है कि वह उस आपदा में बाल-बाल बची थी। हमें कैसे पता चला कि वह सच में बाल-बाल बची थी? डॉक्टरों को भी किसी और की तरह खरीदा जा सकता है, और श्री गेल वायनांड ऐसे मामलों के विशेषज्ञ हैं। अगर हम इन सब बातों पर गौर करें, तो हमें शायद कुछ ऐसा दिखाई देगा जो जीने का एक बेहद घिनौना तरीका लगता है।
एक शांत, रूढ़िवादी अखबार ने लिखा, "वायनांड प्रेस द्वारा लिया गया रुख समझ से परे और शर्मनाक है।"
बैनर का वितरण सप्ताह दर सप्ताह घटता गया, गिरावट की गति तेज़ होती गई, मानो कोई लिफ्ट नियंत्रण से बाहर हो गई हो। दीवारों, मेट्रो के खंभों, कार के शीशों और कोट के कॉलर पर "हम वायनांड नहीं पढ़ते" लिखे स्टिकर और बटन लगने लगे। वायनांड की समाचार रीलें सिनेमाघरों में दर्शकों की हूटिंग का शिकार होने लगीं। बैनर नुक्कड़ के समाचार स्टालों से गायब हो गया; समाचार विक्रेताओं को इसे रखना तो पड़ता था, लेकिन वे इसे अपने काउंटरों के नीचे छिपाकर रखते थे और अनिच्छा से, केवल अनुरोध करने पर ही निकालते थे।
जमीन तैयार हो चुकी थी, खंभे बहुत पहले ही गल चुके थे; कॉर्टलैंड मामले ने अंतिम प्रभाव डाला।
गेल वायनांड के खिलाफ आक्रोश के तूफान में रोर्क लगभग भुला दिए गए थे। सबसे तीखे विरोध वायनांड के अपने ही समर्थकों की ओर से आए: महिला क्लबों, पादरियों,

माताओं और छोटे दुकानदारों की ओर से। अल्वाह स्कारेट को उस कमरे से दूर रखना पड़ा जहाँ संपादक को लिखे पत्रों से भरी टोकरियाँ प्रतिदिन भरी जाती थीं; वे पत्रों को पढ़कर शुरुआत करते थे—और उनके सहकर्मी मित्रों ने इस अनुभव की पुनरावृत्ति को रोकने का बीड़ा उठाया, क्योंकि उन्हें स्ट्रोक का डर था।
बैनर के कर्मचारी खामोशी से काम कर रहे थे। अब न तो कोई चोरी-छिपे देख रहा था, न ही फुसफुसाकर गालियां दे रहा था, और न ही वाशरूम में कोई गपशप हो रही थी। कुछ लोगों ने इस्तीफ़ा दे दिया। बाकी लोग धीरे-धीरे, भारी मन से काम करते रहे, मानो जीवनरक्षक बेल्ट बांधे हुए लोग अपरिहार्य की प्रतीक्षा कर रहे हों।
गेल वायनांड ने अपने आस-पास की हर गतिविधि में एक तरह की धीमी गति महसूस की। जब वह बैनर बिल्डिंग में दाखिल हुए, तो उनके कर्मचारी उन्हें देखते ही रुक गए; जब उन्होंने उन्हें सिर हिलाकर अभिवादन किया, तो उनका अभिवादन एक पल की देरी से आया; जब वह आगे बढ़े और मुड़े, तो उन्होंने पाया कि वे उन्हें घूर रहे थे। "जी श्रीमान वायनांड," जो हमेशा उनके आदेशों का उत्तर बिना किसी क्षणिक अंतराल के देता था, अब देर से आता था, और उस विराम का एक स्पष्ट आकार था, जिससे उत्तर एक ऐसे वाक्य की तरह लगता था जिसके आगे प्रश्नचिह्न नहीं बल्कि प्रश्नचिह्न लगा हो।
“वन स्मॉल वाइस” ने कॉर्टलैंड मामले पर चुप्पी साध रखी थी। विस्फोट के अगले दिन, वायनांड ने टूही को अपने कार्यालय में बुलाया और कहा: “सुनो, तुम। तुम्हारे कॉलम में एक शब्द भी नहीं। समझे?”
बाहर तुम जो भी करो या चिल्लाओ, उससे मुझे कोई लेना-देना नहीं है—फिलहाल। लेकिन अगर तुम बहुत ज्यादा चिल्लाओगे, तो ये सब खत्म होने के बाद मैं तुम्हारी देखभाल करूंगा।
जी हां, श्री वायनांड।
"जहां तक आपके कॉलम का सवाल है, आप बहरे, गूंगे और अंधे हैं।"
आपने कभी किसी विस्फोट के बारे में नहीं सुना। आपने कभी रोर्क नाम के किसी व्यक्ति के बारे में नहीं सुना। आपको नहीं पता कि कॉर्टलैंड शब्द का क्या अर्थ है। जब तक आप इस इमारत में हैं, तब तक आपको कुछ नहीं पता।
जी हां, श्री वायुनांड।
और मुझे यहां तुम्हारे बहुत ज्यादा दिखने मत देना।
जी हां, श्री वायनांड।
वायनांड के वकील, जो उनके पुराने मित्र थे और वर्षों से उनकी सेवा कर रहे थे, ने उन्हें रोकने की कोशिश की।
“गेल, क्या बात है? तुम बच्चे की तरह व्यवहार कर रहे हो। बिल्कुल नौसिखिया की तरह। खुद को संभालो यार।”
"चुप रहो," वायनांड ने कहा।
"गैल, आप... आप धरती पर सबसे महान पत्रकार थे।"
क्या मुझे आपको यह बात दोहराने की ज़रूरत है जो स्पष्ट है? किसी भी अलोकप्रिय मुद्दे को उठाना किसी के लिए भी खतरनाक होता है। एक लोकप्रिय अखबार के लिए तो यह आत्महत्या के समान है।
"अगर तुमने अपना मुंह बंद नहीं किया, तो मैं तुम्हें यहां से निकाल दूंगा और अपने लिए एक और धोखेबाज़ ढूंढ लूंगा।"
वायनांड ने व्यापारिक भोज और रात्रिभोजों में मिलने वाले प्रमुख व्यक्तियों के साथ इस मामले पर बहस शुरू की। उन्होंने इससे पहले कभी किसी विषय पर बहस नहीं की थी; उन्होंने कभी पैरवी नहीं की थी। उन्होंने केवल सम्मानपूर्वक सुनने वालों के सामने अपने अंतिम बयान रखे थे। अब उन्हें कोई सुनने वाला नहीं मिला।
उसे उदासीन सन्नाटा मिला, आधा ऊबा हुआ, आधा आक्रोश से भरा। जो लोग शेयर बाजार, रियल एस्टेट, विज्ञापन, राजनीति के बारे में उसके कहे हर शब्द को इकट्ठा

करते थे, उन्हें कला, महानता और अमूर्त न्याय पर उसकी राय में कोई दिलचस्पी नहीं थी।
उन्होंने कुछ उत्तर सुने:
“जी गेल, जी हाँ, बिल्कुल। लेकिन दूसरी तरफ, मुझे लगता है कि उस आदमी का यह काम बेहद स्वार्थपूर्ण था। और यही आज की दुनिया की समस्या है—”
स्वार्थ। हर जगह हद से ज़्यादा स्वार्थ। लैंसलॉट क्लोकी ने अपनी किताब में यही कहा है—शानदार किताब, उनके बचपन के बारे में, आपने इसे पढ़ा होगा, क्लोकी के साथ अपनी तस्वीर देखी होगी। क्लोकी ने पूरी दुनिया घूमी है, उन्हें इस विषय की पूरी जानकारी है।
"हां, गेल, लेकिन क्या तुम इस बारे में थोड़ी पुरानी सोच वाली नहीं हो? ये सब 'महान पुरुष' वाली बातें क्या हैं? एक साधारण राजमिस्त्री में महानता जैसी क्या बात है?"
आखिर महान कौन है? हम सब तो बस ग्रंथियों, रसायनों और नाश्ते में खाए गए पदार्थों का ढेर हैं। मुझे लगता है कि लोइस कुक ने उस खूबसूरत छोटी सी किताब में इसे बहुत अच्छे से समझाया है—उसका नाम क्या है?—जी हाँ, दे गैलंट गॉलस्टोन। जी हाँ। आपके अपने बैनर अखबार ने उस छोटी सी किताब का जमकर प्रचार किया था। लेकिन देखो, गेल, उसे अपने बारे में सोचने से पहले दूसरों के बारे में सोचना चाहिए था। मुझे लगता है कि अगर किसी के दिल में प्यार नहीं है तो वह अच्छा इंसान नहीं बन सकता। मैंने यह बात कल रात एक नाटक में सुनी थी—वह बहुत ही शानदार नाटक था—आइके का नया नाटक—पता नहीं उसका सरनेम क्या है?—तुम्हें उसे देखना चाहिए—तुम्हारे अपने जूल्स फोगलर ने कहा था कि यह एक साहसी और कोमल मंच कविता है।
“गेल, आपने बहुत अच्छी बात कही है, और मुझे इसके खिलाफ कुछ कहना नहीं आता। मुझे नहीं पता कि आप कहाँ गलत हैं, लेकिन मुझे यह सही नहीं लगता, क्योंकि एल्सवर्थ टूही—अब मुझे गलत मत समझिएगा, मैं टूही के राजनीतिक विचारों से बिल्कुल सहमत नहीं हूँ। मैं जानता हूँ कि वह एक कैटरपिलर हैं, लेकिन दूसरी तरफ आपको यह भी माननी पड़ेगी कि वह एक महान आदर्शवादी हैं जिनका दिल घर जितना बड़ा है—खैर, एल्सवर्थ टूही ने कहा था...”
ये वे करोड़पति, बैंकर, उद्योगपति और व्यवसायी थे जिन्हें यह समझ नहीं आ रहा था कि दुनिया नरक की ओर क्यों जा रही है, जैसा कि वे अपने सभी लंच भाषणों में विलाप करते थे।
एक सुबह जब वायनांड बैनर बिल्डिंग के सामने अपनी कार से उतरे, तो फुटपाथ पार करते ही एक महिला उनकी ओर दौड़ी। वह प्रवेश द्वार पर इंतज़ार कर रही थी। वह मोटी और अधेड़ उम्र की थी। उसने एक मैली सूती पोशाक और एक पिचकी हुई टोपी पहन रखी थी। उसका चेहरा पीला और लटका हुआ था, होंठ बेढंगे थे और उसकी आँखें काली, गोल और चमकदार थीं। वह गेल वायनांड के सामने खड़ी हुई और उसने सड़े हुए चुकंदर के पत्तों का एक गुच्छा उनके चेहरे पर फेंक दिया। उसमें चुकंदर नहीं थे, बस मुलायम और चिपचिपे पत्ते थे, जो एक डोरी से बंधे थे। वे उनके गाल पर लगे और लुढ़कते हुए फुटपाथ पर गिर गए।
वायनांड वहीं स्थिर खड़ा रहा। उसने उस स्त्री को देखा। उसने सफ़ेद मांस, विजय के भाव से खुला हुआ मुँह और आत्म-धर्मी दुष्ट चेहरे को देखा। राहगीरों ने उस स्त्री को पकड़ लिया था और वह असहनीय अपशब्द चिल्ला रही थी। वायनांड ने अपना हाथ उठाया, सिर हिलाया, उन्हें उस स्त्री को छोड़ने का इशारा किया और अपने गाल पर हरे-पीले रंग का धब्बा लिए बैनर बिल्डिंग में चला गया।
“एल्सवर्थ, अब हम क्या करेंगे?” अल्वाह स्कारेट ने कराहते हुए कहा।
"हम क्या करने जा रहे हैं?"

एल्सवथ टूही अपनी डेस्क के किनारे पर बैठा था और ऐसे मुस्कुरा रहा था मानो वह अल्वा स्कीरेट को चूमना चाहता हो।
“एल्सवर्थ, ये लोग इस मामले को क्यों नहीं छोड़ देते? ऐसा क्यों नहीं होता कि कुछ गड़बड़ हो जाए और ये खबर अखबारों के पहले पन्ने से हट जाए? क्या हम कोई अंतरराष्ट्रीय मुद्दा नहीं खड़ा कर सकते? मैंने अपनी पूरी जिंदगी में लोगों को इतनी छोटी सी बात पर इतना हंगामा करते कभी नहीं देखा। ये तो धमाका करने जैसा मामला है! हे भगवान, एल्सवर्थ, ये तो पिछले पन्ने की खबर है। हमें तो हर महीने ऐसी खबरें मिलती हैं, लगभग हर हड़ताल के साथ, याद है ना?—फर व्यापारियों की हड़ताल, ड्राई क्लीनर्स की हड़ताल... अरे छोड़ो! ये सब हंगामा क्यों? किसे परवाह है?”
उन्हें इसकी परवाह क्यों है?
“अल्वाह, ऐसे मौके भी आते हैं जब असल मुद्दे दिखने में जो लगते हैं, उससे बिल्कुल अलग होते हैं। जनता की प्रतिक्रिया हद से ज़्यादा लगती है, पर ऐसा नहीं होता। तुम्हें इतना उदास नहीं होना चाहिए। मुझे तुम पर हैरानी हो रही है। तुम्हें तो अपनी किस्मत का शुक्रगुजार होना चाहिए। देखो, सही समय का इंतज़ार करने का मेरा यही मतलब था। सही समय हमेशा आता है। हालांकि, मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि वो मुझे थाली में परोसकर मिल जाएगा। हिम्मत रखो, अल्वाह। यहीं से हम कमान संभालेंगे।”
“किस बात का अधिग्रहण?”
"वायनैंड के कागजात।"
“तुम पागल हो, एल्सवर्थ। उन सब की तरह। तुम पागल हो। तुम्हारा क्या मतलब है? गेल के पास इक्यावन प्रतिशत हिस्सेदारी है...”
“अल्वाह, मैं तुमसे प्यार करती हूँ। तुम अद्भुत हो, अल्वाह। मैं तुमसे प्यार करती हूँ, लेकिन काश तुम इतने मूर्ख न होते, तो मैं तुमसे बात कर पाती! काश मैं किसी से बात कर पाती।”
एक शाम एल्सवर्थ टूही ने गस वेब से बात करने की कोशिश की, लेकिन निराशा हाथ लगी। गस वेब ने धीमी आवाज़ में कहा:
“एल्सवर्थ, तुम्हारी समस्या ये है कि तुम बहुत ज़्यादा रोमांटिक हो। हद से ज़्यादा दार्शनिक। ये सब किस बात पर इतरा रहे हो? इस चीज़ का कोई व्यावहारिक मूल्य नहीं है। एक-दो हफ़्ते के अलावा इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है जिस पर तुम ध्यान दे सको। काश उसने इसे तब उड़ा दिया होता जब इसमें बहुत सारे लोग थे—कुछ बच्चे टुकड़े-टुकड़े हो गए होते—तब कुछ तो होता। तब मुझे ये पसंद आता। आंदोलन को इसकी ज़रूरत थी। लेकिन ये? धिक्कार है, वे इस मूर्ख को जेल भेज देंगे और बात खत्म। तुम —एक यथार्थवादी? तुम बुद्धिजीवियों के एक असाध्य नमूने हो, एल्सवर्थ, बस इतना ही। तुम्हें लगता है कि तुम भविष्य के आदमी हो? खुद को धोखा मत दो, प्रिय। मैं हूँ।”
टूही ने आह भरी। "तुम सही कह रहे हो, गस," उसने कहा।
XIV
“आपकी मेहरबानी के लिए धन्यवाद, श्री टूही,” श्रीमती कीटिंग ने कहा।
विनम्रता से। “मुझे खुशी है कि आप आए। मुझे नहीं पता कि पेटी का क्या करूं। वह किसी से मिलना नहीं चाहता। वह अपने ऑफिस भी नहीं जाता। मैं डरी हुई हूं, मिस्टर टूही।”
मुझे माफ़ कर दीजिए, मुझे शिकायत नहीं करनी चाहिए। शायद आप उसकी मदद कर सकें, उसे इस स्थिति से बाहर निकाल सकें।
वह आपके बारे में बहुत अच्छा सोचते हैं, श्री टूही।
“हां, मुझे यकीन है। वह कहां है?”
“बिल्कुल यहीं। उनके कमरे में। इस तरफ़ आइए, मिस्टर टूही।”
यह दौरा अप्रत्याशित था। टूही कई वर्षों से यहां नहीं आए थे।

श्रीमती कीटिंग बहुत आभारी महसूस कर रही थीं। वह गलियारे में आगे-आगे चलीं और बिना दस्तक दिए एक दरवाजी खोल दिया, आगंतुक के आने की सूचना देने से डर रही थीं, अपने बेटे के इनकार से डर रही थीं। उन्होंने उत्साह से कहा:
“देखो, पेटी, देखो तुम्हारे लिए मेरे पास कितना शानदार मेहमान है!”
कीटिंग ने अपना सिर उठाया। वह एक अस्त-व्यस्त मेज पर बैठा था, एक छोटी सी बूँद के नीचे झुका हुआ था जिससे हल्की रोशनी आ रही थी; वह अखबार से फाड़ी गई एक क्रॉसवर्ड पहेली हल कर रहा था। मेज पर एक लंबा गिलास था, जिसके किनारे पर टमाटर के रस का सूखा लाल धब्बा था; एक डिब्बा जिसमें एक पहेली थी; ताश के पत्तों का एक डेक; एक बाइबल।
“हेलो, एल्सवर्थ,” उसने मुस्कुराते हुए कहा। वह उठने के लिए आगे झुका, लेकिन आधे रास्ते में ही कोशिश करना भूल गया।
श्रीमती कीटिंग ने मुस्कान देखी और राहत की सांस लेते हुए जल्दी से बाहर निकल गईं और दरवाजा बंद कर दिया।
मुस्कान पूरी तरह से नहीं खिली। यह स्मृति की सहज प्रतिक्रिया थी। फिर उसे कई ऐसी बातें याद आईं जिन्हें वह समझने की कोशिश नहीं कर रहा था।
“हेलो, एल्सवर्थ,” उसने बेबसी से दोहराया।
टूही उसके सामने खड़ा था, उत्सुकता से कमरे और मेज का निरीक्षण कर रहा था।
“बहुत मार्मिक, पीटर,” उन्होंने कहा। “बेहद मार्मिक। मुझे यकीन है कि अगर वह इसे देखेगा तो उसे बहुत अच्छा लगेगा।”
"कौन?"
"पीटर, आजकल तुम ज्यादा बातूनी नहीं हो? ज्यादा मिलनसार नहीं हो?"
“मैं तुमसे मिलना चाहता था, एल्सवर्थ। मैं तुमसे बात करना चाहता था।”
टूही ने कुर्सी को उसकी पीठ से पकड़ा, उसे हवा में एक बड़े घेरे में घुमाया, मानो कोई शान से करतब दिखा रहा हो, उसे मेज के पास रखा और बैठ गया।
“अच्छा, मैं तो इसीलिए तो यहाँ आया हूँ,” उसने कहा। “तुम्हारी बातें सुनने के लिए।”
कीटिंग ने कुछ नहीं कहा।
"कुंआ?"
“तुम्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि मैं तुमसे मिलना नहीं चाहता था, एल्सवर्थ। बात बस इतनी सी थी...”
मैंने मां को किसी को अंदर न आने देने के बारे में जो बताया था... वो अखबार वालों की वजह से था। वे मुझे अकेला नहीं छोड़ते।
"पीटर, समय कितना बदल गया है! मुझे याद है वो दिन जब अखबार वालों से दूर रहना नामुमकिन था।"
“एल्सवर्थ, मुझमें हास्यबोध बिल्कुल भी नहीं बचा है। बिलकुल भी नहीं।”
"यह तो किस्मत की बात है। वरना हंसते-हंसते मर जाते।"
“मैं बहुत थक गई हूँ, एल्सवर्थ... मुझे खुशी है कि तुम आ गए।”
प्रकाश टूही के चश्मे से टकराकर परावर्तित हुआ और कीटिंग उसकी आंखें नहीं देख सका; केवल धातु के धब्बे से भरे दो वृत्त दिखाई दिए, जैसे किसी कार की बुझी हुई हेडलाइट्स दूर से आ रही किसी चीज के आने का प्रतिबिंब दिखा रही हों।
"क्या तुम्हें लगता है कि तुम इससे बच निकलोगे?" टूही ने पूछा।
"साथ क्या?"
“सन्यासी का कार्य। महान तपस्या। निष्ठापूर्ण मौन।”
“एल्सवर्थ, तुम्हें क्या हुआ है?”
“तो वह दोषी नहीं है, है ना? तो आप चाहते हैं कि हम उसे अकेला छोड़ दें?”
कीटिंग के कंधे हिले, सीधे बैठने की वास्तविकता से ज़्यादा एक इरादा, लेकिन फिर भी एक इरादा, और उनका जबड़ा इतना हिला कि मानो पूछ रहे हों:

"आप क्या चाहते हैं?"
"पूरी कहानी।"
“किसलिए?”
“क्या मैं तुम्हारे लिए इसे आसान बना दूं? पीटर, क्या तुम्हें कोई अच्छा बहाना चाहिए? मैं बना सकता हूं। मैं तुम्हें तेंतीस कारण दे सकता हूं, सभी नेक, और तुम उनमें से कोई भी मान लोगे। लेकिन मुझे तुम्हारे लिए इसे आसान बनाने का मन नहीं है। इसलिए मैं तुम्हें सीधे-सीधे सच बता देता हूं: उसे जेल भेज दो, तुम्हारा हीरो, तुम्हारा आदर्श, तुम्हारा उदार मित्र, तुम्हारा रक्षक देवदूत!”
“मुझे तुम्हें कुछ नहीं बताना है, एल्सवर्थ।”
"जब तुम सदमे से अपनी आखिरी अक्ल खो रहे हो, तब बेहतर होगा कि तुम इतना होश में रहो कि तुम्हें यह एहसास हो जाए कि तुम मेरा मुकाबला नहीं कर सकते।"
तुम तभी बोलोगे जब मैं चाहूं और मैं समय बर्बाद नहीं करना चाहता। कॉर्टलैंड को किसने डिज़ाइन किया था?
“मैंने किया।”
क्या आपको पता है कि मैं वास्तुकला विशेषज्ञ हूं?
मैंने कॉर्टलैंड्ट को डिज़ाइन किया था।
"कॉस्मो-स्लोटनिक बिल्डिंग की तरह?"
"आप मुझसे क्या चाहते हैं?"
“मैं चाहता हूं कि तुम गवाह के तौर पर पेश हो, पेटी। मैं चाहता हूँ कि तुम अदालत में पूरी कहानी बताओ। तुम्हारा दोस्त तुम्हारी तरह साफ़-साफ़ संदिग्ध नहीं है। मुझे नहीं पता वो क्या कर रहा है। घटनास्थल पर रुकना कुछ ज़्यादा ही चालाकी भरा काम था। उसे पता था कि उस पर शक किया जाएगा और वो बड़ी चालाकी से काम ले रहा है। भगवान जाने वो अदालत में क्या कहने वाला है। मैं उसे बरी नहीं होने दूंगा। मकसद ही वो है जिस पर सब अटके हुए हैं। मुझे मकसद पता है। अगर मैं समझाने की कोशिश करूँ तो कोई मुझ पर विश्वास नहीं करेगा। लेकिन तुम शपथ लेकर बयान दोगे। तुम सच बोलोगे। तुम उन्हें बताओगे कि कॉर्टलैंड की योजना किसने बनाई और क्यों।”
मैंने इसे डिजाईन किया है।
"अगर आप कटघरे में यह बात कहना चाहते हैं, तो आपको अपनी मांसपेशियों पर नियंत्रण रखना होगा। आप क्यों कांप रहे हैं?"
मुझे अकेला छोड़ दो।
“बहुत देर हो गई, पेटी। क्या तुमने कभी फॉस्ट पढ़ी है?”
"आप क्या चाहते हैं?"
"हावर्ड रोर्क की गर्दन।"
“वह मेरा दोस्त नहीं है। वह कभी नहीं रहा। आप जानते हैं कि मैं उसके बारे में क्या सोचता हूं।”
“मैं जानती हूँ, तुम मूर्ख! मैं जानती हूँ कि तुमने जीवन भर उसकी पूजा की है। तुमने उसके सामने घुटने टेककर उसकी पूजा की, जबकि पीठ में छुरा घोंपा। तुममें अपनी ही बुराई का सामना करने का साहस भी नहीं था। तुम न तो एक तरफ जा सके और न ही दूसरी तरफ। तुम मुझसे नफरत करते थे—ओह, क्या तुम्हें नहीं लगता कि मैं यह जानती थी?—और फिर भी तुमने मेरा अनुसरण किया। तुमने उससे प्यार किया और तुमने उसे बर्बाद कर दिया।”
ओह, तुमने उसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है, पेटी, और अब भागने की कोई जगह नहीं है, और तुम्हें इसे अंजाम तक पहुंचाना ही होगा!
“वो तुम्हारे लिए क्या है? इससे तुम्हें क्या फर्क पड़ता है?”
“तुम्हें यह सवाल बहुत पहले पूछ लेना चाहिए था। लेकिन तुमने नहीं पूछा। इसका मतलब है कि तुम जानते थे। तुम हमेशा से जानते थे। यही बात तुम्हें कांपने पर मजबूर

कर रहा है। मैं तुम्हें खुद से झूठ बोलने में मदद क्यों करूं? मैं दस साल से यही करता आ रहा हूं। तुम इसी के लिए मेरे पास आए थे। और सब लोग इसी के लिए मेरे पास आते हैं। लेकिन मुफ्त में कुछ नहीं मिलता। कभी नहीं।
समाजवादी सिद्धांतों के विपरीत, आपको मुझसे जो चाहिए था वो मिल गया। अब मेरी बारी है।
मैं हॉवर्ड के बारे में बात नहीं करूंगा। आप मुझे हॉवर्ड के बारे में बात करने के लिए मजबूर नहीं कर सकते।
“नहीं? मुझे यहां से बाहर क्यों नहीं फेंक देते? मेरा गला क्यों नहीं दबा देते? तुम मुझसे कहीं ज़्यादा ताकतवर हो। लेकिन तुम ऐसा नहीं करोगे। तुम नहीं कर सकते। क्या तुम्हें ताकत का असली रूप समझ आया, पेटी?”
शारीरिक ताकत? मांसपेशियां, बंदूकें या पैसा? आपको और गेल वायनांड को मिलना चाहिए। आपको उन्हें बहुत कुछ बताना है। चलो, पीटर। कॉर्टलैंड को किसने डिज़ाइन किया था?
मुझे अकेला छोड़ दो।
"कोर्टलैंड्ट को किसने डिजाइन किया था?"
मुझे जाने दो!
"कोर्टलैंड्ट को किसने डिजाइन किया था?"
“यह और भी बुरा है... जो तुम कर रहे हो... यह बहुत बुरा है...”
“किससे ज़्यादा?”
"मैंने लुसियस हेयर के साथ जो किया, उससे कहीं ज़्यादा।"
"तुमने लुसियस हेयर के साथ क्या किया?"
मैंने उसे मार डाला।
"तुम किस बारे में बात कर रहे हो?"
"इसीलिए यह बेहतर था। क्योंकि मैंने उसे मरने दिया।"
"बड़बड़ाना बंद करो।"
"तुम हॉवर्ड को क्यों मारना चाहते हो?"
“मैं उसे मारना नहीं चाहता। मैं चाहता हूँ कि वह जेल में जाए। समझे? जेल में।”
एक कोठरी में। सलाखों के पीछे। बंद, रुका हुआ, जंजीरों से बंधा हुआ—और ज़िंदा। वो तभी उठेगा जब उसे उठने को कहा जाएगा। वो वही खाएगा जो उसे दिया जाएगा। वो तभी हिलेगा जब उसे हिलने को कहा जाएगा और तभी रुकेगा जब उसे रुकने को कहा जाएगा। वो जूट मिल तक तभी जाएगा जब उसे कहा जाएगा और वो वैसे ही काम करेगा जैसे उसे कहा जाएगा। अगर वो तेज़ी से नहीं चलेगा तो वो उसे धक्का देंगे, और जब उनका मन करेगा तो उसके चेहरे पर थप्पड़ मारेंगे, और अगर वो बात नहीं मानेगा तो उसे रबर की नली से पीटेंगे। और वो बात मानेगा। वो आदेश मानेगा। वो आदेश मानेगा!
“एल्सवर्थ!” कीटिंग चिल्लाया। “एल्सवर्थ!”
“तुम मुझे बीमार कर देते हो। क्या तुम सच बर्दाश्त नहीं कर सकते? नहीं, तुम्हें मीठी-मीठी बातें पसंद हैं। इसीलिए मैं गस वेब को पसंद करता हूँ। वो एक ऐसा व्यक्ति है जिसे कोई भ्रम नहीं है।”
श्रीमती कीटिंग ने दरवाजा ज़ोर से खोल दिया। उन्होंने चीख सुनी थी।
“यहाँ से निकल जाओ!” टूही ने उस पर चिल्लाते हुए कहा।
वह पीछे हट गई, और टूही ने दरवाज़ा ज़ोर से बंद कर दिया।
कीटिंग ने अपना सिर उठाया। “तुम्हें माँ से इस तरह बात करने का कोई हक नहीं है। उनका तुमसे कोई लेना-देना नहीं था।”
"कोर्टलैंड्ट को किसने डिजाइन किया था?"

कीटिंग उठा। वह घिसटते हुए एक अलमारी तक गया, दराज खोली, उसमें से एक मुड़ा हुआ कागज़ निकाला और टूही को दे दिया। यह रोर्क के साथ उसका अनुबंध था। टूही ने इसे पढ़ा और एक बारि हल्की सी सूखी हंसी हंसी। फिर उसने कीटिंग की ओर देखा।
"पीटर, मेरी नज़र में तुम पूरी तरह सफल हो। लेकिन कभी-कभी मुझे अपनी सफलताओं को देखकर मुंह फेरने का मन करता है।"
कीटिंग ड्रेसर के पास खड़ा था, उसके कंधे झुके हुए थे, उसकी आँखें खाली थीं।
मुझे उम्मीद नहीं थी कि आपके पास यह इस तरह लिखित रूप में होगा, जिस पर उनके हस्ताक्षर भी होंगे।
तो उसने आपके लिए यही किया है—और बदले में आपको यही करना है...
नहीं, मैं अपनी अपमानजनक बातें वापस लेता हूं, पीटर। तुम्हें यह करना ही था। इतिहास के नियमों को पलटने वाले तुम कौन होते हो? क्या तुम जानते हो कि यह लेख क्या है? असंभव पूर्णता, सदियों का सपना, मानव जाति के सभी महान विचारकों का लक्ष्य। तुमने उसे अपने वश में किया। तुमने उससे अपने लिए काम करवाया। तुमने उसकी उपलब्धि, उसका पुरस्कार, उसका धन, उसकी शान, उसका नाम सब छीन लिया। हमने तो बस इसके बारे में सोचा और लिखा। तुमने एक व्यावहारिक प्रदर्शन किया। प्लेटो से लेकर अब तक के हर दार्शनिक को तुम्हारा धन्यवाद करना चाहिए। यह रहा, पारस पत्थर—सोने को सीसे में बदलने वाला। मुझे प्रसन्न होना चाहिए, लेकिन शायद मैं इंसान हूं और मैं कुछ नहीं कर सकता, मैं प्रसन्न नहीं हूं, मैं बस दुखी हूं। बाकी सब, प्लेटो और बाकी सब, वे सचमुच सोचते थे कि यह सीसे को सोने में बदल देगा। मुझे शुरू से ही सच्चाई पता थी। मैं अपने आप से ईमानदार रहा हूं, पीटर, और यही ईमानदारी का सबसे कठिन रूप है। वह ईमानदारी जिससे हर कीमत पर भागा जाता है। और अभी मैं तुम्हें दोष नहीं देता, यह सबसे कठिन है, पीटर।
वह थके-हारे बैठ गया और कागज को दोनों हाथों से कोनों से पकड़कर बोला:
“अगर आप जानना चाहते हैं कि यह कितना मुश्किल है, तो मैं आपको बताता हूँ: इस समय मेरा मन कर रहा है कि मैं इस कागज़ को जला दूँ। आप इसका जो मतलब चाहें निकाल लें। मैं इसका बहुत बड़ा श्रेय नहीं लेता, क्योंकि मुझे पता है कि कल मैं इसे जिला अटॉर्नी को भेज दूँगा। रोर्क को कभी पता नहीं चलेगा—और अगर उसे पता भी चल जाए तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ेगा—लेकिन सच तो यह है कि एक पल ऐसा था जब मेरा मन कर रहा था कि मैं इस कागज़ को जला दूँ।”
उसने कागज को सावधानीपूर्वक मोड़ा और अपनी जेब में रख लिया।
कीटिंग ने उसके हावभाव की अनुसरण किया, अपना पूरा सिर हिलाते हुए, जैसे कोई बिल्ली का बच्चा धागे से बंधी गेंद को देख रहा हो।
“तुम मुझे बीमार कर देते हो,” टूही ने कहा। “हे भगवान, तुम सब पाखंडी भावुक लोग मुझे कितना परेशान करते हो! तुम मेरा साथ देते हो, मैं जो सिखाता हूं उसे दोहराते हो, उससे लाभ उठाते हो—लेकिन तुममें अपने किए को स्वीकार करने की हिम्मत नहीं है। सच्चाई देखकर तुम्हारा चेहरा पीला पड़ जाता है।”
मुझे लगता है कि यह आपके स्वभाव में ही निहित है और यही मेरा मुख्य हथियार है—लेकिन हे भगवान! मैं इससे थक गया हूं। मुझे आपसे कुछ पल की छुट्टी चाहिए। यही वह चीज़ है जिसके लिए मुझे जीवन भर दिखावा करना पड़ता है।
—तुम्हारे जैसे तुच्छ और साधारण लोगों के लिए। तुम्हारी भावनाओं, तुम्हारे दिखावे, तुम्हारी अंतरात्मा और उस मन की शांति की रक्षा के लिए जो तुम्हारे पास नहीं है। यही वो कीमत है जो मैं अपनी चाहतों के लिए चुकाता हूँ—लेकिन कम से कम मुझे पता है कि मुझे यह चुकाना ही होगा। और मुझे इस कीमत या इसके फल के बारे में कोई भ्रम नहीं है।
“एल्सवर्थ, तुम क्या चाहते हो?”

“पावर, पेट्या।”
ऊपर वाले अपार्टमेंट में कदमों की आहट सुनाई दी, कोई खुशी से उछल-कूद कर रहा था, छत पर चार-पाँच तालों की हल्की-हल्की आवाज़ें आ रही थीं। बत्ती की झनझनाहट हुई और कीटिंग ने आज्ञा मानते हुए अपना सिर ऊपर उठाया। फिर उसकी नज़र टूही पर पड़ी। टूही लगभग उदासीनता से मुस्कुरा रहा था।
“तुम... हमेशा कहते थे...” कीटिंग ने भारी आवाज में कहना शुरू किया और रुक गया।
मैंने हमेशा यही कहा है। स्पष्ट रूप से, सटीक रूप से और खुले तौर पर। अगर आप सुन नहीं पाए तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। आप सुन सकते थे, बिल्कुल। आप सुनना नहीं चाहते थे।
जो मेरे लिए बहरेपन से ज्यादा सुरक्षित था। मैंने कहा कि मेरा इरादा शासन करने का है।
अपने सभी आध्यात्मिक पूर्वजों की तरह। लेकिन मैं उनसे कहीं अधिक भाग्यशाली हूँ। मुझे उनके प्रयासों का फल विरासत में मिला है और मैं ही वह व्यक्ति हूँ जो उस महान सपने को साकार होते देखूंगा। मैं इसे आज अपने चारों ओर देखता हूँ। मैं इसे पहचानता हूं। मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे इसे पसंद करने की उम्मीद भी नहीं थी। आनंद मेरा भाग्य नहीं है। मैं अपनी क्षमता के अनुसार ही संतोष प्राप्त करूंगा। मैं शासन करूंगा।
"किसको ... ?"
“तुम। दुनिया। बस उस साधन को खोजने की बात है। अगर तुम एक भी इंसान की आत्मा पर राज करना सीख जाओ, तो बाकी पूरी मानवता को जीत सकते हो। यह आत्मा है, पीटर, आत्मा। कोड़े, तलवारें, आग या बंदूकें नहीं। इसीलिए सीज़र, अत्तिला, नेपोलियन मूर्ख थे और टिक नहीं पाए। हम टिकेंगे। आत्मा, पीटर, वह है जिस पर राज नहीं किया जा सकता।”
यह टूटा हुआ होना चाहिए। इसमें एक कील ठोकें, अपनी उंगलियों को उस पर रखें—और
मनुष्य तुम्हारा है। तुम्हें चाबुक की ज़रूरत नहीं पड़ेगी—वह खुद चाबुक लेकर आएगा और चाबुक खाने की इच्छा जताएगा। उसे उल्टा चलाओ—और उसका अपना तंत्र तुम्हारा काम कर देगा। उसका इस्तेमाल उसी के खिलाफ करो। जानना चाहते हो कि यह कैसे किया जाता है? देखो, क्या मैंने तुमसे कभी झूठ बोला है? देखो, क्या तुमने यह सब सालों से सुना है, लेकिन सुनना नहीं चाहा, और गलती तुम्हारी है, मेरी नहीं। कई तरीके हैं। एक तरीका ये है। मनुष्य को छोटा महसूस कराओ। उसे दोषी महसूस कराओ। उसकी आकांक्षा और उसकी ईमानदारी को खत्म कर दो। यह मुश्किल है। तुममें से सबसे बुरा व्यक्ति अपने ही विकृत तरीके से आदर्श की तलाश करता है। आंतरिक भ्रष्टाचार से ईमानदारी को खत्म करो। उसका इस्तेमाल उसी के खिलाफ करो। उसे ऐसे लक्ष्य की ओर मोड़ो जो सारी ईमानदारी को नष्ट कर दे। निस्वार्थता का उपदेश दो। मनुष्य से कहो कि उसे दूसरों के लिए जीना चाहिए। कहो कि परोपकार ही आदर्श है। उनमें से एक ने भी इसे कभी हासिल नहीं किया है और न ही कभी करेगा। उसकी हर जीवित प्रवृत्ति इसके खिलाफ चीखती है। लेकिन क्या तुम नहीं देखते कि तुम क्या हासिल कर रहे हो? मनुष्य को यह अहसास होता है कि वह उस गुण को धारण करने में असमर्थ है जिसे वह सर्वोच्च सद्गुण मानता है—और इससे उसे अपराधबोध, पापबोध और अपनी मूलभूत अयोग्यता का एहसास होता है। चूंकि सर्वोच्च आदर्श उसकी समझ से परे है, इसीलिए वह अंततः सभी आदर्शों, सभी आकांक्षाओं और अपने आत्मसम्मान की भावना को त्याग देता है। वह स्वयं को उस बात का उपदेश देने के लिए बाध्य महसूस करता है जिसका वह स्वयं अभ्यास नहीं कर सकता। लेकिन कोई भी व्यक्ति आधी-अधूरी अच्छा या लगभग ईमानदार नहीं हो सकता। अपनी सत्यनिष्ठा

को बनाए रखना एक कठिन संघर्ष है। भला उस चीज़ को क्यों बचाए जिसे आप पहले से ही भ्रष्ट जानते हैं? उसकी आत्मा अपना आत्मसम्मान त्याग देती है।
आपने उसे पकड़ लिया है। वह आज्ञा मानेगा। वह आज्ञा मानने में प्रसन्न होगा—क्योंकि वह खुद पर भरोसा नहीं कर सकता, वह अनिश्चित महसूस करता है, वह अशुद्ध महसूस करता है। यह एक तरीका है।
एक और बात। मनुष्य के मूल्यों को नष्ट कर दो। उसकी महानता को पहचानने या उसे प्राप्त करने की क्षमता को खत्म कर दो। महान पुरुषों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। हमें किसी महान पुरुष की आवश्यकता नहीं है। महानता की अवधारणा को नकारो मत।
इसे भीतर से ही नष्ट कर दो। महानता दुर्लभ, कठिन और असाधारण होती है। उपलब्धि के ऐसे मानक स्थापित करो जो सभी के लिए खुले हों, चाहे वो सबसे कमज़ोर हो या सबसे अयोग्य—और तुम सभी मनुष्यों में, चाहे वो महान हों या छोटे, प्रयास करने की प्रेरणा को रोक दोगे। तुम सुधार, उत्कृष्टता और पूर्णता की सभी प्रेरणाओं को रोक दोगे। रोर्क का मज़ाक उड़ाओ और पीटर कीटिंग को एक महान वास्तुकार मानो। तुमने वास्तुकला को नष्ट कर दिया है। लोइस कुक की प्रशंसा करो और तुमने साहित्य को नष्ट कर दिया है। आइके की जय-जयकार करो और तुमने रंगमंच को नष्ट कर दिया है। लैंसलॉट क्लोकी का महिमामंडन करो और तुमने प्रेस को नष्ट कर दिया है।
सभी मंदिरों को ध्वस्त करने का प्रयास न करें—इससे लोग डर जाएँगे। साधारणता को ही मंदिर बना दें—और मंदिर अपने आप ध्वस्त हो जाएँगे। फिर एक और तरीका है। हंसी से मार डालो। हंसी मानवीय आनंद का एक साधन है। इसका उपयोग करना सीखो।
इसे विनाश के हथियार के रूप में इस्तेमाल न करें। इसे उपहास में बदल दें। यह सरल है। उन्हें हर बात पर हंसने को कहें। उन्हें बताएं कि हास्यबोध एक असीमित गुण है। मनुष्य के मन में कुछ भी पवित्र न रहने दें।
और उसकी आत्मा उसके लिए पवित्र नहीं रहेगी। श्रद्धा को मार डालो, तुमने मनुष्य के भीतर के नायक को मार डाला। कोई हँसी-मज़ाक से श्रद्धा नहीं दिखाता। वह आज्ञा मानेगा और अपनी आज्ञाकारिता की कोई सीमा नहीं रखेगा—कुछ भी चलेगा—कुछ भी गंभीर नहीं है। एक और तरीका है। यह सबसे महत्वपूर्ण है। पुरुषों को खुश मत रहने दो। खुशी आत्मनिर्भर और स्वावलंबी होती है। खुश पुरुषों के पास तुम्हारे लिए समय और कोई उपयोग नहीं होता। खुश पुरुष स्वतंत्र पुरुष होते हैं। इसलिए उनके जीवन के आनंद को छीन लो। उनसे वह सब कुछ छीन लो जो उन्हें प्रिय या महत्वपूर्ण है। उन्हें कभी भी वह न मिलने दो जो वे चाहते हैं। उन्हें यह एहसास दिलाओ कि व्यक्तिगत इच्छा रखना ही बुराई है। उन्हें ऐसी स्थिति में ले आओ जहाँ 'मैं चाहता हूँ' कहना अब एक स्वाभाविक अधिकार नहीं, बल्कि एक शर्मनाक स्वीकारोक्ति हो।
परोपकार इसमें बहुत सहायक होता है। दुखी पुरुष तुम्हारे पास आएंगे। उन्हें तुम्हारी आवश्यकता होगी। वे सांत्वना, समर्थन और राहत के लिए आएंगे। प्रकृति किसी भी प्रकार के खालीपन की अनुमति नहीं देती। मनुष्य की आत्मा को खाली कर दो—और अब ये जगह आपकी है। पीटर, मुझे समझ नहीं आता कि आपको इतना हैरान क्यों होना चाहिए। ये तो सबसे पुराना है। इतिहास पर एक नज़र डालिए।
पूर्व से लेकर अब तक की किसी भी महान नैतिक प्रणाली को देखिए। क्या उन सभी ने व्यक्तिगत सुख के त्याग का उपदेश नहीं दिया? शब्दों की जटिलता के बावजूद, क्या उन सभी का एक ही मूलमंत्र नहीं रहा है: त्याग, वैराग्य, आत्म-त्याग? क्या आपने उनका मूलमंत्र नहीं सुना है—'त्याग दो, त्याग दो, त्याग दो, त्याग दो'? आज के नैतिक वातावरण को देखिए। सिगरेट से लेकर यौन संबंध, महत्वाकांक्षा से लेकर लाभ कमाने की इच्छा तक, हर आनंददायक चीज़ को भ्रष्ट या पापी माना जाता है। बस यह साबित कर दीजिए कि कोई चीज़ मनुष्य को प्रसन्न करती है—और आपने उसे पापी ठहरा दिया। हम

इतनी दूर आ गए हैं। हमने खुशी को अपराधबोध से जोड़ दिया है। और हमने मानवता का गला घोंट दिया है। अपने पहले बच्चे को बलि की भट्टी में डाल दो।
—कीलों के बिस्तर पर लेटना—शरीर को कष्ट देने के लिए रेगिस्तान में जाना—नाचना मत—रविवार को सिनेमा मत जाना—अमीर बनने की कोशिश मत करना—धूम्रपान न करो—शराब न पियो। ये सब एक ही बात है। महान बात। मूर्ख सोचते हैं कि इस तरह के नियम-कानून महज़ बकवास हैं। पुरानी घिसी-पिटी बातें। लेकिन बकवास में भी कोई न कोई मकसद छिपा होता है। किसी मूर्खता की जांच-पड़ताल करने की ज़रूरत नहीं—बस यह सोचो कि उससे क्या हासिल होता है।
बलिदान का उपदेश देने वाली हर नैतिक प्रणाली विश्व शक्ति बनकर उभरी और लाखों लोगों पर शासन किया। बेशक, इसे आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करना आवश्यक है। आपको लोगों को यह बताना होगा कि वे एक श्रेष्ठ प्रकार की खुशी प्राप्त करेंगे। उन्हें खुश करने वाली हर चीज़ का त्याग करके। आपको इसे बहुत स्पष्ट रूप से बताने की ज़रूरत नहीं है। बड़े-बड़े अस्पष्ट शब्दों का प्रयोग करें। 'सार्वभौमिक सद्भाव'—'शाश्वत'
आत्मा'—'दिव्य
उद्देश्य'
—'निर्वाण'—'स्वर्ग'—'नस्लीय श्रेष्ठता'—'सर्वहारा वर्ग की तानाशाही।' आंतरिक भ्रष्टाचार, पीटर। यह तो सबसे पुराना है।
यह ढोंग सदियों से चलता आ रहा है और लोग आज भी इसके झांसे में आ जाते हैं। लेकिन इसकी परीक्षा इतनी सरल होनी चाहिए: किसी भी नबी की बात सुनिए और अगर आप उसे बलिदान की बात करते हुए सुनें तो भाग जाइए। महामारी से भी तेज़ भागिए। यह तर्कसंगत है कि जहाँ बलिदान होता है, वहाँ कोई न कोई बलि चढ़ाने वाला होता है। जहाँ सेवा होती है, वहाँ कोई न कोई सेवा पाने वाला होता है। जो व्यक्ति आपसे बलिदान की बात करता है, वह दासों और स्वामियों की बात करता है। और उसका इरादा स्वयं स्वामी बनने का होता है। लेकिन अगर कभी आप किसी व्यक्ति को यह कहते हुए सुनें कि आपको खुश रहना चाहिए, यह आपका स्वाभाविक अधिकार है, आपका पहला कर्तव्य स्वयं के प्रति है—तो वह व्यक्ति आपकी आत्मा के पीछे नहीं पड़ा है। वह व्यक्ति आपसे कुछ भी हासिल नहीं करना चाहता। लेकिन अगर वह आ जाए तो आप ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाएंगे, कहेंगे कि वह एक स्वार्थी राक्षस है। इसलिए यह धंधा कई सदियों से चलता आ रहा है। लेकिन यहाँ आपने शायद एक बात पर ध्यान दिया होगा। मैंने कहा, 'यह तर्कसंगत है।' समझे? लोगों के पास आपके विरुद्ध एक हथियार है। तर्क। इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप इसे उनसे छीन लें।
इसके पीछे से आधार हटा दें। लेकिन सावधान रहें। सीधे-सीधे इनकार न करें। किसी भी बात को सीधे-सीधे नकारना, इससे आपकी पोल खुल जाती है। यह मत कहो कि तर्क बुरा है—हालाँकि कुछ लोग इस हद तक गए हैं और उन्हें आश्चर्यजनक सफलता भी मिली है। बस इतना कहो कि तर्क सीमित है। कि इससे ऊपर कुछ है। क्या? इसके बारे में बहुत स्पष्ट होने की भी आवश्यकता नहीं है। क्षेत्र का...
अक्षय।
'सहज ज्ञान'—'भावना'—'रहस्योद्घाटन'—'दिव्य'
अंतर्ज्ञान—द्वंद्वात्मक भौतिकवाद। यदि आप किसी महत्वपूर्ण मोड़ पर फंस जाते हैं और कोई आपसे कहता है कि आपका सिद्धांत तर्कसंगत नहीं है।
—तुम उसके लिए तैयार हो। तुम उसे बताओ कि इंद्रियों से परे भी कुछ है। कि यहाँ उसे सोचने की कोशिश नहीं करनी चाहिए, उसे महसूस करना चाहिए। उसे विश्वास करना चाहिए। तर्क को किनारे रखकर, तुम बेकाबू खेल खेलो। जब भी ज़रूरत हो,

अपनी मर्ज़ी से कुछ भी करो। तुमने उसे अपने वश में कर लिया। क्या तुम एक सोचने वाले आदमी पर राज कर सकते हो? हमें कोई सोचने वाला आदमी नहीं चाहिए।
कीटिंग अलमारी के बगल में फर्श पर बैठ गया था; वह थका हुआ महसूस कर रहा था और उसने बस अपने पैर मोड़ लिए थे। वह अलमारी को छोड़ना नहीं चाहता था; उसे उस पर टिके रहना अधिक सुरक्षित लग रहा था; मानो अलमारी अभी भी उस पत्र की रक्षा कर रही हो जिसे उसने सौंप दिया था।
"पीटर, तुमने ये सब सुना है। तुमने मुझे दस साल से इसका अभ्यास करते देखा है। तुमने इसे पूरी दुनिया में होते देखा है। फिर तुम्हें घृणा क्यों हो रही है? तुम्हें वहाँ बैठकर, आश्चर्य का दिखावा करते हुए, मुझे घूरने का कोई अधिकार नहीं है। तुम भी इसमें शामिल हो। तुमने भी अपना हिस्सा लिया है और अब तुम्हें भी साथ चलना होगा। तुम डर रहे हो कि ये सब कहाँ ले जा रहा है। मैं नहीं डर रहा। मैं तुम्हें बताता हूँ। भविष्य की दुनिया। वो दुनिया जो मैं चाहता हूँ।"
आज्ञाकारिता और एकता की दुनिया। एक ऐसी दुनिया जहाँ हर व्यक्ति का विचार उसका अपना नहीं होगा, बल्कि अपने पड़ोसी के दिमाग में चल रहे विचार का अनुमान लगाने का प्रयास होगा, जिसका अपना कोई विचार नहीं होगा, बल्कि अगले पड़ोसी के विचार का अनुमान लगाने का प्रयास होगा, जिसका अपना कोई विचार नहीं होगा—और इसी तरह, पीटर, पूरी दुनिया में। क्योंकि सभी को एक-दूसरे से सहमत होना होगा। एक ऐसी दुनिया जहाँ कोई भी व्यक्ति अपने लिए कोई इच्छा नहीं रखेगा, बल्कि अपने सभी प्रयासों को अपने पड़ोसी की इच्छाओं को पूरा करने में लगाएगा, जिसका अपना कोई विचार नहीं होगा, सिवाय अगले पड़ोसी की इच्छाओं को पूरा करने के, जिसका अपना कोई विचार नहीं होगा—पूरी दुनिया में, पीटर। क्योंकि सभी को एक-दूसरे की सेवा करनी होगी। एक ऐसी दुनिया जिसमें मनुष्य पैसे जैसे निर्दोष प्रोत्साहन के लिए काम नहीं करेगा, बल्कि उस बेजान राक्षस—प्रतिष्ठा—के लिए काम करेगा। अपने साथियों की स्वीकृति—उनकी अच्छी राय—उन लोगों की राय जिन्हें कोई राय रखने की अनुमति नहीं होगी। एक ऑक्टोपस, केवल टेंटेकल्स और कोई दिमाग नहीं। न्याय, पीटर? न्याय नहीं, बल्कि सार्वजनिक सर्वेक्षण। शून्य पर आधारित औसत—क्योंकि किसी भी व्यक्तिवाद की अनुमति नहीं होगी। एक ऐसी दुनिया जिसका इंजन बंद हो चुका है और एक ही दिल है, जिसे हाथ से धड़काया जा रहा है। मेरा हाथ—और कुछ ही लोगों के हाथ, मेरे जैसे कुछ ही लोग। वे जो जानते हैं कि आपको क्या प्रेरित करता है—आप महान, अद्भुत साधारण, आप जो तब क्रोधित नहीं हुए जब हमने आपको साधारण, छोटा, औसत कहा, आप जिन्होंने इन नामों को पसंद किया और स्वीकार किया। आप सिंहासन पर विराजमान और प्रतिष्ठित होंगे, आप, आम लोग, वह निरंकुश शासक जो पिछले सभी शासकों को ईर्ष्या से तड़पा देगा, निरंकुश, असीमित, ईश्वर, पैगंबर और राजा का मिलाजुला रूप। जनता की आवाज़। साधारण, आम, सामान्य। क्या आप अहंकार का सही विलोम शब्द जानते हैं? घिसा-पिटा, पीटर। घिसे-पिटे शब्दों का शासन। लेकिन घिसी-पिटी बात भी किसी न किसी समय किसी न किसी द्वारा ही उत्पन्न होती है। हम ही इसे उत्पन्न करेंगे। ईश्वर की आवाज़। हम उन लोगों से असीमित समर्पण का आनंद लेंगे जिन्होंने समर्पण के अलावा कुछ नहीं सीखा। हम इसे 'सेवा' कहेंगे। हम सेवा के लिए पदक देंगे। आप बेहतर और अधिक सबमिशन करने की होड़ में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में लग जाएंगे। इसके अलावा कोई और सम्मान पाने की इच्छा नहीं होगी। व्यक्तिगत उपलब्धि का कोई और रूप नहीं होगा।
क्या आप हॉवर्ड रोर्क को देख सकते हैं?
तस्वीर? नहीं? तो फिर बेकार के सवालों में समय बर्बाद मत करो।
जिस पर नियंत्रण नहीं किया जा सकता, उसे खत्म होना ही होगा। और अगर कभी-कभार विलक्षण प्रतिभाएं पैदा होती रहीं, तो वे बारह साल से अधिक जीवित नहीं रह पाएंगी।

जब उनका दिमाग काम करना शुरू करेगा, तो वह दबाव महसूस करेगा और फट जाएगा। दबाव इतना ज़्यादा होगा कि निर्वात जैसा माहौल बन जाएगा। क्या आप जानते हैं कि गहरे समुद्र के जीवों का क्या हाल होता है जिन्हें सूरज की रोशनी में लाया जाता है? भविष्य के रोबर्ट्स का तो यही हाल होगा। बाकी सब मुस्कुराएंगे और आज्ञा मानेंगे। क्या आपने ध्यान दिया है कि मुखे हमेशा मुस्कुराता है? मनुष्य की पहली भौंहें चढ़ाना उसके माथे पर ईश्वर का पहला स्पर्श होता है। विचार का स्पर्श। लेकिन हमारे पास न तो ईश्वर होगा और न ही विचार। केवल मुस्कान से मतदान होगा। स्वचालित लीवर—सब हाँ कहेंगे।

...अब अगर तुम थोड़ी और समझदार होतीं—जैसे तुम्हारी पूर्व पत्नी—तो तुम पूछतीं: हमारा, शासकों का क्या? मेरा, एल्सवर्थ मोंकटन टूही का क्या? और मैं कहता, हाँ, तुम सही हो। मैं तुमसे ज़्यादा कुछ हासिल नहीं करूँगा। मेरा एकमात्र उद्देश्य तुम्हें संतुष्ट रखना है। झूठ बोलना, तुम्हारी चापलूसी करना, तुम्हारी प्रशंसा करना, तुम्हारे अहंकार को बढ़ाना। जनता और जनहित के बारे में भाषण देना। पीटर, मेरे बेचारे पुराने दोस्त, मैं सबसे निस्वार्थ व्यक्ति हूँ जिसे तुमने कभी जाना है। मेरे पास तुमसे भी कम स्वतंत्रता है, जिसे मैंने अभी-अभी अपनी आत्मा बेचने पर मजबूर किया है। तुमने लोगों का इस्तेमाल कम से कम अपने लिए उनसे कुछ हासिल करने के लिए किया है, मुझे अपने लिए कुछ नहीं चाहिए। मैं लोगों का इस्तेमाल इसलिए करता हूँ ताकि मैं उनके साथ कुछ कर सकूँ। यही मेरा एकमात्र कार्य और संतुष्टि है। मेरा कोई निजी उद्देश्य नहीं है। मुझे सत्ता चाहिए। मुझे भविष्य की अपनी दुनिया चाहिए। सब एक-दूसरे के लिए जिएँ। सब त्याग करें और कोई लाभ न उठाए। सब कष्ट सहें और कोई आनंद न उठाए। प्रगति रुक जाए। सब कुछ स्थिर हो जाए। स्थिरता में ही समानता है। सब एक-दूसरे की इच्छा के अधीन। सार्वभौमिक गुलामी—
स्वामी का सम्मान भी नहीं। गुलामी की गुलामी। एक बड़ा चक्र।
और पूर्ण समानता। भविष्य की दुनिया।"

"एल्सवर्थ... तुम हो..."

"पागलपन? कहने से डर रहे हो? तुम वहीं बैठे हो और यह शब्द तुम्हारे चेहरे पर साफ लिखा है, तुम्हारी आखिरी उम्मीद। पागल? अपने चारों ओर देखो। कोई भी अखबार उठाओ और सुर्खियाँ पढ़ो। क्या यह आ नहीं रहा है? क्या यह आ चुका है?"

मैंने तुम्हें जो कुछ भी बताया? क्या यूरोप पहले ही निगल नहीं चुका है और हम उसके पीछे-पीछे लड़खड़ाते हुए नहीं जा रहे हैं? मैंने जो कुछ भी कहा, वह एक ही शब्द में समाहित है—सामूहिकता। और क्या यही हमारी सदी का मूलमंत्र नहीं है? एक साथ काम करना। एक साथ सोचना। एक साथ महसूस करना। एकजुट होना, सहमत होना, आज्ञा मानना। आज्ञा मानना, सेवा करना, बलिदान देना। पहले फूट डालो और राज करो। लेकिन फिर—एकजुट होकर राज करो। हमने आखिरकार इसे पा लिया है। याद रखना

वह रोमन सम्राट जिसने कहा था कि काश मानवता की एक ही गर्दन होती ताकि वह उसे काट सके? सदियों से लोग उस पर हँसते रहे हैं। लेकिन अंत में हँसी हमारी होगी। हमने वह कर दिखाया जो वह नहीं कर सका। हमने मनुष्यों को एकजुट होना सिखाया है। इससे एक गर्दन एक लगाम के लिए तैयार हो जाती है। हमने जादुई शब्द खोज लिया है। सामूहिकता। यूरोप को देखो, मूर्ख। क्या तुम खोखले वादों से परे जाकर सार को नहीं पहचान सकते? एक देश इस सिद्धांत पर अड़ा है कि मनुष्य के कोई अधिकार नहीं हैं, कि सामूहिक ही सब कुछ है। व्यक्ति को बुराई माना जाता है, जनसमूह को ईश्वर। कोई उद्देश्य या सद्गुण मान्य नहीं - सिवाय सर्वहारा वर्ग की सेवा के। यह एक संस्करण है। दूसरा देखिए। एक देश इस सिद्धांत पर अड़ा है कि मनुष्य के कोई अधिकार नहीं हैं, कि राज्य ही सब कुछ है। व्यक्ति को बुराई माना जाता है, पूरी जाति को ईश्वर। कोई उद्देश्य या सद्गुण मान्य नहीं - सिवाय जाति की सेवा के। क्या मैं पागल हो रहा हूँ या यह

दो महाद्वीपों को पहले से ही कड़वी सच्चाई है? देखो कैसे दोतरफ़ा आक्रमण होता है। अगर तुम एक संस्करण से ऊब जाते हो, तो हम तुम्हें दूसरे में धकेल देते हैं। हम तुम्हें आते-जाते पकड़ लेंगे। हमने दरवाज़े बंद कर दिए हैं। हमने सिक्के को ठीक कर दिया है। हेड आया तो सामूहिकतावाद, और टेल आया तो सामूहिकतावाद। उस सिद्धांत का मुक़ाबला उसी सिद्धांत से करो जो व्यक्ति का वध करता है। अपनी आत्मा किसी परिषद को सौंप दो—या किसी नेता को। लेकिन सौंप दो, सौंप दो, सौंप दो। मेरी तकनीक है, पीटर। ज़हर को भोजन के रूप में पेश करो और ज़हर को विषनाशक के रूप में। दिखावे में कोई कसर मत छोड़ो, लेकिन मुख्य उद्देश्य पर डटे रहो। मूर्खों को विकल्प दो, उन्हें मज़े करने दो—लेकिन अपने एकमात्र उद्देश्य को मत भूलो। व्यक्ति का वध करो। मनुष्य की आत्मा का वध करो। बाकी सब अपने आप हो जाएगा।
वर्तमान क्षण में दुनिया की स्थिति का अवलोकन करो। क्या तुम्हें अब भी लगता है कि मैं पागल हूँ, पीटर? कीटिंग ज़मीन पर पैर फैलाकर बैठ गया। उसने एक हाथ उठाया और अपनी उँगलियों के सिरों को देखा, फिर उसे मुँह पर रखकर नाखून के किनारे को चबाने लगा। लेकिन यह हरकत धोखे वाली थी; वह व्यक्ति केवल सुनने की शक्ति पर निर्भर था, और टूही जानता था कि उससे किसी भी उत्तर की अपेक्षा नहीं की जा सकती।
कीटिंग आज्ञाकारी भाव से प्रतीक्षा करता रहा; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता प्रतीत होता था; आवाज़ें बंद हो गई थीं और अब उसका काम उनके दोबारा शुरू होने तक प्रतीक्षा करना था।
टूही ने अपने हाथ कुर्सी के बाजूबंद पर रखे, फिर कलाइयों से हथेलियाँ उठाकर, लकड़ी को फिर से हल्के से थपथपाया, मानो अंतिम निश्चय का भाव व्यक्त कर रहा हो। उसने खुद को पैरों पर खड़ा किया।
“धन्यवाद, पीटर,” उन्होंने गंभीरता से कहा। “ईमानदारी को मिटाना मुश्किल है। मैंने जीवन भर बड़े-बड़े श्रोताओं के सामने भाषण दिए हैं। यह वह भाषण था जिसे देने का मौका मुझे शायद कभी न मिले।”
कीटिंग ने अपना सिर उठाया। उसकी आवाज़ में दहशत का भाव था; वह भयभीत नहीं थी, लेकिन उसमें आने वाले एक घंटे की आशंका की झलक थी।
“मत जाओ, एल्सवर्थ।”
टूही उसके ऊपर खड़ा हो गया और धीरे से हँसा।
“यही जवाब है, पीटर। यही मेरा सबूत है। तुम मुझे मेरे असली रूप में जानते हो, तुम जानते हो कि मैंने तुम्हारे साथ क्या किया है, तुम्हारे मन में सदाचार का कोई भ्रम नहीं बचा है। लेकिन तुम मुझे छोड़ नहीं सकते और कभी छोड़ नहीं पाओगे।”
तुमने आदर्शों के नाम पर मेरी बात मानी है। अब तुम बिना आदर्शों के ही मेरी बात मानते रहोगे। क्योंकि अब तुम बस इसी लायक हो... शुभ रात्रि, पीटर।
XV
“यह एक परीक्षण मामला है। इसके बारे में हमारी राय ही मायने रखेगी।”
हम क्या हैं, यह निर्धारित करें। हॉवर्ड रोर्क के रूप में, हमें स्वार्थ और असामाजिक व्यक्तिवाद की ताकतों को कुचलना होगा—जो हमारे आधुनिक संसार का अभिशाप हैं—और जिनके गंभीर परिणाम हमें यहाँ दिखाई दे रहे हैं। जैसा कि इस लेख की शुरुआत में उल्लेख किया गया है, जिला अटॉर्नी के पास अब एक ऐसा सबूत है—जिसकी प्रकृति हम इस समय प्रकट नहीं कर सकते—जो निर्णायक रूप से साबित करता है कि रोर्क दोषी है। हम, जनता, अब न्याय की मांग करेंगे।
यह लेख मई के अंत में एक सुबह "वन स्मॉल वॉइस" में छपा था। गेल वायनांड ने हवाई अड्डे से घर लौटते समय कार में इसे पढ़ा। वे एक राष्ट्रीय विज्ञापनदाता को रोकने के अंतिम प्रयास में शिकागो गए थे, जिसने तीन मिलियन डॉलर के अनुबंध का नवीनीकरण करने से इनकार कर दिया था। दो दिनों के कुशल प्रयास विफल रहे;

वायनांड ने विज्ञापनदाता को खो दिया। नेवार्क में विमान से उतरते ही उन्होंने न्यूयॉर्क के अखबार उठाए। उनकी कार उन्हें उनके कंट्री हाउस ले जाने के लिए इंतजार कर रही थी। तभी उन्होंने "वन स्मॉल वॉइस" पढ़ा।
उसे एक पल के लिए आश्चर्य हुआ कि उसके हाथ में कौन सा अखबार है। उसने पृष्ठ के शीर्ष पर लिखे नाम पर नज़र डाली। लेकिन यह बैनर अखबार था, और कॉलम अपनी सही जगह पर था - कॉलम एक, पहला पृष्ठ, दूसरा खंड।
वह आगे झुका और ड्राइवर को अपने कार्यालय ले जाने का आदेश दिया। वह अखबार का पन्ना गोद में फैलाकर बैठा रहा, जब तक कि गाड़ी बैनर बिल्डिंग के सामने नहीं रुक गई।
इमारत में प्रवेश करते ही उन्होंने इसे तुरंत महसूस किया। लॉबी में लिफ्ट से निकले दो पत्रकारों की आँखों में; लिफ्टकर्मी के हावभाव में, जो उनकी ओर मुड़कर घूरने की इच्छा को दबा रहा था; उनके प्रतीक्षालय में मौजूद सभी लोगों की अचानक खामोशी में; एक सचिव की मेज़ पर टाइपराइटर की क्लिक की आवाज में; दूसरे के उठे हुए हाथ में —उन्होंने प्रतीक्षा देखी। तब उन्हें पता चला कि इस अविश्वसनीय घटना के सभी निहितार्थ उनके अखबार के हर व्यक्ति द्वारा समझ लिए गए थे।
उन्हें पहले एक हल्का सा झटका लगा; क्योंकि उनके चारों ओर प्रतीक्षा कर रहे लोगों में आश्चर्य का भाव था, और अगर उनके और एल्सवर्थ टूही के बीच किसी मुद्दे के परिणाम को लेकर किसी के मन में आश्चर्य की भावना हो सकती है तो कुछ गड़बड़ है।
लेकिन उसके पास अपनी प्रतिक्रियाओं पर ध्यान देने का समय नहीं था। उसके पास एक कसक, चेहरे की हड्डियों, दांतों, गालों और नाक की हड्डी पर हो रहे दबाव के अलावा किसी और चीज़ पर ध्यान देने की जगह नहीं थी—और वह जानता था कि उसे उस दबाव को दबाना होगा, उसे रोके रखना होगा, उसे थामे रखना होगा।
उसने किसी को नमस्कार नहीं किया और अपने कार्यालय में चला गया। अल्वाह स्कारेट अपनी मेज़ के सामने कुर्सी पर धंसा हुआ बैठा था। स्कारेट के गले पर गंदी सफेद पट्टी बंधी थी और उसके गाल लाल थे। वायनांड कमरे के बीच में रुक गया। बाहर खड़े लोगों को राहत मिली: वायनांड का चेहरा शांत दिख रहा था। अल्वाह स्कारेट बेहतर जानता था।
“गेल, मैं यहाँ नहीं था,” उसने लड़खड़ाती हुई फुसफुसाहट में कहा, जो आवाज़ जैसी बिल्कुल नहीं थी। “मैं दो दिनों से यहाँ नहीं था। गले में खराश है, गेल। मेरे डॉक्टर से पूछ लो। मैं यहाँ नहीं था। मैं अभी बिस्तर से उठा हूँ, मुझे देखो, मेरा तापमान 103 है, बुखार है, मतलब, डॉक्टर नहीं चाहते थे कि मैं उठूँ, लेकिन मैं
... उठने के लिए, मेरा मतलब है, गेल, मैं यहाँ नहीं था, मैं यहाँ नहीं था!
उसे यकीन नहीं था कि वायनांड ने सुना था। लेकिन वायनांड ने उसे अपनी बात पूरी करने दी, फिर सुनने का नाटक किया, मानो आवाज़ें उस तक पहुँच रही हों, लेकिन कुछ देर बाद। थोड़ी देर बाद, वायनांड ने पूछा:
“कॉपी डेस्क पर कौन था?”
"यह... यह एलन और फाल्क के माध्यम से हुआ।"
“हार्डिंग, एलन, फाल्क और टूही को बर्खास्त करो। हार्डिंग का अनुबंध खत्म करो।”
लेकिन टूहीज़ में ऐसा नहीं होगा। पंद्रह मिनट में उन सबको इमारत से बाहर निकाल दो।
हार्डिंग प्रबंध संपादक थे; फाल्क कॉपीरीडर थे; एलन कॉपी डेस्क के प्रमुख थे; ये सभी बैनर अखबार में दस साल से अधिक समय से काम कर रहे थे। स्कारेट को ऐसा लग रहा था मानो उसने किसी राष्ट्रपति के महाभियोग, उल्कापिंड से न्यूयॉर्क शहर के विनाश और कैलिफोर्निया के प्रशांत महासागर में डूबने की खबर सुनी हो।
“गेल!” वह चिल्लाया। “हम ऐसा नहीं कर सकते!”
"यहाँ से चले जाओ।"

स्कारेट बाहर निकल गई।
वायनांड ने अपनी मेज पर एक स्विच दबाया और बाहर खड़ी महिला की कांपती हुई आवाज के जवाब में कहा:
किसी को भी अंदर आने की अनुमति न दें।
जी हां, श्री वायनांड।
उसने एक बटन दबाया और सर्कुलेशन मैनेजर से बात की।
"सड़क पर बिकने वाली हर नकल को रोकें।"
“श्री वायनांड, बहुत देर हो चुकी है! उनमें से अधिकतर तो...”
उन्हें रोकें।
जी हां, श्री वायनांड।
वह अपना सिर मेज पर रखना चाहता था, शांत लेटना और आराम करना चाहता था, लेकिन उसे जिस तरह के आराम की ज़रूरत थी, वह मौजूद ही नहीं था - नींद से भी बढ़कर, मृत्यु से भी बढ़कर, वह आराम जो कभी न जीने जैसा था। यह इच्छा मानो खुद पर एक गुप्त ताना थी, क्योंकि वह जानता था कि उसके सिर में उठ रहा असहनीय दबाव इसके विपरीत संकेत दे रहा था - एक ऐसी तीव्र क्रिया की इच्छा, जो उसे लकवाग्रस्त कर रही थी। उसने साफ कागज़ के पन्ने ढूंढने शुरू किए, यह भूलकर कि उसने उन्हें कहाँ रखा था। उसे वह संपादकीय लिखनी था जो स्पष्टीकरण दे और खंडन करे। उसे जल्दी करनी थी। उसे उस लेख के बिना बीते एक भी मिनट पर कोई अधिकार नहीं था।
कागज़ पर पहला शब्द लिखते ही सारा तनाव गायब हो गया। उसका हाथ तेज़ी से चल रहा था और वह सोच रहा था कि शब्दों में कितनी शक्ति होती है; बाद में, उन्हें सुनने वालों के लिए, लेकिन सबसे पहले उन्हें खोजने वाले के लिए: एक उपचार शक्ति, एक समाधान, मानो किसी बाधा का टूटना। उसने सोचा, शायद वैज्ञानिकों द्वारा अब तक न खोजा गया मूल रहस्य, जीवन का पहला स्रोत, वह है जो तब होता है जब एक विचार शब्दों में आकार लेता है।
उसे अपने दफ्तर की दीवारों और फ़र्श में गड़गड़ाहट और कंपन सुनाई दी। उसकी दोपहर की अख़बार, एक छोटा सा टैब्लॉइड, क्लैरियन, की छपाई मशीनें ज़ोरों से चल रही थीं। वह उस आवाज़ पर मुस्कुराया। उसका हाथ तेज़ी से चलने लगा, मानो वह आवाज़ उसकी उंगलियों में ऊर्जा भर रही हो।
उन्होंने अपने संपादकीय में प्रयुक्त "हम" शब्द का प्रयोग छोड़ दिया था। उन्होंने लिखा:
"...और यदि मेरे पाठक या मेरे शत्रु इस घटना पर मेरा मजाक उड़ाना चाहें, तो मैं इसे स्वीकार करूंगा और इसे अपने द्वारा किए गए ऋण का भुगतान मानूंगा। मैं इसके योग्य हूं।"
उसने सोचा: यह इस इमारत का दिल है, धड़क रहा है—कितना समय हुआ होगा? क्या मैं सचमुच इसे सुन रहा हूं या यह मेरे दिल की धड़कन है? एक बार, एक डॉक्टर ने अपने स्टेथोस्कोप के सिरे मेरे कानों में डाले और मुझे अपने दिल की धड़कन सुनने दी। दिल की धड़कनें - बिल्कुल ऐसी ही आवाज आ रही थी - उन्होंने कहा कि मैं एक स्वस्थ जानवर हूँ और कई सालों तक ठीक रहूँगा - कई ... सालों तक ...
मैंने अपने पाठकों पर एक घृणित बदमीश को थोप दिया है, जिसकी आध्यात्मिक प्रतिष्ठा ही मेरा एकमात्र बहाना है। समाज के प्रति मेरे मन में इतनी घृणा नहीं थी कि मैं उसे खतरनाक मान सकूँ। मैं अब भी अपने साथी मनुष्यों के प्रति इतना सम्मान रखता हूँ कि मैं कह सकूँ कि एल्सवर्थ टूही कोई खतरा नहीं हो सकता।
कहते हैं कि ध्वनि कभी नष्ट नहीं होती, बल्कि अंतरिक्ष में यात्रा करती रहती है—तो मनुष्य के दिल की धड़कनों का क्या होता है?—छप्पन वर्षों में इतनी सारी धड़कनें। क्या उन्हें किसी तरह के संघनन में पुनः एकत्रित करके फिर से उपयोग में लाया जा सकता है? यदि उन्हें पुनः प्रसारित किया जाए, तो क्या इसका परिणाम उन प्रेस मशीनों

का खात्मा होगा?
लेकिन मैंने अपने अखबार के मुखपृष्ठ के तहत उसका समर्थन किया है, और यदि सार्वजनिक प्रायश्चित हमारे आधुनिक युग में एक अजीब, अपमानजनक कार्य है, तो यही वह दंड है जो मैं स्वयं पर थोपता हूँ।
उन कोमल छोटी-छोटी आवाज़ों के छप्पन साल नहीं, जिन्हें मनुष्य कभी नहीं सुनता, हर एक बूंद अंतिम, अल्पविराम की तरह नहीं, बल्कि पूर्णविराम की तरह, पृष्ठ पर पूर्णविरामों की एक लंबी श्रृंखला, जो उन प्रेस को भरने के लिए एकत्रित की गई हैं—छप्पन नहीं, बल्कि इकत्तीस, बाकी पच्चीस मुझे तैयार करने गए थे—जब मैंने दरवाजे के ऊपर नया मुखपृष्ठ लगाया तब मैं पच्चीस साल का था—प्रकाशक अखबार का नाम नहीं बदलते—लेकिन यह वाला बदलता है।
—द न्यू यॉर्क बैनर—गेल वायनांड का बैनर...
मैं इस लेख को पढ़ने वाले हर व्यक्ति से क्षमा मांगता हूं।
एक स्वस्थ जानवर—और जो मुझसे आता है वह स्वस्थ होता है—मुझे उस डॉक्टर को यहाँ लाना होगा और उसे उन प्रेस रिपोर्टों को सुनना होगा—
वह अपनी अच्छी, आत्मसंतुष्ट और खुशमिजाज़ मुस्कान बिखेरेगा, डॉक्टर कभी-कभी एकदम स्वस्थ व्यक्ति को देखकर खुश हो जाते हैं, यह बहुत दुर्लभ होता है—मुझे उसे कुछ तोहफा देना चाहिए।
—यह अब तक सुनी गई सबसे स्वास्थ्यवर्धक आवाज़ थी—और वह कहेंगे कि बैनर कई वर्षों तक अच्छा रहेगा....
उनके दफ्तर का दरवाज़ा खुला और एल्सवर्थ टूही अंदर आए।
वायनांड ने बिना किसी विरोध के उसे कमरे को पार करके डेस्क के पास जाने दिया।
वायनांड को लगा कि जो वह महसूस कर रहा था वह जिज्ञासा थी—अगर जिज्ञासा को किसी अथाह गहराई से निकली हुई वस्तु के आयामों में ढाला जा सकता है—जैसे बैनर के रविवार के परिशिष्ट के पन्नों में मानव आकृतियों की ओर बढ़ते हुए घर के आकार के भृंगों के चित्र—जिज्ञासा, क्योंकि एल्सवर्थ टूही अभी भी वहीं था।
इमारत में, क्योंकि टूही ने दिए गए आदेशों के बावजूद प्रवेश प्राप्त कर लिया था, और क्योंकि टूही हंस रही था।
"मैं छुट्टी लेने आया हूँ, श्री वायनांड," टूही ने कहा।
उनका चेहरा संयमित था; उस पर कोई गर्व का भाव नहीं था; एक ऐसे कलाकार का चेहरा जो जानता था कि अति करना हार है और सामान्य बने रहकर ही उसने आक्रामक होने की पराकाष्ठा हासिल की थी। और आपको बता दूं कि मैं वापस आऊंगा। इस काम पर, इस कॉलम पर, इस इमारत में। इस बीच आपको अपनी गलती का असली रूप पता चल जाएगा। मुझे माफ़ कर दीजिएगा, मुझे पता है यह बहुत ही घटिया बात है, लेकिन मैंने तेरह साल इसका इंतज़ार किया है और मुझे लगता है कि मैं खुद को इनाम के तौर पर पांच मिनट दे सकता हूँ। तो आप एक अधिकार जताने वाले व्यक्ति थे, श्री वायनांड, और आपको अपनी संपत्ति से कितना लगाव था? क्या आपने कभी सोचा कि यह किस पर टिकी है? क्या आपने कभी इसकी नींव को मज़बूत करने के बारे में सोचा? नहीं, क्योंकि आप एक व्यावहारिक व्यक्ति थे। व्यावहारिक लोग बैंक खातों, अचल संपत्ति, विज्ञापन अनुबंधों और सोने की परत चढ़ी प्रतिभूतियों में लेन-देन करते हैं। वे मेरे जैसे अव्यावहारिक बुद्धिजीवियों के लिए सोने की परत की रासायनिक जांच करके उसकी प्रकृति और स्रोत के बारे में कुछ जानने का मनोरंजन छोड़ देते हैं। वे क्रीम-ओ पुडिंग से चिपके रहते हैं, और हमारे लिए रंगमंच, फिल्में, रेडियो, स्कूल, पुस्तक समीक्षा और वास्तुकला की आलोचना जैसी तुच्छ बातें छोड़ देते हैं। बस हमें चुप कराने के लिए, अगर हमें परवाह है तो। अपना समय जीवन की महत्वहीन बातों में बर्बाद करना, जबकि आप पैसा कमा रहे हैं। पैसा ही शक्ति है।

क्या सच में, श्री वायनांड? तो आप सत्ता के पीछे पड़े थे, श्री वायनांड? लोगों पर सत्ता? आप तो बिल्कुल अनाड़ी हैं! आपने कभी अपनी महत्वाकांक्षा की असलियत नहीं समझी, वरना आपको पता होता कि आप इसके लायक नहीं हैं। आप इसके लिए ज़रूरी तरीके नहीं अपना सकते थे और न ही आप इसके नतीजे चाहते।
तुम कभी भी उतने बड़े बदमाश नहीं रहे जितने होने चाहिए थे। मुझे तुम्हें यह सज़ा देने में कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि मुझे नहीं पता कि कौन सी बात ज़्यादा बुरी है: एक महान बदमाश होना या एक बहुत बड़ा मूर्ख होना। इसीलिए मैं वापस आऊँगा। और जब मैं वापस आऊँगा, तो मैं इस अखबार को चलाऊँगा।
वायनांड ने धीमी आवाज़ में कहा:
जब तुम तैयार हो जाओ। अब यहाँ से चले जाओ।
बैनर अखबार के सिटी ऑफिस के कर्मचारियों ने हड़ताल कर दी।
वायनांड कर्मचारी संघ के सभी सदस्य एक साथ काम छोड़कर चले गए। कई अन्य गैर-सदस्य भी उनके साथ शामिल हो गए। हालांकि टाइपिंग स्टाफ काम पर बना रहा। वायनांड ने कभी भी यूनियन के बारे में सोचा तक नहीं था। वह अन्य सभी प्रकाशकों की तुलना में अधिक वेतन देते थे और उन पर कभी भी आर्थिक दबाव नहीं डाला गया था। यदि उनके कर्मचारी भाषण सुनकर अपना मनोरंजन करना चाहते थे, तो उन्हें इसमें चिंता करने का कोई कारण नहीं दिखता था।
डोमिनिक ने एक बार उसे चेतावनी देने की कोशिश की थी: "गेल, अगर लोग वेतन, काम के घंटे या व्यावहारिक मांगों के लिए संगठित होना चाहते हैं, तो यह उनका पूरा अधिकार है। लेकिन जब कोई ठोस उद्देश्य न हो, तो तुम्हें कड़ी निगरानी रखनी चाहिए।" "डार्लिंग, मुझे कितनी बार कहना पड़ेगा? बैनर से दूर रहो।"
उन्होंने कभी यह जानने की जहमत नहीं उठाई थी कि यूनियन में कौन-कौन शामिल है। अब उन्हें पता चला कि सदस्यता कम थी—लेकिन बेहद महत्वपूर्ण थी; इसमें उनके सभी प्रमुख लोग शामिल थे, बड़े अधिकारी नहीं, बल्कि उनसे नीचे के रैंक के लोग, जिन्हें कुशलता से चुना गया था, सक्रिय लोग, छोटे-छोटे लेकिन अपरिहार्य प्रेरक: सबसे कुशल कर्मचारी, सामान्य कार्य सौंपने वाले, पुनर्लेखन करने वाले, सहायक संपादक। उन्होंने उनके रिकॉर्ड देखे: उनमें से अधिकांश को पिछले आठ वर्षों में नियुक्त किया गया था; श्री टूही की सिफ़ारिशों पर।
गैर-सदस्य कई कारणों से बाहर चले गए: कुछ इसलिए कि वे वायनांड से नफ़रत करते थे; अन्य इसलिए कि वे वहाँ रहने से डरते थे और उन्हें लगा कि मुद्दे का विश्लेषण करने से बेहतर है कि वे वहीं रहें। एक डरपोक सा दिखने वाला आदमी हॉल में वायनांड से मिला और चीखते हुए रुक गया: "हम वापस आएंगे, प्रिय, और तब कहानी कुछ और होगी!" कुछ लोग वायनांड की नजरों से बचते हुए चले गए। कुछ ने सावधानी बरती।
"श्रीमान वायनांड, मुझे यह करना बिल्कुल पसंद नहीं है, मुझे इससे बहुत नफ़रत है, मेरा उस यूनियन से कोई लेना-देना नहीं था, लेकिन हड़ताल तो हड़ताल है और मैं खुद को हड़ताल तोड़ने वाला नहीं बनने दे सकता।" "सच कहूँ तो, श्रीमान वायनांड, मुझे नहीं पता कि कौन सही है और कौन गलत, मुझे लगता है कि एल्सवर्थ ने गंदी चाल चली और हार्डिंग को उसे ऐसा करने की छूट नहीं देनी चाहिए थी, लेकिन आजकल कोई कैसे यकीन कर सकता है कि कौन सही है? और एक बात जो मैं नहीं करूँगा वह यह है कि मैं पिकेट लाइन पार नहीं करूँगा। नहीं, महोदय। मेरा मानना है कि पिकेट सही हो या गलत।"
हड़तालियों ने दो मांगें रखीं: बर्खास्त किए गए चार लोगों की बहाली; कॉर्टलैंड मामले पर बैनर के रुख में बदलाव।
प्रबंध संपादक हार्डिंग ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए एक लेख लिखा; यह न्यू फ्रंटियर्स में प्रकाशित हुआ था। "मैंने श्रीमान की अनदेखी की थी।"

नीतिगत मामलों में वायनांड के आदेशों का पालन करना शायद प्रबंध संपादक के लिए एक अभूतपूर्व कदम था। मैंने इसमें निहित ज़िम्मेदारी को पूरी तरह समझते हुए ऐसा किया। श्री टूही, एलन, फाल्क और मैं चाहते थे कि...
अपने कर्मचारियों, शेयरधारकों और पाठकों के हित में बैनर को बचाना हमारा कर्तव्य है। हम श्री वायनांड को शांतिपूर्ण तरीके से समझाना चाहते थे। हमें उम्मीद थी कि जब वे देखेंगे कि बैनर देश के अधिकांश प्रेस के समान रुख अपना रहा है, तो वे विनम्रतापूर्वक मान जाएंगे। हम अपने नियोक्ता के मनमाने, अप्रत्याशित और बेईमान स्वभाव से अवगत थे, लेकिन हमने जोखिम उठाया और अपने पेशेवर कर्तव्य के लिए खुद को कुर्बान करने को तैयार थे। यद्यपि हम किसी मालिक के राजनीतिक, सामाजिक या आर्थिक मुद्दों पर अपने अखबार की नीति तय करने के अधिकार को स्वीकार करते हैं, हमारा मानना है कि जब कोई नियोक्ता आत्मसम्मानित लोगों से किसी आम अपराधी का पक्ष लेने की अपेक्षा करता है, तो स्थिति शालीनता की सीमा पार कर जाती है। हम चाहते हैं कि श्री वायनांड यह समझें कि तानाशाही एक-व्यक्ति शासन का युग बीत चुका है। जिस संस्था से हम अपनी आजीविका कमाते हैं, उसके संचालन में हमारी भी कुछ भूमिका होनी चाहिए। यह प्रेस की स्वतंत्रता की लड़ाई है।
श्री हॉर्डिंग साठ वर्ष के थे, लॉन्ग आइलैंड पर उनकी एक संपत्ति थी, और वे अपना खाली समय स्कीट शूटिंग और तीतर पालने में बिताते थे। उनकी निःसंतान पत्नी सामाजिक अध्ययन कार्यशाला के निदेशक मंडल की सदस्य थीं; कार्यशाला के प्रसिद्ध व्याख्याता टूही ने ही उन्हें कार्यशाला से परिचित कराया था। उन्होंने अपने पति का लेख लिखा था।
कॉपी डेस्क पर मौजूद दोनों व्यक्ति टूही यूनियन के सदस्य नहीं थे। एलन की बेटी एक खूबसूरत युवा अभिनेत्री थी जिसने आइके के सभी नाटकों में अभिनय किया था। फाल्क का भाई लैंसलॉट क्लोकी का सचिव था।
गेल वायनांड अपने दफ्तर में डेस्क पर बैठे कागजों के ढेर को देख रहे थे। उनके पास करने को बहुत कुछ था, लेकिन एक तस्वीर बार-बार उनके दिमाग में घूम रही थी और वे उसे भुला नहीं पा रहे थे। उसका असर उनके हर काम पर पड़ रहा थी—एक फटेहाल लड़के की तस्वीर जो एक संपादक की डेस्क के सामने खड़ा था: "क्या तुम बिल्ली की स्पेलिंग बता सकते हो?"—"क्या तुम मानवरूपविज्ञान की स्पेलिंग बता सकते हो?" दोनों की पहचानें आपस में उलझ गईं और भ्रमित हो गईं। उन्हें लगा जैसे लड़का यहीं, उनकी डेस्क पर, इंतज़ार कर रहा हो, और एक बार उसने ज़ोर से कहा: "चले जाओ!" गुस्से में उन्होंने खुद को संभाला और सोचा: तुम पागल हो रहे हो, मूर्ख, अभी समय नहीं है। उन्होंने फिर ज़ोर से कुछ नहीं कहा, लेकिन पढ़ते, जाँचते और कागज़ों पर हस्ताक्षर करते हुए उनके मन में यह बातचीत चुपचाप चलती रही: "चले जाओ! यहाँ कोई काम नहीं है।"
"मैं यहीं आसपास रहूंगा। जब चाहो मेरा इस्तेमाल कर लो। मुझे पैसे देने की ज़रूरत नहीं है।" "वे तुम्हें पैसे दे रहे हैं, समझ नहीं रहे, छोटे मूर्ख?"
वे तुम्हें पैसे दे रहे हैं।" उसने सामान्य स्वर में ज़ोर से कहा।
टेलीफ़ोन: "मैनिंग को बता दो कि हमें चटाई के सामान से काम चलाना पड़ेगा...."
जितनी जल्दी हो सके प्रूफ भेज दो... एक सैंडविच भेज दो। किसी भी तरह का।
कुछ लोग उसके साथ ही रह गए थे: बूढ़े लोग और नकल करने वाले लड़के।
वे सुबह आते थे, अक्सर उनके चेहरे पर चोटें होती थीं और कॉलर पर खून लगा होता था; एक तो लड़खड़ाते हुए आया, उसका सिर फटा हुआ था, और उसे एम्बुलेंस में ले जाना पड़ा। यह न तो साहस था और न ही वफादारी; यह तो बस निष्क्रियता थी; वे बहुत लंबे समय से इस सोच के साथ जी रहे थे कि अगर बैनर में उनकी नौकरी चली गई तो दुनिया खत्म हो जाएगी। बूढ़े लोग नहीं समझते थे। नौजवानों को परवाह नहीं थी।

कॉपी बॉयज़ को रिपोर्टरों के बीट पर भेजा जाता था। उनके द्वारा भेजी गई अधिकांश सामग्री इतनी उच्च गुणवत्ता की होती थी कि वायनांड निराशा से बाहर निकलकर ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगते थे: उन्होंने कभी इतनी उच्च स्तरीय अंग्रेज़ी नहीं पढ़ी थी; उन्हें उस महत्वाकांक्षी युवक का गर्व साफ दिखाई देता था जो आखिरकार पत्रकार बन गया था। जब बैनर में कहानियां उसी रूप में छपीं जैसी लिखी गई थीं, तो वे नहीं हंसे; क्योंकि उन्हें दोबारा लिखने के लिए पर्याप्त लोग नहीं थे।
उसने नए लोगों को काम पर रखने की कोशिश की। उसने भारी-भरकम वेतन की पेशकश की। जिन लोगों को वह चाहता था, उन्होंने उसके लिए काम करने से इनकार कर दिया। कुछ लोगों ने उसकी बात मान ली, और उसे पछतावा हुआ कि काश उन्होंने ऐसा न किया होता, हालांकि उसने उन्हें काम पर रख लिया। ये वे लोग थे जिन्हें दस साल से किसी प्रतिष्ठित अखबार में नौकरी नहीं मिली थी; ऐसे लोग जिन्हें एक महीने पहले तक उसकी इमारत की लॉबी में भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं होती। उनमें से कुछ को दो दिनों में ही निकाल दिया गया; कुछ वहीं रह गए। वे ज्यादातर समय नशे में रहते थे। कुछ ऐसे व्यवहार करते थे मानो वे वायनांड पर कोई एहसान कर रहे हों। एक ने कहा, "गुस्सा मत करो, गेल, दोस्त," और उसे दो सीढ़ियाँ नीचे फेंक दिया गया। उसका टखना टूट गया और वह सबसे नीचे वाली सीढ़ी पर बैठा हुआ था, पूरी तरह से आश्चर्यचकित होकर वायनांड को देख रहा था। दूसरे लोग अधिक चालाक थे; वे बस इधर-उधर घूमते रहते थे और वायनांड को तिरछी निगाहों से देखते थे, लगभग आँख मारते हुए, यह जताते हुए कि वे साथी अपराधी हैं जो किसी गंदे सौदे में एक साथ बंधे हुए हैं।
उन्होंने पत्रकारिता विद्यालयों से अपील की। किसी ने जवाब नहीं दिया। एक छात्र संगठन ने उन्हें अपने सभी सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक प्रस्ताव भेजा: "...
अपने पेशे की गरिमा के प्रति उच्च सम्मान रखते हुए, प्रेस के सम्मान को बनाए रखने के लिए खुद को समर्पित करते हुए, हम महसूस करते हैं कि हममें से कोई भी अपने आत्मसम्मान को बनाए रखते हुए आपके जैसे प्रस्ताव को स्वीकार नहीं कर सकता।
समाचार संपादक अपनी डेस्क पर ही रहे; नगर संपादक जा चुके थे। वायनांड ने नगर संपादक, प्रबंध संपादक, वायर मैनेजर, रीराइट मैनेजर और कॉपी बॉय का काम संभाला। वह इमारत से बाहर नहीं निकले। वह अपने कार्यालय में सोफे पर सोए—जैसा कि बैनर के शुरुआती वर्षों में उन्होंने किया था। बिना कोट और बिना टाई के, फटी हुई कमीज़ को कॉलर लिए, वह सीढ़ियों पर ऊपर-नीचे दौड़ते रहे, उनके कदमों की आवाज़ मशीन गन की तरह गूंज रही थी। दो लिफ्ट बॉय वहीं रहे; बाकी सब गायब हो गए, किसी को नहीं पता कि कब और क्यों, हड़ताल के प्रति सहानुभूति, डर या सिर्फ निराशा के कारण।
अल्वाह स्कारेट, वायनांड की शांति को समझ नहीं पा रहे थे। वह प्रतिभाशाली मशीन—और स्कारेट के मन में वायनांड के लिए हमेशा से यही शब्द इस्तेमाल होता आया था—पहले कभी इतनी बेहतरीन ढंग से काम नहीं कर रही थी।
उसके शब्द संक्षिप्त थे, आदेश त्वरित और निर्णय तत्काल। मशीनों, सीसे, ग्रीस, स्याही, बेकार कागज़, बिना साफ किए दफ्तरों, खाली डेस्कों और नीचे सड़क से ईंट फेंके जाने पर अचानक बिखरते कांच के शोर के बीच, वायनांड दोहरी रोशनी में डूबा हुआ था, मानो पृष्ठभूमि से अलग, बेमेल और बेमेल सा लग रहा हो। स्कारेट ने सोचा, वह यहाँ का नहीं है, क्योंकि वह आधुनिक नहीं दिखता—यही तो बात है—वह आधुनिक नहीं दिखता, चाहे उसने किसी भी तरह की पैंट पहनी हो—वह किसी गॉथिक गिरजाघर की मूर्ति जैसा दिखता है। कुलीन सिर, सीधा, मांसहीन चेहरा जो सिकुड़ गया था। एक ऐसे जहाज का कप्तान जिसे कप्तान को छोड़कर सभी जानते थे कि वह डूब रहा है।
अल्वाह स्कारेट वहीं रुका रहा। उसे समझ नहीं आ रहा था कि घटनाएँ सच थीं; वह स्तब्ध सा इधर-उधर भटकता रहता था; हर सुबह जब वह इमारत के पास गाड़ी

चलाकर आता और प्रदर्शनकारियों को देखता, तो उसे अचंभे का एक नया झटका लगता। उसकी कार की विंडशील्ड पर कुछ टमाटर फेंके जाने के अलावा उसे कोई चोट नहीं आई थी। उसने वायनांड की मदद करने की कोशिश की; उसने अपना और पाँच अन्य आदमियों का काम करने की कोशिश की, लेकिन वह एक सामान्य दिन का काम भी पूरा नहीं कर पाता था। वह अंदर ही अंदर टूट रहा था, एक अनसुलझे सवाल ने उसके जोड़ों को जकड़ रखा था। वह सबका समय बर्बाद करता था, हर बात को बीच में रोककर पूछता था: "लेकिन क्यों? क्यों? कैसे, अचानक से सब कुछ कैसे हो गया?"
उसने सफेद वर्दी पहने एक नर्स को गलियारे में चलते हुए देखा—भूतल पर एक आपातकालीन प्राथमिक चिकित्सा केंद्र स्थापित किया गया था।
उसने उसे खून से सने जालीदार कपड़े के गुच्छों से भरी कूड़ेदान को भस्मक की ओर ले जाते देखा। वह मुँह फेर लिया; उसें घिन आ रही थी। यह दृश्य नहीं था, बल्कि उसके मन में छिपे गहरे खतरे का डर था।
सहज ज्ञान: यह सभ्य इमारत—चमकीले फर्शों की स्वच्छता में सुरक्षित, आधुनिक व्यापार की सख्त व्यवस्था में सजी-धजी, जहाँ लिखित शब्दों और व्यापारिक अनुबंधों जैसे तर्कसंगत मामलों का निपटारा होता था, जहाँ बच्चों के कपड़ों के विज्ञापन स्वीकार किए जाते थे और गोल्फ के बारे में बातचीत होती थी—कुछ ही दिनों में एक ऐसी जगह बन गई थी जहाँ गलियारों में खून से सना हुआ कचरा ढोया जाता था। क्यों?—अल्वाह स्कारेट ने सोचा।
“मुझे समझ नहीं आ रहा,” उसने अपने आस-पास मौजूद सभी लोगों से एक ही लहजे में नीरस स्वर में कहा, “मुझे समझ नहीं आ रहा कि एल्सवर्थ को इतनी शक्ति कैसे मिल गई।... और एल्सवर्थ एक सुसंस्कृत व्यक्ति है, एक आदर्शवादी है, कोई भाषणबाज़ी करने वाला कट्टरपंथी नहीं है, वह बहुत ही मिलनसार और हास्यप्रिय है, और उसका ज्ञान कितना अद्भुत है!—जो व्यक्ति हर समय मज़ाक करता रहता है, वह हिंसा का आदमी नहीं हो सकता।”
एल्सवर्थ का ऐसा कोई इरादा नहीं था, उसे पता नहीं था कि इसका क्या नतीजा होगा, वह लोगों से प्यार करता है, मैं एल्सवर्थ टूही पर अपनी जान की बाजी लगा सकता हूँ।
एक बार, वायनांड के कार्यालय में, उन्होंने यह कहने का साहस किया:
"गेल, तुम बातचीत क्यों नहीं करती? कम से कम उनसे मिल ही लो?"
"चुप रहो।"
लेकिन, गेल, उनकी बात में भी थोड़ी सच्चाई हो सकती है। वे पत्रकार हैं। आप जानती ही हैं ना, प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में क्या कहा जाता है।
”
फिर उसने क्रोध का वह प्रकोप देखा जिसकी उसे कई दिनों से उम्मीद थी और जिसे उसने सुरक्षित रूप से टाल दिया था—नीली पुतलियाँ सफेद धब्बे में गायब हो गईं, खोखली आँखों की पुतलियाँ, काँपते हाथ। लेकिन एक पल में, उसने वह देखा जो उसने पहले कभी नहीं देखा था: उसने वायनांड को बिना किसी आवाज़ या राहत के, क्रोध से बाहर निकलते देखा। उसने खोखली कनपटी पर प्रयास का पसीना और मेज के किनारे पर मुट्ठियाँ देखीं।
“अल्वाह... अगर मैं गजट की सीढ़ियों पर एक हफ्ते तक न बैठा होता...”
अगर वे स्वतंत्र रूप से रह सकें तो प्रेस कहाँ होगी?
बाहर और इमारत के गलियारों में पुलिसकर्मी तैनात थे। इससे कुछ मदद मिली, लेकिन ज़्यादा नहीं। एक रात मुख्य द्वार पर तेजाब फेंका गया। इससे भूतल की खिड़कियों के बड़े शीशे जल गए और दीवारों पर कोढ़ के धब्बे पड़ गए। बेयरिंग में रेत फंसने से एक प्रेस मशीन रुक गई। एक गुमनाम डेलिकेटेसन (खाने-पीने की दुकान) के मालिक की दुकान को बैनर अखबार में विज्ञापन देने के कारण तोड़ दिया गया। कई छोटे

विज्ञापनदाताओं ने अपने विज्ञापन वापस ले लिए। वायनांड के डिलीवरी ट्रकों को तोड़फोड़ कर नष्ट कर दिया गया।
ड्राइवर की मौत हो गई। हड़ताल पर बैठी वायनांड कर्मचारी संघ ने हिंसा की घटनाओं के खिलाफ विरोध जताया; संघ ने हिंसा नहीं भड़काई थी; उसके अधिकांश सदस्यों को पता ही नहीं था कि हिंसा किसने भड़काई थी। न्यू फ्रंटियर्स ने खेदजनक ज्यादतियों के बारे में कुछ कहा, लेकिन उनका श्रेय किसी और को दिया।
"जनता के न्यायसंगत गुस्से का सहज विस्फोट।"
होमर स्लॉटर ने, खुद को उदारवादी व्यवसायी कहने वाले एक समूह के नाम पर, वायनांड को एक नोटिस भेजकर अपने विज्ञापन अनुबंध रद्द कर दिए। “आप चाहें तो हम पर मुकदमा कर सकते हैं। हमें लगता है कि हमारे पास रद्द करने का वैध कारण है। हमने एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र में विज्ञापन देने का समझौता किया था, न कि ऐसे अखबार में जो सार्वजनिक रूप से बदनाम हो चुका है, हमारे दरवाजे पर विरोध प्रदर्शन करवाता है, हमारे व्यवसाय को बर्बाद करता है और जिसे कोई पढ़ता भी नहीं है।” इस समूह में बैनर के अधिकांश सबसे धनी विज्ञापनदाता शामिल थे।
गेल वायनांड अपने कार्यालय की खिड़की पर खड़े होकर अपने शहर को देख रहे थे।
“मैंने उस समय हड़तालों का समर्थन किया जब ऐसा करना खतरनाक था। मैंने जीवन भर गेल वायनांड का विरोध किया है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा दिन या मुद्दा आएगा जब मुझे यह कहने के लिए मजबूर होना पड़ेगा—जैसा कि मैं अब कह रही हूँ—कि मैं गेल वायनांड के साथ खड़ी हूँ,” ऑस्टेन हेलर ने क्रॉनिकल में लिखा।
वायनांड ने उसे एक नोट भेजा: “तुम्हें धिक्कार है, मैंने तुमसे मेरा बचाव करने के लिए नहीं कहा था। जी डब्ल्यू”
द न्यू फ्रंटियर्स ने ऑस्टेन हेलर को "एक प्रतिक्रियावादी बताया जिसने खुद को बड़े व्यवसायों को बेच दिया है।" बौद्धिक समाज की महिलाओं ने कहा कि ऑस्टेन हेलर पुराने विचारों वाली थीं।
गैल वायनांड सिटी रूम में अपनी डेस्क पर बैठे हमेशा की तरह संपादकीय लिख रहे थे। उनके लापरवाह कर्मचारियों ने उनमें कोई बदलाव नहीं देखा; न कोई जल्दबाजी, न ही गुस्से का कोई विस्फोट। किसी ने ध्यान नहीं दिया कि उनके कुछ काम नए थे: वे प्रेस रूम में जाते और गर्जना करते हुए विशाल कागजों से निकलती सफेद धारा को देखते और उसकी आवाज़ सुनते। वे कंपोजिंग रूम के फर्श से सीसे की एक गोली उठाते, उसे अपनी हथेली पर ऐसे सहलाते जैसे वह कोई कीमती पत्थर हो, और फिर उसे सावधानी से मेज पर रख देते, मानो वे उसे बर्बाद नहीं करना चाहते हों।
वह इस तरह की अन्य प्रकार की बर्बादी से लड़ता था, उसे महसूस भी नहीं करता था, उसकी हरकतें सहज थीं: वह पेंसिलें उठाता था, आधे घंटे तक वह एक खराब टाइपराइटर की मरम्मत करता रहा, जबकि टेलीफोन लगातार बजते रहते थे और कोई जवाब नहीं देता था। यह मितव्ययिता का मामला नहीं था; वह चेक पर हस्ताक्षर करता था।
आंकड़ों को देखे बिना; स्कारेट को यह सोचकर डर लगता था कि हर दिन उसे कितना खर्च करना पड़ रहा है। यह उन चीजों का मामला था जो उस इमारत का हिस्सा थीं जहाँ उसे हर दरवाजे का हैंडल प्यारा था, वे चीजें जो बैनर की थीं, जो उसकी अपनी थीं।
वह हर दोपहर बाद गांव में रहने वाली डोमिनिक को फोन करता था।
“ठीक है। सब कुछ नियंत्रण में है। घबराहट फैलाने वालों की बातों पर ध्यान मत दो... नहीं, भाड़ में जाएँ वो सब, तुम्हें पता है मैं उस अखबार के बारे में बात नहीं करना चाहता।”
बताओ बगीचा कैसा दिखता है... क्या आज तुम तैरने गए थे?

मुझे झील के बारे में बताओ... तुमने कौन सी ड्रेस पहनी है? ... आज रात आठ बजे WLX सुनो, वो तुम्हारा पसंदीदा संगीत बजाएंगे—रखिमानिनॉफ का दूसरा कॉन्सर्टो... बेशक मेरे पास हर चीज़ की जानकारी रखने का समय है... ओह, ठीक है, मुझे लगता है कि एक पूर्व अख़बार वाली को बेवकूफ़ नहीं बनाया जा सकता, मैंने रेडियो पेज देख लिया था... बेशक हमारे पास काफ़ी मदद है, बस कुछ नए लड़कों पर मुझे पूरा भरोसा नहीं है और मेरे पास थोड़ा समय था... सबसे ज़रूरी बात, शहर मत आना। तुमने मुझसे वादा किया था... शुभ रात्रि, प्रियतम...
उसने फोन रख दिया और मुस्कुराते हुए फोन को देखता रहा। ग्रामीण इलाकों का ख्याल उसके लिए किसी ऐसे महाद्वीप की याद जैसा था जो एक ऐसे महासागर के पार हो जिसे पार करना असंभव हो; इससे उसे ऐसा महसूस हुआ जैसे वह किसी घिरे हुए किले में कैद हो गया हो और उसे यह अच्छा लगा—यह तथ्य नहीं, बल्कि यह एहसास। उसका चेहरा किसी दूर के पूर्वज की याद दिलाता था जिसने किसी किले की प्राचीर पर लड़ाई लड़ी हो।
एक शाम वह सड़क के उस पार स्थित रेस्तरां में गया; उसने कई दिनों से भरपेट भोजन नहीं किया था। जब वह लौटा तो सड़कें अभी भी उजाली थीं—गर्मी की शांत भूरी धुंध, मानो सूरज की मंद किरणें गर्म हवा पर इतनी आराम से फैली हुई हों कि पीछे हटने को तैयार न हों, भले ही सूरज को डूबे हुए काफी समय हो गया था; इससे आकाश ताज़ा और सड़क मैली लग रही थी; पुरानी इमारतों के कोनों में भूरे और मुरझाए नारंगी रंग के धब्बे थे। उसने बैनर के प्रवेश द्वार के सामने धरना दे रहे प्रदर्शनकारियों को देखा। वे आठ लोग थे और फुटपाथ पर एक लंबे अंडाकार घेरे में लगातार चक्कर लगा रहे थे। उसने एक लड़के को पहचान लिया—वह एक पुलिस रिपोर्टर था; उसने बाकी लोगों को पहले कभी नहीं देखा था। उनके हाथों में तख्तियां थीं जिन पर लिखा था: "टूही, हार्डिंग, एलन, फाल्क...", "प्रेस की स्वतंत्रता...", "गेल वायनांड मानवाधिकारों की हनन करती है..."
उसकी निगाहें एक महिला पर टिकी रहीं। उसके कूल्हे टखनों से शुरू होकर जूतों की कसी हुई पट्टियों से उभरे हुए थे; उसके कंधे चौड़े थे।
और एक विशाल चौकोर शरीर पर सस्ते भूरे रंग के ट्वीड का एक लंबा कोट। उसके छोटे-छोटे सफेद हाथ थे, ऐसे हाथ जिनसे रसोई में हर जगह चीजें गिर जाती थीं। उसका मुंह बिना होंठों के एक चीरे जैसा था, और वह लड़खड़ाकर चलती थी, लेकिन आश्चर्यजनक फुर्ती से चलती थी।
उसके कदमों में ऐसी धृष्टता थी मानो वह पूरी दुनिया को चुनौती दे रही हो कि कोई उसे नुकसान न पहुँचा सके, एक ऐसी द्वेषपूर्ण चालाकी के साथ जो मानो कह रही हो कि उसे इससे बेहतर कुछ नहीं चाहिए, क्योंकि अगर दुनिया ने उसे नुकसान पहुँचाने की कोशिश की तो यह दुनिया के साथ एक बड़ा मज़ाक होगा, बस कोशिश करके देखो, बस कोशिश करके देखो। वायनांड जानता था कि उसे कभी बैनर में नौकरी नहीं मिली थी; वह कभी नहीं मिल सकती थी; ऐसा प्रतीत नहीं होता था कि उसे पढ़ना सिखाया जा सकता था; उसके कदम मानो यही जता रहे थे कि उसे पढ़ने की बिल्कुल भी ज़रूरत नहीं है। वह एक तख्ती लिए हुए थी: "हम मांग करते हैं..."
उसे वे रातें याद आईं जब वह शुरुआती वर्षों में पुराने बैनर भवन में सोफे पर सोया करता था, क्योंकि नए प्रेस का भुगतान करना था और बैनर को अपने प्रतिस्पर्धियों से पहले बाजार में आना था, और एक रात उसे खून की खांसी हुई और उसने डॉक्टर को दिखाने से इनकार कर दिया, लेकिन बाद में पता चला कि कुछ नहीं था, बस थकावट थी।
वह जल्दी से इमारत में घुस गया। प्रिंटिंग मशीनें चल रही थीं। वह थोड़ी देर खड़ा होकर सुनता रहा।

रात में इमारत में सन्नाटा पसरा हुआ था। यह और भी बड़ा लग रहा था, मानो आवाज़ ज़गह घेरकर उसे खाली कर देती हो; धुंधली गलियों के बीच खुले दरवाजों पर रोशनी के पैनल लगे थे। कहीं एक अकेला टाईपराइटर टपकते नल की तरह एक समान आवाज़ कर रहा था। वायनांड गलियारों में घूम रहा था। वह सोच रहा था कि लोग उसके लिए काम करने को तैयार थे, तब भी जब उसने नगर निगम चुनावों में जाने-माने अपराधियों का समर्थन किया था, जब उसने रेड-लाइट इलाकों को ग्लैमरस बनाया था, जब उसने अपमानजनक मानहानि से लोगों की प्रतिष्ठा को बर्बाद किया था, जब उसने गैंगस्टरों की माताओं के लिए आंसू बहाए थे।
प्रतिभाशाली और सम्मानित लोग उसके लिए काम करने को उत्सुक थे। अब वह अपने करियर में पहली बार ईमानदारी से काम कर रहा था। वह अपने सबसे बड़े अभियान का नेतृत्व कर रहा था—धोखेबाजों, आवारा लोगों, शराबी और उन तुच्छ श्रमिकों की मदद से जो काम छोड़ने को तैयार नहीं थे। उसने सोचा, शायद अपराधबोध उन लोगों का नहीं था जो अब उसके लिए काम करने से इनकार कर रहे थे।
सूरज की किरणें उसकी मेज़ पर रखे चौकोर क्रिस्टल स्याहीदान पर पड़ रही थीं। इससे वायनांड को लॉन में बैठकर ठंडी चाय पीने, सफेद कपड़े पहनने और नंगी कोहनियों के नीचे घास का स्पर्श महसूस करने की याद आ गई। उसने चमकती स्याही की ओर न देखने की कोशिश की और लिखना जारी रखा। यह हड़ताल के दूसरे सप्ताह की एक सुबह थी।
वह एक घंटे के लिए अपने कार्यालय में चले गए थे और उन्होंने आदेश दिया था कि कोई भी बाहर न जाए।
परेशान था; उसे एक लेख पूरा करना था; वह जानता था कि उसे बहाना चाहिए था, एक घंटे के लिए यह न देखना कि इमारत में क्या चल रहा है।
उनके दफ्तर का दरवाजा बिना किसी सूचना के खुला और डोमिनिक अंदर आ गईं। शादी के बाद से उन्हें बैनर बिल्डिंग में प्रवेश करने की अनुमति नहीं थी।
वह उठा, उसकी चाल में एक प्रकार की शांत आज्ञाकारिता थी, मानो उसने कोई प्रश्न न पूछा हो। उसने मूंगे के रंग का सूती सूट पहना हुआ था, वह ऐसे खड़ी थी मानो झील उसके पीछे हो और सूर्य की किरणें सतह से उठकर उसके कपड़ों की सिलवटों पर पड़ रही हों। उसने कहा:
"गेल, मैं बैनर में अपनी पुरानी नौकरी के लिए आया हूँ।"
वह चुपचाप उसे देखता रहा; फिर वह मुस्कुराया; वह मुस्कुराहट स्वास्थ्य लाभ की मुस्कान थी।
वह मेज़ की ओर मुड़ा, अपने लिखे हुए पन्ने उठाए, उसे सौंपे और बोला:
“इसे पीछे वाले कमरे में ले जाओ। तार के पतले टुकड़े उठाओ और मुझे दे दो। फिर शहर के दफ्तर में मैनिंग को रिपोर्ट करो।”
असंभव, जिसे शब्दों, नज़र या हावभाव से हासिल नहीं किया जा सकता, दो व्यक्तियों का पूर्ण सामंजस्य में पूर्ण मिलन, कागज़ों के एक छोटे से ढेर के उनके हाथ से उनके हाथ में जाने से संभव हो गया। उनकी उंगलियां एक-दूसरे को छूई नहीं। वह मुड़ी और दफ्तर से बाहर चली गई।
दो दिनों के भीतर ऐसा लगा मानो उसने बैनर के स्टाफ़ को कभी छोड़ा ही न हो। अब वह घरों पर कॉलम नहीं लिखती थी, बल्कि जहाँ भी किसी कुशल व्यक्ति की आवश्यकता होती थी, वहाँ काम में जुट जाती थी। "कोई बात नहीं, अल्वाह," उसने स्कारेट से कहा, "दर्जी होना तो एक सही मायने में स्त्री-सुलभ काम है। मैं यहाँ ज़रूरत पड़ने पर पैच लगाने के लिए हूँ—और अरे! यह कपड़ा तो बहुत तेज़ी से फट रहा है! जब तुम्हारा कोई नया पत्रकार सामान्य से ज़्यादा गड़बड़ करे, तो मुझे बुला लेना।"
स्कारेट को उसकी आवाज़, उसका व्यवहार या उसकी मौजूदगी समझ नहीं आ रही थी। "डोमिनिक, तुम तो मेरी जान बचाने वाली हो," उसने उदास स्वर में कहा। "तुम्हें

यहाँ देखकर पुराने दिन याद आ गए—और काश, वो पुराने दिन ही होते! बस मुझे समझ नहीं आ रहा। जब यह जगह एक सभ्य और सम्मानित जगह थी, तब गेल ने तुम्हारी तस्वीर यहाँ लेने की इजाज़त नहीं दी थी—और अब जब यह जगह कैदियों के दंगे के दौरान जेल जितनी ही असुरक्षित है, तब भी वह तुम्हें यहाँ काम करने देता है!"
“क्या आप टीकाएँ भेज सकते हैं, अल्वाह? हमारे पास समय नहीं है।”
उसने एक ऐसी फिल्म की शानदार समीक्षा लिखी जिसे उसने देखा ही नहीं था। उसने एक ऐसे सम्मेलन पर फटाफट रिपोर्ट लिख डाली जिसमें वह शामिल ही नहीं हुई थी। उसने बल्लेबाजी की।
“डेली डिशेज़” कॉलम के लिए कई रेसिपीज़ तैयार कर रही थीं, तभी एक सुबह प्रभारी महिला नहीं आईं। स्कारेट ने कहा, “मुझे नहीं पता था कि तुम खाना बना सकती हो।”
डोमिनिक ने कहा, “मुझे भी नहीं पता था।” एक रात वह बंदरगाह पर लगी आग को बुझाने गई, तब पता चला कि ड्यूटी पर मौजूद इकलौता आदमी पुरुषों के शौचालय के फर्श पर बेहोश पड़ा है। “शाबाशी!”
जब वायनांड ने वह कहानी पढ़ी तो उसने उससे कहा, "लेकिन अगर तुमने दोबारा ऐसा करने की कोशिश की तो तुम्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। अगर तुम यहाँ रहना चाहती हो, तो तुम्हें इमारत से बाहर कदम नहीं रखना है।"
उसकी उपस्थिति पर उनकी यही एकमात्र टिप्पणी थी। वे उससे ज़रूरत पड़ने पर ही संक्षेप में और सरल शब्दों में बात करते थे, जैसे किसी अन्य कर्मचारी से करते हों। वे आदेश देते थे। कई बार ऐसा भी होता था कि उनके पास एक-दूसरे से मिलने का समय नहीं होता था। वह पुस्तकालय में सोफे पर सोती थी। कभी-कभी, शाम को, जब उन्हें समय मिलता, तो वह उनके कार्यालय में थोड़ी देर आराम करने आती और फिर वे दिनभर के काम की छोटी-मोटी घटनाओं के बारे में, बिना किसी खास विषय के, खुशी-खुशी बातें करते, जैसे कोई विवाहित जोड़ा अपने सामान्य जीवन की दिनचर्या के बारे में गपशप करता हो।
उन्होंने रोर्क या कॉर्टलैंड्ट के बारे में कोई बात नहीं की। उसने रोर्क के दफ्तर की दीवार पर उसकी तस्वीरें देखी और पूछा: "आपने इसे कब लगाया था?" "एक साल से भी पहले।" रोर्क के बारे में उनका यही एकमात्र ज़िक्र था।
उन्होंने बैनर के खिलाफ बढ़ते जन आक्रोश पर चर्चा नहीं की।
उन्होंने भविष्य के बारे में कोई अटकलें नहीं लगाईं। इमारत की चारदीवारी के बाहर के सवाल को भुलाकर उन्हें राहत मिली; इसे भुलाया जा सकता था क्योंकि यह अब उनके बीच का सवाल नहीं रह गया था; इसका हल निकल चुका था और जवाब मिल चुका था; जो बचा था वह सरलता की शांति थी; उन्हें एक काम करना था - एक अखबार को चलाना - और वे इसे मिलकर कर रहे थे।
वह बिना बुलाए आधी रात को गर्म कॉफ़ी का प्याला लेकर आती थी, और वह बिना अपना काम रोके कृतज्ञतापूर्वक उसे ले लेता था। जब उसे सबसे ज्यादा जरूरत होती थी, तब उसे अपनी मेज पर ताजे सैंडविच रखे मिलते थे। उसके पास यह सोचने का समय ही नहीं था कि वह ये सब चीजें कहाँ से लाती है।
फिर उसे पता चला कि उसने एक अलमारी में बिजली की थाली और खाना पकाने का सामान जमा कर रखा है। जब उसे रात भर काम करना पड़ता था, तो वह उसके लिए नाश्ता बनाती थी; जब वह खिड़कियों के बाहर सुनसान सड़कों की खामोशी और छतों पर सुबह की पहली किरण के बीच, गत्ते के टुकड़े पर व्यंजन रखकर आती थी, तो वह उसके लिए नाश्ता बनाती थी।
एक बार उसने उसे झाड़ू हाथ में लिए एक कार्यालय की सफाई करते हुए पाया; रखरखाव विभाग पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो चुका था, सफाईकर्मी आती-जाती रहती थीं, किसी के पास ध्यान देने का समय ही नहीं था।
“क्या मैं तुम्हें इसी के लिए पैसे दे रहा हूँ?” उसने पूछा।

"खैर, हम गंदी जगह पर काम नहीं कर सकते। मैंने आपसे यह नहीं पूछा कि आप मुझे कितना वेतन दे रहे हैं, लेकिन मुझे वेतन वृद्धि चाहिए।"
"भगवान के लिए, इसे छोड़ दो! यह हास्यास्पद है।"
“इसमें हास्यास्पद क्या है? अब तो सब साफ है। मुझे ज्यादा समय नहीं लगा। क्या यह अच्छा काम है?”
“यह एक अच्छी नौकरी है।”
वह झाड़ू के डंडे पर झुक गई और हंस पड़ी। "मुझे लगता है कि तुमने भी, बाकी सब लोगों की तरह, यही सोचा होगा कि मैं बस एक विलासिता की वस्तु हूं, एक उच्च वर्ग की रखैल हूं, है ना, गेल?"
"क्या यही वह तरीका है जिससे आप जब चाहें तब आगे बढ़ते रह सकते हैं?"
"मैं जीवन भर इसी तरह आगे बढ़ना चाहता था—अगर मुझे इसका कोई कारण मिल जाए।"
उसे पता चला कि उसकी सहनशक्ति उससे कहीं अधिक थी। वह कभी थकावट का कोई संकेत नहीं दिखाती थी। उसने अनुमान लगाया कि वह सोती होगी, लेकिन वह यह पता नहीं लगा सका कि कब।
इमारत के किसी भी हिस्से में, घंटों तक उसे न देखने पर भी, वह उसकी मौजूदगी को महसूस करती थी, वह जानती थी कि उसे उसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत कब है। एक बार, वह अपनी डेस्क पर लुढ़कते हुए सो गया। जब वह जागा तो उसने पाया कि वह उसे देख रही है। उसने बत्तियाँ बुझा दी थीं, वह खिड़की के पास चाँदनी में एक कुर्सी पर बैठी थी, उसका चेहरा उसकी ओर था, शांत भाव से उसे देख रही थी।
सबसे पहले उसकी नज़र उसका चेहरा पर पड़ी। दर्द से कराहते हुए उसने अपना सिर अपनी बांह से उठाया, इससे पहले कि वह पूरी तरह से होश में आ पाता, उसे अचानक क्रोध, बेबसी और हताश विरोध का अनुभव हुआ। उसे याद नहीं था कि उन्हें यहाँ तक क्या लाया था, उसे बस इतना याद था कि वे दोनों किसी विशाल, धीमी यातना की प्रक्रिया में फंसे हुए थे और वह उससे प्यार करता था।
शरीर सीधा करने की उसकी पूरी कोशिश से पहले ही उसने उसके चेहरे पर यह देख लिया था। वह उसके पास गई, उसकी कुर्सी के पास खड़ी हुई, उसका सिर अपने ऊपर रखकर उसे थाम लिया, और उसने कोई विरोध नहीं किया, उसकी बाहों में ढीला पड़ गया। उसने उसके बालों को चूमा, और फुसफुसाते हुए कहा: "सब ठीक हो जाएगा, गेल, सब ठीक हो जाएगा।"
तीन सप्ताह बीतने के बाद, एक शाम वायनांड इमारत से बाहर निकल गया, इस बात की परवाह किए बिना कि जब वह वापस लौटेगा तो उसका कुछ हिस्सा बचेगा भी या नहीं, और रोर्क से मिलने चला गया।
घेराबंदी शुरू होने के बाद से उसने रोर्क को फोन नहीं किया था।
रोर्क उसे अक्सर फोन करता था; वायनांड चुपचाप जवाब देता, बस जवाब देता, कोई बयान नहीं देता, बातचीत को लंबा खींचने से इनकार करता। उसने रोर्क को शुरू में ही चेतावनी दी थी: “यहाँ आने की कोशिश मत करो। मैंने आदेश दे दिया है। तुम्हें अंदर आने की इजाज़त नहीं मिलेगी।” उसे अपने मन से उस वास्तविक परिणाम को निकालना था जो उसकी लड़ाई का रूप ले सकता था; उसे रोर्क के शारीरिक अस्तित्व को भूलना था; क्योंकि रोर्क के बारे में सोचते ही उसे काउंटी जेल का ख्याल आ जाता था।
वह एनराइट हाउस तक लंबी दूरी पैदल चलकर गया; पैदल चलने से दूरी लंबी और सुरक्षित हो गई; टैक्सी से जाने पर रोर्क बैनर बिल्डिंग के बहुत करीब पहुँच जाता। उसने अपनी नज़र फुटपाथ पर अपने से छह फीट आगे एक बिंदु पर टिकाए रखी; वह शहर को देखना नहीं चाहता था।
"शुभ संध्या, गेल," रोर्क ने अंदर आते ही शांत स्वर में कहा।

मुझे नहीं पता कि अनुशासनहीनता का इससे अधिक स्पष्ट रूप क्या हो सकता है।
वायनांड ने दरवाजे के पास एक मेज पर अपनी टोपी पटकते हुए कहा, "बातों को सीधे-सीधे बोल देना या उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर देना। मैं बहुत बुरा दिख रहा हूँ। कह दो।"
“तुम बहुत बुरी हालत में दिख रहे हो। बैठ जाओ, आराम करो और बात मत करो। फिर मैं तुम्हारे लिए गर्म पानी से स्नान करवाता हूँ—नहीं, तुम इतने गंदे नहीं दिख रहे हो, लेकिन बदलाव के लिए यह अच्छा रहेगा। फिर हम बात करेंगे।”
वायनांड ने अपना सिर हिलाया और दरवाजे पर ही खड़ा रहा।
“हावर्ड, बैनर तुम्हारी मदद नहीं कर रहा है। यह तुम्हें बर्बाद कर रहा है।”
उस बात को कहने के लिए खुद को तैयार करने में उन्हें आठ सप्ताह लग गए थे।
“बेशक़,” रोर्क ने कहा। “इसमें क्या है?”
वायनांड कमरे में आगे नहीं बढ़ा।
"गेल, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं जनमत पर निर्भर नहीं हूं, चाहे कुछ भी हो।"
"क्या आप चाहते हैं कि मैं हार मान लूँ?"
"मैं चाहता हूं कि तुम डटे रहो, चाहे इसके लिए तुम्हें अपना सब कुछ ही क्यों न गंवाना पड़े।"
उसने देखा कि वायनांड समझ गया था, कि यह वही बात थी जिसका सामना वायनांड ने न करने की कोशिश की थी, और वायनांड चाहता था कि वह बोले।
मुझे आपसे बचाने की उम्मीद नहीं है। मुझे लगता है कि मेरे पास जीतने का मौका है। हड़ताल से हालात न तो बेहतर होंगे और न ही बदतर। मेरी चिंता मत करो। और हार मत मानो। अगर तुम अंत तक डटे रहोगे तो तुम्हें मेरी ज़रूरत नहीं पड़ेगी।
उन्होंने क्रोध, विरोध और सहमति के भाव देखे। उन्होंने आगे कहा:
“तुम समझ रहे हो ना मैं क्या कह रहा हूँ। हम पहले से भी ज़्यादा अच्छे दोस्त बनेंगे—और ज़रूरत पड़ने पर तुम मुझसे जेल में मिलने आओगे। घबराओ मत, और मुझे ज़्यादा बोलने पर मजबूर मत करो। अभी नहीं। मुझे इस हड़ताल से खुशी है। जब मैंने तुम्हें पहली बार देखा था, तभी मुझे पता था कि ऐसा कुछ होना ही था।”
आपको यह बात बहुत पहले से पता थी।

“दो महीने पहले, मैंने तुमसे वादा किया था... वो एक वादा जिसे मैं निभाना चाहता था...”
"तुम इसे रखोगे।"
क्या तुम सचमुच मुझसे नफ़रत नहीं करना चाहते? काश तुम अभी कह देते। मैं यही सुनने के लिए यहाँ आया हूँ।
ठीक है। सुनो। तुम मेरे जीवन की वो अकेली मुलाकात हो जो दोबारा कभी नहीं हो सकती। हेनरी कैमरून थे जिन्होंने मेरे लिए अपनी जान दे दी। और तुम गंदे टैब्लॉइड अखबारों के प्रकाशक हो। लेकिन मैं ये बात उनसे नहीं कह सका, और तुमसे कह रहा हूँ। स्टीव मैलोरी हैं जिन्होंने कभी अपनी आत्मा से समझौता नहीं किया। और तुमने तो हर तरह से अपनी आत्मा बेच दी है। लेकिन मैं ये बात उनसे नहीं कह सका, और तुमसे कह रहा हूँ। क्या यही बात तुम हमेशा मुझसे सुनना चाहते थे?
लेकिन हरि मत मानो।
वह मुँह फेरकर बोला, “बस इतना ही। हम तुम्हारी उस घटिया हड़ताल के बारे में फिर कभी बात नहीं करेंगे। बैठ जाओ, मैं तुम्हारे लिए कुछ पीने को लाता हूँ। आराम करो, अपने आप को इस बुरी हालत से बाहर निकालो।”
वायनांड देर रात बैनर लौट आया। उसने टैक्सी ली। उसे कोई फर्क नहीं पड़ा। उसे दूरी का एहसास ही नहीं हुआ।
डोमिनिक ने कहा: "तुमने रोर्क को देखा है।"
"हां तुम्हें कैसे मालूम?"

“ये रहा रविवार का मेकअप मैच। ये काफी घटिया है, लेकिन इसी से काम चलाना पड़ेगा। मैंने मैनिंग को कुछ घंटों के लिए घर भेज दिया—वो बेहोश होने वाला था।”
जैक्सन ने इस्तीफा दे दिया, लेकिन हम उसके बिना भी काम चला सकते हैं। अल्वाह का कॉलम बिल्कुल बेतरतीब था।
वह तो अब व्याकरण भी ठीक से नहीं लिख पाता—मैंने इसे दोबारा लिखा है, लेकिन उसे मत बताना, उसे बताना कि तुमने लिखा है।
"सो जाओ। मैं मैनिंग की जगह ले लूंगा। मैं घंटों तक आराम से रह सकता हूं।"
वे काम करते रहे, दिन बीतते गए, और डाक कक्ष में लौटाए गए पत्रों के ढेर बढ़ते गए, गलियारे तक फैले हुए, सफेद कागजों के ढेर संगमरमर की शिलाओं जैसे लग रहे थे। हर संस्करण के साथ बैनर की प्रतियाँ कम छपती थीं, लेकिन ढेर बढ़ते ही जा रहे थे। दिन बीतते गए, अखबार निकालने के लिए अथक प्रयास के दिन, जो बिना बिके और बिना पढ़े वापस आ रहा था।
सोलह
लंबी मेज की कांच जैसी चिकनी महोगनी में
निदेशक मंडल के लिए आरक्षित, रंगीन लकड़ी में बना एक चिह्न था—जी डब्ल्यू—जो उनके हस्ताक्षर की प्रतिकृति थी। यह चिह्न निदेशकों को हमेशा से खटकता था। अब उनके पास इस पर ध्यान देने का समय नहीं था। लेकिन कभी-कभार उनकी नज़र इस पर पड़ती थी—और तब वह नज़र खुशी से भरी होती थी।
निदेशक मंडल के सदस्य मेज के चारों ओर बैठे थे। बोर्ड के इतिहास में यह पहली बैठक थी जिसे वायनांड ने नहीं बुलाया था। लेकिन बैठक हुई और वायनांड उपस्थित हुए। हड़ताल को दूसरा महीना चल रहा था।
वायनांड मेज के शीर्ष पर अपनी कुर्सी के पास खड़े थे। वे किसी पुरुष पत्रिका के चित्र की तरह दिख रहे थे, सलीके से सजे-धजे, अपने गहरे रंग के सूट की जेब में एक सफेद रुमाल रखे हुए। निदेशकों के मन में अजीबोगरीब विचार आने लगे: कुछ को ब्रिटिश दर्ज़ियों का ख्याल आया, तो कुछ को हाउस ऑफ लार्ड्स, लंदन टावर, फांसी दिए गए अंग्रेज़ राजा (या क्या वह चांसलर थे?) का, जिनकी मृत्यु इतनी शान से हुई थी।
वे अपने सामने खड़े व्यक्ति की ओर देखना नहीं चाहते थे। वे बाहर धरना दे रही महिलाओं की छवियों से प्रेरणा ले रहे थे—उन इत्र लगाए, सजी-धजी महिलाओं की छवि से जो ड्राइंग रूम की चर्चाओं में एल्सवर्थ टूही के समर्थन में चीख-चीख कर अपनी बात कह रही थीं—उस लड़की के चौड़े, सपाट चेहरे की छवि से जो फिफ्थ एवेन्यू पर "हम वायनांड को नहीं पढ़ते" का पोस्टर लेकर चहलकदमी कर रही थी—ताकि उन्हें अपनी बात कहने का सहारा और साहस मिल सके।
वायनांड ने हडसन नदी के किनारे एक जर्जर दीवार के बारे में सोचा।
उसे कई ब्लॉक दूर से कदमों की आहट सुनाई दी। लेकिन इस बार उसके हाथ में कोई तार नहीं थे जिससे वह अपनी मांसपेशियों को तैयार रख सके।
“यह सारी समझ से परे हो गया है। क्या यह एक व्यावसायिक संगठन है या व्यक्तिगत मित्रों की रक्षा के लिए एक धर्मार्थ संस्था?”
“पिछले हफ्ते तीन लाख डॉलर... कोई बात नहीं, गेल, मुझे कैसे पता चला, इसमें कोई राज़ नहीं है, तुम्हारे बैंकर ने मुझे बताया। ठीक है, ये तुम्हारा पैसा है, लेकिन अगर तुम इसे वापस पाने की उम्मीद करती हो, तो मैं तुम्हें बता दूं कि हम तुम्हारी चालाकी को समझ चुके हैं। तुम कंपनी पर इसका बोझ नहीं डालोगी, एक पैसा भी नहीं, तुम्हें नहीं मिलेगा।
इस बार इसे छोड़ दो, बहुत देर हो चुकी है, गेल, तुम्हारे इन शानदार कारनामों का समय बीत चुका है।
वायनांड ने आवाजें निकाल रहे उस आदमी के मांसल होंठों को देखा और सोचा: तुमने शुरुआत से ही बैनर को चलाया है, तुम्हें पता नहीं था, लेकिन मुझे पता है, यह तुम ही थे,

यह तुम्हारा अखबार था, अब बचाने के लिए कुछ नहीं बचा है।
“हाँ, स्लॉटर्न और उसके साथी तुरंत वापस आने को तैयार हैं। उनकी बस यही शर्त है कि हम यूनियन की माँगें मान लें, और वे अपने अनुबंधों का बकाया पुराने नियमों के अनुसार पूरा कर लेंगे, यहाँ तक कि आपके द्वारा बाज़ार में दोबारा बाज़ार व्यवस्था बहाल करने का इंतज़ार किए बिना भी—जो कि एक बड़ा काम होगा, दोस्त, मैं आपको बता दूँ—और मुझे लगता है कि यह उनकी बहुत अच्छी सोच है। मैंने कल होमर से बात की थी और उसने मुझे वचन दिया है—क्या आप मुझसे इसमें शामिल रकम का ब्यौरा सुनना चाहेंगे, वायनांड, या आप इसे मेरी मदद के बिना ही जानते हैं?”
“नहीं, सीनेटर एल्ड्रिज आपसे नहीं मिलेंगे... अरे छोड़ो गेल, हमें पता है कि आप पिछले हफ्ते वाशिंगटन गई थीं। लेकिन आपको यह नहीं पता कि सीनेटर एल्ड्रिज कह रहे हैं कि वे इस मामले में बिल्कुल भी दखल नहीं देंगे। और बॉस क्रेग को अचानक फ्लोरिडा बुला लिया गया, क्या?—अपनी बीमार चाची के साथ बैठने के लिए? गेल, इनमें से कोई भी आपको इस मुसीबत से नहीं निकाल पाएगा। यह कोई सड़क बनाने का सौदा या मामूली शेयर बाजार में हेराफेरी का घोटाला नहीं है। और आप अब वैसी नहीं रहीं जैसी पहले थीं।”
वायनांड ने सोचा: मैं कभी यहाँ नहीं था, मैं कभी यहाँ रहा ही नहीं, तुम मुझे देखने से क्यों डरते हो? क्या तुम्हें नहीं पता कि मैं तुम सब में सबसे छोटा हूँ? रविवार के परिशिष्ट में अधनंगी औरतें, रोटोग्राव्योर सेक्शन में बच्चे, पार्क की गिलहरियों पर संपादकीय, ये सब तुम्हारी आत्माओं की अभिव्यक्ति थे, तुम्हारी आत्माओं का सार थे—लेकिन मेरी आत्मा कहाँ थी?
मुझे तो इसमें कोई मतलब ही नहीं दिखता। अगर वे वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे होते, तो मैं समझ सकता था, मैं कहता कि हम उन कमीनों से जी-जान से लड़ें। लेकिन ये क्या है—कोई बौद्धिक मुद्दा? क्या हम सिद्धांतों के लिए अपनी सारी संपत्ति गँवा रहे हैं?
“क्या आपको समझ नहीं आ रहा? बैनर अब एक चर्च का प्रकाशन है।”
धर्म प्रचारक श्री गेल वायनांड कहते हैं, "हम मुश्किल में हैं, लेकिन हमारे पास आदर्श हैं।"
"अगर यह कोई वास्तविक मुद्दा होता, कोई राजनीतिक मुद्दा होता—लेकिन किसी मूर्ख डायनामाइटर ने किसी कचरे के ढेर को उड़ा दिया! सब लोग हम पर हंस रहे हैं।"
ईमानदारी से कहूँ तो, वायनांड, मैंने आपके संपादकीय पढ़ने की कोशिश की है और अगर आप चाहें तो...
ईमानदारी से कहूँ तो, यह अब तक छपी सबसे घटिया चीज़ है। ऐसा लगता है जैसे आप कॉलेज के प्रोफेसरों के लिए लिख रहे हों!
वायनांड ने सोचा: मैं तुम्हें जानता हूँ—तुम वही हो जो एक गर्भवती वेश्या को पैसे दे दोगे, लेकिन एक भूखे प्रतिभाशाली को नहीं—मैंने तुम्हारा चेहरा पहले भी देखा है—मैंने तुम्हें चुना और तुम्हें यहाँ लाया—जब अपने काम के बारे में संदेह हो, तो उस आदमी का चेहरा याद रखना, तुम उसी के लिए लिख रहे हो—लेकिन, श्रीमान...
वायनांड, उसका चेहरा याद नहीं रहता—लेकिन याद रहता है, बच्चे, याद रहता है, याद आ जाएगा—वापस आएगा और भुगतान मांगेगा—और मैं भुगतान करूंगा—मैंने बहुत पहले एक खाली चेक पर हस्ताक्षर किए थे और अब उसे वसूली के लिए पेश किया गया है—लेकिन खाली चेक हमेशा आपकी सारी संपत्ति के बराबर राशि का ही होता है।
“हालात मध्ययुगीन हैं और लोकतंत्र के लिए कलंक हैं।” आवाज में विलाप का भाव था। ये मिशेल लेटन बोल रहे थे। “अब समय आ गया है कि यहाँ किसी की बात सुनी जाए। एक आदमी अपनी मनमर्जी से सारे अखबार चला रहा है—ये क्या है, उन्नीसवीं सदी?”
लेटन ने मुंह फुलाया; उसने मेज के दूसरी ओर बैठे एक बैंकर की ओर देखा। “क्या यहाँ किसी ने कभी मेरे विचारों के बारे में जानने की जहमत उठाई है? मेरे पास विचार हैं। हम सबको मिलकर विचार साझा करने होंगे। मेरा मतलब है टीमवर्क, एक बड़ा

ऑक्स्ट्रा। अब समय आ गया है कि इस अखबार का एक आधुनिक, उदार और प्रगतिशील नीति हो! उदाहरण के लिए, बटाईदारों का मुद्दा ही ले लीजिए..."
"चुप रहो, मिच," अल्वाह स्कारेट ने कहा। स्कारेट के माथे से पसीने की बूँदें बह रही थीं; उसे पता नहीं क्यों; वह चाहता था कि बोर्ड जीत जाए; कमरे में कुछ अजीब सा था... यहाँ बहुत गर्मी है, उसने सोचा, काश कोई खिड़की खोल दे।
"मैं चुप नहीं रहूँगा!" मिशेल लेटन चीखा। "मैं भी उतना ही अच्छा हूँ जितना..."
"
"कृपया, श्रीमान लेटन," बैंकर ने कहा। "ठीक है," लेटन ने कहा, "ठीक है। यह मत भूलिए कि सुपरमैन के बाद सबसे बड़ा शेयर किसके पास है।" उन्होंने वायनांड की ओर अंगूठा हिलाया, उनकी ओर देखे बिना।
बस इसे भूलना मत। तुम खुद ही अंदाजा लगा लो कि यहाँ का सारा काम कौन संभालेगा।
"गेल," अल्वाह स्कारेट ने वायनांड की ओर देखते हुए कहा, उसकी आँखों में अजीब सी ईमानदारी और पीड़ा झलक रही थी, "गेल, अब कोई फ़ायदा नहीं। लेकिन हम हालात को संभाल सकते हैं। देखो, अगर हम मान लें कि कॉर्टलैंड के बारे में हम गलत थे और... और अगर हम हार्डिंग को वापस ले आएं, तो वह एक कीमती आदमी है, और..."
शायद टूही...
"इस चर्चा में कोई भी टूही का नाम नहीं लेगा," वायनांड ने कहा।
मिशेल लेटन ने अपना मुंह झटके से खोला और फिर बंद कर लिया।
"बस, गेल!" अल्वाह स्कारेट चिल्लाया। "शानदार! हम सौदेबाज़ी कर सकते हैं और उन्हें प्रस्ताव दे सकते हैं। हम कॉर्टलैंड पर अपनी नीति बदल देंगे—यह हमें करना ही होगा, उस लानत यूनियन के लिए नहीं, बल्कि हमें बाज़ार को फिर से पटरी पर लाना है, गेल—इसलिए हम उन्हें यह प्रस्ताव देंगे और हार्डिंग, एलन और फाल्क को ले लेंगे, लेकिन टो... एल्सवर्थ को नहीं। हम झुकेंगे और वे भी झुकेंगे। इससे सबकी इज़्ज़त बच जाएगी। क्या यही बात है, गेल?"
वायनांड ने कुछ नहीं कहा।
"मुझे लगता है यही सही समाधान है, श्रीमान स्कारेट," बैंकर ने कहा। "मुझे लगता है यही हल है। आखिर श्री वायनांड को अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने की अनुमति तो मिलनी ही चाहिए। हम एक स्तंभकार की बलि दे सकते हैं और आपस में शांति बनाए रख सकते हैं।"
"मुझे यह समझ नहीं आ रहा!" मिशेल लेटन चिल्लाया। "मुझे यह बिल्कुल समझ नहीं आ रहा! हमें श्रीमान... जैसे महान उदारवादी को सिर्फ इसलिए क्यों कुर्बान करना चाहिए...?"
"मैं श्री स्कारेट के साथ खड़ा हूँ," सीनेटरों के बारे में बोलने वाले व्यक्ति ने कहा, और अन्य लोगों ने भी उसका समर्थन किया, और संपादकीय की आलोचना करने वाले व्यक्ति ने अचानक, सामान्य शोर के बीच कहा:
"मुझे लगता है गेल वायनांड आखिरकार एक शानदार बॉस थीं!" मिशेल लेटन में कुछ ऐसा था जिसे वह देखना नहीं चाहता था। अब उसने सुरक्षा के लिए वायनांड की ओर देखा। वायनांड ने उसे अनदेखा कर दिया।
"गेल?" स्कारेट ने पूछा। "गेल, तुम क्या कहती हो?"
कोई जवाब नहीं मिला।
"भगवान की कसम, वायनांड, अब करो या मरो! यह ऐसे ही नहीं चल सकता!"
"या तो अपना मन बना लो या फिर निकल जाओ!"
"मैं तुम्हें खरीद लूंगा!" लेटन चिल्लाया। "बेचना चाहते हो? बेचकर यहाँ से निकलना चाहते हो?"
"भगवान के लिए, वायनांड, मूर्ख मत बनो!"

“गेल, ये बैनर है...” स्कारेट ने फुसफुसाते हुए कहा। “ये हमारा बैनर है...”
“हम आपके साथ खड़े रहेंगे, गेल, हम सब मिलकर योगदान देंगे, हम इस पुराने अखबार को फिर से खड़ा करेंगे, हम आपकी बात मानेंगे, आप ही बॉस होंगी—लेकिन भगवान के लिए, अब बॉस की तरह व्यवहार कीजिए!”
“शांत हो जाइए, सज्जनों, शांत! वायनांड, यह अंतिम निर्णय है: हम क्वॉर्टलैंड पर अपनी नीति बदलते हैं, हम हार्डिंग, एलन और फाल्क को वापस लाते हैं, और हम जहाज़ को बचा लेते हैं। हाँ या ना?”
कोई ज़वाब नहीं मिला।
“वायनैंड, तुम जानते हो कि यही एकमात्र रास्ता है—या फिर तुम्हें बैनर बंद करना होगा। तुम इसे जारी नहीं रख सकते, चाहे तुम हम सबको खरीद भी लो। या तो हार मान लो या बैनर बंद कर दो। बेहतर होगा कि तुम हार मान लो।”
वायनांड ने यह सुना। उसने सभी भाषणों में यह सुना था। बैठक से कई दिन पहले से वह इसे सुन रहा था। वह वहां मौजूद किसी भी व्यक्ति से बेहतर इसे जानता था। बैनर बंद करो।
उसने केवल एक ही तस्वीर देखी: गजट के दरवाजे के ऊपर उभरता हुआ नया मुखपृष्ठ।
"बेहतर होगा कि तुम हार मान लो।"
वह एक कदम पीछे हट गया। उसके पीछे कोई दीवार नहीं थी। वह तो बस उसकी कुर्सी का किनारा था।
उसे अपने बेडरूम में वो पल याद आया जब उसने लगभग ट्रिगर दबा ही दिया था। उसे पता था कि वो अब भी ट्रिगर दबाने ही वाला है।
“ठीक है,” उसने कहा।
वायनांड ने अपने पैरों के नीचे चमकते हुए एक छोटे से कण को देखते हुए सोचा, "यह तो बस एक बोतल का ढक्कन है।" फुटपाथ पर गड़ा हुआ एक ढक्कन। न्यूयॉर्क के फुटपाथ ऐसी ही चीज़ों से भरे पड़े हैं—बोतल के ढक्कन, सेफ्टी पिन, चुनावी प्रचार के बैटन, सिंक की चेन; कभी-कभी खोए हुए गहने भी; अब सब एक जैसे हो गए हैं, चपटे, गड़े हुए; ये रात में फुटपाथ को चमकाते हैं। शहर की खाद। किसी ने बोतल खाली कर दी और ढक्कन फेंक दिया। कितनी गाड़ियाँ इसके ऊपर से गुज़री होंगी?
क्या अब इसे वापस पाया जा सकता है? क्या घुटने टेककर नंगे हाथों से खोदकर इसे फिर से निकाला जा सकता है? मुझे बचने की कोई उम्मीद नहीं थी। मुझे घुटने टेककर मुक्ति की भी कोई उम्मीद नहीं थी। लाखों साल पहले, जब धरती बन रही थी, तब मेरे जैसे जीव थे: राल में फंसी मक्खियाँ जो एम्बर बन गईं, कीचड़ में फंसे जानवर जो चट्टान बन गए। मैं बीसवीं सदी का इंसान हूँ और मैं फुटपाथ पर पड़ा एक टिन का टुकड़ा बन गया, जिस पर न्यूयॉर्क के ट्रक चलते हैं।
वह धीरे-धीरे चल रहा था, उसका ओवरकोट का कॉलर ऊपर उठा हुआ था। सड़क उसके सामने फैली हुई थी, खाली, और आगे की इमारतें किसी शेल्फ पर बेतरतीब ढंग से रखी किताबों के पिछले पन्नों की तरह थीं, अलग-अलग आकारों की।
जिन मोड़ों से वह गुज़रा, वे अंधेरी गलियों की ओर ले जा रहे थे; स्ट्रीट लैंपों ने शहर को एक सुरक्षात्मक आवरण प्रदान किया था, लेकिन वह कहीं-कहीं टूट रहा था। उसने एक मोड़ मोड़ा तो उसे आगे प्रकाश की एक तिरछी किरण दिखाई दी; वह तीन-चार ब्लॉक दूर उसका लक्ष्य था।
एक गिरवी की दुकान की खिड़की से रोशनी आ रही थी। दुकान बंद थी, लेकिन लुटेरों को हतोत्साहित करने के लिए वहाँ एक तेज़ रोशनी वाला बल्ब लटका हुआ था, ताकि वे इस स्थिति में न पहुँच जाएँ। वह रुका और उसे देखने लगा। उसने सोचा, दुनिया का सबसे घिनौना नज़ारा, एक गिरवी की दुकान की खिड़की। जो चीज़ें कभी इंसानों के लिए पवित्र थीं, जो कीमती थीं, वे सब सबके सामने, लोगों की नज़रों के सामने, सौदेबाज़ी

और मालभाव के लिए, अजनबियों की उदासीन आँखों के सामने कूड़े के ढेर में पड़ी थीं, एक कबाड़ के ढेर की तरह, टाइपराइटर और वायलिन—सपनों के औज़ार, पुरानी तस्वीरें और शादी की अंगूठियाँ—प्यार के प्रतीक, साथ में गंदे पतलून, कॉफी पॉट, ऐशट्रे, अश्लील प्लास्टर की मूर्तियाँ; निराशा का कचरा, गिरवी रखा हुआ, बेचा नहीं गया, पूरी तरह से अलग नहीं किया गया, बल्कि एक अधूरी उम्मीद के साथ गिरवी रखा गया, जिसे कभी छुड़ाया नहीं जा सकता। "हेलो, गेल वायनांड," उसने खिड़की में रखी चीज़ों से कहा और आगे बढ़ गया।
उसके पैरों के नीचे लोहे की जाली का एहसास हुआ और एक दुर्गंध उसके चेहरे पर आ लगी - धूल, पसीना और गंदे कपड़ों की दुर्गंध, जो पशुशालाओं की गंध से भी बदतर थी, क्योंकि इसमें एक घरेलू, सामान्य सी महक थी, मानो सड़न एक नियमित प्रक्रिया बन गई हो। मैटो की जाली। उसने सोचा, यह तो बहुत से लोगों का जमा हुआ अवशेष है, मानव शरीरों का एक ढेर है, जहाँ हिलने-डुलने की जगह नहीं है, साँस लेने के लिए हवा नहीं है।
यही सार है, भले ही नीचे, घनी भीड़ के बीच, कड़क सफ़ेद कपड़ों की, साफ़ बालों की, और स्वस्थ युवा त्वचा की महक महसूस की जा सकती है। योग और सबसे छोटे सामान्य भाजक की खोज का यही स्वभाव है। तो फिर, अनेक मानव मस्तिष्कों का एक साथ रखा हुआ, बिना हवा लगे, बिना जगह छोड़े, बिना किसी भेद के, बचा हुआ अंश क्या है? उसने सोचा, बैनर, और आगे बढ़ गया।
उसने सोचा, मेरा शहर, वह शहर जिससे मैं प्यार करता था, वह शहर जिस पर मुझे लगता था कि मैं राज करता हूँ।
वह बोर्ड मीटिंग से बाहर चले गए थे, उन्होंने कहा था: “जब तक मैं वापस न आऊं, अल्वाह, तुम काम संभाल लो।” उन्होंने न तो सिटी डेस्क पर थकान से चूर मैनिंग को देखा, न ही सिटी रूम में बैठे लोगों को, जो अभी भी काम कर रहे थे, इंतज़ार कर रहे थे, यह जानते हुए कि बोर्ड रूम में क्या फ़ैसला लिया जा रहा है; न ही डोमिनिक को। स्कारेट उन्हें बता देगी। वह इमारत से बाहर निकलकर अपने पेंटहाउस में चले गए और बिना खिड़की वाले बेडरूम में अकेले बैठ गए। कोई भी उन्हें परेशान करने नहीं आया।
जब वह पेंटहाउस से बाहर निकला, तो बाहर जाना सुरक्षित था: अंधेरा हो चुका था। वह एक अखबार की दुकान के पास से गुजरा और दोपहर के अखबारों के देर से छपे संस्करण देखे जिनमें वायनांड हड़ताल के निपटारे की घोषणा थी। यूनियन ने स्कारेट के समझौते को स्वीकार कर लिया था। वह जानता था कि स्कारेट इसे स्वीकार कर लेगा।
बाकी सब काम स्कारेट संभाल लेगा। वह कल के बैनर अखबार का पहला पन्ना फिर से छापेगा। स्कारेट ही पहले पन्ने पर छपने वाला संपादकीय लिखेगा। उसने सोचा, प्रिंटिंग मशीनें अभी चल रही हैं। कल सुबह का बैनर अखबार एक घंटे में बाज़ार में आ जाएगा।
वह बेतरतीब ढंग से चलता था। उसके पास कुछ भी नहीं था, लेकिन शहर का हर हिस्सा उसका गुलाम था। यह उचित ही था कि अब शहर ही उसका मार्ग तय करे और वह संयोगवश मिलने वाले मोड़ों के आकर्षण से प्रेरित हो।
मैं यहाँ हूँ, मेरे स्वामियों, मैं आपको प्रणाम करने और आभार व्यक्त करने आया हूँ, आप जहाँ भी मुझे बुलाएँगे, मैं वहीं जाऊँगा जैसा मुझे कहा जाएगा। मैं वही व्यक्ति हूँ जो सत्ता चाहता था।
एक पुराने भूरे पत्थर के मकान की सीढ़ियों पर बैठी वह औरत, जिसके मोटे सफेद घुटने फैले हुए हैं—एक बड़े होटल के सामने टैक्सी से बाहर निकलता हुआ वह आदमी, जो अपने सफेद पेंट को बाहर धकेल रहा है—एक दवा की दुकान के काउंटर पर रूट बियर पीता हुआ वह छोटा आदमी—एक झुग्गी-झोपड़ी की खिड़की की

चौखट पर रखे दागदार गद्दे पर झुकी हुई वह औरत—एक कोने पर खड़ी टैक्सी का ड्राइवर—फुटपाथ कैफे की मेज पर नशे में धुत, आर्किड लिए बैठी वह महिला—च्युइंग गम बेचती हुई बिना दांत वाली औरत—एक पूल रूम के दरवाज़े से टिका हुआ, शर्ट की आस्तीनों में लिपटा हुआ वह आदमी—ये सब मेरे स्वामी हैं। मेरे मालिक, मेरे बेनाम शासक।
उसने सोचा, यहीं खड़े होकर शहर की रोशन खिड़कियों को गिनो।
आप ऐसा नहीं कर सकते। लेकिन आसमान की ओर बढ़ते हर पीले आयत के पीछे—हर बल्ब के नीचे—और नीचे नदी के ऊपर उस चमकती हुई चिंगारी को देखिए जो तारा नहीं है?—वहाँ ऐसे लोग हैं जिन्हें आप कभी नहीं देख पाएंगे और जो आपके स्वामी हैं। खाने की मेज़ों पर, ड्राइंग रूम में, उनके बिस्तरों में और उनके तहखानों में, उनके अध्ययन कक्षों में और उनके स्नानघरों में। आपके पैरों के नीचे मेट्रो में तेज़ी से दौड़ते हुए।
आपके चारों ओर ऊर्ध्वाधर दरारों से लिफ्टों में रेंगते हुए ऊपर जाना। हर बस में आपके पास से झटके खाते हुए गुजरना। आपकी मालकिन, गेल वायनांड। एक जाल है —
इस शहर की दीवारों में लिपटे तारों से भी लंबे, पानी, गैस और कचरा ढोने वाली पाइपों के जाल से भी बड़े—आपके चारों ओर एक और छिपा हुआ जाल है; यह आपसे बंधा हुआ है, और इसके तार शहर के हर हाथ तक पहुँचते हैं। उन्होंने तारों को झटका दिया और आप हिल गए।
तुम मनुष्यों के शासक थे। तुमने एक लगाम पकड़ रखी थी। लगाम तो बस एक रस्सी होती है जिसके दोनों सिरों पर फंदा लगा होता है।
मेरे आकाओं, गुमनाम लोगों, अचयनित लोगों ने मुझे एक पेंटहाउस, एक कार्यालय, एक नौका दी। उन्हें, उनमें से किसी को भी जो
काश, मैं हॉवर्ड रोर्क को तीन सेंट में बेच पाता।
वह एक खुले संगमरमर के आंगन से गुजरा, जो एक इमारत में गहराई तक खोदी गई एक गुफा थी, जो रोशनी से भरी हुई थी और एयर कंडीशनिंग की अचानक ठंडी हवा का झोंका दे रही थी।
यह एक सिनेमाघर था और उसके मुख्य बोर्ड पर इंद्रधनुषी रंगों से बने अक्षर थे: रोमियो और जूलियट। टिकट काउंटर के कांच के खंभे के पास एक तख्ती लगी थी: “बिल शेक्सपियर की अमर कृति! लेकिन इसमें कोई बौद्धिक बात नहीं है! बस एक साधारण मानवीय प्रेम कहानी। ब्रोंक्स का एक लड़का ब्रुकलिन की एक लड़की से मिलता है। बिल्कुल हमारे पड़ोसियों की तरह। बिल्कुल आप और मेरी तरह।”
वह एक शराबखाने के दरवाजे के पास से गुजरा। वहाँ बासी बीयर की गंध आ रही थी। एक महिला धुँसी हुई बैठी थी, उसके स्तन मेज पर चिपके हुए थे।
एक ज्यूक बॉक्स पर वैगनर की रचना "सॉन्ग टू द इवनिंग स्टार" को स्विंग टाइम में रूपांतरित करके बजाया गया।
उसने सेंट्रल पार्क के पेड़ देखे। वह नज़रें झुकाए चलता रहा। वह एक्विटेनिया होटल के पास से गुज़र रहा था।
वह एक कोने पर आकर रुका। ऐसे ही दूसरे कोनों से वह बच निकला था, पर इस कोने ने उसे जकड़ लिया। यह एक धुंधला कोना था, एक बंद गैरेज की दीवार और एक ऊंचे स्टेशन के खंभों के बीच फंसा फुटपाथ का एक छोटा सा हिस्सा। उसने एक ट्रक का पिछला हिस्सा सड़क पर दूर जाते हुए देखा।
उसने उस पर नाम नहीं देखा था, लेकिन वह जानता था कि वह कौन सा ट्रक है।
एलिवेटेड ट्रक की लोहे की सीढ़ियों के नीचे एक अखबारों की दुकान थी। उसने धीरे-धीरे अपनी नज़रें घुमाईं। ताज़ा किताबों का ढेर वहीं पड़ा था, उसके सामने फैला हुआ। कल का बैनर।

वह पास नहीं आया। वह खड़ा रहा, प्रतीक्षा करता रहा। उसने सोचा, मेरे पास अभी भी कुछ मिनट हैं जिनमें मुझे पता नहीं चलेगा।
उसने देखा कि एक के बाद एक कई अनजान लोग उस स्टॉल पर रुक रहे थे।
वे अलग-अलग अखबारों के लिए आए थे, लेकिन जब उन्होंने बैनर का पहला पन्ना देखा तो उसे भी खरीद लिया। वह दीवार से सटकर खड़ा इंतज़ार कर रहा था। उसने सोचा, यह सही है कि मुझे सबसे आखिर में पता चले कि मैंने क्या कहा है।
फिर वह और देर नहीं कर सका: कोई ग्राहक नहीं आया, दुकान खाली पड़ी थी, कागज़ बल्ब की पीली रोशनी में फैले हुए थे, मानो उसका इंतज़ार कर रहे हों। बल्ब के उस पार बनी काली झोपड़ी में उसे कोई विक्रेता दिखाई नहीं दिया।
सड़क सुनसान थी। एक लंबा गलियारा ऊंचे भवन के ढांचे से भरा हुआ था। पत्थर की पक्की सड़क, धब्बेदार दीवारें, लोहे के खंभों का आपस में गुंथा हुआ जाल।
वहां रोशन खिड़कियां थीं, लेकिन ऐसा लग रहा था मानो दीवारों के अंदर कोई लोग चल-फिर नहीं रहे हों। एक ट्रेन उसके सिर के ऊपर से गड़गड़ाती हुई गुजरी, एक लंबी लहर की तरह।
एक कर्कश ध्वनि जो खंभों से होते हुए धरती में समा गई। ऐसा लग रहा था मानो धातु का एक ढेर बिना किसी मानवीय चालक के रात के अंधेरे में तेजी से दौड़ रहा हो।
आवाज के शांत होने का उसने इंतजार किया, फिर वह स्टैंड की ओर बढ़ा। "द बैनर," उसने कहा। उसने यह नहीं देखा कि उसे अखबार किसने बेचा, चाहे वह पुरुष हो या महिला। उसने केवल एक झुर्रीदार भूरे हाथ को अखबार की प्रति आगे बढ़ाते हुए देखा।
वह आगे बढ़ने लगा, लेकिन सड़क पार करते समय रुक गया।
पहले पन्ने पर रोर्क की तस्वीर थी। वह एक अच्छी तस्वीर थी। शांत चेहरा, उभरी हुई गाल की हड्डियाँ, और दृढ़ होंठ। वह ऊंचे खंभे से टेक लगाकर संपादकीय पढ़ रहा था।
“हमने हमेशा अपने पाठकों को बिना किसी भय या पूर्वाग्रह के सत्य प्रदान करने का प्रयास किया है...”
"...एक जघन्य अपराध के आरोपी व्यक्ति के प्रति भी दयालुतापूर्ण विचार और संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए..."
"...लेकिन गहन जांच के बाद और हमारे सामने प्रस्तुत किए गए नए साक्ष्यों के आलोक में, हम ईमानदारी से यह स्वीकार करने के लिए बाध्य हैं कि हम शायद बहुत नरम रहे हों..."
"...एक ऐसा समाज जो वंचितों के प्रति जिम्मेदारी की एक नई भावना से जागृत हो गया है..."
“...हम जनमत की आवाज़ में शामिल होते हैं... “...हावर्ड रोर्क का अतीत, उनका करियर और उनका व्यक्तित्व इस व्यापक धारणा का समर्थन करते प्रतीत होते हैं कि वह एक निंदनीय चरित्र, एक खतरनाक, सिद्धांतहीन, असामाजिक किस्म का आदमी है...”
"...अगर दोषी पाया जाता है, जैसा कि अपरिहार्य लगता है, तो हॉवर्ड रोर्क को कानून द्वारा लगाई जा सकने वाली अधिकतम सजा भुगतनी होगी।"
इस पर "गेल वायनांड" के हस्ताक्षर थे।
जब उसने ऊपर देखा, तो वह एक जगमगाती सड़क पर, एक साफ-सुथरे फुटपाथ पर, एक दुकान की खिड़की में साटन के सोफे पर खूबसूरती से मुड़ी हुई मोम की मूर्ति को देख रहा था; मूर्ति ने सैल्मन रंग की नाइटी, ल्यूसाइट सैंडल और एक उठी हुई उंगली से लटकती मोतियों की माला पहन रखी थी।
उसे पता ही नहीं चला कि कागज़ कब उसके हाथ से गिर गया। अब वह उसके हाथों में नहीं था। उसने पीछे मुड़कर देखा। किसी अनजान सड़क पर पड़ा हुआ कागज़ मिलना नामुमकिन था। उसने सोचा, किसलिए? ऐसे और भी कागज़ तो होंगे ही। शहर में तो ऐसे कागज़ों की भरमार है।

“तुम मेरे जीवन की वो इकलौती मुलाकात हो जो कभी दोबारा नहीं हो सकती...”
हॉवर्ड, मैंने वह संपादकीय चालीस साल पहले लिखा था। मैंने इसे एक रात तब लिखा था जब मैं सोलह साल का था और एक झुग्गी बस्ती की छत पर खड़ा था।
वह चलता रहा। उसके सामने एक और सड़क थी, अचानक एक लंबा खालीपन छा गया और क्षितिज तक हरी ट्रैफिक लाइटों की एक कतार फैली हुई थी। मानो अंतहीन माला हो। उसने सोचा, अब एक हरी मनके से दूसरे हरी मनके तक चलो। उसने सोचा, ये शब्द नहीं हैं; लेकिन शब्द उसके कदमों के साथ गूंजते रहे: Mea culpa— mea culpa— mea maxima culpa.
वह घिसे-पिटे जूतों की एक खिड़की के पास से गुजरा, एक धार्मिक संस्था के दरवाजे के पास से, जिसके ऊपर एक क्रॉस बना हुआ था, दो साल पहले चुनाव लड़े एक उम्मीदवार के उखड़े हुए पोस्टर के पास से, और फुटपाथ पर सड़ी हुई सब्जियों से भरे डिब्बों वाली एक किराने की दुकान के पास से। सड़कें संकरी होती जा रही थीं, दीवारें एक-दूसरे के करीब आती जा रही थीं। उसे नदी की गंध आ रही थी, और कहीं-कहीं दिखाई देने वाली रोशनी पर कोहरे की मोटी परत छाई हुई थी।
वह हेल्स किचन में था।
उसके आस-पास की इमारतों के अग्रभाग अचानक उजागर हुए गुप्त पिछवाड़े की दीवारों की तरह थे; जीर्ण-शीर्णता, निजता या शर्म की कोई आवश्यकता नहीं। उसने कोने पर स्थित एक शराबखाने से चीखें सुनीं; वह यह नहीं बता सका कि यह खुशी की चीखें थीं या किसी झगड़े की।
वह सड़क के बीचोंबीच खड़ा था। वह धीरे-धीरे हर अंधेरी दरार के मुहाने पर, धारीदार दीवारों पर, खिड़कियों पर और छतों पर नजर डाल रहा था।
मैं यहाँ से कभी बाहर नहीं निकल पाया।
मैं कभी बाहर नहीं निकल पाई। मैंने किराने वाले के सामने, फेरीबोट के कर्मचारियों के सामने, और पूल रूम के मालिक के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यहाँ कोई नियम नहीं चलाता। यहाँ कोई नियम नहीं चलाता। गेल वायनांड, तुमने कहीं भी नियम नहीं चलाए हैं। तुमने तो बस खुद को उन नियमों में शामिल कर लिया है जो वे चलाते हैं।
फिर उसने शहर के उस पार, विशाल गगनचुंबी इमारतों की आकृतियों की ओर देखा। उसने काले आकाश में बिना किसी सहारे के उठती हुई रोशनी की एक कतार देखी, एक चमकता हुआ शिखर जो किसी सहारे से बंधा नहीं था, आकाश में लटका हुआ एक छोटा, चमकदार वर्ग। वह उन प्रसिद्ध इमारतों को जानता था जिनसे ये इमारतें संबंधित थीं, वह अंतरिक्ष में उनके स्वरूपों को पुनः स्थापित कर सकता था।
उसने सोचा, तुम मेरे न्यायाधीश और गवाह हो। तुम बिना किसी बाधा के, झुकती हुई छतों से ऊपर उठते हो। तुम अपनी गरिमामय दृढ़ता को व्यक्त करते हो। तारे, सुस्ती, थकान और आकस्मिकता से परे। समुद्र में एक मील दूर तक फैली आँखें इनमें से कुछ भी नहीं देखेंगी और इनमें से किसी भी बात का कोई महत्व नहीं होगा, लेकिन तुम ही उपस्थिति और शहर रहोगे। सदियों से, कुछ लोग अकेले सत्यनिष्ठा से खड़े रहे हैं ताकि हम उन्हें देखकर कह सकें, हमारे पीछे एक मानव जाति है। कोई तुमसे बच नहीं सकता; सड़कें बदलती हैं, लेकिन ऊपर देखो और तुम वहीं खड़े हो, अपरिवर्तित। तुमने मुझे आज रात सड़कों पर चलते देखा है। तुमने मेरे हर कदम और मेरे हर साल को देखा है। मैंने तुम्हें धोखा दिया है। क्योंकि मैं तुममें से एक होने के लिए पैदा हुआ था।
वह चलता रहा। काफी रात हो चुकी थी। खाली फुटपाथों पर लैम्पपोस्ट के नीचे रोशनी के घेरे शांत पड़े थे। खाली गलियारों में बजती दरवाज़े की घंटियों की तरह कभी-कभार टैक्सियों के हॉर्न की आवाज़ गूंजती थी। गुजरते हुए उसे फेंके हुए अखबार दिखाई दिए: फुटपाथों पर, पार्क की बेंचों पर, कोनों पर लगे तौर के कूड़ेदानों में।

उनमें से कई बैनर थे। आज रात शहर में बैनर की कई प्रतियां पढ़ी गई थीं। उसने सोचा, हम प्रसार बढ़ा रहे हैं, अल्वाह।
वह रुक गया। उसने अपने सामने नाली में फैला हुआ एक अखबार देखा, जिसका पहला पन्ना ऊपर की ओर था। यह बैनर अखबार था। उसने रोक की तस्वीर देखी। उसने रोक के चेहरे पर रबर की एड़ी का धुंधला निशान देखा।
वह झुका, अपने दोनों घुटनों और दोनों हाथों को मोड़ते हुए धीरे-धीरे नीचे की ओर मुड़ा और अखबार उठाया। उसने पहला पन्ना मोड़कर अपनी जेब में रख लिया। वह आगे बढ़ गया।
शहर में कहीं, एक अज्ञात पैर पर एक अज्ञात रबर की एड़ी, जिसे मैंने चलने के लिए छोड़ दिया।
मैंने उन सबको रिहा कर दिया। मैंने उन सभी को सजा दी जिन्होंने मुझे बर्बाद किया था।
धरती पर एक ऐसा राक्षस है, जो अपनी ही लाचारी के कारण सुरक्षित रूप से कैद है। मैंने उस बांध को तोड़ दिया। वे असहाय ही रह जाते। वे कुछ भी पैदा नहीं कर सकते थे। मैंने उन्हें हथियार दिया। मैंने उन्हें अपनी ताकत, अपनी ऊर्जा, अपनी जीवन शक्ति दी। मैंने एक बुलंद आवाज़ पैदा की और उन्हें शब्द तय करने दिए। जिस स्त्री ने मेरे चेहरे पर चुकंदर के पत्ते फेंके थे, उसे ऐसा करने का पूरा अधिकार था। मैंने ही उसके लिए यह संभव बनाया।
किसी भी चीज़ को धोखा दिया जा सकता है, किसी को भी माफ़ किया जा सकता है। लेकिन उन्हें नहीं जिनमें अपनी महानता का साहस नहीं होता। अल्वाह स्कारेट को माफ़ किया जा सकता है। उनके पास धोखा देने के लिए कुछ भी नहीं था। मिशेल लेटन को माफ़ किया जा सकता है।
लेकिन मैं नहीं। मैं किसी के हाथों से सामान खरीदने के लिए पैदा नहीं हुआ था।
सत्रहवीं
वह गर्मी का दिन था, आसमान साफ और ठंडा था, मानो...
सूर्य की रोशनी पानी की एक अदृश्य परत से ढकी हुई थी, और ऊष्मा की ऊर्जा एक अधिक स्पष्टता में परिवर्तित हो गई थी, जिससे शहर की इमारतों की रूपरेखा में एक अतिरिक्त चमक आ गई थी। सड़कों पर, भूरे झाग के टुकड़ों की तरह, बैनर की बहुत सारी प्रतियां बिखरी पड़ी थीं।
शहर के लोग हंसते हुए वायनांड के त्यागपत्र का बयान पढ़ रहे थे।
“बस हो गया,” “हम वायनांड नहीं पढ़ते” समिति के अध्यक्ष गस वेब ने कहा। “यह चालाकी भरा है,” आइके ने कहा। “आज मैं महान श्री गेल वायनांड का चेहरा बस एक बार देखना चाहूँगी,” सैली ब्रेंट ने कहा।
“आखिरकार हो ही गया,” होमर स्लॉटर्न ने कहा। “कितना बढ़िया है ना? वायनांड ने आत्मसमर्पण कर दिया,” एक चुप रहने वाली महिला ने कहा; वह वायनांड के बारे में कुछ नहीं जानती थी और इस मुद्दे के बारे में तो उसे कुछ भी पता नहीं था, लेकिन उसे लोगों के आत्मसमर्पण की खबरें सुनना अच्छा लगता था। रसोई में, रात के खाने के बाद, एक मोटी महिला ने बर्तनों से बचे हुए टुकड़ों को अखबार के पन्ने पर खुरच कर रखा; वह कभी अखबार का पहला पन्ना नहीं पढ़ती थी, केवल दूसरे भाग में छपने वाली प्रेम कहानी की किश्तें पढ़ती थी; वह प्याज के छिलके और मैमने की हड्डियों को बैनर अखबार की एक प्रति में लपेटकर रखती थी।
“यह तो कमाल है,” लैसलॉट क्लोकी ने कहा, “बस मुझे उस यूनियन पर बहुत गुस्सा आ रहा है, एल्सवर्थ। उन्होंने तुम्हारे साथ ऐसा धोखा कैसे किया?” “लांस, इतनी आसानी से बेवकूफ मत बनो,” एल्सवर्थ टूही ने कहा। “तुम्हारा क्या मतलब है?” “मैंने उनसे शर्तें मानने को कहा था।” “सच में?” “हाँ।” “लेकिन हे भगवान! ‘वन स्मॉल वाइस’...” “तुम ‘वन स्मॉल वाइस’ के लिए एक महीना और इंतज़ार कर सकते हो, है ना? मैंने आज

लेबर बोर्ड में मुकदमा दायर किया है, बैनर में अपनी नौकरी पर वापस रख जाने के लिए। किसी काम को करने के कई तरीके होते हैं, लांस। एक बार रीढ़ की हड्डी टूट जाए तो खाल उतारना ज़रूरी नहीं होता।"
उस शाम रोर्क ने वायनांड के पेंटहाउस के दरवाजे पर घंटी का बटन दबाया। बटलर ने दरवाज़ा खोला और कहा: "श्रीमान..."
"वायनैंड आपको नहीं देख सकता, मिस्टर रोर्क।" सड़क के उस पार फुटपाथ से रोर्क ने ऊपर देखा और छतों के ऊपर, वायनैंड के अध्ययन कक्ष की खिड़की में प्रकाश का एक चौकोर टुकड़ा देखा।
सुबह रोर्क बैनर बिल्डिंग में वायनांड के कार्यालय में आया। वायनांड के सचिव ने उससे कहा: "श्री वायनांड आपसे नहीं मिल सकते।"
श्री रोर्क।" उन्होंने विनम्र और संयमित स्वर में कहा, "श्री वायनांड ने मुझसे आपको यह बताने के लिए कहा है कि वे आपसे फिर कभी मिलना नहीं चाहते।"
रोर्क ने उसे एक लंबा पत्र लिखा: "... गेल, मुझे पता है। मुझे उम्मीद थी कि तुम इससे बच जाओगी, लेकिन चूंकि ऐसा होना ही था, इसलिए जहां हो वहीं से फिर से शुरुआत करो।"
मुझे पता है तुम अपने साथ क्या कर रहे हो। तुम ये मेरे लिए नहीं कर रहे हो, ये मेरे बस में नहीं है, लेकिन अगर इससे तुम्हें मदद मिलेगी तो मैं कहना चाहता हूँ कि मैं अब भी वही सब दोहरा रहा हूँ जो मैंने तुमसे कहा है। मेरे लिए कुछ नहीं बदला है। तुम अब भी वैसे ही हो जैसे पहले थे। मैं ये नहीं कह रहा कि मैं तुम्हें माफ़ कर देता हूँ, क्योंकि हमारे बीच ऐसा कोई सवाल ही नहीं उठता। लेकिन अगर तुम खुद को माफ़ नहीं कर सकते, तो क्या तुम मुझे माफ़ करने दोगे? मैं कहना चाहता हूँ कि इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता, ये तुम्हारे बारे में आखिरी फ़ैसला नहीं है। मुझे ये अधिकार दो कि मैं तुम्हें ये भूलने दूँ। जब तक तुम ठीक नहीं हो जाते, बस मेरे भरोसे पर जी लो। मुझे पता है कि ये कोई इंसान दूसरे के लिए नहीं कर सकता, लेकिन अगर मैं तुम्हारे लिए वैसा ही रहूँ जैसा मैं तुम्हारे लिए रहा हूँ, तो तुम इसे स्वीकार कर लोगे। इसे खून चढ़ाने जैसा समझो। तुम्हें इसकी ज़रूरत है। इसे स्वीकार करो। ये उस हमले से लड़ने से भी ज़्यादा मुश्किल है। मेरे लिए ऐसा करो, अगर इससे तुम्हें मदद मिलेगी। लेकिन करो। वापस आ जाओ। एक और मौका मिलेगा। जो तुमने खोया है, वो न तो खो सकता है और न ही पाया जा सकता है। इसे जाने मत दो।
वह पत्र बिना खोले ही रोर्क के पास वापस आ गया।
अल्वाह स्कारेट बैनर अखबार चलाते थे। वायनांड अपने दफ्तर में बैठे रहते थे। उन्होंने दीवार से रोर्क की तस्वीर हटा दी थी। वे विज्ञापन अनुबंधों, खर्चों और खातों का हिसाब-किताब रखते थे। स्कारेट संपादकीय नीति का ध्यान रखते थे। वायनांड बैनर की सामग्री नहीं पढ़ते थे।
जब वायनांड इमारत के किसी भी विभाग में आता, तो कर्मचारी पहले की तरह ही उसकी बात मानते। वह अब भी एक मशीन था और वे जानते थे कि यह मशीन पहले से कहीं अधिक खतरनाक थी: एक ऐसी कार जो बिना दहन या ब्रेक के ढलान पर दौड़ रही हो।
वह अपने पेंटहाउस में सो रहा था। उसने डोमिनिक को नहीं देखा था। स्कारेट ने उसे बताया था कि वह वापस गाँव चली गई है। एक बार वायनांड ने अपनी सचिव को कनेक्टिकट फोन करने का आदेश दिया। वह उसकी मेज के पास खड़ा रहा जबकि उसकी सचिव ने बटलर से पूछा कि क्या श्रीमती वायनांड वहाँ हैं।
बटलर ने जवाब दिया कि वह थी। सचिव ने फोन काट दिया और वायनांड अपने कार्यालय लौट गया।
उसने सोचा कि वह खुद को कुछ दिन का समय देगा। फिर वह डोमिनिक के पास लौट आएगा। उनकी शादी वैसी ही होगी जैसी डोमिनिक ने शुरू में चाही थी—"श्रीमती

वायनांड-पेपर्स"। वह इसे स्वीकार कर लेगा।
रुको, वह बेचैनी से सोचने लगा, रुको। तुम्हें उसका सामना उसी रूप में करना सीखना होगा जैसे तुम अभी हो। खुद को भिखारी की तरह ढाल लो। जिन चीजों पर तुम्हारा कोई अधिकार नहीं है, उनका कोई दिखावा नहीं। कोई बराबरी नहीं, कोई प्रतिरोध नहीं, उसके सामने अपनी ताकत दिखाने का कोई घमंड नहीं। बस अब स्वीकार करो। उसके सामने एक ऐसे आदमी की तरह खड़े हो जाओ जो उसे कुछ नहीं दे सकता, जो उसी पर जिएगा जो वह उसे देना चाहेगी। यह तिरस्कार होगा, लेकिन यह उसकी ओर से आएगा और यह एक बंधन होगा। उसे दिखाओ कि तुम इसे पहचानते हो। खुलेआम गरिमा का त्याग करने में एक तरह की गरिमा होती है। इसे सीखो। रुको... वह अपने पेंटहाउस के स्टडी रूम में कुर्सी के आर्मरेस्ट पर सिर रखकर बैठा था। उसके आसपास के खाली कमरों में कोई गवाह नहीं था... डोमिनिक, उसने सोचा, मुझे बस इतना ही कहना है कि मुझे तुम्हारी बहुत ज़रूरत है। और मैं तुमसे प्यार करता हूँ। मैंने तुमसे एक बार कहा था कि इस बारे में मत सोचो। अब मैं इसे एक टिन के प्याले की तरह इस्तेमाल करूँगा। लेकिन मैं इसे इस्तेमाल करूँगा। मैं तुमसे प्यार करता हूँ...
डोमिनिक झील के किनारे लेटी हुई थी। वह पहाड़ी पर बने घर को, अपने ऊपर पेड़ों की शाखाओं को देख रही थी। पीठ के बल लेटी, हाथों को सिर के नीचे रखकर, वह आकाश के सामने पत्तियों की गति का अध्ययन कर रही थी। यह एक गंभीर कार्य था, जिससे उसे पूर्ण संतोष मिल रहा था। उसने सोचा, यह कितना सुंदर हरा रंग है, पौधों के रंग और वस्तुओं के रंग में अंतर होता है, इसमें प्रकाश है, यह केवल हरा रंग नहीं है, बल्कि पेड़ की जीवन शक्ति भी दृश्यमान है, मुझे नीचे देखने की ज़रूरत नहीं है, मैं इस रंग को देखकर ही शाखाओं, तने, जड़ों को देख सकती हूँ। किनारों पर वह आग सूरज है, मुझे उसे देखने की ज़रूरत नहीं है, मैं बता सकती हूँ कि आज पूरा ग्रामीण इलाका कैसा दिख रहा है। प्रकाश के धब्बे वृत्तों में बुने हुए हैं—
ये झील है, पानी से परावर्तित होकर आने वाली खास तरह की रोशनी, झील आज बहुत सुंदर है, और इसे देखना नहीं, बस इन धब्बों से इसका अंदाज़ा लगाना ही बेहतर है। मैंने पहले कभी धरती के इस नज़ारे का आनंद नहीं लिया था, ये कितनी खूबसूरत पृष्ठभूमि है, लेकिन पृष्ठभूमि के अलावा इसका कोई मतलब नहीं है, और मैंने उन लोगों के बारे में सोचा जो इसके मालिक थे और फिर मुझे बहुत दुख हुआ। अब मैं इससे प्यार कर सकती हूँ। अब ये उनकी संपत्ति नहीं है।
उनके पास कुछ नहीं है। उन्होंने कभी जीत हासिल नहीं की। मैंने गेल वायनांड का जीवन देखा है, और अब मैं जानती हूँ। उनके नाम पर धरती से नफरत नहीं की जा सकती।
धरती खूबसूरत है। और यह एक पृष्ठभूमि है, लेकिन उनकी नहीं।
उसे पता था कि उसे क्या करना है। लेकिन उसने खुद को कुछ दिन का समय दिया। उसने सोचा, मैंने खुशी को छोड़कर सब कुछ सहना सीख लिया है।
मुझे इसे संभालना सीखना होगा। इसके बोझ तले दबकर टूट न जाना सीखना होगा। अब से मुझे बस इसी अनुशासन की ज़रूरत होगी।
रोर्क मोनाडनॉक घाटी में अपने घर की खिड़की पर खड़ा था। उसने गर्मियों के लिए घर किराए पर लिया था; वह वहाँ तब जाता था जब उसे एकांत और आराम चाहिए होता था। शाम शांत थी। खिड़की पेड़ों के बीच एक छोटी सी चौखट पर खुलती थी, जो आसमान की ओर लटक रही थी।
अंधेरे पेड़ों की चोटियों के ऊपर सूर्यास्त की रोशनी की एक पतली सी पट्टी फैली हुई थी। वह जानता था कि नीचे घर हैं, लेकिन वे दिखाई नहीं दे रहे थे। वह इस जगह को जिस तरह से बनाया था, उसके लिए अन्य किरायेदारों की तरह ही आभारी था। उसने सड़क के दूसरी ओर से आती हुई एक कार की आवाज़ सुनी। वह आश्चर्यचकित होकर

सुनने लगा। उसे किसी मेहमान की उम्मीद नहीं थी। कार रुक गई। वह दरवाज़ा खोलने के लिए आगे बढ़ा। डोमिनिक को देखकर उसे कोई आश्चर्य नहीं हुआ।
वह ऐसे अंदर आई मानो आधे घंटे पहले ही इस घर से निकली हो। उसने न टोपी पहनी थी, न मोज़े, बस सैंडल और देहाती सड़कों के लिए बनी एक पतली, गहरे नीले रंग की लिनेन की छोटी आस्तीन वाली पोशाक, बागवानी के लिए पहनी जाने वाली फ्रॉक जैसी। वह ऐसी नहीं लग रही थी मानो तीन राज्यों को पार करके आई हो, बल्कि ऐसा लग रहा था मानो पहाड़ी से नीचे टहलकर लौट रही हो। वह जानता था कि यही इस पल की गंभीरता थी—कि इसे गंभीरता की ज़रूरत नहीं थी; इस पर ज़ोर देने या इसे अलग से दिखाने की ज़रूरत नहीं थी, यह सिर्फ़ एक शाम की बात नहीं थी, बल्कि उनके बीते सात सालों का पूरा अर्थ था।
“हावर्ड।”
वह ऐसे खड़ा था मानो कमरे में अपने नाम की आवाज़ को सुन रहा हो। उसे वह सब मिल गया था जो वह चाहता था।
लेकिन एक विचार ऐसा था जो आज भी पीड़ा बनकर रह गया है। उन्होंने कहा:
"डोमिनिक, उसके ठीक होने तक इंतजार करो।"
आप जानते हैं कि वह ठीक नहीं होगा।
उस पर थोड़ी दया करो।
उनकी भाषा मत बोलो।
उसके पास कोई विकल्प नहीं था।
वह अखबार बंद कर सकता था।
"यही उसका जीवन था।"
“यह मेरा है।”
उन्हें यह नहीं पता था कि वायनांड ने एक बार कहा था कि सभी प्रेम अपवादों से भरा होता है; और वायनांड को यह भी नहीं पता होगा कि रोर्क ने उनसे इतना प्रेम किया था कि उन्होंने अपना सबसे बड़ा अपवाद बनाया, वह क्षण जब उन्होंने समझौता करने की कोशिश की थी। तब उन्हें एहसास हुआ कि यह सब व्यर्थ था, सभी बलिदानों की तरह।
उन्होंने कहा कि यह उनके फैसले पर उनके हस्ताक्षर थे:
"मुझे तुमसे प्यार है।"
उसने कमरे में चारों ओर देखा, ताकि दीवारों और कुर्सियों की सामान्य वास्तविकता उसे उस अनुशासन को बनाए रखने में मदद करे जो उसने इस पल के लिए सीखा था। वे दीवारें जो उसने डिज़ाइन की थीं, वे कुर्सियाँ जिन पर वह बैठता था, मेज पर सिगरेट का एक पैकेट, जीवन की वे नियमित आवश्यकताएँ जो जीवन के वर्तमान स्वरूप में आने पर भव्यता प्राप्त कर सकती थीं।
“हावर्ड, मुझे पता है कि तुम मुकदमे में क्या करने वाले हो। इसलिए अगर उन्हें हमारे बारे में सच्चाई पता चल भी जाए तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा।”
इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा।
“जब तुम उस रात आए और मुझे कॉर्टलैंड के बारे में बताया, तो मैंने तुम्हें रोकने की कोशिश नहीं की। मुझे पता था कि तुम्हें यह करना ही था, यह तुम्हारा समय था कि तुम आगे बढ़ने के लिए शर्तें तय करो। यह मेरा समय है। मेरा कॉर्टलैंड विस्फोट।”
मुझे अपने तरीके से करने दो। मुझसे सवाल मत करो। मेरी रक्षा मत करो।
मैं कुछ भी करूँ, कोई फर्क नहीं पड़ता।"
मुझे पता है तुम क्या करोगे।
"तुम्हें पता है कि मुझे ऐसा करना ही होगा?"
"हाँ।"
उसने कोहनी से एक हाथ मोड़ा, उंगलियां ऊपर उठाईं, और एक झटके में पीछे की ओर झटक दिया, मानो विषय को अपने कंधे के ऊपर से फेंक रही हो। बात तय हो

चुका था और इस पर चर्चा नहीं होनी थी।
वह उससे मुंह फेरकर कमरे में चली गई, ताकि उसके कदमों की सहजता से यह जगह उसका घर बन जाए, यह जताने के लिए कि आने वाले दिनों में उसकी उपस्थिति ही उसका नियम होगी और उसे इस समय वह करने की कोई ज़रूरत नहीं है जो वह सबसे ज़्यादा चाहती थी: खड़े होकर उसे देखना। वह यह भी जानती थी कि वह क्या टाल रही है, क्योंकि वह तैयार नहीं थी और कभी तैयार नहीं होगी। उसने मेज पर रखे सिगरेट के पैकेट के लिए अपना हाथ बढ़ाया।
उसकी उंगलियाँ उसकी कलाई पर जकड़ गईं और उसने उसका हाथ पीछे खींच लिया। उसने उसे अपनी ओर घुमाया, फिर उसे गले लगाया और उसके होंठ उसके होंठों पर थे। वह जानती थी कि सात साल का हर पल, जब उसने यही चाहा था, दर्द को रोका था और सोचा था कि उसने जीत हासिल कर ली है, बीता नहीं था, कभी रुका ही नहीं था, बल्कि जीवित था, संचित था, जुड़ता जा रहा था।
भूख से भूख तक, और अब उसे यह सब महसूस करना था, उसके शरीर का स्पर्श, जवाब और साथ में इंतजार।
उसे नहीं पता था कि उसके अनुशासन से कोई फ़ायदा हुआ या नहीं; उसे लगा कि ज़्यादा फ़ायदा नहीं हुआ, क्योंकि उसने देखा कि उसने उसे अपनी बाहों में उठा लिया, कुर्सी तक ले गया और उसे अपनी गोद में बिठा लिया; वह बिना आवाज़ किए हँसा, जैसे किसी बच्चे पर हँसता हो, लेकिन उसे थामे हुए उसके हाथों की दृढ़ता चिंता और एक तरह की स्थिर सावधानी दिखा रही थी। फिर सब कुछ आसान लगा, उसे उससे कुछ भी छिपाना नहीं था, उसने फुसफुसाते हुए कहा: "हाँ, हॉवर्ड... बस इतना ही..." और उसने कहा:
“मेरे लिए ये सब बहुत मुश्किल था—ये सारे साल।” और वो साल खत्म हो गए।
वह नीचे फिसलकर ज़मीन पर बैठ गई, उसकी कोहनियाँ उसके घुटनों पर टिकी थीं। उसने ऊपर उसकी ओर देखा और मुस्कुराई। वह जानती थी कि वह इस श्वेत शांति तक केवल उन सभी रंगों, उन सभी हिंसाओं के योग के रूप में ही पहुंच सकती थी जिन्हें उसने जाना था। “हॉवर्ड... स्वेच्छा से, पूरी तरह से और हमेशा... बिना किसी संकोच के, बिना किसी डर के कि वे तुम्हारे या मेरे साथ क्या कर सकते हैं... जैसे तुम चाहो... तुम्हारी पत्नी या तुम्हारी प्रेमिका के रूप में, गुप्त रूप से या खुलेआम... यहाँ, या किसी ऐसे शहर में किसी सुसज्जित कमरे में जो किसी जेल के पास हो जहाँ मैं तुम्हें तार की जाली के पीछे से देखूँगी... इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ... हॉवर्ड, अगर तुम मुकदमा जीत भी जाते हो—तो भी इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। तुम बहुत पहले ही जीत चुके हो... मैं वही रहूँगी जो मैं हूँ, और मैं तुम्हारे साथ रहूँगी—अभी और हमेशा—जैसे तुम चाहो..."
उसने उसके हाथों को अपने हाथों में थाम लिया, उसने देखा कि उसके कंधे उसकी ओर झुक रहे हैं, उसने उसे असहाय, इस क्षण के सामने आत्मसमर्पण करते हुए देखा, ठीक वैसे ही जैसे वह स्वयं थी।
और वह जानती थी कि दर्द को भी स्वीकार किया जा सकता है, लेकिन खुशी को स्वीकार करना नग्न अवस्था में खड़े होने जैसा है, गवाह के सामने आत्मसमर्पण करने जैसा है, फिर भी वे बिना किसी सुरक्षा की आवश्यकता के एक-दूसरे को इसे देखने दे सकते थे। अंधेरा छा रहा था, कमरा पहचान से परे हो गया था, केवल खिड़की और खिड़की से आसमान की ओर उसके कंधे दिखाई दे रहे थे।
सूरज की किरणें उसकी आँखों में पड़ रही थीं, तभी उसकी नींद खुली। वह पीठ के बल लेटी हुई थी, छत को उसी तरह देख रही थी जैसे पत्तों को देखती थी। हिलना नहीं, इशारों से समझना, हर चीज़ को उसके गहरे अर्थ से देखना। छत की प्लास्टिक टाइलों पर बनी कोणीय आकृति पर प्रकाश के टूटे हुए त्रिकोण यह दर्शाते थे कि सुबह हो चुकी है और यह मोनाडनॉक का कमरा है, जिसके ऊपर आग और संरचना की ज्यामिति

उसी ने बनाई है। आग सफेद थी—इसका मतलब था कि बहुत सुबह थी और किरणें साफ ग्रामीण हवा से होकर आ रही थीं, जिसमें कुछ भी नहीं था।
इस शयनकक्ष और सूर्य के बीच अंतरिक्ष में कहीं भी। उसके नग्न शरीर पर कंबल का भारी और अंतरंग भार, पिछली रात की हर चीज़ का एहसास करा रहा था। और उसकी बांह पर जो त्वचा महसूस हो रही थी, वह उसके बगल में सो रहे रोर्क की त्वचा थी।
वह बिस्तर से उठी। वह खिड़की पर खड़ी हो गई, दोनों भुजाएँ ऊपर उठाकर, खिड़की के फ्रेम को दोनों तरफ से पकड़े हुए। उसने सोचा कि अगर वह पीछे मुड़कर देखेगी तो उसे फर्श पर अपने शरीर की कोई परछाई नहीं दिखेगी, उसे ऐसा लग रहा था जैसे सूरज की रोशनी उसके शरीर से आर-पार जा रही हो, क्योंकि उसके शरीर का कोई वज़न नहीं था।
लेकिन उसे उसके जागने से पहले जल्दी करनी थी। उसने अलमारी के दराज में उसका पायजामा ढूंढा और पहन लिया। वह बैठक में गई और सावधानी से दरवाजा बंद कर लिया। उसने टेलीफोन उठाया और निकटतम पुलिस कार्यालय का नंबर मांगा।
"मैं श्रीमती गेल वायनांड हूँ," उन्होंने कहा। "मैं मोनाडनॉक वैली स्थित श्री हॉवर्ड रोर्क के घर से बोल रही हूँ। मैं आपको सूचित करना चाहती हूँ कि मेरी स्टार-नीलम की अंगूठी कल रात यहाँ से चोरी हो गई...लगभग पाँच हज़ार डॉलर की...यह श्री रोर्क का दिया हुआ उपहार था...क्या आप एक घंटे के भीतर यहाँ पहुँच सकते हैं?...धन्यवाद।"
वह रसोई में गई, कॉफी बनाई और कॉफी पॉट के नीचे लगी बिजली की कुंडली की चमक को देखती रही, यह सोचते हुए कि यह धरती पर सबसे खूबसूरत रोशनी है।
उसने बैठक कक्ष में बड़ी खिड़की के पास मेज लगाई। वह केवल ड्रेसिंग गाउन पहने बाहर आया और उसे अपने पायजामे में देखकर हंस पड़ा। उसने कहा: "कपड़े मत पहनो। बैठ जाओ। चलो नाश्ता करते हैं।"
वे अपना काम खत्म ही कर रहे थे कि उन्हें बाहर कार रुकने की आवाज सुनाई दी। वह मुस्कुराई और दरवाजा खोलने के लिए आगे बढ़ी।
वहाँ एक शेरिफ, एक डिप्टी और स्थानीय अखबारों के दो पत्रकार मौजूद थे।
"सुप्रभात," डोमिनिक ने कहा। "अंदर आइए।"
"श्रीमती... वायनांड?" शेरिफ ने कहा।
"जी हां। श्रीमती गेल वायनांड। अंदर आइए। बैठिए।"
पायजामे की बेतुकी सिलवटों में, कसकर बंधी बेल्ट के ऊपर उभरे काले कपड़े के साथ, और उंगलियों पर लटकती आस्तीनों के बीच, उनमें वही शालीनता और गरिमा थी जो वे अपनी सबसे खूबसूरत मेजबान पोशाक में दिखाती थीं। वे अकेली थीं जिन्हें इस स्थिति में कुछ भी असामान्य नहीं लग रहा था।
शेरिफ ने नोटबुक को इस तरह पकड़ रखा था मानो उसे पता ही न हो कि इसका क्या करना है।
उसने उसे सही सवाल ढूंढने में मदद की और एक अच्छी पत्रकार की तरह सटीक जवाब दिए।
"यह प्लैटिनम में जड़ी एक स्टार-नीलम की अंगूठी थी। सोने से पहले मैंने इसे उतारकर यहीं, इस मेज पर, अपने पर्स के बगल में रख दिया था... कल रात करीब दस बजे की बात है... जब मैं आज सुबह उठी, तो वह गायब थी... हाँ, यह खिड़की खुली थी... नहीं, हमें कुछ सुनाई नहीं दिया।"
नहीं, इसका बीमा नहीं था, मेरे पास समय नहीं था, श्री रोर्क ने इसे मुझे हाल ही में दिया था... नहीं, यहाँ कोई नौकर नहीं हैं और न ही कोई अन्य मेहमान हैं...
जी हाँ, कृपया घर का पूरा जायज़ा लीजिए... बैठक कक्ष, शयनकक्ष, स्नानघर और रसोईघर... जी हाँ, बिल्कुल, आप भी देख सकते हैं, सज्जनों। मुझे लगता है आप प्रेस से

हैं? क्या आप मुझसे कोई सवाल पूछना चाहते हैं?
पूछने के लिए कोई सवाल नहीं थी। कहानी पूरी हो चुकी थी। पत्रकारों ने इस तरह की कहानी पहले कभी नहीं देखी थी।
रोर्क के चेहरे पर पहली नज़र पड़ते ही उसने उसकी ओर न देखने की कोशिश की। लेकिन उसने अपना वादा निभाया। उसने उसे रोकने या उसकी रक्षा करने की कोशिश नहीं की। पूछे जाने पर उसने जवाब दिया, जो उसके बयानों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त था।
फिर वे लोग चले गए। वे जाने से खुश लग रहे थे। यहाँ तक कि शेरिफ भी जानता था कि उसे उस गिरोह की तलाश नहीं करनी पड़ेगी।
डोमिनिक ने कहा:
मुझे खेद है। मुझे पता है कि यह आपके लिए बहुत बुरा था। लेकिन अखबारों में इसे प्रकाशित करवाने का यही एकमात्र तरीका था।
"तुम्हें मुझे बताना चाहिए था कि मैंने तुम्हें अपने कौन से स्टार नीलम दिए थे।"
“मेरे पास कभी कोई नहीं था। मुझे स्टार सफायर पसंद नहीं हैं।”
"कॉर्टलैंड की तुलना में डायनामाइट से विस्फोट करने का वह काम कहीं अधिक सुनियोजित था।"
“हाँ। अब गेल को उसकी सही जगह पर धकेल दिया गया है। तो क्या वह सोचता है कि तुम ‘सिद्धांतहीन, असामाजिक किस्म के आदमी’ हो? अब उसे बैनर अखबार में मेरे बारे में भी छपी खबरें भी देखनी चाहिए। उसे इससे क्यों बख्शा जाए?”
माफ़ करना, हॉवर्ड, मुझमें तुम्हारी जैसी दया भावना नहीं है। मैंने वह संपादकीय पढ़ लिया है। इस पर कोई टिप्पणी मत करो। आत्म-बलिदान के बारे में कुछ मत कहो, वरना मैं टूट जाऊँगी और... और मैं उतनी मज़बूत नहीं हूँ जितना वह शेरिफ़ शायद सोच रहा होगा। मैंने यह तुम्हारे लिए नहीं किया। मैंने तुम्हारे लिए स्थिति और भी बदतर कर दी है।
मैंने उन सभी आरोपों में एक और घोटाला जोड़ दिया है जो वे आप पर थोपेंगे। लेकिन, हॉवर्ड, अब हम सब मिलकर उनके खिलाफ खड़े हैं। आप एक सफल नेता बनेंगे। अगर मुझे सज़ा मिली तो मैं व्यभिचारिणी कहलाऊँगी। हावर्ड, क्या तुम्हें याद है कि मैं तुम्हें लेच वैगन और अजनबियों की खिड़कियों के सामने साझा करने से डरती थी? अब मुझे इस बात का डर नहीं है कि पिछली रात की सारी बातें अखबारों में छप जाएँ। मेरी जान, क्या तुम समझ पा रहे हो कि मैं क्यों खुश हूँ और क्यों आज़ाद हूँ?
उसने कहा:
"डोमिनिक, मैं तुम्हें बाद में कभी याद नहीं दिलाऊँगी कि तुम रो रही हो।"
उस दिन न्यूयॉर्क के सभी दोपहर के अखबारों में पायजामा, ड्रेसिंग गाउन, नाश्ते की मेज और सिंगल बेड सहित पूरी कहानी छपी थी।
अल्वाह स्कारेट वायनांड के दफ्तर में दाखिल हुआ और अखबार को उसकी मेज़ पर पटक दिया। स्कारेट को अब तक यह एहसास नहीं हुआ था कि वह वायनांड से कितना प्यार करता है, और वह इतना आहत था कि वह इसे केवल गुस्से में अपशब्दों के माध्यम से ही व्यक्त कर सका। उसने गहरी साँस ली:
"तुम्हें धिक्कार है, मूर्ख! तुम्हारे साथ यही होना चाहिए था! तुम्हारे साथ यही होना चाहिए था और मुझे खुशी है, तुम्हारी मूर्ख आत्मा पर धिक्कार है! अब हम क्या करेंगे?"
वायनांड ने कहानी पढ़ी और अखबार को देखते हुए बैठ गया। स्कारेट डेस्क के सामने खड़ा था। कुछ नहीं हुआ। यह बस एक दफ्तर था, एक आदमी डेस्क पर बैठा अखबार पढ़ रहा था। उसने वायनांड के हाथ देखे, एक हाथ अखबार के दोनों ओर, और हाथ स्थिर थे। नहीं, उसने सोचा, सामान्यतः कोई व्यक्ति अपने हाथों को इस तरह बिना सहारे के ऊपर उठाए, बिना कांपे नहीं रख सकता।

वायनांड ने अपना सिर उठाया। स्कारेट को उसकी आँखों में कुछ भी नज़र नहीं आया, सिवाय एक तरह के हल्के आश्चर्य के, मानो वायनांड सोच रहा हो कि स्कारेट यहाँ क्या कर रहा है। फिर, डर के मारे, स्कारेट ने फुसफुसाया:
गेल, अब हम क्या करेंगे?
"हम इसे चलाएंगे," वायनांड ने कहा। "यह खबर है।"
"आख़िर कैसे?"
"जिस तरह से आप चाहें।"
स्कारेट की आवाज आगे बढ़ गई, क्योंकि वह जानता था कि अब या कभी नहीं, उसमें दोबारा ऐसा करने का साहस नहीं होगा; और चूंकि वह यहां फंस गया था, इसलिए उसे दरवाजे की ओर पीछे हटने से डर लग रहा था।
“गेल, तुम्हें उससे तलाक लेना होगा।” उसने खुद को वहीं खड़ा पाया और वायनांड की ओर देखे बिना, चिल्लाते हुए अपनी बात मनवाने की कोशिश करता रहा।
उन्होंने कहा: “गेल, अब तुम्हारे पास कोई विकल्प नहीं है! तुम्हें अपनी बची-खुची प्रतिष्ठा बचानी होगी! तुम्हें उससे तलाक लेना होगा और मुकदमा भी तुम्हें ही दायर करना होगा!”
"ठीक है।"
“क्या आप ऐसा करेंगे? तुरंत? क्या आप पॉल को तुरंत कागजात दाखिल करने देंगे?”
"ठीक है।"
स्कारेट जल्दी से कमरे से बाहर निकला। वह अपने दफ्तर की ओर भागा, दरवाजा जोर से बंद किया, टेलीफोन उठाया और वायनांड के वकील को फोन किया। उसने समझाया और बार-बार दोहराया: "सब कुछ छोड़ दो और अभी केस फाइल करो, पॉल, अभी, आज ही, जल्दी करो, पॉल, इससे पहले कि वह अपना मन बदल ले!"
वायनांड अपनी कार से अपने कंट्री हाउस की ओर रवाना हुआ। डोमिनिक वहाँ उसका इंतज़ार कर रही थी।
जब वह उसके कमरे में दाखिल हुआ तो वह खड़ी हो गई। वह आगे बढ़ी ताकि उनके बीच कोई फर्नीचर न रहे; वह चाहती थी कि वह उसका पूरा शरीर देखें। वह खाली जगह के पार खड़ा होकर उसे ऐसे देख रहा था मानो वह उन दोनों को एक साथ देख रहा हो, एक निष्पक्ष दर्शक जो डोमिनिक और उसके सामने खड़े एक पुरुष को तो देख रहा था, लेकिन गेल वायनांड को नहीं।
वह इंतजार करती रही, लेकिन उसने कुछ नहीं कहा।
"ठीक है, मैंने तुम्हें एक ऐसी कहानी दी है जिससे प्रचार बढ़ेगा, गेल।"
उसने सुना तो था, लेकिन ऐसा लग रहा था मानो वर्तमान की कोई बात उसके लिए मायने ही न रखती हो। वह किसी बैंक कर्मचारी की तरह लग रहा था जो किसी अजनबी के उस खाते का हिसाब-किताब कर रहा हो जिसमें अधिक राशि निकल गई हो और जिसे बंद करना पड़ा हो। उसने कहा:
“मैं बस इतना जानना चाहता हूँ, अगर आप मुझे बताएँ: क्या यह हमारी शादी के बाद पहली बार हुआ था?”
"हाँ।"
लेकिन यह पहली बार नहीं था?
नहीं। वह पहला आदमी था जिसने मुझे अपने करीब लाया।
मुझे लगता है कि मुझे समझ जाना चाहिए था। आपने पीटर कीटिंग से शादी की थी। स्टैंडर्ड मुकदमे के ठीक बाद।"
“क्या आप सब कुछ जानना चाहते हैं? मैं आपको बताना चाहती हूँ। मैं उससे तब मिली थी जब वह ग्रेनाइट की खदान में काम करता था। क्यों नहीं? आप उसे अब किसी मजदूर टोली में या जूट मिल में डाल देंगे। वह खदान में काम कर रहा था। उसने मेरी

सहमति नहीं ली। उसने मेरा बलात्कार किया। यहीं से सब शुरू हुआ। क्या आप इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं? क्या आप इसे अखबार में छापना चाहते हैं?"
वह तुमसे प्यार करता था।
"हाँ।"
फिर भी उसने हमारे लिए यह घर बनाया।
"हाँ।"
मैं तो बस जानना चाहता था।
वह जाने के लिए मुड़ा।
"तुम्हें नरक में जाना पड़े!" वह चिल्लाई। "अगर तुम इसे इस तरह सहन कर सकते हो, तो तुम्हें वह बनने का कोई अधिकार नहीं था जो तुम बन गए!"
"इसीलिए मैं इसे ले रहा हूं।"
वह कमरे से बाहर निकल गया। उसने धीरे से दरवाजा बंद कर दिया।
उस शाम गाइ फ्रैंकन ने डोमिनिक को फोन किया। सेवानिवृत्ति के बाद से वह खदान वाले कस्बे के पास स्थित अपनी जागीर में अकेले रह रहे थे। आज उन्होंने फोन का जवाब देने से इनकार कर दिया था, लेकिन जब नौकरानी ने उन्हें बताया कि यह मिस्टर फ्रैंकन का फोन है, तो उन्होंने फोन उठा लिया। जिस गुस्से की उन्हें उम्मीद थी, उसके बजाय उन्होंने एक कोमल आवाज सुनी:
"हैलो, डोमिनिक।"
"नमस्ते पिता।"
"क्या आप अब वायनांड छोड़कर जा रहे हैं?"
"हाँ।"
आपको शहर में नहीं जाना चाहिए। यह जरूरी नहीं है। ज्यादा मत करो।
मेरे साथ यहीं रहो। जब तक... कॉर्टलैंड का मुकदमा नहीं चल जाता।"
जो बातें उसने नहीं कहीं थीं और उसकी आवाज़ का लहजा, दृढ़, सरल और खुशी के करीब लगने वाला, ने उसे कुछ क्षण बाद उत्तर देने के लिए प्रेरित किया:
"ठीक है, पिताजी।" यह एक लड़की की आवाज़ थी, एक बेटी की आवाज़, जिसमें थकी हुई, भरोसेमंद और थोड़ी उदास खुशी झलक रही थी। "मैं आधी रात के आसपास पहुँच जाऊँगी। मेरे लिए एक गिलास दूध और कुछ सैंडविच रख देना।"
"हमेशा की तरह तेज गति से गाड़ी न चलाएं। सड़कें ज्यादा अच्छी नहीं हैं।"
जब वह पहुँची, तो गाय फ्रैंकन ने दरवाज़े पर उसका स्वागत किया। दोनों मुस्कुराए, और वह समझ गई कि अब कोई सवाल-जवाब या शिकायत नहीं होगी। वह उसे छोटे से सुबह के कमरे में ले गया जहाँ उसने एक खिड़की के पास रखी मेज़ पर खाना सजा रखा था, जो एक अंधेरे लॉन की ओर खुलती थी। वहाँ घास की खुशबू फैली हुई थी, मेज़ पर मोमबत्तियाँ जल रही थीं और एक चाँदी के कटोरे में चमेली का गुच्छा रखा था।
वह ठंडे गिलास को उंगलियों से पकड़े बैठी थी, और वह मेज के दूसरी ओर शांति से सैंडविच चबाता हुआ बैठा था।
"क्या आप बात करना चाहते हैं, पिताजी?"
नहीं। मैं चाहता हूं कि तुम अपना दूध पियो और सो जाओ।
"ठीक है।"
उसने एक जैतून उठाया और रंगीन टूथपिक पर घुमाते हुए ध्यान से उसका अध्ययन करने लगा। फिर उसने उसकी ओर देखा।
"देखो, डोमिनिक। मैं सब कुछ समझने की कोशिश तो नहीं कर सकता। लेकिन मैं इतना ज़रूर जानता हूँ कि यह तुम्हारे लिए सही है। इस बार, यह सही आदमी है।"
"जी हां, पिताजी।"
"इसीलिए मुझे खुशी है।"
उसने सिर हिलाया।

"श्री रोक को बता दीजिए कि वे जब चाहें यहां आ सकते हैं।"
वह मुस्कुराई। "किसे बताऊं, पिताजी?"
"हार्वर्ड को बताओ..."
उसकी बांह मेज पर टिकी थी; उसका सिर बांह पर झुका हुआ था। उसने मोमबत्ती की रोशनी में उसके सुनहरे बालों को देखा। उसने धीरे से कहा, क्योंकि आवाज को नियंत्रित करना आसान था: "मुझे यहां सोने मत देना। मैं थक गई हूं।"
लेकिन उन्होंने उत्तर दिया:
"उसे बरी कर दिया जाएगा, डोमिनिक।"
न्यूयॉर्क के सभी अखबार रोज़ाना वायनांड के दफ्तर में लाए जाते थे, जैसा कि उन्होंने आदेश दिया था। वे हर छपे हुए शब्द को पढ़ते थे और शहर में कानाफूसी करते थे। सबको पता था कि यह कहानी खुद गढ़ी गई थी; एक करोड़पति की पत्नी ऐसी परिस्थितियों में पांच हज़ार डॉलर की अंगूठी खोने की रिपोर्ट नहीं करेगी; लेकिन इससे किसी को भी इस कहानी को सच मानकर उस पर टिप्पणी करने से नहीं रोका जा सका। सबसे आपत्तिजनक टिप्पणियाँ बैनर अखबार के पन्नों पर छपीं।
अल्वाह स्कारेट को एक ऐसा अभियान मिल गया था जिसमें उन्होंने अपने जीवन के सबसे सच्चे उत्साह के साथ खुद को समर्पित कर दिया था। उन्हें लगा कि यह अतीत में वायनांड के प्रति की गई किसी भी बेवफाई का प्रायश्चित था। उन्हें वायनांड का नाम रोशन करने का एक रास्ता दिख गया था। उन्होंने वायनांड को जनता के सामने एक भ्रष्ट स्त्री के प्रति तीव्र प्रेम के शिकार के रूप में प्रस्तुत करने का निश्चय किया; यह डोमिनिक ही थी जिसने अपने पति को उसकी समझ के विरुद्ध एक अनैतिक कार्य का समर्थन करने के लिए मजबूर किया था; उसने अपने प्रेमी के लिए अपने पति के अखबार, उसकी प्रतिष्ठा, उसकी प्रतिष्ठा, उसके पूरे जीवन की उपलब्धियों को लगभग बर्बाद कर दिया था। स्कारेट ने पाठकों से वायनांड को क्षमा करने की विनती की—एक दुखद, आत्म-बलिदान वाला प्रेम ही उनका औचित्य था। स्कारेट की गणना में यह एक विपरीत अनुपात था: हर गंदा विशेषण वायनांड पर फेंका गया
डोमिनिक ने पाठकों के मन में वायनांड के प्रति सहानुभूति पैदा की; इससे स्कारेट की बदनामी करने की कला को बल मिला। यह कारगर साबित हुआ। जनता ने प्रतिक्रिया दी, विशेष रूप से बैनर की पुरानी महिला पाठकों ने। इससे अखबार के पुनर्निर्माण के धीमे और कष्टदायक कार्य में मदद मिली।
शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, डोमिनिक फ्रैंकन पर बेबाक और अभद्र टिप्पणी करते हुए पत्र आने शुरू हो गए। "पुराने दिनों की तरह, गेल," स्कारेट ने खुशी से कहा, "बिल्कुल पुराने दिनों की तरह!" उसने सारे पत्र वायनांड की मेज़ पर रख दिए।
वायनांड अपने दफ्तर में अकेले पत्रों के साथ बैठे थे। स्कारेट को जरा भी अंदाजा नहीं था कि गेल वायनांड को अब तक की सबसे भीषण पीड़ा झेलनी ही थी। उन्होंने हर पत्र को ध्यान से पढ़ा। डोमिनिक, जिसे उन्होंने बैनर से बचाने की कोशिश की थी...
जब वे इमारत में मिले, तो स्कारेट ने एक विनतीपूर्ण, संकोची आधी मुस्कान के साथ आशा भरी निगाहों से उसकी ओर देखा, एक उत्सुक छात्र जो अच्छी तरह से सीखे और किए गए पाठ के लिए शिक्षक की मान्यता की प्रतीक्षा कर रहा था।
वायनांड ने कुछ नहीं कहा। स्कारेट ने एक बार हिम्मत करके पूछा:
"यह चतुराई भरा कदम था, है ना, गेल?"
"हां।"
"क्या आपको कोई अंदाजा है कि हम इससे और अधिक लाभ कहां से उठा सकते हैं?"
“यह तुम्हारा काम है, अल्वाह।”
"असल में, गेल ही इन सब की जड़ है। इन सब से बहुत पहले से।"
जब तुमने उससे शादी की, तब मुझे डर लगा था। वहीं से सब शुरू हुआ।

याद है जब तुमने हमें अपनी शादी को कवरेज करने की इजाज़त नहीं दी थी? वो एक संकेत था। उसने बैनर को बर्बाद कर दिया है। लेकिन मैं कसम खाता हूँ कि मैं अब इसे उसी के शरीर पर दोबारा बनाऊँगा। बिलकुल वैसा ही जैसा पहले था। हमारा पुराना बैनर।
"हाँ।"
"क्या आपके पास कोई सुझाव है, गेल? आप मुझसे और क्या करवाना चाहेंगी?"
"जो भी आप चाहें, अल्वाह।"
अठारहवीं
खुली खिड़की में पेड़ की एक शाखा लटकी हुई थी। पत्तियाँ
आकाश के विरुद्ध गतिमान, सूर्य, ग्रीष्म ऋतु और उपयोग के लिए अनंत पृथ्वी का प्रतीक। डोमिनिक ने दुनिया को पृष्ठभूमि के रूप में देखा। वायनांड ने जीवन के अर्थ को समझाने के लिए एक पेड़ की शाखा को मोड़ते हुए दो हाथों के बारे में सोचा। पत्तियाँ झुकी हुई थीं, नदी के उस पार न्यूयॉर्क की गगनचुंबी इमारतों के शिखरों को छू रही थीं। गगनचुंबी इमारतें सूर्य की किरणों की तरह खड़ी थीं, दूरी और ग्रीष्म ऋतु के कारण सफ़ेद पड़ गई थीं। काउंटी न्यायालय में भीड़ हॉवर्ड रोर्क के मुकदमे को देखने के लिए भरी हुई थी।
रोर्क बचाव पक्ष की मेज़ पर बैठा था। वह शांति से सुन रहा था।
डोमिनिक दर्शकों की तीसरी पंक्ति में बैठी थी। उसे देखकर लोगों को ऐसा लगा मानो उन्होंने उसके चेहरे पर मुस्कान देखी हो। लेकिन वह मुस्कुराई नहीं। वह खिड़की में लगे पत्तों को देख रही थी।
गेल वायनांड अदालत कक्ष के पीछे बैठे थे। जब वे अकेले आए थे, तब कमरा खचाखच भरा हुआ था। उन्होंने अपने चारों ओर चमकती निगाहों और फ्लैशबल्बों पर ध्यान नहीं दिया था। वे एक पल के लिए गलियारे में खड़े रहे, मानो उन्हें ऐसा न करने का कोई कारण ही न हो। उन्होंने एक ग्रे रंग का ग्रीष्मकालीन सूट और एक तरफ़ से मुड़ी हुई झुकी हुई किनारी वाली पनामा टोपी पहनी हुई थी। उनकी नज़र डोमिनिक और बाकी अदालत कक्ष पर पड़ी। जब वे बैठे, तो उन्होंने रोर्क की ओर देखा। वायनांड के प्रवेश करते ही रोर्क की निगाहें बार-बार उन पर टिक गईं। जब भी रोर्क उनकी ओर देखते, वायनांड मुँह फेर लेते।
अभियोजक ने जूरी के समक्ष अपने प्रारंभिक संबोधन में कहा, "राज्य जिस मकसद को साबित करने का प्रस्ताव कर रहा है, वह सामान्य मानवीय भावनाओं से परे है। हममें से अधिकांश को यह भयावह और अकल्पनीय लगेगा।"
डोमिनिक, मैलोरी, हेलर, लैंसिंग, एनराइट, माइक और गाइ फ्रैंकन के साथ बैठे थे, जिससे उनके दोस्त बेहद हैरान और असंतुष्ट थे। गलियारे के पार, मशहूर हस्तियाँ एक धूमकेतु की तरह लग रही थीं: सबसे आगे बैठे एल्सवर्थ टूही के छोटे से बिंदु से शुरू होकर, भीड़ में लोकप्रिय नामों की एक लंबी कतार फैली हुई थी: लोइस कुक, गॉर्डन एल. प्रेस्कॉट, गस वेब, लैसलॉट क्लोकी, आइक, जूल्स फॉगलर, सैली ब्रेंट, होमर स्लॉटर्न, मिशेल लेटन।
“जिस प्रकार डायनामाइट किसी इमारत को उड़ा ले जाता है, उसी प्रकार उसके इरादे ने इस व्यक्ति की आत्मा से मानवता की भावना को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। हम यहाँ धरती के सबसे घातक विस्फोटक—अहंकारी व्यक्ति—से निपट रहे हैं!”
कुर्सियों पर, खिड़कियों की चौखटों पर, गलियारों में, दीवारों से सटकर, मानव जनसमूह एक अखंड संरचना की तरह समाहित था, सिवाय चेहरों के फीके अंडाकारों के। चेहरे अलग-अलग, अकेले, उभरे हुए थे, कोई भी दो चेहरे एक जैसे नहीं थे। हर चेहरे के पीछे बीते या आधे बीते जीवन के वर्ष, प्रयास, आशा और एक प्रयास था, ईमानदार या बेईमान, लेकिन एक प्रयास। इसने सभी पर एक समान छाप छोड़ी थी: द्वेष से मुस्कुराते होंठों पर, त्याग से मुक्त होंठों पर, अनिश्चित गरिमा से कसे होंठों पर—

सभी पर—दुख का निशान।
"...आज के इस युग में, जब दुनिया विशाल समस्याओं से जूझ रही है, और ऐसे सवालों के जवाब तलाश रही है जो मानव अस्तित्व को दांव पर लगा देते हैं—यह व्यक्ति अपनी कलात्मक राय जैसी किसी अस्पष्ट, अमूर्त, महत्वहीन चीज को इतना महत्व देता है कि वह उसका एकमात्र जुनून और समाज के खिलाफ अपराध का मकसद बन जाती है।"
लोग एक सनसनीखेज मामले को देखने, मशहूर हस्तियों को देखने, बातचीत के लिए सामग्री जुटाने, लोगों की नज़रों में आने और समय बिताने के लिए आए थे।
वे अवांछित नौकरियों, अवांछित परिवारों, अनचाहे दोस्तों, ड्राइंग रूम, शाम के कपड़ों, कॉकटेल के गिलासों और फिल्मों में लौट जाते, अनकहे दर्द, कुचली हुई उम्मीद, अधूरी इच्छाओं, एक ऐसे रास्ते पर चुपचाप लटके रहने की इच्छा, जिस पर कोई कदम नहीं रखा गया, उन दिनों में लौट जाते जब वे सोचने, बोलने से बचने, भूलने, हार मानने और सब कुछ त्यागने की कोशिश करते। लेकिन उनमें से हर एक ने कोई न कोई अविस्मरणीय पल जिया था—एक सुबह जब कुछ नहीं हुआ था, अचानक सुना गया कोई संगीत जिसे फिर कभी उसी तरह नहीं सुना गया, बस में किसी अजनबी का चेहरा देखा।
एक ऐसा क्षण जब हर किसी ने जीवन का एक अलग अर्थ जाना था। और हर किसी को वे दूसरे क्षण याद आए, एक ऐसी रात जब नींद नहीं आई, एक दोपहर जब लगातार बारिश हो रही थी, एक चर्च में, सूर्यास्त के समय एक सुनसान सड़क पर, जब हर किसी ने सोचा था कि दुनिया में इतना दुख और कुरूपता क्यों है। उन्होंने उत्तर खोजने की कोशिश नहीं की और वे ऐसे जीते रहे जैसे किसी उत्तर की आवश्यकता ही न हो। लेकिन हर किसी ने एक ऐसा क्षण जाना था जब अकेलेपन में, निर्भीक ईमानदारी से, उसने एक उत्तर की आवश्यकता महसूस की थी।
"...एक निर्दयी, अभिमानी अहंकारी व्यक्ति जो किसी भी कीमत पर अपनी मनमानी करना चाहता था..."
जूरी बॉक्स में बारह लोग बैठे थे। वे सब सुन रहे थे, उनके चेहरे पर कोई भाव नहीं था। लोगों में फुसफुसाहट थी कि जूरी काफी सख्त दिखती है। इसमें औद्योगिक कंपनियों के दो अधिकारी, दो इंजीनियर, एक गणितज्ञ, एक ट्रक ड्राइवर, एक राजमिस्त्री, एक इलेक्ट्रीशियन, एक माली और तीन फैक्ट्री मजदूर शामिल थे। जूरी के चयन में काफी समय लगा था। रोर्क ने कई कहानीकारों को चुनौती दी थी।
उसने इन बारह लोगों को चुना था। अभियोजक सहमत हो गया, और मन ही मन सोचने लगा कि जब कोई नौसिखिया अपना बचाव खुद संभालता है तो यही होता है: एक वकील सबसे सौम्य लोगों को चुनता, जो दया की अपील पर प्रतिक्रिया देने की सबसे अधिक संभावना रखते हों; रोर्क ने सबसे कठोर चेहरों को चुना था।
“...अगर यह किसी धनाढ्य व्यक्ति का आलीशान घर होता, लेकिन यह तो एक आवासीय परियोजना है, महोदय न्यायाधीशगण, एक आवासीय परियोजना!”
न्यायाधीश ऊँची बेंच पर सीधे बैठे थे। उनके बाल सफ़ेद थे और उनका चेहरा किसी सेना अधिकारी की तरह गंभीर था।
“... समाज की सेवा करने के लिए प्रशिक्षित एक व्यक्ति, एक निर्माता जो विनाशक बन गया ...”
आवाज़ लगातार आती रही, सधी हुई और आत्मविश्वास से भरी हुई। कमरे में मौजूद सभी चेहरों ने एक अच्छे कामकाजी दिन के खाने के बाद जैसी प्रतिक्रिया दी, वैसी ही प्रतिक्रिया दी: संतुष्टिदायक और एक घंटे के भीतर भुला देने वाली। वे हर वाक्य से सहमत थे; उन्होंने इसे पहले भी सुना था, हमेशा से सुना था, यही दुनिया का सिद्धांत था; यह स्वतः स्पष्ट था—जैसे पैरों के सामने पड़ा हुआ पानी का छोटा सा गड्ढा।
अभियोजक ने अपने गवाहों को पेश किया। रोर्क को गिरफ्तार करने वाले पुलिसकर्मी ने गवाही दी कि उसने आरोपी को बिजली के प्लंजर के पास खड़ा पाया था। रात के

चौकीदार ने बताया कि उसे घटनास्थल से भेज दिया गया था; उसकी गवाही संक्षिप्त थी; अभियोजक ने डोमिनिक के विषय पर अधिक जोर न देने का निर्णय लिया। ठेकेदार के अधीक्षक ने साइट पर मौजूद भंडार से डायनामाइट के गायब होने के बारे में गवाही दी। कॉर्टलैंड के अधिकारियों, भवन निरीक्षकों और अनुमानकर्ताओं ने भवन का विवरण और क्षति की सीमा बताई। इसी के साथ मुकदमे का पहला दिन समाप्त हुआ।
अगले दिन बुलाए जाने वाले पहले गवाह पीटर कीटिंग थे।
वह कटघरे में आगे की ओर झुका हुआ बैठा था। उसने अभियोक्ता की ओर आज्ञाकारी भाव से देखा। उसकी आँखें कभी-कभार हिलती थीं। उसने भीड़ की ओर देखा।
जूरी के सामने, रोर्क के सामने। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ा।
"श्री कीटिंग, क्या आप शपथपूर्वक यह बताएँगे कि क्या आपने कॉर्टलैंड होम्स के नाम से जानी जाने वाली उस परियोजना को डिज़ाइन किया था, जिसका श्रेय आपको दिया जाता है?"
नहीं। मैंने नहीं किया।
इसे किसने डिजाइन किया?
“हावर्ड रोर्क।”
“किसके अनुरोध पर?”
“मेरे अनुरोध पर।”
आपने उसे क्यों बुलाया?
क्योंकि मैं खुद ऐसा करने में सक्षम नहीं था।
उस आवाज़ में ईमानदारी का कोई अंश नहीं था, क्योंकि उसमें इस तरह के सत्य को व्यक्त करने का कोई प्रयास नहीं था; न सत्य का स्वर था, न असत्य का; केवल उदासीनता थी।
अभियोजक ने उसे एक कागज का टुकड़ा थमा दिया। "क्या यह वही समझौता है जिस पर आपने हस्ताक्षर किए थे?"
कीटिंग ने कागज़ को अपने हाथ में पकड़ रखा था। "हाँ।"
"क्या यह हावर्ड रोर्क के हस्ताक्षर हैं?"
"हाँ।"
"क्या आप कृपया इस समझौते की शर्तों को जूरी के सामने पढ़कर सुनाएंगे?"
कीटिंग ने इसे ज़ोर से पढ़ा। उनकी आवाज़ एक समान और सुव्यवस्थित थी। अदालत में किसी को भी यह एहसास नहीं हुआ कि इस गवाही का उद्देश्य सनसनी फैलाना था। यह किसी प्रसिद्ध वास्तुकार द्वारा सार्वजनिक रूप से अपनी अक्षमता स्वीकार करना नहीं था; यह एक व्यक्ति द्वारा रटा हुआ पाठ सुनाना था। लोगों को लगा कि अगर उन्हें बीच में रोका गया, तो वे अगला वाक्य नहीं बोल पाएंगे, बल्कि उन्हें शुरू से ही सब कुछ दोहराना पड़ेगा।
उन्होंने कई सवालों के जवाब दिए। अभियोजक ने साक्ष्य के रूप में रोर्क द्वारा बनाए गए कॉर्टलैंड के मूल चित्र प्रस्तुत किए, जिन्हें कीटिंग ने अपने पास रखा था; कीटिंग द्वारा बनाई गई उनकी प्रतियां; और कॉर्टलैंड के निर्माण के समय की तस्वीरें।
"श्री प्रेस्कॉट और श्री वेब द्वारा सुझाए गए उत्कृष्ट संरचनात्मक परिवर्तनों का आपने इतनी सख्ती से विरोध क्यों किया?"
मुझे हावर्ड रोर्क से डर लगता था।
"उनके चरित्र के बारे में आपके ज्ञान के आधार पर आप क्या उम्मीद करते थे?"
"कुछ भी।"
"आपका क्या मतलब है?"
मुझे नहीं पता। मुझे डर लगता था। मुझे पहले डर लगता था।

सवाल-जवाब का सिलसिला जारी रहा। कहानी अनोखी थी, लेकिन श्रोता ऊब गए। यह किसी प्रतिभागी के बयान जैसी नहीं लग रही थी। अन्य गवाहों का इस मामले से अधिक व्यक्तिगत जुड़ाव प्रतीत हो रहा था।
जब कीटिंग मंच से चले गए, तो दर्शकों को यह अजीब सा आभास हुआ कि किसी व्यक्ति के बाहर निकलने की क्रिया में कोई बदलाव नहीं हुआ था; मानो कोई व्यक्ति बाहर निकला ही न हो।
जिला अटॉर्नी ने कहा, "अभियोजन पक्ष ने अपनी दलीलें पूरी कर ली हैं।"
जज ने रोर्क की ओर देखा।
“आगे बढ़ो,” उन्होंने कहा। उनकी आवाज कोमल थी।
रोर्क उठ खड़ा हुआ। “माननीय न्यायाधीश महोदय, मैं किसी गवाह को नहीं बुलाऊंगा। यही मेरी गवाही और मेरा सारांश होगा।”
"शपथ लो।"
रोर्क ने शपथ ली। वह गवाहों के चबूतरे की सीढ़ियों के पास खड़ा था।
दर्शक उसे देख रहे थे। उन्हें लग रहा था कि उसके पास कोई मौका नहीं है। वे उस अनाम आक्रोश और असुरक्षा की भावना को छोड़ सकते थे जो वह अधिकांश लोगों में पैदा करता था। और इस तरह, पहली बार, वे उसे उसके वास्तविक रूप में देख सके: एक ऐसा व्यक्ति जो भय से पूरी तरह मुक्त था।
जिस डर के बारे में वे सोचते थे, वह सामान्य प्रकार का डर नहीं था, किसी प्रत्यक्ष खतरे की प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि वह निरंतर, अनकहा डर था जिसमें वे सभी जी रहे थे। उन्हें उन क्षणों की पीड़ा याद आई जब अकेलेपन में एक व्यक्ति उन उज्ज्वल शब्दों के बारे में सोचता है जो वह कह सकता था, लेकिन कह नहीं पाया, और उन लोगों से नफरत करता है जिन्होंने उसका साहस छीन लिया। यह पीड़ा कि व्यक्ति अपने मन में कितना मजबूत और सक्षम है, वह उज्ज्वल छवि जो कभी साकार नहीं हो सकती। सपने? आत्म-भ्रम? या एक मृत वास्तविकता, अजन्मी, उस निर्जीव भावना द्वारा नष्ट की गई जिसका कोई नाम नहीं—डर—जरूरत—निर्भरता—घृणा?
रोर्क उनके सामने ऐसे खड़ा था जैसे हर इंसान अपने मन की मासूमियत में खड़ा होता है। लेकिन रोर्क एक शत्रुतापूर्ण भीड़ के सामने खड़ा था—और उन्हें अचानक एहसास हुआ कि उसके लिए किसी भी तरह की नफरत मुमकिन नहीं है। एक पल के लिए, उन्होंने उसकी चेतना के स्वरूप को समझ लिया। हर किसी ने खुद से पूछा: क्या मुझे किसी की स्वीकृति की जरूरत है?—क्या इससे कोई फर्क पड़ता है?—क्या मैं बंधा हुआ हूँ? और उस पल के लिए, हर इंसान आज़ाद था—इतना आज़ाद कि कमरे में मौजूद हर दूसरे इंसान के लिए दया भाव महसूस कर सके।
यह महज एक पल था; वह मौन का क्षण जब रोर्क बोलने ही वाला था।
हजारों साल पहले, पहले इंसान ने आग जलाना सीखा। संभवतः उसे उसी खंभे पर जला दिया गया था जिस पर उसने अपने भाइयों को आग जलाना सिखाया था। उसे एक दुष्ट माना जाता था जिसने एक ऐसे राक्षस से मुकाबला किया था जिससे मानवता भयभीत थी। लेकिन उसके बाद, मनुष्यों के पास खुद को गर्म रखने, खाना पकाने और अपनी गुफाओं को रोशन करने के लिए आग थी। उसने उन्हें एक ऐसा उपहार दिया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी और उसने धरती से अंधकार को दूर कर दिया था।
सदियों बाद, पहले इंसान ने पहिये का आविष्कार किया। संभवतः उसे उसी तख़्ते पर तड़पा दिया गया था जिस पर उसने अपने भाइयों को तख़्ता बनाना सिखाया था। उसे एक अपराधी माना जाता था जिसने वर्जित क्षेत्र में कदम रखा था। लेकिन उसके बाद, मनुष्य किसी भी क्षितिज को पार कर सकता था। उसने उन्हें एक ऐसा उपहार दिया जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी और उसने दुनिया के रास्ते खोल दिए थे।
"वह व्यक्ति, जो अवज्ञाकारी और प्रथम था, मानव जाति द्वारा अपनी शुरुआत के बारे में दर्ज की गई हर किंवदंती के शुरुआती अध्याय में खड़ा है।"

प्रोमीथियस को एक चट्टान से जंजीरों में बांधकर गिद्धों द्वारा नोचा गया—क्योंकि उसने देवताओं की अग्नि चुराई थी। आदम को कष्ट भोगने की सजा दी गई थी—
क्योंकि उसने ज्ञान के वृक्ष का फल खाया था। किंवदंती चाहे जो भी हो, कहीं न कहीं अपनी स्मृति की छाया में मानव जाति जानती थी कि उसकी महिमा का आरंभ एक व्यक्ति से हुआ था और उस एक व्यक्ति ने अपने साहस की कीमत चुकाई थी।
सदियों से ऐसे कई लोग हुए हैं जिन्होंने अपने स्वयं के दृष्टिकोण के बल पर नए रास्तों पर पहला कदम रखा। उनके लक्ष्य भिन्न थे, लेकिन उनमें एक बात समान थी: कि वह कदम पहला था, रास्ता नया था, दृष्टिकोण किसी से उधार लिया हुआ नहीं था, और उन्हें जो प्रतिक्रिया मिली वह अद्वितीय थी।
घृणा। महान रचनाकार—विचारक, कलाकार, वैज्ञानिक, आविष्कारक—अपने समय के लोगों के विरुद्ध अकेले खड़े रहे। हर नए महान विचार का विरोध हुआ। हर नए महान आविष्कार की निंदा की गई। पहले मोटर को मूर्खतापूर्ण समझा गया। हवाई जहाज को असंभव माना गया। पावर लूम को दुष्ट समझा गया।
बेहोशी को पाप माना जाता था। लेकिन निडर और साहसी लोगों ने आगे बढ़कर संघर्ष किया। उन्होंने लड़ाई लड़ी, कष्ट सहे और कीमत चुकाई। लेकिन वे विजयी हुए।
“किसी भी रचनाकार को अपने भाइयों की सेवा करने की इच्छा से प्रेरणा नहीं मिली, क्योंकि उनके भाइयों ने उनके द्वारा दिए गए उपहार को अस्वीकार कर दिया और उस उपहार ने उनके आलसी जीवन की दिनचर्या को नष्ट कर दिया। उनका एकमात्र उद्देश्य उनका सत्य था। उनका अपना सत्य, और उसे अपने तरीके से प्राप्त करने का उनका अपना कार्य। एक सिम्फनी, एक पुस्तक, एक इंजन, एक दर्शन, एक हवाई जहाज या एक इमारत—यही उनका लक्ष्य और उनका जीवन था। वे लोग नहीं जिन्होंने उनकी बनाई हुई वस्तु को सुना, पढ़ा, चलाया, उस पर विश्वास किया, उसे उड़ाया या उसमें निवास किया। रचना, न कि उसके उपयोगकर्ता। रचना, न कि उससे दूसरों को मिलने वाले लाभ।
सृष्टि जिसने उनके सत्य को आकार दिया। उन्होंने अपने सत्य को सभी वस्तुओं से ऊपर और सभी मनुष्यों के विरुद्ध रखा।
“उनकी दूरदृष्टि, उनकी शक्ति, उनका साहस उनकी अपनी आत्मा से आया था। मनुष्य की आत्मा ही उसका स्व है। वह सत्ता जो उसकी चेतना है। सोचना, महसूस करना, निर्णय लेना, कार्य करना ये सभी अहं के कार्य हैं।”
“सृष्टिकर्ता निस्वार्थ नहीं थे। उनकी शक्ति का पूरा रहस्य यही है कि वह आत्मनिर्भर, स्व-प्रेरित और स्व-निर्मित थी। एक मूल कारण, ऊर्जा का स्रोत, जीवन शक्ति, एक प्रेरक शक्ति। सृष्टिकर्ता ने किसी की सेवा नहीं की। वह अपने लिए ही जीते थे।”
और केवल अपने लिए जीने से ही वह उन चीजों को हासिल कर सका जो मानव जाति की महिमा हैं। उपलब्धि का यही स्वरूप है।
मनुष्य अपने मन के बिना जीवित नहीं रह सकता। वह पृथ्वी पर निहत्था आता है। उसका मस्तिष्क ही उसका एकमात्र हथियार है। जानवर बलपूर्वक भोजन प्राप्त करते हैं।
मनुष्य के पास न तो पंजे हैं, न नुकीले दांत, न सींग, और न ही मांसपेशियों की कोई असाधारण शक्ति है।
उसे या तो अपना भोजन उगाना होगा या उसका शिकार करना होगा। उगाने के लिए उसे चिंतन प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। शिकार करने के लिए उसे हथियारों की आवश्यकता होती है, और हथियार बनाने के लिए भी चिंतन प्रक्रिया की आवश्यकता होती है। इस सबसे सरल आवश्यकता से लेकर सर्वोच्च धार्मिक अमूर्तता तक, पहिये से लेकर गगनचुंबी इमारत तक, हम जो कुछ भी हैं और हमारे पास जो कुछ भी है, वह मनुष्य के एक ही गुण से उत्पन्न होता है।
—यह उनके तर्कशील मस्तिष्क का कार्य है।

लेकिन मन व्यक्ति विशेष का गुण है। सामूहिक मस्तिष्क जैसी कोई चीज नहीं होती। सामूहिक विचार जैसी कोई चीज नहीं होती। व्यक्तियों के समूह द्वारा किया गया समझौता केवल एक समझौता या अनेक व्यक्तिगत विचारों का औसत होता है। यह गौण परिणाम है। प्राथमिक क्रिया—तर्क की प्रक्रिया—प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं ही करनी होती है। हम भोजन को अनेक लोगों में बाँट सकते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से पचा नहीं सकते।
कोई भी व्यक्ति अपने फेफड़ों का उपयोग किसी दूसरे व्यक्ति के लिए सांस लेने के लिए नहीं कर सकता। कोई भी व्यक्ति अपने मस्तिष्क का उपयोग किसी दूसरे के लिए सोचने के लिए नहीं कर सकता। शरीर और आत्मा के सभी कार्य निजी होते हैं। इन्हें साझा या स्थानांतरित नहीं किया जा सकता।
“हम दूसरों के विचारों के उत्पाद विरासत में पाते हैं। हमें पहिया विरासत में मिलता है। हम एक गाड़ी बनाते हैं। गाड़ी एक वाहन बन जाती है। वाहन एक हवाई जहाज बन जाता है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में हमें दूसरों से जो कुछ भी मिलता है, वह केवल उनके विचारों का अंतिम उत्पाद होता है। प्रेरक शक्ति वह रचनात्मक क्षमता है जो इस उत्पाद को सामग्री के रूप में लेती है, उसका उपयोग करती है और अगले चरण को जन्म देती है। यह रचनात्मक क्षमता
इसे न तो दिया जा सकता है, न लिया जा सकता है, न साझा किया जा सकता है, न उधार लिया जा सकता है। यह केवल एक व्यक्ति का अधिकार है। जो कुछ भी यह सृजित करता है, वह सृजनकर्ता की संपत्ति है। मनुष्य एक दूसरे से सीखते हैं। लेकिन सभी सीखना केवल सामग्री का आदान-प्रदान है। कोई भी व्यक्ति दूसरे को सोचने की क्षमता नहीं दे सकता।
लेकिन यही क्षमता हमारे अस्तित्व का एकमात्र साधन है।
“मनुष्य को पृथ्वी पर कुछ भी मुफ्त में नहीं मिलता। उसे जिस भी चीज की आवश्यकता होती है, उसे उसका उत्पादन करना पड़ता है। और यहीं मनुष्य के सामने मूल विकल्प आता है: वह केवल दो तरीकों से ही जीवित रह सकता है—या तो अपने स्वयं के स्वतंत्र मस्तिष्क के कार्य से या दूसरों के मस्तिष्क द्वारा पोषित परजीवी के रूप में। सृजनकर्ता ही मूल है।”
परजीवी उधार लेता है। सृष्टिकर्ता प्रकृति का सामना अकेले करता है। परजीवी किसी मध्यस्थ के माध्यम से प्रकृति का सामना करता है।
“सृष्टिकर्ता का उद्देश्य प्रकृति पर विजय प्राप्त करना है। परजीवी का उद्देश्य मनुष्यों पर विजय प्राप्त करना है।”
“सृष्टिकर्ता अपने काम के लिए जीता है। उसे किसी और की आवश्यकता नहीं होती। उसका प्राथमिक लक्ष्य स्वयं में ही होता है। परजीवी दूसरों के सहारे जीता है। उसे दूसरों की आवश्यकता होती है। दूसरे ही उसका मुख्य उद्देश्य बन जाते हैं।”
“सृष्टिकर्ता की मूलभूत आवश्यकता स्वतंत्रता है। तर्कशील मन किसी भी प्रकार के दबाव में काम नहीं कर सकता। इसे किसी भी प्रकार से नियंत्रित, बलिदान या अधीन नहीं किया जा सकता।”
इसमें कार्य और उद्देश्य दोनों में पूर्ण स्वतंत्रता की मांग होती है। एक रचनाकार के लिए, मनुष्यों के साथ सभी संबंध गौण होते हैं।
“दूसरों से सहायता लेने वाले व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता भोजन प्राप्त करने के लिए मनुष्यों से संबंध बनाए रखना है। वह रिश्तों को सर्वोपरि रखता है। वह घोषणा करता है कि मनुष्य का अस्तित्व दूसरों की सेवा करने के लिए है। वह परोपकार का उपदेश देता है।”
“परोपकार वह सिद्धांत है जो यह मांग करता है कि मनुष्य दूसरों के लिए जिए और स्वयं से ऊपर दूसरों को रखे।”

“कोई भी व्यक्ति दूसरे के लिए नहीं जी सकता। वह अपनी आत्मा को उसी प्रकार साझा नहीं कर सकता जिस प्रकार वह अपने शरीर को साझा नहीं कर सकता। परन्तु परोक्ष व्यक्ति ने परोपकार को शोषण के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है और मानव जाति के नैतिक सिद्धांतों की नींव को उलट दिया है। मनुष्यों को वे सभी उपदेश सिखाए गए हैं जो सृष्टिकर्ता का नाश करते हैं। मनुष्यों को निर्भरता को एक सद्गुण के रूप में सिखाया गया है।”

“जो व्यक्ति दूसरों के लिए जीने का प्रयास करता है, वह आश्रित होता है। वह अपने उद्देश्य में परजीवी होता है और जिनकी सेवा करता है, उन्हें भी परजीवी बना देता है। यह संबंध केवल आपसी भ्रष्टाचार को जन्म देता है। यह अवधारणा में ही असंभव है। वास्तविकता में इसके सबसे निकट का उदाहरण—दूसरों की सेवा के लिए जीने वाला व्यक्ति—दास है। यदि शारीरिक दासता घृणित है, तो आत्मा की दासता की अवधारणा कितनी अधिक घृणित होगी?”

पराजित दास में सम्मान का अंश शेष रहता है। उसमें प्रतिरोध करने और अपनी स्थिति को दयनीय समझने का गुण होता है। परन्तु जो मनुष्य प्रेम के नाम पर स्वेच्छा से अपने आप को दास बना लेता है, वह सबसे नीच प्राणी है। वह मनुष्य की गरिमा को ठेस पहुँचाता है और प्रेम की अवधारणा को भी नीचा दिखाता है। परन्तु यही परोपकार का सार है।

“मनुष्यों को यह सिखाया गया है कि सर्वोच्च सद्गुण प्राप्त करना नहीं, बल्कि देना है। फिर भी, जो चीज़ सृजित नहीं हुई है, उसे दिया नहीं जा सकता।”

सृजन वितरण से पहले आता है—वरना वितरण के लिए कुछ बचेगा ही नहीं। सृजनकर्ता की आवश्यकता किसी भी संभावित लाभार्थी की आवश्यकता से पहले आती है। फिर भी हमें सिखाया जाता है कि हम उस व्यक्ति की प्रशंसा करें जो उपहारों का वितरण करता है, जबकि वह स्वयं उनका सृजन नहीं करता। हम दान के कार्य की सराहना करते हैं, जबकि उपलब्धि के कार्य को हम अनदेखा कर देते हैं।

मनुष्यों को यह सिखाया गया है कि उनकी पहली चिंता दूसरों के दुख को दूर करना है। लेकिन दुख एक बीमारी है। यदि कोई इससे मिलता है, तो वह राहत और सहायता देने का प्रयास करता है। इसे सद्गुण की सर्वोच्च कसौटी बनाना, दुख को जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनाना है। तब मनुष्य को दूसरों को दुख में देखना चाहिए—ताकि वह सद्गुणी बन सके। यही परोपकार का स्वभाव है। सृष्टिकर्ता को बीमारी से नहीं, बल्कि जीवन से मतलब है। फिर भी सृष्टिकर्ता के कार्य ने मनुष्य के शरीर और आत्मा से एक के बाद एक कई बीमारियों को दूर किया है और इतनी दुख से मुक्ति दिलाई है जितना कोई परोपकारी कल्पना भी नहीं कर सकता।

“मनुष्यों को सिखाया गया है कि दूसरों से सहमत होना सद्गुण है। परन्तु सृष्टिकर्ता तो वह व्यक्ति है जो असहमत होता है। मनुष्यों को सिखाया गया है कि धारा के साथ बहना सद्गुण है। परन्तु सृष्टिकर्ता तो वह व्यक्ति है जो धारा के विपरीत बहता है। मनुष्यों को सिखाया गया है कि साथ खड़े रहना सद्गुण है। परन्तु सृष्टिकर्ता तो वह व्यक्ति है जो अकेला खड़ा होता है।”

“मनुष्यों को यह सिखाया गया है कि अहंकार बुराई का पर्याय है, और निस्वार्थता सद्गुण का आदर्श है। लेकिन सृष्टिकर्ता पूर्ण अर्थ में अहंकारी होता है, और निस्वार्थ मनुष्य वह है जो सोचता, महसूस करता, निर्णय लेता या कार्य नहीं करता। ये सभी क्रियाएं स्वयं के कार्य हैं।”

“यहाँ मूलभूत उलटफेर सबसे घातक है। मुद्दे को विकृत कर दिया गया है और मनुष्य के पास कोई विकल्प नहीं बचा है—और न ही कोई स्वतंत्रता। अच्छाई और बुराई के ध्रुवों के रूप में, उसे दो अवधारणाएँ प्रस्तुत की गईं: अहंकार और परोपकार। अहंकार का अर्थ दूसरों का स्वयं के लिए बलिदान करना माना गया।”

परोपकारिता—दूसरों के लिए स्वयं का त्याग। इसने मनुष्य को अटूट रूप से बांध दिया।
अन्य पुरुषों के साथ तुलना करने पर उसके पास पीड़ा के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा: या तो दूसरों के लिए स्वयं पीड़ा सहन करना या स्वयं की संतुष्टि के लिए दूसरों को पीड़ा पहुँचाना। जब इसमें यह जोड़ दिया गया कि मनुष्य को आत्म-बलिदान में आनंद खोजना चाहिए, तो जाल पूरी तरह से बंद हो गया। मनुष्य को आत्म-पीड़ा को अपना आदर्श स्वीकार करने के लिए विवश किया गया—इस धमकी के तहत कि क्रूरता ही उसका एकमात्र विकल्प है। यह मानव जाति के साथ किया गया अब तक का सबसे बड़ा धोखा था।
“यह वह साधन था जिसके द्वारा निर्भरता और पीड़ा को जीवन के मूलभूत तत्वों के रूप में कायम रखा गया था।”
“चुनाव आत्म-बलिदान या प्रभुत्व का नहीं है। चुनाव स्वतंत्रता या निर्भरता का है। सृष्टिकर्ता का नियम या परजीवी का नियम। यही मूल मुद्दा है। यह जीवन या मृत्यु के विकल्प पर आधारित है। सृष्टिकर्ता का नियम तर्कशील मन की आवश्यकताओं पर बना है जो मनुष्य को जीवित रहने में सक्षम बनाता है। परजीवी का नियम ऐसे मन की आवश्यकताओं पर बना है जो जीवित रहने में असमर्थ है। मनुष्य के स्वतंत्र अहंकार से उत्पन्न होने वाली हर चीज अच्छी है। मनुष्य की मनुष्यों पर निर्भरता से उत्पन्न होने वाली हर चीज बुरी है।”
“पूर्ण अर्थों में स्वार्थी वह व्यक्ति नहीं है जो दूसरों का बलिदान करता है। वह वह व्यक्ति है जो किसी भी प्रकार से दूसरों का उपयोग करने की आवश्यकता से ऊपर होता है। वह उनके माध्यम से कार्य नहीं करता। वह किसी भी प्राथमिक मामले में उनसे चिंतित नहीं होता। न अपने लक्ष्य में, न अपने उद्देश्य में, न अपने चिंतन में, न अपनी इच्छाओं में, न अपनी ऊर्जा के स्रोत में। वह किसी अन्य व्यक्ति के लिए अस्तित्व में नहीं होता—और न ही वह किसी अन्य व्यक्ति से अपने लिए अस्तित्व में रहने की अपेक्षा करता है। यही मनुष्यों के बीच संभव भाईचारे और पारस्परिक सम्मान का एकमात्र रूप है।”
"क्षमता के स्तर भिन्न-भिन्न होते हैं, लेकिन मूल सिद्धांत वही रहता है: किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता, पहल और अपने काम के प्रति व्यक्तिगत प्रेम की मात्रा ही एक कार्यकर्ता के रूप में उसकी प्रतिभा और एक इंसान के रूप में उसके मूल्य को निर्धारित करती है।"
स्वतंत्रता ही मानवीय सद्गुण और मूल्यों का एकमात्र मापदंड है। मनुष्य क्या है और वह स्वयं को क्या बनाता है, यह मायने रखता है; न कि उसने दूसरों के लिए क्या किया है या क्या नहीं किया है। व्यक्तिगत गरिमा का कोई विकल्प नहीं है। स्वतंत्रता के अलावा व्यक्तिगत गरिमा का कोई मानक नहीं है।
“सभी उचित संबंधों में किसी को किसी के लिए बलिदान नहीं करना पड़ता। एक वास्तुकार को ग्राहकों की आवश्यकता होती है, लेकिन वह अपने काम को उनकी इच्छाओं के अधीन नहीं करता। ग्राहकों को भी उसकी आवश्यकता होती है, लेकिन वे उसे कमीशन देने के लिए घर का ऑर्डर नहीं देते। लोग आपसी सहमति और व्यक्तिगत लाभ के लिए स्वतंत्र रूप से काम का आदान-प्रदान करते हैं, जब तक कि उनके व्यक्तिगत हित खतरे में न पड़ें।
यदि वे सहमत हो जाते हैं, तो दोनों ही लेन-देन चाहते हैं। यदि वे ऐसा नहीं चाहते, तो उन्हें एक-दूसरे के साथ लेन-देन करने के लिए बाध्य नहीं किया जाता। वे आगे की राह तलाशते हैं। यही समान लोगों के बीच संबंध का एकमात्र संभव रूप है। इसके अलावा कोई भी संबंध स्वामी और दास के बीच या जल्लाद और पीड़ित के बीच के संबंध के समान है।
“कोई भी काम सामूहिक रूप से या बहुमत के निर्णय से नहीं होता। हर रचनात्मक कार्य किसी एक व्यक्ति के विचार के मार्गदर्शन में ही पूरा होता है। एक वास्तुकार को अपनी इमारत बनाने के लिए बहुत से लोगों की आवश्यकता होती है, लेकिन वह उनसे

अपने डिज़ाइन पर मतदान करने के लिए नहीं कहता। वे स्वतंत्र सहमति से एक साथ काम करते हैं और प्रत्येक व्यक्ति अपने उचित कार्य में स्वतंत्र होता है।"
एक वास्तुकार दूसरों द्वारा निर्मित इस्पात, काँच और कंक्रीट का उपयोग करता है। लेकिन जब तक वह उन्हें स्पर्श नहीं करता, तब तक वे सामग्रियाँ मात्र इस्पात, काँच और कंक्रीट ही रहती हैं। उनके साथ वह जो कुछ भी करता है, वह उसका व्यक्तिगत उत्पाद और उसकी व्यक्तिगत संपत्ति है। यही मनुष्यों के बीच उचित सहयोग का एकमात्र आदर्श है।
पृथ्वी पर सर्वप्रथम अधिकार अहं का अधिकार है। मनुष्य का प्रथम कर्तव्य स्वयं के प्रति है। उसका नैतिक नियम यह है कि वह कभी भी अपना सर्वोपरि लक्ष्य दूसरों में न रखे। उसका नैतिक दायित्व है कि वह अपनी इच्छा का पालन करे, बशर्ते उसकी इच्छा मुख्यतः दूसरों पर निर्भर न हो। इसमें उसकी रचनात्मक क्षमता, चिंतन और कार्य का संपूर्ण क्षेत्र शामिल है। परन्तु इसमें गुंडे, परोपकारी और तानाशाह का क्षेत्र शामिल नहीं है।
मनुष्य अकेले सोचता और काम करता है। मनुष्य न तो लूट सकता है, न शोषण कर सकता है और न ही शासन कर सकता है।
—अकेले। लूटपाट, शोषण और शासन में पीड़ित होना अनिवार्य है। इनमें निर्भरता निहित है। ये परोक्ष रूप से उपयोग करने वालों का क्षेत्र है।
"मनुष्यों के शासक अहंकारी नहीं होते। वे कुछ भी सृजित नहीं करते। उनका अस्तित्व पूर्णतः दूसरों के माध्यम से ही होता है। उनका लक्ष्य उनकी प्रजा में, उन्हें दास बनाने की क्रिया में निहित होता है। वे भिखारी, समाजसेवक और डाकू की तरह ही आश्रित होते हैं। आश्रितता का स्वरूप मायने नहीं रखता।"
लेकिन मनुष्यों को सिखाया गया कि वे निरंकुश शासकों, सम्राटों, तानाशाहों जैसे लोगों को अहंकार के प्रतीक के रूप में देखें। इसे धोखे से उन्हें अहंकार, स्वयं को और दूसरों को नष्ट करने के लिए प्रेरित किया गया। इस धोखे का उद्देश्य रचनाकारों को नष्ट करना था। या उन्हें नियंत्रित करना था। जो कि एक ही अर्थ के दो शब्द हैं।
इतिहास के आरंभ से ही दो विरोधी आमने-सामने खड़े रहे हैं: निर्माता और परजीवी। जब पहला
एक व्यक्ति ने जवाब दिया, "जिसने पहिये का आविष्कार किया, उसी ने परोपकार का आविष्कार किया।"
"सृष्टिकर्ता—जिसका इनकार किया गया, विरोध किया गया, जिसे सताया गया, जिसका शोषण किया गया—आगे बढ़ता रहा और अपनी ऊर्जा से समस्त मानवता को साथ लेकर चला। परोक्ष रूप से योगदान देने वाले ने इस प्रक्रिया में बाधाओं के अलावा कुछ भी योगदान नहीं दिया। इस संघर्ष का एक और नाम है: व्यक्ति बनाम समूह।"
"किसी समूह—एक जाति, एक वर्ग, एक राज्य—के 'सामूहिक हित' का दावा और औचित्य ही मानव जाति पर स्थापित हर अत्याचार का आधार रहा है। इतिहास की हर बड़ी भयावह घटना परोपकार के नाम पर घटी है। क्या स्वार्थ का कोई भी कार्य परोपकार के अनुयायियों द्वारा किए गए नरसंहार के बराबर हो सकता है? क्या दोष मनुष्य के पाखंड में है या सिद्धांत की प्रकृति में? सबसे खूंखार हत्यारे सबसे सच्चे थे। वे गिलोटिन और फायरिंग स्क्वाड के माध्यम से प्राप्त होने वाले आदर्श समाज में विश्वास करते थे। किसी ने भी उनके हत्या करने के अधिकार पर सवाल नहीं उठाया क्योंकि वे परोपकारी उद्देश्य से हत्या कर रहे थे। यह स्वीकार किया गया था कि मनुष्य को दूसरे मनुष्य के लिए बलिदान करना होगा। कर्ता बदलते हैं, लेकिन त्रासदी का क्रम वहीं रहता है। एक मानवतावादी जो मानवता के प्रति प्रेम की घोषणाओं से शुरू होता है और रक्त के सागर में समाप्त होता है। यह तब तक चलता रहेगा जब तक मनुष्य यह मानते रहेंगे कि कोई कार्य तभी अच्छा है जब वह निस्वार्थ हो। यही परोपकारी को कार्य करने की अनुमति देता है और उसके पीड़ितों को इसे सहने के लिए विवश करता है।

सामूहिकवादी आंदोलनों के नेता अपने लिए कुछ नहीं मांगते।" लेकिन परिणामों पर गौर करें।
"एक दूसरे के प्रति मनुष्य जो एकमात्र अच्छा कार्य कर सकते हैं और उनके उचित संबंध का एकमात्र कथन यही है—हाथ मत लगाओ!"
"अब व्यक्तिवाद के सिद्धांत पर निर्मित समाज के परिणामों पर गौर कीजिए। यह हमारा देश है। मानव इतिहास का सबसे महान देश। सबसे बड़ी उपलब्धियों, सबसे बड़ी समृद्धि और सबसे बड़ी स्वतंत्रता का देश। यह देश निस्वार्थ सेवा, त्याग, वैराग्य या परोपकार के किसी सिद्धांत पर आधारित नहीं था। यह मनुष्य के सुख की प्राप्ति के अधिकार पर आधारित था। उसका अपना सुख। किसी और का नहीं। एक निजी, व्यक्तिगत, स्वार्थी उद्देश्य। परिणामों को देखिए। अपने अंतरात्मा में झाँकिए।"
"यह एक प्राचीन संघर्ष है। मनुष्य सत्य के करीब पहुंचे, लेकिन हर बार वह नष्ट हो गया और एक के बाद एक सभ्यता का पतन होता चला गया।"
सभ्यता निजता वाले समाज की ओर प्रगति है। असभ्य व्यक्ति की सभ्यता...
उसका संपूर्ण अस्तित्व सार्वजनिक है, जो उसके कबीले के कानूनों द्वारा शासित है। सभ्यता मनुष्य को मनुष्यों से मुक्त करने की प्रक्रिया है।
"अब, हमारे युग में, सामूहिकतावाद, घटिया और कमतरतर लोगों का शासन, वह प्राचीन राक्षस, बेकाबू हो गया है और उत्पात मचा रहा है। इसने मनुष्यों को बौद्धिक दुराचार के ऐसे स्तर पर ला खड़ा किया है जिसकी पृथ्वी पर पहले कभी बराबरी नहीं की गई। यह अभूतपूर्व भयावहता के स्तर तक पहुँच गया है।"
इसने हर किसी के दिमाग को दूषित कर दिया है। इसने यूरोप के अधिकांश हिस्से को निगल लिया है। यह हमारे देश को भी अपनी चपेट में ले रहा है।
"मैं एक वास्तुकार हूँ। मैं उस सिद्धांत से जानता हूँ जिस पर यह निर्मित है कि आगे क्या होने वाला है। हम एक ऐसे संसार की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें मैं स्वयं को जीना बर्दाश्त नहीं कर सकता।"
अब आपको पता चल गया होगा कि मैंने क्वॉर्टलैंड को डायनामाइट से क्यों उड़ाया।
"मैंने कॉर्टलैंड्ट को डिजाइन किया था। मैंने इसे आपको दिया था। मैंने इसे नष्ट कर दिया।"
मैंने इसे नष्ट कर दिया क्योंकि मैं इसे अस्तित्व में नहीं रहने देना चाहता था। यह एक दोहरा राक्षस था। रूप में भी और अर्थ में भी। मुझे दोनों को नष्ट करना पड़ा। इसका रूप दो नकलचियों द्वारा विकृत कर दिया गया था जिन्होंने उस चीज़ को सुधारने का अधिकार मान लिया था जिसे उन्होंने बनाया नहीं था और जिसकी बराबरी वे नहीं कर सकते थे।
उन्हें ऐसा करने की अनुमति इस सामान्य धारणा के आधार पर दी गई थी कि भवन के परोपकारी उद्देश्य ने सभी अधिकारों को सर्वोपरि कर दिया है और मुझे इसके खिलाफ खड़े होने का कोई अधिकार नहीं है।
"मैंने कॉर्टलैंड का डिज़ाइन केवल इसलिए तैयार करवाने पर सहमति जताई थी ताकि मैं उसे अपने डिज़ाइन के अनुसार बनते हुए देख सकूँ, और किसी अन्य कारण से नहीं। यही मेरे काम की कीमत थी। मुझे इसके लिए कोई भुगतान नहीं मिला।"
"मैं पीटर कीटिंग को दोष नहीं देता। वह बेबस थे। उनका अपने मालिकों के साथ एक अनुबंध था, जिसे नज़रअंदाज़ कर दिया गया। उन्हें वादा किया गया था कि उनके द्वारा प्रस्तावित ढांचा डिज़ाइन के अनुसार ही बनाया जाएगा। वह वादा तोड़ दिया गया। किसी व्यक्ति का अपने काम की अखंडता के प्रति प्रेम और उसे संरक्षित करने का अधिकार अब एक अस्पष्ट, अमूर्त और महत्वहीन चीज़ माना जाता है। आपने अभियोक्ता को यह कहते सुना होगा। इमारत को क्यों विकृत किया गया? बिना किसी कारण के। ऐसे कृत्यों का कभी कोई कारण नहीं होता, सिवाय कुछ स्वार्थी लोगों के अहंकार के, जो किसी की भी संपत्ति, चाहे वह आध्यात्मिक हो या भौतिक, पर अपना

अधिकार समझते हैं। उन्हें ऐसा करने की अनुमति किसने दी? दर्जनों अधिकारियों में से किसी ने नहीं। किसी ने भी इसे होने देने या रोकने की परवाह नहीं की। कोई भी ज़िम्मेदार नहीं था। किसी को भी जवाबदेह नहीं ठहराया जा सकता। सामूहिक कार्रवाई का यही स्वरूप होता है।"

मुझे वह भुगतान नहीं मिला जो मैंने मांगा था। लेकिन कॉर्टलैंड के मालिकों को मुझसे वह मिल गया जिसकी उन्हें ज़रूरत थी। वे एक ऐसी योजना बनाना चाहते थे जिससे... उन्हें यथासंभव कम खर्च में एक ढांचा बनाना था। उन्हें कोई और ऐसा व्यक्ति नहीं मिला जो उनकी संतुष्टि के अनुरूप यह काम कर सके। मैं कर सकता था और मैंने किया भी। उन्होंने मेरे काम का लाभ उठाया और मुझसे उसे उपहार के रूप में देने को कहा। लेकिन मैं परोपकारी नहीं हूँ। मैं इस तरह के उपहार नहीं देता।

"कहा जाता है कि मैंने बेसहारा लोगों का घर तोड़ दिया है। यह बात भुला दी गई है कि मेरे बिना बेसहारा लोगों को यह घर मिल ही नहीं सकता था। गरीबों की मदद करने के लिए, जो लोग कभी गरीबों की परवाह नहीं करते थे, उन्हें मेरे पास आना पड़ा। ऐसा माना जाता है कि भावी किरायेदारों की गरीबी ने उन्हें मेरे काम पर अधिकार दे दिया। उनकी ज़रूरत ने मेरे जीवन पर दावा कर दिया। मेरा कर्तव्य था कि मुझसे जो भी मांगा जाए, मैं उसमें अपना योगदान दूं। यही वो स्वार्थी सोच है जो अब पूरी दुनिया को निगल रही है।"

मैं यहाँ यह कहने आया हूँ कि मैं किसी को भी अपने जीवन के एक मिनट पर भी अधिकार नहीं देता। न ही अपनी ऊर्जा के किसी भी हिस्से पर। न ही अपनी किसी उपलब्धि पर। चाहे दावा करने वाला कोई भी हो, उनकी संख्या कितनी भी बड़ी हो या उनकी आवश्यकता कितनी भी अधिक हो।

मैं यहां आकर यह कहना चाहता था कि मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जिसका दूसरों के लिए कोई अस्तित्व नहीं है।

"यह कहना जरूरी था। आत्म-बलिदान की होड़ में दुनिया नष्ट हो रही है।"

मैं यहां आकर यह कहना चाहता था कि किसी व्यक्ति के रचनात्मक कार्य की ईमानदारी किसी भी धर्मार्थ प्रयास से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

आपमें से जो लोग इस बात को नहीं समझते, वे ही लोग दुनिया को तबाह कर रहे हैं।

मैं यहां आकर अपनी शर्तें रखना चाहता था। मुझे दूसरों के भरोसे जीने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

"मैं मनुष्यों के प्रति केवल एक ही दायित्व मानता हूँ: उनकी स्वतंत्रता का सम्मान करना और दासतापूर्ण समाज में भाग न लेना। यदि मेरा देश अस्तित्वहीन हो जाता है, तो मैं अपने देश को वे दस वर्ष समर्पित करना चाहता हूँ जो मुझे कारावास में बिताने पड़ेंगे। मैं उन्हें अपने देश की स्मृति और उसके प्रति कृतज्ञता में व्यतीत करूंगा। यह मेरी निष्ठा का प्रतीक होगा, उस देश में रहने या काम करने से मेरा इनकार होगा जिसने उसका स्थान ले लिया है।"

"मेरी निष्ठा उन सभी रचनाकारों के प्रति है जो कभी जीवित रहे और जिन्हें उस शक्ति द्वारा पीड़ा सहनी पड़ी जो कॉर्टलैंड को डायनामाइट से उड़ाने के लिए जिम्मेदार थी। उनके द्वारा झेले गए अकेलेपन, अस्वीकृति, निराशा और दुर्व्यवहार के हर यातनापूर्ण क्षण के प्रति—और उन लड़ाइयों के प्रति जो उन्होंने जीतीं। हर उस रचनाकार के प्रति जिसका नाम ज्ञात है—और हर उस रचनाकार के प्रति जिसने जीवन जिया, संघर्ष किया और..."

वह गुमनाम ही रह गया, अपनी उपलब्धि हासिल करने से पहले। हर उस रचनाकार को, जो शरीर या आत्मा से नष्ट हो गया। हेनरी कैमरन को। स्टीवन मैलोरी को। उस व्यक्ति को, जो अपना नाम नहीं बताना चाहता, लेकिन जो इस अदालत में बैठा है और जानता है कि मैं उसी के बारे में बात कर रहा हूँ।

रोक पैर फैलाकर, बाहें बगल में सीधी करके, सिर ऊपर उठाकर खड़ा था—जैसे किसी अधूरी इमारत में खड़ा हो। बाद में, जब वह बचाव पक्ष की मेज़ पर दोबारा बैठा, तो कमरे में मौजूद कई लोगों को ऐसा लगा मानो वे उसे अभी भी खड़ा देख रहे हों; एक पल की वह तस्वीर जिसे मिटाया नहीं जा सकता।
इसके बाद हुई लंबी कानूनी बहस के दौरान वह तस्वीर उनके दिमाग में बनी रही। उन्होंने न्यायाधीश को अभियोक्ता से यह कहते सुना कि प्रतिवादी ने असल में अपना बयान बदल दिया था: उसने अपना कृत्य स्वीकार कर लिया था, लेकिन अपराध का दोषी नहीं माना था; अस्थायी कानूनी पागलपन का मुद्दा उठाया गया; जूरी को यह तय करना था कि क्या प्रतिवादी अपने कृत्य की प्रकृति और गुणवत्ता को जानता था, या यदि जानता था, तो क्या वह जानता था कि वह कृत्य गलत था। अभियोक्ता ने कोई आपत्ति नहीं उठाई; कमरे में अजीब सी खामोशी छा गई; उसे पूरा यकीन था कि वह अपना मुकदमा जीत चुका है। उसने अपना अंतिम भाषण दिया। किसी को याद नहीं रहा कि उसने क्या कहा। न्यायाधीश ने जूरी को निर्देश दिए। जूरी उठी और अदालत कक्ष से बाहर चली गई।
लोग बिना किसी हड़बड़ी के जाने की तैयारी में इधर-उधर हिलने लगे, क्योंकि उन्हें कई घंटों तक इंतज़ार करना पड़ सकता था। कमरे के पीछे वायनांड और आगे डोमिनिक बिना हिले-डुले बैठे रहे।
एक पुलिसकर्मी रोर्क को बाहर ले जाने के लिए उसके पास आया। रोर्क बचाव पक्ष की मेज के पास खड़ा रहा। उसकी नज़र पहले डोमिनिक पर पड़ी, फिर वायनांड पर। वह मुड़ा और पुलिसकर्मी के पीछे-पीछे चल दिया।
जैसे ही वह दरवाजे तक पहुंचा, एक तेज चटकने की आवाज आई, और फिर सन्नाटा छा गया। लोगों को एहसास हुआ कि जूरी कक्ष के बंद दरवाजे पर दस्तक हुई थी। जूरी ने अपना फैसला सुना दिया था।
जो लोग खड़े थे, वे न्यायाधीश के वापस बेंच पर लौटने तक जमे हुए खड़े रहे। जूरी के सदस्य अदालत कक्ष में दाखिल हुए।
अदालत के क्लर्क ने कहा, "कैदी उठेगा और जूरी का सामना करेगा।"
हावर्ड रोर्क आगे बढ़े और जूरी के सामने खड़े हो गए। कमरे के पीछे, गेल वायनांड भी उठ खड़ी हुई।
"श्रीमान फोरमैन, क्या आप किसी निर्णय पर पहुँच गए हैं?"
"हमारे पास है।"
आपका क्या फैसला है?
"दोषी नहीं हूँ।"
रोर्क ने सबसे पहले खिड़की से शहर की ओर, जज की ओर या डोमिनिक की ओर नहीं देखा। उसने वायनांड की ओर देखा।
वायनांड ने अचानक मुड़कर बाहर कदम रखा। वह अदालत कक्ष से बाहर निकलने वाला पहला व्यक्ति था।
उन्नीसवीं
रोज़र एनराइट ने साइट, योजनाएं और सब कुछ खरीद लिया।
कॉर्टलैंड के खंडहरों को सरकार से वापस लेने के बाद, उन्होंने नींव के हर टूटे-फूटे हिस्से को खुदवाकर ज़मीन में एक साफ़ गड्ढा बनाने का आदेश दिया। उन्होंने इस परियोजना के पुनर्निर्माण के लिए हावर्ड रोर्क को नियुक्त किया। एक ही ठेकेदार को ज़िम्मेदारी सौंपते हुए और योजनाओं की सख्त मितव्ययिता का पालन करते हुए, एनराइट ने कम किराए पर खुद के लिए पर्याप्त लाभ कमाने का बजट बनाया। भावी किरायेदारों की आय, व्यवसाय, बच्चों या खान-पान के बारे में कोई सवाल नहीं पूछा जाना था; यह परियोजना उन सभी के लिए खुली थी जो इसमें आकर रहना और किराया देना चाहते थे, चाहे वे कहीं और अधिक महंगा अपार्टमेंट खरीद सकें या नहीं।

अगस्त के अंत में गेल वायनांड को तलाक मिल गया। इस मुकदमे का विरोध नहीं किया गया और संक्षिप्त सुनवाई में डोमिनिक उपस्थित नहीं थीं।
वायनांड एक ऐसे व्यक्ति की तरह खड़ा था जिसका कोर्ट-मार्शल चल रहा हो और उसने कानूनी भाषा की निर्मम गालियों को सुना, जिसमें मोनाडनॉक वैली के एक घर में श्रीमती गेल वायनांड और हॉवर्ड रोर्क के बीच हुए नाश्ते का वर्णन किया गया था; उसकी पत्नी को आधिकारिक तौर पर अपमानित करार दिया गया था, उसे कानूनी सहानुभूति, निर्दोषता का शिकार होने का दर्जा और एक ऐसा कागज दिया गया था जो उसके लिए आने वाले सभी वर्षों और उन वर्षों की सभी खामोश शामों के लिए स्वतंत्रता का पासपोर्ट था।
एल्सवर्थ टूही ने श्रम बोर्ड के समक्ष अपना मुकदमा जीत लिया। वायनांड को उन्हें उनके पद पर बहाल करने का आदेश दिया गया।
उस दोपहर वायनांड के सचिव ने टूही को फोन किया और बताया कि श्री वायनांड उनसे आज रात नौ बजे से पहले काम पर लौटने की उम्मीद कर रहे हैं। टूही मुस्कुराए और रिसीवर नीचे रख दिया।
उस शाम बैनर बिल्डिंग में प्रवेश करते हुए टूही मुस्कुराए। वे सिटी रूम में रुके। उन्होंने लोगों को हाथ हिलाकर अभिवादन किया, हाथ मिलाया, कुछ मौजूदा फिल्मों के बारे में हास्यपूर्ण टिप्पणियाँ कीं और भोलेपन से आश्चर्यचकित दिखे, मानो वे कल से ही अनुपस्थित थे और समझ नहीं पा रहे थे कि लोग उनका स्वागत किसी विजयी घर वापसी की तरह क्यों कर रहे हैं।
फिर वह धीरे-धीरे अपने कार्यालय की ओर बढ़ा। वह अचानक रुक गया। रुकते हुए उसे एहसास हुआ कि उसे अंदर जाना ही होगा, घबराहट नहीं दिखानी होगी, और उसे यह भी कि...
इसे दिखाया गया: वायनांड अपने कार्यालय के खुले दरवाजे पर खड़ा था।
“शुभ संध्या, श्री टूही,” वायनांड ने धीमी आवाज़ में कहा। “अंदर आइए।”
"हैलो, मिस्टर वायनांड," टूही ने मधुर स्वर में कहा, उनकी आवाज में आत्मविश्वास झलक रहा था, क्योंकि उनके चेहरे की मांसपेशियां मुस्कुराने में सक्षम थीं और उनके पैर आगे बढ़ रहे थे।
वह अंदर दाखिल हुआ और अनिश्चितता से रुक गया। यह उसका अपना दफ्तर था, बिल्कुल अपरिवर्तित, डेस्क पर उसका टाइपराइटर और नए कागजों का ढेर पड़ा था। लेकिन दरवाजा खुला ही रहा और वायनांड चुपचाप दरवाजे के चौखट से टेक लगाकर खड़ा रहा।
“श्री टूही, अपनी डेस्क पर बैठ जाइए। काम पर लग जाइए। हमें कानून का पालन करना होगा।”
टूही ने सहमति जताते हुए हल्के से कंधे उचकाए, कमरे के उस पार गया और बैठ गया। उसने अपने हाथ मेज पर रखे, हथेलियाँ मजबूती से फैलाईं, फिर उन्हें अपनी गोद में रख लिया। उसने पेंसिल उठाई, उसकी नोक देखी और उसे नीचे रख दिया।
वायनांड ने धीरे से अपनी एक कलाई को अपनी छाती के स्तर तक उठाया और उसे स्थिर रखा, जो उसकी बांह और हाथ की लंबी, झुकी हुई उंगलियों द्वारा बनाए गए त्रिकोण का शीर्ष था; वह अपनी कलाई घड़ी को देख रहा था।
उसने कहा:
“नौ बजने में दस मिनट बाकी हैं। आप अपने काम पर वापस जाइए, मिस्टर टूही।”
“और मैं यहाँ वापस आकर एक बच्चे की तरह खुश हूँ। सच कहूँ तो, श्रीमान वायनांड, मुझे शायद यह स्वीकार नहीं करना चाहिए, लेकिन मुझे इस जगह की बहुत याद आ रही थी।”
वायनांड जाने के लिए हिला तक नहीं। वह हमेशा की तरह झुके हुए खड़ा रहा, उसके कंधे दरवाजे के चौखट से टिके हुए थे, बाहें छाती पर क्रॉस की हुई थीं और हाथ

कोहनियों को पकड़े हुए थे। मेज पर हरे रंग के चौकोर शीशे वाला एक दीपक जल रहा था, लेकिन बाहर अभी भी दिन का उजाला था, नीले आसमान पर धुंधली भूरी लकीरें दिख रही थीं; कमरे में शाम का उदास सा माहौल था, रोशनी समय से पहले और बहुत कमज़ोर लग रही थी। रोशनी से मेज पर एक धब्बा बन गया था, लेकिन वह सड़क की भूरी, आधी धुंधली आकृतियों को छिपा नहीं सकती थी, और न ही वह दरवाजे तक पहुँचकर वायनांड की उपस्थिति को बेअसर कर सकती थी।
लैंप का शेड हल्की सी खड़खड़ाया और टूही को अपने जूतों के तलवों के नीचे गड़गड़ाहट महसूस हुई: प्रेस चल रहे थे। उसे एहसास हुआ कि वह उन्हें कुछ समय से सुन रहा था। यह एक सुकून देने वाली आवाज़ थी, भरोसेमंद और जीवंत। एक अखबार की धड़कन—वह अखबार जो दुनिया की धड़कन को इंसानों तक पहुंचाता है। अलग-अलग बूंदों का एक लंबा, समान प्रवाह, जैसे सीधी रेखा में लुढ़कते हुए कंचे, जैसे किसी इंसान के दिल की धड़कन।
टूही ने कागज़ के एक पन्ने पर पेंसिल चलाई, तभी उसे एहसास हुआ कि कागज़ लैंप की रोशनी में है और वायनांड पेंसिल को कमल का फूल, चायदानी और दाढ़ी वाले व्यक्ति की आकृति बनाते हुए देख सकता है। उसने पेंसिल गिरा दी और होठों से व्यंग्यात्मक आवाज़ निकाली। उसने एक दराज खोला और कार्बन पेपर और पेपर क्लिप के ढेर को ध्यान से देखा।
उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनसे क्या करने की उम्मीद की जा सकती है: कोई यूं ही कॉलम लिखना शुरू नहीं कर देता। उन्हें आश्चर्य हुआ कि उन्हें शाम नौ बजे अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए क्यों कहा जा रहा है, लेकिन उन्होंने सोचा कि यह विनेंड का समर्पण को नरम करने का तरीका है, और उन्होंने महसूस किया कि इस मुद्दे पर बहस न करना ही बेहतर है।
प्रिंटिंग मशीनें चल रही थीं; एक आदमी की धड़कनें रिकॉर्ड हो रही थीं और दोबारा प्रसारित हो रही थीं। उसे कोई और आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी और वह सोच रहा था कि अगर वायनांड चला गया है तो इसे जारी रखना बेतुका है, लेकिन अगर वह नहीं गया है तो उसकी तरफ देखना बिल्कुल भी उचित नहीं है।
कुछ देर बाद उसने ऊपर देखा। वायनांड अभी भी वहीं था। रोशनी में उसके शरीर के दो सफ़ेद धब्बे उभरकर सामने आए: एक हाथ की लंबी उंगलियां कोहनी पर टिकी हुई थीं, और उसका ऊंचा माथा। टूही माथा देखना चाहता था; नहीं, भौंहों पर कोई उभरी हुई लकीरें नहीं थीं। आंखें दो ठोस सफेद अंडाकार थीं, जो चेहरे की कोणीय छाया में धुंधली सी दिखाई दे रही थीं। अंडाकार आंखें टूही की ओर देख रही थीं। लेकिन चेहरे पर कोई भाव नहीं था; किसी उद्देश्य का कोई संकेत नहीं था।
कुछ देर बाद टूही ने कहा:
"सच में, मिस्टर वायनांड, ऐसा कोई कारण नहीं है कि हम दोनों एक साथ न मिल सकें।"
वायनांड ने कोई जवाब नहीं दिया।
टूही ने कागज का एक पन्ना उठाया और उसे टाइपराइटर में डाल दिया।
वह चाबियों को देखते हुए बैठा था, अपनी ठुड्डी को दो उंगलियों के बीच थामे हुए, ठीक उसी मुद्रा में जैसे वह किसी पैराग्राफ़ को लिखने की तैयारी करते समय अपनाता था। लैंप की रोशनी में चाबियों के किनारे चमक रहे थे, मानो मंद रोशनी वाले कमरे में चमकीले निकल के छल्ले लटक रहे हों।
छपाई रुक गई।
टूही अचानक ही पीछे की ओर झटक गया, इससे पहले कि उसे पता चले कि वह क्यों झटक गया: वह एक पत्रकार था और वह आवाज ऐसे ही नहीं रुकती थी।
वायनांड ने अपनी कलाई घड़ी देखी। उन्होंने कहा:

“नौ बज गए हैं। मिस्टर टूही, आपकी नौकरी चली गई है। बैनर अखबार का अस्तित्व समाप्त हो गया है।”
टूही को वास्तविकता का जो अगला बोध हुआ, वह था टाइपराइटर की कुंजियों पर अपने हाथ का गिरना; उसने लीवरों के आपस में उलझने और टकराने की धातु की खड़खड़ाहट सुनी, और गाड़ी के एक छोटे से उछाल की आवाज सुनी।
वह कुछ नहीं बोला, लेकिन उसे लगा कि उसका चेहरा नंगा है क्योंकि उसने वायनांड को जवाब देते हुए सुना था:
“हाँ, तुमने यहाँ तेरह साल काम किया था... हाँ, मैंने दो हफ्ते पहले मिशेल लेटन समेत उन सबको निकाल दिया था....” आवाज़ में उदासीनता थी। “नहीं, सिटी रूम के लड़कों को यह बात नहीं पता थी। सिर्फ़ प्रेस रूम के लड़कों को पता था....”
टूही ने मुंह फेर लिया। उसने एक पेपर क्लिप उठाई, उसे अपनी हथेली पर रखा, फिर अपना हाथ पलट दिया और क्लिप को गिरने दिया, और उस नियम की अंतिम परिणति को हल्के आश्चर्य के साथ देखा जिसने उसे उसकी नीचे की ओर झुकी हुई हथेली पर रहने की अनुमति नहीं दी थी।
वह उठ खड़ा हुआ। वह वायनांड को देखता हुआ खड़ा रहा, उनके बीच एक धूसर कालीन का टुकड़ा था।
वायनांड का सिर थोड़ा हिला और एक कंधे पर हल्का सा झुक गया। वायनांड का चेहरा ऐसा लग रहा था मानो अब किसी अवरोध की आवश्यकता ही न हो, वह सरल दिख रहा था, उसमें क्रोध का कोई भाव नहीं था, बंद होंठों पर दर्द भरी मुस्कान की हल्की सी झलक थी जो लगभग विनम्रता से भरी थी।
वायनांड ने कहा:
"यह बैनर का अंत था... मुझे लगता है कि आपके साथ इसका अंत करना उचित होगा।"
कई समाचार पत्रों ने एल्सवर्थ मोनक्टन टूही की सेवाएं पाने के लिए बोली लगाई। उन्होंने कूरियर को चुना, जो एक उच्च प्रतिष्ठा वाला और थोड़ी अनिश्चित नीति वाला समाचार पत्र था।
नई नौकरी के पहले दिन की शाम को एल्सवर्थ टूही एक एसोसिएट एडिटर की डेस्क के किनारे पर बैठे और उन्होंने श्रीमान के बारे में बात की।
कूरियर अखबार के मालिक टैलबोट से टूही की मुलाकात कुछ ही बार हुई थी।
“लेकिन श्री टैलबोट एक इंसान के तौर पर कैसे थे?” एल्सवर्थ टूही ने पूछा। “उनका विशिष्ट ईश्वर क्या है? किसके बिना वे बिखर जाएंगे?”
हॉल के उस पार स्थित रेडियो कक्ष में कोई व्यक्ति डायल घुमा रहा था।
“समय,” एक गंभीर आवाज़ गूंजी, “आगे बढ़ता रहता है!”
रोर्क अपने दफ्तर में ड्राफ्टिंग टेबल पर बैठकर काम कर रहा था। कांच की दीवारों के बाहर का शहर जगमगाता हुआ प्रतीत हो रहा था, हवा में अक्टूबर की पहली ठंड की महक फैली हुई थी।
टेलीफोन की घंटी बजी। उसने अधीरता से अपनी पेंसिल को झटके से हवा में रोक लिया; ड्राइंग करते समय टेलीफोन की घंटी कभी नहीं बजनी चाहिए थी।
वह अपनी डेस्क तक गया और रिसीवर उठा लिया।
“श्रीमान रोर्क,” उनकी सचिव ने कहा, उनकी आवाज़ में तनाव का एक छोटा सा स्वर था जो आदेश के उल्लंघन के लिए माफ़ी का संकेत दे रहा था, “श्रीमान गेल वायनांड यह जानना चाहते हैं कि क्या आपके लिए कल दोपहर चार बजे उनके कार्यालय में आना सुविधाजनक होगा?”
उसके कान के पास लगे रिसीवर में सन्नाटे की हल्की सी भनभनाहट सुनाई दी और उसने कई सेकंड गिने।
“क्या वो फोन पर बात कर रहा है?” रोर्क ने पूछा। उसे पता था कि फोन कनेक्शन की वजह से उसकी आवाज ऐसी नहीं लग रही थी।

“नहीं, श्री रोर्क। यह श्री वायनांड का सचिव है।”
“हां। हां। उसे हां कह दो।”
वह रेखाचित्र बनाने की मेज तक गया और रेखाचित्रों पर नज़र डाली; यह पहली बार था जब उसे मजबूरी में काम छोड़ना पड़ा था: वह जानता था कि आज वह काम नहीं कर पाएगा। आशा और राहत का बोझ एक साथ असहनीय था।
जब रोर्क बैनर बिल्डिंग के दरवाज़े के पास पहुंचा, तो उसने देखा कि बैनर का लोगो, यानी बैनर का शीर्ष चिह्न, गायब हो चुका था।
उसकी जगह कुछ नहीं लगाया गया। दरवाजे के ऊपर एक फीका पड़ा आयताकार निशान रह गया था। वह जानता था कि अब उस इमारत में क्लैरियन के कार्यालय और कई मंजिलें खाली कमरों से भरी हुई थीं। क्लैरियन, एक घटिया दर्जे का दोपहर का टैब्लॉइड अखबार, न्यूयॉर्क में वायनांड श्रृंखला का एकमात्र प्रतिनिधि था।
वह लिफ्ट की ओर बढ़ा। उसे इस बात की खुशी थी कि वह अकेला यात्री था: उसे अचानक उस छोटी सी लोहे की लिफ्ट के लिए एक तीव्र लगाव महसूस हुआ; वह उसकी थी, फिर से मिल गई थी, उसे वापस दे दी गई थी। राहत की तीव्रता ने उसे उस दर्द की तीव्रता का एहसास कराया जिसे इसने समाप्त कर दिया था; एक विशेष दर्द, जैसा उसने अपने जीवन में पहले कभी नहीं सहा था।
जब वह वायनांड के कार्यालय में दाखिल हुआ, तो उसे पता था कि उसे उस दर्द को स्वीकार करना होगा और उसे हमेशा के लिए सहना होगा, कि इसका कोई इलाज नहीं है और कोई उम्मीद नहीं है। वायनांड अपनी डेस्क के पीछे बैठे थे और उनके आते ही उठ खड़े हुए, सीधे उनकी ओर देखते हुए। वायनांड का चेहरा किसी अजनबी के चेहरे से कहीं अधिक था: एक अजनबी का चेहरा एक अनछुई संभावना होती है, जिसे अभी जिया जाना बाकी है।
यह चेहरा तभी खुलता है जब कोई चुनाव और प्रयास करे; यह एक जाना-पहचाना चेहरा था, जो अब बंद हो चुका है और फिर कभी नहीं मिल सकता। एक ऐसा चेहरा जिसमें त्याग का दर्द नहीं था, बल्कि अगले कदम की छाप थी, जब दर्द का भी त्याग हो जाता है। एक दूरस्थ और शांत चेहरा, अपनी एक अलग गरिमा लिए हुए, एक सजीव गुण नहीं, बल्कि एक मध्ययुगीन मकबरे पर बनी आकृति की गरिमा, जो अतीत की महानता की कहानी कहती है और अवशेषों तक हाथ बढ़ाने से रोकती है।
"श्री रोर्क, यह साक्षात्कार आवश्यक है, लेकिन मेरे लिए बहुत कठिन है।"
कृपया तदनुसार कार्य करें।
रोर्क जानता था कि दया का वह आखिरी काम जो वह कर सकता था, वह था किसी भी तरह की जमानत न लेना। वह जानता था कि अगर उसने एक भी शब्द बोला - गेल - तो वह सामने खड़े उस आदमी की बची-खुची उम्मीद भी तोड़ देगा।
रोर्क ने उत्तर दिया:
जी हां, श्री वायनांड।
वायनांड ने टाइप किए हुए चार कागज़ उठाए और उन्हें डेस्क के उस पार दे दिया:
कृपया इसे पढ़ें और यदि यह आपको स्वीकार्य लगे तो इस पर हस्ताक्षर करें।
"यह क्या है?"
"वायनैंड बिल्डिंग को डिज़ाइन करने का आपका अनुबंध।"
रोर्क ने चादरें नीचे रख दीं। वह उन्हें पकड़ नहीं सकता था। वह उन्हें देख भी नहीं सकता था।
श्री रोर्क, कृपया ध्यान से सुनें। इसे स्पष्ट रूप से समझाना और समझना आवश्यक है। मैं वायनांड भवन का निर्माण तुरंत शुरू करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि यह शहर की सबसे ऊँची इमारत हो। इस बात पर मुझसे चर्चा न करें कि यह समय के अनुसार है या आर्थिक रूप से उचित है। मैं चाहता हूँ कि यह बने। इसका उपयोग होगा—बस यही आपके लिए महत्वपूर्ण है। इसमें क्लैरियन अखबार और वायनांड एंटरप्राइजेज के वे

सभी कार्यालय होंगे जो वर्तमान में शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थित हैं। शेष स्थान किराए पर दिया जाएगा। मेरे पास अभी भी पर्याप्त साख है जो इसकी गारंटी दे सकती है। आपको एक बेकार इमारत के निर्माण से डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैं आपको सभी विवरणों और आवश्यकताओं का एक लिखित विवरण भेजूँगा। बाकी सब आप पर निर्भर करेगा। आप अपनी इच्छानुसार इमारत का डिज़ाइन तैयार करेंगे। आपके निर्णय अंतिम होंगे। उन्हें मेरी स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी। आपको पूर्ण प्रभार और पूर्ण अधिकार प्राप्त होंगे। यह अनुबंध में लिखा है। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप यह समझ लें कि मुझे आपसे मिलने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी तकनीकी और वित्तीय मामलों में मेरा प्रतिनिधित्व करने के लिए एक एजेंट होगा। आप उससे बात करेंगे। आगे के सभी निर्णय आप ही लेंगे।
उनसे परामर्श करें। उन्हें बताएं कि आप इस काम के लिए किन ठेकेदारों को चुनना पसंद करेंगे। यदि आपको मुझसे संपर्क करना आवश्यक लगे, तो आप मेरे प्रतिनिधि के माध्यम से ही संपर्क करेंगे। आप मुझसे मिलने की उम्मीद न करें और न ही ऐसा करने का प्रयास करें। यदि आप ऐसा करते हैं, तो आपको प्रवेश नहीं दिया जाएगा। मैं आपसे बात नहीं करना चाहता। मैं आपको फिर कभी नहीं देखना चाहता। यदि आप इन शर्तों का पालन करने के लिए तैयार हैं, तो कृपया अनुबंध पढ़ें और उस पर हस्ताक्षर करें।
रोर्क ने पेन उठाया और कागज को देखे बिना ही हस्ताक्षर कर दिए।
"आपने इसे पढ़ा नहीं है," वायनांड ने कहा।
रोर्क ने कागज को मेज पर फेंक दिया।
कृपया दोनों प्रतियों पर हस्ताक्षर करें।
रोर्क ने आज्ञा का पालन किया।
“धन्यवाद,” वायनांड ने कहा, कागज़ों पर हस्ताक्षर किए और एक प्रति रोर्क को देते हुए कहा, “यह आपकी प्रति है।”
रोर्क ने कागज को अपनी जेब में रख लिया।
मैंने इस परियोजना के वित्तीय पहलू का ज़िक्र नहीं किया है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि तथाकथित वायनांड साम्राज्य की अंत हो चुका है। न्यूयॉर्क शहर को छोड़कर, यह पूरे देश में पहले की तरह ही मज़बूती से चल रहा है। यह मेरे जीवनकाल तक चलेगा। लेकिन इसका अंत मेरे साथ ही होगा। मैं इसका एक बड़ा हिस्सा बेचना चाहता हूँ। इसलिए, भवन के डिज़ाइन में आपको लागत संबंधी किसी भी बात की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आप इसे अपनी इच्छानुसार किसी भी लागत का बना सकते हैं। समाचार पत्रों और अख़बारों के बंद होने के बाद भी यह भवन लंबे समय तक बना रहेगा।
जी हां, श्री वायनांड।
“मेरा मानना है कि आप इस संरचना को रखरखाव लागत में किफायती बनाना चाहेंगे। लेकिन आपको मूल निवेश पर प्रतिफल के बारे में विचार करने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि इसे किसी को वापस नहीं करना है।”
जी हां, श्री वायनांड।
“यदि आप वर्तमान में दुनिया के व्यवहार और उस तबाही पर विचार करें जिसकी ओर यह बढ़ रही है, तो आपको यह प्रयास बेतुका लग सकता है। गगनचुंबी इमारतों का युग बीत चुका है। यह आवास परियोजनाओं का युग है। जो हमेशा गुफा युग की प्रस्तावना होती है। लेकिन आप पूरी दुनिया के खिलाफ एक कदम उठाने से नहीं डरते।”
यह न्यूयॉर्क में बनने वाली आखिरी गगनचुंबी इमारत होगी।
ऐसा ही होना चाहिए। मानव जाति के स्वयं को नष्ट करने से पहले पृथ्वी पर मनुष्य की यह अंतिम उपलब्धि होगी।"

“श्री वायनांड, मानव जाति कभी स्वयं को नष्ट नहीं करेगी। और न ही उसे स्वयं को नष्ट हुआ समझना चाहिए। जब तक वह इस प्रकार के कार्य करती रहेगी, तब तक ऐसा नहीं सोचना चाहिए।”
“किस रूप में?”
"वायनेंड बिल्डिंग के रूप में।"
“यह आप पर निर्भर करता है। निर्जीव वस्तुएं—जैसे कि बैनर—केवल वित्तीय उर्वरक हैं जो इसे संभव बनाएंगी। यही उनका उचित कार्य है।”
उसने अनुबंध की अपनी प्रति उठाई, उसे मोड़ा और एक सटीक इशारे से उसे अपने कोट की अंदरूनी जेब में रख लिया। उसने अपनी आवाज़ के लहजे में बिना कोई बदलाव किए कहा:
मैंने तुमसे एक बार कहा था कि यह इमारत मेरे जीवन का स्मारक होगी।
अब स्मरण करने लायक कुछ नहीं बचा है। वायनांड बिल्डिंग में कुछ भी नहीं बचेगा—सिवाय उसके जो आप इसे देंगे।”
वह उठ खड़ा हुआ, जिससे साक्षात्कार समाप्त होने का संकेत मिला। रोर्क भी उठा और विदाई के संकेत के रूप में सिर झुकाया। उसने औपचारिक अभिवादन से कुछ अधिक क्षण तक अपना सिर झुकाए रखा।
दरवाजे पर आकर वह रुका और मुड़ा। वायनांड अपनी मेज के पीछे बिना हिले-डुले खड़ा था। दोनों ने एक-दूसरे को देखा।
वायनांड ने कहा:
"इसे उस भावना के स्मारक के रूप में बनाओ जो तुम्हारी है... और मेरी भी हो सकती थी।"
XX
वसंत ऋतु के एक दिन, अठारह महीने बाद, डोमिनिक
मैं वायनांड बिल्डिंग के निर्माण स्थल तक पैदल चलकर गया।
उसने शहर की गगनचुंबी इमारतों को देखा। वे अप्रत्याशित स्थानों से, नीची छतों के बीच से उठती हुई प्रतीत हो रही थीं। उनमें एक प्रकार की चौंका देने वाली अचानकता थी, मानो वे उसके देखने से ठीक एक पल पहले ही प्रकट हुई हों और उसने गति के अंतिम क्षण को पकड़ लिया हो; मानो, यदि वह मुड़कर तुरंत दोबारा देखे, तो वह उन्हें उठते हुए ही देख लेगी।
वह हेल्स किचन के एक कोने पर मुड़ी और एक विशाल साफ किए गए इलाके में पहुंच गई।
मशीनें खोदी हुई ज़मीन पर रेंग रही थीं, भावी पार्क के लिए समतलीकरण कर रही थीं। इसके केंद्र से, वायनांड बिल्डिंग का ढांचा, पूर्ण रूप से बनकर, आकाश की ओर उठ रहा था। ढांचे का ऊपरी भाग अभी भी खुली लटका हुआ था, स्टील का एक आपस में जुड़ा हुआ पिंजरा। कांच और ईंट-पत्थर इसके ऊपर उठते हुए, अंतरिक्ष में चीरे गए लंबे निशान के शेष भाग को ढक रहे थे।
उसने सोचा: कहते हैं कि धरती का हृदय अग्नि से बना है। वह कैद में है और मौन है। लेकिन कभी-कभी वह मिट्टी, लोहे, ग्रेनाइट को भेदकर आज़ादी की ओर निकल पड़ता है। तब वह इस तरह का रूप ले लेता है।
वह इमारत की ओर चली। निचली मंजिलों के चारों ओर लकड़ी की बाड़ लगी हुई थी। बाड़ पर बड़े-बड़े बोर्ड लगे थे जिन पर उन कंपनियों के नाम लिखे थे जिन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची इमारत के लिए सामग्री मुहैया कराई थी। “स्टील: नेशनल स्टील, इंक.” “कांच: लुडलो”, “विद्युत उपकरण: वेल्स-क्लेयरमोंट”, “लिफ्ट: केसलर, इंक.” “नैश एंड डनिंग, ठेकेदार।”
वह रुक गई। उसने एक ऐसी वस्तु देखी जिसे उसने पहले कभी नहीं देखा था।

यह दृश्य उसके माथे पर किसी के स्पर्श जैसा था, उन पौराणिक पात्रों के हाथों का स्पर्श जिनके पास उपचार करने की शक्ति होती है। वह हेनरी कैमरून को नहीं जानती थी और न ही उसने उन्हें ये कहते सुना था, लेकिन अब उसे ऐसा लग रहा था मानो वह खुद ये सुन रही हो: "और मैं जानता हूँ कि अगर तुम इन शब्दों को अंत तक निभाओगे, तो यह एक जीत होगी, हॉवर्ड, न केवल तुम्हारे लिए, बल्कि उस चीज़ के लिए भी जो जीतनी चाहिए, जो दुनिया को बदल दे।"
और इसे कभी मान्यता नहीं मिलती। यह उन सभी को न्यायोचित ठहराएगा जो आपके सामने गिर चुके हैं, जिन्होंने वैसे ही कष्ट सहे हैं जैसे आप सहेंगे।
उसने न्यूयॉर्क की सबसे भव्य इमारत के चारों ओर लगी बाड़ पर एक छोटी सी टिन की प्लेट देखी, जिस पर ये शब्द लिखे थे:
"हावर्ड रोर्क, वास्तुकार"
वह अधीक्षक के शेड की ओर चली गई। वह अक्सर रोर्क से मिलने और निर्माण कार्य की प्रगति देखने के लिए यहाँ आती थी। लेकिन शेड में एक नया आदमी था जो उसे नहीं जानता था। उसने रोर्क के बारे में पूछा।
"श्री रोर्क पानी की टंकी के पास सबसे ऊपर हैं। कौन बोल रहा है, महोदया?"
"श्रीमती रोर्क," उसने उत्तर दिया।
उस आदमी ने अधीक्षक को ढूंढ लिया, जिसने उसे हमेशा की तरह बाहरी लिफ्ट पर चढ़ने की अनुमति दी - कुछ तख्ते जिन पर एक रस्सी रेलिंग का काम करती थी, जो इमारत के किनारे ऊपर की ओर उठती थी।
वह खड़ी थी, उसका हाथ उठा हुआ था और उसने एक केबल को पकड़ रखा था, उसकी ऊँची एड़ी के जूते तख्तों पर मजबूती से टिके हुए थे। तख्ते काँप उठे, हवा का एक झोंका उसके स्कर्ट को उसके शरीर से दबा रहा था, और उसने देखा कि ज़मीन धीरे-धीरे उससे दूर होती जा रही है।
वह दुकानों की चौड़ी खिड़कियों के ऊपर उठी। गलियों की संकरी गलियाँ गहरी होती गईं, मानो नीचे धंस रही हों। वह सिनेमाघरों के बड़े-बड़े पर्दों के ऊपर उठी, जो रंगीन घुमावदार पट्टियों से ढके काले चट्टानों जैसे लग रहे थे। दफ्तरों की खिड़कियाँ उसके सामने से बहती चली गईं, कांच की लंबी-लंबी पट्टियाँ नीचे की ओर जाती हुई। गोदामों की विशाल इमारतें गायब हो गईं, मानो अपने अंदर छिपे खजानों के साथ डूब रही हों। होटल की मीनारें झुकी हुई थीं, मानो खुलते हुए पंखे की तीलियाँ हों, और मुड़ी हुई थीं। धधकती माचिस की तीलियाँ कारखाने की चिमनियाँ थीं और चलती हुई धूसर चौकोर आकृतियाँ कारें थीं। सूरज की रोशनी से ऊँची चोटियाँ प्रकाशस्तंभों जैसी लग रही थीं, वे लड़खड़ा रही थीं, शहर पर लंबी सफेद किरणें बिखेर रही थीं। शहर फैला हुआ था, नदियों की ओर कोणीय पंक्तियों में मार्च कर रहा था। यह पानी की दो पतली काली भुजाओं के बीच स्थित था। यह छलांग लगाकर पार गया और मैदानों और आकाश के धुंध में विलीन हो गया।
सपाट छतें ऐसे नीचे उतरती थीं मानो पंखुड़ियाँ इमारतों को नीचे दबा रही हों, उसकी उड़ान के रास्ते से हटकर। वह कांच के उन घनाकार ढाँचों के पास से गुज़री जिनमें भोजन कक्ष, शयनकक्ष और बच्चों के कमरे थे। उसने छत पर बने बगीचों को हवा में फैले रूमालों की तरह नीचे तैरते देखा। गगनचुंबी इमारतें उससे आगे निकल गईं। और वे पीछे छूट गए। उसके पैरों के नीचे के तख्ते रेडियो स्टेशनों के एंटेना से आगे निकल गए।
लिफ्ट शहर के ऊपर एक पेंडुलम की तरह झूल रही थी। यह इमारत की दीवार से टकराती हुई तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। यह उस रेखा को पार कर चुकी थी जहाँ उसके पीछे चिनाई खत्म होती थी। अब उसके पीछे केवल स्टील के ढांचे और खालीपन था। उसे ऊँचाई का दबाव अपने कानों पर महसूस हो रहा था। सूरज की रोशनी उसकी आँखों में भर गई। हवा उसकी उठी हुई ठुड्डी से टकरा रही थी।

उसने उसे अपने ऊपर, वायनांड बिल्डिंग के सबसे ऊपरी चबूतरे पर खड़े देखा। उसने उसे हाथ हिलाकर अभिवादन किया।
समुद्र की रेखा आकाश को चीरती हुई आगे बढ़ती गई, शहर नीचे उतरता गया। वह बैंक भवनों के शिखरों को पार कर गई। वह न्यायालय भवनों के शिखरों को पार कर गई। वह गिरजाघरों के शिखरों से भी ऊपर उठ गई।
फिर वहां सिर्फ सागर, आकाश और हावर्ड रोर्क की आकृति ही थी।
समाप्त
अंतभाषण
लियोनार्ड पेइकोफ़ द्वारा
उपन्यास शुरू करने से पहले, ऐन रैंड अपनी डायरियों में इसके विषय, पात्रों और कथानक के बारे में विस्तार से लिखती थीं। वे किसी बाहरी पाठक के लिए नहीं, बल्कि स्वयं के लिए लिखती थीं—अपनी समझ को स्पष्ट करने के लिए। उनके प्रशंसकों के लिए, फाउंटेनहेड की डायरियाँ अनमोल खजाने का भंडार हैं, जिन्हें समय आने पर प्रकाशित किया जाएगा। इनमें अन्य बातों के अलावा, पात्रों के उनके प्रारंभिक रेखाचित्र, कथानक के विकास को दर्शाने वाले नोट्स, पहले भाग के पहले मसौदे का उनका अपना संपादकीय विश्लेषण और व्यापक वास्तुशिल्पीय शोध शामिल हैं, साथ ही विभिन्न विद्वानों की पुस्तकों से हाथ से लिखे गए अंश और उनके बाद उनकी अपनी टिप्पणियाँ भी हैं।
इन पत्रिकाओं में, बेशक, किसी न किसी रूप में, दर्शन भी मौजूद है—अर्थात्, वे विचार जो अंततः वस्तुवाद में परिणत होने वाले थे।
इन पत्रिकाओं से, अपने सहयोगी गैरी हल की कृपा से, मैंने इस परिशिष्ट के लिए कई प्रकार की प्रविष्टियाँ चुनी हैं। इन्हें मिस रैंड के पाठकों के लिए एक अग्रिम बोनस के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है, जो 'द फाउंटेनहेड' की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। यह सामग्री पाठक को उपन्यास के जन्म की एक झलक देगी—और उस लेखिका की कार्यशैली को भी दिखाएगी जो उन समस्याओं को हल कर रही थीं जिनके पूर्ण और सटीक उत्तर पाठक को उनकी बदौलत पहले से ही पता थे।
ऐन रैंड ने इस उपन्यास का जो प्रारंभिक शीर्षक रखा था, वह था 'सेकंड-हैंड लाइव्स'। पांडुलिपि पूरी होने के बाद चुना गया अंतिम शीर्षक, जोर को बदल देता है: पुस्तक की तरह, यह खलनायकों को नहीं, बल्कि रचनात्मक नायक को, उस व्यक्ति को प्रधानता देता है जो अपने दिमाग का प्रत्यक्ष उपयोग करता है और इस प्रकार सभी उपलब्धियों का स्रोत बन जाता है।
द फाउंटेनहेड की हस्तलिखित पांडुलिपियों का पहला पृष्ठ 26 जून, 1938 का है। लेकिन इससे कई साल पहले मिस रैंड इस पुस्तक के बारे में गहन चिंतन कर रही थीं। उदाहरण के लिए, 26 दिसंबर, 1935 को उन्होंने पात्रों की निम्नलिखित प्रारंभिक रूपरेखा तैयार की (इनमें से तीन को बाद में हटा दिया गया और कुछ अन्य को जोड़ा गया):
हावर्ड रोर्क— एक असाधारण महान आत्मा। एक ऐसा व्यक्ति जैसा होना चाहिए। आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी, परम लक्ष्य, स्वयं का विवेक, जीवन का साकार आनंद। सबसे बढ़कर— वह व्यक्ति जो अपने लिए जीता है, जैसा कि स्वयं के लिए जीने का अर्थ होना चाहिए। और जो पूर्णतः विजयी होता है। एक ऐसा व्यक्ति जो वैसा ही है जैसा उसे होना चाहिए।
पीटर कीटिंग—हावर्ड रोर्क के बिल्कुल विपरीत, और वो सब कुछ जो एक आदमी को नहीं होना चाहिए। एक निस्वार्थ व्यक्ति का उत्तम उदाहरण जो एक निर्दयी, सिद्धांतहीन अहंकारी है—शब्द के स्वीकृत अर्थ में। अत्यधिक घमंड और लालच, जिसने उसे एक "शानदार करियर" के लिए सब कुछ कुर्बान करने पर मजबूर कर दिया। दिल से एक भीड़ का आदमी, भीड़ का और भीड़ के लिए। उसकी जीत ही उसकी हार है। एक

खाली, कड़वे खंडहर के रूप में, उसका "सेकंड हैंड जीवन" एक ऐसी जीत के लिए सब कुछ कुर्बान करने का रूप ले लेता है जिसका कोई अर्थ नहीं है और जो उसे कोई संतुष्टि नहीं देती। क्योंकि उसका साधन ही उसका लक्ष्य बन जाता है। वह दिखाता है कि एक निस्वार्थ व्यक्ति नैतिक नहीं हो सकता। उसका कोई आत्म नहीं है और इसलिए, उसमें कोई नैतिकता नहीं हो सकती। एक ऐसा आदमी जो कभी भी [उचित मनुष्य] नहीं बन सका।
और उसे इस बात का पता भी नहीं है।
एक महान प्रकाशक (गेल वायनांड)—एक ऐसा व्यक्ति जो भीड़ पर तभी तक राज करता है जब तक वह वही कहता है जो भीड़ उससे सुनना चाहती है। क्या होता है जब वह अपनी मर्जी से बोलने की कोशिश करता है? एक ऐसा व्यक्ति जो कुछ बन सकता था।
एक उपदेशक?—एक ऐसा व्यक्ति जो एक घिसी-पिटी विचारधारा के बल पर दुनिया को बचाने की कोशिश करता है। दिखाइए कि उसके आदर्श वास्तव में आज भी प्रासंगिक हैं और दुनिया को उन्हीं से बचाने की जरूरत है।
एक कला निर्माता—(स्क्रीन) एक ऐसा व्यक्ति जिसके पास दूसरों के अलावा कोई राय और कोई मूल्य नहीं हैं।
अभिनेत्री (वेस्टा डनिंग) - एक ऐसी महिला जो दूसरों की नज़रों में महानता को स्वीकार करती है, न कि स्वयं की नज़रों में। एक ऐसी महिला जो कुछ बन सकती थी।
डोमिनिक वायनांड— हॉवर्ड रोर्क जैसे आदमी के लिए एकदम सही महिला।
एक आदर्श पुजारिन।
जॉन एरिक स्नाइट—एक ऐसा व्यक्ति जो दूसरों की उपलब्धियों को हथियाने में गर्व महसूस करता है।
एल्सवर्थ मोंकटन टूहे—प्रसिद्ध अर्थशास्त्री, आलोचक और उदारवादी।
हर बात में "प्रतिभाशाली"। महान "मानवतावादी" और "ईमानदार व्यक्ति"।
सामूहिकता के सभी रूपों का महिमामंडन करता है क्योंकि वह जानता है कि केवल ऐसे रूपों के तहत ही वह, जनसमूह के सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि के रूप में, वह प्रसिद्धि और विशिष्टता प्राप्त कर सकता है जो उसके अपने गुणों के बल पर असंभव है, क्योंकि उसके गुण तो अस्तित्व में ही नहीं हैं। मूर्ति-भंजक में माहिर। वीरता से जुड़ी हर चीज का जन्मजात शत्रु। सामान्य चीजों के प्रति असाधारण प्रतिभा रखता है। सबसे घटिया चूहा। एक ऐसा व्यक्ति जो कभी कुछ बन ही नहीं सकता।
—और वह यह बात जानता है।
इस कहानी में दो सबसे चरम नैतिक चरित्र वाले पात्र स्पष्ट रूप से रोर्क और टूही हैं। यहाँ मिस रैंड 9 फरवरी, 1936 को रोर्क का किरदार गढ़ रही हैं। देखिए, वे रोर्क को वास्तविक बनाने वाले शारीरिक विवरण और रोर्क के भाव दोनों के प्रति कितनी सजग हैं।
हॉवर्ड रोर्क
लंबा, पतला। कुछ हद तक कोणीय - सीधी रेखाएं, सीधे कोण, मजबूत मांसपेशियां। तेज़ी से, सहजता से, बहुत सहजता से चलता है, थोड़ा झुककर, गति में एक ढीलापन सा सहजता, मानो गति के लिए किसी प्रयास की आवश्यकता ही न हो, एक ऐसा शरीर जिसके लिए गति उतनी ही स्वाभाविक है जितनी स्थिरता, उन्हें विभाजित करने वाली कोई निश्चित रेखा नहीं, गति में एक हल्का, प्रवाहमय, आलसी सहजता, एक ऐसी ऊर्जा जो इतनी परिपूर्ण है कि वह आलस्य की सहजता को अपना लेती है।
बड़े, लंबे हाथ—उंगलियों के जोड़ और कलाई की हड्डियाँ उभरी हुई, हाथों के पिछले हिस्से पर कठोर, उभरी हुई नसें; ऐसे हाथ जो न तो जवान दिखते हैं और न ही बूढ़े, बल्कि बेहद मजबूत। उनके कपड़े हमेशा अस्त-व्यस्त, बिखरे हुए और ढीले-ढाले होते

हैं, जो कपड़ों के लिए एक तरह की जंगली बेमेलता का संकेत देते हैं। उनके बाल निश्चित रूप से लाल, खुले और सीधे होते हैं, जो हमेशा बिखरे रहते हैं।
एक कठोर, भावहीन चेहरा, पारंपरिक मानकों के अनुसार बिल्कुल भी आकर्षक नहीं। सुंदर की तुलना में साधारण दिखने की अधिक संभावना। उभरी हुई गाल की हड्डियाँ। एक नुकीली, सीधी नाक। एक बड़ा मुंह—लंबा और सकरा, पतले ऊपरी होंठ के साथ और कुछ हद तक
उसका निचला होंठ उभरा हुआ है, जिससे ऐसा लगता है मानो वह कभी न खत्म होने वाली, जमी हुई आधी मुस्कान दे रहा हो, एक व्यंग्यात्मक, कठोर, असहज मुस्कान, उपहासपूर्ण और तिरस्कारपूर्ण। उसके होंठों के कोनों पर झुर्रियाँ, गड्ढे या हल्की उभरी हुई मांसपेशियाँ, सब कुछ है और कुछ भी स्पष्ट नहीं। उसका चेहरा पीला है, गालों पर कोई रंग नहीं है और नाक की हड्डी और गालों पर झाइयाँ हैं। उसकी भौहें गहरे लाल रंग की, सीधी और पतली हैं। उसकी आँखें गहरे भूरे रंग की, स्थिर और भावहीन हैं—सच कहें तो, ऐसी आँखें जो कोई भाव दिखाना ही नहीं चाहतीं। उसकी पलकें बहुत लंबी, सीधी और गहरे लाल रंग की हैं—पूरे चेहरे पर बस यही एक कोमल और सौम्य स्पर्श है—उसके गंभीर चेहरे में एक आश्चर्यजनक स्पर्श। और जब वह हंसता है—जो बहुत कम होता है—तो उसका मुंह पूरी तरह से खुल जाता है, एक बेफिक्री से। उसकी आवाज़ धीमी, कठोर और भारी है—खुरदरी नहीं, बल्कि स्वर में धुंधली, फिर भी स्पष्ट, उसी कोमल और सुस्त प्रवाह के साथ जैसे उसकी हरकतें, न तो कोमल हैं और न ही सुस्त...
वह अपने घोर स्वार्थ को लेकर भी उग्र या विद्रोही नहीं है। ठीक वैसे ही जैसे वह सांस लेने और खाने के अधिकार को लेकर विद्रोही नहीं हो सकता। उसके भीतर एक दृढ़ विश्वास की तरह शांत, पूर्ण और अटल स्थिरता है। कोई नाटक नहीं, कोई उन्माद नहीं, कोई संवेदनशीलता नहीं—क्योंकि कोई संदेह ही नहीं है। एक अटल सत्य की शांत, लगभग उदासीन स्वीकृति।
तेज़ बुद्धि वाला, साहसी और चोट से न डरने वाला एक व्यक्ति बहुत पहले ही यह बात पूरी तरह समझ चुका है कि दुनिया वह नहीं है जो वह है, बल्कि वह दुनिया वास्तव में क्या है। इसलिए, उसे अब चोट नहीं लग सकती। दुनिया में उसके लिए कोई दर्दनाक आश्चर्य नहीं है, क्योंकि उसने बहुत पहले ही यह स्वीकार कर लिया है कि दुनिया से उसे क्या उम्मीद करनी चाहिए...
वह कष्ट नहीं सहता, क्योंकि वह कष्ट में विश्वास नहीं करता।
हार या निराशा तो बस लड़ाई का एक हिस्सा है। कोई भी चीज़ उसे सचमुच छू नहीं सकती। उसे सिर्फ़ अपने काम की फ़िक्र होती है, अपनी भावनाओं की नहीं। उसकी भावनाएँ पूरी तरह से उसकी निजी हैं, जिन पर बाहरी किसी भी चीज़ या व्यक्ति का कोई असर नहीं पड़ सकता। उसकी भावना एक स्थिर, शांत लौ की तरह है, गहरी और छिपी हुई, जीने और अपनी शक्ति को जानने का एक गहरा आनंद, एक ऐसा आनंद जो आनंद होने का एहसास भी नहीं कराता, क्योंकि यह इतना स्थिर, स्वाभाविक और अपरिवर्तनीय है...
वह हर कीमत पर खुद जैसा ही रहेगा—जीवन से उसकी एकमात्र सच्ची इच्छा यही है। और अपने भीतर गहराई से वह जानता है कि उसमें खुद जैसा होने का अधिकार हासिल करने की क्षमता है। परिणामस्वरूप, उसका जीवन स्पष्ट, सरल, संतोषजनक और आनंदमय है—भले ही बाहरी तौर पर यह बहुत कठिन लगे।
वह हर संभव तरीके से दुनिया से संघर्ष कर रहा है—और फिर भी अपने आप से पूर्णतः संतुष्ट है। और दुनिया के बाकी लोगों से उसका मुख्य अंतर यह है कि वह दूसरों के बारे में सोचने की क्षमता के बिना पैदा हुआ था।
रास्ते में औपचारिकता और आवश्यकता के तौर पर, जब सहयात्रियों से मुलाकात होती है—हाँ। लेकिन मूलभूत, प्राथमिक विचार के तौर पर—नहीं...

धर्म—बिल्कुल नहीं। उसका एक अंश भी नहीं। जन्म से ही उसमें कोई धार्मिक भावना नहीं है। वह न तो झुकने और समर्पण की सहज प्रवृत्ति को समझता है और न ही उसकी कल्पना कर सकता है। उसकी श्रद्धा की सारी क्षमता स्वयं पर केंद्रित है। उसे किसी रहस्यमय "सांत्वना" की आवश्यकता नहीं है, न ही किसी अन्य जीवन की। वह इस दुनिया को इतना महत्व देता है कि किसी और दुनिया से कोई उम्मीद या इच्छा नहीं रखता...
यह कहानी हॉवर्ड रोर्क की विजय की कहानी है। इसमें यह दर्शाना होगा कि वह व्यक्ति कैसा है, उसकी इच्छाएं क्या हैं और वह उन्हें कैसे प्राप्त करता है। यह मनुष्य की आत्मा की विजय गाथा होनी चाहिए, एक ऐसा गीत जो मनुष्य के आत्म-सम्मान का गुणगान करता हो। इसमें उसके मार्ग में आने वाली हर संभव कठिनाई और बाधा को दर्शाना होगा—और यह भी कि वह उन पर कैसे विजय प्राप्त करता है, और उसे विजय क्यों प्राप्त करनी है।
एक साल बाद, 22 फरवरी, 1937 को, मिस रैंड टूही का एक प्रारंभिक रेखाचित्र बना रही थीं। यहाँ कुछ अंश दिए गए हैं:
एल्सवर्थ मोंकटन टूही
वह निरर्थक, “सेकेंड हैंड” व्यक्ति, जो जनमत की आवाज़ को व्यक्त और आकार देता है—आम आदमी—संक्षेप में, जो आम आदमी के गुणों के साथ-साथ उसके जैसे लोगों के उन विशिष्ट गुणों को भी दर्शाता है जो उसे आम आदमियों का स्वाभाविक नेता बनाते हैं। मुख्य भाव—एक दुष्ट, अंतर्मुखी अहंकार, सत्ता की निरर्थक लालसा, श्रेष्ठता की वह ललक जिसे केवल दूसरों के माध्यम से ही व्यक्त किया जा सकता है, जिन पर उसे हावी होना पड़ता है, और एक स्वाभाविक हीनता बोध जो अवचेतन रूप से हर चीज को हीनता में धकेल देता है...
वह पूरी तरह से "बौद्धिकता" में डूब गया। इसके दो कारण थे: पहला, अपनी स्पष्ट शारीरिक हीनता का अवचेतन बदला, एक ऐसा साधन जिससे वह ऐसी शक्ति प्राप्त कर सके जो उसका शरीर उसे कभी नहीं दे सकता था; दूसरा और मुख्य कारण—एक धूर्त धारणा कि दूसरों पर केवल मानसिक नियंत्रण ही सच्चा नियंत्रण है, कि यदि वह उन्हें मानसिक रूप से नियंत्रित कर सकता है तो वह वास्तव में उनका पूर्ण शासक है। उसका घमंड पीटर के निष्क्रिय घमंड जैसा नहीं है, जो वास्तव में अन्य लोगों से कोई खास मतलब नहीं रखता, बल्कि उन्हें केवल अपने घमंड के दर्पण के रूप में देखता है; टूही अन्य लोगों के प्रति बहुत चिंतित रहता है, और उसके मन में उन पर हावी होने की प्रबल इच्छा होती है...
टूही ने कई अन्य लोगों से पहले ही संख्या की अपार शक्ति, जनमानस की शक्ति को पहचान लिया है, जो बीसवीं सदी में पहली बार जीवन के सभी क्षेत्रों में, यहाँ तक कि बौद्धिक क्षेत्रों में भी, वास्तविक महत्व प्राप्त कर रही है। इस अर्थ में, वे सदी के महान व्यक्ति हैं, आधुनिक लोकतंत्र के सबसे बुरे अर्थों में भी प्रतिभा के धनी हैं। उनकी मान्यताओं का पहला आधार समानता है— जो उनका सबसे बड़ा जुनून है।
इसमें यह विचार शामिल है कि दो पैरों वाले मनुष्य होने के नाते, हम सभी में जन्म से ही एक निश्चित आंतरिक मूल्य होता है, न कि बंदरों के रूप में। मनुष्य के भीतर मौजूद कोई भी ठोस, मानसिक तत्व मायने नहीं रखता। एक महान बुद्धि, एक महान प्रतिभा या एक शानदार चरित्र उस आंतरिक मूल्य के सामने महत्वहीन है जो सभी मनुष्यों में होता है—चाहे वह कुछ भी हो। वह इस बात को लेकर कभी स्पष्ट नहीं हो पाता कि वह आंतरिक मूल्य क्या है और जब यह प्रश्न उठाया जाता है तो वह काफी चिढ़ जाता है... चूंकि उनके लिए विश्वास केवल एक साधन मात्र हैं, और विश्वासों में उनका विश्वास बस इतना ही है, इसलिए उन्हें अपनी असंगतियों, अस्पष्टता और तार्किक त्रुटियों से कोई फर्क नहीं पड़ता। उनके विश्वास उनके इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करने में कारगर और प्रभावी हैं। वे काम करते हैं—और उनका यही उद्देश्य है...

साम्यवाद, विशेष रूप से सोवियत साम्यवाद, महज एक आर्थिक सिद्धांत नहीं है। यह प्रत्येक व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता देने के लिए आर्थिक समानता और सुरक्षा की मांग नहीं करता है।
साम्यवाद, सर्वथा, एक आध्यात्मिक सिद्धांत है जो व्यक्ति को न केवल आर्थिक शक्ति के रूप में, बल्कि हर मायने में नकारता है। यह हर संभव तरीके से, आर्थिक, बौद्धिक, कलात्मक, जनसमूह के प्रति आध्यात्मिक अधीनता की मांग करता है; यह व्यक्तियों को जनसमूह के सेवक के रूप में, केवल आम जनता के मुखपत्र के रूप में ही आगे बढ़ने की अनुमति देता है। यह एल्सवर्थ मोनक्टन टूही को मानव पिरामिड के शीर्ष पर रखता है...
समाज की मौजूदा व्यवस्था का विरोध करते हुए टूही बड़े पूंजीपतियों और उनके धन का विरोध नहीं करते; वे उस समाज में अभी भी मौजूद व्यक्तिवाद की लुप्त होती अवधारणाओं और विशेषाधिकार प्राप्त कुछ लोगों को उसके भौतिक प्रतीक के रूप में चुनौती देते हैं। वे कहते हैं कि वे राकफेलर और मार्गन से लड़ रहे हैं; वे बीथोवेन और शेक्सपियर से लड़ रहे हैं...
टूही बेहद लगन से पढ़ाई करता है। तथ्यों और आंकड़ों को याद रखने की उसकी क्षमता अद्भुत है, उसे "चलती-फिरती ज्ञानकोश" कहा जाता है। यह स्वाभाविक है—क्योंकि उसमें कोई रचनात्मक बुद्धि नहीं है, बल्कि वह केवल दूसरों की नकल करने, रटने और ज्ञान को आत्मसात करने वाला दिमाग है। इसी कारण वह पढ़ाई में इतना लीन रहता है: उसके पास कुछ नया रचने को नहीं है, लेकिन वह दूसरों के कार्यों और उपलब्धियों को आत्मसात करके महत्व प्राप्त कर लेता है। वह एक स्पंज की तरह है, ताजे पानी के झरने की तरह नहीं...
वह आध्यात्मिक रूप से इतना दूषित व्यक्ति है कि उसका दुबला-पतला शारीरिक रूप उसके रक्त वाहिकाओं में भरे आध्यात्मिक मवाद का जीता-जागता प्रमाण प्रतीत होता है।
यदि उनकी डायरियों में ऐन रैंड को रचनात्मक कार्य के प्रति भावुकता से परिपूर्ण दिखाया गया है, तो वे उनके द्वारा कार्य के प्रारंभिक चरणों का निष्पक्ष विश्लेषण और आलोचना करने को भी प्रकट करती हैं। उदाहरण के लिए, अध्याय एक के पहले मसौदे पर उनकी टिप्पणियां (18 फरवरी, 1940) इस प्रकार हैं: अध्याय I रोर्क को बहुत जल्दी शामिल कर लिया गया—(उसके बारे में बहुत अधिक बता दिया गया है)—बहुत स्पष्ट रूप से वीर—लेखक की सहानुभूति बहुत स्पष्ट है। (?) डीन के साथ रोर्क का झगड़ा पसंद नहीं आया—इसे अलग तरह से प्रस्तुत किया जा सकता था। विचारों को संवाद के रूप में प्रस्तुत न करें—उन्हें वर्णन के रूप में प्रस्तुत करें (जैसे डीन और श्रीमती के विचार)।
कीटिंग के रोर्क द्वारा अपने चित्र में बदलाव करना—बहुत अधिक विवरण (?) इस पहले अध्याय में—रोर्क का पौधा: अलंकरण—कि उनकी इमारतें आधुनिक बक्से नहीं हैं?
इस प्रकार से पहले भाग के संपूर्ण अध्याय का विश्लेषण करने के बाद, मिस रैंड ने अपने लिए कुछ प्रमुख बिंदुओं का सारांश प्रस्तुत किया: सामान्य तौर पर पहले भाग के बारे में:
विचारों का संवाद न करें। विशेषणों पर नियंत्रण रखें—कमजोर करने वाले विशेषणों को हटा दें। विशेषणों का प्रयोग तभी करें जब वे भिन्न और स्पष्ट हों। मनोविज्ञान के अत्यधिक विस्तृत विश्लेषण में न पड़ें।
जब तक कि कहने के लिए कुछ नया और ज्ञानवर्धक न हो। वाक्यों या विचारों में कोई भी विवरण न दें, जब तक कि आपके पास कहने के लिए कुछ नया न हो।
जहां तक संभव हो, परोक्षता पर जोर दें, विशेषकर कीटिंग के संदर्भ में, लेकिन हर बार इसके एक अलग पहलू पर। उन प्रसंगों को हटा दें जिनका इस विषय से कोई संबंध

नहीं है। यह पुस्तक वास्तुकला के बारे में नहीं है, यह...
दुनिया के खिलाफ और दुनिया में मौजूद उस चीज़ के कामकाज के बारे में दहाड़ें जो उनका विरोध करती है। पृष्ठभूमि को वास्तविक बनाने के लिए केवल पर्याप्त शुद्ध वास्तुकला का उपयोग करें। लेकिन केवल एक पृष्ठभूमि के रूप में। घिसे-पिटे वाक्यांशों या सुविधाजनक बोलचाल की अभिव्यक्तियों को हटा दें, यहां तक कि उन जगहों पर भी जो केवल संक्रमणकालीन हैं, जैसे कि "और इसने फिल्म इतिहास रच दिया।"
“नाइटक्लबों का एक दौर,” इत्यादि।
इन पत्रिकाओं का सबसे रोचक और दार्शनिक भाग शोध को समर्पित पृष्ठ हैं। मिस रैंड ने वास्तुकला के बारे में पुस्तकों और जीवन के अनुभवों (जिसमें एक वर्ष वास्तुकार के कार्यालय में काम करना भी शामिल है) दोनों से सीखा। यहाँ 1937 के उनके कुछ शोध नोट्स दिए गए हैं, जो वास्तुकला और अन्य विषयों से संबंधित हैं। मैंने इन अंशों को यादृच्छिक रूप से चुना है, लेकिन इन्हें कालानुक्रमिक क्रम में प्रस्तुत किया है।
27 फरवरी, 1937
एक प्रासंगिक प्रश्न: पुस्तकालय भवन के बारे में लिखते हुए एक लाइब्रेरियन इस बात पर ज़ोर देते हैं कि पुस्तकालयों को यथासंभव जनता के लिए सुलभ बनाया जाना चाहिए —ताकि "पुस्तकालय को लोगों के करीब लाया जा सके"। "विशाल और आकर्षक प्रवेश द्वार ज़मीन के स्तर पर, सार्वजनिक मार्ग के निकट स्थित होने चाहिए, और पैदल यात्री और भवन के बीच कम से कम सीढ़ियाँ होनी चाहिए।" पुस्तकालय वास्तुकला के संदर्भ में यह बात काफ़ी हद तक सही हो सकती है, लेकिन व्यापक अर्थ में यह प्रश्न उठता है: क्या संस्कृति की सभी सुविधाओं को उन लोगों के सामने फैलाना उचित है जिनके लिए पुस्तकालय तक जाने वाली कुछ सीढ़ियाँ चढ़ना ही पढ़ने से रोकने के लिए पर्याप्त है?
27 मार्च, 1937
जनशक्ति के उदय का एक विशिष्ट उदाहरण—हीन लोगों का खुला अहंकार, जो अब अपने श्रेष्ठों की नकल करने की कोशिश नहीं करते, बल्कि अपनी हीनता, अपने औसत दर्जे और अपनी "लोकप्रियता" का खुलेआम प्रदर्शन करते हैं। एक ऐसी स्थिति जहाँ गुणवत्ता का कोई महत्व नहीं रह गया है, और जहाँ इसे त्यागा जा रहा है, इससे बचा जा रहा है, यहाँ तक कि इसे अस्वीकार भी किया जा रहा है।
तिरस्कृत। मानवता के सबसे निचले तबके के लोगों का अपने से बेहतर लोगों के प्रति तिरस्कार की भावना रखना एक विरोधाभास है, क्योंकि वे बेहतर हैं। केवल मात्रा को ही महत्व दिया जाता है—गुणवत्ता का तो कोई महत्व ही नहीं रह गया। आम जनता विजयी है। इसका एक वास्तविक उदाहरण: एक “जादू-टोना सिखाने वाले स्कूल” का मुखिया, जो एक घटिया धंधा है, एक “उच्च कोटि की” पत्रिका द्वारा हमला किए जाने पर घमंड से कहता है: “मुझे क्यों चिंता करनी चाहिए? वे कौन हैं? इतने वर्षों में उनके केवल एक लाख प्रतियां ही बिकी हैं। मेरे तो एक साल में दस लाख ग्राहक हैं!”
4 जून, 1937
समूह भावना का विशिष्ट और महत्वपूर्ण उदाहरण:
न्यूयॉर्क में स्थित "डेली न्यूज बिल्डिंग" (शहर की सबसे बदसूरत इमारत! एआर) के वास्तुकार रेमंड हुक एक आधुनिक वास्तुकार हैं जो सहयोग का उपदेश देते हैं और उसका अभ्यास भी करते हैं। उन्हें ऐसे वास्तुकार से कोई मतलब नहीं है जो "डिजाइन बनाने के लिए अपने कार्यालय में बंद हो जाता है और फिर उसे निर्माण के लिए ठेकेदार को या प्लंबिंग, हीटिंग और स्टील फिटिंग के लिए इंजीनियर को भेज देता है।" न ही उन्हें ऐसे वास्तुकार से कोई मतलब है जो "माउंट सिनाई पर जाकर मालिक, इंजीनियरों और जनता को परिणाम सौंप देता है।" उनके विचार में, और मेरे विचार में भी,

गगनचुंबी इमारतों के निर्माण के लिए सबसे अच्छे डिजाइन "विचारधाराओं के एक समूह से आते हैं जिसमें वास्तुकार एक कड़ी होता है।"
भीड़ का यही कहना है। और नतीजा—"डेली न्यूज बिल्डिंग"
और लेखक की इमारतें—खुद ही अपनी कहानी बयां करती हैं। किताब में मौजूद सबसे बदसूरत, सबसे सपाट, सबसे पारंपरिक, अर्थहीन, कल्पनाहीन और प्रेरणाहीन इमारतें होने के नाते।
इस प्रकार का वास्तुकार "सम्मेलन के माध्यम से" काम करता है जिसमें सभी संबंधित पक्ष भाग लेते हैं, उसके रेखाचित्रों पर चर्चा करते हैं, सुझाव देते हैं, आदि।
(हॉलीवुड स्टोरी कॉन्फ्रेंस) नतीजा वही होता है जो सामूहिक सृजन का हमेशा होता है—"औसत पर औसत।"
10 जून, 1937
नोट: लेखक और पिछले लेखक जैसे वास्तुकारों का "अनुपात," "ढाल," "शास्त्रीय उदाहरणों के प्रति विद्वतापूर्ण निष्ठा," आदि पर अत्यधिक ध्यान देना। वे हर छोटी-छोटी बात की चिंता करते हैं, सिवाय मुख्य बात के—रचना और उसका समग्र अर्थ। क्या यह उन लोगों जैसा नहीं है जो बारीकियों के बारे में बहुत अधिक चिंतित रहते हैं?
क्या लेखन के विषय पर ध्यान दिए बिना साहित्य में "शैली" और व्याकरण पर ध्यान देना चाहिए? फिर वही बात, "क्या" के मुकाबले "कैसे" पर। (फिर भी, "क्या")
लक्ष्य ही सब कुछ निर्धारित करता है, ठीक वैसे ही जैसे लक्ष्य ही साधनों को निर्धारित करता है, न कि इसका उल्टा। मेरा इरादा यह नहीं है कि "लक्ष्य" घटिया आचरण को उचित ठहराए।
दोनों में से कोई भी "साधन" नहीं है। "कैसे" हमेशा "क्या" के योग्य होना चाहिए। लेकिन इसके द्वारा निर्धारित।)
5 दिसंबर, 1937
आइए, एक बार और हमेशा के लिए यह तय कर लें कि इकाई क्या है और इकाई का कौन सा भाग मात्र है, जो इकाई के अधीन है। एक इमारत एक इकाई है—इसमें मौजूद अन्य सभी चीजें, जैसे मूर्तियां, भित्ति चित्र, अलंकरण, इकाई के भाग हैं और इकाई के निर्माता के रूप में वास्तुकार की इच्छा के अधीन हैं। यहां मूर्तिकारों और इसी तरह के अन्य कलाकारों के लिए "कारीगरों की स्वतंत्रता" की कोई बात नहीं है।
साथ ही—मनुष्य एक इकाई है, समाज नहीं। इसलिए मनुष्य को केवल समाज का एक अधीनस्थ भाग नहीं माना जा सकता, जिस पर शासन किया जाए और जिसे समाज के ताने-बाने में सुमाहित किया जाए।
(मेरा मानना है कि इमारत एक इकाई है, शहर नहीं, इसलिए शहर नियोजन को सभी इमारतों को नियंत्रित नहीं करना चाहिए। क्योंकि एक घर एक व्यक्ति की रचना हो सकता है, लेकिन शहर नहीं। और कोई भी सामूहिक इकाई किसी "इकाई" की एकता और अखंडता नहीं रख सकती।)
"सामूहिकतावाद" और "व्यक्तिवाद" में मौजूद अधिकांश भ्रम को दूर किया जा सकता है यदि मनुष्य इस बात को लेकर स्पष्ट हों कि इकाई क्या है और किसे इकाई माना जाना चाहिए।
जहां तक इस बारे में नियमों की बात है—यह मेरा भविष्य का काम होगा।
जो लोग आयन रैंड की ऑब्जेक्टिविस्ट एपिस्टेमोलॉजी की प्रस्तावना से परिचित हैं, वे जानते हैं कि उन्होंने भविष्य के इस अत्यधिक तकनीकी कार्य को कितनी आश्चर्यजनक रूप से पूरा किया।
हालांकि, तीस के दशक में, ऐन रैंड मुख्य रूप से नैतिकता से संबंधित थीं; वह मनुष्य के जीवन का एक उचित दृष्टिकोण परिभाषित और प्रस्तुत करना चाहती थीं।
यहां, 15 जनवरी, 1936 की एक टिप्पणी में, उन्होंने द फाउंटेनहेड लिखने का कारण बताया है:

यह बात भोली लग सकती है। लेकिन क्या हमारे जीवन में कभी कोई वास्तविकता होगी?
क्या हम कभी एक समान जीवन जी पाएंगे या जीवन हमेशा कुछ और ही रहेगा, कुछ ऐसा जो उसे नहीं होना चाहिए? एक वास्तविक जीवन, सरल, सच्चा और भोला-भाला, ही एकमात्र ऐसा जीवन है जहाँ मानव अस्तित्व की सारी संभावित भव्यता और सुंदरता वास्तव में पाई जा सकती है। क्या आज जो हमारे पास है, उसे स्वीकार करने के कोई वास्तविक कारण हैं? आज के जीवन को, उसके वास्तविक अर्थ और कारणों के साथ, किसी ने भी सही मायने में नहीं दिखाया है। मैं इसे दिखाने जा रहा हूँ। अगर यह एक सुंदर तस्वीर नहीं है, तो इसका विकल्प क्या है? मैंने 1949 में जब पहली बार 'द फाउंटेनहेड' पढ़ी थी, तब से इसे कई बार पढ़ा है। मैं इसे ज्यादातर जीवन के आनंद के लिए पढ़ता हूँ।
आयन रैंड द्वारा रचित "वैकल्पिक" दुनिया। मुझे आशा है कि कहानी ने आपको भी उतना ही आनंद दिया होगा।
- लियोनार्ड पेइकोफ़, इरविन, कैलिफ़ोर्निया, मार्च 1992

***** *****

sjeet